॥ श्रीहरिः ॥ 1594

सहस्त्रनामस्तोत्रसंग्रह

[देवी-देवताओंके सहस्त्रनामावलीसहित बाईस सहस्त्रनामस्तोत्र]



गीताप्रेस, गोरखपुर

॥ श्रीहरिः ॥

1594

सहस्रनामावलीयुक्त

सहस्रनामस्तोत्रसंग्रह



गीताप्रेस, गोरखपुर

1594

॥ श्रीहरिः ॥

सहस्रनामस्तोत्रसंग्रह

[देवी-देवताओंके सहस्रनामावलीसहित बाईस सहस्रनामस्तोत्र]

त्वमेव माता च पिता त्वमेव
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव
त्वमेव सर्वं मम देवदेव॥

गीताप्रेस, गोरखपुर

[1594] स० ना० स्तो० सं० 1

सं० २०६६ छठा पुनर्मुद्रण ४,०००
कुल मुद्रण २७,०००

❖ मूल्य—६५ रु०
(पैंसठ रुपये)

ISBN 81-293-1395-2

प्रकाशक एवं मुद्रक—
गीताप्रेस, गोरखपुर—२७३००५
(गोबिन्दभवन-कार्यालय, कोलकाता का संस्थान)
फोन : (०५५१) २३३४७२१, २३३१२५०; फैक्स : (०५५१) २३३६९९७
e-mail : booksales@gitapress.org website : www.gitapress.org

[1594]

॥ श्रीहरि: ॥

निवेदन

भगवान्‌का नाम स्वयंमें परात्पर परब्रह्म सच्चिदानन्दविग्रह है—

रामस्य नाम रूपं च लीला धाम परात्परम्।
एतच्चतुष्टयं सर्वं सच्चिदानन्दविग्रहम्॥

(वसिष्ठसंहिता)

रामका नाम, रूप, लीला और धाम—चारों ही परात्परस्वरूप हैं। इसीलिये नाम-जप, नाम-स्मरण तथा नाम-चिन्तनकी अत्यधिक महिमा कही गयी है और नामके माध्यमसे भगवदाराधना, उपासना करनेका शास्त्रोंमें विशेषरूपसे निरूपण हुआ है।

प्रारम्भसे ही भगवान्‌के अर्चन-पूजनमें 'सहस्रनाम' का अत्यधिक महत्त्व माना गया है। सहस्रनाम-जप तथा सहस्रनामार्चन पूजा-पद्धतिमें विशेष महत्त्व रखता है।

अपने शास्त्रोंमें पंचदेवोंकी उपासना पूर्ण ब्रह्मके रूपमें प्रस्तुत की गयी है। गणेश, विष्णु, शिव, दुर्गा और सूर्य—इन पंचदेवोंमेंसे किन्हीं एकको अपना इष्ट मानकर व्यक्ति आराधना करता है, इसलिये इन देवोंके 'सहस्रनामस्तोत्र' भक्तजनोंके कल्याणके लिये अपने आर्षग्रन्थोंमें प्राप्त होते हैं, जिनका पाठ भी किया जाता है तथा इनकी नामावलीसे अर्चा-पूजा भी की जाती है। इन देवोंका सहस्रनामार्चन विशिष्ट सामग्रीद्वारा करनेका अपने शास्त्रोंमें विधान मिलता है और उसकी विशेष महिमा भी बतायी गयी है। जैसे—विभिन्न कामनाओंकी पूर्तिके लिये गणपतिका सहस्रनामार्चन दूर्वा, लावा, मोदक आदिसे करनेका विधान है, तुलसीदलके द्वारा भगवान् विष्णुके सहस्रनामार्चनका विशेष महत्त्व माना गया है। इसी प्रकार भगवान् सदाशिवका

सहस्त्रनामार्चन बिल्वपत्रादिद्वारा करना प्रशस्त है। भगवान् सूर्यनारायणका सहस्त्रनामार्चन कमलपुष्पसे किया जाता है तथा भगवती दुर्गा जपापुष्प तथा कुंकुम-अक्षतादिके सहस्त्रनामार्चनसे प्रसन्न होती हैं। इन देवोंके विभिन्न अवतार भी हुए हैं और अनेक नाम-रूपोंमें इनकी उपासना करनेकी विधि भी है, जैसे भगवती दुर्गाकी आराधना गायत्री, लक्ष्मी, अन्नपूर्णा, ललिता, भवानी, राधा तथा सीता आदि अनेक नामरूपोंमें की जा सकती है। इसी प्रकार गणेश, सूर्य, शिव और विष्णुके भी अनेक नाम और स्वरूप अपने शास्त्रोंमें प्राप्त हैं, अतः सभीके सहस्त्रनाम ग्रंथोंमें उपलब्ध हैं।

गीताप्रेसके द्वारा पूर्वमें कुछ देवोंके सहस्त्रनाम स्वतन्त्ररूपसे प्रकाशित हुए हैं। इस बार यह प्रयास किया गया कि इन विभिन्न नाम-रूपोंमें यथासाध्य सभी देवी-देवताओंके सहस्त्रनामस्तोत्रोंका संग्रह एक साथ प्रकाशित किया जाय। इसके साथ ही अर्चन-पूजनकी सुविधाकी दृष्टिसे इन स्तोत्रोंकी नामावली भी दी गयी है। संख्याकी दृष्टिसे इन नामावलियोंमें एक सहस्त्र अथवा इससे अधिक भी नाम प्राप्त हैं।

सहस्त्रनामस्तोत्रोंके पूर्व विनियोग, अङ्ग-न्यास तथा ध्यानके मन्त्र भी यथासाध्य देनेका प्रयास किया गया है, जिनका प्रयोग सहस्त्रार्चनमें किया जा सकता है।

परमात्मप्रभुकी प्रसन्नताके निमित्त किया गया सहस्त्रनामस्तोत्रका पाठ तथा सहस्त्रार्चन अनन्त फलदायक होता है।

आशा है भक्तजन इससे लाभान्वित होंगे।

—राधेश्याम खेमका

॥ श्रीहरिः ॥

संक्षिप्त प्रयोग-विधि

सर्वप्रथम स्नान आदिसे पवित्र हो जाय। जिन देवताके सहस्रनामस्तोत्रका पाठ करना हो अथवा सहस्रार्चन करना हो, उनकी प्रतिमाको अपने सम्मुख किसी काष्ठपीठ आदिपर यथाविधि स्थापित कर ले, अपने बैठनेका आसन भी लगा ले। पूजन आदिकी सभी सामग्रियोंको यथास्थान रखकर अपने आसनपर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख बैठ जाय। दीपक जलाकर पूर्वाभिमुख रख दे और हाथ धो ले। '**दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते**' कहकर पुष्प अर्पितकर कर्मसाक्षी दीपकका पूजन कर ले। तिलक लगा ले तथा निम्न मन्त्रोंसे आचमन करे—

'**ॐ केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः। ॐ माधवाय नमः।**' तथा **ॐ हृषीकेशाय नमः**' कहकर हाथ धो ले।

निम्न मन्त्रसे अपने ऊपर जल छिड़ककर मार्जन कर ले—

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

तदनन्तर दाहिने हाथमें जल, पुष्प तथा अक्षत लेकर निम्न संकल्प करे—

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणः द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशे ···नगरे/ग्रामे ···वैक्रमाब्दे ···संवत्सरे ···मासे ···पक्षे ···तिथौ ···वासरे ···गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्तोऽहं ···देवप्रीत्यर्थं[1] **सहस्रनामस्तोत्रपाठं करिष्ये।** (यदि सहस्रार्चन करना हो तो '**सहस्रनामार्चनं करिष्ये**'—ऐसा बोलना चाहिये।)

हाथका जलाक्षत छोड़ दे। कार्यकी निर्विघ्न सिद्धिके लिये श्रीगणेशजीका स्मरण कर ले।

१- अगर किसी कामनाकी सिद्धिके लिये सहस्रार्चन करना हो तो संकल्पमें '**यथेप्सितकार्यसिद्धिद्वारा ···देवप्रीत्यर्थं यथालब्धोपचारैः पूजनपूर्वकं ···द्रव्यैः सहस्रार्चनं करिष्ये**'—ऐसी योजना कर ले।

जिन देवताका अर्चन-पूजन करना हो, उनके विनियोगका मन्त्र पढ़कर जल छोड़ना चाहिये तथा अङ्गन्यास करना चाहिये। विनियोग और अङ्गन्यासके मन्त्र यथासाध्य स्तोत्रोंके प्रारम्भमें लिखे गये हैं, जिनका उपयोग सहस्रार्चनमें भी किया जा सकता है। यदि विनियोग एवं अङ्गन्यासके मन्त्र उपलब्ध न हों तो अधिकारानुसार गायत्री मन्त्रके अनुसार भी कर सकते हैं।

इसके अनन्तर देवताका ध्यान, जो स्तोत्रोंके साथ दिया गया है, उससे भक्तिभावपूर्वक देवताके स्वरूपका ध्यान करना चाहिये तथा निम्नलिखित मन्त्रोंसे पञ्चोपचार मानस-पूजन करके स्तोत्रका पाठ करना चाहिये—

मानस-पूजन—

१-ॐ लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं पृथिवीरूप गन्ध (चन्दन) आपको अर्पित करता हूँ।)

२-ॐ हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं आकाशरूप पुष्प आपको अर्पित करता हूँ।)

३-ॐ यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं वायुदेवके रूपमें धूप आपको प्रदान करता हूँ।)

४-ॐ रं वह्न्यात्मकं दीपं दर्शयामि।

(प्रभो! मैं अग्निदेवके रूपमें दीपक आपको प्रदान करता हूँ।)

५-ॐ वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।

(प्रभो! मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूँ।)

६-ॐ सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।

(प्रभो! मैं सर्वात्माके रूपमें संसारके सभी उपचारोंको आपके चरणोंमें समर्पित करता हूँ।)

इन मन्त्रोंसे भावनापूर्वक मानसपूजा की जा सकती है।

सहस्रार्चन करते समय उपलब्ध सामग्रियोंसे षोडशोपचार या पञ्चोपचारपूजन करना चाहिये, तदनन्तर सहस्रनामावलीके प्रत्येक नाममन्त्रसे सामग्री इष्टदेवपर चढ़ाये। स्त्रियों तथा जिनका यज्ञोपवीत नहीं हुआ है, उन्हें प्रत्येक नामके पहले 'ॐ' के स्थानपर 'श्री' शब्दका प्रयोग करना चाहिये, जैसे—श्रीगणेश्वराय नमः। अन्तमें आरती, पुष्पाञ्जलि तथा क्षमा-प्रार्थना करके अर्चनको पूर्ण करे।



॥ श्रीहरिः ॥

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या

सहस्रनाम

शतनाम



॥ श्रीगणपतये नमः ॥

गकारादिश्रीगणपतिसहस्त्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीगणपतिगकारादिसहस्त्रनाममालामन्त्रस्य दुर्वासा ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीगणपतिर्देवता, गं बीजम्, स्वाहा शक्तिः, ग्लौं कीलकम्, मम सकलाभीष्टसिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः।

करन्यासः

ॐ अङ्गुष्ठाभ्यां नमः, श्रीं तर्जनीभ्यां नमः, ह्रीं मध्यमाभ्यां नमः, क्रीं अनामिकाभ्यां नमः, ग्लौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, गं करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः। एवं हृदयादिन्यासः। अथवा षड्दीर्घ-भाजागमितिबीजेन कराङ्गन्यासः।

ध्यानम्

ओंकारसंनिभमिभाननमिन्दुभालं
मुक्ताग्रबिन्दुममलद्युतिमेकदन्तम्।
लम्बोदरं कलचतुर्भुजमादिदेवं
ध्यायेन्महागणपतिं मतिसिद्धिकान्तम्॥*

स्तोत्रम्

ॐ गणेश्वरो गणाध्यक्षो गणाराध्यो गणप्रियः।
गणनाथो गणस्वामी गणेशो गणनायकः॥ १॥
गणमूर्तिर्गणपतिर्गणत्राता गणञ्जयः।
गणपोऽथ गणक्रीडो गणदेवो गणाधिपः॥ २॥

---

* ओंकार-सदृश, हाथीके-से मुखवाले, जिनके ललाटपर चन्द्रमा और बिन्दुतुल्य मुक्ता विराजमान है, जो बड़े तेजस्वी और एक दाँतवाले हैं, जिनका उदर लम्बा है, जिनकी चार सुन्दर भुजाएँ हैं, उन बुद्धि और सिद्धिके स्वामी आदिदेव गणेशजीका हम ध्यान करते हैं।

गणज्येष्ठो गणश्रेष्ठो गणप्रेष्ठो गणाधिराट्।
गणराड् गणगोप्ताथ गणाङ्गो गणदैवतम्॥ ३ ॥
गणबन्धुर्गणसुहृद् गणाधीशो गणप्रथः।
गणप्रियसखः शश्वद् गणप्रियसुहृत् तथा॥ ४ ॥
गणप्रियरतो नित्यं गणप्रीतिविवर्धनः।
गणमण्डलमध्यस्थो गणकेलिपरायणः॥ ५ ॥
गणाग्रणीर्गणेशानो गणगीतो गणोच्छ्रयः।
गण्यो गणहितो गर्जद्गणसेनो गणोद्धतः॥ ६ ॥
गणभीतिप्रमथनो गणभीत्यपहारकः।
गणनार्हो गणप्रौढो गणभर्ता गणप्रभुः॥ ७ ॥
गणसेनो गणचरो गणप्राज्ञो गणैकराट्।
गणाग्र्यो गणनामा च गणपालनतत्परः॥ ८ ॥
गणजिद् गणगर्भस्थो गणप्रवणमानसः।
गणगर्वपरीहर्ता गणो गणनमस्कृतः॥ ९ ॥
गणार्चिताङ्घ्रियुगलो गणरक्षणकृत् सदा।
गणध्यातो गणगुरुर्गणप्रणयतत्परः॥ १० ॥
गणागणपरित्राता गणाधिहरणोद्धुरः।
गणसेतुर्गणनुतो गणकेतुर्गणाग्रगः॥ ११ ॥
गणहेतुर्गणग्राही गणानुग्रहकारकः।
गणागणानुग्रहभूर्गणागणवरप्रदः॥ १२ ॥
गणस्तुतो गणप्राणो गणसर्वस्वदायकः।
गणवल्लभमूर्तिश्च गणभूतिर्गणेष्टदः॥ १३ ॥

गणसौख्यप्रदाता च गणदुःखप्रणाशनः।
गणप्रथितनामा च गणाभीष्टकरः सदा॥ १४॥
गणमान्यो गणख्यातो गणवीतो गणोत्कटः।
गणपालो गणवरो गणगौरवदायकः॥ १५॥
गणगर्जितसंतुष्टो गणस्वच्छन्दगः सदा।
गणराजो गणश्रीदो गणाभयकरः क्षणात्॥ १६॥
गणमूर्द्धाभिषिक्तश्च गणसैन्यपुरःसरः।
गुणातीतो गुणमयो गुणत्रयविभागकृत्॥ १७॥
गुणी गुणाकृतिधरो गुणशाली गुणप्रियः।
गुणपूर्णो गुणाम्भोधिर्गुणभाग् गुणदूरगः॥ १८॥
गुणागुणवपुर्गौणशरीरो गुणमण्डितः।
गुणस्त्रष्टा गुणेशानो गुणेशोऽथ गुणेश्वरः॥ १९॥
गुणसृष्टजगत्संघो गुणसंघो गुणैकराट्।
गुणप्रवृष्टो गुणभूर्गुणीकृतचराचरः॥ २०॥
गुणप्रवणसंतुष्टो गुणहीनपराङ्मुखः।
गुणैकभूर्गुणश्रेष्ठो गुणज्येष्ठो गुणप्रभुः॥ २१॥
गुणज्ञो गुणसम्पूज्यो गुणैकसदनं सदा।
गुणप्रणयवान् गौणप्रकृतिर्गुणभाजनम्॥ २२॥
गुणिप्रणतपादाब्जो गुणिगीतो गुणोज्ज्वलः।
गुणवान् गुणसम्पन्नो गुणानन्दितमानसः॥ २३॥
गुणसंचारचतुरो गुणसंचयसुन्दरः।
गुणगौरो गुणाधारो गुणसंवृतचेतनः॥ २४॥

गुणकृद् गुणभृन्नित्यं गुणाग्र्यो गुणपारदृक्।
गुणप्रचारी गुणयुग् गुणागुणविवेककृत्॥ २५॥
गुणाकरो गुणकरो गुणप्रवणवर्धनः।
गुणगूढचरो गौणसर्वसंसारचेष्टितः॥ २६॥
गुणदक्षिणसौहार्दो गुणलक्षणतत्त्ववित्।
गुणहारी गुणकलो गुणसङ्गसखः सदा॥ २७॥
गुणसंस्कृतसंसारो गुणतत्त्वविवेचकः।
गुणगर्वधरो गौणसुखदुःखोदयो गुणः॥ २८॥
गुणाधीशो गुणलयो गुणवीक्षणलालसः।
गुणगौरवदाता च गुणदाता गुणप्रदः॥ २९॥
गुणकृद्गुणसम्बन्धो गुणभृद्गुणबन्धनः।
गुणहृद्यो गुणस्थायी गुणदायी गुणोत्कटः॥ ३०॥
गुणचक्रधरो गौणावतारो गुणबान्धवः।
गुणबन्धुर्गुणप्रज्ञो गुणप्राज्ञो गुणालयः॥ ३१॥
गुणधाता गुणप्राणो गुणगोपो गुणाश्रयः।
गुणयायी गुणाधायी गुणपो गुणपालकः॥ ३२॥
गुणाहृततनुर्गौणो गीर्वाणो गुणगौरवः।
गुणवत्पूजितपदो गुणवत्प्रीतिदायकः॥ ३३॥
गुणवद्गीतकीर्तिश्च गुणवद्बद्धसौहृदः।
गुणवद्वरदो नित्यं गुणवत्प्रतिपालकः॥ ३४॥
गुणवद्गुणसंतुष्टो गुणवद्रचितस्तवः।
गुणवद्रक्षणपरो गुणवत्प्रणयप्रियः॥ ३५॥

गुणवच्चक्रसंचारो गुणवत्कीर्तिवर्धनः ।
गुणवद्गुणचित्तस्थो गुणवद्गुणरक्षकः ॥ ३६ ॥
गुणवत्पोषणकरो गुणवच्छत्रुसूदनः ।
गुणवत्सिद्धिदाता च गुणवद्गौरवप्रदः ॥ ३७ ॥
गुणवत्प्रवणस्वान्तो गुणवद्गुणभूषणः ।
गुणवत्कुलविद्वेषिविनाशकरणक्षमः ॥ ३८ ॥
गुणिस्तुतगुणो गर्जत्प्रलयाम्बुदनिःस्वनः ।
गजो गजपतिर्गर्जद्गजयुद्धविशारदः ॥ ३९ ॥
गजास्यो गजकर्णोऽथ गजराजो गजाननः ।
गजरूपधरो गर्जद्गजयूथोद्धुरध्वनिः ॥ ४० ॥
गजाधीशो गजाधारो गजासुरजयोद्धुरः ।
गजदन्तो गजवरो गजकुम्भो गजध्वनिः ॥ ४१ ॥
गजमायो गजमयो गजश्रीर्गजगर्जितः ।
गजामयहरो नित्यं गजपुष्टिप्रदायकः ॥ ४२ ॥
गजोत्पत्तिर्गजत्राता गजहेतुर्गजाधिपः ।
गजमुख्यो गजकुलप्रवरो गजदैत्यहा ॥ ४३ ॥
गजकेतुर्गजाध्यक्षो गजसेतुर्गजाकृतिः ।
गजवन्द्यो गजप्राणो गजसेव्यो गजप्रभुः ॥ ४४ ॥
गजमत्तो गजेशानो गजेशो गजपुङ्गवः ।
गजदन्तधरो गुञ्जन्मधुपो गजवेषभृत् ॥ ४५ ॥
गजच्छन्नो गजाग्रस्थो गजयायी गजाजयः ।
गजराड् गजयूथस्थो गजगञ्जकभञ्जकः ॥ ४६ ॥

गर्जितोज्झितदैत्यासुर्गर्जितत्रातविष्टपः ।
गानज्ञो गानकुशलो गानतत्त्वविवेचकः ॥ ४७ ॥
गानश्लाघी गानरसो गानज्ञानपरायणः ।
गानागमज्ञो गानाङ्गो गानप्रवणचेतनः ॥ ४८ ॥
गानकृद्गानचतुरो गानविद्याविशारदः ।
गानध्येयो गानगम्यो गानध्यानपरायणः ॥ ४९ ॥
गानभूर्गानशीलश्च गानशाली गतश्रमः ।
गानविज्ञानसम्पन्नो गानश्रवणलालसः ॥ ५० ॥
गानयत्तो गानमयो गानप्रणयवान् सदा ।
गानध्याता गानबुद्धिर्गानोत्सुकमनाः पुनः ॥ ५१ ॥
गानोत्सुको गानभूमिर्गानसीमा गुणोज्ज्वलः ।
गानाङ्गज्ञानवान् गानमानवान् गानपेशलः ॥ ५२ ॥
गानवत्प्रणयो गानसमुद्रो गानभूषणः ।
गानसिन्धुर्गानपरो गानप्राणो गणाश्रयः ॥ ५३ ॥
गानैकभूर्गानहृष्टो गानचक्षुर्गणैकदृक् ।
गानमत्तो गानरुचिर्गानविद्गानवित्प्रियः ॥ ५४ ॥
गानान्तरात्मा गानाढ्यो गानभ्राजत्सभः सदा ।
गानमायो गानधरो गानविद्याविशोधकः ॥ ५५ ॥
गानाहितघ्नो गानेन्द्रो गानलीनो गतिप्रियः ।
गानाधीशो गानलयो गानाधारो गतीश्वरः ॥ ५६ ॥
गानवन्मानदो गानभूतिर्गानैकभूतिमान् ।
गानताननतो गानतानदानविमोहितः ॥ ५७ ॥

गुरुर्गुरूदरश्रोणिर्गुरुतत्त्वार्थदर्शनः ।
गुरुस्तुतो गुरुगुणो गुरुमायो गुरुप्रियः ॥ ५८ ॥
गुरुकीर्तिर्गुरुभुजो गुरुवक्षा गुरुप्रभः ।
गुरुलक्षणसम्पन्नो गुरुद्रोहपराङ्मुखः ॥ ५९ ॥
गुरुविद्यो गुरुप्राणो गुरुबाहुबलोच्छ्रयः ।
गुरुदैत्यप्राणहरो गुरुदैत्यापहारकः ॥ ६० ॥
गुरुगर्वहरो गुह्यप्रवरो गुरुदर्पहा ।
गुरुगौरवदायी च गुरुभीत्यपहारकः ॥ ६१ ॥
गुरुशुण्डो गुरुस्कन्धो गुरुजङ्घो गुरुप्रथः ।
गुरुभालो गुरुगलो गुरुश्रीर्गुरुगर्वनुत् ॥ ६२ ॥
गुरूरुगुरुपीनांसो गुरुप्रणयलालसः ।
गुरुमुख्यो गुरुकुलस्थायी गुरुगुणः सदा ॥ ६३ ॥
गुरुसंशयभेत्ता च गुरुमानप्रदायकः ।
गुरुधर्मसदाराध्यो गुरुधर्मनिकेतनः ॥ ६४ ॥
गुरुदैत्यकुलच्छेत्ता गुरुसैन्यो गुरुद्युतिः ॥ ६५ ॥
गुरुधर्माग्रगण्योऽथ गुरुधर्मधुरन्धरः ।
गरिष्ठो गुरुसंतापशमनो गुरुपूजितः ॥ ६६ ॥
गुरुधर्मधरो गौरधर्माधारो गदापहः ।
गुरुशास्त्रविचारज्ञो गुरुशास्त्रकृतोद्यमः ॥ ६७ ॥
गुरुशास्त्रार्थनिलयो गुरुशास्त्रालयः सदा ।
गुरुमन्त्रो गुरुश्रेष्ठो गुरुमन्त्रफलप्रदः ॥ ६८ ॥
गुरुस्त्रीगमनोद्दामप्रायश्चित्तनिवारकः ।
गुरुसंसारसुखदो गुरुसंसारदुःखभित् ॥ ६९ ॥

गुरुश्लाघापरो गौरभानुखण्डावतंसभृत्।
गुरुप्रसन्नमूर्तिश्च गुरुशापविमोचकः॥ ७०॥
गुरुकान्तिर्गुरुमयो गुरुशासनपालकः।
गुरुतन्त्रो गुरुप्रज्ञो गुरुभो गुरुदैवतम्॥ ७१॥
गुरुविक्रमसंचारो गुरुदृग् गुरुविक्रमः।
गुरुक्रमो गुरुप्रेष्ठो गुरुपाखण्डखण्डकः॥ ७२॥
गुरुगर्जितसम्पूर्णब्रह्माण्डो गुरुगर्जितः।
गुरुपुत्रप्रियसखो गुरुपुत्रभयापहः॥ ७३॥
गुरुपुत्रपरित्राता गुरुपुत्रवरप्रदः।
गुरुपुत्रार्तिशमनो गुरुपुत्राधिनाशनः॥ ७४॥
गुरुपुत्रप्राणदाता गुरुभक्तिपरायणः।
गुरुविज्ञानविभवो गौरभानुवरप्रदः॥ ७५॥
गौरभानुस्तुतो गौरभानुत्रासापहारकः।
गौरभानुप्रियो गौरभानुर्गौरववर्धनः॥ ७६॥
गौरभानुपरित्राता गौरभानुसखः सदा।
गौरभानुप्रभुर्गौरभानुभीतिप्रणाशनः॥ ७७॥
गौरीतेजःसमुत्पन्नो गौरीहृदयनन्दनः।
गौरीस्तनन्धयो गौरीमनोवाञ्छितसिद्धिकृत्॥ ७८॥
गौरो गौरगुणो गौरप्रकाशो गौरभैरवः।
गौरीशनन्दनो गौरीप्रियपुत्रो गदाधरः॥ ७९॥
गौरीवरप्रदो गौरीप्रणयो गौरसच्छविः।
गौरीगणेश्वरो गौरीप्रवणो गौरभावनः॥ ८०॥

गौरात्मा गौरकीर्तिश्च गौरभावो गरिष्ठदृक् ।
गौतमो गौतमीनाथो गौतमीप्राणवल्लभः ॥ ८१ ॥
गौतमाभीष्टवरदो गौतमाभयदायकः ।
गौतमप्रणयप्रह्वो गौतमाश्रमदुःखहा ॥ ८२ ॥
गौतमीतीरसंचारी गौतमीतीर्थनायकः ।
गौतमापत्परिहरो गौतमाधिविनाशनः ॥ ८३ ॥
गोपतिर्गोधनो गोपो गोपालप्रियदर्शनः ।
गोपालो गोगणाधीशो गोकश्मलनिवर्तकः ॥ ८४ ॥
गोसहस्त्रो गोपवरो गोपगोपीसुखावहः ।
गोवर्धनो गोपगोपो गोपो गोकुलवर्धनः ॥ ८५ ॥
गोचरो गोचराध्यक्षो गोचरप्रीतिवृद्धिकृत् ।
गोमी गोकष्टसंत्राता गोसंतापनिवर्तकः ॥ ८६ ॥
गोष्ठो गोष्ठाश्रयो गोष्ठपतिर्गोधनवर्धनः ।
गोष्ठप्रियो गोष्ठमयो गोष्ठामयनिवर्तकः ॥ ८७ ॥
गोलोको गोलको गोभृद् गोभर्ता गोसुखावहः ।
गोधुग् गोधुग्गणप्रेष्ठो गोदोग्धा गोमयप्रियः ॥ ८८ ॥
गोत्रं गोत्रपतिर्गोत्रप्रभुर्गोत्रभयापहः ।
गोत्रवृद्धिकरो गोत्रप्रियो गोत्रार्तिनाशनः ॥ ८९ ॥
गोत्रोद्धारपरो गोत्रप्रवरो गोत्रदैवतम् ।
गोत्रविख्यातनामा च गोत्री गोत्रप्रपालकः ॥ ९० ॥
गोत्रसेतुर्गोत्रकेतुर्गोत्रहेतुर्गतक्लमः ।
गोत्रत्राणकरो गोत्रपतिर्गोत्रेशपूजितः ॥ ९१ ॥

गोत्रभिद् गोत्रभित्त्राता गोत्रभिद्वरदायकः।
गोत्रभित्पूजितपदो गोत्रभिच्छत्रुसूदनः॥ १२ ॥
गोत्रभित्प्रीतिदो नित्यं गोत्रभिद्गोत्रपालकः।
गोत्रभिद्गीतचरितो गोत्रभिद्राज्यरक्षकः॥ १३ ॥
गोत्रभिज्जयदायी च गोत्रभित्प्रणयः सदा।
गोत्रभिद्भयसम्भेत्ता गोत्रभिन्मानदायकः॥ १४ ॥
गोत्रभिद्गोपनपरो गोत्रभित्सैन्यनायकः।
गोत्राधिपप्रियो गोत्रपुत्रीपुत्रो गिरिप्रियः ॥ १५ ॥
ग्रन्थज्ञो ग्रन्थकृद्ग्रन्थग्रन्थिभिद्ग्रन्थविघ्नहा।
ग्रन्थादिर्ग्रन्थसंचारो ग्रन्थश्रवणलोलुपः॥ १६ ॥
ग्रन्थाधीनक्रियो ग्रन्थप्रियो ग्रन्थार्थतत्त्ववित्।
ग्रन्थसंशयसंछेदी ग्रन्थवक्ता ग्रहाग्रणीः॥ १७ ॥
ग्रन्थगीतगुणो ग्रन्थगीतो ग्रन्थादिपूजितः।
ग्रन्थारम्भस्तुतो ग्रन्थग्राही ग्रन्थार्थपारदृक्॥ १८ ॥
ग्रन्थदृग् ग्रन्थविज्ञानो ग्रन्थसंदर्भशोधकः।
ग्रन्थकृत्पूजितो ग्रन्थकरो ग्रन्थपरायणः॥ १९ ॥
ग्रन्थपारायणपरो ग्रन्थसंदेहभञ्जकः।
ग्रन्थकृद्वरदाता च ग्रन्थकृद्वन्दितः सदा॥ १००॥
ग्रन्थानुरक्तो ग्रन्थज्ञो ग्रन्थानुग्रहदायकः।
ग्रन्थान्तरात्मा ग्रन्थार्थपण्डितो ग्रन्थसौहृदः॥ १०१॥
ग्रन्थपारङ्गमो ग्रन्थगुणविद् ग्रन्थविग्रहः।
ग्रन्थसेतुर्ग्रन्थहेतुर्ग्रन्थकेतुर्ग्रहाग्रगः ॥ १०२॥

ग्रन्थपूज्यो ग्रन्थगेयो ग्रन्थग्रथनलालसः।
ग्रन्थभूमिर्ग्रहश्रेष्ठो ग्रहकेतुर्ग्रहाश्रयः॥ १०३॥
ग्रन्थकारो ग्रन्थकारमान्यो ग्रन्थप्रसारकः।
ग्रन्थश्रमज्ञो ग्रन्थाङ्गो ग्रन्थभ्रमनिवारकः॥ १०४॥
ग्रन्थप्रवणसर्वाङ्गो ग्रन्थप्रणयतत्परः।
गीतं गीतगुणो गीतकीर्तिर्गीतविशारदः॥ १०५॥
गीतस्फीतयशा गीतप्रणयो गीतचञ्चुरः।
गीतप्रसन्नो गीतात्मा गीतलोलो गतस्पृहः॥ १०६॥
गीताश्रयो गीतमयो गीततत्त्वार्थकोविदः।
गीतसंशयसंछेत्ता गीतसंगीतशासनः॥ १०७॥
गीतार्थज्ञो गीततत्त्वो गीतातत्त्वं गताश्रयः।
गीतासारोऽथ गीताकृद्गीताकृद्विघ्ननाशनः॥ १०८॥
गीताशक्तो गीतलीनो गीताविगतसंज्वरः।
गीतैकदृग् गीतभूतिर्गीतप्रीतो गतालसः॥ १०९॥
गीतवाद्यपटुर्गीतप्रभुर्गीतार्थतत्त्ववित्।
गीतागीतविवेकज्ञो गीताप्रवणचेतनः॥ ११०॥
गतभीर्गतविद्वेषो गतसंसारबन्धनः।
गतमायो गतत्रासो गतदुःखो गतज्वरः॥ १११॥
गतासुहृद् गताज्ञानो गतदुष्टाशयो गतः।
गतार्तिर्गतसंकल्पो गतदुष्टविचेष्टितः॥ ११२॥
गताहंकारसंचारो गतदर्पो गताहितः।
गतविघ्नो गतभयो गतागतनिवारकः॥ ११३॥

गतव्यथो गतापायो गतदोषो गतेः परः।
गतसर्वविकारोऽथ गतगञ्जितकुञ्जरः॥ ११४॥
गतकम्पितभूपृष्ठो गतरुग् गतकल्मषः।
गतदैन्यो गतस्तैन्यो गतमानो गतश्रमः॥ ११५॥
गतक्रोधो गतग्लानिर्गतम्लानो गतभ्रमः।
गताभावो गतभवो गततत्त्वार्थसंशयः॥ ११६॥
गयासुरशिरश्छेत्ता गयासुरवरप्रदः।
गयावासो गयानाथो गयावासिनमस्कृतः॥ ११७॥
गयातीर्थफलाध्यक्षो गयायात्राफलप्रदः।
गयामयो गयाक्षेत्रं गयाक्षेत्रनिवासकृत्॥ ११८॥
गयावासिस्तुतो गायन्मधुव्रतलसत्कटः।
गायको गायकवरो गायकेष्टफलप्रदः॥ ११९॥
गायकप्रणयी गाता गायकाभयदायकः।
गायकप्रवणस्वान्तो गायकः प्रथमः सदा॥ १२०॥
गायकोद्गीतसम्प्रीतो गायकोत्कटविघ्नहा।
गानगेयो गायकेशो गायकान्तरसञ्चरः॥ १२१॥
गायकप्रियदः शश्वद् गायकाधीनविग्रहः।
गेयो गेयगुणो गेयचरितो गेयतत्त्ववित्॥ १२२॥
गायकत्रासहा ग्रन्थो ग्रन्थतत्त्वविवेचकः।
गाढानुरागो गाढाङ्गो गाढगङ्गाजलोऽन्वहम्॥ १२३॥
गाढावगाढजलधिर्गाढप्रज्ञो गतामयः।
गाढप्रत्यर्थिसैन्योऽथ गाढानुग्रहतत्परः॥ १२४॥

गाढश्लेषरसाभिज्ञो गाढनिर्वृतिसाधकः।
गङ्गाधरेष्टवरदो गङ्गाधरभयापहः॥ १२५॥
गङ्गाधरगुरुर्गङ्गाधरध्यातपदः सदा।
गङ्गाधरस्तुतो गङ्गाधराराध्यो गतस्मयः॥ १२६॥
गङ्गाधरप्रियो गङ्गाधरो गङ्गाम्बुसुन्दरः।
गङ्गाजलरसास्वादचतुरो गाङ्गतीरयः॥ १२७॥
गङ्गाजलप्रणयवान् गङ्गातीरविहारकृत्।
गङ्गाप्रियो गाङ्गजलावगाहनपरः सदा॥ १२८॥
गन्धमादनसंवासो गन्धमादनकेलिकृत्।
गन्धानुलिप्तसर्वाङ्गो गन्धलुब्धमधुव्रतः॥ १२९॥
गन्धो गन्धर्वराजोऽथ गन्धर्वप्रियकृत् सदा।
गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञो गन्धर्वप्रीतिवर्धनः॥ १३०॥
गकारबीजनिलयो गकारो गर्विगर्वनुत्।
गन्धर्वगणसंसेव्यो गन्धर्ववरदायकः॥ १३१॥
गन्धर्वो गन्धमातङ्गो गन्धर्वकुलदैवतम्।
गन्धर्वगर्वसंछेत्ता गन्धर्ववरदर्पहा॥ १३२॥
गन्धर्वप्रवणस्वान्तो गन्धर्वगणसंस्तुतः।
गन्धर्वार्चितपादाब्जो गन्धर्वभयहारकः॥ १३३॥
गन्धर्वाभयदः शश्वद् गन्धर्वप्रतिपालकः।
गन्धर्वगीतचरितो गन्धर्वप्रणयोत्सुकः॥ १३४॥
गन्धर्वगानश्रवणप्रणयी गर्वभञ्जनः।
गन्धर्वत्राणसंनद्धो गन्धर्वसमरक्षमः॥ १३५॥

गन्धर्वस्त्रीभिराराध्यो गानं गानपटुः सदा।
गच्छो गच्छपतिर्गच्छनायको गच्छगर्वहा॥ १३६॥
गच्छराजोऽथ गच्छेशो गच्छराजनमस्कृतः।
गच्छप्रियो गच्छगुरुर्गच्छत्राणकृतोद्यमः॥ १३७॥
गच्छप्रभुर्गच्छचरो गच्छप्रियकृतोद्यमः।
गच्छगीतगुणो गच्छमर्यादाप्रतिपालकः॥ १३८॥
गच्छधाता गच्छभर्ता गच्छवन्द्यो गुरोर्गुरुः।
गृत्सो गृत्समदो गृत्समदाभीष्टवरप्रदः॥ १३९॥
गीर्वाणगीतचरितो गीर्वाणगणसेवितः।
गीर्वाणवरदाता च गीर्वाणभयनाशकृत्॥ १४०॥
गीर्वाणगुणसंवीतो गीर्वाणारातिसूदनः।
गीर्वाणधाम गीर्वाणगोप्ता गीर्वाणगर्वहृत्॥ १४१॥
गीर्वाणार्तिहरो नित्यं गीर्वाणवरदायकः।
गीर्वाणशरणं गीतनामा गीर्वाणसुन्दरः॥ १४२॥
गीर्वाणप्राणदो गन्ता गीर्वाणानीकरक्षकः।
गुहेहापूरको गन्धमत्तो गीर्वाणपुष्टिदः॥ १४३॥
गीर्वाणप्रयुतत्राता गीतगोत्रो गताहितः।
गीर्वाणसेवितपदो गीर्वाणप्रथितो गलत्॥ १४४॥
गीर्वाणगोत्रप्रवरो गीर्वाणफलदायकः।
गीर्वाणप्रियकर्ता च गीर्वाणागमसारवित्॥ १४५॥
गीर्वाणागमसम्पत्तिर्गीर्वाणव्यसनापहः।
गीर्वाणप्रणयो गीतग्रहणोत्सुकमानसः॥ १४६॥

गीर्वाणभ्रमसम्भेत्ता गीर्वाणगुरुपूजितः।
ग्रहो ग्रहपतिर्ग्राहो ग्रहपीडाप्रणाशनः॥ १४७॥
ग्रहस्तुतो ग्रहाध्यक्षो ग्रहेशो ग्रहदैवतम्।
ग्रहकृद् ग्रहभर्ता च ग्रहेशानो ग्रहेश्वरः॥ १४८॥
ग्रहाराध्यो ग्रहत्राता ग्रहगोप्ता ग्रहोत्कटः।
ग्रहगीतगुणो ग्रन्थप्रणेता ग्रहवन्दितः॥ १४९॥
गवी गवीश्वरो गर्वी गर्विष्ठो गर्विगर्वहा।
गवांप्रियो गवांनाथो गवीशानो गवांपतिः॥ १५०॥
गव्यप्रियो गवांगोप्ता गविसम्पत्तिसाधकः।
गविरक्षणसंनद्धो गवांभयहरः क्षणात्॥ १५१॥
गविगर्वहरो गोदो गोप्रदो गोजयप्रदः।
गजायुतबलो गण्डगुञ्जन्मत्तमधुव्रतः॥ १५२॥
गण्डस्थललसद्दानमिलन्मत्तालिमण्डितः।
गुडो गुडप्रियो गण्डगलद्दानो गुडाशनः॥ १५३॥
गुडाकेशो गुडाकेशसहायो गुडलड्डुभुक्।
गुडभुग्गुडभुग्गण्यो गुडाकेशवरप्रदः॥ १५४॥
गुडाकेशार्चितपदो गुडाकेशसखः सदा।
गदाधरार्चितपदो गदाधरवरप्रदः॥ १५५॥
गदायुधो गदापाणिर्गदायुद्धविशारदः।
गदहा गददर्पघ्नो गदगर्वप्रणाशनः॥ १५६॥
गदग्रस्तपरित्राता गदाडम्बरखण्डकः।
गुहो गुहाग्रजो गुप्तो गुहाशायी गुहाशयः॥ १५७॥

गुहप्रीतिकरो गूढो गूढगुल्फो गुणैकदृक् ।
गीर्गीष्पतिर्गिरीशानो गीर्देवीगीतसद्गुणः ॥ १५८ ॥
गीर्देवो गीष्प्रियो गीर्भूर्गीरात्मा गीष्प्रियङ्करः ।
गीर्भूमिर्गीरसज्ञोऽथ गीःप्रसन्नो गिरीश्वरः ॥ १५९ ॥
गिरीशजो गिरौशायी गिरिराजसुखावहः ।
गिरिराजार्चितपदो गिरिराजनमस्कृतः ॥ १६० ॥
गिरिराजगुहाविष्टो गिरिराजाभयप्रदः ।
गिरिराजेष्टवरदो गिरिराजप्रपालकः ॥ १६१ ॥
गिरिराजसुतासूनुर्गिरिराजजयप्रदः ।
गिरिव्रजवनस्थायी गिरिव्रजचरः सदा ॥ १६२ ॥
गर्गो गर्गप्रियो गर्गदेवो गर्गनमस्कृतः ।
गर्गभीतिहरो गर्गवरदो गर्गसंस्तुतः ॥ १६३ ॥
गर्गगीतप्रसन्नात्मा गर्गानन्दकरः सदा ।
गर्गप्रियो गर्गमानप्रदो गर्गारिभञ्जकः ॥ १६४ ॥
गर्गवर्गपरित्राता गर्गसिद्धिप्रदायकः ।
गर्गग्लानिहरो गर्गभ्रमहृद् गर्गसंगतः ॥ १६५ ॥
गर्गाचार्यो गर्गमुनिर्गर्गसम्मानभाजनः ।
गम्भीरो गणितप्रज्ञो गणितागमसारवित् ॥ १६६ ॥
गणको गणकश्लाघ्यो गणकप्रणयोत्सुकः ।
गणकप्रवणस्वान्तो गणितो गणितागमः ॥ १६७ ॥
गद्यं गद्यमयो गद्यपद्यविद्याविशारदः ।
गललग्नमहानागो गलदर्चिर्गलन्मदः ॥ १६८ ॥

गलत्कुष्ठिव्यथाहन्ता गलत्कुष्ठिसुखप्रदः।
गम्भीरनाभिर्गम्भीरस्वरो गम्भीरलोचनः॥ १६९॥
गम्भीरगुणसम्पन्नो गम्भीरगतिशोभनः।
गर्भप्रदो गर्भरूपो गर्भापद्विनिवारकः॥ १७०॥
गर्भागमनसंनाशो गर्भदो गर्भशोकनुत्।
गर्भत्राता गर्भगोप्ता गर्भपुष्टिकरः सदा॥ १७१॥
गर्भाश्रयो गर्भमयो गर्भामयनिवारकः।
गर्भाधारो गर्भधरो गर्भसंतोषसाधकः॥ १७२॥
गर्भगौरवसंधानसाधनं गर्भवर्गहृत्।
गरीयान् गर्वनुद् गर्वमर्दी गरदमर्दकः॥ १७३॥
गरसंतापशमनो गुरुराज्यसुखप्रदः।

॥ फलश्रुतिः॥

नाम्नां सहस्त्रमुदितं महद् गणपतेरिदम्॥ १७४॥
गकारादि जगद्वन्द्यं गोपनीयं प्रयत्नतः।
य इदं प्रयतः प्रातस्त्रिसंध्यं वा पठेन्नरः॥ १७५॥
वाञ्छितं समवाप्नोति नात्र कार्या विचारणा।
पुत्रार्थी लभते पुत्रान् धनार्थी लभते धनम्॥ १७६॥
विद्यार्थी लभते विद्यां सत्यं सत्यं न संशयः।
भूर्जत्वचि समालिख्य कुंकुमेन समाहितः॥ १७७॥
चतुर्थ्यां भौमवारे च चन्द्रसूर्योपरागके।
पूजयित्वा गणाधीशं यथोक्तविधिना पुरा॥ १७८॥
पूजयेद् यो यथाशक्त्या जुहुयाच्च शमीदलैः।
गुरुं सम्पूज्य वस्त्राद्यैः कृत्वा चापि प्रदक्षिणाम्॥ १७९॥

धारयेद् यः प्रयत्नेन स साक्षाद्गणनायकः।
सुराश्चासुरवर्याश्च पिशाचाः किन्नरोरगाः॥ १८०॥
प्रणमन्ति सदा तं वै दृष्ट्वा विस्मितमानसाः।
राजा सपदि वश्यः स्यात् कामिन्यस्तद्वशे स्थिराः॥ १८१॥
तस्य वंशे स्थिरा लक्ष्मीः कदापि न विमुञ्चति।
निष्कामो यः पठेदेतद् गणेश्वरपरायणः॥ १८२॥
स प्रतिष्ठां परां प्राप्य निजलोकमवाप्नुयात्।
इदं ते कीर्तितं नाम्नां सहस्रं देवि पावनम्॥ १८३॥
न देयं कृपणायाथ शठाय गुरुविद्विषे।
दत्त्वा च भ्रंशमाप्नोति देवतायाः प्रकोपतः॥ १८४॥
इति श्रुत्वा महादेवी तदा विस्मितमानसा।
पूजयामास विधिवद् गणेश्वरपदद्वयम्॥ १८५॥

॥ इति श्रीरुद्रयामले महागुप्तसारे शिवपार्वतीसंवादे गकारादि श्रीगणपतिसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीगणपतये नमः ॥

गकारादि श्रीगणपतिसहस्रनामावलिः

१ ॐ गणेश्वराय नमः।*
२ ॐ गणाध्यक्षाय नमः।
३ ॐ गणाराध्याय नमः।
४ ॐ गणप्रियाय नमः।
५ ॐ गणनाथाय नमः।
६ ॐ गणस्वामिने नमः।
७ ॐ गणेशाय नमः।
८ ॐ गणनायकाय नमः।
९ ॐ गणमूर्तये नमः।
१० ॐ गणपतये नमः।
११ ॐ गणत्रात्रे नमः।
१२ ॐ गणञ्जयाय नमः।
१३ ॐ गणपाय नमः।
१४ ॐ गणक्रीडाय नमः।
१५ ॐ गणदेवाय नमः।
१६ ॐ गणाधिपाय नमः।
१७ ॐ गणज्येष्ठाय नमः।
१८ ॐ गणश्रेष्ठाय नमः।
१९ ॐ गणप्रेष्ठाय नमः।
२० ॐ गणाधिराजे नमः।
२१ ॐ गणराजे नमः।
२२ ॐ गणगोप्त्रे नमः।
२३ ॐ गणाङ्गाय नमः।
२४ ॐ गणदैवताय नमः।
२५ ॐ गणबन्धवे नमः।
२६ ॐ गणसुहृदे नमः।
२७ ॐ गणाधीशाय नमः।
२८ ॐ गणप्रथाय नमः।
२९ ॐ गणप्रियसखाय नमः।
३० ॐ गणप्रियसुहृदे नमः।
३१ ॐ गणप्रियरताय नमः।
३२ ॐ गणप्रीतिविवर्धनाय नमः।
३३ ॐ गणमण्डलमध्यस्थाय नमः।
३४ ॐ गणकेलिपरायणाय नमः।
३५ ॐ गणाग्रण्ये नमः।
३६ ॐ गणेशानाय नमः।
३७ ॐ गणगीताय नमः।
३८ ॐ गणोच्छ्रयाय नमः।
३९ ॐ गण्याय नमः।
४० ॐ गणहिताय नमः।

* स्त्रियों तथा जिनका यज्ञोपवीत नहीं हुआ है, उन्हें प्रत्येक नामके पहले 'ॐ' के स्थानपर 'श्री' शब्दका प्रयोग करना चाहिये, जैसे—श्रीगणेश्वराय नमः।

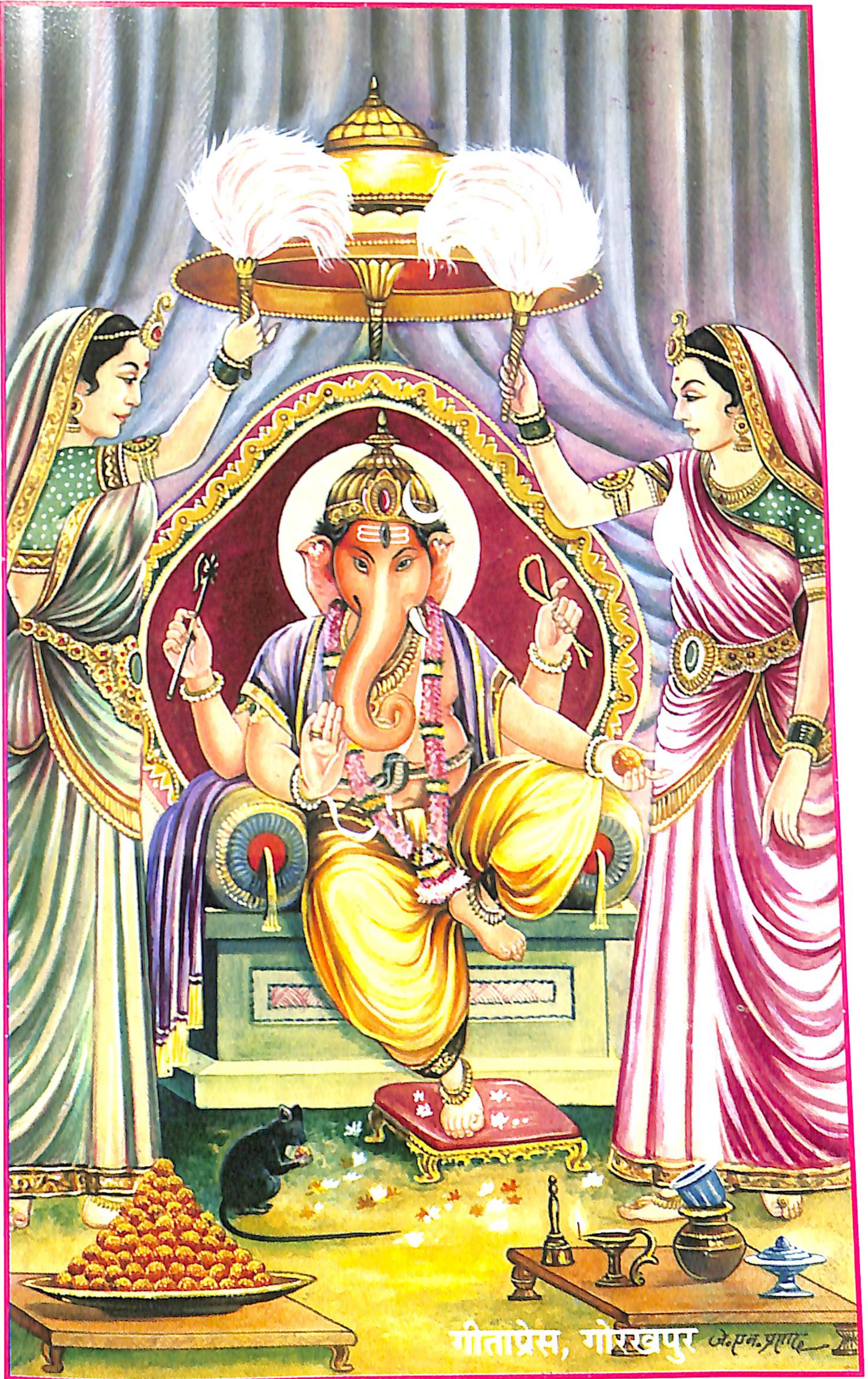
४१ ॐ गर्जद्गणसेनाय नमः।
४२ ॐ गणोद्धताय नमः।
४३ ॐ गणभीतिप्रमथनाय नमः।
४४ ॐ गणभीत्यपहारकाय नमः।
४५ ॐ गणनार्हाय नमः।
४६ ॐ गणप्रौढाय नमः।
४७ ॐ गणभर्त्रे नमः।
४८ ॐ गणप्रभवे नमः।
४९ ॐ गणसेनाय नमः।
५० ॐ गणचराय नमः।
५१ ॐ गणप्राज्ञाय नमः।
५२ ॐ गणैकराजे नमः।
५३ ॐ गणाग्र्याय नमः।
५४ ॐ गणनाम्ने नमः।
५५ ॐ गणपालनतत्पराय नमः।
५६ ॐ गणजिते नमः।
५७ ॐ गणगर्भस्थाय नमः।
५८ ॐ गणप्रवणमानसाय नमः।
५९ ॐ गणगर्वपरीहर्त्रे नमः।
६० ॐ गणाय नमः।
६१ ॐ गणनमस्कृताय नमः।
६२ ॐ गणार्चिताङ्घ्रियुगलाय नमः।
६३ ॐ गणरक्षणकृते नमः।
६४ ॐ गणध्याताय नमः।
६५ ॐ गणगुरवे नमः।
६६ ॐ गणप्रणयतत्पराय नमः।
६७ ॐ गणागणपरित्रात्रे नमः।
६८ ॐ गणाधिहरणोद्धुराय नमः।
६९ ॐ गणसेतवे नमः।
७० ॐ गणनुताय नमः।
७१ ॐ गणकेतवे नमः।
७२ ॐ गणाग्रगाय नमः।
७३ ॐ गणहेतवे नमः।
७४ ॐ गणग्राहिणे नमः।
७५ ॐ गणानुग्रहकारकाय नमः।
७६ ॐ गणागणानुग्रहभुवे नमः।
७७ ॐ गणागणवरप्रदाय नमः।
७८ ॐ गणस्तुताय नमः।
७९ ॐ गणप्राणाय नमः।
८० ॐ गणसर्वस्वदायकाय नमः।
८१ ॐ गणवल्लभमूर्तये नमः।
८२ ॐ गणभूतये नमः।
८३ ॐ गणेष्टदाय नमः।
८४ ॐ गणसौख्यप्रदात्रे नमः।
८५ ॐ गणदुःखप्रणाशनाय नमः।
८६ ॐ गणप्रथितनाम्ने नमः।
८७ ॐ गणाभीष्टकराय नमः।
८८ ॐ गणमान्याय नमः।
८९ ॐ गणख्याताय नमः।
९० ॐ गणवीताय नमः।
९१ ॐ गणोत्कटाय नमः।
९२ ॐ गणपालाय नमः।
९३ ॐ गणवराय नमः।
९४ ॐ गणगौरवदायकाय नमः।

९५ ॐ गणगर्जितसंतुष्टाय नमः।
९६ ॐ गणस्वच्छन्दगाय नमः।
९७ ॐ गणराजाय नमः।
९८ ॐ गणश्रीदाय नमः।
९९ ॐ गणाभयकराय नमः।
१०० ॐ गणमूर्धाभिषिक्ताय नमः।
१०१ ॐ गणसैन्यपुरःसराय नमः।
१०२ ॐ गुणातीताय नमः।
१०३ ॐ गुणमयाय नमः।
१०४ ॐ गुणत्रयविभागकृते नमः।
१०५ ॐ गुणिने नमः।
१०६ ॐ गुणाकृतिधराय नमः।
१०७ ॐ गुणशालिने नमः।
१०८ ॐ गुणप्रियाय नमः।
१०९ ॐ गुणपूर्णाय नमः।
११० ॐ गुणाम्भोधये नमः।
१११ ॐ गुणभाजे नमः।
११२ ॐ गुणदूरगाय नमः।
११३ ॐ गुणागुणवपुषे नमः।
११४ ॐ गौणशरीराय नमः।
११५ ॐ गुणमण्डिताय नमः।
११६ ॐ गुणस्त्रष्ट्रे नमः।
११७ ॐ गुणेशानाय नमः।
११८ ॐ गुणेशाय नमः।
११९ ॐ गुणेश्वराय नमः।
१२० ॐ गुणसृष्टजगत्संघाय नमः।
१२१ ॐ गुणसंघाय नमः।
१२२ ॐ गुणैकराजे नमः।
१२३ ॐ गुणप्रवृष्टाय नमः।
१२४ ॐ गुणभुवे नमः।
१२५ ॐ गुणीकृतचराचराय नमः।
१२६ ॐ गुणप्रवणसंतुष्टाय नमः।
१२७ ॐ गुणहीनपराङ्मुखाय नमः।
१२८ ॐ गुणैकभुवे नमः।
१२९ ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः।
१३० ॐ गुणज्येष्ठाय नमः।
१३१ ॐ गुणप्रभवे नमः।
१३२ ॐ गुणज्ञाय नमः।
१३३ ॐ गुणसम्पूज्याय नमः।
१३४ ॐ गुणैकसदनाय नमः।
१३५ ॐ गुणप्रणयवते नमः।
१३६ ॐ गौणप्रकृतये नमः।
१३७ ॐ गुणभाजनाय नमः।
१३८ ॐ गुणिप्रणतपादाब्जाय नमः।
१३९ ॐ गुणिगीताय नमः।
१४० ॐ गुणोज्ज्वलाय नमः।
१४१ ॐ गुणवते नमः।
१४२ ॐ गुणसम्पन्नाय नमः।
१४३ ॐ गुणानन्दितमानसाय नमः।
१४४ ॐ गुणसंचारचतुराय नमः।
१४५ ॐ गुणसंचयसुन्दराय नमः।
१४६ ॐ गुणगौराय नमः।
१४७ ॐ गुणाधाराय नमः।
१४८ ॐ गुणसंवृतचेतनाय नमः।

१४९ ॐ गुणकृते नमः।
१५० ॐ गुणभृते नमः।
१५१ ॐ गुणाग्रग्राय नमः।
१५२ ॐ गुणपारदृशे नमः।
१५३ ॐ गुणप्रचारिणे नमः।
१५४ ॐ गुणयुजे नमः।
१५५ ॐ गुणागुणविवेककृते नमः।
१५६ ॐ गुणाकराय नमः।
१५७ ॐ गुणकराय नमः।
१५८ ॐ गुणप्रवणवर्धनाय नमः।
१५९ ॐ गुणगूढचराय नमः।
१६० ॐ गौणसर्वसंसारचेष्टिताय नमः।
१६१ ॐ गुणदक्षिणसौहार्दाय नमः।
१६२ ॐ गुणलक्षणतत्त्वविदे नमः।
१६३ ॐ गुणहारिणे नमः।
१६४ ॐ गुणकलाय नमः।
१६५ ॐ गुणसंघसखाय नमः।
१६६ ॐ गुणसंस्कृतसंसाराय नमः।
१६७ ॐ गुणतत्त्वविवेचकाय नमः।
१६८ ॐ गुणगर्वधराय नमः।
१६९ ॐ गौणसुखदुःखोदयाय नमः।
१७० ॐ गुणाय नमः।
१७१ ॐ गुणाधीशाय नमः।
१७२ ॐ गुणलयाय नमः।
१७३ ॐ गुणवीक्षणलालसाय नमः।
१७४ ॐ गुणगौरवदात्रे नमः।
१७५ ॐ गुणदात्रे नमः।
१७६ ॐ गुणप्रदाय नमः।
१७७ ॐ गुणकृते नमः।
१७८ ॐ गुणसम्बन्धाय नमः।
१७९ ॐ गुणभृते नमः।
१८० ॐ गुणबन्धनाय नमः।
१८१ ॐ गुणहृद्याय नमः।
१८२ ॐ गुणस्थायिने नमः।
१८३ ॐ गुणदायिने नमः।
१८४ ॐ गुणोत्कटाय नमः।
१८५ ॐ गुणचक्रधराय नमः।
१८६ ॐ गौणावताराय नमः।
१८७ ॐ गुणबान्धवाय नमः।
१८८ ॐ गुणबन्धवे नमः।
१८९ ॐ गुणप्रज्ञाय नमः
१९० ॐ गुणप्राज्ञाय नमः।
१९१ ॐ गुणालयाय नमः।
१९२ ॐ गुणधात्रे नमः।
१९३ ॐ गुणप्राणाय नमः।
१९४ ॐ गुणगोपाय नमः।
१९५ ॐ गुणाश्रयाय नमः।
१९६ ॐ गुणयायिने नमः।
१९७ ॐ गुणाधायिने नमः।
१९८ ॐ गुणपाय नमः।
१९९ ॐ गुणपालकाय नमः।
२०० ॐ गुणाहृततनवे नमः।
२०१ ॐ गौणाय नमः।
२०२ ॐ गीर्वाणाय नमः।

२०३ ॐ गुणगौरवाय नमः।
२०४ ॐ गुणवत्पूजितपदाय नमः।
२०५ ॐ गुणवत्प्रीतिदायकाय नमः।
२०६ ॐ गुणवत्गीतकीर्तये नमः।
२०७ ॐ गुणवद्बद्धसौहृदाय नमः।
२०८ ॐ गुणवद्वरदाय नमः।
२०९ ॐ गुणवत्प्रतिपालकाय नमः।
२१० ॐ गुणवद्गुणसंतुष्टाय नमः।
२११ ॐ गुणवद्रचितस्तवाय नमः।
२१२ ॐ गुणवद्रक्षणपराय नमः।
२१३ ॐ गुणवत्प्रणयप्रियाय नमः।
२१४ ॐ गुणवच्चक्रसंचाराय नमः।
२१५ ॐ गुणवत्कीर्तिवर्धनाय नमः।
२१६ ॐ गुणवद्गुणचित्तस्थाय नमः।
२१७ ॐ गुणवद्गुणरक्षकाय नमः।
२१८ ॐ गुणवत्पोषणकराय नमः।
२१९ ॐ गुणवच्छत्रुसूदनाय नमः।
२२० ॐ गुणवत्सिद्धिदात्रे नमः।
२२१ ॐ गुणवद्गौरवप्रदाय नमः।
२२२ ॐ गुणवत्प्रवणस्वान्ताय नमः।
२२३ ॐ गुणवद्गुणभूषणाय नमः।
२२४ ॐ गुणवत्कुलविद्वेषिविनाश-
करणक्षमाय नमः।
२२५ ॐ गुणिस्तुतगुणाय नमः।
२२६ ॐ गर्जत्प्रलयाम्बुदनिःस्वनाय नमः।
२२७ ॐ गजाय नमः।
२२८ ॐ गजपतये नमः।
२२९ ॐ गर्जद्गजयुद्धविशारदाय नमः।
२३० ॐ गजास्याय नमः।
२३१ ॐ गजकर्णाय नमः।
२३२ ॐ गजराजाय नमः।
२३३ ॐ गजाननाय नमः।
२३४ ॐ गजरूपधराय नमः।
२३५ ॐ गर्जद्गजयूथोद्धुरध्वनये नमः।
२३६ ॐ गजाधीशाय नमः।
२३७ ॐ गजाधाराय नमः।
२३८ ॐ गजासुरजयोद्धुराय नमः।
२३९ ॐ गजदन्ताय नमः।
२४० ॐ गजवराय नमः।
२४१ ॐ गजकुम्भाय नमः।
२४२ ॐ गजध्वनये नमः।
२४३ ॐ गजमायाय नमः।
२४४ ॐ गजमयाय नमः।
२४५ ॐ गजश्रिये नमः।
२४६ ॐ गजगर्जिताय नमः।
२४७ ॐ गजामयहराय नमः।
२४८ ॐ गजपुष्टिप्रदायकाय नमः।
२४९ ॐ गजोत्पत्तये नमः।
२५० ॐ गजत्रात्रे नमः।
२५१ ॐ गजहेतवे नमः।
२५२ ॐ गजाधिपाय नमः।
२५३ ॐ गजमुख्याय नमः।
२५४ ॐ गजकुलप्रवराय नमः।
२५५ ॐ गजदैत्यघ्ने नमः।

२५६ ॐ गजकेतवे नमः।
२५७ ॐ गजाध्यक्षाय नमः।
२५८ ॐ गजसेतवे नमः।
२५९ ॐ गजाकृतये नमः।
२६० ॐ गजवन्द्याय नमः।
२६१ ॐ गजप्राणाय नमः।
२६२ ॐ गजसेव्याय नमः।
२६३ ॐ गजप्रभवे नमः।
२६४ ॐ गजमत्ताय नमः।
२६५ ॐ गजेशानाय नमः।
२६६ ॐ गजेशाय नमः।
२६७ ॐ गजपुङ्गवाय नमः।
२६८ ॐ गजदन्तधराय नमः।
२६९ ॐ गुञ्जन्मधुपाय नमः।
२७० ॐ गजवेषभृते नमः।
२७१ ॐ गजच्छन्नाय नमः।
२७२ ॐ गजाग्रस्थाय नमः।
२७३ ॐ गजयायिने नमः।
२७४ ॐ गजाजयाय नमः।
२७५ ॐ गजराजे नमः।
२७६ ॐ गजयूथस्थाय नमः।
२७७ ॐ गजगञ्जकभञ्जकाय नमः।
२७८ ॐ गर्जितोज्झितदैत्यासवे नमः।
२७९ ॐ गर्जितत्रातविष्टपाय नमः।
२८० ॐ गानज्ञाय नमः।
२८१ ॐ गानकुशलाय नमः।
२८२ ॐ गानतत्त्वविवेचकाय नमः।
२८३ ॐ गानश्लाघिने नमः।
२८४ ॐ गानरसाय नमः।
२८५ ॐ गानज्ञानपरायणाय नमः।
२८६ ॐ गानागमज्ञाय नमः।
२८७ ॐ गानाङ्गाय नमः।
२८८ ॐ गानप्रवणचेतनाय नमः।
२८९ ॐ गानकृते नमः।
२९० ॐ गानचतुराय नमः।
२९१ ॐ गानविद्याविशारदाय नमः।
२९२ ॐ गानध्येयाय नमः।
२९३ ॐ गानगम्याय नमः।
२९४ ॐ गानध्यानपरायणाय नमः।
२९५ ॐ गानभुवे नमः।
२९६ ॐ गानशीलाय नमः।
२९७ ॐ गानशालिने नमः।
२९८ ॐ गतश्रमाय नमः।
२९९ ॐ गानविज्ञानसम्पन्नाय नमः।
३०० ॐ गानश्रवणलालसाय नमः।
३०१ ॐ गानयत्ताय नमः।
३०२ ॐ गानमयाय नमः।
३०३ ॐ गानप्रणयवते नमः।
३०४ ॐ गानध्यात्रे नमः।
३०५ ॐ गानबुद्धये नमः।
३०६ ॐ गानोत्सुकमनसे नमः।
३०७ ॐ गानोत्सुकाय नमः।
३०८ ॐ गानभूमये नमः।
३०९ ॐ गानसीम्ने नमः।



सिद्धि-बुद्धिसहित प्रथम पूज्य भगवान् श्रीगणपति



शेषशायी लक्ष्मीपति भगवान् विष्णु



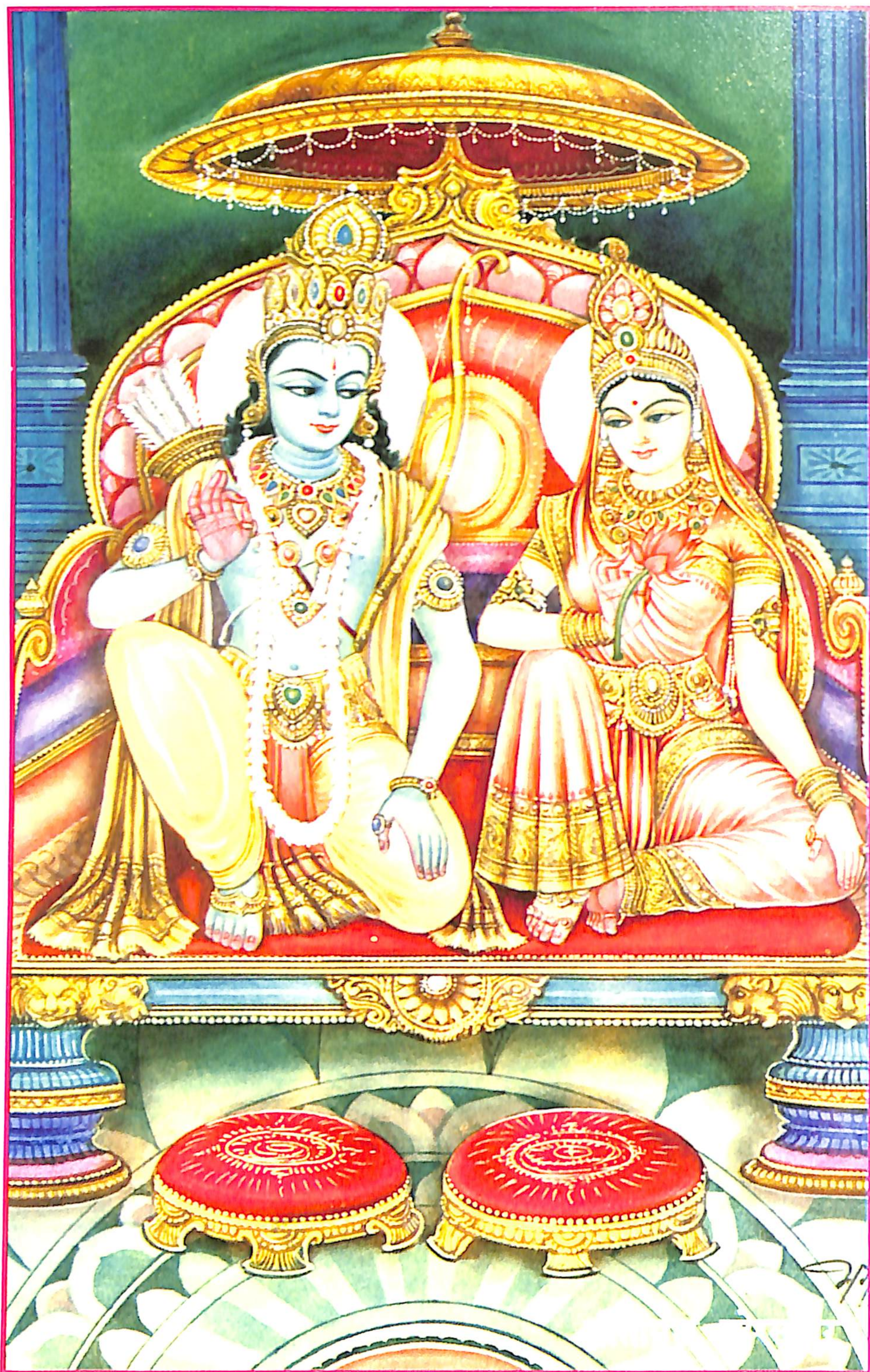
भगवान् सदाशिव



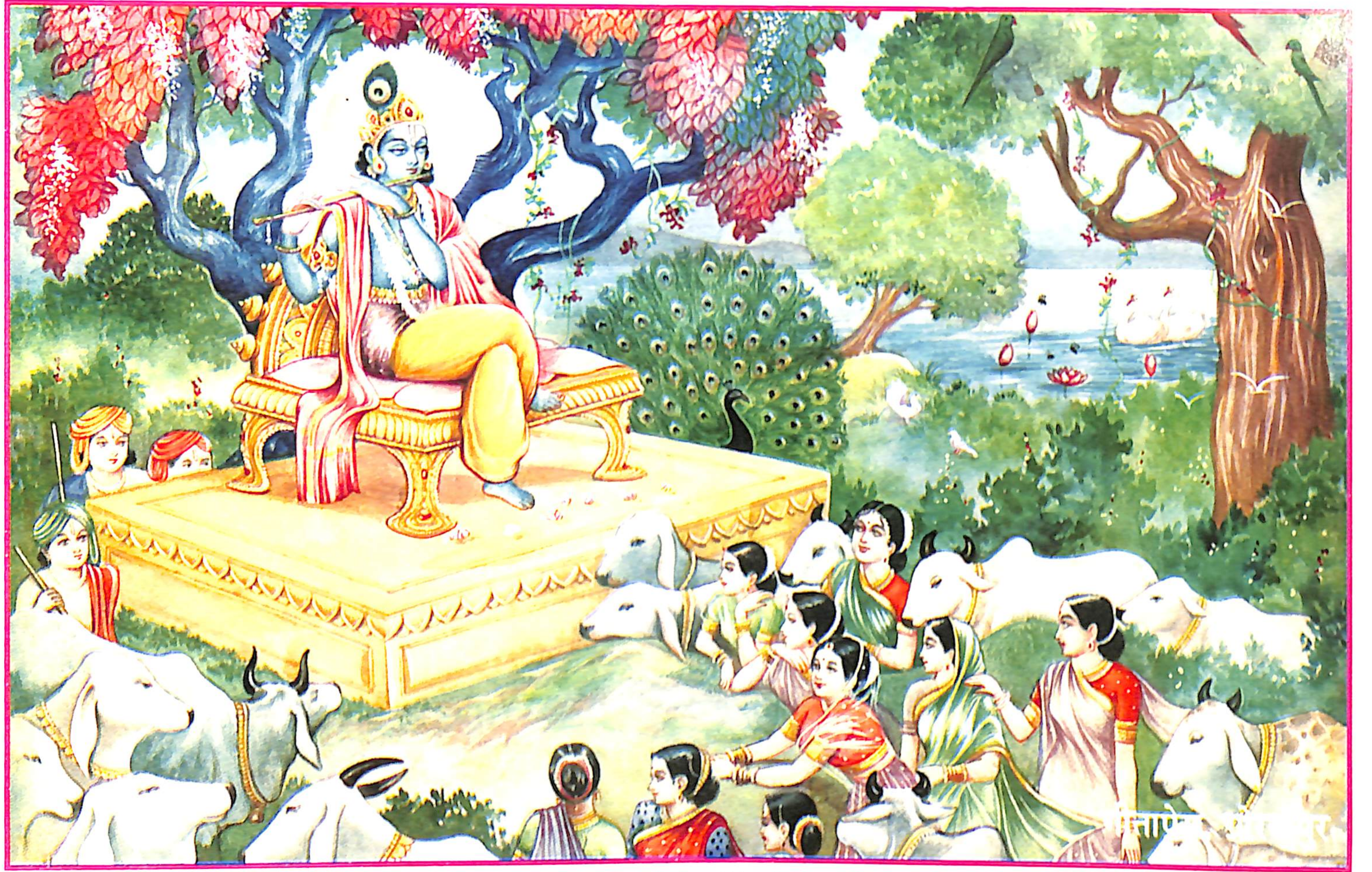
भगवती दुर्गा



भगवान् श्रीसूर्यनारायण



भगवान् श्रीसीताराम



गायों और गोप-गोपियोंसे सेवित गोपाल



प्रेमास्पद भगवान् श्रीराधाकृष्ण

३१० ॐ गुणोज्ज्वलाय नमः।
३११ ॐ गानाङ्गज्ञानवते नमः।
३१२ ॐ गानमानवते नमः।
३१३ ॐ गानपेशलाय नमः।
३१४ ॐ गानवत्प्रणयाय नमः।
३१५ ॐ गानसमुद्राय नमः।
३१६ ॐ गानभूषणाय नमः।
३१७ ॐ गानसिन्धवे नमः।
३१८ ॐ गानपराय नमः।
३१९ ॐ गानप्राणाय नमः।
३२० ॐ गणाश्रयाय नमः।
३२१ ॐ गानैकभुवे नमः।
३२२ ॐ गानहृष्टाय नमः।
३२३ ॐ गानचक्षुषे नमः।
३२४ ॐ गणैकदृशे नमः।
३२५ ॐ गानमत्ताय नमः।
३२६ ॐ गानरुचये नमः।
३२७ ॐ गानविदे नमः।
३२८ ॐ गानवित्प्रियाय नमः।
३२९ ॐ गानान्तरात्मने नमः।
३३० ॐ गानाढ्याय नमः।
३३१ ॐ गानभ्राजत्सभाय नमः।
३३२ ॐ गानमायाय नमः।
३३३ ॐ गानधराय नमः।
३३४ ॐ गानविद्याविशोधकाय नमः।
३३५ ॐ गानाहितघ्नाय नमः।
३३६ ॐ गानेन्द्राय नमः।
३३७ ॐ गानलीनाय नमः।
३३८ ॐ गतिप्रियाय नमः।
३३९ ॐ गानाधीशाय नमः।
३४० ॐ गानलयाय नमः।
३४१ ॐ गानाधाराय नमः।
३४२ ॐ गतीश्वराय नमः।
३४३ ॐ गानवन्मानदाय नमः।
३४४ ॐ गानभूतये नमः।
३४५ ॐ गानैकभूतिमते नमः।
३४६ ॐ गानताननताय नमः।
३४७ ॐ गानतानदानविमोहिताय नमः।
३४८ ॐ गुरवे नमः।
३४९ ॐ गुरूदरश्रोणये नमः।
३५० ॐ गुरुतत्त्वार्थदर्शनाय नमः।
३५१ ॐ गुरुस्तुताय नमः।
३५२ ॐ गुरुगुणाय नमः।
३५३ ॐ गुरुमायाय नमः।
३५४ ॐ गुरुप्रियाय नमः।
३५५ ॐ गुरुकीर्तये नमः।
३५६ ॐ गुरुभुजाय नमः।
३५७ ॐ गुरुवक्षसे नमः।
३५८ ॐ गुरुप्रभाय नमः।
३५९ ॐ गुरुलक्षणसम्पन्नाय नमः।
३६० ॐ गुरुद्रोहपराङ्मुखाय नमः।
३६१ ॐ गुरुविद्याय नमः।
३६२ ॐ गुरुप्राणाय नमः।
३६३ ॐ गुरुबाहुबलोच्छ्रयाय नमः।

३६४ ॐ गुरुदैत्यप्राणहराय नमः।
३६५ ॐ गुरुदैत्यापहारकाय नमः।
३६६ ॐ गुरुगर्वहराय नमः।
३६७ ॐ गुह्यप्रवराय नमः।
३६८ ॐ गुरुदर्पघ्ने नमः।
३६९ ॐ गुरुगौरवदायिने नमः।
३७० ॐ गुरुभीत्यपहारकाय नमः।
३७१ ॐ गुरुशुण्डाय नमः।
३७२ ॐ गुरुस्कन्धाय नमः।
३७३ ॐ गुरुजङ्घाय नमः।
३७४ ॐ गुरुप्रथाय नमः।
३७५ ॐ गुरुभालाय नमः।
३७६ ॐ गुरुगलाय नमः।
३७७ ॐ गुरुश्रिये नमः।
३७८ ॐ गुरुगर्वनुदे नमः।
३७९ ॐ गुरूरवे नमः।
३८० ॐ गुरुपीनांसाय नमः।
३८१ ॐ गुरुप्रणयलालसाय नमः।
३८२ ॐ गुरुमुख्याय नमः।
३८३ ॐ गुरुकुलस्थायिने नमः।
३८४ ॐ गुरुगुणाय नमः।
३८५ ॐ गुरुसंशयभेत्त्रे नमः।
३८६ ॐ गुरुमानप्रदायकाय नमः।
३८७ ॐ गुरुधर्मसदाराध्याय नमः।
३८८ ॐ गुरुधर्मनिकेतनाय नमः।
३८९ ॐ गुरुदैत्यकुलच्छेत्त्रे नमः।
३९० ॐ गुरुसैन्याय नमः।
३९१ ॐ गुरुद्युतये नमः।
३९२ ॐ गुरुधर्माग्रगण्याय नमः।
३९३ ॐ गुरुधर्मधुरन्धराय नमः।
३९४ ॐ गरिष्ठाय नमः।
३९५ ॐ गुरुसंतापशमनाय नमः।
३९६ ॐ गुरुपूजिताय नमः।
३९७ ॐ गुरुधर्मधराय नमः।
३९८ ॐ गौरधर्माधाराय नमः।
३९९ ॐ गदापहाय नमः।
४०० ॐ गुरुशास्त्रविचारज्ञाय नमः।
४०१ ॐ गुरुशास्त्रकृतोद्यमाय नमः।
४०२ ॐ गुरुशास्त्रार्थनिलयाय नमः।
४०३ ॐ गुरुशास्त्रालयाय नमः।
४०४ ॐ गुरुमन्त्राय नमः।
४०५ ॐ गुरुश्रेष्ठाय नमः।
४०६ ॐ गुरुमन्त्रफलप्रदाय नमः।
४०७ ॐ गुरुस्त्रीगमनोद्दामप्रायश्चित्त-
निवारकाय नमः।
४०८ ॐ गुरुसंसारसुखदाय नमः।
४०९ ॐ गुरुसंसारदुःखभिदे नमः।
४१० ॐ गुरुश्लाघापराय नमः।
४११ ॐ गौरभानुखण्डावतंसभृते नमः।
४१२ ॐ गुरुप्रसन्नमूर्तये नमः।
४१३ ॐ गुरुशापविमोचकाय नमः।
४१४ ॐ गुरुकान्तये नमः।
४१५ ॐ गुरुमयाय नमः।
४१६ ॐ गुरुशासनपालकाय नमः।

४१७ ॐ गुरुतन्त्राय नमः।
४१८ ॐ गुरुप्रज्ञाय नमः।
४१९ ॐ गुरुभाय नमः।
४२० ॐ गुरुदैवताय नमः।
४२१ ॐ गुरुविक्रमसंचाराय नमः।
४२२ ॐ गुरुदृशे नमः।
४२३ ॐ गुरुविक्रमाय नमः।
४२४ ॐ गुरुक्रमाय नमः।
४२५ ॐ गुरुप्रेष्ठाय नमः।
४२६ ॐ गुरुपाखण्डखण्डकाय नमः।
४२७ ॐ गुरुगर्जितसम्पूर्णब्रह्माण्डाय नमः।
४२८ ॐ गुरुगर्जिताय नमः।
४२९ ॐ गुरुपुत्रप्रियसखाय नमः।
४३० ॐ गुरुपुत्रभयापहाय नमः।
४३१ ॐ गुरुपुत्रपरित्रात्रे नमः।
४३२ ॐ गुरुपुत्रवरप्रदाय नमः।
४३३ ॐ गुरुपुत्रार्तिशमनाय नमः।
४३४ ॐ गुरुपुत्राधिनाशनाय नमः।
४३५ ॐ गुरुपुत्रप्राणदात्रे नमः।
४३६ ॐ गुरुभक्तिपरायणाय नमः।
४३७ ॐ गुरुविज्ञानविभवाय नमः।
४३८ ॐ गौरभानुवरप्रदाय नमः।
४३९ ॐ गौरभानुस्तुताय नमः।
४४० ॐ गौरभानुत्रासापहारकाय नमः।
४४१ ॐ गौरभानुप्रियाय नमः।
४४२ ॐ गौरभानवे नमः।
४४३ ॐ गौरववर्धनाय नमः।
४४४ ॐ गौरभानुपरित्रात्रे नमः।
४४५ ॐ गौरभानुसखाय नमः।
४४६ ॐ गौरभानुप्रभवे नमः।
४४७ ॐ गौरभानुभीतिप्रणाशनाय नमः।
४४८ ॐ गौरीतेजःसमुत्पन्नाय नमः।
४४९ ॐ गौरीहृदयनन्दनाय नमः।
४५० ॐ गौरीस्तनन्धयाय नमः।
४५१ ॐ गौरीमनोवाञ्छितसिद्धिकृते नमः।
४५२ ॐ गौराय नमः।
४५३ ॐ गौरगुणाय नमः।
४५४ ॐ गौरप्रकाशाय नमः।
४५५ ॐ गौरभैरवाय नमः।
४५६ ॐ गौरीशनन्दनाय नमः।
४५७ ॐ गौरीप्रियपुत्राय नमः।
४५८ ॐ गदाधराय नमः।
४५९ ॐ गौरीवरप्रदाय नमः।
४६० ॐ गौरीप्रणयाय नमः।
४६१ ॐ गौरसच्छवये नमः।
४६२ ॐ गौरीगणेश्वराय नमः।
४६३ ॐ गौरीप्रवणाय नमः।
४६४ ॐ गौरभावनाय नमः।
४६५ ॐ गौरात्मने नमः।
४६६ ॐ गौरकीर्तये नमः।
४६७ ॐ गौरभावाय नमः।
४६८ ॐ गरिष्ठदृशे नमः।
४६९ ॐ गौतमाय नमः।
४७० ॐ गौतमीनाथाय नमः।

४७१ ॐ गौतमीप्राणवल्लभाय नमः।
४७२ ॐ गौतमाभीष्टवरदाय नमः।
४७३ ॐ गौतमाभयदायकाय नमः।
४७४ ॐ गौतमप्रणयप्रह्वाय नमः।
४७५ ॐ गौतमाश्रमदुःखघ्ने नमः।
४७६ ॐ गौतमीतीरसंचारिणे नमः।
४७७ ॐ गौतमीतीर्थनायकाय नमः।
४७८ ॐ गौतमापत्परिहराय नमः।
४७९ ॐ गौतमाधिविनाशनाय नमः।
४८० ॐ गोपतये नमः।
४८१ ॐ गोधनाय नमः।
४८२ ॐ गोपाय नमः।
४८३ ॐ गोपालप्रियदर्शनाय नमः।
४८४ ॐ गोपालाय नमः।
४८५ ॐ गोगणाधीशाय नमः।
४८६ ॐ गोकश्मलनिवर्तकाय नमः।
४८७ ॐ गोसहस्राय नमः।
४८८ ॐ गोपवराय नमः।
४८९ ॐ गोपगोपीसुखावहाय नमः।
४९० ॐ गोवर्धनाय नमः।
४९१ ॐ गोपगोपाय नमः।
४९२ ॐ गोपाय नमः।
४९३ ॐ गोकुलवर्धनाय नमः।
४९४ ॐ गोचराय नमः।
४९५ ॐ गोचराध्यक्षाय नमः।
४९६ ॐ गोचरप्रीतिवृद्धिकृते नमः।
४९७ ॐ गोमिने नमः।
४९८ ॐ गोकष्टसंत्रात्रे नमः।
४९९ ॐ गोसंतापनिवर्तकाय नमः।
५०० ॐ गोष्ठाय नमः।
५०१ ॐ गोष्ठाश्रयाय नमः।
५०२ ॐ गोष्ठपतये नमः।
५०३ ॐ गोधनवर्धनाय नमः।
५०४ ॐ गोष्ठप्रियाय नमः।
५०५ ॐ गोष्ठमयाय नमः।
५०६ ॐ गोष्ठामयनिवर्तकाय नमः।
५०७ ॐ गोलोकाय नमः।
५०८ ॐ गोलकाय नमः।
५०९ ॐ गोभृते नमः।
५१० ॐ गोभर्त्रे नमः।
५११ ॐ गोसुखावहाय नमः।
५१२ ॐ गोदुहे नमः।
५१३ ॐ गोधुग्गणप्रेष्ठाय नमः।
५१४ ॐ गोदोग्ध्रे नमः।
५१५ ॐ गोमयप्रियाय नमः।
५१६ ॐ गोत्राय नमः।
५१७ ॐ गोत्रपतये नमः।
५१८ ॐ गोत्रप्रभवे नमः।
५१९ ॐ गोत्रभयापहाय नमः।
५२० ॐ गोत्रवृद्धिकराय नमः।
५२१ ॐ गोत्रप्रियाय नमः।
५२२ ॐ गोत्रार्तिनाशनाय नमः।
५२३ ॐ गोत्रोद्धारपराय नमः।
५२४ ॐ गोत्रप्रवराय नमः।

५२५ ॐ गोत्रदैवताय नमः।
५२६ ॐ गोत्रविख्यातनाम्ने नमः।
५२७ ॐ गोत्रिणे नमः।
५२८ ॐ गोत्रप्रपालकाय नमः।
५२९ ॐ गोत्रसेतवे नमः।
५३० ॐ गोत्रकेतवे नमः।
५३१ ॐ गोत्रहेतवे नमः।
५३२ ॐ गतक्लमाय नमः।
५३३ ॐ गोत्रत्राणकराय नमः।
५३४ ॐ गोत्रपतये नमः।
५३५ ॐ गोत्रेशपूजिताय नमः।
५३६ ॐ गोत्रभिदे नमः।
५३७ ॐ गोत्रभित्त्रात्रे नमः।
५३८ ॐ गोत्रभिद्वरदायकाय नमः।
५३९ ॐ गोत्रभित्पूजितपदाय नमः।
५४० ॐ गोत्रभिच्छत्रुसूदनाय नमः।
५४१ ॐ गोत्रभित्प्रीतिदाय नमः।
५४२ ॐ गोत्रभिदे नमः।
५४३ ॐ गोत्रपालकाय नमः।
५४४ ॐ गोत्रभिद्गीतचरिताय नमः।
५४५ ॐ गोत्रभिद्राज्यरक्षकाय नमः।
५४६ ॐ गोत्रभिज्जयदायिने नमः।
५४७ ॐ गोत्रभित्प्रणयाय नमः।
५४८ ॐ गोत्रभिद्भयसम्भेत्त्रे नमः।
५४९ ॐ गोत्रभिन्मानदायकाय नमः।
५५० ॐ गोत्रभिद्गोपनपराय नमः।
५५१ ॐ गोत्रभित्सैन्यनायकाय नमः।
५५२ ॐ गोत्राधिपप्रियाय नमः।
५५३ ॐ गोत्रपुत्रीपुत्राय नमः।
५५४ ॐ गिरिप्रियाय नमः।
५५५ ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः।
५५६ ॐ ग्रन्थकृते नमः।
५५७ ॐ ग्रन्थग्रन्थिभिदे नमः।
५५८ ॐ ग्रन्थविघ्नघ्ने नमः।
५५९ ॐ ग्रन्थादये नमः।
५६० ॐ ग्रन्थसंचाराय नमः।
५६१ ॐ ग्रन्थश्रवणलोलुपाय नमः।
५६२ ॐ ग्रन्थाधीनक्रियाय नमः।
५६३ ॐ ग्रन्थप्रियाय नमः।
५६४ ॐ ग्रन्थार्थतत्त्वविदे नमः।
५६५ ॐ ग्रन्थसंशयसंछेदिने नमः।
५६६ ॐ ग्रन्थवक्त्रे नमः।
५६७ ॐ ग्रहाग्रण्ये नमः।
५६८ ॐ ग्रन्थगीतगुणाय नमः।
५६९ ॐ ग्रन्थगीताय नमः।
५७० ॐ ग्रन्थादिपूजिताय नमः।
५७१ ॐ ग्रन्थारम्भस्तुताय नमः।
५७२ ॐ ग्रन्थग्राहिणे नमः।
५७३ ॐ ग्रन्थार्थपारदृशे नमः।
५७४ ॐ ग्रन्थदृशे नमः।
५७५ ॐ ग्रन्थविज्ञानाय नमः।
५७६ ॐ ग्रन्थसंदर्भशोधकाय नमः।
५७७ ॐ ग्रन्थकृत्पूजिताय नमः।
५७८ ॐ ग्रन्थकराय नमः।

५७९ ॐ ग्रन्थपरायणाय नमः।
५८० ॐ ग्रन्थपारायणपराय नमः।
५८१ ॐ ग्रन्थसंदेहभञ्जकाय नमः।
५८२ ॐ ग्रन्थकृद्वरदात्रे नमः।
५८३ ॐ ग्रन्थकृद्वन्दिताय नमः।
५८४ ॐ ग्रन्थानुरक्ताय नमः।
५८५ ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः।
५८६ ॐ ग्रन्थानुग्रहदायकाय नमः।
५८७ ॐ ग्रन्थान्तरात्मने नमः।
५८८ ॐ ग्रन्थार्थपण्डिताय नमः।
५८९ ॐ ग्रन्थसौहृदाय नमः।
५९० ॐ ग्रन्थपारङ्गमाय नमः।
५९१ ॐ ग्रन्थगुणविदे नमः।
५९२ ॐ ग्रन्थविग्रहाय नमः।
५९३ ॐ ग्रन्थसेतवे नमः।
५९४ ॐ ग्रन्थहेतवे नमः।
५९५ ॐ ग्रन्थकेतवे नमः।
५९६ ॐ ग्रहाग्रगाय नमः।
५९७ ॐ ग्रन्थपूज्याय नमः।
५९८ ॐ ग्रन्थगेयाय नमः।
५९९ ॐ ग्रन्थग्रथनलालसाय नमः।
६०० ॐ ग्रन्थभूमये नमः।
६०१ ॐ ग्रहश्रेष्ठाय नमः।
६०२ ॐ ग्रहकेतवे नमः।
६०३ ॐ ग्रहाश्रयाय नमः।
६०४ ॐ ग्रन्थकाराय नमः।
६०५ ॐ ग्रन्थकारमान्याय नमः।
६०६ ॐ ग्रन्थप्रसारकाय नमः।
६०७ ॐ ग्रन्थश्रमज्ञाय नमः।
६०८ ॐ ग्रन्थाङ्गाय नमः।
६०९ ॐ ग्रन्थभ्रमनिवारकाय नमः।
६१० ॐ ग्रन्थप्रवणसर्वाङ्गाय नमः।
६११ ॐ ग्रन्थप्रणयतत्पराय नमः।
६१२ ॐ गीताय नमः।
६१३ ॐ गीतगुणाय नमः।
६१४ ॐ गीतकीर्तये नमः।
६१५ ॐ गीतविशारदाय नमः।
६१६ ॐ गीतस्फीतयशसे नमः।
६१७ ॐ गीतप्रणयाय नमः।
६१८ ॐ गीतचञ्चुराय नमः।
६१९ ॐ गीतप्रसन्नाय नमः।
६२० ॐ गीतात्मने नमः।
६२१ ॐ गीतलोलाय नमः।
६२२ ॐ गतस्पृहाय नमः।
६२३ ॐ गीताश्रयाय नमः।
६२४ ॐ गीतमयाय नमः।
६२५ ॐ गीततत्त्वार्थकोविदाय नमः।
६२६ ॐ गीतसंशयसंछेत्त्रे नमः।
६२७ ॐ गीतसंगीतशासनाय नमः।
६२८ ॐ गीतार्थज्ञाय नमः।
६२९ ॐ गीततत्त्वाय नमः।
६३० ॐ गीतातत्त्वाय नमः।
६३१ ॐ गताश्रयाय नमः।
६३२ ॐ गीतासाराय नमः।

६३३ ॐ गीताकृते नमः।
६३४ ॐ गीताकृद्विघ्ननाशनाय नमः।
६३५ ॐ गीताशक्ताय नमः।
६३६ ॐ गीतलीनाय नमः।
६३७ ॐ गीताविगतसंज्वराय नमः।
६३८ ॐ गीतैकदृशे नमः।
६३९ ॐ गीतभूतये नमः।
६४० ॐ गीतप्रीताय नमः।
६४१ ॐ गतालसाय नमः।
६४२ ॐ गीतवाद्यपटवे नमः।
६४३ ॐ गीतप्रभवे नमः।
६४४ ॐ गीतार्थतत्त्वविदे नमः।
६४५ ॐ गीतागीतविवेकज्ञाय नमः।
६४६ ॐ गीताप्रवणचेतनाय नमः।
६४७ ॐ गतभिये नमः।
६४८ ॐ गतविद्वेषाय नमः।
६४९ ॐ गतसंसारबन्धनाय नमः।
६५० ॐ गतमायाय नमः।
६५१ ॐ गतत्रासाय नमः।
६५२ ॐ गतदुःखाय नमः।
६५३ ॐ गतज्वराय नमः।
६५४ ॐ गतासुहृदे नमः।
६५५ ॐ गताज्ञानाय नमः।
६५६ ॐ गतदुष्टाशयाय नमः।
६५७ ॐ गताय नमः।
६५८ ॐ गतार्तये नमः।
६५९ ॐ गतसंकल्पाय नमः।
६६० ॐ गतदुष्टविचेष्टिताय नमः।
६६१ ॐ गताहङ्कारसंचाराय नमः।
६६२ ॐ गतदर्पाय नमः।
६६३ ॐ गताहिताय नमः।
६६४ ॐ गतविघ्नाय नमः।
६६५ ॐ गतभयाय नमः।
६६६ ॐ गतागतनिवारकाय नमः।
६६७ ॐ गतव्यथाय नमः।
६६८ ॐ गतापायाय नमः।
६६९ ॐ गतदोषाय नमः।
६७० ॐ गतेःपराय नमः।
६७१ ॐ गतसर्वविकाराय नमः।
६७२ ॐ गतगञ्जितकुञ्जराय नमः।
६७३ ॐ गतकम्पितभूपृष्ठाय नमः।
६७४ ॐ गतरुजे नमः।
६७५ ॐ गतकल्मषाय नमः।
६७६ ॐ गतदैन्याय नमः।
६७७ ॐ गतस्तैन्याय नमः।
६७८ ॐ गतमानाय नमः।
६७९ ॐ गतश्रमाय नमः।
६८० ॐ गतक्रोधाय नमः।
६८१ ॐ गतग्लानये नमः।
६८२ ॐ गतम्लानाय नमः।
६८३ ॐ गतभ्रमाय नमः।
६८४ ॐ गताभावाय नमः।
६८५ ॐ गतभवाय नमः।
६८६ ॐ गततत्त्वार्थसंशयाय नमः।

६८७ ॐ गयासुरशिरश्छेत्त्रे नमः।
६८८ ॐ गयासुरवरप्रदाय नमः।
६८९ ॐ गयावासाय नमः।
६९० ॐ गयानाथाय नमः।
६९१ ॐ गयावासिनमस्कृताय नमः।
६९२ ॐ गयातीर्थफलाध्यक्षाय नमः।
६९३ ॐ गयायात्राफलप्रदाय नमः।
६९४ ॐ गयामयाय नमः।
६९५ ॐ गयाक्षेत्राय नमः।
६९६ ॐ गयाक्षेत्रनिवासकृते नमः।
६९७ ॐ गयावासिस्तुताय नमः।
६९८ ॐ गायन्मधुव्रतलसत्कटाय नमः।
६९९ ॐ गायकाय नमः।
७०० ॐ गायकवराय नमः।
७०१ ॐ गायकेष्टफलप्रदाय नमः।
७०२ ॐ गायकप्रणयिने नमः।
७०३ ॐ गात्रे नमः।
७०४ ॐ गायकाभयदायकाय नमः।
७०५ ॐ गायकप्रवणस्वान्ताय नमः।
७०६ ॐ गायकाय प्रथमाय नमः।
७०७ ॐ गायकोद्गीतसम्प्रीताय नमः।
७०८ ॐ गायकोत्कटविघ्नघ्ने नमः।
७०९ ॐ गानगेयाय नमः।
७१० ॐ गायकेशाय नमः।
७११ ॐ गायकान्तरसंचराय नमः।
७१२ ॐ गायकप्रियदाय नमः।
७१३ ॐ गायकाधीनविग्रहाय नमः।
७१४ ॐ गेयाय नमः।
७१५ ॐ गेयगुणाय नमः।
७१६ ॐ गेयचरिताय नमः।
७१७ ॐ गेयतत्त्वविदे नमः।
७१८ ॐ गायकत्रासघ्ने नमः।
७१९ ॐ ग्रन्थाय नमः।
७२० ॐ ग्रन्थतत्त्वविवेचकाय नमः।
७२१ ॐ गाढानुरागाय नमः।
७२२ ॐ गाढाङ्गाय नमः।
७२३ ॐ गाढगङ्गाजलाय नमः।
७२४ ॐ गाढावगाढजलधये नमः।
७२५ ॐ गाढप्रज्ञाय नमः।
७२६ ॐ गतामयाय नमः।
७२७ ॐ गाढप्रत्यर्थिसैन्याय नमः।
७२८ ॐ गाढानुग्रहतत्पराय नमः।
७२९ ॐ गाढश्लेषरसाभिज्ञाय नमः।
७३० ॐ गाढनिर्वृतिसाधकाय नमः।
७३१ ॐ गङ्गाधरेष्टवरदाय नमः।
७३२ ॐ गङ्गाधरभयापहाय नमः।
७३३ ॐ गङ्गाधरगुरवे नमः।
७३४ ॐ गङ्गाधरध्यातपदाय नमः।
७३५ ॐ गङ्गाधरस्तुताय नमः।
७३६ ॐ गङ्गाधराराध्याय नमः।
७३७ ॐ गतस्मयाय नमः।
७३८ ॐ गङ्गाधरप्रियाय नमः।
७३९ ॐ गङ्गाधराय नमः।
७४० ॐ गङ्गाम्बुसुन्दराय नमः।

७४१ ॐ गङ्गाजलरसास्वादचतुराय नमः।
७४२ ॐ गाङ्गतीरयाय नमः।
७४३ ॐ गङ्गाजलप्रणयवते नमः।
७४४ ॐ गङ्गातीरविहारकृते नमः।
७४५ ॐ गङ्गाप्रियाय नमः।
७४६ ॐ गाङ्गजलावगाहनपराय नमः।
७४७ ॐ गन्धमादनसंवासाय नमः।
७४८ ॐ गन्धमादनकेलिकृते नमः।
७४९ ॐ गन्धानुलिप्तसर्वाङ्गाय नमः।
७५० ॐ गन्धलुब्धमधुव्रताय नमः।
७५१ ॐ गन्धाय नमः।
७५२ ॐ गन्धर्वराजाय नमः।
७५३ ॐ गन्धर्वप्रियकृते नमः।
७५४ ॐ गंधर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः।
७५५ ॐ गन्धर्वप्रीतिवर्धनाय नमः।
७५६ ॐ गकारबीजनिलयाय नमः।
७५७ ॐ गकाराय नमः।
७५८ ॐ गर्विगर्वनुदे नमः।
७५९ ॐ गन्धर्वगणसंसेव्याय नमः।
७६० ॐ गन्धर्ववरदायकाय नमः।
७६१ ॐ गन्धर्वाय नमः।
७६२ ॐ गन्धमातङ्गाय नमः।
७६३ ॐ गन्धर्वकुलदैवताय नमः।
७६४ ॐ गन्धर्वगर्वसंछेत्त्रे नमः।
७६५ ॐ गन्धर्ववरदर्पघ्ने नमः।
७६६ ॐ गन्धर्वप्रवणस्वान्ताय नमः।
७६७ ॐ गन्धर्वगणसंस्तुताय नमः।
७६८ ॐ गन्धर्वार्चितपादाब्जाय नमः।
७६९ ॐ गंधर्वभयहारकाय नमः।
७७० ॐ गन्धर्वाभयदाय नमः।
७७१ ॐ गन्धर्वप्रतिपालकाय नमः।
७७२ ॐ गन्धर्वगीतचरिताय नमः।
७७३ ॐ गन्धर्वप्रणयोत्सुकाय नमः।
७७४ ॐ गन्धर्वगानश्रवणप्रणयिने नमः।
७७५ ॐ गर्वभञ्जनाय नमः।
७७६ ॐ गन्धर्वत्राणसन्नद्धाय नमः।
७७७ ॐ गन्धर्वसमरक्षमाय नमः।
७७८ ॐ गन्धर्वस्त्रीभिराराध्याय नमः।
७७९ ॐ गानाय नमः।
७८० ॐ गानपटवे नमः।
७८१ ॐ गच्छाय नमः।
७८२ ॐ गच्छपतये नमः।
७८३ ॐ गच्छनायकाय नमः।
७८४ ॐ गच्छगर्वघ्ने नमः।
७८५ ॐ गच्छराजाय नमः।
७८६ ॐ गच्छेशाय नमः।
७८७ ॐ गच्छराजनमस्कृताय नमः।
७८८ ॐ गच्छप्रियाय नमः।
७८९ ॐ गच्छगुरवे नमः।
७९० ॐ गच्छत्राणकृतोद्यमाय नमः।
७९१ ॐ गच्छप्रभवे नमः।
७९२ ॐ गच्छचराय नमः।
७९३ ॐ गच्छप्रियकृतोद्यमाय नमः।

७९४ ॐ गच्छगीतगुणाय नमः।
७९५ ॐ गच्छमर्यादाप्रतिपालकाय नमः।
७९६ ॐ गच्छधात्रे नमः।
७९७ ॐ गच्छभर्त्रे नमः।
७९८ ॐ गच्छवन्द्याय नमः।
७९९ ॐ गुरोर्गुरवे नमः।
८०० ॐ गृत्साय नमः।
८०१ ॐ गृत्समदाय नमः।
८०२ ॐ गृत्समदाभीष्टवरप्रदाय नमः।
८०३ ॐ गीर्वाणगीतचरिताय नमः।
८०४ ॐ गीर्वाणगणसेविताय नमः।
८०५ ॐ गीर्वाणवरदात्रे नमः।
८०६ ॐ गीर्वाणभयनाशकृते नमः।
८०७ ॐ गीर्वाणगुणसंवीताय नमः।
८०८ ॐ गीर्वाणारातिसूदनाय नमः।
८०९ ॐ गीर्वाणधाम्ने नमः।
८१० ॐ गीर्वाणगोप्त्रे नमः।
८११ ॐ गीर्वाणगर्वहृदे नमः।
८१२ ॐ गीर्वाणार्तिहराय नमः।
८१३ ॐ गीर्वाणवरदायकाय नमः।
८१४ ॐ गीर्वाणशरणाय नमः।
८१५ ॐ गीतनाम्ने नमः।
८१६ ॐ गीर्वाणसुन्दराय नमः।
८१७ ॐ गीर्वाणप्राणदाय नमः।
८१८ ॐ गन्त्रे नमः।
८१९ ॐ गीर्वाणानीकरक्षकाय नमः।
८२० ॐ गुहेहापूरकाय नमः।
८२१ ॐ गन्धमत्ताय नमः।
८२२ ॐ गीर्वाणपुष्टिदाय नमः।
८२३ ॐ गीर्वाणप्रयुतत्रात्रे नमः।
८२४ ॐ गीतगोत्राय नमः।
८२५ ॐ गताहिताय नमः।
८२६ ॐ गीर्वाणसेवितपदाय नमः।
८२७ ॐ गीर्वाणप्रथिताय नमः।
८२८ ॐ गलते नमः।
८२९ ॐ गीर्वाणगोत्रप्रवराय नमः।
८३० ॐ गीर्वाणफलदायकाय नमः।
८३१ ॐ गीर्वाणप्रियकर्त्रे नमः।
८३२ ॐ गीर्वाणागमसारविदे नमः।
८३३ ॐ गीर्वाणागमसम्पत्तये नमः।
८३४ ॐ गीर्वाणव्यसनापहाय नमः।
८३५ ॐ गीर्वाणप्रणयाय नमः।
८३६ ॐ गीतग्रहणोत्सुकमानसाय नमः।
८३७ ॐ गीर्वाणभ्रमसम्भेत्त्रे नमः।
८३८ ॐ गीर्वाणगुरुपूजिताय नमः।
८३९ ॐ ग्रहाय नमः।
८४० ॐ ग्रहपतये नमः।
८४१ ॐ ग्राहाय नमः।
८४२ ॐ ग्रहपीडाप्रणाशनाय नमः।
८४३ ॐ ग्रहस्तुताय नमः।
८४४ ॐ ग्रहाध्यक्षाय नमः।
८४५ ॐ ग्रहेशाय नमः।
८४६ ॐ ग्रहदैवताय नमः।
८४७ ॐ ग्रहकृते नमः।
८४८ ॐ ग्रहभर्त्रे नमः।
८४९ ॐ ग्रहेशानाय नमः।

८५० ॐ ग्रहेश्वराय नमः।
८५१ ॐ ग्रहाराध्याय नमः।
८५२ ॐ ग्रहत्रात्रे नमः।
८५३ ॐ ग्रहगोप्त्रे नमः।
८५४ ॐ ग्रहोत्कटाय नमः।
८५५ ॐ ग्रहगीतगुणाय नमः।
८५६ ॐ ग्रन्थप्रणेत्रे नमः।
८५७ ॐ ग्रहवन्दिताय नमः।
८५८ ॐ गविने नमः।
८५९ ॐ गवीश्वराय नमः।
८६० ॐ गर्विणे नमः।
८६१ ॐ गर्विष्ठाय नमः
८६२ ॐ गर्विगर्वघ्ने नमः।
८६३ ॐ गवांप्रियाय नमः।
८६४ ॐ गवांनाथाय नमः।
८६५ ॐ गवीशानाय नमः।
८६६ ॐ गवाम्पतये नमः।
८६७ ॐ गव्यप्रियाय नमः
८६८ ॐ गवांगोप्त्रे नमः।
८६९ ॐ गविसम्पत्तिसाधकाय नमः।
८७० ॐ गविरक्षणसंनद्धाय नमः।
८७१ ॐ गवांभयहराय नमः।
८७२ ॐ गविगर्वहराय नमः।
८७३ ॐ गोदाय नमः।
८७४ ॐ गोप्रदाय नमः।
८७५ ॐ गोजयप्रदाय नमः।
८७६ ॐ गजायुतबलाय नमः।
८७७ ॐ गण्डगुञ्जन्मत्तमधुव्रताय नमः।
८७८ ॐ गण्डस्थललसद्दानमिल-
न्मत्तालिमण्डिताय नमः।
८७९ ॐ गुडाय नमः।
८८० ॐ गुडप्रियाय नमः।
८८१ ॐ गण्डगलद्दानाय नमः।
८८२ ॐ गुडाशनाय नमः।
८८३ ॐ गुडाकेशाय नमः।
८८४ ॐ गुडाकेशसहायाय नमः।
८८५ ॐ गुडलड्डुभुजे नमः।
८८६ ॐ गुडभुजे नमः।
८८७ ॐ गुडभुग्गण्याय नमः।
८८८ ॐ गुडाकेशवरप्रदाय नमः।
८८९ ॐ गुडाकेशार्चितपदाय नमः।
८९० ॐ गुडाकेशसखाय नमः।
८९१ ॐ गदाधरार्चितपदाय नमः।
८९२ ॐ गदाधरवरप्रदाय नमः।
८९३ ॐ गदायुधाय नमः।
८९४ ॐ गदापाणये नमः।
८९५ ॐ गदायुद्धविशारदाय नमः।
८९६ ॐ गदघ्ने नमः।
८९७ ॐ गददर्पघ्नाय नमः।
८९८ ॐ गदगर्वप्रणाशनाय नमः।
८९९ ॐ गदग्रस्तपरित्रात्रे नमः।
९०० ॐ गदाडम्बरखण्डकाय नमः।
९०१ ॐ गुहाय नमः।
९०२ ॐ गुहाग्रजाय नमः।
९०३ ॐ गुप्ताय नमः।
९०४ ॐ गुहाशायिने नमः।

१०५ ॐ गुहाशयाय नमः।
१०६ ॐ गुहप्रीतिकराय नमः।
१०७ ॐ गूढाय नमः।
१०८ ॐ गूढगुल्फाय नमः।
१०९ ॐ गुणैकदृशे नमः।
११० ॐ गिरे नमः।
१११ ॐ गीष्पतये नमः।
११२ ॐ गिरीशानाय नमः।
११३ ॐ गीर्देवीगीतसद्गुणाय नमः।
११४ ॐ गीर्देवाय नमः।
११५ ॐ गीष्प्रियाय नमः।
११६ ॐ गीर्भुवे नमः।
११७ ॐ गीरात्मने नमः।
११८ ॐ गीष्प्रियङ्कराय नमः।
११९ ॐ गीर्भूमये नमः।
१२० ॐ गीरसज्ञाय नमः।
१२१ ॐ गीःप्रसन्नाय नमः।
१२२ ॐ गिरीश्वराय नमः।
१२३ ॐ गिरीशजाय नमः।
१२४ ॐ गिरौशायिने नमः।
१२५ ॐ गिरिराजसुखावहाय नमः।
१२६ ॐ गिरिराजार्चितपदाय नमः।
१२७ ॐ गिरिराजनमस्कृताय नमः।
१२८ ॐ गिरिराजगुहाविष्टाय नमः।
१२९ ॐ गिरिराजाभयप्रदाय नमः।
१३० ॐ गिरिराजेष्टवरदाय नमः।
१३१ ॐ गिरिराजप्रपालकाय नमः।
१३२ ॐ गिरिराजसुतासूनवे नमः।
१३३ ॐ गिरिराजजयप्रदाय नमः।
१३४ ॐ गिरिव्रजवनस्थायिने नमः।
१३५ ॐ गिरिव्रजचराय नमः।
१३६ ॐ गर्गाय नमः।
१३७ ॐ गर्गप्रियाय नमः।
१३८ ॐ गर्गदेवाय नमः।
१३९ ॐ गर्गनमस्कृताय नमः।
१४० ॐ गर्गभीतिहराय नमः।
१४१ ॐ गर्गवरदाय नमः।
१४२ ॐ गर्गसंस्तुताय नमः।
१४३ ॐ गर्गगीतप्रसन्नात्मने नमः।
१४४ ॐ गर्गानन्दकराय नमः।
१४५ ॐ गर्गप्रियाय नमः।
१४६ ॐ गर्गमानप्रदाय नमः।
१४७ ॐ गर्गारिभञ्जकाय नमः।
१४८ ॐ गर्गवर्गपरित्रात्रे नमः।
१४९ ॐ गर्गसिद्धिप्रदायकाय नमः।
१५० ॐ गर्गग्लानिहराय नमः।
१५१ ॐ गर्गभ्रमहृदे नमः।
१५२ ॐ गर्गसंगताय नमः।
१५३ ॐ गर्गाचार्याय नमः।
१५४ ॐ गर्गमुनये नमः।
१५५ ॐ गर्गसम्मानभाजनाय नमः।
१५६ ॐ गम्भीराय नमः।
१५७ ॐ गणितप्रज्ञाय नमः।
१५८ ॐ गणितागमसारविदे नमः।

९५९ ॐ गणकाय नमः।
९६० ॐ गणकश्लाघ्याय नमः।
९६१ ॐ गणकप्रणयोत्सुकाय नमः।
९६२ ॐ गणकप्रवणस्वान्ताय नमः।
९६३ ॐ गणिताय नमः।
९६४ ॐ गणितागमाय नमः।
९६५ ॐ गद्याय नमः।
९६६ ॐ गद्यमयाय नमः।
९६७ ॐ गद्यपद्यविद्याविशारदाय नमः।
९६८ ॐ गललग्नमहानागाय नमः।
९६९ ॐ गलदर्चिषे नमः।
९७० ॐ गलन्मदाय नमः।
९७१ ॐ गलत्कुष्ठिव्यथाहन्त्रे नमः।
९७२ ॐ गलत्कुष्ठिसुखप्रदाय नमः।
९७३ ॐ गम्भीरनाभये नमः।
९७४ ॐ गम्भीरस्वराय नमः।
९७५ ॐ गम्भीरलोचनाय नमः।
९७६ ॐ गम्भीरगुणसंपन्नाय नमः।
९७७ ॐ गम्भीरगतिशोभनाय नमः।
९७८ ॐ गर्भप्रदाय नमः।
९७९ ॐ गर्भरूपाय नमः।
९८० ॐ गर्भापद्विनिवारकाय नमः।
९८१ ॐ गर्भागमनसंनाशाय नमः।
९८२ ॐ गर्भदाय नमः।
९८३ ॐ गर्भशोकनुदे नमः।
९८४ ॐ गर्भत्रात्रे नमः।
९८५ ॐ गर्भगोप्त्रे नमः।
९८६ ॐ गर्भपुष्टिकराय नमः।
९८७ ॐ गर्भाश्रयाय नमः।
९८८ ॐ गर्भमयाय नमः।
९८९ ॐ गर्भामयनिवारकाय नमः।
९९० ॐ गर्भाधाराय नमः।
९९१ ॐ गर्भधराय नमः।
९९२ ॐ गर्भसंतोषसाधकाय नमः।
९९३ ॐ गर्भगौरवसंधानसाधनाय नमः।
९९४ ॐ गर्भवर्गहृदे नमः।
९९५ ॐ गरीयसे नमः।
९९६ ॐ गर्वनुदे नमः।
९९७ ॐ गर्वमर्दिने नमः।
९९८ ॐ गरदमर्दकाय नमः।
९९९ ॐ गरसंतापशमनाय नमः।
१००० ॐ गुरुराज्यसुखप्रदाय नमः।

॥ इति श्रीरुद्रयामले गकारादि श्रीगणपतिसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीविष्णवे नमः ॥

श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीविष्णोर्दिव्यसहस्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य भगवान् वेदव्यास ऋषिः, श्रीविष्णुः परमात्मा देवता, अनुष्टुप् छन्दः, अमृतांशूद्भवो भानुरिति बीजम्, देवकीनन्दनः स्रष्टेति शक्तिः, त्रिसामा सामगः सामेति हृदयम्, शङ्खभृन्नन्दकी चक्रीति कीलकम्, शार्ङ्गधन्वा गदाधर इत्यस्त्रम्, रथाङ्गपाणिरक्षोभ्य इति कवचम्, उद्भवः क्षोभणो देव इति परमो मन्त्रः, श्रीविष्णुप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः।

ध्यानम्

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं
विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं
वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥[१]
सशङ्खचक्रं सकिरीटकुण्डलं सपीतवस्त्रं सरसीरुहेक्षणम्।
सहारवक्षःस्थलकौस्तुभश्रियं नमामि विष्णुं शिरसा चतुर्भुजम्॥[२]

स्तोत्रम्

यस्य स्मरणमात्रेण जन्मसंसारबन्धनात्।
विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे॥

१- सर्वलोकोंके एकमात्र स्वामी भव-भय-हारी भगवान् विष्णुकी मैं वन्दना करता हूँ, जो शान्तस्वरूप हैं, शेषशायी हैं, कमलनाभ और सुरेश्वर हैं, जो विश्वके आधार, आकाशके समान निर्लेप, मेघवर्ण और सुन्दर शरीरवाले हैं तथा जो लक्ष्मीजीके आनन्दवर्धक, कमलनयन और योगियोंके द्वारा ध्यानगम्य हैं।

२- उन चतुर्भुज भगवान् विष्णुको मैं सिर झुकाकर प्रणाम करता हूँ, जो शङ्ख-चक्र धारण किये हैं, किरीट और कुण्डलोंसे विभूषित हैं, पीताम्बर ओढ़े हुए हैं, सुन्दर कमलके समान जिनके नेत्र हैं और जिनके हारयुक्त वक्षःस्थलपर कौस्तुभमणिकी अनूठी शोभा है।

नमः समस्तभूतानामादिभूताय भूभृते।
अनेकरूपरूपाय विष्णवे प्रभविष्णवे॥

वैशम्पायन उवाच

श्रुत्वा धर्मानशेषेण पावनानि च सर्वशः।
युधिष्ठिरः शान्तनवं पुनरेवाभ्यभाषत॥ १॥

युधिष्ठिर उवाच

किमेकं दैवतं लोके किं वाप्येकं परायणम्।
स्तुवन्तः कं कमर्चन्तः प्राप्नुयुर्मानवाः शुभम्॥ २॥
को धर्मः सर्वधर्माणां भवतः परमो मतः।
किं जपन्मुच्यते जन्तुर्जन्मसंसारबन्धनात्॥ ३॥

भीष्म उवाच

जगत्प्रभुं देवदेवमनन्तं पुरुषोत्तमम्।
स्तुवन्नामसहस्रेण पुरुषः सततोत्थितः॥ ४॥
तमेव चार्चयन्नित्यं भक्त्या पुरुषमव्ययम्।
ध्यायन्स्तुवन्नमस्यंश्च यजमानस्तमेव च॥ ५॥
अनादिनिधनं विष्णुं सर्वलोकमहेश्वरम्।
लोकाध्यक्षं स्तुवन्नित्यं सर्वदुःखातिगो भवेत्॥ ६॥
ब्रह्मण्यं सर्वधर्मज्ञं लोकानां कीर्तिवर्धनम्।
लोकनाथं महद्भूतं सर्वभूतभवोद्भवम्॥ ७॥
एष मे सर्वधर्माणां धर्मोऽधिकतमो मतः।
यद्भक्त्या पुण्डरीकाक्षं स्तवैरर्चेन्नरः सदा॥ ८॥
परमं यो महत्तेजः परमं यो महत्तपः।
परमं यो महद्ब्रह्म परमं यः परायणम्॥ ९॥

पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम्।
दैवतं देवतानां च भूतानां योऽव्ययः पिता॥ १०॥
यतः सर्वाणि भूतानि भवन्त्यादियुगागमे।
यस्मिंश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये॥ ११॥
तस्य लोकप्रधानस्य जगन्नाथस्य भूपते।
विष्णोर्नामसहस्रं मे शृणु पापभयापहम्॥ १२॥
यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मनः।
ऋषिभिः परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये॥ १३॥
ॐ विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः।
भूतकृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः॥ १४॥
पूतात्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः।
अव्ययः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च॥ १५॥
योगो योगविदां नेता प्रधानपुरुषेश्वरः।
नारसिंहवपुः श्रीमान्केशवः पुरुषोत्तमः॥ १६॥
सर्वः शर्वः शिवः स्थाणुर्भूतादिर्निधिरव्ययः।
सम्भवो भावनो भर्ता प्रभवः प्रभुरीश्वरः॥ १७॥
स्वयम्भूः शम्भुरादित्यः पुष्कराक्षो महास्वनः।
अनादिनिधनो धाता विधाता धातुरुत्तमः॥ १८॥
अप्रमेयो हृषीकेशः पद्मनाभोऽमरप्रभुः।
विश्वकर्मा मनुस्त्वष्टा स्थविष्ठः स्थविरो ध्रुवः॥ १९॥
अग्राह्यः शाश्वतः कृष्णो लोहिताक्षः प्रतर्दनः।
प्रभूतस्त्रिककुब्धाम पवित्रं मङ्गलं परम्॥ २०॥
ईशानः प्राणदः प्राणो ज्येष्ठः श्रेष्ठः प्रजापतिः।
हिरण्यगर्भो भूगर्भो माधवो मधुसूदनः॥ २१॥

ईश्वरो विक्रमी धन्वी मेधावी विक्रमः क्रमः।
अनुत्तमो दुराधर्षः कृतज्ञः कृतिरात्मवान्॥ २२॥
सुरेशः शरणं शर्म विश्वरेताः प्रजाभवः।
अहः संवत्सरो व्यालः प्रत्ययः सर्वदर्शनः॥ २३॥
अजः सर्वेश्वरः सिद्धः सिद्धिः सर्वादिरच्युतः।
वृषाकपिरमेयात्मा सर्वयोगविनिःसृतः॥ २४॥
वसुर्वसुमनाः सत्यः समात्मा सम्मितः समः।
अमोघः पुण्डरीकाक्षो वृषकर्मा वृषाकृतिः॥ २५॥
रुद्रो बहुशिरा बभ्रुर्विश्वयोनिः शुचिश्रवाः।
अमृतः शाश्वतः स्थाणुर्वरारोहो महातपाः॥ २६॥
सर्वगः सर्वविद्भानुर्विष्वक्सेनो जनार्दनः।
वेदो वेदविदव्यङ्गो वेदाङ्गो वेदवित् कविः॥ २७॥
लोकाध्यक्षः सुराध्यक्षो धर्माध्यक्षः कृताकृतः।
चतुरात्मा चतुर्व्यूहश्चतुर्दंष्ट्रश्चतुर्भुजः॥ २८॥
भ्राजिष्णुर्भोजनं भोक्ता सहिष्णुर्जगदादिजः।
अनघो विजयो जेता विश्वयोनिः पुनर्वसुः॥ २९॥
उपेन्द्रो वामनः प्रांशुरमोघः शुचिरूर्जितः।
अतीन्द्रः संग्रहः सर्गो धृतात्मा नियमो यमः॥ ३०॥
वेद्यो वैद्यः सदायोगी वीरहा माधवो मधुः।
अतीन्द्रियो महामायो महोत्साहो महाबलः॥ ३१॥
महाबुद्धिर्महावीर्यो महाशक्तिर्महाद्युतिः।
अनिर्देश्यवपुः श्रीमानमेयात्मा महाद्रिधृक्॥ ३२॥
महेष्वासो महीभर्ता श्रीनिवासः सतां गतिः।
अनिरुद्धः सुरानन्दो गोविन्दो गोविदां पतिः॥ ३३॥

मरीचिर्दमनो हंसः सुपर्णो भुजगोत्तमः।
हिरण्यनाभः सुतपाः पद्मनाभः प्रजापतिः॥ ३४॥
अमृत्युः सर्वदृक् सिंहः सन्धाता सन्धिमान्स्थिरः।
अजो दुर्मर्षणः शास्ता विश्रुतात्मा सुरारिहा॥ ३५॥
गुरुर्गुरुतमो धाम सत्यः सत्यपराक्रमः।
निमिषोऽनिमिषः स्रग्वी वाचस्पतिरुदारधीः॥ ३६॥
अग्रणीर्ग्रामणीः श्रीमान्न्यायो नेता समीरणः।
सहस्रमूर्धा विश्वात्मा सहस्राक्षः सहस्रपात्॥ ३७॥
आवर्तनो निवृत्तात्मा संवृतः सम्प्रमर्दनः।
अहः संवर्तको वह्निरनिलो धरणीधरः॥ ३८॥
सुप्रसादः प्रसन्नात्मा विश्वधृग्विश्वभुग्विभुः।
सत्कर्ता सत्कृतः साधुर्जह्नुर्नारायणो नरः॥ ३९॥
असंख्येयोऽप्रमेयात्मा विशिष्टः शिष्टकृच्छुचिः।
सिद्धार्थः सिद्धसंकल्पः सिद्धिदः सिद्धिसाधनः॥ ४०॥
वृषाही वृषभो विष्णुर्वृषपर्वा वृषोदरः।
वर्धनो वर्धमानश्च विविक्तः श्रुतिसागरः॥ ४१॥
सुभुजो दुर्धरो वाग्मी महेन्द्रो वसुदो वसुः।
नैकरूपो बृहद्रूपः शिपिविष्टः प्रकाशनः॥ ४२॥
ओजस्तेजोद्युतिधरः प्रकाशात्मा प्रतापनः।
ऋद्धः स्पष्टाक्षरो मन्त्रश्चन्द्रांशुर्भास्करद्युतिः॥ ४३॥
अमृतांशूद्भवो भानुः शशबिन्दुः सुरेश्वरः।
औषधं जगतः सेतुः सत्यधर्मपराक्रमः॥ ४४॥
भूतभव्यभवन्नाथः पवनः पावनोऽनलः।
कामहा कामकृत्कान्तः कामः कामप्रदः प्रभुः॥ ४५॥

युगादिकृद्युगावर्तो नैकमायो महाशनः।
अदृश्योऽव्यक्तरूपश्च सहस्रजिदनन्तजित्॥ ४६॥
इष्टोऽविशिष्टः शिष्टेष्टः शिखण्डी नहुषो वृषः।
क्रोधहा क्रोधकृत्कर्ता विश्वबाहुर्महीधरः॥ ४७॥
अच्युतः प्रथितः प्राणः प्राणदो वासवानुजः।
अपां निधिरधिष्ठानमप्रमत्तः प्रतिष्ठितः॥ ४८॥
स्कन्दः स्कन्दधरो धुर्यो वरदो वायुवाहनः।
वासुदेवो बृहद्भानुरादिदेवः पुरन्दरः॥ ४९॥
अशोकस्तारणस्तारः शूरः शौरिर्जनेश्वरः।
अनुकूलः शतावर्तः पद्मी पद्मनिभेक्षणः॥ ५०॥
पद्मनाभोऽरविन्दाक्षः पद्मगर्भः शरीरभृत्।
महर्द्धिर्ऋद्धो वृद्धात्मा महाक्षो गरुडध्वजः॥ ५१॥
अतुलः शरभो भीमः समयज्ञो हविर्हरिः।
सर्वलक्षणलक्षण्यो लक्ष्मीवान्समितिञ्जयः॥ ५२॥
विक्षरो रोहितो मार्गो हेतुर्दामोदरः सहः।
महीधरो महाभागो वेगवानमिताशनः॥ ५३॥
उद्भवः क्षोभणो देवः श्रीगर्भः परमेश्वरः।
करणं कारणं कर्ता विकर्ता गहनो गुहः॥ ५४॥
व्यवसायो व्यवस्थानः संस्थानः स्थानदो ध्रुवः।
परर्द्धिः परमस्पष्टस्तुष्टः पुष्टः शुभेक्षणः॥ ५५॥
रामो विरामो विरजो मार्गो नेयो नयोऽनयः।
वीरः शक्तिमतां श्रेष्ठो धर्मो धर्मविदुत्तमः॥ ५६॥
वैकुण्ठः पुरुषः प्राणः प्राणदः प्रणवः पृथुः।
हिरण्यगर्भः शत्रुघ्नो व्याप्तो वायुरधोक्षजः॥ ५७॥

ऋतुः सुदर्शनः कालः परमेष्ठी परिग्रहः।
उग्रः संवत्सरो दक्षो विश्रामो विश्वदक्षिणः॥ ५८॥
विस्तारः स्थावरस्थाणुः प्रमाणं बीजमव्ययम्।
अर्थोऽनर्थो महाकोशो महाभोगो महाधनः॥ ५९॥
अनिर्विण्णः स्थविष्ठोऽभूर्धर्मयूपो महामखः।
नक्षत्रनेमिर्नक्षत्री क्षमः क्षामः समीहनः॥ ६०॥
यज्ञ इज्यो महेज्यश्च क्रतुः सत्रं सतां गतिः।
सर्वदर्शी विमुक्तात्मा सर्वज्ञो ज्ञानमुत्तमम्॥ ६१॥
सुव्रतः सुमुखः सूक्ष्मः सुघोषः सुखदः सुहृत्।
मनोहरो जितक्रोधो वीरबाहुर्विदारणः॥ ६२॥
स्वापनः स्ववशो व्यापी नैकात्मा नैककर्मकृत्।
वत्सरो वत्सलो वत्सी रत्नगर्भो धनेश्वरः॥ ६३॥
धर्मगुब्धर्मकृद्धर्मी सदसत्क्षरमक्षरम्।
अविज्ञाता सहस्त्रांशुर्विधाता कृतलक्षणः॥ ६४॥
गभस्तिनेमिः सत्त्वस्थः सिंहो भूतमहेश्वरः।
आदिदेवो महादेवो देवेशो देवभृद्गुरुः॥ ६५॥
उत्तरो गोपतिर्गोप्ता ज्ञानगम्यः पुरातनः।
शरीरभूतभृद्भोक्ता कपीन्द्रो भूरिदक्षिणः॥ ६६॥
सोमपोऽमृतपः सोमः पुरुजित्पुरुसत्तमः।
विनयो जयः सत्यसंधो दाशार्हः सात्वतां पतिः॥ ६७॥
जीवो विनयिता साक्षी मुकुन्दोऽमितविक्रमः।
अम्भोनिधिरनन्तात्मा महोदधिशयोऽन्तकः॥ ६८॥
अजो महार्हः स्वाभाव्यो जितामित्रः प्रमोदनः।
आनन्दो नन्दनो नन्दः सत्यधर्मा त्रिविक्रमः॥ ६९॥

महर्षिः कपिलाचार्यः कृतज्ञो मेदिनीपतिः।
त्रिपदस्त्रिदशाध्यक्षो महाशृङ्गः कृतान्तकृत्॥ ७०॥
महावराहो गोविन्दः सुषेणः कनकाङ्गदी।
गुह्यो गभीरो गहनो गुप्तश्चक्रगदाधरः॥ ७१॥
वेधाः स्वाङ्गोऽजितः कृष्णो दृढः संकर्षणोऽच्युतः।
वरुणो वारुणो वृक्षः पुष्कराक्षो महामनाः॥ ७२॥
भगवान् भगहानन्दी वनमाली हलायुधः।
आदित्यो ज्योतिरादित्यः सहिष्णुर्गतिसत्तमः॥ ७३॥
सुधन्वा खण्डपरशुर्दारुणो द्रविणप्रदः।
दिविस्पृक्सर्वदृग्व्यासो वाचस्पतिरयोनिजः॥ ७४॥
त्रिसामा सामगः साम निर्वाणं भेषजं भिषक्।
संन्यासकृच्छमः शान्तो निष्ठा शान्तिः परायणम्॥ ७५॥
शुभाङ्गः शान्तिदः स्रष्टा कुमुदः कुवलेशयः।
गोहितो गोपतिर्गोप्ता वृषभाक्षो वृषप्रियः॥ ७६॥
अनिवर्ती निवृत्तात्मा संक्षेप्ता क्षेमकृच्छिवः।
श्रीवत्सवक्षाः श्रीवासः श्रीपतिः श्रीमतां वरः॥ ७७॥
श्रीदः श्रीशः श्रीनिवासः श्रीनिधिः श्रीविभावनः।
श्रीधरः श्रीकरः श्रेयः श्रीमाँल्लोकत्रयाश्रयः॥ ७८॥
स्वक्षः स्वङ्गः शतानन्दो नन्दिर्ज्योतिर्गणेश्वरः।
विजितात्मा विधेयात्मा सत्कीर्तिश्छिन्नसंशयः॥ ७९॥
उदीर्णः सर्वतश्चक्षुरनीशः शाश्वतस्थिरः।
भूशयो भूषणो भूतिर्विशोकः शोकनाशनः॥ ८०॥
अर्चिष्मानर्चितः कुम्भो विशुद्धात्मा विशोधनः।
अनिरुद्धोऽप्रतिरथः प्रद्युम्नोऽमितविक्रमः॥ ८१॥

कालनेमिनिहा वीरः शौरिः शूरजनेश्वरः ।
त्रिलोकात्मा त्रिलोकेशः केशवः केशिहा हरिः ॥ ८२ ॥
कामदेवः कामपालः कामी कान्तः कृतागमः ।
अनिर्देश्यवपुर्विष्णुर्वीरोऽनन्तो धनंजयः ॥ ८३ ॥
ब्रह्मण्यो ब्रह्मकृद्ब्रह्मा ब्रह्म ब्रह्मविवर्धनः ।
ब्रह्मविद्ब्राह्मणो ब्रह्मी ब्रह्मज्ञो ब्राह्मणप्रियः ॥ ८४ ॥
महाक्रमो महाकर्मा महातेजा महोरगः ।
महाक्रतुर्महायज्वा महायज्ञो महाहविः ॥ ८५ ॥
स्तव्यः स्तवप्रियः स्तोत्रं स्तुतिः स्तोता रणप्रियः ।
पूर्णः पूरयिता पुण्यः पुण्यकीर्तिरनामयः ॥ ८६ ॥
मनोजवस्तीर्थकरो वसुरेता वसुप्रदः ।
वसुप्रदो वासुदेवो वसुर्वसुमना हविः ॥ ८७ ॥
सद्गतिः सत्कृतिः सत्ता सद्भूतिः सत्परायणः ।
शूरसेनो यदुश्रेष्ठः सन्निवासः सुयामुनः ॥ ८८ ॥
भूतावासो वासुदेवः सर्वासुनिलयोऽनलः ।
दर्पहा दर्पदो दृप्तो दुर्धरोऽथापराजितः ॥ ८९ ॥
विश्वमूर्तिर्महामूर्तिर्दीप्तमूर्तिरमूर्तिमान् ।
अनेकमूर्तिरव्यक्तः शतमूर्तिः शताननः ॥ ९० ॥
एको नैकः सवः कः किं यत्तत्पदमनुत्तमम् ।
लोकबन्धुर्लोकनाथो माधवो भक्तवत्सलः ॥ ९१ ॥
सुवर्णवर्णो हेमाङ्गो वराङ्गश्चन्दनाङ्गदी ।
वीरहा विषमः शून्यो घृताशीरचलश्चलः ॥ ९२ ॥
अमानी मानदो मान्यो लोकस्वामी त्रिलोकधृक् ।
सुमेधा मेधजो धन्यः सत्यमेधा धराधरः ॥ ९३ ॥

तेजोवृषो द्युतिधरः सर्वशस्त्रभृतां वरः।
प्रग्रहो निग्रहो व्यग्रो नैकशृङ्गो गदाग्रजः॥ ९४ ॥
चतुर्मूर्तिश्चतुर्बाहुश्चतुर्व्यूहश्चतुर्गतिः।
चतुरात्मा चतुर्भावश्चतुर्वेदविदेकपात्॥ ९५ ॥
समावर्तोऽनिवृत्तात्मा दुर्जयो दुरतिक्रमः।
दुर्लभो दुर्गमो दुर्गो दुरावासो दुरारिहा॥ ९६ ॥
शुभाङ्गो लोकसारङ्गः सुतन्तुस्तन्तुवर्धनः।
इन्द्रकर्मा महाकर्मा कृतकर्मा कृतागमः॥ ९७ ॥
उद्भवः सुन्दरः सुन्दो रत्ननाभः सुलोचनः।
अर्को वाजसनः शृङ्गी जयन्तः सर्वविज्जयी॥ ९८ ॥
सुवर्णबिन्दुरक्षोभ्यः सर्ववागीश्वरेश्वरः।
महाह्रदो महागर्तो महाभूतो महानिधिः॥ ९९ ॥
कुमुदः कुन्दरः कुन्दः पर्जन्यः पावनोऽनिलः।
अमृताशोऽमृतवपुः सर्वज्ञः सर्वतोमुखः॥ १०० ॥
सुलभः सुव्रतः सिद्धः शत्रुजिच्छत्रुतापनः।
न्यग्रोधोदुम्बरोऽश्वत्थश्चाणूरान्ध्रनिषूदनः॥ १०१ ॥
सहस्रार्चिः सप्तजिह्वः सप्तैधाः सप्तवाहनः।
अमूर्तिरनघोऽचिन्त्यो भयकृद्भयनाशनः॥ १०२ ॥
अणुर्बृहत्कृशः स्थूलो गुणभृन्निर्गुणो महान्।
अधृतः स्वधृतः स्वास्यः प्राग्वंशो वंशवर्धनः॥ १०३ ॥
भारभृत्कथितो योगी योगीशः सर्वकामदः।
आश्रमः श्रमणः क्षामः सुपर्णो वायुवाहनः॥ १०४ ॥
धनुर्धरो धनुर्वेदो दण्डो दमयिता दमः।
अपराजितः सर्वसहो नियन्तानियमोऽयमः॥ १०५ ॥

सत्त्ववान्सात्त्विकः सत्यः सत्यधर्मपरायणः।
अभिप्रायः प्रियार्होऽर्हः प्रियकृत्प्रीतिवर्धनः॥ १०६ ॥
विहायसगतिर्ज्योतिः सुरुचिर्हुतभुग्विभुः।
रविर्विरोचनः सूर्यः सविता रविलोचनः॥ १०७ ॥
अनन्तो हुतभुग्भोक्ता सुखदो नैकजोऽग्रजः।
अनिर्विण्णः सदामर्षी लोकाधिष्ठानमद्भुतः॥ १०८ ॥
सनात्सनातनतमः कपिलः कपिरप्ययः।
स्वस्तिदः स्वस्तिकृत्स्वस्ति स्वस्तिभुक्स्वस्तिदक्षिणः॥ १०९ ॥
अरौद्रः कुण्डली चक्री विक्रम्यूर्जितशासनः।
शब्दातिगः शब्दसहः शिशिरः शर्वरीकरः॥ ११० ॥
अक्रूरः पेशलो दक्षो दक्षिणः क्षमिणां वरः।
विद्वत्तमो वीतभयः पुण्यश्रवणकीर्तनः॥ १११ ॥
उत्तारणो दुष्कृतिहा पुण्यो दुःस्वप्ननाशनः।
वीरहा रक्षणः सन्तो जीवनः पर्यवस्थितः॥ ११२ ॥
अनन्तरूपोऽनन्तश्रीर्जितमन्युर्भयापहः।
चतुरस्रो गभीरात्मा विदिशो व्यादिशो दिशः॥ ११३ ॥
अनादिर्भूर्भुवो लक्ष्मीः सुवीरो रुचिराङ्गदः।
जननो जनजन्मादिर्भीमो भीमपराक्रमः॥ ११४ ॥
आधारनिलयोऽधाता पुष्पहासः प्रजागरः।
ऊर्ध्वगः सत्पथाचारः प्राणदः प्रणवः पणः॥ ११५ ॥
प्रमाणं प्राणनिलयः प्राणभृत्प्राणजीवनः।
तत्त्वं तत्त्वविदेकात्मा जन्ममृत्युजरातिगः॥ ११६ ॥
भूर्भुवः स्वस्तरुस्तारः सविता प्रपितामहः।
यज्ञो यज्ञपतिर्यज्वा यज्ञाङ्गो यज्ञवाहनः॥ ११७ ॥

यज्ञभृद्यज्ञकृद्यज्ञी यज्ञभुग्यज्ञसाधनः।
यज्ञान्तकृद्यज्ञगुह्यमन्नमन्नाद एव च॥ ११८॥
आत्मयोनिः स्वयंजातो वैखानः सामगायनः।
देवकीनन्दनः स्त्रष्टा क्षितीशः पापनाशनः॥ ११९॥
शङ्खभृन्नन्दकी चक्री शार्ङ्गधन्वा गदाधरः।
रथाङ्गपाणिरक्षोभ्यः सर्वप्रहरणायुधः॥ १२०॥

॥ सर्वप्रहरणायुध ॐ नम इति॥

॥ फलश्रुतिः॥

इतीदं कीर्तनीयस्य केशवस्य महात्मनः।
नाम्नां सहस्त्रं दिव्यानामशेषेण प्रकीर्तितम्॥ १२१॥
य इदं शृणुयान्नित्यं यश्चापि परिकीर्तयेत्।
नाशुभं प्राप्नुयात्किञ्चित्सोऽमुत्रेह च मानवः॥ १२२॥
वेदान्तगो ब्राह्मणः स्यात्क्षत्रियो विजयी भवेत्।
वैश्यो धनसमृद्धः स्याच्छूद्रः सुखमवाप्नुयात्॥ १२३॥
धर्मार्थी प्राप्नुयाद्धर्ममर्थार्थी चार्थमाप्नुयात्।
कामानवाप्नुयात्कामी प्रजार्थी प्राप्नुयात्प्रजाम्॥ १२४॥
भक्तिमान्यः सदोत्थाय शुचिस्तद्गतमानसः।
सहस्त्रं वासुदेवस्य नाम्नामेतत्प्रकीर्तयेत्॥ १२५॥
यशः प्राप्नोति विपुलं ज्ञातिप्राधान्यमेव च।
अचलां श्रियमाप्नोति श्रेयः प्राप्नोत्यनुत्तमम्॥ १२६॥
न भयं क्वचिदाप्नोति वीर्यं तेजश्च विन्दति।
भवत्यरोगो द्युतिमान्बलरूपगुणान्वितः॥ १२७॥
रोगार्तो मुच्यते रोगाद् बद्धो मुच्येत बन्धनात्।
भयान्मुच्येत भीतस्तु मुच्येतापन्न आपदः॥ १२८॥

दुर्गाण्यतितरत्याशु पुरुषः पुरुषोत्तमम्।
स्तुवन्नामसहस्रेण नित्यं भक्तिसमन्वितः॥ १२९ ॥
वासुदेवाश्रयो मर्त्यो वासुदेवपरायणः।
सर्वपापविशुद्धात्मा याति ब्रह्म सनातनम्॥ १३० ॥
न वासुदेवभक्तानामशुभं विद्यते क्वचित्।
जन्ममृत्युजराव्याधिभयं नैवोपजायते॥ १३१ ॥
इमं स्तवमधीयानः श्रद्धाभक्तिसमन्वितः।
युज्येतात्मसुखक्षान्तिश्रीधृतिस्मृतिकीर्तिभिः ॥ १३२ ॥
न क्रोधो न च मात्सर्यं न लोभो नाशुभा मतिः।
भवन्ति कृतपुण्यानां भक्तानां पुरुषोत्तमे॥ १३३ ॥
द्यौः सचन्द्रार्कनक्षत्रा खं दिशो भूर्महोदधिः।
वासुदेवस्य वीर्येण विधृतानि महात्मनः॥ १३४ ॥
ससुरासुरगन्धर्वं सयक्षोरगराक्षसम्।
जगद्वशे वर्ततेदं कृष्णस्य सचराचरम्॥ १३५ ॥
इन्द्रियाणि मनो बुद्धिः सत्त्वं तेजो बलं धृतिः।
वासुदेवात्मकान्याहुः क्षेत्रं क्षेत्रज्ञ एव च॥ १३६ ॥
सर्वागमानामाचारः प्रथमं परिकल्पते।
आचारप्रभवो धर्मो धर्मस्य प्रभुरच्युतः॥ १३७ ॥
ऋषयः पितरो देवा महाभूतानि धातवः।
जङ्गमाजङ्गमं चेदं जगन्नारायणोद्भवम्॥ १३८ ॥
योगो ज्ञानं तथा सांख्यं विद्याः शिल्पादि कर्म च।
वेदाः शास्त्राणि विज्ञानमेतत्सर्वं जनार्दनात्॥ १३९ ॥
एको विष्णुर्महद्भूतं पृथग्भूतान्यनेकशः।
त्रींल्लोकान्व्याप्य भूतात्मा भुङ्क्ते विश्वभुगव्ययः॥ १४० ॥

इमं स्तवं भगवतो विष्णोर्व्यासेन कीर्तितम्।
पठेद्य इच्छेत्पुरुषः श्रेयः प्राप्तुं सुखानि च॥ १४१ ॥
विश्वेश्वरमजं देवं जगतः प्रभवाप्ययम्।
भजन्ति ये पुष्कराक्षं न ते यान्ति पराभवम्॥ १४२ ॥

॥ ॐ तत्सदिति श्रीमहाभारते शतसाहस्त्र्यां संहितायां वैयासिक्यामानुशासनिके पर्वणि भीष्मयुधिष्ठिरसंवादे श्रीविष्णोर्दिव्यसहस्रनामस्तोत्रम् ॥



॥ श्रीपरमात्मने नमः ॥

श्रीविष्णुसहस्रनामावलिः

१ ॐ विश्वस्मै नमः।
२ ॐ विष्णवे नमः।
३ ॐ वषट्काराय नमः।
४ ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः।
५ ॐ भूतकृते नमः।
६ ॐ भूतभृते नमः।
७ ॐ भावाय नमः।
८ ॐ भूतात्मने नमः।
९ ॐ भूतभावनाय नमः।
१० ॐ पूतात्मने नमः।
११ ॐ परमात्मने नमः।
१२ ॐ मुक्तानां परमायै गतये नमः।
१३ ॐ अव्ययाय नमः।
१४ ॐ पुरुषाय नमः।
१५ ॐ साक्षिणे नमः।
१६ ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः।
१७ ॐ अक्षराय नमः।
१८ ॐ योगाय नमः।
१९ ॐ योगविदां नेत्रे नमः।
२० ॐ प्रधानपुरुषेश्वराय नमः।
२१ ॐ नारसिंहवपुषे नमः।
२२ ॐ श्रीमते नमः।
२३ ॐ केशवाय नमः।
२४ ॐ पुरुषोत्तमाय नमः।
२५ ॐ सर्वस्मै नमः।
२६ ॐ शर्वाय नमः।
२७ ॐ शिवाय नमः।
२८ ॐ स्थाणवे नमः।
२९ ॐ भूतादये नमः।
३० ॐ निधयेऽव्ययाय नमः।
३१ ॐ सम्भवाय नमः।
३२ ॐ भावनाय नमः।
३३ ॐ भर्त्रे नमः।
३४ ॐ प्रभवाय नमः।
३५ ॐ प्रभवे नमः।
३६ ॐ ईश्वराय नमः।
३७ ॐ स्वयम्भुवे नमः।
३८ ॐ शम्भवे नमः।
३९ ॐ आदित्याय नमः।
४० ॐ पुष्कराक्षाय नमः।
४१ ॐ महास्वनाय नमः।
४२ ॐ अनादिनिधनाय नमः।
४३ ॐ धात्रे नमः।
४४ ॐ विधात्रे नमः।
४५ ॐ धातवे उत्तमाय नमः।
४६ ॐ अप्रमेयाय नमः।
४७ ॐ हृषीकेशाय नमः।
४८ ॐ पद्मनाभाय नमः।
४९ ॐ अमरप्रभवे नमः।
५० ॐ विश्वकर्मणे नमः।

५१ ॐ मनवे नमः।
५२ ॐ त्वष्ट्रे नमः।
५३ ॐ स्थविष्ठाय नमः।
५४ ॐ स्थविराय ध्रुवाय नमः।
५५ ॐ अग्राह्याय नमः।
५६ ॐ शाश्वताय नमः।
५७ ॐ कृष्णाय नमः।
५८ ॐ लोहिताक्षाय नमः।
५९ ॐ प्रतर्दनाय नमः।
६० ॐ प्रभूताय नमः।
६१ ॐ त्रिककुब्धाम्ने नमः।
६२ ॐ पवित्राय नमः।
६३ ॐ मङ्गलपराय नमः।
६४ ॐ ईशानाय नमः।
६५ ॐ प्राणदाय नमः।
६६ ॐ प्राणाय नमः।
६७ ॐ ज्येष्ठाय नमः।
६८ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
६९ ॐ प्रजापतये नमः।
७० ॐ हिरण्यगर्भाय नमः।
७१ ॐ भूगर्भाय नमः।
७२ ॐ माधवाय नमः।
७३ ॐ मधुसूदनाय नमः।
७४ ॐ ईश्वराय नमः।
७५ ॐ विक्रमिणे नमः।
७६ ॐ धन्विने नमः।
७७ ॐ मेधाविने नमः।
७८ ॐ विक्रमाय नमः।
७९ ॐ क्रमाय नमः।
८० ॐ अनुत्तमाय नमः।
८१ ॐ दुराधर्षाय नमः।
८२ ॐ कृतज्ञाय नमः।
८३ ॐ कृतये नमः।
८४ ॐ आत्मवते नमः।
८५ ॐ सुरेशाय नमः।
८६ ॐ शरणाय नमः।
८७ ॐ शर्मणे नमः।
८८ ॐ विश्वरेतसे नमः।
८९ ॐ प्रजाभवाय नमः।
९० ॐ अह्ने नमः।
९१ ॐ संवत्सराय नमः।
९२ ॐ व्यालाय नमः।
९३ ॐ प्रत्ययाय नमः।
९४ ॐ सर्वदर्शनाय नमः।
९५ ॐ अजाय नमः।
९६ ॐ सर्वेश्वराय नमः।
९७ ॐ सिद्धाय नमः।
९८ ॐ सिद्धये नमः।
९९ ॐ सर्वादये नमः।
१०० ॐ अच्युताय नमः।
१०१ ॐ वृषाकपये नमः।
१०२ ॐ अमेयात्मने नमः।
१०३ ॐ सर्वयोगविनिःसृताय नमः।
१०४ ॐ वसवे नमः।
१०५ ॐ वसुमनसे नमः।
१०६ ॐ सत्याय नमः।
१०७ ॐ समात्मने नमः।
१०८ ॐ असम्मिताय नमः।
१०९ ॐ समाय नमः।
११० ॐ अमोघाय नमः।

१११ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
११२ ॐ वृषकर्मणे नमः।
११३ ॐ वृषाकृतये नमः।
११४ ॐ रुद्राय नमः।
११५ ॐ बहुशिरसे नमः।
११६ ॐ बभ्रवे नमः।
११७ ॐ विश्वयोनये नमः।
११८ ॐ शुचिश्रवसे नमः।
११९ ॐ अमृताय नमः।
१२० ॐ शाश्वतस्थाणवे नमः।
१२१ ॐ वरारोहाय नमः।
१२२ ॐ महातपसे नमः।
१२३ ॐ सर्वगाय नमः।
१२४ ॐ सर्वविद्भानवे नमः।
१२५ ॐ विष्वक्सेनाय नमः।
१२६ ॐ जनार्दनाय नमः।
१२७ ॐ वेदाय नमः।
१२८ ॐ वेदविदे नमः।
१२९ ॐ अव्यङ्गाय नमः।
१३० ॐ वेदाङ्गाय नमः।
१३१ ॐ वेदविदे नमः।
१३२ ॐ कवये नमः।
१३३ ॐ लोकाध्यक्षाय नमः।
१३४ ॐ सुराध्यक्षाय नमः।
१३५ ॐ धर्माध्यक्षाय नमः।
१३६ ॐ कृताकृताय नमः।
१३७ ॐ चतुरात्मने नमः।
१३८ ॐ चतुर्व्यूहाय नमः।
१३९ ॐ चतुर्दंष्ट्राय नमः।
१४० ॐ चतुर्भुजाय नमः।
१४१ ॐ भ्राजिष्णवे नमः।
१४२ ॐ भोजनाय नमः।
१४३ ॐ भोक्त्रे नमः।
१४४ ॐ सहिष्णवे नमः।
१४५ ॐ जगदादिजाय नमः।
१४६ ॐ अनघाय नमः।
१४७ ॐ विजयाय नमः।
१४८ ॐ जेत्रे नमः।
१४९ ॐ विश्वयोनये नमः।
१५० ॐ पुनर्वसवे नमः।
१५१ ॐ उपेन्द्राय नमः।
१५२ ॐ वामनाय नमः।
१५३ ॐ प्रांशवे नमः।
१५४ ॐ अमोघाय नमः।
१५५ ॐ शुचये नमः।
१५६ ॐ ऊर्जिताय नमः।
१५७ ॐ अतीन्द्राय नमः।
१५८ ॐ संग्रहाय नमः।
१५९ ॐ सर्गाय नमः।
१६० ॐ धृतात्मने नमः।
१६१ ॐ नियमाय नमः।
१६२ ॐ यमाय नमः।
१६३ ॐ वेद्याय नमः।
१६४ ॐ वैद्याय नमः।
१६५ ॐ सदायोगिने नमः।
१६६ ॐ वीरघ्ने नमः।
१६७ ॐ माधवाय नमः।
१६८ ॐ मधवे नमः।
१६९ ॐ अतीन्द्रियाय नमः।
१७० ॐ महामायाय नमः।

१७१ ॐ महोत्साहाय नमः।
१७२ ॐ महाबलाय नमः।
१७३ ॐ महाबुद्धये नमः।
१७४ ॐ महावीर्याय नमः।
१७५ ॐ महाशक्तये नमः।
१७६ ॐ महाद्युतये नमः।
१७७ ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः।
१७८ ॐ श्रीमते नमः।
१७९ ॐ अमेयात्मने नमः।
१८० ॐ महाद्रिधृषे नमः।
१८१ ॐ महेष्वासाय नमः।
१८२ ॐ महीभर्त्रे नमः।
१८३ ॐ श्रीनिवासाय नमः।
१८४ ॐ सतां गतये नमः।
१८५ ॐ अनिरुद्धाय नमः।
१८६ ॐ सुरानन्दाय नमः।
१८७ ॐ गोविन्दाय नमः।
१८८ ॐ गोविदां पतये नमः।
१८९ ॐ मरीचये नमः।
१९० ॐ दमनाय नमः।
१९१ ॐ हंसाय नमः।
१९२ ॐ सुपर्णाय नमः।
१९३ ॐ भुजगोत्तमाय नमः।
१९४ ॐ हिरण्यनाभाय नमः।
१९५ ॐ सुतपसे नमः।
१९६ ॐ पद्मनाभाय नमः।
१९७ ॐ प्रजापतये नमः।
१९८ ॐ अमृत्यवे नमः।
१९९ ॐ सर्वदृशे नमः।
२०० ॐ सिंहाय नमः।

२०१ ॐ संधात्रे नमः।
२०२ ॐ संधिमते नमः।
२०३ ॐ स्थिराय नमः।
२०४ ॐ अजाय नमः।
२०५ ॐ दुर्मर्षणाय नमः।
२०६ ॐ शास्त्रे नमः।
२०७ ॐ विश्रुतात्मने नमः।
२०८ ॐ सुरारिघ्ने नमः।
२०९ ॐ गुरवे नमः।
२१० ॐ गुरुतमाय नमः।
२११ ॐ धाम्ने नमः।
२१२ ॐ सत्याय नमः।
२१३ ॐ सत्यपराक्रमाय नमः।
२१४ ॐ निमिषाय नमः।
२१५ ॐ अनिमिषाय नमः।
२१६ ॐ स्रग्विणे नमः।
२१७ ॐ वाचस्पतये उदारधिये नमः।
२१८ ॐ अग्रण्ये नमः।
२१९ ॐ ग्रामण्ये नमः।
२२० ॐ श्रीमते नमः।
२२१ ॐ न्यायाय नमः।
२२२ ॐ नेत्रे नमः।
२२३ ॐ समीरणाय नमः।
२२४ ॐ सहस्त्रमूर्ध्ने नमः।
२२५ ॐ विश्वात्मने नमः।
२२६ ॐ सहस्त्राक्षाय नमः।
२२७ ॐ सहस्त्रपदे नमः।
२२८ ॐ आवर्तनाय नमः।
२२९ ॐ निवृत्तात्मने नमः।
२३० ॐ संवृताय नमः।

२३१ ॐ सम्प्रमर्दनाय नमः।
२३२ ॐ अहःसंवर्तकाय नमः।
२३३ ॐ वह्नये नमः।
२३४ ॐ अनिलाय नमः।
२३५ ॐ धरणीधराय नमः।
२३६ ॐ सुप्रसादाय नमः।
२३७ ॐ प्रसन्नात्मने नमः।
२३८ ॐ विश्वधृषे नमः।
२३९ ॐ विश्वभुजे नमः।
२४० ॐ विभवे नमः।
२४१ ॐ सत्कर्त्रे नमः।
२४२ ॐ सत्कृताय नमः।
२४३ ॐ साधवे नमः।
२४४ ॐ जह्नवे नमः।
२४५ ॐ नारायणाय नमः।
२४६ ॐ नराय नमः।
२४७ ॐ असंख्येयाय नमः।
२४८ ॐ अप्रमेयात्मने नमः।
२४९ ॐ विशिष्टाय नमः।
२५० ॐ शिष्टकृते नमः।
२५१ ॐ शुचये नमः।
२५२ ॐ सिद्धार्थाय नमः।
२५३ ॐ सिद्धसंकल्पाय नमः।
२५४ ॐ सिद्धिदाय नमः।
२५५ ॐ सिद्धिसाधनाय नमः।
२५६ ॐ वृषाहिने नमः।
२५७ ॐ वृषभाय नमः।
२५८ ॐ विष्णवे नमः।
२५९ ॐ वृषपर्वणे नमः।
२६० ॐ वृषोदराय नमः।
२६१ ॐ वर्धनाय नमः।
२६२ ॐ वर्धमानाय नमः।
२६३ ॐ विविक्ताय नमः।
२६४ ॐ श्रुतिसागराय नमः।
२६५ ॐ सुभुजाय नमः।
२६६ ॐ दुर्धराय नमः।
२६७ ॐ वाग्मिने नमः।
२६८ ॐ महेन्द्राय नमः।
२६९ ॐ वसुदाय नमः।
२७० ॐ वसवे नमः।
२७१ ॐ नैकरूपाय नमः।
२७२ ॐ बृहद्रूपाय नमः।
२७३ ॐ शिपिविष्टाय नमः।
२७४ ॐ प्रकाशनाय नमः।
२७५ ॐ ओजस्तेजोद्युतिधराय नमः।
२७६ ॐ प्रकाशात्मने नमः।
२७७ ॐ प्रतापनाय नमः।
२७८ ॐ ऋद्धाय नमः।
२७९ ॐ स्पष्टाक्षराय नमः।
२८० ॐ मन्त्राय नमः।
२८१ ॐ चन्द्रांशवे नमः।
२८२ ॐ भास्करद्युतये नमः।
२८३ ॐ अमृतांशूद्भवाय नमः।
२८४ ॐ भानवे नमः।
२८५ ॐ शशबिन्दवे नमः।
२८६ ॐ सुरेश्वराय नमः।
२८७ ॐ औषधाय नमः।
२८८ ॐ जगतः सेतवे नमः।
२८९ ॐ सत्यधर्मपराक्रमाय नमः।
२९० ॐ भूतभव्यभवन्नाथाय नमः।

२९१ ॐ पवनाय नमः।
२९२ ॐ पावनाय नमः।
२९३ ॐ अनलाय नमः।
२९४ ॐ कामघ्ने नमः ।
२९५ ॐ कामकृते नमः।
२९६ ॐ कान्ताय नमः।
२९७ ॐ कामाय नमः।
२९८ ॐ कामप्रदाय नमः।
२९९ ॐ प्रभवे नमः।
३०० ॐ युगादिकृते नमः।
३०१ ॐ युगावर्ताय नमः।
३०२ ॐ नैकमायाय नमः।
३०३ ॐ महाशनाय नमः।
३०४ ॐ अदृश्याय नमः।
३०५ ॐ अव्यक्तरूपाय नमः।
३०६ ॐ सहस्रजिते नमः।
३०७ ॐ अनन्तजिते नमः।
३०८ ॐ इष्टाय नमः।
३०९ ॐ अविशिष्टाय नमः।
३१० ॐ शिष्टेष्टाय नमः।
३११ ॐ शिखण्डिने नमः।
३१२ ॐ नहुषाय नमः।
३१३ ॐ वृषाय नमः।
३१४ ॐ क्रोधघ्ने नमः।
३१५ ॐ क्रोधकृत्कर्त्रे नमः।
३१६ ॐ विश्वबाहवे नमः।
३१७ ॐ महीधराय नमः।
३१८ ॐ अच्युताय नमः।
३१९ ॐ प्रथिताय नमः।
३२० ॐ प्राणाय नमः।
३२१ ॐ प्राणदाय नमः।
३२२ ॐ वासवानुजाय नमः।
३२३ ॐ अपां निधये नमः।
३२४ ॐ अधिष्ठानाय नमः।
३२५ ॐ अप्रमत्ताय नमः।
३२६ ॐ प्रतिष्ठिताय नमः।
३२७ ॐ स्कन्दाय नमः।
३२८ ॐ स्कन्दधराय नमः।
३२९ ॐ धुर्याय नमः।
३३० ॐ वरदाय नमः।
३३१ ॐ वायुवाहनाय नमः।
३३२ ॐ वासुदेवाय नमः।
३३३ ॐ बृहद्भानवे नमः।
३३४ ॐ आदिदेवाय नमः।
३३५ ॐ पुरन्दराय नमः।
३३६ ॐ अशोकाय नमः।
३३७ ॐ तारणाय नमः।
३३८ ॐ ताराय नमः।
३३९ ॐ शूराय नमः।
३४० ॐ शौरये नमः।
३४१ ॐ जनेश्वराय नमः।
३४२ ॐ अनुकूलाय नमः।
३४३ ॐ शतावर्ताय नमः।
३४४ ॐ पद्मिने नमः।
३४५ ॐ पद्मनिभेक्षणाय नमः।
३४६ ॐ पद्मनाभाय नमः।
३४७ ॐ अरविन्दाक्षाय नमः।
३४८ ॐ पद्मगर्भाय नमः।

३४९ ॐ शरीरभृते नमः।
३५० ॐ महर्द्धये नमः।
३५१ ॐ ऋद्धाय नमः।
३५२ ॐ वृद्धात्मने नमः।
३५३ ॐ महाक्षाय नमः।
३५४ ॐ गरुडध्वजाय नमः।
३५५ ॐ अतुलाय नमः।
३५६ ॐ शरभाय नमः।
३५७ ॐ भीमाय नमः।
३५८ ॐ समयज्ञाय नमः।
३५९ ॐ हविर्हरये नमः।
३६० ॐ सर्वलक्षणलक्षण्याय नमः।
३६१ ॐ लक्ष्मीवते नमः।
३६२ ॐ समितिञ्जयाय नमः।
३६३ ॐ विक्षराय नमः।
३६४ ॐ रोहिताय नमः।
३६५ ॐ मार्गाय नमः।
३६६ ॐ हेतवे नमः।
३६७ ॐ दामोदराय नमः।
३६८ ॐ सहाय नमः।
३६९ ॐ महीधराय नमः।
३७० ॐ महाभागाय नमः।
३७१ ॐ वेगवते नमः।
३७२ ॐ अमिताशनाय नमः।
३७३ ॐ उद्भवाय नमः।
३७४ ॐ क्षोभणाय नमः।
३७५ ॐ देवाय नमः।
३७६ ॐ श्रीगर्भाय नमः।
३७७ ॐ परमेश्वराय नमः।
३७८ ॐ करणाय नमः।
३७९ ॐ कारणाय नमः।
३८० ॐ कर्त्रे नमः।
३८१ ॐ विकर्त्रे नमः।
३८२ ॐ गहनाय नमः।
३८३ ॐ गुहाय नमः।
३८४ ॐ व्यवसायाय नमः।
३८५ ॐ व्यवस्थानाय नमः।
३८६ ॐ संस्थानाय नमः।
३८७ ॐ स्थानदाय नमः।
३८८ ॐ ध्रुवाय नमः।
३८९ ॐ परर्द्धये नमः।
३९० ॐ परमस्पष्टाय नमः।
३९१ ॐ तुष्टाय नमः।
३९२ ॐ पुष्टाय नमः।
३९३ ॐ शुभेक्षणाय नमः।
३९४ ॐ रामाय नमः।
३९५ ॐ विरामाय नमः।
३९६ ॐ विरजसे नमः।
३९७ ॐ मार्गाय नमः।
३९८ ॐ नेयाय नमः।
३९९ ॐ नयाय नमः।
४०० ॐ अनयाय नमः।
४०१ ॐ वीराय नमः।
४०२ ॐ शक्तिमतां श्रेष्ठाय नमः।
४०३ ॐ धर्माय नमः।
४०४ ॐ धर्मविदुत्तमाय नमः।
४०५ ॐ वैकुण्ठाय नमः।
४०६ ॐ पुरुषाय नमः।

४०७ ॐ प्राणाय नमः।
४०८ ॐ प्राणदाय नमः।
४०९ ॐ प्रणवाय नमः।
४१० ॐ पृथवे नमः।
४११ ॐ हिरण्यगर्भाय नमः।
४१२ ॐ शत्रुघ्नाय नमः।
४१३ ॐ व्याप्ताय नमः।
४१४ ॐ वायवे नमः।
४१५ ॐ अधोक्षजाय नमः।
४१६ ॐ ऋतवे नमः।
४१७ ॐ सुदर्शनाय नमः।
४१८ ॐ कालाय नमः।
४१९ ॐ परमेष्ठिने नमः।
४२० ॐ परिग्रहाय नमः।
४२१ ॐ उग्राय नमः।
४२२ ॐ संवत्सराय नमः।
४२३ ॐ दक्षाय नमः।
४२४ ॐ विश्रामाय नमः।
४२५ ॐ विश्वदक्षिणाय नमः।
४२६ ॐ विस्ताराय नमः।
४२७ ॐ स्थावरस्थाणवे नमः।
४२८ ॐ प्रमाणाय नमः।
४२९ ॐ बीजायाव्ययाय नमः।
४३० ॐ अर्थाय नमः।
४३१ ॐ अनर्थाय नमः।
४३२ ॐ महाकोशाय नमः।
४३३ ॐ महाभोगाय नमः।
४३४ ॐ महाधनाय नमः।
४३५ ॐ अनिर्विण्णाय नमः।
४३६ ॐ स्थविष्ठाय नमः।
४३७ ॐ अभुवे नमः।
४३८ ॐ धर्मयूपाय नमः।
४३९ ॐ महामखाय नमः।
४४० ॐ नक्षत्रनेमये नमः।
४४१ ॐ नक्षत्रिणे नमः।
४४२ ॐ क्षमाय नमः।
४४३ ॐ क्षामाय नमः।
४४४ ॐ समीहनाय नमः।
४४५ ॐ यज्ञाय नमः।
४४६ ॐ इज्याय नमः।
४४७ ॐ महेज्याय नमः।
४४८ ॐ क्रतवे नमः।
४४९ ॐ सत्राय नमः।
४५० ॐ सतां गतये नमः।
४५१ ॐ सर्वदर्शिने नमः।
४५२ ॐ विमुक्तात्मने नमः।
४५३ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
४५४ ॐ ज्ञानाय उत्तमाय नमः।
४५५ ॐ सुव्रताय नमः।
४५६ ॐ सुमुखाय नमः।
४५७ ॐ सूक्ष्माय नमः।
४५८ ॐ सुघोषाय नमः।
४५९ ॐ सुखदाय नमः।
४६० ॐ सुहृदे नमः।
४६१ ॐ मनोहराय नमः।
४६२ ॐ जितक्रोधाय नमः।
४६३ ॐ वीरबाहवे नमः।
४६४ ॐ विदारणाय नमः।

४६५ ॐ स्वापनाय नमः।
४६६ ॐ स्ववशाय नमः।
४६७ ॐ व्यापिने नमः।
४६८ ॐ नैकात्मने नमः।
४६९ ॐ नैककर्मकृते नमः।
४७० ॐ वत्सराय नमः।
४७१ ॐ वत्सलाय नमः।
४७२ ॐ वत्सिने नमः।
४७३ ॐ रत्नगर्भाय नमः।
४७४ ॐ धनेश्वराय नमः।
४७५ ॐ धर्मगुपे नमः।
४७६ ॐ धर्मकृते नमः।
४७७ ॐ धर्मिणे नमः।
४७८ ॐ सते नमः।
४७९ ॐ असते नमः।
४८० ॐ क्षराय नमः।
४८१ ॐ अक्षराय नमः।
४८२ ॐ अविज्ञात्रे नमः।
४८३ ॐ सहस्रांशवे नमः।
४८४ ॐ विधात्रे नमः।
४८५ ॐ कृतलक्षणाय नमः।
४८६ ॐ गभस्तिनेमये नमः।
४८७ ॐ सत्त्वस्थाय नमः।
४८८ ॐ सिंहाय नमः।
४८९ ॐ भूतमहेश्वराय नमः।
४९० ॐ आदिदेवाय नमः।
४९१ ॐ महादेवाय नमः।
४९२ ॐ देवेशाय नमः।
४९३ ॐ देवभृद्गुरवे नमः।
४९४ ॐ उत्तरस्मै नमः।
४९५ ॐ गोपतये नमः।
४९६ ॐ गोप्त्रे नमः।
४९७ ॐ ज्ञानगम्याय नमः।
४९८ ॐ पुरातनाय नमः।
४९९ ॐ शरीरभूतभृते नमः।
५०० ॐ भोक्त्रे नमः।
५०१ ॐ कपीन्द्राय नमः।
५०२ ॐ भूरिदक्षिणाय नमः।
५०३ ॐ सोमपाय नमः।
५०४ ॐ अमृतपाय नमः।
५०५ ॐ सोमाय नमः।
५०६ ॐ पुरुजिते नमः।
५०७ ॐ पुरुसत्तमाय नमः।
५०८ ॐ विनयाय नमः।
५०९ ॐ जयाय नमः।
५१० ॐ सत्यसंधाय नमः।
५११ ॐ दाशार्हाय नमः।
५१२ ॐ सात्वतां पत्ये नमः।
५१३ ॐ जीवाय नमः।
५१४ ॐ विनयितासाक्षिणे नमः।
५१५ ॐ मुकुन्दाय नमः।
५१६ ॐ अमितविक्रमाय नमः।
५१७ ॐ अम्भोनिधये नमः।
५१८ ॐ अनन्तात्मने नमः।
५१९ ॐ महोदधिशयाय नमः।
५२० ॐ अन्तकाय नमः।
५२१ ॐ अजाय नमः।
५२२ ॐ महार्हाय नमः।

५२३ ॐ स्वाभाव्याय नमः।
५२४ ॐ जितामित्राय नमः।
५२५ ॐ प्रमोदनाय नमः।
५२६ ॐ आनन्दाय नमः।
५२७ ॐ नन्दनाय नमः।
५२८ ॐ नन्दाय नमः।
५२९ ॐ सत्यधर्माय नमः।
५३० ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
५३१ ॐ महर्षये कपिलाचार्याय नमः।
५३२ ॐ कृतज्ञाय नमः।
५३३ ॐ मेदिनीपतये नमः।
५३४ ॐ त्रिपदाय नमः।
५३५ ॐ त्रिदशाध्यक्षाय नमः।
५३६ ॐ महाशृङ्गाय नमः।
५३७ ॐ कृतान्तकृते नमः।
५३८ ॐ महावराहाय नमः।
५३९ ॐ गोविन्दाय नमः।
५४० ॐ सुषेणाय नमः।
५४१ ॐ कनकाङ्गदिने नमः।
५४२ ॐ गुह्याय नमः।
५४३ ॐ गभीराय नमः।
५४४ ॐ गहनाय नमः।
५४५ ॐ गुप्ताय नमः।
५४६ ॐ चक्रगदाधराय नमः।
५४७ ॐ वेधसे नमः।
५४८ ॐ स्वाङ्गाय नमः।
५४९ ॐ अजिताय नमः।
५५० ॐ कृष्णाय नमः।
५५१ ॐ दृढाय नमः।
५५२ ॐ सङ्कर्षणायाच्युताय नमः।
५५३ ॐ वरुणाय नमः।
५५४ ॐ वारुणाय नमः।
५५५ ॐ वृक्षाय नमः।
५५६ ॐ पुष्कराक्षाय नमः।
५५७ ॐ महामनसे नमः।
५५८ ॐ भगवते नमः।
५५९ ॐ भगघ्ने नमः।
५६० ॐ आनन्दिने नमः।
५६१ ॐ वनमालिने नमः।
५६२ ॐ हलायुधाय नमः।
५६३ ॐ आदित्याय नमः।
५६४ ॐ ज्योतिरादित्याय नमः।
५६५ ॐ सहिष्णवे नमः।
५६६ ॐ गतिसत्तमाय नमः।
५६७ ॐ सुधन्वने नमः।
५६८ ॐ खण्डपरशवे नमः।
५६९ ॐ दारुणाय नमः।
५७० ॐ द्रविणप्रदाय नमः।
५७१ ॐ दिविस्पृशे नमः।
५७२ ॐ सर्वदृग्व्यासाय नमः।
५७३ ॐ वाचस्पतये अयोनिजाय नमः।
५७४ ॐ त्रिसाम्ने नमः।
५७५ ॐ सामगाय नमः।
५७६ ॐ साम्ने नमः।
५७७ ॐ निर्वाणाय नमः।
५७८ ॐ भेषजाय नमः।
५७९ ॐ भिषजे नमः।
५८० ॐ संन्यासकृते नमः।

५८१ ॐ शमाय नमः।
५८२ ॐ शान्ताय नमः।
५८३ ॐ निष्ठायै नमः।
५८४ ॐ शान्त्यै नमः।
५८५ ॐ परायणाय नमः।
५८६ ॐ शुभाङ्गाय नमः।
५८७ ॐ शान्तिदाय नमः।
५८८ ॐ स्रष्ट्रे नमः।
५८९ ॐ कुमुदाय नमः।
५९० ॐ कुवलेशयाय नमः।
५९१ ॐ गोहिताय नमः।
५९२ ॐ गोपतये नमः।
५९३ ॐ गोप्त्रे नमः।
५९४ ॐ वृषभाक्षाय नमः।
५९५ ॐ वृषप्रियाय नमः।
५९६ ॐ अनिवर्तिने नमः।
५९७ ॐ निवृत्तात्मने नमः।
५९८ ॐ संक्षेप्त्रे नमः।
५९९ ॐ क्षेमकृते नमः।
६०० ॐ शिवाय नमः।
६०१ ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः।
६०२ ॐ श्रीवासाय नमः।
६०३ ॐ श्रीपतये नमः।
६०४ ॐ श्रीमतां वराय नमः।
६०५ ॐ श्रीदाय नमः।
६०६ ॐ श्रीशाय नमः।
६०७ ॐ श्रीनिवासाय नमः।
६०८ ॐ श्रीनिधये नमः।
६०९ ॐ श्रीविभावनाय नमः।
६१० ॐ श्रीधराय नमः।
६११ ॐ श्रीकराय नमः।
६१२ ॐ श्रेयसे नमः।
६१३ ॐ श्रीमते नमः।
६१४ ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः।
६१५ ॐ स्वक्षाय नमः।
६१६ ॐ स्वङ्गाय नमः।
६१७ ॐ शतानन्दाय नमः।
६१८ ॐ नन्दिने नमः।
६१९ ॐ ज्योतिर्गणेश्वराय नमः।
६२० ॐ विजितात्मने नमः।
६२१ ॐ अविधेयात्मने नमः।
६२२ ॐ सत्कीर्तये नमः।
६२३ ॐ छिन्नसंशयाय नमः।
६२४ ॐ उदीर्णाय नमः।
६२५ ॐ सर्वतश्चक्षुषे नमः।
६२६ ॐ अनीशाय नमः।
६२७ ॐ शाश्वतस्थिराय नमः।
६२८ ॐ भूशयाय नमः।
६२९ ॐ भूषणाय नमः।
६३० ॐ भूतये नमः।
६३१ ॐ विशोकाय नमः।
६३२ ॐ शोकनाशनाय नमः।
६३३ ॐ अर्चिष्मते नमः।
६३४ ॐ अर्चिताय नमः।
६३५ ॐ कुम्भाय नमः।
६३६ ॐ विशुद्धात्मने नमः।
६३७ ॐ विशोधनाय नमः।
६३८ ॐ अनिरुद्धाय नमः।

६३९ ॐ अप्रतिरथाय नमः।
६४० ॐ प्रद्युम्नाय नमः।
६४१ ॐ अमितविक्रमाय नमः।
६४२ ॐ कालनेमिनिघ्ने नमः।
६४३ ॐ वीराय नमः।
६४४ ॐ शौरये नमः।
६४५ ॐ शूरजनेश्वराय नमः।
६४६ ॐ त्रिलोकात्मने नमः।
६४७ ॐ त्रिलोकेशाय नमः।
६४८ ॐ केशवाय नमः।
६४९ ॐ केशिघ्ने नमः।
६५० ॐ हरये नमः।
६५१ ॐ कामदेवाय नमः।
६५२ ॐ कामपालाय नमः।
६५३ ॐ कामिने नमः।
६५४ ॐ कान्ताय नमः।
६५५ ॐ कृतागमाय नमः।
६५६ ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः।
६५७ ॐ विष्णवे नमः।
६५८ ॐ वीराय नमः।
६५९ ॐ अनन्ताय नमः।
६६० ॐ धनंजयाय नमः।
६६१ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
६६२ ॐ ब्रह्मकृते नमः।
६६३ ॐ ब्रह्मणे नमः।
६६४ ॐ ब्रह्मणे नमः।
६६५ ॐ ब्रह्मविवर्धनाय नमः।
६६६ ॐ ब्रह्मविदे नमः।
६६७ ॐ ब्राह्मणाय नमः।
६६८ ॐ ब्रह्मिणे नमः।
६६९ ॐ ब्रह्मज्ञाय नमः।
६७० ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः।
६७१ ॐ महाक्रमाय नमः।
६७२ ॐ महाकर्मणे नमः।
६७३ ॐ महातेजसे नमः।
६७४ ॐ महोरगाय नमः।
६७५ ॐ महाक्रतवे नमः।
६७६ ॐ महायज्वने नमः।
६७७ ॐ महायज्ञाय नमः।
६७८ ॐ महाहविषे नमः।
६७९ ॐ स्तव्याय नमः।
६८० ॐ स्तवप्रियाय नमः।
६८१ ॐ स्तोत्राय नमः।
६८२ ॐ स्तुतये नमः।
६८३ ॐ स्तोत्रे नमः।
६८४ ॐ रणप्रियाय नमः।
६८५ ॐ पूर्णाय नमः।
६८६ ॐ पूरयित्रे नमः।
६८७ ॐ पुण्याय नमः।
६८८ ॐ पुण्यकीर्तये नमः।
६८९ ॐ अनामयाय नमः।
६९० ॐ मनोजवाय नमः।
६९१ ॐ तीर्थकराय नमः।
६९२ ॐ वसुरेतसे नमः।
६९३ ॐ वसुप्रदाय नमः।
६९४ ॐ वसुप्रदाय नमः।
६९५ ॐ वासुदेवाय नमः।
६९६ ॐ वसवे नमः।

६९७ ॐ वसुमनसे नमः।
६९८ ॐ हविषे नमः।
६९९ ॐ सद्गतये नमः।
७०० ॐ सत्कृतये नमः।
७०१ ॐ सत्तायै नमः।
७०२ ॐ सद्भूतये नमः।
७०३ ॐ सत्परायणाय नमः।
७०४ ॐ शूरसेनाय नमः।
७०५ ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः।
७०६ ॐ सन्निवासाय नमः।
७०७ ॐ सुयामुनाय नमः।
७०८ ॐ भूतावासाय नमः।
७०९ ॐ वासुदेवाय नमः।
७१० ॐ सर्वासुनिलयाय नमः।
७११ ॐ अनलाय नमः।
७१२ ॐ दर्पघ्ने नमः।
७१३ ॐ दर्पदाय नमः।
७१४ ॐ दृप्ताय नमः।
७१५ ॐ दुर्धराय नमः।
७१६ ॐ अपराजिताय नमः।
७१७ ॐ विश्वमूर्तये नमः।
७१८ ॐ महामूर्तये नमः।
७१९ ॐ दीप्तमूर्तये नमः।
७२० ॐ अमूर्तिमते नमः।
७२१ ॐ अनेकमूर्तये नमः।
७२२ ॐ अव्यक्ताय नमः।
७२३ ॐ शतमूर्तये नमः।
७२४ ॐ शताननाय नमः।
७२५ ॐ एकस्मै नमः।
७२६ ॐ नैकाय नमः।
७२७ ॐ सवाय नमः।
७२८ ॐ काय नमः।
७२९ ॐ कस्मै नमः।
७३० ॐ यस्मै नमः।
७३१ ॐ तस्मै नमः।
७३२ ॐ पदायानुत्तमाय नमः।
७३३ ॐ लोकबन्धवे नमः।
७३४ ॐ लोकनाथाय नमः।
७३५ ॐ माधवाय नमः।
७३६ ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
७३७ ॐ सुवर्णवर्णाय नमः।
७३८ ॐ हेमाङ्गाय नमः।
७३९ ॐ वराङ्गाय नमः।
७४० ॐ चन्दनाङ्गदिने नमः।
७४१ ॐ वीरघ्ने नमः।
७४२ ॐ विषमाय नमः।
७४३ ॐ शून्याय नमः।
७४४ ॐ घृताशिषे नमः।
७४५ ॐ अचलाय नमः।
७४६ ॐ चलाय नमः।
७४७ ॐ अमानिने नमः।
७४८ ॐ मानदाय नमः।
७४९ ॐ मान्याय नमः।
७५० ॐ लोकस्वामिने नमः।
७५१ ॐ त्रिलोकधृषे नमः।
७५२ ॐ सुमेधसे नमः।
७५३ ॐ मेधजाय नमः।
७५४ ॐ धन्याय नमः।

७५५ ॐ सत्यमेधसे नमः।
७५६ ॐ धराधराय नमः।
७५७ ॐ तेजोवृषाय नमः।
७५८ ॐ द्युतिधराय नमः।
७५९ ॐ सर्वशस्त्रभृतां वराय नमः।
७६० ॐ प्रग्रहाय नमः।
७६१ ॐ निग्रहाय नमः।
७६२ ॐ व्यग्राय नमः।
७६३ ॐ नैकशृङ्गाय नमः।
७६४ ॐ गदाग्रजाय नमः।
७६५ ॐ चतुर्मूर्तये नमः।
७६६ ॐ चतुर्बाहवे नमः।
७६७ ॐ चतुर्व्यूहाय नमः।
७६८ ॐ चतुर्गतये नमः।
७६९ ॐ चतुरात्मने नमः।
७७० ॐ चतुर्भावाय नमः।
७७१ ॐ चतुर्वेदविदे नमः।
७७२ ॐ एकपदे नमः।
७७३ ॐ समावर्ताय नमः।
७७४ ॐ अनिवृत्तात्मने नमः।
७७५ ॐ दुर्जयाय नमः।
७७६ ॐ दुरतिक्रमाय नमः।
७७७ ॐ दुर्लभाय नमः।
७७८ ॐ दुर्गमाय नमः।
७७९ ॐ दुर्गाय नमः।
७८० ॐ दुरावासाय नमः।
७८१ ॐ दुरारिघ्ने नमः।
७८२ ॐ शुभाङ्गाय नमः।
७८३ ॐ लोकसारङ्गाय नमः।
७८४ ॐ सुतन्तवे नमः।
७८५ ॐ तन्तुवर्धनाय नमः।
७८६ ॐ इन्द्रकर्मणे नमः।
७८७ ॐ महाकर्मणे नमः।
७८८ ॐ कृतकर्मणे नमः।
७८९ ॐ कृतागमाय नमः।
७९० ॐ उद्भवाय नमः।
७९१ ॐ सुन्दराय नमः।
७९२ ॐ सुन्दाय नमः।
७९३ ॐ रत्ननाभाय नमः।
७९४ ॐ सुलोचनाय नमः।
७९५ ॐ अर्काय नमः।
७९६ ॐ वाजसनाय नमः।
७९७ ॐ शृङ्गिणे नमः।
७९८ ॐ जयन्ताय नमः।
७९९ ॐ सर्वविज्जयिने नमः।
८०० ॐ सुवर्णबिन्दवे नमः।
८०१ ॐ अक्षोभ्याय नमः।
८०२ ॐ सर्ववागीश्वरेश्वराय नमः।
८०३ ॐ महाह्रदाय नमः।
८०४ ॐ महागर्ताय नमः।
८०५ ॐ महाभूताय नमः।
८०६ ॐ महानिधये नमः।
८०७ ॐ कुमुदाय नमः।
८०८ ॐ कुन्दराय नमः।
८०९ ॐ कुन्दाय नमः।
८१० ॐ पर्जन्याय नमः।
८११ ॐ पावनाय नमः।
८१२ ॐ अनिलाय नमः।

८१३ ॐ अमृताशाय नमः।
८१४ ॐ अमृतवपुषे नमः।
८१५ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
८१६ ॐ सर्वतोमुखाय नमः।
८१७ ॐ सुलभाय नमः।
८१८ ॐ सुव्रताय नमः।
८१९ ॐ सिद्धाय नमः।
८२० ॐ शत्रुजिते नमः।
८२१ ॐ शत्रुतापनाय नमः।
८२२ ॐ न्यग्रोधाय नमः।
८२३ ॐ उदुम्बराय नमः।
८२४ ॐ अश्वत्थाय नमः।
८२५ ॐ चाणूरान्ध्रनिषूदनाय नमः।
८२६ ॐ सहस्रार्चिषे नमः।
८२७ ॐ सप्तजिह्वाय नमः।
८२८ ॐ सप्तैधसे नमः।
८२९ ॐ सप्तवाहनाय नमः।
८३० ॐ अमूर्तये नमः।
८३१ ॐ अनघाय नमः।
८३२ ॐ अचिन्त्याय नमः।
८३३ ॐ भयकृते नमः।
८३४ ॐ भयनाशनाय नमः।
८३५ ॐ अणवे नमः।
८३६ ॐ बृहते नमः।
८३७ ॐ कृशाय नमः।
८३८ ॐ स्थूलाय नमः।
८३९ ॐ गुणभृते नमः।
८४० ॐ निर्गुणाय नमः।
८४१ ॐ महते नमः।
८४२ ॐ अधृताय नमः।
८४३ ॐ स्वधृताय नमः।
८४४ ॐ स्वास्याय नमः।
८४५ ॐ प्राग्वंशाय नमः।
८४६ ॐ वंशवर्धनाय नमः।
८४७ ॐ भारभृते नमः।
८४८ ॐ कथिताय नमः।
८४९ ॐ योगिने नमः।
८५० ॐ योगीशाय नमः।
८५१ ॐ सर्वकामदाय नमः।
८५२ ॐ आश्रमाय नमः।
८५३ ॐ श्रमणाय नमः।
८५४ ॐ क्षामाय नमः।
८५५ ॐ सुपर्णाय नमः।
८५६ ॐ वायुवाहनाय नमः।
८५७ ॐ धनुर्धराय नमः।
८५८ ॐ धनुर्वेदाय नमः।
८५९ ॐ दण्डाय नमः।
८६० ॐ दमयित्रे नमः।
८६१ ॐ दमाय नमः।
८६२ ॐ अपराजिताय नमः।
८६३ ॐ सर्वसहाय नमः।
८६४ ॐ नियन्त्रे नमः।
८६५ ॐ अनियमाय नमः।
८६६ ॐ अयमाय नमः।
८६७ ॐ सत्त्ववते नमः।
८६८ ॐ सात्त्विकाय नमः।
८६९ ॐ सत्याय नमः।
८७० ॐ सत्यधर्मपरायणाय नमः।

८७१ ॐ अभिप्रायाय नमः।
८७२ ॐ प्रियार्हाय नमः।
८७३ ॐ अर्हाय नमः।
८७४ ॐ प्रियकृते नमः।
८७५ ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः।
८७६ ॐ विहायसगतये नमः।
८७७ ॐ ज्योतिषे नमः।
८७८ ॐ सुरुचये नमः।
८७९ ॐ हुतभुजे नमः।
८८० ॐ विभवे नमः।
८८१ ॐ रवये नमः।
८८२ ॐ विरोचनाय नमः।
८८३ ॐ सूर्याय नमः।
८८४ ॐ सवित्रे नमः।
८८५ ॐ रविलोचनाय नमः।
८८६ ॐ अनन्ताय नमः।
८८७ ॐ हुतभुजे नमः।
८८८ ॐ भोक्त्रे नमः।
८८९ ॐ सुखदाय नमः।
८९० ॐ नैकजाय नमः।
८९१ ॐ अग्रजाय नमः।
८९२ ॐ अनिर्विण्णाय नमः।
८९३ ॐ सदामर्षिणे नमः।
८९४ ॐ लोकाधिष्ठानाय नमः।
८९५ ॐ अद्भुताय नमः।
८९६ ॐ सनाते नमः।
८९७ ॐ सनातनतमाय नमः।
८९८ ॐ कपिलाय नमः।
८९९ ॐ कपये नमः।
९०० ॐ अप्ययाय नमः।
९०१ ॐ स्वस्तिदाय नमः।
९०२ ॐ स्वस्तिकृते नमः।
९०३ ॐ स्वस्तये नमः।
९०४ ॐ स्वस्तिभुजे नमः।
९०५ ॐ स्वस्तिदक्षिणाय नमः।
९०६ ॐ अरौद्राय नमः।
९०७ ॐ कुण्डलिने नमः।
९०८ ॐ चक्रिणे नमः।
९०९ ॐ विक्रमिणे नमः।
९१० ॐ ऊर्जितशासनाय नमः।
९११ ॐ शब्दातिगाय नमः।
९१२ ॐ शब्दसहाय नमः।
९१३ ॐ शिशिराय नमः।
९१४ ॐ शर्वरीकराय नमः।
९१५ ॐ अक्रूराय नमः।
९१६ ॐ पेशलाय नमः।
९१७ ॐ दक्षाय नमः।
९१८ ॐ दक्षिणस्यै नमः।
९१९ ॐ क्षमिणां वराय नमः।
९२० ॐ विद्वत्तमाय नमः।
९२१ ॐ वीतभयाय नमः।
९२२ ॐ पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः।
९२३ ॐ उत्तारणाय नमः।
९२४ ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः।
९२५ ॐ पुण्याय नमः।
९२६ ॐ दुःस्वप्ननाशनाय नमः।
९२७ ॐ वीरघ्ने नमः।
९२८ ॐ रक्षणाय नमः।

१२९ ॐ सद्भ्यो नमः।
१३० ॐ जीवनाय नमः।
१३१ ॐ पर्यवस्थिताय नमः।
१३२ ॐ अनन्तरूपाय नमः।
१३३ ॐ अनन्तश्रिये नमः।
१३४ ॐ जितमन्यवे नमः।
१३५ ॐ भयापहाय नमः।
१३६ ॐ चतुरस्त्राय नमः।
१३७ ॐ गभीरात्मने नमः।
१३८ ॐ विदिशाय नमः।
१३९ ॐ व्यादिशाय नमः।
१४० ॐ दिशाय नमः।
१४१ ॐ अनादये नमः।
१४२ ॐ भूर्भुवे नमः।
१४३ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१४४ ॐ सुवीराय नमः।
१४५ ॐ रुचिराङ्गदाय नमः।
१४६ ॐ जननाय नमः।
१४७ ॐ जनजन्मादये नमः।
१४८ ॐ भीमाय नमः।
१४९ ॐ भीमपराक्रमाय नमः।
१५० ॐ आधारनिलयाय नमः।
१५१ ॐ अधात्रे नमः।
१५२ ॐ पुष्पहासाय नमः।
१५३ ॐ प्रजागराय नमः।
१५४ ॐ ऊर्ध्वगाय नमः।
१५५ ॐ सत्पथाचाराय नमः।
१५६ ॐ प्राणदाय नमः।
१५७ ॐ प्रणवाय नमः।
१५८ ॐ पणाय नमः।
१५९ ॐ प्रमाणाय नमः।
१६० ॐ प्राणनिलयाय नमः।
१६१ ॐ प्राणभृते नमः।
१६२ ॐ प्राणजीवनाय नमः।
१६३ ॐ तत्त्वाय नमः।
१६४ ॐ तत्त्वविदे नमः।
१६५ ॐ एकात्मने नमः।
१६६ ॐ जन्ममृत्युजरातिगाय नमः।
१६७ ॐ भूर्भुवःस्वस्तरवे नमः।
१६८ ॐ ताराय नमः।
१६९ ॐ सवित्रे नमः।
१७० ॐ प्रपितामहाय नमः।
१७१ ॐ यज्ञाय नमः।
१७२ ॐ यज्ञपतये नमः।
१७३ ॐ यज्वने नमः।
१७४ ॐ यज्ञाङ्गाय नमः।
१७५ ॐ यज्ञवाहनाय नमः।
१७६ ॐ यज्ञभृते नमः।
१७७ ॐ यज्ञकृते नमः।
१७८ ॐ यज्ञिने नमः।
१७९ ॐ यज्ञभुजे नमः।
१८० ॐ यज्ञसाधनाय नमः।
१८१ ॐ यज्ञान्तकृते नमः।
१८२ ॐ यज्ञगुह्याय नमः।
१८३ ॐ अन्नाय नमः।
१८४ ॐ अन्नादाय नमः।
१८५ ॐ आत्मयोनये नमः।
१८६ ॐ स्वयंजाताय नमः।

९८७ ॐ वैखानाय नमः।
९८८ ॐ सामगायनाय नमः।
९८९ ॐ देवकीनन्दनाय नमः।
९९० ॐ स्रष्ट्रे नमः।
९९१ ॐ क्षितीशाय नमः।
९९२ ॐ पापनाशनाय नमः।
९९३ ॐ शङ्खभृते नमः।
९९४ ॐ नन्दकिने नमः।
९९५ ॐ चक्रिणे नमः।
९९६ ॐ शार्ङ्गधन्वने नमः।
९९७ ॐ गदाधराय नमः।
९९८ ॐ रथाङ्गपाणये नमः।
९९९ ॐ अक्षोभ्याय नमः।
१००० ॐ सर्वप्रहरणायुधाय नमः।

॥ इति श्रीमहाभारते अनुशासनपर्वणि श्रीविष्णुसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीशिवाय नमः ॥

श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य नारायण ऋषिः, श्रीशिवो देवता, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीशिवो बीजम्, गौरी शक्तिः, श्रीशिवप्रीत्यर्थं जपे विनियोगः ।

ध्यानम्

ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचन्द्रावतंसं
रत्नाकल्पोज्ज्वलाङ्गं परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम् ।
पद्मासीनं समन्तात् स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसानं
विश्वाद्यं विश्वबीजं निखिलभयहरं पञ्चवक्त्रं त्रिनेत्रम् ॥*

वासुदेव उवाच

ततः स प्रयतो भूत्वा मम तात युधिष्ठिर ।
प्राञ्जलिः प्राह विप्रर्षिर्नामसंग्रहमादितः ॥ १ ॥

उपमन्युरुवाच

ब्रह्मप्रोक्तैर्ऋषिप्रोक्तैर्वेदवेदाङ्गसम्भवैः ।
सर्वलोकेषु विख्यातं स्तुत्यं स्तोष्यामि नामभिः ॥ २ ॥
महद्भिर्विहितैः सत्यैः सिद्धैः सर्वार्थसाधकैः ।
ऋषिणा तण्डिना भक्त्या कृतैर्वेदकृतात्मना ॥ ३ ॥
यथोक्तैः साधुभिः ख्यातैर्मुनिभिस्तत्त्वदर्शिभिः ।
प्रवरं प्रथमं स्वर्ग्यं सर्वभूतहितं शुभम् ॥ ४ ॥

---

* चाँदीके पर्वतके समान जिनकी श्वेत कान्ति है, जो सुन्दर चन्द्रमाको आभूषणरूपसे धारण करते हैं, रत्नमय अलंकारोंसे जिनका शरीर उज्ज्वल है, जिनके हाथोंमें परशु तथा मृग, वर और अभय मुद्राएँ हैं, जो प्रसन्न हैं, पद्मके आसनपर विराजमान हैं, देवतागण जिनके चारों ओर खड़े होकर स्तुति करते हैं, जो बाघकी खाल पहनते हैं, जो विश्वके आदि, जगत्‌की उत्पत्तिके बीज और समस्त भयोंको हरनेवाले हैं, जिनके पाँच मुख और तीन नेत्र हैं, उन महेश्वरका प्रतिदिन ध्यान करे ।

श्रुतैः सर्वत्र जगति ब्रह्मलोकावतारितैः।
सत्यैस्तत् परमं ब्रह्म ब्रह्मप्रोक्तं सनातनम्॥ ५ ॥
वक्ष्ये यदुकुलश्रेष्ठ शृणुष्वावहितो मम।
वरयैनं भवं देवं भक्तस्त्वं परमेश्वरम्॥ ६ ॥
तेन ते श्रावयिष्यामि यत् तद् ब्रह्म सनातनम्।
न शक्यं विस्तरात् कृत्स्नं वक्तुं सर्वस्य केनचित्॥ ७ ॥
युक्तेनापि विभूतीनामपि वर्षशतैरपि।
यस्यादिर्मध्यमन्तं च सुरैरपि न गम्यते॥ ८ ॥
कस्तस्य शक्नुयाद् वक्तुं गुणान् कार्त्स्न्येन माधव।
किं तु देवस्य महतः संक्षिप्तार्थपदाक्षरम्॥ ९ ॥
शक्तितश्चरितं वक्ष्ये प्रसादात् तस्य धीमतः।
अप्राप्य तु ततोऽनुज्ञां न शक्यः स्तोतुमीश्वरः॥ १० ॥
यदा तेनाभ्यनुज्ञातः स्तुतो वै स तदा मया।
अनादिनिधनस्याहं जगद्योनेर्महात्मनः॥ ११ ॥
नाम्नां कञ्चित् समुद्देशं वक्ष्याम्यव्यक्तयोनिनः।
वरदस्य वरेण्यस्य विश्वरूपस्य धीमतः॥ १२ ॥
शृणु नाम्नां च यं कृष्ण यदुक्तं पद्मयोनिना।
दशनामसहस्राणि यान्याह प्रपितामहः॥ १३ ॥
तानि निर्मथ्य मनसा दध्नोघृतमिवोद्धृतम्।
गिरेः सारं यथा हेम पुष्पसारं यथा मधु॥ १४ ॥
घृतात् सारं यथा मण्डस्तथैतत् सारमुद्धृतम्।
सर्वपापापहमिदं चतुर्वेदसमन्वितम्॥ १५ ॥
प्रयत्नेनाधिगन्तव्यं धार्यं च प्रयतात्मना।
माङ्गल्यं पौष्टिकं चैव रक्षोघ्नं पावनं महत्॥ १६ ॥

इदं भक्ताय दातव्यं श्रद्दधानास्तिकाय च।
नाश्रद्दधानरूपाय नास्तिकायाजितात्मने॥ १७॥
यश्चाभ्यसूयते देवं कारणात्मानमीश्वरम्।
स कृष्ण नरकं याति सह पूर्वैः सहात्मजैः॥ १८॥
इदं ध्यानमिदं योगमिदं ध्येयमनुत्तमम्।
इदं जप्यमिदं ज्ञानं रहस्यमिदमुत्तमम्॥ १९॥
यं ज्ञात्वा अन्तकालेऽपि गच्छेत परमां गतिम्।
पवित्रं मङ्गलं मेध्यं कल्याणमिदमुत्तमम्॥ २०॥
इदं ब्रह्मा पुरा कृत्वा सर्वलोकपितामहः।
सर्वस्तवानां राजत्वे दिव्यानां समकल्पयत्॥ २१॥
तदाप्रभृति चैवायमीश्वरस्य महात्मनः।
स्तवराज इति ख्यातो जगत्यमरपूजितः॥ २२॥
ब्रह्मलोकादयं स्वर्गे स्तवराजोऽवतारितः।
यतस्तण्डिः पुरा प्राप तेन तण्डिकृतोऽभवत्॥ २३॥
स्वर्गाच्चैवात्र भूर्लोकं तण्डिना ह्यवतारितः।
सर्वमङ्गलमाङ्गल्यं सर्वपापप्रणाशनम्॥ २४॥
निगदिष्ये महाबाहो स्तवानामुत्तमं स्तवम्।
ब्रह्मणामपि यद् ब्रह्म पराणामपि यत् परम्॥ २५॥
तेजसामपि यत् तेजस्तपसामपि यत् तपः।
शान्तानामपि यः शान्तोद्युतीनामपि या द्युतिः॥ २६॥
दान्तानामपि यो दान्तो धीमतामपि या च धीः।
देवानामपि यो देव ऋषीणामपि यस्त्वृषिः॥ २७॥
यज्ञानामपि यो यज्ञः शिवानामपि यः शिवः।
रुद्राणामपि यो रुद्रः प्रभा प्रभवतामपि॥ २८॥

योगिनामपि यो योगी कारणानां च कारणम्।
यतो लोकाः सम्भवन्ति न भवन्ति यतः पुनः ॥ २९ ॥
सर्वभूतात्मभूतस्य हरस्यामिततेजसः।
अष्टोत्तरसहस्त्रं तु नाम्नां शर्वस्य मे शृणु।
यच्छ्रुत्वा मनुजव्याघ्र सर्वान् कामानवाप्स्यसि ॥ ३० ॥

॥ स्तोत्रम् ॥

स्थिरः स्थाणुः प्रभुर्भीमः प्रवरो वरदो वरः।
सर्वात्मा सर्वविख्यातः सर्वः सर्वकरो भवः ॥ ३१ ॥
जटी चर्मी शिखण्डी च सर्वाङ्गः सर्वभावनः।
हरश्च हरिणाक्षश्च सर्वभूतहरः प्रभुः ॥ ३२ ॥
प्रवृत्तिश्च निवृत्तिश्च नियतः शाश्वतो ध्रुवः।
श्मशानवासी भगवान् खचरो गोचरोऽर्दनः ॥ ३३ ॥
अभिवाद्यो महाकर्मा तपस्वी भूतभावनः।
उन्मत्तवेषप्रच्छन्नः सर्वलोकप्रजापतिः ॥ ३४ ॥
महारूपो महाकायो वृषरूपो महायशाः।
महात्मा सर्वभूतात्मा विश्वरूपो महाहनुः ॥ ३५ ॥
लोकपालोऽन्तर्हितात्मा प्रसादो हयगर्दभिः।
पवित्रं च महांश्चैव नियमो नियमाश्रितः ॥ ३६ ॥
सर्वकर्मा स्वयम्भूत आदिरादिकरो निधिः।
सहस्त्राक्षो विशालाक्षः सोमो नक्षत्रसाधकः ॥ ३७ ॥
चन्द्रः सूर्यः शनिः केतुर्ग्रहो ग्रहपतिर्वरः।
अत्रिरत्र्या नमस्कर्ता मृगबाणार्पणोऽनघः ॥ ३८ ॥
महातपा घोरतपा अदीनो दीनसाधकः।
संवत्सरकरो मन्त्रः प्रमाणं परमं तपः ॥ ३९ ॥

योगी योज्यो महाबीजो महारेता महाबलः।
सुवर्णरेताः सर्वज्ञः सुबीजो बीजवाहनः॥ ४०॥
दशबाहुस्त्वनिमिषो नीलकण्ठ उमापतिः।
विश्वरूपः स्वयं श्रेष्ठो बलवीरोऽबलोगणः॥ ४१॥
गणकर्ता गणपतिर्दिग्वासाः काम एव च।
मन्त्रवित् परमो मन्त्रः सर्वभावकरो हरः॥ ४२॥
कमण्डलुधरो धन्वी बाणहस्तः कपालवान्।
अशनी शतघ्नी खड्गी पट्टिशी चायुधी महान्॥ ४३॥
स्रुवहस्तः सुरूपश्च तेजस्तेजस्करो निधिः।
उष्णीषी च सुवक्त्रश्च उदग्रो विनतस्तथा॥ ४४॥
दीर्घश्च हरिकेशश्च सुतीर्थः कृष्ण एव च।
शृगालरूपः सिद्धार्थो मुण्डः सर्वशुभङ्करः॥ ४५॥
अजश्च बहुरूपश्च गन्धधारी कपर्द्यपि।
ऊर्ध्वरेता ऊर्ध्वलिङ्ग ऊर्ध्वशायी नभःस्थलः॥ ४६॥
त्रिजटी चीरवासाश्च रुद्रः सेनापतिर्विभुः।
अहश्चरो नक्तंचरस्तिग्ममन्युः सुवर्चसः॥ ४७॥
गजहा दैत्यहा कालो लोकधाता गुणाकरः।
सिंहशार्दूलरूपश्च आर्द्रचर्माम्बरावृतः॥ ४८॥
कालयोगी महानादः सर्वकामश्चतुष्पथः।
निशाचरः प्रेतचारी भूतचारी महेश्वरः॥ ४९॥
बहुभूतो बहुधरः स्वर्भानुरमितो गतिः।
नृत्यप्रियो नित्यनर्तो नर्तकः सर्वलालसः॥ ५०॥
घोरो महातपाः पाशो नित्यो गिरिरुहो नभः।
सहस्रहस्तो विजयो व्यवसायो ह्यतन्द्रितः॥ ५१॥

अधर्षणो धर्षणात्मा यज्ञहा कामनाशकः।
दक्षयागापहारी च सुसहो मध्यमस्तथा॥ ५२॥
तेजोऽपहारी बलहा मुदितोऽर्थोऽजितोऽवरः।
गम्भीरघोषो गम्भीरो गम्भीरबलवाहनः॥ ५३॥
न्यग्रोधरूपो न्यग्रोधो वृक्षकर्णस्थितिर्विभुः।
सुतीक्ष्णदशनश्चैव महाकायो महाननः॥ ५४॥
विष्वक्सेनो हरिर्यज्ञः संयुगापीडवाहनः।
तीक्ष्णतापश्च हर्यश्वः सहायः कर्मकालवित्॥ ५५॥
विष्णुप्रसादितो यज्ञः समुद्रो वडवामुखः।
हुताशनसहायश्च प्रशान्तात्मा हुताशनः॥ ५६॥
उग्रतेजा महातेजा जन्यो विजयकालवित्।
ज्योतिषामयनं सिद्धिः सर्वविग्रह एव च॥ ५७॥
शिखी मुण्डी जटी ज्वाली मूर्तिजो मूर्द्धगो बली।
वेणवी पणवी ताली खली कालकटंकटः॥ ५८॥
नक्षत्रविग्रहमतिर्गुणबुद्धिर्लयोऽगमः।
प्रजापतिर्विश्वबाहुर्विभागः सर्वगोऽमुखः॥ ५९॥
विमोचनः सुसरणो हिरण्यकवचोद्भवः।
मेढ्रजो बलचारी च महीचारी स्रुतस्तथा॥ ६०॥
सर्वतूर्यनिनादी च सर्वातोद्यपरिग्रहः।
व्यालरूपो गुहावासी गुहो माली तरङ्गवित्॥ ६१॥
त्रिदशस्त्रिकालधृक् कर्मसर्वबन्धविमोचनः।
बन्धनस्त्वसुरेन्द्राणां युधि शत्रुविनाशनः॥ ६२॥
सांख्यप्रसादो दुर्वासाः सर्वसाधुनिषेवितः।
प्रस्कन्दनो विभागज्ञोऽतुल्यो यज्ञविभागवित्॥ ६३॥

सर्ववासः सर्वचारी दुर्वासा वासवोऽमरः।
हैमो हेमकरोऽयज्ञः सर्वधारी धरोत्तमः ॥ ६४ ॥
लोहिताक्षो महाक्षश्च विजयाक्षो विशारदः।
संग्रहो निग्रहः कर्ता सर्पचीरनिवासनः ॥ ६५ ॥
मुख्योऽमुख्यश्च देहश्च काहलिः सर्वकामदः।
सर्वकालप्रसादश्च सुबलो बलरूपधृक् ॥ ६६ ॥
सर्वकामवरश्चैव सर्वदः सर्वतोमुखः।
आकाशनिर्विरूपश्च निपाती ह्यवशः खगः ॥ ६७ ॥
रौद्ररूपोंऽशुरादित्यो बहुरश्मिः सुवर्चसी।
वसुवेगो महावेगो मनोवेगो निशाचरः ॥ ६८ ॥
सर्ववासी श्रियावासी उपदेशकरोऽकरः।
मुनिरात्मनिरालोकः सम्भग्नश्च सहस्त्रदः ॥ ६९ ॥
पक्षी च पक्षरूपश्च अतिदीप्तो विशाम्पतिः।
उन्मादो मदनः कामो ह्यश्वत्थोऽर्थकरो यशः ॥ ७० ॥
वामदेवश्च वामश्च प्राग् दक्षिणश्च वामनः।
सिद्धयोगी महर्षिश्च सिद्धार्थः सिद्धसाधकः ॥ ७१ ॥
भिक्षुश्च भिक्षुरूपश्च विपणो मृदुरव्ययः।
महासेनो विशाखश्च षष्टिभागो गवां पतिः ॥ ७२ ॥
वज्रहस्तश्च विष्कम्भी चमूस्तम्भन एव च।
वृत्तावृत्तकरस्तालो मधुर्मधुकलोचनः ॥ ७३ ॥
वाचस्पत्यो वाजसनो नित्यमाश्रमपूजितः।
ब्रह्मचारी लोकचारी सर्वचारी विचारवित् ॥ ७४ ॥
ईशान ईश्वरः कालो निशाचारी पिनाकवान्।
निमित्तस्थो निमित्तं च नन्दिर्नन्दिकरो हरिः ॥ ७५ ॥

नन्दीश्वरश्च नन्दी च नन्दनो नन्दिवर्द्धनः।
भगहारी निहन्ता च कालो ब्रह्मा पितामहः॥ ७६॥
चतुर्मुखो महालिङ्गश्चारुलिङ्गस्तथैव च।
लिङ्गाध्यक्षः सुराध्यक्षो योगाध्यक्षो युगावहः॥ ७७॥
बीजाध्यक्षो बीजकर्ता अध्यात्मानुगतो बलः।
इतिहासः सकल्पश्च गौतमोऽथ निशाकरः॥ ७८॥
दम्भो ह्यदम्भो वैदम्भो वश्यो वशकरः कलिः।
लोककर्ता पशुपतिर्महाकर्ता ह्यनौषधः॥ ७९॥
अक्षरं परमं ब्रह्म बलवच्छक्र एव च।
नीतिर्ह्यनीतिः शुद्धात्मा शुद्धो मान्यो गतागतः॥ ८०॥
बहुप्रसादः सुस्वप्नो दर्पणोऽथ त्वमित्रजित्।
वेदकारो मन्त्रकारो विद्वान् समरमर्दनः॥ ८१॥
महामेघनिवासी च महाघोरो वशी करः।
अग्निज्वालो महाज्वालो अतिधूम्रो हुतो हविः॥ ८२॥
वृषणः शंकरो नित्यं वर्चस्वी धूमकेतनः।
नीलस्तथाङ्गलुब्धश्च शोभनो निरवग्रहः॥ ८३॥
स्वस्तिदः स्वस्तिभावश्च भागी भागकरो लघुः।
उत्सङ्गश्च महाङ्गश्च महागर्भपरायणः॥ ८४॥
कृष्णवर्णः सुवर्णश्च इन्द्रियं सर्वदेहिनाम्।
महापादो महाहस्तो महाकायो महायशाः॥ ८५॥
महामूर्धा महामात्रो महानेत्रो निशालयः।
महान्तको महाकर्णो महोष्ठश्च महाहनुः॥ ८६॥
महानासो महाकम्बुर्महाग्रीवः श्मशानभाक्।
महावक्षा महोरस्को ह्यन्तरात्मा मृगालयः॥ ८७॥

लम्बनो लम्बितोष्ठश्च महामायः पयोनिधिः।
महादन्तो महादंष्ट्रो महाजिह्वो महामुखः॥ ८८॥
महानखो महारोमा महाकोशो महाजटः।
प्रसन्नश्च प्रसादश्च प्रत्ययो गिरिसाधनः॥ ८९॥
स्नेहनोऽस्नेहनश्चैव अजितश्च महामुनिः।
वृक्षाकारो वृक्षकेतुरनलो वायुवाहनः॥ ९०॥
गण्डली मेरुधामा च देवाधिपतिरेव च।
अथर्वशीर्षः सामास्य ऋक्सहस्रामितेक्षणः॥ ९१॥
यजुः पादभुजो गुह्यः प्रकाशो जङ्गमस्तथा।
अमोघार्थः प्रसादश्च अभिगम्यः सुदर्शनः॥ ९२॥
उपकारः प्रियः सर्वः कनकः काञ्चनच्छविः।
नाभिर्नन्दिकरो भावः पुष्करस्थपतिः स्थिरः॥ ९३॥
द्वादशस्त्रासनश्चाद्यो यज्ञो यज्ञसमाहितः।
नक्तं कलिश्च कालश्च मकरः कालपूजितः॥ ९४॥
सगणो गणकारश्च भूतवाहनसारथिः।
भस्मशयो भस्मगोप्ता भस्मभूतस्तरुर्गणः॥ ९५॥
लोकपालस्तथालोको महात्मा सर्वपूजितः।
शुक्लस्त्रिशुक्लः सम्पन्नः शुचिर्भूतनिषेवितः॥ ९६॥
आश्रमस्थः क्रियावस्थो विश्वकर्ममतिर्वरः।
विशालशाखस्ताम्रोष्ठो ह्यम्बुजालः सुनिश्चलः॥ ९७॥
कपिलः कपिशः शुक्ल आयुश्चैव परोऽपरः।
गन्धर्वो ह्यदितिस्तार्क्ष्यः सुविज्ञेयः सुशारदः॥ ९८॥
परश्वधायुधो देवो अनुकारी सुबान्धवः।
तुम्बवीणो महाक्रोध ऊर्ध्वरेता जलेशयः॥ ९९॥

उग्रो वंशकरो वंशो वंशनादो ह्यनिन्दितः।
सर्वाङ्गरूपो मायावी सुहृदो ह्यनिलोऽनलः॥ १००॥
बन्धनो बन्धकर्ता च सुबन्धनविमोचनः।
सयज्ञारिः सकामारिर्महादंष्ट्रो महायुधः॥ १०१॥
बहुधा निन्दितः शर्वः शङ्करः शङ्करोऽधनः।
अमरेशो महादेवो विश्वदेवः सुरारिहा॥ १०२॥
अहिर्बुध्न्योऽनिलाभश्च चेकितानो हविस्तथा।
अजैकपाच्च कापाली त्रिशङ्कुरजितः शिवः॥ १०३॥
धन्वन्तरिर्धूमकेतुः स्कन्दो वैश्रवणस्तथा।
धाता शक्रश्च विष्णुश्च मित्रस्त्वष्टा ध्रुवो धरः॥ १०४॥
प्रभावः सर्वगो वायुरर्यमा सविता रविः।
उषङ्गुश्च विधाता च मान्धाता भूतभावनः॥ १०५॥
विभुर्वर्णविभावी च सर्वकामगुणावहः।
पद्मनाभो महागर्भश्चन्द्रवक्त्रोऽनिलोऽनलः॥ १०६॥
बलवांश्चोपशान्तश्च पुराणः पुण्यचञ्चुरी।
कुरुकर्ता कुरुवासी कुरुभूतो गुणौषधः॥ १०७॥
सर्वाशयो दर्भचारी सर्वेषां प्राणिनां पतिः।
देवदेवः सुखासक्तः सदसत्सर्वरत्नवित्॥ १०८॥
कैलासगिरिवासी च हिमवद्गिरिसंश्रयः।
कूलहारी कूलकर्ता बहुविद्यो बहुप्रदः॥ १०९॥
वणिजो वर्धकी वृक्षो बकुलश्चन्दनश्छदः।
सारग्रीवो महाजत्रुरलोलश्च महौषधः॥ ११०॥
सिद्धार्थकारी सिद्धार्थश्छन्दोव्याकरणोत्तरः।
सिंहनादः सिंहदंष्ट्रः सिंहगः सिंहवाहनः॥ १११॥

प्रभावात्मा जगत्कालस्थालो लोकहितस्तरुः।
सारङ्गो नवचक्राङ्गः केतुमाली सभावनः॥ ११२॥
भूतालयो भूतपतिरहोरात्रमनिन्दितः॥ ११३॥
वाहिता सर्वभूतानां निलयश्च विभुर्भवः।
अमोघः संयतो ह्यश्वो भोजनः प्राणधारणः॥ ११४॥
धृतिमान् मतिमान् दक्षः सत्कृतश्च युगाधिपः।
गोपालिर्गोपतिर्ग्रामो गोचर्मवसनो हरिः॥ ११५॥
हिरण्यबाहुश्च तथा गुहापालः प्रवेशिनाम्।
प्रकृष्टारिर्महाहर्षो जितकामो जितेन्द्रियः॥ ११६॥
गान्धारश्च सुवासश्च तपःसक्तो रतिर्नरः।
महागीतो महानृत्यो ह्यप्सरोगणसेवितः॥ ११७॥
महाकेतुर्महाधातुर्नैकसानुचरश्चलः।
आवेदनीय आदेशः सर्वगन्धसुखावहः॥ ११८॥
तोरणस्तारणो वातः परिधीः पतिखेचरः।
संयोगो वर्धनो वृद्धो अतिवृद्धो गुणाधिकः॥ ११९॥
नित्य आत्मसहायश्च देवासुरपतिः पतिः।
युक्तश्च युक्तबाहुश्च देवो दिविसुपर्वणः॥ १२०॥
आषाढश्च सुषाढश्च ध्रुवोऽथ हरिणो हरः।
वपुरावर्तमानेभ्यो वसुश्रेष्ठो महापथः॥ १२१॥
शिरोहारी विमर्शश्च सर्वलक्षणलक्षितः।
अक्षश्च रथयोगी च सर्वयोगी महाबलः॥ १२२॥
समाम्नायोऽसमाम्नायस्तीर्थदेवो महारथः।
निर्जीवो जीवनो मन्त्रः शुभाक्षो बहुकर्कशः॥ १२३॥

रत्नप्रभूतो रत्नाङ्गो महार्णवनिपानवित्।
मूलं विशालो ह्यमृतो व्यक्ताव्यक्तस्तपोनिधिः॥ १२४॥
आरोहणोऽधिरोहश्च शीलधारी महायशाः।
सेनाकल्पो महाकल्पो योगो युगकरो हरिः॥ १२५॥
युगरूपो महारूपो महानागहनोऽवधः।
न्यायनिर्वपणः पादः पण्डितो ह्यचलोपमः॥ १२६॥
बहुमालो महामालः शशी हरसुलोचनः।
विस्तारो लवणः कूपस्त्रियुगः सफलोदयः॥ १२७॥
त्रिलोचनो विषण्णाङ्गो मणिविद्धो जटाधरः।
विन्दुर्विसर्गः सुमुखः शरः सर्वायुधः सहः॥ १२८॥
निवेदनः सुखाजातः सुगन्धारो महाधनुः।
गन्धपाली च भगवानुत्थानः सर्वकर्मणाम्॥ १२९॥
मन्थानो बहुलो वायुः सकलः सर्वलोचनः।
तलस्तालः करस्थाली ऊर्ध्वसंहननो महान्॥ १३०॥
छत्रं सुच्छत्रो विख्यातो लोकः सर्वाश्रयः क्रमः।
मुण्डो विरूपो विकृतो दण्डी कुण्डी विकुर्वणः॥ १३१॥
हर्यक्षः ककुभो वज्री शतजिह्वः सहस्त्रपात्।
सहस्त्रमूर्धा देवेन्द्रः सर्वदेवमयो गुरुः॥ १३२॥
सहस्त्रबाहुः सर्वाङ्गः शरण्यः सर्वलोककृत्।
पवित्रं त्रिककुन्मन्त्रः कनिष्ठः कृष्णपिङ्गलः॥ १३३॥
ब्रह्मदण्डविनिर्माता शतघ्नीपाशशक्तिमान्।
पद्मगर्भो महागर्भो ब्रह्मगर्भो जलोद्भवः॥ १३४॥
गभस्तिर्ब्रह्मकृद् ब्रह्मी ब्रह्मविद् ब्राह्मणो गतिः।
अनन्तरूपो नैकात्मा तिग्मतेजाः स्वयम्भुवः॥ १३५॥

ऊर्ध्वगात्मा पशुपतिर्वातरंहा मनोजवः।
चन्दनी पद्मनालाग्रः सुरभ्युत्तरणो नरः॥ १३६॥
कर्णिकारमहास्त्रग्वी नीलमौलिः पिनाकधृत्।
उमापतिरुमाकान्तो जाह्नवीधृदुमाधवः॥ १३७॥
वरो वराहो वरदो वरेण्यः सुमहास्वनः।
महाप्रसादो दमनः शत्रुहा श्वेतपिङ्गलः॥ १३८॥
पीतात्मा परमात्मा च प्रयतात्मा प्रधानधृत्।
सर्वपार्श्वमुखस्त्र्यक्षो धर्मसाधारणो वरः॥ १३९॥
चराचरात्मा सूक्ष्मात्मा अमृतो गोवृषेश्वरः।
साध्यर्षिर्वसुरादित्यो विवस्वान् सवितामृतः॥ १४०॥
व्यासः सर्गः सुसंक्षेपो विस्तरः पर्ययो नरः।
ऋतुः संवत्सरो मासः पक्षः संख्यासमापनः॥ १४१॥
कलाः काष्ठा लवा मात्रा मुहूर्ताहः क्षपाः क्षणाः।
विश्वक्षेत्रं प्रजाबीजं लिङ्गमाद्यस्तु निर्गमः॥ १४२॥
सदसद् व्यक्तमव्यक्तं पिता माता पितामहः।
स्वर्गद्वारं प्रजाद्वारं मोक्षद्वारं त्रिविष्टपम्॥ १४३॥
निर्वाणं ह्लादनश्चैव ब्रह्मलोकः परा गतिः।
देवासुरविनिर्माता देवासुरपरायणः॥ १४४॥
देवासुरगुरुर्देवो देवासुरनमस्कृतः।
देवासुरमहामात्रो देवासुरगणाश्रयः॥ १४५॥
देवासुरगणाध्यक्षो देवासुरगणाग्रणीः।
देवातिदेवो देवर्षिर्देवासुरवरप्रदः॥ १४६॥
देवासुरेश्वरो विश्वो देवासुरमहेश्वरः।
सर्वदेवमयोऽचिन्त्यो देवतात्माऽऽत्मसम्भवः॥ १४७॥

उद्भित् त्रिविक्रमो वैद्यो विरजो नीरजोऽमरः।
ईड्यो हस्तीश्वरो व्याघ्रो देवसिंहो नरर्षभः॥ १४८॥
विबुधोऽग्रवरः सूक्ष्मः सर्वदेवस्तपोमयः।
सुयुक्तः शोभनो वज्री प्रासानां प्रभवोऽव्ययः॥ १४९॥
गुहः कान्तो निजः सर्गः पवित्रं सर्वपावनः।
शृङ्गी शृङ्गप्रियो बभ्रू राजराजो निरामयः॥ १५०॥
अभिरामः सुरगणो विरामः सर्वसाधनः।
ललाटाक्षो विश्वदेवो हरिणो ब्रह्मवर्चसः॥ १५१॥
स्थावराणां पतिश्चैव नियमेन्द्रियवर्धनः।
सिद्धार्थः सिद्धभूतार्थोऽचिन्त्यः सत्यव्रतः शुचिः॥ १५२॥
व्रताधिपः परं ब्रह्म भक्तानां परमा गतिः।
विमुक्तो मुक्ततेजाश्च श्रीमाञ्श्रीवर्धनो जगत्॥ १५३॥

॥ फलश्रुतिः ॥

यथाप्रधानं भगवानिति भक्त्या स्तुतो मया।
यन्न ब्रह्मादयो देवा विदुस्तत्त्वेन नर्षयः॥ १५४॥
स्तोतव्यमर्च्यं वन्द्यं च कः स्तोष्यति जगत्पतिम्।
भक्त्या त्वेवं पुरस्कृत्य मया यज्ञपतिर्विभुः॥ १५५॥
ततोऽभ्यनुज्ञां सम्प्राप्य स्तुतो मतिमतां वरः।
शिवमेभिः स्तुवन् देवं नामभिः पुष्टिवर्धनैः॥ १५६॥
नित्ययुक्तः शुचिर्भक्तः प्राप्नोत्यात्मानमात्मना॥ १५७॥
एतद्धि परमं ब्रह्म परं ब्रह्माधिगच्छति।
ऋषयश्चैव देवाश्च स्तुवन्त्येतेन तत्परम्॥ १५८॥
स्तूयमानो महादेवस्तुष्यते नियतात्मभिः।
भक्तानुकम्पी भगवानात्मसंस्थाकरो विभुः॥ १५९॥

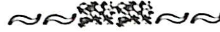
तथैव च मनुष्येषु ये मनुष्याः प्रधानतः।
आस्तिकाः श्रद्दधानाश्च बहुभिर्जन्मभिः स्तवैः ॥ १६० ॥
भक्त्या ह्यनन्यमीशानं परं देवं सनातनम्।
कर्मणा मनसा वाचा भावेनामिततेजसः ॥ १६१ ॥
शयाना जाग्रमाणाश्च व्रजन्नुपविशंस्तथा।
उन्मिषन् निमिषंश्चैव चिन्तयन्तः पुनः पुनः ॥ १६२ ॥
शृण्वन्तः श्रावयन्तश्च कथयन्तश्च ते भवम्।
स्तुवन्तः स्तूयमानाश्च तुष्यन्ति च रमन्ति च ॥ १६३ ॥
जन्मकोटिसहस्त्रेषु नानासंसारयोनिषु।
जन्तोर्विगतपापस्य भवे भक्तिः प्रजायते ॥ १६४ ॥
उत्पन्ना च भवे भक्तिरनन्या सर्वभावतः।
भाविनः कारणे चास्य सर्वयुक्तस्य सर्वथा ॥ १६५ ॥
एतद् देवेषु दुष्प्रापं मनुष्येषु न लभ्यते।
निर्विघ्ना निश्चला रुद्रे भक्तिरव्यभिचारिणी ॥ १६६ ॥
तस्यैव च प्रसादेन भक्तिरुत्पद्यते नृणाम्।
येन यान्ति परां सिद्धिं तद्भावगतचेतसः ॥ १६७ ॥
ये सर्वभावानुगताः प्रपद्यन्ते महेश्वरम्।
प्रपन्नवत्सलो देवः संसारात् तान् समुद्धरेत् ॥ १६८ ॥
एवमन्ये विकुर्वन्ति देवाः संसारमोचनम्।
मनुष्याणामृते देवं नान्या शक्तिस्तपोबलम् ॥ १६९ ॥
इति तेनेन्द्रकल्पेन भगवान् सदसत्पतिः।
कृत्तिवासाः स्तुतः कृष्ण तण्डिना शुभबुद्धिना ॥ १७० ॥
स्तवमेतं भगवतो ब्रह्मा स्वयमधारयत्।
गीयते च स बुद्ध्येत ब्रह्मा शङ्करसंनिधौ ॥ १७१ ॥

इदं पुण्यं पवित्रं च सर्वदा पापनाशनम्।
योगदं मोक्षदं चैव स्वर्गदं तोषदं तथा॥ १७२॥
एवमेतत् पठन्ते य एकभक्त्या तु शङ्करम्।
या गतिः सांख्ययोगानां व्रजन्त्येतां गतिं तदा॥ १७३॥
स्तवमेतं प्रयत्नेन सदा रुद्रस्य संनिधौ।
अब्दमेकं चरेद् भक्तः प्राप्नुयादीप्सितं फलम्॥ १७४॥

× × ×

स्वर्ग्यमारोग्यमायुष्यं धन्यं वेदेन सम्मितम्॥
नास्य विघ्नं विकुर्वन्ति दानवा यक्षराक्षसाः।
पिशाचा यातुधाना वा गुह्यका भुजगा अपि॥
यः पठेत् शुचिः पार्थ ब्रह्मचारी जितेन्द्रियः।
अभग्नयोगो वर्षं तु सोऽश्वमेधफलं लभेत्॥

॥ इति श्रीमहाभारते अनुशासनपर्वणि श्रीशिवसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीशिवसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ स्थिराय नमः।
२ ॐ स्थाणवे नमः।
३ ॐ प्रभवे नमः।
४ ॐ भीमाय नमः।
५ ॐ प्रवराय नमः।
६ ॐ वरदाय नमः।
७ ॐ वराय नमः।
८ ॐ सर्वात्मने नमः।
९ ॐ सर्वविख्याताय नमः।
१० ॐ सर्वस्मै नमः।
११ ॐ सर्वकराय नमः।
१२ ॐ भवाय नमः।
१३ ॐ जटिने नमः।
१४ ॐ चर्मिणे नमः।
१५ ॐ शिखण्डिने नमः।
१६ ॐ सर्वाङ्गाय नमः।
१७ ॐ सर्वभावनाय नमः।
१८ ॐ हराय नमः।
१९ ॐ हरिणाक्षाय नमः।
२० ॐ सर्वभूतहराय नमः।
२१ ॐ प्रभवे नमः।
२२ ॐ प्रवृत्तये नमः।
२३ ॐ निवृत्तये नमः।
२४ ॐ नियताय नमः।
२५ ॐ शाश्वताय नमः।
२६ ॐ ध्रुवाय नमः।
२७ ॐ श्मशानवासिने नमः।
२८ ॐ भगवते नमः।
२९ ॐ खचराय नमः।
३० ॐ गोचराय नमः।
३१ ॐ अर्दनाय नमः।
३२ ॐ अभिवाद्याय नमः।
३३ ॐ महाकर्मणे नमः।
३४ ॐ तपस्विने नमः।
३५ ॐ भूतभावनाय नमः।
३६ ॐ उन्मत्तवेषप्रच्छन्नाय नमः।
३७ ॐ सर्वलोकप्रजापतये नमः।
३८ ॐ महारूपाय नमः।
३९ ॐ महाकायाय नमः।
४० ॐ वृषरूपाय नमः।
४१ ॐ महायशसे नमः।
४२ ॐ महात्मने नमः।
४३ ॐ सर्वभूतात्मने नमः।
४४ ॐ विश्वरूपाय नमः।
४५ ॐ महाहनवे नमः।
४६ ॐ लोकपालाय नमः।
४७ ॐ अन्तर्हितात्मने नमः।
४८ ॐ प्रसादाय नमः।
४९ ॐ हयगर्दभये नमः।
५० ॐ पवित्राय नमः।
५१ ॐ महते नमः।
५२ ॐ नियमाय नमः।
५३ ॐ नियमाश्रिताय नमः।
५४ ॐ सर्वकर्मणे नमः।

५५ ॐ स्वयम्भूताय नमः।
५६ ॐ आदये नमः।
५७ ॐ आदिकराय नमः।
५८ ॐ निधये नमः।
५९ ॐ सहस्राक्षाय नमः।
६० ॐ विशालाक्षाय नमः।
६१ ॐ सोमाय नमः।
६२ ॐ नक्षत्रसाधकाय नमः।
६३ ॐ चन्द्राय नमः।
६४ ॐ सूर्याय नमः।
६५ ॐ शनये नमः।
६६ ॐ केतवे नमः।
६७ ॐ ग्रहाय नमः।
६८ ॐ ग्रहपतये नमः।
६९ ॐ वराय नमः।
७० ॐ अत्रये नमः।
७१ ॐ अत्र्या नमस्कर्त्रे नमः।
७२ ॐ मृगबाणार्पणाय नमः।
७३ ॐ अनघाय नमः।
७४ ॐ महातपसे नमः।
७५ ॐ घोरतपसे नमः।
७६ ॐ अदीनाय नमः।
७७ ॐ दीनसाधकाय नमः।
७८ ॐ संवत्सरकराय नमः।
७९ ॐ मन्त्राय नमः।
८० ॐ प्रमाणाय नमः।
८१ ॐ परमाय तपसे नमः।
८२ ॐ योगिने नमः।
८३ ॐ योज्याय नमः।
८४ ॐ महाबीजाय नमः।
८५ ॐ महारेतसे नमः।
८६ ॐ महाबलाय नमः।
८७ ॐ सुवर्णरेतसे नमः।
८८ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
८९ ॐ सुबीजाय नमः।
९० ॐ बीजवाहनाय नमः।
९१ ॐ दशबाहवे नमः।
९२ ॐ अनिमिषाय नमः।
९३ ॐ नीलकण्ठाय नमः।
९४ ॐ उमापतये नमः।
९५ ॐ विश्वरूपाय नमः।
९६ ॐ स्वयं श्रेष्ठाय नमः।
९७ ॐ बलवीराय नमः।
९८ ॐ अबलगणाय नमः।
९९ ॐ गणकर्त्रे नमः।
१०० ॐ गणपतये नमः।
१०१ ॐ दिग्वाससे नमः।
१०२ ॐ कामाय नमः।
१०३ ॐ मन्त्रविदे नमः।
१०४ ॐ परममन्त्राय नमः।
१०५ ॐ सर्वभावकराय नमः।
१०६ ॐ हराय नमः।
१०७ ॐ कमण्डलुधराय नमः।
१०८ ॐ धन्विने नमः।
१०९ ॐ बाणहस्ताय नमः।
११० ॐ कपालवते नमः।
१११ ॐ अशनिने नमः।
११२ ॐ शतघ्निने नमः।
११३ ॐ खड्गिने नमः।
११४ ॐ पट्टिशिने नमः।

११५ ॐ आयुधिने नमः।
११६ ॐ महते नमः।
११७ ॐ स्त्रुवहस्ताय नमः।
११८ ॐ सुरूपाय नमः।
११९ ॐ तेजसे नमः।
१२० ॐ तेजस्करनिधये नमः।
१२१ ॐ उष्णीषिणे नमः।
१२२ ॐ सुवक्त्राय नमः।
१२३ ॐ उदग्राय नमः।
१२४ ॐ विनताय नमः।
१२५ ॐ दीर्घाय नमः।
१२६ ॐ हरिकेशाय नमः।
१२७ ॐ सुतीर्थाय नमः।
१२८ ॐ कृष्णाय नमः।
१२९ ॐ शृगालरूपाय नमः।
१३० ॐ सिद्धार्थाय नमः।
१३१ ॐ मुण्डाय नमः।
१३२ ॐ सर्वशुभङ्कराय नमः।
१३३ ॐ अजाय नमः।
१३४ ॐ बहुरूपाय नमः।
१३५ ॐ गन्धधारिणे नमः।
१३६ ॐ कपर्दिने नमः।
१३७ ॐ ऊर्ध्वरेतसे नमः।
१३८ ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः।
१३९ ॐ ऊर्ध्वशायिने नमः।
१४० ॐ नभःस्थलाय नमः।
१४१ ॐ त्रिजटिने नमः।
१४२ ॐ चीरवाससे नमः।
१४३ ॐ रुद्राय नमः।
१४४ ॐ सेनापतये नमः।
१४५ ॐ विभवे नमः।
१४६ ॐ अहश्चराय नमः।
१४७ ॐ नक्तंचराय नमः।
१४८ ॐ तिग्ममन्यवे नमः।
१४९ ॐ सुवर्चसाय नमः।
१५० ॐ गजघ्ने नमः।
१५१ ॐ दैत्यघ्ने नमः।
१५२ ॐ कालाय नमः।
१५३ ॐ लोकधात्रे नमः।
१५४ ॐ गुणाकराय नमः।
१५५ ॐ सिंहशार्दूलरूपाय नमः।
१५६ ॐ आर्द्रचर्माम्बरावृताय नमः।
१५७ ॐ कालयोगिने नमः।
१५८ ॐ महानादाय नमः।
१५९ ॐ सर्वकामाय नमः।
१६० ॐ चतुष्पथाय नमः।
१६१ ॐ निशाचराय नमः।
१६२ ॐ प्रेतचारिणे नमः।
१६३ ॐ भूतचारिणे नमः।
१६४ ॐ महेश्वराय नमः।
१६५ ॐ बहुभूताय नमः।
१६६ ॐ बहुधराय नमः।
१६७ ॐ स्वर्भानवे नमः।
१६८ ॐ अमिताय नमः।
१६९ ॐ गतये नमः।
१७० ॐ नृत्यप्रियाय नमः।
१७१ ॐ नित्यनर्ताय नमः।
१७२ ॐ नर्तकाय नमः।
१७३ ॐ सर्वलालसाय नमः।
१७४ ॐ घोराय नमः।

१७५ ॐ महातपसे नमः।
१७६ ॐ पाशाय नमः।
१७७ ॐ नित्याय नमः।
१७८ ॐ गिरिरुहाय नमः।
१७९ ॐ नभसे नमः।
१८० ॐ सहस्रहस्ताय नमः।
१८१ ॐ विजयाय नमः।
१८२ ॐ व्यवसायाय नमः।
१८३ ॐ अतन्द्रिताय नमः।
१८४ ॐ अधर्षणाय नमः।
१८५ ॐ धर्षणात्मने नमः।
१८६ ॐ यज्ञघ्ने नमः।
१८७ ॐ कामनाशकाय नमः।
१८८ ॐ दक्षयागापहारिणे नमः।
१८९ ॐ सुसहाय नमः।
१९० ॐ मध्यमाय नमः।
१९१ ॐ तेजोऽपहारिणे नमः।
१९२ ॐ बलघ्ने नमः।
१९३ ॐ मुदिताय नमः।
१९४ ॐ अर्थाय नमः।
१९५ ॐ अजिताय नमः।
१९६ ॐ अवराय नमः।
१९७ ॐ गम्भीरघोषाय नमः।
१९८ ॐ गम्भीराय नमः।
१९९ ॐ गम्भीरबलवाहनाय नमः।
२०० ॐ न्यग्रोधरूपाय नमः।
२०१ ॐ न्यग्रोधाय नमः।
२०२ ॐ वृक्षकर्णस्थितये नमः।
२०३ ॐ विभवे नमः।
२०४ ॐ सुतीक्ष्णदशनाय नमः।
२०५ ॐ महाकायाय नमः।
२०६ ॐ महाननाय नमः।
२०७ ॐ विष्वक्सेनाय नमः।
२०८ ॐ हरये नमः।
२०९ ॐ यज्ञाय नमः।
२१० ॐ संयुगापीडवाहनाय नमः।
२११ ॐ तीक्ष्णतापाय नमः।
२१२ ॐ हर्यश्वाय नमः।
२१३ ॐ सहायाय नमः।
२१४ ॐ कर्मकालविदे नमः।
२१५ ॐ विष्णुप्रसादिताय नमः।
२१६ ॐ यज्ञाय नमः।
२१७ ॐ समुद्राय नमः।
२१८ ॐ वडवामुखाय नमः।
२१९ ॐ हुताशनसहायाय नमः।
२२० ॐ प्रशान्तात्मने नमः।
२२१ ॐ हुताशनाय नमः।
२२२ ॐ उग्रतेजसे नमः।
२२३ ॐ महातेजसे नमः।
२२४ ॐ जन्याय नमः।
२२५ ॐ विजयकालविदे नमः।
२२६ ॐ ज्योतिषामयनाय नमः।
२२७ ॐ सिद्धये नमः।
२२८ ॐ सर्वविग्रहाय नमः।
२२९ ॐ शिखिने नमः।
२३० ॐ मुण्डिने नमः।
२३१ ॐ जटिने नमः।
२३२ ॐ ज्वालिने नमः।
२३३ ॐ मूर्तिजाय नमः।
२३४ ॐ मूर्द्धगाय नमः।

२३५ ॐ बलिने नमः।
२३६ ॐ वेणविने नमः।
२३७ ॐ पणविने नमः।
२३८ ॐ तालिने नमः।
२३९ ॐ खलिने नमः।
२४० ॐ कालकटंकटाय नमः।
२४१ ॐ नक्षत्रविग्रहमतये नमः।
२४२ ॐ गुणबुद्धये नमः।
२४३ ॐ लयाय नमः।
२४४ ॐ अगमाय नमः।
२४५ ॐ प्रजापतये नमः।
२४६ ॐ विश्वबाहवे नमः।
२४७ ॐ विभागाय नमः।
२४८ ॐ सर्वगाय नमः।
२४९ ॐ अमुखाय नमः।
२५० ॐ विमोचनाय नमः।
२५१ ॐ सुसरणाय नमः।
२५२ ॐ हिरण्यकवचोद्भवाय नमः।
२५३ ॐ मेढ्रजाय नमः।
२५४ ॐ बलचारिणे नमः।
२५५ ॐ महीचारिणे नमः।
२५६ ॐ स्त्रुताय नमः।
२५७ ॐ सर्वतूर्यनिनादिने नमः।
२५८ ॐ सर्वातोद्यपरिग्रहाय नमः।
२५९ ॐ व्यालरूपाय नमः।
२६० ॐ गुहावासिने नमः।
२६१ ॐ गुहाय नमः।
२६२ ॐ मालिने नमः।
२६३ ॐ तरङ्गविदे नमः।
२६४ ॐ त्रिदशाय नमः।
२६५ ॐ त्रिकालधृषे नमः।
२६६ ॐ कर्मसर्वबन्धविमोचनाय नमः।
२६७ ॐ असुरेन्द्राणां बन्धनाय नमः।
२६८ ॐ युधि शत्रुविनाशनाय नमः।
२६९ ॐ सांख्यप्रसादाय नमः।
२७० ॐ दुर्वाससे नमः।
२७१ ॐ सर्वसाधुनिषेविताय नमः।
२७२ ॐ प्रस्कन्दनाय नमः।
२७३ ॐ विभागज्ञाय नमः।
२७४ ॐ अतुल्याय नमः।
२७५ ॐ यज्ञविभागविदे नमः।
२७६ ॐ सर्ववासाय नमः।
२७७ ॐ सर्वचारिणे नमः।
२७८ ॐ दुर्वाससे नमः।
२७९ ॐ वासवाय नमः।
२८० ॐ अमराय नमः।
२८१ ॐ हैमाय नमः।
२८२ ॐ हेमकराय नमः।
२८३ ॐ अयज्ञाय नमः।
२८४ ॐ सर्वधारिणे नमः।
२८५ ॐ धरोत्तमाय नमः।
२८६ ॐ लोहिताक्षाय नमः।
२८७ ॐ महाक्षाय नमः।
२८८ ॐ विजयाक्षाय नमः।
२८९ ॐ विशारदाय नमः।
२९० ॐ संग्रहाय नमः।
२९१ ॐ निग्रहाय नमः।
२९२ ॐ कर्त्रे नमः।
२९३ ॐ सर्पचीरनिवासनाय नमः।
२९४ ॐ मुख्याय नमः।

२९५ ॐ अमुख्याय नमः।
२९६ ॐ देहाय नमः।
२९७ ॐ काहलये नमः।
२९८ ॐ सर्वकामदाय नमः।
२९९ ॐ सर्वकालप्रसादाय नमः।
३०० ॐ सुबलाय नमः।
३०१ ॐ बलरूपधृषे नमः।
३०२ ॐ सर्वकामवराय नमः।
३०३ ॐ सर्वदाय नमः।
३०४ ॐ सर्वतोमुखाय नमः।
३०५ ॐ आकाशनिर्विरूपाय नमः।
३०६ ॐ निपातिने नमः।
३०७ ॐ अवशाय नमः।
३०८ ॐ खगाय नमः।
३०९ ॐ रौद्ररूपाय नमः।
३१० ॐ अंशवे नमः।
३११ ॐ आदित्याय नमः।
३१२ ॐ बहुरश्मये नमः।
३१३ ॐ सुवर्चसिने नमः।
३१४ ॐ वसुवेगाय नमः।
३१५ ॐ महावेगाय नमः।
३१६ ॐ मनोवेगाय नमः।
३१७ ॐ निशाचराय नमः।
३१८ ॐ सर्ववासिने नमः।
३१९ ॐ श्रियावासिने नमः।
३२० ॐ उपदेशकराय नमः।
३२१ ॐ अकराय नमः।
३२२ ॐ मुनये नमः।
३२३ ॐ आत्मनिरालोकाय नमः।
३२४ ॐ सम्भग्नाय नमः।
३२५ ॐ सहस्रदाय नमः।
३२६ ॐ पक्षिणे नमः।
३२७ ॐ पक्षरूपाय नमः।
३२८ ॐ अतिदीप्ताय नमः।
३२९ ॐ विशाम्पतये नमः।
३३० ॐ उन्मादाय नमः।
३३१ ॐ मदनाय नमः।
३३२ ॐ कामाय नमः।
३३३ ॐ अश्वत्थाय नमः।
३३४ ॐ अर्थकराय नमः।
३३५ ॐ यशसे नमः।
३३६ ॐ वामदेवाय नमः।
३३७ ॐ वामाय नमः।
३३८ ॐ प्राचे नमः।
३३९ ॐ दक्षिणाय नमः।
३४० ॐ वामनाय नमः।
३४१ ॐ सिद्धयोगिने नमः।
३४२ ॐ महर्षये नमः।
३४३ ॐ सिद्धार्थाय नमः।
३४४ ॐ सिद्धसाधकाय नमः।
३४५ ॐ भिक्षवे नमः।
३४६ ॐ भिक्षुरूपाय नमः।
३४७ ॐ विपणाय नमः।
३४८ ॐ मृदवे नमः।
३४९ ॐ अव्ययाय नमः।
३५० ॐ महासेनाय नमः।
३५१ ॐ विशाखाय नमः।
३५२ ॐ षष्टिभागाय नमः।
३५३ ॐ गवाम्पतये नमः।
३५४ ॐ वज्रहस्ताय नमः।

३५५ ॐ विष्कम्भिने नमः।
३५६ ॐ चमूस्तम्भनाय नमः।
३५७ ॐ वृत्तावृत्तकराय नमः।
३५८ ॐ तालाय नमः।
३५९ ॐ मधवे नमः।
३६० ॐ मधुकलोचनाय नमः।
३६१ ॐ वाचस्पत्याय नमः।
३६२ ॐ वाजसनाय नमः।
३६३ ॐ नित्यमाश्रमपूजिताय नमः।
३६४ ॐ ब्रह्मचारिणे नमः।
३६५ ॐ लोकचारिणे नमः।
३६६ ॐ सर्वचारिणे नमः।
३६७ ॐ विचारविदे नमः।
३६८ ॐ ईशानाय नमः।
३६९ ॐ ईश्वराय नमः।
३७० ॐ कालाय नमः।
३७१ ॐ निशाचारिणे नमः।
३७२ ॐ पिनाकवते नमः।
३७३ ॐ निमित्तस्थाय नमः।
३७४ ॐ निमित्ताय नमः।
३७५ ॐ नन्दये नमः।
३७६ ॐ नन्दिकराय नमः।
३७७ ॐ हरये नमः।
३७८ ॐ नन्दीश्वराय नमः।
३७९ ॐ नन्दिने नमः।
३८० ॐ नन्दनाय नमः।
३८१ ॐ नन्दिवर्द्धनाय नमः।
३८२ ॐ भगहारिणे नमः।
३८३ ॐ निहन्त्रे नमः।
३८४ ॐ कालाय नमः।
३८५ ॐ ब्रह्मणे नमः।
३८६ ॐ पितामहाय नमः।
३८७ ॐ चतुर्मुखाय नमः।
३८८ ॐ महालिङ्गाय नमः।
३८९ ॐ चारुलिङ्गाय नमः।
३९० ॐ लिङ्गाध्यक्षाय नमः।
३९१ ॐ सुराध्यक्षाय नमः।
३९२ ॐ योगाध्यक्षाय नमः।
३९३ ॐ युगावहाय नमः।
३९४ ॐ बीजाध्यक्षाय नमः।
३९५ ॐ बीजकर्त्रे नमः।
३९६ ॐ अध्यात्मानुगताय नमः।
३९७ ॐ बलाय नमः।
३९८ ॐ इतिहासाय नमः।
३९९ ॐ सकल्पाय नमः।
४०० ॐ गौतमाय नमः।
४०१ ॐ निशाकराय नमः।
४०२ ॐ दम्भाय नमः।
४०३ ॐ अदम्भाय नमः।
४०४ ॐ वैदम्भाय नमः।
४०५ ॐ वश्याय नमः।
४०६ ॐ वशकराय नमः।
४०७ ॐ कलये नमः।
४०८ ॐ लोककर्त्रे नमः।
४०९ ॐ पशुपतये नमः।
४१० ॐ महाकर्त्रे नमः।
४११ ॐ अनौषधाय नमः।
४१२ ॐ अक्षराय नमः।
४१३ ॐ परमाय ब्रह्मणे नमः।
४१४ ॐ बलवते नमः।

४१५ ॐ शक्राय नमः।
४१६ ॐ नीतये नमः।
४१७ ॐ अनीतये नमः।
४१८ ॐ शुद्धात्मने नमः।
४१९ ॐ शुद्धाय नमः।
४२० ॐ मान्याय नमः।
४२१ ॐ गतागताय नमः।
४२२ ॐ बहुप्रसादाय नमः।
४२३ ॐ सुस्वप्नाय नमः।
४२४ ॐ दर्पणाय नमः।
४२५ ॐ अमित्रजिते नमः।
४२६ ॐ वेदकाराय नमः।
४२७ ॐ मन्त्रकाराय नमः।
४२८ ॐ विदुषे नमः।
४२९ ॐ समरमर्दनाय नमः।
४३० ॐ महामेघनिवासिने नमः।
४३१ ॐ महाघोराय नमः।
४३२ ॐ वशिने नमः।
४३३ ॐ कराय नमः।
४३४ ॐ अग्निज्वालाय नमः।
४३५ ॐ महाज्वालाय नमः।
४३६ ॐ अतिधूम्राय नमः।
४३७ ॐ हुताय नमः।
४३८ ॐ हविषे नमः।
४३९ ॐ वृषणाय नमः।
४४० ॐ शंकराय नमः।
४४१ ॐ नित्यं वर्चस्विने नमः।
४४२ ॐ धूमकेतनाय नमः।
४४३ ॐ नीलाय नमः।
४४४ ॐ अङ्गलुब्धाय नमः।
४४५ ॐ शोभनाय नमः।
४४६ ॐ निरवग्रहाय नमः।
४४७ ॐ स्वस्तिदाय नमः।
४४८ ॐ स्वस्तिभावाय नमः।
४४९ ॐ भागिने नमः।
४५० ॐ भागकराय नमः।
४५१ ॐ लघवे नमः।
४५२ ॐ उत्सङ्गाय नमः।
४५३ ॐ महाङ्गाय नमः।
४५४ ॐ महागर्भपरायणाय नमः।
४५५ ॐ कृष्णवर्णाय नमः।
४५६ ॐ सुवर्णाय नमः।
४५७ ॐ सर्वदेहिनामिन्द्रियाय नमः।
४५८ ॐ महापादाय नमः।
४५९ ॐ महाहस्ताय नमः।
४६० ॐ महाकायाय नमः।
४६१ ॐ महायशसे नमः।
४६२ ॐ महामूर्ध्ने नमः।
४६३ ॐ महामात्राय नमः।
४६४ ॐ महानेत्राय नमः।
४६५ ॐ निशालयाय नमः।
४६६ ॐ महान्तकाय नमः।
४६७ ॐ महाकर्णाय नमः।
४६८ ॐ महोष्ठाय नमः।
४६९ ॐ महाहनवे नमः।
४७० ॐ महानासाय नमः।
४७१ ॐ महाकम्बवे नमः।
४७२ ॐ महाग्रीवाय नमः।
४७३ ॐ श्मशानभाजे नमः।
४७४ ॐ महावक्षसे नमः।

४७५ ॐ महोरस्काय नमः।
४७६ ॐ अन्तरात्मने नमः।
४७७ ॐ मृगालयाय नमः।
४७८ ॐ लम्बनाय नमः।
४७९ ॐ लम्बितोष्ठाय नमः।
४८० ॐ महामायाय नमः।
४८१ ॐ पयोनिधये नमः।
४८२ ॐ महादन्ताय नमः।
४८३ ॐ महादंष्ट्राय नमः।
४८४ ॐ महाजिह्वाय नमः।
४८५ ॐ महामुखाय नमः।
४८६ ॐ महानखाय नमः।
४८७ ॐ महारोम्णे नमः।
४८८ ॐ महाकोशाय नमः।
४८९ ॐ महाजटाय नमः।
४९० ॐ प्रसन्नाय नमः।
४९१ ॐ प्रसादाय नमः।
४९२ ॐ प्रत्ययाय नमः।
४९३ ॐ गिरिसाधनाय नमः।
४९४ ॐ स्नेहनाय नमः।
४९५ ॐ अस्नेहनाय नमः।
४९६ ॐ अजिताय नमः।
४९७ ॐ महामुनये नमः।
४९८ ॐ वृक्षाकाराय नमः।
४९९ ॐ वृक्षकेतवे नमः।
५०० ॐ अनलाय नमः।
५०१ ॐ वायुवाहनाय नमः।
५०२ ॐ गण्डलिने नमः।
५०३ ॐ मेरुधाम्ने नमः।
५०४ ॐ देवाधिपतये नमः।
५०५ ॐ अथर्वशीर्षाय नमः।
५०६ ॐ सामास्याय नमः।
५०७ ॐ ऋक्सहस्त्रामितेक्षणाय नमः।
५०८ ॐ यजुःपादभुजाय नमः।
५०९ ॐ गुह्याय नमः।
५१० ॐ प्रकाशाय नमः।
५११ ॐ जङ्गमाय नमः।
५१२ ॐ अमोघार्थाय नमः।
५१३ ॐ प्रसादाय नमः।
५१४ ॐ अभिगम्याय नमः।
५१५ ॐ सुदर्शनाय नमः।
५१६ ॐ उपकाराय नमः।
५१७ ॐ प्रियाय नमः।
५१८ ॐ सर्वस्मै नमः।
५१९ ॐ कनकाय नमः।
५२० ॐ काञ्चनच्छवये नमः।
५२१ ॐ नाभये नमः।
५२२ ॐ नन्दिकराय नमः।
५२३ ॐ भावाय नमः।
५२४ ॐ पुष्करस्थपतये नमः।
५२५ ॐ स्थिराय नमः।
५२६ ॐ द्वादशाय नमः।
५२७ ॐ त्रासनाय नमः।
५२८ ॐ आद्याय नमः।
५२९ ॐ यज्ञाय नमः।
५३० ॐ यज्ञसमाहिताय नमः।
५३१ ॐ नक्ताय नमः।
५३२ ॐ कलये नमः।
५३३ ॐ कालाय नमः।
५३४ ॐ मकराय नमः।
५३५ ॐ कालपूजिताय नमः।
५३६ ॐ सगणाय नमः।

५३७ ॐ गणकाराय नमः।
५३८ ॐ भूतवाहनसारथये नमः।
५३९ ॐ भस्मशयाय नमः।
५४० ॐ भस्मगोप्त्रे नमः।
५४१ ॐ भस्मभूताय नमः।
५४२ ॐ तरवे नमः।
५४३ ॐ गणाय नमः।
५४४ ॐ लोकपालाय नमः।
५४५ ॐ अलोकाय नमः।
५४६ ॐ महात्मने नमः।
५४७ ॐ सर्वपूजिताय नमः।
५४८ ॐ शुक्लाय नमः।
५४९ ॐ त्रिशुक्लाय नमः।
५५० ॐ सम्पन्नाय नमः।
५५१ ॐ शुचये नमः।
५५२ ॐ भूतनिषेविताय नमः।
५५३ ॐ आश्रमस्थाय नमः।
५५४ ॐ क्रियावस्थाय नमः।
५५५ ॐ विश्वकर्ममतये नमः।
५५६ ॐ वराय नमः।
५५७ ॐ विशालशाखाय नमः।
५५८ ॐ ताम्रोष्ठाय नमः।
५५९ ॐ अम्बुजालाय नमः।
५६० ॐ सुनिश्चलाय नमः।
५६१ ॐ कपिलाय नमः।
५६२ ॐ कपिशाय नमः।
५६३ ॐ शुक्लाय नमः।
५६४ ॐ आयुषे नमः।
५६५ ॐ परस्मै नमः।
५६६ ॐ अपरस्मै नमः।
५६७ ॐ गन्धर्वाय नमः।
५६८ ॐ अदितये नमः।
५६९ ॐ तार्क्ष्याय नमः।
५७० ॐ सुविज्ञेयाय नमः।
५७१ ॐ सुशारदाय नमः।
५७२ ॐ परश्वधायुधाय नमः।
५७३ ॐ देवाय नमः।
५७४ ॐ अनुकारिणे नमः।
५७५ ॐ सुबान्धवाय नमः।
५७६ ॐ तुम्बवीणाय नमः।
५७७ ॐ महाक्रोधाय नमः।
५७८ ॐ ऊर्ध्वरेतसे नमः।
५७९ ॐ जलेशयाय नमः।
५८० ॐ उग्राय नमः।
५८१ ॐ वंशकराय नमः।
५८२ ॐ वंशाय नमः।
५८३ ॐ वंशनादाय नमः।
५८४ ॐ अनिन्दिताय नमः।
५८५ ॐ सर्वाङ्गरूपाय नमः।
५८६ ॐ मायाविने नमः।
५८७ ॐ सुहृदे नमः।
५८८ ॐ अनिलाय नमः।
५८९ ॐ अनलाय नमः।
५९० ॐ बन्धनाय नमः।
५९१ ॐ बन्धकर्त्रे नमः।
५९२ ॐ सुबन्धनविमोचनाय नमः।
५९३ ॐ सयज्ञारये नमः।
५९४ ॐ सकामारये नमः।
५९५ ॐ महादंष्ट्राय नमः।
५९६ ॐ महायुधाय नमः।
५९७ ॐ बहुधा निन्दिताय नमः।
५९८ ॐ शर्वाय नमः।

५९९ ॐ शङ्कराय नमः।
६०० ॐ शङ्कराय नमः।
६०१ ॐ अधनाय नमः।
६०२ ॐ अमरेशाय नमः।
६०३ ॐ महादेवाय नमः।
६०४ ॐ विश्वदेवाय नमः।
६०५ ॐ सुरारिघ्ने नमः।
६०६ ॐ अहिर्बुध्न्याय नमः।
६०७ ॐ अनिलाभाय नमः।
६०८ ॐ चेकितानाय नमः।
६०९ ॐ हविषे नमः।
६१० ॐ अजैकपदे नमः।
६११ ॐ कापालिने नमः।
६१२ ॐ त्रिशङ्कवे नमः।
६१३ ॐ अजिताय नमः।
६१४ ॐ शिवाय नमः।
६१५ ॐ धन्वन्तरये नमः।
६१६ ॐ धूमकेतवे नमः।
६१७ ॐ स्कन्दाय नमः।
६१८ ॐ वैश्रवणाय नमः।
६१९ ॐ धात्रे नमः।
६२० ॐ शक्राय नमः।
६२१ ॐ विष्णवे नमः।
६२२ ॐ मित्राय नमः।
६२३ ॐ त्वष्ट्रे नमः।
६२४ ॐ ध्रुवाय नमः।
६२५ ॐ धराय नमः।
६२६ ॐ प्रभावाय नमः।
६२७ ॐ सर्वगाय वायवे नमः।
६२८ ॐ अर्यम्णे नमः।
६२९ ॐ सवित्रे नमः।
६३० ॐ रवये नमः।
६३१ ॐ उषङ्गवे नमः।
६३२ ॐ विधात्रे नमः।
६३३ ॐ मान्धात्रे नमः।
६३४ ॐ भूतभावनाय नमः।
६३५ ॐ विभवे नमः।
६३६ ॐ वर्णविभाविने नमः।
६३७ ॐ सर्वकामगुणावहाय नमः।
६३८ ॐ पद्मनाभाय नमः।
६३९ ॐ महागर्भाय नमः।
६४० ॐ चन्द्रवक्त्राय नमः।
६४१ ॐ अनिलाय नमः।
६४२ ॐ अनलाय नमः।
६४३ ॐ बलवते नमः।
६४४ ॐ उपशान्ताय नमः।
६४५ ॐ पुराणाय नमः।
६४६ ॐ पुण्यचञ्चुरिणे नमः।
६४७ ॐ कुरुकर्त्रे नमः।
६४८ ॐ कुरुवासिने नमः।
६४९ ॐ कुरुभूताय नमः।
६५० ॐ गुणौषधाय नमः।
६५१ ॐ सर्वाशयाय नमः।
६५२ ॐ दर्भचारिणे नमः।
६५३ ॐ सर्वेषां प्राणिनां पतये नमः।
६५४ ॐ देवदेवाय नमः।
६५५ ॐ सुखासक्ताय नमः।
६५६ ॐ सते नमः।
६५७ ॐ असते नमः।
६५८ ॐ सर्वरत्नविदे नमः।
६५९ ॐ कैलासगिरिवासिने नमः।
६६० ॐ हिमवद्गिरिसंश्रयाय नमः।

६६१ ॐ कूलहारिणे नमः।
६६२ ॐ कूलकर्त्रे नमः।
६६३ ॐ बहुविद्याय नमः।
६६४ ॐ बहुप्रदाय नमः।
६६५ ॐ वणिजाय नमः।
६६६ ॐ वर्धकिने नमः।
६६७ ॐ वृक्षाय नमः।
६६८ ॐ बकुलाय नमः।
६६९ ॐ चन्दनाय नमः।
६७० ॐ छदाय नमः।
६७१ ॐ सारग्रीवाय नमः।
६७२ ॐ महाजत्रवे नमः।
६७३ ॐ अलोलाय नमः।
६७४ ॐ महौषधाय नमः।
६७५ ॐ सिद्धार्थकारिणे नमः।
६७६ ॐ सिद्धार्थाय नमः।
६७७ ॐ छन्दोव्याकरणोत्तराय नमः।
६७८ ॐ सिंहनादाय नमः।
६७९ ॐ सिंहदंष्ट्राय नमः।
६८० ॐ सिंहगाय नमः।
६८१ ॐ सिंहवाहनाय नमः।
६८२ ॐ प्रभावात्मने नमः।
६८३ ॐ जगत्कालस्थालाय नमः।
६८४ ॐ लोकहिताय नमः।
६८५ ॐ तरवे नमः।
६८६ ॐ सारङ्गाय नमः।
६८७ ॐ नवचक्राङ्गाय नमः।
६८८ ॐ केतुमालिने नमः।
६८९ ॐ सभावनाय नमः।
६९० ॐ भूतालयाय नमः।
६९१ ॐ भूतपतये नमः।
६९२ ॐ अहोरात्राय नमः।
६९३ ॐ अनिन्दिताय नमः।
६९४ ॐ सर्वभूतानां वाहित्रे नमः।
६९५ ॐ सर्वभूतानां निलयाय नमः।
६९६ ॐ विभवे नमः।
६९७ ॐ भवाय नमः।
६९८ ॐ अमोघाय नमः।
६९९ ॐ संयताय नमः।
७०० ॐ अश्वाय नमः।
७०१ ॐ भोजनाय नमः।
७०२ ॐ प्राणधारणाय नमः।
७०३ ॐ धृतिमते नमः।
७०४ ॐ मतिमते नमः।
७०५ ॐ दक्षाय नमः।
७०६ ॐ सत्कृताय नमः।
७०७ ॐ युगाधिपाय नमः।
७०८ ॐ गोपालये नमः।
७०९ ॐ गोपतये नमः।
७१० ॐ ग्रामाय नमः।
७११ ॐ गोचर्मवसनाय नमः।
७१२ ॐ हरये नमः।
७१३ ॐ हिरण्यबाहवे नमः।
७१४ ॐ प्रवेशिनां गुहापालाय नमः।
७१५ ॐ प्रकृष्टारये नमः।
७१६ ॐ महाहर्षाय नमः।
७१७ ॐ जितकामाय नमः।
७१८ ॐ जितेन्द्रियाय नमः।
७१९ ॐ गान्धाराय नमः।
७२० ॐ सुवासाय नमः।
७२१ ॐ तपःसक्ताय नमः।
७२२ ॐ रतये नमः।

७२३ ॐ नराय नमः।
७२४ ॐ महागीताय नमः।
७२५ ॐ महानृत्याय नमः।
७२६ ॐ अप्सरोगणसेविताय नमः।
७२७ ॐ महाकेतवे नमः।
७२८ ॐ महाधातवे नमः।
७२९ ॐ नैकसानुचराय नमः।
७३० ॐ चलाय नमः।
७३१ ॐ आवेदनीयाय नमः।
७३२ ॐ आदेशाय नमः।
७३३ ॐ सर्वगन्धसुखावहाय नमः।
७३४ ॐ तोरणाय नमः।
७३५ ॐ तारणाय नमः।
७३६ ॐ वाताय नमः।
७३७ ॐ परिध्यै नमः।
७३८ ॐ पतिखेचराय नमः।
७३९ ॐ संयोगवर्धनाय नमः।
७४० ॐ वृद्धाय नमः।
७४१ ॐ अतिवृद्धाय नमः।
७४२ ॐ गुणाधिकाय नमः।
७४३ ॐ नित्याय आत्मसहायाय नमः।
७४४ ॐ देवासुरपतये नमः।
७४५ ॐ पत्ये नमः।
७४६ ॐ युक्ताय नमः।
७४७ ॐ युक्तबाहवे नमः।
७४८ ॐ देवाय दिविसुपर्वणाय नमः।
७४९ ॐ आषाढाय नमः।
७५० ॐ सुषाढाय नमः।
७५१ ॐ ध्रुवाय नमः।
७५२ ॐ हरिणाय नमः।
७५३ ॐ हराय नमः।
७५४ ॐ आवर्तमानेभ्यो वपुषे नमः।
७५५ ॐ वसुश्रेष्ठाय नमः।
७५६ ॐ महापथाय नमः।
७५७ ॐ विमर्शाय शिरोहारिणे नमः।
७५८ ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः।
७५९ ॐ अक्षाय रथयोगिने नमः।
७६० ॐ सर्वयोगिने नमः।
७६१ ॐ महाबलाय नमः।
७६२ ॐ समाम्नायाय नमः।
७६३ ॐ असमाम्नायाय नमः।
७६४ ॐ तीर्थदेवाय नमः।
७६५ ॐ महारथाय नमः।
७६६ ॐ निर्जीवाय नमः।
७६७ ॐ जीवनाय नमः।
७६८ ॐ मन्त्राय नमः।
७६९ ॐ शुभाक्षाय नमः।
७७० ॐ बहुकर्कशाय नमः।
७७१ ॐ रत्नप्रभूताय नमः।
७७२ ॐ रत्नाङ्गाय नमः।
७७३ ॐ महार्णवनिपानविदे नमः।
७७४ ॐ मूलाय नमः।
७७५ ॐ विशालाय नमः।
७७६ ॐ अमृताय नमः।
७७७ ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः।
७७८ ॐ तपोनिधये नमः।
७७९ ॐ आरोहणाय नमः।
७८० ॐ अधिरोहाय नमः।
७८१ ॐ शीलधारिणे नमः।
७८२ ॐ महायशसे नमः।
७८३ ॐ सेनाकल्पाय नमः।
७८४ ॐ महाकल्पाय नमः।

७८५ ॐ योगाय नमः।
७८६ ॐ युगकराय नमः।
७८७ ॐ हरये नमः।
७८८ ॐ युगरूपाय नमः।
७८९ ॐ महारूपाय नमः।
७९० ॐ महानागहनाय नमः।
७९१ ॐ अवधाय नमः।
७९२ ॐ न्यायनिर्वपणाय नमः।
७९३ ॐ पादाय नमः।
७९४ ॐ पण्डिताय नमः।
७९५ ॐ अचलोपमाय नमः।
७९६ ॐ बहुमालाय नमः।
७९७ ॐ महामालाय नमः।
७९८ ॐ शशिने हरसुलोचनाय नमः।
७९९ ॐ विस्ताराय लवणाय कूपाय नमः।
८०० ॐ त्रियुगाय नमः।
८०१ ॐ सफलोदयाय नमः।
८०२ ॐ त्रिलोचनाय नमः।
८०३ ॐ विषण्णाङ्गाय नमः।
८०४ ॐ मणिविद्धाय नमः।
८०५ ॐ जटाधराय नमः।
८०६ ॐ विन्दवे नमः।
८०७ ॐ विसर्गाय नमः।
८०८ ॐ सुमुखाय नमः।
८०९ ॐ शराय नमः।
८१० ॐ सर्वायुधाय नमः।
८११ ॐ सहाय नमः।
८१२ ॐ निवेदनाय नमः।
८१३ ॐ सुखाजाताय नमः।
८१४ ॐ सुगन्धाराय नमः।
८१५ ॐ महाधनुषे नमः।
८१६ ॐ भगवते गन्धपालिने नमः।
८१७ ॐ सर्वकर्मणामुत्थानाय नमः।
८१८ ॐ मन्थानाय बहुलाय वायवे नमः।
८१९ ॐ सकलाय नमः।
८२० ॐ सर्वलोचनाय नमः।
८२१ ॐ तलस्तालाय नमः।
८२२ ॐ करस्थालिने नमः।
८२३ ॐ ऊर्ध्वसंहननाय नमः।
८२४ ॐ महते नमः।
८२५ ॐ छत्राय नमः।
८२६ ॐ सुच्छत्राय नमः।
८२७ ॐ विख्यातलोकाय नमः।
८२८ ॐ सर्वाश्रयाय क्रमाय नमः।
८२९ ॐ मुण्डाय नमः।
८३० ॐ विरूपाय नमः।
८३१ ॐ विकृताय नमः।
८३२ ॐ दण्डिने नमः।
८३३ ॐ कुण्डिने नमः।
८३४ ॐ विकुर्वणाय नमः।
८३५ ॐ हर्यक्षाय नमः।
८३६ ॐ ककुभाय नमः।
८३७ ॐ वज्रिणे नमः।
८३८ ॐ शतजिह्वाय नमः।
८३९ ॐ सहस्त्रपादे सहस्त्रमूर्ध्ने नमः।
८४० ॐ देवेन्द्राय नमः।
८४१ ॐ सर्वदेवमयाय नमः।
८४२ ॐ गुरवे नमः।
८४३ ॐ सहस्त्रबाहवे नमः।
८४४ ॐ सर्वाङ्गाय नमः।

८४५ ॐ शरण्याय नमः।
८४६ ॐ सर्वलोककृते नमः।
८४७ ॐ पवित्राय नमः।
८४८ ॐ त्रिककुन्मन्त्राय नमः।
८४९ ॐ कनिष्ठाय नमः।
८५० ॐ कृष्णपिङ्गलाय नमः।
८५१ ॐ ब्रह्मदण्डविनिर्मात्रे नमः।
८५२ ॐ शतघ्नीपाशशक्तिमते नमः।
८५३ ॐ पद्मगर्भाय नमः।
८५४ ॐ महागर्भाय नमः।
८५५ ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः।
८५६ ॐ जलोद्भवाय नमः।
८५७ ॐ गभस्तये नमः।
८५८ ॐ ब्रह्मकृते नमः।
८५९ ॐ ब्रह्मिणे नमः।
८६० ॐ ब्रह्मविदे नमः।
८६१ ॐ ब्राह्मणाय नमः।
८६२ ॐ गतये नमः।
८६३ ॐ अनन्तरूपाय नमः।
८६४ ॐ नैकात्मने नमः।
८६५ ॐ स्वयंभुवाय तिग्मतेजसे नमः।
८६६ ॐ उर्ध्वगात्मने नमः।
८६७ ॐ पशुपतये नमः।
८६८ ॐ वातरंहसे नमः।
८६९ ॐ मनोजवाय नमः।
८७० ॐ चन्दनिने नमः।
८७१ ॐ पद्मनालाग्राय नमः।
८७२ ॐ सुरभ्युत्तरणाय नमः।
८७३ ॐ नराय नमः।
८७४ ॐ कर्णिकारमहास्त्रग्विणे नमः।
८७५ ॐ नीलमौलये नमः।
८७६ ॐ पिनाकधृते नमः।
८७७ ॐ उमापतये नमः।
८७८ ॐ उमाकान्ताय नमः।
८७९ ॐ जाह्नवीधृते नमः।
८८० ॐ उमाधवाय नमः।
८८१ ॐ वराय वराहाय नमः।
८८२ ॐ वरदाय नमः।
८८३ ॐ वरेण्याय नमः।
८८४ ॐ सुमहास्वनाय नमः।
८८५ ॐ महाप्रसादाय नमः।
८८६ ॐ दमनाय नमः।
८८७ ॐ शत्रुघ्ने नमः।
८८८ ॐ श्वेतपिङ्गलाय नमः।
८८९ ॐ पीतात्मने नमः।
८९० ॐ परमात्मने नमः।
८९१ ॐ प्रयतात्मने नमः।
८९२ ॐ प्रधानधृते नमः।
८९३ ॐ सर्वपार्श्वमुखाय नमः।
८९४ ॐ त्र्यक्षाय नमः।
८९५ ॐ धर्मसाधारणाय वराय नमः।
८९६ ॐ चराचरात्मने नमः।
८९७ ॐ सूक्ष्मात्मने नमः।
८९८ ॐ अमृताय गोवृषेश्वराय नमः।
८९९ ॐ साध्यर्षये नमः।
९०० ॐ आदित्याय वसवे नमः।
९०१ ॐ विवस्वते सवितामृताय नमः।
९०२ ॐ व्यासाय नमः।
९०३ ॐ सुसंक्षेपाय विस्तराय सर्गाय नमः।
९०४ ॐ पर्ययाय नराय नमः।
९०५ ॐ ऋतवे नमः।

१०६ ॐ संवत्सराय नमः।
१०७ ॐ मासाय नमः।
१०८ ॐ पक्षाय नमः।
१०९ ॐ संख्यासमापनाय नमः।
११० ॐ कलाभ्यो नमः।
१११ ॐ काष्ठाभ्यो नमः।
११२ ॐ लवेभ्यो नमः।
११३ ॐ मात्राभ्यो नमः।
११४ ॐ मुहूर्ताहःक्षपाभ्यो नमः।
११५ ॐ क्षणेभ्यो नमः।
११६ ॐ विश्वक्षेत्राय नमः।
११७ ॐ प्रजाबीजाय नमः।
११८ ॐ लिङ्गाय नमः।
११९ ॐ आद्याय निर्गमाय नमः।
१२० ॐ सते नमः।
१२१ ॐ असते नमः।
१२२ ॐ व्यक्ताय नमः।
१२३ ॐ अव्यक्ताय नमः।
१२४ ॐ पित्रे नमः।
१२५ ॐ मात्रे नमः।
१२६ ॐ पितामहाय नमः।
१२७ ॐ स्वर्गद्वाराय नमः।
१२८ ॐ प्रजाद्वाराय नमः।
१२९ ॐ मोक्षद्वाराय नमः।
१३० ॐ त्रिविष्टपाय नमः।
१३१ ॐ निर्वाणाय नमः।
१३२ ॐ ह्लादनाय नमः।
१३३ ॐ ब्रह्मलोकाय नमः।
१३४ ॐ परस्यै गतये नमः।
१३५ ॐ देवासुरविनिर्मात्रे नमः।
१३६ ॐ देवासुरपरायणाय नमः।
१३७ ॐ देवासुरगुरवे नमः।
१३८ ॐ देवाय नमः।
१३९ ॐ देवासुरनमस्कृताय नमः।
१४० ॐ देवासुरमहामात्राय नमः।
१४१ ॐ देवासुरगणाश्रयाय नमः।
१४२ ॐ देवासुरगणाध्यक्षाय नमः।
१४३ ॐ देवासुरगणाग्रण्ये नमः।
१४४ ॐ देवातिदेवाय नमः।
१४५ ॐ देवर्षये नमः।
१४६ ॐ देवासुरवरप्रदाय नमः।
१४७ ॐ देवासुरेश्वराय नमः।
१४८ ॐ विश्वस्मै नमः।
१४९ ॐ देवासुरमहेश्वराय नमः।
१५० ॐ सर्वदेवमयाय नमः।
१५१ ॐ अचिन्त्याय नमः।
१५२ ॐ देवतात्मने नमः।
१५३ ॐ आत्मसम्भवाय नमः।
१५४ ॐ उद्भिदे नमः।
१५५ ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
१५६ ॐ वैद्याय नमः।
१५७ ॐ विरजसे नमः।
१५८ ॐ नीरजसे नमः।
१५९ ॐ अमराय नमः।
१६० ॐ ईड्याय नमः।
१६१ ॐ हस्तीश्वराय नमः।
१६२ ॐ व्याघ्राय नमः।
१६३ ॐ देवसिंहाय नमः।
१६४ ॐ नरर्षभाय नमः।
१६५ ॐ विबुधाय नमः।
१६६ ॐ अग्रवराय नमः।
१६७ ॐ सूक्ष्माय नमः।

९६८ ॐ सर्वदेवाय नमः।
९६९ ॐ तपोमयाय नमः।
९७० ॐ सुयुक्ताय नमः।
९७१ ॐ शोभनाय नमः।
९७२ ॐ वज्रिणे नमः।
९७३ ॐ प्रासानां प्रभवाय नमः।
९७४ ॐ अव्ययाय नमः।
९७५ ॐ गुहाय नमः।
९७६ ॐ कान्ताय नमः।
९७७ ॐ निजाय सर्गाय नमः।
९७८ ॐ पवित्राय नमः।
९७९ ॐ सर्वपावनाय नमः।
९८० ॐ शृङ्गिणे नमः।
९८१ ॐ शृङ्गप्रियाय नमः।
९८२ ॐ बभ्रवे नमः।
९८३ ॐ राजराजाय नमः।
९८४ ॐ निरामयाय नमः।
९८५ ॐ अभिरामाय नमः।
९८६ ॐ सुरगणाय नमः।
९८७ ॐ विरामाय नमः।
९८८ ॐ सर्वसाधनाय नमः।
९८९ ॐ ललाटाक्षाय नमः।
९९० ॐ विश्वदेवाय नमः।
९९१ ॐ हरिणाय नमः।
९९२ ॐ ब्रह्मवर्चसे नमः।
९९३ ॐ स्थावराणां पतये नमः।
९९४ ॐ नियमेन्द्रियवर्धनाय नमः।
९९५ ॐ सिद्धार्थाय नमः।
९९६ ॐ सिद्धभूतार्थाय नमः।
९९७ ॐ अचिन्त्याय नमः।
९९८ ॐ सत्यव्रताय नमः।
९९९ ॐ शुचये नमः।
१००० ॐ व्रताधिपाय नमः।
१००१ ॐ परस्मै नमः।
१००२ ॐ ब्रह्मणे नमः।
१००३ ॐ भक्तानां परमायै गतये नमः।
१००४ ॐ विमुक्ताय नमः।
१००५ ॐ मुक्ततेजसे नमः।
१००६ ॐ श्रीमते नमः।
१००७ ॐ श्रीवर्धनाय नमः।
१००८ ॐ जगते नमः।

॥ इति श्रीमहाभारते अनुशासनपर्वणि श्रीशिवसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीदुर्गादेव्यै नमः ॥

दकारादि श्रीदुर्गासहस्त्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

ॐ विद्युद्दामसमप्रभां मृगपतिस्कन्धस्थितां भीषणां
कन्याभिः करवालखेटविलसद्धस्ताभिरासेविताम्।
हस्तैश्चक्रगदासिखेटविशिखांश्चापं गुणं तर्जनीं
बिभ्राणामनलात्मिकां शशिधरां दुर्गां त्रिनेत्रां भजे॥*

दुं दुर्गा दुर्गतिहरा दुर्गाचलनिवासिनी।
दुर्गमार्गानुसंचारा दुर्गमार्गनिवासिनी॥ १॥
दुर्गमार्गप्रविष्टा च दुर्गमार्गप्रवेशिनी।
दुर्गमार्गकृतावासा दुर्गमार्गजयप्रिया॥ २॥
दुर्गमार्गगृहीतार्चा दुर्गमार्गस्थितात्मिका।
दुर्गमार्गस्तुतिपरा दुर्गमार्गस्मृतिपरा॥ ३॥
दुर्गमार्गसदास्थाली दुर्गमार्गरतिप्रिया।
दुर्गमार्गस्थलस्थाना दुर्गमार्गविलासिनी॥ ४॥
दुर्गमार्गत्यक्तवस्त्रा दुर्गमार्गप्रवर्तिनी।
दुर्गासुरनिहन्त्री च दुर्गासुरनिषूदिनी॥ ५॥
दुर्गासुरहरा दूती दुर्गासुरविनाशिनी।
दुर्गासुरवधोन्मत्ता दुर्गासुरवधोत्सुका॥ ६॥
दुर्गासुरवधोत्साहा दुर्गासुरवधोद्यता।
दुर्गासुरवधप्रेप्सुर्दुर्गासुरमखान्तकृत् ॥ ७॥

---

* मैं तीन नेत्रोंवाली दुर्गादेवीका ध्यान करता हूँ, उनके श्रीअङ्गोंकी प्रभा बिजलीके समान है। वे सिंहके कन्धेपर बैठी हुई भयंकर प्रतीत होती हैं। हाथोंमें तलवार और ढाल लिये अनेक कन्याएँ उनकी सेवामें खड़ी हैं। वे अपने हाथोंमें चक्र, गदा, तलवार, ढाल, बाण, धनुष, पाश और तर्जनी मुद्रा धारण किये हुए हैं। उनका स्वरूप अग्निमय है तथा वे माथेपर चन्द्रमाका मुकुट धारण करती हैं।

दुर्गासुरध्वंसतोषा दुर्गदानवदारिणी।
दुर्गविद्रावणकरी दुर्गविद्रावणी सदा॥ ८ ॥
दुर्गविक्षोभणकरी दुर्गशीर्षनिकृन्तिनी।
दुर्गविध्वंसनकरी दुर्गदैत्यनिकृन्तिनी॥ ९ ॥
दुर्गदैत्यप्राणहरा दुर्गदैत्यान्तकारिणी।
दुर्गदैत्यहरत्रात्री दुर्गदैत्यासृगुन्मदा॥ १० ॥
दुर्गदैत्याशनकरी दुर्गचर्माम्बरावृता।
दुर्गयुद्धोत्सवकरी दुर्गयुद्धविशारदा॥ ११ ॥
दुर्गयुद्धासवरता दुर्गयुद्धविमर्दिनी।
दुर्गयुद्धहास्यरता दुर्गयुद्धाट्टहासिनी॥ १२ ॥
दुर्गयुद्धमहामत्ता दुर्गयुद्धानुसारिणी।
दुर्गयुद्धोत्सवोत्साहा दुर्गदेशनिषेविणी॥ १३ ॥
दुर्गदेशवासरता दुर्गदेशविलासिनी।
दुर्गदेशार्चनरता दुर्गदेशजनप्रिया॥ १४ ॥
दुर्गमस्थानसंस्थाना दुर्गमध्यानुसाधना।
दुर्गमा दुर्गमध्याना दुर्गमात्मस्वरूपिणी॥ १५ ॥
दुर्गमागमसंधाना दुर्गमागमसंस्तुता।
दुर्गमागमदुर्ज्ञेया दुर्गमश्रुतिसम्मता॥ १६ ॥
दुर्गमश्रुतिमान्या च दुर्गमश्रुतिपूजिता।
दुर्गमश्रुतिसुप्रीता दुर्गमश्रुतिहर्षदा॥ १७ ॥
दुर्गमश्रुतिसंस्थाना दुर्गमश्रुतिमानिता।
दुर्गमाचारसंतुष्टा दुर्गमाचारतोषिता॥ १८ ॥

दुर्गमाचारनिर्वृत्ता दुर्गमाचारपूजिता।
दुर्गमाचारकलिता दुर्गमस्थानदायिनी॥ १९॥
दुर्गमप्रेमनिरता दुर्गमद्रविणप्रदा।
दुर्गमाम्बुजमध्यस्था दुर्गमाम्बुजवासिनी॥ २०॥
दुर्गनाडीमार्गगतिर्दुर्गनाडीप्रचारिणी।
दुर्गनाडीपद्मरता दुर्गनाड्यम्बुजस्थिता॥ २१॥
दुर्गनाडीगतायाता दुर्गनाडीकृतास्पदा।
दुर्गनाडीरतरता दुर्गनाडीशसंस्तुता॥ २२॥
दुर्गनाडीश्वररता दुर्गनाडीशचुम्बिता।
दुर्गनाडीशक्रोडस्था दुर्गनाड्युत्थितोत्सुका॥ २३॥
दुर्गनाड्यारोहणा च दुर्गनाडीनिषेविता।
दरिस्थाना दरिस्थानवासिनी दनुजान्तकृत्॥ २४॥
दरीकृततपस्या च दरीकृतहरार्चना।
दरीजापितदिष्टा च दरीकृतरतिक्रिया॥ २५॥
दरीकृतहरार्हा च दरीक्रीडितपुत्रिका।
दरीसंदर्शनरता दरीरोपितवृश्चिका॥ २६॥
दरीगुप्तिकौतुकाढ्या दरीभ्रमणतत्परा।
दनुजान्तकरी दीना दनुसंतानदारिणी॥ २७॥
दनुजध्वंसिनी दूना दनुजेन्द्रविनाशिनी।
दानवध्वंसिनी देवी दानवानां भयंकरी॥ २८॥
दानवी दानवाराध्या दानवेन्द्रवरप्रदा।
दानवेन्द्रनिहन्त्री च दानवद्वेषिणी सती॥ २९॥

दानवारिप्रेमरता दानवारिप्रपूजिता ।
दानवारिकृतार्चा च दानवारिविभूतिदा ॥ ३० ॥
दानवारिमहानन्दा दानवारिरतिप्रिया ।
दानवारिदानरता दानवारिकृतास्पदा ॥ ३१ ॥
दानवारिस्तुतिरता दानवारिस्मृतिप्रिया ।
दानवार्याहाररता दानवारिप्रबोधिनी ॥ ३२ ॥
दानवारिधृतप्रेमा दुःखशोकविमोचिनी ।
दुःखहन्त्री दुःखदात्री दुःखनिर्मूलकारिणी ॥ ३३ ॥
दुःखनिर्मूलनकरी दुःखदार्यरिनाशिनी ।
दुःखहरा दुःखनाशा दुःखग्रामा दुरासदा ॥ ३४ ॥
दुःखहीना दुःखधारा द्रविणाचारदायिनी ।
द्रविणोत्सर्गसंतुष्टा द्रविणत्यागतोषिका ॥ ३५ ॥
द्रविणस्पर्शसंतुष्टा द्रविणस्पर्शमानदा ।
द्रविणस्पर्शहर्षाढ्या द्रविणस्पर्शतुष्टिदा ॥ ३६ ॥
द्रविणस्पर्शनकरी द्रविणस्पर्शनातुरा ।
द्रविणस्पर्शनोत्साहा द्रविणस्पर्शसाधिका ॥ ३७ ॥
द्रविणस्पर्शनमता द्रविणस्पर्शपुत्रिका ।
द्रविणस्पर्शरक्षिणी द्रविणस्तोमदायिनी ॥ ३८ ॥
द्रविणकर्षणकरी द्रविणौघविसर्जिनी ।
द्रविणाचलदानाढ्या द्रविणाचलवासिनी ॥ ३९ ॥
दीनमाता दीनबन्धुर्दीनविघ्नविनाशिनी ।
दीनसेव्या दीनसिद्धा दीनसाध्या दिगम्बरी ॥ ४० ॥

दीनगेहकृतानन्दा दीनगेहविलासिनी।
दीनभावप्रेमरता दीनभावविनोदिनी॥ ४१॥
दीनमानवचेतःस्था दीनमानवहर्षदा।
दीनदैन्यविघातेच्छुर्दीनद्रविणदायिनी॥ ४२॥
दीनसाधनसंतुष्टा दीनदर्शनदायिनी।
दीनपुत्रादिदात्री च दीनसम्पद्विधायिनी॥ ४३॥
दत्तात्रेयध्यानरता दत्तात्रेयप्रपूजिता।
दत्तात्रेयर्षिसंसिद्धा दत्तात्रेयविभाविता॥ ४४॥
दत्तात्रेयकृतार्हा च दत्तात्रेयप्रसाधिता।
दत्तात्रेयहर्षदात्री दत्तात्रेयसुखप्रदा॥ ४५॥
दत्तात्रेयस्तुता चैव दत्तात्रेयनुता सदा।
दत्तात्रेयप्रेमरता दत्तात्रेयानुमानिता॥ ४६॥
दत्तात्रेयसमुद्गीता दत्तात्रेयकुटुम्बिनी।
दत्तात्रेयप्राणतुल्या दत्तात्रेयशरीरिणी॥ ४७॥
दत्तात्रेयकृतानन्दा दत्तात्रेयांशसम्भवा।
दत्तात्रेयविभूतिस्था दत्तात्रेयानुसारिणी॥ ४८॥
दत्तात्रेयगीतिरता दत्तात्रेयधनप्रदा।
दत्तात्रेयदुःखहरा दत्तात्रेयवरप्रदा॥ ४९॥
दत्तात्रेयज्ञानदात्री दत्तात्रेयभयापहा।
देवकन्या देवमान्या देवदुःखविनाशिनी॥ ५०॥
देवसिद्धा देवपूज्या देवेज्या देववन्दिता।
देवमान्या देवधन्या देवविघ्नविनाशिनी॥ ५१॥

देवरम्या देवरता देवकौतुकतत्परा।
देवक्रीडा देवव्रीडा देववैरिविनाशिनी ॥ ५२ ॥
देवकामा देवरामा देवद्विष्टविनाशिनी।
देवदेवप्रिया देवी देवदानववन्दिता ॥ ५३ ॥
देवदेवरतानन्दा देवदेववरोत्सुका।
देवदेवप्रेमरता देवदेवप्रियंवदा ॥ ५४ ॥
देवदेवप्राणतुल्या देवदेवनितम्बिनी।
देवदेवहृतमना देवदेवसुखावहा ॥ ५५ ॥
देवदेवक्रोडरता देवदेवसुखप्रदा।
देवदेवमहानन्दा देवदेवप्रचुम्बिता ॥ ५६ ॥
देवदेवोपभुक्ता च देवदेवानुसेविता।
देवदेवगतप्राणा देवदेवगतात्मिका ॥ ५७ ॥
देवदेवहर्षदात्री देवदेवसुखप्रदा।
देवदेवमहानन्दा देवदेवविलासिनी ॥ ५८ ॥
देवदेवधर्मपत्नी देवदेवमनोगता।
देवदेववधूर्देवी देवदेवार्चनप्रिया ॥ ५९ ॥
देवदेवाङ्गनिलया देवदेवाङ्गशायिनी।
देवदेवाङ्गसुखिनी देवदेवाङ्गवासिनी ॥ ६० ॥
देवदेवाङ्गभूषा च देवदेवाङ्गभूषणा।
देवदेवप्रियकरी देवदेवाप्रियान्तकृत् ॥ ६१ ॥
देवदेवप्रियप्राणा देवदेवप्रियात्मिका।
देवदेवार्चकप्राणा देवदेवार्चकप्रिया ॥ ६२ ॥

देवदेवार्चकोत्साहा देवदेवार्चकाश्रया।
देवदेवार्चकाविघ्ना देवदेवप्रसूरपि॥ ६३॥
देवदेवस्य जननी देवदेवविधायिनी।
देवदेवस्य रमणी देवदेवहृदाश्रया॥ ६४॥
देवदेवेष्टदेवी च देवतापसपालिनी।
देवताभावसंतुष्टा देवताभावतोषिता॥ ६५॥
देवताभाववरदा देवताभावसिद्धिदा।
देवताभावसंसिद्धा देवताभावसम्भवा॥ ६६॥
देवताभावसुखिनी देवताभाववन्दिता।
देवताभावसुप्रीता देवताभावहर्षदा॥ ६७॥
देवताविघ्नहन्त्री च देवताद्विष्टनाशिनी।
देवतापूजितपदा देवताप्रेमतोषिता॥ ६८॥
देवतागारनिलया देवतासौख्यदायिनी।
देवतानिजभावा च देवताहृतमानसा॥ ६९॥
देवताकृतपादार्चा देवताहृतभक्तिका।
देवतागर्वमध्यस्था देवतादेवतातनुः॥ ७०॥
दुं दुर्गायै नमो नाम्नी दुं फणमन्त्रस्वरूपिणी।
दूं नमो मन्त्ररूपा च दूं नमो मूर्तिकात्मिका॥ ७१॥
दूरदर्शिप्रियादुष्टा दुष्टभूतनिषेविता।
दूरदर्शिप्रेमरता दूरदर्शिप्रियंवदा॥ ७२॥
दूरदर्शिसिद्धिदात्री दूरदर्शिप्रतोषिता।
दूरदर्शिकण्ठसंस्था दूरदर्शिप्रहर्षिता॥ ७३॥

दूरदर्शिगृहीतार्चा दूरदर्शिप्रतर्षिता।
दूरदर्शिप्राणतुल्या दूरदर्शिसुखप्रदा॥ ७४॥
दूरदर्शिभ्रान्तिहरा दूरदर्शिहृदास्पदा।
दूरदर्श्यरिविद्भावा दीर्घदर्शिप्रमोदिनी॥ ७५॥
दीर्घदर्शिप्राणतुल्या दूरदर्शिवरप्रदा।
दीर्घदर्शिहर्षदात्री दीर्घदर्शिप्रहर्षिता॥ ७६॥
दीर्घदर्शिमहानन्दा दीर्घदर्शिगृहालया।
दीर्घदर्शिगृहीतार्चा दीर्घदर्शिहृतार्हणा॥ ७७॥
दया दानवती दात्री दयालुर्दीनवत्सला।
दयार्द्रा च दयाशीला दयाढ्या च दयात्मिका॥ ७८॥
दयाम्बुधिर्दयासारा दयासागरपारगा।
दयासिन्धुर्दयाभारा दयावत्करुणाकरी॥ ७९॥
दयावद्वत्सला देवी दया दानरता सदा।
दयावद्भक्तिसुखिनी दयावत्परितोषिता॥ ८०॥
दयावत्स्नेहनिरता दयावत्प्रतिपादिका।
दयावत्प्राणकर्त्री च दयावन्मुक्तिदायिनी॥ ८१॥
दयावद्भावसंतुष्टा दयावत्परितोषिता।
दयावत्तारणपरा दयावत्सिद्धिदायिनी॥ ८२॥
दयावत्पुत्रवद्भावा दयावत्पुत्ररूपिणी।
दयावद्देहनिलया दयाबन्धुर्दयाश्रया॥ ८३॥
दयालुवात्सल्यकरी दयालुसिद्धिदायिनी।
दयालुशरणाशक्ता दयालुदेहमन्दिरा॥ ८४॥

दयालुभक्तिभावस्था दयालुप्राणरूपिणी।
दयालुसुखदा दम्भा दयालुप्रेमवर्षिणी ॥ ८५ ॥
दयालुवशगा दीर्घा दीर्घाङ्गी दीर्घलोचना।
दीर्घनेत्रा दीर्घचक्षुर्दीर्घबाहुलतात्मिका ॥ ८६ ॥
दीर्घकेशी दीर्घमुखी दीर्घघोणा च दारुणा।
दारुणासुरहन्त्री च दारुणासुरदारिणी ॥ ८७ ॥
दारुणाहवकर्त्री च दारुणाहवहर्षिता।
दारुणाहवहोमाढ्या दारुणाचलनाशिनी ॥ ८८ ॥
दारुणाचारनिरता दारुणोत्सवहर्षिता।
दारुणोद्यतरूपा च दारुणारिनिवारिणी ॥ ८९ ॥
दारुणेक्षणसंयुक्ता दोश्चतुष्कविराजिता।
दशदोष्का दशभुजा दशबाहुविराजिता ॥ ९० ॥
दशास्त्रधारिणी देवी दशदिक्ख्यातविक्रमा।
दशरथार्चितपदा दाशरथिप्रिया सदा ॥ ९१ ॥
दाशरथिप्रेमतुष्टा दाशरथिरतिप्रिया।
दाशरथिप्रियकरी दाशरथिप्रियंवदा ॥ ९२ ॥
दाशरथीष्टसंदात्री दाशरथीष्टदेवता।
दाशरथिद्वेषिनाशा दाशरथ्यानुकूल्यदा ॥ ९३ ॥
दाशरथिप्रियतमा दाशरथिप्रपूजिता।
दशाननारिसम्पूज्या दशाननारिदेवता ॥ ९४ ॥
दशाननारिप्रमदा दशाननारिजन्मभूः।
दशाननारिरतिदा दशाननारिसेविता ॥ ९५ ॥

दशाननारिसुखदा दशाननारिवैरिहृत्।
दशाननारीष्टदेवी दशग्रीवारिवन्दिता॥ ९६ ॥
दशग्रीवारिजननी दशग्रीवारिभाविनी।
दशग्रीवारिसहिता दशग्रीवसभाजिता॥ ९७ ॥
दशग्रीवारिरमणी दशग्रीववधूरपि।
दशग्रीवनाशकर्त्री दशग्रीववरप्रदा॥ ९८ ॥
दशग्रीवपुरस्था च दशग्रीववधोत्सुका।
दशग्रीवप्रीतिदात्री दशग्रीवविनाशिनी॥ ९९ ॥
दशग्रीवाहवकरी दशग्रीवानपायिनी।
दशग्रीवप्रिया वन्द्या दशग्रीवहृता तथा॥ १००॥
दशग्रीवाहितकरी दशग्रीवेश्वरप्रिया।
दशग्रीवेश्वरप्राणा दशग्रीववरप्रदा॥ १०१॥
दशग्रीवेश्वररता दशवर्षीयकन्यका।
दशवर्षीयबाला च दशवर्षीयवासिनी॥ १०२॥
दशपापहरा दम्या दशहस्तविभूषिता।
दशशस्त्रलसद्दोष्का दशदिक्पालवन्दिता॥ १०३॥
दशावताररूपा च दशावताररूपिणी।
दशविद्याभिन्नदेवी दशप्राणस्वरूपिणी॥ १०४॥
दशविद्यास्वरूपा च दशविद्यामयी तथा।
दृक्स्वरूपा दृक्प्रदात्री दृग्रूपा दृक्प्रकाशिनी॥ १०५॥
दिगन्तरा दिगन्तःस्था दिगम्बरविलासिनी।
दिगम्बरसमाजस्था दिगम्बरप्रपूजिता॥ १०६॥

दिगम्बरसहचरी दिगम्बरकृतास्पदा।
दिगम्बरहृताचित्ता दिगम्बरकथाप्रिया ॥ १०७ ॥
दिगम्बरगुणरता दिगम्बरस्वरूपिणी।
दिगम्बरशिरोधार्या दिगम्बरहृताश्रया ॥ १०८ ॥
दिगम्बरप्रेमरता दिगम्बररतातुरा।
दिगम्बरीस्वरूपा च दिगम्बरीगणार्चिता ॥ १०९ ॥
दिगम्बरीगणप्राणा दिगम्बरीगणप्रिया।
दिगम्बरीगणाराध्या दिगम्बरगणेश्वरा ॥ ११० ॥
दिगम्बरगणस्पर्शमदिरापानविह्वला।
दिगम्बरीकोटिवृता दिगम्बरीगणावृता ॥ १११ ॥
दुरन्ता दुष्कृतिहरा दुर्ध्येया दुरतिक्रमा।
दुरन्तदानवद्वेष्ट्री दुरन्तदनुजान्तकृत् ॥ ११२ ॥
दुरन्तपापहन्त्री च दस्त्रनिस्तारकारिणी।
दस्त्रमानससंस्थाना दस्त्रज्ञानविवर्धिनी ॥ ११३ ॥
दस्त्रसम्भोगजननी दस्त्रसम्भोगदायिनी।
दस्त्रसम्भोगभवना दस्त्रविद्याविधायिनी ॥ ११४ ॥
दस्त्रोद्वेगहरा दस्त्रजननी दस्त्रसुन्दरी।
दस्त्रभक्तिविधाज्ञाना दस्त्रद्विष्टविनाशिनी ॥ ११५ ॥
दस्त्रापकारदमनी दस्त्रसिद्धिविधायिनी।
दस्त्रताराराधिका च दस्त्रमातृप्रपूजिता ॥ ११६ ॥
दस्त्रदैन्यहरा चैव दस्त्रतातनिषेविता।
दस्त्रपितृशतज्योतिर्दस्त्रकौशलदायिनी ॥ ११७ ॥

दशशीर्षारिसहिता दशशीर्षारिकामिनी।
दशशीर्षपुरी देवी दशशीर्षसभाजिता॥ ११८॥
दशशीर्षारिसुप्रीता दशशीर्षवधूप्रिया।
दशशीर्षशिरश्छेत्री दशशीर्षनितम्बिनी॥ ११९॥
दशशीर्षहरप्राणा दशशीर्षहरात्मिका।
दशशीर्षहराराध्या दशशीर्षारिवन्दिता॥ १२०॥
दशशीर्षारिसुखदा दशशीर्षकपालिनी।
दशशीर्षज्ञानदात्री दशशीर्षारिगेहिनी॥ १२१॥
दशशीर्षवधोपात्तश्रीरामचन्द्ररूपता।
दशशीर्षराष्ट्रदेवी दशशीर्षारिसारिणी॥ १२२॥
दशशीर्षभ्रातृतुष्टा दशशीर्षवधूप्रिया।
दशशीर्षवधूप्राणा दशशीर्षवधूरता॥ १२३॥
दैत्यगुरुरता साध्वी दैत्यगुरुप्रपूजिता।
दैत्यगुरूपदेष्ट्री च दैत्यगुरुनिषेविता॥ १२४॥
दैत्यगुरुमतप्राणा दैत्यगुरुतापनाशिनी।
दुरन्तदुःखशमनी दुरन्तदमनी तमी॥ १२५॥
दुरन्तशोकशमनी दुरन्तरोगनाशिनी।
दुरन्तवैरिदमनी दुरन्तदैत्यनाशिनी॥ १२६॥
दुरन्तकलुषघ्नी च दुष्कृतिस्तोमनाशिनी।
दुराशया दुराधारा दुर्जया दुष्टकामिनी॥ १२७॥
दर्शनीया च दृश्या चाऽदृश्या च दृष्टिगोचरा।
दूतीयागप्रिया दूती दूतीयागकरप्रिया॥ १२८॥

दूतीयागकरानन्दा दूतीयागसुखप्रदा।
दूतीयागकरायाता दूतीयागप्रमोदिनी॥ १२९॥
दुर्वासःपूजिता चैव दुर्वासोमुनिभाविता।
दुर्वासोऽर्चितपादा च दुर्वासोमौनभाविता॥ १३०॥
दुर्वासोमुनिवन्द्या च दुर्वासोमुनिदेवता।
दुर्वासोमुनिमाता च दुर्वासोमुनिसिद्धिदा॥ १३१॥
दुर्वासोमुनिभावस्था दुर्वासोमुनिसेविता।
दुर्वासोमुनिचित्तस्था दुर्वासोमुनिमण्डिता॥ १३२॥
दुर्वासोमुनिसंचारा दुर्वासोहृदयङ्गमा।
दुर्वासोहृदयाराध्या दुर्वासोहृत्सरोजगा॥ १३३॥
दुर्वासस्तापसाराध्या दुर्वासस्तापसाश्रया।
दुर्वासस्तापसरता दुर्वासस्तापसेश्वरी॥ १३४॥
दुर्वासोमुनिकन्या च दुर्वासोऽद्भुतसिद्धिदा।
दररात्री दरहरा दरयुक्ता दरापहा॥ १३५॥
दरघ्नी दरहन्त्री च दरयुक्ता दराश्रया।
दरस्मेरा दरापाङ्गी दयादात्री दयाश्रया।
दस्रपूज्या दस्रमाता दस्रदेवी दरोन्मदा॥ १३६॥
दस्रसिद्धा दस्रसंस्था दस्रतापविमोचिनी।
दस्रक्षोभहरा नित्या दस्रलोकगतात्मिका॥ १३७॥
दैत्यगुर्वङ्गनावन्द्या दैत्यगुर्वङ्गनाप्रिया।
दैत्यगुर्वङ्गनासिद्धा दैत्यगुर्वङ्गनोत्सुका॥ १३८॥
दैत्यगुरुप्रियतमा देवगुरुनिषेविता।
देवगुरुप्रसूरूपा देवगुरुकृतार्हणा॥ १३९॥

देवगुरुप्रेमयुता देवगुर्वनुमानिता।
देवगुरुप्रभावज्ञा देवगुरुसुखप्रदा॥ १४०॥
देवगुरुज्ञानदात्री देवगुरुप्रमोदिनी।
दैत्यस्त्रीगणसम्पूज्या दैत्यस्त्रीगणपूजिता॥ १४१॥
दैत्यस्त्रीगणरूपा च दैत्यस्त्रीचित्तहारिणी।
देवस्त्रीगणपूज्या च देवस्त्रीगणवन्दिता॥ १४२॥
देवस्त्रीगणचित्तस्था देवस्त्रीगणभूषिता।
देवस्त्रीगणसंसिद्धा देवस्त्रीगणतोषिता॥ १४३॥
देवस्त्रीगणहस्तस्थचारुचामरवीजिता।
देवस्त्रीगणहस्तस्थचारुगन्धविलेपिता॥ १४४॥
देवाङ्गनाधृतादर्शदृष्ट्यर्थमुखचन्द्रमा।
देवाङ्गनोत्सृष्टनागवल्लीदलकृतोत्सुका॥ १४५॥
देवस्त्रीगणहस्तस्थदीपमालाविलोकना।
देवस्त्रीगणहस्तस्थधूपघ्राणविनोदिनी॥ १४६॥
देवनारीकरगतवासकासवपायिनी।
देवनारीकङ्कतिकाकृतकेशनिमार्जना॥ १४७॥
देवनारीसेव्यगात्रा देवनारीकृतोत्सुका।
देवनारीविरचितपुष्पमालाविराजिता॥ १४८॥
देवनारीविचित्राङ्गी देवस्त्रीदत्तभोजना।
देवस्त्रीगणगीता च देवस्त्रीगीतसोत्सुका॥ १४९॥
देवस्त्रीनृत्यसुखिनी देवस्त्रीनृत्यदर्शिनी।
देवस्त्रीयोजितलसद्रत्नपादपदाम्बुजा॥ १५०॥

देवस्त्रीगणविस्तीर्णचारुतल्पनिषेदुषी ।
देवनारीचारुकराकलितांघ्र्यादिदेहिका ॥ १५१ ॥
देवनारीकरव्यग्रतालवृन्दमरुत्सुका ।
देवनारीवेणुवीणानादसोत्कण्ठमानसा ॥ १५२ ॥
देवकोटिस्तुतिनुता देवकोटिकृतार्हणा ।
देवकोटिगीतगुणा देवकोटिकृतस्तुतिः ॥ १५३ ॥
दन्तदष्ट्योद्वेगफला देवकोलाहलाकुला ।
द्वेषरागपरित्यक्ता द्वेषरागविवर्जिता ॥ १५४ ॥
दामपूज्या दामभूषा दामोदरविलासिनी ।
दामोदरप्रेमरता दामोदरभगिन्यपि ॥ १५५ ॥
दामोदरप्रसूर्दामोदरपत्नीपतिव्रता ।
दामोदराऽभिन्नदेहा दामोदररतिप्रिया ॥ १५६ ॥
दामोदराऽभिन्नतनुर्दामोदरकृतास्पदा ।
दामोदरकृतप्राणा दामोदरगतात्मिका ॥ १५७ ॥
दामोदरकौतुकाढ्या दामोदरकलाकला ।
दामोदरालिङ्गिताङ्गी दामोदरकुतूहला ॥ १५८ ॥
दामोदरकृताह्लादा दामोदरसुचुम्बिता ।
दामोदरसुताकृष्टा दामोदरसुखप्रदा ॥ १५९ ॥
दामोदरसहाढ्या च दामोदरसहायिनी ।
दामोदरगुणज्ञा च दामोदरवरप्रदा ॥ १६० ॥
दामोदरानुकूला च दामोदरनितम्बिनी ।
दामोदरबलक्रीडाकुशला दर्शनप्रिया ॥ १६१ ॥

दामोदरजलक्रीडात्यक्तस्वजनसौहृदा ।
दामोदरलसद्रासकेलिकौतुकिनी तथा ॥ १६२ ॥
दामोदरभ्रातृका च दामोदरपरायणा।
दामोदरधरा दामोदरवैरविनाशिनी ॥ १६३ ॥
दामोदरोपजाया च दामोदरनिमन्त्रिता।
दामोदरपराभूता दामोदरपराजिता ॥ १६४ ॥
दामोदरसमाक्रान्ता दामोदरहताशुभा।
दामोदरोत्सवरता दामोदरोत्सवावहा ॥ १६५ ॥
दामोदरस्तन्यदात्री दामोदरगवेषिता।
दमयन्तीसिद्धिदात्री दमयन्तीप्रसाधिता ॥ १६६ ॥
दमयन्तीष्टदेवी च दमयन्तीस्वरूपिणी।
दमयन्तीकृतार्चा च दमनर्षिविभाविता ॥ १६७ ॥
दमनर्षिप्राणतुल्या दमनर्षिस्वरूपिणी।
दमनर्षिस्वरूपा च दम्भपूरितविग्रहा ॥ १६८ ॥
दम्भहन्त्री दम्भधात्री दम्भलोकविमोहिनी।
दम्भशीला दम्भहरा दम्भवत्परिमर्दिनी ॥ १६९ ॥
दम्भरूपा दम्भकरी दम्भसंतानदारिणी।
दत्तमोक्षा दत्तधना दत्तारोग्या च दाम्भिका ॥ १७० ॥
दत्तपुत्रा दत्तदारा दत्तहारा च दारिका।
दत्तभोगा दत्तशोका दत्तहस्त्यादिवाहना ॥ १७१ ॥
दत्तमतिर्दत्तभार्या दत्तशास्त्रावबोधिका।
दत्तपाना दत्तदाना दत्तदारिद्र्यनाशिनी ॥ १७२ ॥

दत्तसौधावनीवासा दत्तस्वर्गा च दासदा।
दास्यतुष्टा दास्यहरा दासदासीशतप्रदा॥ १७३॥
दाररूपा दारवासा दारवासिहृदास्पदा।
दारवासिजनाराध्या दारवासिजनप्रिया॥ १७४॥
दारवासिविनिर्नीता दारवासिसमर्चिता।
दारवास्याहृतप्राणा दारवास्यरिनाशिनी॥ १७५॥
दारवासिविघ्नहरा दारवासिविमुक्तिदा।
दाराग्निरूपिणी दारा दारकार्यरिनाशिनी॥ १७६॥
दम्पती दम्पतीष्टा च दम्पतीप्राणरूपिका।
दम्पतीस्नेहनिरता दाम्पत्यसाधनप्रिया॥ १७७॥
दाम्पत्यसुखसेना च दाम्पत्यसुखदायिनी।
दम्पत्याचारनिरता दम्पत्यामोदमोदिता॥ १७८॥
दम्पत्यामोदसुखिनी दाम्पत्याह्लादकारिणी।
दम्पतीष्टपादपद्मा दाम्पत्यप्रेमरूपिणी॥ १७९॥
दाम्पत्यभोगभवना दाडिमीफलभोजिनी।
दाडिमीफलसंतुष्टा दाडिमीफलमानसा॥ १८०॥
दाडिमीवृक्षसंस्थाना दाडिमीवृक्षवासिनी।
दाडिमीवृक्षरूपा च दाडिमीवनवासिनी॥ १८१॥
दाडिमीफलसाम्योरुपयोधरसमन्विता।
दक्षिणा दक्षिणारूपा दक्षिणारूपधारिणी॥ १८२॥
दक्षकन्या दक्षपुत्री दक्षमाता च दक्षसूः।
दक्षगोत्रा दक्षसुता दक्षयज्ञविनाशिनी॥ १८३॥

दक्षयज्ञनाशकर्त्री दक्षयज्ञान्तकारिणी।
दक्षप्रसूतिर्दक्षेज्या दक्षवंशैकपावनी॥ १८४॥
दक्षात्मजा दक्षसूनूर्दक्षजा दक्षजातिका।
दक्षजन्मा दक्षजनुर्दक्षदेहसमुद्भवा॥ १८५॥
दक्षजनिर्दक्षयागध्वंसिनी दक्षकन्यका।
दक्षिणाचारनिरता दक्षिणाचारतुष्टिदा॥ १८६॥
दक्षिणाचारसंसिद्धा दक्षिणाचारभाविता।
दक्षिणाचारसुखिनी दक्षिणाचारसाधिता॥ १८७॥
दक्षिणाचारमोक्षाप्तिर्दक्षिणाचारवन्दिता।
दक्षिणाचारशरणा दक्षिणाचारहर्षिता॥ १८८॥
द्वारपालप्रिया द्वारवासिनी द्वारसंस्थिता।
द्वाररूपा द्वारसंस्था द्वारदेशनिवासिनी॥ १८९॥
द्वारकरी द्वारधात्री दोषमात्रविवर्जिता।
दोषाकरा दोषहरा दोषराशिविनाशिनी॥ १९०॥
दोषाकरविभूषाढ्या दोषाकरकपालिनी।
दोषाकरसहस्राभा दोषाकरसमानना॥ १९१॥
दोषाकरमुखी दिव्या दोषाकरकराग्रजा।
दोषाकरसमज्योतिर्दोषाकरसुशीतला॥ १९२॥
दोषाकरश्रेणी दोषसदृशापाङ्गवीक्षणा।
दोषाकरेष्टदेवी च दोषाकरनिषेविता॥ १९३॥
दोषाकरप्राणरूपा दोषाकरमरीचिका।
दोषाकरोल्लसद्भाला दोषाकरसुहर्षिणी॥ १९४॥
दोषाकरशिरोभूषा दोषाकरवधूप्रिया।
दोषाकरवधूप्राणा दोषाकरवधूमता॥ १९५॥

दोषाकरवधूप्रीता दोषाकरवधूरपि।
दोषापूज्या तथा दोषापूजिता दोषहारिणी॥ १९६॥
दोषाजापमहानन्दा दोषाजापपरायणा।
दोषापुरश्चाररता दोषापूजकपुत्रिणी॥ १९७॥
दोषापूजकवात्सल्यकारिणी जगदम्बिका।
दोषापूजकवैरिघ्नी दोषापूजकविघ्नहृत्॥ १९८॥
दोषापूजकसंतुष्टा दोषापूजकमुक्तिदा।
दमप्रसूनसम्पूज्या दमपुष्पप्रिया सदा॥ १९९॥
दुर्योधनप्रपूज्या च दुःशासनसमर्चिता।
दण्डपाणिप्रिया दण्डपाणिमाता दयानिधिः॥ २००॥
दण्डपाणिसमाराध्या दण्डपाणिप्रपूजिता।
दण्डपाणिगृहासक्ता दण्डपाणिप्रियंवदा॥ २०१॥
दण्डपाणिप्रियतमा दण्डपाणिमनोहरा।
दण्डपाणिहृतप्राणा दण्डपाणिसुसिद्धिदा॥ २०२॥
दण्डपाणिपरामृष्टा दण्डपाणिप्रहर्षिता।
दण्डपाणिविघ्नहरा दण्डपाणिशिरोधृता॥ २०३॥
दण्डपाणिप्राप्तचर्या दण्डपाण्युन्मुखी सदा।
दण्डपाणिप्राप्तपदा दण्डपाणिवरोन्मुखी॥ २०४॥
दण्डहस्ता दण्डपाणिर्दण्डबाहुर्दरान्तकृत्।
दण्डदोष्का दण्डकरा दण्डचित्तकृतास्पदा॥ २०५॥
दण्डिविद्या दण्डिमाता दण्डिखण्डकनाशिनी।
दण्डिप्रिया दण्डिपूज्या दण्डिसंतोषदायिनी॥ २०६॥
दस्युपूज्या दस्युरता दस्युद्रविणदायिनी।
दस्युवर्गकृतार्हा च दस्युवर्गविनाशिनी॥ २०७॥

दस्युनिर्णाशिनी दस्युकुलनिर्णाशिनी तथा।
दस्युप्रियकरी दस्युनृत्यदर्शनतत्परा॥ २०८॥
दुष्टदण्डकरी दुष्टवर्गविद्राविणी तथा।
दुष्टवर्गनिग्रहार्हा दूषकप्राणनाशिनी॥ २०९॥
दूषकोत्तापजननी दूषकारिष्टकारिणी।
दूषकद्वेषणकरी दाहिका दहनात्मिका॥ २१०॥
दारुकारिनिहन्त्री च दारुकेश्वरपूजिता।
दारुकेश्वरमाता च दारुकेश्वरवन्दिता॥ २११॥
दर्भहस्ता दर्भयुता दर्भकर्मविवर्जिता।
दर्भमयी दर्भतनुर्दर्भसर्वस्वरूपिणी॥ २१२॥
दर्भकर्माचाररता दर्भहस्तकृतार्हणा।
दर्भानुकूला दाम्भर्या दर्वीपात्रानुदामिनी॥ २१३॥
दमघोषप्रपूज्या च दमघोषवरप्रदा।
दमघोषसमाराध्या दावाग्निरूपिणी तथा॥ २१४॥
दावाग्निरूपा दावाग्निनिर्णाशितमहाबला।
दन्तदंष्ट्रासुरकला दन्तचर्चितहस्तिका॥ २१५॥
दन्तदंष्ट्रस्यन्दना च दन्तनिर्णाशितासुरा।
दधिपूज्या दधिप्रीता दधीचिवरदायिनी॥ २१६॥
दधीचीष्टदेवता च दधीचिमोक्षदायिनी।
दधीचिदैन्यहन्त्री च दधीचिदरदारिणी॥ २१७॥
दधीचिभक्तिसुखिनी दधीचिमुनिसेविता।
दधीचिज्ञानदात्री च दधीचिगुणदायिनी॥ २१८॥
दधीचिकुलसम्भूषा दधीचिभुक्तिमुक्तिदा।
दधीचिकुलदेवी च दधीचिकुलदेवता॥ २१९॥
दधीचिकुलगम्या च दधीचिकुलपूजिता।
दधीचिसुखदात्री च दधीचिदैन्यहारिणी॥ २२०॥

दधीचिदुःखहन्त्री च दधीचिकुलसुन्दरी।
दधीचिकुलसम्भूता दधीचिकुलपालिनी॥ २२१॥
दधीचिदानगम्या च दधीचिदानमानिनी।
दधीचिदानसंतुष्टा दधीचिदानदेवता॥ २२२॥
दधीचिजयसम्प्रीता दधीचिजपमानसा।
दधीचिजपपूजाढ्या दधीचिजपमालिका॥ २२३॥
दधीचिजपसंतुष्टा दधीचिजपतोषिणी।
दधीचितपसाराध्या दधीचिशुभदायिनी॥ २२४॥
दूर्वा दूर्वादलश्यामा दूर्वादलसमद्युतिः॥ २२५॥

॥ फलश्रुतिः॥

नाम्नां सहस्रं दुर्गाया दादीनामिति कीर्तितम्।
यः पठेत् साधकाधीशः सर्वसिद्धिर्लभेत्तु सः।
प्रातर्मध्याह्नकाले च संध्यायां नियतः शुचिः॥ २२६॥
तथाऽर्धरात्रसमये स महेश इवापरः।
शक्तियुक्तो महारात्रौ महावीरः प्रपूजयेत्॥ २२७॥
महादेवीं मकाराद्यैः पञ्चभिर्द्रव्यसत्तमैः।
यः सम्पठेत् स्तुतिमिमां स च सिद्धिस्वरूपधृक्॥ २२८॥
देवालये श्मशाने च गङ्गातीरे निजे गृहे।
वाराङ्गनागृहे चैव श्रीगुरोः संनिधावपि॥ २२९॥
पर्वते प्रान्तरे घोरे स्तोत्रमेतत् सदा पठेत्।
दुर्गानामसहस्रं हि दुर्गां पश्यति चक्षुषा॥ २३०॥
शतावर्तनमेतस्य पुरश्चरणमुच्यते॥ २३१॥

॥ इति कुलार्णवतन्त्रोक्तं दकारादि श्रीदुर्गासहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



दकारादि श्रीदुर्गासहस्रनामावलिः

१ ॐ दुं दुर्गायै नमः।
२ ॐ दुर्गतिहरायै नमः।
३ ॐ दुर्गाचलनिवासिन्यै नमः।
४ ॐ दुर्गमार्गानुसंचारायै नमः।
५ ॐ दुर्गमार्गनिवासिन्यै नमः।
६ ॐ दुर्गमार्गप्रविष्टायै नमः।
७ ॐ दुर्गमार्गप्रवेशिन्यै नमः।
८ ॐ दुर्गमार्गकृतावासायै नमः।
९ ॐ दुर्गमार्गजयप्रियायै नमः।
१० ॐ दुर्गमार्गगृहीतार्चायै नमः।
११ ॐ दुर्गमार्गस्थितात्मिकायै नमः।
१२ ॐ दुर्गमार्गस्तुतिपरायै नमः।
१३ ॐ दुर्गमार्गस्मृतिपरायै नमः।
१४ ॐ दुर्गमार्गसदास्थाल्यै नमः।
१५ ॐ दुर्गमार्गरतिप्रियायै नमः।
१६ ॐ दुर्गमार्गस्थलस्थानायै नमः।
१७ ॐ दुर्गमार्गविलासिन्यै नमः।
१८ ॐ दुर्गमार्गत्यक्तवस्त्रायै नमः।
१९ ॐ दुर्गमार्गप्रवर्तिन्यै नमः।
२० ॐ दुर्गासुरनिहन्त्र्यै नमः।
२१ ॐ दुर्गासुरनिषूदिन्यै नमः।
२२ ॐ दुर्गासुरहरायै नमः।
२३ ॐ दूत्यै नमः।
२४ ॐ दुर्गासुरविनाशिन्यै नमः।
२५ ॐ दुर्गासुरवधोन्मत्तायै नमः।
२६ ॐ दुर्गासुरवधोत्सुकायै नम।
२७ ॐ दुर्गासुरवधोत्साहायै नमः।
२८ ॐ दुर्गासुरवधोद्यतायै नमः।
२९ ॐ दुर्गासुरवधप्रेप्सवे नमः।
३० ॐ दुर्गासुरमखान्तकृते नमः।
३१ ॐ दुर्गासुरध्वंसतोषायै नमः।
३२ ॐ दुर्गदानवदारिण्यै नमः।
३३ ॐ दुर्गविद्रावणकर्यै नमः।
३४ ॐ दुर्गविद्रावण्यै नमः।
३५ ॐ दुर्गविक्षोभणकर्यै नमः।
३६ ॐ दुर्गशीर्षनिकृन्तिन्यै नमः।
३७ ॐ दुर्गविध्वंसनकर्यै नमः।
३८ ॐ दुर्गदैत्यनिकृन्तिन्यै नमः।
३९ ॐ दुर्गदैत्यप्राणहरायै नमः।
४० ॐ दुर्गदैत्यान्तकारिण्यै नमः।
४१ ॐ दुर्गदैत्यहरत्रात्र्यै नमः।
४२ ॐ दुर्गदैत्यासृगुन्मदायै नमः।
४३ ॐ दुर्गदैत्याशनकर्यै नमः।
४४ ॐ दुर्गचर्माम्बरावृतायै नमः।
४५ ॐ दुर्गयुद्धोत्सवकर्यै नमः।
४६ ॐ दुर्गयुद्धविशारदायै नमः।
४७ ॐ दुर्गयुद्धासवरतायै नमः।
४८ ॐ दुर्गयुद्धविमर्दिन्यै नमः।

४९ ॐ दुर्गयुद्धहास्यरतायै नमः।
५० ॐ दुर्गयुद्धाट्टहासिन्यै नमः।
५१ ॐ दुर्गयुद्धमहामत्तायै नमः।
५२ ॐ दुर्गयुद्धानुसारिण्यै नमः।
५३ ॐ दुर्गयुद्धोत्सवोत्साहायै नमः।
५४ ॐ दुर्गदेशनिषेविण्यै नमः।
५५ ॐ दुर्गदेशवासरतायै नमः।
५६ ॐ दुर्गदेशविलासिन्यै नमः।
५७ ॐ दुर्गदेशार्चनरतायै नमः।
५८ ॐ दुर्गदेशजनप्रियायै नमः।
५९ ॐ दुर्गमस्थानसंस्थानायै नमः।
६० ॐ दुर्गमध्यानुसाधनायै नमः।
६१ ॐ दुर्गमायै नमः।
६२ ॐ दुर्गमध्यानायै नमः।
६३ ॐ दुर्गमात्मस्वरूपिण्यै नमः।
६४ ॐ दुर्गमागमसंधानायै नमः।
६५ ॐ दुर्गमागमसंस्तुतायै नमः।
६६ ॐ दुर्गमागमदुर्ज्ञेयायै नमः।
६७ ॐ दुर्गमश्रुतिसम्मतायै नमः।
६८ ॐ दुर्गमश्रुतिमान्यायै नमः।
६९ ॐ दुर्गमश्रुतिपूजितायै नमः।
७० ॐ दुर्गमश्रुतिसुप्रीतायै नमः।
७१ ॐ दुर्गमश्रुतिहर्षदायै नमः।
७२ ॐ दुर्गमश्रुतिसंस्थानायै नमः।
७३ ॐ दुर्गमश्रुतिमानितायै नमः।
७४ ॐ दुर्गमाचारसंतुष्टायै नमः।
७५ ॐ दुर्गमाचारतोषितायै नमः।
७६ ॐ दुर्गमाचारनिर्वृत्तायै नमः।
७७ ॐ दुर्गमाचारपूजितायै नमः।
७८ ॐ दुर्गमाचारकलितायै नमः।
७९ ॐ दुर्गमस्थानदायिन्यै नमः।
८० ॐ दुर्गमप्रेमनिरतायै नमः।
८१ ॐ दुर्गमद्रविणप्रदायै नमः।
८२ ॐ दुर्गमाम्बुजमध्यस्थायै नमः।
८३ ॐ दुर्गमाम्बुजवासिन्यै नमः।
८४ ॐ दुर्गनाडीमार्गगत्यै नमः।
८५ ॐ दुर्गनाडीप्रचारिण्यै नमः।
८६ ॐ दुर्गनाडीपद्मरतायै नमः।
८७ ॐ दुर्गनाड्यम्बुजस्थितायै नमः।
८८ ॐ दुर्गनाडीगतायातायै नमः।
८९ ॐ दुर्गनाडीकृतास्पदायै नमः।
९० ॐ दुर्गनाडीरतरतायै नमः।
९१ ॐ दुर्गनाडीशसंस्तुतायै नमः।
९२ ॐ दुर्गनाडीश्वररतायै नमः।
९३ ॐ दुर्गनाडीशचुम्बितायै नमः।
९४ ॐ दुर्गनाडीशक्रोडस्थायै नमः।
९५ ॐ दुर्गनाड्युत्थितोत्सुकायै नमः।
९६ ॐ दुर्गनाड्यारोहणायै नमः।
९७ ॐ दुर्गनाडीनिषेवितायै नमः।
९८ ॐ दरिस्थानायै नमः।
९९ ॐ दरिस्थानवासिन्यै नमः।
१०० ॐ दनुजान्तकृते नमः।
१०१ ॐ दरीकृततपस्यायै नमः।
१०२ ॐ दरीकृतहरार्चनायै नमः।

१०३ ॐ दरीजापितदिष्टायै नमः।
१०४ ॐ दरीकृतरतिक्रियायै नमः।
१०५ ॐ दरीकृतहरार्हायै नमः।
१०६ ॐ दरीक्रीडितपुत्रिकायै नमः।
१०७ ॐ दरीसंदर्शनरतायै नमः।
१०८ ॐ दरीरोपितवृश्चिकायै नमः।
१०९ ॐ दरीगुप्तिकौतुकाढ्यायै नमः।
११० ॐ दरीभ्रमणतत्परायै नमः।
१११ ॐ दनुजान्तकर्यै नमः।
११२ ॐ दीनायै नमः।
११३ ॐ दनुसंतानदारिण्यै नमः।
११४ ॐ दनुजध्वंसिन्यै नमः।
११५ ॐ दूनायै नमः।
११६ ॐ दनुजेन्द्रविनाशिन्यै नमः।
११७ ॐ दानवध्वंसिन्यै नमः।
११८ ॐ देव्यै नमः।
११९ ॐ दानवानां भयंकर्यै नमः।
१२० ॐ दानव्यै नमः।
१२१ ॐ दानवाराध्यायै नमः।
१२२ ॐ दानवेन्द्रवरप्रदायै नमः।
१२३ ॐ दानवेन्द्रनिहन्त्र्यै नमः।
१२४ ॐ दानवद्वेषिण्यै सत्यै नमः।
१२५ ॐ दानवारिप्रेमरतायै नमः।
१२६ ॐ दानवारिप्रपूजितायै नमः।
१२७ ॐ दानवारिकृतार्चायै नमः।
१२८ ॐ दानवारिविभूतिदायै नमः।
१२९ ॐ दानवारिमहानन्दायै नमः।
१३० ॐ दानवारिरतिप्रियायै नमः।
१३१ ॐ दानवारिदानरतायै नमः।
१३२ ॐ दानवारिकृतास्पदायै नमः।
१३३ ॐ दानवारिस्तुतिरतायै नमः।
१३४ ॐ दानवारिस्मृतिप्रियायै नमः।
१३५ ॐ दानवार्याहाररतायै नमः।
१३६ ॐ दानवारिप्रबोधिन्यै नमः।
१३७ ॐ दानवारिधृतप्रेमायै नमः।
१३८ ॐ दुःखशोकविमोचिन्यै नमः।
१३९ ॐ दुःखहन्त्र्यै नमः।
१४० ॐ दुःखदात्र्यै नमः।
१४१ ॐ दुःखनिर्मूलकारिण्यै नमः।
१४२ ॐ दुःखनिर्मूलनकर्यै नमः।
१४३ ॐ दुःखदार्यरिनाशिन्यै नमः।
१४४ ॐ दुःखहरायै नमः।
१४५ ॐ दुःखनाशायै नमः।
१४६ ॐ दुःखग्रामायै नमः।
१४७ ॐ दुरासदायै नमः।
१४८ ॐ दुःखहीनायै नमः।
१४९ ॐ दुःखधारायै नमः।
१५० ॐ द्रविणाचारदायिन्यै नमः।
१५१ ॐ द्रविणोत्सर्गसंतुष्टायै नमः।
१५२ ॐ द्रविणत्यागतोषिकायै नमः।
१५३ ॐ द्रविणस्पर्शसंतुष्टायै नमः।
१५४ ॐ द्रविणस्पर्शमानदायै नमः।
१५५ ॐ द्रविणस्पर्शहर्षाढ्यायै नमः।
१५६ ॐ द्रविणस्पर्शतुष्टिदायै नमः।

१५७ ॐ द्रविणस्पर्शनकर्यै नमः।
१५८ ॐ द्रविणस्पर्शनातुरायै नमः।
१५९ ॐ द्रविणस्पर्शनोत्साहायै नमः।
१६० ॐ द्रविणस्पर्शसाधिकायै नमः।
१६१ ॐ द्रविणस्पर्शनमतायै नमः।
१६२ ॐ द्रविणस्पर्शपुत्रिकायै नमः।
१६३ ॐ द्रविणस्पर्शरक्षिण्यै नमः
१६४ ॐ द्रविणस्तोमदायिन्यै नमः।
१६५ ॐ द्रविणकर्षणकर्यै नमः।
१६६ ॐ द्रविणौघविसर्जिन्यै नमः।
१६७ ॐ द्रविणाचलदानाढ्यायै नमः।
१६८ ॐ द्रविणाचलवासिन्यै नमः।
१६९ ॐ दीनमात्रे नमः।
१७० ॐ दीनबन्धवे नमः।
१७१ ॐ दीनविघ्नविनाशिन्यै नमः।
१७२ ॐ दीनसेव्यायै नमः।
१७३ ॐ दीनसिद्धायै नमः।
१७४ ॐ दीनसाध्यायै नमः।
१७५ ॐ दिगम्बर्यै नमः।
१७६ ॐ दीनगेहकृतानन्दायै नमः।
१७७ ॐ दीनगेहविलासिन्यै नमः।
१७८ ॐ दीनभावप्रेमरतायै नमः।
१७९ ॐ दीनभावविनोदिन्यै नमः।
१८० ॐ दीनमानवचेतःस्थायै नमः।
१८१ ॐ दीनमानवहर्षदायै नमः।
१८२ ॐ दीनदैन्यविघातेच्छवे नमः।
१८३ ॐ दीनद्रविणदायिन्यै नमः।
१८४ ॐ दीनसाधनसंतुष्टायै नमः।
१८५ ॐ दीनदर्शनदायिन्यै नमः।
१८६ ॐ दीनपुत्रादिदात्र्यै नमः।
१८७ ॐ दीनसम्पद्विधायिन्यै नमः।
१८८ ॐ दत्तात्रेयध्यानरतायै नमः।
१८९ ॐ दत्तात्रेयप्रपूजितायै नमः।
१९० ॐ दत्तात्रेयर्षिसंसिद्धायै नमः।
१९१ ॐ दत्तात्रेयविभावितायै नमः।
१९२ ॐ दत्तात्रेयकृतार्हायै नमः।
१९३ ॐ दत्तात्रेयप्रसाधितायै नमः।
१९४ ॐ दत्तात्रेयहर्षदात्र्यै नमः।
१९५ ॐ दत्तात्रेयसुखप्रदायै नमः।
१९६ ॐ दत्तात्रेयस्तुतायै नमः।
१९७ ॐ दत्तात्रेयनुतायै नमः।
१९८ ॐ दत्तात्रेयप्रेमरतायै नमः।
१९९ ॐ दत्तात्रेयानुमानितायै नमः।
२०० ॐ दत्तात्रेयसमुद्गीतायै नमः।
२०१ ॐ दत्तात्रेयकुटुम्बिन्यै नमः।
२०२ ॐ दत्तात्रेयप्राणतुल्यायै नमः।
२०३ ॐ दत्तात्रेयशरीरिण्यै नमः।
२०४ ॐ दत्तात्रेयकृतानन्दायै नमः।
२०५ ॐ दत्तात्रेयांशसम्भवायै नमः।
२०६ ॐ दत्तात्रेयविभूतिस्थायै नमः।
२०७ ॐ दत्तात्रेयानुसारिण्यै नमः।
२०८ ॐ दत्तात्रेयगीतिरतायै नमः।
२०९ ॐ दत्तात्रेयधनप्रदायै नमः।
२१० ॐ दत्तात्रेयदुःखहरायै नमः।

२११ ॐ दत्तात्रेयवरप्रदायै नमः।
२१२ ॐ दत्तात्रेयज्ञानदात्र्यै नमः।
२१३ ॐ दत्तात्रेयभयापहायै नमः।
२१४ ॐ देवकन्यायै नमः।
२१५ ॐ देवमान्यायै नमः।
२१६ ॐ देवदुःखविनाशिन्यै नमः।
२१७ ॐ देवसिद्धायै नमः।
२१८ ॐ देवपूज्यायै नमः।
२१९ ॐ देवेज्यायै नमः।
२२० ॐ देववन्दितायै नमः।
२२१ ॐ देवमान्यायै नमः।
२२२ ॐ देवधन्यायै नमः।
२२३ ॐ देवविघ्नविनाशिन्यै नमः।
२२४ ॐ देवरम्यायै नमः।
२२५ ॐ देवरतायै नमः।
२२६ ॐ देवकौतुकतत्परायै नमः।
२२७ ॐ देवक्रीडायै नमः।
२२८ ॐ देवव्रीडायै नमः।
२२९ ॐ देववैरिविनाशिन्यै नमः।
२३० ॐ देवकामायै नमः।
२३१ ॐ देवरामायै नमः।
२३२ ॐ देवद्विष्टविनाशिन्यै नमः।
२३३ ॐ देवदेवप्रियायै नमः।
२३४ ॐ देव्यै नमः।
२३५ ॐ देवदानववन्दितायै नमः।
२३६ ॐ देवदेवरतानन्दायै नमः।
२३७ ॐ देवदेववरोत्सुकायै नमः।
२३८ ॐ देवदेवप्रेमरतायै नमः।
२३९ ॐ देवदेवप्रियंवदायै नमः।
२४० ॐ देवदेवप्राणतुल्यायै नमः।
२४१ ॐ देवदेवनितम्बिन्यै नमः।
२४२ ॐ देवदेवहृतमनसे नमः।
२४३ ॐ देवदेवसुखावहायै नमः।
२४४ ॐ देवदेवक्रोडरतायै नमः।
२४५ ॐ देवदेवसुखप्रदायै नमः।
२४६ ॐ देवदेवमहानन्दायै नमः।
२४७ ॐ देवदेवप्रचुम्बितायै नमः।
२४८ ॐ देवदेवोपभुक्तायै नमः।
२४९ ॐ देवदेवानुसेवितायै नमः।
२५० ॐ देवदेवगतप्राणायै नमः।
२५१ ॐ देवदेवगतात्मिकायै नमः।
२५२ ॐ देवदेवहर्षदात्र्यै नमः।
२५३ ॐ देवदेवसुखप्रदायै नमः।
२५४ ॐ देवदेवमहानन्दायै नमः।
२५५ ॐ देवदेवविलासिन्यै नमः।
२५६ ॐ देवदेवधर्मपत्न्यै नमः।
२५७ ॐ देवदेवमनोगतायै नमः।
२५८ ॐ देवदेववध्वै नमः।
२५९ ॐ देव्यै नमः।
२६० ॐ देवदेवार्चनप्रियायै नमः।
२६१ ॐ देवदेवाङ्गनिलयायै नमः।
२६२ ॐ देवदेवाङ्गशायिन्यै नमः।
२६३ ॐ देवदेवाङ्गसुखिन्यै नमः।
२६४ ॐ देवदेवाङ्गवासिन्यै नमः।

२६५ ॐ देवदेवाङ्गभूषायै नमः।
२६६ ॐ देवदेवाङ्गभूषणायै नमः।
२६७ ॐ देवदेवप्रियकर्यै नमः।
२६८ ॐ देवदेवाप्रियान्तकृते नमः।
२६९ ॐ देवदेवप्रियप्राणायै नमः।
२७० ॐ देवदेवप्रियात्मिकायै नमः।
२७१ ॐ देवदेवार्चकप्राणायै नमः।
२७२ ॐ देवदेवार्चकप्रियायै नमः।
२७३ ॐ देवदेवार्चकोत्साहायै नमः।
२७४ ॐ देवदेवार्चकाश्रयायै नमः।
२७५ ॐ देवदेवार्चकाविघ्नायै नमः।
२७६ ॐ देवदेवप्रस्वै नमः।
२७७ ॐ देवदेवस्य जनन्यै नमः।
२७८ ॐ देवदेवविधायिन्यै नमः।
२७९ ॐ देवदेवस्य रमण्यै नमः।
२८० ॐ देवदेवहृदाश्रयायै नमः।
२८१ ॐ देवदेवेष्टदेव्यै नमः।
२८२ ॐ देवतापसपालिन्यै नमः।
२८३ ॐ देवताभावसंतुष्टायै नमः।
२८४ ॐ देवताभावतोषितायै नमः।
२८५ ॐ देवताभाववरदायै नमः।
२८६ ॐ देवताभावसिद्धिदायै नमः।
२८७ ॐ देवताभावसंसिद्धायै नमः।
२८८ ॐ देवताभावसम्भवायै नमः।
२८९ ॐ देवताभावसुखिन्यै नमः।
२९० ॐ देवताभाववन्दितायै नमः।
२९१ ॐ देवताभावसुप्रीतायै नमः।
२९२ ॐ देवताभावहर्षदायै नमः।
२९३ ॐ देवताविघ्नहन्त्र्यै नमः।
२९४ ॐ देवताद्विष्टनाशिन्यै नमः।
२९५ ॐ देवतापूजितपदायै नमः।
२९६ ॐ देवताप्रेमतोषितायै नमः।
२९७ ॐ देवतागारनिलयायै नमः।
२९८ ॐ देवतासौख्यदायिन्यै नमः।
२९९ ॐ देवतानिजभावायै नमः।
३०० ॐ देवताहृतमानसायै नमः।
३०१ ॐ देवताकृतपादार्चायै नमः।
३०२ ॐ देवताहृतभक्तिकायै नमः।
३०३ ॐ देवतागर्वमध्यस्थायै नमः।
३०४ ॐ देवतायै नमः।
३०५ ॐ देवतातनवे नमः।
३०६ ॐ दुं दुर्गायै नमो नाम्न्यै नमः।
३०७ ॐ दुं फण् मन्त्रस्वरूपिण्यै नमः।
३०८ ॐ दूं नमो मन्त्ररूपायै नमः।
३०९ ॐ दूं नमो मूर्तिकात्मिकायै नमः।
३१० ॐ दूरदर्शिप्रियादुष्टायै नमः।
३११ ॐ दुष्टभूतनिषेवितायै नमः।
३१२ ॐ दूरदर्शिप्रेमरतायै नमः।
३१३ ॐ दूरदर्शिप्रियंवदायै नमः।
३१४ ॐ दूरदर्शिसिद्धिदात्र्यै नमः।
३१५ ॐ दूरदर्शिप्रतोषितायै नमः।
३१६ ॐ दूरदर्शिकण्ठसंस्थायै नमः।
३१७ ॐ दूरदर्शिप्रहर्षितायै नमः।
३१८ ॐ दूरदर्शिगृहीतार्चायै नमः।

३१९ ॐ दूरदर्शिप्रतर्षितायै नमः।
३२० ॐ दूरदर्शिप्राणतुल्यायै नमः।
३२१ ॐ दूरदर्शिसुखप्रदायै नमः।
३२२ ॐ दूरदर्शिभ्रान्तिहरायै नमः।
३२३ ॐ दूरदर्शिहृदास्पदायै नमः।
३२४ ॐ दूरदर्श्यरिविद्धावायै नमः।
३२५ ॐ दीर्घदर्शिप्रमोदिन्यै नमः।
३२६ ॐ दीर्घदर्शिप्राणतुल्यायै नमः।
३२७ ॐ दूरदर्शिवरप्रदायै नमः।
३२८ ॐ दीर्घदर्शिहर्षदात्र्यै नमः।
३२९ ॐ दीर्घदर्शिप्रहर्षितायै नमः।
३३० ॐ दीर्घदर्शिमहानन्दायै नमः।
३३१ ॐ दीर्घदर्शिगृहालयायै नमः।
३३२ ॐ दीर्घदर्शिगृहीतार्चायै नमः।
३३३ ॐ दीर्घदर्शिहृतार्हणायै नमः।
३३४ ॐ दयायै नमः।
३३५ ॐ दानवत्यै नमः।
३३६ ॐ दात्र्यै नमः।
३३७ ॐ दयालवे नमः।
३३८ ॐ दीनवत्सलायै नमः।
३३९ ॐ दयार्द्रायै नमः।
३४० ॐ दयाशीलायै नमः।
३४१ ॐ दयाढ्यायै नमः।
३४२ ॐ दयात्मिकायै नमः।
३४३ ॐ दयाम्बुधये नमः।
३४४ ॐ दयासारायै नमः।
३४५ ॐ दयासागरपारगायै नमः।
३४६ ॐ दयासिन्धवे नमः।
३४७ ॐ दयाभारायै नमः।
३४८ ॐ दयावत्करुणाकर्यै नमः।
३४९ ॐ दयावद्वत्सलायै नमः।
३५० ॐ देव्यै नमः।
३५१ ॐ दयायै नमः।
३५२ ॐ दानरतायै नमः।
३५३ ॐ दयावद्भक्तिसुखिन्यै नमः।
३५४ ॐ दयावत्परितोषितायै नमः।
३५५ ॐ दयावत्स्नेहनिरतायै नमः।
३५६ ॐ दयावत्प्रतिपादिकायै नमः।
३५७ ॐ दयावत्प्राणकर्त्र्यै नमः।
३५८ ॐ दयावन्मुक्तिदायिन्यै नमः।
३५९ ॐ दयावद्भावसंतुष्टायै नमः।
३६० ॐ दयावत्परितोषितायै नमः।
३६१ ॐ दयावत्तारणपरायै नमः।
३६२ ॐ दयावत्सिद्धिदायिन्यै नमः।
३६३ ॐ दयावत्पुत्रवद्भावायै नमः।
३६४ ॐ दयावत्पुत्ररूपिण्यै नमः।
३६५ ॐ दयावद्देहनिलयायै नमः।
३६६ ॐ दयाबन्धवे नमः।
३६७ ॐ दयाश्रयायै नमः।
३६८ ॐ दयालुवात्सल्यकर्यै नमः।
३६९ ॐ दयालुसिद्धिदायिन्यै नमः।
३७० ॐ दयालुशरणाशक्तायै नमः।
३७१ ॐ दयालुदेहमन्दिरायै नमः।
३७२ ॐ दयालुभक्तिभावस्थायै नमः।

३७३ ॐ दयालुप्राणरूपिण्यै नमः।
३७४ ॐ दयालुसुखदायै नमः।
३७५ ॐ दम्भायै नमः।
३७६ ॐ दयालुप्रेमवर्षिण्यै नमः।
३७७ ॐ दयालुवशगायै नमः।
३७८ ॐ दीर्घायै नमः।
३७९ ॐ दीर्घाङ्ग्यै नमः।
३८० ॐ दीर्घलोचनायै नमः।
३८१ ॐ दीर्घनेत्रायै नमः।
३८२ ॐ दीर्घचक्षुषे नमः।
३८३ ॐ दीर्घबाहुलतात्मिकायै नमः।
३८४ ॐ दीर्घकेश्यै नमः।
३८५ ॐ दीर्घमुख्यै नमः।
३८६ ॐ दीर्घघोणायै नमः।
३८७ ॐ दारुणायै नमः।
३८८ ॐ दारुणासुरहन्त्र्यै नमः।
३८९ ॐ दारुणासुरदारिण्यै नमः।
३९० ॐ दारुणाहवकर्त्र्यै नमः।
३९१ ॐ दारुणाहवहर्षितायै नमः।
३९२ ॐ दारुणाहवहोमाढ्यायै नमः।
३९३ ॐ दारुणाचलनाशिन्यै नमः।
३९४ ॐ दारुणाचारनिरतायै नमः।
३९५ ॐ दारुणोत्सवहर्षितायै नमः।
३९६ ॐ दारुणोद्यतरूपायै नमः।
३९७ ॐ दारुणारिनिवारिण्यै नमः।
३९८ ॐ दारुणेक्षणसंयुक्तायै नमः।
३९९ ॐ दोश्चतुष्कविराजितायै नमः।
४०० ॐ दशदोष्कायै नमः।
४०१ ॐ दशभुजायै नमः।
४०२ ॐ दशबाहुविराजितायै नमः।
४०३ ॐ दशास्त्रधारिण्यै नमः।
४०४ ॐ देव्यै नमः।
४०५ ॐ दशदिक्ख्यातविक्रमायै नमः।
४०६ ॐ दशरथार्चितपदायै नमः।
४०७ ॐ दाशरथिप्रियायै नमः।
४०८ ॐ दाशरथिप्रेमतुष्टायै नमः।
४०९ ॐ दाशरथिरतिप्रियायै नमः।
४१० ॐ दाशरथिप्रियकर्यै नमः।
४११ ॐ दाशरथिप्रियंवदायै नमः।
४१२ ॐ दाशरथीष्टसंदात्र्यै नमः।
४१३ ॐ दाशरथीष्टदेवतायै नमः।
४१४ ॐ दाशरथिद्वेषिनाशायै नमः।
४१५ ॐ दाशरथ्यानुकूल्यदायै नमः।
४१६ ॐ दाशरथिप्रियतमायै नमः।
४१७ ॐ दाशरथिप्रपूजितायै नमः।
४१८ ॐ दशाननारिसम्पूज्यायै नमः।
४१९ ॐ दशाननारिदेवतायै नमः।
४२० ॐ दशाननारिप्रमदायै नमः।
४२१ ॐ दशाननारिजन्मभुवे नमः।
४२२ ॐ दशाननारिरतिदायै नमः।
४२३ ॐ दशाननारिसेवितायै नमः।
४२४ ॐ दशाननारिसुखदायै नमः।
४२५ ॐ दशाननारिवैरिहृते नमः।
४२६ ॐ दशाननारीष्टदेव्यै नमः।

४२७ ॐ दशग्रीवारिवन्दितायै नमः।
४२८ ॐ दशग्रीवारिजनन्यै नमः।
४२९ ॐ दशग्रीवारिभाविन्यै नमः।
४३० ॐ दशग्रीवारिसहितायै नमः।
४३१ ॐ दशग्रीवसभाजितायै नमः।
४३२ ॐ दशग्रीवारिरमण्यै नमः।
४३३ ॐ दशग्रीववध्वै नमः।
४३४ ॐ दशग्रीवनाशकर्त्र्यै नमः।
४३५ ॐ दशग्रीववरप्रदायै नमः।
४३६ ॐ दशग्रीवपुरस्थायै नमः।
४३७ ॐ दशग्रीववधोत्सुकायै नमः।
४३८ ॐ दशग्रीवप्रीतिदात्र्यै नमः।
४३९ ॐ दशग्रीवविनाशिन्यै नमः।
४४० ॐ दशग्रीवाहवकर्यै नमः।
४४१ ॐ दशग्रीवानपायिन्यै नमः।
४४२ ॐ दशग्रीवप्रियायै वन्द्यायै नमः।
४४३ ॐ दशग्रीवहृतायै नमः।
४४४ ॐ दशग्रीवाहितकर्यै नमः।
४४५ ॐ दशग्रीवेश्वरप्रियायै नमः।
४४६ ॐ दशग्रीवेश्वरप्राणायै नमः।
४४७ ॐ दशग्रीववरप्रदायै नमः।
४४८ ॐ दशग्रीवेश्वररतायै नमः।
४४९ ॐ दशवर्षीयकन्यकायै नमः।
४५० ॐ दशवर्षीयबालायै नमः।
४५१ ॐ दशवर्षीयवासिन्यै नमः।
४५२ ॐ दशपापहरायै नमः।
४५३ ॐ दम्यायै नमः।
४५४ ॐ दशहस्तविभूषितायै नमः।
४५५ ॐ दशशस्त्रलसद्दोष्कायै नमः।
४५६ ॐ दशदिक्पालवन्दितायै नमः।
४५७ ॐ दशावताररूपायै नमः।
४५८ ॐ दशावताररूपिण्यै नमः।
४५९ ॐ दशविद्याभिन्नदेव्यै नमः।
४६० ॐ दशप्राणस्वरूपिण्यै नमः।
४६१ ॐ दशविद्यास्वरूपायै नमः।
४६२ ॐ दशविद्यामय्यै नमः।
४६३ ॐ दृक्स्वरूपायै नमः।
४६४ ॐ दृक्प्रदात्र्यै नमः।
४६५ ॐ दृग्रूपायै नमः।
४६६ ॐ दृक्प्रकाशिन्यै नमः।
४६७ ॐ दिगन्तरायै नमः।
४६८ ॐ दिगन्तःस्थायै नमः।
४६९ ॐ दिगम्बरविलासिन्यै नमः।
४७० ॐ दिगम्बरसमाजस्थायै नमः।
४७१ ॐ दिगम्बरप्रपूजितायै नमः।
४७२ ॐ दिगम्बरसहचर्यै नमः।
४७३ ॐ दिगम्बरकृतास्पदायै नमः।
४७४ ॐ दिगम्बरहृताचित्तायै नमः।
४७५ ॐ दिगम्बरकथाप्रियायै नमः।
४७६ ॐ दिगम्बरगुणरतायै नमः।
४७७ ॐ दिगम्बरस्वरूपिण्यै नमः।
४७८ ॐ दिगम्बरशिरोधार्यायै नमः।
४७९ ॐ दिगम्बरहृताश्रयायै नमः।

४८० ॐ दिगम्बरप्रेमरतायै नमः।
४८१ ॐ दिगम्बररतातुरायै नमः।
४८२ ॐ दिगम्बरीस्वरूपायै नमः।
४८३ ॐ दिगम्बरीगणार्चितायै नमः।
४८४ ॐ दिगम्बरीगणप्राणायै नमः।
४८५ ॐ दिगम्बरीगणप्रियायै नमः।
४८६ ॐ दिगम्बरीगणाराध्यायै नमः।
४८७ ॐ दिगम्बरगणेश्वरायै नमः।
४८८ ॐ दिगम्बरगणस्पर्शमदिरा-
पानविह्वलायै नमः।
४८९ ॐ दिगम्बरीकोटिवृतायै नमः।
४९० ॐ दिगम्बरीगणावृतायै नमः।
४९१ ॐ दुरन्तायै नमः।
४९२ ॐ दुष्कृतिहरायै नमः।
४९३ ॐ दुर्ध्येयायै नमः।
४९४ ॐ दुरतिक्रमायै नमः।
४९५ ॐ दुरन्तदानवद्वेष्ट्र्यै नमः।
४९६ ॐ दुरन्तदनुजान्तकृते नमः।
४९७ ॐ दुरन्तपापहन्त्र्यै नमः।
४९८ ॐ दस्त्रनिस्तारकारिण्यै नमः।
४९९ ॐ दस्त्रमानससंस्थानायै नमः।
५०० ॐ दस्त्रज्ञानविवर्धिन्यै नमः।
५०१ ॐ दस्त्रसम्भोगजनन्यै नमः।
५०२ ॐ दस्त्रसम्भोगदायिन्यै नमः।
५०३ ॐ दस्त्रसम्भोगभवनायै नमः।
५०४ ॐ दस्त्रविद्याविधायिन्यै नमः।
५०५ ॐ दस्त्रोद्वेगहरायै नमः।
५०६ ॐ दस्त्रजनन्यै नमः।
५०७ ॐ दस्त्रसुन्दर्यै नमः।
५०८ ॐ दस्त्रभक्तिविधाज्ञानायै नमः।
५०९ ॐ दस्त्रद्विष्टविनाशिन्यै नमः।
५१० ॐ दस्त्रापकारदमन्यै नमः।
५११ ॐ दस्त्रसिद्धिविधायिन्यै नमः।
५१२ ॐ दस्त्रताराराधिकायै नमः।
५१३ ॐ दस्त्रमातृप्रपूजितायै नमः।
५१४ ॐ दस्त्रदैन्यहरायै नमः।
५१५ ॐ दस्त्रतातनिषेवितायै नमः।
५१६ ॐ दस्त्रपितृशतज्योतिषे नमः।
५१७ ॐ दस्त्रकौशलदायिन्यै नमः।
५१८ ॐ दशशीर्षारिसहितायै नमः।
५१९ ॐ दशशीर्षारिकामिन्यै नमः।
५२० ॐ दशशीर्षपुर्यै नमः।
५२१ ॐ देव्यै नमः।
५२२ ॐ दशशीर्षसभाजितायै नमः।
५२३ ॐ दशशीर्षारिसुप्रीतायै नमः।
५२४ ॐ दशशीर्षवधूप्रियायै नमः।
५२५ ॐ दशशीर्षशिरश्छेत्र्यै नमः।
५२६ ॐ दशशीर्षनितम्बिन्यै नमः।
५२७ ॐ दशशीर्षहरप्राणायै नमः।
५२८ ॐ दशशीर्षहरात्मिकायै नमः।
५२९ ॐ दशशीर्षहराराध्यायै नमः।
५३० ॐ दशशीर्षारिवन्दितायै नमः।
५३१ ॐ दशशीर्षारिसुखदायै नमः।
५३२ ॐ दशशीर्षकपालिन्यै नमः।

५३३ ॐ दशशीर्षज्ञानदात्र्यै नमः।
५३४ ॐ दशशीर्षारिगेहिन्यै नमः।
५३५ ॐ दशशीर्षवधोपात्तश्रीराम-
चन्द्ररूपतायै नमः।
५३६ ॐ दशशीर्षराष्ट्रदेव्यै नमः।
५३७ ॐ दशशीर्षारिसारिण्यै नमः।
५३८ ॐ दशशीर्षभ्रातृतुष्टायै नमः।
५३९ ॐ दशशीर्षवधूप्रियायै नमः।
५४० ॐ दशशीर्षवधूप्राणायै नमः।
५४१ ॐ दशशीर्षवधूरतायै नमः।
५४२ ॐ दैत्यगुरुरतायै साध्व्यै नमः।
५४३ ॐ दैत्यगुरुप्रपूजितायै नमः।
५४४ ॐ दैत्यगुरूपदेष्ट्र्यै नमः।
५४५ ॐ दैत्यगुरुनिषेवितायै नमः।
५४६ ॐ दैत्यगुरुमतप्राणायै नमः।
५४७ ॐ दैत्यगुरुतापनाशिन्यै नमः।
५४८ ॐ दुरन्तदुःखशमन्यै नमः।
५४९ ॐ दुरन्तदमन्यै तम्यै नमः।
५५० ॐ दुरन्तशोकशमन्यै नमः।
५५१ ॐ दुरन्तरोगनाशिन्यै नमः।
५५२ ॐ दुरन्तवैरिदमन्यै नमः।
५५३ ॐ दुरन्तदैत्यनाशिन्यै नमः।
५५४ ॐ दुरन्तकलुषघ्न्यै नमः।
५५५ ॐ दुष्कृतिस्तोमनाशिन्यै नमः।
५५६ ॐ दुराशयायै नमः।
५५७ ॐ दुराधारायै नमः।
५५८ ॐ दुर्जयायै नमः।
५५९ ॐ दुष्टकामिन्यै नमः।
५६० ॐ दर्शनीयायै नमः।
५६१ ॐ दृश्यादृश्यायै नमः।
५६२ ॐ दृष्टिगोचरायै नमः।
५६३ ॐ दूतीयागप्रियायै नमः।
५६४ ॐ दूत्यै नमः।
५६५ ॐ दूतीयागकरप्रियायै नमः।
५६६ ॐ दूतीयागकरानन्दायै नमः।
५६७ ॐ दूतीयागसुखप्रदायै नमः।
५६८ ॐ दूतीयागकरायातायै नमः।
५६९ ॐ दूतीयागप्रमोदिन्यै नमः।
५७० ॐ दुर्वासःपूजितायै नमः।
५७१ ॐ दुर्वासोमुनिभावितायै नमः।
५७२ ॐ दुर्वासोऽर्चितपादायै नमः।
५७३ ॐ दुर्वासोमौनभावितायै नमः।
५७४ ॐ दुर्वासोमुनिवन्द्यायै नमः।
५७५ ॐ दुर्वासोमुनिदेवतायै नमः।
५७६ ॐ दुर्वासोमुनिमात्रे नमः।
५७७ ॐ दुर्वासोमुनिसिद्धिदायै नमः।
५७८ ॐ दुर्वासोमुनिभावस्थायै नमः।
५७९ ॐ दुर्वासोमुनिसेवितायै नमः।
५८० ॐ दुर्वासोमुनिचित्तस्थायै नमः।
५८१ ॐ दुर्वासोमुनिमण्डितायै नमः।
५८२ ॐ दुर्वासोमुनिसंचारायै नमः।
५८३ ॐ दुर्वासोहृदयङ्गमायै नमः।
५८४ ॐ दुर्वासोहृदयाराध्यायै नमः।
५८५ ॐ दुर्वासोहृत्सरोजगायै नमः।

५८६ ॐ दुर्वासस्तापसाराध्यायै नमः।
५८७ ॐ दुर्वासस्तापसाश्रयायै नमः।
५८८ ॐ दुर्वासस्तापसरतायै नमः।
५८९ ॐ दुर्वासस्तापसेश्वर्यै नमः।
५९० ॐ दुर्वासोमुनिकन्यायै नमः।
५९१ ॐ दुर्वासोऽद्भुतसिद्धिदायै नमः।
५९२ ॐ दररात्र्यै नमः।
५९३ ॐ दरहरायै नमः।
५९४ ॐ दरयुक्तायै नमः।
५९५ ॐ दरापहायै नमः।
५९६ ॐ दरघ्न्यै नमः।
५९७ ॐ दरहन्त्र्यै नमः।
५९८ ॐ दरयुक्तायै नमः।
५९९ ॐ दराश्रयायै नमः।
६०० ॐ दरस्मेरायै नमः।
६०१ ॐ दरापाङ्ग्यै नमः।
६०२ ॐ दयादात्र्यै नमः।
६०३ ॐ दयाश्रयायै नमः।
६०४ ॐ दस्त्रपूज्यायै नमः।
६०५ ॐ दस्त्रमात्रे नमः।
६०६ ॐ दस्त्रदेव्यै नमः।
६०७ ॐ दरोन्मदायै नमः।
६०८ ॐ दस्त्रसिद्धायै नमः।
६०९ ॐ दस्त्रसंस्थायै नमः।
६१० ॐ दस्त्रतापविमोचिन्यै नमः।
६११ ॐ दस्त्रक्षोभहरायै नित्यायै नमः।
६१२ ॐ दस्त्रलोकगतात्मिकायै नमः।
६१३ ॐ दैत्यगुर्वङ्गनावन्द्यायै नमः।
६१४ ॐ दैत्यगुर्वङ्गनाप्रियायै नमः।
६१५ ॐ दैत्यगुर्वङ्गनासिद्धायै नमः।
६१६ ॐ दैत्यगुर्वङ्गनोत्सुकायै नमः।
६१७ ॐ दैत्यगुरुप्रियतमायै नमः।
६१८ ॐ देवगुरुनिषेवितायै नमः।
६१९ ॐ देवगुरुप्रसूरूपायै नमः।
६२० ॐ देवगुरुकृतार्हणायै नमः।
६२१ ॐ देवगुरुप्रेमयुतायै नमः।
६२२ ॐ देवगुर्वनुमानितायै नमः।
६२३ ॐ देवगुरुप्रभावज्ञायै नमः।
६२४ ॐ देवगुरुसुखप्रदायै नमः।
६२५ ॐ देवगुरुज्ञानदात्र्यै नमः।
६२६ ॐ देवगुरुप्रमोदिन्यै नमः।
६२७ ॐ दैत्यस्त्रीगणसम्पूज्यायै नमः।
६२८ ॐ दैत्यस्त्रीगणपूजितायै नमः।
६२९ ॐ दैत्यस्त्रीगणरूपायै नमः।
६३० ॐ दैत्यस्त्रीचित्तहारिण्यै नमः।
६३१ ॐ देवस्त्रीगणपूज्यायै नमः।
६३२ ॐ देवस्त्रीगणवन्दितायै नमः।
६३३ ॐ देवस्त्रीगणचित्तस्थायै नमः।
६३४ ॐ देवस्त्रीगणभूषितायै नमः।
६३५ ॐ देवस्त्रीगणसंसिद्धायै नमः।
६३६ ॐ देवस्त्रीगणतोषितायै नमः।
६३७ ॐ देवस्त्रीगणहस्तस्थचारु-
चामरवीजितायै नमः।
६३८ ॐ देवस्त्रीगणहस्तस्थचारु-

गन्धविलेपितायै नमः।
६३९ ॐ देवाङ्गनाधृतादर्शदृष्ट्यर्थ-
मुखचन्द्रमसे नमः।
६४० ॐ देवाङ्गनोत्सृष्टनागवल्ली-
दलकृतोत्सुकायै नमः।
६४१ ॐ देवस्त्रीगणहस्तस्थदीप-
मालाविलोकनायै नमः।
६४२ ॐ देवस्त्रीगणहस्तस्थधूप-
घ्राणविनोदिन्यै नमः।
६४३ ॐ देवनारीकरगतवास-
कासवपायिन्यै नमः।
६४४ ॐ देवनारीकङ्कतिकाकृत-
केशनिमार्जनायै नमः।
६४५ ॐ देवनारीसेव्यगात्रायै नमः।
६४६ ॐ देवनारीकृतोत्सुकायै नमः।
६४७ ॐ देवनारीविरचितपुष्प-
मालाविराजितायै नमः।
६४८ ॐ देवनारीविचित्राङ्ग्यै नमः।
६४९ ॐ देवस्त्रीदत्तभोजनायै नमः।
६५० ॐ देवस्त्रीगणगीतायै नमः।
६५१ ॐ देवस्त्रीगीतसोत्सुकायै नमः।
६५२ ॐ देवस्त्रीनृत्यसुखिन्यै नमः।
६५३ ॐ देवस्त्रीनृत्यदर्शिन्यै नमः।
६५४ ॐ देवस्त्रीयोजितलसद्रत्न-
पादपदाम्बुजायै नमः।
६५५ ॐ देवस्त्रीगणविस्तीर्णचारु-
तल्पनिषेदुष्यै नमः।
६५६ ॐ देवनारीचारुकराकलि-
तांघ्र्यादिदेहिकायै नमः।
६५७ ॐ देवनारीकरव्यग्रतालवृन्द-
मरुत्सुकायै नमः।
६५८ ॐ देवनारीवेणुवीणानाद-
सोत्कण्ठमानसायै नमः।
६५९ ॐ देवकोटिस्तुतिनुतायै नमः।
६६० ॐ देवकोटिकृतार्हणायै नमः।
६६१ ॐ देवकोटिगीतगुणायै नमः।
६६२ ॐ देवकोटिकृतस्तुत्यै नमः।
६६३ ॐ दन्तदष्ट्योद्विगफल्गायै नमः।
६६४ ॐ देवकोलाहलाकुलायै नमः।
६६५ ॐ द्वेषरागपरित्यक्तायै नमः।
६६६ ॐ द्वेषरागविवर्जितायै नमः।
६६७ ॐ दामपूज्यायै नमः।
६६८ ॐ दामभूषायै नमः।
६६९ ॐ दामोदरविलासिन्यै नमः।
६७० ॐ दामोदरप्रेमरतायै नमः।
६७१ ॐ दामोदरभगिन्यै नमः।
६७२ ॐ दामोदरप्रस्वै नमः।
६७३ ॐ दामोदरपत्न्यै नमः।
६७४ ॐ दामोदरपतिव्रतायै नमः।
६७५ ॐ दामोदराऽभिन्नदेहायै नमः।
६७६ ॐ दामोदररतिप्रियायै नमः।
६७७ ॐ दामोदराऽभिन्नतन्वै नमः।
६७८ ॐ दामोदरकृतास्पदायै नमः।
६७९ ॐ दामोदरकृतप्राणायै नमः।

६८० ॐ दामोदरगतात्मिकायै नमः।
६८१ ॐ दामोदरकौतुकाढ्यायै नमः।
६८२ ॐ दामोदरकलाकलायै नमः।
६८३ ॐ दामोदरालिङ्गिताङ्ग्यै नमः।
६८४ ॐ दामोदरकुतूहलायै नमः।
६८५ ॐ दामोदरकृताह्लादायै नमः।
६८६ ॐ दामोदरसुचुम्बितायै नमः।
६८७ ॐ दामोदरसुताकृष्टायै नमः।
६८८ ॐ दामोदरसुखप्रदायै नमः।
६८९ ॐ दामोदरसहाढ्यायै नमः।
६९० ॐ दामोदरसहायिन्यै नमः।
६९१ ॐ दामोदरगुणज्ञायै नमः।
६९२ ॐ दामोदरवरप्रदायै नमः।
६९३ ॐ दामोदरानुकूलायै नमः।
६९४ ॐ दामोदरनितम्बिन्यै नमः।
६९५ ॐ दामोदरबलक्रीडाकुशलायै नमः।
६९६ ॐ दर्शनप्रियायै नमः।
६९७ ॐ दामोदरजलक्रीडात्यक्त-
स्वजनसौहृदायै नमः।
६९८ ॐ दामोदरलसद्रासकेलि-
कौतुकिन्यै नमः।
६९९ ॐ दामोदरभ्रातृकायै नमः।
७०० ॐ दामोदरपरायणायै नमः।
७०१ ॐ दामोदरधरायै नमः।
७०२ ॐ दामोदरवैरविनाशिन्यै नमः।
७०३ ॐ दामोदरोपजायायै नमः।
७०४ ॐ दामोदरनिमन्त्रितायै नमः।
७०५ ॐ दामोदरपराभूतायै नमः।
७०६ ॐ दामोदरपराजितायै नमः।
७०७ ॐ दामोदरसमाक्रान्तायै नमः।
७०८ ॐ दामोदरहताशुभायै नमः।
७०९ ॐ दामोदरोत्सवरतायै नमः।
७१० ॐ दामोदरोत्सवावहायै नमः।
७११ ॐ दामोदरस्तन्यदात्र्यै नमः।
७१२ ॐ दामोदरगवेषितायै नमः।
७१३ ॐ दमयन्तीसिद्धिदात्र्यै नमः।
७१४ ॐ दमयन्तीप्रसाधितायै नमः।
७१५ ॐ दमयन्तीष्टदेव्यै नमः।
७१६ ॐ दमयन्तीस्वरूपिण्यै नमः।
७१७ ॐ दमयन्तीकृतार्चायै नमः।
७१८ ॐ दमनर्षिविभावितायै नमः।
७१९ ॐ दमनर्षिप्राणतुल्यायै नमः।
७२० ॐ दमनर्षिस्वरूपिण्यै नमः।
७२१ ॐ दमनर्षिस्वरूपायै नमः।
७२२ ॐ दम्भपूरितविग्रहायै नमः।
७२३ ॐ दम्भहन्त्र्यै नमः।
७२४ ॐ दम्भधात्र्यै नमः।
७२५ ॐ दम्भलोकविमोहिन्यै नमः।
७२६ ॐ दम्भशीलायै नमः।
७२७ ॐ दम्भहरायै नमः।
७२८ ॐ दम्भवत्परिमर्दिन्यै नमः।
७२९ ॐ दम्भरूपायै नमः।
७३० ॐ दम्भकर्यै नमः।
७३१ ॐ दम्भसंतानदारिण्यै नमः।

७३२ ॐ दत्तमोक्षायै नमः।
७३३ ॐ दत्तधनायै नमः।
७३४ ॐ दत्तारोग्यायै नमः।
७३५ ॐ दाम्भिकायै नमः।
७३६ ॐ दत्तपुत्रायै नमः।
७३७ ॐ दत्तदारायै नमः।
७३८ ॐ दत्तहारायै नमः।
७३९ ॐ दारिकायै नमः।
७४० ॐ दत्तभोगायै नमः।
७४१ ॐ दत्तशोकायै नमः।
७४२ ॐ दत्तहस्त्यादिवाहनायै नमः।
७४३ ॐ दत्तमत्यै नमः।
७४४ ॐ दत्तभार्यायै नमः।
७४५ ॐ दत्तशास्त्रावबोधिकायै नमः।
७४६ ॐ दत्तपानायै नमः।
७४७ ॐ दत्तदानायै नमः।
७४८ ॐ दत्तदारिद्र्यनाशिन्यै नमः।
७४९ ॐ दत्तसौधावनीवासायै नमः।
७५० ॐ दत्तस्वर्गायै नमः।
७५१ ॐ दासदायै नमः।
७५२ ॐ दास्यतुष्टायै नमः।
७५३ ॐ दास्यहरायै नमः।
७५४ ॐ दासदासीशतप्रदायै नमः।
७५५ ॐ दाररूपायै नमः।
७५६ ॐ दारवासायै नमः।
७५७ ॐ दारवासिहृदास्पदायै नमः।
७५८ ॐ दारवासिजनाराध्यायै नमः।
७५९ ॐ दारवासिजनप्रियायै नमः।
७६० ॐ दारवासिविनिर्नीतायै नमः।
७६१ ॐ दारवासिसमर्चितायै नमः।
७६२ ॐ दारवास्याहृतप्राणायै नमः।
७६३ ॐ दारवास्यरिनाशिन्यै नमः।
७६४ ॐ दारवासिविघ्नहरायै नमः।
७६५ ॐ दारवासिविमुक्तिदायै नमः।
७६६ ॐ दाराग्निरूपिण्यै नमः।
७६७ ॐ दारायै नमः।
७६८ ॐ दारकार्यरिनाशिन्यै नमः।
७६९ ॐ दम्पत्यै नमः।
७७० ॐ दम्पतीष्टायै नमः।
७७१ ॐ दम्पतीप्राणरूपिकायै नमः।
७७२ ॐ दम्पतीस्नेहनिरतायै नमः।
७७३ ॐ दाम्पत्यसाधनप्रियायै नमः।
७७४ ॐ दाम्पत्यसुखसेनायै नमः।
७७५ ॐ दाम्पत्यसुखदायिन्यै नमः।
७७६ ॐ दम्पत्याचारनिरतायै नमः।
७७७ ॐ दम्पत्यामोदमोदितायै नमः।
७७८ ॐ दम्पत्यामोदसुखिन्यै नमः।
७७९ ॐ दाम्पत्याह्लादकारिण्यै नमः।
७८० ॐ दम्पतीष्टपादपद्मायै नमः।
७८१ ॐ दाम्पत्यप्रेमरूपिण्यै नमः।
७८२ ॐ दाम्पत्यभोगभवनायै नमः।
७८३ ॐ दाडिमीफलभोजिन्यै नमः।
७८४ ॐ दाडिमीफलसंतुष्टायै नमः।
७८५ ॐ दाडिमीफलमानसायै नमः।

७८६ ॐ दाडिमीवृक्षसंस्थानायै नमः।
७८७ ॐ दाडिमीवृक्षवासिन्यै नमः।
७८८ ॐ दाडिमीवृक्षरूपायै नमः।
७८९ ॐ दाडिमीवनवासिन्यै नमः।
७९० ॐ दाडिमीफलसाम्योरुपयो-
धरसमन्वितायै नमः।
७९१ ॐ दक्षिणायै नमः।
७९२ ॐ दक्षिणारूपायै नमः।
७९३ ॐ दक्षिणारूपधारिण्यै नमः।
७९४ ॐ दक्षकन्यायै नमः।
७९५ ॐ दक्षपुत्र्यै नमः।
७९६ ॐ दक्षमात्रे नमः।
७९७ ॐ दक्षस्वै नमः।
७९८ ॐ दक्षगोत्रायै नमः।
७९९ ॐ दक्षसुतायै नमः।
८०० ॐ दक्षयज्ञविनाशिन्यै नमः।
८०१ ॐ दक्षयज्ञनाशकर्त्र्यै नम।
८०२ ॐ दक्षयज्ञान्तकारिण्यै नमः।
८०३ ॐ दक्षप्रसूत्यै नमः।
८०४ ॐ दक्षेज्यायै नमः।
८०५ ॐ दक्षवंशैकपावन्यै नमः।
८०६ ॐ दक्षात्मजायै नमः।
८०७ ॐ दक्षसून्वै नमः।
८०८ ॐ दक्षजायै नमः।
८०९ ॐ दक्षजातिकायै नमः।
८१० ॐ दक्षजन्मने नमः।
८११ ॐ दक्षजनुषे नमः।
८१२ ॐ दक्षदेहसमुद्भवायै नमः।
८१३ ॐ दक्षजन्यै नमः।
८१४ ॐ दक्षयागध्वंसिन्यै नमः।
८१५ ॐ दक्षकन्यकायै नमः।
८१६ ॐ दक्षिणाचारनिरतायै नमः।
८१७ ॐ दक्षिणाचारतुष्टिदायै नमः।
८१८ ॐ दक्षिणाचारसंसिद्धायै नमः।
८१९ ॐ दक्षिणाचारभावितायै नमः।
८२० ॐ दक्षिणाचारसुखिन्यै नमः।
८२१ ॐ दक्षिणाचारसाधितायै नमः।
८२२ ॐ दक्षिणाचारमोक्षाप्त्यै नमः।
८२३ ॐ दक्षिणाचारवन्दितायै नमः।
८२४ ॐ दक्षिणाचारशरणायै नमः।
८२५ ॐ दक्षिणाचारहर्षितायै नमः।
८२६ ॐ द्वारपालप्रियायै नमः।
८२७ ॐ द्वारवासिन्यै नमः।
८२८ ॐ द्वारसंस्थितायै नमः।
८२९ ॐ द्वाररूपायै नमः ।
८३० ॐ द्वारसंस्थायै नमः।
८३१ ॐ द्वारदेशनिवासिन्यै नमः।
८३२ ॐ द्वारकर्यै नमः।
८३३ ॐ द्वारधात्र्यै नमः।
८३४ ॐ दोषमात्रविवर्जितायै नमः।
८३५ ॐ दोषाकरायै नमः।
८३६ ॐ दोषहरायै नमः।
८३७ ॐ दोषराशिविनाशिन्यै नमः।
८३८ ॐ दोषाकरविभूषाढ्यायै नमः।

८३९ ॐ दोषाकरकपालिन्यै नमः।
८४० ॐ दोषाकरसहस्राभायै नमः।
८४१ ॐ दोषाकरसमाननायै नमः।
८४२ ॐ दोषाकरमुख्यै नमः।
८४३ ॐ दिव्यायै नमः।
८४४ ॐ दोषाकरकराग्रजायै नमः।
८४५ ॐ दोषाकरसमज्योतिषे नमः।
८४६ ॐ दोषाकरसुशीतलायै नमः।
८४७ ॐ दोषाकरश्रेण्यै नमः।
८४८ ॐ दोषसदृशापाङ्गवीक्षणायै नमः।
८४९ ॐ दोषाकरेष्टदेव्यै नमः।
८५० ॐ दोषाकरनिषेवितायै नमः।
८५१ ॐ दोषाकरप्राणरूपायै नमः।
८५२ ॐ दोषाकरमरीचिकायै नमः।
८५३ ॐ दोषाकरोल्लसद्भालायै नमः।
८५४ ॐ दोषाकरसुहर्षिण्यै नमः।
८५५ ॐ दोषाकरशिरोभूषायै नमः।
८५६ ॐ दोषाकरवधूप्रियायै नमः।
८५७ ॐ दोषाकरवधूप्राणायै नमः।
८५८ ॐ दोषाकरवधूमतायै नमः।
८५९ ॐ दोषाकरवधूप्रीतायै नमः।
८६० ॐ दोषाकरवध्वै नमः।
८६१ ॐ दोषापूज्यायै नमः।
८६२ ॐ दोषापूजितायै नमः।
८६३ ॐ दोषहारिण्यै नमः।
८६४ ॐ दोषाजापमहानन्दायै नमः।
८६५ ॐ दोषाजापपरायणायै नमः।
८६६ ॐ दोषापुरश्चाररतायै नमः।
८६७ ॐ दोषापूजकपुत्रिण्यै नमः।
८६८ ॐ दोषापूजकवात्सल्य-
कारिण्यै जगदम्बिकायै नमः।
८६९ ॐ दोषापूजकवैरिघ्न्यै नमः।
८७० ॐ दोषापूजकविघ्नहृते नमः।
८७१ ॐ दोषापूजकसंतुष्टायै नमः।
८७२ ॐ दोषापूजकमुक्तिदायै नमः।
८७३ ॐ दमप्रसूनसम्पूज्यायै नमः।
८७४ ॐ दमपुष्पप्रियायै नमः।
८७५ ॐ दुर्योधनप्रपूज्यायै नमः।
८७६ ॐ दुःशासनसमर्चितायै नमः।
८७७ ॐ दण्डपाणिप्रियायै नमः।
८७८ ॐ दण्डपाणिमात्रे नमः।
८७९ ॐ दयानिधये नमः।
८८० ॐ दण्डपाणिसमाराध्यायै नमः।
८८१ ॐ दण्डपाणिप्रपूजितायै नमः।
८८२ ॐ दण्डपाणिगृहासक्तायै नमः।
८८३ ॐ दण्डपाणिप्रियंवदायै नमः।
८८४ ॐ दण्डपाणिप्रियतमायै नमः।
८८५ ॐ दण्डपाणिमनोहरायै नमः।
८८६ ॐ दण्डपाणिहृतप्राणायै नमः।
८८७ ॐ दण्डपाणिसुसिद्धिदायै नमः।
८८८ ॐ दण्डपाणिपरामृष्टायै नमः।
८८९ ॐ दण्डपाणिप्रहर्षितायै नमः।
८९० ॐ दण्डपाणिविघ्नहरायै नमः।
८९१ ॐ दण्डपाणिशिरोधृतायै नमः।
८९२ ॐ दण्डपाणिप्राप्तचर्यायै नमः।
८९३ ॐ दण्डपाण्युन्मुख्यै नमः।

८९४ ॐ दण्डपाणिप्राप्तपदायै नमः।
८९५ ॐ दण्डपाणिवरोन्मुख्यै नमः।
८९६ ॐ दण्डहस्तायै नमः।
८९७ ॐ दण्डपाण्यै नमः।
८९८ ॐ दण्डबाहवे नमः।
८९९ ॐ दरान्तकृते नमः।
९०० ॐ दण्डदोष्कायै नमः।
९०१ ॐ दण्डकरायै नमः।
९०२ ॐ दण्डचित्तकृतास्पदायै नमः।
९०३ ॐ दण्डिविद्यायै नमः।
९०४ ॐ दण्डिमात्रे नमः।
९०५ ॐ दण्डिखण्डकनाशिन्यै नमः।
९०६ ॐ दण्डिप्रियायै नमः।
९०७ ॐ दण्डिपूज्यायै नमः।
९०८ ॐ दण्डिसंतोषदायिन्यै नमः।
९०९ ॐ दस्युपूज्यायै नमः।
९१० ॐ दस्युरतायै नमः।
९११ ॐ दस्युद्रविणदायिन्यै नमः।
९१२ ॐ दस्युवर्गकृतार्हायै नमः।
९१३ ॐ दस्युवर्गविनाशिन्यै नमः।
९१४ ॐ दस्युनिर्णाशिन्यै नमः।
९१५ ॐ दस्युकुलनिर्णाशिन्यै नमः।
९१६ ॐ दस्युप्रियकर्यै नमः।
९१७ ॐ दस्युनृत्यदर्शनतत्परायै नमः।
९१८ ॐ दुष्टदण्डकर्यै नमः।
९१९ ॐ दुष्टवर्गविद्राविण्यै नमः।
९२० ॐ दुष्टवर्गनिग्रहार्हायै नमः।
९२१ ॐ दूषकप्राणनाशिन्यै नमः।
९२२ ॐ दूषकोत्तापजनन्यै नमः।
९२३ ॐ दूषकारिष्टकारिण्यै नमः।
९२४ ॐ दूषकद्वेषणकर्यै नमः।
९२५ ॐ दाहिकायै नमः।
९२६ ॐ दहनात्मिकायै नमः।
९२७ ॐ दारुकारिनिहन्त्र्यै नमः।
९२८ ॐ दारुकेश्वरपूजितायै नमः।
९२९ ॐ दारुकेश्वरमात्रे नमः।
९३० ॐ दारुकेश्वरवन्दितायै नमः।
९३१ ॐ दर्भहस्तायै नमः।
९३२ ॐ दर्भयुतायै नमः।
९३३ ॐ दर्भकर्मविवर्जितायै नमः।
९३४ ॐ दर्भमय्यै नमः।
९३५ ॐ दर्भतन्वै नमः।
९३६ ॐ दर्भसर्वस्वरूपिण्यै नमः।
९३७ ॐ दर्भकर्माचाररतायै नमः।
९३८ ॐ दर्भहस्तकृतार्हणायै नमः।
९३९ ॐ दर्भानुकूलायै नमः।
९४० ॐ दाम्भर्यायै नमः।
९४१ ॐ दर्वीपात्रानुदामिन्यै नमः।
९४२ ॐ दमघोषप्रपूज्यायै नमः।
९४३ ॐ दमघोषवरप्रदायै नमः।
९४४ ॐ दमघोषसमाराध्यायै नमः।
९४५ ॐ दावाग्निरूपिण्यै नमः।
९४६ ॐ दावाग्निरूपायै नमः।
९४७ ॐ दावाग्निनिर्णाशितमहा-
बलायै नमः।
९४८ ॐ दन्तदंष्ट्रासुरकलायै नमः।

९४९ ॐ दन्तचर्चितहस्तिकायै नमः।
९५० ॐ दन्तदंष्ट्रस्यन्दनायै नमः।
९५१ ॐ दन्तनिर्णाशितासुरायै नमः।
९५२ ॐ दधिपूज्यायै नमः।
९५३ ॐ दधिप्रीतायै नमः।
९५४ ॐ दधीचिवरदायिन्यै नमः।
९५५ ॐ दधीचीष्टदेवतायै नमः।
९५६ ॐ दधीचिमोक्षदायिन्यै नमः।
९५७ ॐ दधीचिदैन्यहन्त्र्यै नमः।
९५८ ॐ दधीचिदरदारिण्यै नमः।
९५९ ॐ दधीचिभक्तिसुखिन्यै नमः।
९६० ॐ दधीचिमुनिसेवितायै नमः।
९६१ ॐ दधीचिज्ञानदात्र्यै नमः।
९६२ ॐ दधीचिगुणदायिन्यै नमः।
९६३ ॐ दधीचिकुलसम्भूषायै नमः।
९६४ ॐ दधीचिभुक्तिमुक्तिदायै नमः।
९६५ ॐ दधीचिकुलदेव्यै नमः।
९६६ ॐ दधीचिकुलदेवतायै नमः।
९६७ ॐ दधीचिकुलगम्यायै नमः।
९६८ ॐ दधीचिकुलपूजितायै नमः।
९६९ ॐ दधीचिसुखदात्र्यै नमः।
९७० ॐ दधीचिदैन्यहारिण्यै नमः।
९७१ ॐ दधीचिदुःखहन्त्र्यै नमः।
९७२ ॐ दधीचिकुलसुन्दर्यै नमः।
९७३ ॐ दधीचिकुलसम्भूतायै नमः।
९७४ ॐ दधीचिकुलपालिन्यै नमः।
९७५ ॐ दधीचिदानगम्यायै नमः।
९७६ ॐ दधीचिदानमानिन्यै नमः।
९७७ ॐ दधीचिदानसंतुष्टायै नमः।
९७८ ॐ दधीचिदानदेवतायै नमः।
९७९ ॐ दधीचिजयसम्प्रीतायै नमः।
९८० ॐ दधीचिजपमानसायै नमः।
९८१ ॐ दधीचिजपपूजाढ्यायै नमः।
९८२ ॐ दधीचिजपमालिकायै नमः।
९८३ ॐ दधीचिजपसंतुष्टायै नमः।
९८४ ॐ दधीचिजपतोषिण्यै नमः।
९८५ ॐ दधीचितपसाराध्यायै नमः।
९८६ ॐ दधीचिशुभदायिन्यै नमः।
९८७ ॐ दूर्वायै नमः।
९८८ ॐ दूर्वादलश्यामायै नमः।
९८९ ॐ दूर्वादलसमद्युतये नमः।
९९० ॐ दुर्गादेव्यै नमः।*
९९१ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९२ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९३ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९४ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९५ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९६ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९७ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९८ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
९९९ ॐ दुर्गादेव्यै नमः।
१००० ॐ दुर्गादेव्यै नमः।

॥ इति कुलार्णवतन्त्रोक्ता दकारादि श्रीदुर्गासहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

* एक सहस्रमें ग्यारह नाम कम होनेके कारण सहस्रसंख्यापूर्तिहेतु भगवतीके नामकी पुनरावृत्ति की गयी है।



॥ श्रीसूर्याय नमः ॥

श्रीसूर्यसहस्रनामस्तोत्रम्

शतानीक उवाच

नाम्नां सहस्रं सवितुः श्रोतुमिच्छामि हे द्विज।
येन ते दर्शनं यातः साक्षाद् देवो दिवाकरः॥ १ ॥
सर्वमङ्गलमङ्गल्यं सर्वपापप्रणाशनम्।
स्तोत्रमेतन्महापुण्यं सर्वोपद्रवनाशनम्॥ २ ॥
न तदस्ति भयं किञ्चिद् यदनेन न नश्यति।
ज्वराद्यैर्मुच्यते राजन् स्तोत्रेऽस्मिन् पठिते नरः॥ ३ ॥
अन्ये च रोगाः शाम्यन्ति पठतः शृण्वतस्तथा।
सम्पद्यन्ते यथा कामाः सर्व एव यथेप्सिताः॥ ४ ॥
य एतदादितः श्रुत्वा संग्रामं प्रविशेन्नरः।
स जित्वा समरे शत्रूनभ्येति गृहमक्षतः॥ ५ ॥
वन्ध्यानां पुत्रजननं भीतानां भयनाशनम्।
भूतिकारि दरिद्राणां कुष्ठिनां परमौषधम्॥ ६ ॥
बालानां चैव सर्वेषां ग्रहरक्षोनिवारणम्।
पठते संयतो राजन् स श्रेयः परमाप्नुयात्॥ ७ ॥
स सिद्धः सर्वसंकल्पः सुखमत्यन्तमश्नुते।
धर्मार्थिभिर्धर्मलुब्धैः सुखाय च सुखार्थिभिः॥ ८ ॥
राज्याय राज्यकामैश्च पठितव्यमिदं नरैः।
विद्यावहं तु विप्राणां क्षत्रियाणां जयावहम्॥ ९ ॥
पश्वावहं तु वैश्यानां शूद्राणां धर्मवर्द्धनम्।
पठतां शृण्वतामेतद् भवतीति न संशयः॥ १० ॥

तच्छृणुष्व नृपश्रेष्ठ प्रयतात्मा ब्रवीमि ते।
नाम्नां सहस्रं विख्यातं देवदेवस्य भास्वतः ॥ ११ ॥

अस्य श्रीसूर्यसहस्रनामस्तोत्रस्य भगवान् वेदव्यास ऋषिःअनुष्टुप् छन्दः, सविता देवता, सकलाभीष्टसिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः।

ध्यानम्

ध्येयः सदा सवितृमण्डलमध्यवर्ती
नारायणः सरसिजासनसंनिविष्टः।
केयूरवान् मकरकुण्डलवान् किरीटी
हारी हिरण्मयवपुर्धृतशङ्खचक्रः ॥*

स्तोत्रम्

ॐ विश्वविद् विश्वजित्कर्ता विश्वात्मा विश्वतोमुखः।
विश्वेश्वरो विश्वयोनिर्नियतात्मा जितेन्द्रियः ॥ १२ ॥
कालाश्रयः कालकर्ता कालहा कालनाशनः।
महायोगी महासिद्धिर्महात्मा सुमहाबलः ॥ १३ ॥
प्रभुर्विभुर्भूतनाथो भूतात्मा भुवनेश्वरः।
भूतभव्यो भावितात्मा भूतान्तःकरणं शिवः ॥ १४ ॥
शरण्यः कमलानन्दो नन्दनो नन्दवर्द्धनः।
वरेण्यो वरदो योगी सुसंयुक्तः प्रकाशकः ॥ १५ ॥

* भगवान् नारायण तपे हुए स्वर्ण-जैसे कान्तिमान् शरीर धारण किये हुए हैं। उनके गलेमें हार एवं सिरपर किरीट विराजमान हैं। उनके कान मकरकुण्डलसे सुशोभित हैं। वे कंगनसे अलंकृत अपने दोनों हाथोंमें भक्तभयनिवारणके लिये शङ्ख-चक्र धारण किये हुए हैं। वे सूर्यमण्डलमें कमलासनपर बैठे हैं। इसी प्रकार गायत्रीका जप करते समय भी सूर्यमण्डलमें भगवान्‌का चिन्तन करना चाहिये।

प्राप्तयानः परप्राणः पूतात्मा प्रयतः प्रियः।
नयः सहस्रपात् साधुर्दिव्यकुण्डलमण्डितः॥ १६॥
अव्यङ्गधारी धीरात्मा सविता वायुवाहनः।
समाहितमतिर्दाता विधाता कृतमङ्गलः॥ १७॥
कपर्दी कल्पपाद् रुद्रः सुमना धर्मवत्सलः।
समायुक्तो विमुक्तात्मा कृतात्मा कृतिनां वरः॥ १८॥
अविचिन्त्यवपुः श्रेष्ठो महायोगी महेश्वरः।
कान्तः कामारिरादित्यो नियतात्मा निराकुलः॥ १९॥
कामः कारुणिकः कर्ता कमलाकरबोधनः।
सप्तसप्तिरचिन्त्यात्मा महाकारुणिकोत्तमः॥ २०॥
संजीवनो जीवनाथो जयो जीवो जगत्पतिः।
अयुक्तो विश्वनिलयः संविभागी वृषध्वजः॥ २१॥
वृषाकपिः कल्पकर्ता कल्पान्तकरणो रविः।
एकचक्ररथो मौनी सुरथो रथिनां वरः॥ २२॥
सक्रोधनो रश्मिमाली तेजोराशिर्विभावसुः।
दिव्यकृद् दिनकृद् देवो देवदेवो दिवस्पतिः॥ २३॥
दीननाथो हरो होता दिव्यबाहुर्दिवाकरः।
यज्ञो यज्ञपतिः पूषा स्वर्णरेताः परावरः॥ २४॥
परापरज्ञस्तरणिरंशुमाली मनोहरः।
प्राज्ञः प्राज्ञपतिः सूर्यः सविता विष्णुरंशुमान्॥ २५॥
सदागतिर्गन्धवहो विहितो विधिराशुगः।
पतङ्गः पतगः स्थाणुर्विहङ्गो विहगो वरः॥ २६॥

हर्यश्वो हरिताश्वश्च हरिदश्वो जगत्प्रियः।
त्र्यम्बकः सर्वदमनो भावितात्मा भिषग्वरः॥ २७॥
आलोककृल्लोकनाथो लोकालोकनमस्कृतः।
कालः कल्पान्तको वह्निस्तपनः सम्प्रतापनः॥ २८॥
विलोचनो विरूपाक्षः सहस्राक्षः पुरंदरः।
सहस्ररश्मिर्मिहिरो विविधाम्बरभूषणः॥ २९॥
खगः प्रतर्दनो धन्यो हयगो वाग्विशारदः।
श्रीमानशिशिरो वाग्मी श्रीपतिः श्रीनिकेतनः॥ ३०॥
श्रीकण्ठः श्रीधरः श्रीमान् श्रीनिवासो वसुप्रदः।
कामचारी महामायो महोग्रोऽविदितामयः॥ ३१॥
तीर्थक्रियावान् सुनयो विभक्तो भक्तवत्सलः।
कीर्तिः कीर्तिकरो नित्यः कुण्डली कवची रथी॥ ३२॥
हिरण्यरेताः सप्ताश्वः प्रयतात्मा परंतपः।
बुद्धिमानमरश्रेष्ठो रोचिष्णुः पाकशासनः॥ ३३॥
समुद्रो धनदो धाता मान्धाता कश्मलापहः।
तमोघ्नो ध्वान्तहा वह्निर्होतान्तःकरणो गुहः॥ ३४॥
पशुमान् प्रयतानन्दो भूतेशः श्रीमतां वरः।
नित्योदितो नित्यरथः सुरेशः सुरपूजितः॥ ३५॥
अजितो विजितो जेता जङ्गमस्थावरात्मकः।
जीवानन्दो नित्यगामी विजेता विजयप्रदः॥ ३६॥
पर्जन्योऽग्निः स्थितिः स्थेयः स्थविरोऽथ निरञ्जनः।
प्रद्योतनो रथारूढः सर्वलोकप्रकाशकः॥ ३७॥

ध्रुवो मेषी महावीर्यो हंसः संसारतारकः।
सृष्टिकर्ता क्रियाहेतुर्मार्तण्डो मरुतां पतिः॥ ३८ ॥
मरुत्वान् दहनस्त्वष्टा भगो भर्गोऽर्यमा कपिः।
वरुणेशो जगन्नाथः कृतकृत्यः सुलोचनः॥ ३९ ॥
विवस्वान् भानुमान् कार्यः कारणस्तेजसां निधिः।
असङ्गगामी तिग्मांशुर्घर्मांशुर्दीप्तदीधितिः॥ ४० ॥
सहस्रदीधितिर्ब्रध्नः सहस्रांशुर्दिवाकरः।
गभस्तिमान् दीधितिमान् स्रग्वी मणिकुलद्युतिः॥ ४१ ॥
भास्करः सुरकार्यज्ञः सर्वज्ञस्तीक्ष्णदीधितिः।
सुरज्येष्ठः सुरपतिर्बहुज्ञो वचसाम्पतिः॥ ४२ ॥
तेजोनिधिर्बृहत्तेजा बृहत्कीर्तिर्बृहस्पतिः।
अहिमानूर्जितो धीमानामुक्तः कीर्तिवर्द्धनः॥ ४३ ॥
महावैद्यो गणपतिर्धनेशो गणनायकः।
तीव्रः प्रतापनस्तापी तापनो विश्वतापनः॥ ४४ ॥
कार्तस्वरो हृषीकेशः पद्मानन्दोऽतिनन्दितः।
पद्मनाभोऽमृताहारः स्थितिमान् केतुमान् नभः॥ ४५ ॥
अनाद्यन्तोऽच्युतो विश्वो विश्वामित्रो घृणिर्विराट्।
आमुक्तकवचो वाग्मी कञ्चुकी विश्वभावनः॥ ४६ ॥
अनिमित्तगतिः श्रेष्ठः शरण्यः सर्वतोमुखः।
विगाही वेणुरसहः समायुक्तः समाक्रतुः॥ ४७ ॥
धर्मकेतुर्धर्मरतिः संहर्ता संयमो यमः।
प्रणतार्तिहरो वायुः सिद्धकार्यो जनेश्वरः॥ ४८ ॥

नभोविगाहनः सत्यः सवितात्मा मनोहरः।
हारी हरिर्हरो वायुर्ऋतुः कालानलद्युतिः॥ ४९॥
सुखसेव्यो महातेजा जगतामेककारणम्।
महेन्द्रो विष्टुतः स्तोत्रं स्तुतिहेतुः प्रभाकरः॥ ५०॥
सहस्त्रकर आयुष्मानरोगदः सुखदः सुखी।
व्याधिहा सुखदः सौख्यं कल्याणं कलतां वरः॥ ५१॥
आरोग्यकारणं सिद्धिर्ऋद्धिर्वृद्धिर्बृहस्पतिः।
हिरण्यरेता आरोग्यं विद्वान् ब्रध्नो बुधो महान्॥ ५२॥
प्राणवान् धृतिमान् घर्मो घर्मकर्ता रुचिप्रदः।
सर्वप्रियः सर्वसहः सर्वशत्रुविनाशनः॥ ५३॥
प्रांशुर्विद्योतनो द्योतः सहस्त्रकिरणः कृती।
केयूरी भूषणोद्भासी भासितो भासनोऽनलः॥ ५४॥
शरण्यार्तिहरो होता खद्योतः खगसत्तमः।
सर्वद्योतो भवद्योतः सर्वद्युतिकरो मतः॥ ५५॥
कल्याणः कल्याणकरः कल्यः कल्यकरः कविः।
कल्याणकृत्कल्यवपुः सर्वकल्याणभाजनम्॥ ५६॥
शान्तिप्रियः प्रसन्नात्मा प्रशान्तः प्रशमप्रियः।
उदारकर्मा सुनयः सुवर्चा वर्चसोज्ज्वलः॥ ५७॥
वर्चस्वी वर्चसामीशस्त्रैलोक्येशो वशानुगः।
तेजस्वी सुयशा वर्ष्मी वर्णाध्यक्षो बलिप्रियः॥ ५८॥
यशस्वी तेजोनिलयस्तेजस्वी प्रकृतिस्थितः।
आकाशगः शीघ्रगतिराशुगो गतिमान् खगः॥ ५९॥

गोपतिर्ग्रहदेवेशो गोमानेकः प्रभञ्जनः।
जनिता प्रजनो जीवो दीपः सर्वप्रकाशकः॥ ६० ॥
सर्वसाक्षी योगनित्यो नभस्वानसुरान्तकः।
रक्षोघ्नो विघ्नशमनः किरीटी सुमनः प्रियः॥ ६१ ॥
मरीचिमाली सुमतिः कृताभिख्यविशेषकः।
शिष्टाचारः शुभाचारः स्वचाराचारतत्परः॥ ६२ ॥
मन्दारो माठरो वेणुः क्षुधापः क्ष्मापतिर्गुरुः।
सुविशिष्टो विशिष्टात्मा विधेयो ज्ञानशोभनः॥ ६३ ॥
महाश्वेतः प्रियो ज्ञेयः सामगो मोक्षदायकः।
सर्ववेदप्रगीतात्मा सर्ववेदलयो महान्॥ ६४ ॥
वेदमूर्तिश्चतुर्वेदो वेदभृद् वेदपारगः।
क्रियावानसितो जिष्णुर्वरीयांशुर्वरप्रदः॥ ६५ ॥
व्रतचारी व्रतधरो लोकबन्धुरलङ्कृतः।
अलङ्कारोऽक्षरो वेद्यो विद्यावान् विदिताशयः॥ ६६ ॥
आकारो भूषणो भूष्यो भूष्णुर्भुवनपूजितः।
चक्रपाणिर्ध्वजधरः सुरेशो लोकवत्सलः॥ ६७ ॥
वाग्मिपतिर्महाबाहुः प्रकृतिर्विकृतिर्गुणः।
अन्धकारापहः श्रेष्ठो युगावर्तो युगादिकृत्॥ ६८ ॥
अप्रमेयः सदायोगी निरहङ्कार ईश्वरः।
शुभप्रदः शुभः शास्ता शुभकर्मा शुभप्रदः॥ ६९ ॥
सत्यवाञ्श्रुतिमानुच्चैर्नकारो वृद्धिदोऽनलः।
बलभृद् बलदो बन्धुर्मतिमान् बलिनां वरः॥ ७० ॥

अनङ्गो नागराजेन्द्रः पद्मयोनिर्गणेश्वरः।
संवत्सर ऋतुर्नेता कालचक्रप्रवर्तकः॥ ७१॥
पद्मेक्षणः पद्मयोनिः प्रभावानमरः प्रभुः।
सुमूर्तिः सुमतिः सोमो गोविन्दो जगदादिजः॥ ७२॥
पीतवासाः कृष्णवासा दिग्वासास्त्विन्द्रियातिगः।
अतीन्द्रियोऽनेकरूपः स्कन्दः परपुरञ्जयः॥ ७३॥
शक्तिमाञ्जलधृग् भास्वान् मोक्षहेतुरयोनिजः।
सर्वदर्शी जितादर्शो दुःस्वप्नाशुभनाशनः॥ ७४॥
मङ्गल्यकर्ता तरणिर्वेगवान् कश्मलापहः।
स्पष्टाक्षरो महामन्त्रो विशाखो यजनप्रियः॥ ७५॥
विश्वकर्मा महाशक्तिर्द्युतिरीशो विहङ्गमः।
विचक्षणो दक्ष इन्द्रः प्रत्यूषः प्रियदर्शनः॥ ७६॥
अखिन्नो वेदनिलयो वेदविद् विदिताशयः।
प्रभाकरो जितरिपुः सुजनोऽरुणसारथिः॥ ७७॥
कुनाशी सुरतः स्कन्दो महितोऽभिमतो गुरुः।
ग्रहराजो ग्रहपतिर्ग्रहनक्षत्रमण्डलः॥ ७८॥
भास्करः सततानन्दो नन्दनो नरवाहनः।
मङ्गलोऽथ मङ्गलवान्माङ्गल्यो मङ्गलावहः॥ ७९॥
मङ्गल्यचारुचरितः शीर्णः सर्वव्रतो व्रती।
चतुर्मुखः पद्ममाली पूतात्मा प्रणतार्तिहा॥ ८०॥
अकिञ्चनः सतामीशो निर्गुणो गुणवाञ्शुचिः।
सम्पूर्णः पुण्डरीकाक्षो विधेयो योगतत्परः॥ ८१॥

सहस्रांशुः क्रतुमतिः सर्वज्ञः सुमतिः सुवाक् ।
सुवाहनो माल्यदामा कृताहारो हरिप्रियः ॥ ८२ ॥
ब्रह्मा प्रचेताः प्रथितः प्रयतात्मा स्थिरात्मकः ।
शतविन्दुः शतमुखो गरीयाननलप्रभः ॥ ८३ ॥
धीरो महत्तरो विप्रः पुराणपुरुषोत्तमः ।
विद्याराजाधिराजो हि विद्यावान् भूतिदः स्थितः ॥ ८४ ॥
अनिर्देश्यवपुः श्रीमान् विपाप्मा बहुमङ्गलः ।
स्वःस्थितः सुरथः स्वर्णो मोक्षदो बलिकेतनः ॥ ८५ ॥
निर्द्वन्द्वो द्वन्द्वहा स्वर्गः सर्वगः सम्प्रकाशकः ।
दयालुः सूक्ष्मधीः क्षान्तिः क्षेमाक्षेमस्थितिप्रियः ॥ ८६ ॥
भूधरो भूपतिर्वक्ता पवित्रात्मा त्रिलोचनः ।
महावराहः प्रियकृद् दाता भोक्ताभयप्रदः ॥ ८७ ॥
चक्रवर्ती धृतिकरः सम्पूर्णोऽथ महेश्वरः ।
चतुर्वेदधरोऽचिन्त्यो विनिन्द्यो विविधाशनः ॥ ८८ ॥
विचित्ररथ एकाकी सप्तसप्तिः परापरः ।
सर्वोदधिस्थितिकरः स्थितिस्थेयः स्थितिप्रियः ॥ ८९ ॥
निष्कलः पुष्कलो विभुर्वसुमान् वासवप्रियः ।
पशुमान् वासवस्वामी वसुधामा वसुप्रदः ॥ ९० ॥
बलवाञ्ज्ञानवांस्तत्त्वमोंकारस्त्रिषु संस्थितः ।
संकल्पयोनिर्दिनकृद् भगवान् कारणापहः ॥ ९१ ॥
नीलकण्ठो धनाध्यक्षश्चतुर्वेदप्रियंवदः ।
वषट्कारोद्गाता होता स्वाहाकारो हुताहुतिः ॥ ९२ ॥

जनार्दनो जनानन्दो नरो नारायणोऽम्बुदः।
संदेहनाशनो वायुर्धन्वी सुरनमस्कृतः॥ ९३ ॥
विग्रही विमलो विन्दुर्विशोको विमलद्युतिः।
द्युतिमान् द्योतनो विद्युद् विद्यावान् विदितो बली॥ ९४ ॥
घर्मदो हिमदो हासः कृष्णवर्त्मा सुताजितः।
सावित्रीभावितो राजा विश्वामित्रो घृणिर्विराट्॥ ९५ ॥
सप्तार्चिः सप्ततुरगः सप्तलोकनमस्कृतः।
सम्पूर्णोऽथ जगन्नाथः सुमनाः शोभनप्रियः॥ ९६ ॥
सर्वात्मा सर्वकृत् सृष्टिः सप्तिमान् सप्तमीप्रियः।
सुमेधा मेधिको मेध्यो मेधावी मधुसूदनः॥ ९७ ॥
अङ्गिरः पतिः कालज्ञो धूमकेतुः सुकेतनः।
सुखी सुखप्रदः सौख्यः कान्तिः कान्तिप्रियो मुनिः॥ ९८ ॥
संतापनः संतपन आतपस्तपसां पतिः।
उमापतिः सहस्त्रांशुः प्रियकारी प्रियंकरः॥ ९९ ॥
प्रीतिर्विमन्युरम्भोत्थः खञ्जनो जगताम्पतिः।
जगत्पिता प्रीतमनाः सर्वः खर्वो गुहोऽचलः॥ १०० ॥
सर्वगो जगदानन्दो जगन्नेता सुरारिहा।
श्रेयः श्रेयस्करो ज्यायान् महानुत्तम उद्भवः॥ १०१ ॥
उत्तमो मेरुमेयोऽथ धरणो धरणीधरः।
धराध्यक्षो धर्मराजो धर्माधर्मप्रवर्त्तकः॥ १०२ ॥
रथाध्यक्षो रथगतिस्तरुणस्तनितोऽनलः।
उत्तरोऽनुत्तरस्तापी अवाक्पतिरपाम्पतिः॥ १०३ ॥

पुण्यसंकीर्तनः पुण्यो हेतुर्लोकत्रयाश्रयः।
स्वर्भानुर्विगतानन्दो विशिष्टोत्कृष्टकर्मकृत्॥ १०४॥
व्याधिप्रणाशनः क्षेमः शूरः सर्वजितां वरः।
एकरथो रथाधीशः पिता शनैश्चरस्य हि॥ १०५॥
वैवस्वतगुरुर्मृत्युर्धर्मनित्यो महाव्रतः।
प्रलम्बहारसंचारी प्रद्योतो द्योतितानलः॥ १०६॥
संतापहृत् परो मन्त्रो मन्त्रमूर्तिर्महाबलः।
श्रेष्ठात्मा सुप्रियः शम्भुर्मरुतामीश्वरेश्वरः॥ १०७॥
संसारगतिविच्छेत्ता संसारार्णवतारकः।
सप्तजिह्वः सहस्रार्ची रत्नगर्भोऽपराजितः॥ १०८॥
धर्मकेतुरमेयात्मा धर्माधर्मवरप्रदः।
लोकसाक्षी लोकगुरुर्लोकेशश्चण्डवाहनः॥ १०९॥
धर्मयूपो यूपवृक्षो धनुष्पाणिर्धनुर्धरः।
पिनाकधृङ्महोत्साहो महामायो महाशनः॥ ११०॥
वीरः शक्तिमतां श्रेष्ठः सर्वशस्त्रभृतां वरः।
ज्ञानगम्यो दुराराध्यो लोहिताङ्गो विवर्द्धनः॥ १११॥
खगोऽन्धो धर्मदो नित्यो धर्मकृच्चित्रविक्रमः।
भगवानात्मवान् मन्त्रस्त्र्यक्षरो नीललोहितः॥ ११२॥
एकोऽनेकस्त्रयी कालः सविता समितिञ्जयः।
शार्ङ्गधन्वानलो भीमः सर्वप्रहरणायुधः॥ ११३॥
सुकर्मा परमेष्ठी च नाकपाली दिविस्थितः।
वदान्यो वासुकिर्वैद्य आत्रेयोऽथ पराक्रमः॥ ११४॥

द्वापरः परमोदारः परमो ब्रह्मचर्यवान्।
उदीच्यवेशो मुकुटी पद्महस्तो हिमांशुभृत्॥ ११५॥
सितः प्रसन्नवदनः पद्मोदरनिभाननः।
सायं दिवा दिव्यवपुरनिर्देश्यो महालयः॥ ११६॥
महारथो महानीशः शेषः सत्त्वरजस्तमः।
धृतातपत्रप्रतिमो विमर्षी निर्णयः स्थितः॥ ११७॥
अहिंसकः शुद्धमतिरद्वितीयो विवर्द्धनः।
सर्वदो धनदो मोक्षो विहारी बहुदायकः॥ ११८॥
चारुरात्रिहरो नाथो भगवान् सर्वगोऽव्ययः।
मनोहरवपुः शुभ्रः शोभनः सुप्रभावनः॥ ११९॥
सुप्रभावः सुप्रतापः सुनेत्रो दिग्विदिक्पतिः।
राज्ञीप्रियः शब्दकरो ग्रहेशस्तिमिरापहः॥ १२०॥
सैंहिकेयरिपुर्देवो वरदो वरनायकः।
चतुर्भुजो महायोगी योगीश्वरपतिस्तथा॥ १२१॥
अनादिरूपोऽदितिजो रत्नकान्तिः प्रभामयः।
जगत्प्रदीपो विस्तीर्णो महाविस्तीर्णमण्डलः॥ १२२॥
एकचक्ररथः स्वर्णरथः स्वर्णशरीरधृक्।
निरालम्बो गगनगो धर्मकर्मप्रभावकृत्॥ १२३॥
धर्मात्मा कर्मणां साक्षी प्रत्यक्ष परमेश्वरः।
मेरुसेवी सुमेधावी मेरुरक्षाकरो महान्॥ १२४॥
आधारभूतो रतिमांस्तथा च धनधान्यकृत्।
पापसन्तापहर्ता च मनोवाञ्छितदायकः॥ १२५॥
रोगहर्ता राज्यदायी रमणीयगुणोऽनृणी।
कालत्रयानन्तरूपो मुनिवृन्दनमस्कृतः॥ १२६॥

सन्ध्यारागकरः सिद्धः सन्ध्यावन्दनवन्दितः।
साम्राज्यदाननिरतः समाराधनतोषवान्॥ १२७॥
भक्तदुःखक्षयकरो भवसागरतारकः।
भयापहर्ता भगवानप्रमेयपराक्रमः।
मनुस्वामी मनुपतिर्मान्यो मन्वन्तराधिपः॥ १२८॥

॥ फलश्रुतिः॥

एतत्ते सर्वमाख्यातं यन्मां त्वं परिपृच्छसि।
नाम्नां सहस्त्रं सवितुः पाराशर्यो यदाह मे॥ १२९॥
धन्यं यशस्यमायुष्यं दुःखदुःस्वप्ननाशनम्।
बन्धमोक्षकरं चैव भानोर्नामानुकीर्तनात्॥ १३०॥
यस्त्विदं शृणुयान्नित्यं पठेद् वा प्रयतो नरः।
अक्षयं सुखमन्नाद्यं भवेत्तस्योपसाधितम्॥ १३१॥
नृपाग्नितस्करभयं व्याधितो न भयं भवेत्।
विजयी च भवेन्नित्यमाश्रयं परमाप्नुयात्॥ १३२॥
कीर्तिमान् सुभगो विद्वान् स सुखी प्रियदर्शनः।
जीवेद् वर्षशतायुश्च सर्वव्याधिविवर्जितः॥ १३३॥
नाम्नां सहस्त्रमिदमंशुमतः पठेद् यः
प्रातः शुचिर्नियमवान् सुसमृद्धियुक्तः।
दूरेण तं परिहरन्ति सदैव रोगा
भूताः सुपर्णमिव सर्वमहोरगेन्द्राः॥ १३४॥

॥ इति श्रीभविष्यपुराणे सप्तमकल्पे श्रीभगवत्सूर्यस्य सहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीसूर्याय नमः ॥

श्रीसूर्यसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ विश्वविदे नमः।
२ ॐ विश्वजिते नमः।
३ ॐ कर्त्रे नमः।
४ ॐ विश्वात्मने नमः।
५ ॐ विश्वतोमुखाय नमः।
६ ॐ विश्वेश्वराय नमः।
७ ॐ विश्वयोनये नमः।
८ ॐ नियतात्मने नमः।
९ ॐ जितेन्द्रियाय नमः।
१० ॐ कालाश्रयाय नमः।
११ ॐ कालकर्त्रे नमः।
१२ ॐ कालघ्ने नमः।
१३ ॐ कालनाशनाय नमः।
१४ ॐ महायोगिने नमः।
१५ ॐ महासिद्धये नमः।
१६ ॐ महात्मने नमः।
१७ ॐ सुमहाबलाय नमः।
१८ ॐ प्रभवे नमः।
१९ ॐ विभवे नमः।
२० ॐ भूतनाथाय नमः।
२१ ॐ भूतात्मने नमः।
२२ ॐ भुवनेश्वराय नमः।
२३ ॐ भूतभव्याय नमः।
२४ ॐ भावितात्मने नमः।
२५ ॐ भूतान्तःकरणाय नमः।
२६ ॐ शिवाय नमः।
२७ ॐ शरण्याय नमः।
२८ ॐ कमलानन्दाय नमः।
२९ ॐ नन्दनाय नमः।
३० ॐ नन्दवर्द्धनाय नमः।
३१ ॐ वरेण्याय नमः।
३२ ॐ वरदाय नमः।
३३ ॐ योगिने नमः।
३४ ॐ सुसंयुक्ताय नमः।
३५ ॐ प्रकाशकाय नमः।
३६ ॐ प्राप्तयानाय नमः।
३७ ॐ परप्राणाय नमः।
३८ ॐ पूतात्मने नमः।
३९ ॐ प्रयताय नमः।
४० ॐ प्रियाय नमः।
४१ ॐ नयाय नमः।
४२ ॐ सहस्त्रपदे नमः।
४३ ॐ साधवे नमः।
४४ ॐ दिव्यकुण्डलमण्डिताय नमः।
४५ ॐ अव्यङ्गधारिणे नमः।
४६ ॐ धीरात्मने नमः।

४७ ॐ सवित्रे नमः।
४८ ॐ वायुवाहनाय नमः।
४९ ॐ समाहितमतये नमः।
५० ॐ दात्रे नमः।
५१ ॐ विधात्रे नमः।
५२ ॐ कृतमङ्गलाय नमः।
५३ ॐ कपर्दिने नमः।
५४ ॐ कल्पपदे नमः।
५५ ॐ रुद्राय नमः।
५६ ॐ सुमनसे नमः।
५७ ॐ धर्मवत्सलाय नमः।
५८ ॐ समायुक्ताय नमः।
५९ ॐ विमुक्तात्मने नमः।
६० ॐ कृतात्मने नमः।
६१ ॐ कृतिनां वराय नमः।
६२ ॐ अविचिन्त्यवपुषे नमः।
६३ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
६४ ॐ महायोगिने नमः।
६५ ॐ महेश्वराय नमः।
६६ ॐ कान्ताय नमः।
६७ ॐ कामारये नमः।
६८ ॐ आदित्याय नमः।
६९ ॐ नियतात्मने नमः।
७० ॐ निराकुलाय नमः।
७१ ॐ कामाय नमः।
७२ ॐ कारुणिकाय नमः।
७३ ॐ कर्त्रे नमः।
७४ ॐ कमलाकरबोधनाय नमः।
७५ ॐ सप्तसप्तये नमः।
७६ ॐ अचिन्त्यात्मने नमः।
७७ ॐ महाकारुणिकोत्तमाय नमः।
७८ ॐ संजीवनाय नमः।
७९ ॐ जीवनाथाय नमः।
८० ॐ जयाय नमः।
८१ ॐ जीवाय नमः।
८२ ॐ जगत्पतये नमः।
८३ ॐ अयुक्ताय नमः।
८४ ॐ विश्वनिलयाय नमः।
८५ ॐ संविभागिने नमः।
८६ ॐ वृषध्वजाय नमः।
८७ ॐ वृषाकपये नमः।
८८ ॐ कल्पकर्त्रे नमः।
८९ ॐ कल्पान्तकरणाय नमः।
९० ॐ रवये नमः।
९१ ॐ एकचक्ररथाय नमः।
९२ ॐ मौनिने नमः।
९३ ॐ सुरथाय नमः।
९४ ॐ रथिनां वराय नमः।
९५ ॐ सक्रोधनाय नमः।
९६ ॐ रश्मिमालिने नमः।
९७ ॐ तेजोराशये नमः।
९८ ॐ विभावसवे नमः।
९९ ॐ दिव्यकृते नमः।
१०० ॐ दिनकृते नमः।
१०१ ॐ देवाय नमः।
१०२ ॐ देवदेवाय नमः।
१०३ ॐ दिवस्पतये नमः।
१०४ ॐ दीननाथाय नमः।

१०५ ॐ हराय नमः।
१०६ ॐ होत्रे नमः।
१०७ ॐ दिव्यबाहवे नमः।
१०८ ॐ दिवाकराय नमः।
१०९ ॐ यज्ञाय नमः।
११० ॐ यज्ञपतये नमः।
१११ ॐ पूष्णे नमः।
११२ ॐ स्वर्णरेतसे नमः।
११३ ॐ परावराय नमः।
११४ ॐ परापरज्ञाय नमः।
११५ ॐ तरणये नमः।
११६ ॐ अंशुमालिने नमः।
११७ ॐ मनोहराय नमः।
११८ ॐ प्राज्ञाय नमः।
११९ ॐ प्राज्ञपतये नमः।
१२० ॐ सूर्याय नमः।
१२१ ॐ सवित्रे नमः।
१२२ ॐ विष्णवे नमः।
१२३ ॐ अंशुमते नमः।
१२४ ॐ सदागतये नमः।
१२५ ॐ गन्धवहाय नमः।
१२६ ॐ विहिताय नमः।
१२७ ॐ विधये नमः।
१२८ ॐ आशुगाय नमः।
१२९ ॐ पतङ्गाय नमः।
१३० ॐ पतगाय नमः।
१३१ ॐ स्थाणवे नमः।
१३२ ॐ विहङ्गाय नमः।
१३३ ॐ विहगाय नमः।
१३४ ॐ वराय नमः।
१३५ ॐ हर्यश्वाय नमः।
१३६ ॐ हरिताश्वाय नमः।
१३७ ॐ हरिदश्वाय नमः।
१३८ ॐ जगत्प्रियाय नमः।
१३९ ॐ त्र्यम्बकाय नमः।
१४० ॐ सर्वदमनाय नमः।
१४१ ॐ भावितात्मने नमः।
१४२ ॐ भिषग्वराय नमः।
१४३ ॐ आलोककृते नमः।
१४४ ॐ लोकनाथाय नमः।
१४५ ॐ लोकालोकनमस्कृताय नमः
१४६ ॐ कालाय नमः।
१४७ ॐ कल्पान्तकाय नमः।
१४८ ॐ वह्नये नमः।
१४९ ॐ तपनाय नमः।
१५० ॐ सम्प्रतापनाय नमः।
१५१ ॐ विलोचनाय नमः।
१५२ ॐ विरूपाक्षाय नमः।
१५३ ॐ सहस्राक्षाय नमः।
१५४ ॐ पुरंदराय नमः।
१५५ ॐ सहस्ररश्मये नमः।
१५६ ॐ मिहिराय नमः।
१५७ ॐ विविधाम्बरभूषणाय नमः।
१५८ ॐ खगाय नमः।
१५९ ॐ प्रतर्दनाय नमः।
१६० ॐ धन्याय नमः।
१६१ ॐ हयगाय नमः।
१६२ ॐ वाग्विशारदाय नमः।

१६३ ॐ श्रीमते नमः।
१६४ ॐ अशिशिराय नमः।
१६५ ॐ वाग्मिने नमः।
१६६ ॐ श्रीपतये नमः।
१६७ ॐ श्रीनिकेतनाय नमः।
१६८ ॐ श्रीकण्ठाय नमः।
१६९ ॐ श्रीधराय नमः।
१७० ॐ श्रीमते नमः।
१७१ ॐ श्रीनिवासाय नमः।
१७२ ॐ वसुप्रदाय नमः।
१७३ ॐ कामचारिणे नमः।
१७४ ॐ महामायाय नमः।
१७५ ॐ महोग्राय नमः।
१७६ ॐ अविदितामयाय नमः।
१७७ ॐ तीर्थक्रियावते नमः।
१७८ ॐ सुनयाय नमः।
१७९ ॐ विभक्ताय नमः।
१८० ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
१८१ ॐ कीर्तये नमः।
१८२ ॐ कीर्तिकराय नमः।
१८३ ॐ नित्याय नमः।
१८४ ॐ कुण्डलिने नमः।
१८५ ॐ कवचिने नमः।
१८६ ॐ रथिने नमः।
१८७ ॐ हिरण्यरेतसे नमः।
१८८ ॐ सप्ताश्वाय नमः।
१८९ ॐ प्रयतात्मने नमः।
१९० ॐ परंतपाय नमः।
१९१ ॐ बुद्धिमते नमः।
१९२ ॐ अमरश्रेष्ठाय नमः।
१९३ ॐ रोचिष्णवे नमः।
१९४ ॐ पाकशासनाय नमः।
१९५ ॐ समुद्राय नमः।
१९६ ॐ धनदाय नमः।
१९७ ॐ धात्रे नमः।
१९८ ॐ मान्धात्रे नमः।
१९९ ॐ कश्मलापहाय नमः।
२०० ॐ तमोघ्नाय नमः।
२०१ ॐ ध्वान्तघ्ने नमः।
२०२ ॐ वह्नये नमः।
२०३ ॐ होत्रे नमः।
२०४ ॐ अन्तःकरणाय नमः।
२०५ ॐ गुहाय नमः।
२०६ ॐ पशुमते नमः।
२०७ ॐ प्रयतानन्दाय नमः।
२०८ ॐ भूतेशाय नमः।
२०९ ॐ श्रीमतां वराय नमः।
२१० ॐ नित्योदिताय नमः।
२११ ॐ नित्यरथाय नमः।
२१२ ॐ सुरेशाय नमः।
२१३ ॐ सुरपूजिताय नमः।
२१४ ॐ अजिताय नमः।
२१५ ॐ विजिताय नमः।
२१६ ॐ जेत्रे नमः।
२१७ ॐ जङ्गमस्थावरात्मकाय नमः।
२१८ ॐ जीवानन्दाय नमः।
२१९ ॐ नित्यगामिने नमः।
२२० ॐ विजेत्रे नमः।

२२१ ॐ विजयप्रदाय नमः।
२२२ ॐ पर्जन्याय नमः।
२२३ ॐ अग्नये नमः।
२२४ ॐ स्थितये नमः।
२२५ ॐ स्थेयाय नमः।
२२६ ॐ स्थविराय नमः।
२२७ ॐ निरञ्जनाय नमः।
२२८ ॐ प्रद्योतनाय नमः।
२२९ ॐ रथारूढाय नमः।
२३० ॐ सर्वलोकप्रकाशकाय नमः।
२३१ ॐ ध्रुवाय नमः।
२३२ ॐ मेषिणे नमः।
२३३ ॐ महावीर्याय नमः।
२३४ ॐ हंसाय नमः।
२३५ ॐ संसारतारकाय नमः।
२३६ ॐ सृष्टिकर्त्रे नमः।
२३७ ॐ क्रियाहेतवे नमः।
२३८ ॐ मार्तण्डाय नमः।
२३९ ॐ मरुतां पत्ये नमः।
२४० ॐ मरुत्वते नमः।
२४१ ॐ दहनाय नमः।
२४२ ॐ त्वष्ट्रे नमः।
२४३ ॐ भगाय नमः।
२४४ ॐ भर्गाय नमः।
२४५ ॐ अर्यम्णे नमः।
२४६ ॐ कपये नमः।
२४७ ॐ वरुणेशाय नमः।
२४८ ॐ जगन्नाथाय नमः।
२४९ ॐ कृतकृत्याय नमः।
२५० ॐ सुलोचनाय नमः।
२५१ ॐ विवस्वते नमः।
२५२ ॐ भानुमते नमः।
२५३ ॐ कार्याय नमः।
२५४ ॐ कारणाय नमः।
२५५ ॐ तेजसां निधये नमः।
२५६ ॐ असङ्गगामिने नमः।
२५७ ॐ तिग्मांशवे नमः।
२५८ ॐ घर्मांशवे नमः।
२५९ ॐ दीप्तदीधितये नमः।
२६० ॐ सहस्त्रदीधितये नमः।
२६१ ॐ ब्रध्नाय नमः।
२६२ ॐ सहस्त्रांशवे नमः।
२६३ ॐ दिवाकराय नमः।
२६४ ॐ गभस्तिमते नमः।
२६५ ॐ दीधितिमते नमः।
२६६ ॐ स्त्रग्विणे नमः।
२६७ ॐ मणिकुलद्युतये नमः।
२६८ ॐ भास्कराय नमः।
२६९ ॐ सुरकार्यज्ञाय नमः।
२७० ॐ सर्वज्ञाय नमः।
२७१ ॐ तीक्ष्णदीधितये नमः।
२७२ ॐ सुरज्येष्ठाय नमः।
२७३ ॐ सुरपतये नमः।
२७४ ॐ बहुज्ञाय नमः।
२७५ ॐ वचसाम्पत्ये नमः।
२७६ ॐ तेजोनिधये नमः।
२७७ ॐ बृहत्तेजसे नमः।
२७८ ॐ बृहत्कीर्तये नमः।

२७९ ॐ बृहस्पतये नमः।
२८० ॐ अहिमते नमः।
२८१ ॐ ऊर्जिताय नमः।
२८२ ॐ धीमते नमः।
२८३ ॐ आमुक्ताय नमः।
२८४ ॐ कीर्तिवर्द्धनाय नमः।
२८५ ॐ महावैद्याय नमः।
२८६ ॐ गणपतये नमः।
२८७ ॐ धनेशाय नमः।
२८८ ॐ गणनायकाय नमः।
२८९ ॐ तीव्राय नमः।
२९० ॐ प्रतापनाय नमः।
२९१ ॐ तापिने नमः।
२९२ ॐ तापनाय नमः।
२९३ ॐ विश्वतापनाय नमः।
२९४ ॐ कार्तस्वराय नमः।
२९५ ॐ हृषीकेशाय नमः।
२९६ ॐ पद्मानन्दाय नमः।
२९७ ॐ अतिनन्दिताय नमः।
२९८ ॐ पद्मनाभाय नमः।
२९९ ॐ अमृताहाराय नमः।
३०० ॐ स्थितिमते नमः।
३०१ ॐ केतुमते नमः।
३०२ ॐ नभसे नमः।
३०३ ॐ अनाद्यन्ताय नमः।
३०४ ॐ अच्युताय नमः।
३०५ ॐ विश्वस्मै नमः।
३०६ ॐ विश्वामित्राय नमः।
३०७ ॐ घृणये नमः।
३०८ ॐ विराजे नमः।
३०९ ॐ आमुक्तकवचाय नमः।
३१० ॐ वाग्मिने नमः।
३११ ॐ कञ्चुकिने नमः।
३१२ ॐ विश्वभावनाय नमः।
३१३ ॐ अनिमित्तगतये नमः।
३१४ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
३१५ ॐ शरण्याय नमः।
३१६ ॐ सर्वतोमुखाय नमः।
३१७ ॐ विगाहिने नमः।
३१८ ॐ वेणवे नमः।
३१९ ॐ असहाय नमः।
३२० ॐ समायुक्ताय नमः।
३२१ ॐ समाक्रतवे नमः।
३२२ ॐ धर्मकेतवे नमः।
३२३ ॐ धर्मरतये नमः।
३२४ ॐ संहर्त्रे नमः।
३२५ ॐ संयमाय नमः।
३२६ ॐ यमाय नमः।
३२७ ॐ प्रणतार्तिहराय नमः।
३२८ ॐ वायवे नमः।
३२९ ॐ सिद्धकार्याय नमः।
३३० ॐ जनेश्वराय नमः।
३३१ ॐ नभोविगाहनाय नमः।
३३२ ॐ सत्याय नमः।
३३३ ॐ सवितात्मने नमः।
३३४ ॐ मनोहराय नमः।
३३५ ॐ हारिणे नमः।
३३६ ॐ हरये नमः।

३३७ ॐ हराय नमः।
३३८ ॐ वायवे नमः।
३३९ ॐ ऋतवे नमः।
३४० ॐ कालानलद्युतये नमः।
३४१ ॐ सुखसेव्याय नमः।
३४२ ॐ महातेजसे नमः।
३४३ ॐ जगतामेककारणाय नमः।
३४४ ॐ महेन्द्राय नमः।
३४५ ॐ विष्टुताय नमः।
३४६ ॐ स्तोत्राय नमः।
३४७ ॐ स्तुतिहेतवे नमः।
३४८ ॐ प्रभाकराय नमः।
३४९ ॐ सहस्त्रकराय नमः।
३५० ॐ आयुष्मते नमः।
३५१ ॐ अरोगदाय नमः।
३५२ ॐ सुखदाय नमः।
३५३ ॐ सुखिने नमः।
३५४ ॐ व्याधिघ्ने नमः।
३५५ ॐ सुखदाय नमः।
३५६ ॐ सौख्याय नमः।
३५७ ॐ कल्याणाय नमः।
३५८ ॐ कलतां वराय नमः।
३५९ ॐ आरोग्यकारणाय नमः।
३६० ॐ सिद्धये नमः।
३६१ ॐ ऋद्धये नमः।
३६२ ॐ वृद्धये नमः।
३६३ ॐ बृहस्पतये नमः।
३६४ ॐ हिरण्यरेतसे नमः।
३६५ ॐ आरोग्याय नमः।
३६६ ॐ विदुषे नमः।
३६७ ॐ ब्रध्नाय नमः।
३६८ ॐ बुधाय नमः।
३६९ ॐ महते नमः।
३७० ॐ प्राणवते नमः।
३७१ ॐ धृतिमते नमः।
३७२ ॐ घर्माय नमः।
३७३ ॐ घर्मकर्त्रे नमः।
३७४ ॐ रुचिप्रदाय नमः।
३७५ ॐ सर्वप्रियाय नमः।
३७६ ॐ सर्वसहाय नमः।
३७७ ॐ सर्वशत्रुविनाशनाय नमः।
३७८ ॐ प्रांशवे नमः।
३७९ ॐ विद्योतनाय नमः।
३८० ॐ द्योताय नमः।
३८१ ॐ सहस्त्रकिरणाय नमः।
३८२ ॐ कृतिने नमः।
३८३ ॐ केयूरिणे नमः।
३८४ ॐ भूषणोद्भासिने नमः।
३८५ ॐ भासिताय नमः।
३८६ ॐ भासनाय नमः।
३८७ ॐ अनलाय नमः।
३८८ ॐ शरण्यार्तिहराय नमः।
३८९ ॐ होत्रे नमः।
३९० ॐ खद्योताय नमः।
३९१ ॐ खगसत्तमाय नमः।
३९२ ॐ सर्वद्योताय नमः।
३९३ ॐ भवद्योताय नमः।
३९४ ॐ सर्वद्युतिकराय नमः।

३९५ ॐ मताय नमः।
३९६ ॐ कल्याणाय नमः।
३९७ ॐ कल्याणकराय नमः।
३९८ ॐ कल्याय नमः।
३९९ ॐ कल्यकराय नमः।
४०० ॐ कवये नमः।
४०१ ॐ कल्याणकृते नमः।
४०२ ॐ कल्यवपुषे नमः।
४०३ ॐ सर्वकल्याणभाजनाय नमः।
४०४ ॐ शान्तिप्रियाय नमः।
४०५ ॐ प्रसन्नात्मने नमः।
४०६ ॐ प्रशान्ताय नमः।
४०७ ॐ प्रशमप्रियाय नमः।
४०८ ॐ उदारकर्मणे नमः।
४०९ ॐ सुनयाय नमः।
४१० ॐ सुवर्चसे नमः।
४११ ॐ वर्चसोज्ज्वलाय नमः।
४१२ ॐ वर्चस्विने नमः।
४१३ ॐ वर्चसामीशाय नमः।
४१४ ॐ त्रैलोक्येशाय नमः।
४१५ ॐ वशानुगाय नमः।
४१६ ॐ तेजस्विने नमः।
४१७ ॐ सुयशसे नमः।
४१८ ॐ वर्ष्मिणे नमः।
४१९ ॐ वर्णाध्यक्षाय नमः।
४२० ॐ बलिप्रियाय नमः।
४२१ ॐ यशस्विने नमः।
४२२ ॐ तेजोनिलयाय नमः।
४२३ ॐ तेजस्विने नमः।
४२४ ॐ प्रकृतिस्थिताय नमः।
४२५ ॐ आकाशगाय नमः।
४२६ ॐ शीघ्रगतये नमः।
४२७ ॐ आशुगाय नमः।
४२८ ॐ गतिमते नमः।
४२९ ॐ खगाय नमः।
४३० ॐ गोपतये नमः।
४३१ ॐ ग्रहदेवेशाय नमः।
४३२ ॐ गोमते नमः।
४३३ ॐ एकस्मै नमः।
४३४ ॐ प्रभञ्जनाय नमः।
४३५ ॐ जनित्रे नमः।
४३६ ॐ प्रजनाय नमः।
४३७ ॐ जीवाय नमः।
४३८ ॐ दीपाय नमः।
४३९ ॐ सर्वप्रकाशकाय नमः।
४४० ॐ सर्वसाक्षिणे नमः।
४४१ ॐ योगनित्याय नमः।
४४२ ॐ नभस्वते नमः।
४४३ ॐ असुरान्तकाय नमः।
४४४ ॐ रक्षोघ्नाय नमः।
४४५ ॐ विघ्नशमनाय नमः।
४४६ ॐ किरीटिने नमः।
४४७ ॐ सुमनः प्रियाय नमः।
४४८ ॐ मरीचिमालिने नमः।
४४९ ॐ सुमतये नमः।
४५० ॐ कृताभिख्यविशेषकाय नमः।
४५१ ॐ शिष्टाचाराय नमः।
४५२ ॐ शुभाचाराय नमः।

४५३ ॐ स्वचाराचारतत्पराय नमः।
४५४ ॐ मन्दाराय नमः।
४५५ ॐ माठराय नमः।
४५६ ॐ वेणवे नमः।
४५७ ॐ क्षुधापाय नमः।
४५८ ॐ क्ष्मापतये नमः।
४५९ ॐ गुरवे नमः।
४६० ॐ सुविशिष्टाय नमः।
४६१ ॐ विशिष्टात्मने नमः।
४६२ ॐ विधेयाय नमः।
४६३ ॐ ज्ञानशोभनाय नमः।
४६४ ॐ महाश्वेताय नमः।
४६५ ॐ प्रियाय नमः।
४६६ ॐ ज्ञेयाय नमः।
४६७ ॐ सामगाय नमः।
४६८ ॐ मोक्षदायकाय नमः।
४६९ ॐ सर्ववेदप्रगीतात्मने नमः।
४७० ॐ सर्ववेदलयाय नमः।
४७१ ॐ महते नमः।
४७२ ॐ वेदमूर्तये नमः।
४७३ ॐ चतुर्वेदाय नमः।
४७४ ॐ वेदभृते नमः।
४७५ ॐ वेदपारगाय नमः।
४७६ ॐ क्रियावते नमः।
४७७ ॐ असिताय नमः।
४७८ ॐ जिष्णवे नमः।
४७९ ॐ वरीयांशवे नमः।
४८० ॐ वरप्रदाय नमः।
४८१ ॐ व्रतचारिणे नमः।
४८२ ॐ व्रतधराय नमः।
४८३ ॐ लोकबन्धवे नमः।
४८४ ॐ अलङ्कृताय नमः।
४८५ ॐ अलङ्काराय नमः।
४८६ ॐ अक्षराय नमः।
४८७ ॐ वेद्याय नमः।
४८८ ॐ विद्यावते नमः।
४८९ ॐ विदिताशयाय नमः।
४९० ॐ आकाराय नमः।
४९१ ॐ भूषणाय नमः।
४९२ ॐ भूष्याय नमः।
४९३ ॐ भूष्णवे नमः।
४९४ ॐ भुवनपूजिताय नमः।
४९५ ॐ चक्रपाणये नमः।
४९६ ॐ ध्वजधराय नमः।
४९७ ॐ सुरेशाय नमः।
४९८ ॐ लोकवत्सलाय नमः।
४९९ ॐ वाग्मिपतये नमः।
५०० ॐ महाबाहवे नमः।
५०१ ॐ प्रकृतये नमः।
५०२ ॐ विकृतये नमः।
५०३ ॐ गुणाय नमः।
५०४ ॐ अन्धकारापहाय नमः।
५०५ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
५०६ ॐ युगावर्ताय नमः।
५०७ ॐ युगादिकृते नमः।
५०८ ॐ अप्रमेयाय नमः।
५०९ ॐ सदायोगिने नमः।
५१० ॐ निरहङ्काराय नमः।

५११ ॐ ईश्वराय नमः।
५१२ ॐ शुभप्रदाय नमः।
५१३ ॐ शुभाय नमः।
५१४ ॐ शास्त्रे नमः।
५१५ ॐ शुभकर्मणे नमः।
५१६ ॐ शुभप्रदाय नमः।
५१७ ॐ सत्यवते नमः।
५१८ ॐ श्रुतिमते नमः।
५१९ ॐ उच्चैर्नकाराय नमः।
५२० ॐ वृद्धिदाय नमः।
५२१ ॐ अनलाय नमः।
५२२ ॐ बलभृते नमः।
५२३ ॐ बलदाय नमः।
५२४ ॐ बन्धवे नमः।
५२५ ॐ मतिमते नमः।
५२६ ॐ बलिनां वराय नमः।
५२७ ॐ अनङ्गाय नमः।
५२८ ॐ नागराजेन्द्राय नमः।
५२९ ॐ पद्मयोनये नमः।
५३० ॐ गणेश्वराय नमः।
५३१ ॐ संवत्सराय नमः।
५३२ ॐ ऋतवे नमः।
५३३ ॐ नेत्रे नमः।
५३४ ॐ कालचक्रप्रवर्तकाय नमः।
५३५ ॐ पद्मेक्षणाय नमः।
५३६ ॐ पद्मयोनये नमः।
५३७ ॐ प्रभावते नमः।
५३८ ॐ अमराय नमः।
५३९ ॐ प्रभवे नमः।
५४० ॐ सुमूर्तये नमः।
५४१ ॐ सुमतये नमः।
५४२ ॐ सोमाय नमः।
५४३ ॐ गोविन्दाय नमः।
५४४ ॐ जगदादिजाय नमः।
५४५ ॐ पीतवाससे नमः।
५४६ ॐ कृष्णवाससे नमः।
५४७ ॐ दिग्वाससे नमः।
५४८ ॐ इन्द्रियातिगाय नमः।
५४९ ॐ अतीन्द्रियाय नमः।
५५० ॐ अनेकरूपाय नमः।
५५१ ॐ स्कन्दाय नमः।
५५२ ॐ परपुरञ्जयाय नमः।
५५३ ॐ शक्तिमते नमः।
५५४ ॐ जलधृजे नमः।
५५५ ॐ भास्वते नमः।
५५६ ॐ मोक्षहेतवे नमः।
५५७ ॐ अयोनिजाय नमः।
५५८ ॐ सर्वदर्शिने नमः।
५५९ ॐ जितादर्शाय नमः।
५६० ॐ दुःस्वप्नाशुभनाशनाय नमः।
५६१ ॐ मङ्गल्यकर्त्रे नमः।
५६२ ॐ तरणये नमः।
५६३ ॐ वेगवते नमः।
५६४ ॐ कश्मलापहाय नमः।
५६५ ॐ स्पष्टाक्षराय नमः।
५६६ ॐ महामन्त्राय नमः।
५६७ ॐ विशाखाय नमः।
५६८ ॐ यजनप्रियाय नमः।

५६९ ॐ विश्वकर्मणे नमः।
५७० ॐ महाशक्तये नमः।
५७१ ॐ द्युतये नमः।
५७२ ॐ ईशाय नमः।
५७३ ॐ विहङ्गमाय नमः।
५७४ ॐ विचक्षणाय नमः।
५७५ ॐ दक्षाय नमः।
५७६ ॐ इन्द्राय नमः।
५७७ ॐ प्रत्यूषाय नमः।
५७८ ॐ प्रियदर्शनाय नमः।
५७९ ॐ अखिन्नाय नमः।
५८० ॐ वेदनिलयाय नमः।
५८१ ॐ वेदविदे नमः।
५८२ ॐ विदिताशयाय नमः।
५८३ ॐ प्रभाकराय नमः।
५८४ ॐ जितरिपवे नमः।
५८५ ॐ सुजनाय नमः।
५८६ ॐ अरुणसारथये नमः।
५८७ ॐ कुनाशिने नमः।
५८८ ॐ सुरताय नमः।
५८९ ॐ स्कन्दाय नमः।
५९० ॐ महिताय नमः।
५९१ ॐ अभिमताय नमः।
५९२ ॐ गुरवे नमः।
५९३ ॐ ग्रहराजाय नमः।
५९४ ॐ ग्रहपतये नमः।
५९५ ॐ ग्रहनक्षत्रमण्डलाय नमः।
५९६ ॐ भास्कराय नमः।
५९७ ॐ सततानन्दाय नमः।
५९८ ॐ नन्दनाय नमः।
५९९ ॐ नरवाहनाय नमः।
६०० ॐ मङ्गलाय नमः।
६०१ ॐ मङ्गलवते नमः।
६०२ ॐ माङ्गल्याय नमः।
६०३ ॐ मङ्गलावहाय नमः।
६०४ ॐ मङ्गल्यचारुचरिताय नमः।
६०५ ॐ शीर्णाय नमः।
६०६ ॐ सर्वव्रताय नमः।
६०७ ॐ व्रतिने नमः।
६०८ ॐ चतुर्मुखाय नमः।
६०९ ॐ पद्ममालिने नमः।
६१० ॐ पूतात्मने नमः।
६११ ॐ प्रणतार्तिघ्ने नमः।
६१२ ॐ अकिञ्चनाय नमः।
६१३ ॐ सतामीशाय नमः।
६१४ ॐ निर्गुणाय नमः।
६१५ ॐ गुणवते नमः।
६१६ ॐ शुचये नमः।
६१७ ॐ सम्पूर्णाय नमः।
६१८ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
६१९ ॐ विधेयाय नमः।
६२० ॐ योगतत्पराय नमः।
६२१ ॐ सहस्रांशवे नमः।
६२२ ॐ क्रतुमतये नमः।
६२३ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
६२४ ॐ सुमतये नमः।
६२५ ॐ सुवाचे नमः।
६२६ ॐ सुवाहनाय नमः।

६२७ ॐ माल्यदाम्ने नमः।
६२८ ॐ कृताहाराय नमः।
६२९ ॐ हरिप्रियाय नमः।
६३० ॐ ब्रह्मणे नमः।
६३१ ॐ प्रचेतसे नमः।
६३२ ॐ प्रथिताय नमः।
६३३ ॐ प्रयतात्मने नमः।
६३४ ॐ स्थिरात्मकाय नमः।
६३५ ॐ शतविन्दवे नमः।
६३६ ॐ शतमुखाय नमः।
६३७ ॐ गरीयसे नमः।
६३८ ॐ अनलप्रभाय नमः।
६३९ ॐ धीराय नमः।
६४० ॐ महत्तराय नमः।
६४१ ॐ विप्राय नमः।
६४२ ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः।
६४३ ॐ विद्याराजाधिराजाय नमः।
६४४ ॐ विद्यावते नमः।
६४५ ॐ भूतिदाय नमः।
६४६ ॐ स्थिताय नमः।
६४७ ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः।
६४८ ॐ श्रीमते नमः।
६४९ ॐ विपाप्मने नमः।
६५० ॐ बहुमङ्गलाय नमः।
६५१ ॐ स्वःस्थिताय नमः।
६५२ ॐ सुरथाय नमः।
६५३ ॐ स्वर्णाय नमः।
६५४ ॐ मोक्षदाय नमः।
६५५ ॐ बलिकेतनाय नमः।
६५६ ॐ निर्द्वन्द्वाय नमः।
६५७ ॐ द्वन्द्वघ्ने नमः।
६५८ ॐ स्वर्गाय नमः।
६५९ ॐ सर्वगाय नमः।
६६० ॐ सम्प्रकाशकाय नमः।
६६१ ॐ दयालवे नमः।
६६२ ॐ सूक्ष्मधिये नमः।
६६३ ॐ क्षान्तये नमः।
६६४ ॐ क्षेमाक्षेमस्थितिप्रियाय नमः।
६६५ ॐ भूधराय नमः।
६६६ ॐ भूपतये नमः।
६६७ ॐ वक्त्रे नमः।
६६८ ॐ पवित्रात्मने नमः।
६६९ ॐ त्रिलोचनाय नमः।
६७० ॐ महावराहाय नमः।
६७१ ॐ प्रियकृते नमः।
६७२ ॐ दात्रे नमः।
६७३ ॐ भोक्त्रे नमः।
६७४ ॐ अभयप्रदाय नमः।
६७५ ॐ चक्रवर्तिने नमः।
६७६ ॐ धृतिकराय नमः।
६७७ ॐ सम्पूर्णाय नमः।
६७८ ॐ महेश्वराय नमः।
६७९ ॐ चतुर्वेदधराय नमः।
६८० ॐ अचिन्त्याय नमः।
६८१ ॐ विनिन्द्याय नमः।
६८२ ॐ विविधाशनाय नमः।

६८३ ॐ विचित्ररथाय नमः।
६८४ ॐ एकाकिने नमः।
६८५ ॐ सप्तसप्तये नमः।
६८६ ॐ परापरस्मै नमः।
६८७ ॐ सर्वोदधिस्थितिकराय नमः।
६८८ ॐ स्थितिस्थेयाय नमः।
६८९ ॐ स्थितिप्रियाय नमः।
६९० ॐ निष्कलाय नमः।
६९१ ॐ पुष्कलाय नमः।
६९२ ॐ विभवे नमः।
६९३ ॐ वसुमते नमः।
६९४ ॐ वासवप्रियाय नमः।
६९५ ॐ पशुमते नमः।
६९६ ॐ वासवस्वामिने नमः।
६९७ ॐ वसुधाम्ने नमः।
६९८ ॐ वसुप्रदाय नमः।
६९९ ॐ बलवते नमः।
७०० ॐ ज्ञानवते नमः।
७०१ ॐ तत्त्वाय नमः।
७०२ ॐ ओंकाराय नमः।
७०३ ॐ त्रिषु संस्थिताय नमः।
७०४ ॐ संकल्पयोनये नमः।
७०५ ॐ दिनकृते नमः।
७०६ ॐ भगवते नमः।
७०७ ॐ कारणापहाय नमः।
७०८ ॐ नीलकण्ठाय नमः।
७०९ ॐ धनाध्यक्षाय नमः।
७१० ॐ चतुर्वेदप्रियंवदाय नमः।
७११ ॐ वषट्काराय नमः।
७१२ ॐ उद्गात्रे नमः।
७१३ ॐ होत्रे नमः।
७१४ ॐ स्वाहाकाराय नमः।
७१५ ॐ हुताहुतये नमः।
७१६ ॐ जनार्दनाय नमः।
७१७ ॐ जनानन्दाय नमः।
७१८ ॐ नराय नमः।
७१९ ॐ नारायणाय नमः।
७२० ॐ अम्बुदाय नमः।
७२१ ॐ संदेहनाशनाय नमः।
७२२ ॐ वायवे नमः।
७२३ ॐ धन्विने नमः।
७२४ ॐ सुरनमस्कृताय नमः।
७२५ ॐ विग्रहिणे नमः।
७२६ ॐ विमलाय नमः।
७२७ ॐ विन्दवे नमः।
७२८ ॐ विशोकाय नमः।
७२९ ॐ विमलद्युतये नमः।
७३० ॐ द्युतिमते नमः।
७३१ ॐ द्योतनाय नमः।
७३२ ॐ विद्युते नमः।
७३३ ॐ विद्यावते नमः।
७३४ ॐ विदिताय नमः।
७३५ ॐ बलिने नमः।
७३६ ॐ घर्मदाय नमः।
७३७ ॐ हिमदाय नमः।
७३८ ॐ हासाय नमः।

७३९ ॐ कृष्णवर्त्मने नमः।
७४० ॐ सुताजिताय नमः।
७४१ ॐ सावित्रीभाविताय नमः।
७४२ ॐ राज्ञे नमः।
७४३ ॐ विश्वामित्राय नमः।
७४४ ॐ घृणये नमः।
७४५ ॐ विराजे नमः।
७४६ ॐ सप्तार्चिषे नमः।
७४७ ॐ सप्ततुरगाय नमः।
७४८ ॐ सप्तलोकनमस्कृताय नमः।
७४९ ॐ सम्पूर्णाय नमः।
७५० ॐ जगन्नाथाय नमः।
७५१ ॐ सुमनसे नमः।
७५२ ॐ शोभनप्रियाय नमः।
७५३ ॐ सर्वात्मने नमः।
७५४ ॐ सर्वकृते नमः।
७५५ ॐ सृष्टये नमः।
७५६ ॐ सप्तिमते नमः।
७५७ ॐ सप्तमीप्रियाय नमः।
७५८ ॐ सुमेधसे नमः।
७५९ ॐ मेधिकाय नमः।
७६० ॐ मेध्याय नमः।
७६१ ॐ मेधाविने नमः।
७६२ ॐ मधुसूदनाय नमः।
७६३ ॐ अङ्गिरः पतये नमः।
७६४ ॐ कालज्ञाय नमः।
७६५ ॐ धूमकेतवे नमः।
७६६ ॐ सुकेतनाय नमः।
७६७ ॐ सुखिने नमः।
७६८ ॐ सुखप्रदाय नमः।
७६९ ॐ सौख्याय नमः।
७७० ॐ कान्तये नमः।
७७१ ॐ कान्तिप्रियाय नमः।
७७२ ॐ मुनये नमः।
७७३ ॐ संतापनाय नमः।
७७४ ॐ संतपनाय नमः।
७७५ ॐ आतपसे नमः।
७७६ ॐ तपसां पत्ये नमः।
७७७ ॐ उमापतये नमः।
७७८ ॐ सहस्रांशवे नमः।
७७९ ॐ प्रियकारिणे नमः।
७८० ॐ प्रियंकराय नमः।
७८१ ॐ प्रीतये नमः।
७८२ ॐ विमन्यवे नमः।
७८३ ॐ अम्भोत्थाय नमः।
७८४ ॐ खञ्जनाय नमः।
७८५ ॐ जगताम्पतये नमः।
७८६ ॐ जगत्पित्रे नमः।
७८७ ॐ प्रीतमनसे नमः।
७८८ ॐ सर्वस्मै नमः।
७८९ ॐ खर्वाय नमः।
७९० ॐ गुहाय नमः।
७९१ ॐ अचलाय नमः।
७९२ ॐ सर्वगाय नमः।
७९३ ॐ जगदानन्दाय नमः।
७९४ ॐ जगन्नेत्रे नमः।

७९५ ॐ सुरारिघ्ने नमः।
७९६ ॐ श्रेयसे नमः।
७९७ ॐ श्रेयस्कराय नमः।
७९८ ॐ ज्यायसे नमः।
७९९ ॐ महते नमः।
८०० ॐ उत्तमाय नमः।
८०१ ॐ उद्भवाय नमः।
८०२ ॐ उत्तमाय नमः।
८०३ ॐ मेरुमेयाय नमः।
८०४ ॐ धरणाय नमः।
८०५ ॐ धरणीधराय नमः।
८०६ ॐ धराध्यक्षाय नमः।
८०७ ॐ धर्मराजाय नमः।
८०८ ॐ धर्माधर्मप्रवर्त्तकाय नमः।
८०९ ॐ रथाध्यक्षाय नमः।
८१० ॐ रथगतये नमः।
८११ ॐ तरुणाय नमः।
८१२ ॐ तनिताय नमः।
८१३ ॐ अनलाय नमः।
८१४ ॐ उत्तराय नमः।
८१५ ॐ अनुत्तराय नमः।
८१६ ॐ तापिने नमः।
८१७ ॐ अवाक्पतये नमः।
८१८ ॐ अपाम्पतये नमः।
८१९ ॐ पुण्यसंकीर्तनाय नमः।
८२० ॐ पुण्याय नमः।
८२१ ॐ हेतवे नमः।
८२२ ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः।
८२३ ॐ स्वर्भानवे नमः।
८२४ ॐ विगतानन्दाय नमः।
८२५ ॐ विशिष्टोत्कृष्टकर्मकृते नमः।
८२६ ॐ व्याधिप्रणाशनाय नमः।
८२७ ॐ क्षेमाय नमः।
८२८ ॐ शूराय नमः।
८२९ ॐ सर्वजितां वराय नमः।
८३० ॐ एकरथाय नमः।
८३१ ॐ रथाधीशाय नमः।
८३२ ॐ शनैश्चरस्य पित्रे नमः।
८३३ ॐ वैवस्वतगुरवे नमः।
८३४ ॐ मृत्यवे नमः।
८३५ ॐ धर्मनित्याय नमः।
८३६ ॐ महाव्रताय नमः।
८३७ ॐ प्रलम्बहारसंचारिणे नमः।
८३८ ॐ प्रद्योताय नमः।
८३९ ॐ द्योतितानलाय नमः।
८४० ॐ संतापहृते नमः।
८४१ ॐ परस्मै नमः।
८४२ ॐ मन्त्राय नमः।
८४३ ॐ मन्त्रमूर्तये नमः।
८४४ ॐ महाबलाय नमः।
८४५ ॐ श्रेष्ठात्मने नमः।
८४६ ॐ सुप्रियाय नमः।
८४७ ॐ शम्भवे नमः।
८४८ ॐ मरुतामीश्वरेश्वराय नमः।
८४९ ॐ संसारगतिविच्छेत्त्रे नमः।
८५० ॐ संसारार्णवतारकाय नमः।

८५१ ॐ सप्तजिह्वाय नमः।
८५२ ॐ सहस्रार्चिषे नमः।
८५३ ॐ रत्नगर्भाय नमः।
८५४ ॐ अपराजिताय नमः।
८५५ ॐ धर्मकेतवे नमः।
८५६ ॐ अमेयात्मने नमः।
८५७ ॐ धर्माधर्मवरप्रदाय नमः।
८५८ ॐ लोकसाक्षिणे नमः।
८५९ ॐ लोकगुरवे नमः।
८६० ॐ लोकेशाय नमः।
८६१ ॐ चण्डवाहनाय नमः।
८६२ ॐ धर्मयूपाय नमः।
८६३ ॐ यूपवृक्षाय नमः।
८६४ ॐ धनुष्पाणये नमः।
८६५ ॐ धनुर्धराय नमः।
८६६ ॐ पिनाकधृजे नमः।
८६७ ॐ महोत्साहाय नमः।
८६८ ॐ महामायाय नमः।
८६९ ॐ महाशनाय नमः।
८७० ॐ वीराय नमः।
८७१ ॐ शक्तिमतां श्रेष्ठाय नमः।
८७२ ॐ सर्वशस्त्रभृतां वराय नमः।
८७३ ॐ ज्ञानगम्याय नमः।
८७४ ॐ दुराराध्याय नमः।
८७५ ॐ लोहिताङ्गाय नमः।
८७६ ॐ विवर्द्धनाय नमः।
८७७ ॐ खगाय नमः।
८७८ ॐ अन्धाय नमः।
८७९ ॐ धर्मदाय नमः।
८८० ॐ नित्याय नमः।
८८१ ॐ धर्मकृते नमः।
८८२ ॐ चित्रविक्रमाय नमः।
८८३ ॐ भगवते नमः।
८८४ ॐ आत्मवते नमः।
८८५ ॐ मन्त्राय नमः।
८८६ ॐ त्र्यक्षराय नमः।
८८७ ॐ नीललोहिताय नमः।
८८८ ॐ एकस्मै नमः।
८८९ ॐ अनेकाय नमः।
८९० ॐ त्रय्यै नमः।
८९१ ॐ कालाय नमः।
८९२ ॐ सवित्रे नमः।
८९३ ॐ समितिञ्जयाय नमः।
८९४ ॐ शार्ङ्गधन्वने नमः।
८९५ ॐ अनलाय नमः।
८९६ ॐ भीमाय नमः।
८९७ ॐ सर्वप्रहरणायुधाय नमः।
८९८ ॐ सुकर्मणे नमः।
८९९ ॐ परमेष्ठिने नमः।
९०० ॐ नाकपालिने नमः।
९०१ ॐ दिविस्थिताय नमः।
९०२ ॐ वदान्याय नमः।
९०३ ॐ वासुकये नमः।
९०४ ॐ वैद्याय नमः।
९०५ ॐ आत्रेयाय नमः।
९०६ ॐ पराक्रमाय नमः।

१०७ ॐ द्वापराय नमः।
१०८ ॐ परमोदाराय नमः।
१०९ ॐ परमाय नमः।
११० ॐ ब्रह्मचर्यवते नमः।
१११ ॐ उदीच्यवेशाय नमः।
११२ ॐ मुकुटिने नमः।
११३ ॐ पद्महस्ताय नमः।
११४ ॐ हिमांशुभृते नमः।
११५ ॐ सिताय नमः।
११६ ॐ प्रसन्नवदनाय नमः।
११७ ॐ पद्मोदरनिभाननाय नमः।
११८ ॐ सायं दिवा दिव्यवपुषे नमः।
११९ ॐ अनिर्देश्याय नमः।
१२० ॐ महालयाय नमः।
१२१ ॐ महारथाय नमः।
१२२ ॐ महते नमः।
१२३ ॐ ईशाय नमः।
१२४ ॐ शेषाय नमः।
१२५ ॐ सत्त्वरजस्तमसे नमः।
१२६ ॐ धृतातपत्रप्रतिमाय नमः।
१२७ ॐ विमर्षिणे नमः।
१२८ ॐ निर्णयाय नमः।
१२९ ॐ स्थिताय नमः।
१३० ॐ अहिंसकाय नमः।
१३१ ॐ शुद्धमतये नमः।
१३२ ॐ अद्वितीयाय नमः।
१३३ ॐ विवर्द्धनाय नमः।
१३४ ॐ सर्वदाय नमः।
१३५ ॐ धनदाय नमः।
१३६ ॐ मोक्षाय नमः।
१३७ ॐ विहारिणे नमः।
१३८ ॐ बहुदायकाय नमः।
१३९ ॐ चारुरात्रिहराय नमः।
१४० ॐ नाथाय नमः।
१४१ ॐ भगवते नमः।
१४२ ॐ सर्वगाय नमः।
१४३ ॐ अव्ययाय नमः।
१४४ ॐ मनोहरवपुषे नमः।
१४५ ॐ शुभ्राय नमः।
१४६ ॐ शोभनाय नमः।
१४७ ॐ सुप्रभावनाय नमः।
१४८ ॐ सुप्रभावाय नमः।
१४९ ॐ सुप्रतापाय नमः।
१५० ॐ सुनेत्राय नमः।
१५१ ॐ दिग्विदिक्पतये नमः।
१५२ ॐ राज्ञीप्रियाय नमः।
१५३ ॐ शब्दकराय नमः।
१५४ ॐ ग्रहेशाय नमः।
१५५ ॐ तिमिरापहाय नमः।
१५६ ॐ सैंहिकेयरिपवे नमः।
१५७ ॐ देवाय नमः।
१५८ ॐ वरदाय नमः।
१५९ ॐ वरनायकाय नमः।
१६० ॐ चतुर्भुजाय नमः।
१६१ ॐ महायोगिने नमः।
१६२ ॐ योगीश्वरपतये नमः।

९६३ ॐ अनादिरूपाय नमः।
९६४ ॐ अदितिजाय नमः।
९६५ ॐ रत्नकान्तये नमः।
९६६ ॐ प्रभामयाय नमः।
९६७ ॐ जगत्प्रदीपाय नमः।
९६८ ॐ विस्तीर्णाय नमः।
९६९ ॐ महाविस्तीर्णमण्डलाय नमः।
९७० ॐ एकचक्ररथाय नमः।
९७१ ॐ स्वर्णरथाय नमः।
९७२ ॐ स्वर्णशरीरधृजे नमः।
९७३ ॐ निरालम्बाय नमः।
९७४ ॐ गगनगाय नमः।
९७५ ॐ धर्मकर्मप्रभावकृते नमः।
९७६ ॐ धर्मात्मने नमः।
९७७ ॐ कर्मणां साक्षिणे नमः।
९७८ ॐ प्रत्यक्षाय नमः।
९७९ ॐ परमेश्वराय नमः।
९८० ॐ मेरुसेविने नमः।
९८१ ॐ सुमेधाविने नमः।
९८२ ॐ मेरुरक्षाकराय नमः।
९८३ ॐ महते नमः।
९८४ ॐ आधारभूताय नमः।
९८५ ॐ रतिमते नमः।
९८६ ॐ धनधान्यकृते नमः।
९८७ ॐ पापसन्तापहर्त्रे नमः।
९८८ ॐ मनोवाञ्छितदायकाय नमः।
९८९ ॐ रोगहर्त्रे नमः।
९९० ॐ राज्यदायिने नमः।
९९१ ॐ रमणीयगुणाय नमः।
९९२ ॐ अनृणिने नमः।
९९३ ॐ कालत्रयानन्तरूपाय नमः।
९९४ ॐ मुनिवृन्दनमस्कृताय नमः।
९९५ ॐ सन्ध्यारागकराय नमः।
९९६ ॐ सिद्धाय नमः।
९९७ ॐ सन्ध्यावन्दनवन्दिताय नमः।
९९८ ॐ साम्राज्यदाननिरताय नमः।
९९९ ॐ समाराधनतोषवते नमः।
१००० ॐ भक्तदुःखक्षयकराय नमः।
१००१ ॐ भवसागरतारकाय नमः।
१००२ ॐ भयापहर्त्रे नमः।
१००३ ॐ भगवते नमः।
१००४ ॐ अप्रमेयपराक्रमाय नमः।
१००५ ॐ मनुस्वामिने नमः।
१००६ ॐ मनुपतये नमः।
१००७ ॐ मान्याय नमः।
१००८ ॐ मन्वन्तराधिपाय नमः।

॥ इति श्रीभविष्यपुराणे श्रीसूर्यसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीरामाय नमः ॥

श्रीरामसहस्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीरामसहस्रनाममालामन्त्रस्य विनायक ऋषिः अनुष्टुप् छन्दः श्रीरामो देवता महाविष्णुरिति बीजं गुणभृन्निर्गुणो महानिति शक्तिः सच्चिदानन्दविग्रह इति कीलकं श्रीरामप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः।

न्यासः

(क) **करन्यासः**—ॐ श्रीरामचन्द्राय अङ्गुष्ठाभ्यां नमः। ॐ श्रीसीतापतये तर्जनीभ्यां नमः। ॐ श्रीरघुनाथाय मध्यमाभ्यां नमः। ॐ श्रीभरताग्रजाय अनामिकाभ्यां नमः। ॐ श्रीदशरथात्मजाय कनिष्ठिकाभ्यां नमः। ॐ श्रीहनुमत्प्रभवे करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः।

(ख) **हृदयादिन्यासः**—ॐ श्रीरामचन्द्राय हृदयाय नमः। ॐ श्रीसीतापतये शिरसे स्वाहा। ॐ श्रीरघुनाथाय शिखायै वषट्। ॐ श्रीभरताग्रजाय कवचाय हुम्। ॐ श्रीदशरथात्मजाय नेत्रत्रयाय वौषट्। ॐ श्रीहनुमत्प्रभवे अस्त्राय फट्।

ध्यानम्

ध्यायेदाजानुबाहुं धृतशरधनुषं बद्धपद्मासनस्थं
पीतं वासो वसानं नवकमलदलस्पर्धिनेत्रं प्रसन्नम्।
वामाङ्कारूढसीतामुखकमलमिलल्लोचनं नीरदाभं
नानालङ्कारदीप्तं दधतमुरुजटामण्डलं रामचन्द्रम्॥ *

---

* जो धनुष-बाण धारण किये हुए हैं, बद्धपद्मासनसे विराजमान हैं, पीताम्बर पहने हुए हैं, जिनके प्रसन्न नयन नूतन कमलदलसे स्पर्धा करते तथा वामभागमें विराजमान श्रीसीताजीके मुखकमलसे मिले हुए हैं, उन आजानुबाहु, मेघश्याम, नाना प्रकारके अलंकारोंसे विभूषित तथा विशाल जटाजूटधारी श्रीरामचन्द्रजीका ध्यान करे।

नीलाम्भोधरकान्तिकान्तमनिशं वीरासनाध्यासिनं
मुद्रां ज्ञानमयीं दधानमपरं हस्ताम्बुजं जानुनि।
सीतां पार्श्वगतां सरोरुहकरां विद्युन्निभां राघवं
पश्यन्तीं मुकुटाङ्गदादिविविधाकल्पोज्ज्वलाङ्गं भजे॥*

स्तोत्रम्

राजीवलोचनः श्रीमान् श्रीरामो रघुपुङ्गवः।
रामभद्रः सदाचारो राजेन्द्रो जानकीपतिः॥ १ ॥
अग्रगण्यो वरेण्यश्च वरदः परमेश्वरः।
जनार्दनो जितामित्रः परार्थैकप्रयोजनः॥ २ ॥
विश्वामित्रप्रियो दान्तश्शत्रुजिच्छत्रुतापनः।
सर्वज्ञः सर्वदेवादिः शरण्यो वालिमर्दनः॥ ३ ॥
ज्ञानभाव्योऽपरिच्छेद्यो वाग्मी सत्यव्रतः शुचिः।
ज्ञानगम्यो दृढप्रज्ञः खरध्वंसी प्रतापवान्॥ ४ ॥
द्युतिमानात्मवान् वीरो जितक्रोधोऽरिमर्दनः।
विश्वरूपो विशालाक्षः प्रभुः परिवृढो दृढः॥ ५ ॥
ईशः खड्गधरः श्रीमान् कौसलेयोऽनसूयकः।
विपुलांसो महोरस्कः परमेष्ठी परायणः॥ ६ ॥
सत्यव्रतः सत्यसन्धो गुरुः परमधार्मिकः।
लोकज्ञो लोकवन्द्यश्च लोकात्मा लोककृत्परः॥ ७ ॥

---

* बायें करकमलको घुटनेपर रखकर दाहिनेसे ज्ञानमयी मुद्रा धारण किये, अविरत वीरासनसे विराजमान, श्यामल बादलके समान मञ्जुलकान्ति, मुकुट-अङ्गद आदि विविध वेश-भूषाविभूषित, देदीप्यमान, दिव्याङ्गधारी भगवान् राघवेन्द्र श्रीराम एवं उनके पार्श्वमें समासीन हो निर्निमेष नेत्रसे उन्हींको निहारती हुई बिजलीके समान द्युतिवाली, करकमलधारिणी, धरानन्दिनी भगवती श्रीसीताका हम भजन करते हैं।

अनादिर्भगवान् सेव्यो जितमायो रघूद्वहः।
रामो दयाकरो दक्षः सर्वज्ञः सर्वपावनः॥ ८ ॥
ब्रह्मण्यो नीतिमान् गोप्ता सर्वदेवमयो हरिः।
सुन्दरः पीतवासाश्च सूत्रकारः पुरातनः॥ ९ ॥
सौम्यो महर्षिः कोदण्डी सर्वज्ञः सर्वकोविदः।
कविः सुग्रीववरदः सर्वपुण्याधिकप्रदः॥ १० ॥
भव्यो जितारिषड्वर्गो महोदरोऽघनाशनः।
सुकीर्तिरादिपुरुषः कान्तः पुण्यकृतागमः॥ ११ ॥
अकल्मषश्चतुर्बाहुः सर्वावासो दुरासदः।
स्मितभाषी निवृत्तात्मा स्मृतिमान् वीर्यवान् प्रभुः॥ १२ ॥
धीरो दान्तो घनश्यामः सर्वायुधविशारदः।
अध्यात्मयोगनिलयः सुमना लक्ष्मणाग्रजः॥ १३ ॥
सर्वतीर्थमयश्शूरः सर्वयज्ञफलप्रदः।
यज्ञस्वरूपी यज्ञेशो जरामरणवर्जितः॥ १४ ॥
वर्णाश्रमकरो वर्णी शत्रुजित् पुरुषोत्तमः।
विभीषणप्रतिष्ठाता परमात्मा परात्परः॥ १५ ॥
प्रमाणभूतो दुर्ज्ञेयः पूर्णः परपुरञ्जयः।
अनन्तदृष्टिरानन्दो धनुर्वेदो धनुर्धरः॥ १६ ॥
गुणाकरो गुणश्रेष्ठः सच्चिदानन्दविग्रहः।
अभिवन्द्यो महाकायो विश्वकर्मा विशारदः॥ १७ ॥
विनीतात्मा वीतरागस्तपस्वीशो जनेश्वरः।
कल्याणप्रकृतिः कल्पः सर्वेशः सर्वकामदः॥ १८ ॥

अक्षयः पुरुषः साक्षी केशवः पुरुषोत्तमः।
लोकाध्यक्षो महामायो विभीषणवरप्रदः॥ १९॥
आनन्दविग्रहो ज्योतिर्हनुमत्प्रभुरव्ययः।
भ्राजिष्णुः सहनो भोक्ता सत्यवादी बहुश्रुतः॥ २०॥
सुखदः कारणं कर्ता भवबन्धविमोचनः।
देवचूडामणिर्नेता ब्रह्मण्यो ब्रह्मवर्धनः॥ २१॥
संसारोत्तारको रामः सर्वदुःखविमोक्षकृत्।
विद्वत्तमो विश्वकर्ता विश्वहर्ता च विश्वकृत्॥ २२॥
नित्यो नियतकल्याणः सीताशोकविनाशकृत्।
काकुत्स्थः पुण्डरीकाक्षो विश्वामित्रभयापहः॥ २३॥
मारीचमथनो रामो विराधवधपण्डितः।
दुस्स्वप्ननाशनो रम्यः किरीटी त्रिदशाधिपः॥ २४॥
महाधनुर्महाकायो भीमो भीमपराक्रमः।
तत्त्वस्वरूपी तत्त्वज्ञस्तत्त्ववादी सुविक्रमः॥ २५॥
भूतात्मा भूतकृत् स्वामी कालज्ञानी महापटुः।
अनिर्विण्णो गुणग्राही निष्कलङ्कः कलङ्कहा॥ २६॥
स्वभावभद्रश्शत्रुघ्नः केशवः स्थाणुरीश्वरः।
भूतादिः शम्भुरादित्यः स्थविष्ठश्शाश्वतो ध्रुवः॥ २७॥
कवची कुण्डली चक्री खड्गी भक्तजनप्रियः।
अमृत्युर्जन्मरहितः सर्वजित् सर्वगोचरः॥ २८॥
अनुत्तमोऽप्रमेयात्मा सर्वादिर्गुणसागरः।
समः समात्मा समगो जटामुकुटमण्डितः॥ २९॥

अजेयः सर्वभूतात्मा विष्वक्सेनो महातपाः।
लोकाध्यक्षो महाबाहुरमृतो वेदवित्तमः॥ ३०॥
सहिष्णुः सद्गतिः शास्ता विश्वयोनिर्महाद्युतिः।
अतीन्द्र ऊर्जितः प्रांशुरुपेन्द्रो वामनो बली॥ ३१॥
धनुर्वेदो विधाता च ब्रह्मा विष्णुश्च शङ्करः।
हंसो मरीचिर्गोविन्दो रत्नगर्भो महामतिः॥ ३२॥
व्यासो वाचस्पतिः सर्वदर्पितासुरमर्दनः।
जानकीवल्लभः पूज्यः प्रकटः प्रीतिवर्धनः॥ ३३॥
सम्भवोऽतीन्द्रियो वेद्योऽनिर्देशो जाम्बवत्प्रभुः।
मदनो मथनो व्यापी विश्वरूपो निरञ्जनः॥ ३४॥
नारायणोऽग्रणीः साधुर्जटायुप्रीतिवर्धनः।
नैकरूपो जगन्नाथः सुरकार्यहितः स्वभूः॥ ३५॥
जितक्रोधो जितारातिः प्लवगाधिपराज्यदः।
वसुदः सुभुजो नैकमायो भव्यप्रमोदनः॥ ३६॥
चण्डांशुः सिद्धिदः कल्पः शरणागतवत्सलः।
अगदो रोगहर्ता च मन्त्रज्ञो मन्त्रभावनः॥ ३७॥
सौमित्रिवत्सलो धुर्यो व्यक्ताव्यक्तस्वरूपधृक्।
वसिष्ठो ग्रामणीः श्रीमाननुकूलः प्रियंवदः॥ ३८॥
अतुलः सात्त्विको धीरः शरासनविशारदः।
ज्येष्ठः सर्वगुणोपेतः शक्तिमांस्ताटकान्तकः॥ ३९॥
वैकुण्ठः प्राणिनां प्राणः कमठः कमलापतिः।
गोवर्धनधरो मत्स्यरूपः कारुण्यसागरः॥ ४०॥

कुम्भकर्णप्रभेत्ता च गोपिगोपालसंवृतः ।
मायावी व्यापको व्यापी रैणुकेयबलापहः ॥ ४१ ॥
पिनाकमथनो वन्द्यः समर्थो गरुडध्वजः ।
लोकत्रयाश्रयो लोकचरितो भरताग्रजः ॥ ४२ ॥
श्रीधरः सद्गतिर्लोकसाक्षी नारायणो बुधः ।
मनोवेगी मनोरूपी पूर्णः पुरुषपुङ्गवः ॥ ४३ ॥
यदुश्रेष्ठो यदुपतिर्भूतावासः सुविक्रमः ।
तेजोधरो धराधारश्चतुर्मूर्तिर्महानिधिः ॥ ४४ ॥
चाणूरमर्दनो दिव्यश्शान्तो भरतवन्दितः ।
शब्दातिगो गभीरात्मा कोमलाङ्गः प्रजागरः ॥ ४५ ॥
लोकगर्भश्शेषशायी क्षीराब्धिनिलयोऽमलः ।
आत्मयोनिरदीनात्मा सहस्राक्षः सहस्रपात् ॥ ४६ ॥
अमृतांशुर्महागर्भो निवृत्तविषयस्पृहः ।
त्रिकालज्ञो मुनिस्साक्षी विहायसगतिः कृती ॥ ४७ ॥
पर्जन्यः कुमुदो भूतावासः कमललोचनः ।
श्रीवत्सवक्षाः श्रीवासो वीरहा लक्ष्मणाग्रजः ॥ ४८ ॥
लोकाभिरामो लोकारिमर्दनः सेवकप्रियः ।
सनातनतमो मेघश्यामलो राक्षसान्तकृत् ॥ ४९ ॥
दिव्यायुधधरश्श्रीमानप्रमेयो जितेन्द्रियः ।
भूदेववन्द्यो जनकप्रियकृत् प्रपितामहः ॥ ५० ॥
उत्तमः सात्त्विकः सत्यः सत्यसन्धस्त्रिविक्रमः ।
सुव्रतः सुलभः सूक्ष्मः सुघोषः सुखदः सुधीः ॥ ५१ ॥

दामोदरोऽच्युतश्शार्ङ्गी वामनो मधुराधिपः।
देवकीनन्दनः शौरिः शूरः कैटभमर्दनः॥ ५२॥
सप्ततालप्रभेत्ता च मित्रवंशप्रवर्धनः।
कालस्वरूपी कालात्मा कालः कल्याणदः कविः॥ ५३॥
संवत्सर ऋतुः पक्षो ह्ययनं दिवसो युगः।
स्तव्यो विविक्तो निर्लेपः सर्वव्यापी निराकुलः।
अनादिनिधनः सर्वलोकपूज्यो निरामयः॥ ५४॥
रसो रसज्ञः सारज्ञो लोकसारो रसात्मकः।
सर्वदुःखातिगो विद्याराशिः परमगोचरः॥ ५५॥
शेषो विशेषो विगतकल्मषो रघुनायकः।
वर्णश्रेष्ठो वर्णवाह्यो वर्ण्यो वर्ण्यगुणोज्ज्वलः॥ ५६॥
कर्मसाक्ष्यमरश्रेष्ठो देवदेवः सुखप्रदः।
देवाधिदेवो देवर्षिर्देवासुरनमस्कृतः॥ ५७॥
सर्वदेवमयश्चक्री शार्ङ्गपाणी रघूत्तमः।
मनो बुद्धिरहंकारः प्रकृतिः पुरुषोऽव्ययः॥ ५८॥
अहल्यापावनः स्वामी पितृभक्तो वरप्रदः।
न्यायो न्यायी नयी श्रीमान् नयो नगधरो ध्रुवः॥ ५९॥
लक्ष्मीविश्वम्भराभर्ता देवेन्द्रो बलिमर्दनः।
वाणारिमर्दनो यज्वानुत्तमो मुनिसेवितः॥ ६०॥
देवाग्रणीः शिवध्यानतत्परः परमः परः।
सामगेयः प्रियोऽक्रूरः पुण्यकीर्तिस्सुलोचनः॥ ६१॥
पुण्यः पुण्याधिकः पूर्वः पूर्णः पूरयिता रविः।

जटिलः कल्मषध्वान्तप्रभञ्जनविभावसुः ॥ ६२ ॥
अव्यक्तलक्षणोऽव्यक्तो दशास्यद्विपकेसरी।
कलानिधिः कलानाथो कमलानन्दवर्धनः ॥ ६३ ॥
जयी जितारिः सर्वादिः शमनो भवभञ्जनः।
अलंकरिष्णुरचलो रोचिष्णुर्विक्रमोत्तमः ॥ ६४ ॥
आशुः शब्दपतिः शब्दागोचरो रञ्जनो रघुः।
निश्शब्दः प्रणवो माली स्थूलः सूक्ष्मो विलक्षणः ॥ ६५ ॥
आत्मयोनिरयोनिश्च सप्तजिह्वः सहस्रपात्।
सनातनतमस्स्रग्वी पेशलो जविनां वरः ॥ ६६ ॥
शक्तिमाञ्शङ्खभृन्नाथः गदापद्मरथाङ्गभृत्।
निरीहो निर्विकल्पश्च चिद्रूपो वीतसाध्वसः ॥ ६७ ॥
शताननः सहस्राक्षः शतमूर्तिर्घनप्रभः।
हृत्पुण्डरीकशयनः कठिनो द्रव एव च ॥ ६८ ॥
उग्रो ग्रहपतिः श्रीमान् समर्थोऽनर्थनाशनः।
अधर्मशत्रू रक्षोघ्नः पुरुहूतः पुरुष्टुतः ॥ ६९ ॥
ब्रह्मगर्भो बृहद्गर्भो धर्मधेनुर्धनागमः।
हिरण्यगर्भो ज्योतिष्मान् सुललाटः सुविक्रमः ॥ ७० ॥
शिवपूजारतः श्रीमान् भवानीप्रियकृद्वशी।
नरो नारायणः श्यामः कपर्दीनीललोहितः ॥ ७१ ॥
रुद्रः पशुपतिः स्थाणुर्विश्वामित्रो द्विजेश्वरः।
मातामहो मातरिश्वा विरिञ्चोविष्टरश्रवाः ॥ ७२ ॥
अक्षोभ्यः सर्वभूतानां चण्डः सत्यपराक्रमः।

वालखिल्यो महाकल्पः कल्पवृक्षः कलाधरः ॥ ७३ ॥
निदाघस्तपनोऽमोघः श्लक्ष्णः परबलापहृत्।
कबन्धमथनो दिव्यः कम्बुग्रीवशिवप्रियः ॥ ७४ ॥
शङ्खोऽनिलः सुनिष्पन्नः सुलभः शिशिरात्मकः।
असंसृष्टोऽतिथिः शूरः प्रमाथी पापनाशकृत् ॥ ७५ ॥
वसुश्रवाः कव्यवाहः प्रतप्तो विश्वभोजनः।
रामो नीलोत्पलश्यामो ज्ञानस्कन्धो महाद्युतिः ॥ ७६ ॥
पवित्रपादः पापारिर्मणिपूरो नभोगतिः।
उत्तारणो दुष्कृतिहा दुर्धर्षो दुस्सहोऽभयः ॥ ७७ ॥
अमृतेशोऽमृतवपुर्धर्मी धर्मः कृपाकरः।
भर्गो विवस्वानादित्यो योगाचार्यो दिवस्पतिः ॥ ७८ ॥
उदारकीर्तिरुद्योगी वाङ्मयः सदसन्मयः।
नक्षत्रमाली नाकेशः स्वाधिष्ठानः षडाश्रयः ॥ ७९ ॥
चतुर्वर्गफलो वर्णी शक्तित्रयफलं निधिः।
निधानगर्भो निर्व्याजो गिरीशो व्यालमर्दनः ॥ ८० ॥
श्रीवल्लभः शिवारम्भः शान्तिर्भद्रः समञ्जसः।
भूशयो भूतिकृद्भूतिर्भूषणो भूतवाहनः ॥ ८१ ॥
अकायो भक्तकायस्थः कालज्ञानी महावटुः।
परार्थवृत्तिरचलो विविक्तः श्रुतिसागरः ॥ ८२ ॥
स्वभावभद्रो मध्यस्थः संसारभयनाशनः।
वेद्यो वैद्यो वियद्गोप्ता सर्वामरमुनीश्वरः ॥ ८३ ॥
सुरेन्द्रः करणं कर्म कर्मकृत् कर्म्यधोक्षजः।

ध्येयो धुर्यो धराधीशः संकल्पः शर्वरीपतिः ॥ ८४ ॥
परमार्थगुरुर्वृद्धः शुचिराश्रितवत्सलः ।
विष्णुर्जिष्णुर्विभुर्वन्द्यो यज्ञेशो यज्ञपालकः ॥ ८५ ॥
प्रभविष्णुर्ग्रसिष्णुश्च लोकात्मा लोकभावनः ।
केशवः केशिहा काव्यः कविः कारणकारणम् ॥ ८६ ॥
कालकर्ता कालशेषो वासुदेवः पुरुष्टुतः ।
आदिकर्ता वराहश्च माधवो मधुसूदनः ॥ ८७ ॥
नारायणो नरो हंसो विष्वक्सेनो जनार्दनः ।
विश्वकर्ता महायज्ञो ज्योतिष्मान् पुरुषोत्तमः ॥ ८८ ॥
वैकुण्ठः पुण्डरीकाक्षः कृष्णः सूर्यः सुरार्चितः ।
नारसिंहो महाभीमो वक्रदंष्ट्रो नखायुधः ॥ ८९ ॥
आदिदेवो जगत्कर्ता योगीशो गरुडध्वजः ।
गोविन्दो गोपतिर्गोप्ता भूपतिर्भुवनेश्वरः ॥ ९० ॥
पद्मनाभो हृषीकेशो धाता दामोदरः प्रभुः ।
त्रिविक्रमस्त्रिलोकेशो ब्रह्मेशः प्रीतिवर्धनः ॥ ९१ ॥
वामनो दुष्टदमनो गोविन्दो गोपवल्लभः ।
भक्तप्रियोऽच्युतः सत्यः सत्यकीर्तिर्धृतिः स्मृतिः ॥ ९२ ॥
कारुण्यं करुणो व्यासः पापहा शान्तिवर्धनः ।
संन्यासी शास्त्रतत्त्वज्ञो मन्दराद्रिनिकेतनः ॥ ९३ ॥
बदरीनिलयः शान्तस्तपस्वी वैद्युतप्रभः ।
भूतावासो गुहावासः श्रीनिवासः श्रियःपतिः ॥ ९४ ॥
तपोवासो मुदावासः सत्यवासः सनातनः ।

पुरुषः पुष्करः पुण्यः पुष्कराक्षो महेश्वरः ॥ ९५ ॥
पूर्णमूर्तिः पुराणज्ञः पुण्यदः प्रीतिवर्धनः ।
शङ्खी चक्री गदी शार्ङ्गी लाङ्गली मुसली हली ॥ ९६ ॥
किरीटी कुण्डली हारी मेखली कवची ध्वजी ।
योद्धा जेता महावीर्यः शत्रुजिच्छत्रुतापनः ॥ ९७ ॥
शास्ता शास्त्रकरः शास्त्रं शङ्करः शङ्करस्तुतः ।
सारथिः सात्त्विकः स्वामी सामवेदप्रियः समः ॥ ९८ ॥
पवनः संहतः शक्तिः सम्पूर्णाङ्गः समृद्धिमान् ।
स्वर्गदः कामदः श्रीदः कीर्तिदोऽकीर्तिनाशनः ॥ ९९ ॥
मोक्षदः पुण्डरीकाक्षः क्षीराब्धिकृतकेतनः ।
सर्वात्मा सर्वलोकेशः प्रेरकः पापनाशनः ॥ १०० ॥
सर्वव्यापी जगन्नाथः सर्वलोकमहेश्वरः ।
सर्गस्थित्यन्तकृद्देवः सर्वलोकसुखावहः ॥ १०१ ॥
अक्षय्यः शाश्वतोऽनन्तः क्षयवृद्धिविवर्जितः ।
निर्लेपो निर्गुणः सूक्ष्मो निर्विकारो निरञ्जनः ॥ १०२ ॥
सर्वोपाधिविनिर्मुक्तः सत्तामात्रव्यवस्थितः ।
अधिकारी विभुर्नित्यः परमात्मा सनातनः ॥ १०३ ॥
अचलो निर्मलो व्यापी नित्यतृप्तो निराश्रयः ।
श्यामो युवा लोहिताक्षो दीप्तास्यो मितभाषणः ॥ १०४ ॥
आजानुबाहुः सुमुखः सिंहस्कन्धो महाभुजः ।
सत्यवान् गुणसम्पन्नः स्वयंतेजाः सुदीप्तिमान् ॥ १०५ ॥
कालात्मा भगवान् कालः कालचक्रप्रवर्तकः ।

नारायणः परंज्योतिः परमात्मा सनातनः ॥ १०६ ॥
विश्वसृड्विश्वगोप्ता च विश्वभोक्ता च शाश्वतः ।
विश्वेश्वरो विश्वमूर्तिर्विश्वात्मा विश्वभावनः ॥ १०७ ॥
सर्वभूतसुहृच्छान्तः सर्वभूतानुकम्पनः ।
सर्वेश्वरेश्वरः सर्वः श्रीमानाश्रितवत्सलः ॥ १०८ ॥
सर्वगः सर्वभूतेशः सर्वभूताशयस्थितः ।
अभ्यन्तरस्थस्तमसश्छेत्ता नारायणः परः ॥ १०९ ॥
अनादिनिधनः स्त्रष्टा प्रजापतिपतिर्हरिः ।
नरसिंहो हृषीकेशः सर्वात्मा सर्वदृग् वशी ॥ ११० ॥
जगतस्तस्थुषश्चैव प्रभुर्नेता सनातनः ।
कर्ता धाता विधाता च सर्वेषां प्रभुरीश्वरः ॥ १११ ॥
सहस्रमूर्तिर्विश्वात्मा विष्णुर्विश्वदृगव्ययः ।
पुराणपुरुषः स्त्रष्टा सहस्राक्षः सहस्रपात् ॥ ११२ ॥
तत्त्वं नारायणो विष्णुर्वासुदेवः सनातनः ।
परमात्मा परं ब्रह्म सच्चिदानन्दविग्रहः ॥ ११३ ॥
परं ज्योतिः परं धाम पराकाशः परात्परः ।
अच्युतः पुरुषः कृष्णः शाश्वतः शिव ईश्वरः ॥ ११४ ॥
नित्यः सर्वगतः स्थाणुरुग्रः साक्षी प्रजापतिः ।
हिरण्यगर्भः सविता लोककृल्लोकभृद्विभुः ॥ ११५ ॥
रामः श्रीमान् महाविष्णुर्जिष्णुर्देवहितावहः ।
तत्त्वात्मा तारकं ब्रह्म शाश्वतः सर्वसिद्धिदः ॥ ११६ ॥
अकारवाच्यो भगवान् श्रीर्भूलीलापतिः पुमान् ।
सर्वलोकेश्वरः श्रीमान् सर्वज्ञः सर्वतोमुखः ॥ ११७ ॥

स्वामी सुशीलः सुलभः सर्वज्ञः सर्वशक्तिमान्।
नित्यः सम्पूर्णकामश्च नैसर्गिकसुहृत् सुखी॥ ११८॥
कृपापीयूषजलधिश्शरण्यः सर्वदेहिनाम्।
श्रीमान्नारायणः स्वामी जगतां पतिरीश्वरः॥ ११९॥
श्रीशः शरण्यो भूतानां संश्रिताभीष्टदायकः।
अनन्तः श्रीपती रामो गुणभृन्निर्गुणो महान्॥ १२०॥

॥ इति श्रीआनन्दरामायणे वाल्मीकीये श्रीरामसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीरामाय नमः ॥

श्रीरामसहस्रनामावलिः

१ ॐ राजीवलोचनाय नमः।
२ ॐ श्रीमते नमः।
३ ॐ श्रीरामाय नमः।
४ ॐ रघुपुङ्गवाय नमः।
५ ॐ रामभद्राय नमः।
६ ॐ सदाचाराय नमः।
७ ॐ राजेन्द्राय नमः।
८ ॐ जानकीपतये नमः।
९ ॐ अग्रगण्याय नमः।
१० ॐ वरेण्याय नमः।
११ ॐ वरदाय नमः।
१२ ॐ परमेश्वराय नमः।
१३ ॐ जनार्दनाय नमः।
१४ ॐ जितामित्राय नमः।
१५ ॐ परार्थैकप्रयोजनाय नमः।
१६ ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः।
१७ ॐ दान्ताय नमः।
१८ ॐ शत्रुजिते नमः।
१९ ॐ शत्रुतापनाय नमः।
२० ॐ सर्वज्ञाय नमः।
२१ ॐ सर्वदेवादये नमः।
२२ ॐ शरण्याय नमः।
२३ ॐ वालिमर्दनाय नमः।
२४ ॐ ज्ञानभाव्याय नमः।
२५ ॐ अपरिच्छेद्याय नमः।
२६ ॐ वाग्मिने नमः।
२७ ॐ सत्यव्रताय नमः।
२८ ॐ शुचये नमः।
२९ ॐ ज्ञानगम्याय नमः।
३० ॐ दृढप्रज्ञाय नमः।
३१ ॐ खरध्वंसिने नमः।
३२ ॐ प्रतापवते नमः।
३३ ॐ द्युतिमते नमः।
३४ ॐ आत्मवते नमः।
३५ ॐ वीराय नमः।
३६ ॐ जितक्रोधाय नमः।
३७ ॐ अरिमर्दनाय नमः।
३८ ॐ विश्वरूपाय नमः।
३९ ॐ विशालाक्षाय नमः।
४० ॐ प्रभवे नमः।
४१ ॐ परिवृढाय नमः।
४२ ॐ दृढाय नमः।
४३ ॐ ईशाय नमः।
४४ ॐ खड्गधराय नमः।
४५ ॐ श्रीमते नमः।
४६ ॐ कौसलेयाय नमः।
४७ ॐ अनसूयकाय नमः।
४८ ॐ विपुलांसाय नमः।

४९ ॐ महोरस्काय नमः।
५० ॐ परमेष्ठिने नमः।
५१ ॐ परायणाय नमः।
५२ ॐ सत्यव्रताय नमः।
५३ ॐ सत्यसन्धाय नमः।
५४ ॐ गुरवे नमः।
५५ ॐ परमधार्मिकाय नमः।
५६ ॐ लोकज्ञाय नमः।
५७ ॐ लोकवन्द्याय नमः।
५८ ॐ लोकात्मने नमः।
५९ ॐ लोककृते नमः।
६० ॐ परस्मै नमः।
६१ ॐ अनादये नमः।
६२ ॐ भगवते नमः।
६३ ॐ सेव्याय नमः।
६४ ॐ जितमायाय नमः।
६५ ॐ रघूद्वहाय नमः।
६६ ॐ रामाय नमः।
६७ ॐ दयाकराय नमः।
६८ ॐ दक्षाय नमः।
६९ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
७० ॐ सर्वपावनाय नमः।
७१ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
७२ ॐ नीतिमते नमः।
७३ ॐ गोप्त्रे नमः।
७४ ॐ सर्वदेवमयाय नमः।
७५ ॐ हरये नमः।
७६ ॐ सुन्दराय नमः।
७७ ॐ पीतवाससे नमः।
७८ ॐ सूत्रकाराय नमः।
७९ ॐ पुरातनाय नमः।
८० ॐ सौम्याय नमः।
८१ ॐ महर्षये नमः।
८२ ॐ कोदण्डिने नमः।
८३ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
८४ ॐ सर्वकोविदाय नमः।
८५ ॐ कवये नमः।
८६ ॐ सुग्रीववरदाय नमः।
८७ ॐ सर्वपुण्याधिकप्रदायनमः।
८८ ॐ भव्याय नमः।
८९ ॐ जितारिषड्वर्गाय नमः।
९० ॐ महोदराय नमः।
९१ ॐ अघनाशनाय नमः।
९२ ॐ सुकीर्तये नमः।
९३ ॐ आदिपुरुषाय नमः।
९४ ॐ कान्ताय नमः।
९५ ॐ पुण्यकृतागमाय नमः।
९६ ॐ अकल्मषाय नमः।
९७ ॐ चतुर्बाहवे नमः।
९८ ॐ सर्वावासाय नमः।
९९ ॐ दुरासदाय नमः।
१०० ॐ स्मितभाषिणे नमः।
१०१ ॐ निवृत्तात्मने नमः।
१०२ ॐ स्मृतिमते नमः।
१०३ ॐ वीर्यवते नमः।
१०४ ॐ प्रभवे नमः।

१०५ ॐ धीराय नमः।
१०६ ॐ दान्ताय नमः।
१०७ ॐ घनश्यामाय नमः।
१०८ ॐ सर्वायुधविशारदाय नमः।
१०९ ॐ अध्यात्मयोगनिलयाय नमः।
११० ॐ सुमनसे नमः।
१११ ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः।
११२ ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः।
११३ ॐ शूराय नमः।
११४ ॐ सर्वयज्ञफलप्रदाय नमः।
११५ ॐ यज्ञस्वरूपिणे नमः।
११६ ॐ यज्ञेशाय नमः।
११७ ॐ जरामरणवर्जिताय नमः।
११८ ॐ वर्णाश्रमकराय नमः।
११९ ॐ वर्णिने नमः।
१२० ॐ शत्रुजिते नमः।
१२१ ॐ पुरुषोत्तमाय नमः।
१२२ ॐ विभीषणप्रतिष्ठात्रे नमः।
१२३ ॐ परमात्मने नमः।
१२४ ॐ परात्परस्मै नमः।
१२५ ॐ प्रमाणभूताय नमः।
१२६ ॐ दुर्ज्ञेयाय नमः।
१२७ ॐ पूर्णाय नमः।
१२८ ॐ परपुरञ्जयाय नमः।
१२९ ॐ अनन्तदृष्टये नमः।
१३० ॐ आनन्दाय नमः।
१३१ ॐ धनुर्वेदाय नमः।
१३२ ॐ धनुर्धराय नमः।
१३३ ॐ गुणाकराय नमः।
१३४ ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः।
१३५ ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः।
१३६ ॐ अभिवन्द्याय नमः।
१३७ ॐ महाकायाय नमः।
१३८ ॐ विश्वकर्मणे नमः।
१३९ ॐ विशारदाय नमः।
१४० ॐ विनीतात्मने नमः।
१४१ ॐ वीतरागाय नमः।
१४२ ॐ तपस्वीशाय नमः।
१४३ ॐ जनेश्वराय नमः।
१४४ ॐ कल्याणप्रकृतये नमः।
१४५ ॐ कल्पाय नमः।
१४६ ॐ सर्वेशाय नमः।
१४७ ॐ सर्वकामदाय नमः।
१४८ ॐ अक्षयाय नमः।
१४९ ॐ पुरुषाय नमः।
१५० ॐ साक्षिणे नमः।
१५१ ॐ केशवाय नमः।
१५२ ॐ पुरुषोत्तमाय नमः।
१५३ ॐ लोकाध्यक्षाय नमः।
१५४ ॐ महामायाय नमः।
१५५ ॐ विभीषणवरप्रदाय नमः।
१५६ ॐ आनन्दविग्रहाय नमः।
१५७ ॐ ज्योतिषे नमः।
१५८ ॐ हनुमत्प्रभवे नमः।
१५९ ॐ अव्ययाय नमः।
१६० ॐ भ्राजिष्णवे नमः।

१६१ ॐ सहनाय नमः।
१६२ ॐ भोक्त्रे नमः।
१६३ ॐ सत्यवादिने नमः।
१६४ ॐ बहुश्रुताय नमः।
१६५ ॐ सुखदाय नमः।
१६६ ॐ कारणाय नमः।
१६७ ॐ कर्त्रे नमः।
१६८ ॐ भवबन्धविमोचनाय नमः।
१६९ ॐ देवचूडामणये नमः।
१७० ॐ नेत्रे नमः।
१७१ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
१७२ ॐ ब्रह्मवर्धनाय नमः।
१७३ ॐ संसारोत्तारकाय नमः।
१७४ ॐ रामाय नमः।
१७५ ॐ सर्वदुःखविमोक्षकृते नमः।
१७६ ॐ विद्वत्तमाय नमः।
१७७ ॐ विश्वकर्त्रे नमः।
१७८ ॐ विश्वहर्त्रे नमः।
१७९ ॐ विश्वकृते नमः।
१८० ॐ नित्याय नमः।
१८१ ॐ नियतकल्याणाय नमः।
१८२ ॐ सीताशोकविनाशकृते नमः।
१८३ ॐ काकुत्स्थाय नमः।
१८४ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
१८५ ॐ विश्वामित्रभयापहाय नमः।
१८६ ॐ मारीचमथनाय नमः।
१८७ ॐ रामाय नमः।
१८८ ॐ विराधवधपण्डिताय नमः।
१८९ ॐ दुस्स्वप्ननाशनाय नमः।
१९० ॐ रम्याय नमः।
१९१ ॐ किरीटिने नमः।
१९२ ॐ त्रिदशाधिपाय नमः।
१९३ ॐ महाधनुषे नमः।
१९४ ॐ महाकायाय नमः।
१९५ ॐ भीमाय नमः।
१९६ ॐ भीमपराक्रमाय नमः।
१९७ ॐ तत्त्वस्वरूपिणे नमः।
१९८ ॐ तत्त्वज्ञाय नमः।
१९९ ॐ तत्त्ववादिने नमः।
२०० ॐ सुविक्रमाय नमः।
२०१ ॐ भूतात्मने नमः।
२०२ ॐ भूतकृते नमः।
२०३ ॐ स्वामिने नमः।
२०४ ॐ कालज्ञानिने नमः।
२०५ ॐ महापटवे नमः।
२०६ ॐ अनिर्विण्णाय नमः।
२०७ ॐ गुणग्राहिणे नमः।
२०८ ॐ निष्कलङ्काय नमः।
२०९ ॐ कलङ्कघ्ने नमः।
२१० ॐ स्वभावभद्राय नमः।
२११ ॐ शत्रुघ्नाय नमः।
२१२ ॐ केशवाय नमः।
२१३ ॐ स्थाणवे नमः।
२१४ ॐ ईश्वराय नमः।
२१५ ॐ भूतादये नमः।
२१६ ॐ शम्भवे नमः।

२१७ ॐ आदित्याय नमः।
२१८ ॐ स्थविष्ठाय नमः।
२१९ ॐ शाश्वताय नमः।
२२० ॐ ध्रुवाय नमः।
२२१ ॐ कवचिने नमः।
२२२ ॐ कुण्डलिने नमः।
२२३ ॐ चक्रिणे नमः।
२२४ ॐ खड्गिने नमः।
२२५ ॐ भक्तजनप्रियाय नमः।
२२६ ॐ अमृत्यवे नमः।
२२७ ॐ जन्मरहिताय नमः।
२२८ ॐ सर्वजिते नमः।
२२९ ॐ सर्वगोचराय नमः।
२३० ॐ अनुत्तमाय नमः।
२३१ ॐ अप्रमेयात्मने नमः।
२३२ ॐ सर्वादये नमः।
२३३ ॐ गुणसागराय नमः।
२३४ ॐ समाय नमः।
२३५ ॐ समात्मने नमः।
२३६ ॐ समगाय नमः।
२३७ ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः।
२३८ ॐ अजेयाय नमः।
२३९ ॐ सर्वभूतात्मने नमः।
२४० ॐ विष्वक्सेनाय नमः।
२४१ ॐ महातपसे नमः।
२४२ ॐ लोकाध्यक्षाय नमः।
२४३ ॐ महाबाहवे नमः।
२४४ ॐ अमृताय नमः।
२४५ ॐ वेदवित्तमाय नमः।
२४६ ॐ सहिष्णवे नमः।
२४७ ॐ सद्गतये नमः।
२४८ ॐ शास्त्रे नमः।
२४९ ॐ विश्वयोनये नमः।
२५० ॐ महाद्युतये नमः।
२५१ ॐ अतीन्द्राय नमः।
२५२ ॐ ऊर्जिताय नमः।
२५३ ॐ प्रांशवे नमः।
२५४ ॐ उपेन्द्राय नमः।
२५५ ॐ वामनाय नमः।
२५६ ॐ बलिने नमः।
२५७ ॐ धनुर्वेदाय नमः।
२५८ ॐ विधात्रे नमः।
२५९ ॐ ब्रह्मणे नमः।
२६० ॐ विष्णवे नमः।
२६१ ॐ शङ्कराय नमः।
२६२ ॐ हंसाय नमः।
२६३ ॐ मरीचये नमः।
२६४ ॐ गोविन्दाय नमः।
२६५ ॐ रत्नगर्भाय नमः।
२६६ ॐ महामतये नमः।
२६७ ॐ व्यासाय नमः।
२६८ ॐ वाचस्पतये नमः।
२६९ ॐ सर्वदर्पितासुरमर्दनाय नमः।
२७० ॐ जानकीवल्लभाय नमः।
२७१ ॐ पूज्याय नमः।
२७२ ॐ प्रकटाय नमः।

२७३ ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः।
२७४ ॐ सम्भवाय नमः।
२७५ ॐ अतीन्द्रियाय नमः।
२७६ ॐ वेद्याय नमः।
२७७ ॐ अनिर्देशाय नमः।
२७८ ॐ जाम्बवत्प्रभवे नमः।
२७९ ॐ मदनाय नमः।
२८० ॐ मथनाय नमः।
२८१ ॐ व्यापिने नमः।
२८२ ॐ विश्वरूपाय नमः।
२८३ ॐ निरञ्जनाय नमः।
२८४ ॐ नारायणाय नमः।
२८५ ॐ अग्रण्ये नमः।
२८६ ॐ साधवे नमः।
२८७ ॐ जटायुप्रीतिवर्धनाय नमः।
२८८ ॐ नैकरूपाय नमः।
२८९ ॐ जगन्नाथाय नमः।
२९० ॐ सुरकार्यहिताय नमः।
२९१ ॐ स्वभुवे नमः।
२९२ ॐ जितक्रोधाय नमः।
२९३ ॐ जितारातये नमः।
२९४ ॐ प्लवगाधिपराज्यदाय नमः।
२९५ ॐ वसुदाय नमः।
२९६ ॐ सुभुजाय नमः।
२९७ ॐ नैकमायाय नमः।
२९८ ॐ भव्यप्रमोदनाय नमः।
२९९ ॐ चण्डांशवे नमः।
३०० ॐ सिद्धिदाय नमः।
३०१ ॐ कल्पाय नमः।
३०२ ॐ शरणागतवत्सलाय नमः।
३०३ ॐ अगदाय नमः।
३०४ ॐ रोगहर्त्रे नमः।
३०५ ॐ मन्त्रज्ञाय नमः।
३०६ ॐ मन्त्रभावनाय नमः।
३०७ ॐ सौमित्रिवत्सलाय नमः।
३०८ ॐ धुर्याय नमः।
३०९ ॐ व्यक्ताव्यक्तस्वरूपधृते नमः।
३१० ॐ वसिष्ठाय नमः।
३११ ॐ ग्रामण्ये नमः।
३१२ ॐ श्रीमते नमः।
३१३ ॐ अनुकूलाय नमः।
३१४ ॐ प्रियंवदाय नमः।
३१५ ॐ अतुलाय नमः।
३१६ ॐ सात्त्विकाय नमः।
३१७ ॐ धीराय नमः।
३१८ ॐ शरासनविशारदाय नमः।
३१९ ॐ ज्येष्ठाय नमः।
३२० ॐ सर्वगुणोपेताय नमः।
३२१ ॐ शक्तिमते नमः।
३२२ ॐ ताटकान्तकाय नमः।
३२३ ॐ वैकुण्ठाय नमः।
३२४ ॐ प्राणिनां प्राणाय नमः।
३२५ ॐ कमठाय नमः।
३२६ ॐ कमलापतये नमः।
३२७ ॐ गोवर्धनधराय नमः।
३२८ ॐ मत्स्यरूपाय नमः।

३२९ ॐ कारुण्यसागराय नमः।
३३० ॐ कुम्भकर्णप्रभेत्त्रे नमः।
३३१ ॐ गोपिगोपालसंवृताय नमः।
३३२ ॐ मायाविने नमः।
३३३ ॐ व्यापकाय नमः।
३३४ ॐ व्यापिने नमः।
३३५ ॐ रैणुकेयबलापहाय नमः।
३३६ ॐ पिनाकमथनाय नमः।
३३७ ॐ वन्द्याय नमः।
३३८ ॐ समर्थाय नमः।
३३९ ॐ गरुडध्वजाय नमः।
३४० ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः।
३४१ ॐ लोकचरिताय नमः।
३४२ ॐ भरताग्रजाय नमः।
३४३ ॐ श्रीधराय नमः।
३४४ ॐ सद्गतये नमः।
३४५ ॐ लोकसाक्षिणे नमः।
३४६ ॐ नारायणाय नमः।
३४७ ॐ बुधाय नमः।
३४८ ॐ मनोवेगिने नमः।
३४९ ॐ मनोरूपिणे नमः।
३५० ॐ पूर्णाय नमः।
३५१ ॐ पुरुषपुङ्गवाय नमः।
३५२ ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः।
३५३ ॐ यदुपतये नमः।
३५४ ॐ भूतावासाय नमः।
३५५ ॐ सुविक्रमाय नमः।
३५६ ॐ तेजोधराय नमः।
३५७ ॐ धराधाराय नमः।
३५८ ॐ चतुर्मूर्तये नमः।
३५९ ॐ महानिधये नमः।
३६० ॐ चाणूरमर्दनाय नमः।
३६१ ॐ दिव्याय नमः।
३६२ ॐ शान्ताय नमः।
३६३ ॐ भरतवन्दिताय नमः।
३६४ ॐ शब्दातिगाय नमः।
३६५ ॐ गभीरात्मने नमः।
३६६ ॐ कोमलाङ्गाय नमः।
३६७ ॐ प्रजागराय नमः।
३६८ ॐ लोकगर्भाय नमः।
३६९ ॐ शेषशायिने नमः।
३७० ॐ क्षीराब्धिनिलयाय नमः।
३७१ ॐ अमलाय नमः।
३७२ ॐ आत्मयोनये नमः।
३७३ ॐ अदीनात्मने नमः।
३७४ ॐ सहस्राक्षाय नमः।
३७५ ॐ सहस्रपदे नमः।
३७६ ॐ अमृतांशवे नमः।
३७७ ॐ महागर्भाय नमः।
३७८ ॐ निवृत्तविषयस्पृहाय नमः।
३७९ ॐ त्रिकालज्ञाय नमः।
३८० ॐ मुनये नमः।
३८१ ॐ साक्षिणे नमः।
३८२ ॐ विहायसगतये नमः।
३८३ ॐ कृतिने नमः।
३८४ ॐ पर्जन्याय नमः।

३८५ ॐ कुमुदाय नमः।
३८६ ॐ भूतावासाय नमः।
३८७ ॐ कमललोचनाय नमः।
३८८ ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः।
३८९ ॐ श्रीवासाय नमः।
३९० ॐ वीरघ्ने नमः।
३९१ ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः।
३९२ ॐ लोकाभिरामाय नमः।
३९३ ॐ लोकारिमर्दनाय नमः।
३९४ ॐ सेवकप्रियाय नमः।
३९५ ॐ सनातनतमाय नमः।
३९६ ॐ मेघश्यामलाय नमः।
३९७ ॐ राक्षसान्तकृते नमः।
३९८ ॐ दिव्यायुधधराय नमः।
३९९ ॐ श्रीमते नमः।
४०० ॐ अप्रमेयाय नमः।
४०१ ॐ जितेन्द्रियाय नमः।
४०२ ॐ भूदेववन्द्याय नमः।
४०३ ॐ जनकप्रियकृते नमः।
४०४ ॐ प्रपितामहाय नमः।
४०५ ॐ उत्तमाय नमः।
४०६ ॐ सात्त्विकाय नमः।
४०७ ॐ सत्याय नमः।
४०८ ॐ सत्यसन्धाय नमः।
४०९ ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
४१० ॐ सुव्रताय नमः।
४११ ॐ सुलभाय नमः।
४१२ ॐ सूक्ष्माय नमः।
४१३ ॐ सुघोषाय नमः।
४१४ ॐ सुखदाय नमः।
४१५ ॐ सुधिये नमः।
४१६ ॐ दामोदराय नमः।
४१७ ॐ अच्युताय नमः।
४१८ ॐ शार्ङ्गिणे नमः।
४१९ ॐ वामनाय नमः।
४२० ॐ मधुराधिपाय नमः।
४२१ ॐ देवकीनन्दनाय नमः।
४२२ ॐ शौरये नमः।
४२३ ॐ शूराय नमः।
४२४ ॐ कैटभमर्दनाय नमः।
४२५ ॐ सप्ततालप्रभेत्त्रे नमः।
४२६ ॐ मित्रवंशप्रवर्धनाय नमः।
४२७ ॐ कालस्वरूपिणे नमः।
४२८ ॐ कालात्मने नमः।
४२९ ॐ कालाय नमः।
४३० ॐ कल्याणदाय नमः।
४३१ ॐ कवये नमः।
४३२ ॐ संवत्सराय नमः।
४३३ ॐ ऋतवे नमः।
४३४ ॐ पक्षाय नमः।
४३५ ॐ अयनाय नमः।
४३६ ॐ दिवसाय नमः।
४३७ ॐ युगाय नमः।
४३८ ॐ स्तव्याय नमः।
४३९ ॐ विविक्ताय नमः।
४४० ॐ निर्लेपायः नमः।

४४१ ॐ सर्वव्यापिने नमः।
४४२ ॐ निराकुलाय नमः।
४४३ ॐ अनादिनिधनाय नमः।
४४४ ॐ सर्वलोकपूज्याय नमः।
४४५ ॐ निरामयाय नमः।
४४६ ॐ रसाय नमः।
४४७ ॐ रसज्ञाय नमः।
४४८ ॐ सारज्ञाय नमः।
४४९ ॐ लोकसाराय नमः।
४५० ॐ रसात्मकाय नमः।
४५१ ॐ सर्वदुःखातिगाय नमः।
४५२ ॐ विद्याराशये नमः।
४५३ ॐ परमगोचराय नमः।
४५४ ॐ शेषाय नमः।
४५५ ॐ विशेषाय नमः।
४५६ ॐ विगतकल्मषाय नमः।
४५७ ॐ रघुनायकाय नमः।
४५८ ॐ वर्णश्रेष्ठाय नमः।
४५९ ॐ वर्णवाह्याय नमः।
४६० ॐ वर्ण्याय नमः।
४६१ ॐ वर्ण्यगुणोज्ज्वलाय नमः।
४६२ ॐ कर्मसाक्षिणे नमः।
४६३ ॐ अमरश्रेष्ठाय नमः।
४६४ ॐ देवदेवाय नमः।
४६५ ॐ सुखप्रदाय नमः।
४६६ ॐ देवाधिदेवाय नमः।
४६७ ॐ देवर्षये नमः।
४६८ ॐ देवासुरनमस्कृताय नमः।
४६९ ॐ सर्वदेवमयाय नमः।
४७० ॐ चक्रिणे नमः।
४७१ ॐ शार्ङ्गपाणये नमः।
४७२ ॐ रघूत्तमाय नमः।
४७३ ॐ मनसे नमः।
४७४ ॐ बुद्ध्यै नमः।
४७५ ॐ अहंकाराय नमः।
४७६ ॐ प्रकृत्यै नमः।
४७७ ॐ पुरुषाय नमः।
४७८ ॐ अव्ययाय नमः।
४७९ ॐ अहल्यापावनाय नमः।
४८० ॐ स्वामिने नमः।
४८१ ॐ पितृभक्ताय नमः।
४८२ ॐ वरप्रदाय नमः।
४८३ ॐ न्यायाय नमः।
४८४ ॐ न्यायिने नमः।
४८५ ॐ नयिने नमः।
४८६ ॐ श्रीमते नमः।
४८७ ॐ नयाय नमः।
४८८ ॐ नगधराय नमः।
४८९ ॐ ध्रुवाय नमः।
४९० ॐ लक्ष्मीविश्वम्भराभर्त्रे नमः।
४९१ ॐ देवेन्द्राय नमः।
४९२ ॐ बलिमर्दनाय नमः।
४९३ ॐ वाणारिमर्दनाय नमः।
४९४ ॐ यज्वने नमः।
४९५ ॐ अनुत्तमाय नमः।
४९६ ॐ मुनिसेविताय नमः।

४९७ ॐ देवाग्रणये नमः।
४९८ ॐ शिवध्यानतत्पराय नमः।
४९९ ॐ परमाय नमः।
५०० ॐ परस्मै नमः।
५०१ ॐ सामगेयाय नमः।
५०२ ॐ प्रियाय नमः।
५०३ ॐ अक्रूराय नमः।
५०४ ॐ पुण्यकीर्तये नमः।
५०५ ॐ सुलोचनाय नमः।
५०६ ॐ पुण्याय नमः।
५०७ ॐ पुण्याधिकाय नमः।
५०८ ॐ पूर्वस्मै नमः।
५०९ ॐ पूर्णाय नमः।
५१० ॐ पूरयित्रे नमः।
५११ ॐ रवये नमः।
५१२ ॐ जटिलाय नमः।
५१३ ॐ कल्मषध्वान्तप्रभञ्जन-
विभावसवे नमः।
५१४ ॐ अव्यक्तलक्षणाय नमः।
५१५ ॐ अव्यक्ताय नमः।
५१६ ॐ दशास्यद्विपकेसरिणे नमः।
५१७ ॐ कलानिधये नमः।
५१८ ॐ कलानाथाय नमः।
५१९ ॐ कमलानन्दवर्धनाय नमः।
५२० ॐ जयिने नमः।
५२१ ॐ जितारये नमः।
५२२ ॐ सर्वादये नमः।
५२३ ॐ शमनाय नमः।
५२४ ॐ भवभञ्जनाय नमः।
५२५ ॐ अलंकरिष्णवे नमः।
५२६ ॐ अचलाय नमः।
५२७ ॐ रोचिष्णवे नमः।
५२८ ॐ विक्रमोत्तमाय नमः।
५२९ ॐ आशवे नमः।
५३० ॐ शब्दपतये नमः।
५३१ ॐ शब्दागोचराय नमः।
५३२ ॐ रञ्जनाय नमः।
५३३ ॐ रघवे नमः।
५३४ ॐ निश्शब्दाय नमः।
५३५ ॐ प्रणवाय नमः।
५३६ ॐ मालिने नमः।
५३७ ॐ स्थूलाय नमः।
५३८ ॐ सूक्ष्माय नमः।
५३९ ॐ विलक्षणाय नमः।
५४० ॐ आत्मयोनये नमः।
५४१ ॐ अयोनये नमः।
५४२ ॐ सप्तजिह्वाय नमः।
५४३ ॐ सहस्त्रपदे नमः।
५४४ ॐ सनातनतमाय नमः।
५४५ ॐ स्त्रग्विणे नमः।
५४६ ॐ पेशलाय नमः।
५४७ ॐ जविनां वराय नमः।
५४८ ॐ शक्तिमते नमः।
५४९ ॐ शङ्खभृते नमः।
५५० ॐ नाथाय नमः।
५५१ ॐ गदापद्मरथाङ्गभृते नमः।

५५२ ॐ निरीहाय नमः।
५५३ ॐ निर्विकल्पाय नमः।
५५४ ॐ चिद्रूपाय नमः।
५५५ ॐ वीतसाध्वसाय नमः।
५५६ ॐ शताननाय नमः।
५५७ ॐ सहस्त्राक्षाय नमः।
५५८ ॐ शतमूर्तये नमः।
५५९ ॐ घनप्रभाय नमः।
५६० ॐ हृत्पुण्डरीकशयनाय नमः।
५६१ ॐ कठिनाय नमः।
५६२ ॐ द्रवाय नमः।
५६३ ॐ उग्राय नमः।
५६४ ॐ ग्रहपतये नमः।
५६५ ॐ श्रीमते नमः।
५६६ ॐ समर्थाय नमः।
५६७ ॐ अनर्थनाशनाय नमः।
५६८ ॐ अधर्मशत्रवे नमः।
५६९ ॐ रक्षोघ्नाय नमः।
५७० ॐ पुरुहूताय नमः।
५७१ ॐ पुरुष्टुताय नमः।
५७२ ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः।
५७३ ॐ बृहद्गर्भाय नमः।
५७४ ॐ धर्मधेनवे नमः।
५७५ ॐ धनागमाय नमः।
५७६ ॐ हिरण्यगर्भाय नमः।
५७७ ॐ ज्योतिष्मते नमः।
५७८ ॐ सुललाटाय नमः।
५७९ ॐ सुविक्रमाय नमः।
५८० ॐ शिवपूजारताय नमः।
५८१ ॐ श्रीमते नमः।
५८२ ॐ भवानीप्रियकृते नमः।
५८३ ॐ वशिने नमः।
५८४ ॐ नराय नमः।
५८५ ॐ नारायणाय नमः।
५८६ ॐ श्यामाय नमः।
५८७ ॐ कपर्दिने नमः।
५८८ ॐ नीललोहिताय नमः।
५८९ ॐ रुद्राय नमः।
५९० ॐ पशुपतये नमः।
५९१ ॐ स्थाणवे नमः।
५९२ ॐ विश्वामित्राय नमः।
५९३ ॐ द्विजेश्वराय नमः।
५९४ ॐ मातामहाय नमः।
५९५ ॐ मातरिश्वने नमः।
५९६ ॐ विरिञ्चाय नमः।
५९७ ॐ विष्टरश्रवसे नमः।
५९८ ॐ सर्वभूतानामक्षोभ्याय नमः।
५९९ ॐ चण्डाय नमः।
६०० ॐ सत्यपराक्रमाय नमः।
६०१ ॐ वालखिल्याय नमः।
६०२ ॐ महाकल्पाय नमः।
६०३ ॐ कल्पवृक्षाय नमः।
६०४ ॐ कलाधराय नमः।
६०५ ॐ निदाघाय नमः।
६०६ ॐ तपनाय नमः।
६०७ ॐ अमोघाय नमः।

६०८ ॐ श्लक्ष्णाय नमः।
६०९ ॐ परबलापहर्त्रे नमः।
६१० ॐ कबन्धमथनाय नमः।
६११ ॐ दिव्याय नमः।
६१२ ॐ कम्बुग्रीवशिवप्रियाय नमः।
६१३ ॐ शङ्खाय नमः।
६१४ ॐ अनिलाय नमः।
६१५ ॐ सुनिष्पन्नाय नमः।
६१६ ॐ सुलभाय नमः।
६१७ ॐ शिशिरात्मकाय नमः।
६१८ ॐ असंसृष्टाय नमः।
६१९ ॐ अतिथये नमः।
६२० ॐ शूराय नमः।
६२१ ॐ प्रमाथिने नमः।
६२२ ॐ पापनाशकृते नमः।
६२३ ॐ वसुश्रवसे नमः।
६२४ ॐ कव्यवाहाय नमः।
६२५ ॐ प्रतप्ताय नमः।
६२६ ॐ विश्वभोजनाय नमः।
६२७ ॐ रामाय नमः।
६२८ ॐ नीलोत्पलश्यामाय नमः।
६२९ ॐ ज्ञानस्कन्धाय नमः।
६३० ॐ महाद्युतये नमः।
६३१ ॐ पवित्रपादाय नमः।
६३२ ॐ पापारये नमः।
६३३ ॐ मणिपूराय नमः।
६३४ ॐ नभोगतये नमः।
६३५ ॐ उत्तारणाय नमः।
६३६ ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः।
६३७ ॐ दुर्धर्षाय नमः।
६३८ ॐ दुस्सहाय नमः।
६३९ ॐ अभयाय नमः।
६४० ॐ अमृतेशाय नमः।
६४१ ॐ अमृतवपुषे नमः।
६४२ ॐ धर्मिणे नमः।
६४३ ॐ धर्माय नमः।
६४४ ॐ कृपाकराय नमः।
६४५ ॐ भर्गाय नमः।
६४६ ॐ विवस्वते नमः।
६४७ ॐ आदित्याय नमः।
६४८ ॐ योगाचार्याय नमः।
६४९ ॐ दिवस्पतये नमः।
६५० ॐ उदारकीर्तये नमः।
६५१ ॐ उद्योगिने नमः।
६५२ ॐ वाङ्मयाय नमः।
६५३ ॐ सदसन्मयाय नमः।
६५४ ॐ नक्षत्रमालिने नमः।
६५५ ॐ नाकेशाय नमः।
६५६ ॐ स्वाधिष्ठानाय नमः।
६५७ ॐ षडाश्रयाय नमः।
६५८ ॐ चतुर्वर्गफलाय नमः।
६५९ ॐ वर्णिने नमः।
६६० ॐ शक्तित्रयफलाय नमः।
६६१ ॐ निधये नमः।
६६२ ॐ निधानगर्भाय नमः।
६६३ ॐ निर्व्याजाय नमः।

६६४ ॐ गिरीशाय नमः।
६६५ ॐ व्यालमर्दनाय नमः।
६६६ ॐ श्रीवल्लभाय नमः।
६६७ ॐ शिवारम्भाय नमः।
६६८ ॐ शान्तये नमः।
६६९ ॐ भद्राय नमः।
६७० ॐ समञ्जसाय नमः।
६७१ ॐ भूशयाय नमः।
६७२ ॐ भूतिकृते नमः।
६७३ ॐ भूत्यै नमः।
६७४ ॐ भूषणाय नमः।
६७५ ॐ भूतवाहनाय नमः।
६७६ ॐ अकायाय नमः।
६७७ ॐ भक्तकायस्थाय नमः।
६७८ ॐ कालज्ञानिने नमः।
६७९ ॐ महावटवे नमः।
६८० ॐ परार्थवृत्तये नमः।
६८१ ॐ अचलाय नमः।
६८२ ॐ विविक्ताय नमः।
६८३ ॐ श्रुतिसागराय नमः।
६८४ ॐ स्वभावभद्राय नमः।
६८५ ॐ मध्यस्थाय नमः।
६८६ ॐ संसारभयनाशनाय नमः।
६८७ ॐ वेद्याय नमः।
६८८ ॐ वैद्याय नमः।
६८९ ॐ वियद्गोप्त्रे नमः।
६९० ॐ सर्वामरमुनीश्वराय नमः।
६९१ ॐ सुरेन्द्राय नमः।
६९२ ॐ करणाय नमः।
६९३ ॐ कर्मणे नमः।
६९४ ॐ कर्मकृते नमः।
६९५ ॐ कर्मिणे नमः।
६९६ ॐ अधोक्षजाय नमः।
६९७ ॐ ध्येयाय नमः।
६९८ ॐ धुर्याय नमः।
७९९ ॐ धराधीशाय नमः।
७०० ॐ संकल्पाय नमः।
७०१ ॐ शर्वरीपतये नमः।
७०२ ॐ परमार्थगुरवे नमः।
७०३ ॐ वृद्धाय नमः।
७०४ ॐ शुचये नमः।
७०५ ॐ आश्रितवत्सलाय नमः।
७०६ ॐ विष्णवे नमः।
७०७ ॐ जिष्णवे नमः।
७०८ ॐ विभवे नमः।
७०९ ॐ वन्द्याय नमः।
७१० ॐ यज्ञेशाय नमः।
७११ ॐ यज्ञपालकाय नमः।
७१२ ॐ प्रभविष्णवे नमः।
७१३ ॐ ग्रसिष्णवे नमः।
७१४ ॐ लोकात्मने नमः।
७१५ ॐ लोकभावनाय नमः।
७१६ ॐ केशवाय नमः।
७१७ ॐ केशिघ्ने नमः।
७१८ ॐ काव्याय नमः।
७१९ ॐ कवये नमः।

७२० ॐ कारणकारणाय नमः।
७२१ ॐ कालकर्त्रे नमः।
७२२ ॐ कालशेषाय नमः।
७२३ ॐ वासुदेवाय नमः।
७२४ ॐ पुरुष्टुताय नमः।
७२५ ॐ आदिकर्त्रे नमः।
७२६ ॐ वराहाय नमः।
७२७ ॐ माधवाय नमः।
७२८ ॐ मधुसूदनाय नमः।
७२९ ॐ नारायणाय नमः।
७३० ॐ नराय नमः।
७३१ ॐ हंसाय नमः।
७३२ ॐ विष्वक्सेनाय नमः।
७३३ ॐ जनार्दनाय नमः।
७३४ ॐ विश्वकर्त्रे नमः।
७३५ ॐ महायज्ञाय नमः।
७३६ ॐ ज्योतिष्मते नमः।
७३७ ॐ पुरुषोत्तमाय नमः।
७३८ ॐ वैकुण्ठाय नमः।
७३९ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
७४० ॐ कृष्णाय नमः।
७४१ ॐ सूर्याय नमः।
७४२ ॐ सुरार्चिताय नमः।
७४३ ॐ नारसिंहाय नमः।
७४४ ॐ महाभीमाय नमः।
७४५ ॐ वक्रदंष्ट्राय नमः।
७४६ ॐ नखायुधाय नमः।
७४७ ॐ आदिदेवाय नमः।
७४८ ॐ जगत्कर्त्रे नमः।
७४९ ॐ योगीशाय नमः।
७५० ॐ गरुडध्वजाय नमः।
७५१ ॐ गोविन्दाय नमः।
७५२ ॐ गोपतये नमः।
७५३ ॐ गोप्त्रे नमः।
७५४ ॐ भूपतये नमः।
७५५ ॐ भुवनेश्वराय नमः।
७५६ ॐ पद्मनाभाय नमः।
७५७ ॐ हृषीकेशाय नमः।
७५८ ॐ धात्रे नमः।
७५९ ॐ दामोदराय नमः।
७६० ॐ प्रभवे नमः।
७६१ ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
७६२ ॐ त्रिलोकेशाय नमः।
७६३ ॐ ब्रह्मेशाय नमः।
७६४ ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः।
७६५ ॐ वामनाय नमः।
७६६ ॐ दुष्टदमनाय नमः।
७६७ ॐ गोविन्दाय नमः।
७६८ ॐ गोपवल्लभाय नमः।
७६९ ॐ भक्तप्रियाय नमः।
७७० ॐ अच्युताय नमः।
७७१ ॐ सत्याय नमः।
७७२ ॐ सत्यकीर्तये नमः।
७७३ ॐ धृत्यै नमः।
७७४ ॐ स्मृत्यै नमः।
७७५ ॐ कारुण्याय नमः।

७७६ ॐ करुणाय नमः।
७७७ ॐ व्यासाय नमः।
७७८ ॐ पापघ्ने नमः।
७७९ ॐ शान्तिवर्धनाय नमः।
७८० ॐ संन्यासिने नमः।
७८१ ॐ शास्त्रतत्त्वज्ञाय नमः।
७८२ ॐ मन्दराद्रिनिकेतनाय नमः।
७८३ ॐ बदरीनिलयाय नमः।
७८४ ॐ शान्ताय नमः।
७८५ ॐ तपस्विने नमः।
७८६ ॐ वैद्युतप्रभाय नमः।
७८७ ॐ भूतावासाय नमः।
७८८ ॐ गुहावासाय नमः।
७८९ ॐ श्रीनिवासाय नमः।
७९० ॐ श्रियः पतये नमः।
७९१ ॐ तपोवासाय नमः।
७९२ ॐ मुदावासाय नमः।
७९३ ॐ सत्यवासाय नमः।
७९४ ॐ सनातनाय नमः।
७९५ ॐ पुरुषाय नमः।
७९६ ॐ पुष्कराय नमः।
७९७ ॐ पुण्याय नमः।
७९८ ॐ पुष्कराक्षाय नमः।
७९९ ॐ महेश्वराय नमः।
८०० ॐ पूर्णमूर्तये नमः।
८०१ ॐ पुराणज्ञाय नमः।
८०२ ॐ पुण्यदाय नमः।
८०३ ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः।
८०४ ॐ शङ्खिने नमः।
८०५ ॐ चक्रिणे नमः।
८०६ ॐ गदिने नमः।
८०७ ॐ शार्ङ्गिणे नमः।
८०८ ॐ लाङ्गलिने नमः।
८०९ ॐ मुसलिने नमः।
८१० ॐ हलिने नमः।
८११ ॐ किरीटिने नमः।
८१२ ॐ कुण्डलिने नमः।
८१३ ॐ हारिणे नमः।
८१४ ॐ मेखलिने नमः।
८१५ ॐ कवचिने नमः।
८१६ ॐ ध्वजिने नमः।
८१७ ॐ योद्ध्रे नमः।
८१८ ॐ जेत्रे नमः।
८१९ ॐ महावीर्याय नमः।
८२० ॐ शत्रुजिते नमः।
८२१ ॐ शत्रुतापनाय नमः।
८२२ ॐ शास्त्रे नमः।
८२३ ॐ शास्त्रकराय नमः।
८२४ ॐ शास्त्राय नमः।
८२५ ॐ शङ्कराय नमः।
८२६ ॐ शङ्करस्तुताय नमः।
८२७ ॐ सारथये नमः।
८२८ ॐ सात्त्विकाय नमः।
८२९ ॐ स्वामिने नमः।
८३० ॐ सामवेदप्रियाय नमः।
८३१ ॐ समाय नमः।

८३२ ॐ पवनाय नमः।
८३३ ॐ संहताय नमः।
८३४ ॐ शक्तये नमः।
८३५ ॐ सम्पूर्णाङ्गाय नमः।
८३६ ॐ समृद्धिमते नमः।
८३७ ॐ स्वर्गदाय नमः।
८३८ ॐ कामदाय नमः।
८३९ ॐ श्रीदाय नमः।
८४० ॐ कीर्तिदाय नमः।
८४१ ॐ अकीर्तिनाशनाय नमः।
८४२ ॐ मोक्षदाय नमः।
८४३ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
८४४ ॐ क्षीराब्धिकृतकेतनाय नमः।
८४५ ॐ सर्वात्मने नमः।
८४६ ॐ सर्वलोकेशाय नमः।
८४७ ॐ प्रेरकाय नमः।
८४८ ॐ पापनाशनाय नमः।
८४९ ॐ सर्वव्यापिने नमः।
८५० ॐ जगन्नाथाय नमः।
८५१ ॐ सर्वलोकमहेश्वराय नमः।
८५२ ॐ सर्गस्थित्यन्तकृते नमः।
८५३ ॐ देवाय नमः।
८५४ ॐ सर्वलोकसुखावहाय नमः।
८५५ ॐ अक्षय्याय नमः।
८५६ ॐ शाश्वताय नमः।
८५७ ॐ अनन्ताय नमः।
८५८ ॐ क्षयवृद्धिविवर्जिताय नमः।
८५९ ॐ निर्लेपाय नमः।
८६० ॐ निर्गुणाय नमः।
८६१ ॐ सूक्ष्माय नमः।
८६२ ॐ निर्विकाराय नमः।
८६३ ॐ निरञ्जनाय नमः।
८६४ ॐ सर्वोपाधिविनिर्मुक्ताय नमः।
८६५ ॐ सत्तामात्रव्यवस्थिताय नमः।
८६६ ॐ अधिकारिणे नमः।
८६७ ॐ विभवे नमः।
८६८ ॐ नित्याय नमः।
८६९ ॐ परमात्मने नमः।
८७० ॐ सनातनाय नमः।
८७१ ॐ अचलाय नमः।
८७२ ॐ निर्मलाय नमः।
८७३ ॐ व्यापिने नमः।
८७४ ॐ नित्यतृप्ताय नमः।
८७५ ॐ निराश्रयाय नमः।
८७६ ॐ श्यामाय नमः।
८७७ ॐ यूने नमः।
८७८ ॐ लोहिताक्षाय नमः।
८७९ ॐ दीप्तास्याय नमः।
८८० ॐ मितभाषणाय नमः।
८८१ ॐ आजानुबाहवे नमः।
८८२ ॐ सुमुखाय नमः।
८८३ ॐ सिंहस्कन्धाय नमः।
८८४ ॐ महाभुजाय नमः।
८८५ ॐ सत्यवते नमः।
८८६ ॐ गुणसम्पन्नाय नमः।
८८७ ॐ स्वयंतेजसे नमः।

८८८ ॐ सुदीप्तिमते नमः।
८८९ ॐ कालात्मने नमः।
८९० ॐ भगवते नमः
८९१ ॐ कालाय नमः।
८९२ ॐ कालचक्रप्रवर्तकाय नमः।
८९३ ॐ नारायणाय नमः।
८९४ ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः।
८९५ ॐ परमात्मने नमः।
८९६ ॐ सनातनाय नमः।
८९७ ॐ विश्वसृजे नमः।
८९८ ॐ विश्वगोप्त्रे नमः।
८९९ ॐ विश्वभोक्त्रे नमः।
९०० ॐ शाश्वताय नमः।
९०१ ॐ विश्वेश्वराय नमः।
९०२ ॐ विश्वमूर्तये नमः।
९०३ ॐ विश्वात्मने नमः।
९०४ ॐ विश्वभावनाय नमः।
९०५ ॐ सर्वभूतसुहृदे नमः।
९०६ ॐ शान्ताय नमः।
९०७ ॐ सर्वभूतानुकम्पनाय नमः।
९०८ ॐ सर्वेश्वरेश्वराय नमः।
९०९ ॐ सर्वस्मै नमः।
९१० ॐ श्रीमते नमः।
९११ ॐ आश्रितवत्सलाय नमः।
९१२ ॐ सर्वगाय नमः।
९१३ ॐ सर्वभूतेशाय नमः।
९१४ ॐ सर्वभूताशयस्थिताय नमः।
९१५ ॐ अभ्यन्तरस्थाय नमः।
९१६ ॐ तमसश्छेत्त्रे नमः।
९१७ ॐ नारायणाय नमः।
९१८ ॐ परस्मै नमः।
९१९ ॐ अनादिनिधनाय नमः।
९२० ॐ स्त्रष्ट्रे नमः।
९२१ ॐ प्रजापतिपतये नमः।
९२२ ॐ हरये नमः।
९२३ ॐ नरसिंहाय नमः।
९२४ ॐ हृषीकेशाय नमः।
९२५ ॐ सर्वात्मने नमः।
९२६ ॐ सर्वदृशे नमः।
९२७ ॐ वशिने नमः।
९२८ ॐ जगतस्तस्थुषाय नमः।
९२९ ॐ प्रभवे नमः।
९३० ॐ नेत्रे नमः।
९३१ ॐ सनातनाय नमः।
९३२ ॐ कर्त्रे नमः।
९३३ ॐ धात्रे नमः।
९३४ ॐ विधात्रे नमः।
९३५ ॐ सर्वेषां प्रभवे नमः।
९३६ ॐ ईश्वराय नमः।
९३७ ॐ सहस्रमूर्तये नमः।
९३८ ॐ विश्वात्मने नमः।
९३९ ॐ विष्णवे नमः।
९४० ॐ विश्वदृशे नमः।
९४१ ॐ अव्ययाय नमः।
९४२ ॐ पुराणपुरुषाय नमः।
९४३ ॐ स्त्रष्ट्रे नमः।

१४४ ॐ सहस्त्राक्षाय नमः।
१४५ ॐ सहस्त्रपदे नमः।
१४६ ॐ तत्त्वाय नमः।
१४७ ॐ नारायणाय नमः।
१४८ ॐ विष्णवे नमः।
१४९ ॐ वासुदेवाय नमः।
१५० ॐ सनातनाय नमः।
१५१ ॐ परमात्मने नमः।
१५२ ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः।
१५३ ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः।
१५४ ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः।
१५५ ॐ परस्मै धाम्ने नमः।
१५६ ॐ पराकाशाय नमः।
१५७ ॐ परात्परस्मै नमः।
१५८ ॐ अच्युताय नमः।
१५९ ॐ पुरुषाय नमः।
१६० ॐ कृष्णाय नमः।
१६१ ॐ शाश्वताय नमः।
१६२ ॐ शिवाय नमः।
१६३ ॐ ईश्वराय नमः।
१६४ ॐ नित्याय नमः।
१६५ ॐ सर्वगताय नमः।
१६६ ॐ स्थाणवे नमः।
१६७ ॐ उग्राय नमः।
१६८ ॐ साक्षिणे नमः।
१६९ ॐ प्रजापतये नमः।
१७० ॐ हिरण्यगर्भाय नमः।
१७१ ॐ सवित्रे नमः।
१७२ ॐ लोककृते नमः।
१७३ ॐ लोकभृते नमः।
१७४ ॐ विभवे नमः।
१७५ ॐ रामाय नमः।
१७६ ॐ श्रीमते नमः।
१७७ ॐ महाविष्णवे नमः।
१७८ ॐ जिष्णवे नमः।
१७९ ॐ देवहितावहाय नमः।
१८० ॐ तत्त्वात्मने नमः।
१८१ ॐ तारकाय नमः।
१८२ ॐ ब्रह्मणे नमः।
१८३ ॐ शाश्वताय नमः।
१८४ ॐ सर्वसिद्धिदाय नमः।
१८५ ॐ अकारवाच्याय नमः।
१८६ ॐ भगवते नमः।
१८७ ॐ श्रिये नमः।
१८८ ॐ भूलीलापतये नमः।
१८९ ॐ पुंसे नमः।
१९० ॐ सर्वलोकेश्वराय नमः।
१९१ ॐ श्रीमते नमः।
१९२ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
१९३ ॐ सर्वतोमुखाय नमः।
१९४ ॐ स्वामिने नमः।
१९५ ॐ सुशीलाय नमः।
१९६ ॐ सुलभाय नमः।
१९७ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
१९८ ॐ सर्वशक्तिमते नमः।
१९९ ॐ नित्याय नमः।

१००० ॐ सम्पूर्णकामाय नमः।
१००१ ॐ नैसर्गिकसुहृदे नमः।
१००२ ॐ सुखिने नमः।
१००३ ॐ कृपापीयूषजलधये नमः।
१००४ ॐ सर्वदेहिनां शरण्याय नमः।
१००५ ॐ श्रीमते नमः।
१००६ ॐ नारायणाय नमः।
१००७ ॐ स्वामिने नमः।
१००८ ॐ जगतां पत्ये नमः।
१००९ ॐ ईश्वराय नमः।
१०१० ॐ श्रीशाय नमः।
१०११ ॐ भूतानां शरण्याय नमः।
१०१२ ॐ संश्रिताभीष्टदायकाय नमः।
१०१३ ॐ अनन्ताय नमः।
१०१४ ॐ श्रीपतये नमः।
१०१५ ॐ रामाय नमः।
१०१६ ॐ गुणभृते नमः।
१०१७ ॐ निर्गुणाय नमः।
१०१८ ॐ महते नमः।

॥ इति श्रीआनन्दरामायणे वाल्मीकीये श्रीरामसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा॥



॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

श्रीकृष्णसहस्त्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

शिखिमुकुटविशेषं नीलपद्माङ्गदेशं
विधुमुखकृतकेशं कौस्तुभापीतवेशम्।
मधुररवकलेशं शं भजे भ्रातृशेषं
व्रजजनवनितेशं माधवं राधिकेशम्॥ *

स्तोत्रम्

कृष्णः श्रीवल्लभः शार्ङ्गी विष्वक्सेनः स्वसिद्धिदः।
क्षीरोदधामा व्यूहेशः शेषशायी जगन्मयः॥ १ ॥
भक्तिगम्यस्त्रयीमूर्तिर्भारार्तवसुधास्तुतः।
देवदेवो दयासिन्धुर्देवो देवशिखामणिः॥ २ ॥
सुखभावः सुखाधारो मुकुन्दो मुदिताशयः।
अविक्रियः क्रियामूर्तिरध्यात्मस्वस्वरूपवान्॥ ३ ॥

---

* जिनके मस्तकपर मोरपंखका मुकुट विशेष शोभा देता है, जिनका अङ्गदेश (सम्पूर्ण शरीर) नील कमलके समान श्याम है, चन्द्रमाके समान मनोहर मुखपर कुञ्चित केश सुशोभित हैं, कौस्तुभमणिकी सुनहरी आभासे जिनका वेश कुछ पीतवर्णका दिखायी देता है (अथवा जो पीताम्बरधारी हैं) जो मीठी धुनमें मुरली बजा रहे हैं, कल्याणस्वरूप हैं, शेषावतार बलराम जिनके भाई हैं तथा जो व्रजवनिताओंके वल्लभ हैं, उन राधिकाके प्राणेश्वर माधवका मैं भजन (चिन्तन) करता हूँ।

शिष्टाभिलक्ष्यो भूतात्मा धर्मत्राणार्थचेष्टितः ।
अन्तर्यामी कलारूपः कालावयवसाक्षिकः ॥ ४ ॥
वसुधायासहरणो नारदप्रेरणोन्मुखः ।
प्रभूष्णुर्नारदोद्गीतो लोकरक्षापरायणः ॥ ५ ॥
रौहिणेयकृतानन्दो योगज्ञाननियोजकः ।
महागुहान्तर्निक्षिप्तः पुराणवपुरात्मवान् ॥ ६ ॥
शूरवंशैकधीः शौरिः कंसशंकाविषादकृत् ।
वसुदेवोल्लसच्छक्तिर्देवक्यष्टमगर्भगः ॥ ७ ॥
वसुदेवसुतः श्रीमान् देवकीनन्दनो हरिः ।
आश्चर्यबालः श्रीवत्सलक्ष्मवक्षाश्चतुर्भुजः ॥ ८ ॥
स्वभावोत्कृष्टसद्भावः कृष्णाष्टम्यन्तसम्भवः ।
प्राजापत्यर्क्षसम्भूतो निशीथसमयोदितः ॥ ९ ॥
शंखचक्रगदापद्मपाणिः पद्मनिभेक्षणः ।
किरीटी कौस्तुभोरस्कः स्फुरन्मकरकुण्डलः ॥ १० ॥
पीतवासा घनश्यामः कुञ्चिताञ्चितकुन्तलः ।
सुव्यक्तव्यक्ताभरणः सूतिकागृहभूषणः ॥ ११ ॥
कारागारान्धकारघ्नः पितृप्राग्जन्मसूचकः ।
वसुदेवस्तुतः स्तोत्रं तापत्रयनिवारणः ॥ १२ ॥
निरवद्यः क्रियामूर्तिर्न्यायवाक्यनियोजकः ।
अदृष्टचेष्टः कूटस्थो धृतलौकिकविग्रहः ॥ १३ ॥
महर्षिमानसोल्लासो महीमङ्गलदायकः ।
संतोषितसुरव्रातः साधुचित्तप्रसादकः ॥ १४ ॥

जनकोपायनिर्देष्टा देवकीनयनोत्सवः।
पितृपाणिपरिष्कारो मोहितागाररक्षकः॥ १५॥
स्वशक्त्युद्घाटिताशेषकपाटः पितृवाहकः।
शेषोरगफणाच्छत्रः शेषोक्ताख्यासहस्रकः॥ १६॥
यमुनापूरविध्वंसी स्वभासोद्भासितव्रजः।
कृतात्मविद्याविन्यासो योगमायाग्रसम्भवः॥ १७॥
दुर्गानिवेदितोद्भावो यशोदातल्पशायकः।
नन्दगोपोत्सवस्फूर्तिर्व्रजानन्दकरोदयः॥ १८॥
सुजातजातकर्मश्रीर्गोपीभद्रोक्तिनिर्वृतः।
अलीकनिद्रोपगमः पूतनास्तनपीडनः॥ १९॥
स्तन्यात्तपूतनाप्राणः पूतनाक्रोशकारकः।
विन्यस्तरक्षागोधूलिर्यशोदाकरलालितः॥ २०॥
नन्दाघ्रातशिरोमध्यः पूतनासुगतिप्रदः।
बालः पर्यङ्कनिद्रालुर्मुखार्पितपदाङ्गुलिः॥ २१॥
अञ्जनस्निग्धनयनः पर्यायाङ्कुरितस्मितः।
लीलाक्षस्तरलालोकः शकटासुरभञ्जनः॥ २२॥
द्विजोदितस्वस्त्ययनो मन्त्रपूतजलाप्लुतः।
यशोदोत्सङ्गपर्यङ्को यशोदामुखवीक्षकः॥ २३॥
यशोदास्तन्यमुदितस्तृणावर्तादिदुःसहः।
तृणावर्तासुरध्वंसी मातृविस्मयकारकः॥ २४॥
प्रशस्तनामकरणो जानुचंक्रमणोत्सुकः।
व्यालम्बिचूलिकारत्नो घोषगोपः प्रहर्षणः॥ २५॥

स्वमुखप्रतिबिम्बार्थी ग्रीवाव्याघ्रनखोज्ज्वलः।
पङ्कानुलेपरुचिरो मांसलोरुकटीतटः॥ २६॥
घृष्टजानुकरद्वन्द्वः प्रतिबिम्बानुकारकृत्।
अव्यक्तवर्णवाग्वृत्तिः स्मितलक्ष्यरदोद्गमः॥ २७॥
धात्रीकरसमालम्बी प्रस्खलच्चित्रचंक्रमः।
अनुरूपवयस्याढ्यश्चारुकौमारचापलः॥ २८॥
वत्सपुच्छसमाकृष्टो वत्सपुच्छविकर्षणः।
विस्मारितान्यव्यापारो गोपगोपीमुदावहः॥ २९॥
अकालवत्सनिर्मोक्ता व्रजव्याक्रोशसुस्मितः।
नवनीतमहाचोरो दारकाहारदायकः॥ ३०॥
पीठोलूखलसोपानः क्षीरभाण्डविभेदनः।
शिक्यभाण्डसमाकर्षी ध्वान्तागारप्रवेशकृत्॥ ३१॥
भूषारत्नप्रकाशाढ्यो गोप्युपालम्भभर्त्सितः।
परागधूसराकारो मृद्भक्षणकृतेक्षणः॥ ३२॥
बालोक्तमृत्कथारम्भो मित्रान्तर्गूढविग्रहः।
कृतसंत्रासलोलाक्षो जननीप्रत्ययावहः॥ ३३॥
मातृदृश्यात्तवदनो वक्त्रलक्ष्यचराचरः।
यशोदालालितस्वात्मा स्वयं स्वाच्छन्द्यमोहनः॥ ३४॥
सवित्रीस्नेहसंश्लिष्टः सवित्रीस्तनलोलुपः।
नवनीतार्थनाप्रह्वो नवनीतमहाशनः॥ ३५॥
मृषाकोपप्रकम्पोष्ठो गोष्ठाङ्गणविलोकनः।
दधिमन्थघटीभेत्ता किङ्किणीक्वाणसूचितः॥ ३६॥

हैयङ्गवीनरसिको मृषाश्रुश्चौर्यशङ्कितः ।
जननीश्रमविज्ञाता दामबन्धनियन्त्रितः ॥ ३७ ॥
दामाकल्पश्चलापाङ्गो गाढोलूखलबन्धनः ।
आकृष्टोलूखलोऽनन्तः कुबेरसुतशापवित् ॥ ३८ ॥
नारदोक्तिपरामर्शी यमलार्जुनभञ्जनः ।
धनदात्मजसंघुष्टो नन्दमोचितबन्धनः ॥ ३९ ॥
बालकोद्गीतनिरतो बाहुक्षेपोदितप्रियः ।
आत्मज्ञो मित्रवशगो गोपीगीतगुणोदयः ॥ ४० ॥
प्रस्थानशकटारूढो वृन्दावनकृतालयः ।
गोवत्सपालनैकाग्रो नानाक्रीडापरिच्छदः ॥ ४१ ॥
क्षेपणीक्षेपणः प्रीतो वेणुवाद्यविशारदः ।
वृषवत्सानुकरणो वृषध्वानविडम्बनः ॥ ४२ ॥
नियुद्धलीलासंहृष्टः कूजानुकृतकोकिलः ।
उपात्तहंसगमनः सर्वजन्तुरुतानुकृत् ॥ ४३ ॥
भृङ्गानुकारी दध्यन्नचोरो वत्सपुरस्सरः ।
बली बकासुरग्राही बकतालुप्रदाहकः ॥ ४४ ॥
भीतगोपार्भकाहूतो बकचञ्चुविदारणः ।
बकासुरारिर्गोपालो बालो बालाद्भुतावहः ॥ ४५ ॥
बलभद्रसमाश्लिष्टः कृतक्रीडानिलायनः ।
क्रीडासेतुनिधानज्ञः प्लवङ्गोत्प्लवनोऽद्भुतः ॥ ४६ ॥
कन्दुकक्रीडनो लुप्तनन्दादिभववेदनः ।
सुमनोऽलंकृतशिराः स्वादुस्निग्धान्नशिक्यभृत् ॥ ४७ ॥

गुञ्जाप्रालम्बनच्छन्नः पिञ्छैरलकवेषकृत्।
वन्याशनप्रियः शृङ्गरवाकारितवत्सकः ॥ ४८ ॥
मनोज्ञपल्लवोत्तंसपुष्पस्वेच्छात्तषट्पदः ।
मञ्जुशिञ्जितमञ्जीरचरणः करकङ्कणः ॥ ४९ ॥
अन्योन्यशासनः क्रीडापटुः परमकैतवः ।
प्रतिध्वानप्रमुदितः शाखाचतुरचंक्रमः ॥ ५० ॥
अघदानवसंहर्ता व्रजविघ्नविनाशनः ।
व्रजसञ्जीवनः श्रेयोनिधिर्दानवमुक्तिदः ॥ ५१ ॥
कालिन्दीपुलिनासीनः सहभुक्तव्रजार्भकः ।
कक्षाजठरविन्यस्तवेणुर्वल्लवचेष्टितः ॥ ५२ ॥
भुजसन्ध्यन्तरन्यस्तशृङ्गवेत्रः शुचिस्मितः ।
वामपाणिस्थदध्यन्नकवलः कलभाषणः ॥ ५३ ॥
अङ्गुल्यन्तरविन्यस्तफलः परमपावनः ।
अदृश्यतर्णकान्वेषी वल्लवार्भकभीतिहा ॥ ५४ ॥
अदृष्टवत्सपव्रातो ब्रह्मविज्ञातवैभवः ।
गोवत्सवत्सपान्वेषी विराट्पुरुषविग्रहः ॥ ५५ ॥
स्वसंकल्पानुरूपार्थो वत्सवत्सपरूपधृक् ।
यथावत्सक्रियारूपो यथास्थाननिवेशनः ॥ ५६ ॥
यथाव्रजार्भकाकारो गोगोपीस्तन्यपः सुखी ।
चिराद्बलो हितो दान्तो ब्रह्मविज्ञातवैभवः ॥ ५७ ॥
विचित्रशक्तिर्व्यालीनः सृष्टगोवत्सवत्सपः ।
ब्रह्मत्रपाकरो धातृस्तुतः सर्वार्थसाधकः ॥ ५८ ॥

ब्रह्म ब्रह्ममयोऽव्यक्तस्तेजोरूपः सुखात्मकः ।
निरुक्तं व्याकृतिर्व्यक्तो निरालम्बनभावनः ॥ ५९ ॥
प्रभविष्णुरतन्त्रीको देवपक्षार्थरूपधृक् ।
अकामः सर्ववेदादिरणीयः स्थूलरूपवान् ॥ ६० ॥
व्यापी व्याप्यः कृपाकर्ता विचित्राचारसम्मतः ।
छन्दोमयः प्रधानात्मा मूर्तामूर्तिद्वयाकृतिः ॥ ६१ ॥
अनेकमूर्तिरक्रोधः परः प्रकृतिरक्रमः ।
सकलावरणोपेतः सर्वदेवो महेश्वरः ॥ ६२ ॥
महाप्रभावनः पूर्ववत्सवत्सपदर्शकः ।
कृष्णयादवगोपालो गोपालोकनहर्षितः ॥ ६३ ॥
स्मितेक्षाहर्षितब्रह्मा भक्तवत्सलवाक्प्रियः ।
ब्रह्मानन्दाश्रुधौतांघ्रिर्लीलावैचित्र्यकोविदः ॥ ६४ ॥
बलभद्रैकहृदयो नामाकारितगोकुलः ।
गोपालबालको भव्यो रज्जुयज्ञोपवीतवान् ॥ ६५ ॥
वृक्षच्छायाहताशान्तिर्गोपोत्सङ्गोपबर्हणः ।
गोपसंवाहितपदो गोपव्यजनवीजितः ॥ ६६ ॥
गोपगानसुखोन्निद्रः श्रीदामार्जितसौहृदः ।
सुनन्दसुहृदेकात्मा सुबलप्राणरञ्जनः ॥ ६७ ॥
तालीवनकृतक्रीडो बलपातितधेनुकः ।
गोपीसौभाग्यसम्भाव्यो गोधूलिच्छुरितालकः ॥ ६८ ॥
गोपीविरहसंतप्तो गोपिकाकृतमज्जनः ।
प्रलम्बबाहुरुत्फुल्लपुण्डरीकावतंसकः ॥ ६९ ॥

विलासललितस्मेरगर्भलीलावलोकनः ।
स्रग्भूषणानुलेपाढ्यो जनन्युपहृतान्नभुक् ॥ ७० ॥
वरशय्याशयो राधाप्रेमसल्लापनिर्वृतः ।
यमुनातटसंचारी विषार्तव्रजहर्षदः ॥ ७१ ॥
कालियक्रोधजनकः वृद्धाहिकुलवेष्टितः ।
कालियाहिफणारङ्गनटः कालियमर्दनः ॥ ७२ ॥
नागपत्नीस्तुतिप्रीतो नानावेषसमृद्धिकृत् ।
अविषाक्तदृगात्मेशः स्वदृगात्मास्तुतिप्रियः ॥ ७३ ॥
सर्वेश्वरः सर्वगुणः प्रसिद्धः सर्वसात्वतः ।
अकुण्ठधामा चन्द्रार्कदृष्टिराकाशनिर्मलः ॥ ७४ ॥
अनिर्देश्यगतिर्नागवनितापतिभैक्षदः ।
स्वांघ्रिमुद्राङ्कनागेन्द्रमूर्धा कालियसंस्तुतः ॥ ७५ ॥
अभयो विश्वतश्चक्षुः स्तुतोत्तमगुणः प्रभुः ।
अहमात्मा मरुत्प्राणः परमात्मा द्युशीर्षवान् ॥ ७६ ॥
नागोपायनहृष्टात्मा ह्रदोत्सारितकालियः ।
बलभद्रसुखालापो गोपालिङ्गननिर्वृतः ॥ ७७ ॥
दावाग्निभीतगोपालगोप्ता दावाग्निनाशनः ।
नयनाच्छादनक्रीडालम्पटो नृपचेष्टितः ॥ ७८ ॥
काकपक्षधरः सौम्यो बलवाहककेलिमान् ।
बलघातितदुर्धर्षप्रलम्बो बलवत्सलः ॥ ७९ ॥
मुञ्जाटव्यग्निशमनः प्रावृट्कालविनोदवान् ।
शिलान्यस्तान्नभृद्दैत्यसंहर्ता शाद्वलासनः ॥ ८० ॥

सदाप्तगोपिकोद्गीतः कर्णिकारावतंसकः ।
नटवेषधरः पद्ममालाङ्को गोपिकावृतः ॥ ८१ ॥
गोपीमनोहरापाङ्गो वेणुवादनतत्परः ।
विन्यस्तवदनाम्भोजश्चारुशब्दकृताननः ॥ ८२ ॥
बिम्बाधरार्पितदारुवेणुर्विश्वविमोहनः ।
व्रजसंवर्णितः श्राव्यवेणुनादश्रुतिप्रियः ॥ ८३ ॥
गोगोपगोपीजन्मेप्सुर्ब्रह्मेन्द्राद्यभिवन्दितः ।
गीतस्त्रुतिसरित्पूरो नादनर्तितबर्हिणः ॥ ८४ ॥
रागपल्लवितस्थाणुर्गीतानमितपादपः ।
विस्मारिततृणग्रासमृगो मृगविलोभितः ॥ ८५ ॥
व्याघ्रादिहिंस्त्रसहजवैरहर्ता सुगायनः ।
गाढोदीरितगोवृन्दः प्रेमोत्कर्णिततर्णकः ॥ ८६ ॥
निष्पन्दयानब्रह्मादिवीक्षितो विश्ववन्दितः ।
शाखोत्कर्णशकुन्तौघश्छत्रायितवलाहकः ॥ ८७ ॥
प्रसन्नः परमानन्दश्चित्रायितचराचरः ।
गोपिकामदनो गोपीकुचकुङ्कममुद्रितः ॥ ८८ ॥
गोपकन्याजलक्रीडाहृष्टो गोप्यंशुकापहृत् ।
स्कन्धारोपितगोपस्त्रीवासाः कुन्दनिभस्मितः ॥ ८९ ॥
गोपीनेत्रोत्पलशशी गोपिकायाचितांशुकः ।
गोपीनमस्क्रियादेष्टा गोप्येककरवन्दितः ॥ ९० ॥
गोप्यञ्जलिविशेषार्थी गोपक्रीडाविलोभितः ।
शान्तवासस्फुरद्गोपीकृताञ्जलिरघापहः ॥ ९१ ॥

गोपीकेलिविलासार्थी गोपीसम्पूर्णकामदः।
गोपस्त्रीवस्त्रदो गोपीचित्तचोरः कुतूहली॥ ९२ ॥
वृन्दावनप्रियो गोपबन्धुर्यज्वान्नयाचिता।
यज्ञेशो यज्ञभावज्ञो यज्ञपत्न्यभिवाञ्छितः॥ ९३ ॥
मुनिपत्नीवितीर्णान्नतृप्तो मुनिवधूप्रियः।
द्विजपत्न्यभिभावज्ञो द्विजपत्नीवरप्रदः॥ ९४ ॥
प्रतिरुद्धसतीमोक्षप्रदो द्विजविमोहितः।
मुनिज्ञानप्रदो यज्वस्तुतो वासवयागवित्॥ ९५ ॥
पितृप्रोक्तक्रियारूपशक्रयागनिवारणः।
शक्राऽमर्षकरः शक्रवृष्टिप्रशमनोन्मुखः॥ ९६ ॥
गोवर्धनधरो गोपगोवृन्दत्राणतत्परः।
गोवर्धनगिरिछत्रचण्डदण्डभुजार्गलः॥ ९७ ॥
सप्ताहविधृताद्रीन्द्रो मेघवाहनगर्वहा।
भुजाग्रोपरिविन्यस्तक्ष्माधरक्ष्माभृदच्युतः॥ ९८ ॥
स्वस्थानस्थापितगिरिर्गोपीदध्यक्षतार्चितः।
सुमनः सुमनोवृष्टिहृष्टो वासववन्दितः॥ ९९ ॥
कामधेनुपयःपूराभिषिक्तः सुरभिस्तुतः।
धरांघ्रिरोषधीरोमा धर्मगोप्ता मनोमयः॥ १०० ॥
ज्ञानयज्ञप्रियः शास्त्रनेत्रः सर्वार्थसारथिः।
ऐरावतकरानीतवियद्गङ्गाप्लुतो विभुः॥ १०१ ॥
ब्रह्माभिषिक्तो गोगोप्ता सर्वलोकशुभंकरः।
सर्ववेदमयो मग्ननन्दान्वेषिपितृप्रियः॥ १०२ ॥

वरुणोदीरितात्मेक्षाकौतुको वरुणार्चितः ।
वरुणानीतजनको गोपज्ञातात्मवैभवः ॥ १०३ ॥
स्वर्लोकालोकसंहृष्टगोपवर्गत्रिवर्गदः ।
ब्रह्महृद्गोपितो गोपद्रष्टा ब्रह्मपदप्रदः ॥ १०४ ॥
शरच्चन्द्रविहारोत्कः श्रीपतिर्वशकः क्षमः ।
भयापहो भर्तृरुद्धगोपिकाध्यानगोचरः ॥ १०५ ॥
गोपिकानयनास्वाद्यो गोपीनर्मोक्तिनिर्वृतः ।
गोपिकामानहरणो गोपिकाशतयूथपः ॥ १०६ ॥
वैजयन्तीस्त्रगाकल्पो गोपिकामानवर्धनः ।
गोपकान्तासुनिर्देष्टा कान्तो मन्मथमन्मथः ॥ १०७ ॥
स्वात्मास्यदत्तताम्बूलः फलितोत्कृष्टयौवनः ।
वल्लवीस्तनसक्ताक्षो वल्लवीप्रेमचालितः ॥ १०८ ॥
गोपीचेलांचलासीनो गोपीनेत्राब्जषट्पदः ।
रासक्रीडासमासक्तो गोपीमण्डलमण्डनः ॥ १०९ ॥
गोपीहेममणिश्रेणिमध्येन्द्रमणिरुज्ज्वलः ।
विद्याधरेन्दुशापघ्नः शंखचूडशिरोहरः ॥ ११० ॥
शंखचूडशिरोरत्नसम्प्रीणितबलोऽनघः ।
अरिष्टारिष्टकृद्दुष्टकेशिदैत्यनिषूदनः ॥ १११ ॥
सरसः सस्मितमुखः सुस्थिरो विरहाकुलः ।
संकर्षणार्पितप्रीतिरक्रूरध्यानगोचरः ॥ ११२ ॥
अक्रूरसंस्तुतो गूढो गुणवृत्त्युपलक्षितः ।
प्रमाणगम्यस्तन्मात्राऽवयवी बुद्धितत्परः ॥ ११३ ॥

सर्वप्रमाणप्रमथीसर्वप्रत्ययसाधकः ।
पुरुषश्च प्रधानात्मा विपर्यासविलोचनः ॥ ११४ ॥
मधुराजनसंवीक्ष्यो रजकप्रतिघातकः ।
विचित्राम्बरसंवीतो मालाकारवरप्रदः ॥ ११५ ॥
कुब्जावक्रत्वनिर्मोक्ता कुब्जायौवनदायकः ।
कुब्जाङ्गरागसुरभिः कंसकोदण्डखण्डनः ॥ ११६ ॥
धीरः कुवलयापीडमर्दनः कंसभीतिकृत् ।
दन्तिदन्तायुधो रङ्गत्रासको मल्लयुद्धवित् ॥ ११७ ॥
चाणूरहन्ता कंसारिर्देवकीहर्षदायकः ।
वसुदेवपदानम्रः पितृबन्धविमोचनः ॥ ११८ ॥
उर्वीभयापहो भूप उग्रसेनाधिपत्यदः ।
आज्ञास्थितशचीनाथः सुधर्मानयनक्षमः ॥ ११९ ॥
आद्यो द्विजातिसत्कर्ता शिष्टाचारप्रदर्शकः ।
सान्दीपनिकृताभ्यस्तविद्याभ्यासैकधीः सुधीः ॥ १२० ॥
गुर्वभीष्टक्रियादक्षः पश्चिमोदधिपूजितः ।
हतपञ्चजनप्राप्तपाञ्चजन्यो यमार्चितः ॥ १२१ ॥
धर्मराजजयानीतगुरुपुत्र उरुक्रमः ।
गुरुपुत्रप्रदः शास्ता मधुराजसभासदः ॥ १२२ ॥
जामदग्न्यसमभ्यर्च्यो गोमन्तगिरिसंचरः ।
गोमन्तदावशमनो गरुडानीतभूषणः ॥ १२३ ॥
चक्राद्यायुधसंशोभी जरासन्धमदापहः ।
सृगालावनिपालघ्नः सृगालात्मजराज्यदः ॥ १२४ ॥

विध्वस्तकालयवनो मुचुकुन्दवरप्रदः ।
आज्ञापितमहाम्भोधिर्द्वारकापुरकल्पनः ॥ १२५ ॥
द्वारकानिलयो रुक्मिमानहन्ता यदूद्वहः ।
रुचिरो रुक्मिणीजानिः प्रद्युम्नजनकः प्रभुः ॥ १२६ ॥
अपाकृतत्रिलोकार्तिरनिरुद्धपितामहः ।
अनिरुद्धपदान्वेषी चक्री गरुडवाहनः ॥ १२७ ॥
बाणासुरपुरीरोद्धा रक्षाज्वलनयन्त्रजित् ।
धूतप्रमथसंरम्भो जितमाहेश्वरज्वरः ॥ १२८ ॥
षट्चक्रशक्तिनिर्जेता भूतवेतालमोहकृत् ।
शम्भुत्रिशूलजिच्छम्भुजम्भणः शम्भुसंस्तुतः ॥ १२९ ॥
इन्द्रियात्मेन्दुहृदयः सर्वयोगेश्वरेश्वरः ।
हिरण्यगर्भहृदयो मोहावर्तनिवर्तनः ॥ १३० ॥
आत्मज्ञाननिधिर्मेधाकोशस्तन्मात्ररूपवान् ।
इन्द्रोऽग्निवदनः कालनाभः सर्वागमाध्वगः ॥ १३१ ॥
तुरीयः सर्वधीसाक्षी द्वन्द्वाराम आत्मदूरगः ।
अज्ञातपारवश्यश्रीरव्याकृतविहारवान् ॥ १३२ ॥
आत्मप्रदीपो विज्ञानमात्रात्मा श्रीनिकेतनः ।
बाणबाहुवनच्छेत्ता महेन्द्रप्रीतिवर्धनः ॥ १३३ ॥
अनिरुद्धनिरोधज्ञो जलेशाहृतगोकुलः ।
जलेशविजयी वीरः सत्राजिद्रत्नयाचकः ॥ १३४ ॥
प्रसेनान्वेषणोद्युक्तो जाम्बवद्धृतरत्नदः ।
जितर्क्षराजतनयाहर्ता जाम्बवतीप्रियः ॥ १३५ ॥

सत्यभामाप्रियः कामः शतधन्वशिरोहरः।
कालिन्दीपतिरक्रूरबन्धुरक्रूररत्नदः ॥ १३६ ॥
कैकेयीरमणो भद्राभर्ता नाग्नजितीधवः।
माद्रीमनोहरः शैब्याप्राणबन्धुरुरुक्रमः ॥ १३७ ॥
सुशीलादयितो मित्रविन्दानेत्रमहोत्सवः।
लक्ष्मणावल्लभो रुद्धप्राग्ज्योतिषमहापुरः ॥ १३८ ॥
सुरपाशावृतिच्छेदी मुरारिः क्रूरयुद्धवित्।
हयग्रीवशिरोहर्ता सर्वात्मा सर्वदर्शनः ॥ १३९ ॥
नरकासुरविच्छेत्ता नरकात्मजराज्यदः।
पृथ्वीस्तुतः प्रकाशात्मा हृद्यो यज्ञफलप्रदः ॥ १४० ॥
गुणग्राही गुणद्रष्टा गूढस्वात्माविभूतिमान्।
कविर्जगदुपद्रष्टा परमाक्षरविग्रहः ॥ १४१ ॥
प्रपन्नपालनो माली महद्ब्रह्मविवर्धनः।
वाच्यवाचकशक्त्यर्थः सर्वव्याकृतसिद्धिदः ॥ १४२ ॥
स्वयम्प्रभुरनिर्वेद्यः स्वप्रकाशश्चिरन्तनः।
नादात्मा मन्त्रकोटीशो नानावादनिरोधकः ॥ १४३ ॥
कन्दर्पकोटिलावण्यः परार्थैकप्रयोजकः।
अमरीकृतदेवौघः कन्यकाबन्धमोचनः ॥ १४४ ॥
षोडशस्त्रीसहस्रेशः कान्तः कान्तामनोभवः।
क्रीडारत्नाचलाहर्ता वरुणच्छत्रशोभितः ॥ १४५ ॥
शक्राभिवन्दितः शक्रजननीकुण्डलप्रदः।
अदितिप्रस्तुतस्तोत्रो ब्राह्मणोद्घुष्टचेष्टनः ॥ १४६ ॥

पुराणः संयमी जन्मालिप्तः षड्विंशकोऽर्थदः।
यशस्यनीतिराद्यन्तरहितः सत्कथाप्रियः॥ १४७॥
ब्रह्मबोधः परानन्दः पारिजातापहारकः।
पौण्ड्रकप्राणहरणः काशिराजनिषूदनः॥ १४८॥
कृत्यागर्वप्रशमनो विचक्रवधदीक्षितः।
हंसविध्वंसनः साम्बजनको डिम्भकार्दनः॥ १४९॥
मुनिर्गोप्ता पितृवरप्रदः सवनदीक्षितः।
रथी सारथ्यनिर्देष्टा फाल्गुनः फाल्गुनिप्रियः॥ १५०॥
सप्ताब्धिस्तम्भनोद्भूतो हरिः सप्ताब्धिभेदनः।
आत्मप्रकाशः पूर्णश्रीरादिनारायणेक्षितः॥ १५१॥
विप्रपुत्रप्रदश्चैव सर्वमातृसुतप्रदः।
पार्थविस्मयकृत्पार्थप्रणवार्थप्रबोधनः॥ १५२॥
कैलासयात्रासुमुखो बदर्याश्रमभूषणः।
घण्टाकर्णक्रियामौढ्यतोषितो भक्तवत्सलः॥ १५३॥
मुनिवृन्दादिभिर्ध्येयो घण्टाकर्णवरप्रदः।
तपश्चर्यापरश्चीरवासाः पिङ्गजटाधरः॥ १५४॥
प्रत्यक्षीकृतभूतेशः शिवस्तोता शिवस्तुतः।
कृष्णास्वयंवरालोककौतुकी सर्वसम्मतः॥ १५५॥
बलसंरम्भशमनो बलदर्शितपाण्डवः।
यतिवेषार्जुनाभीष्टदायी सर्वात्मगोचरः॥ १५६॥
सुभद्राफाल्गुनोद्वाहकर्ता प्रीणितफाल्गुनः।
खाण्डवप्रीणितार्चिष्मान् मयदानवमोचनः॥ १५७॥

सुलभो राजसूयार्हो युधिष्ठिरनियोजकः।
भीमार्दितजरासन्धो मागधात्मजराज्यदः॥ १५८॥
राजबन्धननिर्मोक्ता राजसूयाग्रपूजनः।
चैद्याद्यसहनो भीष्मस्तुतः सात्वतपूर्वजः॥ १५९॥
सर्वात्मार्थसमाहर्ता मन्दराचलधारकः।
यज्ञावतारः प्रह्लादप्रतिज्ञापरिपालकः॥ १६०॥
बलियज्ञसभाध्वंसी दृप्तक्षत्रकुलान्तकः।
दशग्रीवान्तको जेता रेवतीप्रेमवल्लभः॥ १६१॥
सर्वावताराधिष्ठाता वेदबाह्यविमोहनः।
कलिदोषनिराकर्ता दशनामा दृढव्रतः॥ १६२॥
अमेयात्मा जगत्स्वामी वाग्मी चैद्यशिरोहरः।
द्रौपदीरचितस्तोत्रः केशवः पुरुषोत्तमः॥ १६३॥
नारायणो मधुपतिर्माधवो दोषवर्जितः।
गोविन्दः पुण्डरीकाक्षो विष्णुश्च मधुसूदनः॥ १६४॥
त्रिविक्रमस्त्रिलोकेशो वामनः श्रीधरः पुमान्।
हृषीकेशो वासुदेवः पद्मनाभो महाह्रदः॥ १६५॥
दामोदरश्चतुर्व्यूहः पाञ्चालीमानरक्षणः।
शाल्वघ्नः समरश्लाघी दन्तवक्त्रनिबर्हणः॥ १६६॥
दामोदरप्रियसखः पृथुकास्वादनप्रियः।
घृणी दामोदरः श्रीदो गोपीपुनरवेक्षकः॥ १६७॥
गोपिकामुक्तिदो योगी दुर्वासस्तृप्तिकारकः।
अविज्ञातव्रजाकीर्णपाण्डवालोकनो जयी॥ १६८॥

पार्थसारथ्यनिरतः प्राज्ञः पाण्डवदौत्यकृत्।
विदुरातिथ्यसंतुष्टः कुन्तीसंतोषदायकः॥ १६९॥
सुयोधनतिरस्कर्ता दुर्योधनविकारवित्।
विदुराभिष्टुतो नित्यो वार्ष्णेयो मङ्गलात्मकः॥ १७०॥
पञ्चविंशतितत्त्वेशश्चतुर्विंशतिदेहभाक् ।
सर्वानुग्राहकः सर्वदाशार्हसततार्चितः॥ १७१॥
अचिन्त्यो मधुरालापः साधुदर्शी दुरासदः।
मनुष्यधर्मानुगतः कौरवेन्द्रक्षयेक्षितः॥ १७२॥
उपेन्द्रो दानवारातिरुरुगीतो महाद्युतिः।
ब्रह्मण्यदेवः श्रुतिमान् गोब्राह्मणहिताशयः॥ १७३॥
वरशीलः शिवारम्भः सुविज्ञानविमूर्तिमान्।
स्वभावशुद्धः सन्मित्रः सुशरण्यः सुलक्षणः॥ १७४॥
धृतराष्ट्रगतो दृष्टिप्रदः कर्णविभेदनः।
प्रतोदधृग्विश्वरूपविस्मारितधनञ्जयः ॥ १७५॥
सामगानप्रियो धर्मधेनुर्वर्णोत्तमोऽव्ययः।
चतुर्युगक्रियाकर्ता विश्वरूपप्रदर्शकः॥ १७६॥
ब्रह्मबोधपरित्रातपार्थो भीष्मार्थचक्रभृत्।
अर्जुनायासविध्वंसी कालदंष्ट्राविभूषणः॥ १७७॥
सुजातानन्तमहिमा स्वप्नव्यापारितार्जुनः।
अकालसन्ध्याघटनश्चक्रान्तरितभास्करः ॥ १७८॥
दुष्टप्रमथनः पार्थप्रतिज्ञापरिपालकः।
सिन्धुराजशिरःपातस्थानवक्ता विवेकदृक्॥ १७९॥

सुभद्राशोकहरणो द्रोणोत्सेकादिविस्मितः।
पार्थमन्युनिराकर्ता पाण्डवोत्सवदायकः॥ १८०॥
अङ्गुष्ठाक्रान्तकौन्तेयरथचक्रोऽहिशीर्षजित्।
कालकोपप्रशमनो भीमसेनजयप्रदः॥ १८१॥
अश्वत्थामवधायासत्रातपाण्डुसुतः कृती।
इषीकास्त्रप्रशमनो द्रौणिरक्षाविचक्षणः॥ १८२॥
पार्थापहारितद्रौणिचूडामणिरभंगुरः।
धृतराष्ट्रपरामृष्टभीमप्रतिकृतिस्मयः॥ १८३॥
भीष्मबुद्धिप्रदः शान्तः शरच्चन्द्रनिभाननः।
गदाग्रजन्मा पाञ्चालीप्रतिज्ञापरिपालकः॥ १८४॥
गान्धारीकोपदृग्गुप्तधर्मसूनुरनामयः।
प्रपन्नार्तिभयच्छेत्ता भीष्मशल्यव्यथापहः॥ १८५॥
शान्तः शान्तनवोदीर्णः सर्वधर्मसमाहितः।
स्मारितब्रह्मविद्यार्थप्रीतपार्थो महास्त्रवित्॥ १८६॥
प्रसादपरमोदारो गाङ्गेयसुगतिप्रदः।
विपक्षपक्षक्षयकृत्परीक्षित्प्राणरक्षणः॥ १८७॥
जगद्गुरुर्धर्मसूनोर्वाजिमेधप्रवर्तकः।
विहितार्थ आप्तसत्कारो मासकात्परिवर्तदः॥ १८८॥
उत्तङ्कहर्षदात्मीयदिव्यरूपप्रदर्शकः।
जनकावगतस्वोक्तभारतः सर्वभावनः॥ १८९॥
असोढ्यादवोद्रेको विहिताप्तादिपूजनः।
समुद्रस्थापिताश्चर्यमुसलो वृष्णिवाहकः॥ १९०॥

मुनिशापायुधः पद्मासनादित्रिदशार्थितः ।
सृष्टिप्रत्यवहारोत्कटस्वधामगमनोत्सुकः ॥ १९१ ॥
प्रभासालोकनोद्युक्तो नानाविधनिमित्तकृत् ।
सर्वयादवसंसेव्यः सर्वोत्कृष्टपरिच्छदः ॥ १९२ ॥
वेलाकाननसंचारी वेलानिलहृतश्रमः ।
कालात्मा यादवोऽनन्तः स्तुतिसंतुष्टमानसः ॥ १९३ ॥
द्विजालोकनसंतुष्टः पुण्यतीर्थमहोत्सवः ।
सत्काराह्लादिताशेषभूसुरः सुरवल्लभः ॥ १९४ ॥
पुण्यतीर्थाप्लुतः पुण्यः पुण्यदस्तीर्थपावनः ।
विप्रसात्कृतगोकोटिः शतकोटिसुवर्णदः ॥ १९५ ॥
स्वमायामोहिताऽशेषवृष्णिवीरो विशेषवित् ।
जलजायुधनिर्देष्टा स्वात्मावेशितयादवः ॥ १९६ ॥
देवताभीष्टवरदः कृतकृत्यः प्रसन्नधीः ।
स्थिरशेषायुतबलः सहस्रफणिवीक्षणः ॥ १९७ ॥
ब्रह्मवृक्षवरच्छायासीनः पद्मासनस्थितः ।
प्रत्यगात्मा स्वभावार्थः प्रणिधानपरायणः ॥ १९८ ॥
व्याधेषुविद्धपूज्यांघ्रिर्निषादभयमोचनः ।
पुलिन्दस्तुतिसंतुष्टः पुलिन्दसुगतिप्रदः ॥ १९९ ॥
दारुकार्पितपार्थादिकरणीयोक्तिरीशिता ।
दिव्यदुन्दुभिसंयुक्तः पुष्पवृष्टिप्रपूजितः ॥ २०० ॥
पुराणः परमेशानः पूर्णभूमा परिष्टुतः ।
पतिराद्यः परं ब्रह्म परमात्मा परात्परः ॥ २०१ ॥

॥ श्रीपरमात्मा परात्पर ॐ नम इति ॥

॥ फलश्रुतिः ॥

इदं सहस्त्रं कृष्णस्य नाम्नां सर्वार्थदायकम्।
अनन्तरूपी भगवान् व्याख्यातादौ स्वयम्भुवे॥ २०२॥
तेन प्रोक्तं वसिष्ठाय ततो लब्ध्वा पराशरः।
व्यासाय तेन सम्प्रोक्तं शुको व्यासादवाप्तवान्॥ २०३॥
तच्छिष्यैर्बहुभिर्भूमौ ख्यापितं द्वापरे युगे।
कृष्णाज्ञया हरिहरः कलौ प्रख्यापयद्विभुः॥ २०४॥
इदं पठति भक्त्या यः शृणोति च समाहितः।
स्वसिद्ध्यै प्रार्थयन्त्येनं तीर्थक्षेत्रादिदेवताः॥ २०५॥
प्रायश्चित्तान्यशेषाणि नालं यानि व्यपोहितुम्।
तानि पापानि नश्यन्ति सकृदस्य प्रशंसनात्॥ २०६॥
ऋणत्रयविमुक्तस्य श्रौतस्मार्तानुवर्तिनः।
ऋषेस्त्रिमूर्तिरूपस्य फलं विन्देदिदं पठन्॥ २०७॥
इदं नामसहस्त्रं यः पठत्येतच्छृणोति च।
शिवलिङ्गसहस्त्रस्य स प्रतिष्ठाफलं लभेत्॥ २०८॥
इदं किरीटी संजप्य जयी पाशुपतास्त्रभाक्।
कृष्णस्य प्राणभूतः सन् कृष्णं सारथिमाप्तवान्॥ २०९॥
द्रौपद्या दमयन्त्या च सावित्र्या च सुशीलया।
दुरितानि जितान्येतज्जपादाप्तं च वाञ्छितम्॥ २१०॥
किमिदं बहुना शंसन्मानवो मोदनिर्भरः।
ब्रह्मानन्दमवाप्यान्ते कृष्णसायुज्यमाप्नुयात्॥ २११॥

॥ इति श्रीविष्णुधर्मोत्तरपुराणे श्रीकृष्णसहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

श्रीकृष्णसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ कृष्णाय नमः।
२ ॐ श्रीवल्लभाय नमः।
३ ॐ शार्ङ्गिणे नमः।
४ ॐ विष्वक्सेनाय नमः।
५ ॐ स्वसिद्धिदाय नमः।
६ ॐ क्षीरोदधाम्ने नमः।
७ ॐ व्यूहेशाय नमः।
८ ॐ शेषशायिने नमः।
९ ॐ जगन्मयाय नमः।
१० ॐ भक्तिगम्याय नमः।
११ ॐ त्रयीमूर्तये नमः।
१२ ॐ भारार्तवसुधास्तुताय नमः।
१३ ॐ देवदेवाय नमः।
१४ ॐ दयासिन्धवे नमः।
१५ ॐ देवाय नमः।
१६ ॐ देवशिखामणये नमः।
१७ ॐ सुखभावाय नमः।
१८ ॐ सुखाधाराय नमः।
१९ ॐ मुकुन्दाय नमः।
२० ॐ मुदिताशयाय नमः।
२१ ॐ अविक्रियाय नमः।
२२ ॐ क्रियामूर्तये नमः।
२३ ॐ अध्यात्मस्वस्वरूपवते नमः।
२४ ॐ शिष्टाभिलक्ष्याय नमः।
२५ ॐ भूतात्मने नमः।
२६ ॐ धर्मत्राणार्थचेष्टिताय नमः।
२७ ॐ अन्तर्यामिणे नमः।
२८ ॐ कलारूपाय नमः।
२९ ॐ कालावयवसाक्षिकाय नमः।
३० ॐ वसुधायासहरणाय नमः।
३१ ॐ नारदप्रेरणोन्मुखाय नमः।
३२ ॐ प्रभूष्णवे नमः।
३३ ॐ नारदोद्गीताय नमः।
३४ ॐ लोकरक्षापरायणाय नमः।
३५ ॐ रौहिणेयकृतानन्दाय नमः।
३६ ॐ योगज्ञाननियोजकाय नमः।
३७ ॐ महागुहान्तर्निक्षिप्ताय नमः।
३८ ॐ पुराणवपुषे नमः।
३९ ॐ आत्मवते नमः।
४० ॐ शूरवंशैकधिये नमः।
४१ ॐ शौरये नमः।
४२ ॐ कंसशंकाविषादकृते नमः।

४३ ॐ वसुदेवोल्लसच्छक्तये नमः।
४४ ॐ देवक्यष्टमगर्भगाय नमः।
४५ ॐ वसुदेवस्तुताय नमः।
४६ ॐ श्रीमते नमः।
४७ ॐ देवकीनन्दनाय नमः।
४८ ॐ हरये नमः।
४९ ॐ आश्चर्यबालाय नमः।
५० ॐ श्रीवत्सलक्ष्मवक्षसे नमः।
५१ ॐ चतुर्भुजाय नमः।
५२ ॐ स्वभावोत्कृष्टसद्भावाय नमः।
५३ ॐ कृष्णाष्टम्यन्तसम्भवाय नमः।
५४ ॐ प्राजापत्यर्क्षसम्भूताय नमः।
५५ ॐ निशीथसमयोदिताय नमः।
५६ ॐ शंखचक्रगदापद्मपाणये नम।
५७ ॐ पद्मनिभेक्षणाय नमः।
५८ ॐ किरीटिने नमः
५९ ॐ कौस्तुभोरस्काय नमः।
६० ॐ स्फुरन्मकरकुण्डलाय नमः।
६१ ॐ पीतवाससे नमः।
६२ ॐ घनश्यामाय नमः।
६३ ॐ कुञ्चिताञ्चितकुन्तलाय नमः।
६४ ॐ सुव्यक्तव्यक्ताभरणाय नमः।
६५ ॐ सूतिकागृहभूषणाय नमः।
६६ ॐ कारागारान्धकारघ्नाय नमः।
६७ ॐ पितृप्राग्जन्मसूचकाय नमः।
६८ ॐ वसुदेवस्तुताय नमः।
६९ ॐ स्तोत्राय नमः।
७० ॐ तापत्रयनिवारणाय नमः।
७१ ॐ निरवद्याय नमः।
७२ ॐ क्रियामूर्तये नमः।
७३ ॐ न्यायवाक्यनियोजकाय नमः।
७४ ॐ अदृष्टचेष्टाय नमः।
७५ ॐ कूटस्थाय नमः।
७६ ॐ धृतलौकिकविग्रहाय नमः।
७७ ॐ महर्षिमानसोल्लासाय नमः।
७८ ॐ महीमङ्गलदायकाय नमः।
७९ ॐ संतोषितसुरव्राताय नमः।
८० ॐ साधुचित्तप्रसादकाय नमः।
८१ ॐ जनकोपायनिर्देष्ट्रे नमः।
८२ ॐ देवकीनयनोत्सवाय नमः।
८३ ॐ पितृपाणिपरिष्काराय नमः।
८४ ॐ मोहितागाररक्षकाय नमः।
८५ ॐ स्वशक्त्युद्धाटिताशेषकपा-
टाय नमः।
८६ ॐ पितृवाहकाय नमः।
८७ ॐ शेषोरगफणाच्छत्राय नमः।
८८ ॐ शेषोक्ताख्यासहस्त्रकाय नमः।
८९ ॐ यमुनापूरविध्वंसिने नमः।
९० ॐ स्वभासोद्भासितव्रजाय नमः।
९१ ॐ कृतात्मविद्याविन्यासाय नमः।
९२ ॐ योगमायाग्रसम्भवाय नमः।
९३ ॐ दुर्गानिवेदितोद्भावाय नमः।
९४ ॐ यशोदातल्पशायकाय नमः।
९५ ॐ नन्दगोपोत्सवस्फूर्तये नमः।
९६ ॐ व्रजानन्दकरोदयाय नमः।
९७ ॐ सुजातजातकर्मश्रिये नमः।

९८ ॐ गोपीभद्रोक्तिनिर्वृताय नमः।
९९ ॐ अलीकनिद्रोपगमाय नमः।
१०० ॐ पूतनास्तनपीडनाय नमः।
१०१ ॐ स्तन्यात्तपूतनाप्राणाय नमः।
१०२ ॐ पूतनाक्रोशकारकाय नमः।
१०३ ॐ विन्यस्तरक्षागोधूलये नमः।
१०४ ॐ यशोदाकरलालिताय नमः।
१०५ ॐ नन्दाघ्रातशिरोमध्याय नमः।
१०६ ॐ पूतनासुगतिप्रदाय नमः।
१०७ ॐ बालाय नमः।
१०८ ॐ पर्यङ्कनिद्रालवे नमः।
१०९ ॐ मुखार्पितपदाङ्गुलये नमः।
११० ॐ अञ्जनस्निग्धनयनाय नमः।
१११ ॐ पर्यायाङ्कुरितस्मिताय नमः।
११२ ॐ लीलाक्षाय नमः।
११३ ॐ तरलालोकाय नमः।
११४ ॐ शकटासुरभञ्जनाय नमः।
११५ ॐ द्विजोदितस्वस्त्ययनाय नमः।
११६ ॐ मन्त्रपूतजलाप्लुताय नमः।
११७ ॐ यशोदोत्सङ्गपर्यङ्काय नमः।
११८ ॐ यशोदामुखवीक्षकाय नमः।
११९ ॐ यशोदास्तन्यमुदिताय नमः।
१२० ॐ तृणावर्तादिदुःसहाय नमः।
१२१ ॐ तृणावर्तासुरध्वंसिने नमः।
१२२ ॐ मातृविस्मयकारकाय नमः।
१२३ ॐ प्रशस्तनामकरणाय नमः।
१२४ ॐ जानुचंक्रमणोत्सुकाय नमः।
१२५ ॐ व्यालम्बिचूलिकारत्नाय नमः।
१२६ ॐ घोषगोपाय नमः।
१२७ ॐ प्रहर्षणाय नमः।
१२८ ॐ स्वमुखप्रतिबिम्बार्थिने नमः।
१२९ ॐ ग्रीवाव्याघ्रनखोज्ज्वलाय नमः।
१३० ॐ पंकानुलेपरुचिराय नमः।
१३१ ॐ मांसलोरुकटीतटाय नमः।
१३२ ॐ घृष्टजानुकरद्वन्द्वाय नमः।
१३३ ॐ प्रतिबिम्बानुकारकृते नमः।
१३४ ॐ अव्यक्तवर्णवाग्वृत्तये नमः।
१३५ ॐ स्मितलक्ष्यरदोद्गमाय नमः।
१३६ ॐ धात्रीकरसमालम्बिने नमः।
१३७ ॐ प्रस्खलच्चित्रचंक्रमाय नमः।
१३८ ॐ अनुरूपवयस्याढ्याय नमः।
१३९ ॐ चारुकौमारचापलाय नमः।
१४० ॐ वत्सपुच्छसमाकृष्टाय नमः।
१४१ ॐ वत्सपुच्छविकर्षणाय नमः।
१४२ ॐ विस्मारितान्यव्यापाराय नमः।
१४३ ॐ गोपगोपीमुदावहाय नमः।
१४४ ॐ अकालवत्सनिर्मोक्त्रे नमः।
१४५ ॐ व्रजव्याक्रोशसुस्मिताय नमः।
१४६ ॐ नवनीतमहाचोराय नमः।
१४७ ॐ दारकाहारदायकाय नमः।
१४८ ॐ पीठोलूखलसोपानाय नमः।
१४९ ॐ क्षीरभाण्डविभेदनाय नमः।
१५० ॐ शिक्यभाण्डसमाकर्षिणे नमः।
१५१ ॐ ध्वान्तागारप्रवेशकृते नमः।
१५२ ॐ भूषारत्नप्रकाशाढ्याय नमः।
१५३ ॐ गोप्युपालम्भभर्त्सिताय नमः।

१५४ ॐ परागधूसराकाराय नमः।
१५५ ॐ मृद्भक्षणकृतेक्षणाय नमः।
१५६ ॐ बालोक्तमृत्कथारम्भाय नमः।
१५७ ॐ मित्रान्तर्गूढविग्रहाय नमः।
१५८ ॐ कृतसंत्रासलोलाक्षाय नमः।
१५९ ॐ जननीप्रत्ययावहाय नमः।
१६० ॐ मातृदृश्यात्तवदनाय नमः।
१६१ ॐ वक्त्रलक्ष्यचराचराय नमः।
१६२ ॐ यशोदालालितस्वात्मने नमः।
१६३ ॐ स्वयं स्वाच्छन्द्यमोहनाय नमः।
१६४ ॐ सवित्रीस्नेहसंश्लिष्टाय नमः।
१६५ ॐ सवित्रीस्तनलोलुपाय नमः।
१६६ ॐ नवनीतार्थनाप्रह्वाय नमः।
१६७ ॐ नवनीतमहाशनाय नमः।
१६८ ॐ मृषाकोपप्रकम्पोष्ठाय नमः।
१६९ ॐ गोष्ठाङ्गणविलोकनाय नमः।
१७० ॐ दधिमन्थघटीभेत्त्रे नमः।
१७१ ॐ किंकिणीक्वाणसूचिताय नमः।
१७२ ॐ हैयङ्गवीनरसिकाय नमः।
१७३ ॐ मृषाश्रवे नमः।
१७४ ॐ चौर्यशङ्किताय नमः।
१७५ ॐ जननीश्रमविज्ञात्रे नमः।
१७६ ॐ दामबन्धनियन्त्रिताय नमः।
१७७ ॐ दामाकल्पाय नमः।
१७८ ॐ चलापाङ्गाय नमः।
१७९ ॐ गाढोलूखलबन्धनाय नमः।
१८० ॐ आकृष्टोलूखलाय नमः।
१८१ ॐ अनन्ताय नमः।
१८२ ॐ कुबेरसुतशापविदे नमः।
१८३ ॐ नारदोक्तिपरामर्शिणे नमः।
१८४ ॐ यमलार्जुनभञ्जनाय नमः।
१८५ ॐ धनदात्मजसङ्घुष्टाय नमः।
१८६ ॐ नन्दमोचितबन्धनाय नमः।
१८७ ॐ बालकोद्गीतनिरताय नमः।
१८८ ॐ बाहुक्षेपोदितप्रियाय नमः।
१८९ ॐ आत्मज्ञाय नमः।
१९० ॐ मित्रवशगाय नमः।
१९१ ॐ गोपीगीतगुणोदयाय नमः।
१९२ ॐ प्रस्थानशकटारूढाय नमः।
१९३ ॐ वृन्दावनकृतालयाय नमः।
१९४ ॐ गोवत्सपालनैकाग्राय नमः।
१९५ ॐ नानाक्रीडापरिच्छदाय नमः।
१९६ ॐ क्षेपणीक्षेपणाय नमः।
१९७ ॐ प्रीताय नमः।
१९८ ॐ वेणुवाद्यविशारदाय नमः।
१९९ ॐ वृषवत्सानुकरणाय नमः।
२०० ॐ वृषध्वानविडम्बनाय नमः।
२०१ ॐ नियुद्धलीलासंहृष्टाय नमः।
२०२ ॐ कूजानुकृतकोकिलाय नमः।
२०३ ॐ उपात्तहंसगमनाय नमः।
२०४ ॐ सर्वजन्तुरुतानुकृते नमः।
२०५ ॐ भृङ्गानुकारिणे नमः।
२०६ ॐ दध्यन्नचोराय नमः।
२०७ ॐ वत्सपुरस्सराय नमः।
२०८ ॐ बलिने नमः।
२०९ ॐ बकासुरग्राहिणे नमः।

२१० ॐ बकतालुप्रदाहकाय नमः।
२११ ॐ भीतगोपार्भकाहूताय नमः।
२१२ ॐ बकचञ्चुविदारणाय नमः।
२१३ ॐ बकासुरारये नमः।
२१४ ॐ गोपालाय नमः।
२१५ ॐ बालाय नमः।
२१६ ॐ बालाद्भुतावहाय नमः।
२१७ ॐ बलभद्रसमाश्लिष्टाय नमः।
२१८ ॐ कृतक्रीडानिलायनाय नमः।
२१९ ॐ क्रीडासेतुनिधानज्ञाय नमः।
२२० ॐ प्लवङ्गोत्प्लवनाय नमः।
२२१ ॐ अद्भुताय नमः।
२२२ ॐ कन्दुकक्रीडनाय नमः।
२२३ ॐ लुप्तनन्दादिभववेदनाय नमः।
२२४ ॐ सुमनसे नमः।
२२५ ॐ अलंकृतशिरसे नमः।
२२६ ॐ स्वादुस्निग्धान्नशिक्यभृते नमः।
२२७ ॐ गुञ्जाप्रालम्बनच्छन्नाय नमः।
२२८ ॐ पिञ्छैरलकवेषकृते नमः।
२२९ ॐ वन्याशनप्रियाय नमः।
२३० ॐ शृङ्गरवाकारितवत्सकाय नमः।
२३१ ॐ मनोज्ञपल्लवोत्तंसपुष्प-
स्वेच्छात्तषट्पदाय नमः।
२३२ ॐ मञ्जुशिञ्जितमञ्जीरचरणाय नमः।
२३३ ॐ करकङ्कणाय नमः।
२३४ ॐ अन्योन्यशासनाय नमः।
२३५ ॐ क्रीडापटवे नमः।
२३६ ॐ परमकैतवाय नमः।
२३७ ॐ प्रतिध्वानप्रमुदिताय नमः।
२३८ ॐ शाखाचतुरचंक्रमाय नमः।
२३९ ॐ अघदानवसंहर्त्रे नमः।
२४० ॐ व्रजविघ्नविनाशनाय नमः।
२४१ ॐ व्रजसञ्जीवनाय नमः।
२४२ ॐ श्रेयोनिधये नमः।
२४३ ॐ दानवमुक्तिदाय नमः।
२४४ ॐ कालिन्दीपुलिनासीनाय नमः।
२४५ ॐ सहभुक्तव्रजार्भकाय नमः।
२४६ ॐ कक्षाजठरविन्यस्तवेणवे नमः।
२४७ ॐ वल्लवचेष्टिताय नमः।
२४८ ॐ भुजसन्ध्यन्तरन्यस्त-
शृङ्गवेत्राय नमः।
२४९ ॐ शुचिस्मिताय नमः।
२५० ॐ वामपाणिस्थदध्यन्नकव-
लाय नमः।
२५१ ॐ कलभाषणाय नमः।
२५२ ॐ अङ्गुल्यन्तरविन्यस्त-
फलाय नमः।
२५३ ॐ परमपावनाय नमः।
२५४ ॐ अदृश्यतर्णकान्वेषिणे नमः।
२५५ ॐ वल्लवार्भकभीतिघ्ने नमः।
२५६ ॐ अदृष्टवत्सपव्राताय नमः।
२५७ ॐ ब्रह्मविज्ञातवैभवाय नमः।
२५८ ॐ गोवत्सवत्सपान्वेषिणे नमः।
२५९ ॐ विराट्पुरुषविग्रहाय नमः।
२६० ॐ स्वसंकल्पानुरूपार्थाय नमः।
२६१ ॐ वत्साय नमः।

२६२ ॐ वत्सपरूपधृते नमः।
२६३ ॐ यथावत्सक्रियारूपाय नमः।
२६४ ॐ यथास्थाननिवेशनाय नमः।
२६५ ॐ यथाव्रजार्भकाकाराय नमः।
२६६ ॐ गोगोपीस्तन्यपाय नमः।
२६७ ॐ सुखिने नमः।
२६८ ॐ चिराद्बलाय नमः।
२६९ ॐ हिताय नमः।
२७० ॐ दान्ताय नमः।
२७१ ॐ ब्रह्मविज्ञातवैभवाय नमः।
२७२ ॐ विचित्रशक्तये नमः।
२७३ ॐ व्यालीनाय नमः।
२७४ ॐ सृष्टगोवत्सवत्सपाय नमः।
२७५ ॐ ब्रह्मत्रपाकराय नमः।
२७६ ॐ धातृस्तुताय नमः।
२७७ ॐ सर्वार्थसाधकाय नमः।
२७८ ॐ ब्रह्मणे नमः।
२७९ ॐ ब्रह्ममयाय नमः।
२८० ॐ अव्यक्ताय नमः।
२८१ ॐ तेजोरूपाय नमः।
२८२ ॐ सुखात्मकाय नमः।
२८३ ॐ निरुक्ताय नमः।
२८४ ॐ व्याकृतये नमः।
२८५ ॐ व्यक्ताय नमः।
२८६ ॐ निरालम्बनभावनाय नमः।
२८७ ॐ प्रभविष्णवे नमः।
२८८ ॐ अतन्त्रीकाय नमः।
२८९ ॐ देवपक्षार्थरूपधृषे नमः।
२९० ॐ अकामाय नमः।
२९१ ॐ सर्ववेदादये नमः।
२९२ ॐ अणीयसे नमः।
२९३ ॐ स्थूलरूपवते नमः।
२९४ ॐ व्यापिने नमः।
२९५ ॐ व्याप्याय नमः।
२९६ ॐ कृपाकर्त्रे नमः।
२९७ ॐ विचित्राचारसम्मताय नमः।
२९८ ॐ छन्दोमयाय नमः।
२९९ ॐ प्रधानात्मने नमः।
३०० ॐ मूर्ताय नमः।
३०१ ॐ मूर्तद्वयाकृतये नमः।
३०२ ॐ अनेकमूर्तये नमः।
३०३ ॐ अक्रोधाय नमः।
३०४ ॐ परस्मै नमः।
३०५ ॐ प्रकृतये नमः।
३०६ ॐ अक्रमाय नमः।
३०७ ॐ सकलावरणोपेताय नमः।
३०८ ॐ सर्वदेवाय नमः।
३०९ ॐ महेश्वराय नमः।
३१० ॐ महाप्रभावनाय नमः।
३११ ॐ पूर्ववत्साय नमः।
३१२ ॐ वत्सपदर्शकाय नमः।
३१३ ॐ कृष्णाय नमः।
३१४ ॐ यादवाय नमः।
३१५ ॐ गोपालाय नमः।
३१६ ॐ गोपालोकनहर्षिताय नमः।
३१७ ॐ स्मितेक्षाहर्षिताय नमः।

३१८ ॐ ब्रह्मणे नमः।
३१९ ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
३२० ॐ वाक्प्रियाय नमः।
३२१ ॐ ब्रह्मानन्दाश्रुधौतांघ्रये नमः।
३२२ ॐ लीलावैचित्र्यकोविदाय नमः।
३२३ ॐ बलभद्रैकहृदयाय नमः।
३२४ ॐ नामाकारितगोकुलाय नमः।
३२५ ॐ गोपालबालकाय नमः।
३२६ ॐ भव्याय नमः।
३२७ ॐ रज्जुयज्ञोपवीतवते नमः।
३२८ ॐ वृक्षच्छायाहताशान्तये नमः।
३२९ ॐ गोपोत्सङ्गोपबर्हणाय नमः।
३३० ॐ गोपसंवाहितपदाय नमः।
३३१ ॐ गोपव्यजनवीजिताय नमः।
३३२ ॐ गोपगानसुखोन्निद्राय नमः।
३३३ ॐ श्रीदामार्जितसौहृदाय नमः।
३३४ ॐ सुनन्दसुहृदे नमः।
३३५ ॐ एकात्मने नमः।
३३६ ॐ सुबलप्राणरञ्जनाय नमः।
३३७ ॐ तालीवनकृतक्रीडाय नमः।
३३८ ॐ बलपातितधेनुकाय नमः।
३३९ ॐ गोपीसौभाग्यसम्भाव्याय नमः।
३४० ॐ गोधूलिच्छुरितालकाय नमः।
३४१ ॐ गोपीविरहसंतप्ताय नमः।
३४२ ॐ गोपिकाकृतमज्जनाय नमः।
३४३ ॐ प्रलम्बबाहवे नमः।
३४४ ॐ उत्फुल्लपुण्डरीकावतं-
सकाय नमः।
३४५ ॐ विलासलतिस्मेरगर्भली-
लावलोकनाय नमः।
३४६ ॐ स्रग्भूषणानुलेपाढ्याय नमः।
३४७ ॐ जनन्युपहृतान्नभुजे नमः।
३४८ ॐ वरशय्याशयाय नमः।
३४९ ॐ राधाप्रेमसल्लापनिर्वृताय नमः।
३५० ॐ यमुनातटसञ्चारिणे नमः।
३५१ ॐ विषार्तव्रजहर्षदाय नमः।
३५२ ॐ कालियक्रोधजनकाय नमः।
३५३ ॐ वृद्धाहिकुलवेष्टिताय नमः।
३५४ ॐ कालियाहिफणारङ्गनटाय नमः।
३५५ ॐ कालियमर्दनाय नमः।
३५६ ॐ नागपत्नीस्तुतिप्रीताय नमः।
३५७ ॐ नानावेषसमृद्धिकृते नमः।
३५८ ॐ अविषाक्तदृशे नमः।
३५९ ॐ आत्मेशाय नमः।
३६० ॐ स्वदृगात्मने नमः।
३६१ ॐ स्तुतिप्रियाय नमः।
३६२ ॐ सर्वेश्वराय नमः।
३६३ ॐ सर्वगुणाय नमः।
३६४ ॐ प्रसिद्धाय नमः।
३६५ ॐ सर्वसात्वताय नमः।
३६६ ॐ अकुण्ठधाम्ने नमः।
३६७ ॐ चन्द्रार्कदृष्टये नमः।
३६८ ॐ आकाशनिर्मलाय नमः।
३६९ ॐ अनिर्देश्यगतये नमः।
३७० ॐ नागवनितापतिभैक्षदाय नमः।
३७१ ॐ स्वांघ्रिमुद्राङ्कनागेन्द्रमूर्ध्ने नमः।

३७२ ॐ कालियसंस्तुताय नमः।
३७३ ॐ अभयाय नमः।
३७४ ॐ विश्वतश्चक्षुषे नमः।
३७५ ॐ स्तुतोत्तमगुणाय नमः।
३७६ ॐ प्रभवे नमः।
३७७ ॐ अहमात्मने नमः।
३७८ ॐ मरुत्प्राणाय नमः।
३७९ ॐ परमात्मने नमः।
३८० ॐ द्युशीर्षवते नमः।
३८१ ॐ नागोपायनहृष्टात्मने नमः।
३८२ ॐ ह्रदोत्सारितकालियाय नमः।
३८३ ॐ बलभद्रसुखालापाय नमः।
३८४ ॐ गोपालिङ्गननिर्वृताय नमः।
३८५ ॐ दावाग्निभीतगोपालगोप्त्रे नमः।
३८६ ॐ दावाग्निनाशनाय नमः।
३८७ ॐ नयनाच्छादनक्रीडालम्प-
टाय नमः।
३८८ ॐ नृपचेष्टिताय नमः।
३८९ ॐ काकपक्षधराय नमः।
३९० ॐ सौम्याय नमः।
३९१ ॐ बलवाहकाय नमः।
३९२ ॐ केलिमते नमः।
३९३ ॐ बलघातितदुर्धर्षाय नमः।
३९४ ॐ प्रलम्बाय नमः।
३९५ ॐ बलवत्सलाय नमः।
३९६ ॐ मुञ्जाटव्यग्निशमनाय नमः।
३९७ ॐ प्रावृट्कालविनोदवते नमः।
३९८ ॐ शिलान्यस्तान्नभृते नमः।
३९९ ॐ दैत्यसंहर्त्रे नमः।
४०० ॐ शाद्वलासनाय नमः।
४०१ ॐ सदाप्तगोपिकोद्गीताय नमः।
४०२ ॐ कर्णिकारावतंसकाय नमः।
४०३ ॐ नटवेषधराय नमः।
४०४ ॐ पद्ममालाङ्काय नमः।
४०५ ॐ गोपिकावृताय नमः।
४०६ ॐ गोपीमनोहरापाङ्गाय नमः।
४०७ ॐ वेणुवादनतत्पराय नमः।
४०८ ॐ विन्यस्तवदनाम्भोजाय नमः।
४०९ ॐ चारुशब्दकृताननाय नमः।
४१० ॐ बिम्बाधरार्पितदारुवेणवे नमः।
४११ ॐ विश्वविमोहनाय नमः।
४१२ ॐ व्रजसंवर्णिताय नमः।
४१३ ॐ श्राव्यवेणुनादश्रुतिप्रियाय नमः।
४१४ ॐ गोगोपगोपीजन्मेप्सवे नमः।
४१५ ॐ ब्रह्मेन्द्राद्यभिवन्दिताय नमः।
४१६ ॐ गीतस्त्रुतिसरित्पूराय नमः।
४१७ ॐ नादनर्तितबर्हिणाय नमः।
४१८ ॐ रागपल्लवितस्थाणवे नमः।
४१९ ॐ गीतानमितपादपाय नमः।
४२० ॐ विस्मारिततृणग्रासमृगाय नमः।
४२१ ॐ मृगविलोभिताय नमः।
४२२ ॐ व्याघ्रादिहिंस्त्रसहजवैरहर्त्रे नमः।
४२३ ॐ सुगायनाय नमः।
४२४ ॐ गाढोदीरितगोवृन्दाय नमः।
४२५ ॐ प्रेमोत्कर्णिततर्णकाय नमः।
४२६ ॐ निष्पन्दयानब्रह्मादिवीक्षि-

ताय नमः।
४२७ ॐ विश्ववन्दिताय नमः।
४२८ ॐ शाखोत्कर्णशकुन्तौघाय नमः।
४२९ ॐ छत्रायितवलाहकाय नमः।
४३० ॐ प्रसन्नाय नमः।
४३१ ॐ परमानन्दाय नमः।
४३२ ॐ चित्रायितचराचराय नमः।
४३३ ॐ गोपिकामदनाय नमः।
४३४ ॐ गोपीकुचकुङ्कुममुद्रिताय नमः।
४३५ ॐ गोपकन्याजलक्रीडाहृष्टाय नमः।
४३६ ॐ गोप्यंशुकापहृते नमः।
४३७ ॐ स्कन्धारोपितगोपस्त्री-
वाससे नमः।
४३८ ॐ कुन्दनिभस्मिताय नमः।
४३९ ॐ गोपीनेत्रोत्पलशशिने नमः।
४४० ॐ गोपिकायाचितांशुकाय नमः।
४४१ ॐ गोपीनमस्क्रियादेष्ट्रे नमः।
४४२ ॐ गोप्येककरवन्दिताय नमः।
४४३ ॐ गोप्यञ्जलिविशेषार्थिने नमः।
४४४ ॐ गोपीक्रीडाविलोभिताय नमः।
४४५ ॐ शान्तवासस्फुरद्गोपी-
कृताञ्जलये नमः।
४४६ ॐ अघापहाय नमः।
४४७ ॐ गोपीकेलिविलासार्थिने नमः।
४४८ ॐ गोपीसम्पूर्णकामदाय नमः।
४४९ ॐ गोपस्त्रीवस्त्रदाय नमः।
४५० ॐ गोपीचित्तचोराय नमः।
४५१ ॐ कुतूहलिने नमः।
४५२ ॐ वृन्दावनप्रियाय नमः।
४५३ ॐ गोपबन्धवे नमः।
४५४ ॐ यज्वान्नयाचित्रे नमः।
४५५ ॐ यज्ञेशाय नमः।
४५६ ॐ यज्ञभावज्ञाय नमः।
४५७ ॐ यज्ञपत्न्यभिवाञ्छिताय नमः।
४५८ ॐ मुनिपत्नीवितीर्णान्नतृप्ताय नमः।
४५९ ॐ मुनिवधूप्रियाय नमः।
४६० ॐ द्विजपत्न्यभिभावज्ञाय नमः।
४६१ ॐ द्विजपत्नीवरप्रदाय नमः।
४६२ ॐ प्रतिरुद्धसतीमोक्षप्रदाय नमः।
४६३ ॐ द्विजविमोहिताय नमः।
४६४ ॐ मुनिज्ञानप्रदाय नमः।
४६५ ॐ यज्वस्तुताय नमः।
४६६ ॐ वासवयागविदे नमः।
४६७ ॐ पितृप्रोक्तक्रियारूपशक्र-
यागनिवारणाय नमः।
४६८ ॐ शक्रामर्षकराय नमः।
४६९ ॐ शक्रवृष्टिप्रशमनोन्मुखाय नमः।
४७० ॐ गोवर्धनधराय नमः।
४७१ ॐ गोपगोवृन्दत्राणतत्पराय नमः।
४७२ ॐ गोवर्धनगिरिच्छत्रचण्ड-
दण्डभुजार्गलाय नमः।
४७३ ॐ सप्ताहविधृताद्रीन्द्राय नमः।
४७४ ॐ मेघवाहनगर्वघ्ने नमः।
४७५ ॐ भुजाग्रोपरिविन्यस्त-
क्ष्माधरक्ष्माभृते नमः।
४७६ ॐ अच्युताय नमः।

४७७ ॐ स्वस्थानस्थापितगिरये नमः।
४७८ ॐ गोपीदध्यक्षतार्चिताय नमः।
४७९ ॐ सुमनसे नमः।
४८० ॐ सुमनोवृष्टिहृष्टाय नमः।
४८१ ॐ वासववन्दिताय नमः।
४८२ ॐ कामधेनुपयःपूराभिषिक्ताय नमः।
४८३ ॐ सुरभिस्तुताय नमः।
४८४ ॐ धरांघ्रिये नमः।
४८५ ॐ ओषधीरोम्णे नमः।
४८६ ॐ धर्मगोप्त्रे नमः।
४८७ ॐ मनोमयाय नमः।
४८८ ॐ ज्ञानयज्ञप्रियाय नमः।
४८९ ॐ शास्त्रनेत्राय नमः।
४९० ॐ सर्वार्थसारथये नमः।
४९१ ॐ ऐरावतकरानीतविय-
द्गङ्गाप्लुताय नमः।
४९२ ॐ विभवे नमः।
४९३ ॐ ब्रह्माभिषिक्ताय नमः।
४९४ ॐ गोगोप्त्रे नमः।
४९५ ॐ सर्वलोकशुभंकराय नमः।
४९६ ॐ सर्ववेदमयाय नमः।
४९७ ॐ मग्नन्दान्वेषिणे नमः।
४९८ ॐ पितृप्रियाय नमः।
४९९ ॐ वरुणोदीरितात्मेक्षा-
कौतुकाय नमः।
५०० ॐ वरुणार्चिताय नमः।
५०१ ॐ वरुणानीतजनकाय नमः।
५०२ ॐ गोपज्ञातात्मवैभवाय नमः।
५०३ ॐ स्वर्लोकालोकसंहृष्ट-
गोपवर्गत्रिवर्गदाय नमः।
५०४ ॐ ब्रह्महृद्गोपिताय नमः।
५०५ ॐ गोपद्रष्ट्रे नमः।
५०६ ॐ ब्रह्मपदप्रदाय नमः।
५०७ ॐ शरच्चन्द्रविहारोत्काय नमः।
५०८ ॐ श्रीपतये नमः।
५०९ ॐ वशकाय नमः।
५१० ॐ क्षमाय नमः।
५११ ॐ भयापहाय नमः।
५१२ ॐ भर्तृरुद्धगोपिकाध्यान-
गोचराय नमः।
५१३ ॐ गोपिकानयनास्वाद्याय नमः।
५१४ ॐ गोपीनर्मोक्तिनिर्वृताय नमः।
५१५ ॐ गोपिकामानहरणाय नमः।
५१६ ॐ गोपिकाशतयूथपाय नमः।
५१७ ॐ वैजयन्तीस्त्रगाकल्पाय नमः।
५१८ ॐ गोपिकामानवर्धनाय नमः।
५१९ ॐ गोपकान्तासुनिर्देष्ट्रे नमः।
५२० ॐ कान्ताय नमः।
५२१ ॐ मन्मथमन्मथाय नमः।
५२२ ॐ स्वात्मास्यदत्तताम्बूलाय नमः।
५२३ ॐ फलितोत्कृष्टयौवनाय नमः।
५२४ ॐ वल्लवीस्तनसक्ताक्षाय नमः।
५२५ ॐ वल्लवीप्रेमचालिताय नमः।
५२६ ॐ गोपीचेलांचलासीनाय नमः।
५२७ ॐ गोपीनेत्राब्जषट्पदाय नमः।
५२८ ॐ रासक्रीडासमासक्ताय नमः।

५२९ ॐ गोपीमण्डलमण्डनाय नमः।
५३० ॐ गोपीहेममणिश्रेणि-
मध्येन्द्रमणये नमः।
५३१ ॐ उज्ज्वलाय नमः।
५३२ ॐ विद्याधरेन्दुशापघ्नाय नमः।
५३३ ॐ शंखचूडशिरोहराय नमः।
५३४ ॐ शंखचूडशिरोरत्न-
सम्प्रीणितबलाय नमः।
५३५ ॐ अनघाय नमः।
५३६ ॐ अरिष्टारिष्टकृते नमः।
५३७ ॐ दुष्टकेशिदैत्यनिषूदनाय
नमः।
५३८ ॐ सरसाय नमः।
५३९ ॐ सस्मितमुखाय नमः।
५४० ॐ सुस्थिराय नमः।
५४१ ॐ विरहाकुलाय नमः।
५४२ ॐ सङ्कर्षणार्पितप्रीतये नमः।
५४३ ॐ अक्रूरध्यानगोचराय नमः।
५४४ ॐ अक्रूरसंस्तुताय नमः।
५४५ ॐ गूढाय नमः।
५४६ ॐ गुणवृत्त्युपलक्षिताय नमः।
५४७ ॐ प्रमाणगम्याय नमः।
५४८ ॐ तन्मात्रावयविने नमः।
५४९ ॐ बुद्धितत्पराय नमः।
५५० ॐ सर्वप्रमाणप्रमथिने नमः।
५५१ ॐ सर्वप्रत्ययसाधकाय नमः।
५५२ ॐ पुरुषाय नमः।
५५३ ॐ प्रधानात्मने नमः।
५५४ ॐ विपर्यासविलोचनाय नमः।
५५५ ॐ मधुराजनसंवीक्ष्याय नमः।
५५६ ॐ रजकप्रतिघातकाय नमः।
५५७ ॐ विचित्राम्बरसंवीताय नमः।
५५८ ॐ मालाकारवरप्रदाय नमः।
५५९ ॐ कुब्जावक्रत्वनिर्मोक्त्रे नमः।
५६० ॐ कुब्जायौवनदायकाय नमः।
५६१ ॐ कुब्जाङ्गरागसुरभये नमः।
५६२ ॐ कंसकोदण्डखण्डनाय नमः।
५६३ ॐ धीराय नमः।
५६४ ॐ कुवलयापीडमर्दनाय नमः।
५६५ ॐ कंसभीतिकृते नमः।
५६६ ॐ दन्तिदन्तायुधाय नमः।
५६७ ॐ रङ्गत्रासकाय नमः।
५६८ ॐ मल्लयुद्धविदे नमः।
५६९ ॐ चाणूरहन्त्रे नमः।
५७० ॐ कंसारये नमः।
५७१ ॐ देवकीहर्षदायकाय नमः।
५७२ ॐ वसुदेवपदानम्राय नमः।
५७३ ॐ पितृबन्धविमोचनाय नमः।
५७४ ॐ उर्वीभयापहाय नमः।
५७५ ॐ भूपाय नमः।
५७६ ॐ उग्रसेनाधिपत्यदाय नमः।
५७७ ॐ आज्ञास्थितशचीनाथाय नमः।
५७८ ॐ सुधर्मानयनक्षमाय नमः।
५७९ ॐ आद्याय नमः।
५८० ॐ द्विजातिसत्कर्त्रे नमः।
५८१ ॐ शिष्टाचारप्रदर्शकाय नमः।

५८२ ॐ सान्दीपनिकृताभ्यस्त-विद्याभ्यासैकधिये नमः।
५८३ ॐ सुधिये नमः।
५८४ ॐ गुर्वभीष्टक्रियादक्षाय नमः।
५८५ ॐ पश्चिमोदधिपूजिताय नमः।
५८६ ॐ हतपञ्चजनप्राप्तपाञ्चजन्याय नमः।
५८७ ॐ यमार्चिताय नमः।
५८८ ॐ धर्मराजजयानीतगुरुपुत्राय नमः।
५८९ ॐ उरुक्रमाय नमः।
५९० ॐ गुरुपुत्रप्रदाय नमः।
५९१ ॐ शास्त्रे नमः।
५९२ ॐ मधुराजसभासदाय नमः।
५९३ ॐ जामदग्न्यसमभ्यर्च्याय नमः।
५९४ ॐ गोमन्तगिरिसञ्चराय नमः।
५९५ ॐ गोमन्तदावशमनाय नमः।
५९६ ॐ गरुडानीतभूषणाय नमः।
५९७ ॐ चक्राद्यायुधसंशोभिने नमः।
५९८ ॐ जरासन्धमदापहाय नमः।
५९९ ॐ सृगालावनिपालघ्नाय नमः।
६०० ॐ सृगालात्मजराज्यदाय नमः।
६०१ ॐ विध्वस्तकालयवनाय नमः।
६०२ ॐ मुचुकुन्दवरप्रदाय नमः।
६०३ ॐ आज्ञापितमहाम्भोधये नमः।
६०४ ॐ द्वारकापुरकल्पनाय नमः।
६०५ ॐ द्वारकानिलयाय नमः।
६०६ ॐ रुक्मिमानहन्त्रे नमः।
६०७ ॐ यदूद्वहाय नमः।
६०८ ॐ रुचिराय नमः।
६०९ ॐ रुक्मिणीजानये नमः।
६१० ॐ प्रद्युम्नजनकाय नमः।
६११ ॐ प्रभवे नमः।
६१२ ॐ अपाकृतत्रिलोकार्तये नमः।
६१३ ॐ अनिरुद्धपितामहाय नमः।
६१४ ॐ अनिरुद्धपदान्वेषिणे नमः।
६१५ ॐ चक्रिणे नमः।
६१६ ॐ गरुडवाहनाय नमः।
६१७ ॐ बाणासुरपुरीरोद्ध्रे नम।
६१८ ॐ रक्षाज्वलनयन्त्रजिते नमः।
६१९ ॐ धूतप्रमथसंरम्भाय नमः।
६२० ॐ जितमाहेश्वरज्वराय नमः।
६२१ ॐ षट्चक्रशक्तिनिर्जेत्रे नमः।
६२२ ॐ भूतवेतालमोहकृते नमः।
६२३ ॐ शम्भुत्रिशूलजिते नमः।
६२४ ॐ शम्भुजम्भणाय नमः।
६२५ ॐ शम्भुसंस्तुताय नमः।
६२६ ॐ इन्द्रियाय नमः।
६२७ ॐ आत्मने नमः।
६२८ ॐ इन्दुहृदयाय नमः।
६२९ ॐ सर्वयोगेश्वरेश्वराय नमः।
६३० ॐ हिरण्यगर्भहृदयाय नमः।
६३१ ॐ मोहावर्तनिवर्तनाय नमः।
६३२ ॐ आत्मज्ञाननिधये नमः।
६३३ ॐ मेधाकोशाय नमः।
६३४ ॐ तन्मात्ररूपवते नमः।

६३५ ॐ इन्द्राय नमः।
६३६ ॐ अग्निवदनाय नमः।
६३७ ॐ कालनाभाय नमः।
६३८ ॐ सर्वागमाय नमः।
६३९ ॐ अध्वगाय नमः।
६४० ॐ तुरीयाय नमः।
६४१ ॐ सर्वधीसाक्षिणे नमः।
६४२ ॐ द्वन्द्वारामाय नमः।
६४३ ॐ आत्मदूरगाय नमः।
६४४ ॐ अज्ञातपारवश्यश्रिये नमः।
६४५ ॐ अव्याकृतविहारवते नमः।
६४६ ॐ आत्मप्रदीपाय नमः।
६४७ ॐ विज्ञानमात्रात्मने नमः।
६४८ ॐ श्रीनिकेतनाय नमः।
६४९ ॐ बाणबाहुवनच्छेत्रे नमः।
६५० ॐ महेन्द्रप्रीतिवर्धनाय नमः।
६५१ ॐ अनिरुद्धनिरोधज्ञाय नमः।
६५२ ॐ जलेशाहृतगोकुलाय नमः।
६५३ ॐ जलेशविजयिने नमः।
६५४ ॐ वीराय नमः।
६५५ ॐ सत्राजिद्रत्नयाचकाय नमः।
६५६ ॐ प्रसेनान्वेषणोद्युक्ताय नमः।
६५७ ॐ जाम्बवद्धृतरत्नदाय नमः।
६५८ ॐ जितर्क्षराजतनयाहर्त्रे नमः।
६५९ ॐ जाम्बवतीप्रियाय नमः।
६६० ॐ सत्यभामाप्रियाय नमः।
६६१ ॐ कामाय नमः।
६६२ ॐ शतधन्वशिरोहराय नमः।
६६३ ॐ कालिन्दीपतये नमः।
६६४ ॐ अक्रूरबन्धवे नमः।
६६५ ॐ अक्रूररत्नदाय नमः।
६६६ ॐ कैकेयीरमणाय नमः।
६६७ ॐ भद्राभर्त्रे नमः।
६६८ ॐ नाग्नजितीधवाय नमः।
६६९ ॐ माद्रीमनोहराय नमः।
६७० ॐ शैब्याप्राणबन्धवे नमः।
६७१ ॐ उरुक्रमाय नमः।
६७२ ॐ सुशीलादयिताय नमः।
६७३ ॐ मित्रविन्दानेत्रमहोत्सवाय नमः।
६७४ ॐ लक्ष्मणावल्लभाय नमः।
६७५ ॐ रुद्धप्राग्ज्योतिषमहापुराय नमः।
६७६ ॐ सुरपाशावृतिच्छेदिने नमः।
६७७ ॐ मुरारये नमः।
६७८ ॐ क्रूरयुद्धविदे नमः।
६७९ ॐ हयग्रीवशिरोहर्त्रे नमः।
६८० ॐ सर्वात्मने नमः।
६८१ ॐ सर्वदर्शनाय नमः।
६८२ ॐ नरकासुरविच्छेत्रे नमः।
६८३ ॐ नरकात्मजराज्यदाय नमः।
६८४ ॐ पृथ्वीस्तुताय नमः।
६८५ ॐ प्रकाशात्मने नमः।
६८६ ॐ हृद्याय नमः।
६८७ ॐ यज्ञफलप्रदाय नमः।
६८८ ॐ गुणग्राहिणे नमः।
६८९ ॐ गुणद्रष्ट्रे नमः।
६९० ॐ गूढस्वात्माविभूतिमते नमः।

६९१ ॐ कवये नमः।
६९२ ॐ जगदुपद्रष्ट्रे नमः।
६९३ ॐ परमाक्षरविग्रहाय नमः।
६९४ ॐ प्रपन्नपालनाय नमः।
६९५ ॐ मालिने नमः।
६९६ ॐ महद्ब्रह्मविवर्धनाय नमः।
६९७ ॐ वाच्यवाचकशक्त्यर्थाय नमः।
६९८ ॐ सर्वव्याकृतसिद्धिदाय नमः।
६९९ ॐ स्वयंप्रभवे नमः।
७०० ॐ अनिर्वेद्याय नमः।
७०१ ॐ स्वप्रकाशाय नमः।
७०२ ॐ चिरन्तनाय नमः।
७०३ ॐ नादात्मने नमः।
७०४ ॐ मन्त्रकोटीशाय नमः।
७०५ ॐ नानावादनिरोधकाय नमः।
७०६ ॐ कन्दर्पकोटिलावण्याय नमः।
७०७ ॐ परार्थैकप्रयोजकाय नमः।
७०८ ॐ अमरीकृतदेवौघाय नमः।
७०९ ॐ कन्यकाबन्धमोचनाय नमः।
७१० ॐ षोडशस्त्रीसहस्त्रेशाय नमः।
७११ ॐ कान्ताय नमः।
७१२ ॐ कान्तामनोभवाय नमः।
७१३ ॐ क्रीडारत्नाचलाहर्त्रे नमः।
७१४ ॐ वरुणच्छत्रशोभिताय नमः।
७१५ ॐ शक्राभिवन्दिताय नमः।
७१६ ॐ शक्रजननीकुण्डलप्रदाय नमः।
७१७ ॐ अदितिप्रस्तुतस्तोत्राय नमः।
७१८ ॐ ब्राह्मणोद्घुष्टचेष्टनाय नमः।
७१९ ॐ पुराणाय नमः।
७२० ॐ संयमिने नमः।
७२१ ॐ जन्मालिप्ताय नमः।
७२२ ॐ षड्विंशकाय नमः।
७२३ ॐ अर्थदाय नमः।
७२४ ॐ यशस्यनीतये नमः।
७२५ ॐ आद्यन्तरहिताय नमः।
७२६ ॐ सत्कथाप्रियाय नमः।
७२७ ॐ ब्रह्मबोधाय नमः।
७२८ ॐ परानन्दाय नमः।
७२९ ॐ पारिजातापहारकाय नमः।
७३० ॐ पौण्ड्रकप्राणहरणाय नमः।
७३१ ॐ काशिराजनिषूदनाय नमः।
७३२ ॐ कृत्यागर्वप्रशमनाय नमः।
७३३ ॐ विचक्रवधदीक्षिताय नमः।
७३४ ॐ हंसविध्वंसनाय नमः।
७३५ ॐ साम्बजनकाय नमः।
७३६ ॐ डिम्भकार्दनाय नमः।
७३७ ॐ मुनये नमः।
७३८ ॐ गोप्त्रे नमः।
७३९ ॐ पितृवरप्रदाय नमः।
७४० ॐ सवनदीक्षिताय नमः।
७४१ ॐ रथिने नमः।
७४२ ॐ सारथ्यनिर्देष्ट्रे नमः।
७४३ ॐ फाल्गुनाय नमः।
७४४ ॐ फाल्गुनिप्रियाय नमः।
७४५ ॐ सप्ताब्धिस्तम्भनोद्भूताय नमः।
७४६ ॐ हरये नमः।

७४७ ॐ सप्ताब्धिभेदनाय नमः।
७४८ ॐ आत्मप्रकाशाय नमः।
७४९ ॐ पूर्णश्रिये नमः।
७५० ॐ आदिनारायणेक्षिताय नमः।
७५१ ॐ विप्रपुत्रप्रदाय नमः।
७५२ ॐ सर्वमातृसुतप्रदाय नमः।
७५३ ॐ पार्थविस्मयकृते नमः।
७५४ ॐ पार्थप्रणवार्थप्रबोधनाय नमः।
७५५ ॐ कैलासयात्रासुमुखाय नमः।
७५६ ॐ बदर्याश्रमभूषणाय नमः।
७५७ ॐ घण्टाकर्णक्रियामौढ्य-तोषिताय नमः।
७५८ ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
७५९ ॐ मुनिवृन्दादिभिर्ध्येयाय नमः।
७६० ॐ घण्टाकर्णवरप्रदाय नमः।
७६१ ॐ तपश्चर्यापराय नमः।
७६२ ॐ चीरवाससे नमः।
७६३ ॐ पिङ्गजटाधराय नमः।
७६४ ॐ प्रत्यक्षीकृतभूतेशाय नमः।
७६५ ॐ शिवस्तोत्रे नमः।
७६६ ॐ शिवस्तुताय नमः।
७६७ ॐ कृष्णास्वयंवरालोक-कौतुकिने नमः।
७६८ ॐ सर्वसम्मताय नमः।
७६९ ॐ बलसंरम्भशमनाय नमः।
७७० ॐ बलदर्शितपाण्डवाय नमः।
७७१ ॐ यतिवेषार्जुनाभीष्टदायिने नमः।
७७२ ॐ सर्वात्मगोचराय नमः।
७७३ ॐ सुभद्राफाल्गुनोद्वाहकर्त्रे नमः।
७७४ ॐ प्रीणितफाल्गुनाय नमः।
७७५ ॐ खाण्डवप्रीणितार्चिष्मते नमः।
७७६ ॐ मयदानवमोचनाय नमः।
७७७ ॐ सुलभाय नमः।
७७८ ॐ राजसूयार्हाय नमः।
७७९ ॐ युधिष्ठिरनियोजकाय नमः।
७८० ॐ भीमार्दितजरासन्धाय नमः।
७८१ ॐ मागधात्मजराज्यदाय नमः।
७८२ ॐ राजबन्धननिर्मोक्त्रे नमः।
७८३ ॐ राजसूयाग्रपूजनाय नमः।
७८४ ॐ चैद्याद्यसहनाय नमः।
७८५ ॐ भीष्मस्तुताय नमः।
७८६ ॐ सात्वतपूर्वजाय नमः।
७८७ ॐ सर्वात्मने नमः।
७८८ ॐ अर्थसमाहर्त्रे नमः।
७८९ ॐ मन्दराचलधारकाय नमः।
७९० ॐ यज्ञावताराय नमः।
७९१ ॐ प्रह्लादप्रतिज्ञापरिपालकाय नमः।
७९२ ॐ बलियज्ञसभाध्वंसिने नमः।
७९३ ॐ दृप्तक्षत्रकुलान्तकाय नमः।
७९४ ॐ दशग्रीवान्तकाय नमः।
७९५ ॐ जेत्रे नमः।
७९६ ॐ रेवतीप्रेमवल्लभाय नमः।
७९७ ॐ सर्वावताराधिष्ठात्रे नमः।
७९८ ॐ वेदबाह्यविमोहनाय नमः।
७९९ ॐ कलिदोषनिराकर्त्रे नमः।
८०० ॐ दशनाम्ने नमः।

८०१ ॐ दृढव्रताय नमः।
८०२ ॐ अमेयात्मने नमः।
८०३ ॐ जगत्स्वामिने नमः।
८०४ ॐ वाग्मिने नमः।
८०५ ॐ चैद्यशिरोहराय नमः।
८०६ ॐ द्रौपदीरचितस्तोत्राय नमः।
८०७ ॐ केशवाय नमः।
८०८ ॐ पुरुषोत्तमाय नमः।
८०९ ॐ नारायणाय नमः।
८१० ॐ मधुपतये नमः।
८११ ॐ माधवाय नमः।
८१२ ॐ दोषवर्जिताय नमः।
८१३ ॐ गोविन्दाय नमः।
८१४ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
८१५ ॐ विष्णवे नमः।
८१६ ॐ मधुसूदनाय नमः।
८१७ ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
८१८ ॐ त्रिलोकेशाय नमः।
८१९ ॐ वामनाय नमः।
८२० ॐ श्रीधराय नमः।
८२१ ॐ पुंसे नमः।
८२२ ॐ हृषीकेशाय नमः।
८२३ ॐ वासुदेवाय नमः।
८२४ ॐ पद्मनाभाय नमः।
८२५ ॐ महाह्रदाय नमः।
८२६ ॐ दामोदराय नमः।
८२७ ॐ चतुर्व्यूहाय नमः।
८२८ ॐ पाञ्चालीमानरक्षणाय नमः।
८२९ ॐ शाल्वघ्नाय नमः।
८३० ॐ समरश्लाघिने नमः।
८३१ ॐ दन्तवक्त्रनिबर्हणाय नमः।
८३२ ॐ दामोदरप्रियसखाय नमः।
८३३ ॐ पृथुकास्वादनप्रियाय नमः।
८३४ ॐ घृणिने नमः।
८३५ ॐ दामोदराय नमः।
८३६ ॐ श्रीदाय नमः।
८३७ ॐ गोपीपुनरवेक्षकाय नमः।
८३८ ॐ गोपिकामुक्तिदाय नमः।
८३९ ॐ योगिने नमः।
८४० ॐ दुर्वासस्तृप्तिकारकाय नमः।
८४१ ॐ अविज्ञातव्रजाकीर्ण-
पाण्डवालोकनाय नमः।
८४२ ॐ जयिने नमः।
८४३ ॐ पार्थसारथ्यनिरताय नमः।
८४४ ॐ प्राज्ञाय नमः।
८४५ ॐ पाण्डवदौत्यकृते नमः।
८४६ ॐ विदुरातिथ्यसंतुष्टाय नमः।
८४७ ॐ कुन्तीसन्तोषदायकाय नमः।
८४८ ॐ सुयोधनतिरस्कर्त्रे नमः।
८४९ ॐ दुर्योधनविकारविदे नमः।
८५० ॐ विदुराभिष्टुताय नमः।
८५१ ॐ नित्याय नमः।
८५२ ॐ वार्ष्णेयाय नमः।
८५३ ॐ मङ्गलात्मकाय नमः।
८५४ ॐ पञ्चविंशतितत्त्वेशाय नमः।
८५५ ॐ चतुर्विंशतिदेहभाजे नमः।

८५६ ॐ सर्वानुग्राहकाय नमः।
८५७ ॐ सर्वदाशार्हसततार्चिताय नमः।
८५८ ॐ अचिन्त्याय नमः।
८५९ ॐ मधुरालापाय नमः।
८६० ॐ साधुदर्शिने नमः।
८६१ ॐ दुरासदाय नमः।
८६२ ॐ मनुष्यधर्मानुगताय नमः।
८६३ ॐ कौरवेन्द्रक्षयेक्षिताय नमः।
८६४ ॐ उपेन्द्राय नमः।
८६५ ॐ दानवारातये नमः।
८६६ ॐ उरुगीताय नमः।
८६७ ॐ महाद्युतये नमः।
८६८ ॐ ब्रह्मण्यदेवाय नमः।
८६९ ॐ श्रुतिमते नमः।
८७० ॐ गोब्राह्मणहिताशयाय नमः।
८७१ ॐ वरशीलाय नमः।
८७२ ॐ शिवारम्भाय नमः।
८७३ ॐ सुविज्ञानविमूर्तिमते नमः।
८७४ ॐ स्वभावशुद्धाय नमः।
८७५ ॐ सन्मित्राय नमः।
८७६ ॐ सुशरण्याय नमः।
८७७ ॐ सुलक्षणाय नमः।
८७८ ॐ धृतराष्ट्रगताय नमः।
८७९ ॐ दृष्टिप्रदाय नमः।
८८० ॐ कर्णविभेदनाय नमः।
८८१ ॐ प्रतोदधृते नमः।
८८२ ॐ विश्वरूपविस्मारित-
धनञ्जयाय नमः।
८८३ ॐ सामगानप्रियाय नमः।
८८४ ॐ धर्मधेनवे नमः।
८८५ ॐ वर्णोत्तमाय नमः।
८८६ ॐ अव्ययाय नमः।
८८७ ॐ चतुर्युगक्रियाकर्त्रे नमः।
८८८ ॐ विश्वरूपप्रदर्शकाय नमः।
८८९ ॐ ब्रह्मबोधपरित्रातपार्थाय नमः।
८९० ॐ भीष्मार्थचक्रभृते नमः।
८९१ ॐ अर्जुनायासविध्वंसिने नमः।
८९२ ॐ कालदंष्ट्राविभूषणाय नमः।
८९३ ॐ सुजातानन्तमहिम्ने नमः।
८९४ ॐ स्वप्नव्यापारितार्जुनाय नमः।
८९५ ॐ अकालसन्ध्याघटनाय नमः।
८९६ ॐ चक्रान्तरितभास्कराय नमः।
८९७ ॐ दुष्टप्रमथनाय नमः।
८९८ ॐ पार्थप्रतिज्ञापरिपालकाय
नमः।
८९९ ॐ सिन्धुराजशिरःपातस्थान-
वक्त्रे नमः।
९०० ॐ विवेकदृशे नमः।
९०१ ॐ सुभद्राशोकहरणाय नमः।
९०२ ॐ द्रोणोत्सेकादिविस्मिताय नमः।
९०३ ॐ पार्थमन्युनिराकर्त्रे नमः।
९०४ ॐ पाण्डवोत्सवदायकाय नमः।
९०५ ॐ अङ्गुष्ठक्रान्तकौन्तेयरथचक्राय नमः।
९०६ ॐ अहिशीर्षजिते नमः।
९०७ ॐ कालकोपप्रशमनाय नमः।
९०८ ॐ भीमसेनजयप्रदाय नमः।

१०९ ॐ अश्वत्थामवधायासत्रातपाण्डुसुताय नमः।
११० ॐ कृतिने नमः।
१११ ॐ इषीकास्त्रप्रशमनाय नमः।
११२ ॐ द्रौणिरक्षाविचक्षणाय नमः।
११३ ॐ पार्थापहारितद्रौणिचूडामणये नमः।
११४ ॐ अभङ्गुराय नमः।
११५ ॐ धृतराष्ट्रपरामृष्टभीमप्रतिकृतिस्मयाय नमः।
११६ ॐ भीष्मबुद्धिप्रदाय नमः।
११७ ॐ शान्ताय नमः।
११८ ॐ शरच्चन्द्रनिभाननाय नमः।
११९ ॐ गदाग्रजन्मने नमः।
१२० ॐ पाञ्चालीप्रतिज्ञापरिपालकाय नमः।
१२१ ॐ गान्धारीकोपदृग्गुप्तधर्मसूनवे नमः।
१२२ ॐ अनामयाय नमः।
१२३ ॐ प्रपन्नार्तिभयच्छेत्रे नमः।
१२४ ॐ भीष्मशल्यव्यथापहाय नमः।
१२५ ॐ शान्ताय नमः।
१२६ ॐ शान्तनवोदीर्णाय नमः।
१२७ ॐ सर्वधर्मसमाहिताय नमः।
१२८ ॐ स्मारितब्रह्मविद्यार्थप्रीतपार्थाय नमः।
१२९ ॐ महास्त्रविदे नमः।
१३० ॐ प्रसादपरमोदाराय नमः।
१३१ ॐ गाङ्गेयसुगतिप्रदाय नमः।
१३२ ॐ विपक्षपक्षक्षयकृते नमः।
१३३ ॐ परीक्षित्प्राणरक्षणाय नमः।
१३४ ॐ जगद्गुरवे नमः।
१३५ ॐ धर्मसूनोर्वाजिमेधप्रवर्तकाय नमः।
१३६ ॐ विहितार्थाय नमः।
१३७ ॐ आप्तसत्काराय नमः।
१३८ ॐ मासकात्परिवर्तदाय नमः।
१३९ ॐ उत्तङ्कहर्षदात्मीयदिव्यरूपप्रदर्शकाय नमः।
१४० ॐ जनकावगतस्वोक्तभारताय नमः।
१४१ ॐ सर्वभावनाय नमः।
१४२ ॐ असोढ्यादवोद्रेकाय नमः।
१४३ ॐ विहिताप्तादिपूजनाय नमः।
१४४ ॐ समुद्रस्थापिताय नमः।
१४५ ॐ आश्चर्यमुसलाय नमः।
१४६ ॐ वृष्णिवाहकाय नमः।
१४७ ॐ मुनिशापायुधाय नमः।
१४८ ॐ पद्मासनादित्रिदशार्थिताय नमः।
१४९ ॐ सृष्टिप्रत्यवहारोत्कटाय नमः।
१५० ॐ स्वधामगमनोत्सुकाय नमः।
१५१ ॐ प्रभासालोकनोद्युक्ताय नमः।
१५२ ॐ नानाविधनिमित्तकृते नमः।
१५३ ॐ सर्वयादवसंसेव्याय नमः।
१५४ ॐ सर्वोत्कृष्टपरिच्छदाय नमः।
१५५ ॐ वेलाकाननसञ्चारिणे नमः।
१५६ ॐ वेलानिलहृतश्रमाय नमः।
१५७ ॐ कालात्मने नमः।

९५८ ॐ यादवाय नमः।
९५९ ॐ अनन्ताय नमः।
९६० ॐ स्तुतिसंतुष्टमानसाय नमः।
९६१ ॐ द्विजालोकनसन्तुष्टाय नमः।
९६२ ॐ पुण्यतीर्थमहोत्सवाय नमः।
९६३ ॐ सत्काराह्लादिताशेषभूसुराय नमः।
९६४ ॐ सुरवल्लभाय नमः।
९६५ ॐ पुण्यतीर्थाप्लुताय नमः।
९६६ ॐ पुण्याय नमः।
९६७ ॐ पुण्यदाय नमः।
९६८ ॐ तीर्थपावनाय नमः।
९६९ ॐ विप्रसात्कृतगोकोटये नमः।
९७० ॐ शतकोटिसुवर्णदाय नमः।
९७१ ॐ स्वमायामोहिताशेषवृष्णिवीराय नमः।
९७२ ॐ विशेषविदे नमः।
९७३ ॐ जलजायुधनिर्देष्ट्रे नमः।
९७४ ॐ स्वात्मावेशितयादवाय नमः।
९७५ ॐ देवताभीष्टवरदाय नमः।
९७६ ॐ कृतकृत्याय नमः।
९७७ ॐ प्रसन्नधिये नमः।
९७८ ॐ स्थिरशेषायुतबलाय नमः।
९७९ ॐ सहस्त्रफणिवीक्षणाय नमः।
९८० ॐ ब्रह्मवृक्षवरच्छायासीनाय नमः।
९८१ ॐ पद्मासनस्थिताय नमः।
९८२ ॐ प्रत्यगात्मने नमः।
९८३ ॐ स्वभावार्थाय नमः।
९८४ ॐ प्रणिधानपरायणाय नमः।
९८५ ॐ व्याधेषुविद्धपूज्यांघ्रये नमः।
९८६ ॐ निषादभयमोचनाय नमः।
९८७ ॐ पुलिन्दस्तुतिसंतुष्टाय नमः।
९८८ ॐ पुलिन्दसुगतिप्रदाय नमः।
९८९ ॐ दारुकार्पितपार्थादिकरणीयोक्तये नमः।
९९० ॐ ईशित्रे नमः।
९९१ ॐ दिव्यदुन्दुभिसंयुक्ताय नमः।
९९२ ॐ पुष्पवृष्टिप्रपूजिताय नमः।
९९३ ॐ पुराणाय नमः।
९९४ ॐ परमेशानाय नमः।
९९५ ॐ पूर्णभूम्ने नमः।
९९६ ॐ परिष्टुताय नमः।
९९७ ॐ आद्यपतये नमः।
९९८ ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः।
९९९ ॐ परमात्मने नमः।
१००० ॐ परात्परस्मै नमः।

॥ इति श्रीविष्णुधर्मोत्तरपुराणे श्रीकृष्णसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीलक्ष्मीनृसिंहाय नमः ॥

श्रीलक्ष्मीनृसिंहसहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

श्रीमत्पयोनिधिनिकेतन चक्रपाणे
भोगीन्द्रभोगमणिरञ्जितपुण्यमूर्ते ।
योगीश शाश्वत शरण्य भवाब्धिपोत
लक्ष्मीनृसिंह मम देहि करावलम्बम् ॥*

स्तोत्रम्

ब्रह्मोवाच

ॐ नमो नारसिंहाय वज्रदंष्ट्राय वज्रिणे।
वज्रदेहाय वज्राय नमो वज्रनखाय च ॥ १ ॥
वासुदेवाय वन्द्याय वरदाय वरात्मने।
वरदाभयहस्ताय वराय वररूपिणे ॥ २ ॥
वरेण्याय वरिष्ठाय श्रीवराय नमो नमः।
प्रह्लादवरदायैव प्रत्यक्षवरदाय च ॥ ३ ॥
परात्परपरेशाय पवित्राय पिनाकिने।
पावनाय प्रसन्नाय पाशिने पापहारिणे ॥ ४ ॥
पुरुष्टुताय पुण्याय पुरुहूताय ते नमः।
तत्पुरुषाय तथ्याय पुराणपुरुषाय च ॥ ५ ॥

---

* हे अति शोभायमान क्षीरसमुद्रमें निवास करनेवाले, हाथमे चक्र धारण करनेवाले, नागनाथ (शेषजी) के फणोंकी मणियोंसे देदीप्यमान मनोहर मूर्तिवाले! हे योगीश! हे सनातन! हे शरणागतवत्सल! हे संसारसागरके लिये नौकास्वरूप! श्रीलक्ष्मीनृसिंह! मुझे अपने करकमलका सहारा दीजिये।

पुरोधसे पूर्वजाय पुष्कराक्षाय ते नमः।
पुष्पहासाय हासाय महाहासाय शार्ङ्गिणे॥ ६ ॥
सिंहाय सिंहराजाय जगद्वश्याय ते नमः।
अट्टहासाय रोषाय जलवासाय ते नमः॥ ७ ॥
भूतावासाय भासाय श्रीनिवासाय खड्गिने।
खड्गजिह्वाय सिंहाय खड्गवासाय ते नमः॥ ८ ॥
नमो मूलाधिवासाय धर्मवासाय धन्विने।
धनञ्जयाय धन्याय नमो मृत्युञ्जयाय च॥ ९ ॥
शुभञ्जयाय सूत्राय नमः शत्रुञ्जयाय च।
निरञ्जनाय नीराय निर्गुणाय गुणाय च॥ १० ॥
निष्प्रपञ्चाय निर्वाणपदाय निबिडाय च।
निरालम्बाय नीलाय निष्कलाय कलाय च॥ ११ ॥
निमेषाय निबन्धाय निमेषगमनाय च।
निर्द्वन्द्वाय निराशाय निश्चयाय निराय च॥ १२ ॥
निर्मलाय निबन्धाय निर्मोहाय निराकृते।
नमो नित्याय सत्याय सत्कर्मनिरताय च॥ १३ ॥
सत्यध्वजाय मुञ्जाय मुञ्जकेशाय केशिने।
हरीशाय च शेषाय गुडाकेशाय वै नमः॥ १४ ॥
सुकेशायोर्ध्वकेशाय केशिसंहारकाय च।
जलेशाय स्थलेशाय पद्मेशायोग्ररूपिणे॥ १५ ॥
कुशेशयाय कूलाय केशवाय नमो नमः।
सूक्तिकर्णाय सूक्ताय रक्तजिह्वाय रागिणे॥ १६ ॥

दीप्तरूपाय दीप्ताय प्रदीप्ताय प्रलोभिने।
प्रच्छिन्नाय प्रबोधाय प्रभवे विभवे नमः॥ १७॥
प्रभञ्जनाय पान्थाय प्रमायाप्रमिताय च।
प्रकाशाय प्रतापाय प्रज्वालायोज्ज्वलाय च॥ १८॥
ज्वालामालास्वरूपाय ज्वलज्जिह्वाय ज्वालिने।
महोज्ज्वलाय कालाय कालमूर्तिधराय च॥ १९॥
कालान्तकाय कल्पाय कलनाय कृते नमः।
कालचक्राय चक्राय वषट्चक्राय चक्रिणे॥ २०॥
अक्रूराय कृतान्ताय विक्रमाय क्रमाय च।
कृत्तिने कृत्तिवासाय कृतघ्नाय कृतात्मने॥ २१॥
संक्रमाय च क्रुद्धाय क्रान्तलोकत्रयाय च।
अरूपाय स्वरूपाय हरये परमात्मने॥ २२॥
अजयायादिदेवाय अक्षयाय क्षयाय च।
अघोराय सुघोराय घोरघोरतराय च॥ २३॥
नमोऽस्त्वघोरवीर्याय लसद्घोराय ते नमः।
घोराध्यक्षाय दक्षाय दक्षिणार्याय शम्भवे॥ २४॥
अमोघाय गुणौघाय अनघायाघहारिणे।
मेघनादाय नादाय तुभ्यं मेघात्मने नमः॥ २५॥
मेघवाहनरूपाय मेघश्यामाय मालिने।
व्यालयज्ञोपवीताय व्याघ्रदेहाय वै नमः॥ २६॥
व्याघ्रपादाय च व्याघ्रकर्मिणे व्यापकाय च।
विकटास्याय वीराय विष्टरश्रवसे नमः॥ २७॥

विकीर्णनखदंष्ट्राय नखदंष्ट्रायुधाय च।
विष्वक्सेनाय सेनाय विह्वलाय बलाय च॥ २८॥
विरूपाक्षाय वीराय विशेषाक्षाय साक्षिणे।
वीतशोकाय विस्तीर्णवदनाय नमो नमः॥ २९॥
विधानाय विधेयाय विजयाय जयाय च।
विबुधाय विभावाय नमो विश्वम्भराय च॥ ३०॥
वीतरागाय विप्राय विटङ्कनयनाय च।
विपुलाय विनीताय विश्वयोने नमो नमः॥ ३१॥
चिदम्बराय वित्ताय विश्रुताय वियोनये।
विह्वलाय विकल्पाय कल्पातीताय शिल्पिने॥ ३२॥
कल्पनाय स्वरूपाय फणितल्पाय वै नमः।
तटित्प्रभाय तार्याय तरुणाय तरस्विने॥ ३३॥
तपनाय तरक्षाय तापत्रयहराय च।
तारकाय तमोघ्नाय तत्त्वाय च तपस्विने॥ ३४॥
तक्षकाय तनुत्राय तटिने तरलाय च।
शतरूपाय शान्ताय शतधाराय ते नमः॥ ३५॥
शतपत्राय तार्क्ष्याय स्थितये शतमूर्तये।
शतक्रतुस्वरूपाय शाश्वताय शतात्मने॥ ३६॥
नमः सहस्रशिरसे सहस्रवदनाय च।
सहस्राक्षाय देवाय दिशश्श्रोत्राय ते नमः॥ ३७॥
नमः सहस्रजिह्वाय महाजिह्वाय ते नमः।
सहस्रनामधेयाय सहस्राक्षिधराय च॥ ३८॥

सहस्त्रबाहवे तुभ्यं सहस्त्रचरणाय च।
सहस्त्रार्कप्रकाशाय सहस्त्रायुधधारिणे॥ ३९॥
नमः स्थूलाय सूक्ष्माय सुसूक्ष्माय नमो नमः।
सुक्षुण्णाय सुभिक्षाय सुराध्यक्षाय शौरिणे॥ ४०॥
धर्माध्यक्षाय धर्माय लोकाध्यक्षाय वै नमः।
प्रजाध्यक्षाय शिक्षाय विपक्षक्षयमूर्तये॥ ४१॥
कालाध्यक्षाय तीक्ष्णाय मूलाध्यक्षाय ते नमः।
अधोक्षजाय मित्राय सुमित्रवरुणाय च॥ ४२॥
शत्रुघ्नाय अविघ्नाय विघ्नकोटिहराय च।
रक्षोघ्नाय तमोघ्नाय भूतघ्नाय नमो नमः॥ ४३॥
भूतपालाय भूताय भूतवासाय भूतिने।
भूतवेतालघाताय भूताधिपतये नमः॥ ४४॥
भूतग्रहविनाशाय भूतसंयमिने नमः।
महाभूताय भृगवे सर्वभूतात्मने नमः॥ ४५॥
सर्वारिष्टविनाशाय सर्वसम्पत्कराय च।
सर्वाधाराय शर्वाय सर्वार्तिहरये नमः॥ ४६॥
सर्वदुःखप्रशान्ताय सर्वसौभाग्यदायिने।
सर्वज्ञायाप्यनन्ताय सर्वशक्तिधराय च॥ ४७॥
सर्वैश्वर्यप्रदात्रे च सर्वकार्यविधायिने।
सर्वज्वरविनाशाय सर्वरोगापहारिणे॥ ४८॥
सर्वाभिचारहन्त्रे च सर्वैश्वर्यविधायिने।
पिङ्गाक्षायैकशृङ्गाय द्विशृङ्गाय मरीचये॥ ४९॥

बहुश्रृङ्गाय लिङ्गाय महाश्रृङ्गाय ते नमः।
माङ्गल्याय मनोज्ञाय मन्तव्याय महात्मने॥ ५० ॥
महादेवाय देवाय मातुलुङ्गधराय च।
महामायाप्रसूताय प्रस्तुताय च मायिने॥ ५१ ॥
अनन्तानन्तरूपाय मायिने जलशायिने।
महोदराय मन्दाय मददाय मदाय च॥ ५२ ॥
मधुकैटभहन्त्रे च माधवाय मुरारये।
महावीर्याय धैर्याय चित्रवीर्याय ते नमः॥ ५३ ॥
चित्रकूर्माय चित्राय नमस्ते चित्रभानवे।
मायातीताय मायाय महावीराय ते नमः॥ ५४ ॥
महातेजाय बीजाय तेजोधाम्ने च बीजिने।
तेजोमयनृसिंहाय नमस्ते चित्रभानवे॥ ५५ ॥
महादंष्ट्राय तुष्टाय नमः पुष्टिकराय च।
शिपिविष्टाय हृष्टाय पुष्टाय परमेष्ठिने॥ ५६ ॥
विशिष्टाय च शिष्टाय गरिष्ठायेष्टदायिने।
नमो ज्येष्ठाय श्रेष्ठाय तुष्टायामिततेजसे॥ ५७ ॥
अष्टाङ्गन्यस्तरूपाय सर्वदुष्टान्तकाय च।
वैकुण्ठाय विकुण्ठाय केशिकण्ठाय ते नमः॥ ५८ ॥
कण्ठीरवाय लुण्ठाय निःशठाय हठाय च।
सत्त्वोद्रिक्ताय रुद्राय ऋग्यजुःसामगाय च॥ ५९ ॥
ऋतुध्वजाय वज्राय मन्त्रराजाय मन्त्रिणे।
त्रिनेत्राय त्रिवर्गाय त्रिधाम्ने च त्रिशूलिने॥ ६० ॥

त्रिकालज्ञानरूपाय त्रिदेहाय त्रिधात्मने।
नमस्त्रिमूर्तिविद्याय त्रितत्त्वज्ञानिने नमः॥ ६१॥
अक्षोभ्यायानिरुद्धाय अप्रमेयाय भानवे।
अमृताय अनन्ताय अमितायामितौजसे॥ ६२॥
अपमृत्युविनाशाय अपस्मारविघातिने।
अन्नदायान्नरूपाय अन्नायान्नभुजे नमः॥ ६३॥
नाद्याय निरवद्याय विद्यायाद्भुतकर्मणे।
सद्योजाताय सङ्घाय वैद्युताय नमो नमः॥ ६४॥
अध्वातीताय सत्त्वाय वागतीताय वाग्मिने।
वागीश्वराय गोपाय गोहिताय गवाम्पते॥ ६५॥
गन्धर्वाय गभीराय गर्जितायोर्जिताय च।
पर्जन्याय प्रबुद्धाय प्रधानपुरुषाय च॥ ६६॥
पद्माभाय सुनाभाय पद्मनाभाय मानिने।
पद्मनेत्राय पद्माय पद्मायाः पतये नमः॥ ६७॥
पद्मोदराय पूताय पद्मकल्पोद्भवाय च।
नमो हृत्पद्मवासाय भूपद्मोद्धरणाय च॥ ६८॥
शब्दब्रह्मस्वरूपाय ब्रह्मरूपधराय च।
ब्रह्मणे ब्रह्मरूपाय पद्मनेत्राय ते नमः॥ ६९॥
ब्रह्मदाय ब्राह्मणाय ब्रह्मब्रह्मात्मने नमः।
सुब्रह्मण्याय देवाय ब्रह्मण्याय त्रिवेदिने॥ ७०॥
परब्रह्मस्वरूपाय परब्रह्मात्मने नमः।
नमस्ते ब्रह्मशिरसे तथाऽश्वशिरसे नमः॥ ७१॥

अथर्वशिरसे नित्यमशनिप्रमिताय च।
नमस्ते तीक्ष्णदंष्ट्राय लोलाय ललिताय च॥ ७२॥
लावण्याय लवित्राय नमस्ते भासकाय च।
लक्षणज्ञाय लक्षाय लक्षणाय नमो नमः॥ ७३॥
लसद्दीप्ताय लिप्ताय विष्णवे प्रभविष्णवे।
वृष्णिमूलाय कृष्णाय श्रीमहाविष्णवे नमः॥ ७४॥
पश्यामि त्वां महसिंहं हारिणं वनमालिनम्।
किरीटिनं कुण्डलिनं सर्वाङ्गं सर्वतोमुखम्॥ ७५॥
सर्वतः पाणिपादोरः सर्वतोऽक्षिशिरोमुखम्।
सर्वेश्वरं सदातुष्टं समर्थं समरप्रियम्॥ ७६॥
बहुयोजनविस्तीर्णं बहुयोजनमायतम्।
बहुयोजनहस्तांघ्रिं बहुयोजननासिकम्॥ ७७॥
महारूपं महावक्त्रं महादंष्ट्रं महाभुजम्।
महानादं महारौद्रं महाकायं महाबलम्॥ ७८॥
आनाभेर्ब्रह्मणो रूपमागलाद्वैष्णवं तथा।
आशीर्षाद्रुद्रमीशानं तदग्रे सर्वतः शिवम्॥ ७९॥
नमोऽस्तु नारायणनारसिंह
नमोऽस्तु नारायणवीरसिंह।
नमोऽस्तु नारायणक्रूरसिंह
नमोऽस्तु नारायणदिव्यसिंह॥ ८०॥
नमोऽस्तु नारायणव्याघ्रसिंह
नमोऽस्तु नारायणपुच्छसिंह।

नमोऽस्तु नारायणपूर्णसिंह
नमोऽस्तु नारायणरौद्रसिंह ॥ ८१ ॥
नमो नमो भीषणभद्रसिंह
नमो नमो विह्वलनेत्रसिंह।
नमो नमो बृंहितभूतसिंह
नमो नमो निर्मलचित्रसिंह ॥ ८२ ॥
नमो नमो निर्जितकालसिंह
नमो नमः कल्पितकल्पसिंह।
नमो नमः कामदकामसिंह
नमो नमस्ते भुवनैकसिंह ॥ ८३ ॥
द्यावापृथिव्योरिदमन्तरं हि
व्याप्तं त्वयैकेन दिशश्च सर्वाः।
दृष्ट्वाद्भुतं रूपमुग्रं तवेदं
लोकत्रयं प्रव्यथितं महात्मन् ॥ ८४ ॥
अमी हि त्वां सुरसङ्घा विशन्ति
केचिद्भीताः प्राञ्जलयो गृणन्ति।
स्वस्तीत्युक्त्वा महर्षिसिद्धसङ्घाः
स्तुवन्ति त्वां स्तुतिभिः पुष्कलाभिः ॥ ८५ ॥
रुद्रादित्या वसवो ये च साध्या
विश्वेऽश्विनौ मरुतश्चोष्मपाश्च।
गन्धर्वयक्षासुरसिद्धसङ्घा
वीक्षन्ते त्वां विस्मिताश्चैव सर्वे ॥ ८६ ॥

लेलिह्यसे ग्रसमानः समन्ता-
ल्लोकान् समग्रान् वदनैर्ज्वलद्भिः।
तेजोभिरापूर्य जगत् समग्रं
भासस्तवोग्राः प्रतपन्ति विष्णो॥ ८७॥
भविष्णुस्त्वं सहिष्णुस्त्वं भ्राजिष्णुर्जिष्णुरेव च।
पृथिवी अन्तरिक्षं त्वं पर्वतारण्यमेव च॥ ८८॥
कलाकाष्ठाविलिप्तस्त्वं मुहूर्तप्रहरादिकम्।
अहोरात्रं त्रिसन्ध्यं च पक्षमासर्तुवत्सराः॥ ८९॥
युगादियुगभेदस्त्वं संयुगे युगसन्धयः।
नित्यं नैमित्तिकं दैनं महाप्रलयमेव च॥ ९०॥
करणं कारणं कर्ता भर्ता हर्ता त्वमीश्वरः।
सत्कर्ता सत्कृतिर्गोप्ता सच्चिदानन्दविग्रहः॥ ९१॥
प्राणस्त्वं प्राणिनां प्रत्यगात्मा त्वं सर्वदेहिनाम्।
सुज्योतिस्त्वं परंज्योतिरात्मज्योतिः सनातनः॥ ९२॥
ज्योतिर्लोकस्वरूपस्त्वं त्वं ज्योतिर्ज्योतिषां पतिः।
स्वाहाकारः स्वधाकारो वषट्कारः कृपाकरः॥ ९३॥
हन्तकारो निराकारो वेगाकारश्च शङ्करः।
अकारादिहकारान्त ॐकारो लोककारकः॥ ९४॥
एकात्मा त्वमनेकात्मा चतुरात्मा चतुर्भुजः।
चतुर्मूर्तिश्चतुर्दंष्ट्रश्चतुर्वेदमयोत्तमः॥ ९५॥
लोकप्रियो लोकगुरुर्लोकेशो लोकनायकः।
लोकसाक्षी लोकपतिर्लोकात्मा लोकलोचनः॥ ९६॥

लोकाधारो बृहल्लोको लोकालोकमयो विभुः।
लोककर्ता विश्वकर्ता कृतावर्तः कृतागमः॥ ९७ ॥
अनादिस्त्वमनन्तस्त्वमभूतो भूतविग्रहः।
स्तुतिः स्तुत्यः स्तवप्रीतः स्तोता नेता नियामकः॥ ९८ ॥
त्वं गतिस्त्वं मतिर्मह्यं पिता माता गुरुः सखा।
सुहृदश्चात्मरूपस्त्वं त्वां विना नास्ति मे गतिः॥ ९९ ॥
नमस्ते मन्त्ररूपाय अस्त्ररूपाय ते नमः।
बहुरूपाय रूपाय पञ्चरूपधराय च॥ १०० ॥
भद्ररूपाय रूढाय योगरूपाय योगिने।
समरूपाय योगाय योगपीठस्थिताय च॥ १०१ ॥
योगगम्याय सौम्याय ध्यानगम्याय ध्यायिने।
ध्येयगम्याय धाम्ने च धामाधिपतये नमः॥ १०२ ॥
धराधराय धर्माय धारणाभिरताय च।
नमो धात्रे च सन्धात्रे विधात्रे च धराय च॥ १०३ ॥
दामोदराय दान्ताय दानवान्तकराय च।
नमः संसारवैद्याय भेषजाय नमो नमः॥ १०४ ॥
सीरध्वजाय शीताय वातायाप्रमिताय च।
सारस्वताय संसारनाशनायाक्षमालिने॥ १०५ ॥
असिधर्मधरायैव षट्कर्मनिरताय च।
विकर्माय सुकर्माय परकर्मविधायिने॥ १०६ ॥
सुशर्मणे मन्मथाय नमो वर्माय वर्मिणे।
करिचर्मवसानाय करालवदनाय च॥ १०७ ॥

कवये पद्मगर्भाय भूतगर्भघृणानिधे।
ब्रह्मगर्भाय गर्भाय बृहद्गर्भाय धूर्जटे॥ १०८॥
नमस्ते विश्वगर्भाय श्रीगर्भाय जितारये।
नमो हिरण्यगर्भाय हिरण्यकवचाय च॥ १०९॥
हिरण्यवर्णदेहाय हिरण्याक्षविनाशिने।
हिरण्यकशिपोर्हन्त्रे हिरण्यनयनाय च॥ ११०॥
हिरण्यरेतसे तुभ्यं हिरण्यवदनाय च।
नमो हिरण्यशृङ्गाय निःशृङ्गाय च शृङ्गिणे॥ १११॥
भैरवाय सुकेशाय भीषणायान्त्रमालिने।
चण्डाय रुण्डमालाय नमो दण्डधराय च॥ ११२॥
अखण्डतत्त्वरूपाय कमण्डलुधराय च।
नमस्ते खण्डसिंहाय सत्यसिंहाय ते नमः॥ ११३॥
नमस्ते श्वेतसिंहाय पीतसिंहाय ते नमः।
नीलसिंहाय नीलाय रक्तसिंहाय ते नमः॥ ११४॥
नमो हारिद्रसिंहाय धूम्रसिंहाय ते नमः।
मूलसिंहाय मूलाय बृहत्सिंहाय ते नमः॥ ११५॥
पातालस्थितसिंहाय नमः पर्वतवासिने।
नमो जलस्थसिंहाय अन्तरिक्षस्थिताय च॥ ११६॥
कालाग्निरुद्रसिंहाय चण्डसिंहाय ते नमः।
अनन्तसिंहसिंहाय अनन्तगतये नमः॥ ११७॥
नमो विचित्रसिंहाय बहुसिंहस्वरूपिणे।
अभयङ्करसिंहाय नरसिंहाय ते नमः॥ ११८॥

नमोऽस्तु सिंहराजाय नारसिंहाय ते नमः।
सप्ताब्धिमेखलायैव सत्यासत्यस्वरूपिणे॥ ११९॥
सप्तलोकान्तरस्थाय सप्तस्वरमयाय च।
सप्तार्चीरूपदंष्ट्राय सप्ताश्वरथरूपिणे॥ १२०॥
सप्तवायुस्वरूपाय सप्तच्छन्दोमयाय च।
स्वच्छाय स्वच्छरूपाय स्वच्छन्दाय च ते नमः॥ १२१॥
श्रीवत्साय सुवेधाय श्रुतये श्रुतिमूर्तये।
शुचिश्रवाय शूराय सुप्रभाय सुधन्विने॥ १२२॥
शुभ्राय सुरनाथाय सुप्रभाय शुभाय च।
सुदर्शनाय सूक्ष्माय निरुक्ताय नमो नमः॥ १२३॥
सुप्रभाय स्वभावाय भवाय विभवाय च।
सुशाखाय विशाखाय सुमुखाय मुखाय च॥ १२४॥
सुनखाय सुदंष्ट्राय सुरथाय सुधाय च।
सांख्याय सुरमुख्याय प्रख्याताय प्रभाय च॥ १२५॥
नमः खट्वाङ्गहस्ताय खेटमुद्गरपाणये।
खगेन्द्राय मृगेन्द्राय नागेन्द्राय दृढाय च॥ १२६॥
नागकेयूरहाराय नागेन्द्रायाघमर्दिने।
नदीवासाय नग्नाय नानारूपधराय च॥ १२७॥
नागेश्वराय नागाय नमिताय नराय च।
नागान्तकरथायैव नरनारायणाय च॥ १२८॥
नमो मत्स्यस्वरूपाय कच्छपाय नमो नमः।
नमो यज्ञवराहाय नरसिंहाय ते नमः॥ १२९॥

विक्रमाक्रान्तलोकाय वामनाय महौजसे।
नमो भार्गवरामाय रावणान्तकराय च॥ १३०॥
नमस्ते बलरामाय कंसप्रध्वंसकारिणे।
बुद्धाय बुद्धरूपाय तीक्ष्णरूपाय कल्किने॥ १३१॥
आत्रेयायाग्निनेत्राय कपिलाय द्विजाय च।
क्षेत्राय पशुपालाय पशुवक्त्राय ते नमः॥ १३२॥
गृहस्थाय वनस्थाय यतये ब्रह्मचारिणे।
स्वर्गापवर्गदात्रे च तद्भोक्त्रे च मुमुक्षवे॥ १३३॥
शालग्रामनिवासाय क्षीराब्धिशयनाय च।
श्रीशैलाद्रिनिवासाय शिलावासाय ते नमः॥ १३४॥
योगिहृत्पद्मवासाय महाहासाय ते नमः।
गुहावासाय गुह्याय गुप्ताय गुरवे नमः॥ १३५॥
नमो मूलाधिवासाय नीलवस्त्रधराय च।
पीतवस्त्राय शस्त्राय रक्तवस्त्रधराय च॥ १३६॥
रक्तमालाविभूषाय रक्तगन्धानुलेपिने।
धुरन्धराय धूर्ताय दुर्धराय धराय च॥ १३७॥
दुर्मदाय दुरन्ताय दुर्धराय नमो नमः।
दुर्निरीक्ष्याय निष्ठाय दुर्दर्शाय द्रुमाय च॥ १३८॥
दुर्भेदाय दुराशाय दुर्लभाय नमो नमः।
दृप्ताय दृप्तवक्त्राय अदृप्तनयनाय च॥ १३९॥
उन्मत्ताय प्रमत्ताय नमो दैत्यारये नमः।
रसज्ञाय रसेशाय अरक्तरसनाय च॥ १४०॥

पथ्याय परितोषाय रथ्याय रसिकाय च।
ऊर्ध्वकेशोर्ध्वरूपाय नमस्ते चोर्ध्वरेतसे॥ १४१॥
ऊर्ध्वसिंहाय सिंहाय नमस्ते चोर्ध्वबाहवे।
परप्रध्वंसकायैव शङ्खचक्रधराय च॥ १४२॥
गदापद्मधरायैव पञ्चबाणधराय च।
कामेश्वरायैव कामाय कामपालाय कामिने॥ १४३॥
नमः कामविहाराय कामरूपधराय च।
सोमसूर्याग्निनेत्राय सोमपाय नमो नमः॥ १४४॥
नमः सोमाय वामाय वामदेवाय ते नमः।
सामस्वनाय सौम्याय भक्तिगम्याय वै नमः॥ १४५॥
कूष्माण्डगणनाथाय सर्वश्रेयस्कराय च।
भीष्माय भीप्रदायैव भीमविक्रमणाय च॥ १४६॥
मृगग्रीवाय जीवाय जितायाजितकारिणे।
जटिने जामदग्न्याय नमस्ते जातवेदसे॥ १४७॥
जपाकुसुमवर्णाय जप्याय जपिताय च।
जरायुजायाण्डजाय स्वेदजायोद्भिजाय च॥ १४८॥
जनार्दनाय रामाय जाह्नवीजनकाय च।
जराजन्मादिदूराय प्रद्युम्नाय प्रमोदिने॥ १४९॥
जिह्वारौद्राय रुद्राय वीरभद्राय ते नमः।
चिद्रूपाय समुद्राय कद्रुद्राय प्रचेतसे॥ १५०॥
इन्द्रियायेन्द्रियज्ञाय नमोऽस्त्विन्द्रानुजाय च।
अतीन्द्रियाय साराय इन्दिरापतये नमः॥ १५१॥

ईशानाय च ईड्याय ईशिताय इनाय च।
व्योमात्मने च व्योम्ने च नमस्ते व्योमकेशिने॥ १५२॥
व्योमाधाराय च व्योमवक्त्रायासुरघातिने।
नमस्ते व्योमदंष्ट्राय व्योमवासाय ते नमः॥ १५३॥
सुकुमाराय रामाय शुभाचाराय वै नमः।
विश्वाय विश्वरूपाय नमो विश्वात्मकाय च॥ १५४॥
ज्ञानात्मकाय ज्ञानाय विश्वेशाय परात्मने।
एकात्मने नमस्तुभ्यं नमस्ते द्वादशात्मने॥ १५५॥
चतुर्विंशतिरूपाय पञ्चविंशतिमूर्तये।
षड्विंशकात्मने नित्यं सप्तविंशतिकात्मने॥ १५६॥
धर्मार्थकाममोक्षाय विरक्ताय नमो नमः।
भावशुद्धाय सिद्धाय साध्याय शरभाय च॥ १५७॥
प्रबोधाय सुबोधाय नमो बुद्धिप्रियाय च।
स्निग्धाय च विदग्धाय मुग्धाय मुनये नमः॥ १५८॥
प्रियंवदाय श्रव्याय स्रुक्स्रुवाय श्रिताय च।
गृहेशाय महेशाय ब्रह्मेशाय नमो नमः॥ १५९॥
श्रीधराय सुतीर्थाय हयग्रीवाय ते नमः।
उग्राय उग्रवेगाय उग्रकर्मरताय च॥ १६०॥
उग्रनेत्राय व्यग्राय समग्रगुणशालिने।
बालग्रहविनाशाय पिशाचग्रहघातिने॥ १६१॥
दुष्टग्रहनिहन्त्रे च निग्रहानुग्रहाय च।
वृषध्वजाय वृष्णाय वृषाय वृषभाय च॥ १६२॥

उग्रश्रवाय शान्ताय नमः श्रुतिधराय च।
नमस्ते देवदेवेश नमस्ते मधुसूदन॥ १६३॥
नमस्ते पुण्डरीकाक्ष नमस्ते दुरितक्षय।
नमस्ते करुणासिन्धो नमस्ते समितिञ्जय॥ १६४॥
नमस्ते नरसिंहाय नमस्ते गरुडध्वज।
यज्ञनेत्र नमस्तेऽस्तु कालध्वज जयध्वज॥ १६५॥
अग्निनेत्र नमस्तेऽस्तु नमस्ते ह्यमरप्रिय।
महानेत्र नमस्तेऽस्तु नमस्ते भक्तवत्सल॥ १६६॥
धर्मनेत्र नमस्तेऽस्तु नमस्ते करुणाकर।
पुण्यनेत्र नमस्तेऽस्तु नमस्तेऽभीष्टदायक॥ १६७॥
नमो नमस्ते जयसिंहरूप
नमो नमस्ते नरसिंहरूप।
नमो नमस्ते रणसिंहरूप
नमो नमस्ते नरसिंहरूप॥ १६८॥
उद्धृत्य गर्वितं दैत्यं निहत्याजौ सुरद्विषम्।
देवकार्यं महत्कृत्वा गर्जसे स्वात्मतेजसा॥ १६९॥
अतिरुद्रमिदं रूपं दुस्सहं दुरतिक्रमम्।
दृष्ट्वा तु शङ्किताः सर्वा देवतास्त्वामुपागताः॥ १७०॥
एतान् पश्य महेशानं ब्रह्माणं मां शचीपतिम्।
दिक्पालान् द्वादशादित्यान् रुद्रानुरगराक्षसान्॥ १७१॥
सर्वान् ऋषिगणान् सप्तमातृगौरीं सरस्वतीम्।
लक्ष्मीं नदीश्च तीर्थानि रतिं भूतगणान्यपि॥ १७२॥

प्रसीद त्वं महासिंह उग्रभावमिमं त्यज।
प्रकृतिस्थो भव त्वं हि शान्तिभावं च धारय॥ १७३॥
इत्युक्त्वा दण्डवद्भूमौ पपात स पितामहः।
प्रसीद त्वं प्रसीद त्वं प्रसीदेति पुनः पुनः॥ १७४॥

मार्कण्डेय उवाच

दृष्ट्वा तु देवताः सर्वाः श्रुत्वा तां ब्रह्मणो गिरम्।
स्तोत्रेणापि च संहृष्टः सौम्यभावमधारयत्॥ १७५॥
अब्रवीन्नारसिंहस्तु वीक्ष्य सर्वान् सुरोत्तमान्।
संत्रस्तान् भयसंविग्नान् शरणं समुपागतान्॥ १७६॥

श्रीनृसिंह उवाच

भो भो देववराः सर्वे पितामहपुरोगमाः।
शृणुध्वं मम वाक्यं च भवन्तु विगतज्वराः॥ १७७॥
यद्धितं भवतां नूनं तत्करिष्यामि साम्प्रतम्।

॥ फलश्रुतिः॥

एवं नामसहस्रं मे त्रिसन्ध्यं यः पठेच्छुचिः॥ १७८॥
शृणोति वा श्रावयति पूजान्ते भक्तिसंयुतः।
सर्वान् कामानवाप्नोति जीवेच्च शरदां शतम्॥ १७९॥
यो नामभिर्नृसिंहाद्यैरर्चयेत् क्रमशो मम।
सर्वतीर्थेषु यत्पुण्यं सर्वतीर्थेषु यत्फलम्॥ १८०॥
सर्वपूजासु यत्प्रोक्तं तत्सर्वं लभते भृशम्।
जातिस्मरत्वं लभते ब्रह्मज्ञानं सनातनम्॥ १८१॥
सर्वपापविनिर्मुक्तस्तद्विष्णोः परमं पदम्।
मन्नामकवचं बध्वा विचरेद्विगतज्वरः॥ १८२॥

भूतवेतालकूष्माण्डपिशाचब्रह्मराक्षसाः ।
शाकिनीडाकिनीज्येष्ठा नीली बालग्रहादिकाः ॥ १८३ ॥
दुष्टग्रहाश्च नश्यन्ति यक्षराक्षसपन्नगाः ।
ये च सन्ध्याग्रहाः सर्वे चाण्डालग्रहसंज्ञिकाः ॥ १८४ ॥
निशाचरग्रहाः सर्वे प्रणश्यन्ति च दूरतः ।
कुक्षिरोगं च हृद्रोगं शूलापस्मारमेव च ॥ १८५ ॥
एकाहिकं द्व्याहिकं च चातुर्थिकमथ ज्वरम् ।
आधयो व्याधयः सर्वे रोगा रोगाधिदेवताः ॥ १८६ ॥
शीघ्रं नश्यन्ति ते सर्वे नृसिंहस्मरणात् सुराः ।
राजानो दासतां यान्ति शत्रवो यान्ति मित्रताम् ॥ १८७ ॥
जलानि स्थलतां यान्ति वह्नयो यान्ति शीतताम् ।
विषा अप्यमृता यान्ति नृसिंहस्मरणात् सुराः ॥ १८८ ॥
राज्यकामो लभेद्राज्यं धनकामो लभेद्धनम् ।
विद्याकामो लभेद्विद्यां बद्धो मुच्येत बन्धनात् ॥ १८९ ॥
व्यालव्याघ्रभयं नास्ति चोरसर्पादिकं तथा ।
अनुकूला भवेद्भार्या लोकैश्च प्रतिपूज्यते ॥ १९० ॥
सुपुत्रं धनधान्यं च भवन्ति विगतज्वराः ।
एतत्सर्वं समाप्नोति नृसिंहस्य प्रसादतः ॥ १९१ ॥
जलसंतरणे चैव पर्वतारण्यमेव च ।
वने विचरन् मर्त्यो दुर्गमे विषमे पथि ॥ १९२ ॥
कलिप्रवेशने चापि नारसिंहं न विस्मरेत् ।
ब्रह्मघ्नश्च पशुघ्नश्च भ्रूणहा गुरुतल्पगः ॥ १९३ ॥

मुच्यते सर्वपापेभ्यः कृतघ्नः स्त्रीविघातकः।
वेदानां दूषकश्चापि मातापितृविनिन्दकः॥ १९४॥
असत्यस्तु तथा यज्ञनिन्दको लोकनिन्दकः।
स्मृत्वा सकृन्नृसिंहं तु मुच्यते सर्वकिल्बिषैः॥ १९५॥
बहुनात्र किमुक्तेन स्मृत्वा मां शुद्धमानसः।
यत्र यत्र चरेन्मर्त्यो नृसिंहस्तत्र रक्षति॥ १९६॥
गच्छन् तिष्ठन् स्वपन् भुञ्जन् जाग्रन्नपि हसन्नपि।
नृसिंहेति नृसिंहेति नृसिंहेति सदा स्मरन्॥ १९७॥
पुमान् न लिप्यते पापैर्भुक्तिं मुक्तिं च विन्दति।
नारी सुभगतामेति सौभाग्यं च स्वरूपताम्॥ १९८॥
भर्तुः प्रियत्वं लभते न वैधव्यं च विन्दति।
न सपत्नीं च जन्मान्ते सम्यग् ज्ञानी भवेद् द्विजः॥ १९९॥
भूमिप्रदक्षिणान्मर्त्यो यत्फलं लभते चिरात्।
तत्फलं लभते नारसिंहमूर्तिप्रदक्षिणात्॥ २००॥

मार्कण्डेय उवाच

इत्युक्त्वा देवदेवेशो लक्ष्मीमालिङ्ग्य लीलया।
प्रह्लादस्याभिषेकं तु ब्रह्मणे चोपदिष्टवान्॥ २०१॥
श्रीशैलस्य प्रभासे तु लोकानां च हिताय वै।
स्वरूपं स्थापयामास प्रकृतिस्थोऽभवत् तदा॥ २०२॥
ब्रह्मापि दैत्यराजानं प्रह्लादमभ्यषेचयत्।
दैवतैः सह सुप्रीतो ह्यात्मलोलं ययौ स्वयम्॥ २०३॥
हिरण्यकशिपोर्भीत्या प्रललाप शचीपतिः।
स्वर्गराज्यपरिभ्रष्टो युगानामेकविंशतिः॥ २०४॥

नृसिंहेन हते दैत्ये स्वर्गलोकमवाप सः।
दिक्पालश्च सुसम्प्राप्तः स्वस्वस्थानमनुत्तमम्॥ २०५॥
धर्मे मतिः समस्तानां प्रजानामभवत् तदा।
एवं नामसहस्रं मे ब्रह्मणा निर्मितं पुरा॥ २०६॥
पुत्रानध्यापयामास सनकादीन् महामतिः।
ऊचुस्ते च ततः सर्वलोकानां हितकाम्यया॥ २०७॥
देवता ऋषयः सिद्धा यक्षविद्याधरोरगाः।
गन्धर्वाश्च मनुष्याश्च इहामुत्रफलैषिणः॥ २०८॥
यस्य स्तोत्रस्य पाठाद्धि विशुद्धमनसोऽभवन्।
सनत्कुमारः सम्प्राप्तो भारद्वाजो महामतिः॥ २०९॥
तस्मादाङ्गिरसः प्राप्तस्तस्मात् प्राप्तो महाक्रतुः।
जैगीषव्याय स प्राह सोऽब्रवीच्च्यवनाय च॥ २१०॥
तस्मा उवाच शाण्डिल्यो गर्गाय प्राह वै मुनिः।
क्रतुञ्जयाय स प्राह जतुकर्ण्याय संयमी॥ २११॥
विष्णुवृद्धाय सोऽप्याह सोऽपि बोधायनाय च।
क्रमात् स विष्णवे प्राह स प्राहोद्धामकुक्षये॥ २१२॥
सिंहतेजाश्च तस्माच्च श्रीप्रियाय ददौ च सः।
उपदिष्टोऽस्मि तेनाहमिदं नामसहस्रकम्॥ २१३॥
तत्प्रसादादमृत्युर्मे यस्मात् कस्माद्भयं न हि।
मया च कथितं नारसिंहस्तोत्रमिमं तव॥ २१४॥
त्वं हि नित्यं शुचिर्भूत्वा तमाराधय शाश्वतम्।
सर्वभूताश्रयं देवं नृसिंहं भक्तवत्सलम्॥ २१५॥

पूजयित्वा स्तवं जप्त्वा हुत्वा निश्चलमानसः।
प्राप्स्यसे महतीं सिद्धिं सर्वान् कामान् वरोत्तमान्॥ २१६ ॥
अयमेव परो धर्मस्त्विदमेव परंतपः।
इदमेव परं ज्ञानमिदमेव महद्व्रतम्॥ २१७॥
अयमेव सदाचारस्त्वयमेव सदा मखः।
इदमेव त्रयो वेदाः सच्छास्त्राण्यागमानि च॥ २१८॥
नृसिंहमन्त्रादन्यच्च वैदिकं तु न विद्यते।
यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्॥ २१९॥
कथितं ते नृसिंहस्य चरितं पापनाशनम्।
सर्वमन्त्रमयं तापत्रयोपशमनं परम्॥ २२०॥

॥ इति श्रीनृसिंहपुराणे श्रीलक्ष्मीनृसिंहसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीलक्ष्मीनृसिंहसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ नारसिंहाय नमः।
२ ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः।
३ ॐ वज्रिणे नमः।
४ ॐ वज्रदेहाय नमः
५ ॐ वज्राय नमः।
६ ॐ वज्रनखाय नमः।
७ ॐ वासुदेवाय नमः।
८ ॐ वन्द्याय नमः।
९ ॐ वरदाय नमः।
१० ॐ वरात्मने नमः।
११ ॐ वरदाभयहस्ताय नमः।
१२ ॐ वराय नमः।
१३ ॐ वररूपिणे नमः।
१४ ॐ वरेण्याय नमः।
१५ ॐ वरिष्ठाय नमः।
१६ ॐ श्रीवराय नमः।
१७ ॐ प्रह्लादवरदाय नमः।
१८ ॐ प्रत्यक्षवरदाय नमः।
१९ ॐ परात्परपरेशाय नमः।
२० ॐ पवित्राय नमः।
२१ ॐ पिनाकिने नमः।
२२ ॐ पावनाय नमः।
२३ ॐ प्रसन्नाय नमः।
२४ ॐ पाशिने नमः।
२५ ॐ पापहारिणे नमः।
२६ ॐ पुरुष्टुताय नमः।
२७ ॐ पुण्याय नमः।
२८ ॐ पुरुहूताय नमः।
२९ ॐ तत्पुरुषाय नमः।
३० ॐ तथ्याय नमः।
३१ ॐ पुराणपुरुषाय नमः।
३२ ॐ पुरोधसे नमः।
३३ ॐ पूर्वजाय नमः।
३४ ॐ पुष्कराक्षाय नमः।
३५ ॐ पुष्पहासाय नमः।
३६ ॐ हासाय नमः।
३७ ॐ महाहासाय नमः।
३८ ॐ शार्ङ्गिणे नमः।
३९ ॐ सिंहाय नमः।
४० ॐ सिंहराजाय नमः।
४१ ॐ जगद्वश्याय नमः।
४२ ॐ अट्टहासाय नमः।
४३ ॐ रोषाय नमः।
४४ ॐ जलवासाय नमः।
४५ ॐ भूतावासाय नमः।
४६ ॐ भासाय नमः।
४७ ॐ श्रीनिवासाय नमः।
४८ ॐ खड्गिने नमः।
४९ ॐ खड्गजिह्वाय नमः।
५० ॐ सिंहाय नमः।
५१ ॐ खड्गवासाय नमः।
५२ ॐ मूलाधिवासाय नमः।

५३ ॐ धर्मवासाय नमः।
५४ ॐ धन्विने नमः।
५५ ॐ धनञ्जयाय नमः।
५६ ॐ धन्याय नमः।
५७ ॐ मृत्युञ्जयाय नमः।
५८ ॐ शुभञ्जयाय नमः।
५९ ॐ सूत्राय नमः।
६० ॐ शत्रुञ्जयाय नमः।
६१ ॐ निरञ्जनाय नमः।
६२ ॐ नीराय नमः।
६३ ॐ निर्गुणाय नमः।
६४ ॐ गुणाय नमः।
६५ ॐ निष्प्रपञ्चाय नमः।
६६ ॐ निर्वाणप्रदाय नमः।
६७ ॐ निबिडाय नमः।
६८ ॐ निरालम्बाय नमः।
६९ ॐ नीलाय नमः।
७० ॐ निष्कलाय नमः ।
७१ ॐ कलाय नमः।
७२ ॐ निमेषाय नमः।
७३ ॐ निबन्धाय नमः।
७४ ॐ निमेषगमनाय नमः।
७५ ॐ निर्द्वन्द्वाय नमः।
७६ ॐ निराशाय नमः।
७७ ॐ निश्चयाय नमः।
७८ ॐ निराय नमः।
७९ ॐ निर्मलाय नमः।
८० ॐ निबन्धाय नमः।
८१ ॐ निर्मोहाय नमः।
८२ ॐ निराकृते नमः।
८३ ॐ नित्याय नमः।
८४ ॐ सत्याय नमः।
८५ ॐ सत्कर्मनिरताय नमः।
८६ ॐ सत्यध्वजाय नमः।
८७ ॐ मुञ्जाय नमः।
८८ ॐ मुञ्जकेशाय नमः।
८९ ॐ केशिने नमः।
९० ॐ हरीशाय नमः।
९१ ॐ शेषाय नमः।
९२ ॐ गुडाकेशाय नमः।
९३ ॐ सुकेशाय नमः।
९४ ॐ ऊर्ध्वकेशाय नमः।
९५ ॐ केशिसंहारकाय नमः।
९६ ॐ जलेशाय नमः।
९७ ॐ स्थलेशाय नमः।
९८ ॐ पद्मेशाय नमः।
९९ ॐ उग्ररूपिणे नमः।
१०० ॐ कुशेशयाय नमः।
१०१ ॐ कूलाय नमः।
१०२ ॐ केशवाय नमः।
१०३ ॐ सूक्तिकर्णाय नमः।
१०४ ॐ सूक्ताय नमः।
१०५ ॐ रक्तजिह्वाय नमः।
१०६ ॐ रागिणे नमः।
१०७ ॐ दीप्तरूपाय नमः।
१०८ ॐ दीप्ताय नमः।

१०९ ॐ प्रदीप्ताय नमः।
११० ॐ प्रलोभिने नमः।
१११ ॐ प्रच्छिन्नाय नमः।
११२ ॐ प्रबोधाय नमः।
११३ ॐ प्रभवे नमः।
११४ ॐ विभवे नमः।
११५ ॐ प्रभञ्जनाय नमः।
११६ ॐ पान्थाय नमः।
११७ ॐ प्रमायाप्रमिताय नमः।
११८ ॐ प्रकाशाय नमः।
११९ ॐ प्रतापाय नमः।
१२० ॐ प्रज्वालाय नमः।
१२१ ॐ उज्ज्वलाय नमः।
१२२ ॐ ज्वालामालास्वरूपाय नमः।
१२३ ॐ ज्वलज्जिह्वाय नमः।
१२४ ॐ ज्वालिने नमः।
१२५ ॐ महोज्ज्वलाय नमः।
१२६ ॐ कालाय नमः।
१२७ ॐ कालमूर्तिधराय नमः।
१२८ ॐ कालान्तकाय नमः।
१२९ ॐ कल्पाय नमः।
१३० ॐ कलनाय नमः।
१३१ ॐ कृते नमः।
१३२ ॐ कालचक्राय नमः।
१३३ ॐ चक्राय नमः।
१३४ ॐ वषट्चक्राय नमः।
१३५ ॐ चक्रिणे नमः।
१३६ ॐ अक्रूराय नमः।
१३७ ॐ कृतान्ताय नमः।
१३८ ॐ विक्रमाय नमः।
१३९ ॐ क्रमाय नमः।
१४० ॐ कृत्तिने नमः।
१४१ ॐ कृत्तिवासाय नमः।
१४२ ॐ कृतघ्नाय नमः।
१४३ ॐ कृतात्मने नमः।
१४४ ॐ संक्रमाय नमः।
१४५ ॐ क्रुद्धाय नमः।
१४६ ॐ क्रान्तलोकत्रयाय नमः।
१४७ ॐ अरूपाय नमः।
१४८ ॐ स्वरूपाय नमः।
१४९ ॐ हरये नमः।
१५० ॐ परमात्मने नमः।
१५१ ॐ अजयाय नमः।
१५२ ॐ आदिदेवाय नमः।
१५३ ॐ अक्षयाय नमः।
१५४ ॐ क्षयाय नमः।
१५५ ॐ अघोराय नमः।
१५६ ॐ सुघोराय नमः।
१५७ ॐ घोरघोरतराय नमः।
१५८ ॐ अघोरवीर्याय नमः।
१५९ ॐ लसद्घोराय नमः।
१६० ॐ घोराध्यक्षाय नमः।
१६१ ॐ दक्षाय नमः।
१६२ ॐ दक्षिणार्याय नमः।
१६३ ॐ शम्भवे नमः।
१६४ ॐ अमोघाय नमः।

१६५ ॐ गुणौघाय नमः।
१६६ ॐ अनघाय नमः।
१६७ ॐ अघहारिणे नमः।
१६८ ॐ मेघनादाय नमः।
१६९ ॐ नादाय नमः।
१७० ॐ मेधात्मने नमः।
१७१ ॐ मेघवाहनरूपाय नमः।
१७२ ॐ मेघश्यामाय नमः।
१७३ ॐ मालिने नमः।
१७४ ॐ व्यालयज्ञोपवीताय नमः।
१७५ ॐ व्याघ्रदेहाय नमः।
१७६ ॐ व्याघ्रपादाय नमः।
१७७ ॐ व्याघ्रकर्मिणे नमः।
१७८ ॐ व्यापकाय नमः।
१७९ ॐ विकटास्याय नमः।
१८० ॐ वीराय नमः।
१८१ ॐ विष्टरश्रवसे नमः।
१८२ ॐ विकीर्णनखदंष्ट्राय नमः।
१८३ ॐ नखदंष्ट्रायुधाय नमः।
१८४ ॐ विष्वक्सेनाय नमः।
१८५ ॐ सेनाय नमः।
१८६ ॐ विह्वलाय नमः।
१८७ ॐ बलाय नमः।
१८८ ॐ विरूपाक्षाय नमः।
१८९ ॐ वीराय नमः।
१९० ॐ विशेषाक्षाय नमः।
१९१ ॐ साक्षिणे नमः।
१९२ ॐ वीतशोकाय नमः।
१९३ ॐ विस्तीर्णवदनाय नमः।
१९४ ॐ विधानाय नमः।
१९५ ॐ विधेयाय नमः।
१९६ ॐ विजयाय नमः।
१९७ ॐ जयाय नमः।
१९८ ॐ विबुधाय नमः।
१९९ ॐ विभावाय नमः।
२०० ॐ विश्वम्भराय नमः।
२०१ ॐ वीतरागाय नमः।
२०२ ॐ विप्राय नमः।
२०३ ॐ विटङ्कनयनाय नमः।
२०४ ॐ विपुलाय नमः।
२०५ ॐ विनीताय नमः।
२०६ ॐ विश्वयोनये नमः।
२०७ ॐ चिदम्बराय नमः।
२०८ ॐ वित्ताय नमः।
२०९ ॐ विश्रुताय नमः।
२१० ॐ वियोनये नमः।
२११ ॐ विह्वलाय नमः।
२१२ ॐ विकल्पाय नमः।
२१३ ॐ कल्पातीताय नमः।
२१४ ॐ शिल्पिने नमः।
२१५ ॐ कल्पनाय नमः।
२१६ ॐ स्वरूपाय नमः।
२१७ ॐ फणितल्पाय नमः।
२१८ ॐ तटित्प्रभाय नमः।
२१९ ॐ तार्याय नमः।
२२० ॐ तरुणाय नमः।

२२१ ॐ तरस्विने नमः।
२२२ ॐ तपनाय नमः।
२२३ ॐ तरक्षाय नमः।
२२४ ॐ तापत्रयहराय नमः।
२२५ ॐ तारकाय नमः।
२२६ ॐ तमोघ्नाय नमः।
२२७ ॐ तत्त्वाय नमः।
२२८ ॐ तपस्विने नमः।
२२९ ॐ तक्षकाय नमः।
२३० ॐ तनुत्राय नमः।
२३१ ॐ तटिने नमः।
२३२ ॐ तरलाय नमः।
२३३ ॐ शतरूपाय नमः।
२३४ ॐ शान्ताय नमः।
२३५ ॐ शतधाराय नमः।
२३६ ॐ शतपत्राय नमः।
२३७ ॐ तार्क्ष्याय नमः।
२३८ ॐ स्थितये नमः।
२३९ ॐ शतमूर्तये नमः।
२४० ॐ शतक्रतुस्वरूपाय नमः।
२४१ ॐ शाश्वताय नमः।
२४२ ॐ शतात्मने नमः।
२४३ ॐ सहस्त्रशिरसे नमः।
२४४ ॐ सहस्त्रवदनाय नमः।
२४५ ॐ सहस्त्राक्षाय नमः।
२४६ ॐ देवाय नमः।
२४७ ॐ दिशश्श्रोत्राय नमः।
२४८ ॐ सहस्त्रजिह्वाय नमः।
२४९ ॐ महाजिह्वाय नमः।
२५० ॐ सहस्त्रनामधेयाय नमः।
२५१ ॐ सहस्त्राक्षिधराय नमः।
२५२ ॐ सहस्त्रबाहवे नमः।
२५३ ॐ सहस्त्रचरणाय नमः।
२५४ ॐ सहस्त्रार्कप्रकाशाय नमः।
२५५ ॐ सहस्त्रायुधधारिणे नमः।
२५६ ॐ स्थूलाय नमः।
२५७ ॐ सूक्ष्माय नमः।
२५८ ॐ सुसूक्ष्माय नमः।
२५९ ॐ सुक्षुण्णाय नमः।
२६० ॐ सुभिक्षाय नमः।
२६१ ॐ सुराध्यक्षाय नमः।
२६२ ॐ शौरिणे नमः।
२६३ ॐ धर्माध्यक्षाय नमः।
२६४ ॐ धर्माय नमः।
२६५ ॐ लोकाध्यक्षाय नमः।
२६६ ॐ प्रजाध्यक्षाय नमः।
२६७ ॐ शिक्षाय नमः।
२६८ ॐ विपक्षक्षयमूर्तये नमः।
२६९ ॐ कालाध्यक्षाय नमः।
२७० ॐ तीक्ष्णाय नमः।
२७१ ॐ मूलाध्यक्षाय नमः।
२७२ ॐ अधोक्षजाय नमः।
२७३ ॐ मित्राय नमः।
२७४ ॐ सुमित्रवरुणाय नमः।
२७५ ॐ शत्रुघ्नाय नमः।
२७६ ॐ अविघ्नाय नमः।

२७७ ॐ विघ्नकोटिहराय नमः।
२७८ ॐ रक्षोघ्नाय नमः।
२७९ ॐ तमोघ्नाय नमः।
२८० ॐ भूतघ्नाय नमः।
२८१ ॐ भूतपालाय नमः।
२८२ ॐ भूताय नमः।
२८३ ॐ भूतवासाय नमः।
२८४ ॐ भूतिने नमः।
२८५ ॐ भूतवेतालघाताय नमः।
२८६ ॐ भूताधिपतये नमः।
२८७ ॐ भूतग्रहविनाशाय नमः।
२८८ ॐ भूतसंयमिने नमः।
२८९ ॐ महाभूताय नमः।
२९० ॐ भृगवे नमः।
२९१ ॐ सर्वभूतात्मने नमः।
२९२ ॐ सर्वारिष्टविनाशाय नमः।
२९३ ॐ सर्वसम्पत्कराय नमः।
२९४ ॐ सर्वाधाराय नमः।
२९५ ॐ शर्वाय नमः।
२९६ ॐ सर्वार्तिहरये नमः।
२९७ ॐ सर्वदुःखप्रशान्ताय नमः।
२९८ ॐ सर्वसौभाग्यदायिने नमः।
२९९ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
३०० ॐ अनन्ताय नमः।
३०१ ॐ सर्वशक्तिधराय नमः।
३०२ ॐ सर्वैश्वर्यप्रदात्रे नमः।
३०३ ॐ सर्वकार्यविधायिने नमः।
३०४ ॐ सर्वज्वरविनाशाय नमः।
३०५ ॐ सर्वरोगापहारिणे नमः।
३०६ ॐ सर्वाभिचारहन्त्रे नमः।
३०७ ॐ सर्वैश्वर्यविधायिने नमः।
३०८ ॐ पिङ्गाक्षाय नमः।
३०९ ॐ एकशृङ्गाय नमः।
३१० ॐ द्विशृङ्गाय नमः।
३११ ॐ मरीचये नमः।
३१२ ॐ बहुशृङ्गाय नमः।
३१३ ॐ लिङ्गाय नमः।
३१४ ॐ महाशृङ्गाय नमः।
३१५ ॐ माङ्गल्याय नमः।
३१६ ॐ मनोज्ञाय नमः।
३१७ ॐ मन्तव्याय नमः।
३१८ ॐ महात्मने नमः।
३१९ ॐ महादेवाय नमः।
३२० ॐ देवाय नमः।
३२१ ॐ मातुलुङ्गधराय नमः।
३२२ ॐ महामायाप्रसूताय नमः।
३२३ ॐ प्रस्तुताय नमः।
३२४ ॐ मायिने नमः।
३२५ ॐ अनन्तानन्तरूपाय नमः।
३२६ ॐ मायिने नमः।
३२७ ॐ जलशायिने नमः।
३२८ ॐ महोदराय नमः।
३२९ ॐ मन्दाय नमः।
३३० ॐ मददाय नमः।
३३१ ॐ मदाय नमः।
३३२ ॐ मधुकैटभहन्त्रे नमः।

३३३ ॐ माधवाय नमः।
३३४ ॐ मुरारये नमः।
३३५ ॐ महावीर्याय नमः।
३३६ ॐ धैर्याय नमः।
३३७ ॐ चित्रवीर्याय नमः।
३३८ ॐ चित्रकूर्माय नमः।
३३९ ॐ चित्राय नमः।
३४० ॐ चित्रभानवे नमः।
३४१ ॐ मायातीताय नमः।
३४२ ॐ मायाय नमः।
३४३ ॐ महावीराय नमः।
३४४ ॐ महातेजाय नमः।
३४५ ॐ बीजाय नमः।
३४६ ॐ तेजोधाम्ने नमः।
३४७ ॐ बीजिने नमः।
३४८ ॐ तेजोमयनृसिंहाय नमः।
३४९ ॐ चित्रभानवे नमः।
३५० ॐ महादंष्ट्राय नमः।
३५१ ॐ तुष्टाय नमः।
३५२ ॐ पुष्टिकराय नमः।
३५३ ॐ शिपिविष्टाय नमः।
३५४ ॐ हृष्टाय नमः।
३५५ ॐ पुष्टाय नमः।
३५६ ॐ परमेष्ठिने नमः।
३५७ ॐ विशिष्टाय नमः।
३५८ ॐ शिष्टाय नमः।
३५९ ॐ गरिष्ठाय नमः।
३६० ॐ इष्टदायिने नमः।
३६१ ॐ ज्येष्ठाय नमः।
३६२ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
३६३ ॐ तुष्टाय नमः।
३६४ ॐ अमिततेजसे नमः।
३६५ ॐ अष्टाङ्गन्यस्तरूपाय नमः।
३६६ ॐ सर्वदुष्टान्तकाय नमः।
३६७ ॐ वैकुण्ठाय नमः।
३६८ ॐ विकुण्ठाय नमः।
३६९ ॐ केशिकण्ठाय नमः।
३७० ॐ कण्ठीरवाय नमः।
३७१ ॐ लुण्ठाय नमः।
३७२ ॐ निःशठाय नमः।
३७३ ॐ हठाय नमः।
३७४ ॐ सत्त्वोद्रिक्ताय नमः।
३७५ ॐ रुद्राय नमः।
३७६ ॐ ऋग्यजुःसामगाय नमः।
३७७ ॐ ऋतुध्वजाय नमः।
३७८ ॐ वज्राय नमः।
३७९ ॐ मन्त्रराजाय नमः।
३८० ॐ मन्त्रिणे नमः।
३८१ ॐ त्रिनेत्राय नमः।
३८२ ॐ त्रिवर्गाय नमः।
३८३ ॐ त्रिधाम्ने नमः।
३८४ ॐ त्रिशूलिने नमः।
३८५ ॐ त्रिकालज्ञानरूपाय नमः।
३८६ ॐ त्रिदेहाय नमः।
३८७ ॐ त्रिधात्मने नमः।
३८८ ॐ त्रिमूर्तिविद्याय नमः।

३८९ ॐ त्रितत्त्वज्ञानिने नमः।
३९० ॐ अक्षोभ्याय नमः।
३९१ ॐ अनिरुद्धाय नमः।
३९२ ॐ अप्रमेयाय नमः।
३९३ ॐ भानवे नमः।
३९४ ॐ अमृताय नमः।
३९५ ॐ अनन्ताय नमः।
३९६ ॐ अमिताय नमः।
३९७ ॐ अमितौजसे नमः।
३९८ ॐ अपमृत्युविनाशाय नमः।
३९९ ॐ अपस्मारविघातिने नमः।
४०० ॐ अन्नदाय नमः।
४०१ ॐ अन्नरूपाय नमः।
४०२ ॐ अन्नाय नमः।
४०३ ॐ अन्नभुजे नमः।
४०४ ॐ नाद्याय नमः।
४०५ ॐ निरवद्याय नमः।
४०६ ॐ विद्याय नमः।
४०७ ॐ अद्भुतकर्मणे नमः।
४०८ ॐ सद्योजाताय नमः।
४०९ ॐ सङ्घाय नमः।
४१० ॐ वैद्युताय नमः।
४११ ॐ अध्वातीताय नमः।
४१२ ॐ सत्त्वाय नमः।
४१३ ॐ वागतीताय नमः।
४१४ ॐ वाग्मिने नमः।
४१५ ॐ वागीश्वराय नमः।
४१६ ॐ गोपाय नमः।
४१७ ॐ गोहिताय नमः।
४१८ ॐ गवाम्पतये नमः।
४१९ ॐ गन्धर्वाय नमः।
४२० ॐ गभीराय नमः।
४२१ ॐ गर्जिताय नमः।
४२२ ॐ ऊर्जिताय नमः।
४२३ ॐ पर्जन्याय नमः।
४२४ ॐ प्रबुद्धाय नमः।
४२५ ॐ प्रधानपुरुषाय नमः।
४२६ ॐ पद्माभाय नमः।
४२७ ॐ सुनाभाय नमः।
४२८ ॐ पद्मनाभाय नमः।
४२९ ॐ मानिने नमः।
४३० ॐ पद्मनेत्राय नमः।
४३१ ॐ पद्माय नमः।
४३२ ॐ पद्मायाः पतये नमः।
४३३ ॐ पद्मोदराय नमः।
४३४ ॐ पूताय नमः।
४३५ ॐ पद्मकल्पोद्भवाय नमः।
४३६ ॐ हृत्पद्मवासाय नमः।
४३७ ॐ भूपद्मोद्धरणाय नमः।
४३८ ॐ शब्दब्रह्मस्वरूपाय नमः।
४३९ ॐ ब्रह्मरूपधराय नमः।
४४० ॐ ब्रह्मणे नमः।
४४१ ॐ ब्रह्मरूपाय नमः।
४४२ ॐ पद्मनेत्राय नमः।
४४३ ॐ ब्रह्मदाय नमः।
४४४ ॐ ब्राह्मणाय नमः।

४४५ ॐ ब्रह्मब्रह्मात्मने नमः।
४४६ ॐ सुब्रह्मण्याय नमः।
४४७ ॐ देवाय नमः।
४४८ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
४४९ ॐ त्रिवेदिने नमः।
४५० ॐ परब्रह्मस्वरूपाय नमः।
४५१ ॐ परब्रह्मात्मने नमः।
४५२ ॐ ब्रह्मशिरसे नमः।
४५३ ॐ अश्वशिरसे नमः।
४५४ ॐ अथर्वशिरसे नमः।
४५५ ॐ नित्यमशनिप्रमिताय नमः।
४५६ ॐ तीक्ष्णदंष्ट्राय नमः।
४५७ ॐ लोलाय नमः।
४५८ ॐ ललिताय नमः।
४५९ ॐ लावण्याय नमः।
४६० ॐ लवित्राय नमः।
४६१ ॐ भासकाय नमः।
४६२ ॐ लक्षणज्ञाय नमः।
४६३ ॐ लक्षाय नमः।
४६४ ॐ लक्षणाय नमः।
४६५ ॐ लसद्दीप्ताय नमः।
४६६ ॐ लिप्ताय नमः।
४६७ ॐ विष्णवे नमः।
४६८ ॐ प्रभविष्णवे नमः।
४६९ ॐ वृष्णिमूलाय नमः।
४७० ॐ कृष्णाय नमः।
४७१ ॐ श्रीमहाविष्णवे नमः।
४७२ ॐ महासिंहाय नमः।
४७३ ॐ हारिणे नमः।
४७४ ॐ वनमालिने नमः।
४७५ ॐ किरीटिने नमः।
४७६ ॐ कुण्डलिने नमः।
४७७ ॐ सर्वाङ्गाय नमः।
४७८ ॐ सर्वतोमुखाय नमः।
४७९ ॐ सर्वतः पाणिपादोरसे नमः।
४८० ॐ सर्वतोऽक्षिशिरोमुखाय नमः।
४८१ ॐ सर्वेश्वराय नमः।
४८२ ॐ सदातुष्टाय नमः।
४८३ ॐ समर्थाय नमः।
४८४ ॐ समरप्रियाय नमः।
४८५ ॐ बहुयोजनविस्तीर्णाय नमः।
४८६ ॐ बहुयोजनमायताय नमः।
४८७ ॐ बहुयोजनहस्तांघ्रये नमः।
४८८ ॐ बहुयोजननासिकाय नमः।
४८९ ॐ महारूपाय नमः।
४९० ॐ महावक्त्राय नमः।
४९१ ॐ महादंष्ट्राय नमः।
४९२ ॐ महाभुजाय नमः।
४९३ ॐ महानादाय नमः।
४९४ ॐ महारौद्राय नमः।
४९५ ॐ महाकायाय नमः।
४९६ ॐ महाबलाय नमः।
४९७ ॐ आनाभेर्ब्रह्मणो रूपाय नमः।
४९८ ॐ आगलाद्वैष्णवाय नमः।
४९९ ॐ आशीर्षाद्रन्ध्रमीशानाय
नमः।

५०० ॐ तदग्रे सर्वतः शिवाय नमः।
५०१ ॐ नारायणनारसिंहाय नमः।
५०२ ॐ नारायणवीरसिंहाय नमः।
५०३ ॐ नारायणक्रूरसिंहाय नमः।
५०४ ॐ नारायणदिव्यसिंहाय नमः।
५०५ ॐ नारायणव्याघ्रसिंहाय नमः।
५०६ ॐ नारायणपुच्छसिंहाय नमः।
५०७ ॐ नारायणपूर्णसिंहाय नमः।
५०८ ॐ नारायणरौद्रसिंहाय नमः।
५०९ ॐ भीषणभद्रसिंहाय नमः।
५१० ॐ विह्वलनेत्रसिंहाय नमः।
५११ ॐ बृंहितभूतसिंहाय नमः।
५१२ ॐ निर्मलचित्रसिंहाय नमः।
५१३ ॐ निर्जितकालसिंहाय नमः।
५१४ ॐ कल्पितकल्पसिंहाय नमः।
५१५ ॐ कामदकामसिंहाय नमः।
५१६ ॐ भुवनैकसिंहाय नमः।
५१७ ॐ विष्णवे नमः।
५१८ ॐ भविष्णवे नमः।
५१९ ॐ सहिष्णवे नमः।
५२० ॐ भ्राजिष्णवे नमः।
५२१ ॐ जिष्णवे नमः।
५२२ ॐ पृथिव्यै नमः।
५२३ ॐ अन्तरिक्षाय नमः।
५२४ ॐ पर्वताय नमः।
५२५ ॐ अरण्याय नमः।
५२६ ॐ कलाकाष्ठाविलिप्ताय नमः।
५२७ ॐ मुहूर्तप्रहरादिकाय नमः।
५२८ ॐ अहोरात्राय नमः।
५२९ ॐ त्रिसन्ध्याय नमः।
५३० ॐ पक्षाय नमः।
५३१ ॐ मासाय नमः।
५३२ ॐ ऋतवे नमः।
५३३ ॐ वत्सराय नमः।
५३४ ॐ युगादये नमः।
५३५ ॐ युगभेदाय नमः।
५३६ ॐ संयुगे युगसन्धिभ्यो नमः।
५३७ ॐ नित्याय नमः।
५३८ ॐ नैमित्तिकाय नमः।
५३९ ॐ दैनाय नमः।
५४० ॐ महाप्रलयाय नमः।
५४१ ॐ करणाय नमः।
५४२ ॐ कारणाय नमः।
५४३ ॐ कर्त्रे नमः।
५४४ ॐ भर्त्रे नमः।
५४५ ॐ हर्त्रे नमः।
५४६ ॐ ईश्वराय नमः।
५४७ ॐ सत्कर्त्रे नमः।
५४८ ॐ सत्कृतये नमः।
५४९ ॐ गोप्त्रे नमः।
५५० ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः।
५५१ ॐ प्राणिनां प्राणाय नमः।
५५२ ॐ सर्वदेहिनां प्रत्यगात्मने नमः।
५५३ ॐ सुज्योतिषे नमः।
५५४ ॐ परंज्योतिषे नमः।
५५५ ॐ आत्मज्योतिषे नमः।

५५६ ॐ सनातनाय नमः।
५५७ ॐ ज्योतिषे नमः।
५५८ ॐ लोकस्वरूपाय नमः।
५५९ ॐ ज्योतिषे नमः।
५६० ॐ ज्योतिषां पतये नमः।
५६१ ॐ स्वाहाकाराय नमः।
५६२ ॐ स्वधाकाराय नमः।
५६३ ॐ वषट्काराय नमः।
५६४ ॐ कृपाकराय नमः।
५६५ ॐ हन्तकाराय नमः।
५६६ ॐ निराकाराय नमः।
५६७ ॐ वेगाकाराय नमः।
५६८ ॐ शङ्कराय नमः।
५६९ ॐ अकारादिहकारान्ताय नमः।
५७० ॐ ॐकाराय नमः।
५७१ ॐ लोककारकाय नमः।
५७२ ॐ एकात्मने नमः।
५७३ ॐ अनेकात्मने नमः।
५७४ ॐ चतुरात्मने नमः।
५७५ ॐ चतुर्भुजाय नमः।
५७६ ॐ चतुर्मूर्तये नमः।
५७७ ॐ चतुर्दंष्ट्राय नमः।
५७८ ॐ चतुर्वेदमयाय नमः।
५७९ ॐ उत्तमाय नमः।
५८० ॐ लोकप्रियाय नमः।
५८१ ॐ लोकगुरवे नमः।
५८२ ॐ लोकेशाय नमः।
५८३ ॐ लोकनायकाय नमः।
५८४ ॐ लोकसाक्षिणे नमः।
५८५ ॐ लोकपतये नमः।
५८६ ॐ लोकात्मने नमः।
५८७ ॐ लोकलोचनाय नमः।
५८८ ॐ लोकाधाराय नमः।
५८९ ॐ बृहल्लोकाय नमः।
५९० ॐ लोकालोकमयाय नमः।
५९१ ॐ विभवे नमः।
५९२ ॐ लोककर्त्रे नमः।
५९३ ॐ विश्वकर्त्रे नमः।
५९४ ॐ कृतावर्ताय नमः।
५९५ ॐ कृतागमाय नमः।
५९६ ॐ अनादये नमः।
५९७ ॐ अनन्ताय नमः।
५९८ ॐ अभूताय नमः।
५९९ ॐ भूतविग्रहाय नमः।
६०० ॐ स्तुतये नमः।
६०१ ॐ स्तुत्याय नमः।
६०२ ॐ स्तवप्रीताय नमः।
६०३ ॐ स्तोत्रे नमः।
६०४ ॐ नेत्रे नमः।
६०५ ॐ नियामकाय नमः।
६०६ ॐ गतये नमः।
६०७ ॐ मतये नमः।
६०८ ॐ पित्रे नमः।
६०९ ॐ मात्रे नमः।
६१० ॐ गुरवे नमः।
६११ ॐ सख्ये नमः।

६१२ ॐ सुहृदश्चात्मरूपाय नमः।
६१३ ॐ मन्त्ररूपाय नमः।
६१४ ॐ अस्त्ररूपाय नमः।
६१५ ॐ बहुरूपाय नमः।
६१६ ॐ रूपाय नमः।
६१७ ॐ पञ्चरूपधराय नमः।
६१८ ॐ भद्ररूपाय नमः।
६१९ ॐ रूढाय नमः।
६२० ॐ योगरूपाय नमः।
६२१ ॐ योगिने नमः।
६२२ ॐ समरूपाय नमः।
६२३ ॐ योगाय नमः।
६२४ ॐ योगपीठस्थिताय नमः।
६२५ ॐ योगगम्याय नमः।
६२६ ॐ सौम्याय नमः।
६२७ ॐ ध्यानगम्याय नमः।
६२८ ॐ ध्यायिने नमः।
६२९ ॐ ध्येयगम्याय नमः।
६३० ॐ धाम्ने नमः।
६३१ ॐ धामाधिपतये नमः।
६३२ ॐ धराधराय नमः।
६३३ ॐ धर्माय नमः।
६३४ ॐ धारणाभिरताय नमः।
६३५ ॐ धात्रे नमः।
६३६ ॐ सन्धात्रे नमः।
६३७ ॐ विधात्रे नमः।
६३८ ॐ धराय नमः।
६३९ ॐ दामोदराय नमः।
६४० ॐ दान्ताय नमः।
६४१ ॐ दानवान्तकराय नमः।
६४२ ॐ संसारवैद्याय नमः।
६४३ ॐ भेषजाय नमः।
६४४ ॐ सीरध्वजाय नमः।
६४५ ॐ शीताय नमः।
६४६ ॐ वाताय नमः।
६४७ ॐ अप्रमिताय नमः।
६४८ ॐ सारस्वताय नमः।
६४९ ॐ संसारनाशनाय नमः।
६५० ॐ अक्षमालिने नमः।
६५१ ॐ असिधर्मधराय नमः।
६५२ ॐ षट्कर्मनिरताय नमः।
६५३ ॐ विकर्माय नमः।
६५४ ॐ सुकर्माय नमः।
६५५ ॐ परकर्मविधायिने नमः।
६५६ ॐ सुशर्मणे नमः।
६५७ ॐ मन्मथाय नमः।
६५८ ॐ वर्माय नमः।
६५९ ॐ वर्मिणे नमः।
६६० ॐ करिचर्मवसानाय नमः।
६६१ ॐ करालवदनाय नमः।
६६२ ॐ कवये नमः।
६६३ ॐ पद्मगर्भाय नमः।
६६४ ॐ भूतगर्भाय नमः।
६६५ ॐ घृणानिधये नमः।
६६६ ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः।
६६७ ॐ गर्भाय नमः।

६६८ ॐ बृहद्गर्भाय नमः।
६६९ ॐ धूर्जटिने नमः।
६७० ॐ विश्वगर्भाय नमः।
६७१ ॐ श्रीगर्भाय नमः।
६७२ ॐ जितारये नमः।
६७३ ॐ हिरण्यगर्भाय नमः।
६७४ ॐ हिरण्यकवचाय नमः।
६७५ ॐ हिरण्यवर्णदेहाय नमः।
६७६ ॐ हिरण्याक्षविनाशिने नमः।
६७७ ॐ हिरण्यकशिपोर्हन्त्रे नमः।
६७८ ॐ हिरण्यनयनाय नमः।
६७९ ॐ हिरण्यरेतसे नमः।
६८० ॐ हिरण्यवदनाय नमः।
६८१ ॐ हिरण्यशृङ्गाय नमः।
६८२ ॐ निःशृङ्गाय नमः।
६८३ ॐ शृङ्गिणे नमः।
६८४ ॐ भैरवाय नमः।
६८५ ॐ सुकेशाय नमः।
६८६ ॐ भीषणाय नमः।
६८७ ॐ आन्त्रमालिने नमः।
६८८ ॐ चण्डाय नमः।
६८९ ॐ रुण्डमालाय नमः।
६९० ॐ दण्डधराय नमः।
६९१ ॐ अखण्डतत्त्वरूपाय नमः।
६९२ ॐ कमण्डलुधराय नमः।
६९३ ॐ खण्डसिंहाय नमः।
६९४ ॐ सत्यसिंहाय नमः।
६९५ ॐ श्वेतसिंहाय नमः।
६९६ ॐ पीतसिंहाय नमः।
६९७ ॐ नीलसिंहाय नमः।
६९८ ॐ नीलाय नमः।
६९९ ॐ रक्तसिंहाय नमः।
७०० ॐ हारिद्रसिंहाय नमः।
७०१ ॐ धूम्रसिंहाय नमः।
७०२ ॐ मूलसिंहाय नमः।
७०३ ॐ मूलाय नमः।
७०४ ॐ बृहत्सिंहाय नमः।
७०५ ॐ पातालस्थितसिंहाय नमः।
७०६ ॐ पर्वतवासिने नमः।
७०७ ॐ जलस्थसिंहाय नमः।
७०८ ॐ अन्तरिक्षस्थिताय नमः।
७०९ ॐ कालाग्निरुद्रसिंहाय नमः।
७१० ॐ चण्डसिंहाय नमः।
७११ ॐ अनन्तसिंहसिंहाय नमः।
७१२ ॐ अनन्तगतये नमः।
७१३ ॐ विचित्रसिंहाय नमः।
७१४ ॐ बहुसिंहस्वरूपिणे नमः।
७१५ ॐ अभयङ्करसिंहाय नमः।
७१६ ॐ नरसिंहाय नमः।
७१७ ॐ सिंहराजाय नमः।
७१८ ॐ नारसिंहाय नमः।
७१९ ॐ सप्ताब्धिमेखलाय नमः।
७२० ॐ सत्यासत्यस्वरूपिणे नमः।
७२१ ॐ सप्तलोकान्तरस्थाय नमः।
७२२ ॐ सप्तस्वरमयाय नमः।
७२३ ॐ सप्तार्चीरूपदंष्ट्राय नमः।

७२४ ॐ सप्ताश्वरथरूपिणे नमः।
७२५ ॐ सप्तवायुस्वरूपाय नमः।
७२६ ॐ सप्तच्छन्दोमयाय नमः।
७२७ ॐ स्वच्छाय नमः।
७२८ ॐ स्वच्छरूपाय नमः।
७२९ ॐ स्वच्छन्दाय नमः।
७३० ॐ श्रीवत्साय नमः।
७३१ ॐ सुवेधाय नमः।
७३२ ॐ श्रुतये नमः।
७३३ ॐ श्रुतिमूर्तये नमः।
७३४ ॐ शुचिश्रवाय नमः।
७३५ ॐ शूराय नमः।
७३६ ॐ सुप्रभाय नमः।
७३७ ॐ सुधन्विने नमः।
७३८ ॐ शुभ्राय नमः।
७३९ ॐ सुरनाथाय नमः।
७४० ॐ सुप्रभाय नमः।
७४१ ॐ शुभाय नमः।
७४२ ॐ सुदर्शनाय नमः।
७४३ ॐ सूक्ष्माय नमः।
७४४ ॐ निरुक्ताय नमः।
७४५ ॐ सुप्रभाय नमः।
७४६ ॐ स्वभावाय नमः।
७४७ ॐ भवाय नमः।
७४८ ॐ विभवाय नमः।
७४९ ॐ सुशाखाय नमः।
७५० ॐ विशाखाय नमः।
७५१ ॐ सुमुखाय नमः।
७५२ ॐ मुखाय नमः।
७५३ ॐ सुनखाय नमः।
७५४ ॐ सुदंष्ट्राय नमः।
७५५ ॐ सुरथाय नमः।
७५६ ॐ सुधाय नमः।
७५७ ॐ सांख्याय नमः।
७५८ ॐ सुरमुख्याय नमः।
७५९ ॐ प्रख्याताय नमः।
७६० ॐ प्रभाय नमः।
७६१ ॐ खट्वाङ्गहस्ताय नमः।
७६२ ॐ खेटमुद्गरपाणये नमः।
७६३ ॐ खगेन्द्राय नमः।
७६४ ॐ मृगेन्द्राय नमः।
७६५ ॐ नागेन्द्राय नमः।
७६६ ॐ दृढाय नमः।
७६७ ॐ नागकेयूरहाराय नमः।
७६८ ॐ नागेन्द्राय नमः।
७६९ ॐ अघमर्दिने नमः।
७७० ॐ नदीवासाय नमः।
७७१ ॐ नग्नाय नमः।
७७२ ॐ नानारूपधराय नमः।
७७३ ॐ नागेश्वराय नमः।
७७४ ॐ नागाय नमः।
७७५ ॐ नमिताय नमः।
७७६ ॐ नराय नमः।
७७७ ॐ नागान्तकरथाय नमः।
७७८ ॐ नरनारायणाय नमः।
७७९ ॐ मत्स्यस्वरूपाय नमः।

७८० ॐ कच्छपाय नमः।
७८१ ॐ यज्ञवराहाय नमः।
७८२ ॐ नरसिंहाय नमः।
७८३ ॐ विक्रमाक्रान्तलोकाय नमः।
७८४ ॐ वामनाय नमः।
७८५ ॐ महौजसे नमः।
७८६ ॐ भार्गवरामाय नमः।
७८७ ॐ रावणान्तकराय नमः।
७८८ ॐ बलरामाय नमः।
७८९ ॐ कंसप्रध्वंसकारिणे नमः।
७९० ॐ बुद्धाय नमः।
७९१ ॐ बुद्धरूपाय नमः।
७९२ ॐ तीक्ष्णरूपाय नमः।
७९३ ॐ कल्किने नमः।
७९४ ॐ आत्रेयाय नमः।
७९५ ॐ अग्निनेत्राय नमः।
७९६ ॐ कपिलाय नमः।
७९७ ॐ द्विजाय नमः।
७९८ ॐ क्षेत्राय नमः।
७९९ ॐ पशुपालाय नमः।
८०० ॐ पशुवक्त्राय नमः।
८०१ ॐ गृहस्थाय नमः।
८०२ ॐ वनस्थाय नमः।
८०३ ॐ यतये नमः।
८०४ ॐ ब्रह्मचारिणे नमः।
८०५ ॐ स्वर्गापवर्गदात्रे नमः।
८०६ ॐ भोक्त्रे नमः।
८०७ ॐ मुमुक्षवे नमः।
८०८ ॐ शालग्रामनिवासाय नमः।
८०९ ॐ क्षीराब्धिशयनाय नमः।
८१० ॐ श्रीशैलाद्रिनिवासाय नमः।
८११ ॐ शिलावासाय नमः।
८१२ ॐ योगिहृत्पद्मवासाय नमः।
८१३ ॐ महाहासाय नमः।
८१४ ॐ गुहावासाय नमः।
८१५ ॐ गुह्याय नमः।
८१६ ॐ गुप्ताय नमः।
८१७ ॐ गुरवे नमः।
८१८ ॐ मूलाधिवासाय नमः।
८१९ ॐ नीलवस्त्रधराय नमः।
८२० ॐ पीतवस्त्राय नमः।
८२१ ॐ शस्त्राय नमः।
८२२ ॐ रक्तवस्त्रधराय नमः।
८२३ ॐ रक्तमालाविभूषाय नमः।
८२४ ॐ रक्तगन्धानुलेपिने नमः।
८२५ ॐ धुरन्धराय नमः।
८२६ ॐ धूर्ताय नमः।
८२७ ॐ दुर्धराय नमः।
८२८ ॐ धराय नमः।
८२९ ॐ दुर्मदाय नमः।
८३० ॐ दुरन्ताय नमः।
८३१ ॐ दुर्धराय नमः।
८३२ ॐ दुर्निरीक्ष्याय नमः।
८३३ ॐ निष्ठाय नमः।
८३४ ॐ दुर्दर्शाय नमः।
८३५ ॐ द्रुमाय नमः।

८३६ ॐ दुर्भेदाय नमः।
८३७ ॐ दुराशाय नमः।
८३८ ॐ दुर्लभाय नमः।
८३९ ॐ दृप्ताय नमः।
८४० ॐ दृप्तवक्त्राय नमः।
८४१ ॐ अदृप्तनयनाय नमः।
८४२ ॐ उन्मत्ताय नमः।
८४३ ॐ प्रमत्ताय नमः।
८४४ ॐ दैत्यारये नमः।
८४५ ॐ रसज्ञाय नमः।
८४६ ॐ रसेशाय नमः।
८४७ ॐ अरक्तरसनाय नमः।
८४८ ॐ पथ्याय नमः।
८४९ ॐ परितोषाय नमः।
८५० ॐ रथ्याय नमः।
८५१ ॐ रसिकाय नमः।
८५२ ॐ ऊर्ध्वकेशोर्ध्वरूपाय नमः।
८५३ ॐ ऊर्ध्वरेतसे नमः।
८५४ ॐ ऊर्ध्वसिंहाय नमः।
८५५ ॐ सिंहाय नमः।
८५६ ॐ ऊर्ध्वबाहवे नमः।
८५७ ॐ परप्रध्वंसकाय नमः।
८५८ ॐ शङ्खचक्रधराय नमः।
८५९ ॐ गदापद्मधराय नमः।
८६० ॐ पञ्चबाणधराय नमः।
८६१ ॐ कामेश्वराय नमः।
८६२ ॐ कामाय नमः।
८६३ ॐ कामपालाय नमः।
८६४ ॐ कामिने नमः।
८६५ ॐ कामविहाराय नमः।
८६६ ॐ कामरूपधराय नमः।
८६७ ॐ सोमसूर्याग्निनेत्राय नमः।
८६८ ॐ सोमपाय नमः।
८६९ ॐ सोमाय नमः।
८७० ॐ वामाय नमः।
८७१ ॐ वामदेवाय नमः।
८७२ ॐ सामस्वनाय नमः।
८७३ ॐ सौम्याय नमः।
८७४ ॐ भक्तिगम्याय नमः।
८७५ ॐ कूष्माण्डगणनाथाय नमः।
८७६ ॐ सर्वश्रेयस्कराय नमः।
८७७ ॐ भीष्माय नमः।
८७८ ॐ भीप्रदाय नमः।
८७९ ॐ भीमविक्रमणाय नमः।
८८० ॐ मृगग्रीवाय नमः।
८८१ ॐ जीवाय नमः।
८८२ ॐ जिताय नमः।
८८३ ॐ अजितकारिणे नमः।
८८४ ॐ जटिने नमः।
८८५ ॐ जामदग्न्याय नमः।
८८६ ॐ जातवेदसे नमः।
८८७ ॐ जपाकुसुमवर्णाय नमः।
८८८ ॐ जप्याय नमः।
८८९ ॐ जपिताय नमः।
८९० ॐ जरायुजाय नमः।
८९१ ॐ अण्डजाय नमः।

८९२ ॐ स्वेदजाय नमः।
८९३ ॐ उद्भिजाय नमः।
८९४ ॐ जनार्दनाय नमः।
८९५ ॐ रामाय नमः।
८९६ ॐ जाह्नवीजनकाय नमः।
८९७ ॐ जराजन्मादिदूराय नमः।
८९८ ॐ प्रद्युम्नाय नमः।
८९९ ॐ प्रमोदिने नमः।
९०० ॐ जिह्वारौद्राय नमः।
९०१ ॐ रुद्राय नमः।
९०२ ॐ वीरभद्राय नमः।
९०३ ॐ चिद्रूपाय नमः।
९०४ ॐ समुद्राय नमः।
९०५ ॐ कद्रुद्राय नमः।
९०६ ॐ प्रचेतसे नमः।
९०७ ॐ इन्द्रियाय नमः।
९०८ ॐ इन्द्रियज्ञाय नमः।
९०९ ॐ इन्द्रानुजाय नमः।
९१० ॐ अतीन्द्रियाय नमः।
९११ ॐ साराय नमः।
९१२ ॐ इन्दिरापतये नमः।
९१३ ॐ ईशानाय नमः।
९१४ ॐ ईड्याय नमः।
९१५ ॐ ईशिताय नमः।
९१६ ॐ इनाय नमः।
९१७ ॐ व्योमात्मने नमः।
९१८ ॐ व्योम्ने नमः।
९१९ ॐ व्योमकेशिने नमः।
९२० ॐ व्योमाधाराय नमः।
९२१ ॐ व्योमवक्त्राय नमः।
९२२ ॐ असुरघातिने नमः।
९२३ ॐ व्योमदंष्ट्राय नमः।
९२४ ॐ व्योमवासाय नमः।
९२५ ॐ सुकुमाराय नमः।
९२६ ॐ रामाय नमः।
९२७ ॐ शुभाचाराय नमः।
९२८ ॐ विश्वस्मै नमः।
९२९ ॐ विश्वरूपाय नमः।
९३० ॐ विश्वात्मकाय नमः।
९३१ ॐ ज्ञानात्मकाय नमः।
९३२ ॐ ज्ञानाय नमः।
९३३ ॐ विश्वेशाय नमः।
९३४ ॐ परात्मने नमः।
९३५ ॐ एकात्मने नमः।
९३६ ॐ द्वादशात्मने नमः।
९३७ ॐ चतुर्विंशतिरूपाय नमः।
९३८ ॐ पञ्चविंशतिमूर्तये नमः।
९३९ ॐ षड्विंशकात्मने नमः।
९४० ॐ सप्तविंशतिकात्मने नमः।
९४१ ॐ धर्मार्थकाममोक्षाय नमः।
९४२ ॐ विरक्ताय नमः।
९४३ ॐ भावशुद्धाय नमः।
९४४ ॐ सिद्धाय नमः।
९४५ ॐ साध्याय नमः।
९४६ ॐ शरभाय नमः।
९४७ ॐ प्रबोधाय नमः।

१४८ ॐ सुबोधाय नमः।
१४९ ॐ बुद्धिप्रियाय नमः।
१५० ॐ स्निग्धाय नमः।
१५१ ॐ विदग्धाय नमः।
१५२ ॐ मुग्धाय नमः।
१५३ ॐ मुनये नमः।
१५४ ॐ प्रियंवदाय नमः।
१५५ ॐ श्रव्याय नमः।
१५६ ॐ स्त्रुक्स्त्रुवाय नमः।
१५७ ॐ श्रिताय नमः।
१५८ ॐ गृहेशाय नमः।
१५९ ॐ महेशाय नमः।
१६० ॐ ब्रह्मेशाय नमः।
१६१ ॐ श्रीधराय नमः।
१६२ ॐ सुतीर्थाय नमः।
१६३ ॐ हयग्रीवाय नमः।
१६४ ॐ उग्राय नमः।
१६५ ॐ उग्रवेगाय नमः।
१६६ ॐ उग्रकर्मरताय नमः।
१६७ ॐ उग्रनेत्राय नमः।
१६८ ॐ व्यग्राय नमः।
१६९ ॐ समग्रगुणशालिने नमः।
१७० ॐ बालग्रहविनाशाय नमः।
१७१ ॐ पिशाचग्रहघातिने नमः।
१७२ ॐ दुष्टग्रहनिहन्त्रे नमः।
१७३ ॐ निग्रहानुग्रहाय नमः।
१७४ ॐ वृषध्वजाय नमः।
१७५ ॐ वृष्णाय नमः।
१७६ ॐ वृषाय नमः।
१७७ ॐ वृषभाय नमः।
१७८ ॐ उग्रश्रवाय नमः।
१७९ ॐ शान्ताय नमः।
१८० ॐ श्रुतिधराय नमः।
१८१ ॐ देवदेवेशाय नमः।
१८२ ॐ मधुसूदनाय नमः।
१८३ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
१८४ ॐ दुरितक्षयाय नमः।
१८५ ॐ करुणासिन्धवे नमः।
१८६ ॐ समितिञ्जयाय नमः।
१८७ ॐ नरसिंहाय नमः।
१८८ ॐ गरुडध्वजाय नमः।
१८९ ॐ यज्ञनेत्राय नमः।
१९० ॐ कालध्वजाय नमः।
१९१ ॐ जयध्वजाय नमः।
१९२ ॐ अग्निनेत्राय नमः।
१९३ ॐ अमरप्रियाय नमः।
१९४ ॐ महानेत्राय नमः।
१९५ ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
१९६ ॐ धर्मनेत्राय नमः।
१९७ ॐ करुणाकराय नमः।
१९८ ॐ पुण्यनेत्राय नमः।
१९९ ॐ अभीष्टदायकाय नमः।
१००० ॐ जयसिंहरूपाय नमः।
१००१ ॐ नरसिंहरूपाय नमः।
१००२ ॐ रणसिंहरूपाय नमः।
१००३ ॐ नरसिंहरूपाय नमः।

॥ इति श्रीनृसिंहपुराणे श्रीलक्ष्मीनृसिंहसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीगोपालाय नमः ॥

श्रीगोपालसहस्रनामस्तोत्रम्

पार्वत्युवाच

कैलासशिखरे रम्ये गौरी पृच्छति शंकरम्।
ब्रह्माण्डाखिलनाथस्त्वं सृष्टिसंहारकारकः॥ १ ॥
त्वमेव पूज्यसे लोकैर्ब्रह्मविष्णुसुरादिभिः।
नित्यं पठसि देवेश कस्य स्तोत्रं महेश्वर॥ २ ॥
आश्चर्यमिदमत्यन्तं जायते मम शंकर।
तत्प्राणेश महाप्राज्ञ संशयं छिन्धि शंकर॥ ३ ॥

श्रीमहादेव उवाच

धन्यासि कृतपुण्यासि पार्वति प्राणवल्लभे।
रहस्यातिरहस्यं च यत्पृच्छसि वरानने॥ ४ ॥
स्त्रीस्वभावान्महादेवि पुनस्त्वं परिपृच्छसि।
गोपनीयं गोपनीयं गोपनीयं प्रयत्नतः॥ ५ ॥
दत्ते च सिद्धिहानिः स्यात्तस्माद्यत्नेन गोपयेत्।
इदं रहस्यं परमं पुरुषार्थप्रदायकम्॥ ६ ॥
धनरत्नौघमाणिक्यतुरङ्गमगजादिकम्।
ददाति स्मरणादेव महामोक्षप्रदायकम्॥ ७ ॥

तत्तेऽहं सम्प्रवक्ष्यामि शृणुष्वावहिता प्रिये।
योऽसौ निरञ्जनो देवश्चित्स्वरूपी जनार्दनः॥ ८ ॥
संसारसागरोत्तारकारणाय सदा नृणाम्।
श्रीरंगादिकरूपेण त्रैलोक्यं व्याप्य तिष्ठति॥ ९ ॥
ततो लोका महामूढा विष्णुभक्तिविवर्जिताः।
निश्चयं नाधिगच्छन्ति पुनर्नारायणो हरिः॥ १० ॥
निरञ्जनो निराकारो भक्तानां प्रीतिकामदः।
वृन्दावनविहाराय गोपालं रूपमुद्वहन्॥ ११ ॥
मुरलीवादनाधारी राधायै प्रीतिमावहन्।
अंशांशेभ्यः समुन्मील्य पूर्णरूपकलायुतः॥ १२ ॥
श्रीकृष्णचन्द्रो भगवान्नन्दगोपवरोद्यतः।
धरणीरूपिणी माता यशोदानन्ददायिनी॥ १३ ॥
द्वाभ्यां प्रयाचितो नाथो देवक्यां वसुदेवतः।
ब्रह्मणाभ्यर्थितो देवो देवैरपि सुरेश्वरि॥ १४ ॥
जातोऽवन्यां मुकुन्दोऽपि मुरलीवेदरेचिका।
तया सार्द्धं वचः कृत्वा ततो जातो महीतले॥ १५ ॥
संसारसारसर्वस्वं श्यामलं महदुज्ज्वलम्।
एतज्ज्योतिरहं वेद्यं चिन्तयामि सनातनम्॥ १६ ॥
गौरतेजो विना यस्तु श्यामतेजः समर्चयेत्।
जपेद्वा ध्यायते वापि स भवेत्पातकी शिवे॥ १७ ॥
स ब्रह्महा सुरापी च स्वर्णस्तेयी च पञ्चमः।
एतैर्दोषैर्विलिप्येत तेजोभेदान्महेश्वरि॥ १८ ॥

तस्माज्ज्योतिरभूद्द्वेधा राधामाधवरूपकम्।
तस्मादिदं महादेवि गोपालेनैव भाषितम्॥ १९॥
दुर्वाससो मुनेर्मोहे कार्तिक्यां रासमण्डले।
ततः पृष्टवती राधा सन्देहं भेदमात्मनः॥ २०॥
निरञ्जनात्समुत्पन्नं मयाधीतं जगन्मयि।
श्रीकृष्णेन ततः प्रोक्तं राधायै नारदाय च॥ २१॥
ततो नारदतः सर्वं विरला वैष्णवास्तथा।
कलौ जानन्ति देवेशि गोपनीयं प्रयत्नतः॥ २२॥
शठाय कृपणायाथ दाम्भिकाय सुरेश्वरि।
ब्रह्महत्यामवाप्नोति तस्माद्यत्नेन गोपयेत्॥ २३॥

अस्य श्रीगोपालसहस्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य श्रीनारद ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीगोपालो देवता, कामो बीजम्, माया शक्तिः, चन्द्रः कीलकम्, श्रीकृष्णचन्द्रभक्तिरूपफलप्राप्तये श्रीगोपालसहस्रनामजपे विनियोगः अथवा ॐ ऐं क्लीं बीजम्, श्रीं ह्रीं शक्तिः, श्रीवृन्दावननिवासः कीलकम्, श्रीराधाप्रियं परं ब्रह्मेति मन्त्रः, धर्मादिचतुर्विधपुरुषार्थसिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः।

करन्यासः

ॐ क्लां अङ्गुष्ठाभ्यां नमः, ॐ क्लीं तर्जनीभ्यां नमः, ॐ क्लूं मध्यमाभ्यां नमः, ॐ क्लैं अनामिकाभ्यां नमः, ॐ क्लौं कनिष्ठिकाभ्यां नमः, ॐ क्लः करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः।

हृदयादिन्यासः

ॐ क्लां हृदयाय नमः, ॐ क्लीं शिरसे स्वाहा, ॐ क्लूं शिखायै वषट्, ॐ क्लैं कवचाय हुम्, ॐ क्लौं नेत्रत्रयाय वौषट्, ॐ क्लः अस्त्राय फट्।

ध्यानम्

कस्तूरीतिलकं ललाटपटले वक्षःस्थले कौस्तुभं
नासाग्रे वरमौक्तिकं करतले वेणुः करे कंकणम्।
सर्वाङ्गे हरिचन्दनं सुललितं कण्ठे च मुक्तावली
गोपस्त्रीपरिवेष्टितो विजयते गोपालचूडामणिः॥ *

फुल्लेन्दीवरकान्तिमिन्दुवदनं बर्हावतंसप्रियं
श्रीवत्साङ्कमुदारकौस्तुभधरं पीताम्बरं सुन्दरम्।
गोपीनां नयनोत्पलार्चिततनुं गोगोपसङ्घावृतं
गोविन्दं कलवेणुवादनपरं दिव्याङ्गभूषं भजे॥ †

स्तोत्रम्

ॐ क्लीं देवः कामदेवः कामबीजशिरोमणिः।
श्रीगोपालो महीपालः सर्ववेदाङ्गपारगः॥ १॥
धरणीपालको धन्यः पुण्डरीकः सनातनः।
गोपतिर्भूपतिः शास्ता प्रहर्ता विश्वतोमुखः॥ २॥

---

* जिनके मस्तकपर कस्तूरीका तिलक है, वक्षःस्थलमें कौस्तुभमणि है, नासिकाग्रमें अति सुन्दर मोतीका आभूषण है, करतलमें वंशी है, हाथोंमें कङ्कण हैं, सम्पूर्ण शरीरमें मनोहर हरिचन्दनका लेप हुआ है और कण्ठमें मोतियोंकी माला है, व्रजाङ्गनाओंसे घिरे हुए ऐसे गोपालचूडामणिकी बलिहारी है॥

† 'प्रफुल्ल नील कमलके समान जिनकी श्याम मनोहर कान्ति है, मुखमण्डलकी चारुता चन्द्रबिम्बको भी विलज्जित करती है, मोरपंखका मुकुट जिन्हें अधिक प्रिय है, जिनका वक्ष स्वर्णमयी श्रीवत्सरेखासे समलंकृत है, जो अत्यन्त तेजस्विनी कौस्तुभमणि धारण करते हैं और रेशमी पीताम्बर पहने हुए हैं, गोपसुन्दरियोंके नयनारविन्द जिनके श्रीअङ्गोंकी सतत अर्चना करते हैं, गौओं तथा गोपकिशोरोंके संघ जिन्हें घेरकर खड़े हैं तथा जो दिव्य अङ्गभूषासे विभूषित हो मधुरातिमधुर वेणुवादनमें संलग्न हैं, उन परम सुन्दर गोविन्दका मैं भजन करता हूँ'।

आदिकर्ता महाकर्ता महाकालः प्रतापवान्।
जगज्जीवो जगद्धाता जगद्धर्ता जगद्वसुः॥ ३ ॥
मत्स्यो भीमः कुहूभर्ता हर्ता वाराहमूर्तिमान्।
नारायणो हृषीकेशो गोविन्दो गरुडध्वजः॥ ४ ॥
गोकुलेन्द्रो महाचन्द्रः शर्वरीप्रियकारकः।
कमलामुखलोलाक्षः पुण्डरीकशुभावहः॥ ५ ॥
दुर्वासाः कपिलो भौमः सिन्धुसागरसङ्गमः।
गोविन्दो गोपतिर्गोत्रः कालिन्दीप्रेमपूरकः॥ ६ ॥
गोपस्वामी गोकुलेन्द्रो गोवर्धनवरप्रदः।
नन्दादिगोकुलत्राता दाता दारिद्र्यभञ्जनः॥ ७ ॥
सर्वमङ्गलदाता च सर्वकामप्रदायकः।
आदिकर्ता महीभर्ता सर्वसागरसिन्धुजः॥ ८ ॥
गजगामी गजोद्धारी कामी कामकलानिधिः।
कलङ्करहितश्चन्द्रो बिम्बास्यो बिम्बसत्तमः॥ ९ ॥
मालाकारः कृपाकारः कोकिलास्वरभूषणः।
रामो नीलाम्बरो देवो हली दुर्दममर्दनः॥ १० ॥
सहस्राक्षपुरीभेत्ता महामारीविनाशनः।
शिवः शिवतमो भेत्ता बलारातिप्रपूजकः॥ ११ ॥
कुमारीवरदायी च वरेण्यो मीनकेतनः।
नरो नारायणो धीरो राधापतिरुदारधीः॥ १२ ॥
श्रीपतिः श्रीनिधिः श्रीमान् मापतिः प्रतिराजहा।
वृन्दापतिः कुलग्रामी धामी ब्रह्म सनातनः॥ १३ ॥

रेवतीरमणो रामश्चञ्चलश्चारुलोचनः।
रामायणशरीरोऽयं रामी रामः श्रियःपतिः॥ १४॥
शर्वरः शर्वरी शर्वः सर्वत्र शुभदायकः।
राधाराधयितो राधी राधाचित्तप्रमोदकः॥ १५॥
राधारतिसुखोपेतो राधामोहनतत्परः।
राधावशीकरो राधाहृदयाम्भोजषट्पदः॥ १६॥
राधालिङ्गनसम्मोहो राधानर्तनकौतुकः।
राधासञ्जातसम्प्रीती राधाकामफलप्रदः॥ १७॥
वृन्दापतिः कोशनिधिः कोकशोकविनाशकः।
चन्द्रापतिश्चन्द्रपतिश्चण्डकोदण्डभञ्जनः॥ १८॥
रामो दाशरथी रामो भृगुवंशसमुद्भवः।
आत्मारामो जितक्रोधो मोहो मोहान्धभञ्जनः॥ १९॥
वृषभानुर्भवो भावः काश्यपिः करुणानिधिः।
कोलाहलो हली हाली हेली हलधरप्रियः॥ २०॥
राधामुखाब्जमार्तण्डो भास्करो रविजो विधुः।
विधिर्विधाता वरुणो वारुणो वारुणीप्रियः॥ २१॥
रोहिणीहृदयानन्दी वसुदेवात्मजो बली।
नीलाम्बरो रौहिणेयो जरासन्धवधोऽमलः॥ २२॥
नागो नवाम्भो विरुदो वीरहा वरदो बली।
गोपथो विजयी विद्वान् शिपिविष्टः सनातनः॥ २३॥
पर्शुरामवचोग्राही वरग्राही शृगालहा।
दमघोषोपदेष्टा च रथग्राही सुदर्शनः॥ २४॥

वीरपत्नीयशस्त्राता जराव्याधिविघातकः ।
द्वारकावासतत्त्वज्ञो हुताशनवरप्रदः ॥ २५ ॥
यमुनावेगसंहारी नीलाम्बरधरः प्रभुः ।
विभुः शरासनो धन्वी गणेशो गणनायकः ॥ २६ ॥
लक्ष्मणो लक्षणो लक्ष्यो रक्षोवंशविनाशनः ।
वामनो वामनीभूतो वमनो वमनारुहः ॥ २७ ॥
यशोदानन्दनः कर्ता यमलार्जुनमुक्तिदः ।
उलूखली महामानी दामबद्धाह्वयी शमी ॥ २८ ॥
भक्तानुकारी भगवान् केशवोऽचलधारकः ।
केशिहा मधुहा मोही वृषासुरविघातकः ॥ २९ ॥
अघासुरविनाशी च पूतनामोक्षदायकः ।
कुब्जाविनोदी भगवान् कंसमृत्युर्महामखी ॥ ३० ॥
अश्वमेधो वाजपेयो गोमेधो नरमेधवान् ।
कन्दर्पकोटिलावण्यश्चन्द्रकोटिसुशीतलः ॥ ३१ ॥
रविकोटिप्रतीकाशो वायुकोटिमहाबलः ।
ब्रह्मा ब्रह्माण्डकर्ता च कमलावाञ्छितप्रदः ॥ ३२ ॥
कमला कमलाक्षश्च कमलामुखलोलुपः ।
कमलाव्रतधारी च कमलाभः पुरन्दरः ॥ ३३ ॥
सौभाग्याधिकचित्तोऽयं महामायी महोत्कटः ।
तारकारिः सुरत्राता मारीचक्षोभकारकः ॥ ३४ ॥
विश्वामित्रप्रियो दान्तो रामो राजीवलोचनः ।
लङ्काधिपकुलध्वंसी विभीषणवरप्रदः ॥ ३५ ॥

सीतानन्दकरो रामो वीरो वारिधिबन्धनः।
खरदूषणसंहारी साकेतपुरवासनः॥ ३६॥
चन्द्रावलीपतिः कूलः केशी कंसवधोऽमरः।
माधवो मधुहा माध्वी माध्वीको माधवो मधुः॥ ३७॥
मुञ्जाटवीगाहमानो धेनुकारिर्धरात्मजः।
वंशीवटविहारी च गोवर्धनवनाश्रयः॥ ३८॥
तथा तालवनोद्देशी भाण्डीरवनशंखहा।
तृणावर्तकथाकारी वृषभानुसुतापतिः॥ ३९॥
राधाप्राणसमो राधावदनाब्जमधुव्रतः।
गोपीरञ्जनदैवज्ञो लीलाकमलपूजितः॥ ४०॥
क्रीडाकमलसंदोहो गोपिकाप्रीतिरञ्जनः।
रञ्जको रञ्जनो रङ्गो रङ्गी रङ्गमहीरुहः॥ ४१॥
कामः कामारिभक्तोऽयं पुराणपुरुषः कविः।
नारदो देवलो भीमो बालो बालमुखाम्बुजः॥ ४२॥
अम्बुजो ब्रह्मसाक्षी च योगी दत्तवरो मुनिः।
ऋषभः पर्वतो ग्रामो नदीपवनवल्लभः॥ ४३॥
पद्मनाभः सुरज्येष्ठो ब्रह्मा रुद्रोऽहिभूषितः।
गणानां त्राणकर्ता च गणेशो ग्रहिलो ग्रही॥ ४४॥
गणाश्रयो गणाध्यक्षः क्रोडीकृतजगत्त्रयः।
यादवेन्द्रो द्वारकेन्द्रो मथुरावल्लभो धुरी॥ ४५॥
भ्रमरः कुन्तली कुन्तीसुतरक्षी महामखी।
यमुनावरदाता च काश्यपस्य वरप्रदः॥ ४६॥

शङ्खचूडवधोद्दामो गोपीरक्षणतत्परः।
पाञ्चजन्यकरो रामी त्रिरामी वनजो जयः॥ ४७॥
फाल्गुनः फाल्गुनसखो विराधवधकारकः।
रुक्मिणीप्राणनाथश्च सत्यभामाप्रियङ्करः॥ ४८॥
कल्पवृक्षो महावृक्षो दानवृक्षो महाफलः।
अंकुशो भूसुरो भामो भामको भ्रामको हरिः॥ ४९॥
सरलः शाश्वतो वीरो यदुवंशी शिवात्मकः।
प्रद्युम्नो बलकर्ता च प्रहर्ता दैत्यहा प्रभुः॥ ५०॥
महाधनो महावीरो वनमालाविभूषणः।
तुलसीदामशोभाढ्यो जालन्धरविनाशनः॥ ५१॥
शूरः सूर्यो मृकण्डश्च भास्करो विश्वपूजितः।
रविस्तमोहा वह्निश्च वाडवो वडवानलः॥ ५२॥
दैत्यदर्पविनाशी च गरुडो गरुडाग्रजः।
गोपीनाथो महीनाथो वृन्दानाथोऽवरोधकः॥ ५३॥
प्रपञ्ची पञ्चरूपश्च लतागुल्मश्च गोपतिः।
गङ्गा च यमुनारूपो गोदा वेत्रवती तथा॥ ५४॥
कावेरी नर्मदा तापी गण्डकी सरयूस्तथा।
राजसस्तामसः सत्त्वी सर्वाङ्गी सर्वलोचनः॥ ५५॥
सुधामयोऽमृतमयो योगिनीवल्लभः शिवः।
बुद्धो बुद्धिमतां श्रेष्ठो विष्णुर्जिष्णुः शचीपतिः॥ ५६॥
वंशी वंशधरो लोको विलोको मोहनाशनः।
रवरावो रवो रावो बालो बालबलाहकः॥ ५७॥

शिवो रुद्रो नलो नीलो लाङ्गली लाङ्गलाश्रयः।
पारदः पावनो हंसो हंसारूढो जगत्पतिः॥ ५८॥
मोहिनीमोहनो मायी महामायो महामखी।
वृषो वृषाकपिः कालः कालीदमनकारकः॥ ५९॥
कुब्जाभाग्यप्रदो वीरो रजकक्षयकारकः।
कोमलो वारुणो राजा जलजो जलधारकः॥ ६०॥
हारकः सर्वपापघ्नः परमेष्ठी पितामहः।
खड्गधारी कृपाकारी राधारमणसुन्दरः॥ ६१॥
द्वादशारण्यसम्भोगी शेषनागफणालयः।
कामः श्यामः सुखः श्रीदः श्रीपतिः श्रीनिधिः कृतिः॥ ६२॥
हरिर्हरो नरो नारो नरोत्तम इषुप्रियः।
गोपालीचित्तहर्ता च कर्ता संसारतारकः॥ ६३॥
आदिदेवो महादेवो गौरीगुरुरनाश्रयः।
साधुर्मधुर्विधुर्धाता भ्राता क्रूरपरायणः॥ ६४॥
रोलम्बी च हयग्रीवो वानरारिर्वनाश्रयः।
वनं वनी वनाध्यक्षो महावन्द्यो महामुनिः॥ ६५॥
स्यमन्तकमणिप्राज्ञो विज्ञो विघ्नविघातकः।
गोवर्द्धनो वर्द्धनीयो वर्द्धनी वर्द्धनप्रियः॥ ६६॥
वर्द्धन्यो वर्द्धनो वर्द्धी वार्द्धिन्यः सुमुखप्रियः।
वर्द्धितो वृद्धको वृद्धो वृन्दारकजनप्रियः॥ ६७॥
गोपालरमणीभर्ता साम्बकुष्ठविनाशनः।
रुक्मिणीहरणः प्रेम प्रेमी चन्द्रावलीपतिः॥ ६८॥

श्रीकर्ता विश्वभर्ता च नरो नारायणो बली।
गणो गणपतिश्चैव दत्तात्रेयो महामुनिः॥ ६९॥
व्यासो नारायणो दिव्यो भव्यो भावुकधारकः।
स्वः श्रेयसं शिवं भद्रं भावुकं भविकं शुभम्॥ ७०॥
शुभात्मकः शुभः शास्ता प्रशास्ता मेघनादहा।
ब्रह्मण्यदेवो दीनानामुद्धारकरणक्षमः॥ ७१॥
कृष्णः कमलपत्राक्षः कृष्णः कमललोचनः।
कृष्णः कामी सदाकृष्णः समस्तप्रियकारकः॥ ७२॥
नन्दो नन्दी महानन्दी मादी मादनकः किली।
मिली हिली गिली गोली गोलो गोलालयो गुली॥ ७३॥
गुग्गुली मारकी शाखी वटः पिप्पलकः कृती।
म्लेच्छहा कालहर्ता च यशोदायश एव च॥ ७४॥
अच्युतः केशवो विष्णुर्हरिः सत्यो जनार्दनः।
हंसो नारायणो लीलो नीलो भक्तिपरायणः॥ ७५॥
जानकीवल्लभो रामो विरामो विघ्ननाशनः।
सहस्रांशुर्महाभानुर्वीरबाहुर्महोदधिः॥ ७६॥
समुद्रोऽब्धिरकूपारः पारावारः सरित्पतिः।
गोकुलानन्दकारी च प्रतिज्ञापरिपालकः॥ ७७॥
सदारामः कृपारामो महारामो धनुर्धरः।
पर्वतः पर्वताकारो गयो गेयो द्विजप्रियः॥ ७८॥
कम्बलाश्वतरो रामो रामायणप्रवर्तकः।
द्यौर्दिवो दिवसो दिव्यो भव्यो भाविभयापहः॥ ७९॥

पार्वतीभाग्यसहितो भ्राता लक्ष्मीविलासवान्।
विलासी साहसी सर्वी गर्वी गर्वितलोचनः॥ ८०॥
मुरारिर्लोकधर्मज्ञो जीवनो जीवनान्तकः।
यमो यमारिर्यमनो यामी यामविधायकः॥ ८१॥
वंसुली पांसुली पांसुः पाण्डुरर्जुनवल्लभः।
ललिताचन्द्रिकामाली माली मालाम्बुजाश्रयः॥ ८२॥
अम्बुजाक्षो महायक्षो दक्षश्चिन्तामणिः प्रभुः।
मणिर्दिनमणिश्चैव केदारो बदराश्रयः॥ ८३॥
बदरीवनसम्प्रीतो व्यासः सत्यवतीसुतः।
अमरारिनिहन्ता च सुधासिन्धुर्विधूदयः॥ ८४॥
चन्द्रो रविः शिवः शूली चक्री चैव गदाधरः।
श्रीकर्ता श्रीपतिः श्रीदः श्रीदेवो देवकीसुतः॥ ८५॥
श्रीपतिः पुण्डरीकाक्षः पद्मनाभो जगत्पतिः।
वासुदेवोऽप्रमेयात्मा केशवो गरुडध्वजः॥ ८६॥
नारायणः परंधाम देवदेवो महेश्वरः।
चक्रपाणिः कलापूर्णो वेदवेद्यो दयानिधिः॥ ८७॥
भगवान् सर्वभूतेशो गोपालः सर्वपालकः।
अनन्तो निर्गुणोऽनन्तो निर्विकल्पो निरञ्जनः॥ ८८॥
निराधारो निराकारो निराभासो निराश्रयः।
पुरुषः प्रणवातीतो मुकुन्दः परमेश्वरः॥ ८९॥
क्षणावनिः सार्वभौमो वैकुण्ठो भक्तवत्सलः।
विष्णुर्दामोदरः कृष्णो माधवो मथुरापतिः॥ ९०॥

देवकीगर्भसम्भूतो यशोदावत्सलो हरिः।
शिवः संकर्षणः शम्भुर्भूतनाथो दिवस्पतिः॥ ९१ ॥
अव्ययः सर्वधर्मज्ञो निर्मलो निरुपद्रवः।
निर्वाणनायको नित्यो नीलजीमूतसंनिभः॥ ९२ ॥
कलाक्षयश्च सर्वज्ञः कमलारूपतत्परः।
हृषीकेशः पीतवासो वसुदेवप्रियात्मजः॥ ९३ ॥
नन्दगोपकुमारार्यो नवनीताशनः प्रभुः।
पुराणपुरुषः श्रेष्ठः शङ्खपाणिः सुविक्रमः॥ ९४ ॥
अनिरुद्धश्चक्ररथः शार्ङ्गपाणिश्चतुर्भुजः।
गदाधरः सुरार्तिघ्नो गोविन्दो नन्दकायुधः॥ ९५ ॥
वृन्दावनचरः शौरिर्वेणुवाद्यविशारदः।
तृणावर्तान्तको भीमो साहसो बहुविक्रमः॥ ९६ ॥
शकटासुरसंहारी बकासुरविनाशनः।
धेनुकासुरसंघातः पूतनारिर्नृकेसरी॥ ९७ ॥
पितामहो गुरुः साक्षी प्रत्यगात्मा सदाशिवः।
अप्रमेयः प्रभुः प्राज्ञोऽप्रतर्क्यः स्वप्नवर्द्धनः॥ ९८ ॥
धन्यो मान्यो भवो भावो धीरः शान्तो जगद्गुरुः।
अन्तर्यामीश्वरो दिव्यो दैवज्ञो देवतागुरुः॥ ९९ ॥
क्षीराब्धिशयनो धाता लक्ष्मीवाँल्लक्ष्मणाग्रजः।
धात्रीपतिरमेयात्मा चन्द्रशेखरपूजितः॥ १०० ॥
लोकसाक्षी जगच्चक्षुः पुण्यचारित्रकीर्तनः।
कोटिमन्मथसौन्दर्यो जगन्मोहनविग्रहः॥ १०१ ॥

मन्दस्मिततमो गोपो गोपिकापरिवेष्टितः ।
फुल्लारविन्दनयनश्चाणूरान्ध्रनिषूदनः ॥ १०२ ॥
इन्दीवरदलश्यामो बर्हिबर्हावतंसकः ।
मुरलीनिनदाह्लादो दिव्यमाल्याम्बराश्रयः ॥ १०३ ॥
सुकपोलयुगः सुभ्रूयुगलः सुललाटकः ।
कम्बुग्रीवो विशालाक्षो लक्ष्मीवान् शुभलक्षणः ॥ १०४ ॥
पीनवक्षाश्चतुर्बाहुश्चतुर्मूर्तिस्त्रिविक्रमः ।
कलङ्करहितः शुद्धो दुष्टशत्रुनिबर्हणः ॥ १०५ ॥
किरीटकुण्डलधरः कटकाङ्गदमण्डितः ।
मुद्रिकाभरणोपेतः कटिसूत्रविराजितः ॥ १०६ ॥
मञ्जीररञ्जितपदः सर्वाभरणभूषितः ।
विन्यस्तपादयुगलो दिव्यमङ्गलविग्रहः ॥ १०७ ॥
गोपिकानयनानन्दः पूर्णचन्द्रनिभाननः ।
समस्तजगदानन्दः सुन्दरो लोकनन्दनः ॥ १०८ ॥
यमुनातीरसञ्चारी राधामन्मथवैभवः ।
गोपनारीप्रियो दान्तो गोपीवस्त्रापहारकः ॥ १०९ ॥
शृङ्गारमूर्तिः श्रीधामा तारको मूलकारणम् ।
सृष्टिसंरक्षणोपायः क्रूरासुरविभञ्जनः ॥ ११० ॥
नरकासुरहारी च मुरारिर्वैरिमर्दनः ।
आदितेयप्रियो दैत्यभीकरश्चेन्दुशेखरः ॥ १११ ॥
जरासन्धकुलध्वंसी कंसारातिः सुविक्रमः ।
पुण्यश्लोकः कीर्तनीयो यादवेन्द्रो जगन्नुतः ॥ ११२ ॥

रुक्मिणीरमणः सत्यभामाजाम्बवतीप्रियः ।
मित्रविन्दानाग्नजितीलक्ष्मणासमुपासितः ॥ ११३ ॥
सुधाकरकुले जातोऽनन्तप्रबलविक्रमः ।
सर्वसौभाग्यसम्पन्नो द्वारकायामुपस्थितः ॥ ११४ ॥
भद्रासूर्यसुतानाथो लीलामानुषविग्रहः ।
सहस्त्रषोडशस्त्रीशो भोगमोक्षैकदायकः ॥ ११५ ॥
वेदान्तवेद्यः संवेद्यो वैद्यब्रह्माण्डनायकः ।
गोवर्द्धनधरो नाथः सर्वजीवदयापरः ॥ ११६ ॥
मूर्तिमान् सर्वभूतात्मा आर्तत्राणपरायणः ।
सर्वज्ञः सर्वसुलभः सर्वशास्त्रविशारदः ॥ ११७ ॥
षड्गुणैश्वर्यसम्पन्नः पूर्णकामो धुरन्धरः ।
महानुभावः कैवल्यदायको लोकनायकः ॥ ११८ ॥
आदिमध्यान्तरहितः शुद्धसात्त्विकविग्रहः ।
असमानः समस्तात्मा शरणागतवत्सलः ॥ ११९ ॥
उत्पत्तिस्थितिसंहारकारणं सर्वकारणम् ।
गम्भीरः सर्वभावज्ञः सच्चिदानन्दविग्रहः ॥ १२० ॥
विष्वक्सेनः सत्यसन्धः सत्यवान् सत्यविक्रमः ।
सत्यव्रतः सत्यसंज्ञः सर्वधर्मपरायणः ॥ १२१ ॥
आपन्नार्तिप्रशमनो द्रौपदीमानरक्षकः ।
कन्दर्पजनकः प्राज्ञो जगन्नाटकवैभवः ॥ १२२ ॥
भक्तिवश्यो गुणातीतः सर्वैश्वर्यप्रदायकः ।
दमघोषसुतद्वेषी बाणबाहुविखण्डनः ॥ १२३ ॥

भीष्मभक्तिप्रदो दिव्यः कौरवान्वयनाशनः।
कौन्तेयप्रियबन्धुश्च पार्थस्यन्दनसारथिः॥ १२४॥
नारसिंहो महावीरः स्तम्भजातो महाबलः।
प्रह्लादवरदः सत्यो देवपूज्योऽभयङ्करः॥ १२५॥
उपेन्द्र इन्द्रावरजो वामनो बलिबन्धनः।
गजेन्द्रवरदः स्वामी सर्वदेवनमस्कृतः॥ १२६॥
शेषपर्यङ्कशयनो वैनतेयरथो जयी।
अव्याहतबलैश्वर्यसम्पन्नः पूर्णमानसः॥ १२७॥
योगेश्वरेश्वरः साक्षी क्षेत्रज्ञो ज्ञानदायकः।
योगिहृत्पङ्कजावासो योगमायासमन्वितः॥ १२८॥
नादबिन्दुकलातीतश्चतुर्वर्गफलप्रदः।
सुषुम्णामार्गसञ्चारी देहस्यान्तरसंस्थितः॥ १२९॥
देहेन्द्रियमनःप्राणसाक्षी चेतः प्रसादकः।
सूक्ष्मः सर्वगतो देही ज्ञानदर्पणगोचरः॥ १३०॥
तत्त्वत्रयात्मकोऽव्यक्तः कुण्डलीसमुपाश्रितः।
ब्रह्मण्यः सर्वधर्मज्ञः शान्तो दान्तो गतक्लमः॥ १३१॥
श्रीनिवासः सदानन्दो विश्वमूर्तिर्महाप्रभुः।
सहस्त्रशीर्षा पुरुषः सहस्त्राक्षः सहस्त्रपात्॥ १३२॥
समस्तभुवनाधारः समस्तप्राणरक्षकः।
समस्तसर्वभावज्ञो गोपिकाप्राणवल्लभः॥ १३३॥
नित्योत्सवो नित्यसौख्यो नित्यश्रीर्नित्यमङ्गलः।
व्यूहार्चितो जगन्नाथः श्रीवैकुण्ठपुराधिपः॥ १३४॥

पूर्णानन्दघनीभूतो गोपवेषधरो हरिः।
कलापकुसुमश्यामः कोमलः शान्तविग्रहः॥ १३५॥
गोपाङ्गनावृतोऽनन्तो वृन्दावनसमाश्रयः।
वेणुवादरतः श्रेष्ठो देवानां हितकारकः॥ १३६॥
बालक्रीडासमासक्तो नवनीतस्य तस्करः।
गोपालकामिनीजारश्चोरजारशिखामणिः॥ १३७॥
परंज्योतिः पराकाशः परावासः परिस्फुटः।
अष्टादशाक्षरो मन्त्रो व्यापको लोकपावनः॥ १३८॥
सप्तकोटिमहामन्त्रशेखरो देवशेखरः।
विज्ञानज्ञानसन्धानस्तेजोराशिर्जगत्पतिः॥ १३९॥
भक्तलोकप्रसन्नात्मा भक्तमन्दारविग्रहः।
भक्तदारिद्र्यदमनो भक्तानां प्रीतिदायकः॥ १४०॥
भक्ताधीनमनाः पूज्यो भक्तलोकशिवङ्करः।
भक्ताभीष्टप्रदः सर्वभक्ताघौघनिकृन्तनः॥ १४१॥
अपारकरुणासिन्धुर्भगवान् भक्ततत्परः॥ १४२॥

॥ फलश्रुतिः॥

इति श्रीराधिकानाथसहस्रं नामकीर्तनम्।
स्मरणात् पापराशीनां खण्डनं मृत्युनाशनम्॥ १ ॥
वैष्णवानां प्रियकरं महारोगनिवारणम्।
ब्रह्महत्या सुरापानं परस्त्रीगमनं तथा॥ २ ॥
परद्रव्यापहरणं परद्वेषसमन्वितम्।
मानसं वाचिकं कायं यत्पापं पापसम्भवम्॥ ३ ॥

सहस्त्रनामपठनात् सर्वं नश्यति तत्क्षणात्।
महादारिद्र्ययुक्तो यो वैष्णवो विष्णुभक्तिमान्॥ ४ ॥
कार्तिक्यां सम्पठेद्रात्रौ शतमष्टोत्तरं क्रमात्।
पीताम्बरधरो धीमान् सुगन्धिपुष्पचन्दनैः॥ ५ ॥
पुस्तकं पूजयित्वा तु नैवेद्यादिभिरेव च।
राधाध्यानाङ्कितो धीरो वनमालाविभूषितः॥ ६ ॥
शतमष्टोत्तरं देवि पठेन्नामसहस्त्रकम्।
तुलसीमालया युक्तो वैष्णवो भक्तितत्परः॥ ७ ॥
रविवारे च शुक्रे च द्वादश्यां श्राद्धवासरे।
ब्राह्मणं पूजयित्वा च भोजयित्वा विधानतः॥ ८ ॥
यः पठेद्वैष्णवो नित्यं स याति हरिमन्दिरम्।
कृष्णेनोक्तं राधिकायै मयि प्रोक्तं पुरा शिवे॥ ९ ॥
नारदाय मया प्रोक्तं नारदेन प्रकाशितम्।
मया त्वयि वरारोहे प्रोक्तमेतत्सुदुर्लभम्॥ १० ॥
गोपनीयं प्रयत्नेन न प्रकाश्यं कथञ्चन।
शठाय पापिने चैव लम्पटाय विशेषतः॥ ११ ॥
न दातव्यं न दातव्यं न दातव्यं कदाचन।
देयं शिष्याय शान्ताय विष्णुभक्तिरताय च॥ १२ ॥
गोदानब्रह्मयज्ञादेर्वाजपेयशतस्य च।
अश्वमेधसहस्त्रस्य फलं पाठे भवेद् ध्रुवम्॥ १३ ॥
एकादश्यां नरः स्नात्वा सुगन्धिद्रव्यतैलकैः।
आहारं ब्राह्मणे दत्त्वा दक्षिणां स्वर्णभूषणम्॥ १४ ॥

तत आरम्भकर्ताऽस्मात् सर्वं प्राप्नोति मानवः।
शतावृत्तं सहस्रं च यः पठेद्वैष्णवो जनः॥ १५॥
श्रीवृन्दावनचन्द्रस्य प्रसादात् सर्वमाप्नुयात्।
यद्गृहे पुस्तकं देवि पूजितं चैव तिष्ठति॥ १६॥
न मारी न च दुर्भिक्षं नोपसर्गभयं क्वचित्।
सर्पादिभूतयक्षाद्या नश्यन्ति नात्र संशयः॥ १७॥
श्रीगोपालो महादेवि वसेत् तस्य गृहे सदा।
गृहे यत्र सहस्रं च नाम्नां तिष्ठति पूजितम्॥ १८॥

॥ इति श्रीसम्मोहनतन्त्रे पार्वतीश्वरसंवादे श्रीगोपालसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीगोपालसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ क्लीं देवाय नमः।
२ ॐ कामदेवाय नमः।
३ ॐ कामबीजशिरोमणये नमः।
४ ॐ श्रीगोपालाय नमः।
५ ॐ महीपालाय नमः।
६ ॐ सर्ववेदाङ्गपारगाय नमः।
७ ॐ धरणीपालकाय नमः।
८ ॐ धन्याय नमः।
९ ॐ पुण्डरीकाय नमः।
१० ॐ सनातनाय नमः।
११ ॐ गोपतये नमः।
१२ ॐ भूपतये नमः।
१३ ॐ शास्त्रे नमः।
१४ ॐ प्रहर्त्रे नमः।
१५ ॐ विश्वतोमुखाय नमः।
१६ ॐ आदिकर्त्रे नमः।
१७ ॐ महाकर्त्रे नमः।
१८ ॐ महाकालाय नमः।
१९ ॐ प्रतापवते नमः।
२० ॐ जगज्जीवाय नमः।
२१ ॐ जगद्धात्रे नमः।
२२ ॐ जगद्धर्त्रे नमः।
२३ ॐ जगद्वसवे नमः।
२४ ॐ मत्स्याय नमः।
२५ ॐ भीमाय नमः।
२६ ॐ कुहूभर्त्रे नमः।
२७ ॐ हर्त्रे नमः।
२८ ॐ वाराहमूर्तिमते नमः।
२९ ॐ नारायणाय नमः।
३० ॐ हृषीकेशाय नमः।
३१ ॐ गोविन्दाय नमः।
३२ ॐ गरुडध्वजाय नमः।
३३ ॐ गोकुलेन्द्राय नमः।
३४ ॐ महाचन्द्राय नमः।
३५ ॐ शर्वरीप्रियकारकाय नमः।
३६ ॐ कमलामुखलोलाक्षाय नमः।
३७ ॐ पुण्डरीकशुभावहाय नमः।
३८ ॐ दुर्वाससे नमः।
३९ ॐ कपिलाय नमः।
४० ॐ भौमाय नमः।
४१ ॐ सिन्धुसागरसङ्गमाय नमः।
४२ ॐ गोविन्दाय नमः।
४३ ॐ गोपतये नमः।
४४ ॐ गोत्राय नमः।
४५ ॐ कालिन्दीप्रेमपूरकाय नमः।
४६ ॐ गोपस्वामिने नमः।
४७ ॐ गोकुलेन्द्राय नमः।
४८ ॐ गोवर्धनवरप्रदाय नमः।
४९ ॐ नन्दादिगोकुलत्रात्रे नमः।
५० ॐ दात्रे नमः।
५१ ॐ दारिद्र्यभञ्जनाय नमः।
५२ ॐ सर्वमङ्गलदात्रे नमः।

५३ ॐ सर्वकामप्रदायकाय नमः।
५४ ॐ आदिकर्त्रे नमः।
५५ ॐ महीभर्त्रे नमः।
५६ ॐ सर्वसागरसिन्धुजाय नमः।
५७ ॐ गजगामिने नमः।
५८ ॐ गजोद्धारिणे नमः।
५९ ॐ कामिने नमः।
६० ॐ कामकलानिधये नमः।
६१ ॐ कलङ्करहिताय नमः।
६२ ॐ चन्द्राय नमः।
६३ ॐ बिम्बास्याय नमः।
६४ ॐ बिम्बसत्तमाय नमः।
६५ ॐ मालाकाराय नमः।
६६ ॐ कृपाकाराय नमः।
६७ ॐ कोकिलास्वरभूषणाय नमः।
६८ ॐ रामाय नमः।
६९ ॐ नीलाम्बराय नमः।
७० ॐ देवाय नमः।
७१ ॐ हलिने नमः।
७२ ॐ दुर्दममर्दनाय नमः।
७३ ॐ सहस्राक्षपुरीभेत्त्रे नमः।
७४ ॐ महामारीविनाशनाय नमः।
७५ ॐ शिवाय नमः।
७६ ॐ शिवतमाय नमः।
७७ ॐ भेत्त्रे नमः।
७८ ॐ बलारातिप्रपूजकाय नमः।
७९ ॐ कुमारीवरदायिने नमः।
८० ॐ वरेण्याय नमः।
८१ ॐ मीनकेतनाय नमः।
८२ ॐ नराय नमः।
८३ ॐ नारायणाय नमः।
८४ ॐ धीराय नमः।
८५ ॐ राधापतये नमः।
८६ ॐ उदारधिये नमः।
८७ ॐ श्रीपतये नमः।
८८ ॐ श्रीनिधये नमः।
८९ ॐ श्रीमते नमः।
९० ॐ मापतये नमः।
९१ ॐ प्रतिराजघ्ने नमः।
९२ ॐ वृन्दापतये नमः।
९३ ॐ कुलग्रामिणे नमः।
९४ ॐ धाम्ने नमः।
९५ ॐ ब्रह्मणे नमः।
९६ ॐ सनातनाय नमः।
९७ ॐ रेवतीरमणाय नमः।
९८ ॐ रामाय नमः।
९९ ॐ चञ्चलाय नमः।
१०० ॐ चारुलोचनाय नमः।
१०१ ॐ रामायणशरीराय नमः।
१०२ ॐ रामिणे नमः।
१०३ ॐ रामाय नमः।
१०४ ॐ श्रियःपतये नमः।
१०५ ॐ शर्वराय नमः।
१०६ ॐ शर्वर्यै नमः।
१०७ ॐ शर्वाय नमः।
१०८ ॐ सर्वत्र शुभदायकाय नमः।

१०९ ॐ राधाराधयिताय नमः।
११० ॐ राधिने नमः।
१११ ॐ राधाचित्तप्रमोदकाय नमः।
११२ ॐ राधारतिसुखोपेताय नमः।
११३ ॐ राधामोहनतत्पराय नमः।
११४ ॐ राधावशीकराय नमः।
११५ ॐ राधाहृदयाम्भोजषट्पदाय नमः।
११६ ॐ राधालिङ्गनसम्मोहाय नमः।
११७ ॐ राधानर्तनकौतुकाय नमः।
११८ ॐ राधासञ्ज्ञातसम्प्रीतये नमः।
११८ ॐ राधाकामफलप्रदाय नमः।
१२० ॐ वृन्दापतये नमः।
१२१ ॐ कोशनिधये नमः।
१२२ ॐ कोकशोकविनाशकाय नमः।
१२३ ॐ चन्द्रापतये नमः।
१२४ ॐ चन्द्रपतये नमः।
१२५ ॐ चण्डकोदण्डभञ्जनाय नमः।
१२६ ॐ रामाय नमः।
१२७ ॐ दाशरथी रामाय नमः।
१२८ ॐ भृगुवंशसमुद्भवाय नमः।
१२९ ॐ आत्मारामाय नमः।
१३० ॐ जितक्रोधाय नमः।
१३१ ॐ मोहाय नमः।
१३२ ॐ मोहान्धभञ्जनाय नमः।
१३३ ॐ वृषभानवे नमः।
१३४ ॐ भवाय नमः।
१३५ ॐ भावाय नमः।
१३६ ॐ काश्यपये नमः।
१३७ ॐ करुणानिधये नमः।
१३८ ॐ कोलाहलाय नमः।
१३९ ॐ हलिने नमः।
१४० ॐ हालिने नमः।
१४१ ॐ हेलिने नमः।
१४२ ॐ हलधरप्रियाय नमः।
१४३ ॐ राधामुखाब्जमार्तण्डाय नमः।
१४४ ॐ भास्कराय नमः।
१४५ ॐ रविजाय नमः।
१४६ ॐ विधवे नमः।
१४७ ॐ विधये नमः।
१४८ ॐ विधात्रे नमः।
१४९ ॐ वरुणाय नमः।
१५० ॐ वारुणाय नमः।
१५१ ॐ वारुणीप्रियाय नमः।
१५२ ॐ रोहिणीहृदयानन्दिने नमः।
१५३ ॐ वसुदेवात्मजाय नमः।
१५४ ॐ बलिने नमः।
१५५ ॐ नीलाम्बराय नमः।
१५६ ॐ रौहिणेयाय नमः।
१५७ ॐ जरासन्धवधाय नमः।
१५८ ॐ अमलाय नमः।
१५९ ॐ नागाय नमः।
१६० ॐ नवाम्भसे नमः।
१६१ ॐ विरुदाय नमः।
१६२ ॐ वीरघ्ने नमः।
१६३ ॐ वरदाय नमः।
१६४ ॐ बलिने नमः।

१६५ ॐ गोपथाय नमः।
१६६ ॐ विजयिने नमः।
१६७ ॐ विदुषे नमः।
१६८ ॐ शिपिविष्टाय नमः।
१६९ ॐ सनातनाय नमः।
१७० ॐ परशुरामवचोग्राहिणे नमः।
१७१ ॐ वरग्राहिणे नमः।
१७२ ॐ शृगालघ्ने नमः।
१७३ ॐ दमघोषोपदेष्ट्रे नमः।
१७४ ॐ रथग्राहिणे नमः।
१७५ ॐ सुदर्शनाय नमः।
१७६ ॐ वीरपत्नीयशस्त्रात्रे नमः।
१७७ ॐ जराव्याधिविघातकाय नमः।
१७८ ॐ द्वारकावासतत्त्वज्ञाय नमः।
१७९ ॐ हुताशनवरप्रदाय नमः।
१८० ॐ यमुनावेगसंहारिणे नमः।
१८१ ॐ नीलाम्बरधराय नमः।
१८२ ॐ प्रभवे नमः।
१८३ ॐ विभवे नमः।
१८४ ॐ शरासनाय नमः।
१८५ ॐ धन्विने नमः।
१८६ ॐ गणेशाय नमः।
१८७ ॐ गणनायकाय नमः।
१८८ ॐ लक्ष्मणाय नमः।
१८९ ॐ लक्षणाय नमः।
१९० ॐ लक्ष्याय नमः।
१९१ ॐ रक्षोवंशविनाशनाय नमः।
१९२ ॐ वामनाय नमः।
१९३ ॐ वामनीभूताय नमः।
१९४ ॐ वमनाय नमः।
१९५ ॐ वमनारुहाय नमः।
१९६ ॐ यशोदानन्दनाय नमः।
१९७ ॐ कर्त्रे नमः।
१९८ ॐ यमलार्जुनमुक्तिदाय नमः।
१९९ ॐ उलूखलिने नमः।
२०० ॐ महामानिने नमः।
२०१ ॐ दामबद्धाह्वयिने नमः।
२०२ ॐ शमिने नमः।
२०३ ॐ भक्तानुकारिणे नमः।
२०४ ॐ भगवते नमः।
२०५ ॐ केशवाय नमः।
२०६ ॐ अचलधारकाय नमः।
२०७ ॐ केशिघ्ने नमः।
२०८ ॐ मधुघ्ने नमः।
२०९ ॐ मोहिने नमः।
२१० ॐ वृषासुरविघातकाय नमः।
२११ ॐ अघासुरविनाशिने नमः।
२१२ ॐ पूतनामोक्षदायकाय नमः।
२१३ ॐ कुब्जाविनोदिने नमः।
२१४ ॐ भगवते नमः।
२१५ ॐ कंसमृत्यवे नमः।
२१६ ॐ महामखिने नमः।
२१७ ॐ अश्वमेधाय नमः।
२१८ ॐ वाजपेयाय नमः।
२१९ ॐ गोमेधाय नमः।
२२० ॐ नरमेधवते नमः।

२२१ ॐ कन्दर्पकोटिलावण्याय नमः।
२२२ ॐ चन्द्रकोटिसुशीतलाय नमः।
२२३ ॐ रविकोटिप्रतीकाशाय नमः।
२२४ ॐ वायुकोटिमहाबलाय नमः।
२२५ ॐ ब्रह्मणे नमः।
२२६ ॐ ब्रह्माण्डकर्त्रे नमः।
२२७ ॐ कमलावाञ्छितप्रदाय नमः।
२२८ ॐ कमलायै नमः।
२२९ ॐ कमलाक्षाय नमः।
२३० ॐ कमलामुखलोलुपाय नमः।
२३१ ॐ कमलाव्रतधारिणे नमः।
२३२ ॐ कमलाभाय नमः।
२३३ ॐ पुरन्दराय नमः।
२३४ ॐ सौभाग्याधिकचित्ताय नमः।
२३५ ॐ महामायिने नमः।
२३६ ॐ महोत्कटाय नमः।
२३७ ॐ तारकारये नमः।
२३८ ॐ सुरत्रात्रे नमः।
२३९ ॐ मारीचक्षोभकारकाय नमः।
२४० ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः।
२४१ ॐ दान्ताय नमः।
२४२ ॐ रामाय नमः।
२४३ ॐ राजीवलोचनाय नमः।
२४४ ॐ लङ्काधिपकुलध्वंसिने नमः।
२४५ ॐ विभीषणवरप्रदाय नमः।
२४६ ॐ सीतानन्दकराय नमः।
२४७ ॐ रामाय नमः।
२४८ ॐ वीराय नमः।
२४९ ॐ वारिधिबन्धनाय नमः।
२५० ॐ खरदूषणसंहारिणे नमः।
२५१ ॐ साकेतपुरवासनाय नमः।
२५२ ॐ चन्द्रावलीपतये नमः।
२५३ ॐ कूलाय नमः।
२५४ ॐ केशिने नमः।
२५५ ॐ कंसवधाय नमः।
२५६ ॐ अमराय नमः।
२५७ ॐ माधवाय नमः।
२५८ ॐ मधुघ्ने नमः।
२५९ ॐ माध्विने नमः।
२६० ॐ माध्वीकाय नमः।
२६१ ॐ माधवाय नमः।
२६२ ॐ मधवे नमः।
२६३ ॐ मुञ्जाटवीगाहमानाय नमः।
२६४ ॐ धेनुकारये नमः।
२६५ ॐ धरात्मजाय नमः।
२६६ ॐ वंशीवटविहारिणे नमः।
२६७ ॐ गोवर्धनवनाश्रयाय नमः।
२६८ ॐ तालवनोद्देशिने नमः।
२६९ ॐ भाण्डीरवनशंखघ्ने नमः।
२७० ॐ तृणावर्तकथाकारिणे नमः।
२७१ ॐ वृषभानुसुतापतये नमः।
२७२ ॐ राधाप्राणसमाय नमः।
२७३ ॐ राधावदनाब्जमधुव्रताय नमः।
२७४ ॐ गोपीरञ्जनदैवज्ञाय नमः।
२७५ ॐ लीलाकमलपूजिताय नमः।
२७६ ॐ क्रीडाकमलसंदोहाय नमः।

२७७ ॐ गोपिकाप्रीतिरञ्जनाय नमः।
२७८ ॐ रञ्जकाय नमः।
२७९ ॐ रञ्जनाय नमः।
२८० ॐ रङ्गाय नमः।
२८१ ॐ रङ्गिणे नमः।
२८२ ॐ रङ्गमहीरुहाय नमः।
२८३ ॐ कामाय नमः।
२८४ ॐ कामारिभक्ताय नमः।
२८५ ॐ पुराणपुरुषाय नमः।
२८६ ॐ कवये नमः।
२८७ ॐ नारदाय नमः।
२८८ ॐ देवलाय नमः।
२८९ ॐ भीमाय नमः।
२९० ॐ बालाय नमः।
२९१ ॐ बालमुखाम्बुजाय नमः।
२९२ ॐ अम्बुजाय नमः।
२९३ ॐ ब्रह्मसाक्षिणे नमः।
२९४ ॐ योगिने नमः।
२९५ ॐ दत्तवराय नमः।
२९६ ॐ मुनये नमः।
२९७ ॐ ऋषभाय नमः।
२९८ ॐ पर्वताय नमः।
२९९ ॐ ग्रामाय नमः।
३०० ॐ नदीपवनवल्लभाय नमः।
३०१ ॐ पद्मनाभाय नमः।
३०२ ॐ सुरज्येष्ठाय नमः।
३०३ ॐ ब्रह्मणे नमः।
३०४ ॐ रुद्राय नमः।
३०५ ॐ अहिभूषिताय नमः।
३०६ ॐ गणानां त्राणकर्त्रे नमः।
३०७ ॐ गणेशाय नमः।
३०८ ॐ ग्रहिलाय नमः।
३०९ ॐ ग्रहिणे नमः।
३१० ॐ गणाश्रयाय नमः।
३११ ॐ गणाध्यक्षाय नमः।
३१२ ॐ क्रोडीकृतजगत्त्रयाय नमः।
३१३ ॐ यादवेन्द्राय नमः।
३१४ ॐ द्वारकेन्द्राय नमः।
३१५ ॐ मथुरावल्लभाय नमः।
३१६ ॐ धुरिणे नमः।
३१७ ॐ भ्रमराय नमः।
३१८ ॐ कुन्तलिने नमः।
३१९ ॐ कुन्तीसुतरक्षिणे नमः।
३२० ॐ महामखिने नमः।
३२१ ॐ यमुनावरदात्रे नमः।
३२२ ॐ काश्यपस्य वरप्रदाय नमः।
३२३ ॐ शङ्खचूडवधोद्दामाय नमः।
३२४ ॐ गोपीरक्षणतत्पराय नमः।
३२५ ॐ पाञ्चजन्यकराय नमः।
३२६ ॐ रामिणे नमः।
३२७ ॐ त्रिरामिणे नमः।
३२८ ॐ वनजाय नमः।
३२९ ॐ जयाय नमः।
३३० ॐ फाल्गुनाय नमः।
३३१ ॐ फाल्गुनसखाय नमः।
३३२ ॐ विराधवधकारकाय नमः।

३३३ ॐ रुक्मिणीप्राणनाथाय नमः।
३३४ ॐ सत्यभामाप्रियङ्कराय नमः।
३३५ ॐ कल्पवृक्षाय नमः।
३३६ ॐ महावृक्षाय नमः।
३३७ ॐ दानवृक्षाय नमः।
३३८ ॐ महाफलाय नमः।
३३९ ॐ अंकुशाय नमः।
३४० ॐ भूसुराय नमः।
३४१ ॐ भामाय नमः।
३४२ ॐ भामकाय नमः।
३४३ ॐ भ्रामकाय नमः।
३४४ ॐ हरये नमः।
३४५ ॐ सरलाय नमः।
३४६ ॐ शाश्वताय नमः।
३४७ ॐ वीराय नमः।
३४८ ॐ यदुवंशिने नमः।
३४९ ॐ शिवात्मकाय नमः।
३५० ॐ प्रद्युम्नाय नमः।
३५१ ॐ बलकर्त्रे नमः।
३५२ ॐ प्रहर्त्रे नमः।
३५३ ॐ दैत्यघ्ने नमः।
३५४ ॐ प्रभवे नमः।
३५५ ॐ महाधनाय नमः।
३५६ ॐ महावीराय नमः।
३५७ ॐ वनमालाविभूषणाय नमः।
३५८ ॐ तुलसीदामशोभाढ्याय नमः।
३५९ ॐ जालन्धरविनाशनाय नमः।
३६० ॐ शूराय नमः।
३६१ ॐ सूर्याय नमः।
३६२ ॐ मृकण्डाय नमः।
३६३ ॐ भास्कराय नमः।
३६४ ॐ विश्वपूजिताय नमः।
३६५ ॐ रवये नमः।
३६६ ॐ तमोघ्ने नमः।
३६७ ॐ वह्नये नमः।
३६८ ॐ वाडवाय नमः।
३६९ ॐ वडवानलाय नमः।
३७० ॐ दैत्यदर्पविनाशिने नमः।
३७१ ॐ गरुडाय नमः।
३७२ ॐ गरुडाग्रजाय नमः।
३७३ ॐ गोपीनाथाय नमः।
३७४ ॐ महीनाथाय नमः।
३७५ ॐ वृन्दानाथाय नमः।
३७६ ॐ अवरोधकाय नमः।
३७७ ॐ प्रपञ्चिने नमः।
३७८ ॐ पञ्चरूपाय नमः।
३७९ ॐ लतागुल्माय नमः।
३८० ॐ गोपतये नमः।
३८१ ॐ गङ्गारूपाय नमः।
३८२ ॐ यमुनारूपाय नमः।
३८३ ॐ गोदारूपाय नमः।
३८४ ॐ वेत्रवतीरूपाय नमः।
३८५ ॐ कावेरीरूपाय नमः।
३८६ ॐ नर्मदारूपाय नमः।
३८७ ॐ तापीरूपाय नमः।
३८८ ॐ गण्डकीरूपाय नमः।

३८९ ॐ सरयूरूपाय नमः।
३९० ॐ राजसाय नमः।
३९१ ॐ तामसाय नमः।
३९२ ॐ सत्त्विने नमः।
३९३ ॐ सर्वाङ्गिणे नमः।
३९४ ॐ सर्वलोचनाय नमः।
३९५ ॐ सुधामयाय नमः।
३९६ ॐ अमृतमयाय नमः।
३९७ ॐ योगिनीवल्लभाय नमः।
३९८ ॐ शिवाय नमः।
३९९ ॐ बुद्धाय नमः।
४०० ॐ बुद्धिमतां श्रेष्ठाय नमः।
४०१ ॐ विष्णवे नमः।
४०२ ॐ जिष्णवे नमः।
४०३ ॐ शचीपतये नमः।
४०४ ॐ वंशिने नमः।
४०५ ॐ वंशधराय नमः।
४०६ ॐ लोकाय नमः।
४०७ ॐ विलोकाय नमः।
४०८ ॐ मोहनाशनाय नमः।
४०९ ॐ रवरावाय नमः।
४१० ॐ रवाय नमः।
४११ ॐ रावाय नमः।
४१२ ॐ बालाय नमः।
४१३ ॐ बालबलाहकाय नमः।
४१४ ॐ शिवाय नमः।
४१५ ॐ रुद्राय नमः।
४१६ ॐ नलाय नमः।
४१७ ॐ नीलाय नमः।
४१८ ॐ लाङ्गलिने नमः।
४१९ ॐ लाङ्गलाश्रयाय नमः।
४२० ॐ पारदाय नमः।
४२१ ॐ पावनाय नमः।
४२२ ॐ हंसाय नमः।
४२३ ॐ हंसारूढाय नमः।
४२४ ॐ जगत्पतये नमः।
४२५ ॐ मोहिनीमोहनाय नमः।
४२६ ॐ मायिने नमः।
४२७ ॐ महामायाय नमः।
४२८ ॐ महामखिने नमः।
४२९ ॐ वृषाय नमः।
४३० ॐ वृषाकपये नमः।
४३१ ॐ कालाय नमः।
४३२ ॐ कालीदमनकारकाय नमः।
४३३ ॐ कुब्जाभाग्यप्रदाय नमः।
४३४ ॐ वीराय नमः।
४३५ ॐ रजकक्षयकारकाय नमः।
४३६ ॐ कोमलाय नमः।
४३७ ॐ वारुणाय नमः।
४३८ ॐ राज्ञे नमः।
४३९ ॐ जलजाय नमः।
४४० ॐ जलधारकाय नमः।
४४१ ॐ हारकाय नमः।
४४२ ॐ सर्वपापघ्नाय नमः।
४४३ ॐ परमेष्ठिने नमः।
४४४ ॐ पितामहाय नमः।

४४५ ॐ खड्गधारिणे नमः।
४४६ ॐ कृपाकारिणे नमः।
४४७ ॐ राधारमणसुन्दराय नमः।
४४८ ॐ द्वादशारण्यसम्भोगिने नमः।
४४९ ॐ शेषनागफणालयाय नमः।
४५० ॐ कामाय नमः।
४५१ ॐ श्यामाय नमः।
४५२ ॐ सुखाय नमः।
४५३ ॐ श्रीदाय नमः।
४५४ ॐ श्रीपतये नमः।
४५५ ॐ श्रीनिधये नमः।
४५६ ॐ कृतये नमः।
४५७ ॐ हरये नमः।
४५८ ॐ हराय नमः।
४५९ ॐ नराय नमः।
४६० ॐ नाराय नमः।
४६१ ॐ नरोत्तमाय नमः।
४६२ ॐ इषुप्रियाय नमः।
४६३ ॐ गोपालीचित्तहर्त्रे नमः।
४६४ ॐ कर्त्रे नमः।
४६५ ॐ संसारतारकाय नमः।
४६६ ॐ आदिदेवाय नमः।
४६७ ॐ महादेवाय नमः।
४६८ ॐ गौरीगुरवे नमः।
४६९ ॐ अनाश्रयाय नमः।
४७० ॐ साधवे नमः।
४७१ ॐ मधवे नमः।
४७२ ॐ विधवे नमः।
४७३ ॐ धात्रे नमः।
४७४ ॐ भ्रात्रे नमः।
४७५ ॐ क्रूरपरायणाय नमः।
४७६ ॐ रोलम्बिने नमः।
४७७ ॐ हयग्रीवाय नमः।
४७८ ॐ वानरारये नमः।
४७९ ॐ वनाश्रयाय नमः।
४८० ॐ वनाय नमः।
४८१ ॐ वनिने नमः।
४८२ ॐ वनाध्यक्षाय नमः।
४८३ ॐ महावन्द्याय नमः।
४८४ ॐ महामुनये नमः।
४८५ ॐ स्यमन्तकमणिप्राज्ञाय नमः।
४८६ ॐ विज्ञाय नमः।
४८७ ॐ विघ्नविघातकाय नमः।
४८८ ॐ गोवर्द्धनाय नमः।
४८९ ॐ वर्द्धनीयाय नमः।
४९० ॐ वर्द्धन्यै नमः।
४९१ ॐ वर्द्धनप्रियाय नमः।
४९२ ॐ वर्द्धन्याय नमः।
४९३ ॐ वर्द्धनाय नमः।
४९४ ॐ वर्द्धिने नमः।
४९५ ॐ वार्द्धिन्याय नमः।
४९६ ॐ सुमुखप्रियाय नमः।
४९७ ॐ वर्द्धिताय नमः।
४९८ ॐ वृद्धकाय नमः।
४९९ ॐ वृद्धाय नमः।
५०० ॐ वृन्दारकजनप्रियाय नमः।

५०१ ॐ गोपालरमणीभर्त्रे नमः।
५०२ ॐ साम्बकुष्ठविनाशनाय नमः।
५०३ ॐ रुक्मिणीहरणाय नमः।
५०४ ॐ प्रेम्णे नमः।
५०५ ॐ प्रेमिणे नमः।
५०६ ॐ चन्द्रावलीपतये नमः।
५०७ ॐ श्रीकर्त्रे नमः।
५०८ ॐ विश्वभर्त्रे नमः।
५०९ ॐ नराय नमः।
५१० ॐ नारायणाय नमः।
५११ ॐ बलिने नमः।
५१२ ॐ गणाय नमः।
५१३ ॐ गणपतये नमः।
५१४ ॐ दत्तात्रेयाय नमः।
५१५ ॐ महामुनये नमः।
५१६ ॐ व्यासाय नमः।
५१७ ॐ नारायणाय नमः।
५१८ ॐ दिव्याय नमः।
५१९ ॐ भव्याय नमः।
५२० ॐ भावुकधारकाय नमः।
५२१ ॐ स्वःश्रेयसे नमः।
५२२ ॐ शिवाय नमः।
५२३ ॐ भद्राय नमः।
५२४ ॐ भावुकाय नमः।
५२५ ॐ भविकाय नमः।
५२६ ॐ शुभाय नमः।
५२७ ॐ शुभात्मकाय नमः।
५२८ ॐ शुभाय नमः।
५२९ ॐ शास्त्रे नमः।
५३० ॐ प्रशास्त्रे नमः।
५३१ ॐ मेघनादघ्ने नमः।
५३२ ॐ ब्रह्मण्यदेवाय नमः।
५३३ ॐ दीनानामुद्धारकरणक्षमाय नमः।
५३४ ॐ कृष्णाय नमः।
५३५ ॐ कमलपत्राक्षाय नमः।
५३६ ॐ कृष्णाय नमः।
५३७ ॐ कमललोचनाय नमः।
५३८ ॐ कृष्णाय नमः।
५३९ ॐ कामिने नमः।
५४० ॐ सदाकृष्णाय नमः।
५४१ ॐ समस्तप्रियकारकाय नमः।
५४२ ॐ नन्दाय नमः।
५४३ ॐ नन्दिने नमः।
५४४ ॐ महानन्दिने नमः।
५४५ ॐ मादिने नमः।
५४६ ॐ मादनकाय नमः।
५४७ ॐ किलिने नमः।
५४८ ॐ मिलिने नमः।
५४९ ॐ हिलिने नमः।
५५० ॐ गिलिने नमः।
५५१ ॐ गोलिने नमः।
५५२ ॐ गोलाय नमः।
५५३ ॐ गोलालयाय नमः।
५५४ ॐ गुलिने नमः।
५५५ ॐ गुग्गुलिने नमः।
५५६ ॐ मारकिने नमः।

५५७ ॐ शाखिने नमः।
५५८ ॐ वटाय नमः।
५५९ ॐ पिप्पलकाय नमः।
५६० ॐ कृतिने नमः।
५६१ ॐ म्लेच्छघ्ने नमः।
५६२ ॐ कालहर्त्रे नमः।
५६३ ॐ यशोदायशसे नमः।
५६४ ॐ अच्युताय नमः।
५६५ ॐ केशवाय नमः।
५६६ ॐ विष्णवे नमः।
५६७ ॐ हरये नमः।
५६८ ॐ सत्याय नमः।
५६९ ॐ जनार्दनाय नमः।
५७० ॐ हंसाय नमः।
५७१ ॐ नारायणाय नमः।
५७२ ॐ लीलाय नमः।
५७३ ॐ नीलाय नमः।
५७४ ॐ भक्तिपरायणाय नमः।
५७५ ॐ जानकीवल्लभाय नमः।
५७६ ॐ रामाय नमः।
५७७ ॐ विरामाय नमः।
५७८ ॐ विघ्ननाशनाय नमः।
५७९ ॐ सहस्त्रांशवे नमः।
५८० ॐ महाभानवे नमः।
५८१ ॐ वीरबाहवे नमः।
५८२ ॐ महोदधये नमः।
५८३ ॐ समुद्राय नमः।
५८४ ॐ अब्धये नमः।
५८५ ॐ अकूपाराय नमः।
५८६ ॐ पारावाराय नमः।
५८७ ॐ सरित्पतये नमः।
५८८ ॐ गोकुलानन्दकारिणे नमः।
५८९ ॐ प्रतिज्ञापरिपालकाय नमः।
५९० ॐ सदारामाय नमः।
५९१ ॐ कृपारामाय नमः।
५९२ ॐ महारामाय नमः।
५९३ ॐ धनुर्धराय नमः।
५९४ ॐ पर्वताय नमः।
५९५ ॐ पर्वताकाराय नमः।
५९६ ॐ गयाय नमः।
५९७ ॐ गेयाय नमः।
५९८ ॐ द्विजप्रियाय नमः।
५९९ ॐ कम्बलाश्वतराय नमः।
६०० ॐ रामाय नमः।
६०१ ॐ रामायणप्रवर्तकाय नमः।
६०२ ॐ दिवे नमः।
६०३ ॐ दिवाय नमः।
६०४ ॐ दिवसाय नमः।
६०५ ॐ दिव्याय नमः।
६०६ ॐ भव्याय नमः।
६०७ ॐ भाविभयापहाय नमः।
६०८ ॐ पार्वतीभाग्यसहिताय नमः।
६०९ ॐ भ्रात्रे नमः।
६१० ॐ लक्ष्मीविलासवते नमः।
६११ ॐ विलासिने नमः।
६१२ ॐ साहसिने नमः।

६१३ ॐ सर्विणे नमः।
६१४ ॐ गर्विणे नमः।
६१५ ॐ गर्वितलोचनाय नमः।
६१६ ॐ मुरारये नमः।
६१७ ॐ लोकधर्मज्ञाय नमः।
६१८ ॐ जीवनाय नमः।
६१९ ॐ जीवनान्तकाय नमः।
६२० ॐ यमाय नमः।
६२१ ॐ यमारये नमः।
६२२ ॐ यमनाय नमः।
६२३ ॐ यामिने नमः।
६२४ ॐ यामविधायकाय नमः।
६२५ ॐ वंसुलिने नमः।
६२६ ॐ पांसुलिने नमः।
६२७ ॐ पांसवे नमः।
६२८ ॐ पाण्डवे नमः।
६२९ ॐ अर्जुनवल्लभाय नमः।
६३० ॐ ललिताचन्द्रिकामालिने नमः।
६३१ ॐ मालिने नमः।
६३२ ॐ मालाम्बुजाश्रयाय नमः।
६३३ ॐ अम्बुजाक्षाय नमः।
६३४ ॐ महायक्षाय नमः।
६३५ ॐ दक्षाय नमः।
६३६ ॐ चिन्तामणये नमः।
६३७ ॐ प्रभवे नमः।
६३८ ॐ मणये नमः।
६३९ ॐ दिनमणये नमः।
६४० ॐ केदाराय नमः।
६४१ ॐ बदराश्रयाय नमः।
६४२ ॐ बदरीवनसम्प्रीताय नमः।
६४३ ॐ व्यासाय नमः।
६४४ ॐ सत्यवतीसुताय नमः।
६४५ ॐ अमरारिनिहन्त्रे नमः।
६४६ ॐ सुधासिन्धवे नमः।
६४७ ॐ विधूदयाय नमः।
६४८ ॐ चन्द्राय नमः।
६४९ ॐ रवये नमः।
६५० ॐ शिवाय नमः।
६५१ ॐ शूलिने नमः।
६५२ ॐ चक्रिणे नमः।
६५३ ॐ गदाधराय नमः।
६५४ ॐ श्रीकर्त्रे नमः।
६५५ ॐ श्रीपतये नमः।
६५६ ॐ श्रीदाय नमः।
६५७ ॐ श्रीदेवाय नमः।
६५८ ॐ देवकीसुताय नमः।
६५९ ॐ श्रीपतये नमः।
६६० ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
६६१ ॐ पद्मनाभाय नमः।
६६२ ॐ जगत्पतये नमः।
६६३ ॐ वासुदेवाय नमः।
६६४ ॐ अप्रमेयात्मने नमः।
६६५ ॐ केशवाय नमः।
६६६ ॐ गरुडध्वजाय नमः।
६६७ ॐ नारायणाय नमः।
६६८ ॐ परस्मै धाम्ने नमः।

६६९ ॐ देवदेवाय नमः।
६७० ॐ महेश्वराय नमः।
६७१ ॐ चक्रपाणये नमः।
६७२ ॐ कलापूर्णाय नमः।
६७३ ॐ वेदवेद्याय नमः।
६७७ ॐ दयानिधये नमः।
६७५ ॐ भगवते नमः।
६७६ ॐ सर्वभूतेशाय नमः।
६७७ ॐ गोपालाय नमः।
६७८ ॐ सर्वपालकाय नमः।
६७९ ॐ अनन्ताय नमः।
६८० ॐ निर्गुणाय नमः।
६८१ ॐ अनन्ताय नमः।
६८२ ॐ निर्विकल्पाय नमः।
६८३ ॐ निरञ्जनाय नमः।
६८४ ॐ निराधाराय नमः।
६८५ ॐ निराकाराय नमः।
६८६ ॐ निराभासाय नमः।
६८७ ॐ निराश्रयाय नमः।
६८८ ॐ पुरुषाय नमः।
६८९ ॐ प्रणवातीताय नमः।
६९० ॐ मुकुन्दाय नमः।
६९१ ॐ परमेश्वराय नमः।
६९२ ॐ क्षणावनये नमः।
६९३ ॐ सार्वभौमाय नमः।
६९४ ॐ वैकुण्ठाय नमः।
६९५ ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
६९६ ॐ विष्णवे नमः।
६९७ ॐ दामोदराय नमः।
६९८ ॐ कृष्णाय नमः।
६९९ ॐ माधवाय नमः।
७०० ॐ मथुरापतये नमः।
७०१ ॐ देवकीगर्भसम्भूताय नमः।
७०२ ॐ यशोदावत्सलाय नमः।
७०३ ॐ हरये नमः।
७०४ ॐ शिवाय नमः।
७०५ ॐ संकर्षणाय नमः।
७०६ ॐ शम्भवे नमः।
७०७ ॐ भूतनाथाय नमः।
७०८ ॐ दिवस्पतये नमः।
७०९ ॐ अव्ययाय नमः।
७१० ॐ सर्वधर्मज्ञाय नमः।
७११ ॐ निर्मलाय नमः।
७१२ ॐ निरुपद्रवाय नमः।
७१३ ॐ निर्वाणनायकाय नमः।
७१४ ॐ नित्याय नमः।
७१५ ॐ नीलजीमूतसंनिभाय नमः।
७१६ ॐ कलाक्षयाय नमः।
७१७ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
७१८ ॐ कमलारूपतत्पराय नमः।
७१९ ॐ हृषीकेशाय नमः।
७२० ॐ पीतवाससे नमः।
७२१ ॐ वसुदेवप्रियात्मजाय नमः।
७२२ ॐ नन्दगोपकुमारार्याय नमः।
७२३ ॐ नवनीताशनाय नमः।
७२४ ॐ प्रभवे नमः।

७२५ ॐ पुराणपुरुषाय नमः।
७२६ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
७२७ ॐ शङ्खपाणये नमः।
७२८ ॐ सुविक्रमाय नमः।
७२९ ॐ अनिरुद्धाय नमः।
७३० ॐ चक्ररथाय नमः।
७३१ ॐ शार्ङ्गपाणये नमः।
७३२ ॐ चतुर्भुजाय नमः।
७३३ ॐ गदाधराय नमः।
७३४ ॐ सुरार्तिघ्नाय नमः।
७३५ ॐ गोविन्दाय नमः।
७३६ ॐ नन्दकायुधाय नमः।
७३७ ॐ वृन्दावनचराय नमः।
७३८ ॐ शौरये नमः।
७३९ ॐ वेणुवाद्यविशारदाय नमः।
७४० ॐ तृणावर्तान्तकाय नमः।
७४१ ॐ भीमाय नमः।
७४२ ॐ साहसाय नमः।
७४३ ॐ बहुविक्रमाय नमः।
७४४ ॐ शकटासुरसंहारिणे नमः।
७४५ ॐ बकासुरविनाशनाय नमः।
७४६ ॐ धेनुकासुरसंघाताय नमः।
७४७ ॐ पूतनारये नमः।
७४८ ॐ नृकेसरिणे नमः।
७४९ ॐ पितामहाय नमः।
७५० ॐ गुरवे नमः।
७५१ ॐ साक्षिणे नमः।
७५२ ॐ प्रत्यगात्मने नमः।
७५३ ॐ सदाशिवाय नमः।
७५४ ॐ अप्रमेयाय नमः।
७५५ ॐ प्रभवे नमः।
७५६ ॐ प्राज्ञाय नमः।
७५७ ॐ अप्रतर्क्याय नमः।
७५८ ॐ स्वप्नवर्द्धनाय नमः।
७५९ ॐ धन्याय नमः।
७६० ॐ मान्याय नमः।
७६१ ॐ भवाय नमः।
७६२ ॐ भावाय नमः।
७६३ ॐ धीराय नमः।
७६४ ॐ शान्ताय नमः।
७६५ ॐ जगद्गुरवे नमः।
७६६ ॐ अन्तर्यामिणे नमः।
७६७ ॐ ईश्वराय नमः।
७६८ ॐ दिव्याय नमः।
७६९ ॐ दैवज्ञाय नमः।
७७० ॐ देवतागुरवे नमः।
७७१ ॐ क्षीराब्धिशयनाय नमः।
७७२ ॐ धात्रे नमः।
७७३ ॐ लक्ष्मीवते नमः।
७७४ ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः।
७७५ ॐ धात्रीपतये नमः।
७७६ ॐ अमेयात्मने नमः।
७७७ ॐ चन्द्रशेखरपूजिताय नमः।
७७८ ॐ लोकसाक्षिणे नमः।
७७९ ॐ जगच्चक्षुषे नमः।
७८० ॐ पुण्यचारित्रकीर्तनाय नमः।

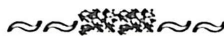
७८१ ॐ कोटिमन्मथसौन्दर्याय नमः।
७८२ ॐ जगन्मोहनविग्रहाय नमः।
७८३ ॐ मन्दस्मिततमाय नमः।
७८४ ॐ गोपाय नमः।
७८५ ॐ गोपिकापरिवेष्टिताय नमः।
७८६ ॐ फुल्लारविन्दनयनाय नमः।
७८७ ॐ चाणूरान्ध्रनिषूदनाय नमः।
७८८ ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः।
७८९ ॐ बर्हिबर्हावतंसकाय नमः।
७९० ॐ मुरलीनिनदाह्लादाय नमः।
७९१ ॐ दिव्यमाल्याम्बराश्रयाय नमः।
७९२ ॐ सुकपोलयुगाय नमः।
७९३ ॐ सुभ्रूयुगलाय नमः।
७९४ ॐ सुललाटकाय नमः।
७९५ ॐ कम्बुग्रीवाय नमः।
७९६ ॐ विशालाक्षाय नमः।
७९७ ॐ लक्ष्मीवते नमः।
७९८ ॐ शुभलक्षणाय नमः।
७९९ ॐ पीनवक्षसे नमः।
८०० ॐ चतुर्बाहवे नमः।
८०१ ॐ चतुर्मूर्तये नमः।
८०२ ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
८०३ ॐ कलङ्करहिताय नमः।
८०४ ॐ शुद्धाय नमः।
८०५ ॐ दुष्टशत्रुनिबर्हणाय नमः।
८०६ ॐ किरीटकुण्डलधराय नमः।
८०७ ॐ कटकाङ्गदमण्डिताय नमः।
८०८ ॐ मुद्रिकाभरणोपेताय नमः।
८०९ ॐ कटिसूत्रविराजिताय नमः।
८१० ॐ मञ्जीररञ्जितपदाय नमः।
८११ ॐ सर्वाभरणभूषिताय नमः।
८१२ ॐ विन्यस्तपादयुगलाय नमः।
८१३ ॐ दिव्यमङ्गलविग्रहाय नमः।
८१४ ॐ गोपिकानयनानन्दाय नमः।
८१५ ॐ पूर्णचन्द्रनिभाननाय नमः।
८१६ ॐ समस्तजगदानन्दाय नमः।
८१७ ॐ सुन्दराय नमः।
८१८ ॐ लोकनन्दनाय नमः।
८१९ ॐ यमुनातीरसञ्चारिणे नमः।
८२० ॐ राधामन्मथवैभवाय नमः।
८२१ ॐ गोपनारीप्रियाय नमः।
८२२ ॐ दान्ताय नमः।
८२३ ॐ गोपीवस्त्रापहारकाय नमः।
८२४ ॐ शृङ्गारमूर्तये नमः।
८२५ ॐ श्रीधाम्ने नमः।
८२६ ॐ तारकाय नमः।
८२७ ॐ मूलकारणाय नमः।
८२८ ॐ सृष्टिसंरक्षणोपायाय नमः।
८२९ ॐ क्रूरासुरविभञ्जनाय नमः।
८३० ॐ नरकासुरहारिणे नमः।
८३१ ॐ मुरारये नमः।
८३२ ॐ वैरिमर्दनाय नमः।
८३३ ॐ आदितेयप्रियाय नमः।
८३४ ॐ दैत्यभीकराय नमः।
८३५ ॐ इन्दुशेखराय नमः।
८३६ ॐ जरासन्धकुलध्वंसिने नमः।

८३७ ॐ कंसारातये नमः।
८३८ ॐ सुविक्रमाय नमः।
८३९ ॐ पुण्यश्लोकाय नमः।
८४० ॐ कीर्तनीयाय नमः।
८४१ ॐ यादवेन्द्राय नमः।
८४२ ॐ जगन्नुताय नमः।
८४३ ॐ रुक्मिणीरमणाय नमः।
८४४ ॐ सत्यभामाजाम्बवतीप्रियाय नमः।
८४५ ॐ मित्रविन्दानाग्नजितीलक्ष्मणासमुपासिताय नमः।
८४६ ॐ सुधाकरकुले जाताय नमः।
८४७ ॐ अनन्तप्रबलविक्रमाय नमः।
८४८ ॐ सर्वसौभाग्यसम्पन्नाय नमः।
८४९ ॐ द्वारकायामुपस्थिताय नमः।
८५० ॐ भद्रासूर्यसुतानाथाय नमः।
८५१ ॐ लीलामानुषविग्रहाय नमः।
८५२ ॐ सहस्त्रषोडशस्त्रीशाय नमः।
८५३ ॐ भोगमोक्षैकदायकाय नमः।
८५४ ॐ वेदान्तवेद्याय नमः।
८५५ ॐ संवेद्याय नमः।
८५६ ॐ वैद्यब्रह्माण्डनायकाय नमः।
८५७ ॐ गोवर्द्धनधराय नमः।
८५८ ॐ नाथाय नमः।
८५९ ॐ सर्वजीवदयापराय नमः।
८६० ॐ मूर्तिमते नमः।
८६१ ॐ सर्वभूतात्मने नमः।
८६२ ॐ आर्तत्राणपरायणाय नमः।
८६३ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
८६४ ॐ सर्वसुलभाय नमः।
८६५ ॐ सर्वशास्त्रविशारदाय नमः।
८६६ ॐ षड्गुणैश्वर्यसम्पन्नाय नमः।
८६७ ॐ पूर्णकामाय नमः।
८६८ ॐ धुरन्धराय नमः।
८६९ ॐ महानुभावाय नमः।
८७० ॐ कैवल्यदायकाय नमः।
८७१ ॐ लोकनायकाय नमः।
८७२ ॐ आदिमध्यान्तरहिताय नमः।
८७३ ॐ शुद्धसात्त्विकविग्रहाय नमः।
८७४ ॐ असमानाय नमः।
८७५ ॐ समस्तात्मने नमः।
८७६ ॐ शरणागतवत्सलाय नमः।
८७७ ॐ उत्पत्तिस्थितिसंहारकारणाय नमः।
८७८ ॐ सर्वकारणाय नमः।
८७९ ॐ गम्भीराय नमः।
८८० ॐ सर्वभावज्ञाय नमः।
८८१ ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः।
८८२ ॐ विष्वक्सेनाय नमः।
८८३ ॐ सत्यसन्धाय नमः।
८८४ ॐ सत्यवते नमः।
८८५ ॐ सत्यविक्रमाय नमः।
८८६ ॐ सत्यव्रताय नमः।
८८७ ॐ सत्यसंज्ञाय नमः।
८८८ ॐ सर्वधर्मपरायणाय नमः।
८८९ ॐ आपन्नार्तिप्रशमनाय नमः।
८९० ॐ द्रौपदीमानरक्षकाय नमः।
८९१ ॐ कन्दर्पजनकाय नमः।
८९२ ॐ प्राज्ञाय नमः।
८९३ ॐ जगन्नाटकवैभवाय नमः।
८९४ ॐ भक्तिवश्याय नमः।
८९५ ॐ गुणातीताय नमः।

८९६ ॐ सर्वैश्वर्यप्रदायकाय नमः।
८९७ ॐ दमघोषसुतद्वेषिणे नमः।
८९८ ॐ बाणबाहुविखण्डनाय नमः।
८९९ ॐ भीष्मभक्तिप्रदाय नमः।
९०० ॐ दिव्याय नमः।
९०१ ॐ कौरवान्वयनाशनाय नमः।
९०२ ॐ कौन्तेयप्रियबन्धवे नमः।
९०३ ॐ पार्थस्यन्दनसारथये नमः।
९०४ ॐ नारसिंहाय नमः।
९०५ ॐ महावीराय नमः।
९०६ ॐ स्तम्भजाताय नमः।
९०७ ॐ महाबलाय नमः।
९०८ ॐ प्रह्लादवरदाय नमः।
९०९ ॐ सत्याय नमः।
९१० ॐ देवपूज्याय नमः।
९११ ॐ अभयङ्कराय नमः।
९१२ ॐ उपेन्द्राय नमः।
९१३ ॐ इन्द्रावरजाय नमः।
९१४ ॐ वामनाय नमः।
९१५ ॐ बलिबन्धनाय नमः।
९१६ ॐ गजेन्द्रवरदाय नमः।
९१७ ॐ स्वामिने नमः।
९१८ ॐ सर्वदेवनमस्कृताय नमः।
९१९ ॐ शेषपर्यङ्कशयनाय नमः।
९२० ॐ वैनतेयरथाय नमः।
९२१ ॐ जयिने नमः।
९२२ ॐ अव्याहतबलैश्वर्यसम्पन्नाय नमः।
९२३ ॐ पूर्णमानसाय नमः।
९२४ ॐ योगेश्वरेश्वराय नमः।
९२५ ॐ साक्षिणे नमः।
९२६ ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः।
९२७ ॐ ज्ञानदायकाय नमः।
९२८ ॐ योगिहृत्पङ्कजावासाय नमः।
९२९ ॐ योगमायासमन्विताय नमः।
९३० ॐ नादबिन्दुकलातीताय नमः।
९३१ ॐ चतुर्वर्गफलप्रदाय नमः।
९३२ ॐ सुषुम्णामार्गसञ्चारिणे नमः।
९३३ ॐ देहस्यान्तरसंस्थिताय नमः।
९३४ ॐ देहेन्द्रियमनःप्राणसाक्षिणे नमः।
९३५ ॐ चेतः प्रसादकाय नमः।
९३६ ॐ सूक्ष्माय नमः।
९३७ ॐ सर्वगताय नमः।
९३८ ॐ देहिने नमः।
९३९ ॐ ज्ञानदर्पणगोचराय नमः।
९४० ॐ तत्त्वत्रयात्मकाय नमः।
९४१ ॐ अव्यक्ताय नमः।
९४२ ॐ कुण्डलीसमुपाश्रिताय नमः।
९४३ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
९४४ ॐ सर्वधर्मज्ञाय नमः।
९४५ ॐ शान्ताय नमः।
९४६ ॐ दान्ताय नमः।
९४७ ॐ गतक्लमाय नमः।
९४८ ॐ श्रीनिवासाय नमः।
९४९ ॐ सदानन्दाय नमः।
९५० ॐ विश्वमूर्तये नमः।
९५१ ॐ महाप्रभवे नमः।
९५२ ॐ सहस्त्रशीर्ष्णे नमः।
९५३ ॐ पुरुषाय नमः।
९५४ ॐ सहस्त्राक्षाय नमः।

९५५ ॐ सहस्त्रपदे नमः।
९५६ ॐ समस्तभुवनाधाराय नमः।
९५७ ॐ समस्तप्राणरक्षकाय नमः।
९५८ ॐ समस्तसर्वभावज्ञाय नमः।
९५९ ॐ गोपिकाप्राणवल्लभाय नमः।
९६० ॐ नित्योत्सवाय नमः।
९६१ ॐ नित्यसौख्याय नमः।
९६२ ॐ नित्यश्रिये नमः।
९६३ ॐ नित्यमङ्गलाय नमः।
९६४ ॐ व्यूहार्चिताय नमः।
९६५ ॐ जगन्नाथाय नमः।
९६६ ॐ श्रीवैकुण्ठपुराधिपाय नमः।
९६७ ॐ पूर्णानन्दघनीभूताय नमः।
९६८ ॐ गोपवेषधराय नमः।
९६९ ॐ हरये नमः।
९७० ॐ कलापकुसुमश्यामाय नमः।
९७१ ॐ कोमलाय नमः।
९७२ ॐ शान्तविग्रहाय नमः।
९७३ ॐ गोपाङ्गनावृताय नमः।
९७४ ॐ अनन्ताय नमः।
९७५ ॐ वृन्दावनसमाश्रयाय नमः।
९७६ ॐ वेणुवादरताय नमः।
९७७ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
९७८ ॐ देवानां हितकारकाय नमः।
९७९ ॐ बालक्रीडासमासक्ताय नमः।
९८० ॐ नवनीतस्य तस्कराय नमः।
९८१ ॐ गोपालकामिनीजाराय नमः।
९८२ ॐ चोरजारशिखामणये नमः।
९८३ ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः।
९८४ ॐ पराकाशाय नमः।
९८५ ॐ परावासाय नमः।
९८६ ॐ परिस्फुटाय नमः।
९८७ ॐ अष्टादशाक्षराय नमः।
९८८ ॐ मन्त्राय नमः।
९८९ ॐ व्यापकाय नमः।
९९० ॐ लोकपावनाय नमः।
९९१ ॐ सप्तकोटिमहामन्त्रशेखराय नमः।
९९२ ॐ देवशेखराय नमः।
९९३ ॐ विज्ञानज्ञानसन्धानाय नमः।
९९४ ॐ तेजोराशये नमः।
९९५ ॐ जगत्पतये नमः।
९९६ ॐ भक्तलोकप्रसन्नात्मने नमः।
९९७ ॐ भक्तमन्दारविग्रहाय नमः।
९९८ ॐ भक्तदारिद्र्यदमनाय नमः।
९९९ ॐ भक्तानां प्रीतिदायकाय नमः।
१००० ॐ भक्ताधीनमनसे नमः।
१००१ ॐ पूज्याय नमः।
१००२ ॐ भक्तलोकशिवङ्कराय नमः।
१००३ ॐ भक्ताभीष्टप्रदाय नमः।
१००४ ॐ सर्वभक्ताघौघनिकृन्तनाय नमः।
१००५ ॐ अपारकरुणासिन्धवे नमः।
१००६ ॐ भगवते नमः।
१००७ ॐ भक्ततत्पराय नमः।

॥ इति श्रीसम्मोहनतन्त्रे पार्वतीश्वरसंवादे श्रीगोपालसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीराधाकृष्णाभ्यां नमः ॥

श्रीराधाकृष्णसहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

स्वभावतोऽपास्तसमस्तदोष-
मशेषकल्याणगुणैकराशिम् ।
व्यूहाङ्गिनं ब्रह्म परं वरेण्यं
ध्यायेम कृष्णं कमलेक्षणं हरिम् ॥
अङ्गे तु वामे वृषभानुजां मुदा
विराजमानामनुरूपसौभगाम् ।
सखीसहस्रैः परिसेवितां सदा
स्मरेम देवीं सकलेष्टकामदाम् ॥ *

सनत्कुमार उवाच

ततस्त्वं नारद पुनः पृष्टवान् वै सदाशिवम् ।
नाम्नां सहस्रं तच्चापि प्रोक्तवांस्तच्छृणुष्व मे ।

---

* 'जो स्वभावसे ही समस्त दोषोंसे निर्लिप्त हैं अर्थात् सात्त्विक, राजस और तामस—इन प्राकृतिक हेय गुणोंसे परे हैं और एकमात्र समस्त दिव्य कल्याणकारी गुणोंकी राशि हैं एवं वासुदेव, संकर्षण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध—इन चारों व्यूहोंके अङ्गीस्वरूप हैं तथा जिनके नेत्र कमल-सदृश हैं, जो समस्त पापोंको हरण करनेवाले हैं, ऐसे सर्वनियन्ता, सर्वाधार, सर्वव्यापक, सर्वान्तर्यामी, सर्वोपास्य, सर्वेश्वर भगवान् श्रीकृष्णका हम ध्यान करते हैं। साथ ही उन भगवान् श्रीकृष्णचन्द्रके समान गुण और स्वरूपवाली एवं उनके वामाङ्गमें प्रसन्नतापूर्वक विराजमान सहस्रों सखियोंद्वारा सदा सेव्यमान भिन्ना-भिन्नात्मिका भगवान्‌की दिव्य आह्लादिनी चिच्छक्ति एवं अपने अनन्य भक्तोंको भुक्ति-मुक्ति आदि समस्त मनोवाञ्छित कामनाओंको देनेवाली श्रीवृषभानुनन्दिनी श्रीराधिकाजीका हम सदा-सर्वदा स्मरण करते हैं।'

ध्यात्वा वृन्दावने रम्ये यमुनातीरसंगतम्॥
कल्पवृक्षं समाश्रित्य तिष्ठन्तं राधिकायुतम्।
पठेन्नामसहस्त्रं तु युगलाख्यं महामुने॥

स्तोत्रम्

देवकीनन्दनः शौरिर्वासुदेवो बलानुजः।
गदाग्रजः कंसमोहः कंससेवकमोहनः॥ १॥
भिन्नार्गलो भिन्नलोहः पितृबाह्यः पितृस्तुतः।
मातृस्तुतः शिवध्येयो यमुनाजलभेदनः॥ २॥
व्रजवासी व्रजानन्दी नन्दबालो दयानिधिः।
लीलाबालः पद्मनेत्रो गोकुलोत्सव ईश्वरः॥ ३॥
गोपिकानन्दनः कृष्णो गोपानन्दः सतां गतिः।
बकप्राणहरो विष्णुर्बकमुक्तिप्रदो हरिः॥ ४॥
बलदोलाशयशयः श्यामलः सर्वसुन्दरः।
पद्मनाभो हृषीकेशः क्रीडामनुजबालकः॥ ५॥
लीलाविध्वस्तशकटो वेदमन्त्राभिषेचितः।
यशोदानन्दनः कान्तो मुनिकोटिनिषेवितः॥ ६॥
नित्यं मधुवनावासी वैकुण्ठः सम्भवः क्रतुः।
रमापतिर्यदुपतिर्मुरारिर्मधुसूदनः॥ ७॥
माधवो मानहारी च श्रीपतिर्भूधरः प्रभुः।
बृहद्वनमहालीलो नन्दसूनुर्महासनः॥ ८॥
तृणावर्तप्राणहारी यशोदाविस्मयप्रदः।
त्रैलोक्यवक्त्रः पद्माक्षः पद्महस्तः प्रियङ्करः॥ ९॥

ब्रह्मण्यो धर्मगोप्ता च भूपतिः श्रीधरः स्वराट्।
अजाध्यक्षः शिवाध्यक्षो धर्माध्यक्षो महेश्वरः॥ १०॥
वेदान्तवेद्यो ब्रह्मस्थः प्रजापतिरमोघदृक्।
गोपीकरावलम्बी च गोपबालकसुप्रियः॥ ११॥
बलानुयायी बलवान् श्रीदामप्रिय आत्मवान्।
गोपीगृहाङ्गणरतिर्भद्रः सुश्लोकमङ्गलः॥ १२॥
नवनीतहरो बालो नवनीतप्रियाशनः।
बालवृन्दी मर्कवृन्दी चकिताक्षः पलायितः॥ १३॥
यशोदातर्जितः कम्पी मायारुदितशोभनः।
दामोदरोऽप्रमेयात्मा दयालुर्भक्तवत्सलः॥ १४॥
सुबद्धोलूखलो नम्रशिरा गोपीकदर्थितः।
वृक्षभङ्गी शोकभङ्गी धनदात्मजमोक्षणः॥ १५॥
देवर्षिवचनश्लाघी भक्तवात्सल्यसागरः।
व्रजकोलाहलकरो व्रजानन्दविवर्धनः॥ १६॥
गोपात्मा प्रेरकः साक्षी वृन्दावननिवासकृत्।
वत्सपालो वत्सपतिर्गोपदारकमण्डनः॥ १७॥
बालक्रीडो बालरतिर्बालकः कनकाङ्गदी।
पीताम्बरो हेममाली मणिमुक्ताविभूषणः॥ १८॥
किङ्किणीकटकी सूत्री नूपुरी मुद्रिकान्वितः।
वत्सासुरपतिध्वंसी बकासुरविनाशनः॥ १९॥
अघासुरविनाशी च विनिद्रीकृतबालकः।
आद्य आत्मप्रदः सङ्गी यमुनातीरभोजनः॥ २०॥

गोपालमण्डलीमध्यः सर्वगोपालभूषणः।
कृतहस्ततलग्रासो व्यञ्जनाश्रितशाखिकः॥ २१॥
कृतबाहुशृङ्गयष्टिर्गुञ्जालंकृतकण्ठकः।
मयूरपिच्छमुकुटो वनमालाविभूषितः॥ २२॥
गैरिकाचित्रितवपुर्नवमेघवपुः स्मरः।
कोटिकन्दर्पलावण्यो लसन्मकरकुण्डलः॥ २३॥
आजानुबाहुर्भगवान् निद्रारहितलोचनः।
कोटिसागरगाम्भीर्यः कालकालः सदाशिवः॥ २४॥
विरञ्चिमोहनवपुर्गोपवत्सवपुर्धरः।
ब्रह्माण्डकोटिजनको ब्रह्ममोहविनाशकः॥ २५॥
ब्रह्मा ब्रह्मेडितः स्वामी शक्रदर्पादिनाशनः।
गिरिपूजोपदेष्टा च धृतगोवर्धनाचलः॥ २६॥
पुरन्दरेडितः पूज्यः कामधेनुप्रपूजितः।
सर्वतीर्थाभिषिक्तश्च गोविन्दो गोपरक्षकः॥ २७॥
कालियार्तिकरः क्रूरो नागपत्नीडितो विराट्।
धेनुकारिः प्रलम्बारिर्वृषासुरविमर्दनः॥ २८॥
मयासुरात्मजध्वंसी केशिकण्ठविदारकः।
गोपगोप्ता धेनुगोप्ता दावाग्निपरिशोषकः॥ २९॥
गोपकन्यावस्त्रहारी गोपकन्यावरप्रदः।
यज्ञपत्न्यन्नभोजी च मुनिमानापहारकः॥ ३०॥
जलेशमानमथनो नन्दगोपालजीवनः।
गन्धर्वशापमोक्ता च शङ्खचूडशिरोहरः॥ ३१॥

वंशीवटी वेणुवादी गोपीचिन्तापहारकः।
सर्वगोप्ता समाह्वानः सर्वगोपीमनोरथः॥ ३२॥
व्यङ्ग्यधर्मप्रवक्ता च गोपीमण्डलमोहनः।
रासक्रीडारसास्वादी रसिको राधिकाधवः॥ ३३॥
किशोरीप्राणनाथश्च वृषभानुसुताप्रियः।
सर्वगोपीजनानन्दी गोपीजनविमोहनः॥ ३४॥
गोपिकागीतचरितो गोपीनर्तनलालसः।
गोपीस्कन्धाश्रितकरो गोपिकाचुम्बनप्रियः॥ ३५॥
गोपिकामार्जितमुखो गोपीव्यजनवीजितः।
गोपिकाकेशसंस्कारी गोपिकापुष्पसंस्तरः॥ ३६॥
गोपिकाहृदयालम्बी गोपीवहनतत्परः।
गोपिकामदहारी च गोपिकापरमार्जितः॥ ३७॥
गोपिकाकृतसल्लीलो गोपिकासंस्मृतप्रियः।
गोपिकावन्दितपदो गोपिकावशवर्तनः॥ ३८॥
राधापराजितः श्रीमान् निकुञ्जेषु विहारवान्।
कुञ्जप्रियः कुञ्जवासी वृन्दावनविकासनः॥ ३९॥
यमुनाजलसिक्ताङ्गो यमुनासौख्यदायकः।
शशिसंस्तम्भनः शूरः कामी कामविमोहनः॥ ४०॥
कामाद्यः कामनाथश्च काममानसभेदनः।
कामदः कामरूपश्च कामिनीकामसंचयः॥ ४१॥
नित्यक्रीडो महालीलः सर्वः सर्वगतस्तथा।
परमात्मा पराधीशः सर्वकारणकारणः॥ ४२॥

गृहीतनारदवचो ह्यक्रूरपरिचिन्तितः।
अक्रूरवन्दितपदो गोपिकातोषकारकः॥ ४३॥
अक्रूरवाक्यसंग्राही मथुरावासकारणः।
अक्रूरतापशमनो रजकायुःप्रणाशनः॥ ४४॥
मथुरानन्ददायी च कंसवस्त्रविलुण्ठनः।
कंसवस्त्रपरीधानो गोपवस्त्रप्रदायकः॥ ४५॥
सुदामगृहगामी च सुदामपरिपूजितः।
तन्तुवायकसम्प्रीतः कुब्जाचन्दनलेपनः॥ ४६॥
कुब्जारूपप्रदो विज्ञो मुकुन्दो विष्टरश्रवाः।
सर्वज्ञो मथुरालोकी सर्वलोकाभिनन्दनः॥ ४७॥
कृपाकटाक्षदर्शी च दैत्यारिर्देवपालकः।
सर्वदुःखप्रशमनो धनुर्भङ्गी महोत्सवः॥ ४८॥
कुवलयापीडहन्ता दन्तस्कन्धबलाग्रणीः।
कल्परूपधरो धीरो दिव्यवस्त्रानुलेपनः॥ ४९॥
मल्लरूपो महाकालः कामरूपी बलान्वितः।
कंसत्रासकरो भीमो मुष्टिकान्तश्च कंसहा॥ ५०॥
चाणूरघ्नो भयहरः शलारिस्तोशलान्तकः।
वैकुण्ठवासी कंसारिः सर्वदुष्टनिषूदनः॥ ५१॥
देवदुन्दुभिनिर्घोषी पितृशोकनिवारणः।
यादवेन्द्रः सतां नाथो यादवारिप्रमर्दनः॥ ५२॥
शौरिशोकविनाशी च देवकीतापनाशनः।
उग्रसेनपरित्राता उग्रसेनाभिपूजितः॥ ५३॥

उग्रसेनाभिषेकी च उग्रसेनदयापरः।
सर्वसात्वतसाक्षी च यदूनामभिनन्दनः॥ ५४॥
सर्वमाथुरसंसेव्यः करुणो भक्तबान्धवः।
सर्वगोपालधनदो गोपीगोपाललालसः॥ ५५॥
शौरिदत्तोपवीती च उग्रसेनदयाकरः।
गुरुभक्तो ब्रह्मचारी निगमाध्ययने रतः॥ ५६॥
संकर्षणसहाध्यायी सुदामसुहृदेव च।
विद्यानिधिः कलाकोशो मृतपुत्रप्रदस्तथा॥ ५७॥
चक्री पाञ्चजनी चैव सर्वनारकिमोचनः।
यमार्चितः परो देवो नामोच्चारवशोऽच्युतः॥ ५८॥
कुब्जाविलासी सुभगो दीनबन्धुरनूपमः।
अक्रूरगृहगोप्ता च प्रतिज्ञापालकः शुभः॥ ५९॥
जरासंधजयी विद्वान् यवनान्तो द्विजाश्रयः।
मुचुकुन्दप्रियकरो जरासंधपलायितः॥ ६०॥
द्वारकाजनको गूढो ब्रह्मण्यः सत्यसंगरः।
लीलाधरः प्रियकरो विश्वकर्मा यशःप्रदः॥ ६१॥
रुक्मिणीप्रियसंदेशो रुक्मशोकविवर्धनः।
चैद्यशोकालयः श्रेष्ठो दुष्टराजन्यनाशनः॥ ६२॥
रुक्मिवैरूप्यकरणो रुक्मिणीवचने रतः।
बलभद्रवचोग्राही मुक्तरुक्मी जनार्दनः॥ ६३॥
रुक्मिणीप्राणनाथश्च सत्यभामापतिः स्वयम्।
भक्तपक्षी भक्तिवश्यो ह्यक्रूरमणिदायकः॥ ६४॥

शतधन्वाप्राणहारी ऋक्षराजसुताप्रियः।
सत्राजित्तनयाकान्तो मित्रविन्दापहारकः॥ ६५॥
सत्यापतिर्लक्ष्मणाजित्पूज्यो भद्राप्रियङ्करः।
नरकासुरघाती च लीलाकन्याहरो जयी॥ ६६॥
मुरारिर्मदनेशोऽपि धरित्रीदुःखनाशनः।
वैनतेयी स्वर्गगामी अदित्यै कुण्डलप्रदः॥ ६७॥
इन्द्रार्चितो रमाकान्तो वज्रिभार्याप्रपूजितः।
पारिजातापहारी च शक्रमानापहारकः॥ ६८॥
प्रद्युम्नजनकः साम्बतातो बहुसुतो विधुः।
गर्गाचार्यः सत्यगतिर्धर्माधारो धराधरः॥ ६९॥
द्वारकामण्डनः श्लोक्यः सुश्लोको निगमालयः।
पौण्ड्रकप्राणहारी च काशीराजशिरोहरः॥ ७०॥
अवैष्णवविप्रदाही सुदक्षिणभयावहः।
जरासंधविदारी च धर्मनन्दनयज्ञकृत्॥ ७१॥
शिशुपालशिरश्छेदी दन्तवक्त्रविनाशनः।
विदूरथान्तकः श्रीशः श्रीदो द्विविदनाशनः॥ ७२॥
रुक्मिणीमानहारी च रुक्मिणीमानवर्धनः।
देवर्षिशापहर्ता च द्रौपदीवाक्यपालकः॥ ७३॥
दुर्वासाभयहारी च पाञ्चालीस्मरणागतः।
पार्थदूतः पार्थमन्त्री पार्थदुःखौघनाशनः॥ ७४॥
पार्थमानापहारी च पार्थजीवनदायकः।
पाञ्चालीवस्त्रदाता च विश्वपालकपालकः॥ ७५॥

श्वेताश्वसारथिः सत्यः सत्यसाध्यो भयापहः।
सत्यसन्धः सत्यरतिः सत्यप्रिय उदारधीः॥ ७६॥
महासेनजयी चैव शिवसैन्यविनाशनः।
बाणासुरभुजच्छेत्ता बाणबाहुवरप्रदः॥ ७७॥
तार्क्ष्यमानापहारी च तार्क्ष्यतेजोविवर्धनः।
रामस्वरूपधारी च सत्यभामामुदावहः॥ ७८॥
रत्नाकरजलक्रीडो व्रजलीलाप्रदर्शकः।
स्वप्रतिज्ञापरिध्वंसी भीष्माज्ञापरिपालकः॥ ७९॥
वीरायुधहरः कालः कालिकेशो महाबलः।
बर्बरीकशिरोहारी बर्बरीकशिरःप्रदः॥ ८०॥
धर्मपुत्रजयी शूरदुर्योधनमदान्तकः।
गोपिकाप्रीतिनिर्बन्धनित्यक्रीडो व्रजेश्वरः॥ ८१॥
राधाकुण्डरतिर्धन्यः सदान्दोलसमाश्रितः।
सदा मधुवनानन्दी सदा वृन्दावनप्रियः॥ ८२॥
अशोकवनसंनद्धः सदा तिलकसङ्गतः।
सदा गोवर्धनरतिः सदा गोकुलवल्लभः॥ ८३॥
भाण्डीरवटसंवासी नित्यं वंशीवटस्थितः।
नन्दग्रामकृतावासो वृषभानुगृहप्रियः॥ ८४॥
गृहीतकामिनीरूपो नित्यं रासविलासकृत्।
वल्लवीजनसंगोप्ता वल्लवीजनवल्लभः॥ ८५॥
देवशर्मकृपाकर्ता कल्पपादपसंस्थितः।
शिलानुगन्धनिलयः पादचारी घनच्छविः॥ ८६॥

अतसीकुसुमप्रख्यः सदा लक्ष्मीकृपाकरः।
त्रिपुरारिप्रियकरो ह्युग्रधन्वापराजितः॥ ८७॥
षड्धुरध्वंसकर्ता च निकुम्भप्राणहारकः।
वज्रनाभपुरध्वंसी पौण्ड्रकप्राणहारकः॥ ८८॥
बहुलाश्वप्रीतिकर्ता द्विजवर्यप्रियङ्करः।
शिवसंकटहारी च वृकासुरविनाशनः॥ ८९॥
भृगुसत्कारकारी च शिवसात्त्विकताप्रदः।
गोकर्णपूजकः साम्बकुष्ठविध्वंसकारणः॥ ९०॥
वेदस्तुतो वेदवेत्ता यदुवंशविवर्धनः।
यदुवंशविनाशी च उद्धवोद्धारकारकः॥ ९१॥
राधा च राधिका चैव आनन्दा वृषभानुजा।
वृन्दावनेश्वरी पुण्या कृष्णमानसहारिणी॥ ९२॥
प्रगल्भा चतुरा कामा कामिनी हरिमोहिनी।
ललिता मधुरा माध्वी किशोरी कनकप्रभा॥ ९३॥
जितचन्द्रा जितमृगा जितसिंहा जितद्विपा।
जितरम्भा जितपिका गोविन्दहृदयोद्भवा॥ ९४॥
जितबिम्बा जितशुका जितपद्मा कुमारिका।
श्रीकृष्णाकर्षणा देवी नित्यं युग्मस्वरूपिणी॥ ९५॥
नित्यं विहारिणी कान्ता रसिका कृष्णवल्लभा।
आमोदिनी मोदवती नन्दनन्दनभूषिता॥ ९६॥
दिव्याम्बरा दिव्यहारा मुक्तामणिविभूषिता।
कुञ्जप्रिया कुञ्जवासा कुञ्जनायकनायिका॥ ९७॥

चारुरूपा चारुवक्त्रा चारुहेमाङ्गदा शुभा।
श्रीकृष्णवेणुसङ्गीता मुरलीहारिणी शिवा॥ ९८ ॥
भद्रा भगवती शान्ता कुमुदा सुन्दरी प्रिया।
कृष्णक्रीडा कृष्णरतिः श्रीकृष्णसहचारिणी॥ ९९ ॥
वंशीवटप्रियस्थाना युग्मायुग्मस्वरूपिणी।
भाण्डीरवासिनी शुभ्रा गोपीनाथप्रिया सखी॥ १०० ॥
श्रुतिनिःश्वसिता दिव्या गोविन्दरसदायिनी।
श्रीकृष्णप्रार्थनीशाना महानन्दप्रदायिनी॥ १०१ ॥
वैकुण्ठजनसंसेव्या कोटिलक्ष्मीसुखावहा।
कोटिकन्दर्पलावण्या रतिकोटिरतिप्रदा॥ १०२ ॥
भक्तिग्राह्या भक्तिरूपा लावण्यसरसी उमा।
ब्रह्मरुद्रादिसंराध्या नित्यं कौतूहलान्विता॥ १०३ ॥
नित्यलीला नित्यकामा नित्यश‍ृङ्गारभूषिता।
नित्यवृन्दावनरसा नन्दनन्दनसंयुता॥ १०४ ॥
गोपिकामण्डलीयुक्ता नित्यं गोपालसंगता।
गोरसक्षेपणी शूरा सानन्दानन्ददायिनी॥ १०५ ॥
महालीलाप्रकृष्टा च नागरी नगचारिणी।
नित्यमाघूर्णिता पूर्णा कस्तूरीतिलकान्विता॥ १०६ ॥
पद्मा श्यामा मृगाक्षी च सिद्धिरूपा रसावहा।
कोटिचन्द्रानना गौरी कोटिकोकिलसुस्वरा॥ १०७ ॥
शीलसौन्दर्यनिलया नन्दनन्दनलालिता।
अशोकवनसंवासा भाण्डीरवनसंगता॥ १०८ ॥

कल्पद्रुमतलाविष्टा कृष्णा विश्वा हरिप्रिया।
अजागम्या भवागम्या गोवर्धनकृतालया॥ १०९॥
यमुनातीरनिलया शश्वद्गोविन्दजल्पिनी।
शश्वन्मानवती स्निग्धा श्रीकृष्णपरिवन्दिता॥ ११०॥
कृष्णस्तुता कृष्णवृता श्रीकृष्णहृदयालया।
देवद्रुमफला सेव्या वृन्दावनरसालया॥ १११॥
कोटितीर्थमयी सत्या कोटितीर्थफलप्रदा।
कोटियोगसुदुष्प्राप्या कोटियज्ञदुराश्रया॥ ११२॥
मनसा शशिलेखा च श्रीकोटिसुभगाऽनघा।
कोटिमुक्तसुखा सौम्या लक्ष्मीकोटिविलासिनी॥ ११३॥
तिलोत्तमा त्रिकालस्था त्रिकालज्ञाप्यधीश्वरी।
त्रिवेदज्ञा त्रिलोकज्ञा तुरीयान्तनिवासिनी॥ ११४॥
दुर्गाराध्या रमाराध्या विश्वाराध्या चिदात्मिका।
देवाराध्या पराराध्या ब्रह्माराध्या परात्मिका॥ ११५॥
शिवाराध्या प्रेमसाध्या भक्ताराध्या रसात्मिका।
कृष्णप्राणार्पिणी भामा शुद्धप्रेमविलासिनी॥ ११६॥
कृष्णाराध्या भक्तिसाध्या भक्तवृन्दनिषेविता।
विश्वाधारा कृपाधारा जीवाधारातिनायिका॥ ११७॥
शुद्धप्रेममयी लज्जा नित्यसिद्धा शिरोमणिः।
दिव्यरूपा दिव्यभोगा दिव्यवेषा मुदान्विता॥ ११८॥
दिव्याङ्गनावृन्दसारा नित्यनूतनयौवना।
परब्रह्मावृता ध्येया महारूपा महोज्ज्वला॥ ११९॥

कोटिसूर्यप्रभा कोटिचन्द्रबिम्बाधिकच्छविः।
कोमलामृतवागाद्या वेदाद्या वेददुर्लभा॥ १२०॥
कृष्णासक्ता कृष्णभक्ता चन्द्रावलिनिषेविता।
कलाषोडशसम्पूर्णा कृष्णदेहार्धधारिणी॥ १२१॥
कृष्णबुद्धिः कृष्णसारा कृष्णरूपविहारिणी।
कृष्णकान्ता कृष्णधना कृष्णमोहनकारिणी॥ १२२॥
कृष्णदृष्टिः कृष्णगोत्री कृष्णदेवी कुलोद्वहा।
सर्वभूतस्थितावात्मा सर्वलोकनमस्कृता॥ १२३॥
कृष्णदात्री प्रेमधात्री स्वर्णगात्री मनोरमा।
नगधात्री यशोदात्री महादेवी शुभङ्करी॥ १२४॥
श्रीशेषदेवजननी अवतारगणप्रसूः।
उत्पलाङ्कारविन्दाङ्का प्रासादाङ्काद्वितीयका॥ १२५॥
रथाङ्का कुञ्जराङ्का च कुण्डलाङ्कपदस्थिता।
छत्राङ्का विद्युदङ्का च पुष्पमालाङ्कितापि च॥ १२६॥
दण्डाङ्का मुकुटाङ्का च पूर्णचन्द्रा शुकाङ्किता।
कृष्णान्नाहारपाका च वृन्दाकुञ्जविहारिणी॥ १२७॥
कृष्णप्रबोधनकरी कृष्णशेषान्नभोजिनी।
पद्मकेसरमध्यस्था सङ्गीतागमवेदिनी॥ १२८॥
कोटिकल्पान्तभ्रूभङ्गा अप्राप्तप्रलयाच्युता।
सर्वसत्त्वनिधिः पद्मशङ्खादिनिधिसेविता॥ १२९॥
अणिमादिगुणैश्वर्या देववृन्दविमोहिनी।
सर्वानन्दप्रदा सर्वा सुवर्णलतिकाकृतिः॥ १३०॥

कृष्णाभिसारसंकेता मालिनी नृत्यपण्डिता।
गोपीसिन्धुसकाशाह्वा गोपमण्डपशोभिनी॥ १३१॥
श्रीकृष्णप्रीतिदा भीता प्रत्यङ्गपुलकाञ्चिता।
श्रीकृष्णालिंगनरता गोविन्दविरहाक्षमा॥ १३२॥
अनन्तगुणसम्पन्ना कृष्णकीर्तनलालसा।
बीजत्रयमयीमूर्तिः कृष्णानुग्रहवाञ्छिता॥ १३३॥
विमलादिनिषेव्या च ललिताद्यर्चिता सती।
पद्मवृन्दस्थिता हृष्टा त्रिपुरापरिसेविता॥ १३४॥
वृन्तावत्यर्चिता श्रद्धा दुर्ज्ञेया भक्तवल्लभा।
दुर्लभा सान्द्रसौख्यात्मा श्रेयोहेतुः सुभोगदा॥ १३५॥
सारङ्गा शारदा बोधा सद्वृन्दावनचारिणी।
ब्रह्मानन्दा चिदानन्दा ध्यानानन्दार्धमात्रिका॥ १३६॥
गन्धर्वा सुरतज्ञा च गोविन्दप्राणसङ्गमा।
कृष्णाङ्गभूषणा रत्नभूषणा स्वर्णभूषिता॥ १३७॥
श्रीकृष्णहृदयावासा मुक्ताकनकनासिका।
सद्रत्नकङ्कणयुता श्रीमन्नीलगिरिस्थिता॥ १३८॥
स्वर्णनूपुरसम्पन्ना स्वर्णकिङ्किणिमण्डिता।
अशेषरासकुतुका रम्भोरूस्तनुमध्यमा॥ १३९॥
पराकृतिः परानन्दा परस्वर्गविहारिणी।
प्रसूनकबरी चित्रा महासिन्दूरसुन्दरी॥ १४०॥
कैशोरवयसा बाला प्रमदाकुलशेखरा।
कृष्णाधरसुधास्वादा श्यामप्रेमविनोदिनी॥ १४१॥

शिखिपिच्छलसच्चूडा स्वर्णचम्पकभूषिता।
कुंकुमालक्तकस्तूरीमण्डिता चापराजिता॥ १४२॥
हेमहारान्विता पुष्पहाराढ्या रसवत्यपि।
माधुर्यमधुरा पद्मा पद्महस्ता सुविश्रुता॥ १४३॥
भ्रूभङ्गाभङ्गकोदंडकटाक्षशरसंधिनी।
शेषदेवाशिरस्था च नित्यस्थलविहारिणी॥ १४४॥
कारुण्यजलमध्यस्था नित्यमत्ताधिरोहिणी।
अष्टभाववती चाष्टनायिका लक्षणान्विता॥ १४५॥
सुनीतिज्ञा श्रुतिज्ञा च सर्वज्ञा दुःखहारिणी।
रजोगुणेश्वरी चैव शरच्चन्द्रनिभानना॥ १४६॥
केतकीकुसुमाभासा सदा सिन्धुवनस्थिता।
हेमपुष्पाधिककरा पञ्चशक्तिमयी हिता॥ १४७॥
स्तनकुम्भी नराढ्या च क्षीणापुण्या यशस्विनी।
वैराजसूर्यजननी श्रीशा भुवनमोहिनी॥ १४८॥
महाशोभा महामाया महाकान्तिर्महास्मृतिः।
महामोहा महाविद्या महाकीर्तिर्महारतिः॥ १४९॥
महाधैर्या महावीर्या महाशक्तिर्महाद्युतिः।
महागौरी महासम्पन्महाभोगविलासिनी॥ १५०॥
समया भक्तिदाशोका वात्सल्यरसदायिनी।
सुहृद्भक्तिप्रदा स्वच्छा माधुर्यरसवर्षिणी॥ १५१॥
भावभक्तिप्रदा शुद्धप्रेमभक्तिविधायिनी।
गोपरामाभिरामा च क्रीडारामा परेश्वरी॥ १५२॥

नित्यरामा चात्मरामा कृष्णरामा रमेश्वरी।
एकानेकजगद्व्याप्ता विश्वलीलाप्रकाशिनी॥ १५३॥
सरस्वतीशा दुर्गेशा जगदीशा जगद्विधिः।
विष्णुवंशनिवासा च विष्णुवंशसमुद्भवा॥ १५४॥
विष्णुवंशस्तुता कर्त्री विष्णुवंशावनी सदा।
आरामस्था वनस्था च सूर्यपुत्र्यवगाहिनी॥ १५५॥
प्रीतिस्था नित्ययन्त्रस्था गोलोकस्था विभूतिदा।
स्वानुभूतिस्थिता व्यक्ता सर्वलोकनिवासिनी॥ १५६॥
अमृता ह्यद्भुता श्रीमन्नारायणसमीडिता।
अक्षरापि च कूटस्था महापुरुषसम्भवा॥ १५७॥
औदार्यभावसाध्या च स्थूलसूक्ष्मातिरूपिणी।
शिरीषपुष्पमृदुला गाङ्गेयमुकुरप्रभा॥ १५८॥
नीलोत्पलजिताक्षी च सद्रत्नकबरान्विता।
प्रेमपर्यङ्कनिलया तेजोमण्डलमध्यगा॥ १५९॥
कृष्णाङ्गगोपनाभेदा लीलावरणनायिका।
सुधासिन्धुसमुल्लासामृतास्यन्दविधायिनी॥ १६०॥
कृष्णचित्ता रासचित्ता प्रेमचित्ता हरिप्रिया।
अचिन्तनगुणग्रामा कृष्णलीला मलापहा॥ १६१॥
राससिन्धुशशाङ्का च रासमण्डलमण्डिनी।
नतव्रता श्रीहरीच्छासुमूर्तिः सुरवन्दिता॥ १६२॥
गोपीचूडामणिर्गोपीगणेड्या विरजाधिका।
गोपप्रेष्ठा गोपकन्या गोपनारी सुगोपिका॥ १६३॥

गोपधामा सुदामाम्बा गोपाली गोपमोहिनी।
गोपभूषा कृष्णभूषा श्रीवृन्दावनचन्द्रिका॥ १६४॥
वीणादिघोषनिरता रासोत्सवविकासिनी।
कृष्णचेष्टापरिज्ञाता कोटिकन्दर्पमोहिनी॥ १६५॥
श्रीकृष्णगुणगानाढ्या देवसुन्दरिमोहिनी।
कृष्णचन्द्रमनोज्ञा च कृष्णदेवसहोदरी॥ १६६॥
कृष्णाभिलाषिणी कृष्णप्रेमानुग्रहवाञ्छिनी।
क्षेमा च मधुरालापा भ्रुवोमाया सुभद्रिका॥ १६७॥
प्रकृतिः परमानन्दा नीपद्रुमतलस्थिता।
कृपाकटाक्षा बिम्बोष्ठी रम्भा चारुनितम्बिनी॥ १६८॥
स्मरकेलिनिधाना च गण्डताटङ्कमण्डिता।
हेमाद्रिकान्तिरुचिरा प्रेमाढ्या मदमन्थरा॥ १६९॥
कृष्णचिन्ता प्रेमचिन्ता रतिचिन्ता च कृष्णदा।
रासचिन्ता भावचिन्ता शुद्धचिन्ता महारसा॥ १७०॥
कृष्णादृष्टित्रुटियुगा दृष्टिपक्ष्मविनिन्दिनी।
कन्दर्पजननी मुख्या वैकुण्ठगतिदायिनी॥ १७१॥
रासभावा प्रियाश्लिष्टा प्रेष्ठा प्रथमनायिका।
शुद्धा सुधादेहिनी च श्रीरामा रसमञ्जरी॥ १७२॥
सुप्रभावा शुभाचारा स्वर्नदीनर्मदाम्बिका।
गोमतीचन्द्रभागेड्या सरयूताम्रपर्णिसूः॥ १७३॥
निष्कलङ्कचरित्रा च निर्गुणा च निरञ्जना।

॥ फलश्रुतिः ॥

एतन्नामसहस्त्रं तु युग्मरूपस्य नारद॥ १७४॥
पठनीयं प्रयत्नेन वृन्दावनरसावहे।
महापापप्रशमनं वन्ध्यात्वविनिवर्तकम्॥ १७५॥
दारिद्र्यशमनं रोगनाशनं कामदं महत्।
पापापहं वैरिहरं राधामाधवभक्तिदम्॥ १७६॥
नमस्तस्मै भगवते कृष्णायाकुण्ठमेधसे।
राधासंगसुधासिन्धौ नमो नित्यविहारिणे॥ १७७॥
राधादेवी जगत्कर्त्री जगत्पालनतत्परा।
जगल्लयविधात्री च सर्वेशी सर्वसूतिका॥ १७८॥
तस्या नामसहस्त्रं वै मया प्रोक्तं मुनीश्वर।
भुक्तिमुक्तिप्रदं दिव्यं किं भूयः श्रोतुमिच्छसि॥ १७९॥

॥ इति श्रीबृहन्नारदीयपुराणे पूर्वभागे बृहदुपाख्याने तृतीयपादे श्रीराधाकृष्णसहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीराधाकृष्णाभ्यां नमः ॥

श्रीराधाकृष्णसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ देवकीनन्दनाय नमः।
२ ॐ शौरये नमः।
३ ॐ वासुदेवाय नमः।
४ ॐ बलानुजाय नमः।
५ ॐ गदाग्रजाय नमः।
६ ॐ कंसमोहाय नमः।
७ ॐ कंससेवकमोहनाय नमः।
८ ॐ भिन्नार्गलाय नमः।
९ ॐ भिन्नलोहाय नमः।
१० ॐ पितृबाह्याय नमः।
११ ॐ पितृस्तुताय नमः।
१२ ॐ मातृस्तुताय नमः।
१३ ॐ शिवध्येयाय नमः।
१४ ॐ यमुनाजलभेदनाय नमः।
१५ ॐ व्रजवासिने नमः।
१६ ॐ व्रजानन्दिने नमः।
१७ ॐ नन्दबालाय नमः।
१८ ॐ दयानिधये नमः।
१९ ॐ लीलाबालाय नमः।
२० ॐ पद्मनेत्राय नमः।
२१ ॐ गोकुलोत्सवाय नमः।
२२ ॐ ईश्वराय नमः।
२३ ॐ गोपिकानन्दनाय नमः।
२४ ॐ कृष्णाय नमः।
२५ ॐ गोपानन्दाय नमः।
२६ ॐ सतां गतये नमः।
२७ ॐ बकप्राणहराय नमः।
२८ ॐ विष्णवे नमः।
२९ ॐ बकमुक्तिप्रदाय नमः।
३० ॐ हरये नमः।
३१ ॐ बलदोलाशयशयाय नमः।
३२ ॐ श्यामलाय नमः।
३३ ॐ सर्वसुन्दराय नमः।
३४ ॐ पद्मनाभाय नमः।
३५ ॐ हृषीकेशाय नमः।
३६ ॐ क्रीडामनुजबालकाय नमः।
३७ ॐ लीलाविध्वस्तशकटाय नमः।
३८ ॐ वेदमन्त्राभिषेचिताय नमः।
३९ ॐ यशोदानन्दनाय नमः।
४० ॐ कान्ताय नमः।

४१ ॐ मुनिकोटिनिषेविताय नमः।
४२ ॐ नित्यं मधुवनावासिने नमः।
४३ ॐ वैकुण्ठाय नमः।
४४ ॐ सम्भवाय नमः।
४५ ॐ क्रतवे नमः।
४६ ॐ रमापतये नमः।
४७ ॐ यदुपतये नमः।
४८ ॐ मुरारये नमः।
४९ ॐ मधुसूदनाय नमः।
५० ॐ माधवाय नमः।
५१ ॐ मानहारिणे नमः।
५२ ॐ श्रीपतये नमः।
५३ ॐ भूधराय नमः।
५४ ॐ प्रभवे नमः।
५५ ॐ बृहद्वनमहालीलाय नमः।
५६ ॐ नन्दसूनवे नमः।
५७ ॐ महासनाय नमः।
५८ ॐ तृणावर्तप्राणहारिणे नमः।
५९ ॐ यशोदाविस्मयप्रदाय नमः।
६० ॐ त्रैलोक्यवक्त्राय नमः।
६१ ॐ पद्माक्षाय नमः।
६२ ॐ पद्महस्ताय नमः।
६३ ॐ प्रियङ्कराय नमः।
६४ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
६५ ॐ धर्मगोप्त्रे नमः।
६६ ॐ भूपतये नमः।
६७ ॐ श्रीधराय नमः।
६८ ॐ स्वराजे नमः।
६९ ॐ अजाध्यक्षाय नमः।
७० ॐ शिवाध्यक्षाय नमः।
७१ ॐ धर्माध्यक्षाय नमः।
७२ ॐ महेश्वराय नमः।
७३ ॐ वेदान्तवेद्याय नमः।
७४ ॐ ब्रह्मस्थाय नमः।
७५ ॐ प्रजापतये नमः।
७६ ॐ अमोघदृशे नमः।
७७ ॐ गोपीकरावलम्बिने नमः।
७८ ॐ गोपबालकसुप्रियाय नमः।
७९ ॐ बलानुयायिने नमः।
८० ॐ बलवते नमः।
८१ ॐ श्रीदामप्रियाय नमः।
८२ ॐ आत्मवते नमः।
८३ ॐ गोपीगृहाङ्गणरतये नमः।
८४ ॐ भद्राय नमः।
८५ ॐ सुश्लोकमङ्गलाय नमः।
८६ ॐ नवनीतहराय नमः।
८७ ॐ बालाय नमः।
८८ ॐ नवनीतप्रियाशनाय नमः।
८९ ॐ बालवृन्दिने नमः।
९० ॐ मर्कवृन्दिने नमः।
९१ ॐ चकिताक्षाय नमः।
९२ ॐ पलायिताय नमः।
९३ ॐ यशोदातर्जिताय नमः।
९४ ॐ कम्पिने नमः।
९५ ॐ मायारुदितशोभनाय नमः।
९६ ॐ दामोदराय नमः।
९७ ॐ अप्रमेयात्मने नमः।
९८ ॐ दयालवे नमः।

९९ ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
१०० ॐ सुबद्धोलूखलाय नमः।
१०१ ॐ नम्रशिरसे नमः।
१०२ ॐ गोपीकदर्थिताय नमः।
१०३ ॐ वृक्षभङ्गिने नमः।
१०४ ॐ शोकभङ्गिने नमः।
१०५ ॐ धनदात्मजमोक्षणाय नमः।
१०६ ॐ देवर्षिवचनश्लाघिने नमः।
१०७ ॐ भक्तवात्सल्यसागराय नमः।
१०८ ॐ व्रजकोलाहलकराय नमः।
१०९ ॐ व्रजानन्दविवर्धनाय नमः।
११० ॐ गोपात्मने नमः।
१११ ॐ प्रेरकाय नमः।
११२ ॐ साक्षिणे नमः।
११३ ॐ वृन्दावननिवासकृते नमः।
११४ ॐ वत्सपालाय नमः।
११५ ॐ वत्सपतये नमः।
११६ ॐ गोपदारकमण्डनाय नमः।
११७ ॐ बालक्रीडाय नमः।
११८ ॐ बालरतये नमः।
११९ ॐ बालकाय नमः।
१२० ॐ कनकाङ्गदिने नमः।
१२१ ॐ पीताम्बराय नमः।
१२२ ॐ हेममालिने नमः।
१२३ ॐ मणिमुक्ताविभूषणाय नमः।
१२४ ॐ किङ्किणीकटकिने नमः।
१२५ ॐ सूत्रिणे नमः।
१२६ ॐ नूपुरिणे नमः।
१२७ ॐ मुद्रिकान्विताय नमः।
१२८ ॐ वत्सासुरपतिध्वंसिने नमः।
१२९ ॐ बकासुरविनाशनाय नमः।
१३० ॐ अघासुरविनाशिने नमः।
१३१ ॐ विनिद्रीकृतबालकाय नमः।
१३२ ॐ आद्याय नमः।
१३३ ॐ आत्मप्रदाय नमः।
१३४ ॐ सङ्गिने नमः।
१३५ ॐ यमुनातीरभोजनाय नमः।
१३६ ॐ गोपालमण्डलीमध्याय नमः।
१३७ ॐ सर्वगोपालभूषणाय नमः।
१३८ ॐ कृतहस्ततलग्रासाय नमः।
१३९ ॐ व्यञ्जनाश्रितशाखिकाय नमः।
१४० ॐ कृतबाहुशृङ्गयष्टये नमः।
१४१ ॐ गुञ्जालंकृतकण्ठकाय नमः।
१४२ ॐ मयूरपिच्छमुकुटाय नमः।
१४३ ॐ वनमालाविभूषिताय नमः।
१४४ ॐ गैरिकाचित्रितवपुषे नमः।
१४५ ॐ नवमेघवपुषे नमः।
१४६ ॐ स्मराय नमः।
१४७ ॐ कोटिकन्दर्पलावण्याय नमः।
१४८ ॐ लसन्मकरकुण्डलाय नमः।
१४९ ॐ आजानुबाहवे नमः।
१५० ॐ भगवते नमः।
१५१ ॐ निद्रारहितलोचनाय नमः।
१५२ ॐ कोटिसागरगाम्भीर्याय नमः।
१५३ ॐ कालकालाय नमः।
१५४ ॐ सदाशिवाय नमः।
१५५ ॐ विरञ्चिमोहनवपुषे नमः।
१५६ ॐ गोपवत्सवपुर्धराय नमः।

१५७ ॐ ब्रह्माण्डकोटिजनकाय नमः।
१५८ ॐ ब्रह्ममोहविनाशकाय नमः।
१५९ ॐ ब्रह्मणे नमः।
१६० ॐ ब्रह्मेडिताय नमः।
१६१ ॐ स्वामिने नमः।
१६२ ॐ शक्रदर्पादिनाशनाय नमः।
१६३ ॐ गिरिपूजोपदेष्ट्रे नमः।
१६४ ॐ धृतगोवर्धनाचलाय नमः।
१६५ ॐ पुरन्दरेडिताय नमः।
१६६ ॐ पूज्याय नमः।
१६७ ॐ कामधेनुप्रपूजिताय नमः।
१६८ ॐ सर्वतीर्थाभिषिक्ताय नमः।
१६९ ॐ गोविन्दाय नमः।
१७० ॐ गोपरक्षकाय नमः।
१७१ ॐ कालियार्तिकराय नमः।
१७२ ॐ क्रूराय नमः।
१७३ ॐ नागपत्नीडिताय नमः।
१७४ ॐ विराजे नमः।
१७५ ॐ धेनुकारये नमः।
१७६ ॐ प्रलम्बारये नमः।
१७७ ॐ वृषासुरविमर्दनाय नमः।
१७८ ॐ मयासुरात्मजध्वंसिने नमः।
१७९ ॐ केशिकण्ठविदारकाय नमः।
१८० ॐ गोपगोप्त्रे नमः।
१८१ ॐ धेनुगोप्त्रे नमः।
१८२ ॐ दावाग्निपरिशोषकाय नमः।
१८३ ॐ गोपकन्यावस्त्रहारिणे नमः।
१८४ ॐ गोपकन्यावरप्रदाय नमः।
१८५ ॐ यज्ञपत्न्यन्नभोजिने नमः।
१८६ ॐ मुनिमानापहारकाय नमः।
१८७ ॐ जलेशमानमथनाय नमः।
१८८ ॐ नन्दगोपालजीवनाय नमः।
१८९ ॐ गन्धर्वशापमोक्त्रे नमः।
१९० ॐ शङ्खचूडशिरोहराय नमः।
१९१ ॐ वंशीवटिने नमः।
१९२ ॐ वेणुवादिने नमः।
१९३ ॐ गोपीचिन्तापहारकाय नमः।
१९४ ॐ सर्वगोप्त्रे नमः।
१९५ ॐ समाह्वानाय नमः।
१९६ ॐ सर्वगोपीमनोरथाय नमः।
१९७ ॐ व्यङ्ग्यधर्मप्रवक्त्रे नमः।
१९८ ॐ गोपीमण्डलमोहनाय नमः।
१९९ ॐ रासक्रीडारसास्वादिने नमः।
२०० ॐ रसिकाय नमः।
२०१ ॐ राधिकाधवाय नमः।
२०२ ॐ किशोरीप्राणनाथाय नमः।
२०३ ॐ वृषभानुसुताप्रियाय नमः।
२०४ ॐ सर्वगोपीजनानन्दिने नमः।
२०५ ॐ गोपीजनविमोहनाय नमः।
२०६ ॐ गोपिकागीतचरिताय नमः।
२०७ ॐ गोपीनर्तनलालसाय नमः।
२०८ ॐ गोपीस्कन्धाश्रितकराय नमः।
२०९ ॐ गोपिकाचुम्बनप्रियाय नमः।
२१० ॐ गोपिकामार्जितमुखाय नमः।
२११ ॐ गोपीव्यजनवीजिताय नमः।
२१२ ॐ गोपिकाकेशसंस्कारिणे नमः।
२१३ ॐ गोपिकापुष्पसंस्तराय नमः।
२१४ ॐ गोपिकाहृदयालम्बिने नमः।

२१५ ॐ गोपीवहनतत्पराय नमः।
२१६ ॐ गोपिकामदहारिणे नमः।
२१७ ॐ गोपिकापरमार्जिताय नमः।
२१८ ॐ गोपिकाकृतसल्लीलाय नमः।
२१९ ॐ गोपिकासंस्मृतप्रियाय नमः।
२२० ॐ गोपिकावन्दितपदाय नमः।
२२१ ॐ गोपिकावशवर्तनाय नमः।
२२२ ॐ राधापराजिताय नमः।
२२३ ॐ श्रीमते नमः।
२२४ ॐ निकुञ्जेषु विहारवते नमः।
२२५ ॐ कुञ्जप्रियाय नमः।
२२६ ॐ कुञ्जवासिने नमः।
२२७ ॐ वृन्दावनविकासनाय नमः।
२२८ ॐ यमुनाजलसिक्ताङ्गाय नमः।
२२९ ॐ यमुनासौख्यदायकाय नमः।
२३० ॐ शशिसंस्तम्भनाय नमः।
२३१ ॐ शूराय नमः।
२३२ ॐ कामिने नमः।
२३३ ॐ कामविमोहनाय नमः।
२३४ ॐ कामाद्याय नमः।
२३५ ॐ कामनाथाय नमः।
२३६ ॐ काममानसभेदनाय नमः।
२३७ ॐ कामदाय नमः।
२३८ ॐ कामरूपाय नमः।
२३९ ॐ कामिनीकामसंचयाय नमः।
२४० ॐ नित्यक्रीडाय नमः।
२४१ ॐ महालीलाय नमः।
२४२ ॐ सर्वस्मै नमः।
२४३ ॐ सर्वगताय नमः।
२४४ ॐ परमात्मने नमः।
२४५ ॐ पराधीशाय नमः।
२४६ ॐ सर्वकारणकारणाय नमः।
२४७ ॐ गृहीतनारदवचसे नमः।
२४८ ॐ अक्रूरपरिचिन्तिताय नमः।
२४९ ॐ अक्रूरवन्दितपदाय नमः।
२५० ॐ गोपिकातोषकारकाय नमः।
२५१ ॐ अक्रूरवाक्यसंग्राहिणे नमः।
२५२ ॐ मथुरावासकारणाय नमः।
२५३ ॐ अक्रूरतापशमनाय नमः।
२५४ ॐ रजकायुःप्रणाशनाय नमः।
२५५ ॐ मथुरानन्ददायिने नमः।
२५६ ॐ कंसवस्त्रविलुण्ठनाय नमः।
२५७ ॐ कंसवस्त्रपरीधानाय नमः।
२५८ ॐ गोपवस्त्रप्रदायकाय नमः।
२५९ ॐ सुदामगृहगामिने नमः।
२६० ॐ सुदामपरिपूजिताय नमः।
२६१ ॐ तन्तुवायकसम्प्रीताय नमः।
२६२ ॐ कुब्जाचन्दनलेपनाय नमः।
२६३ ॐ कुब्जारूपप्रदाय नमः।
२६४ ॐ विज्ञाय नमः।
२६५ ॐ मुकुन्दाय नमः।
२६६ ॐ विष्टरश्रवसे नमः।
२६७ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
२६८ ॐ मथुरालोकिने नमः।
२६९ ॐ सर्वलोकाभिनन्दनाय नमः।
२७० ॐ कृपाकटाक्षदर्शिणे नमः।
२७१ ॐ दैत्यारये नमः।
२७२ ॐ देवपालकाय नमः।

२७३ ॐ सर्वदुःखप्रशमनाय नमः।
२७४ ॐ धनुर्भङ्गिने नमः।
२७५ ॐ महोत्सवाय नमः।
२७६ ॐ कुवलयापीडहन्त्रे नमः।
२७७ ॐ दन्तस्कन्धबलाग्रण्ये नमः।
२७८ ॐ कल्परूपधराय नमः।
२७९ ॐ धीराय नमः।
२८० ॐ दिव्यवस्त्रानुलेपनाय नमः।
२८१ ॐ मल्लरूपाय नमः।
२८२ ॐ महाकालाय नमः।
२८३ ॐ कामरूपिणे नमः।
२८४ ॐ बलान्विताय नमः।
२८५ ॐ कंसत्रासकराय नमः।
२८६ ॐ भीमाय नमः।
२८७ ॐ मुष्टिकान्ताय नमः।
२८८ ॐ कंसघ्ने नमः।
२८९ ॐ चाणूरघ्नाय नमः।
२९० ॐ भयहराय नमः।
२९१ ॐ शलारये नमः।
२९२ ॐ तोशलान्तकाय नमः।
२९३ ॐ वैकुण्ठवासिने नमः।
२९४ ॐ कंसारये नमः।
२९५ ॐ सर्वदुष्टनिषूदनाय नमः।
२९६ ॐ देवदुन्दुभिनिर्घोषिणे नमः।
२९७ ॐ पितृशोकनिवारणाय नमः।
२९८ ॐ यादवेन्द्राय नमः।
२९९ ॐ सतां नाथाय नमः।
३०० ॐ यादवारिप्रमर्दनाय नमः।
३०१ ॐ शौरिशोकविनाशिने नमः।
३०२ ॐ देवकीतापनाशनाय नमः।
३०३ ॐ उग्रसेनपरित्रात्रे नमः।
३०४ ॐ उग्रसेनाभिपूजिताय नमः।
३०५ ॐ उग्रसेनाभिषेकिणे नमः।
३०६ ॐ उग्रसेनदयापराय नमः।
३०७ ॐ सर्वसात्वतसाक्षिणे नमः।
३०८ ॐ यदूनामभिनन्दनाय नमः।
३०९ ॐ सर्वमाथुरसंसेव्याय नमः।
३१० ॐ करुणाय नमः।
३११ ॐ भक्तबान्धवाय नमः।
३१२ ॐ सर्वगोपालधनदाय नमः।
३१३ ॐ गोपीगोपाललालसाय नमः।
३१४ ॐ शौरिदत्तोपवीतिने नमः।
३१५ ॐ उग्रसेनदयाकराय नमः।
३१६ ॐ गुरुभक्ताय नमः।
३१७ ॐ ब्रह्मचारिणे नमः।
३१८ ॐ निगमाध्ययने रताय नमः।
३१९ ॐ संकर्षणसहाध्यायिने नमः।
३२० ॐ सुदामसुहृदे नमः।
३२१ ॐ विद्यानिधये नमः।
३२२ ॐ कलाकोशाय नमः।
३२३ ॐ मृतपुत्रप्रदाय नमः।
३२४ ॐ चक्रिणे नमः।
३२५ ॐ पाञ्चजनिने नमः।
३२६ ॐ सर्वनारकिमोचनाय नमः।
३२७ ॐ यमार्चिताय नमः।
३२८ ॐ परस्मै नमः।
३२९ ॐ देवाय नमः।
३३० ॐ नामोच्चारवशाय नमः।

३३१ ॐ अच्युताय नमः।
३३२ ॐ कुब्जाविलासिने नमः।
३३३ ॐ सुभगाय नमः।
३३४ ॐ दीनबन्धवे नमः।
३३५ ॐ अनूपमाय नमः।
३३६ ॐ अक्रूरगृहगोप्त्रे नमः।
३३७ ॐ प्रतिज्ञापालकाय नमः।
३३८ ॐ शुभाय नमः।
३३९ ॐ जरासन्धजयिने नमः।
३४० ॐ विदुषे नमः।
३४१ ॐ यवनान्ताय नमः।
३४२ ॐ द्विजाश्रयाय नमः।
३४३ ॐ मुचुकुन्दप्रियकराय नमः।
३४४ ॐ जरासंधपलायिताय नमः।
३४५ ॐ द्वारकाजनकाय नमः।
३४६ ॐ गूढाय नमः।
३४७ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
३४८ ॐ सत्यसंगराय नमः।
३४९ ॐ लीलाधराय नमः।
३५० ॐ प्रियकराय नमः।
३५१ ॐ विश्वकर्मणे नमः।
३५२ ॐ यशःप्रदाय नमः।
३५३ ॐ रुक्मिणीप्रियसंदेशाय नमः।
३५४ ॐ रुक्मशोकविवर्धनाय नमः।
३५५ ॐ चैद्यशोकालयाय नमः।
३५६ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
३५७ ॐ दुष्टराजन्यनाशनाय नमः।
३५८ ॐ रुक्मिवैरूप्यकरणाय नमः।
३५९ ॐ रुक्मिणीवचने रताय नमः।
३६० ॐ बलभद्रवचोग्राहिणे नमः।
३६१ ॐ मुक्तरुक्मये नमः।
३६२ ॐ जनार्दनाय नमः।
३६३ ॐ रुक्मिणीप्राणनाथाय नमः।
३६४ ॐ सत्यभामापतये नमः।
३६५ ॐ स्वयं भक्तपक्षिणे नमः।
३६६ ॐ भक्तिवश्याय नमः।
३६७ ॐ अक्रूरमणिदायकाय नमः।
३६८ ॐ शतधन्वाप्राणहारिणे नमः।
३६९ ॐ ऋक्षराजसुताप्रियाय नमः।
३७० ॐ सत्राजित्तनयाकान्ताय नमः।
३७१ ॐ मित्रविन्दापहारकाय नमः।
३७२ ॐ सत्यापतये नमः।
३७३ ॐ लक्ष्मणाजिते नमः।
३७४ ॐ पूज्याय नमः।
३७५ ॐ भद्राप्रियङ्कराय नमः।
३७६ ॐ नरकासुरघातिने नमः।
३७७ ॐ लीलाकन्याहराय नमः।
३७८ ॐ जयिने नमः।
३७९ ॐ मुरारये नमः।
३८० ॐ मदनेशाय नमः।
३८१ ॐ धरित्रीदुःखनाशनाय नमः।
३८२ ॐ वैनतेयिने नमः।
३८३ ॐ स्वर्गगामिने नमः।
३८४ ॐ अदित्यै कुण्डलप्रदाय नमः।
३८५ ॐ इन्द्रार्चिताय नमः।
३८६ ॐ रमाकान्ताय नमः।
३८७ ॐ वज्रिभार्याप्रपूजिताय नमः।

३८८ ॐ पारिजातापहारिणे नमः।
३८९ ॐ शक्रमानापहारकाय नमः।
३९० ॐ प्रद्युम्नजनकाय नमः।
३९१ ॐ साम्बताताय नमः।
३९२ ॐ बहुसुताय नमः।
३९३ ॐ विधवे नमः।
३९४ ॐ गर्गाचार्याय नमः।
३९५ ॐ सत्यगतये नमः।
३९६ ॐ धर्माधाराय नमः।
३९७ ॐ धराधराय नमः।
३९८ ॐ द्वारकामण्डनाय नमः।
३९९ ॐ श्लोक्याय नमः।
४०० ॐ सुश्लोकाय नमः।
४०१ ॐ निगमालयाय नमः।
४०२ ॐ पौण्ड्रकप्राणहारिणे नमः।
४०३ ॐ काशीराजशिरोहराय नमः।
४०४ ॐ अवैष्णवविप्रदाहिने नमः।
४०५ ॐ सुदक्षिणभयावहाय नमः।
४०६ ॐ जरासंधविदारिणे नमः।
४०७ ॐ धर्मनन्दनयज्ञकृते नमः।
४०८ ॐ शिशुपालशिरश्छेदिने नमः।
४०९ ॐ दन्तवक्त्रविनाशनाय नमः।
४१० ॐ विदूरथान्तकाय नमः।
४११ ॐ श्रीशाय नमः।
४१२ ॐ श्रीदाय नमः।
४१३ ॐ द्विविदनाशनाय नमः।
४१४ ॐ रुक्मिणीमानहारिणे नमः।
४१५ ॐ रुक्मिणीमानवर्धनाय नमः।
४१६ ॐ देवर्षिशापहर्त्रे नमः।
४१७ ॐ द्रौपदीवाक्यपालकाय नमः।
४१८ ॐ दुर्वासाभयहारिणे नमः।
४१९ ॐ पाञ्चालीस्मरणागताय नमः।
४२० ॐ पार्थदूताय नमः।
४२१ ॐ पार्थमन्त्रिणे नमः।
४२२ ॐ पार्थदुःखौघनाशनाय नमः।
४२३ ॐ पार्थमानापहारिणे नमः।
४२४ ॐ पार्थजीवनदायकाय नमः।
४२५ ॐ पाञ्चालीवस्त्रदात्रे नमः।
४२६ ॐ विश्वपालकपालकाय नमः
४२७ ॐ श्वेताश्वसारथये नमः।
४२८ ॐ सत्याय नमः।
४२९ ॐ सत्यसाध्याय नमः।
४३० ॐ भयापहाय नमः।
४३१ ॐ सत्यसन्धाय नमः।
४३२ ॐ सत्यरतये नमः।
४३३ ॐ सत्यप्रियाय नमः।
४३४ ॐ उदारधिये नमः।
४३५ ॐ महासेनजयिने नमः।
४३६ ॐ शिवसैन्यविनाशनाय नमः।
४३७ ॐ बाणासुरभुजच्छेत्रे नमः।
४३८ ॐ बाणबाहुवरप्रदाय नमः।
४३९ ॐ तार्क्ष्यमानापहारिणे नमः।
४४० ॐ तार्क्ष्यतेजोविवर्धनाय नमः।
४४१ ॐ रामस्वरूपधारिणे नमः।
४४२ ॐ सत्यभामामुदावहाय नमः।
४४३ ॐ रत्नाकरजलक्रीडाय नमः।
४४४ ॐ व्रजलीलाप्रदर्शकाय नमः।
४४५ ॐ स्वप्रतिज्ञापरिध्वंसिने नमः।

४४६ ॐ भीष्माज्ञापरिपालकाय नमः।
४४७ ॐ वीरायुधहराय नमः।
४४८ ॐ कालाय नमः।
४४९ ॐ कालिकेशाय नमः।
४५० ॐ महाबलाय नमः।
४५१ ॐ बर्बरीकशिरोहारिणे नमः।
४५२ ॐ बर्बरीकशिरःप्रदाय नमः।
४५३ ॐ धर्मपुत्रजयिने नमः।
४५४ ॐ शूरदुर्योधनमदान्तकाय नमः।
४५५ ॐ गोपिकाप्रीतिनिर्बन्धनित्य-क्रीडाय नमः।
४५६ ॐ व्रजेश्वराय नमः।
४५७ ॐ राधाकुण्डरतये नमः।
४५८ ॐ धन्याय नमः।
४५९ ॐ सदान्दोलसमाश्रिताय नमः।
४६० ॐ सदा मधुवनानन्दिने नमः।
४६१ ॐ सदा वृन्दावनप्रियाय नमः।
४६२ ॐ अशोकवनसंनद्धाय नमः।
४६३ ॐ सदा तिलकसङ्गताय नमः।
४६४ ॐ सदा गोवर्धनरतये नमः।
४६५ ॐ सदा गोकुलवल्लभाय नमः।
४६६ ॐ भाण्डीरवटसंवासिने नमः।
४६७ ॐ नित्यं वंशीवटस्थिताय नमः।
४६८ ॐ नन्दग्रामकृतावासाय नमः।
४६९ ॐ वृषभानुगृहप्रियाय नमः।
४७० ॐ गृहीतकामिनीरूपाय नमः।
४७१ ॐ नित्यं रासविलासकृते नमः।
४७२ ॐ वल्लवीजनसंगोप्त्रे नमः।
४७३ ॐ वल्लवीजनवल्लभाय नमः।
४७४ ॐ देवशर्मकृपाकर्त्रे नमः।
४७५ ॐ कल्पपादपसंस्थिताय नमः।
४७६ ॐ शिलानुगन्धनिलयाय नमः।
४७७ ॐ पादचारिणे नमः।
४७८ ॐ घनच्छवये नमः।
४७९ ॐ अतसीकुसुमप्रख्याय नमः।
४८० ॐ सदा लक्ष्मीकृपाकराय नमः।
४८१ ॐ त्रिपुरारिप्रियकराय नमः।
४८२ ॐ उग्रधन्विने नमः।
४८३ ॐ अपराजिताय नमः।
४८४ ॐ षड्धुरध्वंसकर्त्रे नमः।
४८५ ॐ निकुम्भप्राणहारकाय नमः।
४८६ ॐ वज्रनाभपुरध्वंसिने नमः।
४८७ ॐ पौण्ड्रकप्राणहारकाय नमः।
४८८ ॐ बहुलाश्वप्रीतिकर्त्रे नमः।
४८९ ॐ द्विजवर्यप्रियङ्कराय नमः।
४९० ॐ शिवसंकटहारिणे नमः।
४९१ ॐ वृकासुरविनाशनाय नमः।
४९२ ॐ भृगुसत्कारकारिणे नमः।
४९३ ॐ शिवसात्त्विकताप्रदाय नमः।
४९४ ॐ गोकर्णपूजकाय नमः।
४९५ ॐ साम्बकुष्ठविध्वंसकारणाय नमः।
४९६ ॐ वेदस्तुताय नमः।
४९७ ॐ वेदवेत्त्रे नमः।
४९८ ॐ यदुवंशविवर्धनाय नमः।
४९९ ॐ यदुवंशविनाशिने नमः।
५०० ॐ उद्धवोद्धारकारकाय नमः।
५०१ ॐ राधायै नमः।
५०२ ॐ राधिकायै नमः।

५०३ ॐ आनन्दायै नमः।
५०४ ॐ वृषभानुजायै नमः।
५०५ ॐ वृन्दावनेश्वर्यै नमः।
५०६ ॐ पुण्यायै नमः।
५०७ ॐ कृष्णमानसहारिण्यै नमः।
५०८ ॐ प्रगल्भायै नमः।
५०९ ॐ चतुरायै नमः।
५१० ॐ कामायै नमः।
५११ ॐ कामिन्यै नमः।
५१२ ॐ हरिमोहिन्यै नमः।
५१३ ॐ ललितायै नमः।
५१४ ॐ मधुरायै नमः।
५१५ ॐ माध्व्यै नमः।
५१६ ॐ किशोर्यै नमः।
५१७ ॐ कनकप्रभायै नमः।
५१८ ॐ जितचन्द्रायै नमः।
५१९ ॐ जितमृगायै नमः।
५२० ॐ जितसिंहायै नमः।
५२१ ॐ जितद्विपायै नमः।
५२२ ॐ जितरम्भायै नमः।
५२३ ॐ जितपिकायै नमः।
५२४ ॐ गोविन्दहृदयोद्भवायै नमः।
५२५ ॐ जितबिम्बायै नमः।
५२६ ॐ जितशुकायै नमः।
५२७ ॐ जितपद्मायै नमः।
५२८ ॐ कुमारिकायै नमः।
५२९ ॐ श्रीकृष्णाकर्षणायै नमः।
५३० ॐ देव्यै नमः।
५३१ ॐ नित्यं युग्मस्वरूपिण्यै नमः।
५३२ ॐ नित्यं विहारिण्यै नमः।
५३३ ॐ कान्तायै नमः।
५३४ ॐ रसिकायै नमः।
५३५ ॐ कृष्णवल्लभायै नमः।
५३६ ॐ आमोदिन्यै नमः।
५३७ ॐ मोदवत्यै नमः।
५३८ ॐ नन्दनन्दनभूषितायै नमः।
५३९ ॐ दिव्याम्बरायै नमः।
५४० ॐ दिव्यहारायै नमः।
५४१ ॐ मुक्तामणिविभूषितायै नमः।
५४२ ॐ कुञ्जप्रियायै नमः।
५४३ ॐ कुञ्जवासायै नमः।
५४४ ॐ कुञ्जनायकनायिकायै नमः।
५४५ ॐ चारुरूपायै नमः।
५४६ ॐ चारुवक्त्रायै नमः।
५४७ ॐ चारुहेमाङ्गदायै नमः।
५४८ ॐ शुभायै नमः।
५४९ ॐ श्रीकृष्णवेणुसङ्गीतायै नमः।
५५० ॐ मुरलीहारिण्यै नमः।
५५१ ॐ शिवायै नमः।
५५२ ॐ भद्रायै नमः।
५५३ ॐ भगवत्यै नमः।
५५४ ॐ शान्तायै नमः।
५५५ ॐ कुमुदायै नमः।
५५६ ॐ सुन्दर्यै नमः।
५५७ ॐ प्रियायै नमः।
५५८ ॐ कृष्णक्रीडायै नमः।
५५९ ॐ कृष्णरत्यै नमः।
५६० ॐ श्रीकृष्णसहचारिण्यै नमः।

५६१ ॐ वंशीवटप्रियस्थानायै नमः।
५६२ ॐ युग्मायुग्मस्वरूपिण्यै नमः।
५६३ ॐ भाण्डीरवासिन्यै नमः।
५६४ ॐ शुभ्रायै नमः।
५६५ ॐ गोपीनाथप्रियायै नमः।
५६६ ॐ सख्यै नमः।
५६७ ॐ श्रुतिनिःश्वसितायै नमः।
५६८ ॐ दिव्यायै नमः।
५६९ ॐ गोविन्दरसदायिन्यै नमः।
५७० ॐ श्रीकृष्णप्रार्थन्यै नमः।
५७१ ॐ ईशानायै नमः।
५७२ ॐ महानन्दप्रदायिन्यै नमः।
५७३ ॐ वैकुण्ठजनसंसेव्यायै नमः।
५७४ ॐ कोटिलक्ष्मीसुखावहायै नमः।
५७५ ॐ कोटिकन्दर्पलावण्यायै नमः।
५७६ ॐ रतिकोटिरतिप्रदायै नमः।
५७७ ॐ भक्तिग्राह्यायै नमः।
५७८ ॐ भक्तिरूपायै नमः।
५७९ ॐ लावण्यसरस्यै नमः।
५८० ॐ उमायै नमः।
५८१ ॐ ब्रह्मरुद्रादिसंराध्यायै नमः।
५८२ ॐ नित्यं कौतूहलान्वितायै नमः।
५८३ ॐ नित्यलीलायै नमः।
५८४ ॐ नित्यकामायै नमः।
५८५ ॐ नित्यशृङ्गारभूषितायै नमः।
५८६ ॐ नित्यवृन्दावनरसायै नमः।
५८७ ॐ नन्दनन्दनसंयुतायै नमः।
५८८ ॐ गोपिकामण्डलीयुक्तायै नमः।
५८९ ॐ नित्यं गोपालसङ्गतायै नमः।
५९० ॐ गोरसक्षेपण्यै नमः।
५९१ ॐ शूरायै नमः।
५९२ ॐ सानन्दायै नमः।
५९३ ॐ आनन्ददायिन्यै नमः।
५९४ ॐ महालीलायै नमः।
५९५ ॐ प्रकृष्टायै नमः।
५९६ ॐ नागर्यै नमः।
५९७ ॐ नगचारिण्यै नमः।
५९८ ॐ नित्यमाघूर्णितायै नमः।
५९९ ॐ पूर्णायै नमः।
६०० ॐ कस्तूरीतिलकान्वितायै नमः।
६०१ ॐ पद्मायै नमः।
६०२ ॐ श्यामायै नमः।
६०३ ॐ मृगाक्ष्यै नमः।
६०४ ॐ सिद्धिरूपायै नमः।
६०५ ॐ रसावहायै नमः।
६०६ ॐ कोटिचन्द्राननायै नमः।
६०७ ॐ गौर्यै नमः।
६०८ ॐ कोटिकोकिलसुस्वरायै नमः।
६०९ ॐ शीलसौन्दर्यनिलयायै नमः।
६१० ॐ नन्दनन्दनलालितायै नमः।
६११ ॐ अशोकवनसंवासायै नमः।
६१२ ॐ भाण्डीरवनसङ्गतायै नमः।
६१३ ॐ कल्पद्रुमतलाविष्टायै नमः।
६१४ ॐ कृष्णायै नमः।
६१५ ॐ विश्वस्यै नमः।
६१६ ॐ हरिप्रियायै नमः।
६१७ ॐ अजागम्यायै नमः।
६१८ ॐ भवागम्यायै नमः।

६१९ ॐ गोवर्धनकृतालयायै नमः।
६२० ॐ यमुनातीरनिलयायै नमः।
६२१ ॐ शश्वद्गोविन्दजल्पिन्यै नमः।
६२२ ॐ शश्वन्मानवत्यै नमः।
६२३ ॐ स्निग्धायै नमः।
६२४ ॐ श्रीकृष्णपरिवन्दितायै नमः।
६२५ ॐ कृष्णस्तुतायै नमः।
६२६ ॐ कृष्णवृतायै नमः।
६२७ ॐ श्रीकृष्णहृदयालयायै नमः।
६२८ ॐ देवद्रुमफलायै नमः।
६२९ ॐ सेव्यायै नमः।
६३० ॐ वृन्दावनरसालयायै नमः।
६३१ ॐ कोटितीर्थमय्यै नमः।
६३२ ॐ सत्यायै नमः।
६३३ ॐ कोटितीर्थफलप्रदायै नमः।
६३४ ॐ कोटियोगसुदुष्प्राप्यायै नमः।
६३५ ॐ कोटियज्ञदुराश्रयायै नमः।
६३६ ॐ मनसायै नमः।
६३७ ॐ शशिलेखायै नमः।
६३८ ॐ श्रीकोटिसुभगायै नमः।
६३९ ॐ अनघायै नमः।
६४० ॐ कोटिमुक्तसुखायै नमः।
६४१ ॐ सौम्यायै नमः।
६४२ ॐ लक्ष्मीकोटिविलासिन्यै नमः।
६४३ ॐ तिलोत्तमायै नमः।
६४४ ॐ त्रिकालस्थायै नमः।
६४५ ॐ त्रिकालज्ञायै नमः।
६४६ ॐ अधीश्वर्यै नमः।
६४७ ॐ त्रिवेदज्ञायै नमः।
६४८ ॐ त्रिलोकज्ञायै नमः।
६४९ ॐ तुरीयान्तनिवासिन्यै नमः।
६५० ॐ दुर्गाराध्यायै नमः।
६५१ ॐ रमाराध्यायै नमः।
६५२ ॐ विश्वाराध्यायै नमः।
६५३ ॐ चिदात्मिकायै नमः।
६५४ ॐ देवाराध्यायै नमः।
६५५ ॐ पराराध्यायै नमः।
६५६ ॐ ब्रह्माराध्यायै नमः।
६५७ ॐ परात्मिकायै नमः।
६५८ ॐ शिवाराध्यायै नमः।
६५९ ॐ प्रेमसाध्यायै नमः।
६६० ॐ भक्ताराध्यायै नमः।
६६१ ॐ रसात्मिकायै नमः।
६६२ ॐ कृष्णप्राणार्पिण्यै नमः।
६६३ ॐ भामायै नमः।
६६४ ॐ शुद्धप्रेमविलासिन्यै नमः।
६६५ ॐ कृष्णाराध्यायै नमः।
६६६ ॐ भक्तिसाध्यायै नमः।
६६७ ॐ भक्तवृन्दनिषेवितायै नमः।
६६८ ॐ विश्वाधारायै नमः।
६६९ ॐ कृपाधारायै नमः।
६७० ॐ जीवाधारायै नमः।
६७१ ॐ अतिनायिकायै नमः।
६७२ ॐ शुद्धप्रेममय्यै नमः।
६७३ ॐ लज्जायै नमः।
६७४ ॐ नित्यसिद्धायै नमः।
६७५ ॐ शिरोमण्यै नमः।
६७६ ॐ दिव्यरूपायै नमः।

६७७ ॐ दिव्यभोगायै नमः।
६७८ ॐ दिव्यवेषायै नमः।
६७९ ॐ मुदान्वितायै नमः।
६८० ॐ दिव्याङ्गनावृन्दसारायै नमः।
६८१ ॐ नित्यनूतनयौवनायै नमः।
६८२ ॐ परब्रह्मावृतायै नमः।
६८३ ॐ ध्येयायै नमः।
६८४ ॐ महारूपायै नमः।
६८५ ॐ महोज्ज्वलायै नमः।
६८६ ॐ कोटिसूर्यप्रभायै नमः।
६८७ ॐ कोटिचन्द्रबिम्बाधिकच्छव्यै नमः।
६८८ ॐ कोमलामृतवागाद्यायै नमः।
६८९ ॐ वेदाद्यायै नमः।
६९० ॐ वेददुर्लभायै नमः।
६९१ ॐ कृष्णासक्तायै नमः।
६९२ ॐ कृष्णभक्तायै नमः।
६९३ ॐ चन्द्रावलिनिषेवितायै नमः।
६९४ ॐ कलाषोडशसम्पूर्णायै नमः।
६९५ ॐ कृष्णदेहार्धधारिण्यै नमः।
६९६ ॐ कृष्णबुद्ध्यै नमः।
६९७ ॐ कृष्णसारायै नमः।
६९८ ॐ कृष्णरूपविहारिण्यै नमः।
६९९ ॐ कृष्णकान्तायै नमः।
७०० ॐ कृष्णधनायै नमः।
७०१ ॐ कृष्णमोहनकारिण्यै नमः।
७०२ ॐ कृष्णदृष्ट्यै नमः।
७०३ ॐ कृष्णगोत्र्यै नमः।
७०४ ॐ कृष्णदेव्यै नमः।
७०५ ॐ कुलोद्वहायै नमः।
७०६ ॐ सर्वभूतस्थितावात्मायै नमः।
७०७ ॐ सर्वलोकनमस्कृतायै नमः।
७०८ ॐ कृष्णदात्र्यै नमः।
७०९ ॐ प्रेमधात्र्यै नमः।
७१० ॐ स्वर्णगात्र्यै नमः।
७११ ॐ मनोरमायै नमः।
७१२ ॐ नगधात्र्यै नमः।
७१३ ॐ यशोदात्र्यै नमः।
७१४ ॐ महादेव्यै नमः।
७१५ ॐ शुभङ्कर्यै नमः।
७१६ ॐ श्रीशेषदेवजनन्यै नमः।
७१७ ॐ अवतारगणप्रस्वै नमः।
७१८ ॐ उत्पलाङ्कायै नमः।
७१९ ॐ अरविन्दाङ्कायै नमः।
७२० ॐ प्रासादाङ्कायै नमः।
७२१ ॐ अद्वितीयकायै नमः।
७२२ ॐ रथाङ्कायै नमः।
७२३ ॐ कुञ्जराङ्कायै नमः।
७२४ ॐ कुण्डलाङ्कपदस्थितायै नमः।
७२५ ॐ छत्राङ्कायै नमः।
७२६ ॐ विद्युदङ्कायै नमः।
७२७ ॐ पुष्पमालाङ्कितायै नमः।
७२८ ॐ दण्डाङ्कायै नमः।
७२९ ॐ मुकुटाङ्कायै नमः।
७३० ॐ पूर्णचन्द्रायै नमः।
७३१ ॐ शुकाङ्कितायै नमः।
७३२ ॐ कृष्णान्नाहारपाकायै नमः।
७३३ ॐ वृन्दाकुञ्जविहारिण्यै नमः।
७३४ ॐ कृष्णप्रबोधनकर्यै नमः।

७३५ ॐ कृष्णशेषान्नभोजिन्यै नमः।
७३६ ॐ पद्मकेसरमध्यस्थायै नमः।
७३७ ॐ सङ्गीतागमवेदिन्यै नमः।
७३८ ॐ कोटिकल्पान्तभ्रूभङ्गायै नमः।
७३९ ॐ अप्राप्तप्रलयायै नमः।
७४० ॐ अच्युतायै नमः।
७४१ ॐ सर्वसत्त्वनिधये नमः।
७४२ ॐ पद्मशङ्खादिनिधिसेवितायै नमः।
७४३ ॐ अणिमादिगुणैश्वर्यायै नमः।
७४४ ॐ देववृन्दविमोहिन्यै नमः।
७४५ ॐ सर्वानन्दप्रदायै नमः।
७४६ ॐ सर्वस्यै नमः।
७४७ ॐ सुवर्णलतिकाकृत्यै नमः।
७४८ ॐ कृष्णाभिसारसंकेतायै नमः।
७४९ ॐ मालिन्यै नमः।
७५० ॐ नृत्यपण्डितायै नमः।
७५१ ॐ गोपीसिन्धुसकाशाह्वायै नमः।
७५२ ॐ गोपमण्डपशोभिन्यै नमः।
७५३ ॐ श्रीकृष्णप्रीतिदायै नमः।
७५४ ॐ भीतायै नमः।
७५५ ॐ प्रत्यङ्गपुलकाञ्चितायै नमः।
७५६ ॐ श्रीकृष्णालिङ्गनरतायै नमः।
७५७ ॐ गोविन्दविरहाक्षमायै नमः।
७५८ ॐ अनन्तगुणसम्पन्नायै नमः।
७५९ ॐ कृष्णकीर्तनलालसायै नमः।
७६० ॐ बीजत्रयमयीमूर्त्यै नमः।
७६१ ॐ कृष्णानुग्रहवाञ्छितायै नमः।
७६२ ॐ विमलादिनिषेव्यायै नमः।
७६३ ॐ ललिताद्यर्चितायै नमः।
७६४ ॐ सत्यै नमः।
७६५ ॐ पद्मवृन्दस्थितायै नमः।
७६६ ॐ हृष्टायै नमः।
७६७ ॐ त्रिपुरापरिसेवितायै नमः।
७६८ ॐ वृन्तावत्यर्चितायै नमः।
७६९ ॐ श्रद्धायै नमः।
७७० ॐ दुर्ज्ञेयायै नमः।
७७१ ॐ भक्तवल्लभायै नमः।
७७२ ॐ दुर्लभायै नमः।
७७३ ॐ सान्द्रसौख्यात्मायै नमः।
७७४ ॐ श्रेयोहेतवे नमः।
७७५ ॐ सुभोगदायै नमः।
७७६ ॐ सारङ्गायै नमः।
७७७ ॐ शारदायै नमः।
७७८ ॐ बोधायै नमः।
७७९ ॐ सद्वृन्दावनचारिण्यै नमः।
७८० ॐ ब्रह्मानन्दायै नमः।
७८१ ॐ चिदानन्दायै नमः।
७८२ ॐ ध्यानानन्दायै नमः।
७८३ ॐ अर्धमात्रिकायै नमः।
७८४ ॐ गन्धर्वायै नमः।
७८५ ॐ सुरतज्ञायै नमः।
७८६ ॐ गोविन्दप्राणसङ्गमायै नमः।
७८७ ॐ कृष्णाङ्गभूषणायै नमः।
७८८ ॐ रत्नभूषणायै नमः।
७८९ ॐ स्वर्णभूषितायै नमः।
७९० ॐ श्रीकृष्णहृदयावासायै नमः।
७९१ ॐ मुक्ताकनकनासिकायै नमः।
७९२ ॐ सद्रत्नकङ्कणयुतायै नमः।

७९३ ॐ श्रीमन्नीलगिरिस्थितायै नमः।
७९४ ॐ स्वर्णनूपुरसम्पन्नायै नमः।
७९५ ॐ स्वर्णकिङ्किणिमण्डितायै नमः।
७९६ ॐ अशेषरासकुतुकायै नमः।
७९७ ॐ रम्भोर्वै नमः।
७९८ ॐ तनुमध्यमायै नमः।
७९९ ॐ पराकृत्यै नमः।
८०० ॐ परानन्दायै नमः।
८०१ ॐ परस्वर्गविहारिण्यै नमः।
८०२ ॐ प्रसूनकबर्यै नमः।
८०३ ॐ चित्रायै नमः।
८०४ ॐ महासिन्दूरसुन्दर्यै नमः।
८०५ ॐ कैशोरवयसायै नमः।
८०६ ॐ बालायै नमः।
८०७ ॐ प्रमदाकुलशेखरायै नमः।
८०८ ॐ कृष्णाधरसुधास्वादायै नमः।
८०९ ॐ श्यामप्रेमविनोदिन्यै नमः।
८१० ॐ शिखिपिच्छलसच्चूडायै नमः।
८११ ॐ स्वर्णचम्पकभूषितायै नमः।
८१२ ॐ कुंकुमालक्तकस्तूरी-
मण्डितायै नमः।
८१३ ॐ अपराजितायै नमः।
८१४ ॐ हेमहारान्वितायै नमः।
८१५ ॐ पुष्पहाराढ्यायै नमः।
८१६ ॐ रसवत्यै नमः।
८१७ ॐ माधुर्यमधुरायै नमः।
८१८ ॐ पद्मायै नमः।
८१९ ॐ पद्महस्तायै नमः।
८२० ॐ सुविश्रुतायै नमः।
८२१ ॐ भ्रूभङ्गाभङ्गकोदण्डक-
टाक्षशरसंधिन्यै नमः।
८२२ ॐ शेषदेवायै नमः।
८२३ ॐ शिरस्थायै नमः।
८२४ ॐ नित्यस्थलविहारिण्यै नमः।
८२५ ॐ कारुण्यजलमध्यस्थायै नमः।
८२६ ॐ नित्यमत्तायै नमः।
८२७ ॐ अधिरोहिण्यै नमः।
८२८ ॐ अष्टभाववत्यै नमः।
८२९ ॐ अष्टनायिकायै नमः।
८३० ॐ लक्षणान्वितायै नमः।
८३१ ॐ सुनीतिज्ञायै नमः।
८३२ ॐ श्रुतिज्ञायै नमः।
८३३ ॐ सर्वज्ञायै नमः।
८३४ ॐ दुःखहारिण्यै नमः।
८३५ ॐ रजोगुणेश्वर्यै नमः।
८३६ ॐ शरच्चन्द्रनिभाननायै नमः।
८३७ ॐ केतकीकुसुमाभासायै नमः।
८३८ ॐ सदा सिन्धुवनस्थितायै नमः।
८३९ ॐ हेमपुष्पाधिककरायै नमः।
८४० ॐ पञ्चशक्तिमय्यै नमः।
८४१ ॐ हितायै नमः।
८४२ ॐ स्तनकुम्भ्यै नमः।
८४३ ॐ नराढ्यायै नमः।
८४४ ॐ क्षीणापुण्यायै नमः।
८४५ ॐ यशस्विन्यै नमः।
८४६ ॐ वैराजसूर्यजनन्यै नमः।
८४७ ॐ श्रीशायै नमः।
८४८ ॐ भुवनमोहिन्यै नमः।

८४९ ॐ महाशोभायै नमः।
८५० ॐ महामायायै नमः।
८५१ ॐ महाकान्त्यै नमः।
८५२ ॐ महास्मृत्यै नमः।
८५३ ॐ महामोहायै नमः।
८५४ ॐ महाविद्यायै नमः।
८५५ ॐ महाकीर्त्यै नमः।
८५६ ॐ महारत्यै नमः।
८५७ ॐ महाधैर्यायै नमः।
८५८ ॐ महावीर्यायै नमः।
८५९ ॐ महाशक्त्यै नमः।
८६० ॐ महाद्युत्यै नमः।
८६१ ॐ महागौर्यै नमः।
८६२ ॐ महासम्पदे नमः।
८६३ ॐ महाभोगविलासिन्यै नमः।
८६४ ॐ समयायै नमः।
८६५ ॐ भक्तिदायै नमः।
८६६ ॐ अशोकायै नमः।
८६७ ॐ वात्सल्यरसदायिन्यै नमः।
८६८ ॐ सुहृद्भक्तिप्रदायै नमः।
८६९ ॐ स्वच्छायै नमः।
८७० ॐ माधुर्यरसवर्षिण्यै नमः।
८७१ ॐ भावभक्तिप्रदायै नमः।
८७२ ॐ शुद्धप्रेमभक्तिविधायिन्यै नमः।
८७३ ॐ गोपरामायै नमः।
८७४ ॐ अभिरामायै नमः।
८७५ ॐ क्रीडारामायै नमः।
८७६ ॐ परेश्वर्यै नमः।
८७७ ॐ नित्यरामायै नमः।
८७८ ॐ आत्मरामायै नमः।
८७९ ॐ कृष्णरामायै नमः।
८८० ॐ रमेश्वर्यै नमः।
८८१ ॐ एकानेकजगद्व्याप्तायै नमः।
८८२ ॐ विश्वलीलाप्रकाशिन्यै नमः।
८८३ ॐ सरस्वतीशायै नमः।
८८४ ॐ दुर्गेशायै नमः।
८८५ ॐ जगदीशायै नमः।
८८६ ॐ जगद्विध्यै नमः।
८८७ ॐ विष्णुवंशनिवासायै नमः।
८८८ ॐ विष्णुवंशसमुद्भवायै नमः।
८८९ ॐ विष्णुवंशस्तुतायै नमः।
८९० ॐ कर्त्र्यै नमः।
८९१ ॐ सदा विष्णुवंशावन्यै नमः।
८९२ ॐ आरामस्थायै नमः।
८९३ ॐ वनस्थायै नमः।
८९४ ॐ सूर्यपुत्र्यवगाहिन्यै नमः।
८९५ ॐ प्रीतिस्थायै नमः।
८९६ ॐ नित्ययन्त्रस्थायै नमः।
८९७ ॐ गोलोकस्थायै नमः।
८९८ ॐ विभूतिदायै नमः।
८९९ ॐ स्वानुभूतिस्थितायै नमः।
९०० ॐ व्यक्तायै नमः।
९०१ ॐ सर्वलोकनिवासिन्यै नमः।
९०२ ॐ अमृतायै नमः।
९०३ ॐ अद्भुतायै नमः।
९०४ ॐ श्रीमन्नारायणसमीडितायै नमः।
९०५ ॐ अक्षरायै नमः।
९०६ ॐ कूटस्थायै नमः।

१०७ ॐ महापुरुषसम्भवायै नमः।
१०८ ॐ औदार्यभावसाध्यायै नमः।
१०९ ॐ स्थूलसूक्ष्मातिरूपिण्यै नमः।
११० ॐ शिरीषपुष्पमृदुलायै नमः।
१११ ॐ गाङ्गेयमुकुरप्रभायै नमः।
११२ ॐनीलोत्पलजिताक्ष्यै नमः।
११३ ॐ सद्रत्नकबरान्वितायै नमः।
११४ ॐ प्रेमपर्यङ्कनिलयायै नमः।
११५ ॐ तेजोमण्डलमध्यगायै नमः।
११६ ॐ कृष्णाङ्गगोपनाभेदायै नमः।
११७ ॐ लीलावरणनायिकायै नमः।
११८ ॐ सुधासिन्धुसमुल्लासायै नमः।
११९ ॐ अमृतास्यन्दविधायिन्यै नमः।
१२० ॐ कृष्णचित्तायै नमः।
१२१ ॐ रासचित्तायै नमः।
१२२ ॐ प्रेमचित्तायै नमः।
१२३ ॐ हरिप्रियायै नमः।
१२४ ॐ अचिन्तनगुणग्रामायै नमः।
१२५ ॐ कृष्णलीलायै नमः।
१२६ ॐ मलापहायै नमः।
१२७ ॐ राससिन्धुशशाङ्कायै नमः।
१२८ ॐ रासमण्डलमण्डिन्यै नमः।
१२९ ॐ नतव्रतायै नमः।
१३० ॐ श्रीहरीच्छासुमूर्त्यै नमः।
१३१ ॐ सुरवन्दितायै नमः।
१३२ ॐ गोपीचूडामण्यै नमः।
१३३ ॐ गोपीगणेड्यायै नमः।
१३४ ॐ विरजाधिकायै नमः।
१३५ ॐ गोपप्रेष्ठायै नमः।
१३६ ॐ गोपकन्यायै नमः।
१३७ ॐ गोपनार्यै नमः।
१३८ ॐ सुगोपिकायै नमः।
१३९ ॐ गोपधामायै नमः।
१४० ॐ सुदामाम्बायै नमः।
१४१ ॐ गोपाल्यै नमः।
१४२ ॐ गोपमोहिन्यै नमः।
१४३ ॐ गोपभूषायै नमः।
१४४ ॐ कृष्णभूषायै नमः।
१४५ ॐ श्रीवृन्दावनचन्द्रिकायै नमः।
१४६ ॐ वीणादिघोषनिरतायै नमः।
१४७ ॐ रासोत्सवविकासिन्यै नमः।
१४८ ॐ कृष्णचेष्टापरिज्ञातायै नमः।
१४९ ॐ कोटिकन्दर्पमोहिन्यै नमः।
१५० ॐ श्रीकृष्णगुणगानाढ्यायै नमः।
१५१ ॐ देवसुन्दरिमोहिन्यै नमः।
१५२ ॐ कृष्णचन्द्रमनोज्ञायै नमः।
१५३ ॐ कृष्णदेवसहोदर्यै नमः।
१५४ ॐ कृष्णाभिलाषिण्यै नमः।
१५५ ॐ कृष्णप्रेमानुग्रहवाञ्छिन्यै नमः।
१५६ ॐ क्षेमायै नमः।
१५७ ॐ मधुरालापायै नमः।
१५८ ॐ भ्रुवोमायायै नमः।
१५९ ॐ सुभद्रिकायै नमः।
१६० ॐ प्रकृत्यै नमः।
१६१ ॐ परमानन्दायै नमः।
१६२ ॐ नीपद्रुमतलस्थितायै नमः।
१६३ ॐ कृपाकटाक्षायै नमः।
१६४ ॐ बिम्बोष्ठ्यै नमः।

९६५ ॐ रम्भायै नमः।
९६६ ॐ चारुनितम्बिन्यै नमः।
९६७ ॐ स्मरकेलिनिधानायै नमः।
९६८ ॐ गण्डताटङ्कमण्डितायै नमः।
९६९ ॐ हेमाद्रिकान्तिरुचिरायै नमः।
९७० ॐ प्रेमाढ्यायै नमः।
९७१ ॐ मदमन्थरायै नमः।
९७२ ॐ कृष्णचिन्तायै नमः।
९७३ ॐ प्रेमचिन्तायै नमः।
९७४ ॐ रतिचिन्तायै नमः।
९७५ ॐ कृष्णदायै नमः।
९७६ ॐ रासचिन्तायै नमः।
९७७ ॐ भावचिन्तायै नमः।
९७८ ॐ शुद्धचिन्तायै नमः।
९७९ ॐ महारसायै नमः।
९८० ॐ कृष्णादृष्टित्रुटियुगायै नमः।
९८१ ॐ दृष्टिपक्ष्मविनिन्दिन्यै नमः।
९८२ ॐ कन्दर्पजनन्यै नमः।
९८३ ॐ मुख्यायै नमः।
९८४ ॐ वैकुण्ठगतिदायिन्यै नमः।
९८५ ॐ रासभावायै नमः।
९८६ ॐ प्रियाश्लिष्टायै नमः।
९८७ ॐ प्रेष्ठायै नमः।
९८८ ॐ प्रथमनायिकायै नमः।
९८९ ॐ शुद्धायै नमः।
९९० ॐ सुधादेहिन्यै नमः।
९९१ ॐ श्रीरामायै नमः।
९९२ ॐ रसमञ्जर्यै नमः।
९९३ ॐ सुप्रभावायै नमः।
९९४ ॐ शुभाचारायै नमः।
९९५ ॐ स्वर्नदीनर्मदाम्बिकायै नमः।
९९६ ॐ गोमतीचन्द्रभागेड्यायै नमः।
९९७ ॐ सरयूताम्रपर्णिस्वै नमः।
९९८ ॐ निष्कलङ्कचरित्रायै नमः।
९९९ ॐ निर्गुणायै नमः।
१००० ॐ निरञ्जनायै नमः।

॥ इति श्रीबृहन्नारदीयपुराणे श्रीराधाकृष्णसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीहनुमते नमः ॥

श्रीहनुमत्सहस्त्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं
दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम्।
सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं
रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि॥*

स्तोत्रम्

श्रीरामचन्द्र उवाच

हनुमाञ्श्रीप्रदो वायुपुत्रो रुद्रोऽनघोऽजरः।
अमृत्युर्वीरवीरश्च ग्रामवासो जनाश्रयः॥ १॥
धनदो निर्गुणोऽकायो वीरो निधिपतिर्मुनिः।
पिङ्गाक्षो वरदो वाग्मी सीताशोकविनाशनः॥ २॥
शिवः सर्वः परोऽव्यक्तो व्यक्ताव्यक्तो रसाधरः।
पिङ्गकेशः पिङ्गरोमा श्रुतिगम्यः सनातनः॥ ३॥
अनादिर्भगवान् देवो विश्वहेतुर्निरामयः।
आरोग्यकर्ता विश्वेशो विश्वनाथो हरीश्वरः॥ ४॥

---

* अतुल बलके धाम, सोनेके पर्वत (सुमेरु)-के समान कान्तियुक्त शरीरवाले, दैत्यरूपी वन [-को ध्वंस करने]-के लिये अग्निरूप, ज्ञानियोंमें अग्रगण्य, सम्पूर्ण गुणोंके निधान, वानरोंके स्वामी, श्रीरघुनाथजीके प्रिय भक्त पवनपुत्र श्रीहनुमान्‌जीको मैं प्रणाम करता हूँ।

भर्गो रामो रामभक्तः कल्याणप्रकृतिः स्थिरः।
विश्वम्भरो विश्वमूर्तिर्विश्वाकारोऽथ विश्वपः॥ ५ ॥
विश्वात्मा विश्वसेव्योऽथ विश्वो विश्वहरो रविः।
विश्वचेष्टो विश्वगम्यो विश्वध्येयः कलाधरः॥ ६ ॥
प्लवङ्गमः कपिश्रेष्ठो ज्येष्ठो वैद्यो वनेचरः।
बालो वृद्धो युवा तत्त्वं तत्त्वगम्यः सखा ह्यजः॥ ७ ॥
अञ्जनासूनुरव्यग्रो ग्रामख्यातो धराधरः।
भूर्भुवःस्वर्महर्लोको जनलोकस्तपोऽव्ययः॥ ८ ॥
सत्यमोङ्कारगम्यश्च प्रणवो व्यापकोऽमलः।
शिवधर्मप्रतिष्ठाता रामेष्टः फाल्गुनप्रियः॥ ९ ॥
गोष्पदीकृतवारीशः पूर्णकामो धरापतिः।
रक्षोघ्नः पुण्डरीकाक्षः शरणागतवत्सलः॥ १० ॥
जानकीप्राणदाता च रक्षःप्राणापहारकः।
पूर्णः सत्यः पीतवासा दिवाकरसमप्रभः॥ ११ ॥
देवोद्यानविहारी च देवताभयभञ्जनः।
भक्तोदयो भक्तलब्धो भक्तपालनतत्परः॥ १२ ॥
द्रोणहर्ता शक्तिनेता शक्तिराक्षसमारकः।
अक्षघ्नो रामदूतश्च शाकिनीजीवहारकः॥ १३ ॥
बुबुकारहतारातिर्गर्वपर्वतमर्दनः।
हेतुस्त्वहेतुः प्रांशुश्च विश्वभर्ता जगद्गुरुः॥ १४ ॥
जगन्नेता जगन्नाथो जगदीशो जनेश्वरः।
जगद्धितो हरिः श्रीशो गरुडस्मयभञ्जनः॥ १५ ॥

पार्थध्वजो वायुपुत्रोऽमितपुच्छोऽमितविक्रमः।
ब्रह्मपुच्छः परब्रह्मपुच्छो रामेष्टकारकः॥ १६॥
सुग्रीवादियुतो ज्ञानी वानरो वानरेश्वरः।
कल्पस्थायी चिरञ्जीवी तपनश्च सदाशिवः॥ १७॥
सन्नतिः सद्गतिर्भुक्तिमुक्तिदः कीर्तिदायकः।
कीर्तिः कीर्तिप्रदश्चैव समुद्रः श्रीपदः शिवः॥ १८॥
भक्तोदयो भक्तगम्यो भक्तभाग्यप्रदायकः।
उदधिक्रमणो देवः संसारभयनाशनः॥ १९॥
वार्धिबन्धनकृद् विश्वजेता विश्वप्रतिष्ठितः।
लङ्कारिः कालपुरुषो लङ्केशगृहभञ्जनः॥ २०॥
भूतावासो वासुदेवो वसुस्त्रिभुवनेश्वरः।
श्रीरामरूपः कृष्णस्तु लङ्काप्रासादभञ्जकः॥ २१॥
कृष्णः कृष्णस्तुतः शान्तः शान्तिदो विश्वपावनः।
विश्वभोक्ताथ मारघ्नो ब्रह्मचारी जितेन्द्रियः॥ २२॥
ऊर्ध्वगो लाङ्गुली माली लाङ्गूलाहतराक्षसः।
समीरतनुजो वीरो वीरतारो जयप्रदः॥ २३॥
जगन्मङ्गलदः पुण्यः पुण्यश्रवणकीर्तनः।
पुण्यकीर्तिः पुण्यगतिर्जगत्पावनपावनः॥ २४॥
देवेशो जितमारोऽथ रामभक्तिविधायकः।
ध्याता ध्येयो लयः साक्षी चेता चैतन्यविग्रहः॥ २५॥
ज्ञानदः प्राणदः प्राणो जगत्प्राणः समीरणः।
विभीषणप्रियः शूरः पिप्पलाश्रयसिद्धिदः॥ २६॥

सिद्धः सिद्धाश्रयः कालो महोक्षः कालजान्तकः।
लङ्केशनिधनस्थायी लङ्कादाहक ईश्वरः॥ २७॥
चन्द्रसूर्याग्निनेत्रश्च कालाग्निः प्रलयान्तकः।
कपिलः कपिशः पुण्यराशिर्द्वादशराशिगः॥ २८॥
सर्वाश्रयोऽप्रमेयात्मा रेवत्यादिनिवारकः।
लक्ष्मणप्राणदाता च सीताजीवनहेतुकः॥ २९॥
रामध्येयो हृषीकेशो विष्णुभक्तो जटी बली।
देवारिदर्पहा होता धाता कर्ता जगत्प्रभुः॥ ३०॥
नगरग्रामपालश्च शुद्धो बुद्धो निरत्रपः।
निरञ्जनो निर्विकल्पो गुणातीतो भयंकरः॥ ३१॥
हनुमांश्च दुराराध्यस्तपःसाध्यो महेश्वरः।
जानकीधनशोकोत्थतापहर्ता परात्परः॥ ३२॥
वाङ्मयः सदसद्रूपः कारणं प्रकृतेः परः।
भाग्यदो निर्मलो नेता पुच्छलङ्काविदाहकः॥ ३३॥
पुच्छबद्धयातुधानो यातुधानरिपुप्रियः।
छायापहारी भूतेशो लोकेशः सद्गतिप्रदः॥ ३४॥
प्लवङ्गमेश्वरः क्रोधः क्रोधसंरक्तलोचनः।
सौम्यो गुरुः काव्यकर्ता भक्तानां च वरप्रदः॥ ३५॥
भक्तानुकम्पी विश्वेशः पुरुहूतः पुरंदरः।
क्रोधहर्ता तमोहर्ता भक्ताभयवरप्रदः॥ ३६॥
अग्निर्विभावसुर्भास्वान् यमो निर्ऋतिरेव च।
वरुणो वायुगतिमान् वायुः कौबेर ईश्वरः॥ ३७॥

रविश्चन्द्रः कुजः सौम्यो गुरुः काव्यः शनैश्चरः।
राहुः केतुर्मरुद्धोता दाता हर्ता समीरजः॥ ३८॥
मशकीकृतदेवारिर्दैत्यारिर्मधुसूदनः।
कामः कपिः कामपालः कपिलो विश्वजीवनः॥ ३९॥
भागीरथीपदाम्भोजः सेतुबन्धविशारदः।
स्वाहा स्वधा हविः कव्यं हव्यवाहप्रकाशकः॥ ४०॥
स्वप्रकाशो महावीरो लघुरूर्जितविक्रमः।
उड्डीनोड्डीनगतिमान् सद्गतिः पुरुषोत्तमः॥ ४१॥
जगदात्मा जगद्योनिर्जगदन्तो ह्यनन्तकः।
विपाप्मा निष्कलङ्कोऽथ महान् महदहंकृतिः॥ ४२॥
खं वायुः पृथिवी चापो वह्निर्दिक्पाल एव च।
क्षेत्रज्ञः क्षेत्रहर्ता च पल्वलीकृतसागरः॥ ४३॥
हिरणमयः पुराणश्च खेचरो भूचरोऽमरः।
हिरण्यगर्भः सूत्रात्मा राजराजो विशांपतिः॥ ४४॥
वेदान्तवेद्य उद्गीथो वेदवेदाङ्गपारगः।
प्रतिग्रामस्थितिः सद्यःस्फूर्तिदाता गुणाकरः॥ ४५॥
नक्षत्रमाली भूतात्मा सुरभिः कल्पपादपः।
चिन्तामणिर्गुणनिधिः प्रजाधारो ह्यनुत्तमः॥ ४६॥
पुण्यश्लोकः पुरारातिर्ज्योतिष्माञ्शर्वरीपतिः।
किल्किलारावसंत्रस्तभूतप्रेतपिशाचकः॥ ४७॥
ऋणत्रयहरः सूक्ष्मः स्थूलः सर्वगतिः पुमान्।
अपस्मारहरः स्मर्ता श्रुतिर्गाथा स्मृतिर्मनुः॥ ४८॥

स्वर्गद्वारं प्रजाद्वारं मोक्षद्वारं यतीश्वरः।
नादरूपः परं ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्मपुरातनः॥ ४९॥
एकोऽनेको जनः शुक्लः स्वयंज्योतिरनाकुलः।
ज्योतिर्ज्योतिरनादिश्च सात्त्विको राजसस्तमः॥ ५०॥
तमोहर्ता निरालम्बो निराकारो गुणाकरः।
गुणाश्रयो गुणमयो बृहत्कर्मा बृहद्यशाः॥ ५१॥
बृहद्धनुर्बृहत्पादो बृहन्मूर्धा बृहत्स्वनः।
बृहत्कर्णो बृहन्नासो बृहद्बाहुर्बृहत्तनुः॥ ५२॥
बृहज्जानुर्बृहत्कार्यो बृहत्पुच्छो बृहत्करः।
बृहद्गतिर्बृहत्सेव्यो बृहल्लोकफलप्रदः॥ ५३॥
बृहच्छक्तिर्बृहद्वाञ्छाफलदो बृहदीश्वरः।
बृहल्लोकनुतो द्रष्टा विद्यादाता जगद्गुरुः॥ ५४॥
देवाचार्यः सत्यवादी ब्रह्मवादी कलाधरः।
सप्तपातालगामी च मलयाचलसंश्रयः॥ ५५॥
उत्तराशास्थितः श्रीदो दिव्यौषधिवशः खगः।
शाखामृगः कपीन्द्रोऽथ पुराणश्रुतिचञ्चुरः॥ ५६॥
चतुरब्राह्मणो योगी योगगम्यः परावरः।
अनादिनिधनो व्यासो वैकुण्ठः पृथिवीपतिः॥ ५७॥
अपराजितो जितारातिः सदानन्दो दयायुतः।
गोपालो गोपतिर्गोप्ता कलिकालपराशरः॥ ५८॥
मनोवेगी सदायोगी संसारभयनाशनः।
तत्त्वदाताथ तत्त्वज्ञस्तत्त्वं तत्त्वप्रकाशकः॥ ५९॥

शुद्धो बुद्धो नित्यमुक्तो भक्तराजो जयद्रथः।
प्रलयोऽमितमायश्च मायातीतो विमत्सरः॥ ६०॥
मायाभर्जितरक्षाश्च मायानिर्मितविष्टपः।
मायाश्रयश्च निर्लेपो मायानिर्वर्तकः सुखम्॥ ६१॥
सुखी सुखप्रदो नागो महेशकृतसंस्तवः।
महेश्वरः सत्यसंधः शरभः कलिपावनः॥ ६२॥
सहस्त्रकन्धरबलविध्वंसनविचक्षणः।
सहस्त्रबाहुः सहजो द्विबाहुर्द्विभुजोऽमरः॥ ६३॥
चतुर्भुजो दशभुजो हयग्रीवः खगाननः।
कपिवक्त्रः कपिपतिर्नरसिंहो महाद्युतिः॥ ६४॥
भीषणो भावगो वन्द्यो वराहो वायुरूपधृक्।
लक्ष्मणप्राणदाता च पराजितदशाननः॥ ६५॥
पारिजातनिवासी च वटुर्वचनकोविदः।
सुरसास्यविनिर्मुक्तः सिंहिकाप्राणहारकः॥ ६६॥
लङ्कालङ्कारविध्वंसी वृषदंशकरूपधृक्।
रात्रिसंचारकुशलो रात्रिंचरगृहाग्निदः॥ ६७॥
किङ्करान्तकरो जम्बुमालिहन्तोग्ररूपधृक्।
आकाशचारी हरिगो मेघनादरणोत्सुकः॥ ६८॥
मेघगम्भीरनिनदो महारावणकुलान्तकः।
कालनेमिप्राणहारी मकरीशापमोक्षदः॥ ६९॥
रसो रसज्ञः सम्मानो रूपं चक्षुः श्रुतिर्वचः।
घ्राणो गन्धः स्पर्शनं च स्पर्शोऽहङ्कारमानगः॥ ७०॥

नेतिनेतीतिगम्यश्च वैकुण्ठभजनप्रियः।
गिरीशो गिरिजाकान्तो दुर्वासाः कविरङ्गिराः॥ ७१॥
भृगुर्वसिष्ठश्च्यवनो नारदस्तुम्बरोऽमलः।
विश्वक्षेत्रो विश्वबीजो विश्वनेत्रश्च विश्वपः॥ ७२॥
याजको यजमानश्च पावकः पितरस्तथा।
श्रद्धा बुद्धिः क्षमा तन्द्रा मन्त्रो मन्त्रयिता स्वरः॥ ७३॥
राजेन्द्रो भूपती रुण्डमाली संसारसारथिः।
नित्यसम्पूर्णकामश्च भक्तकामधुगुत्तमः॥ ७४॥
गणपः केशवो भ्राता पिता माता च मारुतिः।
सहस्त्रमूर्द्धानेकास्यः सहस्त्राक्षः सहस्त्रपात्॥ ७५॥
कामजित् कामदहनः कामः कामफलप्रदः।
मुद्रापहारी रक्षोघ्नः क्षितिभारहरो बलः॥ ७६॥
नखदंष्ट्रायुधो विष्णुर्भक्ताभयवरप्रदः।
दर्पहा दर्पदो दंष्ट्राशतमूर्तिरमूर्तिमान्॥ ७७॥
महानिधिर्महाभागो महाभर्गो महर्द्धिदः।
महाकारो महायोगी महातेजा महाद्युतिः॥ ७८॥
महासनो महानादो महामन्त्रो महामतिः।
महागमो महोदारो महादेवात्मको विभुः॥ ७९॥
रौद्रकर्मा क्रूरकर्मा रत्ननाभः कृतागमः।
अम्भोधिलङ्घनः सिंहः सत्यधर्मप्रमोदनः॥ ८०॥
जितामित्रो जयः सोमो विजयो वायुनन्दनः।
जीवदाता सहस्त्रांशुर्मुकुन्दो भूरिदक्षिणः॥ ८१॥

सिद्धार्थः सिद्धिदः सिद्धसङ्कल्पः सिद्धिहेतुकः।
सप्तपातालचरणः सप्तर्षिगणवन्दितः॥ ८२॥
सप्ताब्धिलङ्घनो वीरः सप्तद्वीपोरुमण्डलः।
सप्ताङ्गराज्यसुखदः सप्तमातृनिषेवितः॥ ८३॥
सप्तस्वर्लोकमुकुटः सप्तहोता स्वराश्रयः।
सप्तच्छन्दोनिधिः सप्तच्छन्दः सप्तजनाश्रयः॥ ८४॥
सप्तसामोपगीतश्च सप्तपातालसंश्रयः।
मेधादः कीर्तिदः शोकहारी दौर्भाग्यनाशनः॥ ८५॥
सर्वरक्षाकरो गर्भदोषहा पुत्रपौत्रदः।
प्रतिवादिमुखस्तम्भो रुष्टचित्तप्रसादनः॥ ८६॥
पराभिचारशमनो दुःखहा बन्धमोक्षदः।
नवद्वारपुराधारो नवद्वारनिकेतनः॥ ८७॥
नरनारायणस्तुत्यो नवनाथमहेश्वरः।
मेखली कवची खड्गी भ्राजिष्णुर्जिष्णुसारथिः॥ ८८॥
बहुयोजनविस्तीर्णपुच्छः पुच्छहतासुरः।
दुष्टग्रहनिहन्ता च पिशाचग्रहघातकः॥ ८९॥
बालग्रहविनाशी च धर्मनेता कृपाकरः।
उग्रकृत्यश्चोग्रवेग उग्रनेत्रः शतक्रतुः॥ ९०॥
शतमन्युनुतः स्तुत्यः स्तुतिः स्तोता महाबलः।
समग्रगुणशाली च व्यग्रो रक्षोविनाशकः॥ ९१॥
रक्षोऽग्निदाहो ब्रह्मेशः श्रीधरो भक्तवत्सलः।
मेघनादो मेघरूपो मेघवृष्टिनिवारकः॥ ९२॥

मेघजीवनहेतुश्च मेघश्यामः परात्मकः।
समीरतनयो योद्धा नृत्यविद्याविशारदः॥ ९३ ॥
अमोघोऽमोघदृष्टिश्च इष्टदोऽरिष्टनाशनः।
अर्थोऽनर्थापहारी च समर्थो रामसेवकः॥ ९४ ॥
अर्थिवन्द्योऽसुराराति: पुण्डरीकाक्ष आत्मभूः।
संकर्षणो विशुद्धात्मा विद्याराशिः सुरेश्वरः॥ ९५ ॥
अचलोद्धारको नित्यः सेतुकृद् रामसारथिः।
आनन्दः परमानन्दो मत्स्यः कूर्मो निराश्रयः॥ ९६ ॥
वाराहो नारसिंहश्च वामनो जमदग्निजः।
रामः कृष्णः शिवो बुद्धः कल्की रामाश्रयो हरिः॥ ९७ ॥
नन्दी भृङ्गी च चण्डी च गणेशो गणसेवितः।
कर्माध्यक्षः सुराध्यक्षो विश्रामो जगतीपतिः॥ ९८ ॥
जगन्नाथः कपीशश्च सर्वावासः सदाश्रयः।
सुग्रीवादिस्तुतो दान्तः सर्वकर्मा प्लवङ्गमः॥ ९९ ॥
नखदारितरक्षाश्च नखयुद्धविशारदः।
कुशलः सुधनः शेषो वासुकिस्तक्षकस्तथा॥ १०० ॥
स्वर्णवर्णो बलाढ्यश्च पुरुजेताघनाशनः।
कैवल्यरूपः कैवल्यो गरुडः पन्नगोरगः॥ १०१ ॥
किल्किल्रावहताराातिर्गर्वपर्वतभेदनः।
वज्राङ्गो वज्रदंष्ट्रश्च भक्तवज्रनिवारकः॥ १०२ ॥
नखायुधो मणिग्रीवो ज्वालामाली च भास्करः।
प्रौढप्रतापस्तपनो भक्ततापनिवारकः॥ १०३ ॥

शरणं जीवनं भोक्ता नानाचेष्टो ह्यचञ्चलः।
स्वस्तिमान् स्वस्तिदो दुःखशातनः पवनात्मजः॥ १०४॥
पावनः पवनः कान्तो भक्तागःसहनो बली।
मेघनादरिपुर्मेघनादसंहतराक्षसः ॥ १०५॥
क्षरोऽक्षरो विनीतात्मा वानरेशः सतां गतिः।
श्रीकण्ठः शितिकण्ठश्च सहायः सहनायकः॥ १०६॥
अस्थूलस्त्वनणुर्भर्गो दिव्यः संसृतिनाशनः।
अध्यात्मविद्यासारश्च ह्यध्यात्मकुशलः सुधीः॥ १०७॥
अकल्मषः सत्यहेतुः सत्यदः सत्यगोचरः।
सत्यगर्भः सत्यरूपः सत्यः सत्यपराक्रमः॥ १०८॥
अञ्जनाप्राणलिङ्गश्च वायुवंशोद्भवः शुभः।
भद्ररूपो रुद्ररूपः सुरूपश्चित्ररूपधृक्॥ १०९॥
मैनाकवन्दितः सूक्ष्मदर्शनो विजयो जयः।
क्रान्तदिङ्मण्डलो रुद्रः प्रकटीकृतविक्रमः॥ ११०॥
कम्बुकण्ठः प्रसन्नात्मा ह्रस्वनासो वृकोदरः।
लम्बौष्ठः कुण्डली चित्रमाली योगविदां वरः॥ १११॥
विपश्चित्कविरानन्दविग्रहोऽनल्पशासनः।
फाल्गुनीसूनुरव्यग्रो योगात्मा योगतत्परः॥ ११२॥
योगविद् योगकर्ता च योगयोनिर्दिगम्बरः।
अकारादिहकारान्तवर्णनिर्मितविग्रहः॥ ११३॥
उलूखलमुखः सिद्धसंस्तुतः प्रमथेश्वरः।
श्लिष्टजङ्घः श्लिष्टजानुः श्लिष्टपाणिः शिखाधरः॥ ११४॥

सुशर्मामितशर्मा च नारायणपरायणः।
जिष्णुर्भविष्णू रोचिष्णुर्ग्रसिष्णुः स्थाणुरेव च॥ ११५॥
हरिरुद्रानुसेकोऽथ कम्पनो भूमिकम्पनः।
गुणप्रवाहः सूत्रात्मा वीतरागस्तुतिप्रियः॥ ११६॥
नागकन्याभयध्वंसी रुक्मवर्णः कपालभृत्।
अनाकुलो भवोपायोऽनपायो वेदपारगः॥ ११७॥
अक्षरः पुरुषो लोकनाथ ऋक्षप्रभुर्दृढः।
अष्टाङ्गयोगफलभुक् सत्यसंधः पुरुष्टुतः॥ ११८॥
श्मशानस्थाननिलयः प्रेतविद्रावणक्षमः।
पञ्चाक्षरपरः पञ्चमातृको रञ्जनध्वजः॥ ११९॥
योगिनीवृन्दवन्द्यश्रीः शत्रुघ्नोऽनन्तविक्रमः।
ब्रह्मचारीन्द्रियरिपुर्धृतदण्डो दशात्मकः॥ १२०॥
अप्रपञ्चः सदाचारः शूरसेनाविदारकः।
वृद्धः प्रमोद आनन्दः सप्तद्वीपपतिन्धरः॥ १२१॥
नवद्वारपुराधारः प्रत्यग्रः सामगायकः।
षट्चक्रधाम स्वर्लोकाभयकृन्मानदो मदः॥ १२२॥
सर्ववश्यकरः शक्तिरनन्तोऽनन्तमङ्गलः।
अष्टमूर्तिर्नयोपेतो विरूपः सुरसुन्दरः॥ १२३॥
धूमकेतुर्महाकेतुः सत्यकेतुर्महारथः।
नन्दिप्रियः स्वतन्त्रश्च मेखली डमरुप्रियः॥ १२४॥
लौहाङ्गः सर्वविद्धन्वी खण्डलः शर्व ईश्वरः।
फलभुक् फलहस्तश्च सर्वकर्मफलप्रदः॥ १२५॥

धर्माध्यक्षो धर्मपालो धर्मो धर्मप्रदोऽर्थदः।
पञ्चविंशतितत्त्वज्ञस्तारको ब्रह्मतत्परः॥ १२६॥
त्रिमार्गवसतिर्भीमः सर्वदुःखनिबर्हणः।
ऊर्जस्वान् निष्कलः शूली मौलिर्गर्जन्निशाचरः॥ १२७॥
रक्ताम्बरधरो रक्तो रक्तमाल्यो विभूषणः।
वनमाली शुभाङ्गश्च श्वेतः श्वेताम्बरो युवा॥ १२८॥
जयोऽजयपरीवारः सहस्रवदनः कपिः।
शाकिनीडाकिनीयक्षरक्षोभूतप्रभञ्जकः॥ १२९॥
सद्योजातः कामगतिर्ज्ञानमूर्तिर्यशस्करः।
शम्भुतेजाः सार्वभौमो विष्णुभक्तः प्लवङ्गमः॥ १३०॥
चतुर्नवतिमन्त्रज्ञः पौलस्त्यबलदर्पहा।
सर्वलक्ष्मीप्रदः श्रीमानङ्गदप्रिय ईडितः॥ १३१॥
स्मृतिबीजं सुरेशानः संसारभयनाशनः।
उत्तमः श्रीपरीवारः श्रितो रुद्रश्च कामधुक्॥ १३२॥

॥ इति मन्त्रमहार्णवे पूर्वखण्डे नवमतरङ्गे श्रीरामकृतं श्रीहनुमत्सहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीहनुमते नमः ॥

श्रीहनुमत्सहस्रनामावलिः

१ ॐ हनुमते नमः।
२ ॐ श्रीप्रदाय नमः।
३ ॐ वायुपुत्राय नमः।
४ ॐ रुद्राय नमः।
५ ॐ अनघाय नमः।
६ ॐ अजराय नमः।
७ ॐ अमृत्यवे नमः।
८ ॐ वीरवीराय नमः।
९ ॐ ग्रामवासाय नमः।
१० ॐ जनाश्रयाय नमः।
११ ॐ धनदाय नमः।
१२ ॐ निर्गुणाय नमः।
१३ ॐ अकायाय नमः।
१४ ॐ वीराय नमः।
१५ ॐ निधिपतये नमः।
१६ ॐ मुनये नमः।
१७ ॐ पिङ्गाक्षाय नमः।
१८ ॐ वरदाय नमः।
१९ ॐ वाग्मिने नमः।
२० ॐ सीताशोकविनाशनाय नमः।
२१ ॐ शिवाय नमः।
२२ ॐ सर्वस्मै नमः।
२३ ॐ परस्मै नमः।
२४ ॐ अव्यक्ताय नमः।
२५ ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः।
२६ ॐ रसाधराय नमः।
२७ ॐ पिङ्गकेशाय नमः।
२८ ॐ पिङ्गरोम्णे नमः।
२९ ॐ श्रुतिगम्याय नमः।
३० ॐ सनातनाय नमः।
३१ ॐ अनादये नमः।
३२ ॐ भगवते नमः।
३३ ॐ देवाय नमः।
३४ ॐ विश्वहेतवे नमः।
३५ ॐ निरामयाय नमः।
३६ ॐ आरोग्यकर्त्रे नमः।
३७ ॐ विश्वेशाय नमः।
३८ ॐ विश्वनाथाय नमः।
३९ ॐ हरीश्वराय नमः।
४० ॐ भर्गाय नमः।
४१ ॐ रामाय नमः।
४२ ॐ रामभक्ताय नमः।

४३ ॐ कल्याणप्रकृतये नमः।
४४ ॐ स्थिराय नमः।
४५ ॐ विश्वम्भराय नमः।
४६ ॐ विश्वमूर्तये नमः।
४७ ॐ विश्वाकाराय नमः।
४८ ॐ विश्वपाय नमः।
४९ ॐ विश्वात्मने नमः।
५० ॐ विश्वसेव्याय नमः।
५१ ॐ विश्वस्मै नमः।
५२ ॐ विश्वहराय नमः।
५३ ॐ रवये नमः।
५४ ॐ विश्वचेष्टाय नमः।
५५ ॐ विश्वगम्याय नमः।
५६ ॐ विश्वध्येयाय नमः।
५७ ॐ कलाधराय नमः।
५८ ॐ प्लवङ्गमाय नमः।
५९ ॐ कपिश्रेष्ठाय नमः।
६० ॐ ज्येष्ठाय नमः।
६१ ॐ वैद्याय नमः।
६२ ॐ वनेचराय नमः।
६३ ॐ बालाय नमः।
६४ ॐ वृद्धाय नमः।
६५ ॐ यूने नमः।
६६ ॐ तत्त्वाय नमः।
६७ ॐ तत्त्वगम्याय नमः।
६८ ॐ सख्ये नमः।
६९ ॐ अजाय नमः।
७० ॐ अञ्जनासूनवे नमः।
७१ ॐ अव्यग्राय नमः।
७२ ॐ ग्रामख्याताय नमः।
७३ ॐ धराधराय नमः।
७४ ॐ भूर्लोकाय नमः।
७५ ॐ भुवर्लोकाय नमः।
७६ ॐ स्वर्लोकाय नमः।
७७ ॐ महर्लोकाय नमः।
७८ ॐ जनलोकाय नमः।
७९ ॐ तपोलोकाय नमः।
८० ॐ अव्ययाय नमः।
८१ ॐ सत्याय नमः।
८२ ॐ ओङ्कारगम्याय नमः।
८३ ॐ प्रणवाय नमः।
८४ ॐ व्यापकाय नमः।
८५ ॐ अमलाय नमः।
८६ ॐ शिवधर्मप्रतिष्ठात्रे नमः।
८७ ॐ रामेष्टाय नमः।
८८ ॐ फाल्गुनप्रियाय नमः।
८९ ॐ गोष्पदीकृतवारीशाय नमः।
९० ॐ पूर्णकामाय नमः।
९१ ॐ धरापतये नमः।
९२ ॐ रक्षोघ्नाय नमः।
९३ ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
९४ ॐ शरणागतवत्सलाय नमः।
९५ ॐ जानकीप्राणदात्रे नमः।
९६ ॐ रक्षःप्राणापहारकाय नमः।
९७ ॐ पूर्णाय नमः।
९८ ॐ सत्यायः नमः।

९९ ॐ पीतवाससे नमः।
१०० ॐ दिवाकरसमप्रभाय नमः।
१०१ ॐ देवोद्यानविहारिणे नमः।
१०२ ॐ देवताभयभञ्जनाय नमः।
१०३ ॐ भक्तोदयाय नमः।
१०४ ॐ भक्तलब्धाय नमः।
१०५ ॐ भक्तपालनतत्पराय नमः।
१०६ ॐ द्रोणहर्त्रे नमः।
१०७ ॐ शक्तिनेत्रे नमः।
१०८ ॐ शक्तिराक्षसमारकाय नमः।
१०९ ॐ अक्षघ्नाय नमः।
११० ॐ रामदूताय नमः।
१११ ॐ शाकिनीजीवहारकाय नमः।
११२ ॐ बुबुकारहतारातये नमः।
११३ ॐ गर्वपर्वतमर्दनाय नमः।
११४ ॐ हेतवे नमः।
११५ ॐ अहेतवे नमः।
११६ ॐ प्रांशवे नमः।
११७ ॐ विश्वभर्त्रे नमः।
११८ ॐ जगद्गुरवे नमः।
११९ ॐ जगन्नेत्रे नमः।
१२० ॐ जगन्नाथाय नमः।
१२१ ॐ जगदीशाय नमः।
१२२ ॐ जनेश्वराय नमः।
१२३ ॐ जगद्धिताय नमः।
१२४ ॐ हरये नमः।
१२५ ॐ श्रीशाय नमः।
१२६ ॐ गरुडस्मयभञ्जनाय नमः।
१२७ ॐ पार्थध्वजाय नमः।
१२८ ॐ वायुपुत्राय नमः।
१२९ ॐ अमितपुच्छाय नमः।
१३० ॐ अमितविक्रमाय नमः।
१३१ ॐ ब्रह्मपुच्छाय नमः।
१३२ ॐ परब्रह्मपुच्छाय नमः।
१३३ ॐ रामेष्टकारकाय नमः।
१३४ ॐ सुग्रीवादियुताय नमः।
१३५ ॐ ज्ञानिने नमः।
१३६ ॐ वानराय नमः।
१३७ ॐ वानरेश्वराय नमः।
१३८ ॐ कल्पस्थायिने नमः।
१३९ ॐ चिरञ्जीविने नमः।
१४० ॐ तपनाय नमः।
१४१ ॐ सदाशिवाय नमः।
१४२ ॐ सन्नतये नमः।
१४३ ॐ सद्गतये नमः।
१४४ ॐ भुक्तिमुक्तिदाय नमः।
१४५ ॐ कीर्तिदायकाय नमः।
१४६ ॐ कीर्तये नमः।
१४७ ॐ कीर्तिप्रदाय नमः।
१४८ ॐ समुद्राय नमः।
१४९ ॐ श्रीप्रदाय नमः।
१५० ॐ शिवाय नमः।
१५१ ॐ भक्तोदयाय नमः।
१५२ ॐ भक्तगम्याय नमः।
१५३ ॐ भक्तभाग्यप्रदायकाय नमः।
१५४ ॐ उदधिक्रमणाय नमः।

१५५ ॐ देवाय नमः।
१५६ ॐ संसारभयनाशनाय नमः।
१५७ ॐ वार्धिबन्धनकृते नमः।
१५८ ॐ विश्वजेत्रे नमः।
१५९ ॐ विश्वप्रतिष्ठिताय नमः।
१६० ॐ लङ्कारये नमः।
१६१ ॐ कालपुरुषाय नमः।
१६२ ॐ लङ्केशगृहभञ्जनाय नमः।
१६३ ॐ भूतावासाय नमः।
१६४ ॐ वासुदेवाय नमः।
१६५ ॐ वसवे नमः।
१६६ ॐ त्रिभुवनेश्वराय नमः।
१६७ ॐ श्रीरामरूपाय नमः।
१६८ ॐ कृष्णाय नमः।
१६९ ॐ लङ्काप्रासादभञ्जकाय नमः।
१७० ॐ कृष्णाय नमः।
१७१ ॐ कृष्णस्तुताय नमः।
१७२ ॐ शान्ताय नमः।
१७३ ॐ शान्तिदाय नमः।
१७४ ॐ विश्वपावनाय नमः।
१७५ ॐ विश्वभोक्त्रे नमः।
१७६ ॐ मारघ्नाय नमः।
१७७ ॐ ब्रह्मचारिणे नमः।
१७८ ॐ जितेन्द्रियाय नमः।
१७९ ॐ ऊर्ध्वगाय नमः।
१८० ॐ लाङ्गुलिने नमः।
१८१ ॐ मालिने नमः।
१८२ ॐ लाङ्गूलाहतराक्षसाय नमः।
१८३ ॐ समीरतनुजाय नमः।
१८४ ॐ वीराय नमः।
१८५ ॐ वीरताराय नमः।
१८६ ॐ जयप्रदाय नमः।
१८७ ॐ जगन्मङ्गलदाय नमः।
१८८ ॐ पुण्याय नमः।
१८९ ॐ पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः।
१९० ॐ पुण्यकीर्तये नमः।
१९१ ॐ पुण्यगतये नमः।
१९२ ॐ जगत्पावनपावनाय नमः।
१९३ ॐ देवेशाय नमः।
१९४ ॐ जितमाराय नमः।
१९५ ॐ रामभक्तिविधायकाय नमः।
१९६ ॐ ध्यात्रे नमः।
१९७ ॐ ध्येयाय नमः।
१९८ ॐ लयाय नमः।
१९९ ॐ साक्षिणे नमः।
२०० ॐ चेतसे नमः।
२०१ ॐ चैतन्यविग्रहाय नमः।
२०२ ॐ ज्ञानदाय नमः।
२०३ ॐ प्राणदाय नमः।
२०४ ॐ प्राणाय नमः।
२०५ ॐ जगत्प्राणाय नमः।
०६ ॐ समीरणाय नमः।
२०७ ॐ विभीषणप्रियाय नमः।
२०८ ॐ शूराय नमः।
२०९ ॐ पिप्पलाश्रयसिद्धिदाय नमः।
२१० ॐ सिद्धाय नमः।

२११ ॐ सिद्धाश्रयाय नमः।
२१२ ॐ कालाय नमः।
२१३ ॐ महोक्षाय नमः।
२१४ ॐ कालजान्तकाय नमः।
२१५ ॐ लङ्केशनिधनाय नमः।
२१६ ॐ स्थायिने नमः।
२१७ ॐ लङ्कादाहकाय नमः।
२१८ ॐ ईश्वराय नमः।
२१९ ॐ चन्द्रसूर्याग्निनेत्राय नमः।
२२० ॐ कालाग्नये नमः।
२२१ ॐ प्रलयान्तकाय नमः।
२२२ ॐ कपिलाय नमः।
२२३ ॐ कपिशाय नमः।
२२४ ॐ पुण्यराशये नमः।
२२५ ॐ द्वादशराशिगाय नमः।
२२६ ॐ सर्वाश्रयाय नमः।
२२७ ॐ अप्रमेयात्मने नमः।
२२८ ॐ रेवत्यादिनिवारकाय नमः।
२२९ ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः।
२३० ॐ सीताजीवनहेतुकाय नमः।
२३१ ॐ रामध्येयाय नमः।
२३२ ॐ हृषीकेशाय नमः।
२३३ ॐ विष्णुभक्ताय नमः।
२३४ ॐ जटिने नमः।
२३५ ॐ बलिने नमः।
२३६ ॐ देवारिदर्पघ्ने नमः।
२३७ ॐ होत्रे नमः।
२३८ ॐ धात्रे नमः।
२३९ ॐ कर्त्रे नमः।
२४० ॐ जगत्प्रभवे नमः।
२४१ ॐ नगरग्रामपालाय नमः।
२४२ ॐ शुद्धाय नमः।
२४३ ॐ बुद्धाय नमः।
२४४ ॐ निरत्रपाय नमः।
२४५ ॐ निरञ्जनाय नमः।
२४६ ॐ निर्विकल्पाय नमः।
२४७ ॐ गुणातीताय नमः।
२४८ ॐ भयंकराय नमः।
२४९ ॐ हनुमते नमः।
२५० ॐ दुराराध्याय नमः।
२५१ ॐ तपःसाध्याय नमः।
२५२ ॐ महेश्वराय नमः।
२५३ ॐ जानकीधनशोकोत्थतापहर्त्रे नमः।
२५४ ॐ परात्परस्मै नमः।
२५५ ॐ वाङ्मयाय नमः।
२५६ ॐ सदसद्रूपाय नमः।
२५७ ॐ कारणाय नमः।
२५८ ॐ प्रकृतेः परस्मै नमः।
२५९ ॐ भाग्यदाय नमः।
२६० ॐ निर्मलाय नमः।
२६१ ॐ नेत्रे नमः।
२६२ ॐ पुच्छलङ्काविदाहकाय नमः।
२६३ ॐ पुच्छबद्धयातुधानाय नमः।
२६४ ॐ यातुधानरिपुप्रियाय नमः।
२६५ ॐ छायापहारिणे नमः।
२६६ ॐ भूतेशाय नमः।

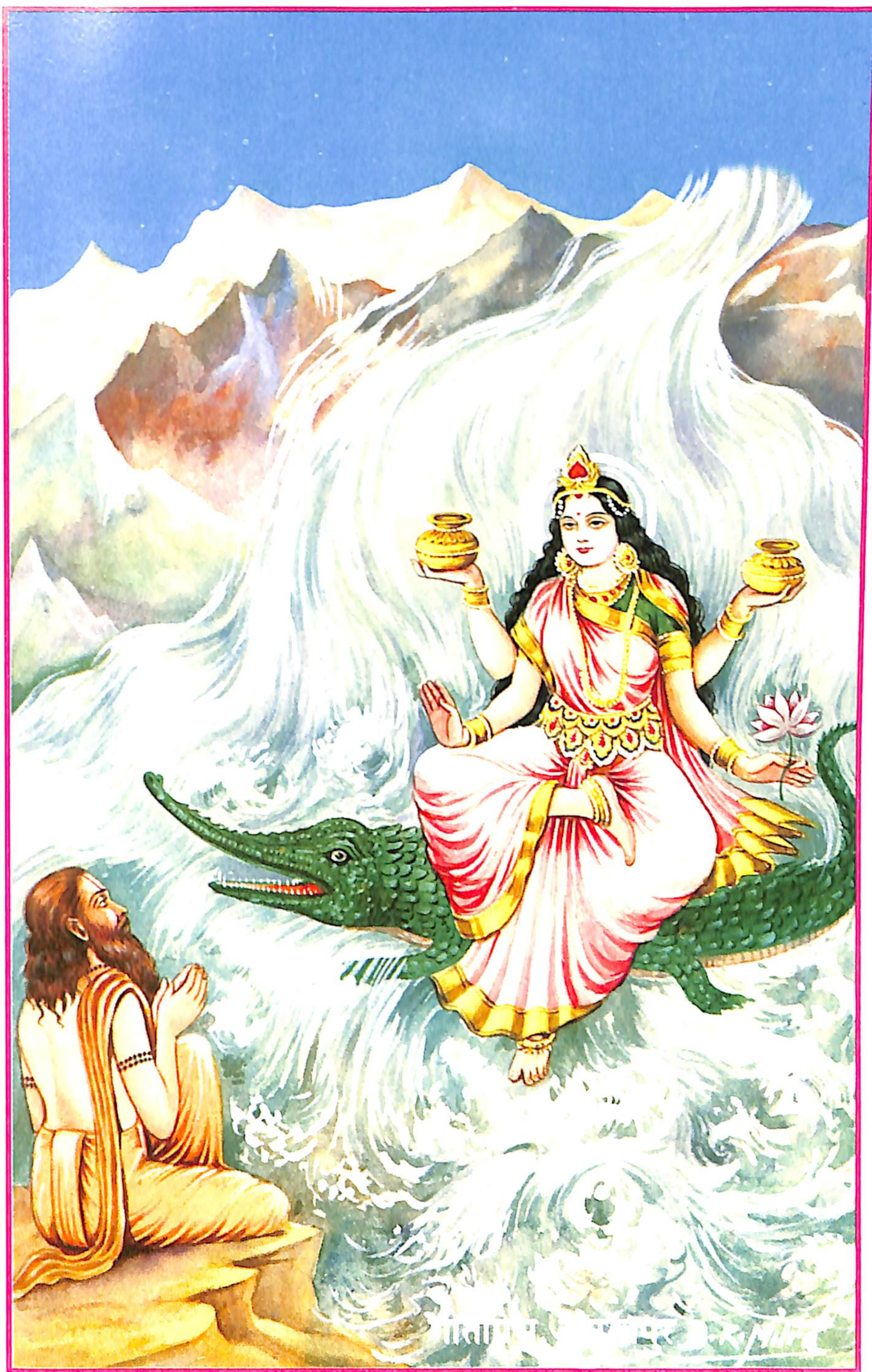
२६७ ॐ लोकेशाय नमः।
२६८ ॐ सद्गतिप्रदाय नमः।
२६९ ॐ प्लवङ्गमेश्वराय नमः।
२७० ॐ क्रोधाय नमः।
२७१ ॐ क्रोधसंरक्तलोचनाय नमः।
२७२ ॐ सौम्याय नमः।
२७३ ॐ गुरवे नमः।
२७४ ॐ काव्यकर्त्रे नमः।
२७५ ॐ भक्तानां वरप्रदाय नमः।
२७६ ॐ भक्तानुकम्पिने नमः।
२७७ ॐ विश्वेशाय नमः।
२७८ ॐ पुरुहूताय नमः।
२७९ ॐ पुरंदराय नमः।
२८० ॐ क्रोधहर्त्रे नमः।
२८१ ॐ तमोहर्त्रे नमः।
२८२ ॐ भक्ताभयवरप्रदाय नमः।
२८३ ॐ अग्नये नमः।
२८४ ॐ विभावसवे नमः।
२८५ ॐ भास्वते नमः।
२८६ ॐ यमाय नमः।
२८७ ॐ निर्ऋतये नमः।
२८८ ॐ वरुणाय नमः।
२८९ ॐ वायुगतिमते नमः।
२९० ॐ वायवे नमः।
२९१ ॐ कौबेराय नमः।
२९२ ॐ ईश्वराय नमः।
२९३ ॐ रवये नमः।
२९४ ॐ चन्द्राय नमः।
२९५ ॐ कुजाय नमः।
२९६ ॐ सौम्याय नमः।
२९७ ॐ गुरवे नमः।
२९८ ॐ काव्याय नमः।
२९९ ॐ शनैश्चराय नमः।
३०० ॐ राहवे नमः।
३०१ ॐ केतवे नमः।
३०२ ॐ मरुते नमः।
३०३ ॐ होत्रे नमः।
३०४ ॐ दात्रे नमः।
३०५ ॐ हर्त्रे नमः।
३०६ ॐ समीरजाय नमः।
३०७ ॐ मशकीकृतदेवारये नमः।
३०८ ॐ दैत्यारये नमः।
३०९ ॐ मधुसूदनाय नमः।
३१० ॐ कामाय नमः।
३११ ॐ कपये नमः।
३१२ ॐ कामपालाय नमः।
३१३ ॐ कपिलाय नमः।
३१४ ॐ विश्वजीवनाय नमः।
३१५ ॐ भागीरथीपदाम्भोजाय नमः।
३१६ ॐ सेतुबन्धविशारदाय नमः।
३१७ ॐ स्वाहायै नमः।
३१८ ॐ स्वधायै नमः।
३१९ ॐ हविषे नमः।
३२० ॐ कव्याय नमः।
३२१ ॐ हव्यवाहप्रकाशकाय नमः।
३२२ ॐ स्वप्रकाशाय नमः।



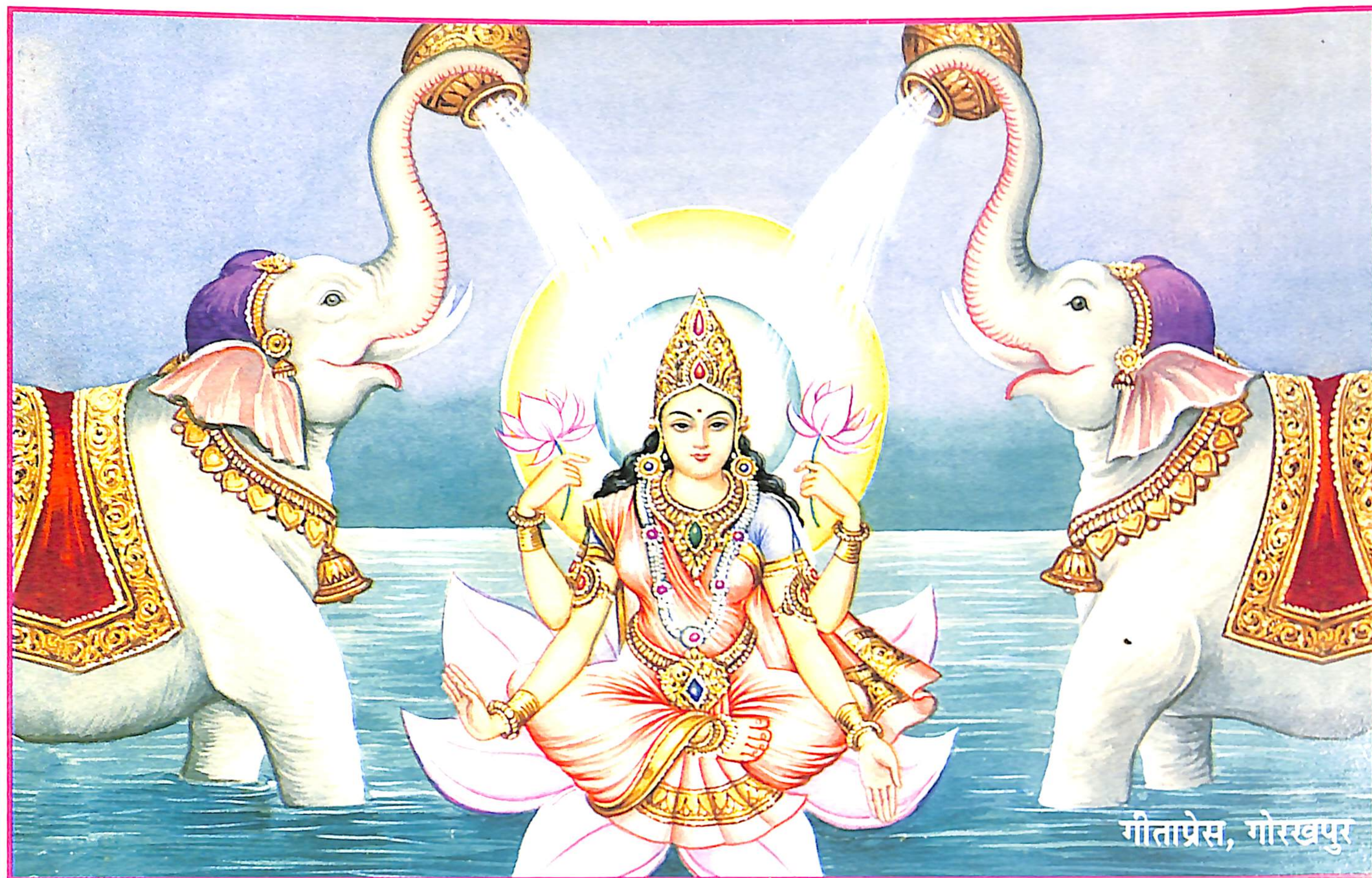
भक्तोंके परम आराध्य श्रीहनुमान्‌जी



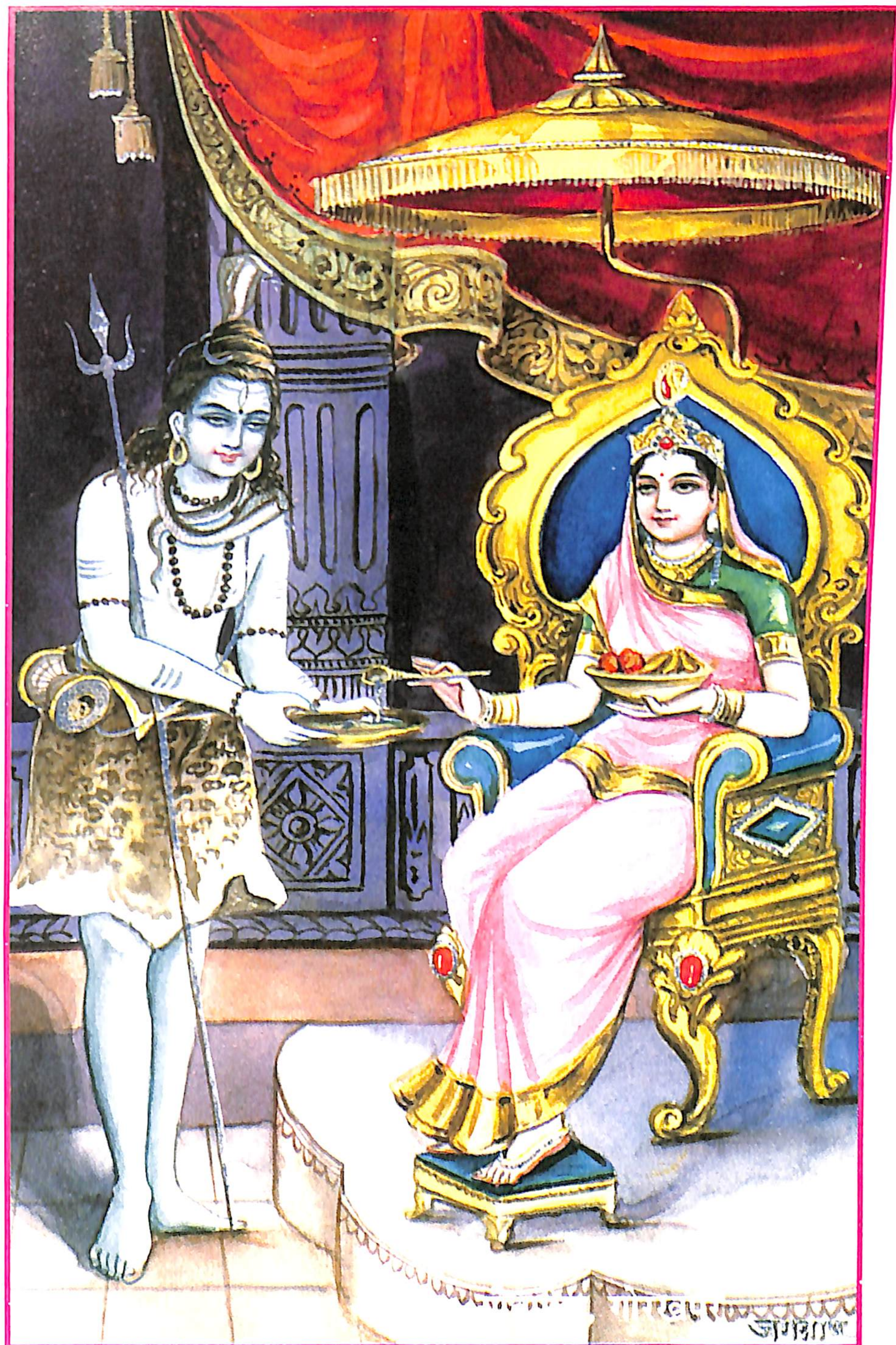
हंसवाहना कमलासना भगवती गायत्री



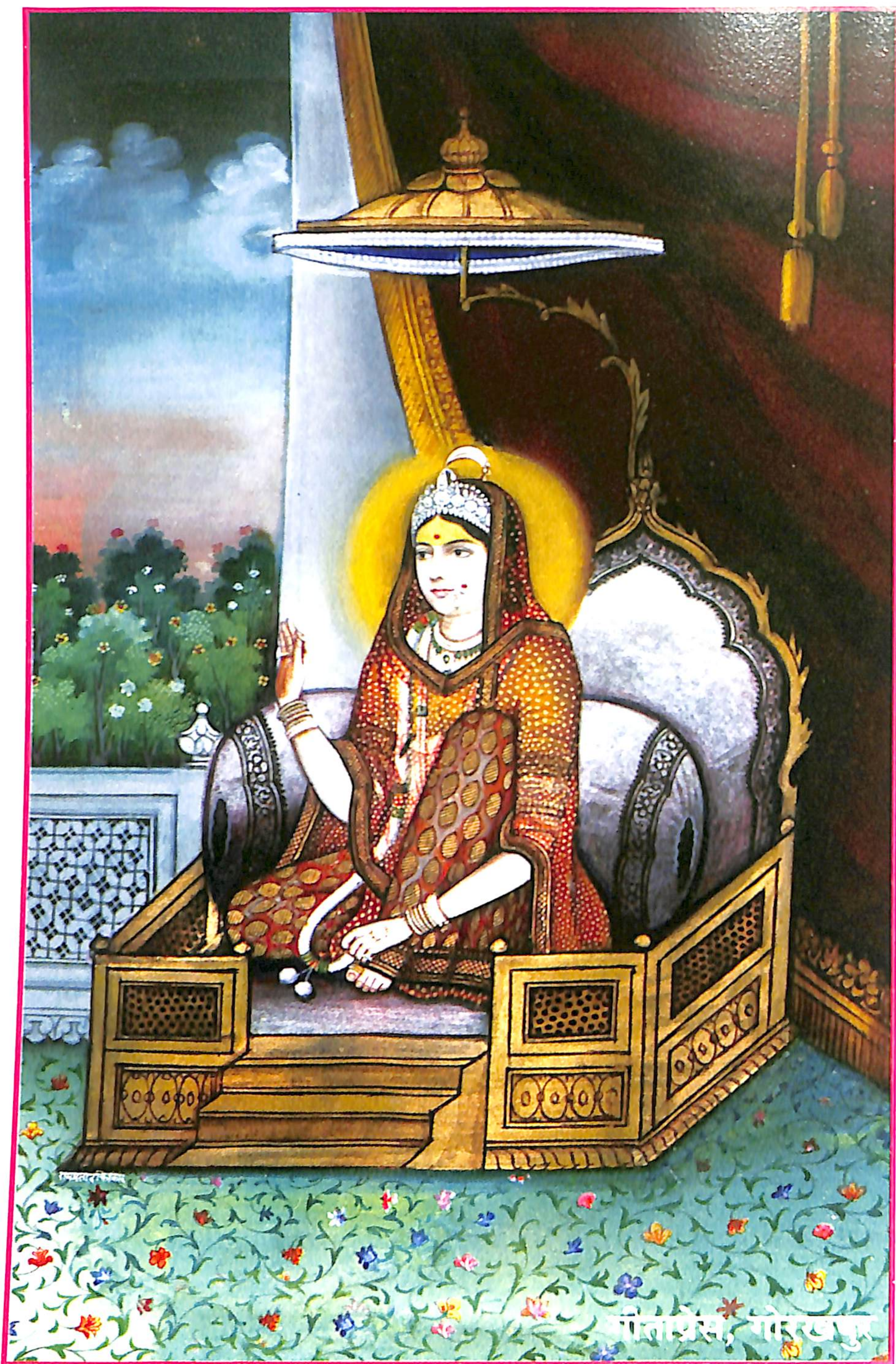
राजर्षि भगीरथपर भगवती गङ्गाकी कृपा



भगवती महालक्ष्मी



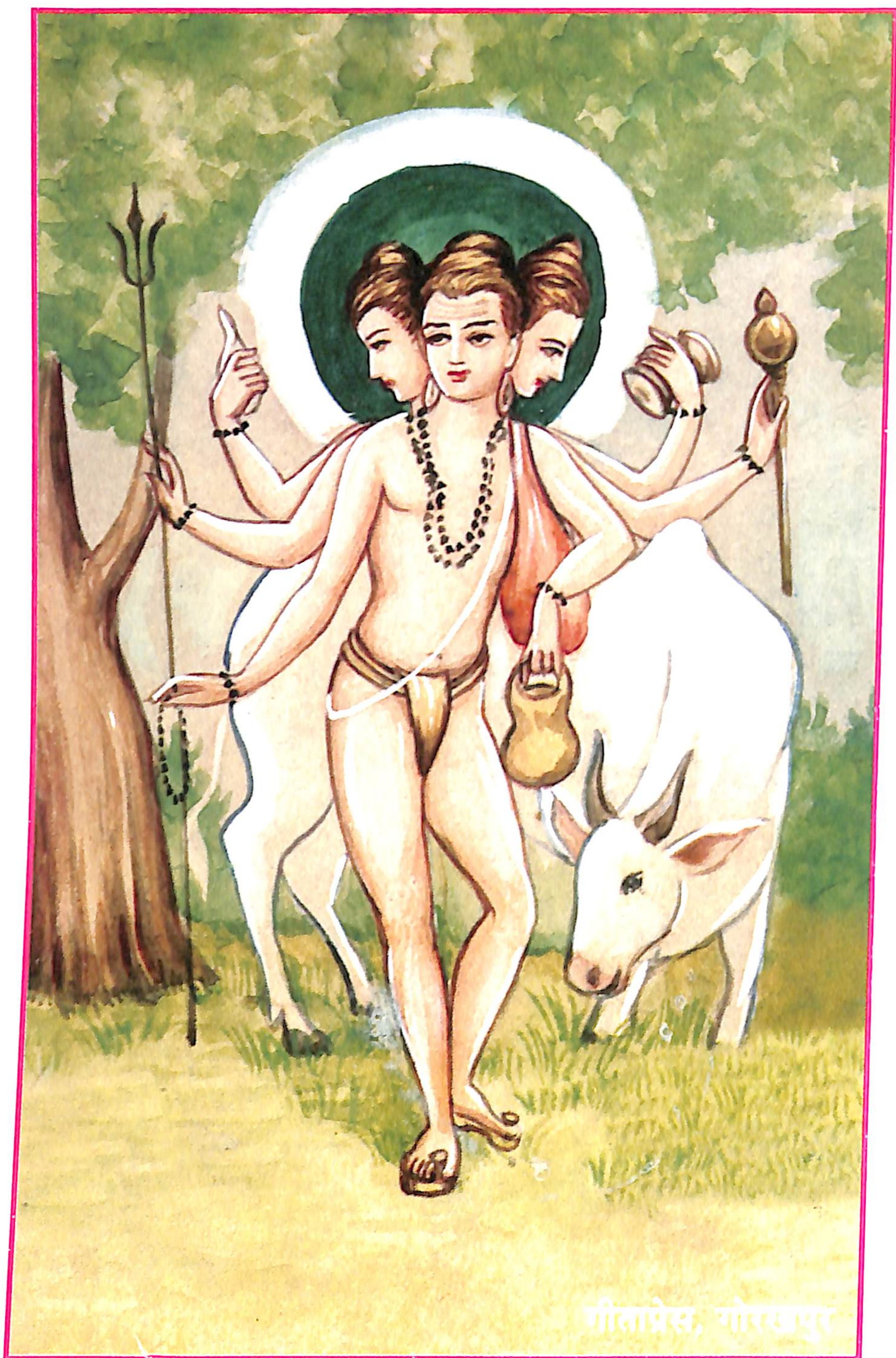
भगवती अन्नपूर्णा



जगज्जननी भगवती सीता



पराम्बा श्रीललिता



भगवान् श्रीदत्तात्रेय

३२३ ॐ महावीराय नमः।
३२४ ॐ लघवे नमः।
३२५ ॐ ऊर्जितविक्रमाय नमः।
३२६ ॐ उड्डीनोड्डीनगतिमते नमः।
३२७ ॐ सद्गतये नमः।
३२८ ॐ पुरुषोत्तमाय नमः।
३२९ ॐ जगदात्मने नमः।
३३० ॐ जगद्योनये नमः।
३३१ ॐ जगदन्ताय नमः।
३३२ ॐ अनन्तकाय नमः।
३३३ ॐ विपाप्मने नमः।
३३४ ॐ निष्कलङ्काय नमः।
३३५ ॐ महते नमः।
३३६ ॐ महदहंकृतये नमः।
३३७ ॐ खाय नमः।
३३८ ॐ वायवे नमः।
३३९ ॐ पृथिव्यै नमः।
३४० ॐ अद्भ्यो नमः।
३४१ ॐ वह्नये नमः।
३४२ ॐ दिक्पालाय नमः।
३४३ ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः।
३४४ ॐ क्षेत्रहर्त्रे नमः।
३४५ ॐ पल्वलीकृतसागराय नमः।
३४६ ॐ हिरणमयाय नमः।
३४७ ॐ पुराणाय नमः।
३४८ ॐ खेचराय नमः।
३४९ ॐ भूचराय नमः।
३५० ॐ अमराय नमः।
३५१ ॐ हिरण्यगर्भाय नमः।
३५२ ॐ सूत्रात्मने नमः।
३५३ ॐ राजराजाय नमः।
३५४ ॐ विशांपतये नमः।
३५५ ॐ वेदान्तवेद्याय नमः।
३५६ ॐ उद्गीथाय नमः।
३५७ ॐ वेदवेदाङ्गपारगाय नमः।
३५८ ॐ प्रतिग्रामस्थितये नमः।
३५९ ॐ सद्यः स्फूर्तिदात्रे नमः।
३६० ॐ गुणाकराय नमः।
३६१ ॐ नक्षत्रमालिने नमः।
३६२ ॐ भूतात्मने नमः।
३६३ ॐ सुरभये नमः।
३६४ ॐ कल्पपादपाय नमः।
३६५ ॐ चिन्तामणये नमः।
३६६ ॐ गुणनिधये नमः।
३६७ ॐ प्रजाधाराय नमः।
३६८ ॐ अनुत्तमाय नमः।
३६९ ॐ पुण्यश्लोकाय नमः।
३७० ॐ पुरारातये नमः।
३७१ ॐ ज्योतिष्मते नमः।
३७२ ॐ शर्वरीपतये नमः।
३७३ ॐ किल्किलारावसंत्रस्त-भूतप्रेतपिशाचकाय नमः।
३७४ ॐ ऋणत्रयहराय नमः।
३७५ ॐ सूक्ष्माय नमः।
३७६ ॐ स्थूलाय नमः।
३७७ ॐ सर्वगतये नमः।
३७८ ॐ पुंसे नमः।
३७९ ॐ अपस्मारहराय नमः।

३८० ॐ स्मर्त्रे नमः।
३८१ ॐ श्रुतये नमः।
३८२ ॐ गाथायै नमः।
३८३ ॐ स्मृतये नमः।
३८४ ॐ मनवे नमः।
३८५ ॐ स्वर्गद्वाराय नमः।
३८६ ॐ प्रजाद्वाराय नमः।
३८७ ॐ मोक्षद्वाराय नमः।
३८८ ॐ यतीश्वराय नमः।
३८९ ॐ नादरूपाय नमः।
३९० ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः।
३९१ ॐ ब्रह्मणे नमः।
३९२ ॐ ब्रह्मपुरातनाय नमः।
३९३ ॐ एकस्मै नमः
३९४ ॐ अनेकस्मै नमः।
३९५ ॐ जनाय नमः।
३९६ ॐ शुक्लाय नमः।
३९७ ॐ स्वयंज्योतिषे नमः।
३९८ ॐ अनाकुलाय नमः।
३९९ ॐ ज्योतिर्ज्योतिषे नमः।
४०० ॐ अनादये नमः।
४०१ ॐ सात्त्विकाय नमः।
४०२ ॐ राजसाय नमः।
४०३ ॐ तमाय नमः।
४०४ ॐ तमोहर्त्रे नमः।
४०५ ॐ निरालम्बाय नमः।
४०६ ॐ निराकाराय नमः।
४०७ ॐ गुणाकराय नमः।
४०८ ॐ गुणाश्रयाय नमः।
४०९ ॐ गुणमयाय नमः।
४१० ॐ बृहत्कर्मणे नमः।
४११ ॐ बृहद्यशसे नमः।
४१२ ॐ बृहद्धनवे नमः।
४१३ ॐ बृहत्पादाय नमः।
४१४ ॐ बृहन्मूर्ध्ने नमः।
४१५ ॐ बृहत्स्वनाय नमः।
४१६ ॐ बृहत्कर्णाय नमः।
४१७ ॐ बृहन्नासाय नमः।
४१८ ॐ बृहद्बाहवे नमः।
४१९ ॐ बृहत्तनवे नमः।
४२० ॐ बृहज्जानवे नमः।
४२१ ॐ बृहत्कार्याय नमः।
४२२ ॐ बृहत्पुच्छाय नमः।
४२३ ॐ बृहत्कराय नमः।
४२४ ॐ बृहद्गतये नमः।
४२५ ॐ बृहत्सेव्याय नमः।
४२६ ॐ बृहल्लोकफलप्रदाय नमः।
४२७ ॐ बृहच्छक्तये नमः।
४२८ ॐ बृहद्वाञ्छाफलदाय नमः।
४२९ ॐ बृहदीश्वराय नमः।
४३० ॐ बृहल्लोकनुताय नमः।
४३१ ॐ द्रष्ट्रे नमः।
४३२ ॐ विद्यादात्रे नमः।
४३३ ॐ जगद्गुरवे नमः।
४३४ ॐ देवाचार्याय नमः।
४३५ ॐ सत्यवादिने नमः।
४३६ ॐ ब्रह्मवादिने नमः।
४३७ ॐ कलाधराय नमः।

४३८ ॐ सप्तपातालगामिने नमः।
४३९ ॐ मलयाचलसंश्रयाय नमः।
४४० ॐ उत्तराशास्थिताय नमः।
४४१ ॐ श्रीदाय नमः।
४४२ ॐ दिव्यौषधिवशाय नमः।
४४३ ॐ खगाय नमः।
४४४ ॐ शाखामृगाय नमः।
४४५ ॐ कपीन्द्राय नमः।
४४६ ॐ पुराणश्रुतिचञ्चुराय नमः।
४४७ ॐ चतुरब्राह्मणाय नमः।
४४८ ॐ योगिने नमः।
४४९ ॐ योगगम्याय नमः।
४५० ॐ परस्मै नमः।
४५१ ॐ अवरस्मै नमः।
४५२ ॐ अनादिनिधनाय नमः।
४५३ ॐ व्यासाय नमः।
४५४ ॐ वैकुण्ठाय नमः।
४५५ ॐ पृथिवीपतये नमः।
४५६ ॐ अपराजिताय नमः।
४५७ ॐ जितारातये नमः।
४५८ ॐ सदानन्दाय नमः।
४५९ ॐ दयायुताय नमः।
४६० ॐ गोपालाय नमः।
४६१ ॐ गोपतये नमः।
४६२ ॐ गोप्त्रे नमः।
४६३ ॐ कलिकालपराशराय नमः।
४६४ ॐ मनोवेगिने नमः।
४६५ ॐ सदायोगिने नमः।
४६६ ॐ संसारभयनाशनाय नमः।
४६७ ॐ तत्त्वदात्रे नमः।
४६८ ॐ तत्त्वज्ञाय नमः।
४६९ ॐ तत्त्वाय नमः।
४७० ॐ तत्त्वप्रकाशकाय नमः।
४७१ ॐ शुद्धाय नमः।
४७२ ॐ बुद्धाय नमः।
४७३ ॐ नित्यमुक्ताय नमः।
४७४ ॐ भक्तराजाय नमः।
४७५ ॐ जयद्रथाय नमः।
४७६ ॐ प्रलयाय नमः।
४७७ ॐ अमितमायाय नमः।
४७८ ॐ मायातीताय नमः।
४७९ ॐ विमत्सराय नमः।
४८० ॐ मायाभर्जितरक्षसे नमः।
४८१ ॐ मायानिर्मितविष्टपाय नमः।
४८२ ॐ मायाश्रयाय नमः।
४८३ ॐ निर्लेपाय नमः।
४८४ ॐ मायानिर्वर्तकाय नमः।
४८५ ॐ सुखाय नमः।
४८६ ॐ सुखिने नमः।
४८७ ॐ सुखप्रदाय नमः।
४८८ ॐ नागाय नमः।
४८९ ॐ महेशकृतसंस्तवाय नमः।
४९० ॐ महेश्वराय नमः।
४९१ ॐ सत्यसंधाय नमः।
४९२ ॐ शरभाय नमः।
४९३ ॐ कलिपावनाय नमः।
४९४ ॐ सहस्रकन्धरबलविध्वंसन-
विचक्षणाय नमः।

४९५ ॐ सहस्त्रबाहवे नमः।
४९६ ॐ सहजाय नमः।
४९७ ॐ द्विबाहवे नमः।
४९८ ॐ द्विभुजाय नमः।
४९९ ॐ अमराय नमः।
५०० ॐ चतुर्भुजाय नमः।
५०१ ॐ दशभुजाय नमः।
५०२ ॐ हयग्रीवाय नमः।
५०३ ॐ खगाननाय नमः।
५०४ ॐ कपिवक्त्राय नमः।
५०५ ॐ कपिपतये नमः।
५०६ ॐ नरसिंहाय नमः।
५०७ ॐ महाद्युतये नमः।
५०८ ॐ भीषणाय नमः।
५०९ ॐ भावगाय नमः।
५१० ॐ वन्द्याय नमः।
५११ ॐ वराहाय नमः।
५१२ ॐ वायुरूपधृषे नमः।
५१३ ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः।
५१४ ॐ पराजितदशाननाय नमः।
५१५ ॐ पारिजातनिवासिने नमः।
५१६ ॐ वटवे नमः।
५१७ ॐ वचनकोविदाय नमः।
५१८ ॐ सुरसास्यविनिर्मुक्ताय नमः।
५१९ ॐ सिंहिकाप्राणहारकाय नमः।
५२० ॐ लङ्कालङ्कारविध्वंसिने नमः।
५२१ ॐ वृषदंशकरूपधृषे नमः।
५२२ ॐ रात्रिसंचारकुशलाय नमः।
५२३ ॐ रात्रिंचरगृहाग्निदाय नमः।
५२४ ॐ किङ्करान्तकराय नमः।
५२५ ॐ जम्बुमालिहन्त्रे नमः।
५२६ ॐ उग्ररूपधृषे नमः।
५२७ ॐ आकाशचारिणे नमः।
५२८ ॐ हरिगाय नमः।
५२९ ॐ मेघनादरणोत्सुकाय नमः।
५३० ॐ मेघगम्भीरनिनदाय नमः।
५३१ ॐ महारावणकुलान्तकाय नमः।
५३२ ॐ कालनेमिप्राणहारिणे नमः।
५३३ ॐ मकरीशापमोक्षदाय नमः।
५३४ ॐ रसाय नमः।
५३५ ॐ रसज्ञाय नमः।
५३६ ॐ सम्मानाय नमः।
५३७ ॐ रूपाय नमः।
५३८ ॐ चक्षुषे नमः।
५३९ ॐ श्रुतये नमः।
५४० ॐ वचसे नमः।
५४१ ॐ घ्राणाय नमः।
५४२ ॐ गन्धाय नमः।
५४३ ॐ स्पर्शनाय नमः।
५४४ ॐ स्पर्शाय नमः।
५४५ ॐ अहंकारमानगाय नमः।
५४६ ॐ नेतिनेतीतिगम्याय नमः।
५४७ ॐ वैकुण्ठभजनप्रियाय नमः।
५४८ ॐ गिरीशाय नमः।
५४९ ॐ गिरिजाकान्ताय नमः।
५५० ॐ दुर्वाससे नमः।
५५१ ॐ कवये नमः।
५५२ ॐ अङ्गिरसे नमः।

५५३ ॐ भृगवे नमः।
५५४ ॐ वसिष्ठाय नमः।
५५५ ॐ च्यवनाय नमः।
५५६ ॐ नारदाय नमः।
५५७ ॐ तुम्बराय नमः।
५५८ ॐ अमलाय नमः।
५५९ ॐ विश्वक्षेत्राय नमः।
५६० ॐ विश्वबीजाय नमः।
५६१ ॐ विश्वनेत्राय नमः।
५६२ ॐ विश्वपाय नमः।
५६३ ॐ याजकाय नमः।
५६४ ॐ यजमानाय नमः।
५६५ ॐ पावकाय नमः।
५६६ ॐ पितृभ्यो नमः।
५६७ ॐ श्रद्धायै नमः।
५६८ ॐ बुद्ध्यै नमः।
५६९ ॐ क्षमायै नमः।
५७० ॐ तन्द्रायै नमः।
५७१ ॐ मन्त्राय नमः।
५७२ ॐ मन्त्रयित्रे नमः।
५७३ ॐ स्वराय नमः।
५७४ ॐ राजेन्द्राय नमः।
५७५ ॐ भूपतये नमः।
५७६ ॐ रुण्डमालिने नमः।
५७७ ॐ संसारसारथये नमः।
५७८ ॐ नित्यसम्पूर्णकामाय नमः।
५७९ ॐ भक्तकामदुहे नमः।
५८० ॐ उत्तमाय नमः।
५८१ ॐ गणपाय नमः।
५८२ ॐ केशवाय नमः।
५८३ ॐ भ्रात्रे नमः।
५८४ ॐ पित्रे नमः।
५८५ ॐ मात्रे नमः।
५८६ ॐ मारुतये नमः।
५८७ ॐ सहस्रमूर्ध्ने नमः।
५८८ ॐ अनेकास्याय नमः।
५८९ ॐ सहस्राक्षाय नमः।
५९० ॐ सहस्रपादे नमः।
५९१ ॐ कामजिते नमः।
५९२ ॐ कामदहनाय नमः।
५९३ ॐ कामाय नमः।
५९४ ॐ कामफलप्रदाय नमः।
५९५ ॐ मुद्रापहारिणे नमः।
५९६ ॐ रक्षोघ्नाय नमः।
५९७ ॐ क्षितिभारहराय नमः।
५९८ ॐ बलाय नमः।
५९९ ॐ नखदंष्ट्रायुधाय नमः।
६०० ॐ विष्णवे नमः
६०१ ॐ भक्ताभयवरप्रदाय नमः।
६०२ ॐ दर्पघ्ने नमः।
६०३ ॐ दर्पदाय नमः।
६०४ ॐ दंष्ट्राशतमूर्तये नमः।
६०५ ॐ अमूर्तिमते नमः।
६०६ ॐ महानिधये नमः।
६०७ ॐ महाभागाय नमः।
६०८ ॐ महाभर्गाय नमः।
६०९ ॐ महर्द्धिदाय नमः।
६१० ॐ महाकाराय नमः।

६११ ॐ महायोगिने नमः।
६१२ ॐ महातेजसे नमः।
६१३ ॐ महाद्युतये नमः।
६१४ ॐ महासनाय नमः।
६१५ ॐ महानादाय नमः
६१६ ॐ महामन्त्राय नमः।
६१७ ॐ महामतये नमः।
६१८ ॐ महागमाय नमः।
६१९ ॐ महोदाराय नमः।
६२० ॐ महादेवात्मकाय नमः।
६२१ ॐ विभवे नमः।
६२२ ॐ रौद्रकर्मणे नमः।
६२३ ॐ क्रूरकर्मणे नमः।
६२४ ॐ रत्ननाभाय नमः।
६२५ ॐ कृतागमाय नमः।
६२६ ॐ अम्भोधिलङ्घनाय नमः।
६२७ ॐ सिंहाय नमः।
६२८ ॐ सत्यधर्मप्रमोदनाय नमः।
६२९ ॐ जितामित्राय नमः।
६३० ॐ जयाय नमः।
६३१ ॐ सोमाय नमः।
६३२ ॐ विजयाय नमः।
६३३ ॐ वायुनन्दनाय नमः।
६३४ ॐ जीवदात्रे नमः।
६३५ ॐ सहस्रांशवे नमः।
६३६ ॐ मुकुन्दाय नमः।
६३७ ॐ भूरिदक्षिणाय नमः।
६३८ ॐ सिद्धार्थाय नमः।
६३९ ॐ सिद्धिदाय नमः।
६४० ॐ सिद्धसङ्कल्पाय नमः।
६४१ ॐ सिद्धिहेतुकाय नमः।
६४२ ॐ सप्तपातालचरणाय नमः।
६४३ ॐ सप्तर्षिगणवन्दिताय नमः।
६४४ ॐ सप्ताब्धिलङ्घनाय नमः।
६४५ ॐ वीराय नमः।
६४६ ॐ सप्तद्वीपोरुमण्डलाय नमः।
६४७ ॐ सप्ताङ्गराज्यसुखदाय नमः।
६४८ ॐ सप्तमातृनिषेविताय नमः।
६४९ ॐ सप्तस्वर्लोकमुकुटाय नमः।
६५० ॐ सप्तहोत्रे नमः।
६५१ ॐ स्वराश्रयाय नमः।
६५२ ॐ सप्तच्छन्दोनिधये नमः।
६५३ ॐ सप्तच्छन्दसे नमः।
६५४ ॐ सप्तजनाश्रयाय नमः।
६५५ ॐ सप्तसामोपगीताय नमः।
६५६ ॐ सप्तपातालसंश्रयाय नमः।
६५७ ॐ मेधादाय नमः।
६५८ ॐ कीर्तिदाय नमः।
६५९ ॐ शोकहारिणे नमः।
६६० ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः।
६६१ ॐ सर्वरक्षाकराय नमः।
६६२ ॐ गर्भदोषघ्ने नमः।
६६३ ॐ पुत्रपौत्रदाय नमः।
६६४ ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः।
६६५ ॐ रुष्टचित्तप्रसादनाय नमः।
६६६ ॐ पराभिचारशमनाय नमः।
६६७ ॐ दुःखघ्ने नमः।
६६८ ॐ बन्धमोक्षदाय नमः।

६६९ ॐ नवद्वारपुराधाराय नमः।
६७० ॐ नवद्वारनिकेतनाय नमः।
६७१ ॐ नरनारायणस्तुत्याय नमः।
६७२ ॐ नवनाथमहेश्वराय नमः।
६७३ ॐ मेखलिने नमः।
६७४ ॐ कवचिने नमः।
६७५ ॐ खड्गिने नमः।
६७६ ॐ भ्राजिष्णवे नमः।
६७७ ॐ जिष्णुसारथये नमः।
६७८ ॐ बहुयोजनविस्तीर्णपुच्छाय नमः।
६७९ ॐ पुच्छहतासुराय नमः।
६८० ॐ दुष्टग्रहनिहन्त्रे नमः।
६८१ ॐ पिशाचग्रहघातकाय नमः।
६८२ ॐ बालग्रहविनाशिने नमः।
६८३ ॐ धर्मनेत्रे नमः।
६८४ ॐ कृपाकराय नमः।
६८५ ॐ उग्रकृत्याय नमः।
६८६ ॐ उग्रवेगाय नमः।
६८७ ॐ उग्रनेत्राय नमः।
६८८ ॐ शतक्रतवे नमः।
६८९ ॐ शतमन्युनुताय नमः।
६९० ॐ स्तुत्याय नमः।
६९१ ॐ स्तुतये नमः।
६९२ ॐ स्तोत्रे नमः।
६९३ ॐ महाबलाय नमः।
६९४ ॐ समग्रगुणशालिने नमः।
६९५ ॐ व्यग्राय नमः।
६९६ ॐ रक्षोविनाशकाय नमः।
६९७ ॐ रक्षोऽग्निदाहाय नमः।
६९८ ॐ ब्रह्मेशाय नमः।
६९९ ॐ श्रीधराय नमः।
७०० ॐ भक्तवत्सलाय नमः।
७०१ ॐ मेघनादाय नमः।
७०२ ॐ मेघरूपाय नमः।
७०३ ॐ मेघवृष्टिनिवारकाय नमः।
७०४ ॐ मेघजीवनहेतवे नमः।
७०५ ॐ मेघश्यामाय नमः।
७०६ ॐ परात्मकाय नमः।
७०७ ॐ समीरतनयाय नमः।
७०८ ॐ योद्ध्रे नमः।
७०९ ॐ नृत्यविद्याविशारदाय नमः।
७१० ॐ अमोघाय नमः।
७११ ॐ अमोघदृष्टये नमः।
७१२ ॐ इष्टदाय नमः।
७१३ ॐ अरिष्टनाशनाय नमः।
७१४ ॐ अर्थाय नमः।
७१५ ॐ अनर्थापहारिणे नमः।
७१६ ॐ समर्थाय नमः।
७१७ ॐ रामसेवकाय नमः।
७१८ ॐ अर्थिवन्द्याय नमः।
७१९ ॐ असुरारातये नमः।
७२० ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः।
७२१ ॐ आत्मभुवे नमः।
७२२ ॐ संकर्षणाय नमः।
७२३ ॐ विशुद्धात्मने नमः।
७२४ ॐ विद्याराशये नमः।
७२५ ॐ सुरेश्वराय नमः।
७२६ ॐ अचलोद्धारकाय नमः।

७२७ ॐ नित्याय नमः।
७२८ ॐ सेतुकृते नमः।
७२९ ॐ रामसारथये नमः।
७३० ॐ आनन्दाय नमः।
७३१ ॐ परमानन्दाय नमः।
७३२ ॐ मत्स्याय नमः।
७३३ ॐ कूर्माय नमः।
७३४ ॐ निराश्रयाय नमः।
७३५ ॐ वाराहाय नमः।
७३६ ॐ नारसिंहाय नमः।
७३७ ॐ वामनाय नमः।
७३८ ॐ जमदग्निजाय नमः।
७३९ ॐ रामाय नमः।
७४० ॐ कृष्णाय नमः।
७४१ ॐ शिवाय नमः।
७४२ ॐ बुद्धाय नमः।
७४३ ॐ कल्किने नमः।
७४४ ॐ रामाश्रयाय नमः।
७४५ ॐ हरये नमः।
७४६ ॐ नन्दिने नमः।
७४७ ॐ भृङ्गिणे नमः।
७४८ ॐ चण्डिने नमः।
७४९ ॐ गणेशाय नमः।
७५० ॐ गणसेविताय नमः।
७५१ ॐ कर्माध्यक्षाय नमः।
७५२ ॐ सुराध्यक्षाय नमः।
७५३ ॐ विश्रामाय नमः।
७५४ ॐ जगतीपतये नमः।
७५५ ॐ जगन्नाथाय नमः।
७५६ ॐ कपीशाय नमः।
७५७ ॐ सर्वावासाय नमः।
७५८ ॐ सदाश्रयाय नमः।
७५९ ॐ सुग्रीवादिस्तुताय नमः।
७६० ॐ दान्ताय नमः।
७६१ ॐ सर्वकर्मणे नमः॥
७६२ ॐ प्लवङ्गमाय नमः।
७६३ ॐ नखदारितरक्षसे नमः।
७६४ ॐ नखयुद्धविशारदाय नमः।
७६५ ॐ कुशलाय नमः।
७६६ ॐ सुधनाय नमः।
७६७ ॐ शेषाय नमः।
७६८ ॐ वासुकये नमः।
७६९ ॐ तक्षकाय नमः।
७७० ॐ स्वर्णवर्णाय नमः।
७७१ ॐ बलाढ्याय नमः।
७७२ ॐ पुरुजेत्रे नमः।
७७३ ॐ अघनाशनाय नमः।
७७४ ॐ कैवल्यरूपाय नमः।
७७५ ॐ कैवल्याय नमः।
७७६ ॐ गरुडाय नमः।
७७७ ॐ पन्नगोरगाय नमः।
७७८ ॐ किल्किल्रावहतारातये नमः।
७७९ ॐ गर्वपर्वतभेदनाय नमः।
७८० ॐ वज्राङ्गाय नमः।
७८१ ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः।
७८२ ॐ भक्तवज्रनिवारकाय नमः।
७८३ ॐ नखायुधाय नमः।
७८४ ॐ मणिग्रीवाय नमः।

७८५ ॐ ज्वालामालिने नमः।
७८६ ॐ भास्कराय नमः।
७८७ ॐ प्रौढप्रतापाय नमः।
७८८ ॐ तपनाय नमः।
७८९ ॐ भक्ततापनिवारकाय नमः।
७९० ॐ शरणाय नमः।
७९१ ॐ जीवनाय नमः।
७९२ ॐ भोक्त्रे नमः।
७९३ ॐ नानाचेष्टाय नमः।
७९४ ॐ अचञ्चलाय नमः।
७९५ ॐ स्वस्तिमते नमः।
७९६ ॐ स्वस्तिदाय नमः।
७९७ ॐ दुःखशातनाय नमः।
७९८ ॐ पवनात्मजाय नमः।
७९९ ॐ पावनाय नमः।
८०० ॐ पवनाय नमः।
८०१ ॐ कान्ताय नमः।
८०२ ॐ भक्तागःसहनाय नमः।
८०३ ॐ बलिने नमः।
८०४ ॐ मेघनादरिपवे नमः।
८०५ ॐ मेघनादसंहतराक्षसाय नमः।
८०६ ॐ क्षराय नमः।
८०७ ॐ अक्षराय नमः।
८०८ ॐ विनीतात्मने नमः।
८०९ ॐ वानरेशाय नमः।
८१० ॐ सतां गतये नमः।
८११ ॐ श्रीकण्ठाय नमः।
८१२ ॐ शितिकण्ठाय नमः।
८१३ ॐ सहायाय नमः।
८१४ ॐ सहनायकाय नमः।
८१५ ॐ अस्थूलाय नमः।
८१६ ॐ अनणवे नमः।
८१७ ॐ भर्गाय नमः।
८१८ ॐ दिव्याय नमः।
८१९ ॐ संसृतिनाशनाय नमः।
८२० ॐ अध्यात्मविद्यासाराय नमः।
८२१ ॐ अध्यात्मकुशलाय नमः।
८२२ ॐ सुधिये नमः।
८२३ ॐ अकल्मषाय नमः।
८२४ ॐ सत्यहेतवे नमः।
८२५ ॐ सत्यदाय नमः।
८२६ ॐ सत्यगोचराय नमः।
८२७ ॐ सत्यगर्भाय नमः।
८२८ ॐ सत्यरूपाय नमः।
८२९ ॐ सत्याय नमः।
८३० ॐ सत्यपराक्रमाय नमः।
८३१ ॐ अञ्जनाप्राणलिङ्गाय नमः।
८३२ ॐ वायुवंशोद्भवाय नमः।
८३३ ॐ शुभाय नमः।
८३४ ॐ भद्ररूपाय नमः।
८३५ ॐ रुद्ररूपाय नमः।
८३६ ॐ सुरूपाय नमः।
८३७ ॐ चित्ररूपधृषे नमः।
८३८ ॐ मैनाकवन्दिताय नमः।
८३९ ॐ सूक्ष्मदर्शनाय नमः।
८४० ॐ विजयाय नमः।
८४१ ॐ जयाय नमः।
८४२ ॐ क्रान्तदिङ्मण्डलाय नमः।

८४३ ॐ रुद्राय नमः।
८४४ ॐ प्रकटीकृतविक्रमाय नमः।
८४५ ॐ कम्बुकण्ठाय नमः।
८४६ ॐ प्रसन्नात्मने नमः।
८४७ ॐ ह्रस्वनासाय नमः।
८४८ ॐ वृकोदराय नमः।
८४९ ॐ लम्बौष्ठाय नमः।
८५० ॐ कुण्डलिने नमः।
८५१ ॐ चित्रमालिने नमः।
८५२ ॐ योगविदां वराय नमः।
८५३ ॐ विपश्चिते नमः।
८५४ ॐ कवये नमः।
८५५ ॐ आनन्दविग्रहाय नमः।
८५६ ॐ अनल्पशासनाय नमः।
८५७ ॐ फाल्गुनीसूनवे नमः।
८५८ ॐ अव्यग्राय नमः।
८५९ ॐ योगात्मने नमः।
८६० ॐ योगतत्पराय नमः।
८६१ ॐ योगविदे नमः।
८६२ ॐ योगकर्त्रे नमः।
८६३ ॐ योगयोनये नमः।
८६४ ॐ दिगम्बराय नमः।
८६५ ॐ अकारादिहकारान्तवर्ण-
निर्मितविग्रहाय नमः।
८६६ ॐ उलूखलमुखाय नमः।
८६७ ॐ सिद्धसंस्तुताय नमः।
८६८ ॐ प्रमथेश्वराय नमः।
८६९ ॐ श्लिष्टजङ्घाय नमः।
८७० ॐ श्लिष्टजानवे नमः।
८७१ ॐ श्लिष्टपाणये नमः।
८७२ ॐ शिखाधराय नमः।
८७३ ॐ सुशर्मणे नमः।
८७४ ॐ अमितशर्मणे नमः।
८७५ ॐ नारायणपरायणाय नमः।
८७६ ॐ जिष्णवे नमः।
८७७ ॐ भविष्णवे नमः।
८७८ ॐ रोचिष्णवे नमः।
८७९ ॐ ग्रसिष्णवे नमः।
८८० ॐ स्थाणवे नमः।
८८१ ॐ हरिरुद्रानुसेकाय नमः।
८८२ ॐ कम्पनाय नमः।
८८३ ॐ भूमिकम्पनाय नमः।
८८४ ॐ गुणप्रवाहाय नमः।
८८५ ॐ सूत्रात्मने नमः।
८८६ ॐ वीतरागस्तुतिप्रियाय नमः।
८८७ ॐ नागकन्याभयध्वंसिने नमः।
८८८ ॐ रुक्मवर्णाय नमः।
८८९ ॐ कपालभृते नमः।
८९० ॐ अनाकुलाय नमः।
८९१ ॐ भवोपायाय नमः।
८९२ ॐ अनपायाय नमः।
८९३ ॐ वेदपारगाय नमः।
८९४ ॐ अक्षराय नमः।
८९५ ॐ पुरुषाय नमः।
८९६ ॐ लोकनाथाय नमः।
८९७ ॐ ऋक्षप्रभवे नमः।
८९८ ॐ दृढाय नमः।
८९९ ॐ अष्टाङ्गयोगफलभुजे नमः।

९०० ॐ सत्यसंधाय नमः।
९०१ ॐ पुरुष्टुताय नमः।
९०२ ॐ श्मशानस्थाननिलयाय नमः।
९०३ ॐ प्रेतविद्रावणक्षमाय नमः।
९०४ ॐ पञ्चाक्षरपराय नमः।
९०५ ॐ पञ्चमातृकाय नमः।
९०६ ॐ रञ्जनध्वजाय नमः।
९०७ ॐ योगिनीवृन्दवन्द्यश्रियै नमः।
९०८ ॐ शत्रुघ्नाय नमः।
९०९ ॐ अनन्तविक्रमाय नमः।
९१० ॐ ब्रह्मचारिणे नमः।
९११ ॐ इन्द्रियरिपवे नमः।
९१२ ॐ धृतदण्डाय नमः।
९१३ ॐ दशात्मकाय नमः।
९१४ ॐ अप्रपञ्चाय नमः।
९१५ ॐ सदाचाराय नमः।
९१६ ॐ शूरसेनाविदारकाय नमः।
९१७ ॐ वृद्धाय नमः।
९१८ ॐ प्रमोदाय नमः।
९१९ ॐ आनन्दाय नमः।
९२० ॐ सप्तद्वीपपतिन्धराय नमः।
९२१ ॐ नवद्वारपुराधाराय नमः।
९२२ ॐ प्रत्यग्राय नमः।
९२३ ॐ सामगायकाय नमः।
९२४ ॐ षट्चक्रधाम्ने नमः।
९२५ ॐ स्वर्लोकाभयकृते नमः।
९२६ ॐ मानदाय नमः।
९२७ ॐ मदाय नमः।
९२८ ॐ सर्ववश्यकराय नमः।
९२९ ॐ शक्तये नमः।
९३० ॐ अनन्ताय नमः।
९३१ ॐ अनन्तमङ्गलाय नमः।
९३२ ॐ अष्टमूर्तये नमः।
९३३ ॐ नयोपेताय नमः।
९३४ ॐ विरूपाय नमः।
९३५ ॐ सुरसुन्दराय नमः।
९३६ ॐ धूमकेतवे नमः।
९३७ ॐ महाकेतवे नमः।
९३८ ॐ सत्यकेतवे नमः।
९३९ ॐ महारथाय नमः।
९४० ॐ नन्दिप्रियाय नमः।
९४१ ॐ स्वतन्त्राय नमः।
९४२ ॐ मेखलिने नमः।
९४३ ॐ डमरुप्रियाय नमः।
९४४ ॐ लौहाङ्गाय नमः।
९४५ ॐ सर्वविदे नमः।
९४६ ॐ धन्विने नमः।
९४७ ॐ खण्डलाय नमः।
९४८ ॐ शर्वाय नमः।
९४९ ॐ ईश्वराय नमः।
९५० ॐ फलभुजे नमः।
९५१ ॐ फलहस्ताय नमः।
९५२ ॐ सर्वकर्मफलप्रदाय नमः।
९५३ ॐ धर्माध्यक्षाय नमः।
९५४ ॐ धर्मपालाय नमः।
९५५ ॐ धर्माय नमः।

९५६ ॐ धर्मप्रदाय नमः।
९५७ ॐ अर्थदाय नमः।
९५८ ॐ पञ्चविंशतितत्त्वज्ञाय नमः।
९५९ ॐ तारकाय नमः।
९६० ॐ ब्रह्मतत्पराय नमः।
९६१ ॐ त्रिमार्गवसतये नमः।
९६२ ॐ भीमाय नमः।
९६३ ॐ सर्वदुःखनिबर्हणाय नमः।
९६४ ॐ ऊर्जस्वते नमः।
९६५ ॐ निष्कलाय नमः।
९६६ ॐ शूलिने नमः।
९६७ ॐ मौलिने नमः।
९६८ ॐ गर्जन्निशाचराय नमः।
९६९ ॐ रक्ताम्बरधराय नमः।
९७० ॐ रक्ताय नमः।
९७१ ॐ रक्तमाल्याय नमः।
९७२ ॐ विभूषणाय नमः।
९७३ ॐ वनमालिने नमः।
९७४ ॐ शुभाङ्गाय नमः।
९७५ ॐ श्वेताय नमः।
९७६ ॐ श्वेताम्बराय नमः।
९७७ ॐ यूने नमः।
९७८ ॐ जयाय नमः।
९७९ ॐ अजयपरीवाराय नमः।
९८० ॐ सहस्त्रवदनाय नमः।
९८१ ॐ कपये नमः।
९८२ ॐ शाकिनीडाकिनीयक्षरक्षो-
भूतप्रभञ्जकाय नमः।
९८३ ॐ सद्योजाताय नमः।
९८४ ॐ कामगतये नमः।
९८५ ॐ ज्ञानमूर्तये नमः।
९८६ ॐ यशस्कराय नमः।
९८७ ॐ शम्भुतेजसे नमः।
९८८ ॐ सार्वभौमाय नमः।
९८९ ॐ विष्णुभक्ताय नमः।
९९० ॐ प्लवङ्गमाय नमः।
९९१ ॐ चतुर्नवतिमन्त्रज्ञाय नमः।
९९२ ॐ पौलस्त्यबलदर्पघ्ने नमः।
९९३ ॐ सर्वलक्ष्मीप्रदाय नमः।
९९४ ॐ श्रीमते नमः।
९९५ ॐ अङ्गदप्रियाय नमः।
९९६ ॐ ईडिताय नमः।
९९७ ॐ स्मृतिबीजाय नमः।
९९८ ॐ सुरेशानाय नमः।
९९९ ॐ संसारभयनाशनाय नमः।
१००० ॐ उत्तमाय नमः।
१००१ ॐ श्रीपरीवाराय नमः।
१००२ ॐ श्रिताय नमः।
१००३ ॐ रुद्राय नमः।
१००४ ॐ कामदुहे नमः।

॥ इति मन्त्रमहार्णवे श्रीहनुमत्सहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा॥



॥ श्रीगायत्रीदेव्यै नमः ॥

श्रीगायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

रक्तश्वेतहिरण्यनीलधवलैर्युक्तां त्रिनेत्रोज्ज्वलां
रक्तां रक्तनवस्रजं मणिगणैर्युक्तां कुमारीमिमाम्।
गायत्रीं कमलासनां करतलव्यानद्धकुण्डाम्बुजां
पद्माक्षीं च वरस्रजं च दधतीं हंसाधिरूढां भजे॥*

नारद उवाच

भगवन् सर्वधर्मज्ञ सर्वशास्त्रविशारद।
श्रुतिस्मृतिपुराणानां रहस्यं त्वन्मुखाच्छ्रुतम्॥ १॥
सर्वपापहरं देव येन विद्या प्रवर्तते।
केन वा ब्रह्मविज्ञानं किं नु वा मोक्षसाधनम्॥ २॥
ब्राह्मणानां गतिः केन केन वा मृत्युनाशनम्।
ऐहिकामुष्मिकफलं केन वा पद्मलोचन॥ ३॥
वक्तुमर्हस्यशेषेण सर्वं निखिलमादितः।

श्रीनारायण उवाच

साधु साधु महाप्राज्ञ सम्यक् पृष्टं त्वयानघ॥ ४॥
शृणु वक्ष्यामि यत्नेन गायत्र्यष्टसहस्रकम्।
नाम्नां शुभानां दिव्यानां सर्वपापविनाशनम्॥ ५॥
सृष्ट्यादौ यद्भगवता पूर्वं प्रोक्तं ब्रवीमि ते।
अष्टोत्तरसहस्रस्य ऋषिर्ब्रह्मा प्रकीर्तितः॥ ६॥

---

* 'जो रक्त, श्वेत, पीत, नील और धवल वर्णोंके श्रीमुखोंसे सम्पन्न हैं, तीन नेत्रोंसे जिनका विग्रह देदीप्यमान हो रहा है, जिन्होंने अपने रक्तवर्ण शरीरको नूतन लाल कमलोंकी मालासे सजा रखा है, जो अनेक मणियोंसे अलंकृत हैं, कमलके आसनपर विराजमान हैं, जिनके दो हाथोंमें कमल और कुण्डिका एवं दो हाथोंमें वर तथा अक्षमाला सुशोभित हैं, उन हंसकी सवारी करनेवाली, कुमारी अवस्थासे सम्पन्न, भगवती गायत्रीकी मैं उपासना करता हूँ।'

छन्दोऽनुष्टुप् तथा देवी गायत्री देवता स्मृता।
हलो बीजानि तस्यैव स्वराः शक्तय ईरिताः॥ ७॥
अङ्गन्यासकरन्यासावुच्येते मातृकाक्षरैः।
अथ ध्यानं प्रवक्ष्यामि साधकानां हिताय वै॥ ८॥

स्तोत्रम्

अचिन्त्यलक्षणाव्यक्ताप्यर्थमातृमहेश्वरी ।
अमृतार्णवमध्यस्थाप्यजिता चापराजिता॥ १॥
अणिमादिगुणाधाराप्यर्कमण्डलसंस्थिता ।
अजराजापराधर्मा अक्षसूत्रधराधरा॥ २॥
अकारादिक्षकारान्ताप्यरिषड्वर्गभेदिनी ।
अञ्जनाद्रिप्रतीकाशाप्यञ्जनाद्रिनिवासिनी ॥ ३॥
अदितिश्चाजपाविद्याप्यरविन्दनिभेक्षणा ।
अन्तर्बहिःस्थिताविद्याध्वंसिनी चान्तरात्मिका॥ ४॥
अजा चाजमुखावासाप्यरविन्दनिभानना।
अर्धमात्रार्थदानज्ञाप्यरिमण्डलमर्दिनी ॥ ५॥
असुरघ्नी ह्यमावास्याप्यलक्ष्मीघ्न्यन्त्यजार्चिता।
आदिलक्ष्मीश्चादिशक्तिराकृतिश्चायतानना ॥ ६॥
आदित्यपदवीचाराप्यादित्यपरिसेविता ।
आचार्यावर्तनाचाराप्यादिमूर्तिनिवासिनी ॥ ७॥
आग्नेयी चामरी चाद्या चाराध्या चासनस्थिता।
आधारनिलयाधारा चाकाशान्तनिवासिनी॥ ८॥
आद्याक्षरसमायुक्ता चान्तराकाशरूपिणी।
आदित्यमण्डलगता चान्तरध्वान्तनाशिनी॥ ९॥

इन्दिरा चेष्टदा चेष्टा चेन्दीवरनिभेक्षणा।
इरावती चेन्द्रपदा चेन्द्राणी चेन्दुरूपिणी॥ १०॥
इक्षुकोदण्डसंयुक्ता चेषुसन्धानकारिणी।
इन्द्रनीलसमाकारा चेडापिङ्गलरूपिणी॥ ११॥
इन्द्राक्षी चेश्वरी देवी चेहात्रयविवर्जिता।
उमा चोषा ह्युडुनिभा उर्वारुकफलानना॥ १२॥
उडुप्रभा चोडुमती ह्युडुपा ह्युडुमध्यगा।
ऊर्ध्वं चाप्यूर्ध्वकेशी चाप्यूर्ध्वाधोगतिभेदिनी॥ १३॥
ऊर्ध्वबाहुप्रिया चोर्मिमालावाग्ग्रन्थदायिनी।
ऋतं चर्षिर्ऋतुमती ऋषिदेवनमस्कृता॥ १४॥
ऋग्वेदा ऋणहर्त्री च ऋषिमण्डलचारिणी।
ऋद्धिदा ऋजुमार्गस्था ऋजुधर्मा ऋतुप्रदा॥ १५॥
ऋग्वेदनिलया ऋज्वी लुप्तधर्मप्रवर्तिनी।
लूतारिवरसम्भूता लूतादिविषहारिणी॥ १६॥
एकाक्षरा चैकमात्रा चैका चैकैकनिष्ठिता।
ऐन्द्री ह्यैरावतारूढा चैहिकामुष्मिकप्रदा॥ १७॥
ओंकारा ह्योषधी चोता चोतप्रोतनिवासिनी।
और्वा ह्यौषधसम्पन्ना औपासनफलप्रदा॥ १८॥
अण्डमध्यस्थिता देवी चाःकारमनुरूपिणी।
कात्यायनी कालरात्रिः कामाक्षी कामसुन्दरी॥ १९॥
कमला कामिनी कान्ता कामदा कालकण्ठिनी।
करिकुम्भस्तनभरा करवीरसुवासिनी॥ २०॥

कल्याणी कुण्डलवती कुरुक्षेत्रनिवासिनी।
कुरुविन्ददलाकारा कुण्डली कुमुदालया॥ २१॥
कालजिह्वा करालास्या कालिका कालरूपिणी।
कमनीयगुणा कान्तिः कलाधारा कुमुद्वती॥ २२॥
कौशिकी कमलाकारा कामचारप्रभञ्जिनी।
कौमारी करुणापाङ्गी ककुबन्ता करिप्रिया॥ २३॥
केसरी केशवनुता कदम्बकुसुमप्रिया।
कालिन्दी कालिका काञ्ची कलशोद्भवसंस्तुता॥ २४॥
काममाता क्रतुमती कामरूपा कृपावती।
कुमारी कुण्डनिलया किराती कीरवाहना॥ २५॥
कैकेयी कोकिलालापा केतकी कुसुमप्रिया।
कमण्डलुधरा काली कर्मनिर्मूलकारिणी॥ २६॥
कलहंसगतिः कक्षा कृतकौतुकमङ्गला।
कस्तूरीतिलका कम्प्रा करीन्द्रगमना कुहूः॥ २७॥
कर्पूरलेपना कृष्णा कपिला कुहराश्रया।
कूटस्था कुधरा कम्रा कुक्षिस्थाखिलविष्टपा॥ २८॥
खड्गखेटकरा खर्वा खेचरी खगवाहना।
खट्वाङ्गधारिणी ख्याता खगराजोपरिस्थिता॥ २९॥
खलघ्नी खण्डितजरा खण्डाख्यानप्रदायिनी।
खण्डेन्दुतिलका गङ्गा गणेशगुहपूजिता॥ ३०॥
गायत्री गोमती गीता गान्धारी गानलोलुपा।
गौतमी गामिनी गाधा गन्धर्वाप्सरसेविता॥ ३१॥

गोविन्दचरणाक्रान्ता गुणत्रयविभाविता।
गन्धर्वी गह्वरी गोत्रा गिरीशा गहना गमी॥ ३२॥
गुहावासा गुणवती गुरुपापप्रणाशिनी।
गुर्वी गुणवती गुह्या गोप्तव्या गुणदायिनी॥ ३३॥
गिरिजा गुह्यमातङ्गी गरुडध्वजवल्लभा।
गर्वापहारिणी गोदा गोकुलस्था गदाधरा॥ ३४॥
गोकर्णनिलयासक्ता गुह्यमण्डलवर्तिनी।
घर्मदा घनदा घण्टा घोरदानवमर्दिनी॥ ३५॥
घृणिमन्त्रमयी घोषा घनसम्पातदायिनी।
घण्टारवप्रिया घ्राणा घृणिसन्तुष्टकारिणी॥ ३६॥
घनारिमण्डला घूर्णा घृताची घनवेगिनी।
ज्ञानधातुमयी चर्चा चर्चिता चारुहासिनी॥ ३७॥
चटुला चण्डिका चित्रा चित्रमाल्यविभूषिता।
चतुर्भुजा चारुदन्ता चातुरी चरितप्रदा॥ ३८॥
चूलिका चित्रवस्त्रान्ता चन्द्रमःकर्णकुण्डला।
चन्द्रहासा चारुदात्री चकोरी चन्द्रहासिनी॥ ३९॥
चन्द्रिका चन्द्रधात्री च चौरी चौरा च चण्डिका।
चञ्चद्वाग्वादिनी चन्द्रचूडा चोरविनाशिनी॥ ४०॥
चारुचन्दनलिप्ताङ्गी चञ्चच्चामरवीजिता।
चारुमध्या चारुगतिश्चन्दिला चन्द्ररूपिणी॥ ४१॥
चारुहोमप्रिया चार्वाचरिता चक्रबाहुका।
चन्द्रमण्डलमध्यस्था चन्द्रमण्डलदर्पणा॥ ४२॥

चक्रवाकस्तनी चेष्टा चित्रा चारुविलासिनी।
चित्स्वरूपा चन्द्रवती चन्द्रमाश्चन्दनप्रिया॥ ४३॥
चोदयित्री चिरप्रज्ञा चातका चारुहेतुकी।
छत्रयाता छत्रधरा छाया छन्दःपरिच्छदा॥ ४४॥
छायादेवीच्छिद्रनखा छन्नेन्द्रियविसर्पिणी।
छन्दोऽनुष्टुप्प्रतिष्ठान्ता छिद्रोपद्रवभेदिनी॥ ४५॥
छेदा छत्रेश्वरी छिन्ना छुरिका छेदनप्रिया।
जननी जन्मरहिता जातवेदा जगन्मयी॥ ४६॥
जाह्नवी जटिला जेत्री जरामरणवर्जिता।
जम्बूद्वीपवती ज्वाला जयन्ती जलशालिनी॥ ४७॥
जितेन्द्रिया जितक्रोधा जितामित्रा जगत्प्रिया।
जातरूपमयी जिह्वा जानकी जगती जरा॥ ४८॥
जनित्री जह्नुतनया जगत्त्रयहितैषिणी।
ज्वालामुखी जपवती ज्वरघ्नी जितविष्टपा॥ ४९॥
जिताक्रान्तमयी ज्वाला जाग्रती ज्वरदेवता।
ज्वलन्ती जलदा ज्येष्ठा ज्याघोषास्फोटदिङ्मुखी॥ ५०॥
जम्भिनी जृम्भणा जृम्भा ज्वलन्माणिक्यकुण्डला।
झिंझिका झणनिर्घोषा झंझामारुतवेगिनी॥ ५१॥
झल्लरीवाद्यकुशला ञरूपा ञभुजा स्मृता।
टङ्कबाणसमायुक्ता टङ्किनी टङ्कभेदिनी॥ ५२॥
टङ्कीगणकृताघोषा टङ्कनीयमहोरसा।
टङ्कारकारिणी देवी ठठशब्दनिनादिनी॥ ५३॥
डामरी डाकिनी डिम्भा डुण्डुमारैकनिर्जिता।
डामरीतन्त्रमार्गस्था डमड्डमरुनादिनी॥ ५४॥

डिण्डीरवसहा डिम्भलसत्क्रीडापरायणा।
ढुण्ढिविघ्नेशजननी ढक्काहस्ता ढिलिव्रजा॥ ५५॥
नित्यज्ञाना निरुपमा निर्गुणा नर्मदा नदी।
त्रिगुणा त्रिपदा तन्त्री तुलसीतरुणातरुः॥ ५६॥
त्रिविक्रमपदाक्रान्ता तुरीयपदगामिनी।
तरुणादित्यसंकाशा तामसी तुहिना तुरा॥ ५७॥
त्रिकालज्ञानसम्पन्ना त्रिवेणी च त्रिलोचना।
त्रिशक्तिस्त्रिपुरा तुङ्गा तुरङ्गवदना तथा॥ ५८॥
तिमिङ्गिलगिला तीव्रा त्रिस्रोता तामसादिनी।
तन्त्रमन्त्रविशेषज्ञा तनुमध्या त्रिविष्टपा॥ ५९॥
त्रिसंध्या त्रिस्तनी तोषासंस्था तालप्रतापिनी।
ताटङ्किनी तुषाराभा तुहिनाचलवासिनी॥ ६०॥
तन्तुजालसमायुक्ता तारहारावलिप्रिया।
तिलहोमप्रिया तीर्था तमालकुसुमाकृतिः॥ ६१॥
तारका त्रियुता तन्वी त्रिशङ्कुपरिवारिता।
तलोदरी तिलाभूषा ताटङ्कप्रियवाहिनी॥ ६२॥
त्रिजटा तित्तिरी तृष्णा त्रिविधा तरुणाकृतिः।
तप्तकाञ्चनसंकाशा तप्तकाञ्चनभूषणा॥ ६३॥
त्रैयम्बका त्रिवर्गा च त्रिकालज्ञानदायिनी।
तर्पणा तृप्तिदा तृप्ता तामसी तुम्बुरुस्तुता॥ ६४॥
तार्क्ष्यस्था त्रिगुणाकारा त्रिभङ्गी तनुवल्लरिः।
थात्कारी थारवा थान्ता दोहिनी दीनवत्सला॥ ६५॥
दानवान्तकरी दुर्गा दुर्गासुरनिबर्हिणी।
देवरीतिर्दिवारात्रिर्द्रौपदी दुन्दुभिस्वना॥ ६६॥

देवयानी दुरावासा दारिद्र्योद्भेदिनी दिवा।
दामोदरप्रिया दीप्ता दिग्वासा दिग्विमोहिनी॥ ६७॥
दण्डकारण्यनिलया दण्डिनी देवपूजिता।
देववन्द्या दिविषदा द्वेषिणी दानवाकृतिः॥ ६८॥
दीनानाथस्तुता दीक्षा दैवतादिस्वरूपिणी।
धात्री धनुर्धरा धेनुर्धारिणी धर्मचारिणी॥ ६९॥
धरंधरा धराधारा धनदा धान्यदोहिनी।
धर्मशीला धनाध्यक्षा धनुर्वेदविशारदा॥ ७०॥
धृतिर्धन्या धृतपदा धर्मराजप्रिया ध्रुवा।
धूमावती धूमकेशी धर्मशास्त्रप्रकाशिनी॥ ७१॥
नन्दा नन्दप्रिया निद्रा नृनुता नन्दनात्मिका।
नर्मदा नलिनी नीला नीलकण्ठसमाश्रया॥ ७२॥
नारायणप्रिया नित्या निर्मला निर्गुणा निधिः।
निराधारा निरुपमा नित्यशुद्धा निरञ्जना॥ ७३॥
नादबिन्दुकलातीता नादबिन्दुकलात्मिका।
नृसिंहिनी नगधरा नृपनागविभूषिता॥ ७४॥
नरकक्लेशशमनी नारायणपदोद्भवा।
निरवद्या निराकारा नारदप्रियकारिणी॥ ७५॥
नानाज्योतिःसमाख्याता निधिदा निर्मलात्मिका।
नवसूत्रधरा नीतिर्निरुपद्रवकारिणी॥ ७६॥
नन्दजा नवरत्नाढ्या नैमिषारण्यवासिनी।
नवनीतप्रिया नारी नीलजीमूतनिस्वना॥ ७७॥
निमेषिणी नदीरूपा नीलग्रीवा निशीश्वरी।
नामावलिर्निशुम्भघ्नी नागलोकनिवासिनी॥ ७८॥

नवजाम्बूनदप्रख्या नागलोकाधिदेवता।
नूपुराक्रान्तचरणा नरचित्तप्रमोदिनी ॥ ७९ ॥
निमग्नारक्तनयना निर्घातसमनिस्वना।
नन्दनोद्याननिलया निर्व्यूहोपरिचारिणी ॥ ८० ॥
पार्वती परमोदारा परब्रह्मात्मिका परा।
पञ्चकोशविनिर्मुक्ता पञ्चपातकनाशिनी ॥ ८१ ॥
परचित्तविधानज्ञा पञ्चिका पञ्चरूपिणी।
पूर्णिमा परमा प्रीतिः परतेजः प्रकाशिनी ॥ ८२ ॥
पुराणी पौरुषी पुण्या पुण्डरीकनिभेक्षणा।
पातालतलनिर्मग्ना प्रीता प्रीतिविवर्धिनी ॥ ८३ ॥
पावनी पादसहिता पेशला पवनाशिनी।
प्रजापतिः परिश्रान्ता पर्वतस्तनमण्डला ॥ ८४ ॥
पद्मप्रिया पद्मसंस्था पद्माक्षी पद्मसम्भवा।
पद्मपत्रा पद्मपदा पद्मिनी प्रियभाषिणी ॥ ८५ ॥
पशुपाशविनिर्मुक्ता पुरन्ध्री पुरवासिनी।
पुष्कला पुरुषा पर्वा पारिजातसुमप्रिया ॥ ८६ ॥
पतिव्रता पवित्राङ्गी पुष्पहासपरायणा।
प्रज्ञावतीसुता पौत्री पुत्रपूज्या पयस्विनी ॥ ८७ ॥
पट्टिपाशधरा पङ्क्तिः पितृलोकप्रदायिनी।
पुराणी पुण्यशीला च प्रणतार्तिविनाशिनी ॥ ८८ ॥
प्रद्युम्नजननी पुष्टा पितामहपरिग्रहा।
पुण्डरीकपुरावासा पुण्डरीकसमानना ॥ ८९ ॥
पृथुजङ्घा पृथुभुजा पृथुपादा पृथूदरी।
प्रवालशोभा पिङ्गाक्षी पीतवासाः प्रचापला ॥ ९० ॥

प्रसवा पुष्टिदा पुण्या प्रतिष्ठा प्रणवागतिः।
पञ्चवर्णा पञ्चवाणी पञ्चिका पञ्जरस्थिता॥ ९१॥
परमाया परज्योतिः परप्रीतिः परागतिः।
पराकाष्ठा परेशानी पाविनी पावकद्युतिः॥ ९२॥
पुण्यभद्रा परिच्छेद्या पुष्पहासा पृथूदरी।
पीताङ्गी पीतवसना पीतशय्या पिशाचिनी॥ ९३॥
पीतक्रिया पिशाचघ्नी पाटलाक्षी पटुक्रिया।
पञ्चभक्षप्रियाचारा पूतनाप्राणघातिनी॥ ९४॥
पुन्नागवनमध्यस्था पुण्यतीर्थनिषेविता।
पञ्चाङ्गी च पराशक्तिः परमाह्लादकारिणी॥ ९५॥
पुष्पकाण्डस्थिता पूषा पोषिताखिलविष्टपा।
पानप्रिया पञ्चशिखा पन्नगोपरिशायिनी॥ ९६॥
पञ्चमात्रात्मिका पृथ्वी पथिका पृथुदोह्रिनी।
पुराणन्यायमीमांसा पाटली पुष्पगन्धिनी॥ ९७॥
पुण्यप्रजा पारदात्री परमार्गैकगोचरा।
प्रवालशोभा पूर्णाशा प्रणवा पल्लवोदरी॥ ९८॥
फलिनी फलदा फल्गुः फूत्कारी फलकाकृतिः।
फणीन्द्रभोगशयना फणिमण्डलमण्डिता॥ ९९॥
बालबाला बहुमता बालातपनिभांशुका।
बलभद्रप्रिया वन्द्या वडवा बुद्धिसंस्तुता॥ १००॥
बन्दीदेवी बिलवती बडिशघ्नी बलिप्रिया।
बान्धवी बोधिता बुद्धिर्बन्धूककुसुमप्रिया॥ १०१॥
बालभानुप्रभाकारा ब्राह्मी ब्राह्मणदेवता।
बृहस्पतिस्तुता वृन्दा वृन्दावनविहारिणी॥ १०२॥

बालाकिनी बिलाहारा बिलवासा बहूदका।
बहुनेत्रा बहुपदा बहुकर्णावतंसिका॥ १०३॥
बहुबाहुयुता बीजरूपिणी बहुरूपिणी।
बिन्दुनादकलातीता बिन्दुनादस्वरूपिणी॥ १०४॥
बद्धगोधाङ्गुलित्राणा बदर्याश्रमवासिनी।
बृन्दारका बृहत्स्कन्धा बृहती बाणपातिनी॥ १०५॥
वृन्दाध्यक्षा बहुनुता वनिता बहुविक्रमा।
बद्धपद्मासनासीना बिल्वपत्रतलस्थिता॥ १०६॥
बोधिद्रुमनिजावासा बडिस्था बिन्दुदर्पणा।
बाला बाणासनवती वडवानलवेगिनी॥ १०७॥
ब्रह्माण्डबहिरन्तःस्था ब्रह्मकङ्कणसूत्रिणी।
भवानी भीषणवती भाविनी भयहारिणी॥ १०८॥
भद्रकाली भुजङ्गाक्षी भारती भारताशया।
भैरवी भीषणाकारा भूतिदा भूतिमालिनी॥ १०९॥
भामिनी भोगनिरता भद्रदा भूरिविक्रमा।
भूतवासा भृगुलता भार्गवी भूसुरार्चिता॥ ११०॥
भागीरथी भोगवती भवनस्था भिषग्वरा।
भामिनी भोगिनी भाषा भवानी भूरिदक्षिणा॥ १११॥
भर्गात्मिका भीमवती भवबन्धविमोचिनी।
भजनीया भूतधात्रीरञ्जिता भुवनेश्वरी॥ ११२॥
भुजङ्गवलया भीमा भेरुण्डा भागधेयिनी।
माता माया मधुमती मधुजिह्वा मधुप्रिया॥ ११३॥
महादेवी महाभागा मालिनी मीनलोचना।
मायातीता मधुमती मधुमांसा मधुद्रवा॥ ११४॥

मानवी मधुसम्भूता मिथिलापुरवासिनी।
मधुकैटभसंहर्त्री मेदिनी मेघमालिनी॥ ११५॥
मन्दोदरी महामाया मैथिली मसृणप्रिया।
महालक्ष्मीर्महाकाली महाकन्या महेश्वरी॥ ११६॥
माहेन्द्री मेरुतनया मन्दारकुसुमार्चिता।
मञ्जुमञ्जीरचरणा मोक्षदा मञ्जुभाषिणी॥ ११७॥
मधुरद्राविणी मुद्रा मलया मलयान्विता।
मेधा मरकतश्यामा मागधी मेनकात्मजा॥ ११८॥
महामारी महावीरा महाश्यामा मनुस्तुता।
मातृका मिहिराभासा मुकुन्दपदविक्रमा॥ ११९॥
मूलाधारस्थिता मुग्धा मणिपूरकवासिनी।
मृगाक्षी महिषारूढा महिषासुरमर्दिनी॥ १२०॥
योगासना योगगम्या योगा यौवनकाश्रया।
यौवनी युद्धमध्यस्था यमुना युगधारिणी॥ १२१॥
यक्षिणी योगयुक्ता च यक्षराजप्रसूतिनी।
यात्रा यानविधानज्ञा यदुवंशसमुद्भवा॥ १२२॥
यकारादिहकारान्ता याजुषी यज्ञरूपिणी।
यामिनी योगनिरता यातुधानभयङ्करी॥ १२३॥
रुक्मिणी रमणी रामा रेवती रेणुका रतिः।
रौद्री रौद्रप्रियाकारा राममाता रतिप्रिया॥ १२४॥
रोहिणी राज्यदा रेवा रमा राजीवलोचना।
राकेशी रूपसम्पन्ना रत्नसिंहासनस्थिता॥ १२५॥
रक्तमाल्याम्बरधरा रक्तगन्धानुलेपना।
राजहंससमारूढा रम्भा रक्तबलिप्रिया॥ १२६॥

रमणीययुगाधारा राजिताखिलभूतला।
रुरुचर्मपरीधाना रथिनी रत्नमालिका॥ १२७॥
रोगेशी रोगशमनी राविणी रोमहर्षिणी।
रामचन्द्रपदाक्रान्ता रावणच्छेदकारिणी॥ १२८॥
रत्नवस्त्रपरिच्छन्ना रथस्था रुक्मभूषणा।
लज्जाधिदेवता लोला ललिता लिङ्गधारिणी॥ १२९॥
लक्ष्मीर्लोला लुप्तविषा लोकिनी लोकविश्रुता।
लज्जा लम्बोदरी देवी ललना लोकधारिणी॥ १३०॥
वरदा वन्दिता विद्या वैष्णवी विमलाकृतिः।
वाराही विरजा वर्षा वरलक्ष्मीर्विलासिनी॥ १३१॥
विनता व्योममध्यस्था वारिजासनसंस्थिता।
वारुणी वेणुसम्भूता वीतिहोत्रा विरूपिणी॥ १३२॥
वायुमण्डलमध्यस्था विष्णुरूपा विधिप्रिया।
विष्णुपत्नी विष्णुमती विशालाक्षी वसुन्धरा॥ १३३॥
वामदेवप्रिया वेला वज्रिणी वसुदोहिनी।
वेदाक्षरपरीताङ्गी वाजपेयफलप्रदा॥ १३४॥
वासवी वामजननी वैकुण्ठनिलया वरा।
व्यासप्रिया वर्मधरा वाल्मीकिपरिसेविता॥ १३५॥
शाकम्भरी शिवा शान्ता शारदा शरणागतिः।
शातोदरी शुभाचारा शुम्भासुरविमर्दिनी॥ १३६॥
शोभावती शिवाकारा शङ्करार्द्धशरीरिणी।
शोणा शुभाशया शुभ्रा शिरःसन्धानकारिणी॥ १३७॥
शरावती शरानन्दा शरज्ज्योत्स्ना शुभानना।
शरभा शूलिनी शुद्धा शबरी शुकवाहना॥ १३८॥

श्रीमती श्रीधरानन्दा श्रवणानन्ददायिनी।
शर्वाणी शर्वरीवन्द्या षड्भाषा षड्ऋतुप्रिया ॥ १३९ ॥
षडाधारस्थिता देवी षण्मुखप्रियकारिणी।
षडङ्गरूपसुमतिसुरासुरनमस्कृता ॥ १४० ॥
सरस्वती सदाधारा सर्वमङ्गलकारिणी।
सामगानप्रिया सूक्ष्मा सावित्री सामसम्भवा ॥ १४१ ॥
सर्वावासा सदानन्दा सुस्तनी सागराम्बरा।
सर्वैश्वर्यप्रिया सिद्धिः साधुबन्धुपराक्रमा ॥ १४२ ॥
सप्तर्षिमण्डलगता सोममण्डलवासिनी।
सर्वज्ञा सान्द्रकरुणा समानाधिकवर्जिता ॥ १४३ ॥
सर्वोत्तुङ्गा सङ्गहीना सद्गुणा सकलेष्टदा।
सरघा सूर्यतनया सुकेशी सोमसंहतिः ॥ १४४ ॥
हिरण्यवर्णा हरिणी ह्रींकारी हंसवाहिनी।
क्षौमवस्त्रपरीताङ्गी क्षीराब्धितनया क्षमा ॥ १४५ ॥
गायत्री चैव सावित्री पार्वती च सरस्वती।
वेदगर्भा वरारोहा श्रीगायत्री पराम्बिका ॥ १४६ ॥

॥ फलश्रुतिः ॥

इति साहस्त्रकं नाम्नां गायत्र्याश्चैव नारद।
पुण्यदं सर्वपापघ्नं महासम्पत्तिदायकम् ॥ १४७ ॥
एवं नामानि गायत्र्यास्तोषोत्पत्तिकराणि हि।
अष्टम्यां च विशेषेण पठितव्यं द्विजैः सह ॥ १४८ ॥
जपं कृत्वा होमपूजा ध्यानं कृत्वा विशेषतः।
यस्मै कस्मै न दातव्यं गायत्र्यास्तु विशेषतः ॥ १४९ ॥
सुभक्ताय सुशिष्याय वक्तव्यं भूसुराय वै।

भ्रष्टेभ्यः साधकेभ्यश्च बान्धवेभ्यो न दर्शयेत्॥ १५०॥
यद्गृहे लिखितं शास्त्रं भयं तस्य न कस्यचित्।
चञ्चलापि स्थिरा भूत्वा कमला तत्र तिष्ठति॥ १५१॥
इदं रहस्यं परमं गुह्याद् गुह्यतरं महत्।
पुण्यप्रदं मनुष्याणां दरिद्राणां निधिप्रदम्॥ १५२॥
मोक्षप्रदं मुमुक्षूणां कामिनां सर्वकामदम्।
रोगाद्वै मुच्यते रोगी बद्धो मुच्येत बन्धनात्॥ १५३॥
ब्रह्महत्यासुरापानसुवर्णस्तेयिनो नराः।
गुरुतल्पगतो वापि पातकान्मुच्यते सकृत्॥ १५४॥
असत्प्रतिग्रहाच्चैवाभक्ष्यभक्षाद्विशेषतः।
पाखण्डानृतमुख्येभ्यः पठनादेव मुच्यते॥ १५५॥
इदं रहस्यममलं मयोक्तं पद्मजोद्भव।
ब्रह्मसायुज्यदं नृणां सत्यं सत्यं न संशयः॥ १५६॥

॥ इति श्रीमद्देवीभागवते महापुराणे गायत्रीसहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीगायत्रीदेव्यै नमः ॥

श्रीगायत्रीसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ अचिन्त्यलक्षणायै नमः ।
२ ॐ अव्यक्तायै नमः ।
३ ॐ अर्थमातृमहेश्वर्यै नमः ।
४ ॐ अमृतायै नमः ।
५ ॐ अर्णवमध्यस्थायै नमः ।
६ ॐ अजितायै नमः ।
७ ॐ अपराजितायै नमः ।
८ ॐ अणिमादिगुणाधारायै नमः ।
९ ॐ अर्कमण्डलसंस्थितायै नमः ।
१० ॐ अजरायै नमः ।
११ ॐ अजायै नमः ।
१२ ॐ अपरस्यै नमः ।
१३ ॐ अधर्मायै नमः ।
१४ ॐ अक्षसूत्रधरायै नमः ।
१५ ॐ अधरायै नमः ।
१६ ॐ अकारादिक्षकारान्तायै नमः ।
१७ ॐ अरिषड्वर्गभेदिन्यै नमः ।
१८ ॐ अञ्जनाद्रिप्रतीकाशायै नमः ।
१९ ॐ अञ्जनाद्रिनिवासिन्यै नमः ।
२० ॐ अदित्यै नमः ।
२१ ॐ अजपायै नमः ।
२२ ॐ अविद्यायै नमः ।
२३ ॐ अरविन्दनिभेक्षणायै नमः ।
२४ ॐ अन्तर्बहिःस्थितायै नमः ।
२५ ॐ अविद्याध्वंसिन्यै नमः ।
२६ ॐ अन्तरात्मिकायै नमः ।
२७ ॐ अजायै नमः ।
२८ ॐ अजमुखावासायै नमः ।
२९ ॐ अरविन्दनिभाननायै नमः ।
३० ॐ अर्धमात्रायै नमः ।
३१ ॐ अर्थदानज्ञायै नमः ।
३२ ॐ अरिमण्डलमर्दिन्यै नमः ।
३३ ॐ असुरघ्न्यै नमः ।
३४ ॐ अमावास्यायै नमः ।
३५ ॐ अलक्ष्मीघ्न्यन्त्यजार्चितायै नमः ।
३६ ॐ आदिलक्ष्म्यै नमः ।
३७ ॐ आदिशक्त्यै नमः ।
३८ ॐ आकृत्यै नमः ।
३९ ॐ आयताननायै नमः ।
४० ॐ आदित्यपदवीचारायै नमः ।
४१ ॐ आदित्यपरिसेवितायै नमः ।
४२ ॐ आचार्यायै नमः ।
४३ ॐ आवर्तनायै नमः ।
४४ ॐ आचारायै नमः ।
४५ ॐ आदिमूर्तिनिवासिन्यै नमः ।
४६ ॐ आग्नेय्यै नमः ।
४७ ॐ आमर्यै नमः ।
४८ ॐ आद्यायै नमः ।
४९ ॐ आराध्यायै नमः
५० ॐ आसनस्थितायै नमः ।

५१ ॐ आधारनिलयायै नमः।
५२ ॐ आधारायै नमः।
५३ ॐ आकाशान्तनिवासिन्यै नमः।
५४ ॐ आद्याक्षरसमायुक्तायै नमः।
५५ ॐ आन्तराकाशरूपिण्यै नमः।
५६ ॐ आदित्यमण्डलगतायै नमः।
५७ ॐ आन्तरध्वान्तनाशिन्यै नमः।
५८ ॐ इन्दिरायै नमः।
५९ ॐ इष्टदायै नमः।
६० ॐ इष्टायै नमः।
६१ ॐ इन्दीवरनिभेक्षणायै नमः।
६२ ॐ इरावत्यै नमः।
६३ ॐ इन्द्रपदायै नमः।
६४ ॐ इन्द्राण्यै नमः।
६५ ॐ इन्दुरूपिण्यै नमः।
६६ ॐ इक्षुकोदण्डसंयुक्तायै नमः।
६७ ॐ इषुसन्धानकारिण्यै नमः।
६८ ॐ इन्द्रनीलसमाकारायै नमः।
६९ ॐ इडापिङ्गलरूपिण्यै नमः।
७० ॐ इन्द्राक्ष्यै नमः।
७१ ॐ ईश्वर्यै देव्यै नमः।
७२ ॐ ईहात्रयविवर्जितायै नमः।
७३ ॐ उमायै नमः।
७४ ॐ उषायै नमः।
७५ ॐ उडुनिभायै नमः।
७६ ॐ उर्वारुकफलाननायै नमः।
७७ ॐ उडुप्रभायै नमः।
७८ ॐ उडुमत्यै नमः।
७९ ॐ उडुपायै नमः।
८० ॐ उडुमध्यगायै नमः।
८१ ॐ ऊर्ध्वाय नमः।
८२ ॐ ऊर्ध्वकेश्यै नमः।
८३ ॐ ऊर्ध्वाधोगतिभेदिन्यै नमः।
८४ ॐ ऊर्ध्वबाहुप्रियायै नमः।
८५ ॐ ऊर्मिमालावाग्ग्रन्थदायिन्यै नमः।
८६ ॐ ऋताय नमः।
८७ ॐ ऋषये नमः।
८८ ॐ ऋतुमत्यै नमः।
८९ ॐ ऋषिदेवनमस्कृतायै नमः।
९० ॐ ऋग्वेदायै नमः।
९१ ॐ ऋणहर्त्र्यै नमः।
९२ ॐ ऋषिमण्डलचारिण्यै नमः।
९३ ॐ ऋद्धिदायै नमः।
९४ ॐ ऋजुमार्गस्थायै नमः।
९५ ॐ ऋजुधर्मायै नमः।
९६ ॐ ऋतुप्रदायै नमः।
९७ ॐ ऋग्वेदनिलयायै नमः।
९८ ॐ ऋज्व्यै नमः।
९९ ॐ लुप्तधर्मप्रवर्तिन्यै नमः।
१०० ॐ लूतारिवरसम्भूतायै नमः।
१०१ ॐ लूतादिविषहारिण्यै नमः।
१०२ ॐ एकाक्षरायै नमः।
१०३ ॐ एकमात्रायै नमः।
१०४ ॐ एकस्यै नमः।
१०५ ॐ एकैकनिष्ठितायै नमः।
१०६ ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
१०७ ॐ ऐरावतारूढायै नमः।

१०८ ॐ ऐहिकामुष्मिकप्रभायै नमः।
१०९ ॐ ओंकारायै नमः।
११० ॐ ओषध्यै नमः।
१११ ॐ ओतायै नमः।
११२ ॐ ओतप्रोतनिवासिन्यै नमः।
११३ ॐ और्वायै नमः।
११४ ॐ औषधसम्पन्नायै नमः।
११५ ॐ औपासनफलप्रदायै नमः।
११६ ॐ अण्डमध्यस्थितायै देव्यै नमः।
११७ ॐ अःकारमनुरूपिण्यै नमः।
११८ ॐ कात्यायन्यै नमः।
११९ ॐ कालरात्र्यै नमः।
१२० ॐ कामाक्ष्यै नमः।
१२१ ॐ कामसुन्दर्यै नमः।
१२२ ॐ कमलायै नमः।
१२३ ॐ कामिन्यै नमः।
१२४ ॐ कान्तायै नमः।
१२५ ॐ कामदायै नमः।
१२६ ॐ कालकण्ठिन्यै नमः।
१२७ ॐ करिकुम्भस्तनभरायै नमः।
१२८ ॐ करवीरसुवासिन्यै नमः।
१२९ ॐ कल्याण्यै नमः।
१३० ॐ कुण्डलवत्यै नमः।
१३१ ॐ कुरुक्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
१३२ ॐ कुरुविन्ददलाकारायै नमः।
१३३ ॐ कुण्डल्यै नमः।
१३४ ॐ कुमुदालयायै नमः।
१३५ ॐ कालजिह्वायै नमः।
१३६ ॐ करालास्यायै नमः।
१३७ ॐ कालिकायै नमः।
१३८ ॐ कालरूपिण्यै नमः।
१३९ ॐ कमनीयगुणायै नमः।
१४० ॐ कान्त्यै नमः।
१४१ ॐ कलाधारायै नमः।
१४२ ॐ कुमुद्वत्यै नमः।
१४३ ॐ कौशिक्यै नमः।
१४४ ॐ कमलाकारायै नमः।
१४५ ॐ कामचारप्रभञ्जिन्यै नमः।
१४६ ॐ कौमार्यै नमः।
१४७ ॐ करुणापाङ्ग्यै नमः।
१४८ ॐ ककुबन्तायै नमः।
१४९ ॐ करिप्रियायै नमः।
१५० ॐ केसर्यै नमः।
१५१ ॐ केशवनुतायै नमः।
१५२ ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः।
१५३ ॐ कालिन्द्यै नमः।
१५४ ॐ कालिकायै नमः।
१५५ ॐ काञ्च्यै नमः।
१५६ ॐ कलशोद्भवसंस्तुतायै नमः।
१५७ ॐ काममात्रे नमः।
१५८ ॐ क्रतुमत्यै नमः।
१५९ ॐ कामरूपायै नमः।
१६० ॐ कृपावत्यै नमः।
१६१ ॐ कुमार्यै नमः।
१६२ ॐ कुण्डनिलयायै नमः।
१६३ ॐ किरात्यै नमः।
१६४ ॐ कीरवाहनायै नमः।
१६५ ॐ कैकेय्यै नमः।

१६६ ॐ कोकिलालापायै नमः।
१६७ ॐ केतक्यै नमः।
१६८ ॐ कुसुमप्रियायै नमः।
१६९ ॐ कमण्डलुधरायै नमः।
१७० ॐ काल्यै नमः।
१७१ ॐ कर्मनिर्मूलकारिण्यै नमः।
१७२ ॐ कलहंसगत्यै नमः।
१७३ ॐ कक्षायै नमः।
१७४ ॐ कृतकौतुकमङ्गलायै नमः।
१७५ ॐ कस्तूरीतिलकायै नमः।
१७६ ॐ कम्प्रायै नमः।
१७७ ॐ करीन्द्रगमनायै नमः।
१७८ ॐ कुह्वै नमः।
१७९ ॐ कर्पूरलेपनायै नमः।
१८० ॐ कृष्णायै नमः।
१८१ ॐ कपिलायै नमः।
१८२ ॐ कुहुराश्रयायै नमः।
१८३ ॐ कूटस्थायै नमः।
१८४ ॐ कुधरायै नमः।
१८५ ॐ कम्रायै नमः।
१८६ ॐ कुक्षिस्थाखिलविष्टपायै नमः।
१८७ ॐ खड्गखेटकरायै नमः।
१८८ ॐ खर्वायै नमः।
१८९ ॐ खेचर्यै नमः।
१९० ॐ खगवाहनायै नमः।
१९१ ॐ खट्वाङ्गधारिण्यै नमः।
१९२ ॐ ख्यातायै नमः।
१९३ ॐ खगराजोपरिस्थितायै नमः।
१९४ ॐ खलघ्न्यै नमः।
१९५ ॐ खण्डितजरायै नमः।
१९६ ॐ खण्डाख्यानप्रदायिन्यै नमः।
१९७ ॐ खण्डेन्दुतिलकायै नमः।
१९८ ॐ गङ्गायै नमः।
१९९ ॐ गणेशगुहपूजितायै नमः।
२०० ॐ गायत्र्यै नमः।
२०१ ॐ गोमत्यै नमः।
२०२ ॐ गीतायै नमः।
२०३ ॐ गान्धार्यै नमः।
२०४ ॐ गानलोलुपायै नमः।
२०५ ॐ गौतम्यै नमः।
२०६ ॐ गामिन्यै नमः।
२०७ ॐ गाधायै नमः।
२०८ ॐ गन्धर्वाप्सरसेवितायै नमः।
२०९ ॐ गोविन्दचरणाक्रान्तायै नमः।
२१० ॐ गुणत्रयविभावितायै नमः।
२११ ॐ गन्धर्व्यै नमः।
२१२ ॐ गह्वर्यै नमः।
२१३ ॐ गोत्रायै नमः।
२१४ ॐ गिरीशायै नमः।
२१५ ॐ गहनायै नमः।
२१६ ॐ गम्यै नमः।
२१७ ॐ गुहावासायै नमः।
२१८ ॐ गुणवत्यै नमः।
२१९ ॐ गुरुपापप्रणाशिन्यै नमः।
२२० ॐ गुर्व्यै नमः।
२२१ ॐ गुणवत्यै नमः।
२२२ ॐ गुह्यायै नमः।
२२३ ॐ गोसव्यायै नमः।

२२४ ॐ गुणदायिन्यै नमः।
२२५ ॐ गिरिजायै नमः।
२२६ ॐ गुह्यमातङ्ग्यै नमः।
२२७ ॐ गरुडध्वजवल्लभायै नमः।
२२८ ॐ गर्वापहारिण्यै नमः।
२२९ ॐ गोदायै नमः।
२३० ॐ गोकुलस्थायै नमः।
२३१ ॐ गदाधरायै नमः।
२३२ ॐ गोकर्णनिलयासक्तायै नमः।
२३३ ॐ गुह्यमण्डलवर्तिन्यै नमः।
२३४ ॐ घर्मदायै नमः।
२३५ ॐ घनदायै नमः।
२३६ ॐ घण्टायै नमः।
२३७ ॐ घोरदानवमर्दिन्यै नमः।
२३८ ॐ घृणिमन्त्रमय्यै नमः।
२३९ ॐ घोषायै नमः।
२४० ॐ घनसम्पातदायिन्यै नमः।
२४१ ॐ घण्टारवप्रियायै नमः।
२४२ ॐ घ्राणायै नमः।
२४३ ॐ घृणिसंतुष्टकारिण्यै नमः।
२४४ ॐ घनारिमण्डलायै नमः।
२४५ ॐ घूर्णायै नमः।
२४६ ॐ घृताच्यै नमः।
२४७ ॐ घनवेगिन्यै नमः।
२४८ ॐ ज्ञानधातुमय्यै नमः।
२४९ ॐ चर्चायै नमः।
२५० ॐ चर्चितायै नमः।
२५१ ॐ चारुहासिन्यै नमः।
२५२ ॐ चटुलायै नमः।
२५३ ॐ चण्डिकायै नमः।
२५४ ॐ चित्रायै नमः।
२५५ ॐ चित्रमाल्यविभूषितायै नमः।
२५६ ॐ चतुर्भुजायै नमः।
२५७ ॐ चारुदन्तायै नमः।
२५८ ॐ चातुर्यै नमः।
२५९ ॐ चरितप्रदायै नमः।
२६० ॐ चूलिकायै नमः।
२६१ ॐ चित्रवस्त्रान्तायै नमः।
२६२ ॐ चन्द्रमःकर्णकुण्डलायै नमः।
२६३ ॐ चन्द्रहासायै नमः।
२६४ ॐ चारुदात्र्यै नमः।
२६५ ॐ चकोर्यै नमः।
२६६ ॐ चान्द्रहासिन्यै नमः।
२६७ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
२६८ ॐ चन्द्रधात्र्यै नमः।
२६९ ॐ चौर्यै नमः।
२७० ॐ चौरायै नमः।
२७१ ॐ चण्डिकायै नमः।
२७२ ॐ चञ्चद्वाग्वादिन्यै नमः।
२७३ ॐ चन्द्रचूडायै नमः।
२७४ ॐ चोरविनाशिन्यै नमः।
२७५ ॐ चारुचन्दनलिप्ताङ्ग्यै नमः।
२७६ ॐ चञ्चच्चामरवीजितायै नमः।
२७७ ॐ चारुमध्यायै नमः।
२७८ ॐ चारुगत्यै नमः।
२७९ ॐ चन्दिलायै नमः।
२८० ॐ चन्द्ररूपिण्यै नमः।
२८१ ॐ चारुहोमप्रियायै नमः।
२८२ ॐ चार्वाचरितायै नमः।
२८३ ॐ चक्रबाहुकायै नमः।

२८४ ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः।
२८५ ॐ चन्द्रमण्डलदर्पणायै नमः।
२८६ ॐ चक्रवाकस्तन्यै नमः।
२८७ ॐ चेष्टायै नमः।
२८८ ॐ चित्रायै नमः।
२८९ ॐ चारुविलासिन्यै नमः।
२९० ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
२९१ ॐ चन्द्रवत्यै नमः।
२९२ ॐ चन्द्रमसे नमः।
२९३ ॐ चन्दनप्रियायै नमः।
२९४ ॐ चोदयित्र्यै नमः।
२९५ ॐ चिरप्रज्ञायै नमः।
२९६ ॐ चातकायै नमः।
२९७ ॐ चारुहेतुक्यै नमः।
२९८ ॐ छत्रयातायै नमः।
२९९ ॐ छत्रधरायै नमः।
३०० ॐ छायायै नमः।
३०१ ॐ छन्दःपरिच्छदायै नमः।
३०२ ॐ छायादेव्यै नमः।
३०३ ॐ छिद्रनखायै नमः।
३०४ ॐ छन्नेन्द्रियविसर्पिण्यै नमः।
३०५ ॐ छन्दोऽनुष्टुप्प्रतिष्ठान्तायै नमः।
३०६ ॐ छिद्रोपद्रवभेदिन्यै नमः।
३०७ ॐ छेदायै नमः।
३०८ ॐ छत्रेश्वर्यै नमः।
३०९ ॐ छिन्नायै नमः।
३१० ॐ छुरिकायै नमः।
३११ ॐ छेदनप्रियायै नमः।
३१२ ॐ जनन्यै नमः।
३१३ ॐ जन्मरहितायै नमः।
३१४ ॐ जातवेदसे नमः।
३१५ ॐ जगन्मय्यै नमः।
३१६ ॐ जाह्नव्यै नमः।
३१७ ॐ जटिलायै नमः।
३१८ ॐ जेत्र्यै नमः।
३१९ ॐ जरामरणवर्जितायै नमः।
३२० ॐ जम्बूद्वीपवत्यै नमः।
३२१ ॐ ज्वालायै नमः।
३२२ ॐ जयन्त्यै नमः।
३२३ ॐ जलशालिन्यै नमः।
३२४ ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
३२५ ॐ जितक्रोधायै नमः।
३२६ ॐ जितामित्रायै नमः।
३२७ ॐ जगत्प्रियायै नमः।
३२८ ॐ जातरूपमय्यै नमः।
३२९ ॐ जिह्वायै नमः।
३३० ॐ जानक्यै नमः।
३३१ ॐ जगत्यै नमः।
३३२ ॐ जरायै नमः।
३३३ ॐ जनित्र्यै नमः।
३३४ ॐ जह्नुतनयायै नमः।
३३५ ॐ जगत्त्रयहितैषिण्यै नमः।
३३६ ॐ ज्वालामुख्यै नमः।
३३७ ॐ जपवत्यै नमः।
३३८ ॐ ज्वरघ्न्यै नमः।
३३९ ॐ जितविष्टपायै नमः।
३४० ॐ जिताक्रान्तमय्यै नमः।
३४१ ॐ ज्वालायै नमः।
३४२ ॐ जाग्रत्यै नमः।
३४३ ॐ ज्वरदेवतायै नमः।

३४४ ॐ ज्वलन्त्यै नमः।
३४५ ॐ जलदायै नमः।
३४६ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
३४७ ॐ ज्याघोषास्फोटदिङ्मुख्यै नमः।
३४८ ॐ जम्भिन्यै नमः।
३४९ ॐ जृम्भणायै नमः।
३५० ॐ जृम्भायै नमः।
३५१ ॐ ज्वलन्माणिक्यकुण्डलायै नमः।
३५२ ॐ झिञ्झिकायै नमः।
३५३ ॐ झणनिर्घोषायै नमः।
३५४ ॐ झंझामारुतवेगिन्यै नमः।
३५५ ॐ झल्लरीवाद्यकुशलायै नमः।
३५६ ॐ ञरूपायै नमः।
३५७ ॐ ञभुजायै नमः।
३५८ ॐ टङ्कबाणसमायुक्तायै नमः।
३५९ ॐ टङ्किन्यै नमः।
३६० ॐ टङ्कभेदिन्यै नमः।
३६१ ॐ टङ्कीगणकृताघोषायै नमः।
३६२ ॐ टङ्कनीयमहोरसायै नमः।
३६३ ॐ टङ्कारकारिण्यै देव्यै नमः।
३६४ ॐ ठठशब्दनिनादिन्यै नमः।
३६५ ॐ डामर्यै नमः।
३६६ ॐ डाकिन्यै नमः।
३६७ ॐ डिम्भायै नमः।
३६८ ॐ डुण्डुमारैकनिर्जितायै नमः।
३६९ ॐ डामरीतन्त्रमार्गस्थायै नमः।
३७० ॐ डमड्डुमरुनादिन्यै नमः।
३७१ ॐ डिण्डीरवसहायै नमः।
३७२ ॐ डिम्भलसत्क्रीडापरायणायै नमः।
३७३ ॐ ढुण्ढिविघ्नेशजनन्यै नमः।
३७४ ॐ ढक्काहस्तायै नमः।
३७५ ॐ ढिलिव्रजायै नमः।
३७६ ॐ नित्यज्ञानायै नमः।
३७७ ॐ निरुपमायै नमः।
३७८ ॐ निर्गुणायै नमः।
३७९ ॐ नर्मदायै नमः।
३८० ॐ नद्यै नमः।
३८१ ॐ त्रिगुणायै नमः।
३८२ ॐ त्रिपदायै नमः।
३८३ ॐ तन्त्र्यै नमः।
३८४ ॐ तुलसीतरुणातरवे नमः।
३८५ ॐ त्रिविक्रमपदाक्रान्तायै नमः।
३८६ ॐ तुरीयपदगामिन्यै नमः।
३८७ ॐ तरुणादित्यसंकाशायै नमः।
३८८ ॐ तामस्यै नमः।
३८९ ॐ तुहिनायै नमः।
३९० ॐ तुरायै नमः।
३९१ ॐ त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः।
३९२ ॐ त्रिवेण्यै नमः।
३९३ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
३९४ ॐ त्रिशक्त्यै नमः।
३९५ ॐ त्रिपुरायै नमः।
३९६ ॐ तुङ्गायै नमः।
३९७ ॐ तुरङ्गवदनायै नमः।
३९८ ॐ तिमिङ्गिलगिलायै नमः।
३९९ ॐ तीव्रायै नमः।
४०० ॐ त्रिस्रोतायै नमः।
४०१ ॐ तामसादिन्यै नमः।
४०२ ॐ तन्त्रमन्त्रविशेषज्ञायै नमः।
४०३ ॐ तनुमध्यायै नमः।

४०४ ॐ त्रिविष्टपायै नमः।
४०५ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
४०६ ॐ त्रिस्तन्यै नमः।
४०७ ॐ तोषासंस्थायै नमः।
४०८ ॐ तालप्रतापिन्यै नमः।
४०९ ॐ ताटङ्किन्यै नमः।
४१० ॐ तुषाराभायै नमः।
४११ ॐ तुहिनाचलवासिन्यै नमः।
४१२ ॐ तन्तुजालसमायुक्तायै नमः।
४१३ ॐ तारहारावलिप्रियायै नमः।
४१४ ॐ तिलहोमप्रियायै नमः।
४१५ ॐ तीर्थायै नमः।
४१६ ॐ तमालकुसुमाकृत्यै नमः।
४१७ ॐ तारकायै नमः।
४१८ ॐ त्रियुतायै नमः।
४१९ ॐ तन्व्यै नमः।
४२० ॐ त्रिशंकुपरिवारितायै नमः।
४२१ ॐ तलोदर्यै नमः।
४२२ ॐ तिलाभूषायै नमः।
४२३ ॐ ताटङ्कप्रियवाहिन्यै नमः।
४२४ ॐ त्रिजटायै नमः।
४२५ ॐ तित्तिर्यै नमः।
४२६ ॐ तृष्णायै नमः
४२७ ॐ त्रिविधायै नमः।
४२८ ॐ तरुणाकृत्यै नमः।
४२९ ॐ तप्तकाञ्चनसंकाशायै नमः।
४३० ॐ तप्तकाञ्चनभूषणायै नमः।
४३१ ॐ त्रैयम्बकायै नमः।
४३२ ॐ त्रिवर्गायै नमः।
४३३ ॐ त्रिकालज्ञानदायिन्यै नमः।
४३४ ॐ तर्पणायै नमः।
४३५ ॐ तृप्तिदायै नमः।
४३६ ॐ तृप्तायै नमः।
४३७ ॐ तामस्यै नमः।
४३८ ॐ तुम्बुरुस्तुतायै नमः।
४३९ ॐ तार्क्ष्यस्थायै नमः।
४४० ॐ त्रिगुणाकारायै नमः।
४४१ ॐ त्रिभङ्ग्यै नमः।
४४२ ॐ तनुवल्लर्यै नमः।
४४३ ॐ थात्कार्य्यै नमः।
४४४ ॐ थारवायै नमः।
४४५ ॐ थान्तायै नमः।
४४६ ॐ दोहिन्यै नमः।
४४७ ॐ दीनवत्सलायै नमः।
४४८ ॐ दानवान्तकर्यै नमः।
४४९ ॐ दुर्गायै नमः।
४५० ॐ दुर्गासुरनिबर्हिण्यै नमः।
४५१ ॐ देवरीत्यै नमः।
४५२ ॐ दिवारात्र्यै नमः।
४५३ ॐ द्रौपद्यै नमः।
४५४ ॐ दुन्दुभिस्वनायै नमः।
४५५ ॐ देवयान्यै नमः।
४५६ ॐ दुरावासायै नमः।
४५७ ॐ दारिद्र्योद्भेदिन्यै नमः।
४५८ ॐ दिवायै नमः।
४५९ ॐ दामोदरप्रियायै नमः।
४६० ॐ दीप्तायै नमः।
४६१ ॐ दिग्वासायै नमः।
४६२ ॐ दिग्विमोहिन्यै नमः।
४६३ ॐ दण्डकारण्यनिलयायै नमः।

४६४ ॐ दण्डिन्यै नमः।
४६५ ॐ देवपूजितायै नमः।
४६६ ॐ देववन्द्यायै नमः।
४६७ ॐ दिविषदायै नमः।
४६८ ॐ द्वेषिण्यै नमः।
४६९ ॐ दानवाकृत्यै नमः।
४७० ॐ दीनानाथस्तुतायै नमः।
४७१ ॐ दीक्षायै नमः।
४७२ ॐ दैवतादिस्वरूपिण्यै नमः।
४७३ ॐ धात्र्यै नमः।
४७४ ॐ धनुर्धरायै नमः।
४७५ ॐ धेन्वै नमः।
४७६ ॐ धारिण्यै नमः।
४७७ ॐ धर्मचारिण्यै नमः।
४७८ ॐ धरन्धरायै नमः।
४७९ ॐ धराधारायै नमः।
४८० ॐ धनदायै नमः।
४८१ ॐ धान्यदोहिन्यै नमः।
४८२ ॐ धर्मशीलायै नमः।
४८३ ॐ धनाध्यक्षायै नमः।
४८४ ॐ धनुर्वेदविशारदायै नमः।
४८५ ॐ धृत्यै नमः।
४८६ ॐ धन्यायै नमः।
४८७ ॐ धृतपदायै नमः।
४८८ ॐ धर्मराजप्रियायै नमः।
४८९ ॐ ध्रुवायै नमः।
४९० ॐ धूमावत्यै नमः।
४९१ ॐ धूम्रकेश्यै नमः।
४९२ ॐ धर्मशास्त्रप्रकाशिन्यै नमः।
४९३ ॐ नन्दायै नमः।
४९४ ॐ नन्दप्रियायै नमः।
४९५ ॐ निद्रायै नमः।
४९६ ॐ नृनुतायै नमः।
४९७ ॐ नन्दनात्मिकायै नमः।
४९८ ॐ नर्मदायै नमः।
४९९ ॐ नलिन्यै नमः।
५०० ॐ नीलायै नमः।
५०१ ॐ नीलकण्ठसमाश्रयायै नमः।
५०२ ॐ नारायणप्रियायै नमः।
५०३ ॐ नित्यायै नमः।
५०४ ॐ निर्मलायै नमः।
५०५ ॐ निर्गुणायै नमः।
५०६ ॐ निधये नमः।
५०७ ॐ निराधारायै नमः।
५०८ ॐ निरुपमायै नमः।
५०९ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
५१० ॐ निरञ्जनायै नमः।
५११ ॐ नादबिन्दुकलातीतायै नमः।
५१२ ॐ नादबिन्दुकलात्मिकायै नमः।
५१३ ॐ नृसिंहिन्यै नमः।
५१४ ॐ नगधरायै नमः।
५१५ ॐ नृपनागविभूषितायै नमः।
५१६ ॐ नरकक्लेशशमन्यै नमः।
५१७ ॐ नारायणपदोद्भवायै नमः।
५१८ ॐ निरवद्यायै नमः।
५१९ ॐ निराकारायै नमः।
५२० ॐ नारदप्रियकारिण्यै नमः।
५२१ ॐ नानाज्योतिःसमाख्यातायै नमः।

५२२ ॐ निधिदायै नमः।
५२३ ॐ निर्मलात्मिकायै नमः।
५२४ ॐ नवसूत्रधरायै नमः।
५२५ ॐ नीत्यै नमः।
५२६ ॐ निरुपद्रवकारिण्यै नमः।
५२७ ॐ नन्दजायै नमः।
५२८ ॐ नवरत्नाढ्यायै नमः।
५२९ ॐ नैमिषारण्यवासिन्यै नमः।
५३० ॐ नवनीतिप्रियायै नमः।
५३१ ॐ नार्य्यै नमः।
५३२ ॐ नीलजीमूतनिस्वनायै नमः।
५३३ ॐ निमेषिण्यै नमः।
५३४ ॐ नदीरूपायै नमः।
५३५ ॐ नीलग्रीवायै नमः।
५३६ ॐ निशीश्वर्यै नमः।
५३७ ॐ नामावल्यै नमः।
५३८ ॐ निशुम्भघ्न्यै नमः।
५३९ ॐ नागलोकनिवासिन्यै नमः।
५४० ॐ नवजाम्बूनदप्रख्यायै नमः।
५४१ ॐ नागलोकाधिदेवतायै नमः।
५४२ ॐ नूपुराक्रान्तचरणायै नमः।
५४३ ॐ नरचित्तप्रमोदिन्यै नमः।
५४४ ॐ निमग्नारक्तनयनायै नमः।
५४५ ॐ निर्घातसमनिस्वनायै नमः।
५४६ ॐ नन्दनोद्याननिलयायै नमः।
५४७ ॐ निर्व्यूहोपरिचारिण्यै नमः।
५४८ ॐ पार्वत्यै नमः।
५४९ ॐ परमोदारायै नमः।
५५० ॐ परब्रह्मात्मिकायै नमः।
५५१ ॐ परस्यै नमः।
५५२ ॐ पञ्चकोशविनिर्मुक्तायै नमः।
५५३ ॐ पञ्चपातकनाशिन्यै नमः।
५५४ ॐ परचित्तविधानज्ञायै नमः।
५५५ ॐ पञ्चिकायै नमः।
५५६ ॐ पञ्चरूपिण्यै नमः।
५५७ ॐ पूर्णिमायै नमः।
५५८ ॐ परमायै नमः।
५५९ ॐ प्रीत्यै नमः।
५६० ॐ परतेजसे नमः।
५६१ ॐ प्रकाशिन्यै नमः।
५६२ ॐ पुराण्यै नमः।
५६३ ॐ पौरुष्यै नमः।
५६४ ॐ पुण्यायै नमः।
५६५ ॐ पुण्डरीकनिभेक्षणायै नमः।
५६६ ॐ पातालतलनिमग्नायै नमः।
५६७ ॐ प्रीतायै नमः।
५६८ ॐ प्रीतिविवर्धिन्यै नमः।
५६९ ॐ पावन्यै नमः।
५७० ॐ पादसहितायै नमः।
५७१ ॐ पेशलायै नमः।
५७२ ॐ पवनाशिन्यै नमः।
५७३ ॐ प्रजापतये नमः।
५७४ ॐ परिश्रान्तायै नमः।
५७५ ॐ पर्वतस्तनमण्डलायै नमः।
५७६ ॐ पद्मप्रियायै नमः।
५७७ ॐ पद्मसंस्थायै नमः।
५७८ ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
५७९ ॐ पद्मसम्भवायै नमः।

५८० ॐ पद्मपत्रायै नमः।
५८१ ॐ पद्मपदायै नमः।
५८२ ॐ पद्मिन्यै नमः।
५८३ ॐ प्रियभाषिण्यै नमः।
५८४ ॐ पशुपाशविनिर्मुक्तायै नमः।
५८५ ॐ पुरन्ध्र्यै नमः।
५८६ ॐ पुरवासिन्यै नमः।
५८७ ॐ पुष्कलायै नमः।
५८८ ॐ पुरुषायै नमः।
५८९ ॐ पर्वायै नमः।
५९० ॐ पारिजातसुमप्रियायै नमः।
५९१ ॐ पतिव्रतायै नमः।
५९२ ॐ पवित्राङ्ग्यै नमः।
५९३ ॐ पुष्पहासपरायणायै नमः।
५९४ ॐ प्रज्ञावतीसुतायै नमः।
५९५ ॐ पौत्र्यै नमः।
५९६ ॐ पुत्रपूज्यायै नमः।
५९७ ॐ पयस्विन्यै नमः।
५९८ ॐ पट्टिपाशधरायै नमः।
५९९ ॐ पङ्क्त्यै नमः।
६०० ॐ पितृलोकप्रदायिन्यै नमः।
६०१ ॐ पुराण्यै नमः।
६०२ ॐ पुण्यशीलायै नमः।
६०३ ॐ प्रणतार्तिविनाशिन्यै नमः।
६०४ ॐ प्रद्युम्नजनन्यै नमः।
६०५ ॐ पुष्टायै नमः।
६०६ ॐ पितामहपरिग्रहायै नमः।
६०७ ॐ पुण्डरीकपुरावासायै नमः।
६०८ ॐ पुण्डरीकसमाननायै नमः।
६०९ ॐ पृथुजङ्घायै नमः।
६१० ॐ पृथुभुजायै नमः।
६११ ॐ पृथुपादायै नमः।
६१२ ॐ पृथूदर्यै नमः।
६१३ ॐ प्रवालशोभायै नमः।
६१४ ॐ पिङ्गाक्ष्यै नमः।
६१५ ॐ पीतवाससे नमः।
६१६ ॐ प्रचापलायै नमः।
६१७ ॐ प्रसवायै नमः।
६१८ ॐ पुष्टिदायै नमः।
६१९ ॐ पुण्यायै नमः।
६२० ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
६२१ ॐ प्रणवागतये नमः।
६२२ ॐ पञ्चवर्णायै नमः।
६२३ ॐ पञ्चवाण्यै नमः।
६२४ ॐ पञ्चिकायै नमः।
६२५ ॐ पञ्जरस्थितायै नमः।
६२६ ॐ परमायायै नमः।
६२७ ॐ परज्योतये नमः।
६२८ ॐ परप्रीतये नमः।
६२९ ॐ परागतये नमः।
६३० ॐ पराकाष्ठायै नमः।
६३१ ॐ परेशान्यै नमः।
६३२ ॐ पाविन्यै नमः।
६३३ ॐ पावकद्युतये नमः।
६३४ ॐ पुण्यभद्रायै नमः।
६३५ ॐ परिच्छेद्यायै नमः।

६३६ ॐ पुष्पहासायै नमः
६३७ ॐ पृथूदर्यै नमः।
६३८ ॐ पीताङ्ग्यै नमः।
६३९ ॐ पीतवसनायै नमः।
६४० ॐ पीतशय्यायै नमः
६४१ ॐ पिशाचिन्यै नमः।
६४२ ॐ पीतक्रियायै नमः।
६४३ ॐ पिशाचघ्न्यै नमः।
६४४ ॐ पाटलाक्ष्यै नमः।
६४५ ॐ पटुक्रियायै नमः।
६४६ ॐ पञ्चभक्षप्रियाचारायै नमः।
६४७ ॐ पूतनाप्राणघातिन्यै नमः।
६४८ ॐ पुन्नागवनमध्यस्थायै नमः।
६४९ ॐ पुण्यतीर्थनिषेवितायै नमः।
६५० ॐ पञ्चाङ्ग्यै नमः।
६५१ ॐ पराशक्तये नमः।
६५२ ॐ परमाह्लादकारिण्यै नमः।
६५३ ॐ पुष्पकाण्डस्थितायै नमः।
६५४ ॐ पूषायै नमः।
६५५ ॐ पोषिताखिलविष्टपायै नमः।
६५६ ॐ पानप्रियायै नमः।
६५७ ॐ पञ्चशिखायै नमः।
६५८ ॐ पन्नगोपरिशायिन्यै नमः।
६५९ ॐ पञ्चमात्रात्मिकायै नमः।
६६० ॐ पृथ्व्यै नमः।
६६१ ॐ पथिकायै नमः।
६६२ ॐ पृथुदोहिन्यै नमः।
६६३ ॐ पुराणन्यायमीमांसायै नमः।
६६४ ॐ पाटल्यै नमः।
६६५ ॐ पुष्पगन्धिन्यै नमः।
६६६ ॐ पुण्यप्रजायै नमः।
६६७ ॐ पारदात्र्यै नमः।
६६८ ॐ परमार्गैकगोचरायै नमः।
६६९ ॐ प्रवालशोभायै नमः।
६७० ॐ पूर्णाशायै नमः।
६७१ ॐ प्रणवायै नमः।
६७२ ॐ पल्लवोदर्यै नमः।
६७३ ॐ फलिन्यै नमः।
६७४ ॐ फलदायै नमः।
६७५ ॐ फल्गवे नमः।
६७६ ॐ फूत्कार्यै नमः।
६७७ ॐ फलकाकृतये नमः।
६७८ ॐ फणीन्द्रभोगशयनायै नमः।
६७९ ॐ फणिमण्डलमण्डितायै नमः।
६८० ॐ बालबालायै नमः।
६८१ ॐ बहुमतायै नमः।
६८२ ॐ बालातपनिभांशुकायै नमः।
६८३ ॐ बलभद्रप्रियायै नमः।
६८४ ॐ वन्द्यायै नमः।
६८५ ॐ वडवायै नमः।
६८६ ॐ बुद्धिसंस्तुतायै नमः।
६८७ ॐ बन्दीदेव्यै नमः।
६८८ ॐ बिलवत्यै नमः।
६८९ ॐ बडिशघ्न्यै नमः।
६९० ॐ बलिप्रियायै नमः।
६९१ ॐ बान्धव्यै नमः।

६९२ ॐ बोधितायै नमः।
६९३ ॐ बुद्ध्यै नमः।
६९४ ॐ बन्धूककुसुमप्रियायै नमः।
६९५ ॐ बालभानुप्रभाकारायै नमः।
६९६ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
६९७ ॐ ब्राह्मणदेवतायै नमः।
६९८ ॐ बृहस्पतिस्तुतायै नमः।
६९९ ॐ वृन्दायै नमः।
७०० ॐ वृन्दावनविहारिण्यै नमः।
७०१ ॐ बालाकिन्यै नमः।
७०२ ॐ बिलाहारायै नमः।
७०३ ॐ बिलवासायै नमः।
७०४ ॐ बहूदकायै नमः।
७०५ ॐ बहुनेत्रायै नमः।
७०६ ॐ बहुपदायै नमः।
७०७ ॐ बहुकर्णावतंसिकायै नमः।
७०८ ॐ बहुबाहुयुतायै नमः।
७०९ ॐ बीजरूपिण्यै नमः।
७१० ॐ बहुरूपिण्यै नमः।
७११ ॐ बिन्दुनादकलातीतायै नमः।
७१२ ॐ बिन्दुनादस्वरूपिण्यै नमः।
७१३ ॐ बद्धगोधाङ्गुलित्राणायै नमः।
७१४ ॐ बदर्याश्रमवासिन्यै नमः।
७१५ ॐ बृन्दारकायै नमः।
७१६ ॐ बृहत्स्कन्धायै नमः।
७१७ ॐ बृहत्यै नमः।
७१८ ॐ बाणपातिन्यै नमः।
७१९ ॐ वृन्दाध्यक्षायै नमः।
७२० ॐ बहुनुतायै नमः।
७२१ ॐ वनितायै नमः।
७२२ ॐ बहुविक्रमायै नमः।
७२३ ॐ बद्धपद्मासनासीनायै नमः।
७२४ ॐ बिल्वपत्रतलस्थितायै नमः।
७२५ ॐ बोधिद्रुमनिजावासायै नमः।
७२६ ॐ बडिस्थायै नमः।
७२७ ॐ बिन्दुदर्पणायै नमः।
७२८ ॐ बालायै नमः।
७२९ ॐ बाणासनवत्यै नमः।
७३० ॐ बडवानलवेगिन्यै नमः।
७३१ ॐ ब्रह्माण्डबहिरन्तःस्थायै नमः।
७३२ ॐ ब्रह्मकङ्कणसूत्रिण्यै नमः।
७३३ ॐ भवान्यै नमः।
७३४ ॐ भीषणवत्यै नमः।
७३५ ॐ भाविन्यै नमः।
७३६ ॐ भयहारिण्यै नमः।
७३७ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
७३८ ॐ भुजङ्गाक्ष्यै नमः।
७३९ ॐ भारत्यै नमः।
७४० ॐ भारताशयायै नमः।
७४१ ॐ भैरव्यै नमः।
७४२ ॐ भीषणाकारायै नमः।
७४३ ॐ भूतिदायै नमः।
७४४ ॐ भूतिमालिन्यै नमः।
७४५ ॐ भामिन्यै नमः।
७४६ ॐ भोगनिरतायै नमः।
७४७ ॐ भद्रदायै नमः।

७४८ ॐ भूरिविक्रमायै नमः।
७४९ ॐ भूतवासायै नमः।
७५० ॐ भृगुलतायै नमः।
७५१ ॐ भार्गव्यै नमः।
७५२ ॐ भूसुरार्चितायै नमः।
७५३ ॐ भागीरथ्यै नमः।
७५४ ॐ भोगवत्यै नमः।
७५५ ॐ भवनस्थायै नमः।
७५६ ॐ भिषग्वरायै नमः।
७५७ ॐ भामिन्यै नमः।
७५८ ॐ भोगिन्यै नमः।
७५९ ॐ भाषायै नमः।
७६० ॐ भवान्यै नमः।
७६१ ॐ भूरिदक्षिणायै नमः।
७६२ ॐ भर्गात्मिकायै नमः।
७६३ ॐ भीमवत्यै नमः।
७६४ ॐ भवबन्धविमोचिन्यै नमः।
७६५ ॐ भजनीयायै नमः।
७६६ ॐ भूतधात्रीरञ्जितायै नमः।
७६७ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
७६८ ॐ भुजङ्गवलयायै नमः।
७६९ ॐ भीमायै नमः।
७७० ॐ भेरुण्डायै नमः।
७७१ ॐ भागधेयिन्यै नमः।
७७२ ॐ मात्रे नमः।
७७३ ॐ मायायै नमः।
७७४ ॐ मधुमत्यै नमः।
७७५ ॐ मधुजिह्वायै नमः।
७७६ ॐ मधुप्रियायै नमः।
७७७ ॐ महादेव्यै नमः।
७७८ ॐ महाभागायै नमः।
७७९ ॐ मालिन्यै नमः।
७८० ॐ मीनलोचनायै नमः।
७८१ ॐ मायातीतायै नमः।
७८२ ॐ मधुमत्यै नमः।
७८३ ॐ मधुमांसायै नमः।
७८४ ॐ मधुद्रवायै नमः।
७८५ ॐ मानव्यै नमः।
७८६ ॐ मधुसम्भूतायै नमः।
७८७ ॐ मिथिलापुरवासिन्यै नमः।
७८८ ॐ मधुकैटभसंहर्त्र्यै नमः।
७८९ ॐ मेदिन्यै नमः।
७९० ॐ मेघमालिन्यै नमः।
७९१ ॐ मन्दोदर्यै नमः।
७९२ ॐ महामायायै नमः।
७९३ ॐ मैथिल्यै नमः।
७९४ ॐ मसृणप्रियायै नमः।
७९५ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
७९६ ॐ महाकाल्यै नमः।
७९७ ॐ महाकन्यायै नमः।
७९८ ॐ महेश्वर्यै नमः।
७९९ ॐ माहेन्द्र्यै नमः।
८०० ॐ मेरुतनयायै नमः।
८०१ ॐ मन्दारकुसुमार्चितायै नमः।
८०२ ॐ मञ्जुमञ्जीरचरणायै नमः।
८०३ ॐ मोक्षदायै नमः।

८०४ ॐ मञ्जुभाषिण्यै नमः।
८०५ ॐ मधुरद्राविण्यै नमः।
८०६ ॐ मुद्रायै नमः।
८०७ ॐ मलयायै नमः।
८०८ ॐ मलयान्वितायै नमः।
८०९ ॐ मेधायै नमः।
८१० ॐ मरकतश्यामायै नमः।
८११ ॐ मागध्यै नमः।
८१२ ॐ मेनकात्मजायै नमः।
८१३ ॐ महामार्यै नमः।
८१४ ॐ महावीरायै नमः।
८१५ ॐ महाश्यामायै नमः।
८१६ ॐ मनुस्तुतायै नमः।
८१७ ॐ मातृकायै नमः।
८१८ ॐ मिहिराभासायै नमः।
८१९ ॐ मुकुन्दपदविक्रमायै नमः।
८२० ॐ मूलाधारस्थितायै नमः।
८२१ ॐ मुग्धायै नमः।
८२२ ॐ मणिपूरकवासिन्यै नमः।
८२३ ॐ मृगाक्ष्यै नमः।
८२४ ॐ महिषारूढायै नमः।
८२५ ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः।
८२६ ॐ योगासनायै नमः।
८२७ ॐ योगगम्यायै नमः।
८२८ ॐ योगायै नमः।
८२९ ॐ यौवनकाश्रयायै नमः।
८३० ॐ यौवन्यै नमः।
८३१ ॐ युद्धमध्यस्थायै नमः।
८३२ ॐ यमुनायै नमः।
८३३ ॐ युगधारिण्यै नमः।
८३४ ॐ यक्षिण्यै नमः।
८३५ ॐ योगयुक्तायै नमः।
८३६ ॐ यक्षराजप्रसूतिन्यै नमः।
८३७ ॐ यात्रायै नमः।
८३८ ॐ यानविधानज्ञायै नमः।
८३९ ॐ यदुवंशसमुद्भवायै नमः।
८४० ॐ यकारादिहकारान्तायै नमः।
८४१ ॐ याजुष्यै नमः।
८४२ ॐ यज्ञरूपिण्यै नमः।
८४३ ॐ यामिन्यै नमः।
८४४ ॐ योगनिरतायै नमः।
८४५ ॐ यातुधानभयङ्कर्यै नमः।
८४६ ॐ रुक्मिण्यै नमः।
८४७ ॐ रमण्यै नमः।
८४८ ॐ रामायै नमः।
८४९ ॐ रेवत्यै नमः।
८५० ॐ रेणुकायै नमः।
८५१ ॐ रत्यै नमः।
८५२ ॐ रौद्र्यै नमः।
८५३ ॐ रौद्रप्रियाकारायै नमः।
८५४ ॐ राममात्रे नमः।
८५५ ॐ रतिप्रियायै नमः।
८५६ ॐ रोहिण्यै नमः।
८५७ ॐ राज्यदायै नमः।
८५८ ॐ रेवायै नमः।
८५९ ॐ रमायै नमः।

८६० ॐ राजीवलोचनायै नमः।
८६१ ॐ राकेश्यै नमः।
८६२ ॐ रूपसम्पन्नायै नमः।
८६३ ॐ रत्नसिंहासनस्थितायै नमः।
८६४ ॐ रक्तमाल्याम्बरधरायै नमः।
८६५ ॐ रक्तगन्धानुलेपनायै नमः।
८६६ ॐ राजहंससमारूढायै नमः।
८६७ ॐ रम्भायै नमः।
८६८ ॐ रक्तबलिप्रियायै नमः।
८६९ ॐ रमणीययुगाधारायै नमः।
८७० ॐ राजिताखिलभूतलायै नमः।
८७१ ॐ रुरुचर्मपरीधानायै नमः।
८७२ ॐ रथिन्यै नमः।
८७३ ॐ रत्नमालिकायै नमः।
८७४ ॐ रोगेश्यै नमः।
८७५ ॐ रोगशमन्यै नमः
८७६ ॐ राविण्यै नमः।
८७७ ॐ रोमहर्षिण्यै नमः।
८७८ ॐ रामचन्द्रपदाक्रान्तायै नमः।
८७९ ॐ रावणच्छेदकारिण्यै नमः।
८८० ॐ रत्नवस्त्रपरिच्छन्नायै नमः।
८८१ ॐ रथस्थायै नमः।
८८२ ॐ रुक्मभूषणायै नमः।
८८३ ॐ लज्जाधिदेवतायै नमः।
८८४ ॐ लोलायै नमः।
८८५ ॐ ललितायै नमः।
८८६ ॐ लिङ्गधारिण्यै नमः।
८८७ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
८८८ ॐ लोलायै नमः।
८८९ ॐ लुप्तविषायै नमः।
८९० ॐ लोकिन्यै नमः।
८९१ ॐ लोकविश्रुतायै नमः।
८९२ ॐ लज्जायै नमः।
८९३ ॐ लम्बोदर्यै देव्यै नमः।
८९४ ॐ ललनायै नमः।
८९५ ॐ लोकधारिण्यै नमः।
८९६ ॐ वरदायै नमः।
८९७ ॐ वन्दितायै नमः।
८९८ ॐ विद्यायै नमः।
८९९ ॐ वैष्णव्यै नमः।
९०० ॐ विमलाकृत्यै नमः।
९०१ ॐ वाराह्यै नमः।
९०२ ॐ विरजायै नमः।
९०३ ॐ वर्षायै नमः।
९०४ ॐ वरलक्ष्म्यै नमः।
९०५ ॐ विलासिन्यै नमः।
९०६ ॐ विनतायै नमः।
९०७ ॐ व्योममध्यस्थायै नमः।
९०८ ॐ वारिजासनसंस्थितायै नमः।
९०९ ॐ वारुण्यै नमः।
९१० ॐ वेणुसम्भूतायै नमः।
९११ ॐ वीतिहोत्रायै नमः।
९१२ ॐ विरूपिण्यै नमः।
९१३ ॐ वायुमण्डलमध्यस्थायै नमः।
९१४ ॐ विष्णुरूपायै नमः।
९१५ ॐ विधिप्रियायै नमः।

११६ ॐ विष्णुपत्न्यै नमः।
११७ ॐ विष्णुमत्यै नमः।
११८ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
११९ ॐ वसुन्धरायै नमः।
१२० ॐ वामदेवप्रियायै नमः।
१२१ ॐ वेलायै नमः।
१२२ ॐ वज्रिण्यै नमः।
१२३ ॐ वसुदोहिन्यै नमः।
१२४ ॐ वेदाक्षरपरीताङ्ग्यै नमः।
१२५ ॐ वाजपेयफलप्रदायै नमः।
१२६ ॐ वासव्यै नमः।
१२७ ॐ वामजनन्यै नमः।
१२८ ॐ वैकुण्ठनिलयायै नमः।
१२९ ॐ वरायै नमः।
१३० ॐ व्यासप्रियायै नमः।
१३१ ॐ वर्मधरायै नमः।
१३२ ॐ वाल्मीकिपरिसेवितायै नमः।
१३३ ॐ शाकम्भर्यै नमः।
१३४ ॐ शिवायै नमः।
१३५ ॐ शान्तायै नमः।
१३६ ॐ शारदायै नमः।
१३७ ॐ शरणागतये नमः।
१३८ ॐ शातोदर्यै नमः।
१३९ ॐ शुभाचारायै नमः।
१४० ॐ शुम्भासुरविमर्दिन्यै नमः।
१४१ ॐ शोभावत्यै नमः।
१४२ ॐ शिवाकारायै नमः।
१४३ ॐ शङ्करार्द्धशरीरिण्यै नमः।
१४४ ॐ शोणायै नमः।
१४५ ॐ शुभाशयायै नमः।
१४६ ॐ शुभ्रायै नमः।
१४७ ॐ शिरःसंधानकारिण्यै नमः।
१४८ ॐ शरावत्यै नमः।
१४९ ॐ शरानन्दायै नमः।
१५० ॐ शरज्ज्योत्स्नायै नमः।
१५१ ॐ शुभाननायै नमः।
१५२ ॐ शरभायै नमः।
१५३ ॐ शूलिन्यै नमः।
१५४ ॐ शुद्धायै नमः।
१५५ ॐ शबर्यै नमः।
१५६ ॐ शुकवाहनायै नमः।
१५७ ॐ श्रीमत्यै नमः।
१५८ ॐ श्रीधरानन्दायै नमः।
१५९ ॐ श्रवणानन्ददायिन्यै नमः।
१६० ॐ शर्वाण्यै नमः।
१६१ ॐ शर्वरीवन्द्यायै नमः।
१६२ ॐ षड्भाषायै नमः।
१६३ ॐ षड्ऋतुप्रियायै नमः।
१६४ ॐ षडाधारस्थितायै देव्यै नमः।
१६५ ॐ षण्मुखप्रियकारिण्यै नमः।
१६६ ॐ षडङ्गरूपसुमतिसुरासुर-
नमस्कृतायै नमः।
१६७ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१६८ ॐ सदाधारायै नमः।
१६९ ॐ सर्वमङ्गलकारिण्यै नमः।
१७० ॐ सामगानप्रियायै नमः।

९७१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
९७२ ॐ सावित्र्यै नमः।
९७३ ॐ सामसम्भवायै नमः।
९७४ ॐ सर्वावासायै नमः।
९७५ ॐ सदानन्दायै नमः।
९७६ ॐ सुस्तन्यै नमः।
९७७ ॐ सागराम्बरायै नमः।
९७८ ॐ सर्वैश्वर्यप्रियायै नमः।
९७९ ॐ सिद्ध्यै नमः।
९८० ॐ साधुबन्धुपराक्रमायै नमः।
९८१ ॐ सप्तर्षिमण्डलगतायै नमः।
९८२ ॐ सोममण्डलवासिन्यै नमः।
९८३ ॐ सर्वज्ञायै नमः।
९८४ ॐ सान्द्रकरुणायै नमः।
९८५ ॐ समानाधिकवर्जितायै नमः।
९८६ ॐ सर्वोत्तुङ्गायै नमः।
९८७ ॐ सङ्गहीनायै नमः।
९८८ ॐ सद्गुणायै नमः।
९८९ ॐ सकलेष्टदायै नमः।
९९० ॐ सरघायै नमः।
९९१ ॐ सूर्यतनयायै नमः।
९९२ ॐ सुकेश्यै नमः।
९९३ ॐ सोमसंहतये नमः।
९९४ ॐ हिरण्यवर्णायै नमः।
९९५ ॐ हरिण्यै नमः।
९९६ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
९९७ ॐ हंसवाहिन्यै नमः।
९९८ ॐ क्षौमवस्त्रपरीताङ्ग्यै नमः।
९९९ ॐ क्षीराब्धितनयायै नमः।
१००० ॐ क्षमायै नमः।
१००१ ॐ गायत्र्यै नमः।
१००२ ॐ सावित्र्यै नमः।
१००३ ॐ पार्वत्यै नमः।
१००४ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१००५ ॐ वेदगर्भायै नमः।
१००६ ॐ वरारोहायै नमः।
१००७ ॐ श्रीगायत्र्यै नमः।
१००८ ॐ पराम्बिकायै नमः।

॥ इति श्रीमद्देवीभागवते महापुराणे श्रीगायत्रीसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीगङ्गादेव्यै नमः ॥

श्रीगङ्गासहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

साक्षाद्धर्मद्रवौघं मुररिपुचरणाम्भोजपीयूषसारं
दुःखस्वाब्धेस्तरित्रं सुरदनुजनुतं स्वर्गसोपानमार्गम्।
सर्वांहोहारि वारि प्रवरगुणगणं भासि या संवहन्ती
तस्यै भागीरथि श्रीमति मुदितमना देवि कुर्वे नमस्ते ॥ *

अगस्त्य उवाच

विना स्नानेन गङ्गायां नृणां जन्म निरर्थकम्।
उपायान्तरमस्त्यन्यद् येन स्नानफलं लभेत् ॥ १ ॥
अशक्तानां च पङ्गूनामालस्योपहतात्मनाम्।
दूरदेशान्तरस्थानां गङ्गास्नानं कथं भवेत् ॥ २ ॥
दानं वाथ व्रतं वाथ मन्त्रः स्तोत्रं जपोऽथवा।
तीर्थान्तराभिषेको वा देवतोपासनं तु वा ॥ ३ ॥
यद्यस्ति किंचित् षड्वक्त्र गङ्गास्नानफलप्रदम्।
विधानान्तरमात्रेण तद् वद प्रणताय मे ॥ ४ ॥
त्वत्तो न वेद स्कन्दान्यो गङ्गागर्भसमुद्भव।
परं स्वर्गतरङ्गिण्या महिमानं महामते ॥ ५ ॥

---

* श्रीमती भागीरथी देवी! जो जलरूपमें परिणत साक्षात् धर्मकी राशि है, भगवान् विष्णुके चरणारविन्दोंसे प्रकट हुई सुधाका सार है, दुःखरूपी समुद्रसे पार होनेके लिये जहाज है तथा स्वर्गलोकमें जानेके लिये सीढ़ी है, जिसे देवता और दानव भी प्रणाम करते हैं, जो समस्त पापोंका संहार करनेवाला, उत्तम गुणसमूहसे युक्त और शोभासम्पन्न है, ऐसे जलको आप धारण करती हैं। मैं प्रसन्नचित्त होकर आपको नमस्कार करता हूँ।

स्कन्द उवाच

सन्ति पुण्यजलानीह सरांसि सरितो मुने।
स्थाने स्थाने च तीर्थानि जितात्माध्युषितानि च॥ ६ ॥
दृष्टप्रत्ययकारीणि महामहिमभाञ्ज्यपि।
परं स्वर्गतरङ्गिण्याः कोट्यंशोऽपि न तत्र वै॥ ७ ॥
अनेनैवानुमानेन बुध्यस्व कलशोद्भव।
दध्रे गङ्गोत्तमाङ्गेन देवदेवेन शम्भुना॥ ८ ॥
स्नानकालेऽन्यतीर्थेषु जप्यते जाह्नवी जनैः।
विना विष्णुपदीं क्वान्यत् समर्थमघमोचने॥ ९ ॥
गङ्गास्नानफलं ब्रह्मन् गङ्गायामेव लभ्यते।
यथा द्राक्षाफलस्वादो द्राक्षायामेव नान्यतः॥ १०॥
अस्त्युपाय इह त्वेकः स्याद् येनाविकलं फलम्।
स्नानस्य देवसरितो महागुह्यतमो मुने॥ ११॥
शिवभक्ताय शान्ताय विष्णुभक्तिपराय च।
श्रद्धालवे त्वास्तिकाय गर्भवासमुमुक्षवे॥ १२॥
कथनीयं न चान्यस्य कस्यचित् केनचित् क्वचित्।
इदं रहस्यं परमं महापातकनाशनम्॥ १३॥
महाश्रेयस्करं पुण्यं मनोरथकरं परम्।
द्युनदीप्रीतिजनकं शिवसंतोषसंततिः॥ १४॥
नाम्नां सहस्रं गङ्गायाः स्तवराजेषु शोभनम्।
जप्यानां परमं जप्यं वेदोपनिषदां समम्॥ १५॥
जपनीयं प्रयत्नेन मौनिना वाचकं विना।
शुचिस्थानेषु शुचिना सुस्पष्टाक्षरमेव च॥ १६॥

स्कन्द उवाच

ॐ नमो गङ्गादेव्यै

ओंकाररूपिण्यजरातुलानन्तामृतस्रवा ।
अत्युदाराभयाशोकालकनन्दामृतामला ॥ १७ ॥
अनाथवत्सलामोघापांयोनिरमृतप्रदा ।
अव्यक्तलक्षणाक्षोभ्यानवच्छिन्नापराजिता ॥ १८ ॥
अनाथनाथाभीष्टार्थसिद्धिदानङ्गवर्धिनी ।
अणिमादिगुणाऽऽधाराग्रगण्यालीकहारिणी ॥ १९ ॥
अचिन्त्यशक्तिरनघाद्भुतरूपाघहारिणी ।
अद्रिराजसुताष्टाङ्गयोगसिद्धिप्रदाच्युता ॥ २० ॥
अक्षुण्णशक्तिरसुदानन्ततीर्थामृतोदका ।
अनन्तमहिमापारानन्तसौख्यप्रदान्नदा ॥ २१ ॥
अशेषदेवतामूर्तिरघोरामृतरूपिणी ।
अविद्याजालशमनी ह्यप्रतर्क्यगतिप्रदा ॥ २२ ॥
अशेषविघ्नसंहर्त्री त्वशेषगुणगुम्फिता ।
अज्ञानतिमिरज्योतिरनुग्रहपरायणा ॥ २३ ॥
अभिरामानवद्याङ्ग्यनन्तसाराकलङ्किनी ।
आरोग्यदाऽऽनन्दवल्ली त्वापन्नार्तिविनाशिनी ॥ २४ ॥
आश्चर्यमूर्तिरायुष्या ह्याढ्याऽऽद्याऽऽप्राऽऽर्यसेविता ।
आप्यायिन्याप्तविद्याऽऽख्या त्वानन्दाऽऽश्वासदायिनी ॥ २५ ॥

आलस्यघ्न्यापदां हन्त्री ह्यानन्दामृतवर्षिणी।
इरावतीष्टदात्रीष्टा त्विष्टापूर्तफलप्रदा॥ २६॥
इतिहासश्रुतीड्यार्था त्विहामुत्रशुभप्रदा।
इज्याशीलसमिज्ज्येष्ठा त्विन्द्रादिपरिवन्दिता॥ २७॥
इलालङ्कारमालेद्धा त्विन्दिरा रम्यमन्दिरा।
इदिन्दिरादिसंसेव्या त्वीश्वरीश्वरवल्लभा॥ २८॥
ईतिभीतिहरेड्या च त्वीडनीयचरित्रभृत्।
उत्कृष्टशक्तिरुत्कृष्टोडुपमण्डलचारिणी॥ २९॥
उदिताम्बरमार्गोस्त्रोरगलोकविहारिणी।
उक्षोर्वरोत्पलोत्कुम्भा उपेन्द्रचरणद्रवा॥ ३०॥
उदन्वत्पूर्तिहेतुश्चोदारोत्साहप्रवर्द्धिनी।
उद्वेगघ्न्युष्णशमनी ह्युष्णरश्मिसुताप्रिया॥ ३१॥
उत्पत्तिस्थितिसंहारकारिण्युपरिचारिणी।
ऊर्जं वहन्त्यूर्जधरोर्जावती चोर्मिमालिनी॥ ३२॥
ऊर्ध्वरेतःप्रियोर्ध्वाध्वा ह्यूर्मिलोर्ध्वगतिप्रदा।
ऋषिवृन्दस्तुतर्द्धिश्च ऋणत्रयविनाशिनी॥ ३३॥
ऋतम्भरर्द्धिदात्री च ऋक्स्वरूपा ऋजुप्रिया।
ऋक्षमार्गवहर्क्षार्चिर्ऋजुमार्गप्रदर्शिनी॥ ३४॥
एधिताखिलधर्मार्था त्वेकैकामृतदायिनी।
एधनीयस्वभावेज्या त्वेजिताशेषपातका॥ ३५॥
ऐश्वर्यदैश्वर्यरूपा ह्यैतिह्यं ह्यैन्दवीद्युतिः।
ओजस्विन्योषधीक्षेत्रमोजोदौदनदायिनी॥ ३६॥

ओष्ठामृतौन्नत्यदात्री त्वौषधं भवरोगिणाम्।
औदार्यचञ्चुरौपेन्द्री त्वौग्री ह्यौमेयरूपिणी॥ ३७॥
अम्बराध्ववहाम्बष्ठाम्बरमालाम्बुजेक्षणा।
अम्बिकाम्बुमहायोनिरन्धोदान्धकहारिणी॥ ३८॥
अंशुमाला ह्यंशुमती त्वङ्गीकृतषडानना।
अन्धतामिस्त्रहन्त्र्यन्धुरञ्जना ह्यञ्जनावती॥ ३९॥
कल्याणकारिणी काम्या कमलोत्पलगन्धिनी।
कुमुद्वती कमलिनी कान्तिः कल्पितदायिनी॥ ४०॥
काञ्चनाक्षी कामधेनुः कीर्तिकृत् क्लेशनाशिनी।
क्रतुश्रेष्ठा क्रतुफला कर्मबन्धविभेदिनी॥ ४१॥
कमलाक्षी क्लमहरा कृशानुतपनद्युतिः।
करुणार्द्रा च कल्याणी कलिकल्मषनाशिनी॥ ४२॥
कामरूपा क्रियाशक्तिः कमलोत्पलमालिनी।
कूटस्था करुणा कान्ता कूर्मयाना कलावती॥ ४३॥
कमला कल्पलतिका काली कलुषवैरिणी।
कमनीयजला कम्रा कपर्दिसुकपर्दगा॥ ४४॥
कालकूटप्रशमनी कदम्बकुसुमप्रिया।
कालिन्दी केलिललिता कलकल्लोलमालिका॥ ४५॥
क्रान्तलोकत्रया कण्डूः कण्डूतनयवत्सला।
खड्गिनी खड्गधाराभा खगा खण्डेन्दुधारिणी॥ ४६॥
खेखेलगामिनी खस्था खण्डेन्दुतिलकप्रिया।
खेचरी खेचरीवन्द्या ख्यातिः ख्यातिप्रदायिनी॥ ४७॥

खण्डितप्रणताघौघा खलबुद्धिविनाशिनी।
खातैनःकंदसंदोहा खड्गखट्वाङ्गखेटिनी॥ ४८॥
खरसंतापशमनी खनिः पीयूषपाथसाम्।
गङ्गा गन्धवती गौरी गन्धर्वनगरप्रिया॥ ४९॥
गम्भीराङ्गी गुणमयी गतातङ्का गतिप्रिया।
गणनाथाम्बिका गीता गद्यपद्यपरिष्टुता॥ ५०॥
गान्धारी गर्भशमनी गतिभ्रष्टगतिप्रदा।
गोमती गुह्यविद्या गौर्गोप्त्री गगनगामिनी॥ ५१॥
गोत्रप्रवर्द्धिनी गुण्या गुणातीता गुणाग्रणीः।
गुहाम्बिका गिरिसुता गोविन्दाङ्घ्रिसमुद्भवा॥ ५२॥
गुणनीयचरित्रा च गायत्री गिरिशप्रिया।
गूढरूपा गुणवती गुर्वी गौरववर्धिनी॥ ५३॥
ग्रहपीडाहरा गुंद्रा गरघ्नी गानवत्सला।
घर्महन्त्री घृतवती घृततुष्टिप्रदायिनी॥ ५४॥
घण्टारवप्रिया घोराघौघविध्वंसकारिणी।
घ्राणतुष्टिकरी घोषा घनानन्दा घनप्रिया॥ ५५॥
घातुका घूर्णितजला घृष्टपातकसंततिः।
घटकोटिप्रपीतापा घटिताशेषमङ्गला॥ ५६॥
घृणावती घृणिनिधिर्घस्मरा घूकनादिनी।
घुसृणापिञ्जरतनुर्घर्घरा घर्घरस्वना॥ ५७॥
चन्द्रिका चन्द्रकान्ताम्बुश्चञ्चदापा चलद्युतिः।
चिन्मयी चितिरूपा च चन्द्रायुतशताननां॥ ५८॥

चाम्पेयलोचना चारुश्चार्वङ्गी चारुगामिनी।
चार्या चारित्रनिलया चित्रकृच्चित्ररूपिणी॥ ५९॥
चम्पूश्चन्दनशुच्यम्बुश्चर्चनीया चिरस्थिरा।
चारुचम्पकमालाढ्या चमिताशेषदुष्कृता॥ ६०॥
चिदाकाशवहा चिन्त्या चञ्चच्चामरवीजिता।
चोरिताशेषवृजिना चरिताशेषमण्डला॥ ६१॥
छेदिताखिलपापौघा छद्मघ्नी छलहारिणी।
छन्नत्रिविष्टपतला छोटिताशेषबन्धना॥ ६२॥
छुरितामृतधारौघा छिन्नैनाश्छन्दगामिनी।
छत्रीकृतमरालौघा छटीकृतनिजामृता॥ ६३॥
जाह्नवी ज्या जगन्माता जप्या जङ्घालवीचिका।
जया जनार्दनप्रीता जुषणीया जगद्धिता॥ ६४॥
जीवनं जीवनप्राणा जगज्ज्येष्ठा जगन्मयी।
जीवजीवातुलतिका जन्मिजन्मनिबर्हिणी॥ ६५॥
जाड्यविध्वंसनकरी जगद्योनिर्जलाविला।
जगदानन्दजननी जलजा जलजेक्षणा॥ ६६॥
जनलोचनपीयूषा जटातटविहारिणी।
जयन्ती जंजपूकघ्नी जनितज्ञानविग्रहा॥ ६७॥
झल्लरीवाद्यकुशला झलज्झालजलावृता।
झिण्टीशवन्द्या झंकारकारिणी झर्झरावती॥ ६८॥
टीकिताशेषपाताला टङ्किकैनोऽद्रिपाटने।
टंकारनृत्यत्कल्लोला टीकनीयमहातटा॥ ६९॥

डम्बरप्रवहा डीनराजहंसकुलाकुला।
डमड्डुमरुहस्ता च डामरोक्तमहाण्डका॥ ७० ॥
ढौकिताशेषनिर्वाणा ढक्कानादचलज्जला।
ढुण्ढिविघ्नेशजननी ढणड्ढुणितपातका॥ ७१ ॥
तर्पणी तीर्थतीर्था च त्रिपथा त्रिदशेश्वरी।
त्रिलोकगोप्त्री तोयेशी त्रैलोक्यपरिवन्दिता॥ ७२ ॥
तापत्रितयसंहर्त्री तेजोबलविवर्धिनी।
त्रिलक्ष्या तारणी तारा तारापतिकरार्चिता॥ ७३ ॥
त्रैलोक्यपावनी पुण्या तुष्टिदा तुष्टिरूपिणी।
तृष्णाच्छेत्री तीर्थमाता त्रिविक्रमपदोद्भवा॥ ७४ ॥
तपोमयी तपोरूपा तपःस्तोमफलप्रदा।
त्रैलोक्यव्यापिनी तृप्तिस्तृप्तिकृत् तत्त्वरूपिणी॥ ७५ ॥
त्रैलोक्यसुन्दरी तुर्या तुर्यातीतफलप्रदा।
त्रैलोक्यलक्ष्मीस्त्रिपदी तथ्या तिमिरचन्द्रिका॥ ७६ ॥
तेजोगर्भा तपःसारा त्रिपुरारिशिरोगृहा।
त्रयीस्वरूपिणी तन्वी तपनाङ्गजभीतिनुत्॥ ७७ ॥
तरिस्तरणिजामित्रं तर्पिताशेषपूर्वजा।
तुलाविरहिता तीव्रपापतूलतनूनपात्॥ ७८ ॥
दारिद्र्यदमनी दक्षा दुष्प्रेक्षा दिव्यमण्डना।
दीक्षावती दुरावाप्या द्राक्षामधुरवारिभृत्॥ ७९ ॥
दर्शितानेककुतुका दुष्टदुर्जयदुःखहृत्।
दैन्यहृद् दुरितघ्नी च दानवारिपदाब्जजा॥ ८० ॥

दंदशूकविषघ्नी च दारिताघौघसंततिः ।
द्रुता देवद्रुमच्छन्ना दुर्वाराघविघातिनी ॥ ८१ ॥
दमग्राह्या देवमाता देवलोकप्रदर्शिनी ।
देवदेवप्रिया देवी दिक्पालपददायिनी ॥ ८२ ॥
दीर्घायुःकारिणी दीर्घा दोग्ध्री दूषणवर्जिता ।
दुग्धाम्बुवाहिनी दोह्या दिव्या दिव्यगतिप्रदा ॥ ८३ ॥
द्युनदी दीनशरणं देहिदेहनिवारिणी ।
द्राघीयसी दाघहन्त्री दितपातकसंततिः ॥ ८४ ॥
दूरदेशान्तरचरी दुर्गमा देववल्लभा ।
दुर्वृत्तघ्नी दुर्विगाह्या दयाधारा दयावती ॥ ८५ ॥
दुरासदा दानशीला द्राविणी द्रुहिणस्तुता ।
दैत्यदानवसंशुद्धिकर्त्री दुर्बुद्धिहारिणी ॥ ८६ ॥
दानसारा दयासारा द्यावाभूमिविगाहिनी ।
दृष्टादृष्टफलप्राप्तिर्देवतावृन्दवन्दिता ॥ ८७ ॥
दीर्घव्रता दीर्घदृष्टिर्दीप्ततोया दुरालभा ।
दण्डयित्री दण्डनीतिर्दुष्टदण्डधरार्चिता ॥ ८८ ॥
दुरोदरघ्नी दावार्चिर्द्रवद्द्रव्यैकशेवधिः ।
दीनसंतापशमनी दात्री दवथुवैरिणी ॥ ८९ ॥
दरीविदारणपरा दान्ता दान्तजनप्रिया ।
दारिताद्रितटा दुर्गा दुर्गारण्यप्रचारिणी ॥ ९० ॥
धर्मद्रवा धर्मधुरा धेनुर्धीरा धृतिर्ध्रुवा ।
धेनुदानफलस्पर्शा धर्मकामार्थमोक्षदा ॥ ९१ ॥

धर्मोर्मिवाहिनी धुर्या धात्री धात्रीविभूषणम्।
धर्मिणी धर्मशीला च धन्विकोटिकृतावना॥ ९२ ॥
ध्यातृपापहरा ध्येया धावनी धूतकल्मषा।
धर्मधारा धर्मसारा धनदा धनवर्धिनी॥ ९३ ॥
धर्माधर्मगुणच्छेत्री धत्तूरकुसुमप्रिया।
धर्मेशी धर्मशास्त्रज्ञा धनधान्यसमृद्धिकृत्॥ ९४ ॥
धर्मलभ्या धर्मजला धर्मप्रसवधर्मिणी।
ध्यानगम्यस्वरूपा च धरणी धातृपूजिता॥ ९५ ॥
धूर्धूर्जटिजटासंस्था धन्या धीर्धारणावती।
नन्दा निर्वाणजननी नन्दिनी नुन्नपातका॥ ९६ ॥
निषिद्धविघ्ननिचया निजानन्दप्रकाशिनी।
नभोऽङ्गणचरी नूतिर्नम्या नारायणी नुता॥ ९७ ॥
निर्मला निर्मलाख्याना नाशिनी तापसम्पदाम्।
नियता नित्यसुखदा नानाश्चर्यमहानिधिः॥ ९८ ॥
नदी नदसरोमाता नायिका नाकदीर्घिका।
नष्टोद्धरणधीरा च नन्दना नन्ददायिनी॥ ९९ ॥
निर्णिक्ताशेषभुवना निःसङ्गा निरुपद्रवा।
निरालम्बा निष्प्रपञ्चा निर्णाशितमहामला॥ १००॥
निर्मलज्ञानजननी निःशेषप्राणितापहृत्।
नित्योत्सवा नित्यतृप्ता नमस्कार्या निरञ्जना॥ १०१॥
निष्ठावती निरातङ्का निर्लेपा निश्चलात्मिका।
निरवद्या निरीहा च नीललोहितमूर्द्धगा॥ १०२॥

नन्दिभृङ्गिगणस्तुत्या नागा नन्दा नगात्मजा।
निष्प्रत्यूहा नाकनदी निरयार्णवदीर्घनौः॥ १०३॥
पुण्यप्रदा पुण्यगर्भा पुण्या पुण्यतरङ्गिणी।
पृथुः पृथुफला पूर्णा प्रणतार्तिप्रभञ्जनी॥ १०४॥
प्राणदा प्राणिजननी प्राणेशी प्राणरूपिणी।
पद्मालया पराशक्तिः पुरजित्परमप्रिया॥ १०५॥
परा परफलप्राप्तिः पावनी च पयस्विनी।
परानन्दा प्रकृष्टार्था प्रतिष्ठा पालिनी परा॥ १०६॥
पुराणपठिता प्रीता प्रणवाक्षररूपिणी।
पार्वती प्रेमसम्पन्ना पशुपाशविमोचिनी॥ १०७॥
परमात्मस्वरूपा च परब्रह्मप्रकाशिनी।
परमानन्दनिष्पन्दा प्रायश्चित्तस्वरूपिणी॥ १०८॥
पानीयरूपनिर्वाणा परित्राणपरायणा।
पापेन्धनदवज्वाला पापारिः पापनामनुत्॥ १०९॥
परमैश्वर्यजननी प्रज्ञा प्राज्ञा परापरा।
प्रत्यक्षलक्ष्मीः पद्माक्षी परव्योमामृतस्रवा॥ ११०॥
प्रसन्नरूपा प्रणिधिः पूता प्रत्यक्षदेवता।
पिनाकिपरमप्रीता परमेष्ठिकमण्डलुः॥ १११॥
पद्मनाभपदार्घ्येण प्रसूता पद्ममालिनी।
परर्द्धिदा पुष्टिकरी पथ्या पूर्तिः प्रभावती॥ ११२॥
पुनाना पीतगर्भघ्नी पापपर्वतनाशिनी।
फलिनी फलहस्ता च फुल्लाम्बुजविलोचना॥ ११३॥

फालितैनोमहाक्षेत्रा फणिलोकविभूषणा।
फेनच्छलप्रणुन्नैनाः फुल्लकैरवगन्धिनी ॥ ११४ ॥
फेनिलाच्छाम्बुधाराभा फडुच्चाटितपातका।
फाणितस्वादुसलिला फाण्टपथ्यजलाविला ॥ ११५ ॥
विश्वमाता च विश्वेशी विश्वा विश्वेश्वरप्रिया।
ब्रह्मण्या ब्रह्मकृद् ब्राह्मी ब्रह्मिष्ठा विमलोदका ॥ ११६ ॥
विभावरी च विरजा विक्रान्तानेकविष्टपा।
विश्वमित्रं विष्णुपदी वैष्णवी वैष्णवप्रिया ॥ ११७ ॥
विरूपाक्षप्रियकरी विभूतिर्विश्वतोमुखी।
विपाशा वैबुधी वेद्या वेदाक्षररसस्रवा ॥ ११८ ॥
विद्या वेगवती वन्द्या बृंहणी ब्रह्मवादिनी।
वरदा विप्रकृष्टा च वरिष्ठा च विशोधनी ॥ ११९ ॥
विद्याधरी विशोका च वयोवृन्दनिषेविता।
बहूदका बलवती व्योमस्था विबुधप्रिया ॥ १२० ॥
वाणी वेदवती वित्ता ब्रह्मविद्यातरङ्गिणी।
ब्रह्माण्डकोटिव्याप्ताम्बुर्ब्रह्महत्यापहारिणी ॥ १२१ ॥
ब्रह्मेशविष्णुरूपा च बुद्धिर्विभववर्धिनी।
विलासिसुखदा वश्या व्यापिनी च वृषारणिः ॥ १२२ ॥
वृषाङ्कमौलिनिलया विपन्नार्तिप्रभञ्जनी।
विनीता विनता ब्रध्नतनया विनयान्विता ॥ १२३ ॥
विपञ्ची वाद्यकुशला वेणुश्रुतिविचक्षणा।
वर्चस्करी बलकरी बलोन्मूलितकल्मषा ॥ १२४ ॥

विपाप्मा विगतातङ्का विकल्पपरिवर्जिता।
वृष्टिकर्त्री वृष्टिजला विधिर्विच्छिन्नबन्धना॥ १२५॥
व्रतरूपा वित्तरूपा बहुविघ्नविनाशकृत्।
वसुधारा वसुमती विचित्राङ्गी विभावसुः॥ १२६॥
विजया विश्वबीजा च वामदेवी वरप्रदा।
वृषाश्रिता विषघ्नी च विज्ञानोर्म्यंशुमालिनी॥ १२७॥
भव्या भोगवती भद्रा भवानी भूतभाविनी।
भूतधात्री भयहरा भक्तदारिद्र्यघातिनी॥ १२८॥
भुक्तिमुक्तिप्रदा भेशी भक्तस्वर्गापवर्गदा।
भागीरथी भानुमती भाग्यं भोगवती भृतिः॥ १२९॥
भवप्रिया भवद्वेष्ट्री भूतिदा भूतिभूषणा।
भाललोचनभावज्ञा भूतभव्यभवत्प्रभुः॥ १३०॥
भ्रान्तिज्ञानप्रशमनी भिन्नब्रह्माण्डमण्डपा।
भूरिदा भक्तसुलभा भाग्यवद्दृष्टिगोचरी॥ १३१॥
भञ्जितोपप्लवकुला भक्ष्यभोज्यसुखप्रदा।
भिक्षणीया भिक्षुमाता भावा भावस्वरूपिणी॥ १३२॥
मन्दाकिनी महानन्दा माता मुक्तितरङ्गिणी।
महोदया मधुमती महापुण्या मुदाकरी॥ १३३॥
मुनिस्तुता मोहहन्त्री महातीर्था मधुस्त्रवा।
माधवी मानिनी मान्या मनोरथपथातिगा॥ १३४॥
मोक्षदा मतिदा मुख्या महाभाग्यजनाश्रिता।
महावेगवती मेध्या महामहिमभूषणा॥ १३५॥
महाप्रभावा महती मीनचञ्चललोचना।
महाकारुण्यसम्पूर्णा महर्द्धिश्च महोत्पला॥ १३६॥

मूर्तिमन्मुक्तिरमणी मणिमाणिक्यभूषणा।
मुक्ताकलापनेपथ्या मनोनयननन्दिनी॥ १३७॥
महापातकराशिघ्नी महादेवार्धहारिणी।
महोर्मिमालिनी मुक्ता महादेवी मनोन्मनी॥ १३८॥
महापुण्योदयप्राप्या मायातिमिरचन्द्रिका।
महाविद्या महामाया महामेधा महौषधम्॥ १३९॥
मालाधरी महोपाया महोरगविभूषणा।
महामोहप्रशमनी महामङ्गलमङ्गलम्॥ १४०॥
मार्तण्डमण्डलचरी महालक्ष्मीर्मदोज्झिता।
यशस्विनी यशोदा च योग्या युक्तात्मसेविता॥ १४१॥
योगसिद्धिप्रदा याच्या यज्ञेशपरिपूरिता।
यज्ञेशी यज्ञफलदा यजनीया यशस्करी॥ १४२॥
यमिसेव्या योगयोनिर्योगिनी युक्तबुद्धिदा।
योगज्ञानप्रदा युक्ता यमाद्यष्टाङ्गयोगयुक्॥ १४३॥
यन्त्रिताघौघसंचारा यमलोकनिवारिणी।
यातायातप्रशमनी यातनानामकृन्तनी॥ १४४॥
यामिनीशहिमाच्छोदा युगधर्मविवर्जिता।
रेवती रतिकृद् रम्या रत्नगर्भा रमा रतिः॥ १४५॥
रत्नाकरप्रेमपात्रं रसज्ञा रसरूपिणी।
रत्नप्रासादगर्भा च रमणीयतरङ्गिणी॥ १४६॥
रत्नार्ची रुद्ररमणी रागद्वेषविनाशिनी।
रमा रामा रम्यरूपा रोगिजीवानुरूपिणी॥ १४७॥
रुचिकृद् रोचनी रम्या रुचिरा रोगहारिणी।
राजहंसा रत्नवती राजत्कल्लोलराजिका॥ १४८॥

रामणीयकरेखा च रुजारी रोगरोषिणी।
राका रङ्कार्तिशमनी रम्या रोलम्बराविणी॥ १४९॥
रागिणी रञ्जितशिवा रूपलावण्यशेवधिः।
लोकप्रसूर्लोकवन्द्या लोलत्कल्लोलमालिनी॥ १५०॥
लीलावती लोकभूमिर्लोकलोचनचन्द्रिका।
लेखस्त्रवन्ती लटभा लघुवेगा लघुत्वहृत्॥ १५१॥
लास्यत्तरङ्गहस्ता च ललिता लयभङ्गिगा।
लोकबन्धुर्लोकधात्री लोकोत्तरगुणोर्जिता॥ १५२॥
लोकत्रयहिता लोका लक्ष्मीर्लक्षणलक्षिता।
लीला लक्षितनिर्वाणा लावण्यामृतवर्षिणी॥ १५३॥
वैश्वानरी वासवेड्या वन्ध्यत्वपरिहारिणी।
वासुदेवाङ्घ्रिरेणुघ्नी वज्रिवज्रनिवारिणी॥ १५४॥
शुभावती शुभफला शान्तिः शंतनुवल्लभा।
शूलिनी शैशववयाः शीतलामृतवाहिनी॥ १५५॥
शोभावती शीलवती शोषिताशेषकिल्बिषा।
शरण्या शिवदा शिष्टा शरजन्मप्रसूः शिवा॥ १५६॥
शक्तिः शशाङ्कविमला शमनस्वसृसम्मता।
शमा शमनमार्गघ्नी शितिकण्ठमहाप्रिया॥ १५७॥
शुचिः शुचिकरी शेषा शेषशायिपदोद्भवा।
श्रीनिवासश्रुतिः श्रद्धा श्रीमती श्रीः शुभव्रता॥ १५८॥
शुद्धविद्या शुभावर्ता श्रुतानन्दा श्रुतिस्तुतिः।
शिवेतरघ्नी शबरी शाम्बरीरूपधारिणी॥ १५९॥

श्मशानशोधनी शान्ता शश्वच्छतधृतिस्तुता।
शालिनी शालिशोभाढ्या शिखिवाहनगर्भभृत्॥ १६०॥
शंसनीयचरित्रा च शातिताशेषपातका।
षड्गुणैश्वर्यसम्पन्ना षडङ्गश्रुतिरूपिणी॥ १६१॥
षण्ढताहारिसलिला स्त्यायन्नदनदीशता।
सरिद्वरा च सुरसा सुप्रभा सुरदीर्घिका॥ १६२॥
स्वःसिन्धुः सर्वदुःखघ्नी सर्वव्याधिमहौषधम्।
सेव्या सिद्धिः सती सूक्तिः स्कन्दसूश्च सरस्वती॥ १६३॥
सम्पत्तरङ्गिणी स्तुत्या स्थाणुमौलिकृतालया।
स्थैर्यदा सुभगा सौख्या स्त्रीषु सौभाग्यदायिनी॥ १६४॥
स्वर्गनिःश्रेणिका सूक्ष्मा स्वधा स्वाहा सुधाजला।
समुद्ररूपिणी स्वर्ग्या सर्वपातकवैरिणी॥ १६५॥
स्मृताघहारिणी सीता संसाराब्धितरङ्गिका।
सौभाग्यसुन्दरी संध्या सर्वसारसमन्विता॥ १६६॥
हरप्रिया हृषीकेशी हंसरूपा हिरणमयी।
हृताघसंघा हितकृद्धेला हेलाघगर्वहृत्॥ १६७॥
क्षेमदा क्षालिताघौघा क्षुद्रविद्राविणी क्षमा।

॥ फलश्रुतिः ॥

इति नाम सहस्रं हि गङ्गायाः कलशोद्भव।
कीर्तयित्वा नरः सम्यग्गङ्गास्नानफलं लभेत्॥ १६८॥
सर्वपापप्रशमनं सर्वविघ्नविनाशनम्।
सर्वस्तोत्रजपाच्छ्रेष्ठं सर्वपावनपावनम्॥ १६९॥
श्रद्धयाभीष्टफलदं चतुर्वर्गसमृद्धिकृत्।
सकृज्जपादवाप्नोति ह्येकक्रतुफलं मुने॥ १७०॥

सर्वतीर्थेषु यः स्नातः सर्वयज्ञेषु दीक्षितः।
तस्य यत्फलमुद्दिष्टं त्रिकालपठनाच्च तत्॥ १७१॥
सर्वव्रतेषु यत्पुण्यं सम्यक्चीर्णेषु वाडव।
तत्फलं समवाप्नोति त्रिसंध्यं नियतः पठन्॥ १७२॥
स्नानकाले पठेद्यस्तु यत्र कुत्र जलाशये।
तत्र संनिहिता नूनं गङ्गा त्रिपथगा मुने॥ १७३॥
श्रेयोऽर्थी लभते श्रेयो धनार्थी लभते धनम्।
कामी कामानवाप्नोति मोक्षार्थी मोक्षमाप्नुयात्॥ १७४॥
वर्षं त्रिकालपठनाच्छ्रद्धया शुचिमानसः।
ऋतुकालाभिगमनादपुत्रः पुत्रवान् भवेत्॥ १७५॥
नाकालमरणं तस्य नाग्निचोराहिसाध्वसम्।
नाम्नां सहस्रं गङ्गाया यो जपेच्छ्रद्धया मुने॥ १७६॥
गङ्गानामसहस्रं तु जप्त्वा ग्रामान्तरं व्रजेत्।
कार्यसिद्धिमवाप्नोति निर्विघ्नो गेहमाविशेत्॥ १७७॥
तिथिवारर्क्षयोगानां न दोषः प्रभवेत्तदा।
यदा जप्त्वा व्रजेदेतत् स्तोत्रं ग्रामान्तरं नरः॥ १७८॥
आयुरारोग्यजननं सर्वोपद्रवनाशनम्।
सर्वसिद्धिकरं पुंसां गङ्गानामसहस्रकम्॥ १७९॥
जन्मान्तरसहस्रेषु यत्पापं सम्यगर्जितम्।
गङ्गानामसहस्रस्य जपनात् तत्क्षयं व्रजेत्॥ १८०॥
ब्रह्मघ्नो मद्यपः स्वर्णस्तेयी च गुरुतल्पगः।
तत्संयोगी भ्रूणहन्ता मातृहा पितृहा मुने॥ १८१॥

विश्वासघाती गरदः कृतघ्नो मित्रघातकः।
अग्निदो गोवधकरो गुरुद्रव्यापहारकः॥ १८२॥
महापातकयुक्तोऽपि संयुक्तोऽप्युपपातकैः।
मुच्यते श्रद्धया जप्त्वा गङ्गानामसहस्रकम्॥ १८३॥
आधिव्याधिपरिक्षिप्तो घोरतापपरिप्लुतः।
मुच्यते सर्वदुःखेभ्यः स्तवस्यास्यानुकीर्तनात्॥ १८४॥
संवत्सरेण युक्तात्मा पठन् भक्तिपरायणः।
अभीप्सितां लभेत् सिद्धिं सर्वैः पापैः प्रमुच्यते॥ १८५॥
संशयाविष्टचित्तस्य धर्मविद्वेषिणोऽपि च।
दाम्भिकस्यापि हिंस्रस्य चेतो धर्मपरं भवेत्॥ १८६॥
वर्णाश्रमपथीनस्तु कामक्रोधविवर्जितः।
यत्फलं लभते ज्ञानी तदाप्नोत्यस्य कीर्तनात्॥ १८७॥
गायत्र्ययुतजप्येन यत्फलं समुपार्जितम्।
सकृत् पठनतः सम्यक् तदशेषमवाप्नुयात्॥ १८८॥
गां दत्त्वा वेदविदुषे यत्फलं लभते कृती।
तत्पुण्यं सम्यगाख्यातं स्तवराजसकृज्जपात्॥ १८९॥
गुरुशुश्रूषणं कुर्वन् यावज्जीवं नरोत्तमः।
यत्पुण्यमर्जयेत् तद्भाग्वर्षं त्रिषवणं जपन्॥ १९०॥
वेदपारायणात् पुण्यं यदत्र परिपठ्यते।
तत्षणमासेन लभते त्रिसंध्यं परिकीर्तनात्॥ १९१॥
गङ्गायाः स्तवराजस्य प्रत्यहं परिशीलनात्।
शिवभक्तिमवाप्नोति विष्णुभक्तोऽथवा भवेत्॥ १९२॥

यः कीर्तयेदनुदिनं गङ्गानामसहस्रकम्।
तत्समीपे सहचरी गङ्गादेवी सदा भवेत्॥ १९३॥
सर्वत्र पूज्यो भवति सर्वत्र विजयी भवेत्।
सर्वत्र सुखमाप्नोति जाह्नवीस्तोत्रपाठतः॥ १९४॥
सदाचारी स विज्ञेयः स शुचिस्तु सदैव हि।
कृतसर्वसुरार्चः स कीर्तयेद्य इमां स्तुतिम्॥ १९५॥
तस्मिंस्तृप्ते भवेत् तृप्ता जाह्नवी नात्र संशयः।
तस्मात् सर्वप्रयत्नेन गङ्गाभक्तं समर्चयेत्॥ १९६॥
स्तवराजमिमं गाङ्गं शृणुयाद्यश्च वै पठेत्।
श्रावयेदथ तद्भक्तान् दम्भलोभविवर्जितः॥ १९७॥
मुच्यते त्रिविधैः पापैर्मनोवाक्कायसम्भवैः।
क्षणान्निष्पापतामेति पितॄणां च प्रियो भवेत्॥ १९८॥
सर्वदेवप्रियश्चापि सर्वर्षिगणसम्मतः।
अन्ते विमानमारुह्य दिव्यस्त्रीशतसंवृतः॥ १९९॥
दिव्याभरणसम्पन्नो दिव्यभोगसमन्वितः।
नन्दनादिवने स्वैरं देववत् स प्रमोदते॥ २००॥
भुज्यमानेषु विप्रेषु श्राद्धकाले विशेषतः।
जपन्निदं महास्तोत्रं पितॄणां तृप्तिकारकम्॥ २०१॥
यावन्ति तत्र सिक्थानि यावन्तोऽम्बुकणाः स्थिताः।
तावन्त्येव हि वर्षाणि मोदन्ते स्वपितामहाः॥ २०२॥
यथा पितरः प्रीणन्ति गङ्गायां पिण्डदानतः।
तथैव तृप्नुयुः श्राद्धे स्तवस्यास्यानुसंश्रवात्॥ २०३॥

एतत्स्तोत्रं गृहे यस्य लिखितं परिपूज्यते।
तत्र पापभयं नास्ति शुचि तद्भवनं सदा॥ २०४॥
अगस्त्य किं बहूक्तेन शृणु मे निश्चितं वचः।
संशयो नात्र कर्तव्यः संदेग्धरि फलं नहि॥ २०५॥
यावन्ति मर्त्ये स्तोत्राणि मन्त्रजालान्यनेकशः।
तावन्ति स्तवराजस्य गाङ्गेयस्य समानि न॥ २०६॥
यावज्जन्म जपेद्यस्तु नाम्नामेतत्सहस्रकम्।
स कीकटेष्वपि मृतो न पुनर्गर्भमाविशेत्॥ २०७॥
नित्यं नियमवानेतद् यो जपेत् स्तोत्रमुत्तमम्।
अन्यत्रापि विपन्नः स गङ्गातीरे मृतो भवेत्॥ २०८॥
एतत्स्तोत्रवरं रम्यं पुरा प्रोक्तं पिनाकिना।
विष्णवे निजभक्ताय मुक्तिबीजाक्षरास्पदम्॥ २०९॥
गङ्गास्नानप्रतिनिधिं स्तोत्रमेतन्मयेरितम्।
सिस्नासुर्जाह्नवीं तस्मादेतत् स्तोत्रं जपेत् सुधीः॥ २१०॥

॥ इति श्रीस्कन्दपुराणे काशीखण्डे पूर्वार्धे श्रीगङ्गासहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीगङ्गासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ ओंकाररूपिण्यै नमः ।
२ ॐ अजरायै नमः ।
३ ॐ अतुलायै नमः ।
४ ॐ अनन्तायै नमः ।
५ ॐ अमृतस्त्रवायै नमः ।
६ ॐ अत्युदारायै नमः ।
७ ॐ अभयायै नमः ।
८ ॐ अशोकायै नमः ।
९ ॐ अलकनन्दायै नमः ।
१० ॐ अमृतायै नमः ।
११ ॐ अमलायै नमः ।
१२ ॐ अनाथवत्सलायै नमः ।
१३ ॐ अमोघायै नमः ।
१४ ॐ अपांयोन्यै नमः ।
१५ ॐ अमृतप्रदायै नमः ।
१६ ॐ अव्यक्तलक्षणायै नमः ।
१७ ॐ अक्षोभ्यायै नमः ।
१८ ॐ अनवच्छिन्नायै नमः ।
१९ ॐ अपरस्यै नमः ।
२० ॐ अजितायै नमः ।
२१ ॐ अनाथनाथायै नमः ।
२२ ॐ अभीष्टार्थसिद्धिदायै नमः ।
२३ ॐ अनङ्गवर्धिन्यै नमः ।
२४ ॐ अणिमादिगुणायै नमः ।
२५ ॐ आधारायै नमः ।
२६ ॐ अग्रगण्यायै नमः ।
२७ ॐ अलीकहारिण्यै नमः ।
२८ ॐ अचिन्त्यशक्त्यै नमः ।
२९ ॐ अनघायै नमः ।
३० ॐ अद्भुतरूपायै नमः ।
३१ ॐ अघहारिण्यै नमः ।
३२ ॐ अद्रिराजसुतायै नमः ।
३३ ॐ अष्टाङ्गयोगसिद्धिप्रदायै नमः ।
३४ ॐ अच्युतायै नमः ।
३५ ॐ अक्षुण्णशक्त्यै नमः ।
३६ ॐ असुदायै नमः ।
३७ ॐ अनन्ततीर्थायै नमः ।
३८ ॐ अमृतोदकायै नमः ।
३९ ॐ अनन्तमहिमायै नमः ।
४० ॐ अपारायै नमः ।
४१ ॐ अनन्तसौख्यप्रदायै नमः ।
४२ ॐ अन्नदायै नमः ।
४३ ॐ अशेषदेवतामूर्त्यै नमः ।
४४ ॐ अघोरायै नमः ।
४५ ॐ अमृतरूपिण्यै नमः ।
४६ ॐ अविद्याजालशमन्यै नमः ।
४७ ॐ अप्रतर्क्यगतिप्रदायै नमः ।
४८ ॐ अशेषविघ्नसंहर्त्र्यै नमः ।

४९ ॐ अशेषगुणगुम्फितायै नमः।
५० ॐ अज्ञानतिमिरज्योतिषे नमः।
५१ ॐ अनुग्रहपरायणायै नमः।
५२ ॐ अभिरामायै नमः।
५३ ॐ अनवद्याङ्ग्यै नमः।
५४ ॐ अनन्तसारायै नमः।
५५ ॐ अकलङ्किन्यै नमः।
५६ ॐ आरोग्यदायै नमः।
५७ ॐ आनन्दवल्ल्यै नमः।
५८ ॐ आपन्नार्तिविनाशिन्यै नमः।
५९ ॐ आश्चर्यमूर्त्यै नमः।
६० ॐ आयुष्यायै नमः।
६१ ॐ आढ्यायै नमः।
६२ ॐ आद्यायै नमः।
६३ ॐ आप्रायै नमः।
६४ ॐ आर्यसेवितायै नमः।
६५ ॐ आप्यायिन्यै नमः।
६६ ॐ आप्तविद्यायै नमः।
६७ ॐ आख्यायै नमः।
६८ ॐ आनन्दायै नमः।
६९ ॐ आश्वासदायिन्यै नमः।
७० ॐ आलस्यघ्न्यै नमः।
७१ ॐ आपदां हन्त्र्यै नमः।
७२ ॐ आनन्दामृतवर्षिण्यै नमः।
७३ ॐ इरावत्यै नमः।
७४ ॐ इष्टदात्र्यै नमः।
७५ ॐ इष्टायै नमः।
७६ ॐ इष्टापूर्तफलप्रदायै नमः।
७७ ॐ इतिहासश्रुतीड्यार्थायै नमः।
७८ ॐ इहामुत्रशुभप्रदायै नमः।
७९ ॐ इज्याशीलसमिज्ज्येष्ठायै नमः।
८० ॐ इन्द्रादिपरिवन्दितायै नमः।
८१ ॐ इलालङ्कारमालायै नमः।
८२ ॐ इद्धायै नमः।
८३ ॐ इन्दिरायै नमः।
८४ ॐ रम्यमन्दिरायै नमः।
८५ ॐ इदिन्दिरादिसंसेव्यायै नमः।
८६ ॐ ईश्वर्यै नमः।
८७ ॐ ईश्वरवल्लभायै नमः।
८८ ॐ ईतिभीतिहरायै नमः।
८९ ॐ ईड्यायै नमः।
९० ॐ ईडनीयचरित्रभृते नमः।
९१ ॐ उत्कृष्टशक्त्यै नमः।
९२ ॐ उत्कृष्टायै नमः।
९३ ॐ उडुपमण्डलचारिण्यै नमः।
९४ ॐ उदिताम्बरमार्गायै नमः।
९५ ॐ उस्रायै नमः।
९६ ॐ उरगलोकविहारिण्यै नमः।
९७ ॐ उक्षायै नमः।
९८ ॐ उर्वरायै नमः।
९९ ॐ उत्पलायै नमः।
१०० ॐ उत्कुम्भायै नमः।
१०१ ॐ उपेन्द्रचरणद्रवायै नमः।
१०२ ॐ उदन्वत्पूर्तिहेतवे नमः।
१०३ ॐ उदारायै नमः।
१०४ ॐ उत्साहप्रवर्धिन्यै नमः।

१०५ ॐ उद्वेगघ्न्यै नमः।
१०६ ॐ उष्णाशमन्यै नमः।
१०७ ॐ उष्णरश्मिसुताप्रियायै नमः।
१०८ ॐ उत्पत्तिस्थितिसंहारकारिण्यै नमः।
१०९ ॐ उपरिचारिण्यै नमः।
११० ॐ ऊर्जं वहन्त्यै नमः।
१११ ॐ ऊर्जधरायै नमः।
११२ ॐ ऊर्जावत्यै नमः।
११३ ॐ ऊर्मिमालिन्यै नमः।
११४ ॐ ऊर्ध्वरेतःप्रियायै नमः।
११५ ॐ ऊर्ध्वाध्वायै नमः।
११६ ॐ ऊर्मिलायै नमः।
११७ ॐ ऊर्ध्वगतिप्रदायै नमः।
११८ ॐ ऋषिवृन्दस्तुतायै नमः।
११९ ॐ ऋद्ध्यै नमः।
१२० ॐ ऋणत्रयविनाशिन्यै नमः।
१२१ ॐ ऋतम्भरायै नमः।
१२२ ॐ ऋद्धिदात्र्यै नमः।
१२३ ॐ ऋक्स्वरूपायै नमः।
१२४ ॐ ऋजुप्रियायै नमः।
१२५ ॐ ऋक्षमार्गवहायै नमः।
१२६ ॐ ऋक्षार्चिषे नमः।
१२७ ॐ ऋजुमार्गप्रदर्शिन्यै नमः।
१२८ ॐ एधिताखिलधर्मार्थायै नमः।
१२९ ॐ एकस्यै नमः।
१३० ॐ एकामृतदायिन्यै नमः।
१३१ ॐ एधनीयस्वभावायै नमः।
१३२ ॐ एज्यायै नमः।
१३३ ॐ एजिताशेषपातकायै नमः।
१३४ ॐ ऐश्वर्यदायै नमः।
१३५ ॐ ऐश्वर्यरूपायै नमः।
१३६ ॐ ऐतिह्याय नमः।
१३७ ॐ ऐन्दवीद्युत्यै नमः।
१३८ ॐ ओजस्विन्यै नमः।
१३९ ॐ ओषधीक्षेत्राय नमः।
१४० ॐ ओजोदायै नमः।
१४१ ॐ ओदनदायिन्यै नमः।
१४२ ॐ ओष्ठामृतायै नमः।
१४३ ॐ औन्नत्यदात्र्यै नमः।
१४४ ॐ भवरोगिणामौषधाय नमः।
१४५ ॐ औदार्यचञ्चुरायै नमः।
१४६ ॐ औपेन्द्र्यै नमः।
१४७ ॐ औग्र्यै नमः।
१४८ ॐ औमेयरूपिण्यै नमः।
१४९ ॐ अम्बराध्ववहायै नमः।
१५० ॐ अम्बष्ठायै नमः।
१५१ ॐ अम्बरमालायै नमः।
१५२ ॐ अम्बुजेक्षणायै नमः।
१५३ ॐ अम्बिकायै नमः।
१५४ ॐ अम्बुमहायोन्यै नमः।
१५५ ॐ अन्धोदायै नमः।
१५६ ॐ अन्धकहारिण्यै नमः।
१५७ ॐ अंशुमालायै नमः।
१५८ ॐ अंशुमत्यै नमः।
१५९ ॐ अङ्गीकृतषडाननायै नमः।
१६० ॐ अन्धतामिस्त्रहन्त्र्यै नमः।

१६१ ॐ अन्धवे नमः।
१६२ ॐ अञ्जनायै नमः।
१६३ ॐ अञ्जनावत्यै नमः।
१६४ ॐ कल्याणकारिण्यै नमः।
१६५ ॐ काम्यायै नमः।
१६६ ॐ कमलोत्पलगन्धिन्यै नमः।
१६७ ॐ कुमुद्वत्यै नमः।
१६८ ॐ कमलिन्यै नमः।
१६९ ॐ कान्त्यै नमः।
१७० ॐ कल्पितदायिन्यै नमः।
१७१ ॐ काञ्चनाक्ष्यै नमः।
१७२ ॐ कामधेन्वै नमः।
१७३ ॐ कीर्तिकृते नमः।
१७४ ॐ क्लेशनाशिन्यै नमः।
१७५ ॐ क्रतुश्रेष्ठायै नमः।
१७६ ॐ क्रतुफलायै नमः।
१७७ ॐ कर्मबन्धविभेदिन्यै नमः।
१७८ ॐ कमलाक्ष्यै नमः।
१७९ ॐ क्लमहरायै नमः।
१८० ॐ कृशानुतपनद्युत्यै नमः।
१८१ ॐ करुणार्द्रायै नमः।
१८२ ॐ कल्याण्यै नमः।
१८३ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
१८४ ॐ कामरूपायै नमः।
१८५ ॐ क्रियाशक्त्यै नमः।
१८६ ॐ कमलोत्पलमालिन्यै नमः।
१८७ ॐ कूटस्थायै नमः।
१८८ ॐ करुणायै नमः।
१८९ ॐ कान्तायै नमः।
१९० ॐ कूर्मयानायै नमः।
१९१ ॐ कलावत्यै नमः।
१९२ ॐ कमलायै नमः।
१९३ ॐ कल्पलतिकायै नमः।
१९४ ॐ काल्यै नमः।
१९५ ॐ कलुषवैरिण्यै नमः।
१९६ ॐ कमनीयजलायै नमः।
१९७ ॐ कम्रायै नमः।
१९८ ॐ कपर्दिसुकपर्दगायै नमः।
१९९ ॐ कालकूटप्रशमन्यै नमः।
२०० ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः।
२०१ ॐ कालिन्द्यै नमः।
२०२ ॐ केलिललितायै नमः।
२०३ ॐ कलकल्लोलमालिकायै नमः।
२०४ ॐ क्रान्तलोकत्रयायै नमः।
२०५ ॐ कण्ड्वै नमः।
२०६ ॐ कण्डूतनयवत्सलायै नमः।
२०७ ॐ खड्गिन्यै नमः।
२०८ ॐ खड्गधाराभायै नमः।
२०९ ॐ खगायै नमः।
२१० ॐ खण्डेन्दुधारिण्यै नमः।
२११ ॐ खेखेलगामिन्यै नमः।
२१२ ॐ खस्थायै नमः।
२१३ ॐ खण्डेन्दुतिलकप्रियायै नमः।
२१४ ॐ खेचर्यै नमः।
२१५ ॐ खेचरीवन्द्यायै नमः।
२१६ ॐ ख्यात्यै नमः।

२१७ ॐ ख्यातिप्रदायिन्यै नमः।
२१८ ॐ खण्डितप्रणताघौघायै नमः।
२१९ ॐ खलबुद्धिविनाशिन्यै नमः।
२२० ॐ खातैनःकंदसंदोहायै नमः।
२२१ ॐ खड्गखट्वाङ्गखेटिन्यै नमः।
२२२ ॐ खरसंतापशमन्यै नमः।
२२३ ॐ पीयूषपाथसां खन्यै नमः।
२२४ ॐ गङ्गायै नमः।
२२५ ॐ गन्धवत्यै नमः।
२२६ ॐ गौर्यै नमः।
२२७ ॐ गन्धर्वनगरप्रियायै नमः।
२२८ ॐ गम्भीराङ्ग्यै नमः।
२२९ ॐ गुणमय्यै नमः।
२३० ॐ गतातङ्कायै नमः।
२३१ ॐ गतिप्रियायै नमः।
२३२ ॐ गणनाथाम्बिकायै नमः।
२३३ ॐ गीतायै नमः।
२३४ ॐ गद्यपद्यपरिष्टुतायै नमः।
२३५ ॐ गान्धार्यै नमः।
२३६ ॐ गर्भशमन्यै नमः।
२३७ ॐ गतिभ्रष्टगतिप्रदायै नमः।
२३८ ॐ गोमत्यै नमः।
२३९ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
२४० ॐ गवे नमः।
२४१ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
२४२ ॐ गगनगामिन्यै नमः।
२४३ ॐ गोत्रप्रवर्धिन्यै नमः।
२४४ ॐ गुण्यायै नमः।
२४५ ॐ गुणातीतायै नमः।
२४६ ॐ गुणाग्रण्यै नमः।
२४७ ॐ गुहाम्बिकायै नमः।
२४८ ॐ गिरिसुतायै नमः।
२४९ ॐ गोविन्दाङ्घ्रिसमुद्भवायै नमः।
२५० ॐ गुणनीयचरित्रायै नमः।
२५१ ॐ गायत्र्यै नमः।
२५२ ॐ गिरिशप्रियायै नमः।
२५३ ॐ गूढरूपायै नमः।
२५४ ॐ गुणवत्यै नमः।
२५५ ॐ गुर्व्यै नमः।
२५६ ॐ गौरववर्धिन्यै नमः।
२५७ ॐ ग्रहपीडाहरायै नमः।
२५८ ॐ गुंद्रायै नमः।
२५९ ॐ गरघ्न्यै नमः।
२६० ॐ गानवत्सलायै नमः।
२६१ ॐ घर्महन्त्र्यै नमः।
२६२ ॐ घृतवत्यै नमः।
२६३ ॐ घृततुष्टिप्रदायिन्यै नमः।
२६४ ॐ घण्टारवप्रियायै नमः।
२६५ ॐ घोराघौघविध्वंसकारिण्यै नमः।
२६६ ॐ घ्राणतुष्टिकर्यै नमः।
२६७ ॐ घोषायै नमः।
२६८ ॐ घनानन्दायै नमः।
२६९ ॐ घनप्रियायै नमः।
२७० ॐ घातुकायै नमः।
२७१ ॐ घूर्णितजलायै नमः।
२७२ ॐ घृष्टपातकसंतत्यै नमः।

२७३ ॐ घटकोटिप्रपीतापायै नमः।
२७४ ॐ घटिताशेषमङ्गलायै नमः।
२७५ ॐ घृणावत्यै नमः।
२७६ ॐ घृणिनिध्यै नमः।
२७७ ॐ घस्मरायै नमः।
२७८ ॐ घूकनादिन्यै नमः।
२७९ ॐ घुसृणापिञ्जरतन्वै नमः।
२८० ॐ घर्घरायै नमः।
२८१ ॐ घर्घरस्वनायै नमः।
२८२ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
२८३ ॐ चन्द्रकान्ताम्बवे नमः।
२८४ ॐ चञ्चदापायै नमः।
२८५ ॐ चलद्युत्यै नमः।
२८६ ॐ चिन्मय्यै नमः।
२८७ ॐ चितिरूपायै नमः।
२८८ ॐ चन्द्रायुतशताननायै नमः।
२८९ ॐ चाम्पेयलोचनायै नमः।
२९० ॐ चार्वै नमः।
२९१ ॐ चार्वङ्ग्यै नमः।
२९२ ॐ चारुगामिन्यै नमः।
२९३ ॐ चार्यायै नमः।
२९४ ॐ चारित्रनिलयायै नमः।
२९५ ॐ चित्रकृते नमः।
२९६ ॐ चित्ररूपिण्यै नमः।
२९७ ॐ चम्वै नमः।
२९८ ॐ चन्दनशुच्यम्बवे नमः।
२९९ ॐ चर्चनीयायै नमः।
३०० ॐ चिरस्थिरायै नमः।
३०१ ॐ चारुचम्पकमालाढ्यायै नमः।
३०२ ॐ चमिताशेषदुष्कृतायै नमः।
३०३ ॐ चिदाकाशवहायै नमः।
३०४ ॐ चिन्त्यायै नमः।
३०५ ॐ चञ्चवे नमः।
३०६ ॐ चामरवीजितायै नमः।
३०७ ॐ चोरिताशेषवृजिनायै नमः।
३०८ ॐ चरिताशेषमण्डलायै नमः।
३०९ ॐ छेदिताखिलपापौघायै नमः।
३१० ॐ छद्मघ्न्यै नमः।
३११ ॐ छलहारिण्यै नमः।
३१२ ॐ छन्नत्रिविष्टपतलायै नमः।
३१३ ॐ छोटिताशेषबन्धनायै नमः।
३१४ ॐ छुरितामृतधारौघायै नमः।
३१५ ॐ छिन्नैनसे नमः।
३१६ ॐ छन्दगामिन्यै नमः।
३१७ ॐ छत्रीकृतमरालौघायै नमः।
३१८ ॐ छटीकृतनिजामृतायै नमः।
३१९ ॐ जाह्नव्यै नमः।
३२० ॐ ज्यायै नमः।
३२१ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३२२ ॐ जप्यायै नमः।
३२३ ॐ जङ्घालवीचिकायै नमः।
३२४ ॐ जयायै नमः।
३२५ ॐ जनार्दनप्रीतायै नमः।
३२६ ॐ जुषणीयायै नमः।
३२७ ॐ जगद्धितायै नमः।
३२८ ॐ जीवनाय नमः।

३२९ ॐ जीवनप्राणायै नमः।
३३० ॐ जगते नमः।
३३१ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
३३२ ॐ जगन्मय्यै नमः।
३३३ ॐ जीवजीवातुलतिकायै नमः।
३३४ ॐ जन्मिजन्मनिबर्हिण्यै नमः।
३३५ ॐ जाड्यविध्वंसनकर्यै नमः।
३३६ ॐ जगद्योन्यै नमः।
३३७ ॐ जलाविलायै नमः।
३३८ ॐ जगदानन्दजनन्यै नमः।
३३९ ॐ जलजायै नमः।
३४० ॐ जलजेक्षणायै नमः।
३४१ ॐ जनलोचनपीयूषायै नमः।
३४२ ॐ जटातटविहारिण्यै नमः।
३४३ ॐ जयन्त्यै नमः।
३४४ ॐ जंजपूकघ्न्यै नमः।
३४५ ॐ जनितज्ञानविग्रहायै नमः।
३४६ ॐ झल्लरीवाद्यकुशलायै नमः।
३४७ ॐ झलज्झालजलावृतायै नमः।
३४८ ॐ झिण्टीशवन्द्यायै नमः।
३४९ ॐ झंकारकारिण्यै नमः।
३५० ॐ झर्झरावत्यै नमः।
३५१ ॐ टीकिताशेषपातालायै नमः।
३५२ ॐ टङ्किकैनोऽद्रिपाटनायै नमः।
३५३ ॐ टंकारनृत्यत्कल्लोलायै नमः।
३५४ ॐ टीकनीयमहातटायै नमः।
३५५ ॐ डम्बरप्रवहायै नमः।
३५६ ॐ डीनराजहंसकुलाकुलायै नमः।
३५७ ॐ डमड्डुमरुहस्तायै नमः।
३५८ ॐ डामरोक्तमहाण्डकायै नमः।
३५९ ॐ ढौकिताशेषनिर्वाणायै नमः।
३६० ॐ ढक्कानादचलज्जलायै नमः।
३६१ ॐ ढुण्ढिविघ्नेशजनन्यै नमः।
३६२ ॐ ढणड्ढुणितपातकायै नमः।
३६३ ॐ तर्पण्यै नमः।
३६४ ॐ तीर्थतीर्थायै नमः।
३६५ ॐ त्रिपथायै नमः।
३६६ ॐ त्रिदशेश्वर्यै नमः।
३६७ ॐ त्रिलोकगोप्त्र्यै नमः।
३६८ ॐ तोयेश्यै नमः।
३६९ ॐ त्रैलोक्यपरिवन्दितायै नमः।
३७० ॐ तापत्रितयसंहर्त्र्यै नमः।
३७१ ॐ तेजोबलविवर्धिन्यै नमः।
३७२ ॐ त्रिलक्ष्यायै नमः।
३७३ ॐ तारण्यै नमः।
३७४ ॐ तारायै नमः।
३७५ ॐ तारापतिकरार्चितायै नमः।
३७६ ॐ त्रैलोक्यपावन्यै नमः।
३७७ ॐ पुण्यायै नमः।
३७८ ॐ तुष्टिदायै नमः।
३७९ ॐ तुष्टिरूपिण्यै नमः।
३८० ॐ तृष्णाच्छेत्र्यै नमः।
३८१ ॐ तीर्थमात्रे नमः।
३८२ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भवायै नमः।
३८३ ॐ तपोमय्यै नमः।
३८४ ॐ तपोरूपायै नमः।

३८५ ॐ तपःस्तोमफलप्रदायै नमः।
३८६ ॐ त्रैलोक्यव्यापिन्यै नमः।
३८७ ॐ तृप्त्यै नमः।
३८८ ॐ तृप्तिकृते नमः।
३८९ ॐ तत्त्वरूपिण्यै नमः।
३९० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
३९१ ॐ तुर्यायै नमः।
३९२ ॐ तुर्यातीतफलप्रदायै नमः।
३९३ ॐ त्रैलोक्यलक्ष्म्यै नमः।
३९४ ॐ त्रिपद्यै नमः।
३९५ ॐ तथ्यायै नमः।
३९६ ॐ तिमिरचन्द्रिकायै नमः।
३९७ ॐ तेजोगर्भायै नमः।
३९८ ॐ तपःसारायै नमः।
३९९ ॐ त्रिपुरारिशिरोगृहायै नमः।
४०० ॐ त्रयीस्वरूपिण्यै नमः।
४०१ ॐ तन्व्यै नमः।
४०२ ॐ तपनाङ्गजभीतिनुते नमः।
४०३ ॐ तर्यै नमः।
४०४ ॐ तरणिजामित्राय नमः।
४०५ ॐ तर्पिताशेषपूर्वजायै नमः।
४०६ ॐ तुलाविरहितायै नमः।
४०७ ॐ तीव्रपापतूलतनूनपाते नमः।
४०८ ॐ दारिद्र्यदमन्यै नमः।
४०९ ॐ दक्षायै नमः।
४१० ॐ दुष्प्रेक्षायै नमः।
४११ ॐ दिव्यमण्डनायै नमः।
४१२ ॐ दीक्षावत्यै नमः।
४१३ ॐ दुरावाप्यायै नमः।
४१४ ॐ द्राक्षामधुरवारिभृते नमः।
४१५ ॐ दर्शितानेककुतुकायै नमः।
४१६ ॐ दुष्टदुर्जयदुःखहृते नमः।
४१७ ॐ दैन्यहृते नमः।
४१८ ॐ दुरितघ्न्यै नमः।
४१९ ॐ दानवारिपदाब्जजायै नमः।
४२० ॐ दंदशूकविषघ्न्यै नमः।
४२१ ॐ दारिताघौघसंतत्यै नमः।
४२२ ॐ द्रुतायै नमः।
४२३ ॐ देवद्रुमच्छन्नायै नमः।
४२४ ॐ दुर्वाराघविघातिन्यै नमः।
४२५ ॐ दमग्राह्यायै नमः।
४२६ ॐ देवमात्रे नमः।
४२७ ॐ देवलोकप्रदर्शिन्यै नमः।
४२८ ॐ देवदेवप्रियायै नमः।
४२९ ॐ देव्यै नमः।
४३० ॐ दिक्पालपददायिन्यै नमः।
४३१ ॐ दीर्घायुःकारिण्यै नमः।
४३२ ॐ दीर्घायै नमः।
४३३ ॐ दोग्ध्र्यै नमः।
४३४ ॐ दूषणवर्जितायै नमः।
४३५ ॐ दुग्धाम्बुवाहिन्यै नमः।
४३६ ॐ दोह्यायै नमः।
४३७ ॐ दिव्यायै नमः।
४३८ ॐ दिव्यगतिप्रदायै नमः।
४३९ ॐ द्युनद्यै नमः।
४४० ॐ दीनशरणाय नमः।

४४१ ॐ देहिदेहनिवारिण्यै नमः।
४४२ ॐ द्राघीयस्यै नमः।
४४३ ॐ दाघहन्त्र्यै नमः।
४४४ ॐ दितपातकसंतत्यै नमः।
४४५ ॐ दूरदेशान्तरचर्यै नमः।
४४६ ॐ दुर्गमायै नमः।
४४७ ॐ देववल्लभायै नमः।
४४८ ॐ दुर्वृत्तघ्न्यै नमः।
४४९ ॐ दुर्विगाह्यायै नमः।
४५० ॐ दयाधारायै नमः।
४५१ ॐ दयावत्यै नमः।
४५२ ॐ दुरासदायै नमः।
४५३ ॐ दानशीलायै नमः।
४५४ ॐ द्राविण्यै नमः।
४५५ ॐ द्रुहिणस्तुतायै नमः।
४५६ ॐ दैत्यदानवसंशुद्धिकर्त्र्यै नमः।
४५७ ॐ दुर्बुद्धिहारिण्यै नमः।
४५८ ॐ दानसारायै नमः।
४५९ ॐ दयासारायै नमः।
४६० ॐ द्यावाभूमिविगाहिन्यै नमः।
४६१ ॐ दृष्टादृष्टफलप्राप्त्यै नमः।
४६२ ॐ देवतावृन्दवन्दितायै नमः।
४६३ ॐ दीर्घव्रतायै नमः।
४६४ ॐ दीर्घदृष्ट्यै नमः।
४६५ ॐ दीप्ततोयायै नमः।
४६६ ॐ दुरालभायै नमः।
४६७ ॐ दण्डयित्र्यै नमः।
४६८ ॐ दण्डनीत्यै नमः।
४६९ ॐ दुष्टदण्डधरार्चितायै नमः।
४७० ॐ दुरोदरघ्न्यै नमः।
४७१ ॐ दावार्चिषे नमः।
४७२ ॐ द्रवते नमः।
४७३ ॐ द्रव्यैकशेवध्यै नमः।
४७४ ॐ दीनसंतापशमन्यै नमः।
४७५ ॐ दात्र्यै नमः।
४७६ ॐ दवथुवैरिण्यै नमः।
४७७ ॐ दरीविदारणपरायै नमः।
४७८ ॐ दान्तायै नमः।
४७९ ॐ दान्तजनप्रियायै नमः।
४८० ॐ दारिताद्रितटायै नमः।
४८१ ॐ दुर्गायै नमः।
४८२ ॐ दुर्गारण्यप्रचारिण्यै नमः।
४८३ ॐ धर्मद्रवायै नमः।
४८४ ॐ धर्मधुरायै नमः।
४८५ ॐ धेन्वै नमः।
४८६ ॐ धीरायै नमः।
४८७ ॐ धृत्यै नमः।
४८८ ॐ ध्रुवायै नमः।
४८९ ॐ धेनुदानफलस्पर्शायै नमः।
४९० ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
४९१ ॐ धर्मोर्मिवाहिन्यै नमः।
४९२ ॐ धुर्यायै नमः।
४९३ ॐ धात्र्यै नमः।
४९४ ॐ धात्रीविभूषणाय नमः।
४९५ ॐ धर्मिण्यै नमः।
४९६ ॐ धर्मशीलायै नमः।

४९७ ॐ धन्विकोटिकृतावनायै नमः।
४९८ ॐ ध्यातृपापहरायै नमः।
४९९ ॐ ध्येयायै नमः।
५०० ॐ धावन्यै नमः।
५०१ ॐ धूतकल्मषायै नमः।
५०२ ॐ धर्मधारायै नमः।
५०३ ॐ धर्मसारायै नमः।
५०४ ॐ धनदायै नमः।
५०५ ॐ धनवर्धिन्यै नमः।
५०६ ॐ धर्माधर्मगुणच्छेत्र्यै नमः।
५०७ ॐ धत्तूरकुसुमप्रियायै नमः।
५०८ ॐ धर्मेश्यै नमः।
५०९ ॐ धर्मशास्त्रज्ञायै नमः।
५१० ॐ धनधान्यसमृद्धिकृते नमः।
५११ ॐ धर्मलभ्यायै नमः।
५१२ ॐ धर्मजलायै नमः।
५१३ ॐ धर्मप्रसवधर्मिण्यै नमः।
५१४ ॐ ध्यानगम्यस्वरूपायै नमः।
५१५ ॐ धरण्यै नमः।
५१६ ॐ धातृपूजितायै नमः।
५१७ ॐ ध्वै नमः।
५१८ ॐ धूर्जटिजटासंस्थायै नमः।
५१९ ॐ धन्यायै नमः।
५२० ॐ धियै नमः।
५२१ ॐ धारणावत्यै नमः।
५२२ ॐ नन्दायै नमः।
५२३ ॐ निर्वाणजनन्यै नमः।
५२४ ॐ नन्दिन्यै नमः।
५२५ ॐ नुन्नपातकायै नमः।
५२६ ॐ निषिद्धविघ्ननिचयायै नमः।
५२७ ॐ निजानन्दप्रकाशिन्यै नमः।
५२८ ॐ नभोऽङ्गणचर्यै नमः।
५२९ ॐ नूत्यै नमः।
५३० ॐ नम्यायै नमः।
५३१ ॐ नारायण्यै नमः।
५३२ ॐ नुतायै नमः।
५३३ ॐ निर्मलायै नमः।
५३४ ॐ निर्मलाख्यानायै नमः।
५३५ ॐ तापसम्पदां नाशिन्यै नमः।
५३६ ॐ नियतायै नमः।
५३७ ॐ नित्यसुखदायै नमः।
५३८ ॐ नानाश्चर्यमहानिधये नमः।
५३९ ॐ नद्यै नमः।
५४० ॐ नदसरोमात्रे नमः।
५४१ ॐ नायिकायै नमः।
५४२ ॐ नाकदीर्घिकायै नमः।
५४३ ॐ नष्टोद्धरणधीरायै नमः।
५४४ ॐ नन्दनायै नमः।
५४५ ॐ नन्ददायिन्यै नमः।
५४६ ॐ निर्णिक्ताशेषभुवनायै नमः।
५४७ ॐ निःसङ्गायै नमः।
५४८ ॐ निरुपद्रवायै नमः।
५४९ ॐ निरालम्बायै नमः।
५५० ॐ निष्प्रपञ्चायै नमः।
५५१ ॐ निर्णाशितमहामलायै नमः।
५५२ ॐ निर्मलज्ञानजनन्यै नमः।

५५३ ॐ निःशेषप्राणितापहृते नमः।
५५४ ॐ नित्योत्सवायै नमः।
५५५ ॐ नित्यतृप्तायै नमः।
५५६ ॐ नमस्कार्यायै नमः।
५५७ ॐ निरञ्जनायै नमः।
५५८ ॐ निष्ठावत्यै नमः।
५५९ ॐ निरातङ्कायै नमः।
५६० ॐ निर्लेपायै नमः।
५६१ ॐ निश्चलात्मिकायै नमः।
५६२ ॐ निरवद्यायै नमः।
५६३ ॐ निरीहायै नमः।
५६४ ॐ नीललोहितमूर्द्धगायै नमः।
५६५ ॐ नन्दिभृङ्गिगणस्तुत्यायै नमः।
५६६ ॐ नागायै नमः।
५६७ ॐ नन्दायै नमः।
५६८ ॐ नगात्मजायै नमः।
५६९ ॐ निष्प्रत्यूहायै नमः।
५७० ॐ नाकनद्यै नमः।
५७१ ॐ निरयार्णवदीर्घनावे नमः।
५७२ ॐ पुण्यप्रदायै नमः।
५७३ ॐ पुण्यगर्भायै नमः।
५७४ ॐ पुण्यायै नमः।
५७५ ॐ पुण्यतरङ्गिण्यै नमः।
५७६ ॐ पृथवे नमः।
५७७ ॐ पृथुफलायै नमः।
५७८ ॐ पूर्णायै नमः।
५७९ ॐ प्रणतार्तिप्रभञ्जन्यै नमः।
५८० ॐ प्राणदायै नमः।
५८१ ॐ प्राणिजनन्यै नमः।
५८२ ॐ प्राणेश्यै नमः।
५८३ ॐ प्राणरूपिण्यै नमः।
५८४ ॐ पद्मालयायै नमः।
५८५ ॐ पराशक्त्यै नमः।
५८६ ॐ पुरजित्परमप्रियायै नमः।
५८७ ॐ परस्यै नमः।
५८८ ॐ परफलप्राप्त्यै नमः।
५८९ ॐ पावन्यै नमः।
५९० ॐ पयस्विन्यै नमः।
५९१ ॐ परानन्दायै नमः।
५९२ ॐ प्रकृष्टार्थायै नमः।
५९३ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
५९४ ॐ पालिन्यै नमः।
५९५ ॐ परस्यै नमः।
५९६ ॐ पुराणपठितायै नमः।
५९७ ॐ प्रीतायै नमः।
५९८ ॐ प्रणवाक्षररूपिण्यै नमः।
५९९ ॐ पार्वत्यै नमः।
६०० ॐ प्रेमसम्पन्नायै नमः।
६०१ ॐ पशुपाशविमोचिन्यै नमः।
६०२ ॐ परमात्मस्वरूपायै नमः।
६०३ ॐ परब्रह्मप्रकाशिन्यै नमः।
६०४ ॐ परमानन्दनिष्पन्दायै नमः।
६०५ ॐ प्रायश्चित्तस्वरूपिण्यै नमः।
६०६ ॐ पानीयरूपनिर्वाणायै नमः।
६०७ ॐ परित्राणपरायणायै नमः।
६०८ ॐ पापेन्धनदवज्वालायै नमः।

६०९ ॐ पापारये नमः।
६१० ॐ पापनामनुते नमः।
६११ ॐ परमैश्वर्यजनन्यै नमः।
६१२ ॐ प्रज्ञायै नमः।
६१३ ॐ प्राज्ञायै नमः।
६१४ ॐ परस्यै नमः।
६१५ ॐ अपरस्यै नमः।
६१६ ॐ प्रत्यक्षलक्ष्म्यै नमः।
६१७ ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
६१८ ॐ परव्योमामृतस्त्रवायै नमः।
६१९ ॐ प्रसन्नरूपायै नमः।
६२० ॐ प्रणिध्यै नमः।
६२१ ॐ पूतायै नमः।
६२२ ॐ प्रत्यक्षदेवतायै नमः।
६२३ ॐ पिनाकिपरमप्रीतायै नमः।
६२४ ॐ परमेष्ठिकमण्डलवे नमः।
६२५ ॐ पद्मनाभपदार्घ्येण प्रसूतायै नमः।
६२६ ॐ पद्ममालिन्यै नमः।
६२७ ॐ परर्द्धिदायै नमः।
६२८ ॐ पुष्टिकर्यै नमः।
६२९ ॐ पथ्यायै नमः।
६३० ॐ पूर्त्यै नमः।
६३१ ॐ प्रभावत्यै नमः।
६३२ ॐ पुनानायै नमः।
६३३ ॐ पीतगर्भघ्न्यै नमः।
६३४ ॐ पापपर्वतनाशिन्यै नमः।
६३५ ॐ फलिन्यै नमः।
६३६ ॐ फलहस्तायै नमः।
६३७ ॐ फुल्लाम्बुजविलोचनायै नमः।
६३८ ॐ फालितैनोमहाक्षेत्रायै नमः।
६३९ ॐ फणिलोकविभूषणायै नमः।
६४० ॐ फेनच्छलप्रणुन्नैनसे नमः।
६४१ ॐ फुल्लकैरवगन्धिन्यै नमः।
६४२ ॐ फेनिलाच्छाम्बुधाराभायै नमः।
६४३ ॐ फडुच्चाटितपातकायै नमः।
६४४ ॐ फाणितस्वादुसलिलायै नमः।
६४५ ॐ फाण्टपथ्यजलाविलायै नमः।
६४६ ॐ विश्वमात्रे नमः।
६४७ ॐ विश्वेश्यै नमः।
६४८ ॐ विश्वस्यै नमः।
६४९ ॐ विश्वेश्वरप्रियायै नमः।
६५० ॐ ब्रह्मण्यायै नमः।
६५१ ॐ ब्रह्मकृते नमः।
६५२ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
६५३ ॐ ब्रह्मिष्ठायै नमः।
६५४ ॐ विमलोदकायै नमः।
६५५ ॐ विभावर्यै नमः।
६५६ ॐ विरजायै नमः।
६५७ ॐ विक्रान्तानेकविष्टपायै नमः।
६५८ ॐ विश्वमित्राय नमः।
६५९ ॐ विष्णुपद्यै नमः।
६६० ॐ वैष्णव्यै नमः।
६६१ ॐ वैष्णवप्रियायै नमः।
६६२ ॐ विरूपाक्षप्रियकर्यै नमः।
६६३ ॐ विभूत्यै नमः।
६६४ ॐ विश्वतोमुख्यै नमः।

६६५ ॐ विपाशायै नमः।
६६६ ॐ वैबुध्यै नमः।
६६७ ॐ वेद्यायै नमः।
६६८ ॐ वेदाक्षररसस्त्रवायै नमः।
६६९ ॐ विद्यायै नमः।
६७० ॐ वेगवत्यै नमः।
६७१ ॐ वन्द्यायै नमः।
६७२ ॐ बृंहण्यै नमः।
६७३ ॐ ब्रह्मवादिन्यै नमः।
६७४ ॐ वरदायै नमः।
६७५ ॐ विप्रकृष्टायै नमः।
६७६ ॐ वरिष्ठायै नमः।
६७७ ॐ विशोधन्यै नमः।
६७८ ॐ विद्याधर्यै नमः।
६७९ ॐ विशोकायै नमः।
६८० ॐ वयोवृन्दनिषेवितायै नमः।
६८१ ॐ बहूदकायै नमः।
६८२ ॐ बलवत्यै नमः।
६८३ ॐ व्योमस्थायै नमः।
६८४ ॐ विबुधप्रियायै नमः।
६८५ ॐ वाण्यै नमः।
६८६ ॐ वेदवत्यै नमः।
६८७ ॐ वित्तायै नमः।
६८८ ॐ ब्रह्मविद्यातरङ्गिण्यै नमः।
६८९ ॐ ब्रह्माण्डकोटिव्याप्ताम्बवे नमः।
६९० ॐ ब्रह्महत्यापहारिण्यै नमः।
६९१ ॐ ब्रह्मेशविष्णुरूपायै नमः।
६९२ ॐ बुद्ध्यै नमः।
६९३ ॐ विभववर्धिन्यै नमः।
६९४ ॐ विलासिसुखदायै नमः।
६९५ ॐ वश्यायै नमः।
६९६ ॐ व्यापिन्यै नमः।
६९७ ॐ वृषारण्यै नमः।
६९८ ॐ वृषाङ्कमौलिनिलयायै नमः।
६९९ ॐ विपन्नार्तिप्रभञ्जन्यै नमः।
७०० ॐ विनीतायै नमः।
७०१ ॐ विनतायै नमः।
७०२ ॐ ब्रध्नतनयायै नमः।
७०३ ॐ विनयान्वितायै नमः।
७०४ ॐ विपञ्च्यै नमः।
७०५ ॐ वाद्यकुशलायै नमः।
७०६ ॐ वेणुश्रुतिविचक्षणायै नमः।
७०७ ॐ वर्चस्कर्यै नमः।
७०८ ॐ बलकर्यै नमः।
७०९ ॐ बलोन्मूलितकल्मषायै नमः।
७१० ॐ विपाप्मायै नमः।
७११ ॐ विगतातङ्कायै नमः।
७१२ ॐ विकल्पपरिवर्जितायै नमः।
७१३ ॐ वृष्टिकर्त्र्यै नमः।
७१४ ॐ वृष्टिजलायै नमः।
७१५ ॐ विधये नमः।
७१६ ॐ विच्छिन्नबन्धनायै नमः।
७१७ ॐ व्रतरूपायै नमः।
७१८ ॐ वित्तरूपायै नमः।
७१९ ॐ बहुविघ्नविनाशकृते नमः।
७२० ॐ वसुधारायै नमः।

७२१ ॐ वसुमत्यै नमः।
७२२ ॐ विचित्राङ्ग्यै नमः।
७२३ ॐ विभावसवे नमः।
७२४ ॐ विजयायै नमः।
७२५ ॐ विश्वबीजायै नमः।
७२६ ॐ वामदेव्यै नमः।
७२७ ॐ वरप्रदायै नमः।
७२८ ॐ वृषाश्रितायै नमः।
७२९ ॐ विषघ्न्यै नमः।
७३० ॐ विज्ञानोर्म्यंशुमालिन्यै नमः।
७३१ ॐ भव्यायै नमः।
७३२ ॐ भोगवत्यै नमः।
७३३ ॐ भद्रायै नमः।
७३४ ॐ भवान्यै नमः।
७३५ ॐ भूतभाविन्यै नमः।
७३६ ॐ भूतधात्र्यै नमः।
७३७ ॐ भयहरायै नमः।
७३८ ॐ भक्तदारिद्र्यघातिन्यै नमः।
७३९ ॐ भुक्तिमुक्तिप्रदायै नमः।
७४० ॐ भेश्यै नमः।
७४१ ॐ भक्तस्वर्गापवर्गदायै नमः।
७४२ ॐ भागीरथ्यै नमः।
७४३ ॐ भानुमत्यै नमः।
७४४ ॐ भाग्याय नमः।
७४५ ॐ भोगवत्यै नमः।
७४६ ॐ भृत्यै नमः।
७४७ ॐ भवप्रियायै नमः।
७४८ ॐ भवद्वेष्ट्र्यै नमः।
७४९ ॐ भूतिदायै नमः।
७५० ॐ भूतिभूषणायै नमः।
७५१ ॐ भाललोचनभावज्ञायै नमः।
७५२ ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः।
७५३ ॐ भ्रान्तिज्ञानप्रशमन्यै नमः।
७५४ ॐ भिन्नब्रह्माण्डमण्डपायै नमः।
७५५ ॐ भूरिदायै नमः।
७५६ ॐ भक्तसुलभायै नमः।
७५७ ॐ भाग्यवद्दृष्टिगोचर्यै नमः।
७५८ ॐ भञ्जितोपप्लवकुलायै नमः।
७५९ ॐ भक्ष्यभोज्यसुखप्रदायै नमः।
७६० ॐ भिक्षणीयायै नमः।
७६१ ॐ भिक्षुमात्रे नमः।
७६२ ॐ भावायै नमः।
७६३ ॐ भावस्वरूपिण्यै नमः।
७६४ ॐ मन्दाकिन्यै नमः।
७६५ ॐ महानन्दायै नमः।
७६६ ॐ मात्रे नमः।
७६७ ॐ मुक्तितरङ्गिण्यै नमः।
७६८ ॐ महोदयायै नमः।
७६९ ॐ मधुमत्यै नमः।
७७० ॐ महापुण्यायै नमः।
७७१ ॐ मुदाकर्यै नमः।
७७२ ॐ मुनिस्तुतायै नमः।
७७३ ॐ मोहहन्त्र्यै नमः।
७७४ ॐ महातीर्थायै नमः।
७७५ ॐ मधुस्त्रवायै नमः।
७७६ ॐ माधव्यै नमः।

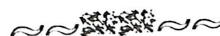
७७७ ॐ मानिन्यै नमः।
७७८ ॐ मान्यायै नमः।
७७९ ॐ मनोरथपथातिगायै नमः।
७८० ॐ मोक्षदायै नमः।
७८१ ॐ मतिदायै नमः।
७८२ ॐ मुख्यायै नमः।
७८३ ॐ महाभाग्यजनाश्रितायै नमः।
७८४ ॐ महावेगवत्यै नमः।
७८५ ॐ मेध्यायै नमः।
७८६ ॐ महामहिमभूषणायै नमः।
७८७ ॐ महाप्रभावायै नमः।
७८८ ॐ महत्यै नमः।
७८९ ॐमीनचञ्चललोचनायै नमः।
७९० ॐ महाकारुण्यसम्पूर्णायै नमः।
७९१ ॐ महर्द्ध्यै नमः।
७९२ ॐ महोत्पलायै नमः।
७९३ ॐ मूर्तिमते नमः।
७९४ ॐ मुक्तिरमण्यै नमः।
७९५ ॐ मणिमाणिक्यभूषणायै नमः।
७९६ ॐ मुक्ताकलापनेपथ्यायै नमः।
७९७ ॐ मनोनयननन्दिन्यै नमः।
७९८ ॐ महापातकराशिघ्न्यै नमः।
७९९ ॐ महादेवार्धहारिण्यै नमः।
८०० ॐ महोर्मिमालिन्यै नमः।
८०१ ॐ मुक्तायै नमः।
८०२ ॐ महादेव्यै नमः।
८०३ ॐ मनोन्मन्यै नमः।
८०४ ॐ महापुण्योदयप्राप्यायै नमः।
८०५ ॐ मायातिमिरचन्द्रिकायै नमः।
८०६ ॐ महाविद्यायै नमः।
८०७ ॐ महामायायै नमः।
८०८ ॐ महामेधायै नमः।
८०९ ॐ महौषधाय नमः।
८१० ॐ मालाधर्यै नमः।
८११ ॐ महोपायायै नमः।
८१२ ॐ महोरगविभूषणायै नमः।
८१३ ॐ महामोहप्रशमन्यै नमः।
८१४ ॐ महामङ्गलमङ्गलाय नमः।
८१५ ॐ मार्तण्डमण्डलचर्यै नमः।
८१६ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
८१७ ॐ मदोज्झितायै नमः।
८१८ ॐ यशस्विन्यै नमः।
८१९ ॐ यशोदायै नमः।
८२० ॐ योग्यायै नमः।
८२१ ॐ युक्तात्मसेवितायै नमः।
८२२ ॐ योगसिद्धिप्रदायै नमः।
८२३ ॐ याज्यायै नमः।
८२४ ॐ यज्ञेशपरिपूरितायै नमः।
८२५ ॐ यज्ञेश्यै नमः।
८२६ ॐ यज्ञफलदायै नमः।
८२७ ॐ यजनीयायै नमः।
८२८ ॐ यशस्कर्यै नमः।
८२९ ॐ यमिसेव्यायै नमः।
८३० ॐ योगयोन्यै नमः।
८३१ ॐ योगिन्यै नमः।
८३२ ॐ युक्तबुद्धिदायै नमः।

८३३ ॐ योगज्ञानप्रदायै नमः।
८३४ ॐ युक्तायै नमः।
८३५ ॐ यमाद्यष्टाङ्गयोगयुजे नमः।
८३६ ॐ यन्त्रिताघौघसंचारायै नमः।
८३७ ॐ यमलोकनिवारिण्यै नमः।
८३८ ॐ यातायातप्रशमन्यै नमः।
८३९ ॐ यातनानामकृन्तन्यै नमः।
८४० ॐ यामिनीशहिमाच्छोदायै नमः।
८४१ ॐ युगधर्मविवर्जितायै नमः।
८४२ ॐ रेवत्यै नमः।
८४३ ॐ रतिकृते नमः।
८४४ ॐ रम्यायै नमः।
८४५ ॐ रत्नगर्भायै नमः।
८४६ ॐ रमायै नमः।
८४७ ॐ रत्यै नमः।
८४८ ॐ रत्नाकरप्रेमपात्राय नमः।
८४९ ॐ रसज्ञायै नमः।
८५० ॐ रसरूपिण्यै नमः।
८५१ ॐ रत्नप्रासादगर्भायै नमः।
८५२ ॐ रमणीयतरङ्गिण्यै नमः।
८५३ ॐ रत्नार्चिषे नमः।
८५४ ॐ रुद्ररमण्यै नमः।
८५५ ॐ रागद्वेषविनाशिन्यै नमः।
८५६ ॐ रमायै नमः।
८५७ ॐ रामायै नमः।
८५८ ॐ रम्यरूपायै नमः।
८५९ ॐ रोगिजीवानुरूपिण्यै नमः।
८६० ॐ रुचिकृते नमः।
८६१ ॐ रोचन्यै नमः।
८६२ ॐ रम्यायै नमः।
८६३ ॐ रुचिरायै नमः।
८६४ ॐ रोगहारिण्यै नमः।
८६५ ॐ राजहंसायै नमः।
८६६ ॐ रत्नवत्यै नमः।
८६७ ॐ राजत्कल्लोलराजिकायै नमः।
८६८ ॐ रामणीयकरेखायै नमः।
८६९ ॐ रुजायै नमः।
८७० ॐ रोगरोषिण्यै नमः।
८७१ ॐ राकायै नमः।
८७२ ॐ रङ्कार्तिशमन्यै नमः।
८७३ ॐ रम्यायै नमः।
८७४ ॐ रोलम्बराविण्यै नमः।
८७५ ॐ रागिण्यै नमः।
८७६ ॐ रञ्जितशिवायै नमः।
८७७ ॐ रूपलावण्यशेवध्यै नमः।
८७८ ॐ लोकप्रस्वै नमः।
८७९ ॐ लोकवन्द्यायै नमः।
८८० ॐ लोलत्कल्लोलमालिन्यै नमः।
८८१ ॐ लीलावत्यै नमः।
८८२ ॐ लोकभूम्यै नमः।
८८३ ॐ लोकलोचनचन्द्रिकायै नमः।
८८४ ॐ लेखस्रवन्त्यै नमः।
८८५ ॐ लटभायै नमः।
८८६ ॐ लघुवेगायै नमः।
८८७ ॐ लघुत्वहृते नमः।
८८८ ॐ लास्यत्तरङ्गहस्तायै नमः।

८८९ ॐ ललितायै नमः।
८९० ॐ लयभङ्गिगायै नमः।
८९१ ॐ लोकबन्धवे नमः।
८९२ ॐ लोकधात्र्यै नमः।
८९३ ॐ लोकोत्तरगुणोर्जितायै नमः।
८९४ ॐ लोकत्रयहितायै नमः।
८९५ ॐ लोकायै नमः।
८९६ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
८९७ ॐ लक्षणलक्षितायै नमः।
८९८ ॐ लीलायै नमः।
८९९ ॐ लक्षितनिर्वाणायै नमः।
९०० ॐ लावण्यामृतवर्षिण्यै नमः।
९०१ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
९०२ ॐ वासवेड्यायै नमः।
९०३ ॐ वन्ध्यत्वपरिहारिण्यै नमः।
९०४ ॐ वासुदेवांघ्रिरेणुघ्न्यै नमः।
९०५ ॐ वज्रिवज्रनिवारिण्यै नमः।
९०६ ॐ शुभावत्यै नमः।
९०७ ॐ शुभफलायै नमः।
९०८ ॐ शान्त्यै नमः।
९०९ ॐ शंतनुवल्लभायै नमः।
९१० ॐ शूलिन्यै नमः।
९११ ॐ शैशववयसे नमः।
९१२ ॐ शीतलामृतवाहिन्यै नमः।
९१३ ॐ शोभावत्यै नमः।
९१४ ॐ शीलवत्यै नमः।
९१५ ॐ शोषिताशेषकिल्बिषायै नमः।
९१६ ॐ शरण्यायै नमः।
९१७ ॐ शिवदायै नमः।
९१८ ॐ शिष्टायै नमः।
९१९ ॐ शरजन्मप्रस्वै नमः।
९२० ॐ शिवायै नमः।
९२१ ॐ शक्त्यै नमः।
९२२ ॐ शशाङ्कविमलायै नमः।
९२३ ॐ शमनस्वसृसम्मतायै नमः।
९२४ ॐ शमायै नमः।
९२५ ॐ शमनमार्गघ्न्यै नमः।
९२६ ॐ शितिकण्ठमहाप्रियायै नमः।
९२७ ॐ शुच्यै नमः।
९२८ ॐ शुचिकर्यै नमः।
९२९ ॐ शेषायै नमः।
९३० ॐ शेषशायिपदोद्भवायै नमः।
९३१ ॐ श्रीनिवासश्रुत्यै नमः।
९३२ ॐ श्रद्धायै नमः।
९३३ ॐ श्रीमत्यै नमः।
९३४ ॐ श्रियै नमः।
९३५ ॐ शुभव्रतायै नमः।
९३६ ॐ शुद्धविद्यायै नमः।
९३७ ॐ शुभावर्तायै नमः।
९३८ ॐ श्रुतानन्दायै नमः।
९३९ ॐ श्रुतिस्तुत्यै नमः।
९४० ॐ शिवेतरघ्न्यै नमः।
९४१ ॐ शबर्यै नमः।
९४२ ॐ शाम्बरीरूपधारिण्यै नमः।
९४३ ॐ श्मशानशोधन्यै नमः।
९४४ ॐ शान्तायै नमः।
९४५ ॐ शश्वच्छतधृतिस्तुतायै नमः।
९४६ ॐ शालिन्यै नमः।

१४७ ॐ शालिशोभाढ्यायै नमः।
१४८ ॐ शिखिवाहनगर्भभृते नमः।
१४९ ॐ शंसनीयचरित्रायै नमः।
१५० ॐ शातिताशेषपातकायै नमः।
१५१ ॐ षड्गुणैश्वर्यसम्पन्नायै नमः।
१५२ ॐ षडङ्गश्रुतिरूपिण्यै नमः।
१५३ ॐ षण्ढताहारिसलिलायै नमः।
१५४ ॐ स्त्यायन्नदनदीशतायै नमः।
१५५ ॐ सरिद्वरायै नमः।
१५६ ॐ सुरसायै नमः।
१५७ ॐ सुप्रभायै नमः।
१५८ ॐ सुरदीर्घिकायै नमः।
१५९ ॐ स्वः सिन्धवे नमः।
१६० ॐ सर्वदुःखघ्न्यै नमः।
१६१ ॐ सर्वव्याधिमहौषधाय नमः।
१६२ ॐ सेव्यायै नमः।
१६३ ॐ सिद्ध्यै नमः।
१६४ ॐ सत्यै नमः।
१६५ ॐ सूक्त्यै नमः।
१६६ ॐ स्कन्दस्वै नमः।
१६७ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१६८ ॐ सम्पत्तरङ्गिण्यै नमः।
१६९ ॐ स्तुत्यायै नमः।
१७० ॐ स्थाणुमौलिकृतालयायै नमः।
१७१ ॐ स्थैर्यदायै नमः।
१७२ ॐ सुभगायै नमः।
१७३ ॐ सौख्यायै नमः।
१७४ ॐ स्त्रीषु सौभाग्यदायिन्यै नमः।
१७५ ॐ स्वर्गनिःश्रेणिकायै नमः।
१७६ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
१७७ ॐ स्वधायै नमः।
१७८ ॐ स्वाहायै नमः।
१७९ ॐ सुधाजलायै नमः।
१८० ॐ समुद्ररूपिण्यै नमः।
१८१ ॐ स्वर्ग्यायै नमः।
१८२ ॐ सर्वपातकवैरिण्यै नमः।
१८३ ॐ स्मृताघहारिण्यै नमः।
१८४ ॐ सीतायै नमः।
१८५ ॐ संसाराब्धितरङ्गिकायै नमः।
१८६ ॐ सौभाग्यसुन्दर्यै नमः।
१८७ ॐ संध्यायै नमः।
१८८ ॐ सर्वसारसमन्वितायै नमः।
१८९ ॐ हरप्रियायै नमः।
१९० ॐ हृषीकेश्यै नमः।
१९१ ॐ हंसरूपायै नमः।
१९२ ॐ हिरणमय्यै नमः।
१९३ ॐ हृताघसंघायै नमः।
१९४ ॐ हितकृते नमः।
१९५ ॐ हेलायै नमः।
१९६ ॐ हेलाघगर्वहृते नमः।
१९७ ॐ क्षेमदायै नमः।
१९८ ॐ क्षालिताघौघायै नमः।
१९९ ॐ क्षुद्रविद्राविण्यै नमः।
१००० ॐ क्षमायै नमः।

॥ इति श्रीस्कन्दपुराणान्तर्गते काशीखण्डे श्रीगङ्गासहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीयमुनादेव्यै नमः ॥

श्रीयमुनासहस्त्रनामस्तोत्रम्

मान्धातोवाच

नाम्नां सहस्त्रं कृष्णायाः सर्वसिद्धिकरं परम्।
वद मां मुनिशार्दूल त्वं सर्वज्ञः निरामयः॥ १॥

सौभरिरुवाच

नाम्नां सहस्त्रं कालिन्द्या मान्धातस्ते वदाम्यहम्।
सर्वसिद्धिकरं दिव्यं श्रीकृष्णवशकारकम्॥ २॥

अस्य श्रीकालिन्दीसहस्त्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य सौभरिर्ऋषिः, श्रीयमुना देवता, अनुष्टुप् छन्दः, मायाबीजमिति कीलकम्, रमाबीजमिति शक्तिः, श्रीकलिन्दनन्दिनीप्रसादसिद्ध्यर्थे पाठे विनियोगः।

ध्यानम्

ॐ श्यामामम्भोजनेत्रां सघनघनरुचिं रत्नमञ्जीरकूजत्
काञ्चीकेयूरयुक्तां कनकमणिमये बिभ्रतीं कुण्डले द्वे।
भ्राजच्छ्रीनीलवस्त्रां स्फुरदमलचलद्धारभारां मनोज्ञां
ध्यायेन्मार्तण्डपुत्रीं तनुकिरणचयोद्दीप्तदीपाभिरामाम्*॥ ३॥

स्तोत्रम्

ॐ कालिन्दी यमुना कृष्णा कृष्णरूपा सनातनी।
कृष्णवामांससम्भूता परमानन्दरूपिणी॥ ४॥

---

* जो श्यामा (श्यामवर्णा एवं षोडश वर्षकी अवस्थावाली) हैं, जिनके नेत्र प्रफुल्ल कमल-दलकी शोभाको छीने लेते हैं, घनीभूत मेघके समान जिनकी नील कान्ति है, जो रत्नोंद्वारा निर्मित बजते हुए नूपुर और झनकारती हुई करधनी एवं केयूर आदि आभूषणोंसे युक्त हैं तथा कानोंमें सुवर्ण एवं मणिनिर्मित दो कुण्डल धारण करती हैं, दीप्तिमती नीली साड़ीपर चमकते हुए गजमौक्तिकके चञ्चल हारका भार वहन करनेसे अत्यन्त मनोहर जान पड़ती हैं, शरीरसे छिटकती हुई किरणोंकी राशिसे उद्दीप्त होनेके कारण जिनकी प्रज्वलित दीपमालाके समान शोभा हो रही है, उन सूर्यनन्दिनी यमुनाजीका मैं ध्यान करता हूँ।

गोलोकवासिनी श्यामा वृन्दावनविनोदिनी।
राधासखी रासलीला रासमण्डलमण्डिनी॥ ५ ॥
निकुञ्जवासिनी वल्ली रङ्गवल्ली मनोहरा।
श्रीरासमण्डलीभूता यूथीभूता हरिप्रिया॥ ६ ॥
गोलोकतटिनी दिव्या निकुञ्जतलवासिनी।
दीर्घोर्मिवेगगम्भीरा पुष्पपल्लववाहिनी॥ ७ ॥
घनश्यामा मेघमाला बलाका पद्ममालिनी।
परिपूर्णतमा पूर्णा पूर्णब्रह्मप्रिया परा॥ ८ ॥
महावेगवती साक्षान्निकुञ्जद्वारनिर्गता।
महानदी मन्दगतिर्विरजावेगभेदिनी॥ ९ ॥
अनेकब्रह्माण्डगता ब्रह्मद्रवसमाकुला।
गङ्गामिश्रा निर्मलाभा निर्मला सरितां वरा॥ १० ॥
रत्नबद्धोभयतटी हंसपद्मादिसंकुला।
नदी निर्मलपानीया सर्वब्रह्माण्डपावनी॥ ११ ॥
वैकुण्ठपरिखीभूता परिखा पापहारिणी।
ब्रह्मलोकगता ब्राह्मी स्वर्गा स्वर्गनिवासिनी॥ १२ ॥
उल्लसन्ती प्रोत्पतन्ती मेरुमाला महोज्ज्वला।
श्रीगङ्गाम्भःशिखरिणी गण्डशैलविभेदिनी॥ १३ ॥
देशान्पुनन्ती गच्छन्ती वहन्ती भूमिमध्यगा।
मार्तण्डतनूजा पुण्या कलिन्दगिरिनन्दिनी॥ १४ ॥
यमस्वसा मन्दहासा सुद्विजा रचिताम्बरा।
नीलाम्बरा पद्ममुखी चरन्ती चारुदर्शना॥ १५ ॥
रम्भोरूः पद्मनयना माधवी प्रमदोत्तमा।
तपश्चरन्ती सुश्रोणी कूजन्नूपुरमेखला॥ १६ ॥

जलस्थिता श्यामलाङ्गी खाण्डवाभा विहारिणी।
गाण्डीविभाषिणी वन्या श्रीकृष्णं वरमिच्छती॥ १७॥
द्वारकागमना राज्ञी पट्टराज्ञी परङ्गता।
महाराज्ञी रत्नभूषा गोमती तीरचारिणी॥ १८॥
स्वकीया स्वसुखा स्वार्था स्वभक्तकार्यसाधिनी।
नवलाङ्गाऽबला मुग्धा वराङ्गा वामलोचना॥ १९॥
अजातयौवनाऽदीना प्रभा कान्तिर्द्युतिश्छविः।
सुशोभा परमा कीर्तिः कुशलाज्ञातयौवना॥ २०॥
नवोढा मध्यगा मध्या प्रौढिः प्रौढा प्रगल्भका।
धीराऽधीरा धैर्यधरा ज्येष्ठा श्रेष्ठा कुलाङ्गना॥ २१॥
क्षणप्रभा चञ्चलार्च्या विद्युत्सौदामिनी तडित्।
स्वाधीनपतिका लक्ष्मीः पुष्टा स्वाधीनभर्तृका॥ २२॥
कलहान्तरिता भीरुरिच्छा प्रोत्कण्ठिताकुला।
कशिपुस्था दिव्यशय्या गोविन्दहृतमानसा॥ २३॥
खण्डिताखण्डशोभाढ्या विप्रलब्धाभिसारिका।
विरहार्ता विरहिणी नारी प्रोषितभर्तृका॥ २४॥
मानिनी मानदा प्राज्ञा मन्दारवनवासिनी।
झङ्कारिणी झणत्कारी रणन्मञ्जीरनूपुरा॥ २५॥
मेखलामेखलाकाञ्ची श्रीकाञ्ची काञ्चनामयी।
कञ्चुकी कञ्चुकमणिः श्रीकण्ठाढ्या महामणिः॥ २६॥
श्रीहारिणी पद्महारा मुक्ता मुक्तफलार्चिता।
रत्नकङ्कणकेयूरा स्फुरदङ्गुलिभूषणा॥ २७॥

दर्पणा दर्पणीभूता दुष्टदर्पविनाशिनी।
कम्बुग्रीवा कम्बुधरा ग्रैवेयकविराजिता॥ २८॥
ताटङ्किनी दन्तधरा हेमकुण्डलमण्डिता।
शिखाभूषा भालपुष्पा नासामौक्तिकशोभिता॥ २९॥
मणिभूमिगता देवी रैवताद्रिविहारिणी।
वृन्दावनगता वृन्दा वृन्दारण्यनिवासिनी॥ ३०॥
वृन्दावनलता माध्वी वृन्दारण्यविभूषणा।
सौन्दर्यलहरी लक्ष्मीर्मथुरातीर्थवासिनी॥ ३१॥
विश्रान्तवासिनी काम्या रम्या गोकुलवासिनी।
रमणस्थलशोभाढ्या महावनमहानदी॥ ३२॥
प्रणता प्रोन्नता पुष्टा भारती भरतार्चिता।
तीर्थराजगतिर्गोत्रा गङ्गासागरसङ्गमा॥ ३३॥
सप्ताब्धिभेदिनी लोला सप्तद्वीपगता बलात्।
लुठन्ती शैलभिद्यन्ती स्फुरन्ती वेगवत्तरा॥ ३४॥
काञ्चनी काञ्चनीभूमिः काञ्चनीभूमिभाविता।
लोकदृष्टिर्लोकलीला लोकालोकाचलार्चिता॥ ३५॥
शैलोद्गता स्वर्गगता स्वर्गार्चा स्वर्गपूजिता।
वृन्दावनी वनाध्यक्षा रक्षा कक्षा तटीपटी॥ ३६॥
असिकुण्डगता कच्छा स्वच्छन्दोच्छलितादिजा।
कुहरस्था रथप्रस्था प्रस्था शान्ततरातुरा॥ ३७॥
अम्बुच्छटा शीकराभा दर्दुरा दार्दुरीधरा।
पापाङ्कुशा पापसिंही पापद्रुमकुठारिणी॥ ३८॥

पुण्यसंघा पुण्यकीर्तिः पुण्यदा पुण्यवर्द्धिनी।
मधुवननदी मुख्यातुला तालवनस्थिता॥ ३९॥
कुमुद्वननदी कुब्जा कुमुदाम्भोजवर्द्धिनी।
प्लवरूपा वेगवती सिंहसर्पादिवाहिनी॥ ४०॥
बहुली बहुदा बह्वी बहुला वनवन्दिता।
राधाकुण्डकलाराध्या कृष्णकुण्डजलाश्रिता॥ ४१॥
ललिताकुण्डगा घंटा विशाखा कुण्डमण्डिता।
गोविन्दकुण्डनिलया गोपकुण्डतरङ्गिणी॥ ४२॥
श्रीगङ्गा मानसीगङ्गा कुसुमाम्बरभाविनी।
गोवर्धिनी गोधनाढ्या मयूरवरवर्णिनी॥ ४३॥
सारसी नीलकण्ठाभा कूजत्कोकिलपोतकी।
गिरिराजप्रसूर्भूरिरातपत्रातपत्रिणी॥ ४४॥
गोवर्द्धनाङ्कगा गोदन्ती दिव्यौषधिनिधिः सृतिः।
पारदी पारदमयी नारदी शारदी भृतिः॥ ४५॥
श्रीकृष्णचरणाङ्कस्थाकामा कामवनाञ्चिता।
कामाटवी नन्दिनी च नन्दग्राममही धरा॥ ४६॥
बृहत्सानुद्युतिप्रोता नन्दीश्वरसमन्विता।
काकली कोकिलमयी भाण्डीरकुशकौशला॥ ४७॥
लोहार्गलप्रदा कारा काश्मीरवसना वृता।
बर्हिषदी शोणपुरी शूरक्षेत्रपुराधिका॥ ४८॥
नानाभरणशोभाढ्या नानावर्णसमन्विता।
नानानारीकदम्बाढ्या नानारङ्गमहीरुहा॥ ४९॥

नानालोकगताभ्यर्चिर्नानाजलसमन्विता ।
स्त्रीरत्नं रत्ननिलया ललना रत्नरङ्गिनी॥ ५०॥
रङ्गिणी रङ्गभूमाढ्या रङ्गा रङ्गमहीरुहा।
राजविद्या राजगुह्या जगत्कीर्तिर्घनाघना॥ ५१॥
विलोलघंटा कृष्णाङ्गा कृष्णदेहसमुद्भवा।
नीलपङ्कजवर्णाभा नीलपङ्कजहारिणी॥ ५२॥
नीलाभा नीलपद्माढ्या नीलाम्भोरुहवासिनी।
नागवल्ली नागपुरी नागवल्लीदलार्चिता॥ ५३॥
ताम्बूलचर्चिता चर्चा मकरन्दमनोहरा।
सकेशरा केशरिणी केशपाशाभिशोभिता॥ ५४॥
कज्जलाभा कज्जलाक्ता कज्जली कलिताञ्जना।
अलक्तचरणा ताम्रा लाला ताम्रीकृताम्बरा॥ ५५॥
सिन्दूरितालिप्तवाणी सुश्री श्रीखण्डमण्डिता।
पाटीरपङ्कवसना जटामांसी स्त्रगम्बरा॥ ५६॥
आगर्य्यगुरुगन्धाक्ता तगराश्रितमारुता।
सुगन्धितैलरुचिरा कुन्तलालिः सकुन्तला॥ ५७॥
शकुन्तलाऽपांसुला च पातिव्रत्यपरायणा।
सूर्यप्रभा सूर्यकन्या सूर्यदेहसमुद्भवा॥ ५८॥
कोटिसूर्यप्रतीकाशा सूर्यजा सूर्यनन्दिनी।
संज्ञा संज्ञासुता स्वेच्छा संज्ञामोदप्रदायिनी॥ ५९॥
संज्ञापुत्री स्फुरच्छाया तपतीतापकारिणी।
सावर्ण्यानुभवा देवी वडवा सौख्यदायिनी॥ ६०॥

शनैश्चरानुजा कीला चन्द्रवंशविवर्द्धिनी।
चन्द्रवंशवधूश्चन्द्रा चन्द्रावलिसहायिनी॥ ६१॥
चन्द्रावती चन्द्रलेखा चन्द्रकान्तानुगांशुका।
भैरवी पिङ्गलाशंकी लीलावत्यागरीमयी॥ ६२॥
धनश्रीर्देवगान्धारी स्वर्मणिर्गुणवर्द्धिनी।
व्रजमल्लार्यन्धकरी विचित्रा जयकारिणी॥ ६३॥
गान्धारी मञ्जरी टोडी गुर्ज्जर्य्याशावरी जया।
कर्णाटी रागिणी गौरी वैराटी गौरवाटिका॥ ६४॥
चतुश्चन्द्रा कलाहेरी तैलङ्गी विजयावती।
ताली तालस्वरा गाना क्रियामात्रप्रकाशिनी॥ ६५॥
वैशाखी चञ्चला चारुर्माचारी घूघटी घटा।
वैरागरी सोरटीशा कैदारी जलधारिका॥ ६६॥
कामाकरश्रीकल्याणी गौडकल्याणमिश्रिता।
रामसञ्जीवनी हेला मन्दारी कामरूपिणी॥ ६७॥
सारङ्गी मारुती होढा सागरी कामवादिनी।
वैभासी मङ्गला चान्द्री रासमण्डलमण्डना॥ ६८॥
कामधेनुः कामलता कामदा कमनीयका।
कल्पवृक्षस्थली स्थूला क्षुधा सौधनिवासिनी॥ ६९॥
गोलोकवासिनी सुभ्रूर्यष्टिभृद्द्वारपालिका।
शृङ्गारप्रकरा शृङ्गा स्वच्छा शय्योपकारिका॥ ७०॥
पार्षदा सुमुखी सेव्या श्रीवृन्दावनपालिका।
निकुञ्जभृत्कुञ्जपुञ्जा गुञ्जाभरणभूषिता॥ ७१॥

निकुञ्जवासिनी प्रोष्या गोवर्द्धनतटीभवा।
विशाखा ललिता रामा नीरुजा मधुमाधवी॥ ७२॥
एका नैकसखी शुक्ला सखीमध्या महामनाः।
श्रुतिरूपा ऋषिरूपा मैथिलाः कौशलाः स्त्रियः॥ ७३॥
अयोध्यापुरवासिन्यो यज्ञसीताः पुलिन्दकाः।
रमावैकुण्ठवासिन्यः श्वेतद्वीपसखीजनाः॥ ७४॥
ऊर्ध्ववैकुण्ठवासिन्यो दिव्याजितपदाश्रिताः।
श्रीलोकाचलवासिन्यः श्रीसख्यः सागरोद्भवाः॥ ७५॥
दिव्या अदिव्या दिव्याङ्गा व्याप्तास्त्रिगुणवृत्तयः।
भूमिगोप्यो देवनार्य्यो लता ओषधिवीरुधः॥ ७६॥
जालन्धर्य्यः सिन्धुसुताः पृथुबर्हिष्मतीभवाः।
दिव्याम्बरा अप्सरसः सौतला नागकन्यकाः॥ ७७॥
परं धाम परं ब्रह्म पौरुषा प्रकृतिः परा।
तटस्था गुणभूर्गीता गुणागुणमयी गुणा॥ ७८॥
चिद्घना सदसन्माला दृष्टिर्दृश्या गुणाकरी।
महत्तत्त्वमहङ्कारो मनो बुद्धिः प्रचेतना॥ ७९॥
चेतो वृत्तिः स्वान्तरात्मा चतुर्थी चतुरक्षरा।
चतुर्व्यूहा चतुर्मूर्तिर्व्योमवायुरदो जलम्॥ ८०॥
मही शब्दो रसो गन्धः स्पर्शो रूपमनेकधा।
कर्मेन्द्रियं कर्ममयी ज्ञानं ज्ञानेन्द्रियं द्विधा॥ ८१॥
त्रिधाधिभूतमध्यात्ममधिदैवमधिष्ठितम्।
ज्ञानशक्तिः क्रियाशक्तिः सर्वदेवाधिदेवता॥ ८२॥

तत्त्वसंघा विराण्मूर्तिर्धारणा धारणामयी।
श्रुतिः स्मृतिर्वेदमूर्तिः संहिता गर्गसंहिता॥ ८३॥
पाराशरी सैव सृष्टिः पारहंसी विधातृका।
याज्ञवल्की भागवती श्रीमद्भागवतार्चिता॥ ८४॥
रामायणमयी रम्या पुराणपुरुषप्रिया।
पुराणमूर्तिः पुण्याङ्गा शास्त्रमूर्तिर्महोन्नता॥ ८५॥
मनीषा धिषणा बुद्धिर्वाणी धीः शेमुषी मतिः।
गायत्री वेदसावित्री ब्रह्माणी ब्रह्मलक्षणा॥ ८६॥
दुर्गापर्णा सती सत्या पार्वती चण्डिकाम्बिका।
आर्या दाक्षायणी दाक्षी दक्षयज्ञविघातिनी॥ ८७॥
पुलोमजा शचीन्द्राणी देवी देववरार्पिता।
वायुना धारिणी धन्या वायवी वायुवेगगा॥ ८८॥
यमानुजा संयमनी संज्ञाच्छाया स्फुरद्द्युतिः।
रत्नवेदी रत्नवृन्दा तारा तरणिमण्डला॥ ८९॥
रुचिः शान्तिः क्षमा शोभा दया दक्षा द्युतिस्त्रपा।
तलतुष्टिर्विभा पुष्टिः सन्तुष्टिः पुष्टभावना॥ ९०॥
चतुर्भुजा चारुनेत्रा द्विभुजाष्टभुजाबला।
शङ्खहस्ता पद्महस्ता चक्रहस्ता गदाधरा॥ ९१॥
निषङ्गधारिणी चर्मखड्गपाणिर्धनुर्धरा।
धनुष्टंकारिणी योद्ध्री दैत्योद्भटविनाशिनी॥ ९२॥
रथस्था गरुडारूढा श्रीकृष्णहृदयस्थिता।
वंशीधरा कृष्णवेषा स्त्रग्विणी वनमालिनी॥ ९३॥

किरीटधारिणी याना मन्दमन्दगतिर्गतिः।
चन्द्रकोटिप्रतीकाशा तन्वी कोमलविग्रहा॥ ९४ ॥
भैष्मी भीष्मसुताऽभीमा रुक्मिणी रुक्मरूपिणी।
सत्यभामा जाम्बवती सत्या भद्रा सुदक्षिणा॥ ९५ ॥
मित्रविन्दा सखी वृन्दा वृन्दारण्यध्वजोर्ध्वगा।
शृङ्गारकारिणी शृङ्गा शृङ्गभूः शृङ्गदा खगा॥ ९६ ॥
तितिक्षेक्षा स्मृतिः स्पर्धा स्पृहा श्रद्धा स्वनिर्वृतिः।
ईशा तृष्णाभिदा प्रीतिर्हिंसा याच्ञा क्लमा कृषिः॥ ९७ ॥
आशा निद्रा योगनिद्रा योगिनी योगदा युगा।
निष्ठा प्रतिष्ठा शमितिः सत्त्वप्रकृतिरुत्तमा॥ ९८ ॥
तमःप्रकृतिर्दुर्मर्षी रजःप्रकृतिराननतिः।
क्रियाऽक्रियाकृतिर्ग्लानिः सात्त्विक्याध्यात्मिकी वृषा॥ ९९ ॥
सेवा शिखामणिर्वृद्धिराहूतिः सुमतिर्द्युभूः।
रज्जुर्द्विदाम्नी षड्वर्गा संहिता सौख्यदायिनी॥ १०० ॥
मुक्तिः प्रोक्तिर्देशभाषा प्रकृतिः पिङ्गलोद्भवा।
नागभाषा नागभूषा नागरी नगरी नगा॥ १०१ ॥
नौर्नौका भवनौर्भाव्या भवसागरसेतुका।
मनोमयी दारुमयी सैकती सिकतामयी॥ १०२ ॥
लेख्या लेप्या मणिमयी प्रतिमा हेमनिर्मिता।
शैली शैलभवा शीला शीकराभा चलाचला॥ १०३ ॥
अस्थिता सुस्थिता तूली वैदिकी तान्त्रिकी विधिः।
सन्ध्या सन्ध्याभ्रवसना वेदसन्धिः सुधामयी॥ १०४ ॥

सायंतनी शिखावेध्या सूक्ष्मा जीवकला कृतिः।
आत्मभूता भाविताऽण्वी प्रह्वी कमलकर्णिका॥ १०५॥
नीराजनी महाविद्या कन्दली कार्यसाधनी।
पूजा प्रतिष्ठा विपुला पुनन्ती पारलौकिकी॥ १०६॥
शुक्लशुक्तिर्मौक्तिका च प्रतीतिः परमेश्वरी।
विरजोष्णिग् विराड् वेणी वेणुका वेणुनादिनी॥ १०७॥
आवर्तिनी वार्तिकदा वार्त्ता वृत्तिर्विमानगा।
रासाढ्या रासिनी रासा रासमण्डलवर्तिनी॥ १०८॥
गोपगोपीश्वरी गोपी गोपीगोपालवन्दिता।
गोचारिणी गोपनदी गोपानन्दप्रदायिनी॥ १०९॥
पशव्यदा गोपसेव्या कोटिशो गोगणावृता।
गोपानुगा गोपवती गोविन्दपदपादुका॥ ११०॥
वृषभानुसुता राधा श्रीकृष्णवशकारिणी।
कृष्णप्राणाधिका शश्वद्रसिका रसिकेश्वरी॥ १११॥
अवटोदा ताम्रपर्णी कृतमाला विहायसी।
कृष्णा वेणी भीमरथी तापी रेवा महापगा॥ ११२॥
वैयासकी च कावेरी तुङ्गभद्रा सरस्वती।
चन्द्रभागा वेत्रवती ऋषिकुल्या ककुद्मिनी॥ ११३॥
गौतमी कौशिकी सिन्धुर्बाणगङ्गातिसिद्धिदा।
गोदावरी रत्नमाला गङ्गा मन्दाकिनी बला॥ ११४॥
स्वर्णदी जाह्नवी वेला वैष्णवी मङ्गलालया।
बाला विष्णुपदीप्रोक्ता सिन्धुसागरसङ्गता॥ ११५॥

गङ्गासागरशोभाढ्या सामुद्री रत्नदा धुनी।
भागीरथी स्वर्धुनीभूः श्रीवामनपदच्युता॥ ११६॥
लक्ष्मी रमा रमणीया भार्गवी विष्णुवल्लभा।
सीतार्चिर्जानकी माता कलङ्करहिता कला॥ ११७॥
कृष्णपादाब्जसम्भूता सर्वा त्रिपथगामिनी।
धरा विश्वम्भराऽनन्ता भूमिर्धात्री क्षमामयी॥ ११८॥
स्थिरा धरित्री धरणिरुर्वी शेषफणास्थिता।
अयोध्या राघवपुरी कौशिकी रघुवंशजा॥ ११९॥
मथुरा माथुरी पन्था यादवी ध्रुवपूजिता।
मयायुर्बिल्वनीलोदा गङ्गाद्वारविनिर्गता॥ १२०॥
कुशावर्तमयी ध्रौव्या ध्रुवमण्डलमध्यगा।
काशी शिवपुरी शेषा विन्ध्या वाराणसी शिवा॥ १२१॥
अवन्तिका देवपुरी प्रोज्ज्वलोज्जयिनी जिता।
द्वारावती द्वारकामा कुशभूता कुशस्थली॥ १२२॥
महापुरी सप्तपुरी नन्दिग्रामस्थलस्थिता।
शालग्रामशिलादित्या सम्भलग्राममध्यगा॥ १२३॥
वंशगोपालिनी क्षिप्ता हरिमन्दिरवर्तिनी।
बर्हिष्मती हस्तिपुरी शक्रप्रस्थनिवासिनी॥ १२४॥
दाडिमी सैन्धवी जम्बुः पौष्करी पुष्करप्रसूः।
उत्पलावर्तगमना नैमिषी नैमिषावृता॥ १२५॥
कुरुजाङ्गलभूः काली हैमवत्यार्बुदी बुधा।
शूकरक्षेत्रविदिता श्वेतवाराहधारिता॥ १२६॥

सर्वतीर्थमयी तीर्था तीर्थानां तीर्थकारिणी।
हारिणी सर्वदोषाणां दायिनी सर्वसम्पदाम्॥ १२७॥
वर्द्धिनी तेजसां साक्षाद्गर्भवासनिकृन्तनी।
गोलोकधामधनिनी निकुञ्जनिजमञ्जरी॥ १२८॥
सर्वोत्तमा सर्वपुण्या सर्वसौन्दर्यशृङ्खला।
सर्वतीर्थोपरिगता सर्वतीर्थाधिदेवता॥ १२९॥

॥ फलश्रुतिः॥

नाम्नां सहस्त्रं कालिन्द्याः कीर्तिदं कामदं परम्।
महापापहरं पुण्यमायुर्वर्द्धनमुत्तमम्॥ १३०॥
एकवारं पठेद्रात्रौ चोरेभ्यो न भयं भवेत्।
द्विवारं प्रपठेन्मार्गे दस्युभ्यो न भयं क्वचित्॥ १३१॥
द्वितीयां तु समारभ्य पठेत्पूर्णावधि द्विजः।
दशवारमिदं भक्त्या ध्यात्वा देवीं कलिन्दजाम्॥ १३२॥
रोगी रोगात्प्रमुच्येत बद्धो मुच्येत बन्धनात्।
गुर्विणी जनयेत्पुत्रं विद्यार्थी पण्डितो भवेत्॥ १३३॥
मोहनं स्तम्भनं शश्वद्वशीकरणमेव च।
उच्चाटनं घातनं च शोषणं दीपनं तथा॥ १३४॥
उन्मादनं तापनं च निधिदर्शनमेव च।
यद्यद्वाञ्छति चित्तेन तत्तत्प्राप्नोति मानवः॥ १३५॥
ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चस्वी राजन्यो जगती पतिः।
वैश्यो निधिपतिर्भूयाच्छूद्रः श्रुत्वा तु निर्मलः॥ १३६॥
पूजाकाले तु यो नित्यं पठते भक्तिभावतः।
लिप्यते न स पापेन पद्मपत्रमिवाम्भसा॥ १३७॥

शतवारं पठेन्नित्यं वर्षावधिमतः परम्।
पटलं पद्धतिं कृत्वा स्तवं च कवचं तथा॥ १३८॥
सप्तद्वीपमहीराज्यं प्राप्नुयान्नात्र संशयः।
निष्कारणं पठेद्यस्तु यमुनाभक्तिसंयुतः॥ १३९॥
त्रैवर्ग्यमेत्य सुकृती जीवन्मुक्तो भवेदिह॥ १४०॥
निकुञ्जलीलाललितं मनोहरं
कलिन्दजाकूललताकदम्बकम्।
वृन्दावनोन्मत्तमिलिन्दशब्दितं
व्रजेत्स गोलोकमिदं पठेच्च यः॥ १४१॥

॥ इति श्रीगर्गसंहितायां श्रीमाधुर्यखण्डे श्रीयमुनासहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीयमुनादेव्यै नमः ॥

श्रीयमुनासहस्रनामावलिः

१ ॐ कालिन्द्यै नमः।
२ ॐ यमुनायै नमः।
३ ॐ कृष्णायै नमः।
४ ॐ कृष्णरूपायै नमः।
५ ॐ सनातन्यै नमः।
६ ॐ कृष्णवामांससम्भूतायै नमः।
७ ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः।
८ ॐ गोलोकवासिन्यै नमः।
९ ॐ श्यामायै नमः।
१० ॐ वृन्दावनविनोदिन्यै नमः।
११ ॐ राधासख्यै नमः।
१२ ॐ रासलीलायै नमः।
१३ ॐ रासमण्डलमण्डिन्यै नमः।
१४ ॐ निकुञ्जवासिन्यै नमः।
१५ ॐ वल्ल्यै नमः।
१६ ॐ रङ्गवल्ल्यै नमः।
१७ ॐ मनोहरायै नमः।
१८ ॐ श्रियै नमः।
१९ ॐ रासमण्डलीभूतायै नमः।
२० ॐ यूथीभूतायै नमः।
२१ ॐ हरिप्रियायै नमः।
२२ ॐ गोलोकतटिन्यै नमः।
२३ ॐ दिव्यायै नमः।
२४ ॐ निकुञ्जतलवासिन्यै नमः।
२५ ॐ दीर्घायै नमः।
२६ ॐ ऊर्मिवेगगम्भीरायै नमः।
२७ ॐ पुष्पपल्लववाहिन्यै नमः।
२८ ॐ घनश्यामायै नमः।
२९ ॐ मेघमालायै नमः।
३० ॐ बलाकायै नमः।
३१ ॐ पद्ममालिन्यै नमः।
३२ ॐ परिपूर्णतमायै नमः।
३३ ॐ पूर्णायै नमः।
३४ ॐ पूर्णब्रह्मप्रियायै नमः।
३५ ॐ परस्यै नमः।
३६ ॐ महावेगवत्यै नमः।
३७ ॐ साक्षान्निकुञ्जद्वारनिर्गतायै नमः।
३८ ॐ महानद्यै नमः।
३९ ॐ मन्दगत्यै नमः।
४० ॐ विरजावेगभेदिन्यै नमः।
४१ ॐ अनेकब्रह्माण्डगतायै नमः।
४२ ॐ ब्रह्मद्रवसमाकुलायै नमः।
४३ ॐ गङ्गामिश्रायै नमः।
४४ ॐ निर्मलाभायै नमः।
४५ ॐ निर्मलायै नमः।
४६ ॐ सरितां वरायै नमः।
४७ ॐ रत्नबद्धोभयतट्यै नमः।
४८ ॐ हंसपद्मादिसंकुलायै नमः।
४९ ॐ नद्यै नमः।
५० ॐ निर्मलपानीयायै नमः।

५१ ॐ सर्वब्रह्माण्डपावन्यै नमः ।
५२ ॐ वैकुण्ठपरिखीभूतायै नमः।
५३ ॐ परिखायै नमः।
५४ ॐ पापहारिण्यै नमः।
५५ ॐ ब्रह्मलोकगतायै नमः।
५६ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
५७ ॐ स्वर्गायै नमः।
५८ ॐ स्वर्गनिवासिन्यै नमः।
५९ ॐ उल्लसन्त्यै नमः।
६० ॐ प्रोत्पतन्त्यै नमः।
६१ ॐ मेरुमालायै नमः।
६२ ॐ महोज्ज्वलायै नमः।
६३ ॐ श्रीगङ्गाम्भःशिखरिण्यै नमः।
६४ ॐ गण्डशैलविभेदिन्यै नमः ।
६५ ॐ देशान् पुनन्त्यै नमः।
६६ ॐ गच्छन्त्यै नमः।
६७ ॐ वहन्त्यै नमः।
६८ ॐ भूमिमध्यगायै नमः।
६९ ॐ मार्तण्डतनूजायै नमः।
७० ॐ पुण्यायै नमः।
७१ ॐ कलिन्दगिरिनन्दिन्यै नमः।
७२ ॐ यमस्वस्त्रे नमः।
७३ ॐ मन्दहासायै नमः।
७४ ॐ सुद्विजायै नमः।
७५ ॐ रचिताम्बरायै नमः।
७६ ॐ नीलाम्बरायै नमः।
७७ ॐ पद्ममुख्यै नमः।
७८ ॐ चरन्त्यै नमः।
७९ ॐ चारुदर्शनायै नमः।
८० ॐ रम्भोरुभ्यां नमः।
८१ ॐ पद्मनयनायै नमः।
८२ ॐ माधव्यै नमः।
८३ ॐ प्रमदायै नमः।
८४ ॐ उत्तमायै नमः।
८५ ॐ तपश्चरन्त्यै नमः।
८६ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
८७ ॐ कूजन्नूपुरमेखलायै नमः।
८८ ॐ जलस्थितायै नमः।
८९ ॐ श्यामलाङ्ग्यै नमः।
९० ॐ खाण्डवाभायै नमः।
९१ ॐ विहारिण्यै नमः।
९२ ॐ गाण्डीविभाषिण्यै नमः।
९३ ॐ वन्यायै नमः।
९४ ॐ श्रीकृष्णं वरमिच्छत्यै नमः।
९५ ॐ द्वारकागमनायै नमः।
९६ ॐ राज्ञै नमः।
९७ ॐ पट्टराज्ञै नमः।
९८ ॐ परंगतायै नमः।
९९ ॐ महाराज्ञै नमः।
१०० ॐ रत्नभूषायै नमः।
१०१ ॐ गोमत्यै नमः।
१०२ ॐ तीरचारिण्यै नमः।
१०३ ॐ स्वकीयायै नमः।
१०४ ॐ सुखायै नमः।
१०५ ॐ स्वार्थायै नमः।
१०६ ॐ स्वभक्तकार्यसाधिन्यै नमः।

१०७ ॐ नवलाङ्गायै नमः।
१०८ ॐ अबलायै नमः।
१०९ ॐ मुग्धायै नमः।
११० ॐ वराङ्गायै नमः।
१११ ॐ वामलोचनायै नमः।
११२ ॐ अजातयौवनायै नमः।
११३ ॐ अदीनायै नमः।
११४ ॐ प्रभायै नमः।
११५ ॐ कान्त्यै नमः।
११६ ॐ द्युत्यै नमः।
११७ ॐ छव्यै नमः।
११८ ॐ सुशोभायै नमः।
११९ ॐ परमायै नमः।
१२० ॐ कीर्त्यै नमः।
१२१ ॐ कुशलायै नमः।
१२२ ॐ अज्ञातयौवनायै नमः।
१२३ ॐ नवोढायै नमः।
१२४ ॐ मध्यगायै नमः।
१२५ ॐ मध्यायै नमः।
१२६ ॐ प्रौढ्यै नमः।
१२७ ॐ प्रौढायै नमः।
१२८ ॐ प्रगल्भकायै नमः।
१२९ ॐ धीरायै नमः।
१३० ॐ अधीरायै नमः।
१३१ ॐ धैर्यधरायै नमः।
१३२ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
१३३ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
१३४ ॐ कुलाङ्गनायै नमः।
१३५ ॐ क्षणप्रभायै नमः।
१३६ ॐ चञ्चलायै नमः।
१३७ ॐ अर्च्यायै नमः।
१३८ ॐ विद्युते नमः।
१३९ ॐ सौदामन्यै नमः।
१४० ॐ तडिते नमः।
१४१ ॐ स्वाधीनपतिकायै नमः।
१४२ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१४३ ॐ पुष्टायै नमः।
१४४ ॐ स्वाधीनभर्तृकायै नमः।
१४५ ॐ कलहान्तरितायै नमः।
१४६ ॐ भीर्वै नमः।
१४७ ॐ इच्छायै नमः।
१४८ ॐ प्रोत्कण्ठितायै नमः।
१४९ ॐ आकुलायै नमः।
१५० ॐ कशिपुस्थायै नमः।
१५१ ॐ दिव्यशय्यायै नमः।
१५२ ॐ गोविन्दहृतमानसायै नमः।
१५३ ॐ खण्डितायै नमः।
१५४ ॐ अखण्डशोभाढ्यायै नमः।
१५५ ॐ विप्रलब्धायै नमः।
१५६ ॐ अभिसारिकायै नमः।
१५७ ॐ विरहार्तायै नमः।
१५८ ॐ विरहिण्यै नमः।
१५९ ॐ नार्यै नमः।
१६० ॐ प्रोषितभर्तृकायै नमः।
१६१ ॐ मानिन्यै नमः।
१६२ ॐ मानदायै नमः।

१६३ ॐ प्राज्ञायै नमः।
१६४ ॐ मन्दारवनवासिन्यै नमः।
१६५ ॐ झंकारिण्यै नमः।
१६६ ॐ झणत्कार्यै नमः।
१६७ ॐ रणन्मञ्जीरनूपुरायै नमः।
१६८ ॐ मेखलायै नमः।
१६९ ॐ अमेखलायै नमः।
१७० ॐ काञ्च्यै नमः।
१७१ ॐ श्रीकाञ्च्यै नमः।
१७२ ॐ काञ्चनामय्यै नमः।
१७३ ॐ कञ्चुक्यै नमः।
१७४ ॐ कञ्चुकमण्यै नमः।
१७५ ॐ श्रीकण्ठायै नमः।
१७६ ॐ आढ्यायै नमः।
१७७ ॐ महामण्यै नमः।
१७८ ॐ श्रीहारिण्यै नमः।
१७९ ॐ पद्महारायै नमः।
१८० ॐ मुक्तायै नमः।
१८१ ॐ मुक्तफलार्चितायै नमः।
१८२ ॐ रत्नकङ्कणकेयूरायै नमः।
१८३ ॐ स्फुरदङ्गुलिभूषणायै नमः।
१८४ ॐ दर्पणायै नमः।
१८५ ॐ दर्पणीभूतायै नमः।
१८६ ॐ दुष्टदर्पविनाशिन्यै नमः।
१८७ ॐ कम्बुग्रीवायै नमः।
१८८ ॐ कम्बुधरायै नमः।
१८९ ॐ ग्रैवेयकविराजितायै नमः।
१९० ॐ ताटङ्किन्यै नमः।
१९१ ॐ दन्तधरायै नमः।
१९२ ॐ हेमकुण्डलमण्डितायै नमः।
१९३ ॐ शिखाभूषायै नमः।
१९४ ॐ भालपुष्पायै नमः।
१९५ ॐ नासामौक्तिकशोभितायै नमः।
१९६ ॐ मणिभूमिगतायै नमः।
१९७ ॐ देव्यै नमः।
१९८ ॐ रैवताद्रिविहारिण्यै नमः।
१९९ ॐ वृन्दावनगतायै नमः।
२०० ॐ वृन्दायै नमः।
२०१ ॐ वृन्दारण्यनिवासिन्यै नमः।
२०२ ॐ वृन्दावनलतायै नमः।
२०३ ॐ माध्व्यै नमः।
२०४ ॐ वृन्दारण्यविभूषणायै नमः।
२०५ ॐ सौन्दर्यलहर्यै नमः।
२०६ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२०७ ॐ मथुरातीर्थवासिन्यै नमः।
२०८ ॐ विश्रान्तवासिन्यै नमः।
२०९ ॐ काम्यायै नमः।
२१० ॐ रम्यायै नमः।
२११ ॐ गोकुलवासिन्यै नमः।
२१२ ॐ रमणस्थलशोभाढ्यायै नमः।
२१३ ॐ महावनमहानद्यै नमः।
२१४ ॐ प्रणतायै नमः।
२१५ ॐ प्रोन्नतायै नमः।
२१६ ॐ पुष्टायै नमः।
२१७ ॐ भारत्यै नमः।
२१८ ॐ भरतार्चितायै नमः।

२१९ ॐ तीर्थराजगत्यै नमः।
२२० ॐ गोत्रायै नमः।
२२१ ॐ गङ्गासागरसंगमायै नमः।
२२२ ॐ सप्ताब्धिभेदिन्यै नमः।
२२३ ॐ लोलायै नमः।
२२४ ॐ बलात् सप्तद्वीपगतायै नमः।
२२५ ॐ लुठन्त्यै नमः।
२२६ ॐ शैलभिद्यन्त्यै नमः।
२२७ ॐ स्फुरन्त्यै नमः।
२२८ ॐ वेगवत्तरायै नमः।
२२९ ॐ काञ्चन्यै नमः।
२३० ॐ काञ्चनीभूम्यै नमः।
२३१ ॐ काञ्चनीभूमिभावितायै नमः।
२३२ ॐ लोकदृष्ट्यै नमः।
२३३ ॐ लोकलीलायै नमः।
२३४ ॐ लोकालोकाचलार्चितायै नमः।
२३५ ॐ शैलोद्गतायै नमः।
२३६ ॐ स्वर्गगतायै नमः।
२३७ ॐ स्वर्गार्चायै नमः।
२३८ ॐ स्वर्गपूजितायै नमः।
२३९ ॐ वृन्दावन्यै नमः।
२४० ॐ वनाध्यक्षायै नमः।
२४१ ॐ रक्षायै नमः।
२४२ ॐ कक्षायै नमः।
२४३ ॐ तटीपट्यै नमः।
२४४ ॐ असिकुण्डगतायै नमः।
२४५ ॐ कच्छायै नमः।
२४६ ॐ स्वच्छन्दायै नमः।
२४७ ॐ उच्छलितायै नमः।
२४८ ॐ आदिजायै नमः।
२४९ ॐ कुहरस्थायै नमः।
२५० ॐ रथप्रस्थायै नमः।
२५१ ॐ प्रस्थायै नमः।
२५२ ॐ शान्ततरायै नमः।
२५३ ॐ आतुरायै नमः।
२५४ ॐ अम्बुच्छटायै नमः।
२५५ ॐ शीकराभायै नमः।
२५६ ॐ दर्दुरायै नमः।
२५७ ॐ दार्दुरीधरायै नमः।
२५८ ॐ पापाङ्कुशायै नमः।
२५९ ॐ पापसिंह्यै नमः।
२६० ॐ पापद्रुमकुठारिण्यै नमः।
२६१ ॐ पुण्यसंघायै नमः।
२६२ ॐ पुण्यकीर्त्यै नमः।
२६३ ॐ पुण्यदायै नमः।
२६४ ॐ पुण्यवर्द्धिन्यै नमः।
२६५ ॐ मधुवननद्यै नमः।
२६६ ॐ मुख्यायै नमः।
२६७ ॐ अतुलायै नमः।
२६८ ॐ तालवनस्थितायै नमः।
२६९ ॐ कुमुद्वननद्यै नमः।
२७० ॐ कुब्जायै नमः।
२७१ ॐ कुमुदायै नमः।
२७२ ॐ अम्भोजवर्द्धिन्यै नमः।
२७३ ॐ प्लवरूपायै नमः।
२७४ ॐ वेगवत्यै नमः।

२७५ ॐ सिंहसर्पादिवाहिन्यै नमः।
२७६ ॐ बहुल्यै नमः।
२७७ ॐ बहुदायै नमः।
२७८ ॐ बह्व्यै नमः।
२७९ ॐ बहुलायै नमः।
२८० ॐ वनवन्दितायै नमः।
२८१ ॐ राधाकुण्डकलायै नमः।
२८२ ॐ आराध्यायै नमः।
२८३ ॐ कृष्णकुण्डजलाश्रितायै नमः।
२८४ ॐ ललिताकुण्डगायै नमः।
२८५ ॐ घण्टायै नमः।
२८६ ॐ विशाखायै नमः।
२८७ ॐ कुण्डमण्डितायै नमः।
२८८ ॐ गोविन्दकुण्डनिलयायै नमः।
२८९ ॐ गोपकुण्डतरंगिण्यै नमः।
२९० ॐ श्रीगङ्गायै नमः।
२९१ ॐ मानसीगङ्गायै नमः।
२९२ ॐ कुसुमाम्बरभाविन्यै नमः।
२९३ ॐ गोवर्द्धिन्यै नमः।
२९४ ॐ गोधनाढ्यायै नमः।
२९५ ॐ मयूरवरवर्णिन्यै नमः।
२९६ ॐ सारस्यै नमः।
२९७ ॐ नीलकण्ठाभायै नमः।
२९८ ॐ कूजत्कोकिलपोतक्यै नमः।
२९९ ॐ गिरिराजप्रस्वै नमः।
३०० ॐ भूर्यै नमः।
३०१ ॐ आतपत्रायै नमः।
३०२ ॐ आतपत्रिण्यै नमः।
३०३ ॐ गोवर्द्धनाङ्कगायै नमः।
३०४ ॐ गोदन्त्यै नमः।
३०५ ॐ दिव्यौषधिनिध्यै नमः।
३०६ ॐ सृत्यै नमः।
३०७ ॐ पारद्यै नमः।
३०८ ॐ पारदमय्यै नमः।
३०९ ॐ नारद्यै नमः।
३१० ॐ शारद्यै नमः।
३११ ॐ भृत्यै नमः।
३१२ ॐ श्रीकृष्णचरणाङ्कस्थायै नमः।
३१३ ॐ अकामायै नमः।
३१४ ॐ कामवनाञ्चितायै नमः।
३१५ ॐ कामाटव्यै नमः।
३१६ ॐ नन्दिन्यै नमः।
३१७ ॐ नन्दग्राममह्यै नमः।
३१८ ॐ धरायै नमः।
३१९ ॐ बृहत्सानुद्युतिप्रोतायै नमः।
३२० ॐ नन्दीश्वरसमन्वितायै नमः।
३२१ ॐ काकल्यै नमः।
३२२ ॐ कोकिलमय्यै नमः।
३२३ ॐ भाण्डीरकुशकौशलायै नमः।
३२४ ॐ लोहार्गलप्रदायै नमः।
३२५ ॐ कारायै नमः।
३२६ ॐ काश्मीरवसनायै नमः।
३२७ ॐ वृतायै नमः।
३२८ ॐ बर्हिषद्यै नमः।
३२९ ॐ शोणपुर्यै नमः।
३३० ॐ शूरक्षेत्रपुराधिकायै नमः।

३३१ ॐ नानाभरणशोभाढ्यायै नमः।
३३२ ॐ नानावर्णसमन्वितायै नमः।
३३३ ॐ नानानारीकदम्बाढ्यायै नमः।
३३४ ॐ नानारङ्गमहीरुहायै नमः।
३३५ ॐ नानालोकगतायै नमः।
३३६ ॐ अभ्यर्च्यै नमः।
३३७ ॐ नानाजलसमन्वितायै नमः।
३३८ ॐ स्त्रीरत्नाय नमः।
३३९ ॐ रत्ननिलयायै नमः।
३४० ॐ ललनायै नमः।
३४१ ॐ रत्नरञ्जिन्यै नमः।
३४२ ॐ रङ्गिण्यै नमः।
३४३ ॐ रङ्गभूमाढ्यायै नमः।
३४४ ॐ रङ्गायै नमः।
३४५ ॐ रङ्गमहीरुहायै नमः।
३४६ ॐ राजविद्यायै नमः।
३४७ ॐ राजगुह्यायै नमः।
३४८ ॐ जगत्कीर्त्यै नमः।
३४९ ॐ घनायै नमः।
३५० ॐ अघनायै नमः।
३५१ ॐ विलोलघण्टायै नमः।
३५२ ॐ कृष्णाङ्गायै नमः।
३५३ ॐ कृष्णदेहसमुद्भवायै नमः।
३५४ ॐ नीलपङ्कजवर्णाभायै नमः।
३५५ ॐ नीलपङ्कजहारिण्यै नमः।
३५६ ॐ नीलाभायै नमः।
३५७ ॐ नीलपद्माढ्यायै नमः।
३५८ ॐ नीलाम्भोरुहवासिन्यै नमः।
३५९ ॐ नागवल्ल्यै नमः।
३६० ॐ नागपुर्यै नमः।
३६१ ॐ नागवल्लीदलार्चितायै नमः।
३६२ ॐ ताम्बूलचर्चितायै नमः।
३६३ ॐ चर्चायै नमः।
३६४ ॐ मकरन्दमनोहरायै नमः।
३६५ ॐ सकेशरायै नमः।
३६६ ॐ केशरिण्यै नमः।
३६७ ॐ केशपाशाभिशोभितायै नमः।
३६८ ॐ कज्जलाभायै नमः।
३६९ ॐ कज्जलाक्तायै नमः।
३७० ॐ कज्जल्यै नमः।
३७१ ॐ कलिताञ्जनायै नमः।
३७२ ॐ अलक्तचरणायै नमः।
३७३ ॐ ताम्रायै नमः।
३७४ ॐ लालायै नमः।
३७५ ॐ ताम्रीकृताम्बरायै नमः।
३७६ ॐ सिन्दूरितायै नमः।
३७७ ॐ अलिप्तवाण्यै नमः।
३७८ ॐ सुश्रियै नमः।
३७९ ॐ श्रीखण्डमण्डितायै नमः।
३८० ॐ पाटीरपङ्कवसनायै नमः।
३८१ ॐ जटामांस्यै नमः।
३८२ ॐ स्त्रगम्बरायै नमः।
३८३ ॐ आगर्यै नमः।
३८४ ॐ अगुरुगन्धाक्तायै नमः।
३८५ ॐ तगराश्रितमारुतायै नमः।
३८६ ॐ सुगन्धितैलरुचिरायै नमः।

३८७ ॐ कुन्तलाल्यै नमः।
३८८ ॐ सकुन्तलायै नमः।
३८९ ॐ शकुन्तलायै नमः।
३९० ॐ अपांसुलायै नमः।
३९१ ॐ पातिव्रत्यपरायणायै नमः।
३९२ ॐ सूर्यप्रभायै नमः।
३९३ ॐ सूर्यकन्यायै नमः।
३९४ ॐ सूर्यदेहसमुद्भवायै नमः।
३९५ ॐ कोटिसूर्यप्रतीकाशायै नमः।
३९६ ॐ सूर्यजायै नमः।
३९७ ॐ सूर्यनन्दिन्यै नमः।
३९८ ॐ संज्ञायै नमः।
३९९ ॐ संज्ञासुतायै नमः।
४०० ॐ स्वेच्छायै नमः।
४०१ ॐ संज्ञामोदप्रदायिन्यै नमः।
४०२ ॐ संज्ञापुत्र्यै नमः।
४०३ ॐ स्फुरच्छायायै नमः।
४०४ ॐ तपतीतापकारिण्यै नमः।
४०५ ॐ सावर्ण्यानुभवायै नमः।
४०६ ॐ देव्यै नमः।
४०७ ॐ वडवायै नमः।
४०८ ॐ सौख्यदायिन्यै नमः।
४०९ ॐ शनैश्चरानुजायै नमः।
४१० ॐ कीलायै नमः।
४११ ॐ चन्द्रवंशविवर्द्धिन्यै नमः।
४१२ ॐ चन्द्रवंशवध्वै नमः।
४१३ ॐ चन्द्रायै नमः।
४१४ ॐ चन्द्रावलिसहायिन्यै नमः।
४१५ ॐ चन्द्रावत्यै नमः।
४१६ ॐ चन्द्रलेखायै नमः।
४१७ ॐ चन्द्रकान्तायै नमः।
४१८ ॐ अनुगायै नमः।
४१९ ॐ अंशुकायै नमः।
४२० ॐ भैरव्यै नमः।
४२१ ॐ पिङ्गलाशङ्क्यै नमः।
४२२ ॐ लीलावत्यै नमः।
४२३ ॐ आगरीमय्यै नमः।
४२४ ॐ धनश्रियै नमः।
४२५ ॐ देवगान्धार्यै नमः।
४२६ ॐ स्वर्मण्यै नमः।
४२७ ॐ गुणवर्द्धिन्यै नमः।
४२८ ॐ ब्रजमल्लायै नमः।
४२९ ॐ अर्यन्धकर्यै नमः।
४३० ॐ विचित्रायै नमः।
४३१ ॐ जयकारिण्यै नमः।
४३२ ॐ गान्धार्यै नमः।
४३३ ॐ मञ्जर्यै नमः।
४३४ ॐ टोड्यै नमः।
४३५ ॐ गुर्जर्यै नमः।
४३६ ॐ आशावर्यै नमः।
४३७ ॐ जयायै नमः।
४३८ ॐ कर्णाट्यै नमः।
४३९ ॐ रागिण्यै नमः।
४४० ॐ गौर्यै नमः।
४४१ ॐ वैराट्यै नमः।
४४२ ॐ गौरवाटिकायै नमः।

४४३ ॐ चतुश्चन्द्रायै नमः।
४४४ ॐ कलाहेर्यै नमः।
४४५ ॐ तैलङ्ग्यै नमः।
४४६ ॐ विजयावत्यै नमः।
४४७ ॐ ताल्यै नमः।
४४८ ॐ तालस्वरायै नमः।
४४९ ॐ गानायै नमः।
४५० ॐ क्रियामात्रप्रकाशिन्यै नमः।
४५१ ॐ वैशाख्यै नमः।
४५२ ॐ चञ्चलायै नमः।
४५३ ॐ चार्वै नमः।
४५४ ॐ माचार्यै नमः।
४५५ ॐ घूघट्यै नमः।
४५६ ॐ घटायै नमः।
४५७ ॐ वैरागर्यै नमः।
४५८ ॐ सोरट्यै नमः।
४५९ ॐ ईशायै नमः।
४६० ॐ कैदार्यै नमः।
४६१ ॐ जलधारिकायै नमः।
४६२ ॐ कामाकरश्रियै नमः।
४६३ ॐ कल्याण्यै नमः।
४६४ ॐ गौडकल्याणमिश्रितायै नमः।
४६५ ॐ रामसंजीविन्यै नमः।
४६६ ॐ हेलायै नमः।
४६७ ॐ मन्दार्यै नमः।
४६८ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
४६९ ॐ सारङ्ग्यै नमः।
४७० ॐ मारुत्यै नमः।
४७१ ॐ होढायै नमः।
४७२ ॐ सागर्यै नमः।
४७३ ॐ कामवादिन्यै नमः।
४७४ ॐ वैभास्यै नमः।
४७५ ॐ मङ्गलायै नमः।
४७६ ॐ चान्द्र्यै नमः।
४७७ ॐ रासमण्डलमण्डनायै नमः।
४७८ ॐ कामधेन्वै नमः।
४७९ ॐ कामलतायै नमः।
४८० ॐ कामदायै नमः।
४८१ ॐ कमनीयकायै नमः।
४८२ ॐ कल्पवृक्षस्थल्यै नमः।
४८३ ॐ स्थूलायै नमः।
४८४ ॐ क्षुधायै नमः।
४८५ ॐ सौधनिवासिन्यै नमः।
४८६ ॐ गोलोकवासिन्यै नमः।
४८७ ॐ सुभ्रुवै नमः।
४८८ ॐ यष्टिभृते नमः।
४८९ ॐ द्वारपालिकायै नमः।
४९० ॐ शृङ्गारप्रकारायै नमः।
४९१ ॐ शृङ्गायै नमः।
४९२ ॐ स्वच्छायै नमः।
४९३ ॐ शय्योपकारिकायै नमः।
४९४ ॐ पार्षदायै नमः।
४९५ ॐ सुमुख्यै नम।
४९६ ॐ सेव्यायै नमः।
४९७ ॐ श्रीवृन्दावनपालिकायै नमः।
४९८ ॐ निकुञ्जभृते नमः।

४९९ ॐ कुञ्जपुञ्जायै नमः।
५०० ॐ गुञ्जाभरणभूषितायै नमः।
५०१ ॐ निकुञ्जवासिन्यै नमः।
५०२ ॐ प्रोष्यायै नमः।
५०३ ॐ गोवर्द्धनतटीभवायै नमः।
५०४ ॐ विशाखायै नमः।
५०५ ॐ ललितायै नमः।
५०६ ॐ रामायै नमः।
५०७ ॐ नीरुजायै नमः।
५०८ ॐ मधुमाधव्यै नमः।
५०९ ॐ एकस्यै नमः।
५१० ॐ नैकसख्यै नमः।
५११ ॐ शुक्लायै नमः।
५१२ ॐ सखीमध्यायै नमः।
५१३ ॐ महामनसे नमः।
५१४ ॐ श्रुतिरूपायै नमः।
५१५ ॐ ऋषिरूपायै नमः।
५१६ ॐ मैथिलाभ्यः स्त्रीभ्यो नमः।
५१७ ॐ कौशलाभ्यः स्त्रीभ्यो नमः।
५१८ ॐ अयोध्यापुरवासिनीभ्यो नमः।
५१९ ॐ यज्ञसीताभ्यो नमः।
५२० ॐ पुलिन्दकाभ्यो नमः।
५२१ ॐ रमावैकुण्ठवासिनीभ्यो नमः।
५२२ ॐ श्वेतद्वीपसखीजनेभ्यो नमः।
५२३ ॐ ऊर्ध्ववैकुण्ठवासिनीभ्यो नमः।
५२४ ॐ दिव्याजितपदाश्रिताभ्यो नमः।
५२५ ॐ श्रीलोकाचलवासिनीभ्यो नमः।
५२६ ॐ श्रीसखीभ्यो नमः।
५२७ ॐ सागरोद्भवाभ्यो नमः।
५२८ ॐ दिव्याभ्यो नमः।
५२९ ॐ अदिव्याभ्यो नमः।
५३० ॐ दिव्याङ्गाभ्यो नमः।
५३१ ॐ व्याप्ताभ्यो नमः।
५३२ ॐ त्रिगुणवृत्तिभ्यो नमः।
५३३ ॐ भूमिगोपीभ्यो नमः।
५३४ ॐ देवनारीभ्यो नमः।
५३५ ॐ लताभ्यो नमः।
५३६ ॐ ओषधिवीरुद्भ्यो नमः।
५३७ ॐ जालन्धरीभ्यो नमः।
५३८ ॐ सिन्धुसुताभ्यो नमः।
५३९ ॐ पृथुबर्हिष्मतीभवाभ्यो नमः।
५४० ॐ दिव्याम्बराभ्यो नमः।
५४१ ॐ अप्सरोभ्यो नमः।
५४२ ॐ सौतलाभ्यो नमः।
५४३ ॐ नागकन्यकाभ्यो नमः।
५४४ ॐ परस्मै धाम्ने नमः।
५४५ ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः।
५४६ ॐ पौरुषायै नमः।
५४७ ॐ प्रकृत्यै परस्यै नमः।
५४८ ॐ तटस्थायै नमः।
५४९ ॐ गुणभ्वै नमः।
५५० ॐ गीतायै नमः।
५५१ ॐ गुणागुणमय्यै नमः।
५५२ ॐ गुणायै नमः।
५५३ ॐ चिद्घनायै नमः।
५५४ ॐ सदसन्मालायै नमः।

५५५ ॐ दृष्ट्यै नमः।
५५६ ॐ दृश्यायै नमः।
५५७ ॐ गुणाकर्यै नमः।
५५८ ॐ महत्तत्त्वाय नमः।
५५९ ॐ अहंकाराय नमः।
५६० ॐ मनसे नमः।
५६१ ॐ बुद्ध्यै नमः।
५६२ ॐ प्रचेतनायै नमः।
५६३ ॐ चेतसे नमः।
५६४ ॐ वृत्त्यै नमः।
५६५ ॐ स्वान्तरात्मने नमः।
५६६ ॐ चतुर्थ्यै नमः।
५६७ ॐ चतुरक्षरायै नमः।
५६८ ॐ चतुर्व्यूहायै नमः।
५६९ ॐ चतुर्मूर्त्यै नमः।
५७० ॐ व्योम्ने नमः।
५७१ ॐ वायवे नमः।
५७२ ॐ अदसे नमः।
५७३ ॐ जलाय नमः।
५७४ ॐ मह्यै नमः।
५७५ ॐ शब्दाय नमः।
५७६ ॐ रसाय नमः।
५७७ ॐ गन्धाय नमः।
५७८ ॐ स्पर्शाय नमः।
५७९ ॐ रूपाय नमः।
५८० ॐ अनेकधायै नमः।
५८१ ॐ कर्मेन्द्रियाय नमः।
५८२ ॐ कर्ममय्यै नमः।
५८३ ॐ ज्ञानाय नमः।
५८४ ॐ ज्ञानेन्द्रियाय नमः।
५८५ ॐ द्विधायै नमः।
५८६ ॐ त्रिधायै नमः।
५८७ ॐ अधिभूताय नमः।
५८८ ॐ अध्यात्माय नमः।
५८९ ॐ अधिदैवाय नमः।
५९० ॐ अधिष्ठिताय नमः।
५९१ ॐ ज्ञानशक्त्यै नमः।
५९२ ॐ क्रियाशक्त्यै नमः।
५९३ ॐ सर्वदेवाधिदेवतायै नमः।
५९४ ॐ तत्त्वसंघायै नमः।
५९५ ॐ विराण्मूर्त्यै नमः।
५९६ ॐ धारणायै नमः।
५९७ ॐ धारणामय्यै नमः।
५९८ ॐ श्रुत्यै नमः।
५९९ ॐ स्मृत्यै नमः।
६०० ॐ वेदमूर्त्यै नमः।
६०१ ॐ संहितायै नमः।
६०२ ॐ गर्गसंहितायै नमः।
६०३ ॐ पाराशर्यै नमः।
६०४ ॐ सृष्ट्यै नमः।
६०५ ॐ पारहंस्यै नमः।
६०६ ॐ विधातृकायै नमः।
६०७ ॐ याज्ञवल्क्यै नमः।
६०८ ॐ भागवत्यै नमः।
६०९ ॐ श्रीमद्भागवतार्चितायै नमः।
६१० ॐ रामायणमय्यै नमः।

६११ ॐ रम्यायै नमः।
६१२ ॐ पुराणपुरुषप्रियायै नमः।
६१३ ॐ पुराणमूर्त्यै नमः।
६१४ ॐ पुण्याङ्गायै नमः।
६१५ ॐ शास्त्रमूर्त्यै नमः।
६१६ ॐ महोन्नतायै नमः।
६१७ ॐ मनीषायै नमः।
६१८ ॐ धिषणायै नमः।
६१९ ॐ बुद्ध्यै नमः।
६२० ॐ वाण्यै नमः।
६२१ ॐ धियै नमः।
६२२ ॐ शेमुष्यै नमः।
६२३ ॐ मत्यै नमः।
६२४ ॐ गायत्र्यै नमः।
६२५ ॐ वेदसावित्र्यै नमः।
६२६ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
६२७ ॐ ब्रह्मलक्षणायै नमः।
६२८ ॐ दुर्गायै नमः।
६२९ ॐ अपर्णायै नमः।
६३० ॐ सत्यै नमः।
६३१ ॐ सत्यायै नमः।
६३२ ॐ पार्वत्यै नमः।
६३३ ॐ चण्डिकायै नमः।
६३४ ॐ अम्बिकायै नमः।
६३५ ॐ आर्यायै नमः।
६३६ ॐ दाक्षायण्यै नमः।
६३७ ॐ दाक्ष्यै नमः।
६३८ ॐ दक्षयज्ञविघातिन्यै नमः।
६३९ ॐ पुलोमजायै नमः।
६४० ॐ शच्यै नमः।
६४१ ॐ इन्द्राण्यै नमः।
६४२ ॐ देव्यै नमः।
६४३ ॐ देववरार्पितायै नमः।
६४४ ॐ वायुना धारिण्यै नमः।
६४५ ॐ धन्यायै नमः।
६४६ ॐ वायव्यै नमः।
६४७ ॐ वायुवेगगायै नमः।
६४८ ॐ यमानुजायै नमः।
६४९ ॐ संयमन्यै नमः।
६५० ॐ संज्ञायै नमः।
६५१ ॐ छायायै नमः।
६५२ ॐ स्फुरद्द्युत्यै नमः।
६५३ ॐ रत्नवेद्यै नमः।
६५४ ॐ रत्नवृन्दायै नमः।
६५५ ॐ तारायै नमः।
६५६ ॐ तरणिमण्डलायै नमः।
६५७ ॐ रुच्यै नमः।
६५८ ॐ शान्त्यै नमः।
६५९ ॐ क्षमायै नमः।
६६० ॐ शोभायै नमः।
६६१ ॐ दयायै नमः।
६६२ ॐ दक्षायै नमः।
६६३ ॐ द्युत्यै नमः।
६६४ ॐ त्रपायै नमः।
६६५ ॐ तलतुष्ट्यै नमः।
६६६ ॐ विभायै नमः।

६६७ ॐ पुष्ट्यै नमः।
६६८ ॐ संतुष्ट्यै नमः।
६६९ ॐ पुष्टभावनायै नमः।
६७० ॐ चतुर्भुजायै नमः।
६७१ ॐ चारुनेत्रायै नमः।
६७२ ॐ द्विभुजायै नमः।
६७३ ॐ अष्टभुजायै नमः।
६७४ ॐ अबलायै नमः।
६७५ ॐ शङ्खहस्तायै नमः।
६७६ ॐ पद्महस्तायै नमः।
६७७ ॐ चक्रहस्तायै नमः।
६७८ ॐ गदाधरायै नमः।
६७९ ॐ निषङ्गधारिण्यै नमः।
६८० ॐ चर्मखड्गपाणये नमः।
६८१ ॐ धनुर्धरायै नमः।
६८२ ॐ धनुष्टंकारिण्यै नमः।
६८३ ॐ योद्ध्र्यै नमः।
६८४ ॐ दैत्योद्भटविनाशिन्यै नमः।
६८५ ॐ रथस्थायै नमः।
६८६ ॐ गरुडारूढायै नमः।
६८७ ॐ श्रीकृष्णहृदयस्थितायै नमः।
६८८ ॐ वंशीधरायै नमः।
६८९ ॐ कृष्णवेषायै नमः।
६९० ॐ स्त्रग्विण्यै नमः।
६९१ ॐ वनमालिन्यै नमः।
६९२ ॐ किरीटधारिण्यै नमः।
६९३ ॐ यानायै नमः।
६९४ ॐ मन्दमन्दगत्यै नमः।
६९५ ॐ गत्यै नमः।
६९६ ॐ चन्द्रकोटिप्रतीकाशायै नमः।
६९७ ॐ तन्व्यै नमः।
६९८ ॐ कोमलविग्रहायै नमः।
६९९ ॐ भैष्म्यै नमः।
७०० ॐ भीष्मसुतायै नमः।
७०१ ॐ अभीमायै नमः।
७०२ ॐ रुक्मिण्यै नमः।
७०३ ॐ रुक्मरूपिण्यै नमः।
७०४ ॐ सत्यभामायै नमः।
७०५ ॐ जाम्बवत्यै नमः।
७०६ ॐ सत्यायै नमः।
७०७ ॐ भद्रायै नमः।
७०८ ॐ सुदक्षिणायै नमः।
७०९ ॐ मित्रविन्दायै नमः।
७१० ॐ सख्यै नमः।
७११ ॐ वृन्दायै नमः।
७१२ ॐ वृन्दारण्यध्वजायै नमः।
७१३ ॐ ऊर्ध्वगायै नमः।
७१४ ॐ शृङ्गारकारिण्यै नमः।
७१५ ॐ शृङ्गायै नमः।
७१६ ॐ शृङ्गभ्वै नमः।
७१७ ॐ शृङ्गदायै नमः।
७१८ ॐ खगायै नमः।
७१९ ॐ तितिक्षायै नमः।
७२० ॐ ईक्षायै नमः।
७२१ ॐ स्मृत्यै नमः।
७२२ ॐ स्पर्धायै नमः।

७२३ ॐ स्पृहायै नमः।
७२४ ॐ श्रद्धायै नमः।
७२५ ॐ स्वनिर्वृत्यै नमः।
७२६ ॐ ईशायै नमः।
७२७ ॐ तृष्णायै नमः।
७२८ ॐ भिदायै नमः।
७२९ ॐ प्रीत्यै नमः।
७३० ॐ हिंसायै नमः।
७३१ ॐ याच्ञायै नमः।
७३२ ॐ क्लमायै नमः।
७३३ ॐ कृष्यै नमः।
७३४ ॐ आशायै नमः।
७३५ ॐ निद्रायै नमः।
७३६ ॐ योगनिद्रायै नमः।
७३७ ॐ योगिन्यै नमः।
७३८ ॐ योगदायै नमः।
७३९ ॐ युगायै नमः।
७४० ॐ निष्ठायै नमः।
७४१ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
७४२ ॐ शमित्यै नमः।
७४३ ॐ सत्त्वप्रकृत्यै नमः।
७४४ ॐ उत्तमायै नमः।
७४५ ॐ तमःप्रकृतिदुर्मर्ष्यै नमः।
७४६ ॐ रजःप्रकृत्यै नमः।
७४७ ॐ आनत्यै नमः।
७४८ ॐ क्रियायै नमः।
७४९ ॐ अक्रियायै नमः।
७५० ॐ कृत्यै नमः।
७५१ ॐ ग्लान्यै नमः।
७५२ ॐ सात्त्विक्यै नमः।
७५३ ॐ आध्यात्मिक्यै नमः।
७५४ ॐ वृषायै नमः।
७५५ ॐ सेवायै नमः।
७५६ ॐ शिखायै नमः।
७५७ ॐ मण्यै नमः।
७५८ ॐ वृद्ध्यै नमः।
७५९ ॐ आहूत्यै नमः।
७६० ॐ सुमत्यै नमः।
७६१ ॐ दिवे नमः।
७६२ ॐ भुवे नमः।
७६३ ॐ रज्जुर्द्विदाम्न्यै नमः।
७६४ ॐ षड्वर्गायै नमः।
७६५ ॐ संहितायै नमः।
७६६ ॐ सौख्यदायिन्यै नमः।
७६७ ॐ मुक्त्यै नमः।
७६८ ॐ प्रोक्त्यै नमः।
७६९ ॐ देशभाषायै नमः।
७७० ॐ प्रकृत्यै नमः।
७७१ ॐ पिङ्गलोद्भवायै नमः।
७७२ ॐ नागभाषायै नमः।
७७३ ॐ नागभूषायै नमः।
७७४ ॐ नागर्यै नमः।
७७५ ॐ नगर्यै नमः।
७७६ ॐ नगायै नमः।
७७७ ॐ नावे नमः।
७७८ ॐ नौकायै नमः।

७७९ ॐ भवनावे नमः।
७८० ॐ भाव्यायै नमः।
७८१ ॐ भवसागरसेतुकायै नमः।
७८२ ॐ मनोमय्यै नमः।
७८३ ॐ दारुमय्यै नमः।
७८४ ॐ सैकत्यै नमः।
७८५ ॐ सिकतामय्यै नमः।
७८६ ॐ लेख्यायै नमः।
७८७ ॐ लेप्यायै नमः।
७८८ ॐ मणिमय्यै नमः।
७८९ ॐ हेमनिर्मितप्रतिमायै नमः।
७९० ॐ शैल्यै नमः।
७९१ ॐ शैलभवायै नमः।
७९२ ॐ शीलायै नमः।
७९३ ॐ शीकराभायै नमः।
७९४ ॐ चलायै नमः।
७९५ ॐ अचलायै नमः।
७९६ ॐ अस्थितायै नमः।
७९७ ॐ सुस्थितायै नमः।
७९८ ॐ तूल्यै नमः।
७९९ ॐ वैदिक्यै नमः।
८०० ॐ तान्त्रिक्यै नमः।
८०१ ॐ विधये नमः।
८०२ ॐ संध्यायै नमः।
८०३ ॐ संध्याभ्रवसनायै नमः।
८०४ ॐ वेदसंधये नमः।
८०५ ॐ सुधामय्यै नमः।
८०६ ॐ सायंतन्यै नमः।
८०७ ॐ शिखायै नमः।
८०८ ॐ अवेध्यायै नमः।
८०९ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
८१० ॐ जीवकलायै नमः।
८११ ॐ कृत्यै नमः।
८१२ ॐ आत्मभूतायै नमः।
८१३ ॐ भावितायै नमः।
८१४ ॐ अण्व्यै नमः।
८१५ ॐ प्रह्वयै नमः।
८१६ ॐ कमलकर्णिकायै नमः।
८१७ ॐ नीराजन्यै नमः।
८१८ ॐ महाविद्यायै नमः।
८१९ ॐ कंदल्यै नमः।
८२० ॐ कार्यसाधन्यै नमः।
८२१ ॐ पूजायै नमः।
८२२ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
८२३ ॐ विपुलायै नमः।
८२४ ॐ पुनन्त्यै नमः।
८२५ ॐ पारलौकिक्यै नमः।
८२६ ॐ शुक्लशुक्त्यै नमः।
८२७ ॐ मौक्तिकायै नमः।
८२८ ॐ प्रतीत्यै नमः।
८२९ ॐ परमेश्वर्यै नमः।
८३० ॐ विरजायै नमः।
८३१ ॐ उष्णिहे नमः।
८३२ ॐ विराजे नमः।
८३३ ॐ वेण्यै नमः।
८३४ ॐ वेणुकायै नमः।

८३५ ॐ वेणुनादिन्यै नमः।
८३६ ॐ आवर्तिन्यै नमः।
८३७ ॐ वार्तिकदायै नमः।
८३८ ॐ वार्त्तायै नमः।
८३९ ॐ वृत्त्यै नमः।
८४० ॐ विमानगायै नमः।
८४१ ॐ रासाढ्यायै नमः।
८४२ ॐ रासिन्यै नमः।
८४३ ॐ रासायै नमः।
८४४ ॐ रासमण्डलवर्तिन्यै नमः।
८४५ ॐ गोपगोपीश्वर्यै नमः।
८४६ ॐ गोप्यै नमः।
८४७ ॐ गोपीगोपालवन्दितायै नमः।
८४८ ॐ गोचारिण्यै नमः।
८४९ ॐ गोपनद्यै नमः।
८५० ॐ गोपानन्दप्रदायिन्यै नमः।
८५१ ॐ पशव्यदायै नमः।
८५२ ॐ गोपसेव्यायै नमः।
८५३ ॐ कोटिशो गोगणावृतायै नमः।
८५४ ॐ गोपानुगायै नमः।
८५५ ॐ गोपवत्यै नमः।
८५६ ॐ गोविन्दपदपादुकायै नमः।
८५७ ॐ वृषभानुसुतायै नमः।
८५८ ॐ राधायै नमः।
८५९ ॐ श्रीकृष्णवशकारिण्यै नमः।
८६० ॐ कृष्णप्राणाधिकायै नमः।
८६१ ॐ शश्वद्रसिकायै नमः।
८६२ ॐ रसिकेश्वर्यै नमः।
८६३ ॐ अवटोदायै नमः।
८६४ ॐ ताम्रपर्ण्यै नमः।
८६५ ॐ कृतमालायै नमः।
८६६ ॐ विहायस्यै नमः।
८६७ ॐ कृष्णायै नमः।
८६८ ॐ वेण्यै नमः।
८६९ ॐ भीमरथ्यै नमः।
८७० ॐ ताप्यै नमः।
८७१ ॐ रेवायै नमः।
८७२ ॐ महापगायै नमः।
८७३ ॐ वैयासक्यै नमः।
८७४ ॐ कावेर्यै नमः।
८७५ ॐ तुङ्गभद्रायै नमः।
८७६ ॐ सरस्वत्यै नमः।
८७७ ॐ चन्द्रभागायै नमः।
८७८ ॐ वेत्रवत्यै नमः।
८७९ ॐ ऋषिकुल्यायै नमः।
८८० ॐ ककुद्मिन्यै नमः।
८८१ ॐ गौतम्यै नमः।
८८२ ॐ कौशिक्यै नमः।
८८३ ॐ सिन्धवे नमः।
८८४ ॐ बाणगङ्गायै नमः।
८८५ ॐ अतिसिद्धिदायै नमः।
८८६ ॐ गोदावर्यै नमः।
८८७ ॐ रत्नमालायै नमः।
८८८ ॐ गङ्गायै नमः।
८८९ ॐ मन्दाकिन्यै नमः।
८९० ॐ बलायै नमः।
८९१ ॐ स्वर्णद्यै नमः।
८९२ ॐ जाह्नव्यै नमः।

८९३ ॐ वेलायै नमः।
८९४ ॐ वैष्णव्यै नमः।
८९५ ॐ मङ्गलालयायै नमः।
८९६ ॐ बालायै नमः।
८९७ ॐ विष्णुपदीप्रोक्तायै नमः।
८९८ ॐ सिन्धुसागरसंगतायै नमः।
८९९ ॐ गङ्गासागरशोभाढ्यायै नमः।
९०० ॐ सामुद्र्यै नमः।
९०१ ॐ रत्नदायै नमः।
९०२ ॐ धुन्यै नमः।
९०३ ॐ भागीरथ्यै नमः।
९०४ ॐ स्वर्धुनीभुवे नमः।
९०५ ॐ श्रीवामनपदच्युतायै नमः।
९०६ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
९०७ ॐ रमायै नमः।
९०८ ॐ रमणीयायै नमः।
९०९ ॐ भार्गव्यै नमः।
९१० ॐ विष्णुवल्लभायै नमः।
९११ ॐ सीतायै नमः।
९१२ ॐ अर्चिषे नमः।
९१३ ॐ जानक्यै नमः।
९१४ ॐ मात्रे नमः।
९१५ ॐ कलङ्करहितायै नमः।
९१६ ॐ कलायै नमः।
९१७ ॐ कृष्णपादाब्जसम्भूतायै नमः।
९१८ ॐ सर्वस्यै नमः।
९१९ ॐ त्रिपथगामिन्यै नमः।
९२० ॐ धरायै नमः।
९२१ ॐ विश्वम्भरायै नमः।
९२२ ॐ अनन्तायै नमः।
९२३ ॐ भूम्यै नमः।
९२४ ॐ धात्र्यै नमः।
९२५ ॐ क्षमामय्यै नमः।
९२६ ॐ स्थिरायै नमः।
९२७ ॐ धरित्र्यै नमः।
९२८ ॐ धरण्यै नमः।
९२९ ॐ उर्व्यै नमः।
९३० ॐ शेषफणस्थितायै नमः।
९३१ ॐ अयोध्यायै नमः।
९३२ ॐ राघवपुर्यै नमः।
९३३ ॐ कौशिक्यै नमः।
९३४ ॐ रघुवंशजायै नमः।
९३५ ॐ मथुरायै नमः।
९३६ ॐ माथुर्यै नमः।
९३७ ॐ पथे नमः।
९३८ ॐ यादव्यै नमः।
९३९ ॐ ध्रुवपूजितायै नमः।
९४० ॐ मयायुषे नमः।
९४१ ॐ बिल्वनीलोदायै नमः।
९४२ ॐ गङ्गाद्वारविनिर्गतायै नमः।
९४३ ॐ कुशावर्तमय्यै नमः।
९४४ ॐ ध्रौव्यायै नमः।
९४५ ॐ ध्रुवमण्डलमध्यगायै नमः।
९४६ ॐ काश्यै नमः।
९४७ ॐ शिवपुर्यै नमः।
९४८ ॐ शेषायै नमः।
९४९ ॐ विन्ध्यायै नमः।
९५० ॐ वाराणस्यै नमः।

१५१ ॐ शिवायै नमः।
१५२ ॐ अवन्तिकायै नमः।
१५३ ॐ देवपुर्यै नमः।
१५४ ॐ प्रोज्ज्वलायै नमः।
१५५ ॐ उज्जयिन्यै नमः।
१५६ ॐ जितायै नमः।
१५७ ॐ द्वारावत्यै नमः।
१५८ ॐ द्वारकामायै नमः।
१५९ ॐ कुशभूतायै नमः।
१६० ॐ कुशस्थल्यै नमः।
१६१ ॐ महापुर्यै नमः।
१६२ ॐ सप्तपुर्यै नमः।
१६३ ॐ नन्दिग्रामस्थलस्थितायै नमः।
१६४ ॐ शालग्रामशिलादित्यायै नमः।
१६५ ॐसम्भलग्राममध्यगायै नमः।
१६६ ॐ वंशगोपालिन्यै नमः।
१६७ ॐ क्षिप्तायै नमः।
१६८ ॐ हरिमन्दिरवर्तिन्यै नमः।
१६९ ॐ बर्हिष्मत्यै नमः।
१७० ॐ हस्तिपुर्यै नमः।
१७१ ॐ शक्रप्रस्थनिवासिन्यै नमः।
१७२ ॐ दाडिम्यै नमः।
१७३ ॐ सैन्धव्यै नमः।
१७४ ॐ जम्ब्वै नमः।
१७५ ॐ पौष्कर्यै नमः।
१७६ ॐ पुष्करप्रस्वै नमः।
१७७ ॐ उत्पलावर्तगमनायै नमः।
१७८ ॐ नैमिष्यै नमः।
१७९ ॐ नैमिषावृतायै नमः।
१८० ॐ कुरुजाङ्गलभ्वै नमः।
१८१ ॐ काल्यै नमः।
१८२ ॐ हैमवत्यै नमः।
१८३ ॐ आर्बुद्यै नमः।
१८४ ॐ बुधायै नमः।
१८५ ॐ शूकरक्षेत्रविदितायै नमः।
१८६ ॐ श्वेतवाराहधारितायै नमः।
१८७ ॐ सर्वतीर्थमय्यै नमः।
१८८ ॐ तीर्थायै नमः।
१८९ ॐ तीर्थानां तीर्थकारिण्यै नमः।
१९० ॐ सर्वदोषाणां हारिण्यै नमः।
१९१ ॐ सर्वसम्पदां दायिन्यै नमः।
१९२ ॐ तेजसां वर्धिन्यै नमः।
१९३ ॐ साक्षात् गर्भवासनिकृन्तन्यै नमः।
१९४ ॐ गोलोकधाम धनिन्यै नमः।
१९५ ॐ निकुञ्जनिजमञ्जर्यै नमः।
१९६ ॐ सर्वोत्तमायै नमः।
१९७ ॐ सर्वपुण्यायै नमः।
१९८ ॐ सर्वसौन्दर्यशृङ्खलायै नमः।
१९९ ॐ सर्वतीर्थोपरिगतायै नमः।
१००० ॐ सर्वतीर्थाधिदेवतायै नमः।

॥ इति श्रीगर्गसंहितायां श्रीयमुनासहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीलक्ष्म्यै नमः ॥

श्रीलक्ष्मीसहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

भूयाद्भूयो द्विपद्माभयवरदकरा तप्तकार्तस्वराभा
शुभ्राभ्राभेभयुग्मद्वयकरधृतकुम्भाद्भिरासिच्यमाना ।
रक्तौघाबद्धमौलिर्विमलतरदुकूलार्तवालेपनाढ्या
पद्माक्षी पद्मनाभोरसि कृतवसतिः पद्मगा श्रीः श्रियै नः ॥*

स्तोत्रम्

श्रीः पद्मा प्रकृतिः सत्त्वा शान्ता चिच्छक्तिरव्यया।
केवला निष्कला शुद्धा व्यापिनी व्योमविग्रहा ॥ १ ॥
व्योमपद्मकृताधारा परा व्योमामृतोद्भवा।
निर्व्योमा व्योममध्यस्था पञ्चव्योमपदाश्रिता ॥ २ ॥
अच्युता व्योमनिलया परमानन्दरूपिणी।
नित्यशुद्धा नित्यतृप्ता निर्विकारा निरीक्षणा ॥ ३ ॥
ज्ञानशक्तिः कर्तृशक्तिर्भोक्तृशक्तिः शिखावहा।
स्नेहाभासा निरानन्दा विभूतिर्विमला चला ॥ ४ ॥

---

* 'जिन्होंने अपने दोनों हाथोंमें दो पद्म तथा शेष दोमें वर और अभय मुद्राएँ धारण कर रखी हैं, तप्त काञ्चनके समान जिनके शरीरकी कान्ति है, शुभ्र मेघकी-सी आभासे युक्त दो हाथियोंकी सूँड़ोंमें धारण किये हुए कलशोंके जलसे जिनका अभिषेक हो रहा है, रक्तवर्णके माणिक्यादि रत्नोंका मुकुट जिनके सिरपर सुशोभित है, जिनके वस्त्र अत्यन्त स्वच्छ हैं, ऋतुके अनुकूल चन्दनादि आलेपनके द्वारा जिनके अङ्ग लिप्त हैं, पद्मके समान जिनके नेत्र हैं, पद्मनाभ अर्थात् क्षीरशायी विष्णुभगवान्‌के उरःस्थलमें जिनका निवास है, वे कमलके आसनपर विराजमान श्रीदेवी हमारे लिये परम ऐश्वर्यका विधान करें।'

अनन्ता वैष्णवी व्यक्ता विश्वानन्दा विकाशिनी।
शक्तिर्विभिन्नसर्वार्तिः समुद्रपरितोषिणी॥ ५ ॥
मूर्तिः सनातनी हार्दी निस्तरङ्गा निरामया।
ज्ञानज्ञेया ज्ञानगम्या ज्ञानज्ञेयविकाशिनी॥ ६ ॥
स्वच्छन्दशक्तिर्गहना निष्कम्पार्चिः सुनिर्मला।
स्वरूपा सर्वगा पारा बृंहिणी सुगुणोर्जिता॥ ७ ॥
अकलङ्का निराधारा निःसंकल्पा निराश्रया।
असंकीर्णा सुशान्ता च शाश्वती भासुरी स्थिरा॥ ८ ॥
अनौपम्या निर्विकल्पा नियन्त्रा यन्त्रवाहिनी।
अभेद्या भेदिनी भिन्ना भारती वैखरी खगा॥ ९ ॥
अग्राह्या ग्राहिका गूढा गम्भीरा विश्वगोपिनी।
अनिर्देश्याप्रतिहता निर्बीजा पावनी परा॥ १० ॥
अप्रतर्क्या परिमिता भवभ्रान्तिविनाशिनी।
एका द्विरूपा त्रिविधा असंख्याता सुरेश्वरी॥ ११ ॥
सुप्रतिष्ठा महाधात्री स्थितिर्वृद्धिर्ध्रुवा गतिः।
ईश्वरी महिमा ऋद्धिः प्रमोदा उज्ज्वलोद्यमा॥ १२ ॥
अक्षया वर्धमाना च सुप्रकाशा विहङ्गमा।
नीरजा जननी नित्या जया रोचिष्मती शुभा॥ १३ ॥
तपोनुदा च ज्वाला च सुदीप्तिश्चांशुमालिनी।
अप्रमेया त्रिधा सूक्ष्मा परा निर्वाणदायिनी॥ १४ ॥
अवदाता सुशुद्धा च अमोघाख्या परम्परा।
संधानकी शुद्धविद्या सर्वभूतमहेश्वरी॥ १५ ॥

लक्ष्मीस्तुष्टिर्महाधीरा शान्तिरापूरणेन वा।
अनुग्रहाशक्तिराद्या जगज्ज्येष्ठा जगद्विधिः॥ १६॥
सत्या प्रह्वा क्रिया योग्या अपर्णा ह्लादिनी शिवा।
सम्पूर्णा ह्लादिनी शुद्धा ज्योतिष्मत्यमृतावहा॥ १७॥
रजोवत्यर्कप्रतिभाऽऽकर्षिणी कर्षिणी रसा।
परावसुमती देवा कान्तिः शान्तिर्मतिः कला॥ १८॥
कला कलङ्करहिता विशालोद्दीपनी रतिः।
सम्बोधिनी हारिणी च प्रभावा भवभूतिदा॥ १९॥
अमृतस्यन्दिनी जीवा जननी खण्डिका स्थिरा।
धूमा कलावती पूर्णा भासुरा सुमतीरसा॥ २०॥
शुद्धा ध्वनिः सृतिः सृष्टिर्विकृतिः कृष्टिरेव च।
प्रापणी प्राणदा प्रह्वा विश्वा पाण्डुरवासिनी॥ २१॥
अवनिर्वज्रनलिका चित्रा ब्रह्माण्डवासिनी।
अनन्तरूपानन्तात्मानन्तस्थानन्तसम्भवा॥ २२॥
महाशक्तिः प्राणशक्तिः प्राणदात्री रतिम्भरा।
महासमूहा निखिला इच्छाधारा सुखावहा॥ २३॥
प्रत्यक्षलक्ष्मीर्निष्कम्पा प्ररोहाबुद्धिगोचरा।
नानादेहा महावर्ता बहुदेहविकासिनी॥ २४॥
सहस्त्राणी प्रधाना च न्यायवस्तुप्रकाशिका।
सर्वाभिलाषपूर्णेच्छा सर्वा सर्वार्थभाषिणी॥ २५॥
नानास्वरूपचिद्धात्री शब्दपूर्वा पुरातना।
व्यक्ताव्यक्ता जीवकेशा सर्वेच्छापरिपूरिता॥ २६॥

संकल्पसिद्धा सांख्येया तत्त्वगर्भा धरावहा।
भूतरूपा चित्स्वरूपा त्रिगुणा गुणगर्विता॥ २७॥
प्रजापतीश्वरी रौद्री सर्वाधारा सुखावहा।
कल्याणवाहिका कल्या कलिकल्मषनाशिनी॥ २८॥
नीरूपोद्भिन्नसंताना सुयन्त्रा त्रिगुणालया।
महामाया योगमाया महायोगेश्वरी प्रिया॥ २९॥
महास्त्री विमला कीर्तिर्जया लक्ष्मीर्निरञ्जना।
प्रकृतिर्भगवन्माया शक्तिर्निद्रा यशस्करी॥ ३०॥
चिन्ताबुद्धिर्यशःप्राज्ञाशान्तिराप्रीतिवर्धिनी।
प्रद्युम्नमाता साध्वी च सुखसौभाग्यसिद्धिदा॥ ३१॥
काष्ठा निष्ठा प्रतिष्ठा च ज्येष्ठा श्रेष्ठा जयावहा।
सर्वातिशायिनी प्रीतिर्विश्वशक्तिर्महाबला॥ ३२॥
वरिष्ठा विजया वीरा जयन्ती विजयप्रदा।
हृद्गृहा गोपिनी गुह्या गणगन्धर्वसेविता॥ ३३॥
योगीश्वरी योगमाया योगिनी योगसिद्धिदा।
महायोगेश्वरवृता योगा योगेश्वरप्रिया॥ ३४॥
ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमिता सुरासुरवरप्रदा।
त्रिवर्त्मगा त्रिलोकस्था त्रिविक्रमपदोद्भवा॥ ३५॥
सुतारा तारिणी तारा दुर्गा संतारिणी परा।
सुतारिणी तारयन्ती भूरितारेश्वरप्रभा॥ ३६॥
गुह्यविद्या यज्ञविद्या महाविद्या सुशोभिता।
अध्यात्मविद्याविघ्नेशी पद्मस्था परमेष्ठिनी॥ ३७॥

आन्वीक्षिकी त्रयीवार्ता दण्डनीतिर्नयात्मिका।
गौरी वागीश्वरी गोप्त्री गायत्री कमलोद्भवा॥ ३८॥
विश्वम्भरा विश्वरूपा विश्वमाता वसुप्रदा।
सिद्धिः स्वाहा स्वधा स्वस्ति सुधा सर्वार्थसाधिनी॥ ३९॥
इच्छा सृष्टिर्द्युतिर्मूर्तिः कीर्तिः श्रद्धा दयामतिः।
श्रुतिर्मेधा धृतिर्ह्रीः श्रीर्विद्या विबुधवन्दिता॥ ४०॥
अनसूया घृणा नीतिर्निर्वृतिः कामधुक्करा।
प्रतिज्ञा संततिर्भूतिर्द्यौः प्रज्ञा विश्वमानिनी॥ ४१॥
स्मृतिर्वाग्विश्वजननी पश्यन्ती मध्यमा समा।
संध्या मेधा प्रभा भीमा सर्वाकारा सरस्वती॥ ४२॥
काङ्क्षा माया महामाया मोहिनी माधवप्रिया।
सौम्या भोगा महाभोगा भोगिनी भोगदायिनी॥ ४३॥
सुधौतकनकप्रख्या सुवर्णकमलासना।
हिरण्यगर्भा सुश्रोणी हारिणी रमणी रमा॥ ४४॥
चन्द्रा हिरणमयी ज्योत्स्ना रम्या शोभा शुभावहा।
त्रैलोक्यमण्डना नारी नरेश्वरवरार्चिता॥ ४५॥
त्रैलोक्यसुन्दरी रामा महाविभववाहिनी।
पद्मस्था पद्मनिलया पद्ममालाविभूषिता॥ ४६॥
पद्मयुग्मधरा कान्ता दिव्याभरणभूषिता।
विचित्ररत्नमुकुटा विचित्राम्बरभूषणा॥ ४७॥
विचित्रमाल्यगन्धाढ्या विचित्रायुधवाहना।
महानारायणी देवी वैष्णवी वीरवन्दिता॥ ४८॥

कालसंकर्षिणी घोरा तत्त्वसंकर्षिणी कला।
जगत्सम्पूरणी विश्वा महाविभवभूषणा॥ ४९॥
वारुणी वरदा व्याख्या घण्टाकर्णविराजिता।
नृसिंही भैरवी ब्राह्मी भास्करी व्योमचारिणी॥ ५०॥
ऐन्द्री कामधेनुः सृष्टिः कामयोनिर्महाप्रभा।
दृष्टा काम्या विश्वशक्तिर्बीजगत्यात्मदर्शना॥ ५१॥
गरुडारूढहृदया चान्द्री श्रीर्मधुरानना।
महोग्ररूपा वाराही नारसिंही हतासुरा॥ ५२॥
युगान्तहुतभुग्ज्वाला कराला पिङ्गला कला।
त्रैलोक्यभूषणा भीमा श्यामा त्रैलोक्यमोहिनी॥ ५३॥
महोत्कटा महारक्ता महाचण्डा महासना।
शङ्खिनी लेखिनी स्वस्थालिखिता खेचरेश्वरी॥ ५४॥
भद्रकाली चैकवीरा कौमारी भवमालिनी।
कल्याणी कामधुग्ज्वालामुखी चोत्पलमालिका॥ ५५॥
बालिका धनदा सूर्या हृदयोत्पलमालिका।
अजिता वर्षिणी रीतिर्भरुण्डा गरुडासना॥ ५६॥
वैश्वानरी महामाया महाकाली विभीषणा।
महामन्दारविभवा शिवानन्दा रतिप्रिया॥ ५७॥
उद्रीतिः पद्ममाला च धर्मवेगा विभावनी।
सत्क्रिया देवसेना च हिरण्यरजताश्रया॥ ५८॥
सहसावर्तमाना च हस्तिनादप्रमोदिनी।
हिरण्यपद्मवर्णा च हरिभद्रा सुदुर्धरा॥ ५९॥

सूर्या हिरण्यप्रकटसदृशी हेममालिनी।
पद्मानना नित्यपुष्टा देवमाताऽमृतोद्भवा॥ ६० ॥
महाधना च या शृङ्गी कार्दमी कम्बुकन्धरा।
आदित्यवर्णा चन्द्राभा गन्धद्वारा दुरासदा॥ ६१ ॥
वरार्चिता वरारोहा वरेण्या विष्णुवल्लभा।
कल्याणी वरदा वामा वामेशी विन्ध्यवासिनी॥ ६२ ॥
योगनिद्रा योगरता देवकी कामरूपिणी।
कंसविद्राविणी दुर्गा कौमारी कौशिकी क्षमा॥ ६३ ॥
कात्यायनी कालरात्रिर्निशितृप्ता सुदुर्जया।
विरूपाक्षी विशालाक्षी भक्तानां परिरक्षिणी॥ ६४॥
बहुरूपा स्वरूपा च विरूपा रूपवर्जिता।
घण्टानिनादबहुला जीमूतध्वनिनिःस्वना॥ ६५ ॥
महादेवेन्द्रमथिनी भ्रुकुटीकुटिलानना।
सत्योपयाचिता चैका कौबेरी ब्रह्मचारिणी॥ ६६ ॥
आर्या यशोदा सुतदा धर्मकामार्थमोक्षदा।
दारिद्र्यदुःखशमनी घोरदुर्गार्तिनाशिनी॥ ६७॥
भक्तार्तिशमनी भव्या भवभर्गापहारिणी।
क्षीराब्धितनया पद्मा कमला धरणीधरा॥ ६८ ॥
रुक्मिणी रोहिणी सीता सत्यभामा यशस्विनी।
प्रज्ञाधारामितप्रज्ञा वेदमाता यशोवती॥ ६९ ॥
समाधिर्भावना मैत्री करुणा भक्तवत्सला।
अन्तर्वेदी दक्षिणा च ब्रह्मचर्यपरा गतिः॥ ७० ॥

दीक्षा वीक्षा परीक्षा च समीक्षा वीरवत्सला।
अम्बिका सुरभिः सिद्धा सिद्धविद्याधरार्चिता॥ ७१॥
सुदीक्षा लेलिहाना च कराला विश्वपूरका।
विश्वसंधारिणी दीप्तिस्तापनी ताण्डवप्रिया॥ ७२॥
उद्भवा विरजा राज्ञी तापनी बिन्दुमालिनी।
क्षीरधारा सुप्रभावा लोकमाता सुवर्चसा॥ ७३॥
हव्यगर्भा चाज्यगर्भा जुह्वतो यज्ञसम्भवा।
आप्यायनी पावनी च दहनी दहनाश्रया॥ ७४॥
मातृका माधवी मुख्या मोक्षलक्ष्मीर्महर्द्धिदा।
सर्वकामप्रदा भद्रा सुभद्रा सर्वमङ्गला॥ ७५॥
श्वेता सुशुक्लवसना शुक्लमाल्यानुलेपना।
हंसाहीनकरी हंसी हृद्या हृत्कमलालया॥ ७६॥
सितातपत्रा सुश्रोणी पद्मपत्रायतेक्षणा।
सावित्री सत्यसंकल्पा कामदाकामकामिनी॥ ७७॥
दर्शनीया दृशा दृश्या स्पृश्या सेव्या वराङ्गना।
भोगप्रिया भोगवती भोगीन्द्रशयनासना॥ ७८॥
आर्द्रा पुष्करिणी पुण्या पावनी पापसूदनी।
श्रीमती च शुभाकारा परमैश्वर्यभूतिदा॥ ७९॥
अचिन्त्यानन्तविभवा भवभावविभावनी।
निश्रेणिः सर्वदेहस्था सर्वभूतनमस्कृता॥ ८०॥
बला बलाधिका देवी गौतमी गोकुलालया।
तोषिणी पूर्णचन्द्राभा एकानन्दा शतानना॥ ८१॥

उद्यानननगरद्वारहर्म्योपवनवासिनी ।
कूष्माण्डा दारुणा चण्डा किराती नन्दनालया ॥ ८२ ॥
कालायना कालगम्या भयदा भयनाशिनी ।
सौदामनी मेघरवा दैत्यदानवमर्दिनी ॥ ८३ ॥
जगन्माताभयकरी भूतधर्त्री सुदुर्लभा ।
काश्यपी शुभदात्री च वनमाला शुभा वरा ॥ ८४ ॥
धन्या धन्येश्वरी धन्या रत्नदा वसुवर्धिनी ।
गान्धर्वी रेवती गङ्गा शकुनी विमलानना ॥ ८५ ॥
इडा शान्तिकरी चैव तामसी कमलालया ।
आज्यपा वज्रकौमारी सोमपा कुसुमाश्रया ॥ ८६ ॥
जगत्प्रिया च सरथा दुर्जया खगवाहना ।
मनोभवा कामचारा सिद्धचारणसेविता ॥ ८७ ॥
व्योमलक्ष्मीर्महालक्ष्मीस्तेजोलक्ष्मीः सुजाज्वला ।
रसलक्ष्मीर्जगद्योनिर्गन्धलक्ष्मीर्वनाश्रया ॥ ८८ ॥
श्रवणा श्रावणी नेत्री रसनाप्राणचारिणी ।
विरिञ्चिमाता विभवा वरवारिजवाहना ॥ ८९ ॥
वीर्या वीरेश्वरी वन्द्या विशोका वसुवर्धिनी ।
अनाहता कुण्डलिनी नलिनी वनवासिनी ॥ ९० ॥
गान्धारिणीन्द्रनमिता सुरेन्द्रनमिता सती ।
सर्वमङ्गल्यमाङ्गल्या सर्वकामसमृद्धिदा ॥ ९१ ॥
सर्वानन्दा महानन्दा सत्कीर्तिः सिद्धसेविता ।
सिनीवाली कुहू राका अमा चानुमतिर्द्युतिः ॥ ९२ ॥

अरुन्धती वसुमती भार्गवी वास्तुदेवता।
मायूरी वज्रवेताली वज्रहस्ता वरानना॥ ९३ ॥
अनघा धरणिर्धीरा धमनी मणिभूषणा।
राजश्री रूपसहिता ब्रह्मश्रीर्ब्रह्मवन्दिता॥ ९४ ॥
जयश्रीर्जयदा ज्ञेया सर्गश्रीः स्वर्गतिः सताम्।
सुपुष्पा पुष्पनिलया फलश्रीर्निष्कलप्रिया॥ ९५ ॥
धनुर्लक्ष्मीस्त्वमिलिता परक्रोधनिवारिणी।
कद्रूर्धनायुः कपिला सुरसा सुरमोहिनी॥ ९६ ॥
महाश्वेता महानीला महामूर्तिर्विषापहा।
सुप्रभा ज्वालिनी दीप्तिस्तृप्तिर्व्याप्तिः प्रभाकरी॥ ९७ ॥
तेजोवती पद्मबोधा मदलेखारुणावती।
रत्ना रत्नावली भूता शतधामा शतापहा॥ ९८ ॥
त्रिगुणा घोषिणी रक्ष्या नर्दिनी घोषवर्जिता।
साध्यादितिर्दितिर्देवी मृगवाहा मृगाङ्कगा॥ ९९ ॥
चित्रनीलोत्पलगता वृषरत्नकराश्रया।
हिरण्यरजतद्वन्द्वा शङ्खभद्रासनस्थिता॥ १००॥
गोमूत्रगोमयक्षीरदधिसर्पिर्जलाश्रया ।
मरीचिश्चीरवसना पूर्णा चन्द्रार्कविष्टरा॥ १०१॥
सुसूक्ष्मा निर्वृतिः स्थूला निवृत्तारातिरेव च।
मरीचिर्ज्वालिनी धूम्रा हव्यवाहा हिरण्यदा॥ १०२॥
दायिनी कालिनी सिद्धिः शोषिणी सम्प्रबोधिनी।
भास्वरा संहतिस्तीक्ष्णा प्रचण्डज्वलनोज्ज्वला॥ १०३॥

साङ्गा प्रचण्डा दीप्ता च वैद्युतिः सुमहाद्युतिः।
कपिला नीलरक्ता च सुषुम्णा विस्फुलिङ्गिनी॥ १०४॥
अर्चिष्मती रिपुहरा दीर्घा धूमावली जरा।
सम्पूर्णमण्डला पूषा स्त्रंसिनी सुमनोहरा॥ १०५॥
जया पुष्टिकरीच्छाया मानसाहृदयोज्ज्वला।
सुवर्णकरणी श्रेष्ठा मृतसंजीवनी रणे॥ १०६॥
विशल्यकरणी शुभ्रा संधिनी परमौषधिः।
ब्रह्मिष्ठा ब्रह्मसहिता ऐन्दवी रत्नसम्भवा॥ १०७॥
विद्युत्प्रभा बिन्दुमती त्रिस्वभावागुणाम्बिका।
नित्योदिता नित्यहृष्टा नित्यकामकरीषिणी॥ १०८॥
पद्माङ्का वज्रचिह्ना च वक्रदण्डविभासिनी।
विदेहपूजिता कन्या माया विजयवाहिनी॥ १०९॥
मानिनी मङ्गला मान्या मानिनी मानदायिनी।
विश्वेश्वरी गणवती मण्डला मण्डलेश्वरी॥ ११०॥
हरिप्रिया भौमसुता मनोज्ञा मतिदायिनी।
प्रत्यङ्गिरा सोमगुप्ता मनोऽभिज्ञा वदन्मतिः॥ १११॥
यशोधरा रत्नमाला कृष्णा त्रैलोक्यबन्धनी।
अमृता धारिणी हर्षा विनता वल्लकी शची॥ ११२॥
संकल्पा भामिनी मिश्रा कादम्बर्यमृता प्रभा।
अगता निर्गता वज्रा सुहिता सहिताक्षता॥ ११३॥
सर्वार्थसाधनकरी धातुर्धारणिकामला।
करुणाधारसम्भूता कमलाक्षी शशिप्रिया॥ ११४॥

सौम्यरूपा महादीप्ता महाज्वाला विकाशिनी।
माला काञ्चनमाला च सद्वज्रा कनकप्रभा॥ ११५॥
प्रक्रिया परमा योक्त्री क्षोभिका च सुखोदया।
विजृम्भणा च वज्राख्या शृङ्खला कमलेक्षणा॥ ११६॥
जयंकरी मधुमती हरिता शशिनी शिवा।
मूलप्रकृतिरीशानी योगमाता मनोजवा॥ ११७॥
धर्मोदया भानुमती सर्वाभासा सुखावहा।
धुरन्धरा च बाला च धर्मसेव्या तथागता॥ ११८॥
सुकुमारा सौम्यमुखी सौम्यसम्बोधनोत्तमा।
सुमुखी सर्वतोभद्रा गुह्यशक्तिर्गुहालया॥ ११९॥
हलायुधा चैकवीरा सर्वशस्त्रसुधारिणी।
व्योमशक्तिर्महादेहा व्योमगा मधुमन्मयी॥ १२०॥
गङ्गा वितस्ता यमुना चन्द्रभागा सरस्वती।
तिलोत्तमोर्वशी रम्भा स्वामिनी सुरसुन्दरी॥ १२१॥
बाणप्रहरणा बाला बिम्बोष्ठी चारुहासिनी।
ककुद्मिनी चारुपृष्ठा दृष्टादृष्टफलप्रदा॥ १२२॥
काम्याचरी च काम्या च कामाचारविहारिणी।
हिमशैलेन्द्रसंकाशा गजेन्द्रवरवाहना॥ १२३॥
अशेषसुखसौभाग्यसम्पदां योनिरुत्तमा।
सर्वोत्कृष्टा सर्वमयी सर्वा सर्वेश्वरप्रिया॥ १२४॥
सर्वाङ्गयोनिः साव्यक्ता सम्प्रधानेश्वरेश्वरी।
विष्णुवक्षःस्थलगता किमतः परमुच्यते॥ १२५॥

परा निर्महिमा देवी हरिवक्षःस्थलाश्रया।
सा देवी पापहन्त्री च सांनिध्यं कुरुतान्मम॥ १२६॥

॥ फलश्रुतिः॥

इति नाम्नां सहस्त्रं तु लक्ष्म्याः प्रोक्तं शुभावहम्।
परावरेण भेदेन मुख्यगौणेन भागतः॥ १२७॥
यश्चैतत् कीर्तयेन्नित्यं शृणुयाद् वापि पद्मज।
शुचिः समाहितो भूत्वा भक्तिश्रद्धासमन्वितः॥ १२८॥
श्रीनिवासं समभ्यर्च्य पुष्पधूपानुलेपनैः।
भोगैश्च मधुपर्काद्यैर्यथाशक्ति जगद्गुरुम्॥ १२९॥
तत्पार्श्वस्थां श्रियं देवीं सम्पूज्य श्रीधरप्रियाम्।
ततो नामसहस्रेण तोषयेत् परमेश्वरीम्॥ १३०॥
नामरत्नावलीस्तोत्रमिदं यः सततं पठेत्।
प्रसादाभिमुखीलक्ष्मीः सर्वं तस्मै प्रयच्छति॥ १३१॥
यस्या लक्ष्म्याश्च सम्भूताः शक्तयो विश्वगाः सदा।
कारणत्वेन तिष्ठन्ति जगत्यस्मिञ्चराचरे॥ १३२॥
तस्मात् प्रीता जगन्माता श्रीर्यस्याच्युतवल्लभा।
सुप्रीताः शक्तयस्तस्य सिद्धिमिष्टां दिशन्ति हि॥ १३३॥
एक एव जगत्स्वामी शक्तिमानच्युतः प्रभुः।
तदंशशक्तिमन्तोऽन्ये ब्रह्मेशानादयो यथा॥ १३४॥
तथैवैका परा शक्तिः श्रीस्तस्य करुणाश्रया।
ज्ञानादिषाड्गुण्यमयी या प्रोक्ता प्रकृतिः परा॥ १३५॥
एकैव शक्तिः श्रीस्तस्या द्वितीयात्मनि वर्तते।
परा परेशी सर्वेशी सर्वाकारा सनातनी॥ १३६॥

अनन्तनामधेया च शक्तिचक्रस्य नायिका।
जगच्चराचरमिदं सर्वं व्याप्य व्यवस्थिता॥ १३७॥
तस्मादेकैव परमा श्रीर्ज्ञेया विश्वरूपिणी।
सौम्या सौम्येन रूपेण संस्थिता नटजीववत्॥ १३८॥
यो यो जगति पुम्भावः स विष्णुरिति निश्चयः।
या या तु नारीभावस्था तत्र लक्ष्मीर्व्यवस्थिता॥ १३९॥
प्रकृतेः पुरुषाच्चान्यस्तृतीयो नैव विद्यते।
अतः किं बहुनोक्तेन नरनारीमयो हरिः॥ १४०॥
अनेकभेदभिन्नस्तु क्रियते परमेश्वरः।
महाविभूतिं दयितां ये स्तुवन्त्यच्युतप्रियाम्॥ १४१॥
ते प्राप्नुवन्ति परमां लक्ष्मीं संशुद्धचेतसः।
पद्मयोनिरिदं प्राप्य पठन् स्तोत्रमिदं क्रमात्॥ १४२॥
दिव्यमष्टगुणैश्वर्यं तत्प्रसादाच्च लब्धवान्।
सकामानां च फलदामकामानां च मोक्षदाम्॥ १४३॥
पुस्तकाख्यां भयत्रात्रीं सितवस्त्रां त्रिलोचनाम्।
महापद्मनिषण्णां तां लक्ष्मीमजरतां नुमः॥ १४४॥
करयुगलगृहीतं पूर्णकुम्भं दधाना
क्वचिदमलगतस्था शङ्खपद्माक्षपाणिः।
क्वचिदपि दयिताङ्गे चामरव्यग्रहस्ता
क्वचिदपि सृणिपाशं बिभ्रती हेमकान्तिः॥ १४५॥

॥ इति ब्रह्मपुराणे श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ श्रियै नमः।
२ ॐ पद्मायै नमः।
३ ॐ प्रकृत्यै नमः।
४ ॐ सत्त्वायै नमः।
५ ॐ शान्तायै नमः।
६ ॐ चिच्छक्त्यै नमः।
७ ॐ अव्ययायै नमः।
८ ॐ केवलायै नमः।
९ ॐ निष्कलायै नमः।
१० ॐ शुद्धायै नमः।
११ ॐ व्यापिन्यै नमः।
१२ ॐ व्योमविग्रहायै नमः।
१३ ॐ व्योमपद्मकृताधारायै नमः।
१४ ॐ परस्यै नमः।
१५ ॐ व्योमामृतोद्भवायै नमः।
१६ ॐ निर्व्योमायै नमः।
१७ ॐ व्योममध्यस्थायै नमः।
१८ ॐ पञ्चव्योमपदाश्रितायै नमः।
१९ ॐ अच्युतायै नमः।
२० ॐ व्योमनिलयायै नमः।
२१ ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः।
२२ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
२३ ॐ नित्यतृप्तायै नमः।
२४ ॐ निर्विकारायै नमः।
२५ ॐ निरीक्षणायै नमः।
२६ ॐ ज्ञानशक्त्यै नमः।
२७ ॐ कर्तृशक्त्यै नमः।
२८ ॐ भोक्तृशक्त्यै नमः।
२९ ॐ शिखावहायै नमः।
३० ॐ स्नेहाभासायै नमः।
३१ ॐ निरानन्दायै नमः।
३२ ॐ विभूत्यै नमः।
३३ ॐ विमलायै नमः।
३४ ॐ चलायै नमः।
३५ ॐ अनन्तायै नमः।
३६ ॐ वैष्णव्यै नमः।
३७ ॐ व्यक्तायै नमः।
३८ ॐ विश्वानन्दायै नमः।
३९ ॐ विकाशिन्यै नमः।
४० ॐ शक्त्यै नमः।
४१ ॐ विभिन्नसर्वार्त्यै नमः।
४२ ॐ समुद्रपरितोषिण्यै नमः।

४३ ॐ मूर्त्यै नमः।
४४ ॐ सनातन्यै नमः।
४५ ॐ हार्द्यै नमः।
४६ ॐ निस्तरङ्गायै नमः।
४७ ॐ निरामयायै नमः।
४८ ॐ ज्ञानज्ञेयायै नमः।
४९ ॐ ज्ञानगम्यायै नमः।
५० ॐ ज्ञानज्ञेयविकाशिन्यै नमः।
५१ ॐ स्वच्छन्दशक्त्यै नमः।
५२ ॐ गहनायै नमः।
५३ ॐ निष्कम्पार्चिषे नमः।
५४ ॐ सुनिर्मलायै नमः।
५५ ॐ स्वरूपायै नमः।
५६ ॐ सर्वगायै नमः।
५७ ॐ पारायै नमः।
५८ ॐ बृंहिण्यै नमः।
५९ ॐ सुगुणोर्जितायै नमः।
६० ॐ अकलङ्कायै नमः।
६१ ॐ निराधारायै नमः।
६२ ॐ निःसंकल्पायै नमः।
६३ ॐ निराश्रयायै नमः।
६४ ॐ असंकीर्णायै नमः।
६५ ॐ सुशान्तायै नमः।
६६ ॐ शाश्वत्यै नमः।
६७ ॐ भासुर्यै नमः।
६८ ॐ स्थिरायै नमः।
६९ ॐ अनौपम्यायै नमः।
७० ॐ निर्विकल्पायै नमः।
७१ ॐ नियन्त्रायै नमः।
७२ ॐ यन्त्रवाहिन्यै नमः।
७३ ॐ अभेद्यायै नमः।
७४ ॐ भेदिन्यै नमः।
७५ ॐ भिन्नायै नमः।
७६ ॐ भारत्यै नमः।
७७ ॐ वैखर्यै नमः।
७८ ॐ खगायै नमः।
७९ ॐ अग्राह्यायै नमः।
८० ॐ ग्राहिकायै नमः।
८१ ॐ गूढायै नमः।
८२ ॐ गम्भीरायै नमः।
८३ ॐ विश्वगोपिन्यै नमः।
८४ ॐ अनिर्देश्यायै नमः।
८५ ॐ अप्रतिहतायै नमः।
८६ ॐ निर्बीजायै नमः।
८७ ॐ पावन्यै नमः।
८८ ॐ परस्यै नमः।
८९ ॐ अप्रतर्क्यायै नमः।
९० ॐ परिमितायै नमः।
९१ ॐ भवभ्रान्तिविनाशिन्यै नमः।
९२ ॐ एकस्यै नमः।
९३ ॐ द्विरूपायै नमः।
९४ ॐ त्रिविधायै नमः।
९५ ॐ असंख्यातायै नमः।
९६ ॐ सुरेश्वर्यै नमः।
९७ ॐ सुप्रतिष्ठायै नमः।
९८ ॐ महाधात्र्यै नमः।

९९ ॐ स्थित्यै नमः।
१०० ॐ वृद्ध्यै नमः।
१०१ ॐ ध्रुवायै नमः।
१०२ ॐ गत्यै नमः।
१०३ ॐ ईश्वर्यै नमः।
१०४ ॐ महिम्ने नमः।
१०५ ॐ ऋद्ध्यै नमः।
१०६ ॐ प्रमोदायै नमः।
१०७ ॐ उज्ज्वलोद्यमायै नमः।
१०८ ॐ अक्षयायै नमः।
१०९ ॐ वर्धमानायै नमः।
११० ॐ सुप्रकाशायै नमः।
१११ ॐ विहङ्गमायै नमः।
११२ ॐ नीरजायै नमः।
११३ ॐ जनन्यै नमः।
११४ ॐ नित्यायै नमः।
११५ ॐ जयायै नमः।
११६ ॐ रोचिष्मत्यै नमः।
११७ ॐ शुभायै नमः।
११८ ॐ तपोनुदायै नमः।
११९ ॐ ज्वालायै नमः।
१२० ॐ सुदीप्त्यै नमः।
१२१ ॐ अंशुमालिन्यै नमः।
१२२ ॐ अप्रमेयायै नमः।
१२३ ॐ त्रिधायै नमः।
१२४ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
१२५ ॐ परस्यै नमः।
१२६ ॐ निर्वाणदायिन्यै नमः।
१२७ ॐ अवदातायै नमः।
१२८ ॐ सुशुद्धायै नमः।
१२९ ॐ अमोघाख्यायै नमः।
१३० ॐ परम्परायै नमः।
१३१ ॐ संधानक्यै नमः।
१३२ ॐ शुद्धविद्यायै नमः।
१३३ ॐ सर्वभूतमहेश्वर्यै नमः।
१३४ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१३५ ॐ तुष्ट्यै नमः।
१३६ ॐ महाधीरायै नमः।
१३७ ॐ आपूरणेन शान्त्यै नमः।
१३८ ॐ अनुग्रहायै नमः।
१३९ ॐ शक्त्यै नमः।
१४० ॐ आद्यायै नमः।
१४१ ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः।
१४२ ॐ जगद्विधये नमः।
१४३ ॐ सत्यायै नमः।
१४४ ॐ प्रह्वायै नमः।
१४५ ॐ क्रियायै नमः।
१४६ ॐ योग्यायै नमः।
१४७ ॐ अपर्णायै नमः।
१४८ ॐ ह्लादिन्यै नमः।
१४९ ॐ शिवायै नमः।
१५० ॐ सम्पूर्णायै नमः।
१५१ ॐ ह्लादिन्यै नमः।
१५२ ॐ शुद्धायै नमः।
१५३ ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः।
१५४ ॐ अमृतावहायै नमः।

१५५ ॐ रजोवत्यै नमः।
१५६ ॐ अर्कप्रतिभायै नमः।
१५७ ॐ आकर्षिण्यै नमः।
१५८ ॐ कर्षिण्यै नमः।
१५९ ॐ रसायै नमः।
१६० ॐ परस्यै नमः।
१६१ ॐ वसुमत्यै नमः।
१६२ ॐ देवायै नमः।
१६३ ॐ कान्त्यै नमः।
१६४ ॐ शान्त्यै नमः।
१६५ ॐ मत्यै नमः।
१६६ ॐ कलायै नमः।
१६७ ॐ कलायै नमः।
१६८ ॐ कलङ्करहितायै नमः।
१६९ ॐ विशालोद्दीपन्यै नमः।
१७० ॐ रत्यै नमः।
१७१ ॐ सम्बोधिन्यै नमः।
१७२ ॐ हारिण्यै नमः।
१७३ ॐ प्रभावायै नमः।
१७४ ॐ भवभूतिदायै नमः।
१७५ ॐ अमृतस्यन्दिन्यै नमः।
१७६ ॐ जीवायै नमः।
१७७ ॐ जनन्यै नमः।
१७८ ॐ खण्डिकायै नमः।
१७९ ॐ स्थिरायै नमः।
१८० ॐ धूमायै नमः।
१८१ ॐ कलावत्यै नमः।
१८२ ॐ पूर्णायै नमः।
१८३ ॐ भासुरायै नमः।
१८४ ॐ सुमत्यै नमः।
१८५ ॐ रसायै नमः।
१८६ ॐ शुद्धायै नमः।
१८७ ॐ ध्वन्यै नमः।
१८८ ॐ सृत्यै नमः।
१८९ ॐ सृष्ट्यै नमः।
१९० ॐ विकृत्यै नमः।
१९१ ॐ कृष्ट्यै नमः।
१९२ ॐ प्रापण्यै नमः।
१९३ ॐ प्राणदायै नमः।
१९४ ॐ प्रह्वायै नमः।
१९५ ॐ विश्वस्यै नमः।
१९६ ॐ पाण्डुरवासिन्यै नमः।
१९७ ॐ अवन्यै नमः।
१९८ ॐ वज्रनलिकायै नमः।
१९९ ॐ चित्रायै नमः।
२०० ॐ ब्रह्माण्डवासिन्यै नमः।
२०१ ॐ अनन्तरूपायै नमः।
२०२ ॐ अनन्तात्मने नमः।
२०३ ॐ अनन्तस्थायै नमः।
२०४ ॐ अनन्तसम्भवायै नमः।
२०५ ॐ महाशक्त्यै नमः।
२०६ ॐ प्राणशक्त्यै नमः।
२०७ ॐ प्राणदात्र्यै नमः।
२०८ ॐ रतिम्भरायै नमः।
२०९ ॐ महासमूहायै नमः।
२१० ॐ निखिलायै नमः।

२११ ॐ इच्छाधारायै नमः।
२१२ ॐ सुखावहायै नमः।
२१३ ॐ प्रत्यक्षलक्ष्म्यै नमः।
२१४ ॐ निष्कम्पायै नमः।
२१५ ॐ प्ररोहायै नमः।
२१६ ॐ बुद्धिगोचरायै नमः।
२१७ ॐ नानादेहायै नमः।
२१८ ॐ महावर्तायै नमः।
२१९ ॐ बहुदेहविकासिन्यै नमः।
२२० ॐ सहस्त्राण्यै नमः।
२२१ ॐ प्रधानायै नमः।
२२२ ॐ न्यायवस्तुप्रकाशिकायै नमः।
२२३ ॐ सर्वाभिलाषपूर्णेच्छायै नमः।
२२४ ॐ सर्वस्यै नमः।
२२५ ॐ सर्वार्थभाषिण्यै नमः।
२२६ ॐ नानास्वरूपचिद्धात्र्यै नमः।
२२७ ॐ शब्दपूर्वायै नमः।
२२८ ॐ पुरातनायै नमः।
२२९ ॐ व्यक्ताव्यक्तायै नमः।
२३० ॐ जीवकेशायै नमः।
२३१ ॐ सर्वेच्छापरिपूरितायै नमः।
२३२ ॐ संकल्पसिद्धायै नमः।
२३३ ॐ सांख्येयायै नमः।
२३४ ॐ तत्त्वगर्भायै नमः।
२३५ ॐ धरावहायै नमः।
२३६ ॐ भूतरूपायै नमः।
२३७ ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
२३८ ॐ त्रिगुणायै नमः।
२३९ ॐ गुणगर्वितायै नमः।
२४० ॐ प्रजापतीश्वर्यै नमः।
२४१ ॐ रौद्र्यै नमः।
२४२ ॐ सर्वाधारायै नमः।
२४३ ॐ सुखावहायै नमः।
२४४ ॐ कल्याणवाहिकायै नमः।
२४५ ॐ कल्यायै नमः।
२४६ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
२४७ ॐ नीरूपोद्भिन्नसंतानायै नमः।
२४८ ॐ सुयन्त्रायै नमः।
२४९ ॐ त्रिगुणालयायै नमः।
२५० ॐ महामायायै नमः।
२५१ ॐ योगमायायै नमः।
२५२ ॐ महायोगेश्वर्यै नमः।
२५३ ॐ प्रियायै नमः।
२५४ ॐ महास्त्रियै नमः।
२५५ ॐ विमलायै कीर्त्यै नमः।
२५६ ॐ जयायै नमः।
२५७ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२५८ ॐ निरञ्जनायै नमः।
२५९ ॐ प्रकृत्यै नमः।
२६० ॐ भगवन्मायायै नमः।
२६१ ॐ शक्त्यै नमः।
२६२ ॐ निद्रायै नमः।
२६३ ॐ यशस्कर्यै नमः।
२६४ ॐ चिन्तायै नमः।
२६५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
२६६ ॐ यशःप्रज्ञायै नमः।

२६७ ॐ शान्त्यै नमः।
२६८ ॐ आप्रीतिवर्द्धिन्यै नमः।
२६९ ॐ प्रद्युम्नमात्रे नमः।
२७० ॐ साध्व्यै नमः।
२७१ ॐ सुखसौभाग्यसिद्धिदायै नमः।
२७२ ॐ काष्ठायै नमः।
२७३ ॐ निष्ठायै नमः।
२७४ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
२७५ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
२७६ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
२७७ ॐ जयावहायै नमः।
२७८ ॐ सर्वातिशायिन्यै नमः।
२७९ ॐ प्रीत्यै नमः।
२८० ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
२८१ ॐ महाबलायै नमः।
२८२ ॐ वरिष्ठायै नमः।
२८३ ॐ विजयायै नमः।
२८४ ॐ वीरायै नमः।
२८५ ॐ जयन्त्यै नमः।
२८६ ॐ विजयप्रदायै नमः।
२८७ ॐ हृद्गृहायै नमः।
२८८ ॐ गोपिन्यै नमः।
२८९ ॐ गुह्यायै नमः।
२९० ॐ गणगन्धर्वसेवितायै नमः।
२९१ ॐ योगीश्वर्यै नमः।
२९२ ॐ योगमायायै नमः।
२९३ ॐ योगिन्यै नमः।
२९४ ॐ योगसिद्धिदायै नमः।
२९५ ॐ महायोगेश्वरवृतायै नमः।
२९६ ॐ योगायै नमः।
२९७ ॐ योगेश्वरप्रियायै नमः।
२९८ ॐ ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमितायै नमः।
२९९ ॐ सुरासुरवरप्रदायै नमः।
३०० ॐ त्रिवर्त्मगायै नमः।
३०१ ॐ त्रिलोकस्थायै नमः।
३०२ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भवायै नमः।
३०३ ॐ सुतारायै नमः।
३०४ ॐ तारिण्यै नमः।
३०५ ॐ तारायै नमः।
३०६ ॐ दुर्गायै नमः।
३०७ ॐ संतारिण्यै नमः।
३०८ ॐ परस्यै नमः।
३०९ ॐ सुतारिण्यै नमः।
३१० ॐ तारयन्त्यै नमः।
३११ ॐ भूरितारेश्वरप्रभायै नमः।
३१२ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
३१३ ॐ यज्ञविद्यायै नमः।
३१४ ॐ महाविद्यायै नमः।
३१५ ॐ सुशोभितायै नमः।
३१६ ॐ अध्यात्मविद्याविघ्नेश्यै नमः।
३१७ ॐ पद्मस्थायै नमः।
३१८ ॐ परमेष्ठिन्यै नमः।
३१९ ॐ आन्वीक्षिक्यै नमः।
३२० ॐ त्रयीवार्तायै नमः।
३२१ ॐ दण्डनीत्यै नमः।
३२२ ॐ नयात्मिकायै नमः।

३२३ ॐ गौर्यै नमः।
३२४ ॐ वागीश्वर्यै नमः।
३२५ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
३२६ ॐ गायत्र्यै नमः।
३२७ ॐ कमलोद्भवायै नमः।
३२८ ॐ विश्वम्भरायै नमः।
३२९ ॐ विश्वरूपायै नमः।
३३० ॐ विश्वमात्रे नमः।
३३१ ॐ वसुप्रदायै नमः।
३३२ ॐ सिद्ध्यै नमः।
३३३ ॐ स्वाहायै नमः।
३३४ ॐ स्वधायै नमः।
३३५ ॐ स्वस्त्यै नमः।
३३६ ॐ सुधायै नमः।
३३७ ॐ सर्वार्थसाधिन्यै नमः।
३३८ ॐ इच्छायै नमः।
३३९ ॐ सृष्ट्यै नमः।
३४० ॐ द्युत्यै नमः।
३४१ ॐ मूर्त्यै नमः।
३४२ ॐ कीर्त्यै नमः।
३४३ ॐ श्रद्धायै नमः।
३४४ ॐ दयामत्यै नमः।
३४५ ॐ श्रुत्यै नमः।
३४६ ॐ मेधायै नमः।
३४७ ॐ धृत्यै नमः।
३४८ ॐ ह्रियै नमः।
३४९ ॐ श्रियै नमः।
३५० ॐ विद्यायै नमः।
३५१ ॐ विबुधवन्दितायै नमः।
३५२ ॐ अनसूयायै नमः।
३५३ ॐ घृणायै नमः।
३५४ ॐ नीत्यै नमः।
३५५ ॐ निर्वृत्यै नमः।
३५६ ॐ कामधुक्करायै नमः।
३५७ ॐ प्रतिज्ञायै नमः।
३५८ ॐ संतत्यै नमः।
३५९ ॐ भूत्यै नमः।
३६० ॐ दिवे नमः।
३६१ ॐ प्रज्ञायै नमः।
३६२ ॐ विश्वमानिन्यै नमः।
३६३ ॐ स्मृत्यै नमः।
३६४ ॐ वाग्विश्वजनन्यै नमः।
३६५ ॐ पश्यन्त्यै नमः।
३६६ ॐ मध्यमायै नमः।
३६७ ॐ समायै नमः।
३६८ ॐ संध्यायै नमः।
३६९ ॐ मेधायै नमः।
३७० ॐ प्रभायै नमः।
३७१ ॐ भीमायै नमः।
३७२ ॐ सर्वाकारायै नमः।
३७३ ॐ सरस्वत्यै नमः।
३७४ ॐ काङ्क्षायै नमः।
३७५ ॐ मायायै नमः।
३७६ ॐ महामायायै नमः।
३७७ ॐ मोहिन्यै नमः।
३७८ ॐ माधवप्रियायै नमः।

३७९ ॐ सौम्यायै नमः।
३८० ॐ भोगायै नमः।
३८१ ॐ महाभोगायै नमः।
३८२ ॐ भोगिन्यै नमः।
३८३ ॐ भोगदायिन्यै नमः।
३८४ ॐ सुधौतकनकप्रख्यायै नमः।
३८५ ॐ सुवर्णकमलासनायै नमः।
३८६ ॐ हिरण्यगर्भायै नमः।
३८७ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
३८८ ॐ हारिण्यै नमः।
३८९ ॐ रमण्यै नमः।
३९० ॐ रमायै नमः।
३९१ ॐ चन्द्रायै नमः।
३९२ ॐ हिरणमय्यै नमः।
३९३ ॐ ज्योत्स्नायै नमः।
३९४ ॐ रम्यायै नमः।
३९५ ॐ शोभायै नमः।
३९६ ॐ शुभावहायै नमः।
३९७ ॐ त्रैलोक्यमण्डनायै नमः।
३९८ ॐ नार्यै नमः।
३९९ ॐ नरेश्वरवरार्चितायै नमः।
४०० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
४०१ ॐ रामायै नमः।
४०२ ॐ महाविभववाहिन्यै नमः।
४०३ ॐ पद्मस्थायै नमः।
४०४ ॐ पद्मनिलयायै नमः।
४०५ ॐ पद्ममालाविभूषितायै नमः।
४०६ ॐ पद्मयुग्मधरायै नमः।
४०७ ॐ कान्तायै नमः।
४०८ ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः।
४०९ ॐ विचित्ररत्नमुकुटायै नमः।
४१० ॐ विचित्राम्बरभूषणायै नमः।
४११ ॐ विचित्रमाल्यगन्धाढ्यायै नमः।
४१२ ॐ विचित्रायुधवाहनायै नमः।
४१३ ॐ महानारायण्यै नमः।
४१४ ॐ देव्यै नमः।
४१५ ॐ वैष्णव्यै नमः।
४१६ ॐ वीरवन्दितायै नमः।
४१७ ॐ कालसंकर्षिण्यै नमः।
४१८ ॐ घोरायै नमः।
४१९ ॐ तत्त्वसंकर्षिण्यै नमः।
४२० ॐ कलायै नमः।
४२१ ॐ जगत्सम्पूरण्यै नमः।
४२२ ॐ विश्वस्यै नमः।
४२३ ॐ महाविभवभूषणायै नमः।
४२४ ॐ वारुण्यै नमः।
४२५ ॐ वरदायै नमः।
४२६ ॐ व्याख्यायै नमः।
४२७ ॐ घण्टाकर्णविराजितायै नमः।
४२८ ॐ नृसिंह्यै नमः।
४२९ ॐ भैरव्यै नमः।
४३० ॐ ब्राह्म्यै नमः।
४३१ ॐ भास्कर्यै नमः।
४३२ ॐ व्योमचारिण्यै नमः।
४३३ ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
४३४ ॐ कामधेन्वै नमः।

४३५ ॐ सृष्ट्यै नमः।
४३६ ॐ कामयोन्यै नमः।
४३७ ॐ महाप्रभायै नमः।
४३८ ॐ दृष्टायै नमः।
४३९ ॐ काम्यायै नमः।
४४० ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
४४१ ॐ बीजगत्यात्मदर्शनायै नमः।
४४२ ॐ गरुडारूढहृदयायै नमः।
४४३ ॐ चान्द्र्यै नमः।
४४४ ॐ श्रियै नमः।
४४५ ॐ मधुराननायै नमः।
४४६ ॐ महोग्ररूपायै नमः।
४४७ ॐ वाराह्यै नमः।
४४८ ॐ नारसिंह्यै नमः।
४४९ ॐ हतासुरायै नमः।
४५० ॐ युगान्तहुतभुग्ज्वालायै नमः।
४५१ ॐ करालायै नमः।
४५२ ॐ पिङ्गलायै नमः।
४५३ ॐ कलायै नमः।
४५४ ॐ त्रैलोक्यभूषणायै नमः।
४५५ ॐ भीमायै नम।
४५६ ॐ श्यामायै नमः।
४५७ ॐ त्रैलोक्यमोहिन्यै नमः।
४५८ ॐ महोत्कटायै नमः।
४५९ ॐ महारक्तायै नमः।
४६० ॐ महाचण्डायै नमः।
४६१ ॐ महासनायै नमः।
४६२ ॐ शङ्खिन्यै नमः।
४६३ ॐ लेखिन्यै नमः।
४६४ ॐ स्वस्थालिखितायै नमः।
४६५ ॐ खेचरेश्वर्यै नमः।
४६६ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
४६७ ॐ एकवीरायै नमः।
४६८ ॐ कौमार्यै नमः।
४६९ ॐ भवमालिन्यै नमः।
४७० ॐ कल्याण्यै नमः।
४७१ ॐ कामधुग्ज्वालामुख्यै नमः।
४७२ ॐ उत्पलमालिकायै नमः।
४७३ ॐ बालिकायै नमः।
४७४ ॐ धनदायै नमः।
४७५ ॐ सूर्यायै नमः।
४७६ ॐ हृदयोत्पलमालिकायै नमः।
४७७ ॐ अजितायै नमः।
४७८ ॐ वर्षिण्यै नमः।
४७९ ॐ रीत्यै नमः।
४८० ॐ भरुण्डायै नमः।
४८१ ॐ गरुडासनायै नमः।
४८२ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
४८३ ॐ महामायायै नमः।
४८४ ॐ महाकाल्यै नमः।
४८५ ॐ विभीषणायै नमः।
४८६ ॐ महामन्दारविभवायै नमः।
४८७ ॐ शिवानन्दायै नमः।
४८८ ॐ रतिप्रियायै नमः।
४८९ ॐ उद्रीत्यै नमः।
४९० ॐ पद्ममालायै नमः।

४९१ ॐ धर्मवेगायै नमः।
४९२ ॐ विभावर्यै नमः।
४९३ ॐ सत्क्रियायै नमः।
४९४ ॐ देवसेनायै नमः।
४९५ ॐ हिरण्यरजताश्रयायै नमः।
४९६ ॐ सहसावर्तमानायै नमः।
४९७ ॐ हस्तिनादप्रमोदिन्यै नमः।
४९८ ॐ हिरण्यपद्मवर्णायै नमः।
४९९ ॐ हरिभद्रायै नमः।
५०० ॐ सुदुर्धरायै नमः।
५०१ ॐ सूर्यायै नमः।
५०२ ॐ हिरण्यप्रकटसदृश्यै नमः।
५०३ ॐ हेममालिन्यै नमः।
५०४ ॐ पद्माननायै नमः।
५०५ ॐ नित्यपुष्टायै नमः।
५०६ ॐ देवमात्रे नमः।
५०७ ॐ अमृतोद्भवायै नमः।
५०८ ॐ महाधनायै नमः।
५०९ ॐ शृङ्ग्यै नमः।
५१० ॐ कार्दम्यै नमः।
५११ ॐ कम्बुकन्धरायै नमः।
५१२ ॐ आदित्यवर्णायै नमः।
५१३ ॐ चन्द्राभायै नमः।
५१४ ॐ गन्धद्वारायै नमः।
५१५ ॐ दुरासदायै नमः।
५१६ ॐ वरार्चितायै नमः।
५१७ ॐ वरारोहायै नमः।
५१८ ॐ वरेण्यायै नमः।
५१९ ॐ विष्णुवल्लभायै नमः।
५२० ॐ कल्याण्यै नमः।
५२१ ॐ वरदायै नमः।
५२२ ॐ वामायै नमः।
५२३ ॐ वामेश्यै नमः।
५२४ ॐ विन्ध्यवासिन्यै नमः।
५२५ ॐ योगनिद्रायै नमः।
५२६ ॐ योगरतायै नमः।
५२७ ॐ देवक्यै नमः।
५२८ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
५२९ ॐ कंसविद्राविण्यै नमः।
५३० ॐ दुर्गायै नमः।
५३१ ॐ कौमार्यै नमः।
५३२ ॐ कौशिक्यै नमः।
५३३ ॐ क्षमायै नमः।
५३४ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५३५ ॐ कालरात्र्यै नमः।
५३६ ॐ निशितृप्तायै नमः।
५३७ ॐ सुदुर्जयायै नमः।
५३८ ॐ विरूपाक्ष्यै नमः।
५३९ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
५४० ॐ भक्तानां परिरक्षिण्यै नमः।
५४१ ॐ बहुरूपायै नमः।
५४२ ॐ स्वरूपायै नमः।
५४३ ॐ विरूपायै नमः।
५४४ ॐ रूपवर्जितायै नमः।
५४५ ॐ घण्टानिनादबहुलायै नमः।
५४६ ॐ जीमूतध्वनिनिःस्वनायै नमः।

५४७ ॐ महादेवेन्द्रमथिन्यै नमः।
५४८ ॐ भ्रुकुटीकुटिलाननायै नमः।
५४९ ॐ सत्योपयाचितायै नमः।
५५० ॐ एकस्यै नमः।
५५१ ॐ कौबेर्यै नमः।
५५२ ॐ ब्रह्मचारिण्यै नमः।
५५३ ॐ आर्यायै नमः।
५५४ ॐ यशोदायै नमः।
५५५ ॐ सुतदायै नमः।
५५६ ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
५५७ ॐ दारिद्र्यदुःखशमन्यै नमः।
५५८ ॐ घोरदुर्गार्तिनाशिन्यै नमः।
५५९ ॐ भक्तार्तिशमन्यै नमः।
५६० ॐ भव्यायै नमः।
५६१ ॐ भवभर्गापहारिण्यै नमः।
५६२ ॐ क्षीराब्धितनयायै नमः।
५६३ ॐ पद्मायै नमः।
५६४ ॐ कमलायै नमः।
५६५ ॐ धरणीधरायै नमः।
५६६ ॐ रुक्मिण्यै नमः।
५६७ ॐ रोहिण्यै नमः।
५६८ ॐ सीतायै नमः।
५६९ ॐ सत्यभामायै नमः।
५७० ॐ यशस्विन्यै नमः।
५७१ ॐ प्रज्ञाधारायै नमः।
५७२ ॐ अमितप्रज्ञायै नमः।
५७३ ॐ वेदमात्रे नमः।
५७४ ॐ यशोवत्यै नमः।
५७५ ॐ समाधये नमः।
५७६ ॐ भावनायै नमः।
५७७ ॐ मैत्र्यै नमः।
५७८ ॐ करुणायै नमः।
५७९ ॐ भक्तवत्सलायै नमः।
५८० ॐ अन्तर्वेद्यै नमः।
५८१ ॐ दक्षिणस्यै नमः।
५८२ ॐ ब्रह्मचर्यपरायै नमः।
५८३ ॐ गत्यै नमः।
५८४ ॐ दीक्षायै नमः।
५८५ ॐ वीक्षायै नमः।
५८६ ॐ परीक्षायै नमः।
५८७ ॐ समीक्षायै नमः।
५८८ ॐ वीरवत्सलायै नमः।
५८९ ॐ अम्बिकायै नमः।
५९० ॐ सुरभ्यै नमः।
५९१ ॐ सिद्धायै नमः।
५९२ ॐ सिद्धविद्याधरार्चितायै नमः।
५९३ ॐ सुदीक्षायै नमः।
५९४ ॐ लेलिहानायै नमः।
५९५ ॐ करालायै नमः।
५९६ ॐ विश्वपूरकायै नमः।
५९७ ॐ विश्वसंधारिण्यै नमः।
५९८ ॐ दीप्त्यै नमः।
५९९ ॐ तापन्यै नमः।
६०० ॐ ताण्डवप्रियायै नमः।
६०१ ॐ उद्भवायै नमः।
६०२ ॐ विरजायै नमः।

६०३ ॐ राज्यै नमः।
६०४ ॐ तापन्यै नमः।
६०५ ॐ बिन्दुमालिन्यै नमः।
६०६ ॐ क्षीरधारायै नमः।
६०७ ॐ सुप्रभावायै नमः।
६०८ ॐ लोकमात्रे नमः।
६०९ ॐ सुवर्चसायै नमः।
६१० ॐ हव्यगर्भायै नमः।
६११ ॐ आज्यगर्भायै नमः।
६१२ ॐ जुह्वतो यज्ञसम्भवायै नमः।
६१३ ॐ आप्यायन्यै नमः।
६१४ ॐ पावन्यै नमः।
६१५ ॐ दहन्यै नमः।
६१६ ॐ दहनाश्रयायै नमः।
६१७ ॐ मातृकायै नमः।
६१८ ॐ माधव्यै नमः।
६१९ ॐ मुख्यायै नमः।
६२० ॐ मोक्षलक्ष्म्यै नमः।
६२१ ॐ महर्द्धिदायै नमः।
६२२ ॐ सर्वकामप्रदायै नमः।
६२३ ॐ भद्रायै नमः।
६२४ ॐ सुभद्रायै नमः।
६२५ ॐ सर्वमङ्गलायै नमः।
६२६ ॐ श्वेतायै नमः।
६२७ ॐ सुशुक्लवसनायै नमः।
६२८ ॐ शुक्लमाल्यानुलेपनायै नमः।
६२९ ॐ हंसाहीनकर्यै नमः।
६३० ॐ हंस्यै नमः।
६३१ ॐ हृद्यायै नमः।
६३२ ॐ हृत्कमलालयायै नमः।
६३३ ॐ सितातपत्रायै नमः।
६३४ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
६३५ ॐ पद्मपत्रायतेक्षणायै नमः।
६३६ ॐ सावित्र्यै नमः।
६३७ ॐ सत्यसंकल्पायै नमः।
६३८ ॐ कामदायै नमः।
६३९ ॐ कामकामिन्यै नमः।
६४० ॐ दर्शनीयायै नमः।
६४१ ॐ दृशायै नमः।
६४२ ॐ दृश्यायै नमः।
६४३ ॐ स्पृश्यायै नमः।
६४४ ॐ सेव्यायै नमः।
६४५ ॐ वराङ्गनायै नमः।
६४६ ॐ भोगप्रियायै नमः।
६४७ ॐ भोगवत्यै नमः।
६४८ ॐ भोगीन्द्रशयनासनायै नमः।
६४९ ॐ आर्द्रायै नमः।
६५० ॐ पुष्करिण्यै नमः।
६५१ ॐ पुण्यायै नमः।
६५२ ॐ पावन्यै नमः।
६५३ ॐ पापसूदन्यै नमः।
६५४ ॐ श्रीमत्यै नमः।
६५५ ॐ शुभाकारायै नमः।
६५६ ॐ परमैश्वर्यभूतिदायै नमः।
६५७ ॐ अचिन्त्यानन्तविभवायै नमः।
६५८ ॐ भवभावविभावन्यै नमः।

६५९ ॐ निश्रेण्यै नमः।
६६० ॐ सर्वदेहस्थायै नमः।
६६१ ॐ सर्वभूतनमस्कृतायै नमः।
६६२ ॐ बलायै नमः।
६६३ ॐ बलाधिकायै नमः।
६६४ ॐ देव्यै गौतम्यै नमः।
६६५ ॐ गोकुलालयायै नमः।
६६६ ॐ तोषिण्यै नमः।
६६७ ॐ पूर्णचन्द्राभायै नमः।
६६८ ॐ एकानन्दायै नमः।
६६९ ॐ शताननायै नमः।
६७० ॐ उद्याननगरद्वारहर्म्यो-
पवनवासिन्यै नमः।
६७१ ॐ कूष्माण्डायै नमः।
६७२ ॐ दारुणायै नमः।
६७३ ॐ चण्डायै नमः।
६७४ ॐ किरात्यै नमः।
६७५ ॐ नन्दनालयायै नमः।
६७६ ॐ कालायनायै नमः।
६७७ ॐ कालगम्यायै नमः।
६७८ ॐ भयदायै नमः।
६७९ ॐ भयनाशिन्यै नमः।
६८० ॐ सौदामन्यै नमः।
६८१ ॐ मेघरवायै नमः।
६८२ ॐ दैत्यदानवमर्दिन्यै नमः।
६८३ ॐ जगन्मात्रे नमः।
६८४ ॐ अभयकर्यै नमः।
६८५ ॐ भूतधर्त्र्यै नमः।
६८६ ॐ सुदुर्लभायै नमः।
६८७ ॐ काश्यप्यै नमः।
६८८ ॐ शुभदात्र्यै नमः।
६८९ ॐ वनमालायै नमः।
६९० ॐ शुभायै नमः।
६९१ ॐ वरायै नमः।
६९२ ॐ धन्यायै नमः।
६९३ ॐ धन्येश्वर्यै नमः।
६९४ ॐ धन्यायै नमः।
६९५ ॐ रत्नदायै नमः।
६९६ ॐ वसुवर्धिन्यै नमः।
६९७ ॐ गान्धर्व्यै नमः।
६९८ ॐ रेवत्यै नमः।
६९९ ॐ गङ्गायै नमः।
७०० ॐ शकुन्यै नमः।
७०१ ॐ विमलाननायै नमः।
७०२ ॐ इडायै नमः।
७०३ ॐ शान्तिकर्यै नमः।
७०४ ॐ तामस्यै नमः।
७०५ ॐ कमलालयायै नमः।
७०६ ॐ आज्यपायै नमः।
७०७ ॐ वज्रकौमार्यै नमः।
७०८ ॐ सोमपायै नमः।
७०९ ॐ कुसुमाश्रयायै नमः।
७१० ॐ जगत्प्रियायै नमः।
७११ ॐ सरथायै नमः।
७१२ ॐ दुर्जयायै नमः।
७१३ ॐ खगवाहनायै नमः।

७१४ ॐ मनोभवायै नमः।
७१५ ॐ कामचारायै नमः।
७१६ ॐ सिद्धचारणसेवितायै नमः।
७१७ ॐ व्योमलक्ष्म्यै नमः।
७१८ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
७१९ ॐ तेजोलक्ष्म्यै नमः।
७२० ॐ सुजाज्वलायै नमः।
७२१ ॐ रसलक्ष्म्यै नमः।
७२२ ॐ जगद्योन्यै नमः।
७२३ ॐ गन्धलक्ष्म्यै नमः।
७२४ ॐ वनाश्रयायै नमः।
७२५ ॐ श्रवणायै नमः।
७२६ ॐ श्रावण्यै नमः।
७२७ ॐ नेत्र्यै नमः।
७२८ ॐ रसनाप्राणचारिण्यै नमः।
७२९ ॐ विरिञ्चिमात्रे नमः।
७३० ॐ विभवायै नमः।
७३१ ॐ वरवारिजवाहनायै नमः।
७३२ ॐ वीर्यायै नमः।
७३३ ॐ वीरेश्वर्यै नमः।
७३४ ॐ वन्ध्यायै नमः।
७३५ ॐ विशोकायै नमः।
७३६ ॐ वसुवर्धिन्यै नमः।
७३७ ॐ अनाहतायै नमः।
७३८ ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
७३९ ॐ नलिन्यै नमः।
७४० ॐ वनवासिन्यै नमः।
७४१ ॐ गान्धारिण्यै नमः।
७४२ ॐ इन्द्रनमितायै नमः।
७४३ ॐ सुरेन्द्रनमितायै नमः।
७४४ ॐ सत्यै नमः।
७४५ ॐ सर्वमङ्गल्यमाङ्गल्यायै नमः।
७४६ ॐ सर्वकामसमृद्धिदायै नमः।
७४७ ॐ सर्वानन्दायै नमः।
७४८ ॐ महानन्दायै नमः।
७४९ ॐ सत्कीर्त्यै नमः।
७५० ॐ सिद्धसेवितायै नमः।
७५१ ॐ सिनीवाल्यै नमः।
७५२ ॐ कुह्वै नमः।
७५३ ॐ राकायै नमः।
७५४ ॐ अमायै नमः।
७५५ ॐ अनुमत्यै नमः।
७५६ ॐ द्युत्यै नमः।
७५७ ॐ अरुन्धत्यै नमः।
७५८ ॐ वसुमत्यै नमः।
७५९ ॐ भार्गव्यै नमः।
७६० ॐ वास्तुदेवतायै नमः।
७६१ ॐ मायूर्यै नमः।
७६२ ॐ वज्रवेताल्यै नमः।
७६३ ॐ वज्रहस्तायै नमः।
७६४ ॐ वराननायै नमः।
७६५ ॐ अनघायै नमः।
७६६ ॐ धरण्यै नमः।
७६७ ॐ धीरायै नमः।
७६८ ॐ धमन्यै नमः।
७६९ ॐ मणिभूषणायै नमः।

७७० ॐ राजश्रियै नमः।
७७१ ॐ रूपसहितायै नमः।
७७२ ॐ ब्रह्मश्रियै नमः।
७७३ ॐ ब्रह्मवन्दितायै नमः।
७७४ ॐ जयश्रियै नमः।
७७५ ॐ जयदायै नमः।
७७६ ॐ ज्ञेयायै नमः।
७७७ ॐ सर्गश्रियै नमः।
७७८ ॐ सतां स्वर्गत्यै नमः।
७७९ ॐ सुपुष्पायै नमः।
७८० ॐ पुष्पनिलयायै नमः।
७८१ ॐ फलश्रियै नमः।
७८२ ॐ निष्कलप्रियायै नमः।
७८३ ॐ धनुर्लक्ष्म्यै नमः।
७८४ ॐ अमिलितायै नमः।
७८५ ॐ परक्रोधनिवारिण्यै नमः।
७८६ ॐ कद्रवे नमः।
७८७ ॐ धनायुषे नमः।
७८८ ॐ कपिलायै नमः।
७८९ ॐ सुरसायै नमः।
७९० ॐ सुरमोहिन्यै नमः।
७९१ ॐ महाश्वेतायै नमः।
७९२ ॐ महानीलायै नमः।
७९३ ॐ महामूर्त्यै नमः।
७९४ ॐ विषापहायै नमः।
७९५ ॐ सुप्रभायै नमः।
७९६ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
७९७ ॐ दीप्त्यै नमः।
७९८ ॐ तृप्त्यै नमः।
७९९ ॐ व्याप्त्यै नमः।
८०० ॐ प्रभाकर्यै नमः।
८०१ ॐ तेजोवत्यै नमः।
८०२ ॐ पद्मबोधायै नमः।
८०३ ॐ मदलेखायै नमः।
८०४ ॐ अरुणावत्यै नमः।
८०५ ॐ रत्नायै नमः।
८०६ ॐ रत्नावल्यै नमः।
८०७ ॐ भूतायै नमः।
८०८ ॐ शतधाम्ने नमः।
८०९ ॐ शतापहायै नमः।
८१० ॐ त्रिगुणायै नमः।
८११ ॐ घोषिण्यै नमः।
८१२ ॐ रक्ष्यायै नमः।
८१३ ॐ नर्दिन्यै नमः।
८१४ ॐ घोषवर्जितायै नमः।
८१५ ॐ साध्यायै नमः।
८१६ ॐ अदित्यै नमः।
८१७ ॐ दित्यै नमः।
८१८ ॐ देव्यै नमः।
८१९ ॐ मृगवाहायै नमः।
८२० ॐ मृगाङ्कगायै नमः।
८२१ ॐ चित्रनीलोत्पलगतायै नमः।
८२२ ॐ वृषरत्नकराश्रयायै नमः।
८२३ ॐ हिरण्यरजतद्वन्द्वायै नमः।
८२४ ॐ शङ्खभद्रासनस्थितायै नमः।
८२५ ॐ गोमूत्रगोमयक्षीरदधि-

सर्पिर्जलाश्रयायै नमः।
८२६ ॐ मरीच्यै नमः।
८२७ ॐ चीरवसनायै नमः।
८२८ ॐ पूर्णायै नमः।
८२९ ॐ चन्द्रार्कविष्टरायै नमः।
८३० ॐ सुसूक्ष्मायै नमः।
८३१ ॐ निर्वृत्यै नमः।
८३२ ॐ स्थूलायै नमः।
८३३ ॐ निवृत्तारात्यै नमः।
८३४ ॐ मरीच्यै नमः।
८३५ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
८३६ ॐ धूम्रायै नमः।
८३७ ॐ हव्यवाहायै नमः।
८३८ ॐ हिरण्यदायै नमः।
८३९ ॐ दायिन्यै नमः।
८४० ॐ कालिन्यै नमः।
८४१ ॐ सिद्ध्यै नमः।
८४२ ॐ शोषिण्यै नमः।
८४३ ॐ सम्प्रबोधिन्यै नमः।
८४४ ॐ भास्वरायै नमः।
८४५ ॐ संहत्यै नमः।
८४६ ॐ तीक्ष्णायै नमः।
८४७ ॐ प्रचण्डज्वलनायै नमः।
८४८ ॐ उज्ज्वलायै नमः।
८४९ ॐ साङ्गायै नमः।
८५० ॐ प्रचण्डायै नमः।
८५१ ॐ. दीप्तायै नमः।
८५२ ॐ वैद्युत्यै नमः।
८५३ ॐ सुमहाद्युत्यै नमः।
८५४ ॐ कपिलायै नमः।
८५५ ॐ नीलरक्तायै नमः।
८५६ ॐ सुषुम्णायै नमः।
८५७ ॐ विस्फुलिङ्गिन्यै नमः।
८५८ ॐ अर्चिष्मत्यै नमः।
८५९ ॐ रिपुहरायै नमः।
८६० ॐ दीर्घायै नमः।
८६१ ॐ धूमावल्यै नमः।
८६२ ॐ जरायै नमः।
८६३ ॐ सम्पूर्णमण्डलायै नमः।
८६४ ॐ पूषायै नमः।
८६५ ॐ स्त्रंसिन्यै नमः।
८६६ ॐ सुमनोहरायै नमः।
८६७ ॐ जयायै नमः।
८६८ ॐ पुष्टिकर्यै नमः।
८६९ ॐ छायायै नमः।
८७० ॐ मानसायै नमः।
८७१ ॐ हृदयोज्ज्वलायै नमः।
८७२ ॐ सुवर्णकरण्यै नमः।
८७३ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
८७४ ॐ रणे मृतसंजीवन्यै नमः।
८७५ ॐ विशल्यकरण्यै नमः।
८७६ ॐ शुभ्रायै नमः।
८७७ ॐ संधिन्यै नमः।
८७८ ॐ परमौषधये नमः।
८७९ ॐ ब्रह्मिष्ठायै नमः।
८८० ॐ ब्रह्मसहितायै नमः।

८८१ ॐ ऐन्दव्यै नमः।
८८२ ॐ रत्नसम्भवायै नमः।
८८३ ॐ विद्युत्प्रभायै नमः।
८८४ ॐ बिन्दुमत्यै नमः।
८८५ ॐ त्रिस्वभावागुणाम्बिकायै नमः।
८८६ ॐ नित्योदितायै नमः।
८८७ ॐ नित्यहृष्टायै नमः।
८८८ ॐ नित्यकामकरीषिण्यै नमः।
८८९ ॐ पद्माङ्कायै नमः।
८९० ॐ वज्रचिह्नायै नमः।
८९१ ॐ वक्रदण्डविभासिन्यै नमः।
८९२ ॐ विदेहपूजितायै नमः।
८९३ ॐ कन्यायै नमः।
८९४ ॐ मायायै नमः।
८९५ ॐ विजयवाहिन्यै नमः।
८९६ ॐ मानिन्यै नमः।
८९७ ॐ मङ्गलायै नमः।
८९८ ॐ मान्यायै नमः।
८९९ ॐ मानिन्यै नमः।
९०० ॐ मानदायिन्यै नमः।
९०१ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
९०२ ॐ गणवत्यै नमः।
९०३ ॐ मण्डलायै नमः।
९०४ ॐ मण्डलेश्वर्यै नमः।
९०५ ॐ हरिप्रियायै नमः।
९०६ ॐ भौमसुतायै नमः।
९०७ ॐ मनोज्ञायै नमः।
९०८ ॐ मतिदायिन्यै नमः।
९०९ ॐ प्रत्यङ्गिरायै नमः।
९१० ॐ सोमगुप्तायै नमः।
९११ ॐ मनोऽभिज्ञायै नमः।
९१२ ॐ वदन्मत्यै नमः।
९१३ ॐ यशोधरायै नमः।
९१४ ॐ रत्नमालायै नमः।
९१५ ॐ कृष्णायै नमः।
९१६ ॐ त्रैलोक्यबन्धन्यै नमः।
९१७ ॐ अमृतायै नमः।
९१८ ॐ धारिण्यै नमः।
९१९ ॐ हर्षायै नमः।
९२० ॐ विनतायै नमः।
९२१ ॐ वल्लक्यै नमः।
९२२ ॐ शच्यै नमः।
९२३ ॐ संकल्पायै नमः।
९२४ ॐ भामिन्यै नमः।
९२५ ॐ मिश्रायै नमः।
९२६ ॐ कादम्बर्यै नमः।
९२७ ॐ अमृतायै नमः।
९२८ ॐ प्रभायै नमः।
९२९ ॐ अगतायै नमः।
९३० ॐ निर्गतायै नमः।
९३१ ॐ वज्रायै नमः।
९३२ ॐ सुहितायै नमः।
९३३ ॐ सहितायै नमः।
९३४ ॐ अक्षतायै नमः।
९३५ ॐ सर्वार्थसाधनकर्यै नमः।
९३६ ॐ धातुर्धारणिकायै नमः।

९३७ ॐ अमलायै नमः।
९३८ ॐ करुणाधारसम्भूतायै नमः।
९३९ ॐ कमलाक्ष्यै नमः।
९४० ॐ शशिप्रियायै नमः।
९४१ ॐ सौम्यरूपायै नमः।
९४२ ॐ महादीप्तायै नमः।
९४३ ॐ महाज्वालायै नमः।
९४४ ॐ विकाशिन्यै नमः।
९४५ ॐ मालायै नमः।
९४६ ॐ काञ्चनमालायै नमः।
९४७ ॐ सद्वज्रायै नमः।
९४८ ॐ कनकप्रभायै नमः।
९४९ ॐ प्रक्रियायै नमः।
९५० ॐ परमायै नमः।
९५१ ॐ योक्त्र्यै नमः।
९५२ ॐ क्षोभिकायै नमः।
९५३ ॐ सुखोदयायै नमः।
९५४ ॐ विजृम्भणायै नमः।
९५५ ॐ वज्राख्यायै नमः।
९५६ ॐ शृङ्खलायै नमः।
९५७ ॐ कमलेक्षणायै नमः।
९५८ ॐ जयंकर्यै नमः।
९५९ ॐ मधुमत्यै नमः।
९६० ॐ हरितायै नमः।
९६१ ॐ शशिन्यै नमः।
९६२ ॐ शिवायै नमः।
९६३ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
९६४ ॐ ईशान्यै नमः।
९६५ ॐ योगमात्रे नमः।
९६६ ॐ मनोजवायै नमः।
९६७ ॐ धर्मोदयायै नमः।
९६८ ॐ भानुमत्यै नमः।
९६९ ॐ सर्वाभासायै नमः।
९७० ॐ सुखावहायै नमः।
९७१ ॐ धुरन्धरायै नमः।
९७२ ॐ बालायै नमः।
९७३ ॐ धर्मसेव्यायै नमः।
९७४ ॐ तथागतायै नमः।
९७५ ॐ सुकुमारायै नमः।
९७६ ॐ सौम्यमुख्यै नमः।
९७७ ॐ सौम्यसम्बोधनायै नमः।
९७८ ॐ उत्तमायै नमः।
९७९ ॐ सुमुख्यै नमः।
९८० ॐ सर्वतोभद्रायै नमः।
९८१ ॐ गुह्यशक्त्यै नमः।
९८२ ॐ गुहालयायै नमः।
९८३ ॐ हलायुधायै नमः।
९८४ ॐ एकवीरायै नमः।
९८५ ॐ सर्वशस्त्रसुधारिण्यै नमः।
९८६ ॐ व्योमशक्त्यै नमः।
९८७ ॐ महादेहायै नमः।
९८८ ॐ व्योमगायै नमः।
९८९ ॐ मधुमन्मय्यै नमः।
९९० ॐ गङ्गायै नमः।
९९१ ॐ वितस्तायै नमः।
९९२ ॐ यमुनायै नमः।

९९३ ॐ चन्द्रभागायै नमः।
९९४. ॐ सरस्वत्यै नमः।
९९५ ॐ तिलोत्तमायै नमः।
९९६ ॐ उर्वश्यै नमः।
९९७ ॐ रम्भायै नमः।
९९८ ॐ स्वामिन्यै नमः।
९९९ ॐ सुरसुन्दर्यै नमः।
१००० ॐ बाणप्रहरणायै नमः।
१००१ ॐ बालायै नमः।
१००२ ॐ बिम्बोष्ठ्यै नमः।
१००३ ॐ चारुहासिन्यै नमः।
१००४ ॐ ककुद्मिन्यै नमः।
१००५ ॐ चारुपृष्ठायै नमः।
१००६ ॐ दृष्टादृष्टफलप्रदायै नमः।
१००७ ॐ काम्याचर्यै नमः।
१००८ ॐ काम्यायै नमः।
१००९ ॐ कामाचारविहारिण्यै नमः।
१०१० ॐ हिमशैलेन्द्रसंकाशायै नमः।
१०११ ॐ गजेन्द्रवरवाहनायै नमः।
१०१२ ॐ अशेषसुखसौभाग्य-सम्पदामुत्तमायै योन्यै नमः।
१०१३ ॐ सर्वोत्कृष्टायै नमः।
१०१४ ॐ सर्वमय्यै नमः।
१०१५ ॐ सर्वस्यै नमः।
१०१६ ॐ सर्वेश्वरप्रियायै नमः।
१०१७ ॐ सर्वाङ्गयोन्यै नमः।
१०१८ ॐ अव्यक्तायै नमः।
१०१९ ॐ सम्प्रधानेश्वरेश्वर्यै नमः।
१०२० ॐ विष्णुवक्षःस्थलगतायै नमः।

॥ इति ब्रह्मपुराणे श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीअन्नपूर्णायै नमः ॥

श्रीअन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीअन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्रमालामन्त्रस्य श्रीभगवान् सदाशिवऋषिः अनुष्टुप्छन्दः भगवती श्रीअन्नपूर्णा देवता हलो बीजं स्वराः शक्तिः जीवो बीजं बुद्धिः शक्तिः उदानो बीजं सुषुम्ना नाडी सरस्वती शक्तिः धर्मार्थकाममोक्षार्थे जपे विनियोगः।

ध्यानम्

सिन्दूराभां त्रिनेत्राममृतशशिकलां खेचरीं रक्तवस्त्रां
पीनोत्तुङ्गस्तनाढ्यामभिनवविलसद्यौवनारम्भरम्याम्।
नानालङ्कारयुक्तां सरसिजनयनामिन्दुसंक्रान्तमूर्तिं
देवीं पाशाङ्कुशाढ्यामभयवरकरामन्नपूर्णां नमामि॥*

आदाय दक्षिणकरेण सुवर्णदर्वीं
दुग्धान्नपूर्णमितरेण च रत्नपात्रम्।
भिक्षान्नदाननिरतां नवहेमवर्णा-
मम्बां भजे सकलभूषणभूषिताङ्गीम्॥†

---

* जिनकी अङ्ग-कान्ति सिन्दूर-सरीखी है, जो तीन नेत्रोंसे युक्त, अमृतपूर्ण शशिकला-सदृश, आकाशमें गमन करनेवाली, लाल वस्त्रसे सुशोभित, स्थूल एवं ऊँचे स्तनोंसे युक्त, नवीन उल्लसित यौवनारम्भसे रमणीय, विविध अलंकारोंसे युक्त हैं, जिनके नेत्र कमल-सदृश हैं, जिनकी मूर्ति चन्द्रमाको संक्रान्त करनेवाली है, जिनके हाथ पाश, अंकुश, अभय और वरद मुद्रासे सुशोभित हैं, उन अन्नपूर्णा देवीको मैं नमस्कार करता हूँ।

† जो अपने दाहिने हाथमें सोनेकी दर्वी (करछुल) तथा दूसरे बायें हाथमें दूध तथा अन्नसे भरा हुआ रत्नपात्र लेकर अन्नकी भिक्षा प्रदान करनेमें निरत हैं, उन प्रतप्त स्वर्णिम आभावाली तथा समस्त आभूषणोंसे विभूषित अङ्गोंवाली माता अन्नपूर्णाका मैं चिन्तन करता हूँ।

श्रीशिव उवाच

अन्नपूर्णा अन्नदात्री अन्नराशिकृतालया।
अन्नदा अन्नरूपा च अन्नदानरतोत्सवा॥ १ ॥
अनन्ता च अनन्ताक्षी अनन्तगुणशालिनी।
अच्युता अच्युतप्राणा अच्युतानन्दकारिणी॥ २ ॥
अव्यक्ताऽनन्तमहिमा अनन्तस्य कुलेश्वरी।
अब्धिस्था अब्धिशयना अब्धिजा अब्धिनन्दिनी॥ ३ ॥
अब्जस्था अब्जनिलया अब्जजा अब्जभूषणा।
अब्जाभा अब्जहस्ता च अब्जपत्रशुभेक्षणा॥ ४ ॥
अब्जानना अनन्तात्मा अग्निस्था अग्निरूपिणी।
अग्निजाया अग्निमुखी अग्निकुण्डकृतालया॥ ५ ॥
अकारा अग्निमाता च अजयाऽदितिनन्दिनी।
आद्या आदित्यसंकाशा आत्मज्ञा आत्मगोचरा॥ ६ ॥
आत्मसूरात्मदयिता आधारा आत्मरूपिणी।
आशा आकाशपद्मस्था अवकाशस्वरूपिणी॥ ७ ॥
आशापुरी अगाधा च अणिमादिसुसेविता।
अम्बिका अबला अम्बा अनाद्या च अयोनिजा॥ ८ ॥
अनीशा ईशिका ईशा ईशानी ईश्वरप्रिया।
ईश्वरी ईश्वरप्राणा ईश्वरानन्ददायिनी॥ ९ ॥
इन्द्राणी इन्द्रदयिता इन्द्रसूरिन्द्रपालिनी।
इन्दिरा इन्द्रभगिनी इन्द्रिया इन्दुभूषणा॥ १० ॥
इन्दुमाता इन्दुमुखी इन्द्रियाणां वशङ्करी।
उमा उमापतेः प्राणा ओड्याणी पीठवासिनी॥ ११ ॥

उत्तरज्ञा उत्तराख्या उकारा उत्तरात्मिका।
ऋसूता ऋभवा ऋस्था ऋलृकारस्वरूपिणी॥ १२॥
ऋकारा च लृकारा च लृतकप्रीतिदायिनी।
एका च एकवीरा च एकारैकाररूपिणी॥ १३॥
ओकारी ओघरूपा च ओघत्रयसुपूजिता।
ओघस्था ओघसम्भूता ओघधात्री च ओघसूः॥ १४॥
षोडशस्वरसम्भूता षोडशस्वररूपिणी।
वर्णात्मा वर्णनिलया शूलिनी वर्णमालिनी॥ १५॥
कालरात्रिर्महारात्रिर्मोहरात्रिः सुलोचना।
काली कपालिनी कृत्या कालिका सिंहगामिनी॥ १६॥
कात्यायनी कलाधारा कालदैत्यनिकृन्तनी।
कामिनी कामवन्द्या च कमनीया विनोदिनी॥ १७॥
कामसूः कामवनिता कामधूः कमलावती।
कामदात्री कराली च कामकेलिविनोदिनी॥ १८॥
कामना कामदा काम्या कमला कमलार्चिता।
काश्मीरलिप्तवक्षोजा काश्मीरद्रवचर्चिता॥ १९॥
कनका कनकप्राणा कनकाचलवासिनी।
कनकाभा काननस्था कामाख्या कनकप्रदा॥ २०॥
कामपीठस्थिता नित्या कामधामनिवासिनी।
कम्बुकण्ठी करालाक्षी किशोरी च ललाटिनी॥ २१॥
कला काष्ठा निमेषा च कालस्था कामरूपिणी।
कालज्ञा कालमाता च कालधात्री कलावनी॥ २२॥

कालदा कालघ्नी कुल्या कुरुकुल्या कुलाङ्गना।
कीर्तिदा कीर्तिहा कीर्तिः कीर्तिस्था कीर्तिवर्धिनी॥ २३॥
कीर्तिज्ञा कीर्तितपदा कृत्तिका केशवप्रिया।
केशिघ्नी केलिकारी च केशवानन्दकारिणी॥ २४॥
कुमुदाभा कुमारी च कर्मदा कमलेक्षणा।
कौमुदी कुमुदानन्दा कौलिकी च कुमुद्वती॥ २५॥
कोदण्डधारिणी क्रोधा कूटस्था कोटराश्रया।
कालकण्ठी करालाङ्गी कालाङ्गी कालभूषणा॥ २६॥
कङ्काली कामदामा च कङ्कालकृतभूषणा।
कपालकर्तृककरा करवीरस्वरूपिणी॥ २७॥
कपर्दिनी कोमलाङ्गी कृपासिन्धुः कृपामयी।
कुशावती कुण्डसंस्था कौबेरी कौशिकी तथा॥ २८॥
काश्यपी कद्रुतनया कलिकल्मषनाशिनी।
कञ्जस्था कञ्जवदना कञ्जकिञ्जल्कचर्चिता॥ २९॥
कञ्जाभा कञ्जशैलस्था कञ्जनेत्रा कचोद्भवा।
कामरूपा च ह्रींकारी कश्यपान्वयवर्धिनी॥ ३०॥
खर्वा च खञ्जनद्वन्द्वलोचना खर्ववाहिनी।
खड्गिनी खड्गहस्ता च खेचरी खड्गरूपिणी॥ ३१॥
खगस्था खगरूपा च खगगा खगसम्भवा।
खगधात्री खगानन्दा खगयोनिस्वरूपिणी॥ ३२॥
खगेशी खेटककरा खगानन्दविवर्धिनी।
खगमान्या खगाधारा खगगर्वविमोचिनी॥ ३३॥

गङ्गा गोदावरी गीतिर्गायत्री गगनालया।
गीर्वाणसुन्दरी गौश्च गाधा गीर्वाणपूजिता॥ ३४॥
गीर्वाणचर्चितपदा गान्धारी गोमती तथा।
गर्विणी गर्वहन्त्री च गर्भस्था गर्भधारिणी॥ ३५॥
गर्भदा गर्भहन्त्री च गन्धर्वकुलपूजिता।
गया गौरी च गिरिजा गिरिस्था गिरिसम्भवा॥ ३६॥
गिरिगह्वरमध्यस्था कुञ्जरेश्वरगामिनी।
किरीटिनी च गदिनी गुञ्जाहारविभूषणा॥ ३७॥
गणपा गणका गण्या गणकानन्दकारिणी।
गणपूज्या च गीर्वाणा गणपानन्दवर्धिनी॥ ३८॥
गुरुमाता गुरुरता गुरुभक्तिपरायणा।
गोत्रा गौः कृष्णभगिनी कृष्णसूः कृष्णनन्दिनी॥ ३९॥
गोवर्धनी गोत्रधरा गोवर्धनकृतालया।
गोवर्धनधरा गोदा गौराङ्गी गौतमात्मजा॥ ४०॥
घर्घरा घोररूपा च घोरा घर्घरनादिनी।
श्यामा घनरवाऽघोरा घना घोरार्तिनाशिनी॥ ४१॥
घनस्था च घनानन्दा दारिद्र्यघननाशिनी।
चित्तज्ञा चिन्तितपदा चित्तस्था चित्तरूपिणी॥ ४२॥
चक्रिणी चारुचम्पाभा चारुचम्पकमालिनी।
चन्द्रिका चन्द्रकान्तिश्च चापिनी चन्द्रशेखरा॥ ४३॥
चण्डिका चण्डदैत्यघ्नी चन्द्रशेखरवल्लभा।
चाण्डालिनी च चामुण्डा चण्डमुण्डवधोद्यता॥ ४४॥

चैतन्यभैरवी चण्डा चैतन्यघनगेहिनी।
चित्स्वरूपा चिदाधारा चण्डवेगा चिदालया॥ ४५॥
चन्द्रमण्डलमध्यस्था चन्द्रकोटिसुशीतला।
चपला चन्द्रभगिनी चन्द्रकोटिनिभांनना॥ ४६॥
चिन्तामणिगुणाधारा चिन्तामणिविभूषणा।
भक्तचिन्तामणिलता चिन्तामणिकृतालया॥ ४७॥
चारुचन्दनलिप्ताङ्गी चतुरा च चतुर्मुखी।
चैतन्यदा चिदानन्दा चारुचामरवीजिता॥ ४८॥
छत्रदा छत्रधारी च छलच्छद्मविनाशिनी।
छत्रहा छत्ररूपा च छत्रच्छायाकृतालया॥ ४९॥
जगज्जीवा जगद्धात्री जगदानन्दकारिणी।
यज्ञप्रिया यज्ञरता जपयज्ञपरायणा॥ ५०॥
जननी जानकी यज्वा यज्ञहा यज्ञनन्दिनी।
यज्ञदा यज्ञफलदा यज्ञस्थानकृतालया॥ ५१॥
यज्ञभोक्त्री यज्ञरूपा यज्ञविघ्नविनाशिनी।
जपाकुसुमसंकाशा जपाकुसुमशोभिता॥ ५२॥
जालन्धरी जया जैत्री जीमूतजयभाषिणी।
जयदा जयरूपा च जयस्था जयकारिणी॥ ५३॥
जगदीशप्रिया जीवा जलस्था जलजेक्षणा।
जलरूपा जह्नुकन्या यमुना जलजोदरी॥ ५४॥
जलजास्या जाह्नवी च जलजाभा जलोदरी।
यदुवंशोद्भवा जीवा यादवानन्दकारिणी॥ ५५॥

यशोदा यशसां राशिर्यशोदानन्दकारिणी।
ज्वलिनी ज्वालिनी ज्वाला ज्वलत्पावकसंनिभा॥ ५६॥
ज्वालामुखी जगन्माता यमलार्जुनभञ्जिनी।
जन्मदा जन्महा जन्मा जन्मभूर्जनकात्मजा॥ ५७॥
जनानन्दा जाम्बवती जम्बूद्वीपकृतालया।
जाम्बूनदसमानाभा जाम्बूनदविभूषणा॥ ५८॥
जम्भहा जातिदा जातिर्ज्ञानदा ज्ञानगोचरा।
ज्ञानहा ज्ञानरूपा च ज्ञानविज्ञानशालिनी॥ ५९॥
जिनजैत्री जिनाधारा जिनामाता जिनेश्वरी।
जितेन्द्रिया जनाधारा अजिनाम्बरधारिणी॥ ६०॥
शम्भुकोटिदुराधर्षा विष्णुकोटिविमर्दिनी।
समुद्रकोटिगम्भीरा वायुकोटिमहाबला॥ ६१॥
सूर्यकोटिप्रतीकाशा यमकोटिदुरापहा।
कामधुक्कोटिफलदा शक्रकोटिसुराज्यदा॥ ६२॥
कन्दर्पकोटिलावण्या पद्मकोटिनिभानना।
पृथ्वीकोटिजनाधारा अग्निकोटिभयङ्करी॥ ६३॥
अणिमा महिमा प्राप्तिर्गरिमा लघिमा तथा।
प्राकाम्यदा वशकरी ईशिका सिद्धिदा तथा॥ ६४॥
महिमादिगुणोपेता अणिमाद्यष्टसिद्धिदा।
जवनघ्नी जनाधीना जामिनी च जरापहा॥ ६५॥
तारिणी तारिका तारा तोतला तुलसीप्रिया।
तन्त्रिणी तन्त्ररूपा च तन्त्रज्ञा तन्त्रधारिणी॥ ६६॥

तारहारा च तुलजा डाकिनीतन्त्रगोचरा।
त्रिपुरा त्रिदशा त्रिस्था त्रिपुरासुरघातिनी॥ ६७॥
त्रिगुणा च त्रिकोणस्था त्रिमात्रा त्रितनुस्थिता।
त्रैविद्या च त्रयी त्रिघ्नि तुरीया त्रिपुरेश्वरी॥ ६८॥
त्रिकोदरस्था त्रिविधा त्रैलोक्या त्रिपुरात्मिका।
त्रिधाम्नी त्रिदशाराध्या त्र्यक्षा त्रिपुरवासिनी॥ ६९॥
त्रिवर्णा त्रिपदी तारा त्रिमूर्तिजननी त्वरा।
त्रिदिवा त्रिदिवेशानी देवी त्रैलोक्यधारिणी॥ ७०॥
त्रिमूर्तिश्च त्रिजननी त्रिभूस्त्रिपुरसुन्दरी।
तपस्विनी तपोनिष्ठा तरुणीताररूपिणी॥ ७१॥
तामसी तापसी चैव तापघ्नी च तमोऽपहा।
तरुणार्कप्रतीकाशा तप्तकाञ्चनसंनिभा॥ ७२॥
उन्मादिनी तन्तुरूपा त्रैलोक्यव्यापिनीश्वरी।
तार्किकी तर्कविद्या च तापत्रयविनाशिनी॥ ७३॥
त्रिपुष्करा त्रिकालज्ञा त्रिसन्ध्या च त्रिलोचना।
त्रिवर्गा च त्रिवर्गस्था तपसः सिद्धिदायिनी॥ ७४॥
अधोक्षजा अयोध्या च अपर्णा च अवन्तिका।
कारिका तीर्थरूपा च तीर्थतीर्थकरी तथा॥ ७५॥
दारिद्र्यदुःखदलिनी अदीना दीनवत्सला।
दीननाथप्रिया दीर्घा दयापूर्णा दयात्मिका॥ ७६॥
देवदानवसम्पूज्या देवानां प्रियकारिणी।
दक्षपुत्री दक्षमाता दक्षयज्ञविनाशिनी॥ ७७॥

देवसूर्दक्षिणा दक्षा दुर्गा दुर्गतिनाशिनी।
देवकीगर्भसम्भूता दुर्गदैत्यविनाशिनी॥ ७८॥
अट्टाट्टहासिनी दोला दोलाकर्माभिनन्दिनी।
देवकी देविका देवी दुरितघ्नी तटित्तथा॥ ७९॥
गण्डकी गल्लकी क्षिप्रा द्वारा द्वारवती तथा।
आनन्दोदधिमध्यस्था कटिसूत्रैरलंकृता॥ ८०॥
घोराग्निदाहदमनी दुःखदुःस्वप्ननाशिनी।
श्रीमयी श्रीमती श्रेष्ठा श्रीकरी श्रीविभाविनी॥ ८१॥
श्रीदा श्रीशा श्रीनिवासा श्रीमती श्रीर्मतिर्गतिः।
धनदा दामिनी दान्ता धर्मदा धनशालिनी॥ ८२॥
दाडिमीपुष्पसंकाशा धनागारा धनञ्जया।
धूम्राभा धूम्रदैत्यघ्नी धवला धवलप्रिया॥ ८३॥
धूम्रवक्त्रा धूम्रनेत्रा धूम्रकेशी च धूसरा।
धरणी धारिणी धैर्या धरा धात्री च धैर्यदा॥ ८४॥
दमिनी धार्मिणी धूश्च दया दोग्ध्री दुरासदा।
नारायणी नारसिंही नृसिंहहृदयालया॥ ८५॥
नागिनी नागकन्या च नागसूर्नागनायिका।
नानारत्नविचित्राङ्गी नानाभरणमण्डिता॥ ८६॥
दुर्गस्था दुर्गरूपा च दुःखदुष्कृतनाशिनी।
ह्रींकारी चैव श्रींकारी हुंकारी क्लेशनाशिनी॥ ८७॥
नगात्मजा नागरी च नवीना नूतनप्रिया।
नीरजास्या नीरदाभा नवलावण्यसुन्दरी॥ ८८॥

नीतिज्ञा नीतिदा नीतिर्निम्ननाभिर्नगेश्वरी।
निष्ठा नित्या निरातङ्का नागयज्ञोपवीतिनी ॥ ८९ ॥
निधिदा निधिरूपा च निर्गुणा नरवाहिनी।
नरमांसरता नारी नरमुण्डविभूषणा ॥ ९० ॥
निराधारा निर्विकारा नुतिर्निर्वाणसुन्दरी।
नरासृक्पानमत्ता च निर्वैरा नागगामिनी ॥ ९१ ॥
परमा प्रमिता प्राज्ञा पार्वती पर्वतात्मजा।
पर्वप्रिया पर्वरता पर्वपावनपावनी ॥ ९२ ॥
परात्परतरा पूर्वा पश्चिमा पापनाशिनी।
पशूनां पतिपत्नी च पतिभक्तिपरायणी ॥ ९३ ॥
परेशी पारगा पारा परंज्योतिःस्वरूपिणी।
निष्ठुरा क्रूरहृदया परासिद्धिः परागतिः ॥ ९४ ॥
पशुघ्नी पशुरूपा च पशुहा पशुवाहिनी।
पिता माता च यन्त्री च पशुपाशविनाशिनी ॥ ९५ ॥
पद्मिनी पद्महस्ता च पद्मकिञ्जल्कवासिनी।
पद्मवक्त्रा च पद्माक्षी पद्मस्था पद्मसम्भवा ॥ ९६ ॥
पद्मास्या पञ्चमी पूर्णा पूर्णपीठनिवासिनी।
पद्मरागप्रतीकाशा पाञ्चाली पञ्चमप्रिया ॥ ९७ ॥
परब्रह्मस्वरूपा च परब्रह्मनिवासिनी।
परमानन्दमुदिता परचक्रविनाशिनी ॥ ९८ ॥
परेशी परमा पृथ्वी पीनतुङ्गपयोधरा।
परावरा पराविद्या परमानन्ददायिनी ॥ ९९ ॥

पूजा प्रजावती पुष्टिः पिनाकीपरिकीर्तिता।
प्राणहा प्राणरूपा च प्राणदा च प्रियंवदा॥ १००॥
फणिभूता फणावेशी फकाराकुण्ठमालिनी।
फणिराड्वृतसर्वाङ्गी फलभागनिवासिनी॥ १०१॥
बलभद्रस्य भगिनी बाला बालप्रदायिनी।
फल्गुरूपा प्रलम्बघ्नी फल्गूत्सवविनोदिनी॥ १०२॥
भवानी भवपत्नी च भवभीतिहरा भवा।
भवेश्वरी भवाराध्या भवेशी भवदायिका॥ १०३॥
भवमाता भवागम्या भवकण्टकनाशिनी।
भवप्रिया भवानन्दा भव्या च भवमोचिनी॥ १०४॥
भावनीया भगवती भवभारविनाशिनी।
भूतधात्री च भूतेशी भूतस्था भूतरूपिणी॥ १०५॥
भूतमाता च भूतघ्नी भूतपञ्चकवासिनी।
भोगोपचारकुशला भिस्साधात्री च भूचरी॥ १०६॥
भीतिघ्नी भक्तिगम्या च भक्तानामार्तिनाशिनी।
भक्तानुकम्पिनी भीमा भगिनी भगनायिका॥ १०७॥
भगविद्या भगक्लिन्ना भगयोनिर्भगप्रदा।
भगेशी भगरूपा च भगगुह्या भगापहा॥ १०८॥
भगोदरी भगानन्दा भाग्यदा भगमालिनी।
भोगप्रदा भोगवासा भोगमूला च भोगिनी॥ १०९॥
भेरुण्डा भेदिनी भीमा भद्रकाली भिदोज्झिता।
भैरवी भुवनेशानी भुवना भुवनेश्वरी॥ ११०॥
भीमाक्षी भारती चैव भैरवाष्टकसेविता।
भास्वरा भास्वती भीतिर्भास्वदुत्तानशालिनी॥ १११॥

भागीरथी भोगवती भवघ्नी भुवनात्मिका।
भूतिदा भूतिरूपा च भूतस्था भूतवर्धिनी॥ ११२॥
माहेश्वरी महामाया महातेजा महासुरी।
महाजिह्वा महालोला महादंष्ट्रा महाभुजा॥ ११३॥
महामोहान्धकारघ्नी महामोक्षप्रदायिनी।
महादारिद्र्यशमनी महाशत्रुविमर्दिनी॥ ११४॥
महाशक्तिर्महाज्योतिर्महासुरविमर्दिनी।
महाकाया महावीर्या महापातकनाशिनी॥ ११५॥
महारवा मन्त्रमयी मणिपूरनिवासिनी।
मानसी मानदा मान्या मनश्चक्षुरगोचरा॥ ११६॥
माहेन्द्री मधुरा माया महिषासुरमर्दिनी।
महाकुण्डलिनी शक्तिर्महाविभववर्धिनी॥ ११७॥
मानसी माधवी मेधा मतिदा मतिधारिणी।
मेनकागर्भसम्भूता मेनकाभगिनी मतिः॥ ११८॥
महोदरी मुक्तकेशी मुक्तिकामार्थसिद्धिदा।
माहेशी महिषारूढा मधुदैत्यविमर्दिनी॥ ११९॥
महाव्रता महामूर्धा महाभयविनाशिनी।
मातङ्गी मत्तमातङ्गी मातङ्गकुलमण्डिता॥ १२०॥
महाघोरा माननीया मत्तमातङ्गगामिनी।
मुक्ताहारलतोपेता मदघूर्णितलोचना॥ १२१॥
महापराधराशिघ्नी महाचौरभयापहा।
महाचिन्त्यस्वरूपा च मणिमन्त्रमहौषधी॥ १२२॥
मणिमण्डपमध्यस्था मणिमालाविराजिता।
मन्त्रात्मिका मन्त्रगम्या मन्त्रमाता सुमन्त्रिणी॥ १२३॥

मेरुमन्दिरमध्यस्था मकराकृतिकुण्डला।
मन्थरा च महासूक्ष्मा महादूती महेश्वरी॥ १२४॥
मालिनी मानवी माध्वी मदरूपा मदोत्कटा।
मदिरा मधुरा चैव मोदिनी च महोद्धता॥ १२५॥
मङ्गलाङ्गी मधुमयी मधुपानपरायणा।
मनोरमा रमामाता राजराजेश्वरी रमा॥ १२६॥
राजमान्या राजपूज्या रक्तोत्पलविभूषणा।
राजीवलोचना रामा राधिका रामवल्लभा॥ १२७॥
शाकिनी डाकिनी चैव लावण्याम्बुधिवीचिका।
रुद्राणी रुद्ररूपा च रौद्रा रुद्रार्तिनाशिनी॥ १२८॥
रक्तप्रिया रक्तवस्त्रा रक्ताक्षी रक्तलोचना।
रक्तकेशी रक्तदंष्ट्रा रक्तचन्दनचर्चिता॥ १२९॥
रक्ताङ्गी रक्तभूषा च रक्तबीजनिपातिनी।
रागादिदोषरहिता रतिजा रतिदायिनी॥ १३०॥
विश्वेश्वरी विशालाक्षी विन्ध्यपीठनिवासिनी।
विश्वभूर्वीरविद्या च वीरसूर्वीरनन्दिनी॥ १३१॥
वीरेश्वरी विशालाक्षी विष्णुमाया विमोहिनी।
विद्यावी विष्णुरूपा च विशालनयनोत्पला॥ १३२॥
विष्णुमाता च विश्वात्मा विष्णुजायास्वरूपिणी।
ब्रह्मेशी ब्रह्मदा ब्राह्मी ब्रह्माणी ब्रह्मरूपिणी॥ १३३॥
द्वारका विश्ववन्द्या च विश्वपाशविमोचिनी।
विश्वासकारिणी विश्वा विश्वशक्तिर्विचक्षणा॥ १३४॥

बाणचापधरा वीरा बिन्दुस्था बिन्दुमालिनी।
षट्चक्रभेदिनी षोढा षोडशारनिवासिनी॥ १३५॥
शितिकण्ठप्रिया शान्ता शाकिनी वातरूपिणी।
शाश्वती शम्भुवनिता शाम्भवी शिवरूपिणी॥ १३६॥
शिवमाता च शिवदा शिवा शिवहृदासना।
शुक्लाम्बरा शीतला च शीला शीलप्रदायिनी॥ १३७॥
शिशुप्रिया वैद्यविद्या शालग्रामशिला शुचिः।
हरिप्रिया हरमूर्तिर्हरिनेत्रकृतालया॥ १३८॥
हरिवक्त्रोद्भवा हाला हरिवक्षःस्थलस्थिता।
क्षेमङ्करी क्षितिः क्षेत्रा क्षुधितस्य प्रपूरणी॥ १३९॥
वैश्या च क्षत्रिया शूद्री क्षत्रियाणां कुलेश्वरी।
हरपत्नी हराराध्या हरसूर्हररूपिणी॥ १४०॥
सर्वानन्दमयी सिद्धिः सर्वरक्षास्वरूपिणी।
सर्वदुष्टप्रशमनी सर्वेप्सितफलप्रदा॥ १४१॥
सर्वसिद्धेश्वराराध्या सर्वमङ्गलमङ्गला।

॥ फलश्रुतिः॥

पुण्यं सहस्त्रनामेदं तव प्रीत्या प्रकाशितम्॥ १४२॥
गोपनीयं प्रयत्नेन पठनीयं प्रयत्नतः।
नातः परतरं पुण्यं नातः परतरं तपः॥ १४३॥
नातः परतरं स्तोत्रं नातः परतरा गतिः।
स्तोत्रं नामसहस्त्राख्यं मम वक्त्राद्विनिर्गतम्॥ १४४॥
यः पठेत् परया भक्त्या शृणुयाद्वा समाहितः।
मोक्षार्थी लभते मोक्षं स्वर्गार्थी स्वर्गमाप्नुयात्॥ १४५॥

कामार्थी लभते कामं धनार्थी लभते धनम्।
विद्यार्थी लभते विद्यां यशोऽर्थी लभते यशः॥ १४६॥
कन्यार्थी लभते कन्यां सुतार्थी लभते सुतान्।
मूर्खोऽपि लभते शास्त्रं चोरोऽपि लभते गतिम्॥ १४७॥
गुर्विणी जनयेत् पुत्रं कन्या विन्दति सत्पतिम्।
संक्रान्त्यां च चतुर्दश्यामष्टम्यां च विशेषतः॥ १४८॥
पौर्णमास्याममावास्यां नवम्यां भौमवासरे।
पठेद्वा पाठयेद्वापि पूजयेद्वापि पुस्तकम्॥ १४९॥
स मुक्तः सर्वपापेभ्यः कामेश्वरसमो भवेत्।
लक्ष्मीवान् सुतवांश्चैव वल्लभः सर्वयोषिताम्॥ १५०॥
तस्य वश्यं भवेदाशु त्रैलोक्यं सचराचरम्।
विद्यानां पारगो विप्रः क्षत्रियो विजयी रणे॥ १५१॥
वैश्यो धनसमृद्धः स्याच्छूद्रः सुखमवाप्नुयात्।
क्षेत्रे च बहुसस्यं स्याद्गावश्च बहुदुग्धदाः॥ १५२॥
नाशुभं नापदस्तस्य न भयं नृपशत्रुतः।
जायते नाशुभा बुद्धिर्लभते कुलपूज्यताम्॥ १५३॥
न बाधन्ते ग्रहास्तस्य न रक्षांसि न पन्नगाः।
न पिशाचा न डाकिन्यो भूतबेतालडम्भकाः॥ १५४॥
बालग्रहाभिभूतानां बालानां शान्तिकारकम्।
द्वन्द्वानां प्रतिभेदे च मैत्रीकरणमुत्तमम्॥ १५५॥
लोहपाशैर्दृढैर्बद्धो बन्दी वेश्मनि दुर्गमे।
तिष्ठञ्छृण्वन्पठन्मर्त्यो मुच्यते नात्र संशयः॥ १५६॥
पश्यन्ति नहि ते शोकं वियोगं चिरजीविनः।
शृण्वती बद्धगर्भा च सुखं सैव प्रसूयते॥ १५७॥

एकदा पठनादेव सर्वपापक्षयो भवेत्।
नश्यन्ति च महारोगा दशधावर्तनेन च॥ १५८॥
शतधावर्तने चैव वाचां सिद्धिः प्रजायते।
नवरात्रे जिताहारो दृढबुद्धिर्जितेन्द्रियः॥ १५९॥
अम्बिकायतने विद्वान् शुचिष्मान् मूर्तिसंनिधौ।
एकाकी च दशावर्तं पठन् धीरश्च निर्भयः॥ १६०॥
साक्षाद्भगवती तस्मै प्रयच्छेदीप्सितं फलम्।
सिद्धपीठे गिरौ रम्ये सिद्धक्षेत्रे सुरालये॥ १६१॥
पठनात् साधकस्याशु सिद्धिर्भवति वाञ्छिता।
दशावर्तं पठेन्नित्यं भूमिशायी नरः शुचिः॥ १६२॥
स्वप्ने मूर्तिमयीं देवीं वरदां सोऽपि पश्यति।
आवर्तनसहस्रैर्ये जपन्ति पुरुषोत्तमाः॥ १६३॥
ते सिद्धाः सिद्धिदा लोके शापानुग्रहणक्षमाः।
प्रयच्छन्तश्च सर्वस्वं सेवन्ते तान्महीश्वराः॥ १६४॥
भूर्जपत्रेऽष्टगन्धेन लिखित्वा तु शुभे दिने।
धारयेद्यन्त्रितं शीर्षे पूजयित्वा कुमारिकाम्॥ १६५॥
ब्राह्मणान् वरनारीश्च धूपैः कुसुमचन्दनैः।
क्षीरखण्डादिभोज्यांश्च भोजयित्वा सुभक्तितः॥ १६६॥
बध्नन्ति ये महारक्षां बालानां च विशेषतः।
रुद्रं दृष्ट्वा यथा देवं विष्णुं दृष्ट्वा च दानवाः॥ १६७॥
पन्नगा गरुडं दृष्ट्वा सिंहं दृष्ट्वा यथा गजाः।
मण्डूका भोगिनं दृष्ट्वा मार्जारं मूषिकास्तथा॥ १६८॥
विघ्नभूताः पलायन्ते तस्य वक्त्रविलोकनात्।
अग्निचौरभयं तस्य कदाचिन्नैव सम्भवेत्॥ १६९॥

पातकान् विविधान् सोऽपि मेरुमन्दरसंनिभान्।
भस्मितान् कुरुते क्षिप्रं तृणं वह्निहुतं यथा॥ १७०॥
नृपाश्च वश्यतां यान्ति नृपपूज्याश्च ते नराः।
महार्णवे महानद्यां पोतस्थे च न भीः क्वचित्॥ १७१॥
रणे द्यूते विवादे च विजयं प्राप्नुवन्ति ते।
सर्वत्र पूजितो लोकैर्बहुमानपुरःसरैः॥ १७२॥
रतिरागविवृद्धाश्च विह्वलाः कामपीडिताः।
यौवनाक्रान्तदेहास्तान् श्रयन्ते वामलोचनाः॥ १७३॥
सहस्त्रं जपते यस्तु खेचरो जायते नरः।
सहस्त्रदशकं देवि यः पठेद्भक्तिमान् नरः॥ १७४॥
सा तस्य जगतां धात्री प्रत्यक्षा भवति ध्रुवम्।
लक्षं पूर्णं यदा देवी स्तोत्रराजं जपेत् सुधीः॥ १७५॥
भवपाशविनिर्मुक्तो मम तुल्यो न संशयः।
सर्वतीर्थेषु यत्पुण्यं सर्वतीर्थेषु यत्फलम्॥ १७६॥
सर्वधर्मेषु यज्ञेषु सर्वदानेषु यत्फलम्।
सर्ववेदेषु प्रोक्तेषु यत्फलं परिकीर्तितम्॥ १७७॥
तत्पुण्यं कोटिगुणितं सकृज्जप्त्वा लभेन्नरः।
देहान्ते परमं स्थानं यत्सुरैरपि दुर्लभम्।
स यास्यति न संदेहः स्तवराजस्य कीर्तनात्॥ १७८॥

॥ इति श्रीरुद्रयामले उत्तरखण्डे भवानीश्वरसंवादे
श्रीअन्नपूर्णासहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीअन्नपूर्णायै नमः ॥

श्रीअन्नपूर्णासहस्रनामावलिः

१ ॐ अन्नपूर्णायै नमः ।
२ ॐ अन्नदात्र्यै नमः ।
३ ॐ अन्नराशिकृतालयायै नमः ।
४ ॐ अन्नदायै नमः ।
५ ॐ अन्नरूपायै नमः ।
६ ॐ अन्नदानरतोत्सवायै नमः ।
७ ॐ अनन्तायै नमः ।
८ ॐ अनन्ताक्ष्यै नमः ।
९ ॐ अनन्तगुणशालिन्यै नमः ।
१० ॐ अच्युतायै नमः ।
११ ॐ अच्युतप्राणायै नमः ।
१२ ॐ अच्युतानन्दकारिण्यै नमः ।
१३ ॐ अव्यक्तायै नमः ।
१४ ॐ अनन्तमहिमायै नमः ।
१५ ॐ अनन्तस्य कुलेश्वर्यै नमः ।
१६ ॐ अब्धिस्थायै नमः ।
१७ ॐ अब्धिशयनायै नमः ।
१८ ॐ अब्धिजायै नमः ।
१९ ॐ अब्धिनन्दिन्यै नमः ।
२० ॐ अब्जस्थायै नमः ।
२१ ॐ अब्जनिलयायै नमः ।
२२ ॐ अब्जजायै नमः ।
२३ ॐ अब्जभूषणायै नमः ।
२४ ॐ अब्जाभायै नमः ।
२५ ॐ अब्जहस्तायै नमः ।
२६ ॐ अब्जपत्रशुभेक्षणायै नमः ।
२७ ॐ अब्जाननायै नमः ।
२८ ॐ अनन्तात्मने नमः ।
२९ ॐ अग्निस्थायै नमः ।
३० ॐ अग्निरूपिण्यै नमः ।
३१ ॐ अग्निजायायै नमः ।
३२ ॐ अग्निमुख्यै नमः ।
३३ ॐ अग्निकुण्डकृतालयायै नमः ।
३४ ॐ अकारायै नमः ।
३५ ॐ अग्निमात्रे नमः ।
३६ ॐ अजयायै नमः ।
३७ ॐ अदितिनन्दिन्यै नमः ।
३८ ॐ आद्यायै नमः ।
३९ ॐ आदित्यसंकाशायै नमः ।
४० ॐ आत्मज्ञायै नमः ।
४१ ॐ आत्मगोचरायै नमः ।
४२ ॐ आत्मसुवे नमः ।
४३ ॐ आत्मदयितायै नमः ।
४४ ॐ आधारायै नमः ।
४५ ॐ आत्मरूपिण्यै नमः ।
४६ ॐ आशायै नमः ।

४७ ॐ आकाशपद्मस्थायै नमः।
४८ ॐ अवकाशस्वरूपिण्यै नमः।
४९ ॐ आशापुर्यै नमः।
५० ॐ अगाधायै नमः।
५१ ॐ अणिमादिसुसेवितायै नमः।
५२ ॐ अम्बिकायै नमः।
५३ ॐ अबलायै नमः।
५४ ॐ अम्बायै नमः।
५५ ॐ अनाद्यायै नमः।
५६ ॐ अयोनिजायै नमः।
५७ ॐ अनीशायै नमः।
५८ ॐ ईशिकायै नमः।
५९ ॐ ईशायै नमः।
६० ॐ ईशान्यै नमः।
६१ ॐ ईश्वरप्रियायै नमः।
६२ ॐ ईश्वर्यै नमः।
६३ ॐ ईश्वरप्राणायै नमः।
६४ ॐ ईश्वरानन्ददायिन्यै नमः।
६५ ॐ इन्द्राण्यै नमः।
६६ ॐ इन्द्रदयितायै नमः।
६७ ॐ इन्द्रस्वै नमः।
६८ ॐ इन्द्रपालिन्यै नमः।
६९ ॐ इन्दिरायै नमः।
७० ॐ इन्द्रभगिन्यै नमः।
७१ ॐ इन्द्रियायै नमः।
७२ ॐ इन्दुभूषणायै नमः।
७३ ॐ इन्दुमात्रे नमः।
७४ ॐ इन्दुमुख्यै नमः।
७५ ॐ इन्द्रियाणां वशङ्कर्यै नमः।
७६ ॐ उमायै नमः।
७७ ॐ उमापतेः प्राणायै नमः।
७८ ॐ ओड्याणी पीठवासिन्यै नमः।
७९ ॐ उत्तरज्ञायै नमः।
८० ॐ उत्तराख्यायै नमः।
८१ ॐ उकारायै नमः।
८२ ॐ उत्तरात्मिकायै नमः।
८३ ॐ ऋसूतायै नमः।
८४ ॐ ऋभवायै नमः।
८५ ॐ ऋस्थायै नमः।
८६ ॐ ऋलृकारस्वरूपिण्यै नमः।
८७ ॐ ऋकारायै नमः।
८८ ॐ लृकारायै नमः।
८९ ॐ लृतकप्रीतिदायिन्यै नमः।
९० ॐ एकस्यै नमः।
९१ ॐ एकवीरायै नमः।
९२ ॐ एकारैकाररूपिण्यै नमः।
९३ ॐ ओकार्यै नमः।
९४ ॐ ओघरूपायै नमः।
९५ ॐ ओघत्रयसुपूजितायै नमः।
९६ ॐ ओघस्थायै नमः।
९७ ॐ ओघसम्भूतायै नमः।
९८ ॐ ओघधात्र्यै नमः।
९९ ॐ ओघस्वै नमः।
१०० ॐ षोडशस्वरसम्भूतायै नमः।
१०१ ॐ षोडशस्वररूपिण्यै नमः।
१०२ ॐ वर्णात्मने नमः।

१०३ ॐ वर्णनिलयायै नमः।
१०४ ॐ शूलिन्यै नमः।
१०५ ॐ वर्णमालिन्यै नमः।
१०६ ॐ कालरात्र्यै नमः।
१०७ ॐ महारात्र्यै नमः।
१०८ ॐ मोहरात्र्यै नमः।
१०९ ॐ सुलोचनायै नमः।
११० ॐ काल्यै नमः।
१११ ॐ कपालिन्यै नमः।
११२ ॐ कृत्यायै नमः।
११३ ॐ कालिकायै नमः।
११४ ॐ सिंहगामिन्यै नमः।
११५ ॐ कात्यायन्यै नमः।
११६ ॐ कलाधारायै नमः।
११७ ॐ कालदैत्यनिकृन्तन्यै नमः।
११८ ॐ कामिन्यै नमः।
११९ ॐ कामवन्द्यायै नमः।
१२० ॐ कमनीयायै नमः।
१२१ ॐ विनोदिन्यै नमः।
१२२ ॐ कामस्वै नमः।
१२३ ॐ कामवनितायै नमः।
१२४ ॐ कामधुरे नमः।
१२५ ॐ कमलावत्यै नमः।
१२६ ॐ कामदात्र्यै नमः।
१२७ ॐ कराल्यै नमः।
१२८ ॐ कामकेलिविनोदिन्यै नमः।
१२९ ॐ कामनायै नमः।
१३० ॐ कामदायै नमः।
१३१ ॐ काम्यायै नमः।
१३२ ॐ कमलायै नमः।
१३३ ॐ कमलार्चितायै नमः।
१३४ ॐ काश्मीरलिप्तवक्षोजायै नमः।
१३५ ॐ काश्मीरद्रवचर्चितायै नमः।
१३६ ॐ कनकायै नमः।
१३७ ॐ कनकप्राणायै नमः।
१३८ ॐ कनकाचलवासिन्यै नमः।
१३९ ॐ कनकाभायै नमः।
१४० ॐ काननस्थायै नमः।
१४१ ॐ कामाख्यायै नमः।
१४२ ॐ कनकप्रदायै नमः।
१४३ ॐ कामपीठस्थितायै नमः।
१४४ ॐ नित्यायै नमः।
१४५ ॐ कामधामनिवासिन्यै नमः।
१४६ ॐ कम्बुकण्ठ्यै नमः।
१४७ ॐ करालाक्ष्यै नमः।
१४८ ॐ किशोर्यै नमः।
१४९ ॐ ललाटिन्यै नमः।
१५० ॐ कलायै नमः।
१५१ ॐ काष्ठायै नमः।
१५२ ॐ निमेषायै नमः।
१५३ ॐ कालस्थायै नमः।
१५४ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
१५५ ॐ कालज्ञायै नमः।
१५६ ॐ कालमात्रे नमः।
१५७ ॐ कालधात्र्यै नमः।
१५८ ॐ कलावत्यै नमः।

१५९ ॐ कालदायै नमः।
१६० ॐ कालघ्न्यै नमः।
१६१ ॐ कुल्यायै नमः।
१६२ ॐ कुरुकुल्यायै नमः।
१६३ ॐ कुलाङ्गनायै नमः।
१६४ ॐ कीर्तिदायै नमः।
१६५ ॐ कीर्तिघ्ने नमः।
१६६ ॐ कीर्त्यै नमः।
१६७ ॐ कीर्तिस्थायै नमः।
१६८ ॐ कीर्तिवर्धिन्यै नमः।
१६९ ॐ कीर्तिज्ञायै नमः।
१७० ॐ कीर्तितपदायै नमः।
१७१ ॐ कृत्तिकायै नमः।
१७२ ॐ केशवप्रियायै नमः।
१७३ ॐ केशिघ्न्यै नमः।
१७४ ॐ केलिकार्यै नमः।
१७५ ॐ केशवानन्दकारिण्यै नमः।
१७६ ॐ कुमुदाभायै नमः।
१७७ ॐ कुमार्यै नमः।
१७८ ॐ कर्मदायै नमः।
१७९ ॐ कमलेक्षणायै नमः।
१८० ॐ कौमुद्यै नमः।
१८१ ॐ कुमुदानन्दायै नमः।
१८२ ॐ कौलिक्यै नमः।
१८३ ॐ कुमुद्वत्यै नमः।
१८४ ॐ कोदण्डधारिण्यै नमः।
१८५ ॐ क्रोधायै नमः।
१८६ ॐ कूटस्थायै नमः।
१८७ ॐ कोटराश्रयायै नमः।
१८८ ॐ कालकण्ठ्यै नमः।
१८९ ॐ करालाङ्ग्यै नमः।
१९० ॐ कालाङ्ग्यै नमः।
१९१ ॐ कालभूषणायै नमः।
१९२ ॐ कङ्काल्यै नमः।
१९३ ॐ कामदामायै नमः।
१९४ ॐ कङ्कालकृतभूषणायै नमः।
१९५ ॐ कपालकर्तृककरायै नमः।
१९६ ॐ करवीरस्वरूपिण्यै नमः।
१९७ ॐ कपर्दिन्यै नमः।
१९८ ॐ कोमलाङ्ग्यै नमः।
१९९ ॐ कृपासिन्धवे नमः।
२०० ॐ कृपामय्यै नमः।
२०१ ॐ कुशावत्यै नमः।
२०२ ॐ कुण्डसंस्थायै नमः।
२०३ ॐ कौबेर्यै नमः।
२०४ ॐ कौशिक्यै नमः।
२०५ ॐ काश्यप्यै नमः।
२०६ ॐ कद्रुतनयायै नमः।
२०७ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
२०८ ॐ कञ्जस्थायै नमः।
२०९ ॐ कञ्जवदनायै नमः।
२१० ॐ कञ्जकिञ्जल्कचर्चितायै नमः।
२११ ॐ कञ्जाभायै नमः।
२१२ ॐ कञ्जशैलस्थायै नमः।
२१३ ॐ कञ्जनेत्रायै नमः।
२१४ ॐ कचोद्भवायै नमः।

२१५ ॐ कामरूपायै नमः।
२१६ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
२१७ ॐ कश्यपान्वयवर्धिन्यै नमः।
२१८ ॐ खर्वायै नमः।
२१९ ॐ खञ्जनद्वन्द्वलोचनायै नमः।
२२० ॐ खर्ववाहिन्यै नमः।
२२१ ॐ खड्गिन्यै नमः।
२२२ ॐ खड्गहस्तायै नमः।
२२३ ॐ खेचर्यै नमः।
२२४ ॐ खड्गरूपिण्यै नमः।
२२५ ॐ खगस्थायै नमः।
२२६ ॐ खगरूपायै नमः।
२२७ ॐ खगगायै नमः।
२२८ ॐ खगसम्भवायै नमः।
२२९ ॐ खगधात्र्यै नमः।
२३० ॐ खगानन्दायै नमः।
२३१ ॐ खगयोनिस्वरूपिण्यै नमः।
२३२ ॐ खगेश्यै नमः।
२३३ ॐ खेटककरायै नमः।
२३४ ॐ खगानन्दविवर्धिन्यै नमः।
२३५ ॐ खगमान्यायै नमः।
२३६ ॐ खगाधारायै नमः।
२३७ ॐ खगगर्वविमोचिन्यै नमः।
२३८ ॐ गङ्गायै नमः।
२३९ ॐ गोदावर्यै नमः।
२४० ॐ गीत्यै नमः।
२४१ ॐ गायत्र्यै नमः।
२४२ ॐ गगनालयायै नमः।
२४३ ॐ गीर्वाणसुन्दर्यै नमः।
२४४ ॐ गवे नमः।
२४५ ॐ गाधायै नमः।
२४६ ॐ गीर्वाणपूजितायै नमः।
२४७ ॐ गीर्वाणचर्चितपदायै नमः।
२४८ ॐ गान्धार्यै नमः।
२४९ ॐ गोमत्यै नमः।
२५० ॐ गर्विण्यै नमः।
२५१ ॐ गर्वहन्त्र्यै नमः।
२५२ ॐ गर्भस्थायै नमः।
२५३ ॐ गर्भधारिण्यै नमः।
२५४ ॐ गर्भदायै नमः।
२५५ ॐ गर्भहन्त्र्यै नमः।
२५६ ॐ गन्धर्वकुलपूजितायै नमः।
२५७ ॐ गयायै नमः।
२५८ ॐ गौर्यै नमः।
२५९ ॐ गिरिजायै नमः।
२६० ॐ गिरिस्थायै नमः।
२६१ ॐ गिरिसम्भवायै नमः।
२६२ ॐ गिरिगह्वरमध्यस्थायै नमः।
२६३ ॐ कुञ्जरेश्वरगामिन्यै नमः।
२६४ ॐ किरीटिन्यै नमः।
२६५ ॐ गदिन्यै नमः।
२६६ ॐ गुञ्जाहारविभूषणायै नमः।
२६७ ॐ गणपायै नमः।
२६८ ॐ गणकायै नमः।
२६९ ॐ गण्यायै नमः।
२७० ॐ गणकानन्दकारिण्यै नमः।

२७१ ॐ गणपूज्यायै नमः।
२७२ ॐ गीर्वाणायै नमः।
२७३ ॐ गणपानन्दवर्धिन्यै नमः।
२७४ ॐ गुरुमात्रे नमः।
२७५ ॐ गुरुरतायै नमः।
२७६ ॐ गुरुभक्तिपरायणायै नमः।
२७७ ॐ गोत्रायै नमः।
२७८ ॐ गवे नमः।
२७९ ॐ कृष्णभगिन्यै नमः।
२८० ॐ कृष्णस्वै नमः।
२८१ ॐ कृष्णनन्दिन्यै नमः।
२८२ ॐ गोवर्धन्यै नमः।
२८३ ॐ गोत्रधरायै नमः।
२८४ ॐ गोवर्धनकृतालयायै नमः।
२८५ ॐ गोवर्धनधरायै नमः।
२८६ ॐ गोदायै नमः।
२८७ ॐ गौराङ्ग्यै नमः।
२८८ ॐ गौतमात्मजायै नमः।
२८९ ॐ घर्घरायै नमः।
२९० ॐ घोररूपायै नमः।
२९१ ॐ घोरायै नमः।
२९२ ॐ घर्घरनादिन्यै नमः।
२९३ ॐ श्यामायै नमः।
२९४ ॐ घनरवायै नमः।
२९५ ॐ अघोरायै नमः।
२९६ ॐ घनायै नमः।
२९७ ॐ घोरार्तिनाशिन्यै नमः।
२९८ ॐ घनस्थायै नमः।
२९९ ॐ घनानन्दायै नमः।
३०० ॐ दारिद्र्यघननाशिन्यै नमः।
३०१ ॐ चित्तज्ञायै नमः।
३०२ ॐ चिन्तितपदायै नमः।
३०३ ॐ चित्तस्थायै नमः।
३०४ ॐ चित्तरूपिण्यै नमः।
३०५ ॐ चक्रिण्यै नमः।
३०६ ॐ चारुचम्पाभायै नमः।
३०७ ॐ चारुचम्पकमालिन्यै नमः।
३०८ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
३०९ ॐ चन्द्रकान्त्यै नमः।
३१० ॐ चापिन्यै नमः।
३११ ॐ चन्द्रशेखरायै नमः।
३१२ ॐ चण्डिकायै नमः।
३१३ ॐ चण्डदैत्यघ्न्यै नमः।
३१४ ॐ चन्द्रशेखरवल्लभायै नमः।
३१५ ॐ चाण्डालिन्यै नमः।
३१६ ॐ चामुण्डायै नमः।
३१७ ॐ चण्डमुण्डवधोद्यतायै नमः।
३१८ ॐ चैतन्यभैरव्यै नमः।
३१९ ॐ चण्डायै नमः।
३२० ॐ चैतन्यघनगेहिन्यै नमः।
३२१ ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
३२२ ॐ चिदाधारायै नमः।
३२३ ॐ चण्डवेगायै नमः।
३२४ ॐ चिदालयायै नमः।
३२५ ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः।
३२६ ॐ चन्द्रकोटिसुशीतलायै नमः।

३२७ ॐ चपलायै नमः।
३२८ ॐ चन्द्रभगिन्यै नमः।
३२९ ॐ चन्द्रकोटिनिभाननायै नमः।
३३० ॐ चिन्तामणिगुणाधारायै नमः।
३३१ ॐ चिन्तामणिविभूषणायै नमः।
३३२ ॐ भक्तचिन्तामणिलतायै नमः।
३३३ ॐ चिन्तामणिकृतालयायै नमः।
३३४ ॐ चारुचन्दनलिप्ताङ्ग्यै नमः।
३३५ ॐ चतुरायै नमः।
३३६ ॐ चतुर्मुख्यै नमः।
३३७ ॐ चैतन्यदायै नमः।
३३८ ॐ चिदानन्दायै नमः।
३३९ ॐ चारुचामरवीजितायै नमः।
३४० ॐ छत्रदायै नमः।
३४१ ॐ छत्रधार्यै नमः।
३४२ ॐ छलच्छद्मविनाशिन्यै नमः।
३४३ ॐ छत्रघ्ने नमः।
३४४ ॐ छत्ररूपायै नमः।
३४५ ॐ छत्रच्छायाकृतालयायै नमः।
३४६ ॐ जगज्जीवायै नमः।
३४७ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
३४८ ॐ जगदानन्दकारिण्यै नमः।
३४९ ॐ यज्ञप्रियायै नमः।
३५० ॐ यज्ञरतायै नमः।
३५१ ॐ जपयज्ञपरायणायै नमः।
३५२ ॐ जनन्यै नमः।
३५३ ॐ जानक्यै नमः।
३५४ ॐ यज्वने नमः।
३५५ ॐ यज्ञघ्ने नमः।
३५६ ॐ यज्ञनन्दिन्यै नमः।
३५७ ॐ यज्ञदायै नमः।
३५८ ॐ यज्ञफलदायै नमः।
३५९ ॐ यज्ञस्थानकृतालयायै नमः।
३६० ॐ यज्ञभोक्त्र्यै नमः।
३६१ ॐ यज्ञरूपायै नमः।
३६२ ॐ यज्ञविघ्नविनाशिन्यै नमः।
३६३ ॐ जपाकुसुमसंकाशायै नमः।
३६४ ॐ जपाकुसुमशोभितायै नमः।
३६५ ॐ जालन्धर्यै नमः।
३६६ ॐ जयायै नमः।
३६७ ॐ जैत्र्यै नमः।
३६८ ॐ जीमूतजयभाषिण्यै नमः।
३६९ ॐ जयदायै नमः।
३७० ॐ जयरूपायै नमः।
३७१ ॐ जयस्थायै नमः।
३७२ ॐ जयकारिण्यै नमः।
३७३ ॐ जगदीशप्रियायै नमः।
३७४ ॐ जीवायै नमः।
३७५ ॐ जलस्थायै नमः।
३७६ ॐ जलजेक्षणायै नमः।
३७७ ॐ जलरूपायै नमः।
३७८ ॐ जह्नुकन्यायै नमः।
३७९ ॐ यमुनायै नमः।
३८० ॐ जलजोदर्यै नमः।
३८१ ॐ जलजास्यायै नमः।
३८२ ॐ जाह्नव्यै नमः।

३८३ ॐ जलजाभायै नमः।
३८४ ॐ जलोदर्यै नमः।
३८५ ॐ यदुवंशोद्भवायै नमः।
३८६ ॐ जीवायै नमः।
३८७ ॐ यादवानन्दकारिण्यै नमः।
३८८ ॐ यशोदायै नमः।
३८९ ॐ यशसां राश्यै नमः।
३९० ॐ यशोदानन्दकारिण्यै नमः।
३९१ ॐ ज्वलिन्यै नमः।
३९२ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
३९३ ॐ ज्वालायै नमः।
३९४ ॐ ज्वलत्पावकसंनिभायै नमः।
३९५ ॐ ज्वालामुख्यै नमः।
३९६ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३९७ ॐ यमलार्जुनभञ्जिन्यै नमः।
३९८ ॐ जन्मदायै नमः।
३९९ ॐ जन्मघ्ने नमः।
४०० ॐ जन्मायै नमः।
४०१ ॐ जन्मभुवे नमः।
४०२ ॐ जनकात्मजायै नमः।
४०३ ॐ जनानन्दायै नमः।
४०४ ॐ जाम्बवत्यै नमः।
४०५ ॐ जम्बूद्वीपकृतालयायै नमः।
४०६ ॐ जाम्बूनदसमानाभायै नमः।
४०७ ॐ जाम्बूनदविभूषणायै नमः।
४०८ ॐ जम्भघ्ने नमः।
४०९ ॐ जातिदायै नमः।
४१० ॐ जात्यै नमः।
४११ ॐ ज्ञानदायै नमः।
४१२ ॐ ज्ञानगोचरायै नमः।
४१३ ॐ ज्ञानघ्ने नमः।
४१४ ॐ ज्ञानरूपायै नमः।
४१५ ॐ ज्ञानविज्ञानशालिन्यै नमः।
४१६ ॐ जिनजैत्र्यै नमः।
४१७ ॐ जिनाधारायै नमः।
४१८ ॐ जिनामात्रे नमः।
४१९ ॐ जिनेश्वर्यै नमः।
४२० ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
४२१ ॐ जनाधारायै नमः।
४२२ ॐ अजिनाम्बरधारिण्यै नमः।
४२३ ॐ शम्भुकोटिदुराधर्षायै नमः।
४२४ ॐ विष्णुकोटिविमर्दिन्यै नमः।
४२५ ॐ समुद्रकोटिगम्भीरायै नमः।
४२६ ॐ वायुकोटिमहाबलायै नमः।
४२७ ॐ सूर्यकोटिप्रतीकाशायै नमः।
४२८ ॐ यमकोटिदुरापघ्ने नमः।
४२९ ॐ कामधुक्कोटिफलदायै नमः।
४३० ॐ शक्रकोटिसुराज्यदायै नमः।
४३१ ॐ कन्दर्पकोटिलावण्यायै नमः।
४३२ ॐ पद्मकोटिनिभाननायै नमः।
४३३ ॐ पृथ्वीकोटिजनाधारायै नमः।
४३४ ॐ अग्निकोटिभयङ्कर्यै नमः।
४३५ ॐ अणिम्ने नमः।
४३६ ॐ महिम्ने नमः।
४३७ ॐ प्राप्त्यै नमः।
४३८ ॐ गरिम्ने नमः।

४३९ ॐ लघिम्ने नमः।
४४० ॐ प्राकाम्यदायै नमः।
४४१ ॐ वशकर्यै नमः।
४४२ ॐ ईशिकायै नमः।
४४३ ॐ सिद्धिदायै नमः।
४४४ ॐ महिमादिगुणोपेतायै नमः।
४४५ ॐ अणिमाद्यष्टसिद्धिदायै नमः।
४४६ ॐ जवनघ्न्यै नमः।
४४७ ॐ जनाधीनायै नमः।
४४८ ॐ जामिन्यै नमः।
४४९ ॐ जरापहायै नमः।
४५० ॐ तारिण्यै नमः।
४५१ ॐ तारिकायै नमः।
४५२ ॐ तारायै नमः।
४५३ ॐ तोतलायै नमः।
४५४ ॐ तुलसीप्रियायै नमः।
४५५ ॐ तन्त्रिण्यै नमः।
४५६ ॐ तन्त्ररूपायै नमः।
४५७ ॐ तन्त्रज्ञायै नमः।
४५८ ॐ तन्त्रधारिण्यै नमः।
४५९ ॐ तारहारायै नमः।
४६० ॐ तुलजायै नमः।
४६१ ॐ डाकिनीतन्त्रगोचरायै नमः।
४६२ ॐ त्रिपुरायै नमः।
४६३ ॐ त्रिदशायै नमः।
४६४ ॐ त्रिस्थायै नमः।
४६५ ॐ त्रिपुरासुरघातिन्यै नमः।
४६६ ॐ त्रिगुणायै नमः।
४६७ ॐ त्रिकोणस्थायै नमः।
४६८ ॐ त्रिमात्रायै नमः।
४६९ ॐ त्रितनुस्थितायै नमः।
४७० ॐ त्रैविद्यायै नमः।
४७१ ॐ त्रय्यै नमः।
४७२ ॐ त्रिघ्न्यै नमः।
४७३ ॐ तुरीयायै नमः।
४७४ ॐ त्रिपुरेश्वर्यै नमः।
४७५ ॐ त्रिकोदरस्थायै नमः।
४७६ ॐ त्रिविधायै नमः।
४७७ ॐ त्रैलोक्यायै नमः।
४७८ ॐ त्रिपुरात्मिकायै नमः।
४७९ ॐ त्रिधाम्न्यै नमः।
४८० ॐ त्रिदशाराध्यायै नमः।
४८१ ॐ त्र्यक्षायै नमः।
४८२ ॐ त्रिपुरवासिन्यै नमः।
४८३ ॐ त्रिवर्णायै नमः।
४८४ ॐ त्रिपद्यै नमः।
४८५ ॐ तारायै नमः।
४८६ ॐ त्रिमूर्तिजनन्यै नमः।
४८७ ॐ त्वरायै नमः।
४८८ ॐ त्रिदिवायै नमः।
४८९ ॐ त्रिदिवेशान्यै नमः।
४९० ॐ देव्यै नमः।
४९१ ॐ त्रैलोक्यधारिण्यै नमः।
४९२ ॐ त्रिमूर्त्यै नमः।
४९३ ॐ त्रिजनन्यै नमः।
४९४ ॐ त्रिभुवे नमः।

४९५ ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः।
४९६ ॐ तपस्विन्यै नमः।
४९७ ॐ तपोनिष्ठायै नमः।
४९८ ॐ तरुण्यै नमः।
४९९ ॐताररूपिण्यै नमः।
५०० ॐ तामस्यै नमः।
५०१ ॐ तापस्यै नमः।
५०२ ॐ तापघ्न्यै नमः।
५०३ ॐ तमोऽपहायै नमः।
५०४ ॐ तरुणार्कप्रतीकाशायै नमः।
५०५ ॐ तप्तकाञ्चनसंनिभायै नमः।
५०६ ॐ उन्मादिन्यै नमः।
५०७ ॐ तन्तुरूपायै नमः।
५०८ ॐ त्रैलोक्यव्यापिन्यै नमः।
५०९ ॐ ईश्वर्यै नमः।
५१० ॐ तार्किक्यै नमः।
५११ ॐ तर्कविद्यायै नमः।
५१२ ॐ तापत्रयविनाशिन्यै नमः।
५१३ ॐ त्रिपुष्करायै नमः।
५१४ ॐ त्रिकालज्ञायै नमः।
५१५ ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः।
५१६ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
५१७ ॐ त्रिवर्गायै नमः।
५१८ ॐ त्रिवर्गस्थायै नमः।
५१९ ॐ तपसः सिद्धिदायिन्यै नमः।
५२० ॐ अधोक्षजायै नमः।
५२१ ॐ अयोध्यायै नमः।
५२२ ॐ अपर्णायै नमः।
५२३ ॐ अवन्तिकायै नमः।
५२४ ॐ कारिकायै नमः।
५२५ ॐ तीर्थरूपायै नमः।
५२६ ॐ तीर्थतीर्थकर्यै नमः।
५२७ ॐ दारिद्र्यदुःखदलिन्यै नमः।
५२८ ॐ अदीनायै नमः।
५२९ ॐ दीनवत्सलायै नमः।
५३० ॐ दीननाथप्रियायै नमः।
५३१ ॐ दीर्घायै नमः।
५३२ ॐ दयापूर्णायै नमः।
५३३ ॐ दयात्मिकायै नमः।
५३४ ॐ देवदानवसम्पूज्यायै नमः।
५३५ ॐ देवानां प्रियकारिण्यै नमः।
५३६ ॐ दक्षपुत्र्यै नमः।
५३७ ॐ दक्षमात्रे नमः।
५३८ ॐ दक्षयज्ञविनाशिन्यै नमः।
५३९ ॐ देवसुवे नमः।
५४० ॐ दक्षिणस्यै नमः।
५४१ ॐ दक्षायै नमः।
५४२ ॐ दुर्गायै नमः।
५४३ ॐ दुर्गतिनाशिन्यै नमः।
५४४ ॐ देवकीगर्भसम्भूतायै नमः।
५४५ ॐ दुर्गदैत्यविनाशिन्यै नमः।
५४६ ॐ अट्टायै नमः।
५४७ ॐ अट्टहासिन्यै नमः।
५४८ ॐ दोलायै नमः।
५४९ ॐ दोलाकर्माभिनन्दिन्यै नमः।
५५० ॐ देवक्यै नमः।

५५१ ॐ देविकायै नमः।
५५२ ॐ देव्यै नमः।
५५३ ॐ दुरितघ्न्यै नमः।
५५४ ॐ तटिते नमः।
५५५ ॐ गण्डक्यै नमः।
५५६ ॐ गल्लक्यै नमः।
५५७ ॐ क्षिप्रायै नमः।
५५८ ॐ द्वारायै नमः।
५५९ ॐ द्वारवत्यै नमः।
५६० ॐ आनन्दोदधिमध्यस्थायै नमः।
५६१ ॐ कटिसूत्रैरलंकृतायै नमः।
५६२ ॐ घोराग्निदाहदमन्यै नमः।
५६३ ॐ दुःखदुःस्वप्ननाशिन्यै नमः।
५६४ ॐ श्रीमय्यै नमः।
५६५ ॐ श्रीमत्यै नमः।
५६६ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
५६७ ॐ श्रीकर्यै नमः।
५६८ ॐ श्रीविभाविन्यै नमः।
५६९ ॐ श्रीदायै नमः।
५७० ॐ श्रीशायै नमः।
५७१ ॐ श्रीनिवासायै नमः।
५७२ ॐ श्रीमत्यै नमः।
५७३ ॐ श्रियै नमः।
५७४ ॐ मत्यै नमः।
५७५ ॐ गत्यै नमः।
५७६ ॐ धनदायै नमः।
५७७ ॐ दामिन्यै नमः।
५७८ ॐ दान्तायै नमः।
५७९ ॐ धर्मदायै नमः।
५८० ॐ धनशालिन्यै नमः।
५८१ ॐ दाडिमीपुष्पसंकाशायै नमः।
५८२ ॐ धनागारायै नमः।
५८३ ॐ धनञ्जयायै नमः।
५८४ ॐ धूम्राभायै नमः।
५८५ ॐ धूम्रदैत्यघ्न्यै नमः।
५८६ ॐ धवलायै नमः।
५८७ ॐ धवलप्रियायै नमः।
५८८ ॐ धूम्रवक्त्रायै नमः।
५८९ ॐ धूम्रनेत्रायै नमः।
५९० ॐ धूम्रकेश्यै नमः।
५९१ ॐ धूसरायै नमः।
५९२ ॐ धरण्यै नमः।
५९३ ॐ धारिण्यै नमः।
५९४ ॐ धैर्यायै नमः।
५९५ ॐ धरायै नमः।
५९६ ॐ धात्र्यै नमः।
५९७ ॐ धैर्यदायै नमः।
५९८ ॐ दमिन्यै नमः।
५९९ ॐ धार्मिण्यै नमः।
६०० ॐ धुरे नमः।
६०१ ॐ दयायै नमः।
६०२ ॐ दोग्ध्र्यै नमः।
६०३ ॐ दुरासदायै नमः।
६०४ ॐ नारायण्यै नमः।
६०५ ॐ नारसिंह्यै नमः।
६०६ ॐ नृसिंहहृदयालयायै नमः।

६०७ ॐ नागिन्यै नमः।
६०८ ॐ नागकन्यायै नमः।
६०९ ॐ नागस्वै नमः।
६१० ॐ नागनायिकायै नमः।
६११ ॐ नानारत्नविचित्राङ्ग्यै नमः।
६१२ ॐ नानाभरणमण्डितायै नमः।
६१३ ॐ दुर्गस्थायै नमः।
६१४ ॐ दुर्गरूपायै नमः।
६१५ ॐ दुःखदुष्कृतनाशिन्यै नमः।
६१६ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
६१७ ॐ श्रींकार्यै नमः।
६१८ ॐ हुंकार्यै नमः।
६१९ ॐ क्लेशनाशिन्यै नमः।
६२० ॐ नगात्मजायै नमः।
६२१ ॐ नागर्यै नमः।
६२२ ॐ नवीनायै नमः।
६२३ ॐ नूतनप्रियायै नमः।
६२४ ॐ नीरजास्यायै नमः।
६२५ ॐ नीरदाभायै नमः।
६२६ ॐ नवलावण्यसुन्दर्यै नमः।
६२७ ॐ नीतिज्ञायै नमः।
६२८ ॐ नीतिदायै नमः।
६२९ ॐ नीत्यै नमः।
६३० ॐ निम्ननाभ्यै नमः।
६३१ ॐ नगेश्वर्यै नमः।
६३२ ॐ निष्ठायै नमः।
६३३ ॐ नित्यायै नमः।
६३४ ॐ निरातङ्कायै नमः।
६३५ ॐ नागयज्ञोपवीतिन्यै नमः।
६३६ ॐ निधिदायै नमः।
६३७ ॐ निधिरूपायै नमः।
६३८ ॐ निर्गुणायै नमः।
६३९ ॐ नरवाहिन्यै नमः।
६४० ॐ नरमांसरतायै नमः।
६४१ ॐ नार्यै नमः।
६४२ ॐ नरमुण्डविभूषणायै नमः।
६४३ ॐ निराधारायै नमः।
६४४ ॐ निर्विकारायै नमः।
६४५ ॐ नुत्यै नमः।
६४६ ॐ निर्वाणसुन्दर्यै नमः।
६४७ ॐ नरासृक्पानमत्तायै नमः।
६४८ ॐ निर्वैरायै नमः।
६४९ ॐ नागगामिन्यै नमः।
६५० ॐ परमायै नमः।
६५१ ॐ प्रमितायै नमः।
६५२ ॐ प्राज्ञायै नमः।
६५३ ॐ पार्वत्यै नमः।
६५४ ॐ पर्वतात्मजायै नमः।
६५५ ॐ पर्वप्रियायै नमः।
६५६ ॐ पर्वरतायै नमः।
६५७ ॐ पर्वपावनपावन्यै नमः।
६५८ ॐ परात्परतरायै नमः।
६५९ ॐ पूर्वस्यै नमः।
६६० ॐ पश्चिमायै नमः।
६६१ ॐ पापनाशिन्यै नमः।
६६२ ॐ पशूनां पतिपत्न्यै नमः।

६६३ ॐ पतिभक्तिपरायण्यै नमः।
६६४ ॐ परेश्यै नमः।
६६५ ॐ पारगायै नमः।
६६६ ॐ परायै नमः।
६६७ ॐ परं ज्योतिः स्वरूपिण्यै नमः।
६६८ ॐ निष्ठुरायै नमः।
६६९ ॐ क्रूरहृदयायै नमः।
६७० ॐ परासिद्ध्यै नमः।
६७१ ॐ परागत्यै नमः।
६७२ ॐ पशुघ्न्यै नमः।
६७३ ॐ पशुरूपायै नमः।
६७४ ॐ पशुघ्ने नमः।
६७५ ॐ पशुवाहिन्यै नमः।
६७६ ॐ पित्रे नमः।
६७७ ॐ मात्रे नमः।
६७८ ॐ यन्त्र्यै नमः।
६७९ ॐ पशुपाशविनाशिन्यै नमः।
६८० ॐ पद्मिन्यै नमः।
६८१ ॐ पद्महस्तायै नमः।
६८२ ॐ पद्मकिञ्जल्कवासिन्यै नमः।
६८३ ॐ पद्मवक्त्रायै नमः।
६८४ ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
६८५ ॐ पद्मस्थायै नमः।
६८६ ॐ पद्मसम्भवायै नमः।
६८७ ॐ पद्मास्यायै नमः।
६८८ ॐ पञ्चम्यै नमः।
६८९ ॐ पूर्णायै नमः।
६९० ॐ पूर्णपीठनिवासिन्यै नमः।
६९१ ॐ पद्मरागप्रतीकाशायै नमः।
६९२ ॐ पाञ्चाल्यै नमः।
६९३ ॐ पञ्चमप्रियायै नमः।
६९४ ॐ परब्रह्मस्वरूपायै नमः।
६९५ ॐ परब्रह्मनिवासिन्यै नमः।
६९६ ॐ परमानन्दमुदितायै नमः।
६९७ ॐ परचक्रविनाशिन्यै नमः।
६९८ ॐ परेश्यै नमः।
६९९ ॐ परमायै नमः।
७०० ॐ पृथ्व्यै नमः।
७०१ ॐ पीनतुङ्गपयोधरायै नमः।
७०२ ॐ परस्यै नमः।
७०३ ॐ अवरस्यै नमः।
७०४ ॐ पराविद्यायै नमः।
७०५ ॐ परमानन्ददायिन्यै नमः।
७०६ ॐ पूजायै नमः।
७०७ ॐ प्रजावत्यै नमः।
७०८ ॐ पुष्ट्यै नमः।
७०९ ॐ पिनाकीपरिकीर्तितायै नमः।
७१० ॐ प्राणघ्ने नमः।
७११ ॐ प्राणरूपायै नमः।
७१२ ॐ प्राणदायै नमः।
७१३ ॐ प्रियंवदायै नमः।
७१४ ॐ फणिभूतायै नमः।
७१५ ॐ फणावेश्यै नमः।
७१६ ॐ फकाराकुण्ठमालिन्यै नमः।
७१७ ॐ फणिराड्वृतसर्वाङ्ग्यै नमः।
७१८ ॐ फलभागनिवासिन्यै नमः।

७१९ ॐ बलभद्रस्य भगिन्यै नमः।
७२० ॐ बालायै नमः।
७२१ ॐ बालप्रदायिन्यै नमः।
७२२ ॐ फल्गुरूपायै नमः।
७२३ ॐ प्रलम्बघ्न्यै नमः।
७२४ ॐ फल्गूत्सवविनोदिन्यै नमः।
७२५ ॐ भवान्यै नमः।
७२६ ॐ भवपत्न्यै नमः।
७२७ ॐ भवभीतिहरायै नमः।
७२८ ॐ भवायै नमः।
७२९ ॐ भवेश्वर्यै नमः।
७३० ॐ भवाराध्यायै नमः।
७३१ ॐ भवेश्यै नमः।
७३२ ॐ भवदायिकायै नमः।
७३३ ॐ भवमात्रे नमः।
७३४ ॐ भवागम्यायै नमः।
७३५ ॐ भवकण्टकनाशिन्यै नमः।
७३६ ॐ भवप्रियायै नमः।
७३७ ॐ भवानन्दायै नमः।
७३८ ॐ भव्यायै नमः।
७३९ ॐ भवमोचिन्यै नमः।
७४० ॐ भावनीयायै नमः।
७४१ ॐ भगवत्यै नमः।
७४२ ॐ भवभारविनाशिन्यै नमः।
७४३ ॐ भूतधात्र्यै नमः।
७४४ ॐ भूतेश्यै नमः।
७४५ ॐ भूतस्थायै नमः।
७४६ ॐ भूतरूपिण्यै नमः।
७४७ ॐ भूतमात्रे नमः।
७४८ ॐ भूतघ्न्यै नमः।
७४९ ॐ भूतपञ्चकवासिन्यै नमः।
७५० ॐ भोगोपचारकुशलायै नमः।
७५१ ॐ भिस्साधात्र्यै नमः।
७५२ ॐ भूचर्यै नमः।
७५३ ॐ भीतिघ्न्यै नमः।
७५४ ॐ भक्तिगम्यायै नमः।
७५५ ॐ भक्तानामार्तिनाशिन्यै नमः।
७५६ ॐ भक्तानुकम्पिन्यै नमः।
७५७ ॐ भीमायै नमः।
७५८ ॐ भगिन्यै नमः।
७५९ ॐ भगनायिकायै नमः।
७६० ॐ भगविद्यायै नमः।
७६१ ॐ भगक्लिन्नायै नमः।
७६२ ॐ भगयोन्यै नमः।
७६३ ॐ भगप्रदायै नमः।
७६४ ॐ भगेश्यै नमः।
७६५ ॐ भगरूपायै नमः।
७६६ ॐ भगगुह्यायै नमः।
७६७ ॐ भगापहायै नमः।
७६८ ॐ भगोदर्यै नमः।
७६९ ॐ भगानन्दायै नमः।
७७० ॐ भाग्यदायै नमः।
७७१ ॐ भगमालिन्यै नमः।
७७२ ॐ भोगप्रदायै नमः।
७७३ ॐ भोगवासायै नमः।
७७४ ॐ भोगमूलायै नमः।

७७५ ॐ भोगिन्यै नमः।
७७६ ॐ भेरुण्डायै नमः।
७७७ ॐ भेदिन्यै नमः।
७७८ ॐ भीमायै नमः।
७७९ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
७८० ॐ भिदोज्झितायै नमः।
७८१ ॐ भैरव्यै नमः।
७८२ ॐ भुवनेशान्यै नमः।
७८३ ॐ भुवनायै नमः।
७८४ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
७८५ ॐ भीमाक्ष्यै नमः।
७८६ ॐ भारत्यै नमः।
७८७ ॐ भैरवाष्टकसेवितायै नमः।
७८८ ॐ भास्वरायै नमः।
७८९ ॐ भास्वत्यै नमः।
७९० ॐ भीत्यै नमः।
७९१ ॐ भास्वदुत्तानशालिन्यै नमः।
७९२ ॐ भागीरथ्यै नमः।
७९३ ॐ भोगवत्यै नमः।
७९४ ॐ भवघ्न्यै नमः।
७९५ ॐ भुवनात्मिकायै नमः।
७९६ ॐ भूतिदायै नमः।
७९७ ॐ भूतिरूपायै नमः।
७९८ ॐ भूतस्थायै नमः।
७९९ ॐ भूतवर्धिन्यै नमः।
८०० ॐ माहेश्वर्यै नमः।
८०१ ॐ महामायायै नमः।
८०२ ॐ महातेजायै नमः।
८०३ ॐ महासुर्यै नमः।
८०४ ॐ महाजिह्वायै नमः।
८०५ ॐ महालोलायै नमः।
८०६ ॐ महादंष्ट्रायै नमः।
८०७ ॐ महाभुजायै नमः।
८०८ ॐ महामोहान्धकारघ्न्यै नमः।
८०९ ॐ महामोक्षप्रदायिन्यै नमः।
८१० ॐ महादारिद्र्यशमन्यै नमः।
८११ ॐ महाशत्रुविमर्दिन्यै नमः।
८१२ ॐ महाशक्त्यै नमः।
८१३ ॐ महाज्योत्यै नमः।
८१४ ॐ महासुरविमर्दिन्यै नमः।
८१५ ॐ महाकायायै नमः।
८१६ ॐ महावीर्यायै नमः।
८१७ ॐ महापातकनाशिन्यै नमः।
८१८ ॐ महारवायै नमः।
८१९ ॐ मन्त्रमय्यै नमः।
८२० ॐ मणिपूरनिवासिन्यै नमः।
८२१ ॐ मानस्यै नमः।
८२२ ॐ मानदायै नमः।
८२३ ॐ मान्यायै नमः।
८२४ ॐ मनश्चक्षुरगोचरायै नमः।
८२५ ॐ माहेन्द्र्यै नमः।
८२६ ॐ मधुरायै नमः।
८२७ ॐ मायायै नमः।
८२८ ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः।
८२९ ॐ महाकुण्डलिन्यै नमः।
८३० ॐ शक्त्यै नमः।

८३१ ॐ महाविभववर्धिन्यै नमः।
८३२ ॐ मानस्यै नमः।
८३३ ॐ माधव्यै नमः।
८३४ ॐ मेधायै नमः।
८३५ ॐ मतिदायै नमः।
८३६ ॐ मतिधारिण्यै नमः।
८३७ ॐ मेनकागर्भसम्भूतायै नमः।
८३८ ॐ मेनकाभगिन्यै नमः।
८३९ ॐ मत्यै नमः।
८४० ॐ महोदर्यै नमः।
८४१ ॐ मुक्तकेश्यै नमः।
८४२ ॐ मुक्तिकामार्थसिद्धिदायै नमः।
८४३ ॐ माहेश्यै नमः।
८४४ ॐ महिषारूढायै नमः।
८४५ ॐ मधुदैत्यविमर्दिन्यै नमः।
८४६ ॐ महाव्रतायै नमः।
८४७ ॐ महामूर्धायै नमः।
८४८ ॐ महाभयविनाशिन्यै नमः।
८४९ ॐ मातङ्ग्यै नमः।
८५० ॐ मत्तमातङ्ग्यै नमः।
८५१ ॐ मातङ्गकुलमण्डितायै नमः।
८५२ ॐ महाघोरायै नमः।
८५३ ॐ माननीयायै नमः।
८५४ ॐ मत्तमातङ्गगामिन्यै नमः।
८५५ ॐ मुक्ताहारलतोपेतायै नमः।
८५६ ॐ मदघूर्णितलोचनायै नमः।
८५७ ॐ महापराधराशिघ्न्यै नमः।
८५८ ॐ महाचौरभयापहायै नमः।
८५९ ॐ महाचिन्त्यस्वरूपायै नमः।
८६० ॐ मणिमन्त्रमहौषध्यै नमः।
८६१ ॐ मणिमण्डपमध्यस्थायै नमः।
८६२ ॐ मणिमालाविराजितायै नमः।
८६३ ॐ मन्त्रात्मिकायै नमः।
८६४ ॐ मन्त्रगम्यायै नमः।
८६५ ॐ मन्त्रमात्रे नमः।
८६६ ॐ सुमन्त्रिण्यै नमः।
८६७ ॐ मेरुमन्दिरमध्यस्थायै नमः।
८६८ ॐ मकराकृतिकुण्डलायै नमः।
८६९ ॐ मन्थरायै नमः।
८७० ॐ महासूक्ष्मायै नमः।
८७१ ॐ महादूत्यै नमः।
८७२ ॐ महेश्वर्यै नमः।
८७३ ॐ मालिन्यै नमः।
८७४ ॐ मानव्यै नमः।
८७५ ॐ माध्व्यै नमः।
८७६ ॐ मदरूपायै नमः।
८७७ ॐ मदोत्कटायै नमः।
८७८ ॐ मदिरायै नमः।
८७९ ॐ मधुरायै नमः।
८८० ॐ मोदिन्यै नमः।
८८१ ॐ महोद्धतायै नमः।
८८२ ॐ मङ्गलाङ्ग्यै नमः।
८८३ ॐ मधुमय्यै नमः।
८८४ ॐ मधुपानपरायणायै नमः।
८८५ ॐ मनोरमायै नमः।
८८६ ॐ रमामात्रे नमः।
८८७ ॐ राजराजेश्वर्यै नमः।
८८८ ॐ रमायै नमः।

८८९ ॐ राजमान्यायै नमः।
८९० ॐ राजपूज्यायै नमः।
८९१ ॐ रक्तोत्पलविभूषणायै नमः।
८९२ ॐ राजीवलोचनायै नमः।
८९३ ॐ रामायै नमः।
८९४ ॐ राधिकायै नमः।
८९५ ॐ रामवल्लभायै नमः।
८९६ ॐ शाकिन्यै नमः।
८९७ ॐ डाकिन्यै नमः।
८९८ ॐ लावण्याम्बुधिवीचिकायै नमः।
८९९ ॐ रुद्राण्यै नमः।
९०० ॐ रुद्ररूपायै नमः।
९०१ ॐ रौद्रायै नमः।
९०२ ॐ रुद्रार्तिनाशिन्यै नमः।
९०३ ॐ रक्तप्रियायै नमः।
९०४ ॐ रक्तवस्त्रायै नमः।
९०५ ॐ रक्ताक्ष्यै नमः।
९०६ ॐ रक्तलोचनायै नमः।
९०७ ॐ रक्तकेश्यै नमः।
९०८ ॐ रक्तदंष्ट्रायै नमः।
९०९ ॐ रक्तचन्दनचर्चितायै नमः।
९१० ॐ रक्ताङ्ग्यै नमः।
९११ ॐ रक्तभूषायै नमः।
९१२ ॐ रक्तबीजनिपातिन्यै नमः।
९१३ ॐ रागादिदोषरहितायै नमः।
९१४ ॐ रतिजायै नमः।
९१५ ॐ रतिदायिन्यै नमः।
९१६ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
९१७ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
९१८ ॐ विन्ध्यपीठनिवासिन्यै नमः।
९१९ ॐ विश्वभुवे नमः।
९२० ॐ वीरविद्यायै नमः।
९२१ ॐ वीरसुवे नमः।
९२२ ॐ वीरनन्दिन्यै नमः।
९२३ ॐ वीरेश्वर्यै नमः।
९२४ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
९२५ ॐ विष्णुमायायै नमः।
९२६ ॐ विमोहिन्यै नमः।
९२७ ॐ विद्याव्यै नमः।
९२८ ॐ विष्णुरूपायै नमः।
९२९ ॐ विशालनयनोत्पलायै नमः।
९३० ॐ विष्णुमात्रे नमः।
९३१ ॐ विश्वात्मने नमः।
९३२ ॐ विष्णुजायास्वरूपिण्यै नमः।
९३३ ॐ ब्रह्मेश्यै नमः।
९३४ ॐ ब्रह्मदायै नमः।
९३५ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
९३६ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
९३७ ॐ ब्रह्मरूपिण्यै नमः।
९३८ ॐ द्वारकायै नमः।
९३९ ॐ विश्ववन्द्यायै नमः।
९४० ॐ विश्वपाशविमोचिन्यै नमः।
९४१ ॐ विश्वासकारिण्यै नमः।
९४२ ॐ विश्वस्यै नमः।
९४३ ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
९४४ ॐ विचक्षणायै नमः।
९४५ ॐ बाणचापधरायै नमः।
९४६ ॐ वीरायै नमः।

९४७ ॐ बिन्दुस्थायै नमः।
९४८ ॐ बिन्दुमालिन्यै नमः।
९४९ ॐ षट्चक्रभेदिन्यै नमः।
९५० ॐ षोढायै नमः।
९५१ ॐ षोडशारनिवासिन्यै नमः।
९५२ ॐ शितिकण्ठप्रियायै नमः।
९५३ ॐ शान्तायै नमः।
९५४ ॐ शाकिन्यै नमः।
९५५ ॐ वातरूपिण्यै नमः।
९५६ ॐ शाश्वत्यै नमः।
९५७ ॐ शम्भुवनितायै नमः।
९५८ ॐ शाम्भव्यै नमः।
९५९ ॐ शिवरूपिण्यै नमः।
९६० ॐ शिवमात्रे नमः।
९६१ ॐ शिवदायै नमः।
९६२ ॐ शिवायै नमः।
९६३ ॐ शिवहृदासनायै नमः।
९६४ ॐ शुक्लाम्बरायै नमः।
९६५ ॐ शीतलायै नमः।
९६६ ॐ शीलायै नमः।
९६७ ॐ शीलप्रदायिन्यै नमः।
९६८ ॐ शिशुप्रियायै नमः।
९६९ ॐ वैद्यविद्यायै नमः।
९७० ॐ शालग्रामशिलायै नमः।
९७१ ॐ शुचये नमः।
९७२ ॐ हरिप्रियायै नमः।
९७३ ॐ हरमूर्त्यै नमः।
९७४ ॐ हरिनेत्रकृतालयायै नमः।
९७५ ॐ हरिवक्त्रोद्भवायै नमः।
९७६ ॐ हालायै नमः।
९७७ ॐ हरिवक्षःस्थलस्थितायै नमः।
९७८ ॐ क्षेमङ्कर्यै नमः।
९७९ ॐ क्षित्यै नमः।
९८० ॐ क्षेत्रायै नमः।
९८१ ॐ क्षुधितस्य प्रपूरण्यै नमः।
९८२ ॐ वैश्यायै नमः।
९८३ ॐ क्षत्रियायै नमः।
९८४ ॐ शूद्र्यै नमः।
९८५ ॐ क्षत्रियाणां कुलेश्वर्यै नमः।
९८६ ॐ हरपत्न्यै नमः।
९८७ ॐ हराराध्यायै नमः।
९८८ ॐ हरसुवे नमः।
९८९ ॐ हररूपिण्यै नमः।
९९० ॐ सर्वानन्दमय्यै नमः।
९९१ ॐ सिद्ध्यै नमः।
९९२ ॐ सर्वरक्षास्वरूपिण्यै नमः।
९९३ ॐ सर्वदुष्टप्रशमन्यै नमः।
९९४ ॐ सर्वेप्सितफलप्रदायै नमः।
९९५ ॐ सर्वसिद्धेश्वराराध्यायै नमः।
९९६ ॐ सर्वमङ्गलमङ्गलायै नमः।
९९७ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
९९८ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
९९९ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
१००० ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
१००१ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।

॥ इति श्रीरुद्रयामले श्रीअन्नपूर्णासहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा॥



॥ श्रीसीतायै नमः ॥

श्रीसीतासहस्त्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

सकलकुशलदात्रीं भक्तिमुक्तिप्रदात्रीं
त्रिभुवनजनयित्रीं दुष्टधीनाशयित्रीम्।
जनकधरणिपुत्रीं दर्पिदर्पप्रहर्त्रीं
हरिहरविधिकर्त्रीं नौमि सद्भक्तभर्त्रीम्॥*

ब्रह्मणो वचनं श्रुत्वा रामः कमललोचनः।
प्रोन्मील्य शनकैरक्षि वेपमानो महाभुजः॥ १॥
प्रणम्य शिरसा भूमौ तेजसा चापि विह्वलः।
भीतः कृताञ्जलिपुटः प्रोवाच परमेश्वरीम्॥ २॥
का त्वं देवि विशालाक्षि शशाङ्कावयवाङ्किते।
न जाने त्वां महादेवि यथावद् ब्रूहि पृच्छते॥ ३॥
रामस्य वचनं श्रुत्वा ततः सा परमेश्वरी।
व्याजहार रघुश्रेष्ठं योगिनामभयप्रदा॥ ४॥
मां विद्धि परमां शक्तिं महेश्वरसमाश्रयाम्।
अनन्यामव्ययामेकां यां पश्यन्ति मुमुक्षवः॥ ५॥

---

*'मैं उन भगवती सीताजीकी स्तुति करता हूँ, जो सर्वमङ्गलदायिनी हैं—यहाँतक कि भक्ति और मुक्तिका भी दान करती हैं, जो त्रिभुवनकी जननी हैं तथा दुर्बुद्धिका नाश करनेवाली हैं, जो राजा जनककी यज्ञभूमिसे प्रकट हुई थीं तथा जो अभिमानियोंके गर्वको चूर्ण-विचूर्ण कर देनेवाली हैं, ब्रह्मा-विष्णु-महेशकी भी जननी हैं एवं श्रेष्ठ भक्तोंका पोषण करनेवाली हैं।'

अहं वै सर्वभावानामात्मा सर्वान्तरा शिवा।
शाश्वती सर्वविज्ञाना सर्वमूर्तिप्रवर्तिका॥ ६ ॥
अनन्तानन्तमहिमा संसारार्णवतारिणी।
दिव्यं ददामि ते चक्षुः पश्य मे पदमैश्वरम्॥ ७ ॥
इत्युक्त्वा विररामैषा रामोऽपश्यच्च तत्पदम्।
कोटिसूर्यप्रतीकाशं विष्वक्तेजो निराकुलम्॥ ८ ॥
ज्वालावलीसहस्राढ्यं कालानलशतोपमम्।
दंष्ट्राकरालदुर्धर्षं जटामण्डलमण्डितम्॥ ९ ॥
त्रिशूलवरहस्तं च घोररूपं भयावहम्।
प्रशाम्यत्सौम्यवदनमनन्तैश्वर्यसंयुतम् ॥ १० ॥
चन्द्रावयवलक्ष्माढ्यं चन्द्रकोटिसमप्रभम्।
किरीटिनं गदाहस्तं नूपुरैरुपशोभितम्॥ ११ ॥
दिव्यमाल्याम्बरधरं दिव्यगन्धानुलेपनम्।
शङ्खचक्रकरं काम्यं त्रिनेत्रं कृत्तिवाससम्॥ १२ ॥
अन्तःस्थं चाण्डबाह्यस्थं बाह्याभ्यन्तरतः परम्।
सर्वशक्तिमयं शान्तं सर्वाकारं सनातनम्॥ १३ ॥
ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रयोगीन्द्रैरीड्यमानपदाम्बुजम् ।
सर्वतःपाणिपादं तत्सर्वतोऽक्षिशिरोमुखम्॥ १४ ॥
सर्वमावृत्य तिष्ठन्तं ददर्श पदमैश्वरम्।
दृष्ट्वा च तादृशं रूपं दिव्यं माहेश्वरं पदम्॥ १५ ॥
तयैव च समाविष्टः स रामो हृतमानसः।
आत्मन्याधाय चात्मानमोंकारं समनुस्मरन्॥ १६ ॥
नाम्नामष्टसहस्रेण तुष्टाव परमेश्वरीम्।

॥ स्तोत्रम् ॥

सीतोमा परमा शक्तिरनन्ता निष्कलामला॥ १७॥
शान्ता महेश्वरी नित्या शाश्वती परमाक्षरा।
अचिन्त्या केवलानन्ता शिवात्मा परमात्मिका॥ १८॥
अनादिरव्यया शुद्धा देवात्मा सर्वगोचरा।
एकानेकविभागस्था मायातीता सुनिर्मला॥ १९॥
महामाहेश्वरी शक्ता महादेवी निरञ्जना।
काष्ठा सर्वान्तरस्था च चिच्छक्तिरतिलालसा॥ २०॥
जानकी मिथिलानन्दा राक्षसान्तविधायिनी।
रावणान्तकरी रम्या रामवक्षःस्थलाश्रया॥ २१॥
उमा सर्वात्मिका विद्या ज्योतीरूपायुताक्षरी।
शान्तिः प्रतिष्ठा सर्वेषां निवृत्तिरमृतप्रदा॥ २२॥
व्योममूर्तिर्व्योममयी व्योमाधाराच्युता लता।
अनादिनिधना योषा कारणात्मा कलाकुला॥ २३॥
नन्दप्रथमजा नाभिरमृतस्यान्तसंश्रया।
प्राणेश्वरप्रिया माता महामहिषवाहना॥ २४॥
प्राणेश्वरी प्राणरूपा प्रधानपुरुषेश्वरी।
सर्वशक्तिः कला काष्ठा ज्योत्स्नेन्दोर्महिमास्पदा॥ २५॥
सर्वकार्यनियन्त्री च सर्वभूतेश्वरेश्वरी।
अनादिरव्यक्तगुणा महानन्दा सनातनी॥ २६॥
आकाशयोनिर्योगस्था सर्वयोगेश्वरेश्वरी।
शवासना चितान्तःस्था महेशवृषवाहना॥ २७॥

बालिका तरुणी वृद्धा वृद्धमाता जरातुरा।
महामाया सुदुष्पूरा मूलप्रकृतिरीश्वरी॥ २८॥
संसारयोनिः सकला सर्वशक्तिसमुद्भवा।
संसारसारा दुर्वारा दुर्निरीक्ष्या दुरासदा॥ २९॥
प्राणशक्तिः प्राणविद्या योगिनी परमा कला।
महाविभूतिर्दुर्धर्षा मूलप्रकृतिसम्भवा॥ ३०॥
अनाद्यनन्तविभवा परात्मा पुरुषो बली।
सर्गस्थित्यन्तकरणी सुदुर्वाच्या दुरत्यया॥ ३१॥
शब्दयोनिः शब्दमयी नादाख्या नादविग्रहा।
प्रधानपुरुषातीता प्रधानपुरुषात्मिका॥ ३२॥
पुराणी चिन्मयी पुंसामादिः पुरुषरूपिणी।
भूतान्तरात्मा कूटस्था महापुरुषसंज्ञिता॥ ३३॥
जन्ममृत्युजरातीता सर्वशक्तिसमन्विता।
व्यापिनी चानवच्छिन्ना प्रधाना सुप्रवेशिनी॥ ३४॥
क्षेत्रज्ञा शक्तिरव्यक्तलक्षणा मलवर्जिता।
अनादिमायासम्भिन्ना त्रितत्त्वा प्रकृतिर्गुणा॥ ३५॥
महामाया समुत्पन्ना तामसी पौरुषी ध्रुवा।
व्यक्ताव्यक्तात्मिका कृष्णरक्तशुक्लप्रसूतिका॥ ३६॥
स्वकार्या कार्यजननी ब्रह्मास्या ब्रह्मसंश्रया।
व्यक्ता प्रथमजा ब्राह्मी महती ज्ञानरूपिणी॥ ३७॥
वैराग्यैश्वर्यधर्मात्मा ब्रह्ममूर्तिर्हृदिस्थिता।
जयदा जित्वरी जैत्री जयश्रीर्जयशालिनी॥ ३८॥
सुखदा शुभदा सत्या शुभा संक्षोभकारिणी।
अपांयोनिः स्वयम्भूतिर्मानसी तत्त्वसम्भवा॥ ३९॥

ईश्वराणी च शर्वाणी शंकरार्धशरीरिणी।
भवानी चैव रुद्राणी महालक्ष्मीरथाम्बिका॥ ४०॥
माहेश्वरी समुत्पन्ना भुक्तिमुक्तिफलप्रदा।
सर्वेश्वरी सर्ववर्णा नित्या मुदितमानसा॥ ४१॥
ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रनमिता शंकरेच्छानुवर्तिनी।
ईश्वरार्धासनगता रघूत्तमपतिव्रता॥ ४२॥
सकृद्विभाविता सर्वा समुद्रपरिशोषिणी।
पार्वती हिमवत्पुत्री परमानन्ददायिनी॥ ४३॥
गुणाढ्या योगदा योग्या ज्ञानमूर्तिविकासिनी।
सावित्री कमला लक्ष्मीः श्रीरनन्तोरसिस्थिता॥ ४४॥
सरोजनिलया शुभ्रा योगनिद्रा सुदर्शना।
सरस्वती सर्वविद्या जगज्ज्येष्ठा सुमङ्गला॥ ४५॥
वासवी वरदा वाच्या कीर्तिः सर्वार्थसाधिका।
वागीश्वरी सर्वविद्या महाविद्या सुशोभना॥ ४६॥
गुह्यविद्याऽऽत्मविद्या च सर्वविद्याऽऽत्मभाविता।
स्वाहा विश्वम्भरी सिद्धिः स्वधा मेधा धृतिः श्रुतिः॥ ४७॥
नाभिः सुनाभिः सुकृतिर्माधवी नरवाहिनी।
पूज्या विभावरी सौम्या भगिनी भोगदायिनी॥ ४८॥
शोभा वंशकरी लीला मानिनी परमेष्ठिनी।
त्रैलोक्यसुन्दरी रम्या सुन्दरी कामचारिणी॥ ४९॥
महानुभावमध्यस्था महामहिषमर्दिनी।
पद्ममाला पापहरा विचित्रमुकुटानना॥ ५०॥
कान्ता चित्राम्बरधरा दिव्याभरणभूषिता।
हंसाख्या व्योमनिलया जनसृष्टिविवर्धिनी॥ ५१॥

निर्यन्त्रा मन्त्रवाहस्था नन्दिनी भद्रकालिका।
आदित्यवर्णा कौमारी मयूरवरवाहिनी॥ ५२॥
वृषासनगता गौरी महाकाली सुरार्चिता।
अदितिर्नियता रौद्री पद्मगर्भा विवाहना॥ ५३॥
विरूपाक्षी लेलिहाना महासुरविनाशिनी।
महाफलानवद्याङ्गी कामपूरा विभावरी॥ ५४॥
विचित्ररत्नमुकुटा प्रणतर्द्धिविवर्धिनी।
कौशिकी कर्षिणी रात्रिस्त्रिदशार्तिविनाशिनी॥ ५५॥
विरूपा च सुरूपा च भीमा मोक्षप्रदायिनी।
भक्तार्तिनाशिनी भव्या भवभावविनाशिनी॥ ५६॥
निर्गुणा नित्यविभवा निःसारा निरपत्रपा।
यशस्विनी सामगतिर्भवाङ्गनिलयालया॥ ५७॥
दीक्षा विद्याधरी दीप्ता महेन्द्रविनिपातिनी।
सर्वातिशायिनी विद्या सर्वशक्तिप्रदायिनी॥ ५८॥
सर्वेश्वरप्रिया तार्क्ष्यी समुद्रान्तरवासिनी।
अकलङ्का निराधारा नित्यसिद्धा निरामया॥ ५९॥
कामधेनुर्वेदगर्भा धीमती मोहनाशिनी।
निःसंकल्पा निरातङ्का विनया विनयप्रदा॥ ६०॥
ज्वाला माला सहस्त्राढ्या देवदेवी मनोन्मनी।
उर्वी गुर्वी गुरुश्रेष्ठा सुगुणा षड्गुणात्मिका॥ ६१॥
महाभगवती भव्या वसुदेवसमुद्भवा।
महेन्द्रोपेन्द्रभगिनी भक्तिगम्यपरायणा॥ ६२॥
ज्ञानज्ञेया जरातीता वेदान्तविषया गतिः।
दक्षिणा दहना वाह्या सर्वभूतनमस्कृता॥ ६३॥

योगमाया विभावज्ञा महामोहा महीयसी।
सत्या सर्वसमुद्भूतिर्ब्रह्मवृक्षाश्रया मतिः ॥ ६४ ॥
बीजांकुरसमुद्भूतिर्महाशक्तिर्महामतिः।
ख्यातिः प्रतिज्ञा चित्संविन्महायोगेन्द्रशायिनी ॥ ६५ ॥
विकृतिः शांकरी शास्त्री यक्षगन्धर्वसेविता।
वैश्वानरी महाशाला देवसेना गुहप्रिया ॥ ६६ ॥
महारात्रिः शिवानन्दा शची दुःस्वप्ननाशिनी।
पूज्याऽऽपूज्या जगद्धात्री दुर्विज्ञेयस्वरूपिणी ॥ ६७ ॥
गुहाम्बिका गुहोत्पत्तिर्महापीठा मरुत्सुता।
हव्यवाहान्तरा गार्गी हव्यवाहसमुद्भवा ॥ ६८ ॥
जगद्योनिर्जगन्माता जगन्मृत्युर्जरातिगा।
बुद्धिर्माता बुद्धिमती पुरुषान्तरवासिनी ॥ ६९ ॥
तपस्विनी समाधिस्था त्रिनेत्रा दिविसंस्थिता।
सर्वेन्द्रियमनोमाता सर्वभूतहृदिस्थिता ॥ ७० ॥
संसारतारिणी विद्या ब्रह्मवादिमनोलया।
ब्रह्माणी बृहती ब्राह्मी ब्रह्मभूता भयावनिः ॥ ७१ ॥
हिरण्मयी महारात्रिः संसारपरिवर्तिका।
सुमालिनी सुरूपा च तारिणी भाविनी प्रभा ॥ ७२ ॥
उन्मीलिनी सर्वसहा सर्वप्रत्ययसाक्षिणी।
तपिनी तापिनी विश्वा भोगदा धारिणी धरा ॥ ७३ ॥
सुसौम्या चन्द्रवदना ताण्डवासक्तमानसा।
सत्त्वशुद्धिकरी शुद्धिर्मलत्रयविनाशिनी ॥ ७४ ॥
जगत्प्रिया जगन्मूर्तिस्त्रिमूर्तिरमृताश्रया।
निराश्रया निराहारा निरंकुशरणोद्भवा ॥ ७५ ॥

चक्रहस्ता विचित्राङ्गी स्त्रग्विणी पद्मधारिणी।
परापरविधानज्ञा महापुरुषपूर्वजा॥ ७६॥
विद्येश्वरप्रिया विद्या विद्युज्जिह्वा जितश्रमा।
विद्यामयी सहस्त्राक्षी सहस्त्रश्रवणात्मजा॥ ७७॥
सहस्त्ररश्मिपद्मस्था महेश्वरपदाश्रया।
ज्वालिनी सद्मना व्याप्ता तेजसी पद्मरोधिका॥ ७८॥
महादेवाश्रया मान्या महादेवमनोरमा।
व्योमलक्ष्मीः सिंहरथा चेकितान्यमितप्रभा॥ ७९॥
विश्वेश्वरी विमानस्था विशोका शोकनाशिनी।
अनाहता कुण्डलिनी नलिनी पद्मवासिनी॥ ८०॥
शतानन्दा सतां कीर्तिः सर्वभूताशयस्थिता।
वाग्देवता ब्रह्मकला कलातीता कलावती॥ ८१॥
ब्रह्मर्षिर्ब्रह्महृदया ब्रह्मविष्णुशिवप्रिया।
व्योमशक्तिः क्रियाशक्तिर्जनशक्तिः परागतिः॥ ८२॥
क्षोभिका रौद्रिकाभेद्या भेदाभेदविवर्जिता।
अभिन्ना भिन्नसंस्थाना वंशिनी वंशहारिणी॥ ८३॥
गुह्यशक्तिर्गुणातीता सर्वदा सर्वतोमुखी।
भगिनी भगवत्पत्नी सकला कालकारिणी॥ ८४॥
सर्ववित् सर्वतोभद्रा गुह्यातीता गुहावलिः।
प्रक्रिया योगमाता च गन्धा विश्वेश्वरेश्वरी॥ ८५॥
कपिला कपिलाकान्ता कनकाभा कलान्तरा।
पुण्या पुष्करिणी भोक्त्री पुरंदरपुरःसरा॥ ८६॥

पोषणी परमैश्वर्यभूतिदा भूतिभूषणा।
पञ्चब्रह्मसमुत्पत्तिः परमात्माऽऽत्मविग्रहा॥ ८७॥
नर्मोदया भानुमती योगिज्ञेया मनोजवा।
बीजरूपा रजोरूपा वशिनी योगरूपिणी॥ ८८॥
सुमन्त्रा मन्त्रिणी पूर्णा ह्लादिनी क्लेशनाशिनी।
मनोहरा मनोरक्षी तापसी वेदरूपिणी॥ ८९॥
वेदशक्तिर्वेदमाता वेदविद्याप्रकाशिनी।
योगेश्वरेश्वरी माला महाशक्तिर्मनोमयी॥ ९०॥
विश्वावस्था वीरमुक्तिर्विद्युन्माला विहायसी।
पीवरी सुरभी वन्द्या नन्दिनी नन्दवल्लभा॥ ९१॥
भारती परमानन्दा परापरविभेदिका।
सर्वप्रहरणोपेता काम्या कामेश्वरेश्वरी॥ ९२॥
अचिन्त्या चिन्त्यमहिमा दुर्लेखा कनकप्रभा।
कूष्माण्डी धनरत्नाढ्या सुगन्धा गन्धदायिनी॥ ९३॥
त्रिविक्रमपदोद्भूता धनुष्पाणिः शिरोहया।
सुदुर्लभा धनाध्यक्षा धन्या पिङ्गललोचना॥ ९४॥
भ्रान्तिः प्रभावती दीप्तिः पङ्कजायतलोचना।
आद्या हृत्कमलोद्भूता परा माता रणप्रिया॥ ९५॥
सत्क्रिया गिरिजा नित्यशुद्धा पुष्पनिरन्तरा।
दुर्गा कात्यायनी चण्डी चर्चिका शान्तविग्रहा॥ ९६॥
हिरण्यवर्णा रजनी जगन्मन्त्रप्रवर्तिका।
मन्दराद्रिनिवासा च शारदा स्वर्णमालिनी॥ ९७॥

रत्नमाला रत्नगर्भा पृथ्वी विश्वप्रमाथिनी।
पद्मासना पद्मनिभा नित्यतुष्टामृतोद्भवा॥ ९८ ॥
धुन्वती दुष्प्रकम्पा च सूर्यमाता दृषद्वती।
महेन्द्रभगिनी माया वरेण्या वरदर्पिता॥ ९९ ॥
कल्याणी कमला रामा पञ्चभूतवरप्रदा।
वाच्या परेश्वरी नन्द्या दुर्जया दुरतिक्रमा॥ १०० ॥
कालरात्रिर्महावेगा वीरभद्रहितप्रिया।
भद्रकाली जगन्माता भक्तानां भद्रदायिनी॥ १०१ ॥
कराला पिङ्गलाकारा सामवेदा महानदा।
तपस्विनी यशोदा च यथाध्वपरिवर्तिनी॥ १०२ ॥
शङ्खिनी पद्मिनी सांख्या सांख्ययोगप्रवर्तिका।
चैत्री संवत्सरा रुद्रा जगत्सम्पूरणीन्द्रजा॥ १०३ ॥
शुम्भारिः खेचरी खस्था कम्बुग्रीवा कलिप्रिया।
खरध्वजा खरारूढा पराध्यां परमालिनी॥ १०४ ॥
ऐश्वर्यरत्ननिलया विरक्ता गरुडासना।
जयन्ती हृद्गुहा रम्या सत्त्ववेगा गणाग्रणीः॥ १०५ ॥
संकल्पसिद्धा साम्यस्था सर्वविज्ञानदायिनी।
कलिकल्मषहन्त्री च गुह्योपनिषदुत्तमा॥ १०६ ॥
नित्यदृष्टिः स्मृतिर्व्याप्तिः पुष्टिस्तुष्टिः क्रियावती।
विश्वामरेश्वरेशाना भुक्तिर्मुक्तिः शिवामृता॥ १०७ ॥
लोहिता सर्वमाता च भीषणा वनमालिनी।
अनन्तशयनानाद्या नरनारायणोद्भवा॥ १०८ ॥
नृसिंही दैत्यमथिनी शङ्खचक्रगदाधरा।
संकर्षणसमुत्पत्तिरम्बिकोपान्तसंश्रया॥ १०९ ॥

महाज्वाला महामूर्तिः सुमूर्तिः सर्वकामधुक्।
सुप्रभा सुतरां गौरी धर्मकामार्थमोक्षदा॥ ११०॥
भ्रूमध्यनिलयापूर्वा प्रधानपुरुषा बली।
महाविभूतिदा मध्या सरोजनयनासना॥ १११॥
अष्टादशभुजा नाट्या नीलोत्पलदलप्रभा।
सर्वशक्त्या समारूढा धर्माधर्मानुवर्जिता॥ ११२॥
वैराग्यज्ञाननिरता निरालोका निरिन्द्रिया।
विचित्रगहना धीरा शाश्वतस्थानवासिनी॥ ११३॥
स्थानेश्वरी निरानन्दा त्रिशूलवरधारिणी।
अशेषदेवतामूर्तिर्देवता परदेवता॥ ११४॥
गणात्मिका गिरेःपुत्री निशुम्भविनिपातिनी।
अवर्णा वर्णरहिता निर्वर्णा बीजसम्भवा॥ ११५॥
अनन्तवर्णानन्यस्था शंकरी शान्तमानसा।
अगोत्रा गोमती गोप्त्री गुह्यरूपा गुणान्तरा॥ ११६॥
गोश्रीर्गव्यप्रिया गौरी गणेश्वरनमस्कृता।
सत्यमात्रा सत्यसंधा त्रिसंध्या संधिवर्जिता॥ ११७॥
सर्ववादाश्रया सांख्या सांख्ययोगसमुद्भवा।
असंख्येयाप्रमेयाख्या शून्या शुद्धकुलोद्भवा॥ ११८॥
विन्दुनादसमुत्पत्तिः शम्भुवामा शशिप्रभा।
विसङ्गा भेदरहिता मनोज्ञा मधुसूदनी॥ ११९॥
महाश्रीः श्रीसमुत्पत्तिस्तमःपारे प्रतिष्ठिता।
त्रितत्त्वमाता त्रिविधा सुसूक्ष्मपदसंश्रया॥ १२०॥
शान्त्यतीता मलातीता निर्विकारा निराश्रया।
शिवाख्या चित्रनिलया शिवज्ञानस्वरूपिणी॥ १२१॥

दैत्यदानवनिर्मात्री काश्यपी कालकर्णिका।
शास्त्रयोनिः प्रियामूर्तिश्चतुर्वर्गप्रदर्शिता॥ १२२॥
नारायणी नवोद्भूता कौमुदी लिङ्गधारिणी।
कामुकी ललिता तारा परापरविभूतिदा॥ १२३॥
परान्तजातमहिमा वडवा वामलोचना।
सुभद्रा देवकी सीता वेदवेदाङ्गपारगा॥ १२४॥
मनस्विनी मन्युमाता महामन्युसमुद्भवा।
अमृत्युरमृतास्वादा पुरुहूता पुरुप्लुता॥ १२५॥
अशोच्या भिन्नविषया हिरण्यरजतप्रिया।
हिरण्या राजती हैमी हेमाभरणभूषिता॥ १२६॥
विभ्राजमाना दुर्ज्ञेया ज्योतिष्टोमफलप्रदा।
महानिद्रासमुद्भूता बलीन्द्रा सत्यदेवता॥ १२७॥
दीर्घा ककुद्मिनी विद्या शान्तिदा शान्तिवर्धिनी।
लक्ष्म्यादिशक्तिजननी शक्तिचक्रप्रवर्तिका॥ १२८॥
त्रिशक्तिजननी जन्या षडूर्मिपरिवर्जिता।
स्वाहा च कर्मकरणी युगान्तदलनात्मिका॥ १२९॥
संकर्षणा जगद्धात्री कामयोनिः किरीटिनी।
ऐन्द्री त्रैलोक्यनमिता वैष्णवी परमेश्वरी॥ १३०॥
प्रद्युम्नदयिता दान्ता युग्मदृष्टिस्त्रिलोचना।
महोत्कटा हंसगतिः प्रचण्डा चण्डविक्रमा॥ १३१॥
वृषावेशा वियन्मात्रा विन्ध्यपर्वतवासिनी।
हिमवन्मेरुनिलया कैलासगिरिवासिनी॥ १३२॥

चाणूरहन्त्री तनया नीतिज्ञा कामरूपिणी।
वेदविद्याव्रतरता धर्मशीलानिलाशना॥ १३३॥
अयोध्यानिलया वीरा महाकालसमुद्भवा।
विद्याधरप्रिया सिद्धा विद्याधरनिराकृतिः॥ १३४॥
आप्यायन्ती वहन्ती च पावनी पोषणी खिला।
मातृका मन्मथोद्भूता वारिजा वाहनप्रिया॥ १३५॥
करीषिणी स्वधा वाणी वीणावादनतत्परा।
सेविता सेविका सेवा सिनीवाली गरुत्मती॥ १३६॥
अरुन्धती हिरण्याक्षी मणिदा श्रीवसुप्रदा।
वसुमती वसोर्धारा वसुन्धरासमुद्भवा॥ १३७॥
वरारोहा वरार्हा चावपुःसङ्गसमुद्भवा।
श्रीफला श्रीमती श्रीशा श्रीनिवासा हरिप्रिया॥ १३८॥
श्रीधरी श्रीकरी कम्प्रा श्रीधरा ईशवीरणी।
अनन्तदृष्टिरक्षुद्रा धात्रीशा धनदप्रिया॥ १३९॥
निहन्त्री दैत्यसिंहानां सिंहिका सिंहवाहिनी।
सुसेना चन्द्रनिलया सुकीर्तिश्छिन्नसंशया॥ १४०॥
बलज्ञा बलदा वामा लेलिहानामृतस्रवा।
नित्योदिता स्वयंज्योतिरुत्सुकामृतजीविनी॥ १४१॥
वज्रदंष्ट्रा वज्रजिह्वा वैदेही वज्रविग्रहा।
मङ्गल्या मङ्गला माला मलिना मलहारिणी॥ १४२॥
गान्धर्वी गारुडी चान्द्री कम्बलाश्वतरप्रिया।
सौदामनी जनानन्दा भ्रुकुटीकुटिलानना॥ १४३॥

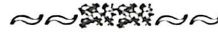
कर्णिकारकरा कक्षा कंसप्राणापहारिणी।
युगंधरा युगावर्ता त्रिसंध्या हर्षवर्धिनी॥ १४४॥
प्रत्यक्षदेवता दिव्या दिव्यगन्धा दिवापरा।
शक्रासनगता शाक्री साध्वी नारी शवासना॥ १४५॥
इष्टा विशिष्टा शिष्टेष्टा शिष्टाशिष्टप्रपूजिता।
शतरूपा शतावर्ता विनीता सुरभिः सुरा॥ १४६॥
सुरेन्द्रमाता सुद्युम्ना सुषुम्णा सूर्यसंस्थिता।
समीक्षा सत्प्रतिष्ठा च निवृत्तिर्ज्ञानपारगा॥ १४७॥
धर्मशास्त्रार्थकुशला धर्मज्ञा धर्मवाहना।
धर्माधर्मविनिर्मात्री धार्मिकाणां शिवप्रदा॥ १४८॥
धर्मशक्तिर्धर्ममयी विधर्मा विश्वधर्मिणी।
धर्मान्तरा धर्ममध्या धर्मपूर्वा धनप्रिया॥ १४९॥
धर्मोपदेशा धर्मात्मा धर्मलभ्या धराधरा।
कपाली शाकलामूर्तिः कलाकलितविग्रहा॥ १५०॥
सर्वशक्तिविनिर्मुक्ता सर्वशक्त्याश्रयाश्रया।
सर्वा सर्वेश्वरी सूक्ष्मा सुसूक्ष्मा ज्ञानरूपिणी॥ १५१॥
प्रधानपुरुषेशानी महापुरुषसाक्षिणी।
सदाशिवा वियन्मूर्तिर्देवमूर्तिरमूर्तिका॥ १५२॥

फलश्रुतिः

एवं नाम्नां सहस्त्रेण तुष्टाव रघुनन्दनः।
कृताञ्जलिपुटो भूत्वा सीतां हृष्टतनूरुहाम्॥ १५३॥
भारद्वाज महाभाग यश्चैतत् स्तोत्रमद्भुतम्।
पठेद्वा पाठयेद्वापि स याति परमं पदम्॥ १५४॥

ब्रह्मक्षत्रियविड्योनिर्ब्रह्म प्राप्नोति शाश्वतम्।
शूद्रः सद्गतिमाप्नोति धनधान्यविभूतयः॥ १५५॥
भवन्ति स्तोत्रमाहात्म्यादेतत् स्वस्त्ययनं महत्।
मारीभये राजभये तथा चौराग्निजे भये॥ १५६॥
व्याधीनां प्रभवे घोरे शत्रूत्थाने च संकटे।
अनावृष्टिभये विप्र सर्वशान्तिकरं परम्॥ १५७॥
यद्यदिष्टतमं यस्य तत्सर्वं स्तोत्रतो भवेत्।
यत्रैतत् पठ्यते सम्यक् सीतानामसहस्त्रकम्॥ १५८॥
रामेण सहिता देवी तत्र तिष्ठत्यसंशयम्।
महापापातिपापानि विलयं यान्ति सुव्रत॥ १५९॥

॥ इत्यार्षे श्रीमद्रामायणे वाल्मीकीये आदिकाव्ये अद्भुतोत्तरकाण्डे श्रीसीतासहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीसीतासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ सीतायै नमः ।
२ ॐ उमायै नमः ।
३ ॐ परमायै नमः ।
४ ॐ शक्त्यै नमः ।
५ ॐ अनन्तायै नमः ।
६ ॐ निष्कलायै नमः ।
७ ॐ अमलायै नमः ।
८ ॐ शान्तायै नमः ।
९ ॐ महेश्वर्यै नमः ।
१० ॐ नित्यायै नमः ।
११ ॐ शाश्वत्यै नमः ।
१२ ॐ परमाक्षरायै नमः ।
१३ ॐ अचिन्त्यायै नमः ।
१४ ॐ केवलायै नमः ।
१५ ॐ अनन्तायै नमः ।
१६ ॐ शिवात्मने नमः ।
१७ ॐ परमात्मिकायै नमः ।
१८ ॐ अनाद्यै नमः ।
१९ ॐ अव्ययायै नमः ।
२० ॐ शुद्धायै नमः ।
२१ ॐ देवात्मने नमः ।
२२ ॐ सर्वगोचरायै नमः ।
२३ ॐ एकानेकविभागस्थायै नमः ।
२४ ॐ मायातीतायै नमः ।
२५ ॐ सुनिर्मलायै नमः ।
२६ ॐ महामाहेश्वर्यै नमः ।
२७ ॐ शक्तायै नमः ।
२८ ॐ महादेव्यै नमः ।
२९ ॐ निरञ्जनायै नमः ।
३० ॐ काष्ठायै नमः ।
३१ ॐ सर्वान्तरस्थायै नमः ।
३२ ॐ चिच्छक्त्यै नमः ।
३३ ॐ अतिलालसायै नमः ।
३४ ॐ जानक्यै नमः ।
३५ ॐ मिथिलानन्दायै नमः ।
३६ ॐ राक्षसान्तविधायिन्यै नमः ।
३७ ॐ रावणान्तकर्यै नमः ।
३८ ॐ रम्यायै नमः ।
३९ ॐ रामवक्षःस्थलाश्रयायै नमः ।
४० ॐ उमायै नमः ।
४१ ॐ सर्वात्मिकायै नमः ।
४२ ॐ विद्यायै नमः ।
४३ ॐ ज्योतीरूपायै नमः ।
४४ ॐ अयुताक्षर्यै नमः ।
४५ ॐ शान्त्यै नमः ।
४६ ॐ सर्वेषां प्रतिष्ठायै नमः ।
४७ ॐ निवृत्त्यै नमः ।
४८ ॐ अमृतप्रदायै नमः ।
४९ ॐ व्योममूर्त्यै नमः ।
५० ॐ व्योममय्यै नमः ।

५१ ॐ व्योमाधारायै नमः।
५२ ॐ अच्युतायै नमः।
५३ ॐ लतायै नमः।
५४ ॐ अनादिनिधनायै नमः।
५५ ॐ योषायै नमः।
५६ ॐ कारणात्मायै नमः।
५७ ॐ कलाकुलायै नमः।
५८ ॐ नन्दप्रथमजायै नमः।
५९ ॐ नाभ्यै नमः।
६० ॐ अमृतस्यान्तसंश्रयायै नमः।
६१ ॐ प्राणेश्वरप्रियायै नमः।
६२ ॐ मात्रे नमः।
६३ ॐ महामहिषवाहनायै नमः।
६४ ॐ प्राणेश्वर्यै नमः।
६५ ॐ प्राणरूपायै नमः।
६६ ॐ प्रधानपुरुषेश्वर्यै नमः।
६७ ॐ सर्वशक्त्यै नमः।
६८ ॐ कलायै नमः।
६९ ॐ काष्ठायै नमः।
७० ॐ इन्दोर्ज्योत्स्नायै नमः।
७१ ॐ महिमास्पदायै नमः।
७२ ॐ सर्वकार्यनियन्त्र्यै नमः।
७३ ॐ सर्वभूतेश्वरेश्वर्यै नमः।
७४ ॐ अनाद्यै नमः।
७५ ॐ अव्यक्तगुणायै नमः।
७६ ॐ महानन्दायै नमः।
७७ ॐ सनातन्यै नमः।
७८ ॐ आकाशयोन्यै नमः।
७९ ॐ योगस्थायै नमः।
८० ॐ सर्वयोगेश्वरेश्वर्यै नमः।
८१ ॐ शवासनायै नमः।
८२ ॐ चितान्तःस्थायै नमः।
८३ ॐ महेशवृषवाहनायै नमः।
८४ ॐ बालिकायै नमः।
८५ ॐ तरुण्यै नमः।
८६ ॐ वृद्धायै नमः।
८७ ॐ वृद्धमात्रे नमः।
८८ ॐ जरातुरायै नमः।
८९ ॐ महामायायै नमः।
९० ॐ सुदुष्पूरायै नमः।
९१ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
९२ ॐ ईश्वर्यै नमः।
९३ ॐ संसारयोन्यै नमः।
९४ ॐ सकलायै नमः।
९५ ॐ सर्वशक्तिसमुद्भवायै नमः।
९६ ॐ संसारसारायै नमः।
९७ ॐ दुर्वारायै नमः।
९८ ॐ दुर्निरीक्ष्यायै नमः।
९९ ॐ दुरासदायै नमः।
१०० ॐ प्राणशक्त्यै नमः।
१०१ ॐ प्राणविद्यायै नमः।
१०२ ॐ योगिन्यै नमः।
१०३ ॐ परमायै कलायै नमः।
१०४ ॐ महाविभूत्यै नमः।
१०५ ॐ दुर्धर्षायै नमः।
१०६ ॐ मूलप्रकृतिसम्भवायै नमः।

१०७ ॐ अनाद्यन्तविभवायै नमः।
१०८ ॐ परात्मने नमः।
१०९ ॐ पुरुषाय नमः।
११० ॐ बल्यै नमः।
१११ ॐ सर्गस्थित्यन्तकरण्यै नमः।
११२ ॐ सुदुर्वाच्यायै नमः।
११३ ॐ दुरत्ययायै नमः।
११४ ॐ शब्दयोन्यै नमः।
११५ ॐ शब्दमय्यै नमः।
११६ ॐ नादाख्यायै नमः।
११७ ॐ नादविग्रहायै नमः।
११८ ॐ प्रधानपुरुषातीतायै नमः।
११९ ॐ प्रधानपुरुषात्मिकायै नमः।
१२० ॐ पुराण्यै नमः।
१२१ ॐ चिन्मय्यै नमः।
१२२ ॐ पुंसामादये नमः।
१२३ ॐ पुरुषरूपिण्यै नमः।
१२४ ॐ भूतान्तरात्मने नमः।
१२५ ॐ कूटस्थायै नमः।
१२६ ॐ महापुरुषसंज्ञितायै नमः।
१२७ ॐ जन्ममृत्युजरातीतायै नमः।
१२८ ॐ सर्वशक्तिसमन्वितायै नमः।
१२९ ॐ व्यापिन्यै नमः।
१३० ॐ अनवच्छिन्नायै नमः।
१३१ ॐ प्रधानायै नमः।
१३२ ॐ सुप्रवेशिन्यै नमः।
१३३ ॐ क्षेत्रज्ञायै नमः।
१३४ ॐ शक्त्यै नमः।
१३५ ॐ अव्यक्तलक्षणायै नमः।
१३६ ॐ मलवर्जितायै नमः।
१३७ ॐ अनादिमायासम्भिन्नायै नमः।
१३८ ॐ त्रितत्त्वायै नमः।
१३९ ॐ प्रकृत्यै नमः।
१४० ॐ गुणायै नमः।
१४१ ॐ महामायायै नमः।
१४२ ॐ समुत्पन्नायै नमः।
१४३ ॐ तामस्यै नमः।
१४४ ॐ पौरुष्यै नमः।
१४५ ॐ ध्रुवायै नमः।
१४६ ॐ व्यक्ताव्यक्तात्मिकायै नमः।
१४७ ॐ कृष्णरक्तशुक्लप्रसूतिकायै नमः।
१४८ ॐ स्वकार्यायै नमः।
१४९ ॐ कार्यजनन्यै नमः।
१५० ॐ ब्रह्मास्यायै नमः।
१५१ ॐ ब्रह्मसंश्रयायै नमः।
१५२ ॐ व्यक्तायै नमः।
१५३ ॐ प्रथमजायै नमः।
१५४ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
१५५ ॐ महत्यै नमः।
१५६ ॐ ज्ञानरूपिण्यै नमः।
१५७ ॐ वैराग्यैश्वर्यधर्मात्मायै नमः।
१५८ ॐ ब्रह्ममूर्त्यै नमः।
१५९ ॐ हृदिस्थितायै नमः।
१६० ॐ जयदायै नमः।
१६१ ॐ जित्वर्यै नमः।
१६२ ॐ जैत्र्यै नमः।

१६३ ॐ जयश्रियै नमः।
१६४ ॐ जयशालिन्यै नमः।
१६५ ॐ सुखदायै नमः।
१६६ ॐ शुभदायै नमः।
१६७ ॐ सत्यायै नमः।
१६८ ॐ शुभायै नमः।
१६९ ॐ संक्षोभकारिण्यै नमः।
१७० ॐ अपां योन्यै नमः।
१७१ ॐ स्वयम्भूत्यै नमः।
१७२ ॐ मानस्यै नमः।
१७३ ॐ तत्त्वसम्भवायै नमः।
१७४ ॐ ईश्वराण्यै नमः।
१७५ ॐ शर्वाण्यै नमः।
१७६ ॐ शंकरार्धशरीरिण्यै नमः।
१७७ ॐ भवान्यै नमः।
१७८ ॐ रुद्राण्यै नमः।
१७९ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
१८० ॐ अम्बिकायै नमः।
१८१ ॐ माहेश्वर्यै नमः।
१८२ ॐ समुत्पन्नायै नमः।
१८३ ॐ भुक्तिमुक्तिफलप्रदायै नमः।
१८४ ॐ सर्वेश्वर्यै नमः।
१८५ ॐ सर्ववर्णायै नमः।
१८६ ॐ नित्यायै नमः।
१८७ ॐ मुदितमानसायै नमः।
१८८ ॐ ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रनमितायै नमः।
१८९ ॐ शंकरेच्छानुवर्तिन्यै नमः।
१९० ॐ ईश्वरार्धासनगतायै नमः।
१९१ ॐ रघूत्तमपतिव्रतायै नमः।
१९२ ॐ सकृद्विभावितायै नमः।
१९३ ॐ सर्वस्यै नमः।
१९४ ॐ समुद्रपरिशोषिण्यै नमः।
१९५ ॐ पार्वत्यै नमः।
१९६ ॐ हिमवत्पुत्र्यै नमः।
१९७ ॐ परमानन्ददायिन्यै नमः।
१९८ ॐ गुणाढ्यायै नमः।
१९९ ॐ योगदायै नमः।
२०० ॐ योग्यायै नमः।
२०१ ॐ ज्ञानमूर्तिविकासिन्यै नमः।
२०२ ॐ सावित्र्यै नमः।
२०३ ॐ कमलायै नमः।
२०४ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२०५ ॐ श्रियै नमः।
२०६ ॐ अनन्तोरसिस्थितायै नमः।
२०७ ॐ सरोजनिलयायै नमः।
२०८ ॐ शुभ्रायै नमः।
२०९ ॐ योगनिद्रायै नमः।
२१० ॐ सुदर्शनायै नमः।
२११ ॐ सरस्वत्यै नमः।
२१२ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२१३ ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः।
२१४ ॐ सुमङ्गलायै नमः।
२१५ ॐ वासव्यै नमः।
२१६ ॐ वरदायै नमः।
२१७ ॐ वाच्यायै नमः।
२१८ ॐ कीर्त्यै नमः।

२१९ ॐ सर्वार्थसाधिकायै नमः।
२२० ॐ वागीश्वर्यै नमः।
२२१ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२२२ ॐ महाविद्यायै नमः।
२२३ ॐ सुशोभनायै नमः।
२२४ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
२२५ ॐ आत्मविद्यायै नमः।
२२६ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२२७ ॐ आत्मभावितायै नमः।
२२८ ॐ स्वाहायै नमः।
२२९ ॐ विश्वम्भर्यै नमः।
२३० ॐ सिद्ध्यै नमः।
२३१ ॐ स्वधायै नमः।
२३२ ॐ मेधायै नमः।
२३३ ॐ धृत्यै नमः।
२३४ ॐ श्रुत्यै नमः।
२३५ ॐ नाभ्यै नमः।
२३६ ॐ सुनाभ्यै नमः।
२३७ ॐ सुकृत्यै नमः।
२३८ ॐ माधव्यै नमः।
२३९ ॐ नरवाहिन्यै नमः।
२४० ॐ पूज्यायै नमः।
२४१ ॐ विभावर्यै नमः।
२४२ ॐ सौम्यायै नमः।
२४३ ॐ भगिन्यै नमः।
२४४ ॐ भोगदायिन्यै नमः।
२४५ ॐ शोभायै नमः।
२४६ ॐ वंशकर्यै नमः।
२४७ ॐ लीलायै नमः।
२४८ ॐ मानिन्यै नमः।
२४९ ॐ परमेष्ठिन्यै नमः।
२५० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
२५१ ॐ रम्यायै नमः।
२५२ ॐ सुन्दर्यै नमः।
२५३ ॐ कामचारिण्यै नमः।
२५४ ॐ महानुभावमध्यस्थायै नमः।
२५५ ॐ महामहिषमर्दिन्यै नमः।
२५६ ॐ पद्ममालायै नमः।
२५७ ॐ पापहरायै नमः।
२५८ ॐ विचित्रमुकुटाननायै नमः।
२५९ ॐ कान्तायै नमः।
२६० ॐ चित्राम्बरधरायै नमः।
२६१ ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः।
२६२ ॐ हंसाख्यायै नमः।
२६३ ॐ व्योमनिलयायै नमः।
२६४ ॐ जनसृष्टिविवर्धिन्यै नमः।
२६५ ॐ निर्यन्त्रायै नमः।
२६६ ॐ मन्त्रवाहस्थायै नमः।
२६७ ॐ नन्दिन्यै नमः।
२६८ ॐ भद्रकालिकायै नमः।
२६९ ॐ आदित्यवर्णायै नमः।
२७० ॐ कौमार्यै नमः।
२७१ ॐ मयूरवरवाहिन्यै नमः।
२७२ ॐ वृषासनगतायै नमः।
२७३ ॐ गौर्यै नमः।
२७४ ॐ महाकाल्यै नमः।

२७५ ॐ सुरार्चितायै नमः।
२७६ ॐ अदित्यै नमः।
२७७ ॐ नियतायै नमः।
२७८ ॐ रौद्र्यै नमः।
२७९ ॐ पद्मगर्भायै नमः।
२८० ॐ विवाहनायै नमः।
२८१ ॐ विरूपाक्ष्यै नमः।
२८२ ॐ लेलिहानायै नमः।
२८३ ॐ महासुरविनाशिन्यै नमः।
२८४ ॐ महाफलायै नमः।
२८५ ॐ अनवद्याङ्ग्यै नमः।
२८६ ॐ कामपूरायै नमः।
२८७ ॐ विभावर्यै नमः।
२८८ ॐ विचित्ररत्नमुकुटायै नमः।
२८९ ॐ प्रणतर्द्धिविवर्धिन्यै नमः।
२९० ॐ कौशिक्यै नमः।
२९१ ॐ कर्षिण्यै नमः।
२९२ ॐ रात्र्यै नमः।
२९३ ॐ त्रिदशार्तिविनाशिन्यै नमः।
२९४ ॐ विरूपायै नमः।
२९५ ॐ सुरूपायै नमः।
२९६ ॐ भीमायै नमः।
२९७ ॐ मोक्षप्रदायिन्यै नमः।
२९८ ॐ भक्तार्तिनाशिन्यै नमः।
२९९ ॐ भव्यायै नमः।
३०० ॐ भवभावविनाशिन्यै नमः।
३०१ ॐ निर्गुणायै नमः।
३०२ ॐ नित्यविभवायै नमः।
३०३ ॐ निःसारायै नमः।
३०४ ॐ निरपत्रपायै नमः।
३०५ ॐ यशस्विन्यै नमः।
३०६ ॐ सामगत्यै नमः।
३०७ ॐ भवाङ्गनिलयालयायै नमः।
३०८ ॐ दीक्षायै नमः।
३०९ ॐ विद्याधर्यै नमः।
३१० ॐ दीप्तायै नमः।
३११ ॐ महेन्द्रविनिपातिन्यै नमः।
३१२ ॐ सर्वातिशायिन्यै नमः।
३१३ ॐ विद्यायै नमः।
३१४ ॐ सर्वशक्तिप्रदायिन्यै नमः।
३१५ ॐ सर्वेश्वरप्रियायै नमः।
३१६ ॐ तार्क्ष्यै नमः।
३१७ ॐ समुद्रान्तरवासिन्यै नमः।
३१८ ॐ अकलङ्कायै नमः।
३१९ ॐ निराधारायै नमः।
३२० ॐ नित्यसिद्धायै नमः।
३२१ ॐ निरामयायै नमः।
३२२ ॐ कामधेन्वै नमः।
३२३ ॐ वेदगर्भायै नमः।
३२४ ॐ धीमत्यै नमः।
३२५ ॐ मोहनाशिन्यै नमः।
३२६ ॐ निःसंकल्पायै नमः।
३२७ ॐ निरातङ्कायै नमः।
३२८ ॐ विनयायै नमः।
३२९ ॐ विनयप्रदायै नमः।
३३० ॐ ज्वालायै नमः।

३३१ ॐ मालायै नमः।
३३२ ॐ सहस्राढ्यायै नमः।
३३३ ॐ देवदेव्यै नमः।
३३४ ॐ मनोन्मन्यै नमः।
३३५ ॐ उर्व्यै नमः।
३३६ ॐ गुर्व्यै नमः।
३३७ ॐ गुरुश्रेष्ठायै नमः।
३३८ ॐ सुगुणायै नमः।
३३९ ॐ षड्गुणात्मिकायै नमः।
३४० ॐ महाभगवत्यै नमः।
३४१ ॐ भव्यायै नमः।
३४२ ॐ वसुदेवसमुद्भवायै नमः।
३४३ ॐ महेन्द्रोपेन्द्रभगिन्यै नमः।
३४४ ॐ भक्तिगम्यपरायणायै नमः।
३४५ ॐ ज्ञानज्ञेयायै नमः।
३४६ ॐ जरातीतायै नमः।
३४७ ॐ वेदान्तविषयायै नमः।
३४८ ॐ गत्यै नमः।
३४९ ॐ दक्षिणायै नमः।
३५० ॐ दहनायै नमः।
३५१ ॐ वाह्यायै नमः।
३५२ ॐ सर्वभूतनमस्कृतायै नमः।
३५३ ॐ योगमायायै नमः।
३५४ ॐ विभावज्ञायै नमः।
३५५ ॐ महामोहायै नमः।
३५६ ॐ महीयस्यै नमः।
३५७ ॐ सत्यायै नमः।
३५८ ॐ सर्वसमुद्भूत्यै नमः।
३५९ ॐ ब्रह्मवृक्षाश्रयायै नमः।
३६० ॐ मत्यै नमः।
३६१ ॐ बीजांकुरसमुद्भूत्यै नमः।
३६२ ॐ महाशक्त्यै नमः।
३६३ ॐ महामत्यै नमः।
३६४ ॐ ख्यात्यै नमः।
३६५ ॐ प्रतिज्ञायै नमः।
३६६ ॐ चित्संविते नमः।
३६७ ॐ महायोगेन्द्रशायिन्यै नमः।
३६८ ॐ विकृत्यै नमः।
३६९ ॐ शांकर्यै नमः।
३७० ॐ शास्त्र्यै नमः।
३७१ ॐ यक्षगन्धर्वसेवितायै नमः।
३७२ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
३७३ ॐ महाशालायै नमः।
३७४ ॐ देवसेनायै नमः।
३७५ ॐ गुहप्रियायै नमः।
३७६ ॐ महारात्र्यै नमः।
३७७ ॐ शिवानन्दायै नमः।
३७८ ॐ शच्यै नमः।
३७९ ॐ दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः।
३८० ॐ पूज्यायै नमः।
३८१ ॐ अपूज्यायै नमः।
३८२ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
३८३ ॐ दुर्विज्ञेयस्वरूपिण्यै नमः।
३८४ ॐ गुहाम्बिकायै नमः।
३८५ ॐ गुहोत्पत्त्यै नमः।
३८६ ॐ महापीठायै नमः।

३८७ ॐ मरुत्सुतायै नमः।
३८८ ॐ हव्यवाहान्तरायै नमः।
३८९ ॐ गार्ग्यै नमः।
३९० ॐ हव्यवाहसमुद्भवायै नमः।
३९१ ॐ जगद्योन्यै नमः।
३९२ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३९३ ॐ जगन्मृत्यवे नमः।
३९४ ॐ जरातिगायै नमः।
३९५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
३९६ ॐ मात्रे नमः।
३९७ ॐ बुद्धिमत्यै नमः।
३९८ ॐ पुरुषान्तरवासिन्यै नमः।
३९९ ॐ तपस्विन्यै नमः।
४०० ॐ समाधिस्थायै नमः।
४०१ ॐ त्रिनेत्रायै नमः।
४०२ ॐ दिविसंस्थितायै नमः।
४०३ ॐ सर्वेन्द्रियमनोमात्रे नमः।
४०४ ॐ सर्वभूतहृदिस्थितायै नमः।
४०५ ॐ संसारतारिण्यै नमः।
४०६ ॐ विद्यायै नमः।
४०७ ॐ ब्रह्मवादिमनोलयायै नमः।
४०८ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
४०९ ॐ बृहत्यै नमः।
४१० ॐ ब्राह्म्यै नमः।
४११ ॐ ब्रह्मभूतायै नमः।
४१२ ॐ भयावन्यै नमः।
४१३ ॐ हिरण्मय्यै नमः।
४१४ ॐ महारात्र्यै नमः।
४१५ ॐ संसारपरिवर्तिकायै नमः।
४१६ ॐ सुमालिन्यै नमः।
४१७ ॐ सुरूपायै नमः।
४१८ ॐ तारिण्यै नमः।
४१९ ॐ भाविन्यै नमः।
४२० ॐ प्रभायै नमः।
४२१ ॐ उन्मीलिन्यै नमः।
४२२ ॐ सर्वसहायै नमः।
४२३ ॐ सर्वप्रत्ययसाक्षिण्यै नमः।
४२४ ॐ तपिन्यै नमः।
४२५ ॐ तापिन्यै नमः।
४२६ ॐ विश्वस्यै नमः।
४२७ ॐ भोगदायै नमः।
४२८ ॐ धारिण्यै नमः।
४२९ ॐ धरायै नमः।
४३० ॐ सुसौम्यायै नमः।
४३१ ॐ चन्द्रवदनायै नमः।
४३२ ॐ ताण्डवासक्तमानसायै नमः।
४३३ ॐ सत्त्वशुद्धिकर्यै नमः।
४३४ ॐ शुद्ध्यै नमः।
४३५ ॐ मलत्रयविनाशिन्यै नमः।
४३६ ॐ जगत्प्रियायै नमः।
४३७ ॐ जगन्मूर्त्यै नमः।
४३८ ॐ त्रिमूर्त्यै नमः।
४३९ ॐ अमृताश्रयायै नमः।
४४० ॐ निराश्रयायै नमः।
४४१ ॐ निराहारायै नमः।
४४२ ॐ निरङ्कुशरणोद्भवायै नमः।

४४३ ॐ चक्रहस्तायै नमः।
४४४ ॐ विचित्राङ्ग्यै नमः।
४४५ ॐ स्रग्विण्यै नमः।
४४६ ॐ पद्मधारिण्यै नमः।
४४७ ॐ परापरविधानज्ञायै नमः।
४४८ ॐ महापुरुषपूर्वजायै नमः।
४४९ ॐ विद्येश्वरप्रियायै नमः।
४५० ॐ विद्यायै नमः।
४५१ ॐ विद्युज्जिह्वायै नमः।
४५२ ॐ जितश्रमायै नमः।
४५३ ॐ विद्यामय्यै नमः।
४५४ ॐ सहस्राक्ष्यै नमः।
४५५ ॐ सहस्रश्रवणात्मजायै नमः।
४५६ ॐ सहस्ररश्मिपद्मस्थायै नमः।
४५७ ॐ महेश्वरपदाश्रयायै नमः।
४५८ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
४५९ ॐ सद्मना व्याप्तायै नमः।
४६० ॐ तेजस्यै नमः।
४६१ ॐ पद्मरोधिकायै नमः।
४६२ ॐ महादेवाश्रयायै नमः।
४६३ ॐ मान्यायै नमः।
४६४ ॐ महादेवमनोरमायै नमः।
४६५ ॐ व्योमलक्ष्म्यै नमः।
४६६ ॐ सिंहरथायै नमः।
४६७ ॐ चेकितान्यै नमः।
४६८ ॐ अमितप्रभायै नमः।
४६९ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
४७० ॐ विमानस्थायै नमः।
४७१ ॐ विशोकायै नमः।
४७२ ॐ शोकनाशिन्यै नमः।
४७३ ॐ अनाहतायै नमः।
४७४ ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
४७५ ॐ नलिन्यै नमः।
४७६ ॐ पद्मवासिन्यै नमः।
४७७ ॐ शतानन्दायै नमः।
४७८ ॐ सतां कीर्त्यै नमः।
४७९ ॐ सर्वभूताशयस्थितायै नमः।
४८० ॐ वाग्देवतायै नमः।
४८१ ॐ ब्रह्मकलायै नमः।
४८२ ॐ कलातीतायै नमः।
४८३ ॐ कलावत्यै नमः।
४८४ ॐ ब्रह्मर्षये नमः।
४८५ ॐ ब्रह्महृदयायै नमः।
४८६ ॐ ब्रह्मविष्णुशिवप्रियायै नमः।
४८७ ॐ व्योमशक्त्यै नमः।
४८८ ॐ क्रियाशक्त्यै नमः।
४८९ ॐ जनशक्त्यै नमः।
४९० ॐ परागत्यै नमः।
४९१ ॐ क्षोभिकायै नमः।
४९२ ॐ रौद्रिकायै नमः।
४९३ ॐ अभेद्यायै नमः।
४९४ ॐ भेदाभेदविवर्जितायै नमः।
४९५ ॐ अभिन्नायै नमः।
४९६ ॐ भिन्नसंस्थानायै नमः।
४९७ ॐ वंशिन्यै नमः।
४९८ ॐ वंशहारिण्यै नमः।

४९९ ॐ गुह्यशक्त्यै नमः।
५०० ॐ गुणातीतायै नमः।
५०१ ॐ सर्वदायै नमः।
५०२ ॐ सर्वतोमुख्यै नमः।
५०३ ॐ भगिन्यै नमः।
५०४ ॐ भगवत्पत्न्यै नमः।
५०५ ॐ सकलायै नमः।
५०६ ॐ कालकारिण्यै नमः।
५०७ ॐ सर्वविदे नमः।
५०८ ॐ सर्वतोभद्रायै नमः।
५०९ ॐ गुह्यायै नमः।
५१० ॐ अतीतायै नमः।
५११ ॐ गुहावल्यै नमः।
५१२ ॐ प्रक्रियायै नमः।
५१३ ॐ योगमात्रे नमः।
५१४ ॐ गन्धायै नमः।
५१५ ॐ विश्वेश्वरेश्वर्यै नमः।
५१६ ॐ कपिलायै नमः।
५१७ ॐ कपिलाकान्तायै नमः।
५१८ ॐ कनकाभायै नमः।
५१९ ॐ कलान्तरायै नमः।
५२० ॐ पुण्यायै नमः।
५२१ ॐ पुष्करिण्यै नमः।
५२२ ॐ भोक्त्र्यै नमः।
५२३ ॐ पुरंदरपुरःसरायै नमः।
५२४ ॐ पोषण्यै नमः।
५२५ ॐ परमैश्वर्यभूतिदायै नमः।
५२६ ॐ भूतिभूषणायै नमः।
५२७ ॐ पञ्चब्रह्मसमुत्पत्त्यै नमः।
५२८ ॐ परमात्माऽऽत्मविग्रहायै नमः।
५२९ ॐ नर्मोदयायै नमः।
५३० ॐ भानुमत्यै नमः।
५३१ ॐ योगिज्ञेयायै नमः।
५३२ ॐ मनोजवायै नमः।
५३३ ॐ बीजरूपायै नमः।
५३४ ॐ रजोरूपायै नमः।
५३५ ॐ वशिन्यै नमः।
५३६ ॐ योगरूपिण्यै नमः।
५३७ ॐ सुमन्त्रायै नमः।
५३८ ॐ मन्त्रिण्यै नमः।
५३९ ॐ पूर्णायै नमः।
५४० ॐ ह्लादिन्यै नमः।
५४१ ॐ क्लेशनाशिन्यै नमः।
५४२ ॐ मनोहरायै नमः।
५४३ ॐ मनोरक्ष्यै नमः।
५४४ ॐ तापस्यै नमः।
५४५ ॐ वेदरूपिण्यै नमः।
५४६ ॐ वेदशक्त्यै नमः।
५४७ ॐ वेदमात्रे नमः।
५४८ ॐ वेदविद्याप्रकाशिन्यै नमः।
५४९ ॐ योगेश्वरेश्वर्यै नमः।
५५० ॐ मालायै नमः।
५५१ ॐ महाशक्त्यै नमः।
५५२ ॐ मनोमय्यै नमः।
५५३ ॐ विश्वावस्थायै नमः।
५५४ ॐ वीरमुक्त्यै नमः।

५५५ ॐ विद्युन्मालायै नमः।
५५६ ॐ विहायस्यै नमः।
५५७ ॐ पीवर्यै नमः।
५५८ ॐ सुरभ्यै नमः।
५५९ ॐ वन्द्यायै नमः।
५६० ॐ नन्दिन्यै नमः।
५६१ ॐ नन्दवल्लभायै नमः।
५६२ ॐ भारत्यै नमः।
५६३ ॐ परमानन्दायै नमः।
५६४ ॐ परापरविभेदिकायै नमः।
५६५ ॐ सर्वप्रहरणोपेतायै नमः।
५६६ ॐ काम्यायै नमः।
५६७ ॐ कामेश्वरेश्वर्यै नमः।
५६८ ॐ अचिन्त्यायै नमः।
५६९ ॐ चिन्त्यमहिमायै नमः।
५७० ॐ दुर्लेखायै नमः।
५७१ ॐ कनकप्रभायै नमः।
५७२ ॐ कूष्माण्ड्यै नमः।
५७३ ॐ धनरत्नाढ्यायै नमः।
५७४ ॐ सुगन्धायै नमः।
५७५ ॐ गन्धदायिन्यै नमः।
५७६ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भूतायै नमः।
५७७ ॐ धनुष्पाण्यै नमः।
५७८ ॐ शिरोहयायै नमः।
५७९ ॐ सुदुर्लभायै नमः।
५८० ॐ धनाध्यक्षायै नमः।
५८१ ॐ धन्यायै नमः।
५८२ ॐ पिङ्गललोचनायै नमः।
५८३ ॐ भ्रान्त्यै नमः।
५८४ ॐ प्रभावत्यै नमः।
५८५ ॐ दीप्त्यै नमः।
५८६ ॐ पङ्कजायतलोचनायै नमः।
५८७ ॐ आद्यायै नमः।
५८८ ॐ हृत्कमलोद्भूतायै नमः।
५८९ ॐ परस्यै नमः।
५९० ॐ मात्रे नमः।
५९१ ॐ रणप्रियायै नमः।
५९२ ॐ सत्क्रियायै नमः।
५९३ ॐ गिरिजायै नमः।
५९४ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
५९५ ॐ पुष्पनिरन्तरायै नमः।
५९६ ॐ दुर्गायै नमः।
५९७ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५९८ ॐ चण्ड्यै नमः।
५९९ ॐ चर्चिकायै नमः।
६०० ॐ शान्तविग्रहायै नमः।
६०१ ॐ हिरण्यवर्णायै नमः।
६०२ ॐ रजन्यै नमः।
६०३ ॐ जगन्मन्त्रप्रवर्तिकायै नमः।
६०४ ॐ मन्दराद्रिनिवासायै नमः।
६०५ ॐ शारदायै नमः।
६०६ ॐ स्वर्णमालिन्यै नमः।
६०७ ॐ रत्नमालायै नमः।
६०८ ॐ रत्नगर्भायै नमः।
६०९ ॐ पृथ्व्यै नमः।
६१० ॐ विश्वप्रमाथिन्यै नमः।

६११ ॐ पद्मासनायै नमः।
६१२ ॐ पद्मनिभायै नमः।
६१३ ॐ नित्यतुष्टायै नमः।
६१४ ॐ अमृतोद्भवायै नमः।
६१५ ॐ धुन्वत्यै नमः।
६१६ ॐ दुष्प्रकम्प्यायै नमः।
६१७ ॐ सूर्यमात्रे नमः।
६१८ ॐ दृषद्वत्यै नमः।
६१९ ॐ महेन्द्रभगिन्यै नमः।
६२० ॐ मायायै नमः।
६२१ ॐ वरेण्यायै नमः।
६२२ ॐ वरदर्पितायै नमः।
६२३ ॐ कल्याण्यै नमः।
६२४ ॐ कमलायै नमः।
६२५ ॐ रामायै नमः।
६२६ ॐ पञ्चभूतवरप्रदायै नमः।
६२७ ॐ वाच्यायै नमः।
६२८ ॐ परेश्वर्यै नमः।
६२९ ॐ नन्द्यायै नमः।
६३० ॐ दुर्जयायै नमः।
६३१ ॐ दुरतिक्रमायै नमः।
६३२ ॐ कालरात्र्यै नमः।
६३३ ॐ महावेगायै नमः।
६३४ ॐ वीरभद्रहितप्रियायै नमः।
६३५ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
६३६ ॐ जगन्मात्रे नमः।
६३७ ॐ भक्तानां भद्रदायिन्यै नमः।
६३८ ॐ करालायै नमः।
६३९ ॐ पिङ्गलाकारायै नमः।
६४० ॐ सामवेदायै नमः।
६४१ ॐ महानदायै नमः।
६४२ ॐ तपस्विन्यै नमः।
६४३ ॐ यशोदायै नमः।
६४४ ॐ यथाध्वपरिवर्तिन्यै नमः।
६४५ ॐ शङ्खिन्यै नमः।
६४६ ॐ पद्मिन्यै नमः।
६४७ ॐ सांख्यायै नमः।
६४८ ॐ सांख्ययोगप्रवर्तिकायै नमः।
६४९ ॐ चैत्र्यै नमः।
६५० ॐ संवत्सरायै नमः।
६५१ ॐ रुद्रायै नमः।
६५२ ॐ जगत्सम्पूरण्यै नमः।
६५३ ॐ इन्द्रजायै नमः।
६५४ ॐ शुम्भारये नमः।
६५५ ॐ खेचर्यै नमः।
६५६ ॐ खस्थायै नमः।
६५७ ॐ कम्बुग्रीवायै नमः।
६५८ ॐ कलिप्रियायै नमः।
६५९ ॐ खरध्वजायै नमः।
६६० ॐ खरारूढायै नमः।
६६१ ॐ पराध्र्यायै नमः।
६६२ ॐ परमालिन्यै नमः।
६६३ ॐ ऐश्वर्यरत्ननिलयायै नमः।
६६४ ॐ विरक्तायै नमः।
६६५ ॐ गरुडासनायै नमः।
६६६ ॐ जयन्त्यै नमः।

६६७ ॐ हृद्गुहायै नमः।
६६८ ॐ रम्यायै नमः।
६६९ ॐ सत्त्ववेगायै नमः।
६७० ॐ गणाग्रण्यै नमः।
६७१ ॐ संकल्पसिद्धायै नमः।
६७२ ॐ साम्यस्थायै नमः।
६७३ ॐ सर्वविज्ञानदायिन्यै नमः।
६७४ ॐ कलिकल्मषहन्त्र्यै नमः।
६७५ ॐ गुह्योपनिषदुत्तमायै नमः।
६७६ ॐ नित्यदृष्ट्यै नमः।
६७७ ॐ स्मृत्यै नमः।
६७८ ॐ व्याप्त्यै नमः।
६७९ ॐ पुष्ट्यै नमः।
६८० ॐ तुष्ट्यै नमः।
६८१ ॐ क्रियावत्यै नमः।
६८२ ॐ विश्वस्यै नमः।
६८३ ॐ अमरेश्वरेशानायै नमः।
६८४ ॐ भुक्त्यै नमः।
६८५ ॐ मुक्त्यै नमः।
६८६ ॐ शिवायै नमः।
६८७ ॐ अमृतायै नमः।
६८८ ॐ लोहितायै नमः।
६८९ ॐ सर्वमात्रे नमः।
६९० ॐ भीषणायै नमः।
६९१ ॐ वनमालिन्यै नमः।
६९२ ॐ अनन्तशयनायै नमः।
६९३ ॐ अनाद्यायै नमः।
६९४ ॐ नरनारायणोद्भवायै नमः।
६९५ ॐ नृसिंह्यै नमः।
६९६ ॐ दैत्यमथिन्यै नमः।
६९७ ॐ शङ्खचक्रगदाधरायै नमः।
६९८ ॐ संकर्षणसमुत्पत्त्यै नमः।
६९९ ॐ अम्बिकोपान्तसंश्रयायै नमः।
७०० ॐ महाज्वालायै नमः।
७०१ ॐ महामूर्त्यै नमः।
७०२ ॐ सुमूर्त्यै नमः।
७०३ ॐ सर्वकामदुहे नमः।
७०४ ॐ सुप्रभायै नमः।
७०५ ॐ सुतरां गौर्यै नमः।
७०६ ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
७०७ ॐ भ्रूमध्यनिलयायै नमः।
७०८ ॐ अपूर्वायै नमः।
७०९ ॐ प्रधानपुरुषायै नमः।
७१० ॐ बल्यै नमः।
७११ ॐ महाविभूतिदायै नमः।
७१२ ॐ मध्यायै नमः।
७१३ ॐ सरोजनयनासनायै नमः।
७१४ ॐ अष्टादशभुजायै नमः।
७१५ ॐ नाट्यायै नमः।
७१६ ॐ नीलोत्पलदलप्रभायै नमः।
७१७ ॐ सर्वशक्त्या समारूढायै नमः।
७१८ ॐ धर्माधर्मानुवर्जितायै नमः।
७१९ ॐ वैराग्यज्ञाननिरतायै नमः।
७२० ॐ निरालोकायै नमः।
७२१ ॐ निरिन्द्रियायै नमः।
७२२ ॐ विचित्रगहनायै नमः।
७२३ ॐ धीरायै नमः।
७२४ ॐ शाश्वतस्थानवासिन्यै नमः।

७२५ ॐ स्थानेश्वर्यै नमः।
७२६ ॐ निरानन्दायै नमः।
७२७ ॐ त्रिशूलवरधारिण्यै नमः।
७२८ ॐ अशेषदेवतामूर्त्यै नमः।
७२९ ॐ देवतायै नमः।
७३० ॐ परदेवतायै नमः।
७३१ ॐ गणात्मिकायै नमः।
७३२ ॐ गिरेः पुत्र्यै नमः।
७३३ ॐ निशुम्भविनिपातिन्यै नमः।
७३४ ॐ अवर्णायै नमः।
७३५ ॐ वर्णरहितायै नमः।
७३६ ॐ निर्वर्णायै नमः।
७३७ ॐ बीजसम्भवायै नमः।
७३८ ॐ अनन्तवर्णायै नमः।
७३९ ॐ अनन्यस्थायै नमः।
७४० ॐ शंकर्यै नमः।
७४१ ॐ शान्तमानसायै नमः।
७४२ ॐ अगोत्रायै नमः।
७४३ ॐ गोमत्यै नमः।
७४४ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
७४५ ॐ गुह्यरूपायै नमः।
७४६ ॐ गुणान्तरायै नमः।
७४७ ॐ गोश्रियै नमः।
७४८ ॐ गव्यप्रियायै नमः।
७४९ ॐ गौर्यै नमः।
७५० ॐ गणेश्वरनमस्कृतायै नमः।
७५१ ॐ सत्यमात्रायै नमः।
७५२ ॐ सत्यसंधायै नमः।
७५३ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
७५४ ॐ संधिवर्जितायै नमः।
७५५ ॐ सर्ववादाश्रयायै नमः।
७५६ ॐ सांख्यायै नमः।
७५७ ॐ सांख्ययोगसमुद्भवायै नमः।
७५८ ॐ असंख्येयायै नमः।
७५९ ॐ अप्रमेयाख्यायै नमः।
७६० ॐ शून्यायै नमः।
७६१ ॐ शुद्धकुलोद्भवायै नमः।
७६२ ॐ विन्दुनादसमुत्पत्त्यै नमः।
७६३ ॐ शम्भुवामायै नमः।
७६४ ॐ शशिप्रभायै नमः।
७६५ ॐ विसङ्गायै नमः।
७६६ ॐ भेदरहितायै नमः।
७६७ ॐ मनोज्ञायै नमः।
७६८ ॐ मधुसूदन्यै नमः।
७६९ ॐ महाश्रियै नमः।
७७० ॐ श्रीसमुत्पत्त्यै नमः।
७७१ ॐ तमःपारे प्रतिष्ठितायै नमः।
७७२ ॐ त्रितत्त्वमात्रे नमः।
७७३ ॐ त्रिविधायै नमः।
७७४ ॐ सुसूक्ष्मपदसंश्रयायै नमः।
७७५ ॐ शान्त्यतीतायै नमः।
७७६ ॐ मलातीतायै नमः।
७७७ ॐ निर्विकारायै नमः।
७७८ ॐ निराश्रयायै नमः।
७७९ ॐ शिवाख्यायै नमः।
७८० ॐ चित्रनिलयायै नमः।
७८१ ॐ शिवज्ञानस्वरूपिण्यै नमः।
७८२ ॐ दैत्यदानवनिर्मात्र्यै नमः।

७८३ ॐ काश्यप्यै नमः।
७८४ ॐ कालकर्णिकायै नमः।
७८५ ॐ शास्त्रयोन्यै नमः।
७८६ ॐ प्रियामूर्त्यै नमः।
७८७ ॐ चतुर्वर्गप्रदर्शितायै नमः।
७८८ ॐ नारायण्यै नमः।
७८९ ॐ नवोद्भूतायै नमः।
७९० ॐ कौमुद्यै नमः।
७९१ ॐ लिङ्गधारिण्यै नमः।
७९२ ॐ कामुक्यै नमः।
७९३ ॐ ललितायै नमः।
७९४ ॐ तारायै नमः।
७९५ ॐ परापरविभूतिदायै नमः।
७९६ ॐ परान्तजातमहिमायै नमः।
७९७ ॐ वडवायै नमः।
७९८ ॐ वामलोचनायै नमः।
७९९ ॐ सुभद्रायै नमः।
८०० ॐ देवक्यै नमः।
८०१ ॐ सीतायै नमः।
८०२ ॐ वेदवेदाङ्गपारगायै नमः।
८०३ ॐ मनस्विन्यै नमः।
८०४ ॐ मन्युमात्रे नमः।
८०५ ॐ महामन्युसमुद्भवायै नमः।
८०६ ॐ अमृत्यवे नमः।
८०७ ॐ अमृतास्वादायै नमः।
८०८ ॐ पुरुहूतायै नमः।
८०९ ॐ पुरुप्लुतायै नमः।
८१० ॐ अशोच्यायै नमः।
८११ ॐ भिन्नविषयायै नमः।
८१२ ॐ हिरण्यरजतप्रियायै नमः।
८१३ ॐ हिरण्यायै नमः।
८१४ ॐ राजत्यै नमः।
८१५ ॐ हैम्यै नमः।
८१६ ॐ हेमाभरणभूषितायै नमः।
८१७ ॐ विभ्राजमानायै नमः।
८१८ ॐ दुर्ज्ञेयायै नमः।
८१९ ॐ ज्योतिष्टोमफलप्रदायै नमः।
८२० ॐ महानिद्रासमुद्भूतायै नमः।
८२१ ॐ बलीन्द्रायै नमः।
८२२ ॐ सत्यदेवतायै नमः।
८२३ ॐ दीर्घायै नमः।
८२४ ॐ ककुद्मिन्यै नमः।
८२५ ॐ विद्यायै नमः।
८२६ ॐ शान्तिदायै नमः।
८२७ ॐ शान्तिवर्धिन्यै नमः।
८२८ ॐ लक्ष्म्यादिशक्तिजनन्यै नमः।
८२९ ॐ शक्तिचक्रप्रवर्तिकायै नमः।
८३० ॐ त्रिशक्तिजनन्यै नमः।
८३१ ॐ जन्यायै नमः।
८३२ ॐ षडूर्मिपरिवर्जितायै नमः।
८३३ ॐ स्वाहायै नमः।
८३४ ॐ कर्मकरण्यै नमः।
८३५ ॐ युगान्तदलनात्मिकायै नमः।
८३६ ॐ संकर्षणायै नमः।
८३७ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
८३८ ॐ कामयोन्यै नमः।
८३९ ॐ किरीटिन्यै नमः।
८४० ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
८४१ ॐ त्रैलोक्यनमितायै नमः।
८४२ ॐ वैष्णव्यै नमः।

८४३ ॐ परमेश्वर्यै नमः।
८४४ ॐ प्रद्युम्नदयितायै नमः।
८४५ ॐ दान्तायै नमः।
८४६ ॐ युग्मदृष्ट्यै नमः।
८४७ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
८४८ ॐ महोत्कटायै नमः।
८४९ ॐ हंसगत्यै नमः।
८५० ॐ प्रचण्डायै नमः।
८५१ ॐ चण्डविक्रमायै नमः।
८५२ ॐ वृषावेशायै नमः।
८५३ ॐ वियन्मात्रायै नमः।
८५४ ॐ विन्ध्यपर्वतवासिन्यै नमः।
८५५ ॐ हिमवन्मेरुनिलयायै नमः।
८५६ ॐ कैलासगिरिवासिन्यै नमः।
८५७ ॐ चाणूरहन्त्र्यै नमः।
८५८ ॐ तनयायै नमः।
८५९ ॐ नीतिज्ञायै नमः।
८६० ॐ कामरूपिण्यै नमः।
८६१ ॐ वेदविद्याव्रतरतायै नमः।
८६२ ॐ धर्मशीलायै नमः।
८६३ ॐ अनिलाशनायै नमः।
८६४ ॐ अयोध्यानिलयायै नमः।
८६५ ॐ वीरायै नमः।
८६६ ॐ महाकालसमुद्भवायै नमः।
८६७ ॐ विद्याधरप्रियायै नमः।
८६८ ॐ सिद्धायै नमः।
८६९ ॐ विद्याधरनिराकृत्यै नमः।
८७० ॐ आप्यायन्त्यै नमः।
८७१ ॐ वहन्त्यै नमः।
८७२ ॐ पावन्यै नमः।
८७३ ॐ पोषण्यै नमः।
८७४ ॐ खिलायै नमः।
८७५ ॐ मातृकायै नमः।
८७६ ॐ मन्मथोद्भूतायै नमः।
८७७ ॐ वारिजायै नमः।
८७८ ॐ वाहनप्रियायै नमः।
८७९ ॐ करीषिण्यै नमः।
८८० ॐ स्वधायै नमः।
८८१ ॐ वाण्यै नमः।
८८२ ॐ वीणावादनतत्परायै नमः।
८८३ ॐ सेवितायै नमः।
८८४ ॐ सेविकायै नमः।
८८५ ॐ सेवायै नमः।
८८६ ॐ सिनीवाल्यै नमः।
८८७ ॐ गरुत्मत्यै नमः।
८८८ ॐ अरुन्धत्यै नमः।
८८९ ॐ हिरण्याक्ष्यै नमः।
८९० ॐ मणिदायै नमः।
८९१ ॐ श्रीवसुप्रदायै नमः।
८९२ ॐ वसुमत्यै नमः।
८९३ ॐ वसोर्धारायै नमः।
८९४ ॐ वसुन्धरासमुद्भवायै नमः।
८९५ ॐ वरारोहायै नमः।
८९६ ॐ वरार्हायै नमः।
८९७ ॐ अवपुःसङ्गसमुद्भवायै नमः।
८९८ ॐ श्रीफलायै नमः।
८९९ ॐ श्रीमत्यै नमः।
९०० ॐ श्रीशायै नमः।

१०१ ॐ श्रीनिवासायै नमः।
१०२ ॐ हरिप्रियायै नमः।
१०३ ॐ श्रीधर्यै नमः।
१०४ ॐ श्रीकर्यै नमः।
१०५ ॐ कम्प्रायै नमः।
१०६ ॐ श्रीधरायै नमः।
१०७ ॐ ईशवीरण्यै नमः।
१०८ ॐ अनन्तदृष्ट्यै नमः।
१०९ ॐ अक्षुद्रायै नमः।
११० ॐ धात्रीशायै नमः।
१११ ॐ धनदप्रियायै नमः।
११२ ॐ दैत्यसिंहानां निहन्त्र्यै नमः।
११३ ॐ सिंहिकायै नमः।
११४ ॐ सिंहवाहिन्यै नमः।
११५ ॐ सुसेनायै नमः।
११६ ॐ चन्द्रनिलयायै नमः।
११७ ॐ सुकीर्त्यै नमः।
११८ ॐ छिन्नसंशयायै नमः।
११९ ॐ बलज्ञायै नमः।
१२० ॐ बलदायै नमः।
१२१ ॐ वामायै नमः।
१२२ ॐ लेलिहानायै नमः।
१२३ ॐ अमृतस्त्रवायै नमः।
१२४ ॐ नित्योदितायै नमः।
१२५ ॐ स्वयंज्योत्यै नमः।
१२६ ॐ उत्सुकायै नमः।
१२७ ॐ अमृतजीविन्यै नमः।
१२८ ॐ वज्रदंष्ट्रायै नमः।
१२९ ॐ वज्रजिह्वायै नमः।
१३० ॐ वैदेह्यै नमः।
१३१ ॐ वज्रविग्रहायै नमः।
१३२ ॐ मङ्गल्यायै नमः।
१३३ ॐ मङ्गलायै नमः।
१३४ ॐ मालायै नमः।
१३५ ॐ मलिनायै नमः।
१३६ ॐ मलहारिण्यै नमः।
१३७ ॐ गान्धर्व्यै नमः।
१३८ ॐ गारुड्यै नमः।
१३९ ॐ चान्द्र्यै नमः।
१४० ॐ कम्बलाश्वतरप्रियायै नमः।
१४१ ॐ सौदामन्यै नमः।
१४२ ॐ जनानन्दायै नमः।
१४३ ॐ भ्रुकुटीकुटिलाननायै नमः।
१४४ ॐ कर्णिकारकरायै नमः।
१४५ ॐ कक्षायै नमः।
१४६ ॐ कंसप्राणापहारिण्यै नमः।
१४७ ॐ युगंधरायै नमः।
१४८ ॐ युगावर्तायै नमः।
१४९ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
१५० ॐ हर्षवर्धिन्यै नमः।
१५१ ॐ प्रत्यक्षदेवतायै नमः।
१५२ ॐ दिव्यायै नमः।
१५३ ॐ दिव्यगन्धायै नमः।
१५४ ॐ दिवापरायै नमः।
१५५ ॐ शक्रासनगतायै नमः।
१५६ ॐ शाक्र्यै नमः।
१५७ ॐ साध्व्यै नमः।
१५८ ॐ नार्यै नमः।

९५९ ॐ शवासनायै नमः।
९६० ॐ इष्टायै नमः।
९६१ ॐ विशिष्टायै नमः।
९६२ ॐ शिष्टेष्टायै नमः।
९६३ ॐ शिष्टाशिष्टप्रपूजितायै नमः।
९६४ ॐ शतरूपायै नमः।
९६५ ॐ शतावर्तायै नमः।
९६६ ॐ विनीतायै नमः।
९६७ ॐ सुरभ्यै नमः।
९६८ ॐ सुरायै नमः।
९६९ ॐ सुरेन्द्रमात्रे नमः।
९७० ॐ सुद्युम्नायै नमः।
९७१ ॐ सुषुम्णायै नमः।
९७२ ॐ सूर्यसंस्थितायै नमः।
९७३ ॐ समीक्षायै नमः।
९७४ ॐ सत्प्रतिष्ठायै नमः।
९७५ ॐ निवृत्त्यै नमः।
९७६ ॐ ज्ञानपारगायै नमः।
९७७ ॐ धर्मशास्त्रार्थकुशलायै नमः।
९७८ ॐ धर्मज्ञायै नमः।
९७९ ॐ धर्मवाहनायै नमः।
९८० ॐ धर्माधर्मविनिर्मात्र्यै नमः।
९८१ ॐ धार्मिकाणां शिवप्रदायै नमः।
९८२ ॐ धर्मशक्त्यै नमः।
९८३ ॐ धर्ममय्यै नमः।
९८४ ॐ विधर्मायै नमः।
९८५ ॐ विश्वधर्मिण्यै नमः।
९८६ ॐ धर्मान्तरायै नमः।
९८७ ॐ धर्ममध्यायै नमः।
९८८ ॐ धर्मपूर्वायै नमः।
९८९ ॐ धनप्रियायै नमः।
९९० ॐ धर्मोपदेशायै नमः।
९९१ ॐ धर्मात्मने नमः।
९९२ ॐ धर्मलभ्यायै नमः।
९९३ ॐ धराधरायै नमः।
९९४ ॐ कपाल्यै नमः।
९९५ ॐ शाकलामूर्त्यै नमः।
९९६ ॐ कलाकलितविग्रहायै नमः।
९९७ ॐ सर्वशक्तिविनिर्मुक्तायै नमः।
९९८ ॐ सर्वशक्त्याश्रयाश्रयायै नमः।
९९९ ॐ सर्वस्यै नमः।
१००० ॐ सर्वेश्वर्यै नमः।
१००१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
१००२ ॐ सुसूक्ष्मायै नमः।
१००३ ॐ ज्ञानरूपिण्यै नमः।
१००४ ॐ प्रधानपुरुषेशान्यै नमः।
१००५ ॐ महापुरुषसाक्षिण्यै नमः।
१००६ ॐ सदाशिवायै नमः।
१००७ ॐ वियन्मूर्त्यै नमः।
१००८ ॐ देवमूर्त्यै नमः।
१००९ ॐ अमूर्तिकायै नमः।

॥ इत्यार्षे श्रीमद्रामायणे वाल्मीकीये आदिकाव्ये अद्भुतोत्तरकाण्डे श्रीसीतासहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा।



॥ श्रीराधिकायै नमः ॥

श्रीराधिकासहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

हेमाभां द्विभुजां वराभयकरां नीलाम्बरेणावृतां
श्यामक्रोडविलासिनीं भगवतीं सिन्दूरपुञ्जोज्ज्वलाम्।
लोलाक्षीं नवयौवनां स्मितमुखीं विम्बाधरां राधिकां
नित्यानन्दमयीं विलासनिलयां दिव्याङ्गभूषां भजे॥*

श्रीपार्वत्युवाच

देवदेव जगन्नाथ भक्तानुग्रहकारक।
यद्यस्ति मयि कारुण्यं यद्यस्ति मयि ते दया॥ १॥
यद्यत् त्वया निगदितं तत्सर्वं मे श्रुतं प्रभो।
गुह्याद् गुह्यतरं यत्तु यत्ते मनसि काशते॥ २॥
त्वया न गदितं यत्तु यस्मै कस्मै कदाचन।
तस्मात् कथय देवेश सहस्रं नाम चोत्तमम्॥ ३॥
श्रीराधाया महादेव्या गोप्या भक्तिप्रसाधनम्।
ब्रह्माण्डकर्त्री हर्त्री सा कथं गोपीत्वमागता॥ ४॥

---

* 'जिनके गोरे-गोरे अङ्गोंकी हेममयी आभा है, जो दो भुजाओंसे युक्त हैं और दोनों हाथोंमें क्रमशः वर एवं अभयकी मुद्रा धारण करती हैं, नीले रंगकी रेशमी साड़ी जिनके श्रीअङ्गोंका आवरण बनी हुई है, जो श्यामसुन्दरके अङ्कमें विलास करती हैं, सीमन्तगत सिन्दूरपुञ्जसे जिनकी सौन्दर्यश्री और भी उद्भासित हो उठी है; चपल नयन, नित्य नूतन यौवन, मुखपर मन्दहासकी छटा तथा विम्बफलकी अरुणिमाको भी तिरस्कृत करनेवाला अधर-राग जिनका अनन्यसाधारण वैशिष्ट्य है, जो नित्य आनन्दमयी तथा विलासकी आवासभूमि हैं, जिनके अङ्गोंके आभूषण दिव्य (अलौकिक) हैं, उन भगवती श्रीराधिकाका मैं चिन्तन करता हूँ।'

श्रीमहादेव उवाच

श्रृणु देवि विचित्रार्थां कथां पापहरां शुभाम्।
नास्ति जन्मानि कर्माणि तस्या नूनं महेश्वरि॥ ५ ॥
यदा हरिश्चरित्राणि कुरुते कार्यगौरवात्।
तदा विधत्ते रूपाणि हरिसांनिध्यसाधिनी॥ ६ ॥
तस्या गोपीत्वभावस्य कारणं गदितं पुरा।
इदानीं श्रृणु देवेशि नाम्नां चैव सहस्रकम्॥ ७॥
यन्मया कथितं नैव तन्त्रेष्वपि कदाचन।
तव स्नेहात् प्रवक्ष्यामि भक्त्या धार्यं मुमुक्षुभिः॥ ८ ॥
मम प्राणसमा विद्या भाव्यते मे त्वहर्निशम्।
श्रृणुष्व गिरिजे नित्यं पठस्व च यथामति॥ ९ ॥
यस्याः प्रसादात् कृष्णस्तु गोलोकेशः परः प्रभुः।
अस्या नामसहस्रस्य ऋषिर्नारद एव च।
देवी राधा परा प्रोक्ता चतुर्वर्गप्रसाधिनी॥ १०॥

स्तोत्रम्

श्रीराधा राधिका कृष्णवल्लभा कृष्णसंयुता।
वृन्दावनेश्वरी कृष्णप्रिया मदनमोहिनी॥ ११॥
श्रीमती कृष्णकान्ता च कृष्णानन्दप्रदायिनी।
यशस्विनी यशोगम्या यशोदानन्दवल्लभा॥ १२॥
दामोदरप्रिया गोपी गोपानन्दकरी तथा।
कृष्णाङ्गवासिनी हृद्या हरिकान्ता हरिप्रिया॥ १३॥
प्रधानगोपिका गोपकन्या त्रैलोक्यसुन्दरी।
वृन्दावनविहारिणी विकसितमुखाम्बुजा॥ १४॥

गोकुलानन्दकर्त्री च गोकुलानन्ददायिनी।
गतिप्रदा गीतगम्या गमनागमनप्रिया॥ १५॥
विष्णुप्रिया विष्णुकान्ता विष्णोरङ्कनिवासिनी।
यशोदानन्दपत्नी च यशोदानन्दगेहिनी॥ १६॥
कामारिकान्ता कामेशी कामलालसविग्रहा।
जयप्रदा जया जीवा जीवानन्दप्रदायिनी॥ १७॥
नन्दनन्दनपत्नी च वृषभानुसुता शिवा।
गणाध्यक्षा गवाध्यक्षा गवां गतिरनुत्तमा॥ १८॥
काञ्चनाभा हेमगात्रा काञ्चनाङ्गदधारिणी।
अशोका शोकरहिता विशोका शोकनाशिनी॥ १९॥
गायत्री वेदमाता च वेदातीता विदुत्तमा।
नीतिशास्त्रप्रिया नीतिर्गतिर्मतिरभीष्टदा॥ २०॥
वेदप्रिया वेदगर्भा वेदमार्गप्रवर्धिनी।
वेदगम्या वेदपरा विचित्रकनकोज्ज्वला॥ २१॥
तथोज्ज्वलप्रदा नित्या तथैवोज्ज्वलगात्रिका।
नन्दप्रिया नन्दसुताराध्याऽऽनन्दप्रदा शुभा॥ २२॥
शुभाङ्गी विमलाङ्गी च विलासिन्यपराजिता।
जननी जन्मशून्या च जन्ममृत्युजरापहा॥ २३॥
गतिर्गतिमतां धात्री धात्र्यानन्दप्रदायिनी।
जगन्नाथप्रिया शैलवासिनी हेमसुन्दरी॥ २४॥
किशोरी कमला पद्मा पद्महस्ता पयोददा।
पयस्विनी पयोदात्री पवित्रा सर्वमङ्गला॥ २५॥

महाजीवप्रदा कृष्णकान्ता कमलसुन्दरी।
विचित्रवासिनी चित्रवासिनी चित्ररूपिणी॥ २६॥
निर्गुणा सुकुलीना च निष्कुलीना निराकुला।
गोकुलान्तरगेहा च योगानन्दकरी तथा॥ २७॥
वेणुवाद्या वेणुरतिर्वेणुवाद्यपरायणा।
गोपालस्य प्रिया सौम्यरूपा सौम्यकुलोद्वहा॥ २८॥
मोहामोहा विमोहा च गतिनिष्ठा गतिप्रदा।
गीर्वाणवन्द्या गीर्वाणा गीर्वाणगणसेविता॥ २९॥
ललिता च विशोका च विशाखा चित्रमालिनी।
जितेन्द्रिया शुद्धसत्त्वा कुलीना कुलदीपिका॥ ३०॥
दीपप्रिया दीपदात्री विमला विमलोदका।
कान्तारवासिनी कृष्णा कृष्णचन्द्रप्रिया मतिः॥ ३१॥
अनुत्तरा दुःखहन्त्री दुःखकर्त्री कुलोद्वहा।
मतिर्लक्ष्मीर्धृतिर्लज्जा कान्तिः पुष्टिः स्मृतिः क्षमा॥ ३२॥
क्षीरोदशायिनी देवी देवारिकुलमर्दिनी।
वैष्णवी च महालक्ष्मीः कुलपूज्या कुलप्रिया॥ ३३॥
संहर्त्री सर्वदैत्यानां सावित्री वेदगामिनी।
वेदातीता निरालम्बा निरालम्बगणप्रिया॥ ३४॥
निरालम्बजनैः पूज्या निरालोका निराश्रया।
एकाङ्गी सर्वगा सेव्या ब्रह्मपत्नी सरस्वती॥ ३५॥
रासप्रिया रासगम्या रासाधिष्ठातृदेवता।
रसिका रसिकानन्दा स्वयं रासेश्वरी परा॥ ३६॥

रासमण्डलमध्यस्था रासमण्डलशोभिता।
रासमण्डलसेव्या च रासक्रीडामनोहरा॥ ३७॥
पुण्डरीकाक्षनिलया पुण्डरीकाक्षगेहिनी।
पुण्डरीकाक्षसेव्या च पुण्डरीकाक्षवल्लभा॥ ३८॥
सर्वजीवेश्वरी सर्वजीववन्द्या परात्परा।
प्रकृतिः शम्भुकान्ता च सदाशिवमनोहरा॥ ३९॥
क्षुत् पिपासा दया निद्रा भ्रान्तिः श्रान्तिः क्षमाकुला।
वधूरूपा गोपपत्नी भारती सिद्धयोगिनी॥ ४०॥
सत्यरूपा नित्यरूपा नित्याङ्गी नित्यगेहिनी।
स्थानदात्री तथा धात्री महालक्ष्मीः स्वयंप्रभा॥ ४१॥
सिन्धुकन्याऽऽस्थानदात्री द्वारकावासिनी तथा।
बुद्धिः स्थितिः स्थानरूपा सर्वकारणकारणा॥ ४२॥
भक्तप्रिया भक्तगम्या भक्तानन्दप्रदायिनी।
भक्तकल्पद्रुमातीता तथातीतगुणा तथा॥ ४३॥
मनोऽधिष्ठातृदेवी च कृष्णप्रेमपरायणा।
निरामया सौम्यदात्री तथा मदनमोहिनी॥ ४४॥
एकानंशाशिवा क्षेमा दुर्गा दुर्गतिनाशिनी।
ईश्वरी सर्ववन्द्या च गोपनीया शुभङ्करी॥ ४५॥
पालिनी सर्वभूतानां तथा कामाङ्गहारिणी।
सद्योमुक्तिप्रदा देवी वेदसारा परात्परा॥ ४६॥
हिमालयसुता सर्वा पार्वती गिरिजा सती।
दक्षकन्या देवमाता मन्दलज्जा हरेस्तनूः॥ ४७॥

वृन्दारण्यप्रिया वृन्दा वृन्दावनविलासिनी।
विलासिनी वैष्णवी च ब्रह्मलोकप्रतिष्ठिता॥ ४८॥
रुक्मिणी रेवती सत्यभामा जाम्बवती तथा।
सुलक्ष्मणा मित्रविन्दा कालिन्दी जह्नुकन्यका॥ ४९॥
परिपूर्णा पूर्णतरा तथा हैमवती गतिः।
अपूर्वा ब्रह्मरूपा च ब्रह्माण्डपरिपालिनी॥ ५०॥
ब्रह्माण्डभाण्डमध्यस्था ब्रह्माण्डभाण्डरूपिणी।
अण्डरूपाण्डमध्यस्था तथाण्डपरिपालिनी॥ ५१॥
अण्डबाह्याण्डसंहर्त्री शिवब्रह्महरिप्रिया।
महाविष्णुप्रिया कल्पवृक्षरूपा निरन्तरा॥ ५२॥
सारभूता स्थिरा गौरी गौराङ्गी शशिशेखरा।
श्वेतचम्पकवर्णाभा शशिकोटिसमप्रभा॥ ५३॥
मालतीमाल्यभूषाढ्या मालतीमाल्यधारिणी।
कृष्णस्तुता कृष्णकान्ता वृन्दावनविलासिनी॥ ५४॥
तुलस्यधिष्ठातृदेवी संसारार्णवपारदा।
सारदाऽऽहारदाम्भोदा यशोदा गोपनन्दिनी॥ ५५॥
अतीतगमना गौरी परानुग्रहकारिणी।
करुणार्णवसम्पूर्णा करुणार्णवधारिणी॥ ५६॥
माधवी माधवमनोहारिणी श्यामवल्लभा।
अन्धकारभयध्वस्ता मङ्गल्या मङ्गलप्रदा॥ ५७॥
श्रीगर्भा श्रीप्रदा श्रीशा श्रीनिवासाच्युतप्रभा।
श्रीरूपा श्रीहरा श्रीदा श्रीकामा श्रीस्वरूपिणी॥ ५८॥

श्रीदामानन्ददात्री च श्रीदामेश्वरवल्लभा।
श्रीनितम्बा श्रीगणेशा श्रीस्वरूपाश्रिता श्रुतिः॥ ५९॥
श्रीक्रियारूपिणी श्रीला श्रीकृष्णभजनान्विता।
श्रीराधा श्रीमती श्रेष्ठा श्रेष्ठरूपा श्रुतिप्रिया॥ ६०॥
योगेशी योगमाता च योगातीता युगप्रिया।
योगप्रिया योगगम्या योगिनीगणवन्दिता॥ ६१॥
जवाकुसुमसंकाशा दाडिमीकुसुमोपमा।
नीलाम्बरधरा धीरा धैर्यरूपधराधृतिः॥ ६२॥
रत्नसिंहासनस्था च रत्नकुण्डलभूषिता।
रत्नालङ्कारसंयुक्ता रत्नमालाधरा परा॥ ६३॥
रत्नेन्द्रसारहाराढ्या रत्नमालाविभूषिता।
इन्द्रनीलमणिन्यस्तपादपद्मशुभा शुचिः॥ ६४॥
कार्तिकी पौर्णमासी च अमावस्या भयापहा।
गोविन्दराजगृहिणी गोविन्दगणपूजिता॥ ६५॥
वैकुण्ठनाथगृहिणी वैकुण्ठपरमालया।
वैकुण्ठदेवदेवाढ्या तथा वैकुण्ठसुन्दरी॥ ६६॥
मदालसा वेदवती सीता साध्वी पतिव्रता।
अन्नपूर्णा सदानन्दरूपा कैवल्यसुन्दरी॥ ६७॥
कैवल्यदायिनी श्रेष्ठा गोपीनाथमनोहरा।
गोपीनाथेश्वरी चण्डी नायिकानयनान्विता॥ ६८॥
नायिका नायकप्रीता नायकानन्दरूपिणी।
शेषा शेषवती शेषरूपिणी जगदम्बिका॥ ६९॥

गोपालपालिका माया जायाऽऽनन्दप्रदा तथा।
कुमारी यौवनानन्दा युवती गोपसुन्दरी॥ ७०॥
गोपमाता जानकी च जनकानन्दकारिणी।
कैलासवासिनी रम्भा वैराग्यकुलदीपिका॥ ७१॥
कमलाकान्तग्रहिणी कमला कमलालया।
त्रैलोक्यमाता जगतामधिष्ठात्री प्रियाम्बिका॥ ७२॥
हरकान्ता हररता हरानन्दप्रदायिनी।
हरपत्नी हरप्रीता हरतोषणतत्परा॥ ७३॥
हरेश्वरी रामरता रामा रामेश्वरी रमा।
श्यामला चित्रलेखा च तथा भुवनमोहिनी॥ ७४॥
सुगोपी गोपवनिता गोपराज्यप्रदा शुभा।
अङ्गारपूर्णा माहेयी मत्स्यराजसुतासती॥ ७५॥
कौमारी नारसिंही च वाराही नवदुर्गिका।
चञ्चलाचञ्चलामोदा नारीभुवनसुन्दरी॥ ७६॥
दक्षयज्ञहरा दाक्षी दक्षकन्या सुलोचना।
रतिरूपा रतिप्रीता रतिश्रेष्ठा रतिप्रदा॥ ७७॥
रतिलक्षणगेहस्था विरजा भुवनेश्वरी।
शङ्कास्पदा हरेर्जाया जामातृकुलवन्दिता॥ ७८॥
वकुला वकुलामोदधारिणी यमुनाजया।
विजया जयपत्नी च यमलार्जुनभञ्जिनी॥ ७९॥
वक्रेश्वरी वक्ररूपा वक्रवीक्षणवीक्षिता।
अपराजिता जगन्नाथा जगन्नाथेश्वरी यतिः॥ ८०॥

खेचरी खेचरसुता खेचरत्वप्रदायिनी।
विष्णुवक्षःस्थलस्था च विष्णुभावनतत्परा॥ ८१॥
चन्द्रकोटिसुगात्री च चन्द्राननमनोहरा।
सेवा सेव्या शिवा क्षेमा तथा क्षेमकरी वधूः॥ ८२॥
यादवेन्द्रवधूः शैब्या शिवभक्ता शिवान्विता।
केवला निष्कला सूक्ष्मा महाभीमाभयप्रदा॥ ८३॥
जीमूतरूपा जैमूती जितामित्रप्रमोदिनी।
गोपालवनिता नन्दा कुलजेन्द्रनिवासिनी॥ ८४॥
जयन्ती यमुनाङ्गी च यमुनातोषकारिणी।
कलिकल्मषभङ्गा च कलिकल्मषनाशिनी॥ ८५॥
कलिकल्मषरूपा च नित्यानन्दकरी कृपा।
कृपावती कुलवती कैलासाचलवासिनी॥ ८६॥
वामदेवी वामभागा गोविन्दप्रियकारिणी।
नरेन्द्रकन्या योगेशी योगिनी योगरूपिणी॥ ८७॥
योगसिद्धा सिद्धरूपा सिद्धक्षेत्रनिवासिनी।
क्षेत्राधिष्ठातृरूपा च क्षेत्रातीता कुलप्रदा॥ ८८॥
केशवानन्ददात्री च केशवानन्ददायिनी।
केशवा केशवप्रीता केशवी केशवप्रिया॥ ८९॥
रासक्रीडाकरी रासवासिनी राससुन्दरी।
गोकुलान्वितदेहा च गोकुलत्वप्रदायिनी॥ ९०॥
लवङ्गनाम्नी नारङ्गी नारङ्गकुलमण्डना।
एलालवङ्गकर्पूरमुखवासमुखान्विता ॥ ९१॥

मुख्या मुख्यप्रदा मुख्यरूपा मुख्यनिवासिनी।
नारायणी कृपातीता करुणामयकारिणी॥ ९२ ॥
कारुण्या करुणा कर्णा गोकर्णा नागकर्णिका।
सर्पिणी कौलिनी क्षेत्रवासिनी जगदन्वया॥ ९३ ॥
जटिला कुटिला नीला नीलाम्बरधरा शुभा।
नीलाम्बरविधात्री च नीलकण्ठप्रिया तथा॥ ९४ ॥
भगिनी भागिनी भोग्या कृष्णभोग्या भगेश्वरी।
बलेश्वरी बलाराध्या कान्ता कान्तनितम्बिनी॥ ९५ ॥
नितम्बिनी रूपवती युवती कृष्णपीवरी।
विभावरी वेत्रवती संकटा कुटिलालका॥ ९६ ॥
नारायणप्रिया शैला सृक्कणीपरिमोहिता।
दृक्पातमोहिता प्रातराशिनी नवनीतिका॥ ९७ ॥
नवीना नवनारी च नारङ्गफलशोभिता।
हैमी हेममुखी चन्द्रमुखी शशिसुशोभना॥ ९८ ॥
अर्द्धचन्द्रधरा चन्द्रवल्लभा रोहिणी तमिः।
तिमिंगिलकुलामोदमत्स्यरूपाङ्गहारिणी ॥ ९९ ॥
कारिणी सर्वभूतानां कार्यातीता किशोरिणी।
किशोरवल्लभा केशकारिका कामकारिका॥ १०० ॥
कामेश्वरी कामकला कालिन्दीकूलदीपिका॥ १०१ ॥
कलिन्दतनयातीरवासिनी तीरगेहिनी॥ १०२ ॥
कादम्बरीपानपरा कुसुमामोदधारिणी।
कुमुदा कुमुदानन्दा कृष्णेशी कामवल्लभा॥ १०३ ॥

तर्कोली वैजयन्ती च निम्बदाडिम्बरूपिणी।
बिल्ववृक्षप्रिया कृष्णाम्बरा बिल्वोपमस्तनी॥ १०४॥
बिल्वात्मिका बिल्ववसुर्बिल्ववृक्षनिवासिनी।
तुलसीतोषिका तैतिलानन्दपरितोषिका॥ १०५॥
गजमुक्ता महामुक्ता महामुक्तिफलप्रदा।
अनङ्गमोहिनी शक्तिरूपा शक्तिस्वरूपिणी॥ १०६॥
पञ्चशक्तिस्वरूपा च शैशवानन्दकारिणी।
गजेन्द्रगामिनी श्यामलतानङ्गलता तथा॥ १०७॥
योषिच्छक्तिस्वरूपा च योषिदानन्दकारिणी।
प्रेमप्रिया प्रेमरूपा प्रेमानन्दतरङ्गिणी॥ १०८॥
प्रेमहारा प्रेमदात्री प्रेमशक्तिमयी तथा।
कृष्णप्रेमवती धन्या कृष्णप्रेमतरङ्गिणी॥ १०९॥
प्रेमभक्तिप्रदा प्रेमा प्रेमानन्दतरङ्गिणी।
प्रेमक्रीडापरीताङ्गी प्रेमभक्तितरङ्गिणी॥ ११०॥
प्रेमार्थदायिनी सर्वश्वेता नित्यतरङ्गिणी।
हावभावान्विता रौद्रा रुद्रानन्दप्रकाशिनी॥ १११॥
कपिला शृङ्खला केशपाशसम्बन्धिनी धटी।
कुटीरवासिनी धूम्रा धूम्रकेशा जलोदरी॥ ११२॥
ब्रह्माण्डगोचरा ब्रह्मस्वरूपिणी भवभाविनी।
संसारनाशिनी शैवा शैवलानन्ददायिनी॥ ११३॥
शिशिरा हेमरागाढ्या मेघरूपातिसुन्दरी।
मनोरमा वेगवती वेगाढ्या वेददादिनी॥ ११४॥

दयान्विता दयाधारा दयारूपा सुसेविनी।
किशोरसङ्गसंसर्गा गौरचन्द्रानना कला॥ ११५॥
कलाधिनाथवदना कलानाथाधिरोहिणी।
विरागकुशला हेमपिङ्गला हेममण्डना॥ ११६॥
भाण्डीरतालवनगा कैवर्ती पीवरी शुकी।
शुकदेवगुणातीता शुकदेवप्रिया सखी॥ ११७॥
विकलोत्कर्षिणी कोषा कौशेयाम्बरधारिणी।
कौषावरी कोषरूपा जगदुत्पत्तिकारिका॥ ११८॥
सृष्टिस्थितिकरी संहारिणी संहारकारिणी।
केशशैवलधात्री च चन्द्रगात्रा सुकोमला॥ ११९॥
पद्माङ्गरागसंरागा विन्ध्याद्रिपरिवासिनी।
विन्ध्यालया श्यामसखी सखीसंसाररागिणी॥ १२०॥
भूता भविष्या भव्या च भव्यगात्रा भवातिगा।
भवनाशान्तकारिण्याकाशरूपा सुवेशिनी॥ १२१॥
रतिरङ्गपरित्यागा रतिवेगा रतिप्रदा।
तेजस्विनी तेजोरूपा कैवल्यपथदा शुभा॥ १२२॥
भक्तिहेतुर्मुक्तिहेतुर्लङ्घिनी लङ्घनक्षमा।
विशालनेत्रा वैशाली विशालकुलसम्भवा॥ १२३॥
विशालगृहवासा च विशालबदरीरतिः।
भक्त्यतीता भक्तिगतिर्भक्तिका शिवभक्तिदा॥ १२४॥
शिवभक्तिस्वरूपा च शिवार्द्धाङ्गविहारिणी।
शिरीषकुसुमामोदा शिरीषकुसुमोज्ज्वला॥ १२५॥

शिरीषमृद्वी शैरीषी शिरीषकुसुमाकृतिः।
वामाङ्गहारिणी विष्णोः शिवभक्तिसुखान्विता॥ १२६॥
विजिता विजितामोदा गणगा गणतोषिता।
हयास्या हेरम्बसुता गणमाता सुखेश्वरी॥ १२७॥
दुःखहन्त्री दुःखहरा सेवितेप्सितसर्वदा।
सर्वज्ञत्वविधात्री च कुलक्षेत्रनिवासिनी॥ १२८॥
लवङ्गा पाण्डवसखी सखीमध्यनिवासिनी।
ग्राम्यगीता गया गम्या गमनातीतनिर्भरा॥ १२९॥
सर्वाङ्गसुन्दरी गङ्गा गङ्गाजलमयी तथा।
गङ्गेरिता पूतगात्रा पवित्रकुलदीपिका॥ १३०॥
पवित्रगुणशीलाढ्या पवित्रानन्ददायिनी।
पवित्रगुणसीमाढ्या पवित्रकुलदीपिनी॥ १३१॥
कल्पमाना कंसहरा विन्ध्याचलनिवासिनी॥ १३२॥
गोवर्धनेश्वरी गोवर्धनहास्या हयाकृतिः॥ १३३॥
मीनावतारा मीनेशी गगनेशी हया गजी।
हरिणी हारिणी हारधारिणी कनकाकृतिः॥ १३४॥
विद्युत्प्रभा विप्रमाता गोपमाता गयेश्वरी।
गवेश्वरी गवेशी च गवीशी गतिवासिनी॥ १३५॥
गतिज्ञा गीतकुशला दनुजेन्द्रनिवारिणी।
निर्वाणधात्री नैर्वाणी हेतुयुक्ता गयोत्तरा॥ १३६॥
पर्वताधिनिवासा च निवासकुशला तथा।
संन्यासधर्मकुशला संन्यासेशी शरन्मुखी॥ १३७॥

शरच्चन्द्रमुखी श्यामहारा क्षेत्रनिवासिनी।
वसन्तरागसंरागा वसन्तवसनाकृतिः॥ १३८॥
चतुर्भुजा षड्भुजा च द्विभुजा गौरविग्रहा।
सहस्त्रास्या विहास्या च मुद्रास्या मुददायिनी॥ १३९॥
प्राणप्रिया प्राणरूपा प्राणरूपिण्यपावृता।
कृष्णप्रीता कृष्णरता कृष्णतोषणतत्परा॥ १४०॥
कृष्णप्रेमरता कृष्णभक्ता भक्तफलप्रदा।
कृष्णप्रेमा प्रेमभक्ता हरिभक्तिप्रदायिनी॥ १४१॥
चैतन्यरूपा चैतन्यप्रिया चैतन्यरूपिणी।
उग्ररूपा शिवक्रोडा कृष्णक्रोडा जलोदरी॥ १४२॥
महोदरी महादुर्गकान्तारसुस्थवासिनी।
चन्द्रावली चन्द्रकेशी चन्द्रप्रेमतरङ्गिणी॥ १४३॥
समुद्रमथनोद्भूता समुद्रजलवासिनी।
समुद्रामृतरूपा च समुद्रजलवासिका॥ १४४॥
केशपाशरता निद्रा क्षुधा प्रेमतरङ्गिका।
दूर्वादलश्यामतनुर्दूर्वादलतनुच्छविः॥ १४५॥
नागरी नागराराागा नागरानन्दकारिणी।
नागरालिङ्गनपरा नागराङ्गणमङ्गला॥ १४६॥
उच्चनीचा हैमवतीप्रिया कृष्णतरङ्गदा।
प्रेमालिङ्गनसिद्धाङ्गी सिद्धसाध्यविलासिका॥ १४७॥
मङ्गलामोदजननी मेखलामोदधारिणी।
रत्नमञ्जीरभूषाङ्गी रत्नभूषणभूषणा॥ १४८॥

जम्बालमालिका कृष्णप्राणा प्राणविमोचना।
सत्यप्रदा सत्यवती सेवकानन्ददायिका॥ १४९॥
जगद्योनिर्जगद्बीजा विचित्रमणिभूषणा।
राधारमणकान्ता च राध्या राधनरूपिणी॥ १५०॥
कैलासवासिनी कृष्णप्राणसर्वस्वदायिनी।
कृष्णावतारनिरता कृष्णभक्तफलार्थिनी॥ १५१॥
याचकायाचकानन्दकारिणी याचकोज्ज्वला।
हरिभूषणभूषाढ्याऽऽनन्दयुक्ताऽऽर्द्रपादगा ॥ १५२॥
है-है-तालधरा थै-थै-शब्दशक्तिप्रकाशिनी।
हे-हे-शब्दस्वरूपा च ही-ही-वाक्यविशारदा॥ १५३॥
जगदानन्दकर्त्री च सान्द्रानन्दविशारदा।
पण्डिता पण्डितगुणा पण्डितानन्दकारिणी॥ १५४॥
परिपालनकर्त्री च तथा स्थितिविनोदिनी।
तथा संहारशब्दाढ्या विद्वज्जनमनोहरा॥ १५५॥
विदुषां प्रीतिजननी विद्वत्प्रेमविवर्धिनी।
नादेशी नादरूपा च नादबिन्दुविधारिणी॥ १५६॥
शून्यस्थानस्थिता शून्यरूपपादपवासिनी।
कार्तिकव्रतकर्त्री च वसनाहारिणी तथा॥ १५७॥
जलाशया जलतला शिलातलनिवासिनी।
क्षुद्रकीटाङ्गसंसर्गा सङ्गदोषविनाशिनी॥ १५८॥
कोटिकन्दर्पलावण्या कोटिकन्दर्पसुन्दरी।
कन्दर्पकोटिजननी कामबीजप्रदायिनी॥ १५९॥

कामशास्त्रविनोदा च कामशास्त्रप्रकाशिनी।
कामप्रकाशिका कामिन्यणिमाद्यष्टसिद्धिदा॥ १६० ॥
यामिनी यामिनीनाथवदना यामिनीश्वरी।
यागयोगहरा भुक्तिमुक्तिदात्री हिरण्यदा॥ १६१ ॥
कपालमालिनी देवी धामरूपिण्यपूर्वदा।
कृपान्विता गुणागौण्या गुणातीतफलप्रदा॥ १६२ ॥
कूष्माण्डभूतवेतालनाशिनी शरदान्विता।
शीतला शबला हेला लीला लावण्यमङ्गला॥ १६३ ॥
विद्यार्थिनी विद्यमाना विद्या विद्यास्वरूपिणी।
आन्वीक्षिकीशास्त्ररूपा शास्त्रसिद्धान्तकारिणी ॥ १६४ ॥
नागेन्द्रा नागमाता च क्रीडाकौतुकरूपिणी
हरिभावनशीला च हरितोषणतत्परा॥ १६५ ॥
हरिप्राणा हरप्राणा शिवप्राणा शिवान्विता।
नरकार्णवसंहर्त्री नरकार्णवनाशिनी॥ १६६ ॥
नरेश्वरी नरातीता नरसेव्या नराङ्गना।
यशोदानन्दनप्राणवल्लभा हरिवल्लभा॥ १६७ ॥
यशोदानन्दनारम्या यशोदानन्दनेश्वरी।
यशोदानन्दनाक्रीडा यशोदाक्रोडवासिनी॥ १६८ ॥
यशोदानन्दनप्राणा यशोदानन्दनार्थदा।
वत्सला कोशला काला करुणार्णवरूपिणी॥ १६९ ॥
स्वर्गलक्ष्मीर्भूमिलक्ष्मीर्द्रौपदी पाण्डवप्रिया।
तथार्जुनसखी भौमी भैमी भीमकुलोद्भवा॥ १७० ॥

भुवनामोहना क्षीणा पानासक्ततरा तथा।
पानार्थिनी पानपात्रा पानपानन्ददायिनी॥ १७१॥
दुग्धमन्थनकर्माढ्या दधिमन्थनतत्परा।
दधिभाण्डार्थिनी कृष्णक्रोधिनी नन्दनाङ्गना॥ १७२॥
घृतलिप्ता तक्रयुक्ता यमुनापारकौतुका।
विचित्रकथका कृष्णहास्यभाषणतत्परा॥ १७३॥
गोपाङ्गनावेष्टिता च कृष्णसङ्गार्थिनी तथा।
रासासक्ता रासरतिरासवासक्तवासना॥ १७४॥
हरिद्रा हारिता हारिण्यानन्दार्पितचेतना।
निश्चैतन्या च निश्चेता तथा दारुहरिद्रिका॥ १७५॥
सुबलस्य स्वसा कृष्णभार्या भाषातिवेगिनी।
श्रीदामस्य सखी दामदामिनी दामधारिणी॥ १७६॥
कैलासिनी केशिनी च हरिदम्बरधारिणी।
हरिसांनिध्यदात्री च हरिकौतुकमङ्गला॥ १७७॥
हरिप्रदा हरिद्वारा यमुनाजलवासिनी।
जैत्रप्रदा जितार्थी च चतुरा चातुरी तमी॥ १७८॥
तमिस्राऽऽतपरूपा च रौद्ररूपा यशोऽर्थिनी।
कृष्णार्थिनी कृष्णकला कृष्णानन्दविधायिनी॥ १७९॥
कृष्णार्थवासना कृष्णरागिणी भवभाविनी।
कृष्णार्थरहिता भक्ता भक्तभक्तिशुभप्रदा॥ १८०॥
श्रीकृष्णरहिता दीना तथा विरहिणी हरेः।
मथुरा मथुराराजगेहभावनभावना॥ १८१॥

श्रीकृष्णभावना मोदा तथोन्मादविधायिनी।
कृष्णार्थव्याकुला कृष्णसारचर्मधरा शुभा॥ १८२॥
अलकेश्वरपूज्या च कुबेरेश्वरवल्लभा।
धनधान्यविधात्री च जाया काया हया हयी॥ १८३॥
प्रणवा प्रणवेशी च प्रणवार्थस्वरूपिणी।
ब्रह्मविष्णुशिवार्धाङ्गहारिणी शैवशिंशपा॥ १८४॥
राक्षसीनाशिनी भूतप्रेतप्राणविनाशिनी।
सकलेप्सितदात्री च शची साध्वी अरुन्धती॥ १८५॥
पतिव्रता पतिप्राणा पतिवाक्यविनोदिनी।
अशेषासाधिनी कल्पवासिनी कल्परूपिणी॥ १८६॥

फलश्रुतिः

इत्येतत् कथितं देवि राधानामसहस्रकम्।
यः पठेत् पाठयेद्वापि तस्य तुष्यति माधवः॥ १८७॥
किं तस्य यमुनाभिर्वा नदीभिः सर्वतः प्रिये।
कुरुक्षेत्रादितीर्थैश्च यस्य तुष्टो जनार्दनः॥ १८८॥
स्तोत्रस्यास्य प्रसादेन किं न सिध्यति भूतले।
ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चाः स्यात् क्षत्रियो जगतीपतिः॥ १८९॥
वैश्यो निधिपतिर्भूयाच्छूद्रो मुच्येत जन्मतः।
ब्रह्महत्यासुरापानस्तेयादेरतिपातकात्॥ १९०॥
सद्यो मुच्येत देवेशि सत्यं सत्यं न संशयः।
राधानामसहस्रस्य समानं नास्ति भूतले॥ १९१॥
स्वर्गे वाप्यथ पाताले गिरौ वा जलतोऽपि वा।
नातः परं शुभं स्तोत्रं तीर्थं नातः परं परम्॥ १९२॥

एकादश्यां शुचिर्भूत्वा यः पठेत् सुसमाहितः।
तस्य सर्वार्थसिद्धिः स्यात् शृणुयाद् वा सुशोभने।
द्वादश्यां पौर्णमास्यां वा तुलसीसंनिधौ शिवे।
यः पठेच्छृणुयाद्वापि तस्य तत्तत् फलं शृणु॥ १९३॥
अश्वमेधं राजसूयं बार्हस्पत्यं तथाऽऽत्रिकम्।
अतिरात्रं वाजपेयमग्निष्टोमं तथा शुभम्॥ १९४॥
कृत्वा यत्फलमाप्नोति श्रुत्वा तत्फलमाप्नुयात्।
कार्तिके चाष्टमीं प्राप्य पठेद्वा शृणुयादपि॥ १९५॥
सहस्रयुगकल्पान्तं वैकुण्ठवसतिं लभेत्।
ततश्च ब्रह्मभवने शिवस्य भवने पुनः॥ १९६॥
सुराधिनाथभवने पुनर्याति सलोकताम्।
गङ्गातीरं समासाद्य यः पठेच्छृणुयादपि॥ १९७॥
विष्णोः सारूप्यमायाति सत्यं सत्यं सुरेश्वरि।
मम वक्त्रगिरेर्जाता पार्वतीवदनाश्रिता॥ १९८॥
राधानामसहस्राख्या नदी त्रैलोक्यपावनी।
पठ्यते हि मया नित्यं भक्त्या शक्त्या यथोचितम्॥ १९९॥
मम प्राणसमं ह्यन्यत् तव प्रीत्या प्रकाशितम्।
नाभक्ताय प्रदातव्यं पाखण्डाय कदाचन॥ २००॥
नास्तिकाय विरागाय रागयुक्ताय सुन्दरि।
तथा देयं महास्तोत्रं हरिभक्ताय शंकरि॥ २०१॥
वैष्णवेषु यथाशक्तिदात्रे पुण्यार्थशालिने॥ २०२॥

राधानामसुधावारि मम वक्त्रसुधाम्बुधेः।
उद्धृतासौ त्वया यत्नाद् यतस्त्वं वैष्णवाग्रणीः॥ २०३॥
विशुद्धसत्त्वाय यथार्थवादिने
द्विजस्य सेवानिरताय मन्त्रिणे।
दात्रे यथाशक्ति सुभक्तिमानसे
राधापदध्यानपराय शोभने॥ २०४॥
हरिपादाङ्कमधुपमनोभूताय मानसे।
राधापादसुधास्वादशालिने वैष्णवाय च॥ २०५॥
दद्यात् स्तोत्रं महापुण्यं हरिभक्तिप्रसाधनम्।
जन्मान्तरं न पश्यन्ति राधाकृष्णपदार्थिनः॥ २०६॥
मम प्राणा वैष्णवा हि तेषां रक्षार्थमेव हि।
शूलं मया धार्यते हि नान्यथा मेऽत्र कारणम्॥ २०७॥
हरिभक्तिद्विषामर्थे शूलं संधार्यते मया।
शृणु देवि यथार्थं मे गदितं मयि सुव्रते॥ २०८॥
भक्तासि मे प्रियासि त्वमतः स्नेहात् प्रकाशितम्।
कदापि नोच्यते देवि मया नामसहस्रकम्॥ २०९॥

॥ इति श्रीनारदपाञ्चरात्रे ज्ञानामृतसारे श्रीराधिकासहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीराधिकायै नमः ॥

श्रीराधिकासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ श्रीराधायै नमः।
२ ॐ राधिकायै नमः।
३ ॐ कृष्णवल्लभायै नमः।
४ ॐ कृष्णसंयुतायै नमः।
५ ॐ वृन्दावनेश्वर्यै नमः।
६ ॐ कृष्णप्रियायै नमः।
७ ॐ मदनमोहिन्यै नमः।
८ ॐ श्रीमत्यै कृष्णकान्तायै नमः।
९ ॐ कृष्णानन्दप्रदायिन्यै नमः।
१० ॐ यशस्विन्यै नमः।
११ ॐ यशोगम्यायै नमः।
१२ ॐ यशोदानन्दवल्लभायै नमः।
१३ ॐ दामोदरप्रियायै नमः।
१४ ॐ गोप्यै नमः।
१५ ॐ गोपानन्दकर्यै नमः।
१६ ॐ कृष्णाङ्गवासिन्यै नमः।
१७ ॐ हृद्यायै नमः।
१८ ॐ हरिकान्तायै नमः।
१९ ॐ हरिप्रियायै नमः।
२० ॐ प्रधानगोपिकायै नमः।
२१ ॐ गोपकन्यायै नमः।
२२ ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
२३ ॐ वृन्दावनविहारिण्यै नमः।
२४ ॐ विकसितमुखाम्बुजायै नमः।
२५ ॐ गोकुलानन्दकर्त्र्यै नमः।
२६ ॐ गोकुलानन्ददायिन्यै नमः।
२७ ॐ गतिप्रदायै नमः।
२८ ॐ गीतगम्यायै नमः।
२९ ॐ गमनागमनप्रियायै नमः।
३० ॐ विष्णुप्रियायै नमः।
३१ ॐ विष्णुकान्तायै नमः।
३२ ॐ विष्णोरङ्कनिवासिन्यै नमः।
३३ ॐ यशोदानन्दपत्न्यै नमः।
३४ ॐ यशोदानन्दगेहिन्यै नमः।
३५ ॐ कामारिकान्तायै नमः।
३६ ॐ कामेश्यै नमः।
३७ ॐ कामलालसविग्रहायै नमः।
३८ ॐ जयप्रदायै नमः।
३९ ॐ जयायै नमः।
४० ॐ जीवायै नमः।
४१ ॐ जीवानन्दप्रदायिन्यै नमः।
४२ ॐ नन्दनन्दनपत्न्यै नमः।

४३ ॐ वृषभानुसुतायै नमः।
४४ ॐ शिवायै नमः।
४५ ॐ गणाध्यक्षायै नमः।
४६ ॐ गवाध्यक्षायै नमः।
४७ ॐ गवामनुत्तमायै गत्यै नमः।
४८ ॐ काञ्चनाभायै नमः।
४९ ॐ हेमगात्रायै नमः।
५० ॐ काञ्चनाङ्गदधारिण्यै नमः।
५१ ॐ अशोकायै नमः।
५२ ॐ शोकरहितायै नमः।
५३ ॐ विशोकायै नमः।
५४ ॐ शोकनाशिन्यै नमः।
५५ ॐ गायत्र्यै नमः।
५६ ॐ वेदमात्रे नमः।
५७ ॐ वेदातीतायै नमः।
५८ ॐ विदुत्तमायै नमः।
५९ ॐ नीतिशास्त्रप्रियायै नमः।
६० ॐ नीत्यै नमः।
६१ ॐ गत्यै नमः।
६२ ॐ मत्यै नमः।
६३ ॐ अभीष्टदायै नमः।
६४ ॐ वेदप्रियायै नमः।
६५ ॐ वेदगर्भायै नमः।
६६ ॐ वेदमार्गप्रवर्द्धिन्यै नमः।
६७ ॐ वेदगम्यायै नमः।
६८ ॐ वेदपरायै नमः।
६९ ॐ विचित्रकनकोज्ज्वलायै नमः।
७० ॐ उज्ज्वलप्रदायै नमः।
७१ ॐ नित्यायै नमः।
७२ ॐ उज्ज्वलगात्रिकायै नमः।
७३ ॐ नन्दप्रियायै नमः।
७४ ॐ नन्दसुताराध्यायै नमः।
७५ ॐ आनन्दप्रदायै नमः।
७६ ॐ शुभायै नमः।
७७ ॐ शुभाङ्ग्यै नमः।
७८ ॐ विमलाङ्ग्यै नमः।
७९ ॐ विलासिन्यै नमः।
८० ॐ अपराजितायै नमः।
८१ ॐ जनन्यै नमः।
८२ ॐ जन्मशून्यायै नमः।
८३ ॐ जन्ममृत्युजरापहायै नमः।
८४ ॐ गतिमतां गत्यै नमः।
८५ ॐ धात्र्यै नमः।
८६ ॐ धात्र्यानन्दप्रदायिन्यै नमः।
८७ ॐ जगन्नाथप्रियायै नमः।
८८ ॐ शैलवासिन्यै नमः।
८९ ॐ हेमसुन्दर्यै नमः।
९० ॐ किशोर्यै नमः।
९१ ॐ कमलायै नमः।
९२ ॐ पद्मायै नमः।
९३ ॐ पद्महस्तायै नमः।
९४ ॐ पयोददायै नमः।
९५ ॐ पयस्विन्यै नमः।
९६ ॐ पयोदात्र्यै नमः।
९७ ॐ पवित्रायै नमः।
९८ ॐ सर्वमङ्गलायै नमः।

९९ ॐ महाजीवप्रदायै नमः।
१०० ॐ कृष्णकान्तायै नमः।
१०१ ॐ कमलसुन्दर्यै नमः।
१०२ ॐ विचित्रवासिन्यै नमः।
१०३ ॐ चित्रवासिन्यै नमः।
१०४ ॐ चित्ररूपिण्यै नमः।
१०५ ॐ निर्गुणायै नमः।
१०६ ॐ सुकुलीनायै नमः।
१०७ ॐ निष्कुलीनायै नमः।
१०८ ॐ निराकुलायै नमः।
१०९ ॐ गोकुलान्तरगेहायै नमः।
११० ॐ योगानन्दकर्यै नमः।
१११ ॐ वेणुवाद्यायै नमः।
११२ ॐ वेणुरत्यै नमः।
११३ ॐ वेणुवाद्यपरायणायै नमः।
११४ ॐ गोपालस्य प्रियायै नमः।
११५ ॐ सौम्यरूपायै नमः।
११६ ॐ सौम्यकुलोद्वहायै नमः।
११७ ॐ मोहामोहायै नमः।
११८ ॐ विमोहायै नमः।
११९ ॐ गतिनिष्ठायै नमः।
१२० ॐ गतिप्रदायै नमः।
१२१ ॐ गीर्वाणवन्द्यायै नमः।
१२२ ॐ गीर्वाणायै नमः।
१२३ ॐ गीर्वाणगणसेवितायै नमः।
१२४ ॐ ललितायै नमः।
१२५ ॐ विशोकायै नमः।
१२६ ॐ विशाखायै नमः।
१२७ ॐ चित्रमालिन्यै नमः।
१२८ ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
१२९ ॐ शुद्धसत्त्वायै नमः।
१३० ॐ कुलीनायै नमः।
१३१ ॐ कुलदीपिकायै नमः।
१३२ ॐ दीपप्रियायै नमः।
१३३ ॐ दीपदात्र्यै नमः।
१३४ ॐ विमलायै नमः।
१३५ ॐ विमलोदकायै नमः।
१३६ ॐ कान्तारवासिन्यै नमः।
१३७ ॐ कृष्णायै नमः।
१३८ ॐ कृष्णचन्द्रप्रियायै नमः।
१३९ ॐ मत्यै नमः।
१४० ॐ अनुत्तरायै नमः।
१४१ ॐ दुःखहन्त्र्यै नमः।
१४२ ॐ दुःखकर्त्र्यै नमः।
१४३ ॐ कुलोद्वहायै नमः।
१४४ ॐ मत्यै नमः।
१४५ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१४६ ॐ धृत्यै नमः।
१४७ ॐ लज्जायै नमः।
१४८ ॐ कान्त्यै नमः।
१४९ ॐ पुष्ट्यै नमः।
१५० ॐ स्मृत्यै नमः।
१५१ ॐ क्षमायै नमः।
१५२ ॐ क्षीरोदशायिन्यै नमः।
१५३ ॐ देव्यै नमः।
१५४ ॐ देवारिकुलमर्दिन्यै नमः।
१५५ ॐ वैष्णव्यै नमः।
१५६ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।

१५७ ॐ कुलपूज्यायै नमः।
१५८ ॐ कुलप्रियायै नमः।
१५९ ॐ सर्वदैत्यानां संहर्त्र्यै नमः।
१६० ॐ सावित्र्यै नमः।
१६१ ॐ वेदगामिन्यै नमः।
१६२ ॐ वेदातीतायै नमः।
१६३ ॐ निरालम्बायै नमः।
१६४ ॐ निरालम्बगणप्रियायै नमः।
१६५ ॐ निरालम्बजनैः पूज्यायै नमः।
१६६ ॐ निरालोकायै नमः।
१६७ ॐ निराश्रयायै नमः।
१६८ ॐ एकाङ्ग्यै नमः।
१६९ ॐ सर्वगायै नमः।
१७० ॐ सेव्यायै नमः।
१७१ ॐ ब्रह्मपत्न्यै नमः।
१७२ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१७३ ॐ रासप्रियायै नमः।
१७४ ॐ रासगम्यायै नमः।
१७५ ॐ रासाधिष्ठातृदेवतायै नमः।
१७६ ॐ रसिकायै नमः।
१७७ ॐ रसिकानन्दायै नमः।
१७८ ॐ स्वयं रासेश्वर्यै परस्यै नमः।
१७९ ॐ रासमण्डलमध्यस्थायै नमः।
१८० ॐ रासमण्डलशोभितायै नमः।
१८१ ॐ रासमण्डलसेव्यायै नमः।
१८२ ॐ रासक्रीडामनोहरायै नमः।
१८३ ॐ पुण्डरीकाक्षनिलयायै नमः।
१८४ ॐ पुण्डरीकाक्षगेहिन्यै नमः।
१८५ ॐ पुण्डरीकाक्षसेव्यायै नमः।
१८६ ॐ पुण्डरीकाक्षवल्लभायै नमः।
१८७ ॐ सर्वजीवेश्वर्यै नमः।
१८८ ॐ सर्वजीववन्द्यायै नमः।
१८९ ॐ परात्परस्यै नमः।
१९० ॐ प्रकृत्यै नमः।
१९१ ॐ शम्भुकान्तायै नमः।
१९२ ॐ सदाशिवमनोहरायै नमः।
१९३ ॐ क्षुते नमः।
१९४ ॐ पिपासायै नमः।
१९५ ॐ दयायै नमः।
१९६ ॐ निद्रायै नमः।
१९७ ॐ भ्रान्त्यै नमः।
१९८ ॐ श्रान्त्यै नमः।
१९९ ॐ क्षमाकुलायै नमः।
२०० ॐ वधूरूपायै नमः।
२०१ ॐ गोपपत्न्यै नमः।
२०२ ॐ भारत्यै नमः।
२०३ ॐ सिद्धयोगिन्यै नमः।
२०४ ॐ सत्यरूपायै नमः।
२०५ ॐ नित्यरूपायै नमः।
२०६ ॐ नित्याङ्ग्यै नमः।
२०७ ॐ नित्यगेहिन्यै नमः।
२०८ ॐ स्थानदात्र्यै नमः।
२०९ ॐ धात्र्यै नमः।
२१० ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
२११ ॐ स्वयंप्रभायै नमः।
२१२ ॐ सिन्धुकन्यायै नमः।
२१३ ॐ आस्थानदात्र्यै नमः।
२१४ ॐ द्वारकावासिन्यै नमः।

२१५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
२१६ ॐ स्थित्यै नमः।
२१७ ॐ स्थानरूपायै नमः।
२१८ ॐ सर्वकारणकारणायै नमः।
२१९ ॐ भक्तप्रियायै नमः।
२२० ॐ भक्तगम्यायै नमः।
२२१ ॐ भक्तानन्दप्रदायिन्यै नमः।
२२२ ॐ भक्तकल्पद्रुमातीतायै नमः।
२२३ ॐ अतीतगुणायै नमः।
२२४ ॐ मनोऽधिष्ठातृदेव्यै नमः।
२२५ ॐ कृष्णप्रेमपरायणायै नमः।
२२६ ॐ निरामयायै नमः।
२२७ ॐ सौम्यदात्र्यै नमः।
२२८ ॐ मदनमोहिन्यै नमः।
२२९ ॐ एकानंशाशिवायै नमः।
२३० ॐ क्षेमायै नमः।
२३१ ॐ दुर्गायै नमः।
२३२ ॐ दुर्गतिनाशिन्यै नमः।
२३३ ॐ ईश्वर्यै नमः।
२३४ ॐ सर्ववन्द्यायै नमः।
२३५ ॐ गोपनीयायै नमः।
२३६ ॐ शुभङ्कर्यै नमः।
२३७ ॐ सर्वभूतानां पालिन्यै नमः।
२३८ ॐ कामाङ्गहारिण्यै नमः।
२३९ ॐ सद्यो मुक्तिप्रदायै नमः।
२४० ॐ देव्यै नमः।
२४१ ॐ वेदसारायै नमः।
२४२ ॐ परात्परस्यै नमः।
२४३ ॐ हिमालयसुतायै नमः।
२४४ ॐ सर्वस्यै नमः।
२४५ ॐ पार्वत्यै नमः।
२४६ ॐ गिरिजायै नमः।
२४७ ॐ सत्यै नमः।
२४८ ॐ दक्षकन्यायै नमः।
२४९ ॐ देवमात्रे नमः।
२५० ॐ मन्दलज्जायै नमः।
२५१ ॐ हरेस्तन्वै नमः।
२५२ ॐ वृन्दारण्यप्रियायै नमः।
२५३ ॐ वृन्दायै नमः।
२५४ ॐ वृन्दावनविलासिन्यै नमः।
२५५ ॐ विलासिन्यै नमः।
२५६ ॐ वैष्णव्यै नमः।
२५७ ॐ ब्रह्मलोकप्रतिष्ठितायै नमः।
२५८ ॐ रुक्मिण्यै नमः।
२५९ ॐ रेवत्यै नमः।
२६० ॐ सत्यभामायै नमः।
२६१ ॐ जाम्बवत्यै नमः।
२६२ ॐ सुलक्ष्मणायै नमः।
२६३ ॐ मित्रविन्दायै नमः।
२६४ ॐ कालिन्द्यै नमः।
२६५ ॐ जह्नुकन्यकायै नमः।
२६६ ॐ परिपूर्णायै नमः।
२६७ ॐ पूर्णतरायै नमः।
२६८ ॐ हैमवत्यै नमः।
२६९ ॐ गत्यै नमः।
२७० ॐ अपूर्वायै नमः।
२७१ ॐ ब्रह्मरूपायै नमः।
२७२ ॐ ब्रह्माण्डपरिपालिन्यै नमः।

२७३ ॐ ब्रह्माण्डभाण्डमध्यस्थायै नमः।
२७४ ॐ ब्रह्माण्डभाण्डरूपिण्यै नमः।
२७५ ॐ अण्डरूपायै नमः।
२७६ ॐ अण्डमध्यस्थायै नमः।
२७७ ॐ अण्डपरिपालिन्यै नमः।
२७८ ॐ अण्डबाह्यायै नमः।
२७९ ॐ अण्डसंहर्त्र्यै नमः।
२८० ॐ शिवब्रह्महरिप्रियायै नमः।
२८१ ॐ महाविष्णुप्रियायै नमः।
२८२ ॐ कल्पवृक्षरूपायै नमः।
२८३ ॐ निरन्तरायै नमः।
२८४ ॐ सारभूतायै नमः।
२८५ ॐ स्थिरायै नमः।
२८६ ॐ गौर्यै नमः।
२८७ ॐ गौराङ्ग्यै नमः।
२८८ ॐ शशिशेखरायै नमः।
२८९ ॐ श्वेतचम्पकवर्णाभायै नमः।
२९० ॐ शशिकोटिसमप्रभायै नमः।
२९१ ॐ मालतीमाल्यभूषाढ्यायै नमः।
२९२ ॐ मालतीमाल्यधारिण्यै नमः।
२९३ ॐ कृष्णास्तुतायै नमः।
२९४ ॐ कृष्णाकान्तायै नमः।
२९५ ॐ वृन्दावनविलासिन्यै नमः।
२९६ ॐ तुलस्यधिष्ठातृदेव्यै नमः।
२९७ ॐ संसारार्णवपारदायै नमः।
२९८ ॐ सारदायै नमः।
२९९ ॐ आहारदायै नमः।
३०० ॐ अम्भोदायै नमः।
३०१ ॐ यशोदायै नमः।
३०२ ॐ गोपनन्दिन्यै नमः।
३०३ ॐ अतीतगमनायै नमः।
३०४ ॐ गौर्यै नमः।
३०५ ॐ परानुग्रहकारिण्यै नमः।
३०६ ॐ करुणार्णवसम्पूर्णायै नमः।
३०७ ॐ करुणार्णवधारिण्यै नमः।
३०८ ॐ माधव्यै नमः।
३०९ ॐ माधवमनोहारिण्यै नमः।
३१० ॐ श्यामवल्लभायै नमः।
३११ ॐ अन्धकारभयध्वस्तायै नमः।
३१२ ॐ मङ्गल्यायै नमः।
३१३ ॐ मङ्गलप्रदायै नमः।
३१४ ॐ श्रीगर्भायै नमः।
३१५ ॐ श्रीप्रदायै नमः।
३१६ ॐ श्रीशायै नमः।
३१७ ॐ श्रीनिवासायै नमः।
३१८ ॐ अच्युतप्रभायै नमः।
३१९ ॐ श्रीरूपायै नमः।
३२० ॐ श्रीहरायै नमः।
३२१ ॐ श्रीदायै नमः।
३२२ ॐ श्रीकामायै नमः।
३२३ ॐ श्रीस्वरूपिण्यै नमः।
३२४ ॐ श्रीदामानन्ददात्र्यै नमः।
३२५ ॐ श्रीदामेश्वरवल्लभायै नमः।
३२६ ॐ श्रीनितम्बायै नमः।
३२७ ॐ श्रीगणेशायै नमः।
३२८ ॐ श्रीस्वरूपाश्रितायै नमः।
३२९ ॐ श्रुत्यै नमः।
३३० ॐ श्रीक्रियारूपिण्यै नमः।

३३१ ॐ श्रीलायै नमः।
३३२ ॐ श्रीकृष्णभजनान्वितायै नमः।
३३३ ॐ श्रीराधायै नमः।
३३४ ॐ श्रीमत्यै नमः।
३३५ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
३३६ ॐ श्रेष्ठरूपायै नमः।
३३७ ॐ श्रुतिप्रियायै नमः।
३३८ ॐ योगेश्यै नमः।
३३९ ॐ योगमात्रे नमः।
३४० ॐ योगातीतायै नमः।
३४१ ॐ युगप्रियायै नमः।
३४२ ॐ योगप्रियायै नमः।
३४३ ॐ योगगम्यायै नमः।
३४४ ॐ योगिनीगणवन्दितायै नमः।
३४५ ॐ जवाकुसुमसंकाशायै नमः।
३४६ ॐ दाडिमीकुसुमोपमायै नमः।
३४७ ॐ नीलाम्बरधरायै नमः।
३४८ ॐ धीरायै नमः।
३४९ ॐ धैर्यरूपधराधृत्यै नमः।
३५० ॐ रत्नसिंहासनस्थायै नमः।
३५१ ॐ रत्नकुण्डलभूषितायै नमः।
३५२ ॐ रत्नालङ्कारसंयुक्तायै नमः।
३५३ ॐ रत्नमालाधरायै नमः।
३५४ ॐ परस्यै नमः।
३५५ ॐ रत्नेन्द्रसारहाराढ्यायै नमः।
३५६ ॐ रत्नमालाविभूषितायै नमः।
३५७ ॐ इन्द्रनीलमणिन्यस्तपादपद्म-
शुभायै नमः।
३५८ ॐ शुच्यै नमः।
३५९ ॐ कार्तिक्यै नमः।
३६० ॐ पौर्णमास्यै नमः।
३६१ ॐ अमावस्यायै नमः।
३६२ ॐ भयापघ्न्यै नमः।
३६३ ॐ गोविन्दराजगृहिण्यै नमः।
३६४ ॐ गोविन्दगणपूजितायै नमः।
३६५ ॐ वैकुण्ठनाथगृहिण्यै नमः।
३६६ ॐ वैकुण्ठपरमालयायै नमः।
३६७ ॐ वैकुण्ठदेवदेवाढ्यायै नमः।
३६८ ॐ वैकुण्ठसुन्दर्यै नमः।
३६९ ॐ मदालसायै नमः।
३७० ॐ वेदवत्यै नमः।
३७१ ॐ सीतायै नमः।
३७२ ॐ साध्व्यै नमः।
३७३ ॐ पतिव्रतायै नमः।
३७४ ॐ अन्नपूर्णायै नमः।
३७५ ॐ सदानन्दरूपायै नमः।
३७६ ॐ कैवल्यसुन्दर्यै नमः।
३७७ ॐ कैवल्यदायिन्यै नमः।
३७८ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
३७९ ॐ गोपीनाथमनोहरायै नमः।
३८० ॐ गोपीनाथेश्वर्यै नमः।
३८१ ॐ चण्ड्यै नमः।
३८२ ॐ नायिकानयनान्वितायै नमः।
३८३ ॐ नायिकायै नमः।
३८४ ॐ नायकप्रीतायै नमः।
३८५ ॐ नायकानन्दरूपिण्यै नमः।
३८६ ॐ शेषायै नमः।
३८७ ॐ शेषवत्यै नमः।

३८८ ॐ शेषरूपिण्यै नमः।
३८९ ॐ जगदम्बिकायै नमः।
३९० ॐ गोपालपालिकायै नमः।
३९१ ॐ मायायै नमः।
३९२ ॐ जायाऽऽनन्दप्रदायै नमः।
३९३ ॐ कुमार्यै नमः।
३९४ ॐ यौवनानन्दायै नमः।
३९५ ॐ युवत्यै नमः।
३९६ ॐ गोपसुन्दर्यै नमः।
३९७ ॐ गोपमात्रे नमः।
३९८ ॐ जानक्यै नमः।
३९९ ॐ जनकानन्दकारिण्यै नमः।
४०० ॐ कैलासवासिन्यै नमः।
४०१ ॐ रम्भायै नमः।
४०२ ॐ वैराग्यकुलदीपिकायै नमः।
४०३ ॐ कमलाकान्तग्रहिण्यै नमः।
४०४ ॐ कमलायै नमः।
४०५ ॐ कमलालयायै नमः।
४०६ ॐ त्रैलोक्यमात्रे नमः।
४०७ ॐ जगतामधिष्ठात्र्यै नमः।
४०८ ॐ प्रियाम्बिकायै नमः।
४०९ ॐ हरकान्तायै नमः।
४१० ॐ हररतायै नमः।
४११ ॐ हरानन्दप्रदायिन्यै नमः।
४१२ ॐ हरपत्न्यै नमः।
४१३ ॐ हरप्रीतायै नमः।
४१४ ॐ हरतोषणतत्परायै नमः।
४१५ ॐ हरेश्वर्यै नमः।
४१६ ॐ रामरतायै नमः।
४१७ ॐ रामायै नमः।
४१८ ॐ रामेश्वर्यै नमः।
४१९ ॐ रमायै नमः।
४२० ॐ श्यामलायै नमः।
४२१ ॐ चित्रलेखायै नमः।
४२२ ॐ भुवनमोहिन्यै नमः।
४२३ ॐ सुगोप्यै नमः।
४२४ ॐ गोपवनितायै नमः।
४२५ ॐ गोपराज्यप्रदायै नमः।
४२६ ॐ शुभायै नमः।
४२७ ॐ अङ्गारपूर्णायै नमः।
४२८ ॐ माहेय्यै नमः।
४२९ ॐ मत्स्यराजसुतासत्यै नमः।
४३० ॐ कौमार्यै नमः।
४३१ ॐ नारसिंह्यै नमः।
४३२ ॐ वाराह्यै नमः।
४३३ ॐ नवदुर्गिकायै नमः।
४३४ ॐ चञ्चलाचञ्चलामोदायै नमः।
४३५ ॐ नारी भुवनसुन्दर्यै नमः।
४३६ ॐ दक्षयज्ञहरायै नमः।
४३७ ॐ दाक्ष्यै नमः।
४३८ ॐ दक्षकन्यायै नमः।
४३९ ॐ सुलोचनायै नमः।
४४० ॐ रतिरूपायै नमः।
४४१ ॐ रतिप्रीतायै नमः।
४४२ ॐ रतिश्रेष्ठायै नमः।
४४३ ॐ रतिप्रदायै नमः।
४४४ ॐ रतिलक्षणगेहस्थायै नमः।
४४५ ॐ विरजायै नमः।

४४६ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
४४७ ॐ शङ्कास्पदायै नमः।
४४८ ॐ हरेर्जायायै नमः।
४४९ ॐ जामातृकुलवन्दितायै नमः।
४५० ॐ वकुलायै नमः।
४५१ ॐ वकुलामोदधारिण्यै नमः।
४५२ ॐ यमुनाजयायै नमः।
४५३ ॐ विजयायै नमः।
४५४ ॐ जयपत्न्यै नमः।
४५५ ॐ यमलार्जुनभञ्जिन्यै नमः।
४५६ ॐ वक्रेश्वर्यै नमः।
४५७ ॐ वक्ररूपायै नमः।
४५८ ॐ वक्रवीक्षणवीक्षितायै नमः।
४५९ ॐ अपराजितायै नमः।
४६० ॐ जगन्नाथायै नमः।
४६१ ॐ जगन्नाथेश्वर्यै नमः।
४६२ ॐ यत्यै नमः।
४६३ ॐ खेचर्यै नमः।
४६४ ॐ खेचरसुतायै नमः।
४६५ ॐ खेचरत्वप्रदायिन्यै नमः।
४६६ ॐ विष्णुवक्षःस्थलस्थायै नमः।
४६७ ॐ विष्णुभावनतत्परायै नमः।
४६८ ॐ चन्द्रकोटिसुगात्र्यै नमः।
४६९ ॐ चन्द्राननमनोहरायै नमः।
४७० ॐ सेवायै नमः।
४७१ ॐ सेव्यायै नमः।
४७२ ॐ शिवायै नमः।
४७३ ॐ क्षेमायै नमः।
४७४ ॐ क्षेमकर्यै वध्वै नमः।
४७५ ॐ यादवेन्द्रवध्वै नमः।
४७६ ॐ शैब्यायै नमः।
४७७ ॐ शिवभक्तायै नमः।
४७८ ॐ शिवान्वितायै नमः।
४७९ ॐ केवलायै नमः।
४८० ॐ निष्कलायै नमः।
४८१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
४८२ ॐ महाभीमायै नमः।
४८३ ॐ अभयप्रदायै नमः।
४८४ ॐ जीमूतरूपायै नमः।
४८५ ॐ जैमूत्यै नमः।
४८६ ॐ जितामित्रप्रमोदिन्यै नमः।
४८७ ॐ गोपालवनितायै नमः।
४८८ ॐ नन्दायै नमः।
४८९ ॐ कुलजेन्द्रनिवासिन्यै नमः।
४९० ॐ जयन्त्यै नमः।
४९१ ॐ यमुनाङ्ग्यै नमः।
४९२ ॐ यमुनातोषकारिण्यै नमः।
४९३ ॐ कलिकल्मषभङ्गायै नमः।
४९४ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
४९५ ॐ कलिकल्मषरूपायै नमः।
४९६ ॐ नित्यानन्दकर्यै कृपायै नमः।
४९७ ॐ कृपावत्यै नमः।
४९८ ॐ कुलवत्यै नमः।
४९९ ॐ कैलासाचलवासिन्यै नमः।
५०० ॐ वामदेव्यै नमः।
५०१ ॐ वामभागायै नमः।
५०२ ॐ गोविन्दप्रियकारिण्यै नमः।
५०३ ॐ नरेन्द्रकन्यायै नमः।

५०४ ॐ योगेश्यै नमः।
५०५ ॐ योगिन्यै नमः।
५०६ ॐ योगरूपिण्यै नमः।
५०७ ॐ योगसिद्धायै नमः।
५०८ ॐ सिद्धरूपायै नमः।
५०९ ॐ सिद्धक्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
५१० ॐ क्षेत्राधिष्ठातृरूपायै नमः।
५११ ॐ क्षेत्रातीतायै नमः।
५१२ ॐ कुलप्रदायै नमः।
५१३ ॐ केशवानन्ददात्र्यै नमः।
५१४ ॐ केशवानन्ददायिन्यै नमः।
५१५ ॐ केशवायै नमः।
५१६ ॐ केशवप्रीतायै नमः।
५१७ ॐ केशव्यै नमः।
५१८ ॐ केशवप्रियायै नमः।
५१९ ॐ रासक्रीडाकर्यै नमः।
५२० ॐ रासवासिन्यै नमः।
५२१ ॐ राससुन्दर्यै नमः।
५२२ ॐ गोकुलान्वितदेहायै नमः।
५२३ ॐ गोकुलत्वप्रदायिन्यै नमः।
५२४ ॐ लवङ्गनाम्न्यै नमः।
५२५ ॐ नारङ्ग्यै नमः।
५२६ ॐ नारङ्गकुलमण्डनायै नमः।
५२७ ॐ एलालवङ्गकर्पूरमुखवास-
मुखान्वितायै नमः।
५२८ ॐ मुख्यायै नमः।
५२९ ॐ मुख्यप्रदायै नमः।
५३० ॐ मुख्यरूपायै नमः।
५३१ ॐ मुख्यनिवासिन्यै नमः।
५३२ ॐ नारायण्यै नमः।
५३३ ॐ कृपातीतायै नमः।
५३४ ॐ करुणामयकारिण्यै नमः।
५३५ ॐ कारुण्यायै नमः।
५३६ ॐ करुणायै नमः।
५३७ ॐ कर्णायै नमः।
५३८ ॐ गोकर्णायै नमः।
५३९ ॐ नागकर्णिकायै नमः।
५४० ॐ सर्पिण्यै नमः।
५४१ ॐ कौलिन्यै नमः।
५४२ ॐ क्षेत्रवासिन्यै नमः।
५४३ ॐ जगदन्वयायै नमः।
५४४ ॐ जटिलायै नमः।
५४५ ॐ कुटिलायै नमः।
५४६ ॐ नीलायै नमः।
५४७ ॐ नीलाम्बरधरायै शुभायै नमः।
५४८ ॐ नीलाम्बरविधात्र्यै नमः।
५४९ ॐ नीलकण्ठप्रियायै नमः।
५५० ॐ भगिन्यै नमः।
५५१ ॐ भागिन्यै नमः।
५५२ ॐ भोग्यायै नमः।
५५३ ॐ कृष्णभोग्यायै नमः।
५५४ ॐ भगेश्वर्यै नमः।
५५५ ॐ बलेश्वर्यै नमः।
५५६ ॐ बलाराध्यायै नमः।
५५७ ॐ कान्तायै नमः।
५५८ ॐ कान्तनितम्बिन्यै नमः।
५५९ ॐ नितम्बिन्यै नमः।
५६० ॐ रूपवत्यै नमः।

५६१ ॐ युवत्यै नमः।
५६२ ॐ कृष्णपीवर्यै नमः।
५६३ ॐ विभावर्यै नमः।
५६४ ॐ वेत्रवत्यै नमः।
५६५ ॐ संकटायै नमः।
५६६ ॐ कुटिलालकायै नमः।
५६७ ॐ नारायणप्रियायै नमः।
५६८ ॐ शैलायै नमः।
५६९ ॐ सृक्कणीपरिमोहितायै नमः।
५७० ॐ दृक्पातमोहितायै नमः।
५७१ ॐ प्रातराशिन्यै नमः।
५७२ ॐ नवनीतिकायै नमः।
५७३ ॐ नवीनायै नमः।
५७४ ॐ नवनार्यै नमः।
५७५ ॐ नारङ्गफलशोभितायै नमः।
५७६ ॐ हैम्यै नमः।
५७७ ॐ हेममुख्यै नमः।
५७८ ॐ चन्द्रमुख्यै नमः।
५७९ ॐ शशिसुशोभनायै नमः।
५८० ॐ अर्द्धचन्द्रधरायै नमः।
५८१ ॐ चन्द्रवल्लभायै नमः।
५८२ ॐ रोहिण्यै नमः।
५८३ ॐ तम्यै नमः।
५८४ ॐ तिमिंगिलकुलामोदमत्स्य-रूपाङ्गहारिण्यै नमः।
५८५ ॐ सर्वभूतानां कारिण्यै नमः।
५८६ ॐ कार्यातीतायै नमः।
५८७ ॐ किशोरिण्यै नमः।
५८८ ॐ किशोरवल्लभायै नमः।
५८९ ॐ केशकारिकायै नमः।
५९० ॐ कामकारिकायै नमः।
५९१ ॐ कामेश्वर्यै नमः।
५९२ ॐ कामकलायै नमः।
५९३ ॐ कालिन्दीकूलदीपिकायै नमः।
५९४ ॐ कलिन्दतनयातीरवासिन्यै नमः।
५९५ ॐ तीरगेहिन्यै नमः।
५९६ ॐ कादम्बरीपानपरायै नमः।
५९७ ॐ कुसुमामोदधारिण्यै नमः।
५९८ ॐ कुमुदायै नमः।
५९९ ॐ कुमुदानन्दायै नमः।
६०० ॐ कृष्णेश्यै नमः।
६०१ ॐ कामवल्लभायै नमः।
६०२ ॐ तर्काल्यै नमः।
६०३ ॐ वैजयन्त्यै नमः।
६०४ ॐ निम्बदाडिम्बरूपिण्यै नमः।
६०५ ॐ बिल्ववृक्षप्रियायै नमः।
६०६ ॐ कृष्णाम्बरायै नमः।
६०७ ॐ बिल्वोपमस्तन्यै नमः।
६०८ ॐ बिल्वात्मिकायै नमः।
६०९ ॐ बिल्ववसवे नमः।
६१० ॐ बिल्ववृक्षनिवासिन्यै नमः।
६११ ॐ तुलसीतोषिकायै नमः।
६१२ ॐ तैतिलानन्दपरितोषिकायै नमः।
६१३ ॐ गजमुक्तायै नमः।
६१४ ॐ महामुक्तायै नमः।
६१५ ॐ महामुक्तिफलप्रदायै नमः।
६१६ ॐ अनङ्गमोहिन्यै नमः।
६१७ ॐ शक्तिरूपायै नमः।

६१८ ॐ शक्तिस्वरूपिण्यै नमः।
६१९ ॐ पञ्चशक्तिस्वरूपायै नमः।
६२० ॐ शैशवानन्दकारिण्यै नमः।
६२१ ॐ गजेन्द्रगामिन्यै नमः।
६२२ ॐ श्यामलतायै नमः।
६२३ ॐ अनङ्गलतायै नमः।
६२४ ॐ योषिच्छक्तिस्वरूपायै नमः।
६२५ ॐ योषिदानन्दकारिण्यै नमः।
६२६ ॐ प्रेमप्रियायै नमः।
६२७ ॐ प्रेमरूपायै नमः।
६२८ ॐ प्रेमानन्दतरङ्गिण्यै नमः।
६२९ ॐ प्रेमहारायै नमः।
६३० ॐ प्रेमदात्र्यै नमः।
६३१ ॐ प्रेमशक्तिमय्यै नमः।
६३२ ॐ कृष्णप्रेमवत्यै नमः।
६३३ ॐ धन्यायै नमः।
६३४ ॐ कृष्णप्रेमतरङ्गिण्यै नमः।
६३५ ॐ प्रेमभक्तिप्रदायै नमः।
६३६ ॐ प्रेमायै नमः।
६३७ ॐ प्रेमानन्दतरङ्गिण्यै नमः।
६३८ ॐ प्रेमक्रीडापरीताङ्ग्यै नमः।
६३९ ॐ प्रेमभक्तितरङ्गिण्यै नमः।
६४० ॐ प्रेमार्थदायिन्यै नमः।
६४१ ॐ सर्वश्वेतायै नमः।
६४२ ॐ नित्यतरङ्गिण्यै नमः।
६४३ ॐ हावभावान्वितायै नमः।
६४४ ॐ रौद्रायै नमः।
६४५ ॐ रुद्रानन्दप्रकाशिन्यै नमः।
६४६ ॐ कपिलायै नमः।
६४७ ॐ शृङ्खलायै नमः।
६४८ ॐ केशपाशसम्बन्धिन्यै धट्यै नमः।
६४९ ॐ कुटीरवासिन्यै नमः।
६५० ॐ धूम्रायै नमः।
६५१ ॐ धूम्रकेशायै नमः।
६५२ ॐ जलोदर्यै नमः।
६५३ ॐ ब्रह्माण्डगोचरायै नमः।
६५४ ॐ ब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः।
६५५ ॐ भवभाविन्यै नमः।
६५६ ॐ संसारनाशिन्यै नमः।
६५७ ॐ शैवायै नमः।
६५८ ॐ शैवलानन्ददायिन्यै नमः।
६५९ ॐ शिशिरायै नमः।
६६० ॐ हेमरागाढ्यायै नमः।
६६१ ॐ मेघरूपातिसुन्दर्यै नमः।
६६२ ॐ मनोरमायै नमः।
६६३ ॐ वेगवत्यै नमः।
६६४ ॐ वेगाढ्यायै नमः।
६६५ ॐ वेदवादिन्यै नमः।
६६६ ॐ दयान्वितायै नमः।
६६७ ॐ दयाधारायै नमः।
६६८ ॐ दयारूपायै नमः।
६६९ ॐ सुसेविन्यै नमः।
६७० ॐ किशोरसङ्गसंसर्गायै नमः।
६७१ ॐ गौरचन्द्राननायै नमः।
६७२ ॐ कलायै नमः।
६७३ ॐ कलाधिनाथवदनायै नमः।
६७४ ॐ कलानाथाधिरोहिण्यै नमः।
६७५ ॐ विरागकुशलायै नमः।

६७६ ॐ हेमपिङ्गलायै नमः।
६७७ ॐ हेममण्डनायै नमः।
६७८ ॐ भाण्डीरतालवनगायै नमः।
६७९ ॐ कैवर्त्यै नमः।
६८० ॐ पीवर्यै नमः।
६८१ ॐ शुक्यै नमः।
६८२ ॐ शुकदेवगुणातीतायै नमः।
६८३ ॐ शुकदेवप्रियायै सख्यै नमः।
६८४ ॐ विकलोत्कर्षिण्यै नमः।
६८५ ॐ कोषायै नमः।
६८६ ॐ कौशेयाम्बरधारिण्यै नमः।
६८७ ॐ कौषावर्यै नमः।
६८८ ॐ कोषरूपायै नमः।
६८९ ॐ जगदुत्पत्तिकारिकायै नमः।
६९० ॐ सृष्टिस्थितिकर्यै नमः।
६९१ ॐ संहारिण्यै नमः।
६९२ ॐ संहारकारिण्यै नमः।
६९३ ॐ केशशैवलधात्र्यै नमः।
६९४ ॐ चन्द्रगात्रायै नमः।
६९५ ॐ सुकोमलायै नमः।
६९६ ॐ पद्माङ्गरागसंरागायै नमः।
६९७ ॐ विन्ध्याद्रिपरिवासिन्यै नमः।
६९८ ॐ विन्ध्यालयायै नमः।
६९९ ॐ श्यामसख्यै नमः।
७०० ॐ सखीसंसाररागिण्यै नमः।
७०१ ॐ भूतायै नमः।
७०२ ॐ भविष्यायै नमः।
७०३ ॐ भव्यायै नमः।
७०४ ॐ भव्यगात्रायै नमः।
७०५ ॐ भवातिगायै नमः।
७०६ ॐ भवनाशान्तकारिण्यै नमः।
७०७ ॐ आकाशरूपायै नमः।
७०८ ॐ सुवेशिन्यै नमः।
७०९ ॐ रतिरङ्गपरित्यागायै नमः।
७१० ॐ रतिवेगायै नमः।
७११ ॐ रतिप्रदायै नमः।
७१२ ॐ तेजस्विन्यै नमः।
७१३ ॐ तेजोरूपायै नमः।
७१४ ॐ कैवल्यपथदायै शुभायै नमः।
७१५ ॐ भक्तिहेतवे नमः।
७१६ ॐ मुक्तिहेतवे नमः।
७१७ ॐ लङ्घिन्यै नमः।
७१८ ॐ लङ्घनक्षमायै नमः।
७१९ ॐ विशालनेत्रायै नमः।
७२० ॐ वैशाल्यै नमः।
७२१ ॐ विशालकुलसम्भवायै नमः।
७२२ ॐ विशालगृहवासायै नमः।
७२३ ॐ विशालबदरीरत्यै नमः।
७२४ ॐ भक्त्यतीतायै नमः।
७२५ ॐ भक्तिगत्यै नमः।
७२६ ॐ भक्तिकायै नमः।
७२७ ॐ शिवभक्तिदायै नमः।
७२८ ॐ शिवभक्तिस्वरूपायै नमः।
७२९ ॐ शिवार्द्धाङ्गविहारिण्यै नमः।
७३० ॐ शिरीषकुसुमामोदायै नमः।
७३१ ॐ शिरीषकुसुमोज्ज्वलायै नमः।
७३२ ॐ शिरीषमृद्व्यै नमः।
७३३ ॐ शैरीष्यै नमः।

७३४ ॐ शिरीषकुसुमाकृत्यै नमः।
७३५ ॐ विष्णोः वामाङ्गहारिण्यै नमः।
७३६ ॐ शिवभक्तिसुखान्वितायै नमः।
७३७ ॐ विजितायै नमः।
७३८ ॐ विजितामोदायै नमः।
७३९ ॐ गणगायै नमः।
७४० ॐ गणतोषितायै नमः।
७४१ ॐ हयास्यायै नमः।
७४२ ॐ हेरम्बसुतायै नमः।
७४३ ॐ गणमात्रे नमः।
७४४ ॐ सुखेश्वर्यै नमः।
७४५ ॐ दुःखहन्त्र्यै नमः।
७४६ ॐ दुःखहरायै नमः।
७४७ ॐ सेवितेप्सितसर्वदायै नमः।
७४८ ॐ सर्वज्ञत्वविधात्र्यै नमः।
७४९ ॐ कुलक्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
७५० ॐ लवङ्गायै नमः।
७५१ ॐ पाण्डवसख्यै नमः।
७५२ ॐ सखीमध्यनिवासिन्यै नमः।
७५३ ॐ ग्राम्यगीतायै नमः।
७५४ ॐ गयायै नमः।
७५५ ॐ गम्यायै नमः।
७५६ ॐ गमनातीतनिर्भरायै नमः।
७५७ ॐ सर्वाङ्गसुन्दर्यै नमः।
७५८ ॐ गङ्गायै नमः।
७५९ ॐ गङ्गाजलमय्यै नमः।
७६० ॐ गङ्गेरितायै नमः।
७६१ ॐ पूतगात्रायै नमः।
७६२ ॐ पवित्रकुलदीपिकायै नमः।
७६३ ॐ पवित्रगुणशीलाढ्यायै नमः।
७६४ ॐ पवित्रानन्ददायिन्यै नमः।
७६५ ॐ पवित्रगुणसीमाढ्यायै नमः।
७६६ ॐ पवित्रकुलदीपिन्यै नमः।
७६७ ॐ कल्पमानायै नमः।
७६८ ॐ कंसहरायै नमः।
७६९ ॐ विन्ध्याचलनिवासिन्यै नमः।
७७० ॐ गोवर्धनेश्वर्यै नमः।
७७१ ॐ गोवर्धनहास्यायै नमः।
७७२ ॐ हयाकृत्यै नमः।
७७३ ॐ मीनावतारायै नमः।
७७४ ॐ मीनेश्यै नमः।
७७५ ॐ गगनेश्यै नमः।
७७६ ॐ हयायै नमः।
७७७ ॐ गज्यै नमः।
७७८ ॐ हरिण्यै नमः।
७७९ ॐ हारिण्यै नमः।
७८० ॐ हारधारिण्यै नमः।
७८१ ॐ कनकाकृत्यै नमः।
७८२ ॐ विद्युत्प्रभायै नमः।
७८३ ॐ विप्रमात्रे नमः।
७८४ ॐ गोपमात्रे नमः।
७८५ ॐ गयेश्वर्यै नमः।
७८६ ॐ गवेश्वर्यै नमः।
७८७ ॐ गवेश्यै नमः।
७८८ ॐ गवीश्यै नमः।
७८९ ॐ गतिवासिन्यै नमः।
७९० ॐ गतिज्ञायै नमः।
७९१ ॐ गीतकुशलायै नमः।

७९२ ॐ दनुजेन्द्रनिवारिण्यै नमः।
७९३ ॐ निर्वाणधात्र्यै नमः।
७९४ ॐ नैर्वाण्यै नमः।
७९५ ॐ हेतुयुक्तायै नमः।
७९६ ॐ गयोत्तरायै नमः।
७९७ ॐ पर्वताधिनिवासायै नमः।
७९८ ॐ निवासकुशलायै नमः।
७९९ ॐ संन्यासधर्मकुशलायै नमः।
८०० ॐ संन्यासेश्यै नमः।
८०१ ॐ शरन्मुख्यै नमः।
८०२ ॐ शरच्चन्द्रमुख्यै नमः।
८०३ ॐ श्यामहारायै नमः।
८०४ ॐ क्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
८०५ ॐ वसन्तरागसंरागायै नमः।
८०६ ॐ वसन्तवसनाकृत्यै नमः।
८०७ ॐ चतुर्भुजायै नमः।
८०८ ॐ षड्भुजायै नमः।
८०९ ॐ द्विभुजायै नमः।
८१० ॐ गौरविग्रहायै नमः।
८११ ॐ सहस्त्रास्यायै नमः।
८१२ ॐ विहास्यायै नमः।
८१३ ॐ मुद्रास्यायै नमः।
८१४ ॐ मुददायिन्यै नमः।
८१५ ॐ प्राणप्रियायै नमः।
८१६ ॐ प्राणरूपायै नमः।
८१७ ॐ प्राणरूपिण्यै अपावृतायै नमः।
८१८ ॐ कृष्णप्रीतायै नमः।
८१९ ॐ कृष्णरतायै नमः।
८२० ॐ कृष्णतोषणतत्परायै नमः।
८२१ ॐ कृष्णप्रेमरतायै नमः।
८२२ ॐ कृष्णभक्तायै नमः।
८२३ ॐ भक्तफलप्रदायै नमः।
८२४ ॐ कृष्णप्रेमायै नमः।
८२५ ॐ प्रेमभक्तायै नमः।
८२६ ॐ हरिभक्तिप्रदायिन्यै नमः।
८२७ ॐ चैतन्यरूपायै नमः।
८२८ ॐ चैतन्यप्रियायै नमः।
८२९ ॐ चैतन्यरूपिण्यै नमः।
८३० ॐ उग्ररूपायै नमः।
८३१ ॐ शिवक्रोडायै नमः।
८३२ ॐ कृष्णक्रोडायै नमः।
८३३ ॐ जलोदर्यै नमः।
८३४ ॐ महोदर्यै नमः।
८३५ ॐ महादुर्गकान्तारसुस्थ-
वासिन्यै नमः।
८३६ ॐ चन्द्रावल्यै नमः।
८३७ ॐ चन्द्रकेश्यै नमः।
८३८ ॐ चन्द्रप्रेमतरङ्गिण्यै नमः।
८३९ ॐ समुद्रमथनोद्भूतायै नमः।
८४० ॐ समुद्रजलवासिन्यै नमः।
८४१ ॐ समुद्रामृतरूपायै नमः।
८४२ ॐ समुद्रजलवासिकायै नमः।
८४३ ॐ केशपाशरतायै नमः।
८४४ ॐ निद्रायै नमः।
८४५ ॐ क्षुधायै नमः।
८४६ ॐ प्रेमतरङ्गिकायै नमः।
८४७ ॐ दूर्वादलश्यामतन्वै नमः।
८४८ ॐ दूर्वादलतनुच्छवये नमः।

८४९ ॐ नागर्यै नमः।
८५० ॐ नागरारागायै नमः।
८५१ ॐ नागरानन्दकारिण्यै नमः।
८५२ ॐ नागरालिङ्गनपरायै नमः।
८५३ ॐ नागराङ्गणमङ्गलायै नमः।
८५४ ॐ उच्चनीचायै नमः।
८५५ ॐ हैमवतीप्रियायै नमः।
८५६ ॐ कृष्णतरङ्गदायै नमः।
८५७ ॐ प्रेमालिङ्गनसिद्धाङ्ग्यै नमः।
८५८ ॐ सिद्धसाध्यविलासिकायै नमः।
८५९ ॐ मङ्गलामोदजनन्यै नमः।
८६० ॐ मेखलामोदधारिण्यै नमः।
८६१ ॐ रत्नमञ्जीरभूषाङ्ग्यै नमः।
८६२ ॐ रत्नभूषणभूषणायै नमः।
८६३ ॐ जम्बालमालिकायै नमः।
८६४ ॐ कृष्णप्राणायै नमः।
८६५ ॐ प्राणविमोचनायै नमः।
८६६ ॐ सत्यप्रदायै नमः।
८६७ ॐ सत्यवत्यै नमः।
८६८ ॐ सेवकानन्ददायिकायै नमः।
८६९ ॐ जगद्योनये नमः।
८७० ॐ जगद्बीजायै नमः।
८७१ ॐ विचित्रमणिभूषणायै नमः।
८७२ ॐ राधारमणकान्तायै नमः।
८७३ ॐ राध्यायै नमः।
८७४ ॐ राधनरूपिण्यै नमः।
८७५ ॐ कैलासवासिन्यै नमः।
८७६ ॐ कृष्णप्राणसर्वस्वदायिन्यै नमः।
८७७ ॐ कृष्णावतारनिरतायै नमः।
८७८ ॐ कृष्णभक्तफलार्थिन्यै नमः।
८७९ ॐ याचकायाचकानन्द-
कारिण्यै नमः।
८८० ॐ याचकोज्ज्वलायै नमः।
८८१ ॐ हरिभूषणभूषाढ्यायै नमः।
८८२ ॐ आनन्दयुक्तायै नमः।
८८३ ॐ आर्द्रपादगायै नमः।
८८४ ॐ है-है-तालधरायै नमः।
८८५ ॐ थै-थै-शब्दशक्तिप्रकाशिन्यै नमः।
८८६ ॐ हे-हे-शब्दस्वरूपायै नमः।
८८७ ॐ ही-ही-वाक्यविशारदायै नमः।
८८८ ॐ जगदानन्दकर्त्र्यै नमः।
८८९ ॐ सान्द्रानन्दविशारदायै नमः।
८९० ॐ पण्डितायै नमः।
८९१ ॐ पण्डितगुणायै नमः।
८९२ ॐ पण्डितानन्दकारिण्यै नमः।
८९३ ॐ परिपालनकर्त्र्यै नमः।
८९४ ॐ स्थितिविनोदिन्यै नमः।
८९५ ॐ संहारशब्दाढ्यायै नमः।
८९६ ॐ विद्वज्जनमनोहरायै नमः।
८९७ ॐ विदुषां प्रीतिजनन्यै नमः।
८९८ ॐ विद्वत्प्रेमविवर्धिन्यै नमः।
८९९ ॐ नादेश्यै नमः।
९०० ॐ नादरूपायै नमः।
९०१ ॐ नादबिन्दुविधारिण्यै नमः।
९०२ ॐ शून्यस्थानस्थितायै नमः।
९०३ ॐ शून्यरूपपादपवासिन्यै नमः।
९०४ ॐ कार्तिकव्रतकर्त्र्यै नमः।
९०५ ॐ वसनाहारिण्यै नमः।

१०६ ॐ जलाशयायै नमः।
१०७ ॐ जलतलायै नमः।
१०८ ॐ शिलातलनिवासिन्यै नमः।
१०९ ॐ क्षुद्रकीटाङ्गसंसर्गायै नमः।
११० ॐ सङ्गदोषविनाशिन्यै नमः।
१११ ॐ कोटिकन्दर्पलावण्यायै नमः।
११२ ॐ कोटिकन्दर्पसुन्दर्यै नमः।
११३ ॐ कन्दर्पकोटिजनन्यै नमः।
११४ ॐ कामबीजप्रदायिन्यै नमः।
११५ ॐ कामशास्त्रविनोदायै नमः।
११६ ॐ कामशास्त्रप्रकाशिन्यै नमः।
११७ ॐ कामप्रकाशिकायै नमः।
११८ ॐ कामिन्यै नमः।
११९ ॐ अणिमाद्यष्टसिद्धिदायै नमः।
१२० ॐ यामिन्यै नमः।
१२१ ॐ यामिनीनाथवदनायै नमः।
१२२ ॐ यामिनीश्वर्यै नमः।
१२३ ॐ यागयोगहरायै नमः।
१२४ ॐ भुक्तिमुक्तिदात्र्यै नमः।
१२५ ॐ हिरण्यदायै नमः।
१२६ ॐ कपालमालिन्यै नमः।
१२७ ॐ देव्यै नमः।
१२८ ॐ धामरूपिण्यै नमः।
१२९ ॐ अपूर्वदायै नमः।
१३० ॐ कृपान्वितायै नमः।
१३१ ॐ गुणागौण्यायै नमः।
१३२ ॐ गुणातीतफलप्रदायै नमः।
१३३ ॐ कूष्माण्डभूतवेतालनाशिन्यै नमः।
१३४ ॐ शरदान्वितायै नमः।
१३५ ॐ शीतलायै नमः।
१३६ ॐ शबलायै नमः।
१३७ ॐ हेलायै नमः।
१३८ ॐ लीलायै नमः।
१३९ ॐ लावण्यमङ्गलायै नमः।
१४० ॐ विद्यार्थिन्यै नमः।
१४१ ॐ विद्यमानायै नमः।
१४२ ॐ विद्यायै नमः।
१४३ ॐ विद्यास्वरूपिण्यै नमः।
१४४ ॐ आन्वीक्षिकीशास्त्ररूपायै नमः।
१४५ ॐ शास्त्रसिद्धान्तकारिण्यै नमः।
१४६ ॐ नागेन्द्रायै नमः।
१४७ ॐ नागमात्रे नमः।
१४८ ॐ क्रीडाकौतुकरूपिण्यै नमः।
१४९ ॐ हरिभावनशीलायै नमः।
१५० ॐ हरितोषणतत्परायै नमः।
१५१ ॐ हरिप्राणायै नमः।
१५२ ॐ हरप्राणायै नमः।
१५३ ॐ शिवप्राणायै नमः।
१५४ ॐ शिवान्वितायै नमः।
१५५ ॐ नरकार्णवसंहर्त्र्यै नमः।
१५६ ॐ नरकार्णवनाशिन्यै नमः।
१५७ ॐ नरेश्वर्यै नमः।
१५८ ॐ नरातीतायै नमः।
१५९ ॐ नरसेव्यायै नमः।
१६० ॐ नराङ्गनायै नमः।
१६१ ॐ यशोदानन्दनप्राण-
वल्लभायै नमः।
१६२ ॐ हरिवल्लभायै नमः।

९६३ ॐ यशोदानन्दनारम्यायै नमः।
९६४ ॐ यशोदानन्दनेश्वर्यै नमः।
९६५ ॐ यशोदानन्दनाक्रीडायै नमः।
९६६ ॐ यशोदाक्रोडवासिन्यै नमः।
९६७ ॐ यशोदानन्दनप्राणायै नमः।
९६८ ॐ यशोदानन्दनार्थदायै नमः।
९६९ ॐ वत्सलायै नमः।
९७० ॐ कोशलायै नमः।
९७१ ॐ कालायै नमः।
९७२ ॐ करुणार्णवरूपिण्यै नमः।
९७३ ॐ स्वर्गलक्ष्म्यै नमः।
९७४ ॐ भूमिलक्ष्म्यै नमः।
९७५ ॐ द्रौपद्यै नमः।
९७६ ॐ पाण्डवप्रियायै नमः।
९७७ ॐ अर्जुनसख्यै नमः।
९७८ ॐ भौम्यै नमः।
९७९ ॐ भैम्यै नमः।
९८० ॐ भीमकुलोद्भवायै नमः।
९८१ ॐ भुवनामोहनायै नमः।
९८२ ॐ क्षीणायै नमः।
९८३ ॐ पानासक्ततरायै नमः।
९८४ ॐ पानार्थिन्यै नमः।
९८५ ॐ पानपात्रायै नमः।
९८६ ॐ पानपानन्ददायिन्यै नमः।
९८७ ॐ दुग्धमन्थनकर्माढ्यायै नमः।
९८८ ॐ दधिमन्थनतत्परायै नमः।
९८९ ॐ दधिभाण्डार्थिन्यै नमः।
९९० ॐ कृष्णक्रोधिन्यै नमः।
९९१ ॐ नन्दनाङ्गनायै नमः।
९९२ ॐ घृतलिप्तायै नमः।
९९३ ॐ तक्रयुक्तायै नमः।
९९४ ॐ यमुनापारकौतुकायै नमः।
९९५ ॐ विचित्रकथकायै नमः।
९९६ ॐ कृष्णहास्यभाषणतत्परायै नमः।
९९७ ॐ गोपाङ्गनावेष्टितायै नमः।
९९८ ॐ कृष्णसङ्गार्थिन्यै नमः।
९९९ ॐ रासासक्तायै नमः।
१००० ॐ रासरत्यै नमः।
१००१ ॐ आसवासक्तवासनायै नमः।
१००२ ॐ हरिद्रायै नमः।
१००३ ॐ हारितायै नमः।
१००४ ॐ हारिण्यै नमः।
१००५ ॐ आनन्दार्पितचेतनायै नमः।
१००६ ॐ निश्चैतन्यायै नमः।
१००७ ॐ निश्चेतायै नमः।
१००८ ॐ दारुहरिद्रिकायै नमः।
१००९ ॐ सुबलस्य स्वस्त्रे नमः।
१०१० ॐ कृष्णभार्यायै नमः।
१०११ ॐ भाषातिवेगिन्यै नमः।
१०१२ ॐ श्रीदामस्य सख्यै नमः।
१०१३ ॐ दामदामिन्यै नमः।
१०१४ ॐ दामधारिण्यै नमः।
१०१५ ॐ कैलासिन्यै नमः।
१०१६ ॐ केशिन्यै नमः।
१०१७ ॐ हरिदम्बरधारिण्यै नमः।
१०१८ ॐ हरिसांनिध्यदात्र्यै नमः।
१०१९ ॐ हरिकौतुकमङ्गलायै नमः।
१०२० ॐ हरिप्रदायै नमः।

१०२१ ॐ हरिद्वारायै नमः।
१०२२ ॐ यमुनाजलवासिन्यै नमः।
१०२३ ॐ जैत्रप्रदायै नमः।
१०२४ ॐ जितार्थ्यै नमः।
१०२५ ॐ चतुरायै नमः।
१०२६ ॐ चातुर्यै नमः।
१०२७ ॐ तम्यै नमः।
१०२८ ॐ तमिस्त्रायै नमः।
१०२९ ॐ आतपरूपायै नमः।
१०३० ॐ रौद्ररूपायै नमः।
१०३१ ॐ यशोऽर्थिन्यै नमः।
१०३२ ॐ कृष्णार्थिन्यै नमः।
१०३३ ॐ कृष्णकलायै नमः।
१०३४ ॐ कृष्णानन्दविधायिन्यै नमः।
१०३५ ॐ कृष्णार्थवासनायै नमः।
१०३६ ॐ कृष्णरागिण्यै नमः।
१०३७ ॐ भवभाविन्यै नमः।
१०३८ ॐ कृष्णार्थरहितायै नमः।
१०३९ ॐ भक्तायै नमः।
१०४० ॐ भक्तभक्तिशुभप्रदायै नमः।
१०४१ ॐ श्रीकृष्णरहितायै नमः।
१०४२ ॐ दीनायै नमः।
१०४३ ॐ हरेः विरहिण्यै नमः।
१०४४ ॐ मथुरायै नमः।
१०४५ ॐ मथुराराजगेहभावन-भावनायै नमः।
१०४६ ॐ श्रीकृष्णभावनायै नमः।
१०४७ ॐ मोदायै नमः।
१०४८ ॐ उन्मादविधायिन्यै नमः।
१०४९ ॐ कृष्णार्थव्याकुलायै नमः।
१०५० ॐ कृष्णसारचर्मधरायै शुभायै नमः।
१०५१ ॐ अलकेश्वरपूज्यायै नमः।
१०५२ ॐ कुबेरेश्वरवल्लभायै नमः।
१०५३ ॐ धनधान्यविधात्र्यै नमः।
१०५४ ॐ जायायै नमः।
१०५५ ॐ कायायै नमः।
१०५६ ॐ हयायै नमः।
१०५७ ॐ हय्यै नमः।
१०५८ ॐ प्रणवायै नमः।
१०५९ ॐ प्रणवेश्यै नमः।
१०६० ॐ प्रणवार्थस्वरूपिण्यै नमः।
१०६१ ॐ ब्रह्मविष्णुशिवार्धाङ्ग-हारिण्यै नमः।
१०६२ ॐ शैवशिंशपायै नमः।
१०६३ ॐ राक्षसीनाशिन्यै नमः।
१०६४ ॐ भूतप्रेतप्राणविनाशिन्यै नमः।
१०६५ ॐ सकलेप्सितदात्र्यै नमः।
१०६६ ॐ शच्यै नमः।
१०६७ ॐ साध्व्यै अरुन्धत्यै नमः।
१०६८ ॐ पतिव्रतायै नमः।
१०६९ ॐ पतिप्राणायै नमः।
१०७० ॐ पतिवाक्यविनोदिन्यै नमः।
१०७१ ॐ अशेषासाधिन्यै नमः।
१०७२ ॐ कल्पवासिन्यै नमः।
१०७३ ॐ कल्परूपिण्यै नमः।

॥ इति श्रीनारदपाञ्चरात्रे श्रीराधिकासहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीललितादेव्यै नमः ॥

श्रीललितासहस्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीललितासहस्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य वशिन्यादिवाग्देवता ऋषयः, अनुष्टुप् छन्दः, श्रीललिताम्बा देवता, प्रथमकूटं बीजम्, तृतीयकूटं शक्तिः, द्वितीयकूटं कीलकम् श्रीललिताम्बाप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः ॥ कूटत्रयेण षडङ्गन्यासः ॥

ध्यानम्

सिन्दूरारुणविग्रहां त्रिनयनां माणिक्यमौलिस्फुरत्
तारानायकशेखरां स्मितमुखीमापीनवक्षोरुहाम् ।
पाणिभ्यामलिपूर्णरत्नचषकं रक्तोत्पलं विभ्रतीं
सौम्यां रत्नघटस्थरक्तचरणां ध्यायेत् परामम्बिकाम् ॥*

हयग्रीव उवाच

श्रीमाता श्रीमहाराज्ञी श्रीमत्सिंहासनेश्वरी ।
चिदग्निकुण्डसम्भूता देवकार्यसमुद्यता ॥ १ ॥
उद्यद्भानुसहस्राभा चतुर्बाहुसमन्विता ।
रागस्वरूपपाशाढ्या क्रोधाकाराङ्कुशोज्ज्वला ॥ २ ॥

---

* सिन्दूरके समान अरुण विग्रहवाली, तीन नेत्रोंसे सम्पन्न, माणिक्यजटित प्रकाशमान मुकुट तथा चन्द्रमासे सुशोभित मस्तकवाली, मुस्कानयुक्त मुखमण्डल एवं स्थूल वक्षःस्थलवाली, अपने दोनों हाथोंमेंसे एक हाथमें मधुसे परिपूर्ण रत्ननिर्मित मधुकलश तथा दूसरे हाथमें लाल कमल धारण करनेवाली और रत्नमय घटपर अपना रक्त चरण रखकर सुशोभित होनेवाली शान्तस्वभाव भगवती पराम्बिकाका ध्यान करना चाहिये।

मनोरूपेक्षुकोदण्डा पञ्चतन्मात्रसायका।
निजारुणप्रभापूरमज्जद्ब्रह्माण्डमण्डला ॥ ३ ॥
चम्पकाशोकपुन्नागसौगन्धिकलसत्कचा ।
कुरुविन्दमणिश्रेणीकनत्कोटीरमण्डिता ॥ ४ ॥
अष्टमीचन्द्रविभ्राजदलिकस्थलशोभिता ।
मुखचन्द्रकलङ्काभमृगनाभिविशेषिका ॥ ५ ॥
वदनस्मरमाङ्गल्यगृहतोरणचिल्लिका ।
वक्त्रलक्ष्मीपरीवाहचलन्मीनाभलोचना ॥ ६ ॥
नवचम्पकपुष्पाभनासादण्डविराजिता ।
ताराकान्तितिरस्कारिनासाभरणभासुरा ॥ ७ ॥
कदम्बमञ्जरीक्लृप्तकर्णपूरमनोहरा ।
ताटङ्कयुगलीभूततपनोडुपमण्डला ॥ ८ ॥
पद्मरागशिलादर्शपरिभाविकपोलभूः ।
नवविद्रुमबिम्बश्रीन्यक्कारिदशनच्छदा ॥ ९ ॥
शुद्धविद्याङ्कुराकारद्विजपंक्तिद्वयोज्ज्वला ।
कर्पूरवीटिकामोदसमाकर्षिदिगन्तरा ॥ १० ॥
निजसंलापमाधुर्यविनिर्भर्त्सितकच्छपी ।
मन्दस्मितप्रभापूरमज्जत्कामेशमानसा ॥ ११ ॥
अनाकलितसादृश्यचिबुकश्रीविराजिता ।
कामेशबद्धमाङ्गल्यसूत्रशोभितकन्धरा ॥ १२ ॥
कनकाङ्गदकेयूरकमनीयभुजान्विता ।
रत्नग्रैवेयचिन्ताकलोलमुक्ताफलान्विता ॥ १३ ॥

कामेश्वरप्रेमरत्नमणिप्रतिपणस्तनी ।
नाभ्यालवालरोमालिलताफलकुचद्वयी ॥ १४ ॥
लक्ष्यरोमलताधारतासमुन्नेयमध्यमा ।
स्तनभारदलन्मध्यपट्टबन्धवलित्रया ॥ १५ ॥
अरुणारुणकौसुम्भवस्त्रभास्वत्कटीतटी ।
रत्नकिङ्किणिकारम्यरशनादामभूषिता ॥ १६ ॥
कामेशज्ञातसौभाग्यमार्दवोरुद्वयान्विता ।
माणिक्यमुकुटाकारजानुद्वयविराजिता ॥ १७ ॥
इन्द्रगोपपरिक्षिप्तस्मरतूणाभजङ्घिका ।
गूढगुल्फा कूर्मपृष्ठजयिष्णुप्रपदान्विता ॥ १८ ॥
नखदीधितिसञ्छन्ननमज्जनतमोगुणा ।
पदद्वयप्रभाजालपराकृतसरोरुहा ॥ १९ ॥
शिञ्जानमणिमञ्जीरमण्डितश्रीपदाम्बुजा ।
मरालीमन्दगमना महालावण्यशेवधिः ॥ २० ॥
सर्वारुणाऽनवद्याङ्गी सर्वाभरणभूषिता ।
शिवकामेश्वराङ्कस्था शिवा स्वाधीनवल्लभा ॥ २१ ॥
सुमेरुशृङ्गमध्यस्था श्रीमन्नगरनायिका ।
चिन्तामणिगृहान्तःस्था पञ्चब्रह्मासनस्थिता ॥ २२ ॥
महापद्माटवीसंस्था कदम्बवनवासिनी ।
सुधासागरमध्यस्था कामाक्षी कामदायिनी ॥ २३ ॥
देवर्षिगणसङ्घातस्तूयमानात्मवैभवा ।
भण्डासुरवधोद्युक्तशक्तिसेनासमन्विता ॥ २४ ॥

सम्पत्करीसमारूढसिन्धुरव्रजसेविता ।
अश्वारूढाधिष्ठिताश्वकोटिकोटिभिरावृता ॥ २५ ॥
चक्रराजरथारूढसर्वायुधपरिष्कृता ।
गेयचक्ररथारूढमन्त्रिणीपरिसेविता ॥ २६ ॥
किरिचक्ररथारूढदण्डनाथपुरस्कृता ।
ज्वालामालिनिकाक्षिप्तवह्निप्राकारमध्यगा ॥ २७ ॥
भण्डसैन्यवधोद्युक्तशक्तिविक्रमहर्षिता ।
नित्यापराक्रमाटोपनिरीक्षणसमुत्सुका ॥ २८ ॥
भण्डपुत्रवधोद्युक्तबालाविक्रमनन्दिता ।
मन्त्रिण्यम्बाविरचितविशुक्रवधतोषिता ॥ २९ ॥
विषङ्गप्राणहरणवाराहीवीर्यनन्दिता ।
कामेश्वरमुखालोककल्पितश्रीगणेश्वरा ॥ ३० ॥
महागणेशनिर्भिन्नविघ्नयन्त्रप्रहर्षिता ।
भण्डासुरेन्द्रनिर्मुक्तशस्त्रप्रत्यस्त्रवर्षिणी ॥ ३१ ॥
कराङ्गुलिनखोत्पन्ननारायणदशाकृतिः ।
महापाशुपतास्त्राग्निनिर्दग्धासुरसैनिका ॥ ३२ ॥
कामेश्वरास्त्रनिर्दग्धसभण्डासुरशून्यका ।
ब्रह्मोपेन्द्रमहेन्द्रादिदेवसंस्तुतवैभवा ॥ ३३ ॥
हरनेत्राग्निसन्दग्धकामसञ्जीवनौषधिः ।
श्रीमद्वाग्भवकूटैकस्वरूपमुखपङ्कजा ॥ ३४ ॥
कण्ठाधःकटिपर्यन्तमध्यकूटस्वरूपिणी ।
शक्तिकूटैकतापन्नकट्यधोभागधारिणी ॥ ३५ ॥

मूलमन्त्रात्मिका मूलकूटत्रयकलेवरा।
कुलामृतैकरसिका कुलसङ्केतपालिनी॥ ३६॥
कुलाङ्गना कुलान्तःस्था कौलिनी कुलयोगिनी।
अकुला समयान्तःस्था समयाचारतत्परा॥ ३७॥
मूलाधारैकनिलया ब्रह्मग्रन्थिविभेदिनी।
मणिपूरान्तरुदिता विष्णुग्रन्थिविभेदिनी॥ ३८॥
आज्ञाचक्रान्तरालस्था रुद्रग्रन्थिविभेदिनी।
सहस्त्राराम्बुजारूढा सुधासाराभिवर्षिणी॥ ३९॥
तडिल्लतासमरुचिः षट्चक्रोपरिसंस्थिता।
महाशक्तिः कुण्डलिनी बिसतन्तुतनीयसी॥ ४०॥
भवानी भावनागम्या भवारण्यकुठारिका।
भद्रप्रिया भद्रमूर्तिर्भक्तसौभाग्यदायिनी॥ ४१॥
भक्तप्रिया भक्तिगम्या भक्तिवश्या भयापहा।
शाम्भवी शारदाराध्या शर्वाणी शर्मदायिनी॥ ४२॥
शाङ्करी श्रीकरी साध्वी शरच्चन्द्रनिभानना।
शातोदरी शान्तिमती निराधारा निरञ्जना॥ ४३॥
निर्लेपा निर्मला नित्या निराकारा निराकुला।
निर्गुणा निष्कला शान्ता निष्कामा निरुपप्लवा॥ ४४॥
नित्यमुक्ता निर्विकारा निष्प्रपञ्चा निराश्रया।
नित्यशुद्धा नित्यबुद्धा निरवद्या निरन्तरा॥ ४५॥
निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा।
नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी॥ ४६॥

निश्चिन्ता निरहङ्कारा निर्मोहा मोहनाशिनी।
निर्ममा ममताहन्त्री निष्पापा पापनाशिनी॥ ४७॥
निष्क्रोधा क्रोधशमनी निर्लोभा लोभनाशिनी।
निःसंशया संशयघ्नी निर्भवा भवनाशिनी॥ ४८॥
निर्विकल्पा निराबाधा निर्भेदा भेदनाशिनी।
निर्नाशा मृत्युमथिनी निष्क्रिया निष्परिग्रहा॥ ४९॥
निस्तुला नीलचिकुरा निरपाया निरत्यया।
दुर्लभा दुर्गमा दुर्गा दुःखहन्त्री सुखप्रदा॥ ५०॥
दुष्टदूरा दुराचारशमनी दोषवर्जिता।
सर्वज्ञा सान्द्रकरुणा समानाधिकवर्जिता॥ ५१॥
सर्वशक्तिमयी सर्वमङ्गला सद्गतिप्रदा।
सर्वेश्वरी सर्वमयी सर्वमन्त्रस्वरूपिणी॥ ५२॥
सर्वयन्त्रात्मिका सर्वतन्त्ररूपा मनोन्मनी।
माहेश्वरी महादेवी महालक्ष्मीर्मृडप्रिया॥ ५३॥
महारूपा महापूज्या महापातकनाशिनी।
महामाया महासत्त्वा महाशक्तिर्महारतिः॥ ५४॥
महाभोगा महैश्वर्या महावीर्या महाबला।
महाबुद्धिर्महासिद्धिर्महायोगेश्वरेश्वरी॥ ५५॥
महातन्त्रा महामन्त्रा महायन्त्रा महासना।
महायागक्रमाराध्या महाभैरवपूजिता॥ ५६॥
महेश्वरमहाकल्पमहाताण्डवसाक्षिणी।
महाकामेशमहिषी महात्रिपुरसुन्दरी॥ ५७॥

चतुःषष्ट्युपचाराढ्या चतुःषष्टिकलामयी।
महाचतुःषष्टिकोटियोगिनीगणसेविता ॥ ५८ ॥
मनुविद्या चन्द्रविद्या चन्द्रमण्डलमध्यगा।
चारुरूपा चारुहासा चारुचन्द्रकलाधरा ॥ ५९ ॥
चराचरजगन्नाथा चक्रराजनिकेतना।
पार्वती पद्मनयना पद्मरागसमप्रभा ॥ ६० ॥
पञ्चप्रेतासनासीना पञ्चब्रह्मस्वरूपिणी।
चिन्मयी परमानन्दा विज्ञानघनरूपिणी ॥ ६१ ॥
ध्यानध्यातृध्येयरूपा धर्माधर्मविवर्जिता।
विश्वरूपा जागरिणी स्वपन्ती तैजसात्मिका ॥ ६२ ॥
सुप्ता प्राज्ञात्मिका तुर्या सर्वावस्थाविवर्जिता।
सृष्टिकर्त्री ब्रह्मरूपा गोप्त्री गोविन्दरूपिणी ॥ ६३ ॥
संहारिणी रुद्ररूपा तिरोधानकरीश्वरी।
सदाशिवाऽनुग्रहदा पञ्चकृत्यपरायणा ॥ ६४ ॥
भानुमण्डलमध्यस्था भैरवी भगमालिनी।
पद्मासना भगवती पद्मनाभसहोदरी ॥ ६५ ॥
उन्मेषनिमिषोत्पन्नविपन्नभुवनावली।
सहस्त्रशीर्षवदना सहस्त्राक्षी सहस्त्रपात् ॥ ६६ ॥
आब्रह्मकीटजननी वर्णाश्रमविधायिनी।
निजाज्ञारूपनिगमा पुण्यापुण्यफलप्रदा ॥ ६७ ॥
श्रुतिसीमन्तसिन्दूरीकृतपादाब्जधूलिका।
सकलागमसंदोहशुक्तिसम्पुटमौक्तिका ॥ ६८ ॥

पुरुषार्थप्रदा पूर्णा भोगिनी भुवनेश्वरी।
अम्बिकाऽनादिनिधना हरिब्रह्मेन्द्रसेविता॥ ६९॥
नारायणी नादरूपा नामरूपविवर्जिता।
ह्रींकारी ह्रीमती हृद्या हेयोपादेयवर्जिता॥ ७०॥
राजराजार्चिता राज्ञी रम्या राजीवलोचना।
रञ्जनी रमणी रम्या रणत्किङ्किणिमेखला॥ ७१॥
रमा राकेन्दुवदना रतिरूपा रतिप्रिया।
रक्षाकरी राक्षसघ्नी रामा रमणलम्पटा॥ ७२॥
काम्या कामकलारूपा कदम्बकुसुमप्रिया।
कल्याणी जगतीकन्दा करुणारससागरा॥ ७३॥
कलावती कलालापा कान्ता कादम्बरीप्रिया।
वरदा वामनयना वारुणीमदविह्वला॥ ७४॥
विश्वाधिका वेदवेद्या विन्ध्याचलनिवासिनी।
विधात्री वेदजननी विष्णुमाया विलासिनी॥ ७५॥
क्षेत्रस्वरूपा क्षेत्रेशी क्षेत्रक्षेत्रज्ञपालिनी।
क्षयवृद्धिविनिर्मुक्ता क्षेत्रपालसमर्चिता॥ ७६॥
विजया विमला वन्द्या वन्दारुजनवत्सला।
वाग्वादिनी वामकेशी वह्निमण्डलवासिनी॥ ७७॥
भक्तिमत्कल्पलतिका पशुपाशविमोचिनी।
संहृताशेषपाषण्डा सदाचारप्रवर्तिका॥ ७८॥
तापत्रयाग्निसंतप्तसमाह्लादनचन्द्रिका।
तरुणी तापसाराध्या तनुमध्या तमोऽपहा॥ ७९॥

चितिस्तत्पदलक्ष्यार्था चिदेकरसरूपिणी।
स्वात्मानन्दलवीभूतब्रह्माद्यानन्दसंततिः ॥ ८० ॥
परा प्रत्यक्चितीरूपा पश्यन्ती परदेवता।
मध्यमा वैखरीरूपा भक्तमानसहंसिका ॥ ८१ ॥
कामेश्वरप्राणनाडी कृतज्ञा कामपूजिता।
शृङ्गाररससम्पूर्णा जया जालन्धरस्थिता ॥ ८२ ॥
ओड्याणपीठनिलया बिन्दुमण्डलवासिनी।
रहोयागक्रमाराध्या रहस्तर्पणतर्पिता ॥ ८३ ॥
सद्यःप्रसादिनी विश्वसाक्षिणी साक्षिवर्जिता।
षडङ्गदेवतायुक्ता षाड्गुण्यपरिपूरिता ॥ ८४ ॥
नित्यक्लिन्ना निरुपमा निर्वाणसुखदायिनी।
नित्याषोडशिकारूपा श्रीकण्ठार्धशरीरिणी ॥ ८५ ॥
प्रभावती प्रभारूपा प्रसिद्धा परमेश्वरी।
मूलप्रकृतिरव्यक्ता व्यक्ताव्यक्तस्वरूपिणी ॥ ८६ ॥
व्यापिनी विविधाकारा विद्याविद्यास्वरूपिणी।
महाकामेशनयनकुमुदाह्लादकौमुदी ॥ ८७ ॥
भक्तहार्दतमोभेदभानुमद्भानुसंततिः ।
शिवदूती शिवाराध्या शिवमूर्तिः शिवङ्करी ॥ ८८ ॥
शिवप्रिया शिवपरा शिष्टेष्टा शिष्टपूजिता।
अप्रमेया स्वप्रकाशा मनोवाचामगोचरा ॥ ८९ ॥
चिच्छक्तिश्चेतनारूपा जडशक्तिर्जडात्मिका।
गायत्री व्याहृतिः सन्ध्याद्विजवृन्दनिषेविता ॥ ९० ॥

तत्त्वासना तत्त्वमयी पञ्चकोशान्तरस्थिता।
निःसीममहिमा नित्ययौवना मदशालिनी॥ ९१ ॥
मदघूर्णितरक्ताक्षी मदपाटलगण्डभूः।
चन्दनद्रवदिग्धाङ्गी चाम्पेयकुसुमप्रिया॥ ९२ ॥
कुशला कोमलाकारा कुरुकुल्ला कुलेश्वरी।
कुलकुण्डालया कौलमार्गतत्परसेविता॥ ९३ ॥
कुमारगणनाथाम्बा तुष्टिः पुष्टिर्मतिर्धृतिः।
शान्तिः स्वस्तिमती कान्तिर्नन्दिनी विघ्ननाशिनी॥ ९४ ॥
तेजोवती त्रिनयना लोलाक्षी कामरूपिणी।
मालिनी हंसिनी माता मलयाचलवासिनी॥ ९५ ॥
सुमुखी नलिनी सुभ्रूः शोभना सुरनायिका।
कालकण्ठी कान्तिमती क्षोभिणी सूक्ष्मरूपिणी॥ ९६ ॥
वज्रेश्वरी वामदेवी वयोऽवस्थाविवर्जिता।
सिद्धेश्वरी सिद्धविद्या सिद्धमाता यशस्विनी॥ ९७ ॥
विशुद्धिचक्रनिलयाऽऽरक्तवर्णा त्रिलोचना।
खट्वाङ्गादिप्रहरणा वदनैकसमन्विता॥ ९८ ॥
पायसान्नप्रिया त्वक्स्था पशुलोकभयंकरी।
अमृतादिमहाशक्तिसंवृता डाकिनीश्वरी॥ ९९ ॥
अनाहताब्जनिलया श्यामाभा वदनद्वया।
दंष्ट्रोज्ज्वलाक्षमालादिधरा रुधिरसंस्थिता॥ १०० ॥
कालरात्र्यादिशक्त्यौघवृता स्निग्धौदनप्रिया।
महावीरेन्द्रवरदा राकिण्यम्बास्वरूपिणी॥ १०१ ॥

मणिपूराब्जनिलया वदनत्रयसंयुता।
वज्रादिकायुधोपेता डामर्यादिभिरावृता॥ १०२॥
रक्तवर्णा मांसनिष्ठा गुडान्नप्रीतमानसा।
समस्तभक्तसुखदा लाकिन्यम्बास्वरूपिणी॥ १०३॥
स्वाधिष्ठानाम्बुजगता चतुर्वक्त्रमनोहरा।
शूलाद्यायुधसम्पन्ना पीतवर्णातिगर्विता॥ १०४॥
मेदोनिष्ठा मधुप्रीता बन्धिन्यादिसमन्विता।
दध्यन्नासक्तहृदया काकिनीरूपधारिणी॥ १०५॥
मूलाधाराम्बुजारूढा पञ्चवक्त्राऽस्थिसंस्थिता।
अङ्कुशादिप्रहरणा वरदादिनिषेविता॥ १०६॥
मुद्गौदनासक्तचित्ता साकिन्यम्बास्वरूपिणी।
आज्ञाचक्राब्जनिलया शुक्लवर्णा षडानना॥ १०७॥
मज्जासंस्था हंसवती मुख्यशक्तिसमन्विता।
हरिद्रान्नैकरसिका हाकिनीरूपधारिणी॥ १०८॥
सहस्त्रदलपद्मस्था सर्ववर्णोपशोभिता।
सर्वायुधधरा शुक्लसंस्थिता सर्वतोमुखी॥ १०९॥
सर्वौदनप्रीतचित्ता याकिन्यम्बास्वरूपिणी।
स्वाहा स्वधा मतिर्मेधा श्रुतिस्स्मृतिरनुत्तमा॥ ११०॥
पुण्यकीर्तिः पुण्यलभ्या पुण्यश्रवणकीर्तना।
पुलोमजार्चिता बन्धमोचनी बर्बरालका॥ १११॥
विमर्शरूपिणी विद्या वियदादिजगत्प्रसूः।
सर्वव्याधिप्रशमनी सर्वमृत्युनिवारिणी॥ ११२॥

अग्रगण्याऽचिन्त्यरूपा कलिकल्मषनाशिनी।
कात्यायनी कालहन्त्री कमलाक्षनिषेविता॥ ११३॥
ताम्बूलपूरितमुखी दाडिमीकुसुमप्रभा।
मृगाक्षी मोहिनी मुख्या मृडानी मित्ररूपिणी॥ ११४॥
नित्यतृप्ता भक्तनिधिर्नियन्त्री निखिलेश्वरी।
मैत्र्यादिवासनालभ्या महाप्रलयसाक्षिणी॥ ११५॥
पराशक्तिः परानिष्ठा प्रज्ञानघनरूपिणी।
माध्वीपानालसा मत्ता मातृकावर्णरूपिणी॥ ११६॥
महाकैलासनिलया मृणालमृदुदोर्लता।
महनीया दयामूर्तिर्महासाम्राज्यशालिनी॥ ११७॥
आत्मविद्या महाविद्या श्रीविद्या कामसेविता।
श्रीषोडशाक्षरीविद्या त्रिकूटा कामकोटिका॥ ११८॥
कटाक्षकिङ्करीभूतकमलाकोटिसेविता।
शिरःस्थिता चन्द्रनिभा भालस्थेन्द्रधनुःप्रभा॥ ११९॥
हृदयस्था रविप्रख्या त्रिकोणान्तरदीपिका।
दाक्षायणी दैत्यहन्त्री दक्षयज्ञविनाशिनी॥ १२०॥
दरान्दोलितदीर्घाक्षी दरहासोज्ज्वलन्मुखी।
गुरुमूर्तिर्गुणनिधिर्गोमाता गुहजन्मभूः॥ १२१॥
देवेशी दण्डनीतिस्था दहराकाशरूपिणी।
प्रतिपन्मुख्यराकान्ततिथिमण्डलपूजिता॥ १२२॥
कलात्मिका कलानाथा काव्यालापविमोदिनी।
सचामररमावाणीसव्यदक्षिणसेविता॥ १२३॥

आदिशक्तिरमेयात्मा परमा पावनाकृतिः।
अनेककोटिब्रह्माण्डजननी दिव्यविग्रहा॥ १२४॥
क्लींकारी केवला गुह्या कैवल्यपददायिनी।
त्रिपुरा त्रिजगद्वन्द्या त्रिमूर्तिस्त्रिदशेश्वरी॥ १२५॥
त्र्यक्षरी दिव्यगन्धाढ्या सिन्दूरतिलकाञ्चिता।
उमा शैलेन्द्रतनया गौरी गन्धर्वसेविता॥ १२६॥
विश्वगर्भा स्वर्णगर्भा वरदा वागधीश्वरी।
ध्यानगम्याऽपरिच्छेद्या ज्ञानदा ज्ञानविग्रहा॥ १२७॥
सर्ववेदान्तसंवेद्या सत्यानन्दस्वरूपिणी।
लोपामुद्रार्चिता लीलाक्लृप्तब्रह्माण्डमण्डला॥ १२८॥
अदृश्या दृश्यरहिता विज्ञात्री वेद्यवर्जिता।
योगिनी योगदा योग्या योगानन्दा युगन्धरा॥ १२९॥
इच्छाशक्तिज्ञानशक्तिक्रियाशक्तिस्वरूपिणी ।
सर्वाधारा सुप्रतिष्ठा सदसद्रूपधारिणी॥ १३०॥
अष्टमूर्तिरजाजैत्री लोकयात्राविधायिनी।
एकाकिनी भूमरूपा निर्द्वैता द्वैतवर्जिता॥ १३१॥
अन्नदा वसुदा वृद्धा ब्रह्मात्मैक्यस्वरूपिणी।
बृहती ब्राह्मणी ब्राह्मी ब्रह्मानन्दा बलिप्रिया॥ १३२॥
भाषारूपा बृहत्सेना भावाऽभावविवर्जिता।
सुखाराध्या शुभकरी शोभना सुलभा गतिः॥ १३३॥
राजराजेश्वरी राज्यदायिनी राज्यवल्लभा।
राजत्कृपा राजपीठनिवेशितनिजाश्रिता॥ १३४॥

राज्यलक्ष्मीः कोशनाथा चतुरङ्गबलेश्वरी।
साम्राज्यदायिनी सत्यसन्धा सागरमेखला॥ १३५॥
दीक्षिता दैत्यशमनी सर्वलोकवशंकरी।
सर्वार्थदात्री सावित्री सच्चिदानन्दरूपिणी॥ १३६॥
देशकालापरिच्छिन्ना सर्वगा सर्वमोहिनी।
सरस्वती शास्त्रमयी गुहाम्बा गुह्यरूपिणी॥ १३७॥
सर्वोपाधिविनिर्मुक्ता सदाशिवपतिव्रता।
सम्प्रदायेश्वरी साध्वी गुरुमण्डलरूपिणी॥ १३८॥
कुलोत्तीर्णा भगाराध्या माया मधुमती मही।
गणाम्बा गुह्यकाराध्या कोमलाङ्गी गुरुप्रिया॥ १३९॥
स्वतन्त्रा सर्वतन्त्रेशी दक्षिणामूर्तिरूपिणी।
सनकादिसमाराध्या शिवज्ञानप्रदायिनी॥ १४०॥
चित्कलानन्दकलिका प्रेमरूपा प्रियङ्करी।
नामपारायणप्रीता नन्दिविद्या नटेश्वरी॥ १४१॥
मिथ्याजगदधिष्ठाना मुक्तिदा मुक्तिरूपिणी।
लास्यप्रिया लयकरी लज्जा रम्भादिवन्दिता॥ १४२॥
भवदावसुधावृष्टिः पापारण्यदवानला।
दौर्भाग्यतूलवातूला जराध्वान्तरविप्रभा॥ १४३॥
भाग्याब्धिचन्द्रिका भक्तचित्तकेकिघनाघना।
रोगपर्वतदम्भोलिर्मृत्युदारुकुठारिका॥ १४४॥
महेश्वरी महाकाली महाग्रासा महाशना।
अपर्णा चण्डिका चण्डमुण्डासुरनिषूदनी॥ १४५॥

क्षराक्षरात्मिका सर्वलोकेशी विश्वधारिणी।
त्रिवर्गदात्री सुभगा त्र्यम्बका त्रिगुणात्मिका॥ १४६॥
स्वर्गापवर्गदा शुद्धा जपापुष्पनिभाकृतिः।
ओजोवती द्युतिधरा यज्ञरूपा प्रियव्रता॥ १४७॥
दुराराध्या दुराधर्षा पाटलीकुसुमप्रिया।
महती मेरुनिलया मन्दारकुसुमप्रिया॥ १४८॥
वीराराध्या विराड्रूपा विरजा विश्वतोमुखी।
प्रत्यग्रूपा पराकाशा प्राणदा प्राणरूपिणी॥ १४९॥
मार्तण्डभैरवाराध्या मन्त्रिणीन्यस्तराज्यधूः।
त्रिपुरेशी जयत्सेना निस्त्रैगुण्या परापरा॥ १५०॥
सत्यज्ञानानन्दरूपा सामरस्यपरायणा।
कपर्दिनी कलामाला कामधुक्कामरूपिणी॥ १५१॥
कलानिधिः काव्यकला रसज्ञा रसशेवधिः।
पुष्टा पुरातना पूज्या पुष्करा पुष्करेक्षणा॥ १५२॥
परंज्योतिः परंधाम परमाणुः परात्परा।
पाशहस्ता पाशहन्त्री परमन्त्रविभेदिनी॥ १५३॥
मूर्तामूर्ता नित्यतृप्ता मुनिमानसहंसिका।
सत्यव्रता सत्यरूपा सर्वान्तर्यामिणी सती॥ १५४॥
ब्रह्माणी ब्रह्मजननी बहुरूपा बुधार्चिता।
प्रसवित्री प्रचण्डाऽऽज्ञा प्रतिष्ठा प्रकटाकृतिः॥ १५५॥
प्राणेश्वरी प्राणदात्री पञ्चाशत्पीठरूपिणी।
विशृङ्खला विविक्तस्था वीरमाता वियत्प्रसूः॥ १५६॥

मुकुन्दा मुक्तिनिलया मूलविग्रहरूपिणी।
भावज्ञा भवरोगघ्नी भवचक्रप्रवर्तिनी॥ १५७॥
छन्दःसारा शास्त्रसारा मन्त्रसारा तलोदरी।
उदारकीर्तिरुद्दामवैभवा वर्णरूपिणी॥ १५८॥
जन्ममृत्युजरातप्तजनविश्रान्तिदायिनी।
सर्वोपनिषदुद्घुष्टा शान्त्यतीता कलात्मिका॥ १५९॥
गम्भीरा गगनान्तःस्था गर्विता गानलोलुपा।
कल्पनारहिता काष्ठाकान्ता कान्तार्धविग्रहा॥ १६०॥
कार्यकारणनिर्मुक्ता कामकेलितरङ्गिता।
कनत्कनकताटङ्का लीलाविग्रहधारिणी॥ १६१॥
अजा क्षयविनिर्मुक्ता मुग्धा क्षिप्रप्रसादिनी।
अन्तर्मुखसमाराध्या बहिर्मुखसुदुर्लभा॥ १६२॥
त्रयी त्रिवर्गनिलया त्रिस्था त्रिपुरमालिनी।
निरामया निरालम्बा स्वात्मारामा सुधास्रुतिः॥ १६३॥
संसारपङ्कनिर्मग्नसमुद्धरणपण्डिता।
यज्ञप्रिया यज्ञकर्त्री यजमानस्वरूपिणी॥ १६४॥
धर्माधारा धनाध्यक्षा धनधान्यविवर्धिनी।
विप्रप्रिया विप्ररूपा विश्वभ्रमणकारिणी॥ १६५॥
विश्वग्रासा विद्रुमाभा वैष्णवी विष्णुरूपिणी।
अयोनिर्योनिनिलया कूटस्था कुलरूपिणी॥ १६६॥
वीरगोष्ठीप्रिया वीरा नैष्कर्म्या नादरूपिणी।
विज्ञानकलना कल्या विदग्धा बैन्दवासना॥ १६७॥

तत्त्वाधिका तत्त्वमयी तत्त्वमर्थस्वरूपिणी।
सामगानप्रिया सौम्या सदाशिवकुटुम्बिनी॥ १६८॥
सव्यापसव्यमार्गस्था सर्वापद्विनिवारिणी।
स्वस्था स्वभावमधुरा धीरा धीरसमर्चिता॥ १६९॥
चैतन्यार्घ्यसमाराध्या चैतन्यकुसुमप्रिया।
सदोदिता सदातुष्टा तरुणादित्यपाटला॥ १७०॥
दक्षिणादक्षिणाराध्या दरस्मेरमुखाम्बुजा।
कौलिनीकेवलाऽनर्घ्यकैवल्यपददायिनी॥ १७१॥
स्तोत्रप्रिया स्तुतिमती श्रुतिसंस्तुतवैभवा।
मनस्विनी मानवती महेशी मङ्गलाकृतिः॥ १७२॥
विश्वमाता जगद्धात्री विशालाक्षी विरागिणी।
प्रगल्भा परमोदारा परामोदा मनोमयी॥ १७३॥
व्योमकेशी विमानस्था वज्रिणी वामकेश्वरी।
पञ्चयज्ञप्रिया पञ्चप्रेतमञ्चाधिशायिनी॥ १७४॥
पञ्चमी पञ्चभूतेशी पञ्चसंख्योपचारिणी।
शाश्वती शाश्वतैश्वर्या शर्मदा शम्भुमोहिनी॥ १७५॥
धरा धरासुता धन्या धर्मिणी धर्मवर्धिनी।
लोकातीता गुणातीता सर्वातीता शमात्मिका॥ १७६॥
बन्धूककुसुमप्रख्या बाला लीलाविनोदिनी।
सुमङ्गली सुखकरी सुवेषाढ्या सुवासिनी॥ १७७॥
सुवासिन्यर्चनप्रीताऽऽशोभना शुद्धमानसा।
विन्दुतर्पणसंतुष्टा पूर्वजा त्रिपुराम्बिका॥ १७८॥

दशमुद्रासमाराध्या त्रिपुराश्रीवशंकरी।
ज्ञानमुद्रा ज्ञानगम्या ज्ञानज्ञेयस्वरूपिणी॥ १७९॥
योनिमुद्रा त्रिखण्डेशी त्रिगुणाम्बा त्रिकोणगा।
अनघाऽद्भुतचारित्रा वाञ्छितार्थप्रदायिनी॥ १८०॥
अभ्यासातिशयज्ञाता षडध्वातीतरूपिणी।
अव्याजकरुणामूर्तिरज्ञानध्वान्तदीपिका॥ १८१॥
आबालगोपविदिता सर्वानुल्लङ्घ्यशासना।
श्रीचक्रराजनिलया श्रीमत्त्रिपुरसुन्दरी॥ १८२॥
श्रीशिवा शिवशक्त्यैक्यरूपिणी ललिताम्बिका ॐ॥

फलश्रुतिः

इत्येवं नामसाहस्रं कथितं ते घटोद्भव॥
रहस्यानां रहस्यं च ललिताप्रीतिदायकम्।
अनेन सदृशं स्तोत्रं न भूतं न भविष्यति॥
सर्वरोगप्रशमनं सर्वसम्पत्प्रवर्धनम्।
सर्वापमृत्युशमनं कालमृत्युनिवारणम्॥
सर्वज्वरार्तिशमनं दीर्घायुष्यप्रदायकम्।
पुत्रप्रदमपुत्राणां पुरुषार्थप्रदायकम्॥
इदं विशेषाच्छ्रीदेव्याः स्तोत्रं प्रीतिविधायकम्।
जपेन्नित्यं प्रयत्नेन ललितोपास्तितत्परः॥

× × ×

रहस्यनामसाहस्रे नामैकमपि यः पठेत्।
तस्य पापानि नश्यन्ति महान्त्यपि न संशयः॥

नित्यकर्माननुष्ठानान्निषिद्धकरणादपि ।
यत्पापं जायते पुंसां तत्सर्वं नश्यति द्रुतम्॥

× × ×

भक्तो यः कीर्तयन् नित्यमिदं नामसहस्रकम्।
तस्मै श्रीललितादेवी प्रीताभीष्टं प्रयच्छति॥

× × ×

यः पठेन्नामसाहस्रं षण्मासं भक्तिसंयुतम्।
लक्ष्मीश्चाञ्चल्यरहिता सदा तिष्ठति तद्गृहे॥
मासमेकं प्रतिदिनं त्रिवारं यः पठेन्नरः।
भारती तस्य जिह्वाग्रे रङ्गे नृत्यति नित्यशः॥

× × ×

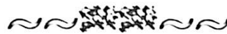
श्रीमन्त्रराजसदृशो यथा मन्त्रो न विद्यते।
देवता ललितातुल्या यथा नास्ति घटोद्भव॥
रहस्यनामसाहस्रतुल्या नास्ति तथा स्तुतिः।
लिखित्वा पुस्तके यस्तु नामसाहस्रमुत्तमम्॥
समर्चयेत् सदा भक्त्या तस्य तुष्यति सुन्दरी।
बहुनाऽत्र किमुक्तेन शृणु त्वं कुम्भसम्भव॥
नानेन सदृशं स्तोत्रं सर्वतन्त्रेषु विद्यते।
तस्मादुपासको नित्यं कीर्तयेदिदमादरात्॥

× × ×

महानवम्यां यो भक्तः श्रीदेवीं चक्रमध्यगाम्।
अर्चयेन्नामसाहस्रैस्तस्य मुक्तिः करे स्थिता॥

यस्तु नामसहस्रेण शुक्रवारे समर्चयेत्।
चक्रराजे महादेवीं तस्य पुण्यफलं शृणु॥
सर्वान् कामानवाप्येह सर्वसौभाग्यसंयुतः।
पुत्रपौत्रादिसंयुक्तो भुक्त्वा भोगान् यथेप्सितान्॥
अन्ते श्रीललितादेव्याः सायुज्यमतिदुर्लभम्।
प्रार्थनीयं शिवाद्यैश्च प्राप्नोत्येव न संशयः॥
यः सहस्रं ब्राह्मणानामेभिर्नामसहस्रकैः।
समर्प्य भोजयेद् भक्त्या पायसापूपषड्रसैः॥
तस्मै प्रीणाति ललिता स्वसाम्राज्यं प्रयच्छति।
न तस्य दुर्लभं वस्तु त्रिषु लोकेषु विद्यते॥
निष्कामः कीर्तयेद्यस्तु नामसाहस्रमुत्तमम्।
ब्रह्मज्ञानमवाप्नोति येन मुच्येत बन्धनात्॥
धनार्थी धनमाप्नोति यशोऽर्थी चाप्नुयाद्यशः।
विद्यार्थी चाप्नुयाद्विद्यां नामसाहस्रकीर्तनात्॥
नानेन सदृशं स्तोत्रं भोगमोक्षप्रदं मुने।
कीर्तनीयमिदं तस्माद् भोगमोक्षार्थिभिर्नरैः॥

॥ इति श्रीब्रह्माण्डपुराणे ललितोपाख्याने हयग्रीवागस्त्यसंवादे श्रीललितासहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीललितादेव्यै नमः ॥

श्रीललितासहस्रनामावलिः

१ ॐ श्रीमात्रे नमः ।
२ ॐ श्रीमहाराज्यै नमः ।
३ ॐ श्रीमत्सिंहासनेश्वर्यै नमः ।
४ ॐ चिदग्निकुण्डसम्भूतायै नमः ।
५ ॐ देवकार्यसमुद्यतायै नमः ।
६ ॐ उद्यद्भानुसहस्राभायै नमः ।
७ ॐ चतुर्बाहुसमन्वितायै नमः ।
८ ॐ रागस्वरूपपाशाढ्यायै नमः ।
९ ॐ क्रोधाकाराङ्कुशोज्ज्वलायै नमः ।
१० ॐ मनोरूपेक्षुकोदण्डायै नमः ।
११ ॐ पञ्चतन्मात्रसायकायै नमः ।
१२ ॐ निजारुणप्रभापूरमज्जद्-
ब्रह्माण्डमण्डलायै नमः ।
१३ ॐ चम्पकाशोकपुन्नागसौगन्धि-
कलसत्कचायै नमः ।
१४ ॐ कुरुविन्दमणिश्रेणीकन-
त्कोटीरमण्डितायै नमः ।
१५ ॐ अष्टमीचन्द्रविभ्राजदलिक-
स्थलशोभितायै नमः ।
१६ ॐ मुखचन्द्रकलङ्काभमृगनाभि-
विशेषिकायै नमः ।
१७ ॐ वदनस्मरमाङ्गल्यगृहतोरण-
चिल्लिकायै नमः ।
१८ ॐ वक्त्रलक्ष्मीपरीवाहचलन्-
मीनाभलोचनायै नमः ।
१९ ॐ नवचम्पकपुष्पाभनासा-
दण्डविराजितायै नमः ।
२० ॐ ताराकान्तितिरस्कारिनासा-
भरणभासुरायै नमः ।
२१ ॐ कदम्बमञ्जरीक्लृप्तकर्णपूर-
मनोहरायै नमः ।
२२ ॐ ताटङ्कयुगलीभूततपनोडुप-
मण्डलायै नमः ।
२३ ॐ पद्मरागशिलादर्शपरिभावि-
कपोलभुवे नमः ।
२४ ॐ नवविद्रुमबिम्बश्रीन्यक्कारि-
दशनच्छदायै नमः ।
२५ ॐ शुद्धविद्याङ्कुराकार-
द्विजपंक्तिद्वयोज्ज्वलायै नमः ।
२६ ॐ कर्पूरवीटिकामोद-
समाकर्षिदिगन्तरायै नमः ।
२७ ॐ निजसंलापमाधुर्यविनिर्भ-
र्त्सितकच्छप्यै नमः ।
२८ ॐ मन्दस्मितप्रभापूरमज्जत्का-
मेशमानसायै नमः ।
२९ ॐ अनाकलितसादृश्यचिबुक-

श्रीविराजितायै नमः।
३० ॐ कामेशबद्धमाङ्गल्यसूत्र-
शोभितकन्धरायै नमः।
३१ ॐ कनकाङ्गदकेयूरकमनीय-
भुजान्वितायै नमः।
३२ ॐ रत्नग्रैवेयचिन्ताकलोलमुक्ता-
फलान्वितायै नमः।
३३ ॐ कामेश्वरप्रेमरत्नमणिप्रतिपण-
स्तन्यै नमः।
३४ ॐ नाभ्यालवालरोमालिलता-
फलकुचद्वय्यै नमः।
३५ ॐ लक्ष्यरोमलताधारतासमुन्नेय-
मध्यमायै नमः।
३६ ॐ स्तनभारदलन्मध्यपट्टबन्ध-
वलित्रयायै नमः।
३७ ॐ अरुणारुणकौसुम्भवस्त्र-
भास्वत्कटीतट्यै नमः।
३८ ॐ रत्नकिङ्किणिकारम्यरशना-
दामभूषितायै नमः।
३९ ॐ कामेशज्ञातसौभाग्यमार्द-
वोरुद्वयान्वितायै नमः।
४० ॐमाणिक्यमुकुटाकारजानुद्वय-
विराजितायै नमः।
४१ ॐ इन्द्रगोपपरिक्षिप्तस्मरतूणाभ-
जङ्घिकायै नमः।
४२ ॐ गूढगुल्फायै नमः।
४३ ॐ कूर्मपृष्ठजयिष्णुप्रपदान्वि-
तायै नमः।
४४ ॐ नखदीधितिसञ्छन्ननमज्जन-
तमोगुणायै नमः।
४५ ॐ पदद्वयप्रभाजाल-
पराकृतसरोरुहायै नमः।
४६ ॐ शिञ्जानमणिमञ्जीर-
मण्डितश्रीपदाम्बुजायै नमः।
४७ ॐ मरालीमन्दगमनायै नमः।
४८ ॐ महालावण्यशेवधये नमः।
४९ ॐ सर्वारुणायै नमः।
५० ॐ अनवद्याङ्ग्यै नमः।
५१ ॐ सर्वाभरणभूषितायै नमः।
५२ ॐ शिवकामेश्वराङ्कस्थायै नमः।
५३ ॐ शिवायै नमः।
५४ ॐ स्वाधीनवल्लभायै नमः।
५५ ॐ सुमेरुश्रृङ्गमध्यस्थायै नमः।
५६ ॐ श्रीमन्नगरनायिकायै नमः।
५७ ॐ चिन्तामणिगृहान्तःस्थायै नमः।
५८ ॐ पञ्चब्रह्मासनस्थितायै नमः।
५९ ॐ महापद्माटवीसंस्थायै नमः।
६० ॐ कदम्बवनवासिन्यै नमः।
६१ ॐ सुधासागरमध्यस्थायै नमः।
६२ ॐ कामाक्ष्यै नमः।
६३ ॐ कामदायिन्यै नमः।
६४ ॐ देवर्षिगणसंघातस्तूय-
मानात्मवैभवायै नमः।
६५ ॐ भण्डासुरवधोद्युक्तशक्ति-
सेनासमन्वितायै नमः।
६६ ॐ सम्पत्करीसमारूढसिन्धुर-

व्रजसेवितायै नमः।
६७ ॐ अश्वारूढाधिष्ठिताश्वकोटि-कोटिभिरावृतायै नमः।
६८ ॐ चक्रराजरथारूढसर्वायुध-परिष्कृतायै नमः।
६९ ॐ गेयचक्ररथारूढमन्त्रिणी-परिसेवितायै नमः।
७० ॐ किरिचक्ररथारूढदण्डनाथ-पुरस्कृतायै नमः।
७१ ॐ ज्वालामालिनिकाक्षिप्तवह्नि-प्राकारमध्यगायै नमः।
७२ ॐ भण्डसैन्यवधोद्युक्तशक्ति-विक्रमहर्षितायै नमः।
७३ ॐ नित्यापराक्रमाटोपनिरीक्षण-समुत्सुकायै नमः।
७४ ॐ भण्डपुत्रबधोद्युक्तबाला-विक्रमनन्दितायै नमः।
७५ ॐ मन्त्रिण्यम्बाविरचितविशु-क्रवधतोषितायै नमः।
७६ ॐ विषङ्गप्राणहरणवाराही-वीर्यनन्दितायै नमः।
७७ ॐ कामेश्वरमुखालोककल्पित-श्रीगणेश्वरायै नमः।
७८ ॐ महागणेशनिर्भिन्नविघ्न-यन्त्रप्रहर्षितायै नमः।
७९ ॐ भण्डासुरेन्द्रनिर्मुक्तशस्त्र-प्रत्यस्त्रवर्षिण्यै नमः।
८० ॐ कराङ्गुलिनखोत्पन्ननारायण-दशाकृत्यै नमः।
८१ ॐ महापाशुपतास्त्राग्निनिर्दग्धा-सुरसैनिकायै नमः।
८२ ॐ कामेश्वरास्त्रनिर्दग्धसभण्डा-सुरशून्यकायै नमः।
८३ ॐ ब्रह्मोपेन्द्रमहेन्द्रादिदेवसंस्तुत-वैभवायै नमः।
८४ ॐ हरनेत्राग्निसंदग्धकामसंजी-वनौषध्यै नमः।
८५ ॐ श्रीमद्वाग्भवकूटैकस्वरूप-मुखपङ्कजायै नमः।
८६ ॐ कण्ठाधःकटिपर्यन्तमध्य-कूटस्वरूपिण्यै नमः।
८७ ॐ शक्तिकूटैकतापन्नकट्यधो-भागधारिण्यै नमः।
८८ ॐ मूलमन्त्रात्मिकायै नमः।
८९ ॐ मूलकूटत्रयकलेवरायै नमः।
९० ॐ कुलामृतैकरसिकायै नमः।
९१ ॐ कुलसङ्केतपालिन्यै नमः।
९२ ॐ कुलाङ्गनायै नमः।
९३ ॐ कुलान्तःस्थायै नमः।
९४ ॐ कौलिन्यै नमः।
९५ ॐ कुलयोगिन्यै नमः।
९६ ॐ अकुलायै नमः।
९७ ॐ समयान्तःस्थायै नमः।
९८ ॐ समयाचारतत्परायै नमः।
९९ ॐ मूलाधारैकनिलयायै नमः।
१०० ॐ ब्रह्मग्रन्थिविभेदिन्यै नमः।

१०१ ॐ मणिपूरान्तरुदितायै नमः।
१०२ ॐ विष्णुग्रन्थिविभेदिन्यै नमः।
१०३ ॐ आज्ञाचक्रान्तरालस्थायै नमः।
१०४ ॐ रुद्रग्रन्थिविभेदिन्यै नमः।
१०५ ॐ सहस्त्राराम्बुजारूढायै नमः।
१०६ ॐ सुधासाराभिवर्षिण्यै नमः।
१०७ ॐ तडिल्लतासमरुच्यै नमः।
१०८ ॐ षट्चक्रोपरिसंस्थितायै नमः।
१०९ ॐ महाशक्त्यै नमः।
११० ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
१११ ॐ बिसतन्तुतनीयस्यै नमः।
११२ ॐ भवान्यै नमः।
११३ ॐ भावनागम्यायै नमः।
११४ ॐ भवारण्यकुठारिकायै नमः।
११५ ॐ भद्रप्रियायै नमः।
११६ ॐ भद्रमूर्त्यै नमः।
११७ ॐ भक्तसौभाग्यदायिन्यै नमः।
११८ ॐ भक्तिप्रियायै नमः
११९ ॐ भक्तिगम्यायै नमः।
१२० ॐ भक्तिवश्यायै नमः।
१२१ ॐ भयापहायै नमः।
१२२ ॐ शाम्भव्यै नमः।
१२३ ॐ शारदाराध्यायै नमः।
१२४ ॐ शर्वाण्यै नमः।
१२५ ॐ शर्मदायिन्यै नमः।
१२६ ॐ शाङ्कर्यै नमः।
१२७ ॐ श्रीकर्यै नमः।
१२८ ॐ साध्व्यै नमः।
१२९ ॐ शरच्चन्द्रनिभाननायै नमः।
१३० ॐ शातोदर्यै नमः।
१३१ ॐ शान्तिमत्यै नमः।
१३२ ॐ निराधारायै नमः।
१३३ ॐ निरञ्जनायै नमः।
१३४ ॐ निर्लेपायै नमः।
१३५ ॐ निर्मलायै नमः।
१३६ ॐ नित्यायै नमः।
१३७ ॐ निराकारायै नमः।
१३८ ॐ निराकुलायै नमः।
१३९ ॐ निर्गुणायै नमः।
१४० ॐ निष्कलायै नमः।
१४१ ॐ शान्तायै नमः।
१४२ ॐ निष्कामायै नमः।
१४३ ॐ निरुपप्लवायै नमः।
१४४ ॐ नित्यमुक्तायै नमः।
१४५ ॐ निर्विकारायै नमः।
१४६ ॐ निष्प्रपञ्चायै नमः।
१४७ ॐ निराश्रयायै नमः।
१४८ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
१४९ ॐ नित्यबुद्धायै नमः।
१५० ॐ निरवद्यायै नमः।
१५१ ॐ निरन्तरायै नमः।
१५२ ॐ निष्कारणायै नमः।
१५३ ॐ निष्कलङ्कायै नमः।
१५४ ॐ निरुपाधये नमः।
१५५ ॐ निरीश्वरायै नमः।
१५६ ॐ नीरागायै नमः।

१५७ ॐ रागमथन्यै नमः।
१५८ ॐ निर्मदायै नमः।
१५९ ॐ मदनाशिन्यै नमः।
१६० ॐ निश्चिन्तायै नमः।
१६१ ॐ निरहङ्कारायै नमः।
१६२ ॐ निर्मोहायै नमः।
१६३ ॐ मोहनाशिन्यै नमः।
१६४ ॐ निर्ममायै नमः।
१६५ ॐ ममताहन्त्र्यै नमः।
१६६ ॐ निष्पापायै नमः।
१६७ ॐ पापनाशिन्यै नमः।
१६८ ॐ निष्क्रोधायै नमः।
१६९ ॐ क्रोधशमन्यै नमः।
१७० ॐ निर्लोभायै नमः।
१७१ ॐ लोभनाशिन्यै नमः।
१७२ ॐ निःसंशयायै नमः।
१७३ ॐ संशयघ्न्यै नमः।
१७४ ॐ निर्भवायै नमः।
१७५ ॐ भवनाशिन्यै नमः।
१७६ ॐ निर्विकल्पायै नमः।
१७७ ॐ निराबाधायै नमः।
१७८ ॐ निर्भेदायै नमः।
१७९ ॐ भेदनाशिन्यै नमः।
१८० ॐ निर्नाशायै नमः।
१८१ ॐ मृत्युमथिन्यै नमः।
१८२ ॐ निष्क्रियायै नमः।
१८३ ॐ निष्परिग्रहायै नमः।
१८४ ॐ निस्तुलायै नमः।
१८५ ॐ नीलचिकुरायै नमः।
१८६ ॐ निरपायायै नमः।
१८७ ॐ निरत्ययायै नमः।
१८८ ॐ दुर्लभायै नमः।
१८९ ॐ दुर्गमायै नमः।
१९० ॐ दुर्गायै नमः।
१९१ ॐ दुःखहन्त्र्यै नमः।
१९२ ॐ सुखप्रदायै नमः।
१९३ ॐ दुष्टदूरायै नमः।
१९४ ॐ दुराचारशमन्यै नमः।
१९५ ॐ दोषवर्जितायै नमः।
१९६ ॐ सर्वज्ञायै नमः।
१९७ ॐ सान्द्रकरुणायै नमः।
१९८ ॐ समानाधिकवर्जितायै नमः।
१९९ ॐ सर्वशक्तिमय्यै नमः।
२०० ॐ सर्वमङ्गलायै नमः।
२०१ ॐ सद्गतिप्रदायै नमः
२०२ ॐ सर्वेश्वर्यै नमः।
२०३ ॐ सर्वमय्यै नमः।
२०४ ॐ सर्वमन्त्रस्वरूपिण्यै नमः।
२०५ ॐ सर्वयन्त्रात्मिकायै नमः।
२०६ ॐ सर्वतन्त्ररूपायै नमः।
२०७ ॐ मनोन्मन्यै नमः।
२०८ ॐ माहेश्वर्यै नमः।
२०९ ॐ महादेव्यै नमः।
२१० ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
२११ ॐ मृडप्रियायै नमः।
२१२ ॐ महारूपायै नमः।

२१३ ॐ महापूज्यायै नमः।
२१४ ॐ महापातकनाशिन्यै नमः।
२१५ ॐ महामायायै नमः।
२१६ ॐ महासत्त्वायै नमः।
२१७ ॐ महाशक्त्यै नमः।
२१८ ॐ महारत्यै नमः।
२१९ ॐ महाभोगायै नमः।
२२० ॐ महैश्वर्यायै नमः।
२२१ ॐ महावीर्यायै नमः।
२२२ ॐ महाबलायै नमः।
२२३ ॐ महाबुद्ध्यै नमः।
२२४ ॐ महासिद्ध्यै नमः।
२२५ ॐ महायोगेश्वरेश्वर्यै नमः।
२२६ ॐ महातन्त्रायै नमः।
२२७ ॐ महामन्त्रायै नमः।
२२८ ॐ महायन्त्रायै नमः।
२२९ ॐ महासनायै नमः।
२३० ॐ महायागक्रमाराध्यायै नमः।
२३१ ॐ महाभैरवपूजितायै नमः।
२३२ ॐ महेश्वरमहाकल्पमहा-
ताण्डवसाक्षिण्यै नमः।
२३३ ॐ महाकामेशमहिष्यै नमः।
२३४ ॐ महात्रिपुरसुन्दर्यै नमः।
२३५ ॐ चतुःषष्ट्युपचाराढ्यायै नमः।
२३६ ॐ चतुःषष्टिकलामय्यै नमः।
२३७ ॐ महाचतुःषष्टिकोटियोगिनी-
गणसेवितायै नमः।
२३८ ॐ मनुविद्यायै नमः।
२३९ ॐ चन्द्रविद्यायै नमः।
२४० ॐ चन्द्रमण्डलमध्यगायै नमः।
२४१ ॐ चारुरूपायै नमः।
२४२ ॐ चारुहासायै नमः।
२४३ ॐ चारुचन्द्रकलाधरायै नमः।
२४४ ॐ चराचरजगन्नाथायै नमः।
२४५ ॐ चक्रराजनिकेतनायै नमः।
२४६ ॐ पार्वत्यै नमः।
२४७ ॐ पद्मनयनायै नमः।
२४८ ॐ पद्मरागसमप्रभायै नमः।
२४९ ॐ पञ्चप्रेतासनासीनायै नमः।
२५० ॐ पञ्चब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः।
२५१ ॐ चिन्मय्यै नमः।
२५२ ॐ परमानन्दायै नमः।
२५३ ॐ विज्ञानघनरूपिण्यै नमः।
२५४ ॐ ध्यानध्यातृध्येयरूपायै नमः।
२५५ ॐ धर्माधर्मविवर्जितायै नमः।
२५६ ॐ विश्वरूपायै नमः।
२५७ ॐ जागरिण्यै नमः।
२५८ ॐ स्वपन्त्यै नमः।
२५९ ॐ तैजसात्मिकायै नमः।
२६० ॐ सुप्तायै नमः।
२६१ ॐ प्राज्ञात्मिकायै नमः।
२६२ ॐ तुर्यायै नमः।
२६३ ॐ सर्वावस्थाविवर्जितायै नमः।
२६४ ॐ सृष्टिकर्त्र्यै नमः।
२६५ ॐ ब्रह्मरूपायै नमः।
२६६ ॐ गोप्त्र्यै नमः।

२६७ ॐ गोविन्दरूपिण्यै नमः।
२६८ ॐ संहारिण्यै नमः।
२६९ ॐ रुद्ररूपायै नमः।
२७० ॐ तिरोधानकर्यै नमः।
२७१ ॐ ईश्वर्यै नमः।
२७२ ॐ सदाशिवायै नमः।
२७३ ॐ अनुग्रहदायै नमः।
२७४ ॐ पञ्चकृत्यपरायणायै नमः।
२७५ ॐ भानुमण्डलमध्यस्थायै नमः।
२७६ ॐ भैरव्यै नमः।
२७७ ॐ भगमालिन्यै नमः।
२७८ ॐ पद्मासनायै नमः।
२७९ ॐ भगवत्यै नमः।
२८० ॐ पद्मनाभसहोदर्यै नमः।
२८१ ॐ उन्मेषनिमिषोत्पन्नविपन्न-
भुवनावल्यै नमः।
२८२ ॐ सहस्त्रशीर्षवदनायै नमः।
२८३ ॐ सहस्त्राक्ष्यै नमः।
२८४ ॐ सहस्त्रपदे नमः।
२८५ ॐ आब्रह्मकीटजनन्यै नमः।
२८६ ॐ वर्णाश्रमविधायिन्यै नमः।
२८७ ॐ निजाज्ञारूपनिगमायै नमः।
२८८ ॐ पुण्यापुण्यफलप्रदायै नमः।
२८९ ॐ श्रुतिसीमन्तसिन्दूरीकृत-
पादाब्जधूलिकायै नमः।
२९० ॐ सकलागमसंदोहशुक्ति-
सम्पुटमौक्तिकायै नमः।
२९१ ॐ पुरुषार्थप्रदायै नमः।
२९२ ॐ पूर्णायै नमः।
२९३ ॐ भोगिन्यै नमः
२९४ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
२९५ ॐ अम्बिकायै नमः।
२९६ ॐ अनादिनिधनायै नमः।
२९७ ॐ हरिब्रह्मेन्द्रसेवितायै नमः।
२९८ ॐ नारायण्यै नमः।
२९९ ॐ नादरूपायै नमः।
३०० ॐ नामरूपविवर्जितायै नमः।
३०१ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
३०२ ॐ ह्रीमत्यै नमः।
३०३ ॐ हृद्यायै नमः।
३०४ ॐ हेयोपादेयवर्जितायै नमः।
३०५ ॐ राजराजार्चितायै नमः।
३०६ ॐ राज्ञ्यै नमः।
३०७ ॐ रम्यायै नमः।
३०८ ॐ राजीवलोचनायै नमः।
३०९ ॐ रञ्जन्यै नमः।
३१० ॐ रमण्यै नमः।
३११ ॐ रम्यायै नमः।
३१२ ॐ रणत्किङ्किणिमेखलायै नमः।
३१३ ॐ रमायै नमः।
३१४ ॐ राकेन्दुवदनायै नमः।
३१५ ॐ रतिरूपायै नमः।
३१६ ॐ रतिप्रियायै नमः।
३१७ ॐ रक्षाकर्यै नमः।
३१८ ॐ राक्षसघ्न्यै नमः।
३१९ ॐ रामायै नमः।

३२० ॐ रमणलम्पटायै नमः।
३२१ ॐ काम्यायै नमः।
३२२ ॐ कामकलारूपायै नमः।
३२३ ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः।
३२४ ॐ कल्याण्यै नमः।
३२५ ॐ जगतीकन्दायै नमः।
३२६ ॐ करुणारससागरायै नमः।
३२७ ॐ कलावत्यै नमः।
३२८ ॐ कलालापायै नमः।
३२९ ॐ कान्तायै नमः।
३३० ॐ कादम्बरीप्रियायै नमः।
३३१ ॐ वरदायै नमः।
३३२ ॐ वामनयनायै नमः।
३३३ ॐ वारुणीमदविह्वलायै नमः।
३३४ ॐ विश्वाधिकायै नमः।
३३५ ॐ वेदवेद्यायै नमः।
३३६ ॐ विन्ध्याचलनिवासिन्यै नमः।
३३७ ॐ विधात्र्यै नमः।
३३८ ॐ वेदजनन्यै नमः।
३३९ ॐ विष्णुमायायै नमः।
३४० ॐ विलासिन्यै नमः।
३४१ ॐ क्षेत्रस्वरूपायै नमः।
३४२ ॐ क्षेत्रेश्यै नमः।
३४३ ॐ क्षेत्रक्षेत्रज्ञपालिन्यै नमः।
३४४ ॐ क्षयवृद्धिविनिर्मुक्तायै नमः।
३४५ ॐ क्षेत्रपालसमर्चितायै नमः।
३४६ ॐ विजयायै नमः।
३४७ ॐ विमलायै नमः।
३४८ ॐ वन्द्यायै नमः।
३४९ ॐ वन्दारुजनवत्सलायै नमः।
३५० ॐ वाग्वादिन्यै नमः।
३५१ ॐ वामकेश्यै नमः।
३५२ ॐ वह्निमण्डलवासिन्यै नमः।
३५३ ॐ भक्तिमत्कल्पलतिकायै नमः।
३५४ ॐ पशुपाशविमोचिन्यै नमः।
३५५ ॐ संहृताशेषपाषण्डायै नमः।
३५६ ॐ सदाचारप्रवर्तिकायै नमः।
३५७ ॐ तापत्रयाग्निसंतप्तसमा-
ह्लादनचन्द्रिकायै नमः।
३५८ ॐ तरुण्यै नमः।
३५९ ॐ तापसाराध्यायै नमः।
३६० ॐ तनुमध्यायै नमः।
३६१ ॐ तमोऽपहायै नमः।
३६२ ॐ चित्यै नमः।
३६३ ॐ तत्पदलक्ष्यार्थायै नमः।
३६४ ॐ चिदेकरसरूपिण्यै नमः।
३६५ ॐ स्वात्मानन्दलवीभूत-
ब्रह्माद्यानन्दसंतत्यै नमः।
३६६ ॐ परस्यै नमः।
३६७ ॐ प्रत्यक्चितीरूपायै नमः।
३६८ ॐ पश्यन्त्यै नमः।
३६९ ॐ परदेवतायै नमः।
३७० ॐ मध्यमायै नमः।
३७१ ॐ वैखरीरूपायै नमः।
३७२ ॐ भक्तमानसहंसिकायै नमः।
३७३ ॐ कामेश्वरप्राणनाड्यै नमः।

३७४ ॐ कृतज्ञायै नमः।
३७५ ॐ कामपूजितायै नमः।
३७६ ॐ शृङ्गाररससम्पूर्णायै नमः।
३७७ ॐ जयायै नमः।
३७८ ॐ जालन्धरस्थितायै नमः।
३७९ ॐ ओड्याणपीठनिलयायै नमः।
३८० ॐ बिन्दुमण्डलवासिन्यै नमः।
३८१ ॐ रहोयागक्रमाराध्यायै नमः।
३८२ ॐ रहस्तर्पणतर्पितायै नमः।
३८३ ॐ सद्यःप्रसादिन्यै नमः।
३८४ ॐ विश्वसाक्षिण्यै नमः।
३८५ ॐ साक्षिवर्जितायै नमः।
३८६ ॐ षडङ्गदेवतायुक्तायै नमः।
३८७ ॐ षाड्गुण्यपरिपूरितायै नमः।
३८८ ॐ नित्यक्लिन्नायै नमः।
३८९ ॐ निरुपमायै नमः।
३९० ॐ निर्वाणसुखदायिन्यै नमः।
३९१ ॐ नित्याषोडशिकारूपायै नमः।
३९२ ॐ श्रीकण्ठार्धशरीरिण्यै नमः।
३९३ ॐ प्रभावत्यै नमः।
३९४ ॐ प्रभारूपायै नमः।
३९५ ॐ प्रसिद्धायै नमः।
३९६ ॐ परमेश्वर्यै नमः।
३९७ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
३९८ ॐ अव्यक्तायै नमः।
३९९ ॐ व्यक्ताव्यक्तस्वरूपिण्यै नमः।
४०० ॐ व्यापिन्यै नमः।
४०१ ॐ विविधाकारायै नमः।
४०२ ॐ विद्याविद्यास्वरूपिण्यै नमः।
४०३ ॐ महाकामेशनयन-
कुमुदाह्लादकौमुद्यै नमः।
४०४ ॐ भक्तहार्दतमोभेदभानु-
मद्भानुसंतत्यै नमः।
४०५ ॐ शिवदूत्यै नमः।
४०६ ॐ शिवाराध्यायै नमः।
४०७ ॐ शिवमूर्त्यै नमः।
४०८ ॐ शिवङ्कर्यै नमः।
४०९ ॐ शिवप्रियायै नमः।
४१० ॐ शिवपरायै नमः।
४११ ॐ शिष्टेष्टायै नमः।
४१२ ॐ शिष्टपूजितायै नमः।
४१३ ॐ अप्रमेयायै नमः।
४१४ ॐ स्वप्रकाशायै नमः।
४१५ ॐ मनोवाचामगोचरायै नमः।
४१६ ॐ चिच्छक्त्यै नमः।
४१७ ॐ चेतनारूपायै नमः।
४१८ ॐ जडशक्त्यै नमः।
४१९ ॐ जडात्मिकायै नमः।
४२० ॐ गायत्र्यै नमः।
४२१ ॐ व्याहृत्यै नमः।
४२२ ॐ संध्यायै नमः।
४२३ ॐ द्विजवृन्दनिषेवितायै नमः।
४२४ ॐ तत्त्वासनायै नमः।
४२५ ॐ तत्त्वमय्यै नमः।
४२६ ॐ पञ्चकोशान्तरस्थितायै नमः।
४२७ ॐ निःसीममहिम्ने नमः।

४२८ ॐ नित्ययौवनायै नमः।
४२९ ॐ मदशालिन्यै नमः।
४३० ॐ मदघूर्णितरक्ताक्ष्यै नमः।
४३१ ॐ मदपाटलगण्डभुवे नमः।
४३२ ॐ चन्दनद्रवदिग्धाङ्ग्यै नमः।
४३३ ॐ चाम्पेयकुसुमप्रियायै नमः।
४३४ ॐ कुशलायै नमः।
४३५ ॐ कोमलाकारायै नमः।
४३६ ॐ कुरुकुल्लायै नमः।
४३७ ॐ कुलेश्वर्यै नमः।
४३८ ॐ कुलकुण्डालयायै नमः।
४३९ ॐ कौलमार्गतत्परसेवितायै नमः।
४४० ॐ कुमारगणनाथाम्बायै नमः।
४४१ ॐ तुष्ट्यै नमः।
४४२ ॐ पुष्ट्यै नमः।
४४३ ॐ मत्यै नमः।
४४४ ॐ धृत्यै नमः।
४४५ ॐ शान्त्यै नमः।
४४६ ॐ स्वस्तिमत्यै नमः।
४४७ ॐ कान्त्यै नमः।
४४८ ॐ नन्दिन्यै नमः।
४४९ ॐ विघ्ननाशिन्यै नमः।
४५० ॐ तेजोवत्यै नमः।
४५१ ॐ त्रिनयनायै नमः।
४५२ ॐ लोलाक्ष्यै नमः।
४५३ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
४५४ ॐ मालिन्यै नमः।
४५५ ॐ हंसिन्यै नमः।
४५६ ॐ मात्रे नमः।
४५७ ॐ मलयाचलवासिन्यै नमः।
४५८ ॐ सुमुख्यै नमः।
४५९ ॐ नलिन्यै नमः।
४६० ॐ सुभ्रुवे नमः।
४६१ ॐ शोभनायै नमः।
४६२ ॐ सुरनायिकायै नमः।
४६३ ॐ कालकण्ठ्यै नमः।
४६४ ॐ कान्तिमत्यै नमः।
४६५ ॐ क्षोभिण्यै नमः।
४६६ ॐ सूक्ष्मरूपिण्यै नमः।
४६७ ॐ वज्रेश्वर्यै नमः।
४६८ ॐ वामदेव्यै नमः।
४६९ ॐ वयोऽवस्थाविवर्जितायै नमः।
४७० ॐ सिद्धेश्वर्यै नमः।
४७१ ॐ सिद्धविद्यायै नमः।
४७२ ॐ सिद्धमात्रे नमः।
४७३ ॐ यशस्विन्यै नमः।
४७४ ॐ विशुद्धिचक्रनिलयायै नमः।
४७५ ॐ आरक्तवर्णायै नमः।
४७६ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
४७७ ॐ खट्वाङ्गादिप्रहरणायै नमः।
४७८ ॐ वदनैकसमन्वितायै नमः।
४७९ ॐ पायसान्नप्रियायै नमः।
४८० ॐ त्वक्स्थायै नमः।
४८१ ॐ पशुलोकभयंकर्यै नमः।
४८२ ॐ अमृतादिमहाशक्तिसंवृतायै नमः।

४८३ ॐ डाकिनीश्वर्यै नमः।
४८४ ॐ अनाहताब्जनिलयायै नमः।
४८५ ॐ श्यामाभायै नमः।
४८६ ॐ वदनद्वयायै नमः।
४८७ ॐ दंष्ट्रोज्ज्वलायै नमः।
४८८ ॐ अक्षमालादिधरायै नमः।
४८९ ॐ रुधिरसंस्थितायै नमः।
४९० ॐ कालरात्र्यादिशक्त्यौघ-वृतायै नमः
४९१ ॐ स्निग्धौदनप्रियायै नमः।
४९२ ॐ महावीरेन्द्रवरदायै नमः।
४९३ ॐ राकिण्यम्बास्वरूपिण्यै नमः।
४९४ ॐ मणिपूराब्जनिलयायै नमः।
४९५ ॐ वदनत्रयसंयुतायै नमः।
४९६ ॐ वज्रादिकायुधोपेतायै नमः।
४९७ ॐ डामर्यादिभिरावृतायै नमः।
४९८ ॐ रक्तवर्णायै नमः।
४९९ ॐ मांसनिष्ठायै नमः।
५०० ॐ गुडान्नप्रीतमानसायै नमः।
५०१ ॐ समस्तभक्तसुखदायै नमः।
५०२ ॐ लाकिन्यम्बास्वरूपिण्यै नमः।
५०३ ॐ स्वाधिष्ठानाम्बुजगतायै नमः।
५०४ ॐ चतुर्वक्त्रमनोहरायै नमः।
५०५ ॐ शूलाद्यायुधसम्पन्नायै नमः।
५०६ ॐ पीतवर्णायै नमः।
५०७ ॐ अतिगर्वितायै नमः।
५०८ ॐ मेदोनिष्ठायै नमः।
५०९ ॐ मधुप्रीतायै नमः।
५१० ॐ बन्धिन्यादिसमन्वितायै नमः।
५११ ॐ दध्यन्नासक्तहृदयायै नमः।
५१२ ॐ काकिनीरूपधारिण्यै नमः।
५१३ ॐ मूलाधाराम्बुजारूढायै नमः।
५१४ ॐ पञ्चवक्त्रायै नमः।
५१५ ॐ अस्थिसंस्थितायै नमः।
५१६ ॐ अङ्कुशादिप्रहरणायै नमः।
५१७ ॐ वरदादिनिषेवितायै नमः।
५१८ ॐ मुद्गौदनासक्तचित्तायै नमः।
५१९ ॐ साकिन्यम्बास्वरूपिण्यै नमः।
५२० ॐ आज्ञाचक्राब्जनिलयायै नमः।
५२१ ॐ शुक्लवर्णायै नमः।
५२२ ॐ षडाननायै नमः।
५२३ ॐ मज्जासंस्थायै नमः।
५२४ ॐ हंसवत्यै नमः।
५२५ ॐ मुख्यशक्तिसमन्वितायै नमः।
५२६ ॐ हरिद्रान्नैकरसिकायै नमः।
५२७ ॐ हाकिनीरूपधारिण्यै नमः।
५२८ ॐ सहस्त्रदलपद्मस्थायै नमः।
५२९ ॐ सर्ववर्णोपशोभितायै नमः।
५३० ॐ सर्वायुधधरायै नमः।
५३१ ॐ शुक्लसंस्थितायै नमः।
५३२ ॐ सर्वतोमुख्यै नमः।
५३३ ॐ सर्वौदनप्रीतचित्तायै नमः।
५३४ ॐ याकिन्यम्बास्वरूपिण्यै नमः।
५३५ ॐ स्वाहायै नमः।
५३६ ॐ स्वधायै नमः।
५३७ ॐ मत्यै नमः।

५३८ ॐ मेधायै नमः।
५३९ ॐ श्रुत्यै नमः।
५४० ॐ स्मृत्यै नमः।
५४१ ॐ अनुत्तमायै नमः।
५४२ ॐ पुण्यकीर्त्यै नमः
५४३ ॐ पुण्यलभ्यायै नमः
५४४ ॐ पुण्यश्रवणकीर्तनायै नमः।
५४५ ॐ पुलोमजार्चितायै नमः।
५४६ ॐ बन्धमोचन्यै नमः।
५४७ ॐ बर्बरालकायै नमः।
५४८ ॐ विमर्शरूपिण्यै नमः।
५४९ ॐ विद्यायै नमः।
५५० ॐ वियदादिजगत्प्रस्वै नमः।
५५१ ॐ सर्वव्याधिप्रशमन्यै नमः।
५५२ ॐ सर्वमृत्युनिवारिण्यै नमः।
५५३ ॐ अग्रगण्यायै नमः।
५५४ ॐ अचिन्त्यरूपायै नमः।
५५५ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
५५६ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५५७ ॐ कालहन्त्र्यै नमः।
५५८ ॐ कमलाक्षनिषेवितायै नमः।
५५९ ॐ ताम्बूलपूरितमुख्यै नमः।
५६० ॐ दाडिमीकुसुमप्रभायै नमः।
५६१ ॐ मृगाक्ष्यै नमः।
५६२ ॐ मोहिन्यै नमः।
५६३ ॐ मुख्यायै नमः।
५६४ ॐ मृडान्यै नमः।
५६५ ॐ मित्ररूपिण्यै नमः।
५६६ ॐ नित्यतृप्तायै नमः।
५६७ ॐ भक्तनिधये नमः।
५६८ ॐ नियन्त्र्यै नमः।
५६९ ॐ निखिलेश्वर्यै नमः।
५७० ॐ मैत्र्यादिवासनालभ्यायै नमः।
५७१ ॐ महाप्रलयसाक्षिण्यै नमः।
५७२ ॐ पराशक्त्यै नमः।
५७३ ॐ परानिष्ठायै नमः।
५७४ ॐ प्रज्ञानघनरूपिण्यै नमः।
५७५ ॐ माध्वीपानालसायै नमः।
५७६ ॐ मत्तायै नमः।
५७७ ॐ मातृकावर्णरूपिण्यै नमः।
५७८ ॐ महाकैलासनिलयायै नमः।
५७९ ॐ मृणालमृदुदोर्लतायै नमः।
५८० ॐ महनीयायै नमः।
५८१ ॐ दयामूर्त्यै नमः।
५८२ ॐ महासाम्राज्यशालिन्यै नमः।
५८३ ॐ आत्मविद्यायै नमः।
५८४ ॐ महाविद्यायै नमः।
५८५ ॐ श्रीविद्यायै नमः।
५८६ ॐ कामसेवितायै नमः।
५८७ ॐ श्रीषोडशाक्षरीविद्यायैनमः।
५८८ ॐ त्रिकूटायै नमः।
५८९ ॐ कामकोटिकायै नमः।
५९० ॐ कटाक्षकिङ्करीभूतकमला-
कोटिसेवितायै नमः।
५९१ ॐ शिरःस्थितायै नमः।
५९२ ॐ चन्द्रनिभायै नमः।

५९३ ॐ भालस्थायै नमः।
५९४ ॐ इन्द्रधनुःप्रभायै नमः।
५९५ ॐ हृदयस्थायै नमः।
५९६ ॐ रविप्रख्यायै नमः।
५९७ ॐ त्रिकोणान्तरदीपिकायै नमः।
५९८ ॐ दाक्षायण्यै नमः।
५९९ ॐ दैत्यहन्त्र्यै नमः।
६०० ॐ दक्षयज्ञविनाशिन्यै नमः।
६०१ ॐ दरान्दोलितदीर्घाक्ष्यै नमः।
६०२ ॐ दरहासोज्ज्वलन्मुख्यै नमः।
६०३ ॐ गुरुमूर्त्यै नमः।
६०४ ॐ गुणनिधये नमः।
६०५ ॐ गोमात्रे नमः।
६०६ ॐ गुहजन्मभुवे नमः।
६०७ ॐ देवेश्यै नमः।
६०८ ॐ दण्डनीतिस्थायै नमः।
६०९ ॐ दहराकाशरूपिण्यै नमः।
६१० ॐ प्रतिपन्मुख्यराकान्ततिथि-
मण्डलपूजितायै नमः।
६११ ॐ कलात्मिकायै नमः।
६१२ ॐ कलानाथायै नमः।
६१३ ॐ काव्यालापविनोदिन्यै नमः।
६१४ ॐ सचामररमावाणीसव्य-
दक्षिणसेवितायै नमः।
६१५ ॐ आदिशक्त्यै नमः।
६१६ ॐ अमेयायै नमः।
६१७ ॐ आत्मने नमः।
६१८ ॐ परमायै नमः।
६१९ ॐ पावनाकृतये नमः।
६२० ॐ अनेककोटिब्रह्माण्डजनन्यै नमः।
६२१ ॐ दिव्यविग्रहायै नमः।
६२२ ॐ क्लींकार्यै नमः।
६२३ ॐ केवलायै नमः।
६२४ ॐ गुह्यायै नमः।
६२५ ॐ कैवल्यपददायिन्यै नमः।
६२६ ॐ त्रिपुरायै नमः।
६२७ ॐ त्रिजगद्वन्द्यायै नमः।
६२८ ॐ त्रिमूर्त्यै नमः।
६२९ ॐ त्रिदशेश्वर्यै नमः।
६३० ॐ त्र्यक्षर्यै नमः।
६३१ ॐ दिव्यगन्धाढ्यायै नमः।
६३२ ॐ सिन्दूरतिलकाञ्चितायै नमः।
६३३ ॐ उमायै नमः।
६३४ ॐ शैलेन्द्रतनयायै नमः।
६३५ ॐ गौर्यै नमः।
६३६ ॐ गन्धर्वसेवितायै नमः।
६३७ ॐ विश्वगर्भायै नमः।
६३८ ॐ स्वर्णगर्भायै नमः।
६३९ ॐ वरदायै नमः।
६४० ॐ वागधीश्वर्यै नमः।
६४१ ॐ ध्यानगम्यायै नमः।
६४२ ॐ अपरिच्छेद्यायै नमः।
६४३ ॐ ज्ञानदायै नमः।
६४४ ॐ ज्ञानविग्रहायै नमः।
६४५ ॐ सर्ववेदान्तसंवेद्यायै नमः।
६४६ ॐ सत्यानन्दस्वरूपिण्यै नमः।

६४७ ॐ लोपामुद्रार्चितायै नमः।
६४८ ॐ लीलाक्लृप्तब्रह्माण्ड-
मण्डलायै नमः।
६४९ ॐ अदृश्यायै नमः।
६५० ॐ दृश्यरहितायै नमः।
६५१ ॐ विज्ञात्र्यै नमः।
६५२ ॐ वेद्यवर्जितायै नमः।
६५३ ॐ योगिन्यै नमः।
६५४ ॐ योगदायै नमः।
६५५ ॐ योग्यायै नमः।
६५६ ॐ योगानन्दायै नमः।
६५७ ॐ युगन्धरायै नमः।
६५८ ॐ इच्छाशक्तिज्ञानशक्तिक्रिया-
शक्तिस्वरूपिण्यै नमः।
६५९ ॐ सर्वाधारायै नमः।
६६० ॐ सुप्रतिष्ठायै नमः।
६६१ ॐ सदसद्रूपधारिण्यै नमः।
६६२ ॐ अष्टमूर्त्यै नमः।
६६३ ॐ अजाजैत्र्यै नमः।
६६४ ॐ लोकयात्राविधायिन्यै नमः।
६६५ ॐ एकाकिन्यै नमः।
६६६ ॐ भूमरूपायै नमः।
६६७ ॐ निर्द्वैतायै नमः।
६६८ ॐ द्वैतवर्जितायै नमः।
६६९ ॐ अन्नदायै नमः।
६७० ॐ वसुदायै नमः।
६७१ ॐ वृद्धायै नमः।
६७२ ॐ ब्रह्मात्मैक्यस्वरूपिण्यै नमः।
६७३ ॐ बृहत्यै नमः।
६७४ ॐ ब्राह्मण्यै नमः।
६७५ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
६७६ ॐ ब्रह्मानन्दायै नमः।
६७७ ॐ बलिप्रियायै नमः।
६७८ ॐ भाषारूपायै नमः।
६७९ ॐ बृहत्सेनायै नमः।
६८० ॐ भावाऽभावविवर्जितायै नमः।
६८१ ॐ सुखाराध्यायै नमः।
६८२ ॐ शुभकर्यै नमः।
६८३ ॐ शोभनायै नमः
६८४ ॐ सुलभायै गत्यै नमः।
६८५ ॐ राजराजेश्वर्यै नमः।
६८६ ॐ राज्यदायिन्यै नमः।
६८७ ॐ राज्यवल्लभायै नमः।
६८८ ॐ राजत्कृपायै नमः।
६८९ ॐ राजपीठनिवेशितनिजाश्रितायै नमः।
६९० ॐ राज्यलक्ष्म्यै नमः।
६९१ ॐ कोशनाथायै नमः।
६९२ ॐ चतुरङ्गबलेश्वर्यै नमः।
६९३ ॐ साम्राज्यदायिन्यै नमः।
६९४ ॐ सत्यसन्धायै नमः।
६९५ ॐ सागरमेखलायै नमः।
६९६ ॐ दीक्षितायै नमः।
६९७ ॐ दैत्यशमन्यै नमः।
६९८ ॐ सर्वलोकवशंकर्यै नमः।
६९९ ॐ सर्वार्थदात्र्यै नमः।
७०० ॐ सावित्र्यै नमः।

७०१ ॐ सच्चिदानन्दरूपिण्यै नमः।
७०२ ॐ देशकालापरिच्छिन्नायै नमः।
७०३ ॐ सर्वगायै नमः।
७०४ ॐ सर्वमोहिन्यै नमः।
७०५ ॐ सरस्वत्यै नमः।
७०६ ॐ शास्त्रमय्यै नमः।
७०७ ॐ गुहाम्बायै नमः।
७०८ ॐ गुह्यरूपिण्यै नमः।
७०९ ॐ सर्वोपाधिविनिर्मुक्तायै नमः।
७१० ॐ सदाशिवपतिव्रतायै नमः।
७११ ॐ सम्प्रदायेश्वर्यै नमः।
७१२ ॐ साध्व्यै नमः।
७१३ ॐ गुरुमण्डलरूपिण्यै नमः।
७१४ ॐ कुलोत्तीर्णायै नमः।
७१५ ॐ भगाराध्यायै नमः।
७१६ ॐ मायायै नमः।
७१७ ॐ मधुमत्यै नमः।
७१८ ॐ मह्यै नमः।
७१९ ॐ गणाम्बायै नमः।
७२० ॐ गुह्यकाराध्यायै नमः।
७२१ ॐ कोमलाङ्ग्यै नमः।
७२२ ॐ गुरुप्रियायै नमः।
७२३ ॐ स्वतन्त्रायै नमः।
७२४ ॐ सर्वतन्त्रेश्यै नमः
७२५ ॐ दक्षिणामूर्तिरूपिण्यै नमः।
७२६ ॐ सनकादिसमाराध्यायै नमः।
७२७ ॐ शिवज्ञानप्रदायिन्यै नमः।
७२८ ॐ चित्कलायै नमः।
७२९ ॐ आनन्दकलिकायै नमः।
७३० ॐ प्रेमरूपायै नमः।
७३१ ॐ प्रियङ्कर्यै नमः।
७३२ ॐ नामपारायणप्रीतायै नमः।
७३३ ॐ नन्दिविद्यायै नमः।
७३४ ॐ नटेश्वर्यै नमः।
७३५ ॐ मिथ्याजगदधिष्ठानायै नमः।
७३६ ॐ मुक्तिदायै नमः।
७३७ ॐ मुक्तिरूपिण्यै नमः।
७३८ ॐ लास्यप्रियायै नमः।
७३९ ॐ लयकर्यै नमः।
७४० ॐ लज्जायै नमः।
७४१ ॐ रम्भादिवन्दितायै नमः।
७४२ ॐ भवदावसुधावृष्ट्यै नमः।
७४३ ॐ पापारण्यदवानलायै नमः।
७४४ ॐ दौर्भाग्यतूलवातूलायै नमः।
७४५ ॐ जराध्वान्तरविप्रभायै नमः।
७४६ ॐ भाग्याब्धिचन्द्रिकायै नमः।
७४७ ॐ भक्तचित्तकेकिघनाघनायै नमः।
७४८ ॐ रोगपर्वतदम्भोलये नमः।
७४९ ॐ मृत्युदारुकुठारिकायै नमः।
७५० ॐ महेश्वर्यै नमः।
७५१ ॐ महाकाल्यै नमः।
७५२ ॐ महाग्रासायै नमः।
७५३ ॐ महाशनायै नमः।
७५४ ॐ अपर्णायै नमः।
७५५ ॐ चण्डिकायै नमः।
७५६ ॐ चण्डमुण्डासुरनिषूदन्यै नमः।

७५७ ॐ क्षराक्षरात्मिकायै नमः।
७५८ ॐ सर्वलोकेश्यै नमः।
७५९ ॐ विश्वधारिण्यै नमः।
७६० ॐ त्रिवर्गदात्र्यै नमः।
७६१ ॐ सुभगायै नमः।
७६२ ॐ त्र्यम्बकायै नमः।
७६३ ॐ त्रिगुणात्मिकायै नमः।
७६४ ॐ स्वर्गापवर्गदायै नमः।
७६५ ॐ शुद्धायै नमः।
७६६ ॐ जपापुष्पनिभाकृतये नमः।
७६७ ॐ ओजोवत्यै नमः।
७६८ ॐ द्युतिधरायै नमः।
७६९ ॐ यज्ञरूपायै नमः।
७७० ॐ प्रियव्रतायै नमः।
७७१ ॐ दुराराध्यायै नमः।
७७२ ॐ दुराधर्षायै नमः।
७७३ ॐ पाटलीकुसुमप्रियायै नमः।
७७४ ॐ महत्यै नमः।
७७५ ॐ मेरुनिलयायै नमः।
७७६ ॐ मन्दारकुसुमप्रियायै नमः।
७७७ ॐ वीराराध्यायै नमः।
७७८ ॐ विराड्रूपायै नमः।
७७९ ॐ विरजायै नमः।
७८० ॐ विश्वतोमुख्यै नमः।
७८१ ॐ प्रत्यग्रूपायै नमः।
७८२ ॐ पराकाशायै नमः।
७८३ ॐ प्राणदायै नमः।
७८४ ॐ प्राणरूपिण्यै नमः।
७८५ ॐ मार्तण्डभैरवाराध्यायै नमः।
७८६ ॐ मन्त्रिणीन्यस्तराज्यधुरे नमः।
७८७ ॐ त्रिपुरेश्यै नमः।
७८८ ॐ जयत्सेनायै नमः।
७८९ ॐ निस्त्रैगुण्यायै नमः।
७९० ॐ परस्यै नमः।
७९१ ॐ अपरस्यै नमः।
७९२ ॐ सत्यज्ञानानन्दरूपायै नमः।
७९३ ॐ सामरस्यपरायणायै नमः।
७९४ ॐ कपर्दिन्यै नमः।
७९५ ॐ कलामालायै नमः।
७९६ ॐ कामदुहे नमः।
७९७ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
७९८ ॐ कलानिधये नमः।
७९९ ॐ काव्यकलायै नमः।
८०० ॐ रसज्ञायै नमः।
८०१ ॐ रसशेवधये नमः।
८०२ ॐ पुष्टायै नमः।
८०३ ॐ पुरातनायै नमः।
८०४ ॐ पूज्यायै नमः।
८०५ ॐ पुष्करायै नमः।
८०६ ॐ पुष्करेक्षणायै नमः।
८०७ ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः।
८०८ ॐ परस्मै धाम्ने नमः।
८०९ ॐ परमाणवे नमः।
८१० ॐ परात्परस्यै नमः।
८११ ॐ पाशहस्तायै नमः।
८१२ ॐ पाशहन्त्र्यै नमः।

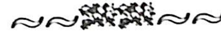
८१३ ॐ परमन्त्रविभेदिन्यै नमः।
८१४ ॐ मूर्तायै नमः।
८१५ ॐ अमूर्तायै नमः।
८१६ ॐ नित्यतृप्तायै नमः।
८१७ ॐ मुनिमानसहंसिकायै नमः।
८१८ ॐ सत्यव्रतायै नमः।
८१९ ॐ सत्यरूपायै नमः।
८२० ॐ सर्वान्तर्यामिण्यै नमः।
८२१ ॐ सत्यै नमः।
८२२ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
८२३ ॐ ब्रह्मजनन्यै नमः।
८२४ ॐ बहुरूपायै नमः।
८२५ ॐ बुधार्चितायै नमः।
८२६ ॐ प्रसवित्र्यै नमः।
८२७ ॐ प्रचण्डायै नमः।
८२८ ॐ आज्ञायै नमः।
८२९ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
८३० ॐ प्रकटाकृत्यै नमः।
८३१ ॐ प्राणेश्वर्यै नमः।
८३२ ॐ प्राणदात्र्यै नमः।
८३३ ॐ पञ्चाशत्पीठरूपिण्यै नमः।
८३४ ॐ विशृङ्खलायै नमः।
८३५ ॐ विविक्तस्थायै नमः।
८३६ ॐ वीरमात्रे नमः।
८३७ ॐ वियत्प्रस्वै नमः।
८३८ ॐ मुकुन्दायै नमः।
८३९ ॐ मुक्तिनिलयायै नमः।
८४० ॐ मूलविग्रहरूपिण्यै नमः।
८४१ ॐ भावज्ञायै नमः।
८४२ ॐ भवरोगघ्न्यै नमः।
८४३ ॐ भवचक्रप्रवर्तिन्यै नमः।
८४४ ॐ छन्दःसारायै नमः।
८४५ ॐ शास्त्रसारायै नमः।
८४६ ॐ मन्त्रसारायै नमः।
८४७ ॐ तलोदर्यै नमः।
८४८ ॐ उदारकीर्तये नमः।
८४९ ॐ उद्दामवैभवायै नमः।
८५० ॐ वर्णरूपिण्यै नमः।
८५१ ॐ जन्ममृत्युजरातप्तजन-
विश्रान्तिदायिन्यै नमः।
८५२ ॐ सर्वोपनिषदुद्घुष्टायै नमः।
८५३ ॐ शान्त्यतीतायै नमः
८५४ ॐ कलात्मिकायै नमः।
८५५ ॐ गम्भीरायै नमः।
८५६ ॐ गगनान्तःस्थायै नमः।
८५७ ॐ गर्वितायै नमः।
८५८ ॐ गानलोलुपायै नमः।
८५९ ॐ कल्पनारहितायै नमः।
८६० ॐ काष्ठायै नमः।
८६१ ॐ अकान्तायै नमः।
८६२ ॐ कान्तार्धविग्रहायै नमः।
८६३ ॐ कार्यकारणनिर्मुक्तायै नमः।
८६४ ॐ कामकेलितरङ्गितायै नमः।
८६५ ॐ कनत्कनकताटङ्कायै नमः।
८६६ ॐ लीलाविग्रहधारिण्यै नमः।
८६७ ॐ अजायै नमः।

८६८ ॐ क्षयविनिर्मुक्तायै नमः।
८६९ ॐ मुग्धायै नमः।
८७० ॐ क्षिप्रप्रसादिन्यै नमः।
८७१ ॐ अन्तर्मुखसमाराध्यायै नमः।
८७२ ॐ बहिर्मुखसुदुर्लभायै नमः।
८७३ ॐ त्रय्यै नमः।
८७४ ॐ त्रिवर्गनिलयायै नमः।
८७५ ॐ त्रिस्थायै नमः।
८७६ ॐ त्रिपुरमालिन्यै नमः।
८७७ ॐ निरामयायै नमः।
८७८ ॐ निरालम्बायै नमः।
८७९ ॐ स्वात्मारामायै नमः।
८८० ॐ सुधास्रुत्यै नमः।
८८१ ॐ संसारपङ्कनिर्मग्नसमुद्धरणपण्डितायै नमः।
८८२ ॐ यज्ञप्रियायै नमः।
८८३ ॐ यज्ञकर्त्र्यै नमः।
८८४ ॐ यजमानस्वरूपिण्यै नमः।
८८५ ॐ धर्माधारायै नमः।
८८६ ॐ धनाध्यक्षायै नमः।
८८७ ॐ धनधान्यविवर्धिन्यै नमः।
८८८ ॐ विप्रप्रियायै नमः।
८८९ ॐ विप्ररूपायै नमः।
८९० ॐ विश्वभ्रमणकारिण्यै नमः।
८९१ ॐ विश्वग्रासायै नमः।
८९२ ॐ विद्रुमाभायै नमः।
८९३ ॐ वैष्णव्यै नमः।
८९४ ॐ विष्णुरूपिण्यै नमः।
८९५ ॐ अयोनये नमः।
८९६ ॐ योनिनिलयायै नमः।
८९७ ॐ कूटस्थायै नमः।
८९८ ॐ कुलरूपिण्यै नमः।
८९९ ॐ वीरगोष्ठीप्रियायै नमः।
९०० ॐ वीरायै नमः।
९०१ ॐ नैष्कर्म्यायै नमः।
९०२ ॐ नादरूपिण्यै नमः।
९०३ ॐ विज्ञानकलनायै नमः।
९०४ ॐ कल्यायै नमः।
९०५ ॐ विदग्धायै नमः।
९०६ ॐ वैन्दवासनायै नमः।
९०७ ॐ तत्त्वाधिकायै नमः।
९०८ ॐ तत्त्वमय्यै नमः।
९०९ ॐ तत्त्वमर्थस्वरूपिण्यै नमः।
९१० ॐ सामगानप्रियायै नमः।
९११ ॐ सौम्यायै नमः।
९१२ ॐ सदाशिवकुटुम्बिन्यै नमः।
९१३ ॐ सव्यापसव्यमार्गस्थायै नमः।
९१४ ॐ सर्वापद्विनिवारिण्यै नमः।
९१५ ॐ स्वस्थायै नमः।
९१६ ॐ स्वभावमधुरायै नमः।
९१७ ॐ धीरायै नमः।
९१८ ॐ धीरसमर्चितायै नमः।
९१९ ॐ चैतन्यार्घ्यसमाराध्यायै नमः।
९२० ॐ चैतन्यकुसुमप्रियायै नमः।
९२१ ॐ सदोदितायै नमः।
९२२ ॐ सदातुष्टायै नमः।

१२३ ॐ तरुणादित्यपाटलायै नमः।
१२४ ॐ दक्षिणादक्षिणाराध्यायै नमः।
१२५ ॐ दरस्मेरमुखाम्बुजायै नमः।
१२६ ॐ कौलिनीकेवलायै नमः।
१२७ ॐ अनर्घ्यकैवल्यपददायिन्यै नमः।
१२८ ॐ स्तोत्रप्रियायै नमः।
१२९ ॐ स्तुतिमत्यै नमः।
१३० ॐ श्रुतिसंस्तुतवैभवायै नमः।
१३१ ॐ मनस्विन्यै नमः।
१३२ ॐ मानवत्यै नमः।
१३३ ॐ महेश्यै नमः।
१३४ ॐ मङ्गलाकृत्यै नमः।
१३५ ॐ विश्वमात्रे नमः।
१३६ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
१३७ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
१३८ ॐ विरागिण्यै नमः।
१३९ ॐ प्रगल्भायै नमः।
१४० ॐ परमोदारायै नमः।
१४१ ॐ परामोदायै नमः।
१४२ ॐ मनोमय्यै नमः।
१४३ ॐ व्योमकेश्यै नमः।
१४४ ॐ विमानस्थायै नमः।
१४५ ॐ वज्रिण्यै नमः।
१४६ ॐ वामकेश्वर्यै नमः।
१४७ ॐ पञ्चयज्ञप्रियायै नमः।
१४८ ॐ पञ्चप्रेतमञ्चाधिशायिन्यै नमः।
१४९ ॐ पञ्चम्यै नमः।
१५० ॐ पञ्चभूतेश्यै नमः।
१५१ ॐ पञ्चसंख्योपचारिण्यै नमः।
१५२ ॐ शाश्वत्यै नमः।
१५३ ॐ शाश्वतैश्वर्यायै नमः।
१५४ ॐ शर्मदायै नमः।
१५५ ॐ शम्भुमोहिन्यै नमः।
१५६ ॐ धरायै नमः।
१५७ ॐ धरासुतायै नमः।
१५८ ॐ धन्यायै नमः।
१५९ ॐ धर्मिण्यै नमः।
१६० ॐ धर्मवर्धिन्यै नमः।
१६१ ॐ लोकातीतायै नमः।
१६२ ॐ गुणातीतायै नमः।
१६३ ॐ सर्वातीतायै नमः।
१६४ ॐ शमात्मिकायै नमः।
१६५ ॐ बन्धूककुसुमप्रख्यायै नमः।
१६६ ॐ बालायै नमः।
१६७ ॐ लीलाविनोदिन्यै नमः।
१६८ ॐ सुमङ्गल्यै नमः।
१६९ ॐ सुखकर्यै नमः।
१७० ॐ सुवेषाढ्यायै नमः।
१७१ ॐ सुवासिन्यै नमः।
१७२ ॐ सुवासिन्यर्चनप्रीतायै नमः।
१७३ ॐ आशोभनायै नमः।
१७४ ॐ शुद्धमानसायै नमः।
१७५ ॐ बिन्दुतर्पणसन्तुष्टायै नमः।
१७६ ॐ पूर्वजायै नमः।
१७७ ॐ त्रिपुराम्बिकायै नमः।
१७८ ॐ दशमुद्रासमाराध्यायै नमः।

९७९ ॐ त्रिपुराश्रीवशंकर्यै नमः ।
९८० ॐ ज्ञानमुद्रायै नमः ।
९८१ ॐ ज्ञानगम्यायै नमः ।
९८२ ॐ ज्ञानज्ञेयस्वरूपिण्यै नमः ।
९८३ ॐ योनिमुद्रायै नमः ।
९८४ ॐ त्रिखण्डेश्यै नमः ।
९८५ ॐ त्रिगुणायै नमः ।
९८६ ॐ अम्बायै नमः ।
९८७ ॐ त्रिकोणगायै नमः ।
९८८ ॐ अनघायै नमः ।
९८९ ॐ अद्भुतचारित्रायै नमः ।
९९० ॐ वाञ्छितार्थप्रदायिन्यै नमः ।
९९१ ॐ अभ्यासातिशयज्ञातायै नमः ।
९९२ ॐ षडध्वातीतरूपिण्यै नमः ।
९९३ ॐ अव्याजकरुणामूर्तये नमः ।
९९४ ॐ अज्ञानध्वान्तदीपिकायै नमः ।
९९५ ॐ आबालगोपविदितायै नमः ।
९९६ ॐ सर्वानुल्लङ्घ्यशासनायै नमः ।
९९७ ॐ श्रीचक्रराजनिलयायै नमः ।
९९८ ॐ श्रीमत्त्रिपुरसुन्दर्यै नमः ।
९९९ ॐ श्रीशिवायै नमः ।
१००० ॐ शिवशक्त्यैक्यरूपिण्यै नमः ।
१००१ ॐ ललिताम्बिकायै नमः ।

इति श्रीब्रह्माण्डपुराणे श्रीललितासहस्रनामावलिः सम्पूर्णा॥



॥ श्रीभवान्यै नमः ॥

श्रीभवानीसहस्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीभवानीसहस्रस्तवराजस्य श्रीभगवान्महादेव ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, आद्याशक्तिः, श्रीभगवती भवानी देवता, ह्रीं बीजम् श्रीं शक्तिः, क्लीं कीलकम्, श्रीभगवतीभवानीप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः ।

ध्यानम्

ॐ बालार्कमण्डलाभासां चतुर्बाहुं त्रिलोचनाम् ।
पाशाङ्कुशवराभीतीर्धारयन्तीं शिवां भजे ॥*

श्रीईश्वर उवाच

ॐ महाविद्या जगन्माता महालक्ष्मीः शिवप्रिया ।
विष्णुमाया शुभा शान्ता सिद्धा सिद्धसरस्वती ॥ १ ॥
क्षमा कान्तिः प्रभा ज्योत्स्ना पार्वती सर्वमङ्गला ।
हिङ्गुला चण्डिका दान्ता पद्मा लक्ष्मीर्हरिप्रिया ॥ २ ॥
त्रिपुरानन्दिनी नन्दा सुनन्दा सुरवन्दिता ।
यज्ञविद्या महामाया वेदमाता सुधाधृतिः ॥ ३ ॥

---

* जो उदयकालके सूर्यमण्डलकी-सी कान्ति धारण करनेवाली हैं, जिनके चार भुजाएँ और तीन नेत्र हैं तथा जो अपने हाथोंमें पाश, अङ्कुश, वर एवं अभयकी मुद्रा धारण किये रहती हैं, उन शिवादेवीका मैं ध्यान करता हूँ।

प्रीतिप्रदा प्रसिद्धा च मृडानी विन्ध्यवासिनी।
सिद्धविद्या महाशक्तिः पृथ्वी नारदसेविता॥ ४ ॥
पुरुहूतप्रिया कान्ता कामिनी पद्मलोचना।
प्रह्लादिनी महामाता दुर्गा दुर्गतिनाशिनी॥ ५ ॥
ज्वालामुखी सुगोत्रा च ज्योतिः कुमुदवासिनी।
दुर्गमा दुर्लभा विद्या स्वर्गतिः पुरवासिनी॥ ६ ॥
अपर्णा शाम्बरी माया मदिरा मृदुहासिनी।
कुलवागीश्वरी नित्या नित्यक्लिन्ना कृशोदरी॥ ७ ॥
कामेश्वरी च नीला च भीरुण्डा वह्निवासिनी।
लम्बोदरी महाकाली विद्याविद्येश्वरी तथा॥ ८ ॥
नरेश्वरा च सत्या च सर्वसौभाग्यवर्धिनी।
संकर्षिणी नारसिंही वैष्णवी च महोदरी॥ ९ ॥
कात्यायनी च चम्पा च सर्वसम्पत्तिकारिणी।
नारायणी महानिद्रा योगनिद्रा प्रभावती॥ १० ॥
प्रज्ञा पारमिताप्रज्ञा तारा मधुमती मधु।
क्षीरार्णवसुधाहारा कालिका सिंहवाहना॥ ११ ॥
ओङ्कारा च सुधाकारा चेतना कोपनाकृतिः।
अर्धबिन्दुधरा धारा विश्वमाता कलावती॥ १२ ॥
पद्मावती सुवस्त्रा च प्रबुद्धा च सरस्वती।
कुण्डासना जगद्धात्री बुद्धमाता जिनेश्वरी॥ १३ ॥
जिनमाता जिनेन्द्रा च शारदा हंसवाहना।
राज्यलक्ष्मीर्वषट्कारा सुधाकारा सुधोत्सुका॥ १४ ॥

राजनीतिस्त्रयीवार्ता दण्डनीतिः क्रियावती।
सद्भूतिस्तारिणी श्रद्धा सद्गतिः सत्परायणा॥ १५॥
सिन्धुर्मन्दाकिनी गङ्गा यमुना च सरस्वती।
गोदावरी विपाशा च कावेरी च शतह्रदा॥ १६॥
सरयूश्चन्द्रभागा च कौशिकी गण्डकी शुचिः।
नर्मदा कर्मनाशा च चर्मण्वत्यथ वेदिका॥ १७॥
वेत्रवती वितस्ता च वरदा नरवाहना।
सती पतिव्रता साध्वी सुचक्षुः कुण्डवासिनी॥ १८॥
एकचक्षुः सहस्त्राक्षी सुश्रोणिर्भगमालिनी।
सेनाश्रोणिः पताका च सुव्यूहा युद्धकाङ्क्षिणी॥ १९॥
पताकिनी दयारम्भा विपञ्ची पञ्चमप्रिया।
परा परकला कान्ता त्रिशक्तिर्मोक्षदायिनी॥ २०॥
ऐन्द्री माहेश्वरी ब्राह्मी कौमारी कुलवासिनी।
इच्छा भगवती शक्तिः कामधेनुः कृपावती॥ २१॥
वज्रायुधा वज्रहस्ता चण्डी चण्डपराक्रमा।
गौरी सुवर्णवर्णा च स्थितिसंहारकारिणी॥ २२॥
एकानेका महेज्या च शतबाहुर्महाभुजा।
भुजङ्गभूषणा भूषा षट्चक्रक्रमवासिनी॥ २३॥
षट्चक्रभेदिनी श्यामा कायस्था कायवर्जिता।
सुस्मिता सुमुखी क्षामा मूलप्रकृतिरीश्वरी॥ २४॥
अजा च बहुवर्णा च पुरुषार्थप्रवर्तिनी।
रक्ता नीला सिता श्यामा कृष्णा पीता च कर्बुरा॥ २५॥

क्षुधा तृष्णा जरा वृद्धा तरुणी करुणालया।
कला काष्ठा मुहूर्ता च निमिषा कालरूपिणी॥ २६॥
सुवर्णरशना नासाचक्षुःस्पर्शवती रसा।
गन्धप्रिया सुगन्धा च सुस्पर्शा च मनोगतिः॥ २७॥
मृगनाभिर्मृगाक्षी च कर्पूरामोदधारिणी।
पद्मयोनिः सुकेशी च सुलिङ्गा भगरूपिणी॥ २८॥
योनिमुद्रा महामुद्रा खेचरी खगगामिनी।
मधुश्रीर्माधवी वल्ली मधुमत्ता मदोद्धता॥ २९॥
मातङ्गी शुकहस्ता च पुष्पबाणेक्षुचापिनी।
रक्ताम्बरधरा क्षीबा रक्तपुष्पावतंसिनी॥ ३०॥
शुभ्राम्बरधरा धीरा महाश्वेता वसुप्रिया।
सुवेणी पद्महस्ता च मुक्ताहारविभूषणा॥ ३१॥
कर्पूरामोदनिःश्वासा पद्मिनी पद्ममन्दिरा।
खड्गिनी चक्रहस्ता च भुशुण्डी परिघायुधा॥ ३२॥
चापिनी पाशहस्ता च त्रिशूलवरधारिणी।
सुबाणा शक्तिहस्ता च मयूरवरवाहना॥ ३३॥
वरायुधधरा वीरा वीरपानमदोत्कटा।
वसुधा वसुधारा च जया शाकम्भरी शिवा॥ ३४॥
विजया च जयन्ती च सुस्तनी शत्रुनाशिनी।
अन्तर्वत्नी वेदशक्तिर्वरदा वरधारिणी॥ ३५॥
शीतला च सुशीला च बालग्रहविनाशिनी।
कौमारी च सुपर्वा च कामाख्या कामवन्दिता॥ ३६॥

जालन्धरधरानन्ता कामरूपनिवासिनी।
कामबीजवती सत्या सत्यधर्मपरायणा॥ ३७॥
स्थूलमार्गस्थिता सूक्ष्मा सूक्ष्मबुद्धिप्रबोधिनी।
षट्कोणा च त्रिकोणा च त्रिनेत्रा त्रिपुरसुन्दरी॥ ३८॥
वृषप्रिया वृषारूढा महिषासुरघातिनी।
शुम्भदर्पहरा दीप्ता दीप्तपावकसंनिभा॥ ३९॥
कपालभूषणा काली कपालमाल्यधारिणी।
कपालकुण्डला दीर्घा शिवदूती घनध्वनिः॥ ४०॥
सिद्धिदा बुद्धिदा नित्या सत्यमार्गप्रबोधिनी।
कम्बुग्रीवा वसुमतीच्छत्रच्छायाकृतालया॥ ४१॥
जगद्गर्भा कुण्डलिनी भुजगाकारशायिनी।
प्रोल्लसत्सप्तपद्मा च नाभिनालमृणालिनी॥ ४२॥
मूलाधारा निराकारा वह्निकुण्डकृतालया।
वायुकुण्डसुखासीना निराधारा निराश्रया॥ ४३॥
श्वासोच्छ्वासगतिर्जीवग्राहिणी वह्निसंश्रया।
वल्लीतन्तुसमुत्थाना षड्रसास्वादलोलुपा॥ ४४॥
तपस्विनी तपःसिद्धिः तपसा सिद्धिदायिनी।
तपोनिष्ठा तपोयुक्ता तापसी च तपःप्रिया॥ ४५॥
सप्तधातुमयी मूर्तिः सप्तधात्वन्तराश्रया।
देहपुष्टिर्मनःपुष्टिरन्नपुष्टिर्बलोद्धता॥ ४६॥
औषधी वैद्यमाता च द्रव्यशक्तिप्रभाविनी।
वैद्या वैद्यचिकित्सा च सुपथ्या रोगनाशिनी॥ ४७॥

मृगया मृगमांसादा मृगत्वङ् मृगलोचना।
वागुरा बन्धरूपा च बन्धरूपवधोद्धता॥ ४८॥
बन्दी बन्दिस्तुता कारागारबन्धविमोचिनी।
शृङ्खला खलघ्नी विद्या दृढबन्धविमोचिनी॥ ४९॥
अम्बिका बालिका चाम्बा स्वच्छा साधुजनार्चिता।
कालिकी कुलविद्या च सुकुला कुलपूजिता॥ ५०॥
कालचक्रभ्रमिर्भ्रान्ता विभ्रमा भ्रमनाशिनी।
वात्यावी मेघमाला च सुवृष्टिः सस्यवर्धिनी॥ ५१॥
अकारा च इकारा च उकारौकाररूपिणी।
ह्रींकारबीजरूपा च क्लींकाराम्बरवासिनी॥ ५२॥
सर्वाक्षरमयी शक्तिरक्षरा वर्णमालिनी।
सिन्दूरारुणवर्णा च सिन्दूरतिलकप्रिया॥ ५३॥
वश्या च वश्यबीजा च लोकवश्यविभाविनी।
नृपवश्या नृपैः सेव्या नृपवश्यकरप्रिया॥ ५४॥
महिषा नृपमान्या च नृमान्या नृपनन्दिनी।
नृपधर्ममयी धन्या धनधान्यविवर्धिनी॥ ५५॥
चतुर्वर्णमयी मूर्तिश्चतुर्वर्णैश्च पूजिता।
सर्वधर्ममयी सिद्धिश्चतुराश्रमवासिनी॥ ५६॥
ब्राह्मणी क्षत्रिया वैश्या शूद्रा चावरवर्णजा।
वेदमार्गरता यज्ञा वेदिर्विश्वविभाविनी॥ ५७॥
अनुशस्त्रमयी विद्या वरशस्त्रास्त्रधारिणी।
सुमेधा सत्यमेधा च भद्रकाल्यपराजिता॥ ५८॥

गायत्री सत्कृतिः सन्ध्या सावित्री त्रिपदाश्रया।
त्रिसन्ध्या त्रिपदी धात्री सुपर्वा सामगायिनी ॥ ५९ ॥
पाञ्चाली बालिका बाला बालक्रीडा सनातनी।
गर्भाधारधराऽशून्या गर्भाशयनिवासिनी ॥ ६० ॥
सुरारिघातिनी कृत्या पूजना च तिलोत्तमा।
लज्जा रसवती नन्दा भवानी पापनाशिनी ॥ ६१ ॥
पट्टाम्बरधरा गीतिः सुगीतिर्ज्ञानलोचना।
सप्तस्वरमयी तन्त्री षड्जमध्यमधैवता ॥ ६२ ॥
मूर्च्छना ग्रामसंस्थाना मूर्च्छा सुस्थानवासिनी।
अट्टाट्टहासिनी प्रेता प्रेतासननिवासिनी ॥ ६३ ॥
गीतनृत्यप्रिया कामा तुष्टिदा पुष्टिदा क्षया।
निष्ठा सत्यप्रिया प्राज्ञा लोलाक्षी च सुरोत्तमा ॥ ६४ ॥
सविषा ज्वालिनी ज्वाला विश्वमोहार्तिनाशिनी।
विषारिर्नागदमनी कुरुकुल्याऽमृतोद्भवा ॥ ६५ ॥
भूतभीतिहरा रक्षा भूतावेशविनाशिनी।
रक्षोघ्नी राक्षसी रात्रिर्दीर्घनिद्रानिवारिणी ॥ ६६ ॥
चन्द्रिका चन्द्रकान्तिश्च सूर्यकान्तिर्निशाचरी।
डाकिनी शाकिनी शिष्या हाकिनी चक्रवाकिनी ॥ ६७ ॥
सिता सितप्रिया स्वङ्गा सकला वनदेवता।
गुरुरूपधरा गुर्वी मृत्युर्मारी विशारदा ॥ ६८ ॥
महामारी विनिद्रा च तन्द्रा मृत्युविनाशिनी।
चन्द्रमण्डलसंकाशा चन्द्रमण्डलवासिनी ॥ ६९ ॥

अणिमादिगुणोपेता सुस्पृहा कामरूपिणी।
अष्टसिद्धिप्रदा प्रौढा दुष्टदानवघातिनी॥ ७० ॥
अनादिनिधना पुष्टिश्चतुर्बाहुश्चतुर्मुखी।
चतुःसमुद्रशयना चतुर्वर्गफलप्रदा॥ ७१ ॥
काशपुष्पप्रतीकाशा शरत्कुमुदलोचना।
भूता भव्या भविष्या च शैलजा शैलवासिनी॥ ७२ ॥
वाममार्गरता वामा शिववामाङ्गवासिनी।
वामाचारप्रिया तुष्टिर्लोपामुद्रा प्रबोधिनी॥ ७३ ॥
भूतात्मा परमात्मा च भूतभावविभाविनी।
मङ्गला च सुशीला च परमार्थप्रबोधिनी॥ ७४ ॥
दक्षिणा दक्षिणामूर्तिः सुदीक्षा च हरिप्रसूः।
योगिनी योगयुक्ता च योगाङ्गा ध्यानशालिनी॥ ७५ ॥
योगपट्टधरा मुक्ता मुक्तानां परमा गतिः।
नारसिंहा सुजन्मा च त्रिवर्गफलदायिनी॥ ७६ ॥
धर्मदा धनदा चैका कामदा मोक्षदा द्युतिः।
साक्षिणी क्षणदा दक्षा मोक्षदा कोटिरूपिणी॥ ७७ ॥
क्रतुः कात्यायनी स्वच्छा सुच्छन्दा च कविप्रिया।
सत्यागमा बहिःस्था च काव्यशक्तिः कवित्वदा॥ ७८ ॥
मुनिपुत्री सती माता मैनाकभगिनी तटित्।
सौदामिनी सुदामा च सुधामा धामशालिनी॥ ७९ ॥
सौभाग्यदायिनी द्यौश्च सुभगा द्युतिवर्धिनी।
श्रीकृत्तिवसना चैव कङ्काली कलिनाशिनी॥ ८० ॥

रक्तबीजवधोद्युक्ता सुतन्तुर्बीजसंततिः।
जगज्जीवा जगद्बीजा जगत्त्रयहितैषिणी॥ ८१॥
चामीकररुचिश्चन्द्री साक्षाद्याषोडशीकला।
यत्तत्पदानुबन्धा च यक्षिणी धनदार्चिता॥ ८२॥
चित्रिणी चित्रमाया च विचित्रा भुवनेश्वरी।
चामुण्डा मुण्डहस्ता च चण्डमुण्डवधोद्यता॥ ८३॥
अष्टम्येकादशी पूर्णा नवमी च चतुर्दशी।
अमा कलशहस्ता च पूर्णकुम्भपयोधरा॥ ८४॥
अभीरूर्भैरवी भीरूर्भीमा त्रिपुरभैरवी।
महारुण्डा च रौद्री च महाभैरवपूजिता॥ ८५॥
निर्मुण्डा हस्तिनी चण्डा करालदशनानना।
कराला विकराला च घोरा घुर्घुरनादिनी॥ ८६॥
रक्तदन्तोर्ध्वकेशी च बन्धूककुसुमारुणा।
कादम्बिनी पटासा च काश्मीरीकुंकुमप्रिया॥ ८७॥
क्षान्तिर्बहुसुवर्णा च रतिर्बहुसुवर्णदा।
मातङ्गिनी वरारोहा मत्तमातङ्गगामिनी॥ ८८॥
हंसा हंसगतिर्हंसी हंसोज्ज्वलशिरोरुहा।
पूर्णचन्द्रमुखी क्षामा स्मितास्या श्यामकुण्डला॥ ८९॥
महिषी लेखनी लेखा सुलेखा लेखकप्रिया।
शंखिनी शंखहस्ता च जलस्था जलदेवता॥ ९०॥
कुरुक्षेत्रावनिः काशी मधुरा काञ्च्यवन्तिका।
अयोध्या द्वारका माया तीर्था तीर्थकरप्रिया॥ ९१॥

त्रिपुष्कराऽप्रमेया च कोशस्था कोशवासिनी।
कौशिकी तु कुशावर्ता कौशाम्बी कोशवर्धिनी॥ ९२ ॥
कोशदा पद्मकोशाक्षी कुसुम्भकुसुमप्रिया।
तोतला च तुलाकोटिः कोटस्था कोटराश्रया॥ ९३ ॥
स्वयम्भूश्च सुरूपा च स्वरूपा पुण्यवर्धिनी।
तेजस्विनी सुभिक्षा च बलदा बलदायिनी॥ ९४ ॥
महाकोशी महावार्ता बुद्धिः सदसदात्मिका।
महाग्रहहरा सौम्या विशोका शोकनाशिनी॥ ९५ ॥
सात्त्विकी सत्त्वसंस्था च राजसी च रजोवृता।
तामसी च तमोयुक्ता गुणत्रयविभाविनी॥ ९६ ॥
अव्यक्ता व्यक्तरूपा च वेदविद्या च शाम्भवी।
शङ्करा कल्पिनी कल्पा मनःसङ्कल्पसंततिः॥ ९७ ॥
सर्वलोकमयी शक्तिः सर्वश्रवणगोचरा।
सर्वज्ञानवती वाञ्छा सर्वतत्त्वावबोधिका॥ ९८ ॥
जाग्रतिश्च सुषुप्तिश्च स्वप्नावस्था तुरीयका।
सत्त्वरा मन्दरा मन्दा मन्दिरा मोदधारिणी॥ ९९ ॥
मानभूमिः पानपात्रं पानदानकरोद्यता।
अपूर्णारुणनेत्रा च किञ्चिदव्यक्तभाषिणी॥ १०० ॥
आशापूरा च दीक्षा च दक्षा दीक्षितपूजिता।
नागवल्ली नागकन्या भोगिनी भोगवल्लभा॥ १०१ ॥
सर्वशास्त्रमयी विद्या सुस्मृतिर्धर्मवादिनी।
श्रुतिस्मृतिधरा ज्येष्ठा श्रेष्ठा पातालवासिनी॥ १०२ ॥

मीमांसा तर्कविद्या च सुभक्तिर्भक्तवत्सला।
सुनाभिर्यातना जातिर्गम्भीरा भाववर्जिता॥ १०३॥
नागपाशधरा मूर्तिरगाधा नागकुण्डला।
सुचक्रा चक्रमध्यस्था चक्रकोणनिवासिनी॥ १०४॥
सर्वमन्त्रमयी विद्या सर्वमन्त्राक्षरावलिः।
मधुस्त्रवा स्त्रवन्ती च भ्रामरी भ्रमरालका॥ १०५॥
मातृमण्डलमध्यस्था मातृमण्डलवासिनी।
कुमारजननी क्रूरा सुमुखी ज्वरनाशिनी॥ १०६॥
अतीता विद्यमाना च भाविनी प्रीतिमञ्जरी।
सर्वसौख्यवती युक्तिराहारपरिणामिनी॥ १०७॥
निधाना पञ्चभूतानां भवसागरतारिणी।
अक्रूरा च ग्रहवती विग्रहा ग्रहवर्जिता॥ १०८॥
रोहिणी भूमिगर्भा च कालभूः कालवर्तिनी।
कलङ्करहिता नारी चतुष्षष्ट्यभिधावती॥ १०९॥
जीर्णा च जीर्णवस्त्रा च नूतना नववल्लभा।
अरजा च रतिप्रीतिरतिरागविवर्धिनी॥ ११०॥
पञ्चवातगतिर्भिन्ना पञ्चश्लेष्माशयाधरा।
पञ्चपित्तवती शक्तिः पञ्चस्थानविभाविनी॥ १११॥
उदक्या च वृषस्यन्ती बहिः प्रस्त्रविणी त्र्यहा।
रजःशुक्रधरा शक्तिर्जरायुर्गर्भधारिणी॥ ११२॥
त्रिकालज्ञा त्रिलिङ्गा च त्रिमूर्तिस्त्रिपुरवासिनी।
अरागा शिवतत्त्वा च कामतत्त्वानुरागिणी॥ ११३॥

प्राच्यवाची प्रतीची दिगुदीची दिग्विदिग्दिशा।
अहंकृतिरहङ्कारा बाला माया बलिप्रिया॥ ११४॥
स्रुक्स्रुवा सामिधेनी च सुश्रद्धा श्राद्धदेवता।
माता मातामही तृप्तिः पितृमाता पितामही॥ ११५॥
स्नुषा दौहित्रिणी पुत्री पौत्री नप्त्री शिशुप्रिया।
स्तनदा स्तनधारा च विश्वयोनिः स्तनन्धयी॥ ११६॥
शिशूत्सङ्गधरा दोलालोलाक्रीडाभिनन्दिनी।
उर्वशी कदली केका विशिखा शिखिवर्तिनी॥ ११७॥
खट्वाङ्गधारिणी खट्वबाणपुंखानुवर्तिनी।
लक्ष्यप्राप्तिकरा लक्ष्यालक्ष्या च शुभलक्षणा॥ ११८॥
वर्तिनी सुपथाचारा परिखा च खनिर्वृतिः।
प्राकारवलया वेला मर्यादा च महोदधिः॥ ११९॥
पोषिणी शोषिणी शक्तिर्दीर्घकेशी सुलोमशा।
ललिता मांसला तन्वी वेदवेदाङ्गधारिणी॥ १२०॥
नरासृक्पानमत्ता च नरमुण्डास्थिभूषणा।
अक्षक्रीडा रतिः शारी सारिका शुकभाषिणी॥ १२१॥
शाम्बरी गारुडी विद्या वारुणी वरुणार्चिता।
वाराही तुण्डहस्ता च दंष्ट्रोद्धृतवसुन्धरा॥ १२२॥
मीनमूर्तिर्धरामूर्तिर्वदान्याऽप्रतिमाश्रया।
अमूर्ता निधिरूपा च शालग्रामशिलाशुचिः॥ १२३॥
स्मृतिसंस्काररूपा च सुसंस्कारा च संस्कृतिः।
प्राकृता देशभाषा च गाथा गीतिः प्रहेलिका॥ १२४॥

इडा च पिङ्गला पिङ्गा सुषुम्ना सूर्यवाहिनी।
शशिस्त्रवा च तालस्था काकिन्यमृतजीविनी॥ १२५॥
अणुरूपा बृहद्रूपा लघुरूपा गुरुस्थिरा।
स्थावरा जङ्गमा देवी कृतकर्मफलप्रदा॥ १२६॥
विषयाक्रान्तदेहा च निर्विशेषा जितेन्द्रिया।
विश्वरूपा चिदानन्दा परब्रह्मप्रबोधिनी॥ १२७॥
निर्विकारा च निर्वैरा विरतिः सत्यवर्धिनी।
पुरुषाज्ञा च भिन्ना च क्षान्तिः कैवल्यदायिनी॥ १२८॥
विविक्तसेविनी प्रज्ञा जनयित्री बहुश्रुतिः।
निरीहा च समस्तैका सर्वलोकैकसेविता॥ १२९॥
सेवासेवा प्रियासेव्या सेवाफलविवर्धिनी।
कलौ कल्किप्रिया काली दुष्टम्लेच्छविनाशिनी॥ १३०॥
प्रत्यक्षा च धनुर्यष्टिः खड्गधारा दुरानतिः।
अश्वप्लुतिश्च वल्गा च सृणिः सन्मृत्युवारिणी॥ १३१॥
वीरभूर्वीरमाता च वीरसूर्वीरनन्दिनी।
जयश्रीर्जयदीक्षा च जयदा जयवर्धिनी॥ १३२॥
सौभाग्यसुभगाकारा सर्वसौभाग्यवर्धिनी।
क्षेमङ्करी सिद्धिरूपा सत्कीर्तिः पथि देवता॥ १३३॥
सर्वतीर्थमयीमूर्तिः सर्वदेवमयीप्रभा।
सर्वसिद्धिप्रदा शक्तिः सर्वमङ्गलमङ्गला॥ १३४॥

फलश्रुतिः

पुण्यं सहस्त्रनामेदं शिवायाः शिवभाषितम्।
यः पठेत् प्रातरुत्थाय शुचिर्भूत्वा समाहितः॥ १३५॥

यश्चापि श्रृणुयान्नित्यं नरो निश्चलमानसः।
एककालं द्विकालं वा त्रिकालं श्रद्धयान्वितः॥ १३६॥
सर्वदुःखविनिर्मुक्तो धनधान्यसमन्वितः।
तेजस्वी बलवान् शूरः शोकरोगविवर्जितः॥ १३७॥
यशस्वी कीर्तिमान् धन्यः सुभगो लोकपूजितः।
रूपवान् गुणसम्पन्नः प्रभावीर्यसमन्वितः॥ १३८॥
श्रेयांसि लभते नित्यं निश्चलां च शुभां श्रियम्।
सर्वपापविनिर्मुक्तो लोभक्रोधविवर्जितः॥ १३९॥
नित्यं बन्धुसुतैर्दारैः पुत्रपौत्रैर्महोत्सवैः।
नन्दितः सेवितो भृत्यैर्बहुभिः शुचिमानसैः॥ १४०॥
विद्यानां पारगो विप्रः क्षत्रियो विजयी रणे।
वैश्यस्तु धनलाभाढ्यः शूद्रः सुखमवाप्नुयात्॥ १४१॥
पुत्रार्थी लभते पुत्रं धनार्थी विपुलं धनम्।
इच्छाकामं तु कामार्थी धर्मार्थी धर्ममक्षयम्॥ १४२॥
कन्यार्थी लभते कन्यां रूपशीलगुणान्विताम्।
क्षेत्रं च बहुसस्यं स्याद्गावस्तु बहुदुग्धदाः॥ १४३॥
नाशुभं नापदस्तस्य न भयं नृपशत्रुतः।
जायते नाशुभा बुद्धिर्लभते कुलधुर्यताम्॥ १४४॥
न बाधन्ते ग्रहास्तस्य न रक्षांसि न पन्नगाः।
न पिशाचो न डाकिन्यो भूतव्यन्तरजम्बुकाः॥ १४५॥
बालग्रहाभिभूतानां बालानां शान्तिकारकम्।
द्वन्द्वानां प्रीतिभेदे च मैत्रीकरणमुत्तमम्॥ १४६॥

लोहपाशैर्दृढैर्बद्धो बद्धो वेश्मनि दुर्गमे।
तिष्ठन् शृण्वन् पठेन्मर्त्यो मुच्यते नात्र संशयः॥ १४७॥
न दाराणां न पुत्राणां न बन्धूनां न मित्रजम्।
पश्यन्ति तेन शोकं हि वियोगं चिरजीविताम्॥ १४८॥
अन्धस्तु लभते दृष्टिं चक्षूरोगैर्न बाध्यते।
बधिरः श्रुतिमाप्नोति मूको वाचं शुभां नरः॥ १४९॥
पतद्गर्भा च या नारी स्थिरगर्भा प्रजायते।
स्राविणी बद्धगर्भा च सुखमेव प्रसूयते॥ १५०॥
कुष्ठिनः शीर्णदेहा ये गतकेशनखत्वचः।
पठनाच्छ्रवणाद्वापि दिव्यकाया भवन्ति ते॥ १५१॥
ये पठन्ति सदा मर्त्याः शुचिष्मन्तो जितेन्द्रियाः।
अपुत्राः प्राप्नुयुः पुत्रान् शृण्वन्तोऽपि न संशयः॥ १५२॥
महाव्याधिपरिग्रस्तास्तप्ता ये विविधैर्ज्वरैः।
भूताभिषङ्गसङ्घातैश्चातुर्थिकतृतीयकैः ॥ १५३॥
अन्यैश्च दारुणै रोगैः पीड्यमानाश्च मानवाः।
गतबाधाः प्रजायन्ते तैर्मुक्ता नात्र संशयः॥ १५४॥
श्रुतिगन्धधरो बालो दिव्यवादी कवीश्वरः।
पठनाच्छ्रवणाद्वापि भवत्येव न संशयः॥ १५५॥
अष्टम्यां वा चतुर्दश्यां नवम्यां चैकचेतसः।
ये पठन्ति सदा मर्त्या न ते वै दुःखभाजनाः॥ १५६॥
नवरात्रं जिताहारो दृढभक्तिर्जितेन्द्रियः।
चण्डिकायतने विद्वाञ्छुचिष्मान् मूर्तिसंनिधौ॥ १५७॥

एकाकी तु शतावृत्या पठन् धीरश्च निर्भयः।
साक्षाद्भगवती तस्मै प्रयच्छेदीप्सितं फलम्॥ १५८॥
सिद्धपीठे गिरौ रम्ये सिद्धक्षेत्रे सुरालये।
पठनात् साधकस्याशु सिद्धिर्भवति वाञ्छिता॥ १५९॥
दशावर्तं पठेद्यस्तु भूमिशायी नरः शुचिः।
स्वप्ने मूर्तिमयीं देवीं वरदां सोऽपि पश्यति॥ १६०॥
कवित्वं संस्कृते तेषां शास्त्राणां व्याकृतौ ततः।
शक्तिः प्रोन्मील्यते शास्त्रेष्वनधीतेषु भारती॥ १६१॥
आवर्तनसहस्रैर्ये पठन्ति पुरुषोत्तमाः।
ते सिद्धाः सिद्धिदा लोके शापानुग्रहणे क्षमाः॥ १६२॥
नखरागशिरोरत्नद्विगुणीकृतरोचिषः।
प्रयच्छन्तश्च सर्वस्वं सेवन्ते तान् महीश्वराः॥ १६३॥
रोचनालिखितं भूर्जे कुंकुमेन शुभे दिने।
धारयेद्यन्त्रितं देहे पूजयित्वा कुमारिकाम्॥ १६४॥
विप्रांश्च वरनारीश्च धूपैः कुसुमचन्दनैः।
क्षीरखण्डाज्यभोज्यैश्च पूजयित्वा सुभूषिताः॥ १६५॥
बध्नन्ति ये महारक्षां बालानां च विशेषतः।
भवन्ति नृपपूज्यास्ते कीर्तिभाजो यशस्विनः॥ १६६॥
शत्रुतो न भयं तेषां दुर्जनेभ्यो न राजतः।
न च दाराभिचारेभ्यो न दारिद्र्यं न पश्यति॥ १६७॥
महार्णवे महानद्यां स्थितेऽपि च न भीः क्वचित्।
रणे द्यूते विवादे च विजयं प्राप्नुवन्ति ते॥ १६८॥

नृपाश्च वश्यतां यान्ति नृपमान्याश्च ये नराः।
सर्वत्र पूजिता लोके बहुमानपुरःसराः॥ १६९॥
रतिरागविवृद्धाश्च विह्वलाः कामपीडिताः।
यौवनाक्रान्तदेहास्ताः श्रयन्ते वामलोचनाः॥ १७०॥
लिखितं मूर्ध्नि कण्ठे वा धारयेद्यो रणे शुचिः।
शतधा युध्यमानं तं प्रतियोधो न पश्यति॥ १७१॥
केतौ वा दुन्दुभौ येषां तिष्ठते लिखितं रणे।
मायासैन्यपरिग्रस्तान् कांदिशीकान् हतौजसः॥ १७२॥
विचेतनान् विमूढांश्च शत्रुकृत्यविवर्जितान्।
निर्जित्य शत्रुसङ्घातान् लभते विजयं ध्रुवम्॥ १७३॥
नाभिचारो न शापश्च बाणवीरादिकीलनम्।
डाकिनी पूतना कृत्या महामारी च शाकिनी॥ १७४॥
भूताः प्रेताः पिशाचाश्च रक्षांसि व्यन्तरादयः।
न वसन्ति गृहे देहे लिखितं यत्र तिष्ठति॥ १७५॥
न शस्त्रानलतोयौघैर्भयं तस्योपजायते।
दुर्वृत्तानां च पापानां बलहानिकरं परम्॥ १७६॥
मन्दुराकरिशालासु गवां गोष्ठे समाहितः।
पठेत् तद्दोषशान्त्यर्थं कूटं कपटनाशिनी॥ १७७॥
यमदूतान्न पश्यन्ति न ते निरययातनाम्।
प्राप्नुवन्त्यक्षयं चान्ते शिवलोकं सनातनम्॥ १७८॥
सर्वाबाधासु घोरासु सर्वदुःखनिवारणम्।
सुमङ्गलकरं स्वर्ग्यं पठितव्यं समाहितैः॥ १७९॥

श्रोतव्यं च सदा भक्त्या परं स्वस्त्ययनं महत्।
पुण्यं सहस्रनामेदमम्बाया रुद्रभाषितम्॥ १८०॥
चतुर्वर्गप्रदं सत्यं नन्दिकेन प्रकाशितम्।
नातः परतरो मन्त्रो नातः परतरः स्तवः॥ १८१॥
नातः परतरा विद्या तीर्थं नातः परात्परम्।
ते धन्याः कृतपुण्यास्ते त एव भुवि पूजिताः॥ १८२॥
एकवारं मुदा नित्यं येऽर्चयन्ति महेश्वरीम्।
देवतानां देवता या ब्रह्माद्यैर्या च पूजिता॥ १८३॥
भूयात् सा वरदा लोके साधूनां विश्वमङ्गला।
एतामेव पुराराध्यां विद्यां त्रिपुरभैरवीम्॥ १८४॥
त्रैलोक्यमोहिनीरूपामकार्षीद् भगवान् हरिः॥ १८५॥

॥ इति श्रीरुद्रयामले तन्त्रे नन्दिकेश्वरसंवादे

श्रीभवानीसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीभवान्यै नमः ॥

श्रीभवानीसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ महाविद्यायै नमः।
२ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
४ ॐ शिवप्रियायै नमः।
५ ॐ विष्णुमायायै नमः।
६ ॐ शुभायै नमः।
७ ॐ शान्तायै नमः।
८ ॐ सिद्धायै नमः।
९ ॐ सिद्धसरस्वत्यै नमः।
१० ॐ क्षमायै नमः।
११ ॐ कान्त्यै नमः।
१२ ॐ प्रभायै नमः।
१३ ॐ ज्योत्स्नायै नमः।
१४ ॐ पार्वत्यै नमः।
१५ ॐ सर्वमङ्गलायै नमः।
१६ ॐ हिङ्गुलायै नमः।
१७ ॐ चण्डिकायै नमः।
१८ ॐ दान्तायै नमः।
१९ ॐ पद्मायै नमः।
२० ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२१ ॐ हरिप्रियायै नमः।
२२ ॐ त्रिपुरानन्दिन्यै नमः।
२३ ॐ नन्दायै नमः।
२४ ॐ सुनन्दायै नमः।
२५ ॐ सुरवन्दितायै नमः।
२६ ॐ यज्ञविद्यायै नमः।
२७ ॐ महामायायै नमः।
२८ ॐ वेदमात्रे नमः।
२९ ॐ सुधाधृत्यै नमः।
३० ॐ प्रीतिप्रदायै नमः।
३१ ॐ प्रसिद्धायै नमः।
३२ ॐ मृडान्यै नमः।
३३ ॐ विन्ध्यवासिन्यै नमः।
३४ ॐ सिद्धविद्यायै नमः।
३५ ॐ महाशक्त्यै नमः।
३६ ॐ पृथ्व्यै नमः।
३७ ॐ नारदसेवितायै नमः।
३८ ॐ पुरुहूतप्रियायै नमः।
३९ ॐ कान्तायै नमः।
४० ॐ कामिन्यै नमः।
४१ ॐ पद्मलोचनायै नमः।
४२ ॐ प्रह्लादिन्यै नमः।
४३ ॐ महामात्रे नमः।
४४ ॐ दुर्गायै नमः।

४५ ॐ दुर्गतिनाशिन्यै नमः।
४६ ॐ ज्वालामुख्यै नमः।
४७ ॐ सुगोत्रायै नमः।
४८ ॐ ज्योतिषे नमः।
४९ ॐ कुमुदवासिन्यै नमः।
५० ॐ दुर्गमायै नमः।
५१ ॐ दुर्लभायै नमः।
५२ ॐ विद्यायै नमः।
५३ ॐ स्वर्गत्यै नमः।
५४ ॐ पुरवासिन्यै नमः।
५५ ॐ अपर्णायै नमः।
५६ ॐ शाम्बर्यै नमः।
५७ ॐ मायायै नमः।
५८ ॐ मदिरायै नमः।
५९ ॐ मृदुहासिन्यै नमः।
६० ॐ कुलवागीश्वर्यै नमः।
६१ ॐ नित्यायै नमः।
६२ ॐ नित्यक्लिन्नायै नमः।
६३ ॐ कृशोदर्यै नमः।
६४ ॐ कामेश्वर्यै नमः।
६५ ॐ नीलायै नमः।
६६ ॐ भीरुण्डायै नमः।
६७ ॐ वह्निवासिन्यै नमः।
६८ ॐ लम्बोदर्यै नमः।
६९ ॐ महाकाल्यै नमः।
७० ॐ विद्याविद्येश्वर्यै नमः।
७१ ॐ नरेश्वरायै नमः।
७२ ॐ सत्यायै नमः।
७३ ॐ सर्वसौभाग्यवर्धिन्यै नमः।
७४ ॐ संकर्षिण्यै नमः।
७५ ॐ नारसिंह्यै नमः।
७६ ॐ वैष्णव्यै नमः।
७७ ॐ महोदर्यै नमः।
७८ ॐ कात्यायन्यै नमः।
७९ ॐ चम्पायै नमः।
८० ॐ सर्वसम्पत्तिकारिण्यै नमः।
८१ ॐ नारायण्यै नमः।
८२ ॐ महानिद्रायै नमः।
८३ ॐ योगनिद्रायै नमः।
८४ ॐ प्रभावत्यै नमः।
८५ ॐ प्रज्ञायै नमः।
८६ ॐ पारमिताप्रज्ञायै नमः।
८७ ॐ तारायै नमः।
८८ ॐ मधुमत्यै नमः।
८९ ॐ मधुने नमः।
९० ॐ क्षीरार्णवसुधाहारायै नमः।
९१ ॐ कालिकायै नमः।
९२ ॐ सिंहवाहनायै नमः।
९३ ॐ ओङ्कारायै नमः।
९४ ॐ सुधाकारायै नमः।
९५ ॐ चेतनायै नमः।
९६ ॐ कोपनाकृत्यै नमः।
९७ ॐ अर्धबिन्दुधरायै नमः।
९८ ॐ धारायै नमः।
९९ ॐ विश्वमात्रे नमः।
१०० ॐ कलावत्यै नमः।

१०१ ॐ पद्मावत्यै नमः।
१०२ ॐ सुवस्त्रायै नमः।
१०३ ॐ प्रबुद्धायै नमः।
१०४ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१०५ ॐ कुण्डासनायै नमः।
१०६ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
१०७ ॐ बुद्धमात्रे नमः।
१०८ ॐ जिनेश्वर्यै नमः।
१०९ ॐ जिनमात्रे नमः।
११० ॐ जिनेन्द्रायै नमः।
१११ ॐ शारदायै नमः।
११२ ॐ हंसवाहनायै नमः।
११३ ॐ राज्यलक्ष्म्यै नमः।
११४ ॐ वषट्कारायै नमः।
११५ ॐ सुधाकारायै नमः।
११६ ॐ सुधोत्सुकायै नमः।
११७ ॐ राजनीतये नमः।
११८ ॐ त्रयीवार्तायै नमः।
११९ ॐ दण्डनीतये नमः।
१२० ॐ क्रियावत्यै नमः।
१२१ ॐ सद्भूत्यै नमः।
१२२ ॐ तारिण्यै नमः।
१२३ ॐ श्रद्धायै नमः।
१२४ ॐ सद्गत्यै नमः।
१२५ ॐ सत्परायणायै नमः।
१२६ ॐ सिन्धवे नमः।
१२७ ॐ मन्दाकिन्यै नमः।
१२८ ॐ गङ्गायै नमः।
१२९ ॐ यमुनायै नमः।
१३० ॐ सरस्वत्यै नमः।
१३१ ॐ गोदावर्यै नमः।
१३२ ॐ विपाशायै नमः।
१३३ ॐ कावेर्यै नमः।
१३४ ॐ शतह्रदायै नमः।
१३५ ॐ सरय्वै नमः।
१३६ ॐ चन्द्रभागायै नमः।
१३७ ॐ कौशिक्यै नमः।
१३८ ॐ गण्डक्यै नमः।
१३९ ॐ शुचये नमः।
१४० ॐ नर्मदायै नमः।
१४१ ॐ कर्मनाशायै नमः।
१४२ ॐ चर्मण्वत्यै नमः।
१४३ ॐ वेदिकायै नमः।
१४४ ॐ वेत्रवत्यै नमः।
१४५ ॐ वितस्तायै नमः।
१४६ ॐ वरदायै नमः।
१४७ ॐ नरवाहनायै नमः।
१४८ ॐ सत्यै नमः।
१४९ ॐ पतिव्रतायै नमः।
१५० ॐ साध्व्यै नमः।
१५१ ॐ सुचक्षुषे नमः।
१५२ ॐ कुण्डवासिन्यै नमः।
१५३ ॐ एकचक्षुषे नमः।
१५४ ॐ सहस्त्राक्ष्यै नमः।
१५५ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
१५६ ॐ भगमालिन्यै नमः।
१५७ ॐ सेनाश्रोण्यै नमः।
१५८ ॐ पताकायै नमः।

१५९ ॐ सुव्यूहायै नमः।
१६० ॐ युद्धकाङ्क्षिण्यै नमः।
१६१ ॐ पताकिन्यै नमः।
१६२ ॐ दयारम्भायै नमः।
१६३ ॐ विपञ्च्यै नमः।
१६४ ॐ पञ्चमप्रियायै नमः।
१६५ ॐ परस्यै नमः।
१६६ ॐ परकलायै नमः।
१६७ ॐ कान्तायै नमः।
१६८ ॐ त्रिशक्त्यै नमः।
१६९ ॐ मोक्षदायिन्यै नमः।
१७० ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
१७१ ॐ माहेश्वर्यै नमः।
१७२ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
१७३ ॐ कौमार्यै नमः।
१७४ ॐ कुलवासिन्यै नमः।
१७५ ॐ इच्छायै नमः।
१७६ ॐ भगवत्यै नमः।
१७७ ॐ शक्त्यै नमः।
१७८ ॐ कामधेनवे नमः।
१७९ ॐ कृपावत्यै नमः।
१८० ॐ वज्रायुधायै नमः।
१८१ ॐ वज्रहस्तायै नमः।
१८२ ॐ चण्ड्यै नमः।
१८३ ॐ चण्डपराक्रमायै नमः।
१८४ ॐ गौर्यै नमः।
१८५ ॐ सुवर्णवर्णायै नमः।
१८६ ॐ स्थितिसंहारकारिण्यै नमः।
१८७ ॐ एकस्यै नमः।
१८८ ॐ अनेकायै नमः।
१८९ ॐ महेज्यायै नमः।
१९० ॐ शतबाहवे नमः।
१९१ ॐ महाभुजायै नमः।
१९२ ॐ भुजङ्गभूषणायै नमः।
१९३ ॐ भूषायै नमः।
१९४ ॐ षट्चक्रक्रमवासिन्यै नमः।
१९५ ॐ षट्चक्रभेदिन्यै नमः।
१९६ ॐ श्यामायै नमः।
१९७ ॐ कायस्थायै नमः।
१९८ ॐ कायवर्जितायै नमः।
१९९ ॐ सुस्मितायै नमः।
२०० ॐ सुमुख्यै नमः।
२०१ ॐ क्षामायै नमः।
२०२ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
२०३ ॐ ईश्वर्यै नमः।
२०४ ॐ अजायै नमः।
२०५ ॐ बहुवर्णायै नमः।
२०६ ॐ पुरुषार्थप्रवर्तिन्यै नमः।
२०७ ॐ रक्तायै नमः।
२०८ ॐ नीलायै नमः।
२०९ ॐ सितायै नमः।
२१० ॐ श्यामायै नमः।
२११ ॐ कृष्णायै नमः।
२१२ ॐ पीतायै नमः।
२१३ ॐ कर्बुरायै नमः।
२१४ ॐ क्षुधायै नमः।
२१५ ॐ तृष्णायै नमः।
२१६ ॐ जरायै नमः।
२१७ ॐ वृद्धायै नमः।

२१८ ॐ तरुण्यै नमः।
२१९ ॐ करुणालयायै नमः।
२२० ॐ कलायै नमः।
२२१ ॐ काष्ठायै नमः।
२२२ ॐ मुहूर्तायै नमः।
२२३ ॐ निमिषायै नमः।
२२४ ॐ कालरूपिण्यै नमः।
२२५ ॐ सुवर्णरशनायै नमः।
२२६ ॐ नासाचक्षुःस्पर्शवत्यै नमः।
२२७ ॐ रसायै नमः।
२२८ ॐ गन्धप्रियायै नमः।
२२९ ॐ सुगन्धायै नमः।
२३० ॐ सुस्पर्शायै नमः।
२३१ ॐ मनोगत्यै नमः।
२३२ ॐ मृगनाभये नमः।
२३३ ॐ मृगाक्ष्यै नमः।
२३४ ॐ कर्पूरामोदधारिण्यै नमः।
२३५ ॐ पद्मयोन्यै नमः।
२३६ ॐ सुकेश्यै नमः।
२३७ ॐ सुलिङ्गायै नमः।
२३८ ॐ भगरूपिण्यै नमः।
२३९ ॐ योनिमुद्रायै नमः।
२४० ॐ महामुद्रायै नमः।
२४१ ॐ खेचर्यै नमः।
२४२ ॐ खगगामिन्यै नमः।
२४३ ॐ मधुश्रियै नमः।
२४४ ॐ माधव्यै नमः।
२४५ ॐ वल्ल्यै नमः।
२४६ ॐ मधुमत्तायै नमः।
२४७ ॐ मदोद्धतायै नमः।
२४८ ॐ मातङ्ग्यै नमः।
२४९ ॐ शुकहस्तायै नमः।
२५० ॐ पुष्पबाणेक्षुचापिन्यै नमः।
२५१ ॐ रक्ताम्बरधरायै नमः।
२५२ ॐ क्षीबायै नमः।
२५३ ॐ रक्तपुष्पावतंसिन्यै नमः।
२५४ ॐ शुभ्राम्बरधरायै नमः।
२५५ ॐ धीरायै नमः।
२५६ ॐ महाश्वेतायै नमः।
२५७ ॐ वसुप्रियायै नमः।
२५८ ॐ सुवेण्यै नमः।
२५९ ॐ पद्महस्तायै नमः।
२६० ॐ मुक्ताहारविभूषणायै नमः।
२६१ ॐ कर्पूरामोदनिःश्वासायै नमः।
२६२ ॐ पद्मिन्यै नमः।
२६३ ॐ पद्ममन्दिरायै नमः।
२६४ ॐ खड्गिन्यै नमः।
२६५ ॐ चक्रहस्तायै नमः।
२६६ ॐ भुशुण्ड्यै नमः।
२६७ ॐ परिघायुधायै नमः।
२६८ ॐ चापिन्यै नमः।
२६९ ॐ पाशहस्तायै नमः।
२७० ॐ त्रिशूलवरधारिण्यै नमः।
२७१ ॐ सुबाणायै नमः।
२७२ ॐ शक्तिहस्तायै नमः।
२७३ ॐ मयूरवरवाहनायै नमः।
२७४ ॐ वरायुधधरायै नमः।
२७५ ॐ वीरायै नमः।

२७६ ॐ वीरपानमदोत्कटायै नमः।
२७७ ॐ वसुधायै नमः।
२७८ ॐ वसुधारायै नमः।
२७९ ॐ जयायै नमः।
२८० ॐ शाकम्भर्यै नमः।
२८१ ॐ शिवायै नमः।
२८२ ॐ विजयायै नमः।
२८३ ॐ जयन्त्यै नमः।
२८४ ॐ सुस्तन्यै नमः।
२८५ ॐ शत्रुनाशिन्यै नमः।
२८६ ॐ अन्तर्वत्न्यै नमः।
२८७ ॐ वेदशक्त्यै नमः।
२८८ ॐ वरदायै नमः।
२८९ ॐ वरधारिण्यै नमः।
२९० ॐ शीतलायै नमः।
२९१ ॐ सुशीलायै नमः।
२९२ ॐ बालग्रहविनाशिन्यै नमः।
२९३ ॐ कौमार्यै नमः।
२९४ ॐ सुपर्वायै नमः।
२९५ ॐ कामाख्यायै नमः।
२९६ ॐ कामवन्दितायै नमः।
२९७ ॐ जालन्धरधरानन्तायै नमः।
२९८ ॐ कामरूपनिवासिन्यै नमः।
२९९ ॐ कामबीजवत्यै नमः।
३०० ॐ सत्यायै नमः।
३०१ ॐ सत्यधर्मपरायणायै नमः।
३०२ ॐ स्थूलमार्गस्थितायै नमः।
३०३ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
३०४ ॐ सूक्ष्मबुद्धिप्रबोधिन्यै नमः।
३०५ ॐ षट्कोणायै नमः।
३०६ ॐ त्रिकोणायै नमः।
३०७ ॐ त्रिनेत्रायै नमः।
३०८ ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः।
३०९ ॐ वृषप्रियायै नमः।
३१० ॐ वृषारूढायै नमः।
३११ ॐ महिषासुरघातिन्यै नमः।
३१२ ॐ शुम्भदर्पहरायै नमः।
३१३ ॐ दीप्तायै नमः।
३१४ ॐ दीप्तपावकसंनिभायै नमः।
३१५ ॐ कपालभूषणायै नमः।
३१६ ॐ काल्यै नमः।
३१७ ॐ कपालमाल्यधारिण्यै नमः।
३१८ ॐ कपालकुण्डलायै नमः।
३१९ ॐ दीर्घायै नमः।
३२० ॐ शिवदूत्यै नमः।
३२१ ॐ घनध्वनये नमः।
३२२ ॐ सिद्धिदायै नमः।
३२३ ॐ बुद्धिदायै नमः।
३२४ ॐ नित्यायै नमः।
३२५ ॐ सत्यमार्गप्रबोधिन्यै नमः।
३२६ ॐ कम्बुग्रीवायै नमः।
३२७ ॐ वसुमतीच्छत्रच्छाया-
कृतालयायै नमः।
३२८ ॐ जगद्गर्भायै नमः।
३२९ ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
३३० ॐ भुजगाकारशायिन्यै नमः।
३३१ ॐ प्रोल्लसत्सप्तपद्मायै नमः।
३३२ ॐ नाभिनालमृणालिन्यै नमः।

३३३ ॐ मूलाधारायै नमः।
३३४ ॐ निराकारायै नमः।
३३५ ॐ वह्निकुण्डकृतालयायै नमः।
३३६ ॐ वायुकुण्डसुखासीनायै नमः।
३३७ ॐ निराधारायै नमः।
३३८ ॐ निराश्रयायै नमः।
३३९ ॐ श्वासोच्छ्वासगत्यै नमः।
३४० ॐ जीवग्राहिण्यै नमः।
३४१ ॐ वह्निसंश्रयायै नमः।
३४२ ॐ वल्लीतन्तुसमुत्थानायै नमः।
३४३ ॐ षड्रसास्वादलोलुपायै नमः।
३४४ ॐ तपस्विन्यै नमः।
३४५ ॐ तपःसिद्ध्यै नमः।
३४६ ॐ तपसा सिद्धिदायिन्यै नमः।
३४७ ॐ तपोनिष्ठायै नमः।
३४८ ॐ तपोयुक्तायै नमः।
३४९ ॐ तापस्यै नमः।
३५० ॐ तपःप्रियायै नमः।
३५१ ॐ सप्तधातुमय्यै मूर्त्यै नमः।
३५२ ॐ सप्तधात्वन्तराश्रयायै नमः।
३५३ ॐ देहपुष्ट्यै नमः।
३५४ ॐ मनःपुष्ट्यै नमः।
३५५ ॐ अन्नपुष्ट्यै नमः।
३५६ ॐ बलोद्धतायै नमः।
३५७ ॐ औषध्यै नमः।
३५८ ॐ वैद्यमात्रे नमः।
३५९ ॐ द्रव्यशक्तिप्रभाविन्यै नमः।
३६० ॐ वैद्यायै नमः।
३६१ ॐ वैद्यचिकित्सायै नमः।
३६२ ॐ सुपथ्यायै नमः।
३६३ ॐ रोगनाशिन्यै नमः।
३६४ ॐ मृगयायै नमः।
३६५ ॐ मृगमांसादायै नमः।
३६६ ॐ मृगत्वचे नमः।
३६७ ॐ मृगलोचनायै नमः।
३६८ ॐ वागुरायै नमः।
३६९ ॐ बन्धरूपायै नमः।
३७० ॐ बन्धरूपवधोद्धतायै नमः।
३७१ ॐ बन्द्यै नमः।
३७२ ॐ बन्दिस्तुतायै नमः।
३७३ ॐ कारागारबन्धविमोचिन्यै नमः।
३७४ ॐ शृङ्खलायै नमः।
३७५ ॐ खलघ्न्यै नमः।
३७६ ॐ विद्यायै नमः।
३७७ ॐ दृढबन्धविमोचिन्यै नमः।
३७८ ॐ अम्बिकायै नमः।
३७९ ॐ बालिकायै नमः।
३८० ॐ अम्बायै नमः।
३८१ ॐ स्वच्छायै नमः।
३८२ ॐ साधुजनार्चितायै नमः।
३८३ ॐ कालिक्यै नमः।
३८४ ॐ कुलविद्यायै नमः।
३८५ ॐ सुकुलायै नमः।
३८६ ॐ कुलपूजितायै नमः।
३८७ ॐ कालचक्रभ्रम्यै नमः।
३८८ ॐ भ्रान्तायै नमः।
३८९ ॐ विभ्रमायै नमः।
३९० ॐ भ्रमनाशिन्यै नमः।

३९१ ॐ वात्याव्यै नमः ।
३९२ ॐ मेघमालायै नमः ।
३९३ ॐ सुवृष्ट्यै नमः ।
३९४ ॐ सस्यवर्धिन्यै नमः ।
३९५ ॐ अकारायै नमः ।
३९६ ॐ इकारायै नमः ।
३९७ ॐ उकारौकाररूपिण्यै नमः ।
३९८ ॐ ह्रींकारबीजरूपायै नमः ।
३९९ ॐ क्लींकाराम्बरवासिन्यै नमः ।
४०० ॐ सर्वाक्षरमय्यै शक्त्यै नमः ।
४०१ ॐ अक्षरायै नमः ।
४०२ ॐ वर्णमालिन्यै नमः ।
४०३ ॐ सिन्दूरारुणवर्णायै नमः ।
४०४ ॐ सिन्दूरतिलकप्रियायै नमः ।
४०५ ॐ वश्यायै नमः ।
४०६ ॐ वश्यबीजायै नमः ।
४०७ ॐ लोकवश्यविभाविन्यै नमः ।
४०८ ॐ नृपवश्यायै नमः ।
४०९ ॐ नृपैः सेव्यायै नमः ।
४१० ॐ नृपवश्यकरप्रियायै नमः ।
४११ ॐ महिषायै नमः ।
४१२ ॐ नृपमान्यायै नमः ।
४१३ ॐ नृमान्यायै नमः ।
४१४ ॐ नृपनन्दिन्यै नमः ।
४१५ ॐ नृपधर्ममय्यै नमः ।
४१६ ॐ धन्यायै नमः ।
४१७ ॐ धनधान्यविवर्धिन्यै नमः ।
४१८ ॐ चतुर्वर्णमय्यै मूर्त्यै नमः ।
४१९ ॐ चतुर्वर्णैः पूजितायै नमः ।
४२० ॐ सर्वधर्ममय्यै सिद्ध्यै नमः ।
४२१ ॐ चतुराश्रमवासिन्यै नमः ।
४२२ ॐ ब्राह्मण्यै नमः ।
४२३ ॐ क्षत्रियायै नमः ।
४२४ ॐ वैश्यायै नमः ।
४२५ ॐ शूद्रायै नमः ।
४२६ ॐ अवरवर्णजायै नमः ।
४२७ ॐ वेदमार्गरतायै नमः ।
४२८ ॐ यज्ञायै नमः ।
४२९ ॐ वेद्यै नमः ।
४३० ॐ विश्वविभाविन्यै नमः ।
४३१ ॐ अनुशस्त्रमय्यै विद्यायै नमः ।
४३२ ॐ वरशस्त्रास्त्रधारिण्यै नमः ।
४३३ ॐ सुमेधायै नमः ।
४३४ ॐ सत्यमेधायै नमः ।
४३५ ॐ भद्रकाल्यै नमः ।
४३६ ॐ अपराजितायै नमः ।
४३७ ॐ गायत्र्यै नमः ।
४३८ ॐ सत्कृत्यै नमः ।
४३९ ॐ सन्ध्यायै नमः ।
४४० ॐ सावित्र्यै नमः ।
४४१ ॐ त्रिपदाश्रयायै नमः ।
४४२ ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः ।
४४३ ॐ त्रिपद्यै नमः ।
४४४ ॐ धात्र्यै नमः ।
४४५ ॐ सुपर्वायै नमः ।
४४६ ॐ सामगायिन्यै नमः ।
४४७ ॐ पाञ्चाल्यै नमः ।
४४८ ॐ बालिकायै नमः ।

४४९ ॐ बालायै नमः।
४५० ॐ बालक्रीडायै नमः।
४५१ ॐ सनातन्यै नमः।
४५२ ॐ गर्भाधारधरायै नमः।
४५३ ॐ अशून्यायै नमः।
४५४ ॐ गर्भाशयनिवासिन्यै नमः।
४५५ ॐ सुरारिघातिन्यै नमः।
४५६ ॐ कृत्यायै नमः।
४५७ ॐ पूजनायै नमः।
४५८ ॐ तिलोत्तमायै नमः।
४५९ ॐ लज्जायै नमः।
४६० ॐ रसवत्यै नमः।
४६१ ॐ नन्दायै नमः।
४६२ ॐ भवान्यै नमः।
४६३ ॐ पापनाशिन्यै नमः।
४६४ ॐ पट्टाम्बरधरायै नमः।
४६५ ॐ गीत्यै नमः।
४६६ ॐ सुगीत्यै नमः।
४६७ ॐ ज्ञानलोचनायै नमः।
४६८ ॐ सप्तस्वरमय्यै नमः।
४६९ ॐ तन्त्र्यै नमः।
४७० ॐ षड्जमध्यमधैवतायै नमः।
४७१ ॐ मूर्च्छनायै नमः।
४७२ ॐ ग्रामसंस्थानायै नमः।
४७३ ॐ मूर्च्छायै नमः।
४७४ ॐ सुस्थानवासिन्यै नमः।
४७५ ॐ अट्टाट्टहासिन्यै नमः।
४७६ ॐ प्रेतायै नमः।
४७७ ॐ प्रेतासननिवासिन्यै नमः।
४७८ ॐ गीतनृत्यप्रियायै नमः।
४७९ ॐ कामायै नमः।
४८० ॐ तुष्टिदायै नमः।
४८१ ॐ पुष्टिदायै नमः।
४८२ ॐ क्षयायै नमः।
४८३ ॐ निष्ठायै नमः।
४८४ ॐ सत्यप्रियायै नमः।
४८५ ॐ प्राज्ञायै नमः।
४८६ ॐ लोलाक्ष्यै नमः।
४८७ ॐ सुरोत्तमायै नमः।
४८८ ॐ सविषायै नमः।
४८९ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
४९० ॐ ज्वालायै नमः।
४९१ ॐ विश्वमोहार्तिनाशिन्यै नमः।
४९२ ॐ विषारये नमः।
४९३ ॐ नागदमन्यै नमः।
४९४ ॐ कुरुकुल्यायै नमः।
४९५ ॐ अमृतोद्भवायै नमः।
४९६ ॐ भूतभीतिहरायै नमः।
४९७ ॐ रक्षायै नमः।
४९८ ॐ भूतावेशविनाशिन्यै नमः।
४९९ ॐ रक्षोघ्न्यै नमः।
५०० ॐ राक्षस्यै नमः।
५०१ ॐ रात्र्यै नमः।
५०२ ॐ दीर्घनिद्रानिवारिण्यै नमः।
५०३ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
५०४ ॐ चन्द्रकान्त्यै नमः।
५०५ ॐ सूर्यकान्त्यै नमः।
५०६ ॐ निशाचर्यै नमः।

५०७ ॐ डाकिन्यै नमः।
५०८ ॐ शाकिन्यै नमः।
५०९ ॐ शिष्यायै नमः।
५१० ॐ हाकिन्यै नमः।
५११ ॐ चक्रवाकिन्यै नमः।
५१२ ॐ सितायै नमः।
५१३ ॐ सितप्रियायै नमः।
५१४ ॐ स्वङ्गायै नमः।
५१५ ॐ सकलायै नमः।
५१६ ॐ वनदेवतायै नमः।
५१७ ॐ गुरुरूपधरायै नमः।
५१८ ॐ गुर्व्यै नमः।
५१९ ॐ मृत्यवे नमः।
५२० ॐ मार्यै नमः।
५२१ ॐ विशारदायै नमः।
५२२ ॐ महामार्यै नमः।
५२३ ॐ विनिद्रायै नमः।
५२४ ॐ तन्द्रायै नमः।
५२५ ॐ मृत्युविनाशिन्यै नमः।
५२६ ॐ चन्द्रमण्डलसंकाशायै नमः।
५२७ ॐ चन्द्रमण्डलवासिन्यै नमः।
५२८ ॐ अणिमादिगुणोपेतायै नमः।
५२९ ॐ सुस्पृहायै नमः।
५३० ॐ कामरूपिण्यै नमः।
५३१ ॐ अष्टसिद्धिप्रदायै नमः।
५३२ ॐ प्रौढायै नमः।
५३३ ॐ दुष्टदानवघातिन्यै नमः।
५३४ ॐ अनादिनिधनायै नमः।
५३५ ॐ पुष्ट्यै नमः।
५३६ ॐ चतुर्बाहवे नमः।
५३७ ॐ चतुर्मुख्यै नमः।
५३८ ॐ चतुःसमुद्रशयनायै नमः।
५३९ ॐ चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः।
५४० ॐ काशपुष्पप्रतीकाशायै नमः।
५४१ ॐ शरत्कुमुदलोचनायै नमः।
५४२ ॐ भूतायै नमः।
५४३ ॐ भव्यायै नमः।
५४४ ॐ भविष्यायै नमः।
५४५ ॐ शैलजायै नमः।
५४६ ॐ शैलवासिन्यै नमः।
५४७ ॐ वाममार्गरतायै नमः।
५४८ ॐ वामायै नमः।
५४९ ॐ शिववामाङ्गवासिन्यै नमः।
५५० ॐ वामाचारप्रियायै नमः।
५५१ ॐ तुष्ट्यै नमः।
५५२ ॐ लोपामुद्रायै नमः।
५५३ ॐ प्रबोधिन्यै नमः।
५५४ ॐ भूतात्मने नमः।
५५५ ॐ परमात्मने नमः।
५५६ ॐ भूतभावविभाविन्यै नमः।
५५७ ॐ मङ्गलायै नमः।
५५८ ॐ सुशीलायै नमः।
५५९ ॐ परमार्थप्रबोधिन्यै नमः।
५६० ॐ दक्षिणस्यै नमः।
५६१ ॐ दक्षिणामूर्त्यै नमः।
५६२ ॐ सुदीक्षायै नमः।
५६३ ॐ हरिप्रस्वै नमः।
५६४ ॐ योगिन्यै नमः।

५६५ ॐ योगयुक्तायै नमः।
५६६ ॐ योगाङ्गायै नमः।
५६७ ॐ ध्यानशालिन्यै नमः।
५६८ ॐ योगपट्टधरायै नमः।
५६९ ॐ मुक्तायै नमः।
५७० ॐ मुक्तानां परमायै गत्यै नमः।
५७१ ॐ नारसिंहायै नमः।
५७२ ॐ सुजन्मायै नमः।
५७३ ॐ त्रिवर्गफलदायिन्यै नमः।
५७४ ॐ धर्मदायै नमः।
५७५ ॐ धनदायै नमः।
५७६ ॐ एकस्यै नमः।
५७७ ॐ कामदायै नमः।
५७८ ॐ मोक्षदायै नमः।
५७९ ॐ द्युतये नमः।
५८० ॐ साक्षिण्यै नमः।
५८१ ॐ क्षणदायै नमः।
५८२ ॐ दक्षायै नमः।
५८३ ॐ मोक्षदायै नमः।
५८४ ॐ कोटिरूपिण्यै नमः।
५८५ ॐ क्रतवे नमः।
५८६ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५८७ ॐ स्वच्छायै नमः।
५८८ ॐ सुच्छन्दायै नमः।
५८९ ॐ कविप्रियायै नमः।
५९० ॐ सत्यागमायै नमः।
५९१ ॐ बहिःस्थायै नमः।
५९२ ॐ काव्यशक्त्यै नमः।
५९३ ॐ कवित्वदायै नमः।
५९४ ॐ मुनिपुत्र्यै नमः।
५९५ ॐ सत्यै नमः।
५९६ ॐ मात्रे नमः।
५९७ ॐ मैनाकभगिन्यै नमः।
५९८ ॐ तटिते नमः।
५९९ ॐ सौदामिन्यै नमः।
६०० ॐ सुदामायै नमः।
६०१ ॐ सुधाम्ने नमः।
६०२ ॐ धामशालिन्यै नमः।
६०३ ॐ सौभाग्यदायिन्यै नमः।
६०४ ॐ दिवे नमः।
६०५ ॐ सुभगायै नमः।
६०६ ॐ द्युतिवर्धिन्यै नमः।
६०७ ॐ श्रीकृत्तिवसनायै नमः।
६०८ ॐ कङ्काल्यै नमः।
६०९ ॐ कलिनाशिन्यै नमः।
६१० ॐ रक्तबीजवधोद्युक्तायै नमः।
६११ ॐ सुतन्तवे नमः।
६१२ ॐ बीजसंतत्यै नमः।
६१३ ॐ जगज्जीवायै नमः।
६१४ ॐ जगद्बीजायै नमः।
६१५ ॐ जगत्त्रयहितैषिण्यै नमः।
६१६ ॐ चामीकररुचये नमः।
६१७ ॐ चन्द्र्यै नमः।
६१८ ॐ साक्षाद्याषोडशीकलायै नमः।
६१९ ॐ यत्तत्पदानुबन्धायै नमः।
६२० ॐ यक्षिण्यै नमः।
६२१ ॐ धनदार्चितायै नमः।
६२२ ॐ चित्रिण्यै नमः।

६२३ ॐ चित्रमायायै नमः।
६२४ ॐ विचित्रायै नमः।
६२५ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
६२६ ॐ चामुण्डायै नमः।
६२७ ॐ मुण्डहस्तायै नमः।
६२८ ॐ चण्डमुण्डवधोद्यतायै नमः।
६२९ ॐ अष्टम्यै नमः।
६३० ॐ एकादश्यै नमः।
६३१ ॐ पूर्णायै नमः।
६३२ ॐ नवम्यै नमः।
६३३ ॐ चतुर्दश्यै नमः।
६३४ ॐ अमायै नमः।
६३५ ॐ कलशहस्तायै नमः।
६३६ ॐ पूर्णकुम्भपयोधरायै नमः।
६३७ ॐ अभीरवै नमः।
६३८ ॐ भैरव्यै नमः।
६३९ ॐ भीरवे नमः।
६४० ॐ भीमायै नमः।
६४१ ॐ त्रिपुरभैरव्यै नमः।
६४२ ॐ महारुण्डायै नमः।
६४३ ॐ रौद्र्यै नमः।
६४४ ॐ महाभैरवपूजितायै नमः।
६४५ ॐ निर्मुण्डायै नमः।
६४६ ॐ हस्तिन्यै नमः।
६४७ ॐ चण्डायै नमः।
६४८ ॐ करालदशनाननायै नमः।
६४९ ॐ करालायै नमः।
६५० ॐ विकरालायै नमः।
६५१ ॐ घोरायै नमः।
६५२ ॐ घुर्घुरनादिन्यै नमः।
६५३ ॐ रक्तदन्तायै नमः।
६५४ ॐ ऊर्ध्वकेश्यै नमः।
६५५ ॐ बन्धूककुसुमारुणायै नमः।
६५६ ॐ कादम्बिन्यै नमः।
६५७ ॐ पटासायै नमः।
६५८ ॐ काश्मीरीकुंकुमप्रियायै नमः।
६५९ ॐ क्षान्त्यै नमः।
६६० ॐ बहुसुवर्णायै नमः।
६६१ ॐ रत्यै नमः।
६६२ ॐ बहुसुवर्णदायै नमः।
६६३ ॐ मातङ्गिन्यै नमः।
६६४ ॐ वरारोहायै नमः।
६६५ ॐ मत्तमातङ्गगामिन्यै नमः।
६६६ ॐ हंसायै नमः।
६६७ ॐ हंसगत्यै नमः।
६६८ ॐ हंस्यै नमः।
६६९ ॐ हंसोज्ज्वलशिरोरुहायै नमः।
६७० ॐ पूर्णचन्द्रमुख्यै नमः।
६७१ ॐ क्षामायै नमः।
६७२ ॐ स्मितास्यायै नमः।
६७३ ॐ श्यामकुण्डलायै नमः।
६७४ ॐ महिष्यै नमः।
६७५ ॐ लेखन्यै नमः।
६७६ ॐ लेखायै नमः।
६७७ ॐ सुलेखायै नमः।
६७८ ॐ लेखकप्रियायै नमः।
६७९ ॐ शंखिन्यै नमः।
६८० ॐ शंखहस्तायै नमः।

६८१ ॐ जलस्थायै नमः।
६८२ ॐ जलदेवतायै नमः।
६८३ ॐ कुरुक्षेत्रावन्यै नमः।
६८४ ॐ काश्यै नमः।
६८५ ॐ मधुरायै नमः।
६८६ ॐ काञ्च्यै नमः।
६८७ ॐ अवन्तिकायै नमः।
६८८ ॐ अयोध्यायै नमः।
६८९ ॐ द्वारकायै नमः।
६९० ॐ मायायै नमः।
६९१ ॐ तीर्थायै नमः।
६९२ ॐ तीर्थकरप्रियायै नमः।
६९३ ॐ त्रिपुष्करायै नमः।
६९४ ॐ अप्रमेयायै नमः।
६९५ ॐ कोशस्थायै नमः।
६९६ ॐ कोशवासिन्यै नमः।
६९७ ॐ कौशिक्यै नमः।
६९८ ॐ कुशावर्तायै नमः।
६९९ ॐ कौशाम्ब्यै नमः।
७०० ॐ कोशवर्धिन्यै नमः।
७०१ ॐ कोशदायै नमः।
७०२ ॐ पद्मकोशाक्ष्यै नमः।
७०३ ॐ कुसुम्भकुसुमप्रियायै नमः।
७०४ ॐ तोतलायै नमः।
७०५ ॐ तुलाकोट्यै नमः।
७०६ ॐ कोटस्थायै नमः।
७०७ ॐ कोटराश्रयायै नमः।
७०८ ॐ स्वयम्भुवे नमः।
७०९ ॐ सुरूपायै नमः।
७१० ॐ स्वरूपायै नमः।
७११ ॐ पुण्यवर्धिन्यै नमः।
७१२ ॐ तेजस्विन्यै नमः।
७१३ ॐ सुभिक्षायै नमः।
७१४ ॐ बलदायै नमः।
७१५ ॐ बलदायिन्यै नमः।
७१६ ॐ महाकोश्यै नमः।
७१७ ॐ महावार्तायै नमः।
७१८ ॐ बुद्ध्यै नमः।
७१९ ॐ सदसदात्मिकायै नमः।
७२० ॐ महाग्रहहरायै नमः।
७२१ ॐ सौम्यायै नमः।
७२२ ॐ विशोकायै नमः।
७२३ ॐ शोकनाशिन्यै नमः।
७२४ ॐ सात्त्विक्यै नमः।
७२५ ॐ सत्त्वसंस्थायै नमः।
७२६ ॐ राजस्यै नमः।
७२७ ॐ रजोवृतायै नमः।
७२८ ॐ तामस्यै नमः।
७२९ ॐ तमोयुक्तायै नमः।
७३० ॐ गुणत्रयविभाविन्यै नमः।
७३१ ॐ अव्यक्तायै नमः।
७३२ ॐ व्यक्तरूपायै नमः।
७३३ ॐ वेदविद्यायै नमः।
७३४ ॐ शाम्भव्यै नमः।
७३५ ॐ शङ्करायै नमः।
७३६ ॐ कल्पिन्यै नमः।
७३७ ॐ कल्पायै नमः।
७३८ ॐ मनःसङ्कल्पसंतत्यै नमः।

७३९ ॐ सर्वलोकमय्यै नमः।
७४० ॐ शक्त्यै नमः।
७४१ ॐ सर्वश्रवणगोचरायै नमः।
७४२ ॐ सर्वज्ञानवत्यै नमः।
७४३ ॐ वाञ्छायै नमः।
७४४ ॐ सर्वतत्त्वावबोधिकायै नमः।
७४५ ॐ जाग्रत्यै नमः।
७४६ ॐ सुषुप्त्यै नमः।
७४७ ॐ स्वप्नावस्थायै नमः।
७४८ ॐ तुरीयकायै नमः।
७४९ ॐ सत्त्वरायै नमः।
७५० ॐ मन्दरायै नमः।
७५१ ॐ मन्दायै नमः।
७५२ ॐ मन्दिरायै नमः।
७५३ ॐ मोदधारिण्यै नमः।
७५४ ॐ मानभूम्यै नमः।
७५५ ॐ पानपात्राय नमः।
७५६ ॐ पानदानकरोद्यतायै नमः।
७५७ ॐ अपूर्णारुणनेत्रायै नमः।
७५८ ॐ किञ्चिदव्यक्तभाषिण्यै नमः।
७५९ ॐ आशापूरायै नमः।
७६० ॐ दीक्षायै नमः।
७६१ ॐ दक्षायै नमः।
७६२ ॐ दीक्षितपूजितायै नमः।
७६३ ॐ नागवल्ल्यै नमः।
७६४ ॐ नागकन्यायै नमः।
७६५ ॐ भोगिन्यै नमः।
७६६ ॐ भोगवल्लभायै नमः।
७६७ ॐ सर्वशास्त्रमय्यै नमः।
७६८ ॐ विद्यायै नमः।
७६९ ॐ सुस्मृत्यै नमः।
७७० ॐ धर्मवादिन्यै नमः।
७७१ ॐ श्रुतिस्मृतिधरायै नमः।
७७२ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
७७३ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
७७४ ॐ पातालवासिन्यै नमः।
७७५ ॐ मीमांसायै नमः।
७७६ ॐ तर्कविद्यायै नमः।
७७७ ॐ सुभक्त्यै नमः।
७७८ ॐ भक्तवत्सलायै नमः।
७७९ ॐ सुनाभये नमः।
७८० ॐ यातनायै नमः।
७८१ ॐ जात्यै नमः।
७८२ ॐ गम्भीरायै नमः।
७८३ ॐ भाववर्जितायै नमः।
७८४ ॐ नागपाशधरायै नमः।
७८५ ॐ मूर्त्यै नमः।
७८६ ॐ अगाधायै नमः।
७८७ ॐ नागकुण्डलायै नमः।
७८८ ॐ सुचक्रायै नमः।
७८९ ॐ चक्रमध्यस्थायै नमः।
७९० ॐ चक्रकोणनिवासिन्यै नमः।
७९१ ॐ सर्वमन्त्रमय्यै नमः।
७९२ ॐ विद्यायै नमः।
७९३ ॐ सर्वमन्त्राक्षरावल्यै नमः।
७९४ ॐ मधुस्त्रवायै नमः।
७९५ ॐ स्त्रवन्त्यै नमः।
७९६ ॐ भ्रामर्यै नमः।

७९७ ॐ भ्रमरालकायै नमः।
७९८ ॐ मातृमण्डलमध्यस्थायै नमः।
७९९ ॐ मातृमण्डलवासिन्यै नमः।
८०० ॐ कुमारजनन्यै नमः।
८०१ ॐ क्रूरायै नमः।
८०२ ॐ सुमुख्यै नमः।
८०३ ॐ ज्वरनाशिन्यै नमः।
८०४ ॐ अतीतायै नमः।
८०५ ॐ विद्यमानायै नमः।
८०६ ॐ भाविन्यै नमः।
८०७ ॐ प्रीतिमञ्जर्यै नमः।
८०८ ॐ सर्वसौख्यवत्यै नमः।
८०९ ॐ युक्त्यै नमः।
८१० ॐ आहारपरिणामिन्यै नमः।
८११ ॐ पञ्चभूतानां निधानायै नमः।
८१२ ॐ भवसागरतारिण्यै नमः।
८१३ ॐ अक्रूरायै नमः।
८१४ ॐ ग्रहवत्यै नमः।
८१५ ॐ विग्रहायै नमः।
८१६ ॐ ग्रहवर्जितायै नमः।
८१७ ॐ रोहिण्यै नमः।
८१८ ॐ भूमिगर्भायै नमः।
८१९ ॐ कालभुवे नमः।
८२० ॐ कालवर्तिन्यै नमः।
८२१ ॐ कलङ्करहितायै नमः।
८२२ ॐ नार्यै नमः।
८२३ ॐ चतुष्षष्ट्यभिधावत्यै नमः।
८२४ ॐ जीर्णायै नमः।
८२५ ॐ जीर्णवस्त्रायै नमः।
८२६ ॐ नूतनायै नमः।
८२७ ॐ नववल्लभायै नमः।
८२८ ॐ अरजायै नमः।
८२९ ॐ रतिप्रीतिरतिरागविवर्धिन्यै नमः।
८३० ॐ पञ्चवातगत्यै नमः।
८३१ ॐ भिन्नायै नमः।
८३२ ॐ पञ्चश्लेष्माशयाधरायै नमः।
८३३ ॐ पञ्चपित्तवत्यै नमः।
८३४ ॐ शक्त्यै नमः।
८३५ ॐ पञ्चस्थानविभाविन्यै नमः।
८३६ ॐ उदक्यायै नमः।
८३७ ॐ वृषस्यन्त्यै नमः।
८३८ ॐ बहिःप्रस्त्रविण्यै नमः।
८३९ ॐ त्र्यहायै नमः।
८४० ॐ रजःशुक्रधरायै नमः।
८४१ ॐ शक्त्यै नमः।
८४२ ॐ जरायुर्गर्भधारिण्यै नमः।
८४३ ॐ त्रिकालज्ञायै नमः।
८४४ ॐ त्रिलिङ्गायै नमः।
८४५ ॐ त्रिमूर्त्यै नमः।
८४६ ॐ त्रिपुरवासिन्यै नमः।
८४७ ॐ अरागायै नमः।
८४८ ॐ शिवतत्त्वायै नमः।
८४९ ॐ कामतत्त्वानुरागिण्यै नमः।
८५० ॐ प्राच्यै नमः।
८५१ ॐ अवाच्यै नमः।
८५२ ॐ प्रतीच्यै नमः।
८५३ ॐ उदीच्यै नमः।
८५४ ॐ दिग्विदिग्दिशायै नमः।

८५५ ॐ अहंकृत्यै नमः।
८५६ ॐ अहङ्कारायै नमः।
८५७ ॐ बालायै नमः।
८५८ ॐ मायायै नमः।
८५९ ॐ बलिप्रियायै नमः।
८६० ॐ स्रुचे नमः।
८६१ ॐ स्रुवायै नमः।
८६२ ॐ सामिधेन्यै नमः।
८६३ ॐ सुश्रद्धायै नमः।
८६४ ॐ श्राद्धदेवतायै नमः।
८६५ ॐ मात्रे नमः।
८६६ ॐ मातामह्यै नमः।
८६७ ॐ तृप्त्यै नमः।
८६८ ॐ पितृमात्रे नमः।
८६९ ॐ पितामह्यै नमः।
८७० ॐ स्नुषायै नमः।
८७१ ॐ दौहित्रिण्यै नमः।
८७२ ॐ पुत्र्यै नमः।
८७३ ॐ पौत्र्यै नमः।
८७४ ॐ नप्त्र्यै नमः।
८७५ ॐ शिशुप्रियायै नमः।
८७६ ॐ स्तनदायै नमः।
८७७ ॐ स्तनधारायै नमः।
८७८ ॐ विश्वयोन्यै नमः।
८७९ ॐ स्तनन्धय्यै नमः।
८८० ॐ शिशूत्सङ्गधरायै नमः।
८८१ ॐ दोलालोलाक्रीडाभि-
नन्दिन्यै नमः।
८८२ ॐ उर्वश्यै नमः।
८८३ ॐ कदल्यै नमः।
८८४ ॐ केकायै नमः।
८८५ ॐ विशिखायै नमः।
८८६ ॐ शिखिवर्तिन्यै नमः।
८८७ ॐ खट्वाङ्गधारिण्यै नमः।
८८८ ॐ खट्वबाणपुंखानुवर्तिन्यै नमः।
८८९ ॐ लक्ष्यप्राप्तिकरायै नमः।
८९० ॐ लक्ष्यालक्ष्यायै नमः।
८९१ ॐ शुभलक्षणायै नमः।
८९२ ॐ वर्तिन्यै नमः।
८९३ ॐ सुपथाचारायै नमः।
८९४ ॐ परिखायै नमः।
८९५ ॐ खन्यै नमः।
८९६ ॐ वृत्यै नमः।
८९७ ॐ प्राकारवलयायै नमः।
८९८ ॐ वेलायै नमः।
८९९ ॐ मर्यादायै नमः।
९०० ॐ महोदधये नमः।
९०१ ॐ पोषिण्यै नमः।
९०२ ॐ शोषिण्यै नमः।
९०३ ॐ शक्त्यै नमः।
९०४ ॐ दीर्घकेश्यै नमः।
९०५ ॐ सुलोमशायै नमः।
९०६ ॐ ललितायै नमः।
९०७ ॐ मांसलायै नमः।
९०८ ॐ तन्व्यै नमः।
९०९ ॐ वेदवेदाङ्गधारिण्यै नमः।

११० ॐ नरासृक्पानमत्तायै नमः।
१११ ॐ नरमुण्डास्थिभूषणायै नमः।
११२ ॐ अक्षक्रीडायै नमः।
११३ ॐ रत्यै नमः।
११४ ॐ शार्यै नमः।
११५ ॐ सारिकायै नमः।
११६ ॐ शुकभाषिण्यै नमः।
११७ ॐ शाम्बर्यै नमः।
११८ ॐ गारुड्यै नमः।
११९ ॐ विद्यायै नमः।
१२० ॐ वारुण्यै नमः।
१२१ ॐ वरुणार्चितायै नमः।
१२२ ॐ वाराह्यै नमः।
१२३ ॐ तुण्डहस्तायै नमः।
१२४ ॐ दंष्ट्रोद्धृतवसुन्धरायै नमः।
१२५ ॐ मीनमूर्त्यै नमः।
१२६ ॐ धरामूर्त्यै नमः।
१२७ ॐ वदान्यायै नमः।
१२८ ॐ अप्रतिमाश्रयायै नमः।
१२९ ॐ अमूर्तायै नमः।
१३० ॐ निधिरूपायै नमः।
१३१ ॐ शालग्रामशिलाशुचये नमः।
१३२ ॐ स्मृतिसंस्काररूपायै नमः।
१३३ ॐ सुसंस्कारायै नमः।
१३४ ॐ संस्कृत्यै नमः।
१३५ ॐ प्राकृतायै नमः।
१३६ ॐ देशभाषायै नमः।
१३७ ॐ गाथायै नमः।
१३८ ॐ गीत्यै नमः।
१३९ ॐ प्रहेलिकायै नमः।
१४० ॐ इडायै नमः।
१४१ ॐ पिङ्गलायै नमः।
१४२ ॐ पिङ्गायै नमः।
१४३ ॐ सुषुम्नायै नमः।
१४४ ॐ सूर्यवाहिन्यै नमः।
१४५ ॐ शशिस्त्रवायै नमः।
१४६ ॐ तालस्थायै नमः।
१४७ ॐ काकिन्यमृतजीविन्यै नमः।
१४८ ॐ अणुरूपायै नमः।
१४९ ॐ बृहद्रूपायै नमः।
१५० ॐ लघुरूपायै नमः।
१५१ ॐ गुरुस्थिरायै नमः।
१५२ ॐ स्थावरायै नमः।
१५३ ॐ जङ्गमायै नमः।
१५४ ॐ देव्यै नमः।
१५५ ॐ कृतकर्मफलप्रदायै नमः।
१५६ ॐ विषयाक्रान्तदेहायै नमः।
१५७ ॐ निर्विशेषायै नमः।
१५८ ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
१५९ ॐ विश्वरूपायै नमः।
१६० ॐ चिदानन्दायै नमः।
१६१ ॐ परब्रह्मप्रबोधिन्यै नमः।
१६२ ॐ निर्विकारायै नमः।
१६३ ॐ निर्वैरायै नमः।
१६४ ॐ विरत्यै नमः।
१६५ ॐ सत्यवर्धिन्यै नमः।
१६६ ॐ पुरुषाज्ञायै नमः।
१६७ ॐ भिन्नायै नमः।

१६८ ॐ क्षान्त्यै नमः।
१६९ ॐ कैवल्यदायिन्यै नमः।
१७० ॐ विविक्तसेविन्यै नमः।
१७१ ॐ प्रज्ञायै नमः।
१७२ ॐ जनयित्र्यै नमः।
१७३ ॐ बहुश्रुत्यै नमः।
१७४ ॐ निरीहायै नमः।
१७५ ॐ समस्तैकायै नमः।
१७६ ॐ सर्वलोकैकसेवितायै नमः।
१७७ ॐ सेवासेवायै नमः।
१७८ ॐ प्रियासेव्यायै नमः।
१७९ ॐ सेवाफलविवर्धिन्यै नमः।
१८० ॐ कलौ कल्किप्रियायै नमः।
१८१ ॐ काल्यै नमः।
१८२ ॐ दुष्टम्लेच्छविनाशिन्यै नमः।
१८३ ॐ प्रत्यक्षायै नमः।
१८४ ॐ धनुर्यष्ट्यै नमः।
१८५ ॐ खड्गधारायै नमः।
१८६ ॐ दुरानत्यै नमः।
१८७ ॐ अश्वप्लुत्यै नमः।
१८८ ॐ वल्गायै नमः।
१८९ ॐ सृण्यै नमः।
१९० ॐ सन्मृत्युवारिण्यै नमः।
१९१ ॐ वीरभुवे नमः।
१९२ ॐ वीरमात्रे नमः।
१९३ ॐ वीरसुवे नमः।
१९४ ॐ वीरनन्दिन्यै नमः।
१९५ ॐ जयश्रियै नमः।
१९६ ॐ जयदीक्षायै नमः।
१९७ ॐ जयदायै नमः।
१९८ ॐ जयवर्धिन्यै नमः।
१९९ ॐ सौभाग्यसुभगाकारायै नमः।
१००० ॐ सर्वसौभाग्यवर्धिन्यै नमः।
१००१ ॐ क्षेमङ्कर्यै नमः।
१००२ ॐ सिद्धिरूपायै नमः।
१००३ ॐ सत्कीर्त्यै नमः।
१००४ ॐ पथि देवतायै नमः।
१००५ ॐ सर्वतीर्थमयीमूर्त्यै नमः।
१००६ ॐ सर्वदेवमयीप्रभायै नमः।
१००७ ॐ सर्वसिद्धिप्रदायै नमः।
१००८ ॐ शक्त्यै नमः।
१००९ ॐ सर्वमङ्गलमङ्गलायै नमः।

॥ इति श्रीरुद्रयामलतन्त्रान्तर्गता श्रीभवानीसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा॥



॥ श्रीदत्तात्रेयाय नमः ॥

श्रीदत्तात्रेयसहस्रनामस्तोत्रम्

मुनय ऊचुः

निखिलागमतत्त्वज्ञ ब्रह्मध्यानपरायण।
वदास्माकं मुक्त्युपायं सूत सर्वोपकारकम्॥ १॥
सर्वदेवेषु को देवः सद्यो मोक्षप्रदो भवेत्।
को मनुर्वा भवेत् तस्य सद्यः प्रीतिकरो ध्रुवम्॥ २॥

सूत उवाच

निगमागमतत्त्वज्ञो ह्यवधूतश्चिदम्बरः।
भक्तवात्सल्यप्रवणो दत्त एव हि केवलः॥ ३॥
सदा प्रसन्नवदनो भक्तचिन्तैकतत्परः।
तस्य नामान्यनन्तानि वर्तन्तेऽथाप्यदः परम्॥ ४॥
दत्तस्य नामसाहस्रं तस्य प्रीतिविवर्धनम्।
यस्त्विदं पठते नित्यं दत्तात्रेयैकमानसः॥ ५॥
मुच्यते सर्वपापेभ्यः स सद्यो नात्र संशयः।
अन्ते तद्धाम संयाति पुनरावृत्तिदुर्लभम्॥ ६॥

अस्य श्रीमद्दत्तात्रेयसहस्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य अवधूत ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, दिगम्बरो देवता, ॐ बीजम्, ह्रीं शक्तिः, क्रौं कीलकम्, श्रीदत्तात्रेयप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः।

ध्यानम्

दिगम्बरं भस्मविलेपिताङ्गं
बोधात्मकं मुक्तिकरं प्रसन्नम्।
निर्मानसं श्यामतनुं भजेऽहं
दत्तात्रेयं ब्रह्मसमाधियुक्तम्॥*

स्तोत्रम्

दत्तात्रेयो महायोगी योगेशश्चामरप्रभुः।
मुनिर्दिगम्बरो बालो मायामुक्तो मदापहः॥ १॥
अवधूतो महानाथः शंकरोऽमरवल्लभः।
महादेवश्चादिदेवः पुराणप्रभुरीश्वरः॥ २॥
सत्त्वकृत् सत्त्वभृद्भावो सत्त्वात्मा सत्त्वसागरः।
सत्त्ववित् सत्त्वसाक्षी च सत्त्वसाध्योऽमराधिपः॥ ३॥
भूतकृद्भूतभृच्चैव भूतात्मा भूतसम्भवः।
भूतभावो भवो भूतवित् तथा भूतकारणः॥ ४॥
भूतसाक्षी प्रभूतिश्च भूतानां परमा गतिः।
भूतसंगविहीनात्मा भूतात्मा भूतशंकरः॥ ५॥
भूतनाथो महानाथ आदिनाथो महेश्वरः।
सर्वभूतनिवासात्मा भूतसंतापनाशनः॥ ६॥
सर्वात्मा सर्वभृत् सर्वः सर्वज्ञः सर्वनिर्णयः।
सर्वसाक्षी बृहद्भानुः सर्ववित् सर्वमङ्गलः॥ ७॥

* जो दिगम्बर वेषमें रहनेवाले हैं, अपने समस्त अङ्गोंमें भस्म लगाये हुए हैं, ज्ञानस्वरूप हैं, मुक्ति प्रदान करनेवाले हैं, प्रसन्न रहनेवाले हैं तथा जिनका शरीर कृष्णवर्णका है और जिनका मन वृत्तियोंसे रहित है ऐसे ब्रह्मसमाधिमें प्रतिष्ठित रहनेवाले भगवान् दत्तात्रेयका मैं ध्यान करता हूँ।

शान्तः सत्यः समः पूर्ण एकाकी कमलापतिः।
रामो रामप्रियश्चैव विरामो रामकारणः॥ ८ ॥
शुद्धात्मा पावनोऽनन्तः प्रतीतः परमार्थभृत्।
हंससाक्षी विभुश्चैव प्रभुः प्रलय इत्यपि॥ ९ ॥
सिद्धात्मा परमात्मा च सिद्धानां परमा गतिः।
सिद्धिसिद्धस्तथा साध्यः साधनो ह्युत्तमस्तथा॥ १० ॥
सुलक्षणः सुमेधावी विद्यावान् विगतान्तरः।
विज्वरश्च महाबाहुर्बहुलानन्दवर्धनः॥ ११ ॥
अव्यक्तपुरुषः प्राज्ञः परज्ञः परमार्थदृक्।
परापरविनिर्मुक्तो युक्तस्तत्त्वप्रकाशवान्॥ १२ ॥
दयावान् भगवान् भावी भावात्मा भावकारणः।
भवसंतापनाशश्च पुष्पवान् पण्डितो बुधः॥ १३ ॥
प्रत्यक्षवस्तुर्विश्वात्मा प्रत्यग्ब्रह्मसनातनः।
प्रमाणविगतश्चैव प्रत्याहारनियोजकः॥ १४ ॥
प्रणवः प्रणवातीतः प्रमुखः प्रलयात्मकः।
मृत्युंजयो विविक्तात्मा शंकरात्मा परो वपुः॥ १५ ॥
परमस्तनुविज्ञेयः परमात्मनि संस्थितः।
प्रबोधकलनाधारः प्रभावप्रवरोत्तमः॥ १६ ॥
चिदम्बरश्चिद्विलासश्चिदाकाशश्चिदुत्तमः।
चित्तचैतन्यचित्तात्मा देवानां परमा गतिः॥ १७॥
अचेत्यश्चेतनाधारश्चेतनाचित्तविक्रमः।
चित्तात्मा चेतनारूपो लसत्पङ्कजलोचनः॥ १८॥

परंब्रह्म परंज्योतिः परंधाम परंतपः।
परंसूत्रः परतन्त्रः पवित्रः परमोहवान्॥ १९॥
क्षेत्रज्ञः क्षेत्रगः क्षेत्रः क्षेत्राधारः पुरञ्जनः।
क्षेत्रशून्यो लोकसाक्षी क्षेत्रवान् बहुनायकः॥ २०॥
योगेन्द्रो योगपूज्यश्च योग्य आत्मविदां शुचिः।
योगमायाधरः स्थाणुरचलः कमलापतिः॥ २१॥
योगेशो योगनिर्माता योगज्ञानप्रकाशनः।
योगपालो लोकपालः संसारतमनाशनः॥ २२॥
गुह्यो गुह्यतमो गुप्तो मुक्तो युक्तः सनातनः।
गहनो गगनाकारो गम्भीरो गणनायकः॥ २३॥
गोविन्दो गोपतिर्गोप्ता गोभागो भावसंस्थितः।
गोसाक्षी गोतमारिश्च गान्धारो गगनाकृतिः॥ २४॥
योगयुक्तो भोगयुक्तः शंकामुक्त समाधिमान्।
सहजः सकलेशानः कार्तवीर्यवरप्रदः॥ २५॥
सरजो विरजाः पुमान् पावनः पापनाशनः।
परावरविनिर्मुक्तः परंज्योतिः पुरातनः॥ २६॥
नानाज्योतिरनेकात्मा स्वयंज्योतिः सदाशिवः।
दिव्यज्योतिर्मयश्चैव सत्यविज्ञानभास्करः॥ २७॥
नित्यशुद्धः परः पूर्णः प्रकाशः प्रकटोद्भवः।
प्रमादविगतश्चैव परेशः परविक्रमः॥ २८॥
योगी योगो योगपश्च योगाभ्यासप्रकाशनः।
योक्ता मोक्ता विधाता च त्राता पाता निरायुधः॥ २९॥

नित्यमुक्तो नित्ययुक्तः सत्यः सत्यपराक्रमः।
सत्त्वशुद्धिकरः सत्त्वस्तथा सत्त्वभृतां गतिः॥ ३०॥
श्रीधरः श्रीवपुः श्रीमान् श्रीनिवासोऽमरार्चितः।
श्रीनिधिः श्रीपतिः श्रेष्ठः श्रेयस्कश्चरमाश्रयः॥ ३१॥
त्यागी त्यागार्थसम्पन्नस्त्यागात्मा त्यागविग्रहः।
त्यागलक्षणसिद्धात्मा त्यागज्ञस्त्यागकारणः॥ ३२॥
भोगो भोक्ता तथा भोग्यो भोगसाधनकारणः।
भोगी भोगार्थसम्पन्नो भोगज्ञानप्रकाशनः॥ ३३॥
केवलः केशवः कृष्णः कंवासाः कमलालयः।
कमलासनपूज्यश्च हरिरज्ञानखण्डनः॥ ३४॥
महात्मा महदादिश्च महेशोत्तमवन्दितः।
मनोबुद्धिविहीनात्मा मानात्मा मानवाधिपः॥ ३५॥
भुवनेशो विभूतिश्च धृतिर्मेधा स्मृतिर्दया।
दुःखदावानलो बुद्धः प्रबुद्धः परमेश्वरः॥ ३६॥
कामहा क्रोधहा चैव दम्भदर्पमदापहः।
अज्ञानतिमिरारिश्च भवारिर्भुवनेश्वरः॥ ३७॥
रूपकृद्रूपभृद्रूपी रूपात्मा रूपकारणः।
रूपज्ञो रूपसाक्षी च नामरूपो गुणान्तकः॥ ३८॥
अप्रमेयः प्रमेयश्च प्रमाणः प्रणवाश्रयः।
प्रमाणरहितोऽचिन्त्यश्चेतनाविगतोऽजरः॥ ३९॥
अक्षरोऽक्षरमुक्तश्च विज्वरो ज्वरनाशनः।
विशिष्टो वित्तशास्त्री च दृष्टो दृष्टान्तवर्जितः॥ ४०॥

गुणेशो गुणकायश्च गुणात्मा गुणभावनः।
अनन्तगुणसम्पन्नो गुणगर्भो गुणाधिपः॥ ४१॥
गणेशो गुणनाथश्च गुणात्मा गणभावनः।
गणबन्धुर्विवेकात्मा गुणयुक्तः पराक्रमी॥ ४२॥
अतर्क्यः क्रतुरग्निश्च कृतज्ञः सफलाश्रयः।
यज्ञश्च यज्ञफलदो यज्ञ इज्योऽमरोत्तमः॥ ४३॥
हिरण्यगर्भः श्रीगर्भः खगर्भः कुणपेश्वरः।
मायागर्भो लोकगर्भः स्वयम्भूर्भुवनान्तकः॥ ४४॥
निष्पापो निबिडो नन्दी बोधी बोधसमाश्रयः।
बोधात्मा बोधनात्मा च भेदवैतण्डखण्डनः॥ ४५॥
स्वाभाव्यो भावनिर्मुक्तो व्यक्तोऽव्यक्तसमाश्रयः।
नित्यतृप्तो निराभासो निर्वाणः शरणः सुहृत्॥ ४६॥
गुह्येशो गुणगम्भीरो गुणदोषनिवारणः।
गुणसंगविहीनश्च योगारेर्दर्पनाशनः॥ ४७॥
आनन्दः परमानन्दः स्वानन्दसुखवर्धनः।
सत्यानन्दश्चिदानन्दः सर्वानन्दपरायणः॥ ४८॥
सद्रूपः सहजः सत्यः स्वानन्दः सुमनोहरः।
सर्वः सर्वान्तरश्चैव पूर्वापूर्वतरस्तथा॥ ४९॥
खमयः खपरः खादिः खंब्रह्मा खतनुः खगः।
खवासाः खविहीनश्च खनिधिः खपराश्रयः॥ ५०॥
अनन्त आदिरूपश्च सूर्यमण्डलमध्यगः।
अमोघः परमामोघः परोक्षः परदः कविः॥ ५१॥

विश्वचक्षुर्विश्वसाक्षी विश्वबाहुर्धनेश्वरः।
धनंजयो महातेजास्तेजिष्ठस्तैजसः सुखी॥ ५२॥
ज्योतिर्ज्योतिर्मयो जेता ज्योतिषां ज्योतिरात्मकः।
ज्योतिषामपि ज्योतिश्च जनको जनमोहनः॥ ५३॥
जितेन्द्रियो जितक्रोधो जितात्मा जितमानसः।
जितसंगो जितप्राणो जितसंसारवासनः॥ ५४॥
निर्वासनो निरालम्बो निर्योगक्षेमवर्जितः।
निरीहो निरहंकारो निराशीर्निरुपाधिकः॥ ५५॥
नित्यबोधो विविक्तात्मा विशुद्धोत्तमगौरवः।
विद्यार्थी परमार्थी च श्रद्धार्थी साधनात्मकः॥ ५६॥
प्रत्याहारी निराहारी सर्वाहारपरायणः।
नित्यशुद्धो निराकांक्षी पारायणपरायणः॥ ५७॥
अणोरणुतरः सूक्ष्मः स्थूलः स्थूलतरस्तथा।
एकस्तथाऽनेकरूपो विश्वरूपः सनातनः॥ ५८॥
नैकरूपो विरूपात्मा नैकबोधमयस्तथा।
नैकनाममयश्चैव नैकविद्याविवर्धनः॥ ५९॥
एक एकान्तिकश्चैव नानाभावविवर्जितः।
एकाक्षरस्तथा बीजः पूर्णबिम्बः सनातनः॥ ६०॥
मन्त्रवीर्यो मन्त्रबीजः शास्त्रवीर्यो जगत्पतिः।
नानावीर्यधरश्चैव शक्रेशः पृथिवीपतिः॥ ६१॥
प्राणेशः प्राणदः प्राणः प्राणायामपरायणः।
प्राणपञ्चकनिर्मुक्तः कोशपञ्चकवर्जितः॥ ६२॥

निश्चलो निष्कलोऽसंगो निष्प्रपञ्चो निरामयः।
निराधारो निराकारो निर्विकारो निरञ्जनः॥ ६३॥
निष्प्रतीतो निराभासो निरासक्तो निराकुलः।
निष्ठासर्वगतश्चैव निरारम्भो निराश्रयः॥ ६४॥
निरन्तरः सर्वगोप्ता शान्तो दान्तो महामुनिः।
निःशब्दः सुकृतः स्वस्थः सत्यवादी सुरेश्वरः॥ ६५॥
ज्ञानदो ज्ञानविज्ञानी ज्ञानात्माऽऽनन्दपूरितः।
ज्ञानयज्ञविदां दक्षो ज्ञानाग्निर्ज्वलनो बुधः॥ ६६॥
दयावान् भवरोगारिश्चिकित्साचरमागतिः।
चन्द्रमण्डलमध्यस्थश्चन्द्रकोटिसुशीतलः॥ ६७॥
यन्त्रकृत् परमो यन्त्री यन्त्रारूढपराजितः।
यन्त्रविद्यन्त्रवासाश्च यन्त्राधारो धराधरः॥ ६८॥
तत्त्वज्ञस्तत्त्वभूतात्मा महत्तत्त्वप्रकाशनः।
तत्त्वसंख्यानयोगज्ञः सांख्यशास्त्रप्रवर्तकः॥ ६९॥
अनन्तविक्रमो देवो माधवश्च धनेश्वरः।
साधुः साधुवरिष्ठात्मा सावधानोऽमरोत्तमः॥ ७०॥
निःसंकल्पश्च निराधारो दुर्धरो ह्यात्मवित् पतिः।
आरोग्यसुखदश्चैव प्रवरो वासवस्तथा॥ ७१॥
परेशः परमोदारः प्रत्यक्चैतन्यदुर्गमः।
दुराधर्षो दुरावासो दूरत्वपरिनाशनः॥ ७२॥
वेदविद्वेदकृद्वेदो वेदात्मा विमलाशयः।
विविक्तसेवी संसारश्रमनाशनकस्तथा॥ ७३॥

ब्रह्मयोनिर्बृहद्योनिर्विश्वयोनिर्विदेहवान् ।
विशालाक्षो विश्वनाथो हाटकाङ्गदभूषणः ॥ ७४ ॥
अबाध्यो जगदाराध्यो जगदार्जवपालनः ।
जनवान् धनवान् धर्मी धर्मगो धर्मवर्धनः ॥ ७५ ॥
अमृतः शाश्वतः साध्यः सिद्धिदः सुमनोहरः ।
खलुब्रह्मखलुस्थानो मुनीनां परमा गतिः ॥ ७६ ॥
उपद्रष्टा तथा श्रेष्ठः शुचिर्भूतो ह्यनामयः ।
वेदसिद्धान्तवेद्यश्च मानसाह्लादवर्धनः ॥ ७७ ॥
देहादन्यो गुणादन्यो लोकादन्यो विवेकवित् ।
दुष्टस्वप्नहरश्चैव गुरुर्गुरुवरोत्तमः ॥ ७८ ॥
कर्मी कर्मविनिर्मुक्तः संन्यासी साधकेश्वरः ।
सर्वभावविहीनश्च तृष्णासंगनिवारकः ॥ ७९ ॥
त्यागी त्यागवपुस्त्यागस्त्यागदानविवर्जितः ।
त्यागकारणत्यागात्मा सद्गुरुः सुखदायकः ॥ ८० ॥
दक्षो दक्षादिवन्द्यश्च ज्ञानवादप्रवर्तकः ।
शब्दब्रह्ममयात्मा च शब्दब्रह्मप्रकाशवान् ॥ ८१ ॥
ग्रसिष्णुः प्रभविष्णुश्च सहिष्णुर्विगतान्तरः ।
विद्वत्तमो महावन्द्यो विशालोत्तमवाङ्मुनिः ॥ ८२ ॥
ब्रह्मविद् ब्रह्मभावश्च ब्रह्मर्षिर्ब्राह्मणप्रियः ।
ब्रह्म ब्रह्मप्रकाशात्मा ब्रह्मविद्याप्रकाशनः ॥ ८३ ॥
अत्रिवंशप्रभूतात्मा तापसोत्तमवन्दितः ।
आत्मवासी विधेयात्मा ह्यत्रिवंशविवर्धनः ॥ ८४ ॥

प्रवर्तनो निवृत्तात्मा प्रलयोदकसंनिभः।
नारायणो महागर्भो भार्गवप्रियकृत्तमः॥ ८५॥
संकल्पदुःखदलनः संसारतमनाशनः।
त्रिविक्रमस्त्रिधाकारस्त्रिमूर्तिस्त्रिगुणात्मकः॥ ८६॥
भेदत्रयहरश्चैव तापत्रयनिवारकः।
दोषत्रयविभेदी च संशयार्णवखण्डनः॥ ८७॥
असंशयस्त्वसम्मूढो ह्यवादी राजवन्दितः।
राजयोगी महायोगी स्वभावगलितस्तथा॥ ८८॥
पुण्यश्लोकः पवित्रांघ्रिर्ध्यानयोगपरायणः।
ध्यानस्थो ध्यानगम्यश्च विधेयात्मा पुरातनः॥ ८९॥
अविज्ञेयो ह्यन्तरात्मा मुख्यबिम्बसनातनः।
जीवसंजीवनो जीवश्चिद्विलासश्चिदाश्रयः॥ ९०॥
महेन्द्रोऽमरमान्यश्च योगेन्द्रो योगवित्तमः।
योगधर्मस्तथा योगस्तत्त्वस्तत्त्वविनिश्चयः॥ ९१॥
नैकबाहुरनन्तात्मा नैकनामपराक्रमः।
नैकाक्षी नैकपादश्च नाथनाथोत्तमोत्तमः॥ ९२॥
सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।
सहस्ररूपदृक् चैव सहस्रारमयोद्भवः॥ ९३॥
त्रिपादपुरुषश्चैव त्रिपादूर्ध्वस्तथैव च।
त्र्यम्बकश्च महावीर्यो योगवीर्यविशारदः॥ ९४॥
विजयी विनयी जेता वीतरागी विराजितः।
रुद्रो रौद्रो महाभीमः प्राज्ञमुख्यः सदाशुचिः॥ ९५॥

अन्तर्ज्योतिरनन्तात्मा प्रत्यगात्मा निरन्तरः।
अरूप आत्मरूपश्च सर्वभावविनिर्वृतः॥ ९६ ॥
अन्तःशून्यो बहिःशून्यः शून्यात्मा शून्यभावनः।
अन्तःपूर्णो बहिःपूर्णः पूर्णात्मा पूर्णभावनः॥ ९७ ॥
अन्तस्त्यागी बहिस्त्यागी त्यागात्मा सर्वयोगवान्।
अन्तर्योगी बहिर्योगी सर्वयोगपरायणः॥ ९८ ॥
अन्तर्भोगी बहिर्भोगी सर्वभोगविदुत्तमः।
अन्तर्निष्ठो बहिर्निष्ठः सर्वनिष्ठामयस्तथा॥ ९९ ॥
बाह्यान्तरविमुक्तश्च बाह्यान्तरविवर्जितः।
शान्तः शुद्धो विशुद्धश्च निर्वाणः प्रकृतेः परः॥ १०० ॥
अकालः कालनेमी च कालकालो जनेश्वरः।
कालात्मा कालकर्ता च कालज्ञः कालनाशनः॥ १०१ ॥
कैवल्यपददाता च कैवल्यसुखदायकः।
कैवल्यकलनाधारो निर्भरो हर्षवर्धनः॥ १०२ ॥
हृदयस्थो हृषीकेशो गोविन्दो गर्भवर्जितः।
सकलागमपूज्यश्च निगमो निगमाश्रयः॥ १०३ ॥
पराशक्तिः पराकीर्तिः परावृत्तिर्निधिः स्मृतिः।
परविद्यः पराक्षान्तिर्विभक्तिर्युक्तसद्गतिः॥ १०४ ॥
स्वप्रकाशः प्रकाशात्मा परसंवेदनात्मकः।
स्वसेव्यः स्वविदां स्वात्मा स्वसंवेद्योऽनघः क्षमी॥ १०५ ॥
स्वानुसन्धानशीलात्मा स्वानुसन्धानगोचरः।
स्वानुसन्धानशून्यात्मा स्वानुसन्धानकाश्रयः॥ १०६ ॥

स्वबोधदर्पणोऽभङ्गः कन्दर्पकुलनाशनः।
ब्रह्मचारी ब्रह्मवेत्ता ब्राह्मणो ब्रह्मवित्तमः॥ १०७॥
तत्त्वबोधः सुधावर्षः पावनः पापपावकः।
ब्रह्मसूत्रविधेयात्मा ब्रह्मसूत्रार्थनिर्णयः॥ १०८॥
आत्यन्तिको महाकल्पः संकल्पावर्तनाशनः।
आधिव्याधिहरश्चैव संशयार्णवशोषकः॥ १०९॥
तत्त्वात्मज्ञानसंदेशो महानुभवभावितः।
आत्मानुभवसम्पन्नः स्वानुभावसुखाश्रयः॥ ११०॥
अचिन्त्यश्च बृहद्भानुः प्रमदोत्कर्षनाशनः।
अनिकेतः प्रशान्तात्मा शून्यावासो जगद्वपुः॥ १११॥
चिद्गतिश्चिन्मयश्चक्री मायाचक्रप्रवर्तकः।
सर्ववर्णविदारम्भी सर्वारम्भपरायणः॥ ११२॥
पुराणः प्रवरो दाता सुन्दरः कनकाङ्गदी।
अनसूयात्मजो दत्तः सर्वज्ञः सर्वकामदः॥ ११३॥
कामजित् कामपालश्च कामी कामप्रदागमः।
कामवान् कामपोषश्च सर्वकामनिवर्तकः॥ ११४॥
सर्वकर्मफलोत्पत्तिः सर्वकामफलप्रदः।
सर्वकर्मफलैः पूज्यः सर्वकर्मफलाश्रयः॥ ११५॥
विश्वकर्मा कृतात्मा च कृतज्ञः सर्वसाक्षिकः।
सर्वारम्भपरित्यागी जडोन्मत्तपिशाचवान्॥ ११६॥
भिक्षुर्भैक्षाकरश्चैव भैक्षाहारी निराश्रमी।
अकूलश्चानुकूलश्च विकलो ह्यकलस्तथा॥ ११७॥

जटिलो वनचारी च दण्डी मुण्डी च गण्डवान्।
देहधर्मविहीनात्मा ह्येकाकी संगवर्जितः॥ ११८॥
आश्रम्यनाश्रमारम्भोऽनाचारी कर्मवर्जितः।
असंदेही च संदेही न किंचिन्न च किंचन॥ ११९॥
नृदेही देहशून्यश्च नाभावी भावनिर्गतः।
नाब्रह्मा च परब्रह्मा स्वयमेव निराकुलः॥ १२०॥
अनघश्चागुरुश्चैव नाथनाथोत्तमो गुरुः।
द्विभुजः प्राकृतश्चैव जनकश्च पितामहः॥ १२१॥
अनात्मा न च नानात्मा नीतिर्नीतिमतां वरः।
सहजः सदृशः सिद्ध एकश्चिन्मात्र एव च॥ १२२॥
न कर्तापि च कर्ता च भोक्ता भोगविवर्जितः।
तुरीयस्तुरीयातीतः स्वच्छः सर्वमयस्तथा॥ १२३॥
सर्वाधिष्ठानरूपश्च सर्वध्येयविवर्जितः।
सर्वलोकनिवासात्मा सकलोत्तमवन्दितः॥ १२४॥
देहभृद्देहकृच्चैव देहात्मा देहभावनः।
देही देहविभक्तश्च देहभावप्रकाशनः॥ १२५॥
लयस्थो लयविच्चैव लयाभावश्च बोधवान्।
लयातीतो लयस्यान्तो लयभावनिवारणः॥ १२६॥
विमुखः प्रमुखश्चैव प्रत्यङ्मुखवदाचरी।
विश्वभुक् विश्वधृग् विश्वो विश्वक्षेमकरस्तथा॥ १२७॥
अविक्षिप्तोऽप्रमादी च परर्द्धिः परमार्थदृक्।
स्वानुभावविहीनश्च स्वानुभावप्रकाशनः॥ १२८॥

निरिन्द्रियश्च निर्बुद्धिर्निराभासो निराकृतः।
निरहंकारो रूपात्मा निर्वपुः सकलाश्रयः॥ १२९॥
शोकदुःखहरश्चैव भोगमोक्षफलप्रदः।
सुप्रसन्नस्तथा सूक्ष्मः शब्दब्रह्मार्थसंग्रहः॥ १३०॥
आगमापायशून्यश्च स्थानदश्च सतां गतिः।
अकृतः सुकृतश्चैव कृतकर्मविनिर्वृतः॥ १३१॥
भेदत्रयहरश्चैव देहत्रयविनिर्गतः।
सर्वकाममयश्चैव सर्वकामनिवर्तकः॥ १३२॥
सिद्धेश्वरोऽजरः पञ्चबाणदर्पहुताशनः।
चतुरक्षरबीजात्मा स्वभूश्चित्कीर्तिभूषणः॥ १३३॥
अगाधबुद्धिरक्षुब्धश्चन्द्रसूर्याग्निलोचनः।
यमदंष्ट्रोऽतिसंहर्ता परमानन्दसागरः॥ १३४॥
लीलाविश्वम्भरो भानुर्भैरवो भीमलोचनः।
ब्रह्मचर्माम्बरः कालस्त्वचलश्चलनान्तकः॥ १३५॥
आदिदेवो जगद्योनिर्वासवारिविमर्दनः।
विकर्मकर्मकर्मज्ञोऽनन्यगमकोऽगमः॥ १३६॥
अबद्धकर्मशून्यश्च कामरागकुलक्षयः।
योगान्धकारमथनः पद्मजन्मादिवन्दितः॥ १३७॥
भक्तकामोऽग्रजश्चक्री भावनिर्भावभावकः।
भेदान्तको महानग्र्यो निगूहो गोचरान्तकः॥ १३८॥
कालाग्निशमनः शंखचक्रपद्मगदाधरः।
दीप्तो दीनपतिः शास्ता स्वच्छन्दो मुक्तिदायकः॥ १३९॥

व्योमधर्माम्बरो भेत्ता भस्मधारी धराधरः।
धर्मगुप्तोऽन्वयात्मा च व्यतिरेकार्थनिर्णयः॥ १४० ॥
एकोऽनेकगुणाभासाभासनिर्भासवर्जितः।
भावाभावस्वभावात्मा भावाभावविभाववित्॥ १४१ ॥
योगिहृदयविश्रामोऽनन्तविद्याविवर्धनः।
विघ्नान्तकस्त्रिकालज्ञस्तत्त्वात्मा ज्ञानसागरः॥ १४२ ॥

फलश्रुतिः

इतीदं दत्तसाहस्रं सायं प्रातः पठेत्तु यः।
स इहामुत्र लभते निर्वाणं परमं सुखम्॥ १४३ ॥
गुरुवारे दत्तभक्तो भक्तिभावसमन्वितः।
पठेत् सदैव यो ह्येतत् स लभेच्चिन्तितं ध्रुवम्॥ १४४ ॥

॥ इति श्रीमद्दत्तात्रेयपुराणोक्तं श्रीदत्तात्रेयसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीदत्तात्रेयाय नमः ॥

श्रीदत्तात्रेयसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ दत्तात्रेयाय नमः।
२ ॐ महायोगिने नमः।
३ ॐ योगेशाय नमः।
४ ॐ अमरप्रभवे नमः।
५ ॐ मुनये नमः।
६ ॐ दिगम्बराय नमः।
७ ॐ बालाय नमः।
८ ॐ मायामुक्ताय नमः।
९ ॐ मदापहाय नमः।
१० ॐ अवधूताय नमः।
११ ॐ महानाथाय नमः।
१२ ॐ शंकराय नमः।
१३ ॐ अमरवल्लभाय नमः।
१४ ॐ महादेवाय नमः।
१५ ॐ आदिदेवाय नमः।
१६ ॐ पुराणप्रभवे नमः।
१७ ॐ ईश्वराय नमः।
१८ ॐ सत्त्वकृते नमः।
१९ ॐ सत्त्वभृते नमः।
२० ॐ भावाय नमः।
२१ ॐ सत्त्वात्मने नमः।
२२ ॐ सत्त्वसागराय नमः।
२३ ॐ सत्त्वविदे नमः।
२४ ॐ सत्त्वसाक्षिणे नमः।
२५ ॐ सत्त्वसाध्याय नमः।
२६ ॐ अमराधिपाय नमः।
२७ ॐ भूतकृते नमः।
२८ ॐ भूतभृते नमः।
२९ ॐ भूतात्मने नमः।
३० ॐ भूतसम्भवाय नमः।
३१ ॐ भूतभावाय नमः।
३२ ॐ भवाय नमः।
३३ ॐ भूतविदे नमः।
३४ ॐ भूतकारणाय नमः।
३५ ॐ भूतसाक्षिणे नमः।
३६ ॐ प्रभूतये नमः।
३७ ॐ भूतानां परमायै गतये नमः।
३८ ॐ भूतसंगविहीनात्मने नमः।
३९ ॐ भूतात्मने नमः।
४० ॐ भूतशंकराय नमः।
४१ ॐ भूतनाथाय नमः।
४२ ॐ महानाथाय नमः।
४३ ॐ आदिनाथाय नमः।
४४ ॐ महेश्वराय नमः।
४५ ॐ सर्वभूतनिवासात्मने नमः।
४६ ॐ भूतसंतापनाशनाय नमः।

४७ ॐ सर्वात्मने नमः।
४८ ॐ सर्वभृते नमः।
४९ ॐ सर्वस्मै नमः।
५० ॐ सर्वज्ञाय नमः।
५१ ॐ सर्वनिर्णयाय नमः।
५२ ॐ सर्वसाक्षिणे नमः।
५३ ॐ बृहद्भानवे नमः।
५४ ॐ सर्वविदे नमः।
५५ ॐ सर्वमङ्गलाय नमः।
५६ ॐ शान्ताय नमः।
५७ ॐ सत्याय नमः।
५८ ॐ समाय नमः।
५९ ॐ पूर्णाय नमः।
६० ॐ एकाकिने नमः।
६१ ॐ कमलापतये नमः।
६२ ॐ रामाय नमः।
६३ ॐ रामप्रियाय नमः।
६४ ॐ विरामाय नमः।
६५ ॐ रामकारणाय नमः।
६६ ॐ शुद्धात्मने नमः।
६७ ॐ पावनाय नमः।
६८ ॐ अनन्ताय नमः।
६९ ॐ प्रतीताय नमः।
७० ॐ परमार्थभृते नमः।
७१ ॐ हंससाक्षिणे नमः।
७२ ॐ विभवे नमः।
७३ ॐ प्रभवे नमः।
७४ ॐ प्रलयाय नमः।
७५ ॐ सिद्धात्मने नमः।
७६ ॐ परमात्मने नमः।
७७ ॐ सिद्धानां परमायै गतये नमः।
७८ ॐ सिद्धिसिद्धाय नमः।
७९ ॐ साध्याय नमः।
८० ॐ साधनाय नमः।
८१ ॐ उत्तमाय नमः।
८२ ॐ सुलक्षणाय नमः।
८३ ॐ सुमेधाविने नमः।
८४ ॐ विद्यावते नमः।
८५ ॐ विगतान्तराय नमः।
८६ ॐ विज्वराय नमः।
८७ ॐ महाबाहवे नमः।
८८ ॐ बहुलानन्दवर्धनाय नमः।
८९ ॐ अव्यक्तपुरुषाय नमः।
९० ॐ प्राज्ञाय नमः।
९१ ॐ परज्ञाय नमः।
९२ ॐ परमार्थदृशे नमः।
९३ ॐ परापरविनिर्मुक्ताय नमः।
९४ ॐ युक्ताय नमः।
९५ ॐ तत्त्वप्रकाशवते नमः।
९६ ॐ दयावते नमः।
९७ ॐ भगवते नमः।
९८ ॐ भाविने नमः।
९९ ॐ भावात्मने नमः।
१०० ॐ भावकारणाय नमः।
१०१ ॐ भवसंतापनाशाय नमः।
१०२ ॐ पुष्पवते नमः।

१०३ ॐ पण्डिताय नमः।
१०४ ॐ बुधाय नमः।
१०५ ॐ प्रत्यक्षवस्तुने नमः।
१०६ ॐ विश्वात्मने नमः।
१०७ ॐ प्रत्यग्ब्रह्मसनातनाय नमः।
१०८ ॐ प्रमाणविगताय नमः।
१०९ ॐ प्रत्याहारनियोजकाय नमः।
११० ॐ प्रणवाय नमः।
१११ ॐ प्रणवातीताय नमः।
११२ ॐ प्रमुखाय नमः।
११३ ॐ प्रलयात्मकाय नमः।
११४ ॐ मृत्युंजयाय नमः।
११५ ॐ विविक्तात्मने नमः।
११६ ॐ शंकरात्मने नमः।
११७ ॐ परस्मै वपुषे नमः।
११८ ॐ परमाय नमः।
११९ ॐ तनुविज्ञेयाय नमः।
१२० ॐ परमात्मनि संस्थिताय नमः।
१२१ ॐ प्रबोधकलनाधाराय नमः।
१२२ ॐ प्रभावप्रवरोत्तमाय नमः।
१२३ ॐ चिदम्बराय नमः।
१२४ ॐ चिद्विलासाय नमः।
१२५ ॐ चिदाकाशाय नमः।
१२६ ॐ चिदुत्तमाय नमः।
१२७ ॐ चित्तचैतन्यचित्तात्मने नमः।
१२८ ॐ देवानां परमायै गतये नमः।
१२९ ॐ अचेत्याय नमः।
१३० ॐ चेतनाधाराय नमः।
१३१ ॐ चेतनाचित्तविक्रमाय नमः।
१३२ ॐ चित्तात्मने नमः।
१३३ ॐ चेतनारूपाय नमः।
१३४ ॐ लसत्पङ्कजलोचनाय नमः।
१३५ ॐ परंब्रह्मणे नमः।
१३६ ॐ परंज्योतिषे नमः।
१३७ ॐ परंधाम्ने नमः।
१३८ ॐ परंतपसे नमः।
१३९ ॐ परंसूत्राय नमः।
१४० ॐ परतन्त्राय नमः।
१४१ ॐ पवित्राय नमः।
१४२ ॐ परमोहवते नमः।
१४३ ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः।
१४४ ॐ क्षेत्रगाय नमः।
१४५ ॐ क्षेत्राय नमः।
१४६ ॐ क्षेत्राधाराय नमः।
१४७ ॐ पुरञ्जनाय नमः।
१४८ ॐ क्षेत्रशून्याय नमः।
१४९ ॐ लोकसाक्षिणे नमः।
१५० ॐ क्षेत्रवते नमः।
१५१ ॐ बहुनायकाय नमः।
१५२ ॐ योगेन्द्राय नमः।
१५३ ॐ योगपूज्याय नमः।
१५४ ॐ योग्याय नमः।
१५५ ॐ आत्मविदां शुचये नमः।
१५६ ॐ योगमायाधराय नमः।
१५७ ॐ स्थाणवे नमः।
१५८ ॐ अचलाय नमः।
१५९ ॐ कमलापतये नमः।
१६० ॐ योगेशाय नमः।

१६१ ॐ योगनिर्मात्रे नमः।
१६२ ॐ योगज्ञानप्रकाशनाय नमः।
१६३ ॐ योगपालाय नमः।
१६४ ॐ लोकपालाय नमः।
१६५ ॐ संसारतमनाशनाय नमः।
१६६ ॐ गुह्याय नमः।
१६७ ॐ गुह्यतमाय नमः।
१६८ ॐ गुप्ताय नमः।
१६९ ॐ मुक्ताय नमः।
१७० ॐ युक्ताय नमः।
१७१ ॐ सनातनाय नमः।
१७२ ॐ गहनाय नमः।
१७३ ॐ गगनाकाराय नमः।
१७४ ॐ गम्भीराय नमः।
१७५ ॐ गणनायकाय नमः।
१७६ ॐ गोविन्दाय नमः
१७७ ॐ गोपतये नमः।
१७८ ॐ गोप्त्रे नमः।
१७९ ॐ गोभागाय नमः।
१८० ॐ भावसंस्थिताय नमः।
१८१ ॐ गोसाक्षिणे नमः।
१८२ ॐ गोतमारये नमः।
१८३ ॐ गान्धाराय नमः।
१८४ ॐ गगनाकृतये नमः।
१८५ ॐ योगयुक्ताय नमः।
१८६ ॐ भोगयुक्ताय नमः।
१८७ ॐ शंकामुक्तसमाधिमते नमः।
१८८ ॐ सहजाय नमः।
१८९ ॐ सकलेशानाय नमः।
१९० ॐ कार्तवीर्यवरप्रदाय नमः।
१९१ ॐ सरजसे नमः।
१९२ ॐ विरजसे नमः।
१९३ ॐ पुंसे नमः।
१९४ ॐ पावनाय नमः।
१९५ ॐ पापनाशनाय नमः।
१९६ ॐ परावरविनिर्मुक्ताय नमः।
१९७ ॐ परंज्योतिषे नमः।
१९८ ॐ पुरातनाय नमः।
१९९ ॐ नानाज्योतिषे नमः।
२०० ॐ अनेकात्मने नमः।
२०१ ॐ स्वयंज्योतिषे नमः।
२०२ ॐ सदाशिवाय नमः।
२०३ ॐ दिव्यज्योतिर्मयाय नमः।
२०४ ॐ सत्यविज्ञानभास्कराय नमः।
२०५ ॐ नित्यशुद्धाय नमः।
२०६ ॐ परस्मै नमः।
२०७ ॐ पूर्णाय नमः।
२०८ ॐ प्रकाशाय नमः।
२०९ ॐ प्रकटोद्भवाय नमः।
२१० ॐ प्रमादविगताय नमः।
२११ ॐ परेशाय नमः।
२१२ ॐ परविक्रमाय नमः।
२१३ ॐ योगिने नमः।
२१४ ॐ योगाय नमः।
२१५ ॐ योगपाय नमः।
२१६ ॐ योगाभ्यासप्रकाशनाय नमः।
२१७ ॐ योक्त्रे नमः।
२१८ ॐ मोक्त्रे नमः।

२१९ ॐ विधात्रे नमः।
२२० ॐ त्रात्रे नमः।
२२१ ॐ पात्रे नमः।
२२२ ॐ निरायुधाय नमः।
२२३ ॐ नित्यमुक्ताय नमः।
२२४ ॐ नित्ययुक्ताय नमः।
२२५ ॐ सत्याय नमः।
२२६ ॐ सत्यपराक्रमाय नमः।
२२७ ॐ सत्त्वशुद्धिकराय नमः।
२२८ ॐ सत्त्वाय नमः।
२२९ ॐ सत्त्वभृतां गतये नमः।
२३० ॐ श्रीधराय नमः।
२३१ ॐ श्रीवपुषे नमः।
२३२ ॐ श्रीमते नमः।
२३३ ॐ श्रीनिवासाय नमः।
२३४ ॐ अमरार्चिताय नमः।
२३५ ॐ श्रीनिधये नमः।
२३६ ॐ श्रीपतये नमः।
२३७ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
२३८ ॐ श्रेयस्काय नमः।
२३९ ॐ चरमाश्रयाय नमः।
२४० ॐ त्यागिने नमः।
२४१ ॐ त्यागार्थसम्पन्नाय नमः।
२४२ ॐ त्यागात्मने नमः।
२४३ ॐ त्यागविग्रहाय नमः।
२४४ ॐ त्यागलक्षणसिद्धात्मने नमः।
२४५ ॐ त्यागज्ञाय नमः।
२४६ ॐ त्यागकारणाय नमः।
२४७ ॐ भोगाय नमः।
२४८ ॐ भोक्त्रे नमः।
२४९ ॐ भोग्याय नमः।
२५० ॐ भोगसाधनकारणाय नमः।
२५१ ॐ भोगिने नमः।
२५२ ॐ भोगार्थसम्पन्नाय नमः।
२५३ ॐ भोगज्ञानप्रकाशनाय नमः।
२५४ ॐ केवलाय नमः।
२५५ ॐ केशवाय नमः।
२५६ ॐ कृष्णाय नमः।
२५७ ॐ कंवाससे नमः।
२५८ ॐ कमलालयाय नमः।
२५९ ॐ कमलासनपूज्याय नमः।
२६० ॐ हरये नमः।
२६१ ॐ अज्ञानखण्डनाय नमः।
२६२ ॐ महात्मने नमः।
२६३ ॐ महदादये नमः।
२६४ ॐ महेशोत्तमवन्दिताय नमः।
२६५ ॐ मनोबुद्धिविहीनात्मने नमः।
२६६ ॐ मानात्मने नमः।
२६७ ॐ मानवाधिपाय नमः।
२६८ ॐ भुवनेशाय नमः।
२६९ ॐ विभूतये नमः।
२७० ॐ धृतये नमः।
२७१ ॐ मेधायै नमः।
२७२ ॐ स्मृतये नमः।
२७३ ॐ दयायै नमः।
२७४ ॐ दुःखदावानलाय नमः।
२७५ ॐ बुद्धाय नमः।
२७६ ॐ प्रबुद्धाय नमः।

२७७ ॐ परमेश्वराय नमः।
२७८ ॐ कामघ्ने नमः।
२७९ ॐ क्रोधघ्ने नमः।
२८० ॐ दम्भदर्पमदापहाय नमः।
२८१ ॐ अज्ञानतिमिरारये नमः।
२८२ ॐ भवारये नमः।
२८३ ॐ भुवनेश्वराय नमः।
२८४ ॐ रूपकृते नमः।
२८५ ॐ रूपभृते नमः।
२८६ ॐ रूपिणे नमः।
२८७ ॐ रूपात्मने नमः।
२८८ ॐ रूपकारणाय नमः।
२८९ ॐ रूपज्ञाय नमः।
२९० ॐ रूपसाक्षिणे नमः।
२९१ ॐ नामरूपाय नमः।
२९२ ॐ गुणान्तकाय नमः।
२९३ ॐ अप्रमेयाय नमः।
२९४ ॐ प्रमेयाय नमः।
२९५ ॐ प्रमाणाय नमः।
२९६ ॐ प्रणवाश्रयाय नमः।
२९७ ॐ प्रमाणरहिताय नमः।
२९८ ॐ अचिन्त्याय नमः।
२९९ ॐ चेतनाविगताय नमः।
३०० ॐ अजराय नमः।
३०१ ॐ अक्षराय नमः।
३०२ ॐ अक्षरमुक्ताय नमः।
३०३ ॐ विज्वराय नमः।
३०४ ॐ ज्वरनाशनाय नमः।
३०५ ॐ विशिष्टाय नमः।
३०६ ॐ वित्तशास्त्रिणे नमः।
३०७ ॐ दृष्टाय नमः।
३०८ ॐ दृष्टान्तवर्जिताय नमः।
३०९ ॐ गुणेशाय नमः।
३१० ॐ गुणकायाय नमः।
३११ ॐ गुणात्मने नमः।
३१२ ॐ गुणभावनाय नमः।
३१३ ॐ अनन्तगुणसम्पन्नाय नमः।
३१४ ॐ गुणगर्भाय नमः।
३१५ ॐ गुणाधिपाय नमः।
३१६ ॐ गणेशाय नमः।
३१७ ॐ गुणनाथाय नमः।
३१८ ॐ गुणात्मने नमः।
३१९ ॐ गणभावनाय नमः।
३२० ॐ गणबन्धवे नमः।
३२१ ॐ विवेकात्मने नमः।
३२२ ॐ गुणयुक्ताय नमः।
३२३ ॐ पराक्रमिणे नमः।
३२४ ॐ अतर्क्याय नमः।
३२५ ॐ क्रतवे नमः।
३२६ ॐ अग्रये नमः।
३२७ ॐ कृतज्ञाय नमः।
३२८ ॐ सफलाश्रयाय नमः।
३२९ ॐ यज्ञाय नमः।
३३० ॐ यज्ञफलदाय नमः।
३३१ ॐ यज्ञाय नमः।
३३२ ॐ ईज्याय नमः।
३३३ ॐ अमरोत्तमाय नमः।
३३४ ॐ हिरण्यगर्भाय नमः।

३३५ ॐ श्रीगर्भाय नमः।
३३६ ॐ खगर्भाय नमः।
३३७ ॐ कुणपेश्वराय नमः।
३३८ ॐ मायागर्भाय नमः।
३३९ ॐ लोकगर्भाय नमः।
३४० ॐ स्वयम्भुवे नमः।
३४१ ॐ भुवनान्तकाय नमः।
३४२ ॐ निष्पापाय नमः।
३४३ ॐ निबिडाय नमः।
३४४ ॐ नन्दिने नमः।
३४५ ॐ बोधिने नमः।
३४६ ॐ बोधसमाश्रयाय नमः।
३४७ ॐ बोधात्मने नमः।
३४८ ॐ बोधनात्मने नमः।
३४९ ॐ भेदवैतण्डखण्डनाय नमः।
३५० ॐ स्वाभाव्याय नमः।
३५१ ॐ भावनिर्मुक्ताय नमः।
३५२ ॐ व्यक्ताय नमः।
३५३ ॐ अव्यक्तसमाश्रयाय नमः।
३५४ ॐ नित्यतृप्ताय नमः।
३५५ ॐ निराभासाय नमः।
३५६ ॐ निर्वाणाय नमः।
३५७ ॐ शरणाय नमः।
३५८ ॐ सुहृदे नमः।
३५९ ॐ गुह्येशाय नमः।
३६० ॐ गुणगम्भीराय नमः।
३६१ ॐ गुणदोषनिवारणाय नमः।
३६२ ॐ गुणसंगविहीनाय नमः।
३६३ ॐ योगारेर्दर्पनाशनाय नमः।
३६४ ॐ आनन्दाय नमः।
३६५ ॐ परमानन्दाय नमः।
३६६ ॐ स्वानन्दसुखवर्धनाय नमः।
३६७ ॐ सत्यानन्दाय नमः।
३६८ ॐ चिदानन्दाय नमः।
३६९ ॐ सर्वानन्दपरायणाय नमः।
३७० ॐ सद्रूपाय नमः।
३७१ ॐ सहजाय नमः।
३७२ ॐ सत्याय नमः।
३७३ ॐ स्वानन्दाय नमः।
३७४ ॐ सुमनोहराय नमः।
३७५ ॐ सर्वस्मै नमः।
३७६ ॐ सर्वान्तराय नमः।
३७७ ॐ पूर्वापूर्वतराय नमः।
३७८ ॐ खमयाय नमः।
३७९ ॐ खपराय नमः।
३८० ॐ खादये नमः।
३८१ ॐ खंब्रह्मणे नमः।
३८२ ॐ खतनवे नमः।
३८३ ॐ खगाय नमः।
३८४ ॐ खवाससे नमः।
३८५ ॐ खविहीनाय नमः।
३८६ ॐ खनिधये नमः।
३८७ ॐ खपराश्रयाय नमः।
३८८ ॐ अनन्ताय नमः।
३८९ ॐ आदिरूपाय नमः।
३९० ॐ सूर्यमण्डलमध्यगाय नमः।
३९१ ॐ अमोघाय नमः।

३९२ ॐ परमामोघाय नमः।
३९३ ॐ परोक्षाय नमः।
३९४ ॐ परदाय नमः।
३९५ ॐ कवये नमः।
३९६ ॐ विश्वचक्षुषे नमः।
३९७ ॐ विश्वसाक्षिणे नमः।
३९८ ॐ विश्वबाहवे नमः।
३९९ ॐ धनेश्वराय नमः।
४०० ॐ धनंजयाय नमः।
४०१ ॐ महातेजसे नमः।
४०२ ॐ तेजिष्ठाय नमः।
४०३ ॐ तैजसाय नमः।
४०४ ॐ सुखिने नमः।
४०५ ॐ ज्योतिषे नमः।
४०६ ॐ ज्योतिर्मयाय नमः।
४०७ ॐ जेत्रे नमः।
४०८ ॐ ज्योतिषां ज्योतिरात्मकाय नमः।
४०९ ॐ ज्योतिषामपि ज्योतिषे नमः।
४१० ॐ जनकाय नमः।
४११ ॐ जनमोहनाय नमः।
४१२ ॐ जितेन्द्रियाय नमः।
४१३ ॐ जितक्रोधाय नमः।
४१४ ॐ जितात्मने नमः।
४१५ ॐ जितमानसाय नमः।
४१६ ॐ जितसंगाय नमः।
४१७ ॐ जितप्राणाय नमः।
४१८ ॐ जितसंसारवासनाय नमः।
४१९ ॐ निर्वासनाय नमः।
४२० ॐ निरालम्बाय नमः।
४२१ ॐ निर्योगक्षेमवर्जिताय नमः।
४२२ ॐ निरीहाय नमः।
४२३ ॐ निरहंकाराय नमः।
४२४ ॐ निराशिषे नमः।
४२५ ॐ निरुपाधिकाय नमः।
४२६ ॐ नित्यबोधाय नमः।
४२७ ॐ विविक्तात्मने नमः।
४२८ ॐ विशुद्धोत्तमगौरवाय नमः।
४२९ ॐ विद्यार्थिने नमः।
४३० ॐ परमार्थिने नमः।
४३१ ॐ श्रद्धार्थिने नमः।
४३२ ॐ साधनात्मकाय नमः।
४३३ ॐ प्रत्याहारिणे नमः।
४३४ ॐ निराहारिणे नमः।
४३५ ॐ सर्वाहारपरायणाय नमः।
४३६ ॐ नित्यशुद्धाय नमः।
४३७ ॐ निराकांक्षिणे नमः।
४३८ ॐ पारायणपरायणाय नमः।
४३९ ॐ अणोरणुतराय नमः।
४४० ॐ सूक्ष्माय नमः।
४४१ ॐ स्थूलाय नमः।
४४२ ॐ स्थूलतराय नमः।
४४३ ॐ एकस्मै नमः।
४४४ ॐ अनेकरूपाय नमः।
४४५ ॐ विश्वरूपाय नमः।
४४६ ॐ सनातनाय नमः।
४४७ ॐ नैकरूपाय नमः।
४४८ ॐ विरूपात्मने नमः।
४४९ ॐ नैकबोधमयाय नमः।

४५० ॐ नैकनाममयाय नमः।
४५१ ॐ नैकविद्याविवर्धनाय नमः।
४५२ ॐ एकस्मै नमः।
४५३ ॐ एकान्तिकाय नमः।
४५४ ॐ नानाभावविवर्जिताय नमः।
४५५ ॐ एकाक्षराय नमः।
४५६ ॐ बीजाय नमः।
४५७ ॐ पूर्णबिम्बाय नमः।
४५८ ॐ सनातनाय नमः।
४५९ ॐ मन्त्रवीर्याय नमः।
४६० ॐ मन्त्रबीजाय नमः।
४६१ ॐ शास्त्रवीर्याय नमः।
४६२ ॐ जगत्पतये नमः।
४६३ ॐ नानावीर्यधराय नमः।
४६४ ॐ शक्रेशाय नमः।
४६५ ॐ पृथिवीपतये नमः।
४६६ ॐ प्राणेशाय नमः।
४६७ ॐ प्राणदाय नमः।
४६८ ॐ प्राणाय नमः।
४६९ ॐ प्राणायामपरायणाय नमः।
४७० ॐ प्राणपञ्चकनिर्मुक्ताय नमः।
४७१ ॐ कोशपञ्चकवर्जिताय नमः।
४७२ ॐ निश्चलाय नमः।
४७३ ॐ निष्कलाय नमः।
४७४ ॐ असंगाय नमः।
४७५ ॐ निष्प्रपञ्चाय नमः।
४७६ ॐ निरामयाय नमः।
४७७ ॐ निराधाराय नमः।
४७८ ॐ निराकाराय नमः।
४७९ ॐ निर्विकाराय नमः।
४८० ॐ निरञ्जनाय नमः।
४८१ ॐ निष्प्रतीताय नमः।
४८२ ॐ निराभासाय नमः।
४८३ ॐ निरासक्ताय नमः।
४८४ ॐ निराकुलाय नमः।
४८५ ॐ निष्ठासर्वगताय नमः।
४८६ ॐ निरारम्भाय नमः।
४८७ ॐ निराश्रयाय नमः।
४८८ ॐ निरन्तराय नमः।
४८९ ॐ सर्वगोप्त्रे नमः।
४९० ॐ शान्ताय नमः।
४९१ ॐ दान्ताय नमः।
४९२ ॐ महामुनये नमः।
४९३ ॐ निःशब्दाय नमः।
४९४ ॐ सुकृताय नमः।
४९५ ॐ स्वस्थाय नमः।
४९६ ॐ सत्यवादिने नमः।
४९७ ॐ सुरेश्वराय नमः।
४९८ ॐ ज्ञानदाय नमः।
४९९ ॐ ज्ञानविज्ञानिने नमः।
५०० ॐ ज्ञानात्मने नमः।
५०१ ॐ आनन्दपूरिताय नमः।
५०२ ॐ ज्ञानयज्ञविदां दक्षाय नमः।
५०३ ॐ ज्ञानाग्रये नमः।
५०४ ॐ ज्वलनाय नमः।
५०५ ॐ बुधाय नमः।
५०६ ॐ दयावते नमः।
५०७ ॐ भवरोगारये नमः।

65

५०८ ॐ चिकित्साचरमागतये नमः।
५०९ ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थाय नमः।
५१० ॐ चन्द्रकोटिसुशीतलाय नमः।
५११ ॐ यन्त्रकृते नमः।
५१२ ॐ परमाय नमः।
५१३ ॐ यन्त्रिणे नमः।
५१४ ॐ यन्त्रारूढपराजिताय नमः।
५१५ ॐ यन्त्रविदे नमः।
५१६ ॐ यन्त्रवाससे नमः।
५१७ ॐ यन्त्राधाराय नमः।
५१८ ॐ धराधराय नमः।
५१९ ॐ तत्त्वज्ञाय नमः।
५२० ॐ तत्त्वभूतात्मने नमः।
५२१ ॐ महत्तत्त्वप्रकाशनाय नमः।
५२२ ॐ तत्त्वसंख्यानयोगज्ञाय नमः।
५२३ ॐ सांख्यशास्त्रप्रवर्तकाय नमः।
५२४ ॐ अनन्तविक्रमाय नमः।
५२५ ॐ देवाय नमः।
५२६ ॐ माधवाय नमः।
५२७ ॐ धनेश्वराय नमः।
५२८ ॐ साधवे नमः।
५२९ ॐ साधुवरिष्ठात्मने नमः।
५३० ॐ सावधानाय नमः।
५३१ ॐ अमरोत्तमाय नमः।
५३२ ॐ निःसंकल्पाय नमः।
५३३ ॐ निराधाराय नमः।
५३४ ॐ दुर्धराय नमः।
५३५ ॐ आत्मविदे नमः।
५३६ ॐ पत्ये नमः।
५३७ ॐ आरोग्यसुखदाय नमः।
५३८ ॐ प्रवराय नमः।
५३९ ॐ वासवाय नमः।
५४० ॐ परेशाय नमः।
५४१ ॐ परमोदाराय नमः।
५४२ ॐ प्रत्यक्चैतन्यदुर्गमाय नमः।
५४३ ॐ दुराधर्षाय नमः।
५४४ ॐ दुरावासाय नमः।
५४५ ॐ दूरत्वपरिनाशनाय नमः।
५४६ ॐ वेदविदे नमः।
५४७ ॐ वेदकृते नमः।
५४८ ॐ वेदाय नमः।
५४९ ॐ वेदात्मने नमः।
५५० ॐ विमलाशयाय नमः।
५५१ ॐ विविक्तसेविने नमः।
५५२ ॐ संसारश्रमनाशनकाय नमः।
५५३ ॐ ब्रह्मयोनये नमः।
५५४ ॐ बृहद्योनये नमः।
५५५ ॐ विश्वयोनये नमः।
५५६ ॐ विदेहवते नमः।
५५७ ॐ विशालाक्षाय नमः।
५५८ ॐ विश्वनाथाय नमः।
५५९ ॐ हाटकाङ्गदभूषणाय नमः।
५६० ॐ अबाध्याय नमः।
५६१ ॐ जगदाराध्याय नमः।
५६२ ॐ जगदार्जवपालनाय नमः।
५६३ ॐ जनवते नमः।
५६४ ॐ धनवते नमः।
५६५ ॐ धर्मिणे नमः।

५६६ ॐ धर्मगाय नमः।
५६७ ॐ धर्मवर्धनाय नमः।
५६८ ॐ अमृताय नमः।
५६९ ॐ शाश्वताय नमः।
५७० ॐ साध्याय नमः।
५७१ ॐ सिद्धिदाय नमः।
५७२ ॐ सुमनोहराय नमः।
५७३ ॐ खलुब्रह्मखलुस्थानाय नमः।
५७४ ॐ मुनीनां परमायै गतये नमः।
५७५ ॐ उपद्रष्ट्रे नमः।
५७६ ॐ श्रेष्ठाय नमः।
५७७ ॐ शुचये नमः।
५७८ ॐ भूताय नमः।
५७९ ॐ अनामयाय नमः।
५८० ॐ वेदसिद्धान्तवेद्याय नमः।
५८१ ॐ मानसाह्लादवर्धनाय नमः।
५८२ ॐ देहादन्याय नमः।
५८३ ॐ गुणादन्याय नमः।
५८४ ॐ लोकादन्याय नमः।
५८५ ॐ विवेकविदे नमः।
५८६ ॐ दुष्टस्वप्नहराय नमः।
५८७ ॐ गुरवे नमः।
५८८ ॐ गुरुवरोत्तमाय नमः।
५८९ ॐ कर्मिणे नमः।
५९० ॐ कर्मविनिर्मुक्ताय नमः।
५९१ ॐ संन्यासिने नमः।
५९२ ॐ साधकेश्वराय नमः।
५९३ ॐ सर्वभावविहीनाय नमः।
५९४ ॐ तृष्णासंगनिवारकाय नमः।
५९५ ॐ त्यागिने नमः।
५९६ ॐ त्यागवपुषे नमः।
५९७ ॐ त्यागाय नमः।
५९८ ॐ त्यागदानविवर्जिताय नमः।
५९९ ॐ त्यागकारणत्यागात्मने नमः।
६०० ॐ सद्गुरवे नमः।
६०१ ॐ सुखदायकाय नमः। ८०
६०२ ॐ दक्षाय नमः।
६०३ ॐ दक्षादिवन्द्याय नमः।
६०४ ॐ ज्ञानवादप्रवर्तकाय नमः।
६०५ ॐ शब्दब्रह्ममयात्मने नमः।
६०६ ॐ शब्दब्रह्मप्रकाशवते नमः।
६०७ ॐ ग्रसिष्णवे नमः।
६०८ ॐ प्रभविष्णवे नमः।
६०९ ॐ सहिष्णवे नमः।
६१० ॐ विगतान्तराय नमः।
६११ ॐ विद्वत्तमाय नमः।
६१२ ॐ महावन्द्याय नमः।
६१३ ॐ विशालोत्तमवाङ्मुनये नमः।
६१४ ॐ ब्रह्मविदे नमः।
६१५ ॐ ब्रह्मभावाय नमः।
६१६ ॐ ब्रह्मर्षये नमः।
६१७ ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः।
६१८ ॐ ब्रह्मणे नमः।
६१९ ॐ ब्रह्मप्रकाशात्मने नमः।
६२० ॐ ब्रह्मविद्याप्रकाशनाय नमः।
६२१ ॐ अत्रिवंशप्रभूतात्मने नमः।
६२२ ॐ तापसोत्तमवन्दिताय नमः।
६२३ ॐ आत्मवासिने नमः।

६२४ ॐ विधेयात्मने नमः।
६२५ ॐ अत्रिवंशविवर्धनाय नमः।
६२६ ॐ प्रवर्तनाय नमः।
६२७ ॐ निवृत्तात्मने नमः।
६२८ ॐ प्रलयोदकसंनिभाय नमः।
६२९ ॐ नारायणाय नमः।
६३० ॐ महागर्भाय नमः।
६३१ ॐ भार्गवप्रियकृत्तमाय नमः।
६३२ ॐ संकल्पदुःखदलनाय नमः।
६३३ ॐ संसारतमनाशनाय नमः।
६३४ ॐ त्रिविक्रमाय नमः।
६३५ ॐ त्रिधाकाराय नमः।
६३६ ॐ त्रिमूर्तये नमः।
६३७ ॐ त्रिगुणात्मकाय नमः।
६३८ ॐ भेदत्रयहराय नमः।
६३९ ॐ तापत्रयनिवारकाय नमः।
६४० ॐ दोषत्रयविभेदिने नमः।
६४१ ॐ संशयार्णवखण्डनाय नमः।
६४२ ॐ असंशयाय नमः।
६४३ ॐ असम्मूढाय नमः।
६४४ ॐ अवादिने नमः।
६४५ ॐ राजवन्दिताय नमः।
६४६ ॐ राजयोगिने नमः।
६४७ ॐ महायोगिने नमः।
६४८ ॐ स्वभावगलिताय नमः।
६४९ ॐ पुण्यश्लोकाय नमः।
६५० ॐ पवित्रांघ्रये नमः।
६५१ ॐ ध्यानयोगपरायणाय नमः।
६५२ ॐ ध्यानस्थाय नमः।
६५३ ॐ ध्यानगम्याय नमः।
६५४ ॐ विधेयात्मने नमः।
६५५ ॐ पुरातनाय नमः।
६५६ ॐ अविज्ञेयाय नमः।
६५७ ॐ अन्तरात्मने नमः।
६५८ ॐ मुख्यबिम्बसनातनाय नमः।
६५९ ॐ जीवसंजीवनाय नमः।
६६० ॐ जीवाय नमः।
६६१ ॐ चिद्विलासाय नमः।
६६२ ॐ चिदाश्रयाय नमः।
६६३ ॐ महेन्द्राय नमः।
६६४ ॐ अमरमान्याय नमः।
६६५ ॐ योगेन्द्राय नमः।
६६६ ॐ योगवित्तमाय नमः।
६६७ ॐ योगधर्माय नमः।
६६८ ॐ योगाय नमः।
६६९ ॐ तत्त्वाय नमः।
६७० ॐ तत्त्वविनिश्चयाय नमः।
६७१ ॐ नैकबाहवे नमः।
६७२ ॐ अनन्तात्मने नमः।
६७३ ॐ नैकनामपराक्रमाय नमः।
६७४ ॐ नैकाक्षिणे नमः।
६७५ ॐ नैकपादाय नमः।
६७६ ॐ नाथनाथाय नमः।
६७७ ॐ उत्तमोत्तमाय नमः।
६७८ ॐ सहस्रशीर्ष्णे नमः।
६७९ ॐ पुरुषाय नमः।
६८० ॐ सहस्राक्षाय नमः।
६८१ ॐ सहस्रपदे नमः।

६८२ ॐ सहस्त्ररूपदृशे नमः।
६८३ ॐ सहस्त्रारमयोद्धवाय नमः।
६८४ ॐ त्रिपादपुरुषाय नमः।
६८५ ॐ त्रिपादूर्ध्वाय नमः।
६८६ ॐ त्र्यम्बकाय नमः।
६८७ ॐ महावीर्याय नमः।
६८८ ॐ योगवीर्यविशारदाय नमः।
६८९ ॐ विजयिने नमः।
६९० ॐ विनयिने नमः।
६९१ ॐ जेत्रे नमः।
६९२ ॐ वीतरागिणे नमः।
६९३ ॐ विराजिताय नमः।
६९४ ॐ रुद्राय नमः।
६९५ ॐ रौद्राय नमः।
६९६ ॐ महाभीमाय नमः।
६९७ ॐ प्राज्ञमुख्याय नमः।
६९८ ॐ सदाशुचये नमः।
६९९ ॐ अन्तर्ज्योतिषे नमः।
७०० ॐ अनन्तात्मने नमः।
७०१ ॐ प्रत्यगात्मने नमः।
७०२ ॐ निरन्तराय नमः।
७०३ ॐ अरूपाय नमः।
७०४ ॐ आत्मरूपाय नमः।
76 ७०५ ॐ सर्वभावविनिर्वृताय नमः।
७०६ ॐ अन्तःशून्याय नमः।
७०७ ॐ बहिःशून्याय नमः।
७०८ ॐ शून्यात्मने नमः।
७०९ ॐ शून्यभावनाय नमः।
७१० ॐ अन्तःपूर्णाय नमः।
७११ ॐ बहिःपूर्णाय नमः।
७१२ ॐ पूर्णात्मने नमः।
७१३ ॐ पूर्णभावनाय नमः।
७१४ ॐ अन्तस्त्यागिने नमः।
७१५ ॐ बहिस्त्यागिने नमः।
७१६ ॐ त्यागात्मने नमः।
७१७ ॐ सर्वयोगवते नमः।
७१८ ॐ अन्तर्योगिने नमः।
७१९ ॐ बहिर्योगिने नमः।
७२० ॐ सर्वयोगपरायणाय नमः।
७२१ ॐ अन्तर्भोगिने नमः।
७२२ ॐ बहिर्भोगिने नमः।
७२३ ॐ सर्वभोगविदुत्तमाय नमः।
७२४ ॐ अन्तर्निष्ठाय नमः।
७२५ ॐ बहिर्निष्ठाय नमः।
७२६ ॐ सर्वनिष्ठामयाय नमः।
७२७ ॐ बाह्यान्तरविमुक्ताय नमः।
७२८ ॐ बाह्यान्तरविवर्जिताय नमः।
७२९ ॐ शान्ताय नमः।
७३० ॐ शुद्धाय नमः।
७३१ ॐ विशुद्धाय नमः।
७३२ ॐ निर्वाणाय नमः।
७३३ ॐ प्रकृतेः परस्मै नमः।
७३४ ॐ अकालाय नमः।
७३५ ॐ कालनेमिने नमः।
७३६ ॐ कालकालाय नमः।
७३७ ॐ जनेश्वराय नमः।
७३८ ॐ कालात्मने नमः।
७३९ ॐ कालकर्त्रे नमः।

७४० ॐ कालज्ञाय नमः।
७४१ ॐ कालनाशनाय नमः।
७४२ ॐ कैवल्यपददात्रे नमः।
७४३ ॐ कैवल्यसुखदायकाय नमः।
७४४ ॐ कैवल्यकलनाधाराय नमः।
७४५ ॐ निर्भराय नमः।
७४६ ॐ हर्षवर्धनाय नमः।
७४७ ॐ हृदयस्थाय नमः।
७४८ ॐ हृषीकेशाय नमः।
७४९ ॐ गोविन्दाय नमः।
७५० ॐ गर्भवर्जिताय नमः।
७५१ ॐ सकलागमपूज्याय नमः।
७५२ ॐ निगमाय नमः।
७५३ ॐ निगमाश्रयाय नमः।
७५४ ॐ पराशक्तये नमः।
७५५ ॐ पराकीर्तये नमः।
७५६ ॐ परावृत्तये नमः।
७५७ ॐ निधये नमः।
७५८ ॐ स्मृतये नमः।
७५९ ॐ परविद्याय नमः।
७६० ॐ पराक्षान्तये नमः।
७६१ ॐ विभक्तये नमः।
७६२ ॐ युक्तसद्गतये नमः।
७६३ ॐ स्वप्रकाशाय नमः।
७६४ ॐ प्रकाशात्मने नमः।
७६५ ॐ परसंवेदनात्मकाय नमः।
७६६ ॐ स्वसेव्याय नमः।
७६७ ॐ स्वविदां स्वात्मने नमः।
७६८ ॐ स्वसंवेद्याय नमः।
७६९ ॐ अनघाय नमः।
७७० ॐ क्षमिणे नमः।
७७१ ॐ स्वानुसन्धानशीलात्मने नमः।
७७२ ॐ स्वानुसन्धानगोचराय नमः।
७७३ ॐ स्वानुसन्धानशून्यात्मने नमः।
७७४ ॐ स्वानुसन्धानकाश्रयाय नमः।
७७५ ॐ स्वबोधदर्पणाय नमः।
७७६ ॐ अभङ्गाय नमः।
७७७ ॐ कन्दर्पकुलनाशनाय नमः।
७७८ ॐ ब्रह्मचारिणे नमः।
७७९ ॐ ब्रह्मवेत्त्रे नमः।
७८० ॐ ब्राह्मणाय नमः।
७८१ ॐ ब्रह्मवित्तमाय नमः।
७८२ ॐ तत्त्वबोधाय नमः।
७८३ ॐ सुधावर्षाय नमः।
७८४ ॐ पावनाय नमः।
७८५ ॐ पापपावकाय नमः।
७८६ ॐ ब्रह्मसूत्रविधेयात्मने नमः।
७८७ ॐ ब्रह्मसूत्रार्थनिर्णयाय नमः।
७८८ ॐ आत्यन्तिकाय नमः।
७८९ ॐ महाकल्पाय नमः।
७९० ॐ संकल्पावर्तनाशनाय नमः।
७९१ ॐ आधिव्याधिहराय नमः।
७९२ ॐ संशयार्णवशोषकाय नमः।
७९३ ॐ तत्त्वात्मज्ञानसंदेशाय नमः।
७९४ ॐ महानुभवभाविताय नमः।
७९५ ॐ आत्मानुभवसम्पन्नाय नमः।
७९६ ॐ स्वानुभावसुखाश्रयाय नमः।
७९७ ॐ अचिन्त्याय नमः।

७९८ ॐ बृहद्धानवे नमः।
७९९ ॐ प्रमदोत्कर्षनाशनाय नमः।
८०० ॐ अनिकेताय नमः।
८०१ ॐ प्रशान्तात्मने नमः।
८०२ ॐ शून्यावासाय नमः।
८०३ ॐ जगद्वपुषे नमः।
८०४ ॐ चिद्गतये नमः।
८०५ ॐ चिन्मयाय नमः।
८०६ ॐ चक्रिणे नमः।
८०७ ॐ मायाचक्रप्रवर्तकाय नमः।
८०८ ॐ सर्ववर्णविदारम्भिणे नमः।
८०९ ॐ सर्वारम्भपरायणाय नमः।
८१० ॐ पुराणाय नमः।
८११ ॐ प्रवराय नमः।
८१२ ॐ दात्रे नमः।
८१३ ॐ सुन्दराय नमः।
८१४ ॐ कनकाङ्गदिने नमः।
८१५ ॐ अनसूयात्मजाय नमः।
८१६ ॐ दत्ताय नमः।
८१७ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
८१८ ॐ सर्वकामदाय नमः।
८१९ ॐ कामजिते नमः।
८२० ॐ कामपालाय नमः।
८२१ ॐ कामिने नमः।
८२२ ॐ कामप्रदागमाय नमः।
८२३ ॐ कामवते नमः।
८२४ ॐ कामपोषाय नमः।
८२५ ॐ सर्वकामनिवर्तकाय नमः।
८२६ ॐ सर्वकर्मफलोत्पत्तये नमः।
८२७ ॐ सर्वकामफलप्रदाय नमः।
८२८ ॐ सर्वकर्मफलैः पूज्याय नमः।
८२९ ॐ सर्वकर्मफलाश्रयाय नमः।
८३० ॐ विश्वकर्मणे नमः।
८३१ ॐ कृतात्मने नमः।
८३२ ॐ कृतज्ञाय नमः।
८३३ ॐ सर्वसाक्षिकाय नमः।
८३४ ॐ सर्वारम्भपरित्यागिने नमः।
८३५ ॐ जडोन्मत्तपिशाचवते नमः।
८३६ ॐ भिक्षवे नमः।
८३७ ॐ भैक्षाकराय नमः।
८३८ ॐ भैक्षाहारिणे नमः।
८३९ ॐ निराश्रमिणे नमः।
८४० ॐ अकूलाय नमः।
८४१ ॐ अनुकूलाय नमः।
८४२ ॐ विकलाय नमः।
८४३ ॐ अकलाय नमः।
८४४ ॐ जटिलाय नमः।
८४५ ॐ वनचारिणे नमः।
८४६ ॐ दण्डिने नमः।
८४७ ॐ मुण्डिने नमः।
८४८ ॐ गण्डवते नमः।
८४९ ॐ देहधर्मविहीनात्मने नमः।
८५० ॐ एकाकिने नमः।
८५१ ॐ संगवर्जिताय नमः।
८५२ ॐ आश्रमिणे नमः।
८५३ ॐ अनाश्रमारम्भाय नमः।
८५४ ॐ अनाचारिणे नमः।
८५५ ॐ कर्मवर्जिताय नमः।

८५६ ॐ असंदेहिने नमः।
८५७ ॐ संदेहिने नमः।
८५८ ॐ न किंचिन्न च किंचनाय नमः।
८५९ ॐ नृदेहिने नमः।
८६० ॐ देहशून्याय नमः।
८६१ ॐ नाभाविने नमः।
८६२ ॐ भावनिर्गताय नमः।
८६३ ॐ नाब्रह्मणे नमः।
८६४ ॐ परब्रह्मणे नमः।
८६५ ॐ स्वयमेव निराकुलाय नमः।
८६६ ॐ अनघाय नमः।
८६७ ॐ अगुरवे नमः।
८६८ ॐ नाथनाथोत्तमाय नमः।
८६९ ॐ गुरवे नमः।
८७० ॐ द्विभुजाय नमः।
८७१ ॐ प्राकृताय नमः।
८७२ ॐ जनकाय नमः।
८७३ ॐ पितामहाय नमः।
८७४ ॐ अनात्मने नमः।
८७५ ॐ न नानात्मने नमः।
८७६ ॐ नीतये नमः।
८७७ ॐ नीतिमतां वराय नमः।
८७८ ॐ सहजाय नमः।
८७९ ॐ सदृशाय नमः।
८८० ॐ सिद्धाय नमः।
८८१ ॐ एकस्मै नमः।
८८२ ॐ चिन्मात्राय नमः।
८८३ ॐ न कर्त्रे नमः।
८८४ ॐ कर्त्रे नमः।
८८५ ॐ भोक्त्रे नमः।
८८६ ॐ भोगविवर्जिताय नमः।
८८७ ॐ तुरीयाय नमः।
८८८ ॐ तुरीयातीताय नमः।
८८९ ॐ स्वच्छाय नमः।
८९० ॐ सर्वमयाय नमः।
८९१ ॐ सर्वाधिष्ठानरूपाय नमः।
८९२ ॐ सर्वध्येयविवर्जिताय नमः।
८९३ ॐ सर्वलोकनिवासात्मने नमः।
८९४ ॐ सकलोत्तमवन्दिताय नमः।
८९५ ॐ देहभृते नमः।
८९६ ॐ देहकृते नमः।
८९७ ॐ देहात्मने नमः।
८९८ ॐ देहभावनाय नमः।
८९९ ॐ देहिने नमः।
९०० ॐ देहविभक्ताय नमः।
९०१ ॐ देहभावप्रकाशनाय नमः। 175
९०२ ॐ लयस्थाय नमः।
९०३ ॐ लयविदे नमः।
९०४ ॐ लयाभावाय नमः।
९०५ ॐ बोधवते नमः।
९०६ ॐ लयातीताय नमः।
९०७ ॐ लयस्यान्ताय नमः।
९०८ ॐ लयभावनिवारणाय नमः।
९०९ ॐ विमुखाय नमः।
९१० ॐ प्रमुखाय नमः।
९११ ॐ प्रत्यङ्मुखवदाचरिणे नमः।
९१२ ॐ विश्वभुजे नमः।
९१३ ॐ विश्वधृषे नमः।

९१४ ॐ विश्वस्मै नमः।
९१५ ॐ विश्वक्षेमकराय नमः।
९१६ ॐ अविक्षिप्ताय नमः।
९१७ ॐ अप्रमादिने नमः।
९१८ ॐ परर्द्धये नमः।
९१९ ॐ परमार्थदृशे नमः।
९२० ॐ स्वानुभावविहीनाय नमः।
९२१ ॐ स्वानुभावप्रकाशनाय नमः।
९२२ ॐ निरिन्द्रियाय नमः।
९२३ ॐ निर्बुद्धये नमः।
९२४ ॐ निराभासाय नमः।
९२५ ॐ निराकृताय नमः।
९२६ ॐ निरहंकाराय नमः।
९२७ ॐ रूपात्मने नमः।
९२८ ॐ निर्वपुषे नमः।
९२९ ॐ सकलाश्रयाय नमः।
९३० ॐ शोकदुःखहराय नमः।
९३१ ॐ भोगमोक्षफलप्रदाय नमः।
९३२ ॐ सुप्रसन्नाय नमः।
९३३ ॐ सूक्ष्माय नमः।
९३४ ॐ शब्दब्रह्मार्थसंग्रहाय नमः।
९३५ ॐ आगमापायशून्याय नमः।
९३६ ॐ स्थानदाय नमः।
९३७ ॐ सतां गतये नमः।
९३८ ॐ अकृताय नमः।
९३९ ॐ सुकृताय नमः।
९४० ॐ कृतकर्मविनिर्वृताय नमः।
९४१ ॐ भेदत्रयहराय नमः।
९४२ ॐ देहत्रयविनिर्गताय नमः।
९४३ ॐ सर्वकाममयाय नमः
९४४ ॐ सर्वकामनिवर्तकाय नमः।
९४५ ॐ सिद्धेश्वराय नमः।
९४६ ॐ अजराय नमः।
९४७ ॐ पञ्चबाणदर्पहुताशनाय नमः।
९४८ ॐ चतुरक्षरबीजात्मने नमः।
९४९ ॐ स्वभुवे नमः।
९५० ॐ चित्कीर्तिभूषणाय नमः।
९५१ ॐ अगाधबुद्धये नमः।
९५२ ॐ अक्षुब्धाय नमः।
९५३ ॐ चन्द्रसूर्याग्निलोचनाय नमः।
९५४ ॐ यमदंष्ट्राय नमः।
९५५ ॐ अतिसंहर्त्रे नमः।
९५६ ॐ परमानन्दसागराय नमः।
९५७ ॐ लीलाविश्वम्भराय नमः।
९५८ ॐ भानवे नमः।
९५९ ॐ भैरवाय नमः।
९६० ॐ भीमलोचनाय नमः।
९६१ ॐ ब्रह्मचर्माम्बराय नमः।
९६२ ॐ कालाय नमः।
९६३ ॐ अचलाय नमः।
९६४ ॐ चलनान्तकाय नमः।
९६५ ॐ आदिदेवाय नमः।
९६६ ॐ जगद्योनये नमः।
९६७ ॐ वासवारिविमर्दनाय नमः।
९६८ ॐ विकर्मकर्मकर्मज्ञाय नमः।
९६९ ॐ अनन्यगमकाय नमः।
९७० ॐ अगमाय नमः।
९७१ ॐ अबद्धकर्मशून्याय नमः।

९७२ ॐ कामरागकुलक्षयाय नमः।
९७३ ॐ योगान्धकारमथनाय नमः।
९७४ ॐ पद्मजन्मादिवन्दिताय नमः।
९७५ ॐ भक्तकामाय नमः।
९७६ ॐ अग्रजाय नमः।
९७७ ॐ चक्रिणे नमः।
९७८ ॐ भावनिर्भावभावकाय नमः।
९७९ ॐ भेदान्तकाय नमः।
९८० ॐ महते नमः।
९८१ ॐ अग्र्याय नमः।
९८२ ॐ निगूहाय नमः।
९८३ ॐ गोचरान्तकाय नमः।
९८४ ॐ कालाग्निशमनाय नमः।
९८५ ॐ शंखचक्रपद्मगदाधराय नमः।
९८६ ॐ दीप्ताय नमः।
९८७ ॐ दीनपतये नमः।
९८८ ॐ शास्त्रे नमः।
९८९ ॐ स्वच्छन्दाय नमः।
९९० ॐ मुक्तिदायकाय नमः।
९९१ ॐ व्योमधर्माम्बराय नमः।
९९२ ॐ भेत्त्रे नमः।
९९३ ॐ भस्मधारिणे नमः।
९९४ ॐ धराधराय नमः।
९९५ ॐ धर्मगुप्ताय नमः।
९९६ ॐ अन्वयात्मने नमः।
९९७ ॐ व्यतिरेकार्थनिर्णयाय नमः।
९९८ ॐ एकस्मै नमः।
९९९ ॐ अनेकगुणाभासाभास-निर्भासवर्जिताय नमः।
१००० ॐ भावाभावस्वभावात्मने नमः।
१००१ ॐ भावाभावविभावविदे नमः।
१००२ ॐ योगिहृदयविश्रामाय नमः।
१००३ ॐ अनन्तविद्याविवर्धनाय नमः।
१००४ ॐ विघ्नान्तकाय नमः।
१००५ ॐ त्रिकालज्ञाय नमः।
१००६ ॐ तत्त्वात्मने नमः।
१००७ ॐ ज्ञानसागराय नमः।

॥ इति श्रीमद्दत्तात्रेयपुराणोक्तं श्रीदत्तात्रेयसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



॥ श्रीमहागणपतये नमः ॥

श्रीवक्रतुण्डमहागणपतिसहस्त्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीवक्रतुण्डमहागणपतिसहस्त्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य महागणपतिर्ऋषिः, अनुष्टुप् छन्दः, महागणपतिर्देवता, गं बीजम्, हुं शक्तिः, स्वाहा कीलकम् चतुर्विधपुरुषार्थसिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः।

ध्यानम्

खर्वं स्थूलतनुं गजेन्द्रवदनं लम्बोदरं सुन्दरं
प्रस्यन्दन्मदगन्धलुब्धमधुपव्यालोलगण्डस्थलम्।
दन्ताघातविदारितारिरुधिरैः सिन्दूरशोभाकरं
वन्दे शैलसुतासुतं गणपतिं सिद्धिप्रदं कामदम्॥*

स्तोत्रम्

महागणपतिरुवाच

ॐ गणेश्वरो गणक्रीडो गणनाथो गणाधिपः।
एकदंष्ट्रो वक्रतुण्डो गजवक्त्रो महोदरः॥ १॥
लम्बोदरो धूम्रवर्णो विकटो विघ्ननायकः।
सुमुखो दुर्मुखो बुद्धो विघ्नराजो गजाननः॥ २॥
भीमः प्रमोद आमोदः सुरानन्दो मदोत्कटः।
हेरम्बः शम्बरः शम्भुर्लम्बकर्णो महाबलः॥ ३॥

---

* जो नाटे और मोटे शरीरवाले हैं, जिनका गजराजके समान मुख और लम्बा उदर है,जो सुन्दर हैं तथा बहते हुए मदकी सुगन्धके लोभी भौंरोंके चाटनेसे जिनका गण्डस्थल चपल हो रहा है, दाँतोंकी चोटसे विदीर्ण हुए शत्रुओंके खूनसे जो सिन्दूरकी-सी शोभा धारण करते हैं,कामनाओंके दाता और सिद्धि देनेवाले उन पार्वतीके पुत्र गणेशजीकी मैं वन्दना करता हूँ।

नन्दनोऽलम्पटोऽभीरुर्मेघनादो गणञ्जय:।
विनायको विरूपाक्षो धीरशूरो वरप्रद:॥ ४ ॥
महागणपतिर्बुद्धिप्रिय: क्षिप्रप्रसादन:।
रुद्रप्रियो गणाध्यक्ष उमापुत्रोऽघनाशन:॥ ५ ॥
कुमारगुरुरीशानपुत्रो मूषकवाहन:।
सिद्धिप्रिय: सिद्धिपति: सिद्ध: सिद्धिविनायक:॥ ६ ॥
अविघ्नस्तुम्बुरु: सिंहवाहनो मोहिनीप्रिय:।
कटङ्कटो राजपुत्र: शालक: सम्मितोऽमित:॥ ७ ॥
कूष्माण्डसामसम्भूतिर्दुर्जयो धूर्जयो जय:।
भूपतिर्भुवनपतिर्भूतानां पतिरव्यय:॥ ८ ॥
विश्वकर्ता विश्वमुखो विश्वरूपो निधिर्घृणि:।
कवि: कवीनामृषभो ब्रह्मण्यो ब्रह्मणस्पति:॥ ९ ॥
ज्येष्ठराजो निधिपतिर्निधिप्रियपतिप्रिय:।
हिरण्मयपुरान्त:स्थ: सूर्यमण्डलमध्यग:॥ १० ॥
कराहतिध्वस्तसिन्धुसलिल: पूषदन्तहृत्।
उमाङ्ककेलिकुतुकी मुक्तिद: कुलपालन:॥ ११ ॥
किरीटी कुण्डली हारी वनमाली मनोमय:।
वैमुख्यहतदैत्यश्री: पादाहतजितक्षिति:॥ १२ ॥
सद्योजात: स्वर्णमुञ्जमेखली दुर्निमित्तहृत्।
दु:स्वप्नहृत्प्रसहनो गुणी नादप्रतिष्ठित:॥ १३ ॥
सुरूप: सर्वनेत्राधिवासो वीरासनाश्रय:।
पीताम्बर: खण्डरद: खण्डेन्दुकृतशेखर:॥ १४ ॥

चित्राङ्कः श्यामदशनो भालचन्द्रश्चतुर्भुजः।
योगाधिपस्तारकस्थः पुरुषो गजकर्णकः॥ १५॥
गणाधिराजो विजयस्थिरो गजपतिर्ध्वजी।
देवदेवः स्मरप्राणदीपको वायुकीलकः॥ १६॥
विपश्चिद्वरदो नादोन्नादभिन्नबलाहकः।
वाराहरदनो मृत्युञ्जयो व्याघ्राजिनाम्बरः॥ १७॥
इच्छाशक्तिधरो देवत्राता दैत्यविमर्दनः।
शम्भुवक्त्रोद्भवः शम्भुकोपहा शम्भुहास्यभूः॥ १८॥
शम्भुतेजाः शिवाशोकहारी गौरीसुखावहः।
उमाङ्गमलजो गौरीतेजोभूः स्वर्धुनीभवः॥ १९॥
यज्ञकायो महानादो गिरिवर्ष्मा शुभाननः।
सर्वात्मा सर्वदेवात्मा ब्रह्ममूर्धा ककुप्श्रुतिः॥ २०॥
ब्रह्माण्डकुम्भश्चिद्व्योमभालः सत्यशिरोरुहः।
जगज्जन्मलयोन्मेषनिमिषोऽग्न्यर्कसोमदृक् ॥ २१॥
गिरीन्द्रैकरदो धर्मो धर्मिष्ठः सामबृंहितः।
ग्रहर्क्षदशनो वाणीजिह्वो वासवनासिकः॥ २२॥
भ्रूमध्यसंस्थितकरो ब्रह्मविद्यामदोत्कटः।
कुलाचलांसः सोमार्कघण्टो रुद्रशिरोधरः॥ २३॥
नदीनदभुजः सर्पाङ्गुलीकस्तारकानखः।
व्योमनाभिः श्रीहृदयो मेरुपृष्ठोऽर्णवोदरः॥ २४॥
कुक्षिस्थयक्षगन्धर्वरक्षःकिन्नरमानुषः।
पृथ्वीकटिः सृष्टिलिङ्गः शैलोरुर्दस्त्रजानुकः॥ २५॥

पातालजङ्घो मुनिपात्कालाङ्गुष्ठस्त्रयीतनुः ।
ज्योतिर्मण्डललाङ्गूलो हृदयालातनिश्चलः ॥ २६ ॥
हृत्पद्मकर्णिकाशाली वियत्केलिसरोवरः ।
सद्भक्तध्याननिगडः पूजावारिनिवारितः ॥ २७ ॥
प्रतापी कश्यपसुतो गणपो विष्टपी बली ।
यशस्वी धार्मिकः स्वोजाः प्रथमः प्रमथेश्वरः ॥ २८ ॥
चिन्तामणिर्दीपपतिः कल्पद्रुमवनालयः ।
रत्नमण्डपमध्यस्थो रत्नसिंहासनाश्रयः ॥ २९ ॥
तीव्राशिरो धृतपदो ज्वालिनीमौलिलालितः ।
नन्दानन्दितपीठश्रीर्भोगदो भूषितासनः ॥ ३० ॥
सकामदायिनीपीठः स्फुरदुग्रासनाश्रयः ।
तेजोवतीशिरोरत्नं सत्यनित्यावतंसितः ॥ ३१ ॥
सविघ्ननाशिनीपीठः सर्वशक्त्यम्बुजाश्रयः ।
लिपिपद्मासनाधारो वह्निधाम त्रयाश्रयः ॥ ३२ ॥
उन्नतप्रपदागूढगुल्फसंवृतपार्ष्णिकः ।
पीनजङ्घः श्लिष्टजानुः स्थूलोरुः प्रोन्नमत्कटिः ॥ ३३ ॥
निम्ननाभिः स्थूलकुक्षिः पीनवक्षा बृहद्भुजः ।
पीनस्कन्धः कम्बुकण्ठो लम्बोष्ठो लम्बनासिकः ॥ ३४ ॥
भग्नवामरदस्तुङ्गसव्यदन्तो महाहनुः ।
ह्रस्वनेत्रत्रयः शूर्पकर्णो निविडमस्तकः ॥ ३५ ॥
स्तबकाकारकुम्भाग्रो रत्नमौलिर्निरंकुशः ।
सर्पहारकटीसूत्रः सर्पयज्ञोपवीतवान् ॥ ३६ ॥

सर्पकोटीरकटकः सर्पग्रैवेयकाङ्गदः ।
सर्पकक्ष्योदराबन्धः सर्पराजोत्तरीयकः ॥ ३७ ॥
रक्तो रक्ताम्बरधरो रक्तमाल्यविभूषणः ।
रक्तेक्षणो रक्तकरो रक्तताल्वोष्ठपल्लवः ॥ ३८ ॥
श्वेतः श्वेताम्बरधरः श्वेतमाल्यविभूषणः ।
श्वेतातपत्ररुचिरः श्वेतचामरवीजितः ॥ ३९ ॥
सर्वावयवसम्पूर्णः सर्वलक्षणलक्षितः ।
सर्वाभरणशोभाढ्यः सर्वशोभासमन्वितः ॥ ४० ॥
सर्वमङ्गलमाङ्गल्यः सर्वकारणकारणम् ।
सर्वदैककरः शार्ङ्गी बीजापूरी गदाधरः ॥ ४१ ॥
इक्षुचापधरः शूली चक्रपाणिः सरोजभृत् ।
पाशी धृतोत्पलः शालिमञ्जरीभृत्स्वदन्तभृत् ॥ ४२ ॥
कल्पवल्लीधरो विश्वाभयदैककरो वशी ।
अक्षमालाधरो ज्ञानमुद्रावान् मुद्गरायुधः ॥ ४३ ॥
पूर्णपात्री कम्बुधरो विधृतालिसमूहकः ।
मातुलुङ्गधरश्चूतकलिकाभृत्कुठारवान् ॥ ४४ ॥
पुष्करस्थः स्वर्णघटीपूर्णरत्नाभिवर्षकः ।
भारतीसुन्दरीनाथो विनायकरतिप्रियः ॥ ४५ ॥
महालक्ष्मीप्रियतमः सिद्धलक्ष्मीमनोरमः ।
रमारमेशपूर्वाङ्गो दक्षिणोमामहेश्वरः ॥ ४६ ॥
महीवराहवामाङ्गो रतिकन्दर्पपश्चिमः ।
आमोदमोदजननः सप्रमोदः प्रमोदनः ॥ ४७ ॥

सामैधिता समिद्धश्रीर्ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकः ।
दत्तसौमुख्यसुमुखः कान्तिकन्दलिताश्रयः ॥ ४८ ॥
मदनावत्याश्रिताङ्घ्रिः कृतदौर्मुख्यदुर्मुखः ।
विघ्नसम्पल्लवोपघ्नः सेवोन्निद्रमदद्रवः ॥ ४९ ॥
विघ्नकृन्निघ्नचरणो द्राविणीशक्तिसत्कृतः ।
तीव्राप्रसन्ननयनो ज्वालिनीपालितैकदृक् ॥ ५० ॥
मोहिनीमोहनो भोगदायिनीकान्तिमण्डितः ।
कामिनीकान्तवक्त्रश्रीरधिष्ठितवसुन्धरः ॥ ५१ ॥
वसुन्धरामदोन्नद्धो महाशङ्खनिधिः प्रभुः ।
नमद्वसुमतीमौलिर्महापद्मनिधिप्रभुः ॥ ५२ ॥
सर्वसद्गुणसंसेव्यः शोचिष्केशहृदाश्रयः ।
ईशानमूर्द्धा देवेन्द्रशिखः पवननन्दनः ॥ ५३ ॥
अग्रप्रत्यग्रनयनो दिव्यास्त्राणां प्रयोगवित् ।
ऐरावतादिसर्वाशावारणावरणप्रियः ॥ ५४ ॥
वज्राद्यस्त्रपरीवारो गणचण्डसमाश्रयः ।
जयाजयपरीवारो विजयाविजयावहः ॥ ५५ ॥
अजिताजितपादाब्जो नित्यानित्यावतंसितः ।
विलासिनीकृतोल्लासः शौण्डिसौन्दर्यमण्डितः ॥ ५६ ॥
अनन्तानन्तसुखदः सुमङ्गलसुमङ्गलः ।
इच्छाशक्तिज्ञानशक्तिक्रियाशक्तिनिषेवितः ॥ ५७ ॥
सुभगासंश्रितपदो ललिताललिताश्रयः ।
कामिनीकामनः काममालिनीकेलिलालितः ॥ ५८ ॥

सरस्वत्याश्रयो गौरीनन्दनः श्रीनिकेतनः।
गुरुगुप्तपदो वाचा सिद्धो वागीश्वरीपतिः॥ ५९॥
नलिनीकामुको वामारामो ज्येष्ठामनोरमः।
रौद्रीमुद्रितपादाब्जो हुंबीजस्तुङ्गशक्तिकः॥ ६०॥
विश्वादिजननत्राणः स्वाहाशक्तिः सकीलकः।
अमृताब्धिकृतावासो मदघूर्णितलोचनः॥ ६१॥
उच्छिष्टगण उच्छिष्टगणेशो गणनायकः।
सर्वकालिकसंसिद्धिर्नित्यशैवो दिगम्बरः॥ ६२॥
अनपायोऽनन्तदृष्टिरप्रमेयोऽजरामरः।
अनाविलोऽप्रतिरथो ह्यच्युतोऽमृतमक्षरम्॥ ६३॥
अप्रतर्क्योऽक्षयोऽजय्योऽनाधारोऽनामयोऽमलः।
अमोघसिद्धिरद्वैतमघोरोऽप्रमिताननः॥ ६४॥
अनाकारोऽधिभूम्यग्निबलघ्नोऽव्यक्तलक्षणः।
आधारपीठ आधार आधाराधेयवर्जितः॥ ६५॥
आखुकेतन आशापूरक आखुमहारथः।
इक्षुसागरमध्यस्थ इक्षुभक्षणलालसः॥ ६६॥
इक्षुचापातिरेकश्रीरिक्षुचापनिषेवितः।
इन्द्रगोपसमानश्रीरिन्द्रनीलसमद्युतिः॥ ६७॥
इन्दीवरदलश्याम इन्दुमण्डलनिर्मलः।
इध्मप्रिय इडाभाग इडाधामेन्दिराप्रियः॥ ६८॥
इक्ष्वाकुविघ्नविध्वंसी इतिकर्तव्यतेप्सितः।
ईशानमौलिरीशान ईशानसुत ईतिहा॥ ६९॥

ईषणात्रयकल्पान्त ईहामात्रविवर्जितः।
उपेन्द्र उडुभृन्मौलिरुण्डेरकबलिप्रियः॥ ७०॥
उन्नतानन उत्तुङ्ग उदारत्रिदशाग्रणीः।
ऊर्जस्वानूष्मलमद ऊहापोहदुरासदः॥ ७१॥
ऋग्यजुःसामसम्भूतिर्ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकः।
ऋजुचित्तैकसुलभ ऋणत्रयविमोचकः॥ ७२॥
लुप्तविघ्नः स्वभक्तानां लुप्तशक्तिः सुरद्विषाम्।
लुप्तश्रीर्विमुखार्चानां लूताविस्फोटनाशनः॥ ७३॥
एकारपीठमध्यस्थ एकपादकृतासनः।
एजिताखिलदैत्यश्रीरेजिताखिलसंश्रयः॥ ७४॥
ऐश्वर्यनिधिरैश्वर्यमैहिकामुष्मिकप्रदः।
ऐरम्मदसमोन्मेष ऐरावतनिभाननः॥ ७५॥
ओंकारवाच्य ओंकार ओजस्वानोषधिपतिः।
औदार्यनिधिरौद्धत्यधुर्य औन्नत्यनिःस्वनः॥ ७६॥
अङ्कुशः सुरनागानामङ्कुशः सुरविद्विषाम्।
असमस्तविसर्गाणां पदेषु परिकीर्तितः॥ ७७॥
कमण्डलुधरः कल्पः कपर्दी कलभाननः।
कर्मसाक्षी कर्मकर्ता कर्माकर्मफलप्रदः॥ ७८॥
कदम्बगोलकाकारः कूष्माण्डगणनायकः।
कारुण्यदेहः कपिलः कथकः कटिसूत्रभृत्॥ ७९॥
खर्वः खड्गप्रियः खड्गखातान्तःस्थः खनिर्मलः।
खल्वाटशृङ्गनिलयः खट्वाङ्गी खदुरासदः॥ ८०॥

गुणाढ्यो गहनो गस्थो गद्यपद्यसुधार्णवः।
गद्यगानप्रियो गर्जो गीतगीर्वाणपूर्वजः॥ ८१॥
गुह्याचाररतो गुह्यो गुह्यागमनिरूपितः।
गुहाशयो गुहाब्धिस्थो गुरुगम्यो गुरोर्गुरुः॥ ८२॥
घण्टाघर्घरिकामाली घटकुम्भो घटोदरः।
चण्डश्चण्डेश्वरसुहृच्चण्डेशश्चण्डविक्रमः॥ ८३॥
चराचरपतिश्चिन्तामणिश्चर्वणलालसः।
छन्दश्छन्दोवपुश्छन्दोदुर्लक्ष्यश्छन्दविग्रहः॥ ८४॥
जगद्योनिर्जगत्साक्षी जगदीशो जगन्मयः।
जपो जपपरो जप्यो जिह्वासिंहासनप्रभुः॥ ८५॥
झलज्झल्लोल्लसद्दानझङ्कारिभ्रमराकुलः।
टङ्कारस्फारसंरावष्टङ्कारिमणिनूपुरः॥ ८६॥
ठद्वयी पल्लवान्तःस्थः सर्वमन्त्रैकसिद्धिदः।
डिण्डिमुण्डो डाकिनीशो डामरो डिण्डिमप्रियः॥ ८७॥
ढक्कानिनादमुदितो ढौङ्को ढुण्ढिविनायकः।
तत्त्वानां परमं तत्त्वं तत्त्वम्पदनिरूपितः॥ ८८॥
तारकान्तरसंस्थानस्तारकस्तारकान्तकः।
स्थाणुः स्थाणुप्रियः स्थाता स्थावरञ्जङ्गमं जगत्॥ ८९॥
दक्षयज्ञप्रमथनो दाता दानवमोहनः।
दयावान् दिव्यविभवो दण्डभृद्दण्डनायकः॥ ९०॥
दन्तप्रभिन्नाभ्रमालो दैत्यवारणदारणः।
दंष्ट्रालग्नद्विपघटो देवार्थनृगजाकृतिः॥ ९१॥

धनधान्यपतिर्धन्यो धनदो धरणीधरः।
ध्यानैकप्रकटो ध्येयो ध्यानं ध्यानपरायणः॥ ९२ ॥
नन्द्यो नन्दिप्रियो नादो नादमध्यप्रतिष्ठितः।
निष्कलो निर्मलो नित्यो नित्यानित्यो निरामयः॥ ९३ ॥
परं व्योम परं धाम परमात्मा परं पदम्।
परात्परः पशुपतिः पशुपाशविमोचकः॥ ९४ ॥
पूर्णानन्दः परानन्दः पुराणपुरुषोत्तमः।
पद्मप्रसन्ननयनः प्रणताज्ञानमोचनः॥ ९५ ॥
प्रमाणप्रत्ययातीतः प्रणतार्तिनिवारणः।
फलहस्तः फणिपतिः फेत्कारः फाणितप्रियः॥ ९६ ॥
बाणार्चिताङ्घ्रियुगलो बालकेलिकुतूहली।
ब्रह्म ब्रह्मार्चितपदो ब्रह्मचारी बृहस्पतिः॥ ९७ ॥
बृहत्तमो ब्रह्मपरो ब्रह्मण्यो ब्रह्मवित्प्रियः।
बृहन्नादाग्र्यचीत्कारो ब्रह्माण्डावलिमेखलः॥ ९८ ॥
भ्रूक्षेपदत्तलक्ष्मीको भर्गो भद्रो भयापहः।
भगवान् भक्तिसुलभो भूतिदो भूतिभूषणः॥ ९९ ॥
भव्यो भूतालयो भोगदाता भ्रूमध्यगोचरः।
मन्त्रो मन्त्रपतिर्मन्त्री मदमत्तो मनोरमः॥ १०० ॥
मेखलावान् मन्दगतिर्मतिमान् कमलेक्षणः।
महाबलो महावीर्यो महाप्राणो महामनाः॥ १०१ ॥
यज्ञो यज्ञपतिर्यज्ञगोप्ता यज्ञफलप्रदः।
यशस्करो योगगम्यो याज्ञिको याजकप्रियः॥ १०२ ॥

रसो रसप्रियो रस्यो रञ्जको रावणार्चितः।
रक्षोरक्षाकरो रत्नगर्भो राज्यसुखप्रदः॥ १०३॥
लक्ष्यालक्षप्रदो लक्ष्यो लयस्थो लड्डुकप्रियः।
लानप्रियो लास्यपरो लाभकृल्लोकविश्रुतः॥ १०४॥
वरेण्यो वह्निवदनो वन्द्यो वेदान्तगोचरः।
विकर्ता विश्वतश्चक्षुर्विधाता विश्वतोमुखः॥ १०५॥
वामदेवो विश्वनेता वज्री वज्रनिवारणः।
विश्वबन्धनविष्कम्भाधारो विश्वेश्वरप्रभुः॥ १०६॥
शब्दब्रह्म शमप्राप्यः शम्भुशक्तिगणेश्वरः।
शास्ता शिखाग्रनिलयः शरण्यः शिखरीश्वरः॥ १०७॥
षड्ऋतुकुसुमस्रग्वी षडाधारः षडक्षरः।
संसारवैद्यः सर्वज्ञः सर्वभेषजभेषजम्॥ १०८॥
सृष्टिस्थितिलयक्रीडः सुरकुञ्जरभेदनः।
सिन्दूरितमहाकुम्भः सदसद्व्यक्तिदायकः॥ १०९॥
साक्षी समुद्रमथनः स्वसंवेद्यः स्वदक्षिणः।
स्वतन्त्रः सत्यसंकल्पः सामगानरतः सुखी॥ ११०॥
हंसो हस्तिपिशाचीशो हवनं हव्यकव्यभुक्।
हव्यं हुतप्रियो हर्षो हृल्लेखामन्त्रमध्यगः॥ १११॥
क्षेत्राधिपः क्षमाभर्ता क्षमापरपरायणः।
क्षिप्रक्षेमकरः क्षेमानन्दः क्षोणीसुरद्रुमः॥ ११२॥
धर्मप्रदोऽर्थदः कामदाता सौभाग्यवर्धनः।
विद्याप्रदो विभवदो भुक्तिमुक्तिप्रदायकः॥ ११३॥

आभिरूप्यकरो वीरः श्रीप्रदो विजयप्रदः।
सर्ववश्यकरो गर्भदोषहा पुत्रपौत्रदः॥ ११४॥
मेधादः कीर्तिदः शोकहारी दौर्भाग्यनाशनः।
श्रीशोकहारी दौर्भाग्यनाशनः सर्वशक्तिभृत्॥ ११५॥
प्रतिवादिमुखस्तम्भो हृष्टचित्तप्रसादनः।
पराभिचारशमनो दुःखभञ्जनकारकः॥ ११६॥
लवस्त्रुटिः कला काष्ठा निमेषस्तत्परः क्षणः।
घटी मुहूर्तः प्रहरो दिवानक्तमहर्निशम्॥ ११७॥
पक्षो मासोऽयनं वर्षं युगं कल्पो महालयः।
राशिस्तारा तिथिर्योगो वारः करणमंशकम्॥ ११८॥
लग्नं होरा कालचक्रं मेरुः सप्तर्षयो ध्रुवः।
राहुर्मन्दः कविर्जीवो बुधो भौमः शशी रविः॥ ११९॥
कालः सृष्टिः स्थितिर्विश्वं स्थावरं जङ्गमं च यत्।
भूरापोऽग्निर्मरुद् व्योमाहंकृतिः प्रकृतिः पुमान्॥ १२०॥
ब्रह्मा विष्णुः शिवो रुद्र ईशः शक्तिः सदाशिवः।
त्रिदशाः पितरः सिद्धा यक्षरक्षांसि किन्नराः॥ १२१॥
साध्या विद्याधरा भूता मनुष्याः पशवः खगाः।
समुद्राः सरितः शैला भूतभव्यभवोद्भवः॥ १२२॥
सांख्यं पातञ्जलं योगं पुराणानि श्रुतिः स्मृतिः।
वेदाङ्गानि सदाचारो मीमांसा न्यायविस्तरः॥ १२३॥
आयुर्वेदो धनुर्वेदो गान्धर्वं काव्यनाटकम्।
वैखानसं भागवतं सात्वतं पाञ्चरात्रकम्॥ १२४॥

शैवं पाशुपतं कालमुखं भैरवशासनम्।
शाक्तं वैनायकं सौरं जैनमार्हतसंहिता॥ १२५॥
सदसद् व्यक्तमव्यक्तं सचेतनमचेतनम्।
बन्धो मोक्षः सुखं भोगो योगः सत्यमणुर्महान्॥ १२६॥
स्वस्ति हुं फट् स्वधा स्वाहा श्रौषड् वौषड् वषणनमः।
ज्ञानविज्ञानमानन्दो बोधः संविच्छमो यमः॥ १२७॥
एक एकाक्षराधार एकाक्षरपरायणः।
एकाग्रधीरैकवीर एकानेकस्वरूपधृक्॥ १२८॥
द्विरूपो द्विभुजो द्व्यक्षो द्विरदो द्वीपरक्षकः।
द्वैमातुरो द्विवदनो द्वन्द्वातीतो द्वयातिगः॥ १२९॥
त्रिधामा त्रिकरस्त्रेता त्रिवर्गफलदायकः।
त्रिगुणात्मा त्रिलोकादिस्त्रिशक्तीशस्त्रिलोचनः॥ १३०॥
चतुर्बाहुश्चतुर्दन्तश्चतुरात्मा चतुर्मुखः।
चतुर्विधोपायमयश्चतुर्वर्णाश्रमाश्रयः॥ १३१॥
चतुर्विधवचो वृत्तिपरिवर्तप्रवर्तकः।
चतुर्थीपूजनप्रीतश्चतुर्थीतिथिसम्भवः॥ १३२॥
पञ्चाक्षरात्मा पञ्चात्मा पञ्चास्यः पञ्चकृत्यकृत्।
पञ्चाधारः पञ्चवर्णः पञ्चाक्षरपरायणः॥ १३३॥
पञ्चतालः पञ्चकरः पञ्चप्रणवभावितः।
पञ्चब्रह्ममयस्फूर्तिः पञ्चवारणवारितः॥ १३४॥
पञ्चभक्ष्यप्रियः पञ्चबाणः पञ्चशिवात्मकः।
षट्कोणपीठः षट्चक्रधामा षड्ग्रन्थिभेदकः॥ १३५॥
षडध्वध्वान्तविध्वंसी षडङ्गुलमहाह्रदः।
षण्मुखः षण्मुखभ्राता षट्शक्तिपरिवारितः॥ १३६॥

षड्वैरिवर्गविध्वंसी षडूर्मिभयभञ्जनः ।
षट्तर्कदूरः षट्कर्मनिरतः षड्रसाश्रयः ॥ १३७ ॥
सप्तपातालचरणः सप्तद्वीपोरुमण्डलः ।
सप्तस्वर्लोकमुकुटः सप्तसप्तिवरप्रदः ॥ १३८ ॥
सप्ताङ्गराज्यसुखदः सप्तर्षिगणमण्डितः ।
सप्तच्छन्दोनिधिः सप्तहोता सप्तस्वराश्रयः ॥ १३९ ॥
सप्ताब्धिकेलिकासारः सप्तमातृनिषेवितः ।
सप्तच्छन्दोमोदमदः सप्तच्छन्दो मखप्रभुः ॥ १४० ॥
अष्टमूर्तिर्ध्येयमूर्तिरष्टप्रकृतिकारणम् ।
अष्टाङ्गयोगफलभूरष्टपात्राम्बुजासनः ॥ १४१ ॥
अष्टशक्तिसमृद्धिश्रीरष्टैश्वर्यप्रदायकः ।
अष्टपीठोपपीठश्रीरष्टमातृसमावृतः ॥ १४२ ॥
अष्टभैरवसेव्योऽष्टवसुवन्द्योऽष्टमूर्तिभृत् ।
अष्टचक्रस्फुरन्मूर्तिरष्टद्रव्यहविःप्रियः ॥ १४३ ॥
नवनागासनाध्यासी नवविध्यनुशासिता ।
नवद्वारपुराधारो नवद्वारनिकेतनः ॥ १४४ ॥
नवनारायणस्तुत्यो नवदुर्गानिषेवितः ।
नवनाथमहानाथो नवनागविभूषणः ॥ १४५ ॥
नवरत्नविचित्राङ्गो नवशक्तिशिरोधृतः ।
दशात्मको दशभुजो दशदिक्पतिवन्दितः ॥ १४६ ॥
दशाध्यायो दशप्राणो दशेन्द्रियनियामकः ।
दशाक्षरमहामन्त्रो दशाशा व्याधिविग्रहः ॥ १४७ ॥
एकादशादिभिः रुद्रैः स्तुत एकादशाक्षरः ।
द्वादशोद्दण्डदोर्दण्डो द्वादशान्तनिकेतनः ॥ १४८ ॥

त्रयोदशभिदाभिन्नविश्वदेवाधिदैवतम् ।
चतुर्दशेन्द्रवरदश्चतुर्दशमनुप्रभुः ॥ १४९ ॥
चतुर्दशादिविद्याढ्यश्चतुर्दशजगत्प्रभुः ।
सामपञ्चदशः पञ्चदशीशीतांशुनिर्मलः ॥ १५० ॥
षोडशाधारनिलयः षोडशस्वरमातृकः ।
षोडशान्तपदावासः षोडशेन्दुकलात्मकः ॥ १५१ ॥
कलासप्तदशी सप्तदशः सप्तदशाक्षरः ।
अष्टादशद्वीपपतिरष्टादशपुराणकृत् ॥ १५२ ॥
अष्टादशौषधीसृष्टिरष्टादशविधिस्मृतः ।
अष्टादशलिपिव्यष्टिसमष्टिज्ञानकोविदः ॥ १५३ ॥
एकविंशः पुमानेकविंशत्यङ्गुलिपल्लवः ।
चतुर्विंशतितत्त्वात्मा पञ्चविंशाख्यपूरुषः ॥ १५४ ॥
सप्तविंशतितारेशः सप्तविंशतियोगकृत् ।
द्वात्रिंशद्भैरवाधीशश्चतुस्त्रिंशन्महाह्रदः ॥ १५५ ॥
षट्त्रिंशत्तत्त्वसम्भूतिरष्टत्रिंशत्कलातनुः ।
नमदेकोनपञ्चाशन्मरुद्वर्गनिरर्गलः ॥ १५६ ॥
पञ्चाशदक्षरश्रेणिः पञ्चाशद्रुद्रविग्रहः ।
पञ्चाशद्विष्णुशक्तीशः पञ्चाशन्मातृकालयः ॥ १५७ ॥
द्विपञ्चाशद्वपुःश्रेणिस्त्रिषष्ट्यक्षरसंश्रयः ।
चतुष्षष्ट्यर्णनिर्णेता चतुःषष्टिकलानिधिः ॥ १५८ ॥
चतुष्षष्टिमहासिद्धयोगिनीवृन्दवन्दितः ।
अष्टषष्टिमहातीर्थक्षेत्रभैरवभावनः ॥ १५९ ॥

चतुर्नवतिमन्त्रात्मा षण्णवत्यधिकप्रभुः ।
शतानन्दः शतधृतिः शतपत्रायतेक्षणः ॥ १६० ॥
शतानीकः शतमखः शतधारवरायुधः ।
सहस्त्रपत्रनिलयः सहस्त्रफणभूषणः ॥ १६१ ॥
सहस्त्रशीर्षा पुरुषः सहस्त्राक्षः सहस्त्रपात् ।
सहस्त्रनामसंस्तुत्यः सहस्त्राक्षबलापहः ॥ १६२ ॥
दशसाहस्त्रफणिभृत् फणिराजकृतासनः ।
अष्टाशीतिसहस्त्रौघमहर्षिस्तोत्रयन्त्रितः ॥ १६३ ॥
लक्षाधीशप्रियाधारो लक्षाधीशमनोमयः ।
चतुर्लक्षजपप्रीतश्चतुर्लक्षप्रकाशितः ॥ १६४ ॥
चतुरशीतिलक्षाणां जीवानां देहसंस्थितः ।
कोटिसूर्यप्रतीकाशः कोटिचन्द्रांशुनिर्मलः ॥ १६५ ॥
शिवाभवाध्युष्टकोटिविनायकधुरन्धरः ।
सप्तकोटिमहामन्त्रमन्त्रितावयवद्युतिः ॥ १६६ ॥
त्रयस्त्रिंशत्कोटिसुरश्रेणीप्रणतपादुकः ।
अनन्तदेवतासेव्यो ह्यनन्तमुनिसंस्तुतः ॥ १६७ ॥
अनन्तनामानन्तश्रीरनन्तानन्तसौख्यदः ।

फलश्रुतिः

इति वैनायकं नाम्नां सहस्त्रमिदमीरितम् ॥ १६८ ॥
इदं ब्राह्मे मुहूर्ते वै यः पठेत् प्रत्यहं नरः ।
करस्थं तस्य सकलमैहिकामुष्मिकं सुखम् ॥ १६९ ॥

आयुरारोग्यमैश्वर्यं धर्मः शौर्यं बलं यशः।
मेधा प्रज्ञा धृतिः कान्तिः सौभाग्यमतिरूपता॥ १७०॥
सत्यं दया क्षमा शान्तिर्दाक्षिण्यं धर्मशीलता।
जगत्संयमनं विश्वसंवादो वादपाटवम्॥ १७१॥
सभापाण्डित्यमौदार्यं गाम्भीर्यं ब्रह्मवर्चसम्।
औन्नत्यं च कुलं शीलं प्रतापो वीर्यमार्यता॥ १७२॥
ज्ञानं विज्ञानमास्तिक्यं धैर्यं विश्वातिशायिता।
धनधान्यादिवृद्धिश्च सकृदस्य जपाद्भवेत्॥ १७३॥
वश्यं चतुर्विधं नृणां जपादस्य प्रजायते।
राज्ञो राजकलत्रस्य राजपुत्रस्य मन्त्रिणः॥ १७४॥
जप्यते यस्य वश्यार्थे स दासस्तस्य जायते।
धर्मार्थकाममोक्षाणामनायासेन साधनम्॥ १७५॥
शाकिनीडाकिनीरक्षोयक्षोरगभयापहम्।
साम्राज्यसुखदं चैव समस्तरिपुमर्दनम्॥ १७६॥
समस्तकलहध्वंसि दग्धबीजप्ररोहणम्।
दुःस्वप्नशमनं क्रुद्धस्वामिचित्तप्रसादनम्॥ १७७॥
षट्कर्माष्टमहासिद्धित्रिकालज्ञानसाधनम्।
परकृत्योपशमनं परचक्रविमर्दनम्॥ १७८॥
संग्रामरङ्गे सर्वेषामिदमेकं जयावहम्।
एवं वन्ध्यात्वदोषघ्नं गर्भरक्षैककारणम्॥ १७९॥
पठ्यते प्रत्यहं यत्र स्तोत्रं गणपतेरिदम्।
देशे तत्र न दुर्भिक्षमीतयो दुरितानि च॥ १८०॥

न तद्देहं जहाति श्रीर्यत्रायं जप्यते स्तवः।
क्षयकुष्ठप्रमेहार्शो भगन्दरविषूचिकाः॥ १८१॥
गुल्मं प्लीहानमाध्मानमतिसारं महोदरम्।
कासं श्वासमुदावर्तं शूलं शोकारिसम्भवम्॥ १८२॥
शिरोरोगं वमिं हिक्कां गण्डमालामरोचकम्।
वातपित्तकफद्वन्द्वत्रिदोषजनितज्वरम् ॥ १८३॥
आगन्तुविषमं शीतमुष्णं चैकाहिकादिकम्।
इत्याद्युक्तमनुक्तं वा रोगं दोषादिसम्भवम्॥ १८४॥
सर्वं प्रशमयत्याशु स्तोत्रस्यास्य सकृज्जपात्।
सकृत् पाठेन संसिद्धिः स्त्रीशूद्रपतितैरपि॥ १८५॥
सहस्रनाममन्त्रोऽयं जप्तव्यस्तु शुभाप्तये।
महागणपतेः स्तोत्रं सकामः प्रजपन्निदम्॥ १८६॥
इच्छया सकलान् भोगानुपभुज्येह पार्थिवान्।
मनोरथफलैर्दिव्यैर्व्योमयानैर्मनोरमैः ॥ १८७॥
चन्द्रेन्द्रभास्करोपेन्द्रब्रह्मरुद्रादिसद्मसु ।
कामरूपः कामगतिः कामतो विचरन्निह॥ १८८॥
भुक्त्वा यथेप्सितान् भोगानभीष्टैः सह बन्धुभिः।
गणेशानुचरो भूत्वा महागणपतेः प्रियः॥ १८९॥
नन्दीश्वरादिसानन्दी नन्दितः सकलैर्गणैः।
शिवाभ्यां कृपया पुत्रनिर्विशेषं च लालितः॥ १९०॥
शिवभक्तः पूर्णकामो गणेश्वरवरात्पुनः।
जातिस्मरो धर्मपरः सार्वभौमोऽभिजायते॥ १९१॥

निष्कामस्तु जपन्नित्यं भक्त्या विघ्नेशतत्परः।
योगसिद्धिं परां प्राप्य ज्ञानवैराग्यसंस्थितः॥ १९२॥
निरन्तरोदितानन्दे वरमानन्दसंविदि।
विश्वोत्तीर्णे परे वारे पुनरावृत्तिवर्जिते॥ १९३॥
लीनो वैनायके धाम्नि रमते नित्यनिर्वृतः।
यो नामभिर्हुतेदेतैरर्चयेत्पूजयेन्नरः॥ १९४॥
राजानो वश्यतां यान्ति रिपवो यान्ति दासताम्।
मन्त्राः सिध्यन्ति सर्वेऽपि सुलभास्तस्य सिद्धयः॥ १९५॥
मूलमन्त्रादपि स्तोत्रमिदं प्रियतरं मम।
नभस्ये मासि शुक्लायां चतुर्थ्यां मम जन्मनि॥ १९६॥
दूर्वाभिर्नामभिः पूजां तर्पणं विधिवच्चरेत्।
अष्टद्रव्यैर्विशेषेण जुहुयाद्भक्तिसंयुतः॥ १९७॥
तस्येप्सितानि सर्वाणि सिध्यन्त्यत्र न संशयः।
इदं प्रजप्तं पठितं पाठितं श्रावितं श्रुतम्॥ १९८॥
व्याकृतं चर्चितं ध्यातं विमृष्टमभिनन्दितम्।
इहामुत्र च सर्वेषां विश्वैश्वर्यप्रदायकम्॥ १९९॥
स्वच्छन्दचारिणाप्येष येन संधार्यते स्तवः।
संरक्ष्यते शिवोद्भूतैर्गणैरध्युष्टकोटिभिः॥ २००॥
पुस्तके लिखितं स्तोत्रं मन्त्रभूतं प्रपूजयेत्।
तत्र सर्वोत्तमा लक्ष्मीः संनिधत्ते निरन्तरम्॥ २०१॥

दानैरशेषैरखिलैर्व्रतैश्च तीर्थैरशेषैः सकलैर्मखैश्च ।
न तत्फलं विन्दति यद्गणेशसहस्त्र नाम्नां स्मरणेन सद्यः ॥ २०२ ॥
एतन्नाम्नां सहस्त्रं पठति दिनमणौ प्रत्यहं प्रोज्जिहाने
सायं मध्यन्दिने वा त्रिषवणमथवा संततं वा जनो यः ।
स स्यादैश्वर्यधुर्यः प्रभवति वचसां कीर्तिमुच्चैस्तनोति
प्रत्यूहं हन्ति विश्वं वशयति सुचिरं वर्धते पुत्रपौत्रैः ॥ २०३ ॥
अकिञ्चनोऽप्येकचित्तो नियतो नियतासनः ।
जपेत्तु चतुरो मासान् गणेशार्चनतत्परः ॥ २०४ ॥
दरिद्रतां समुन्मूल्य सप्तजन्मानुगामपि ।
लभते महतीं लक्ष्मीमित्याज्ञा पारमेश्वरी ॥ २०५ ॥
आयुष्यं वीतरोगं कुलमतिविमलं सम्पदश्चार्तदानाः
कीर्तिर्नित्यावदाता भणितिरभिनवा कान्तिरव्याजभव्या ।
पुत्राः सन्तः कलत्रं गुणवदभिमतं यद्यदेतच्च सत्यं
नित्यं यः स्तोत्रमेतत् पठति गणपतेस्तस्य हस्ते समस्तम् ॥ २०६ ॥
ॐ गणंजयो गणपतिर्हेरम्बो धरणीधरः ।
महागणपतिर्लक्षप्रदः क्षिप्रप्रसादनः ॥ २०७ ॥
अमोघसिद्धिरमृतो मन्त्रश्चिन्तामणिर्निधिः ।
सुमङ्गलो बीजमाशापूरको वरदः शिवः ॥ २०८ ॥
काश्यपो नन्दनो वाचा सिद्धो ढुण्ढिविनायकः ।
मोदकैरेभिरत्रैकविंशत्या नामभिः पुमान् ॥ २०९ ॥

य: स्तौति मद्गतमना ममाराधनतत्परः।
स्तुतो नाम्नां सहस्रेण तेनाहं नात्र संशयः॥ २१०॥

नमो नमः सुरवरपूजिताङ्घ्रये
नमो नमो निरुपममङ्गलात्मने।
नमो नमो विपुलकरैकसिद्धये
नमो नमः करिकलभाननाय ते॥ २११॥

किङ्किणिगणरणितस्तव चरणः
प्रकटितगुरुमतिचरितविशेषः।
मदजललहरीकलितकपोलः
शमयतु दुरितं गणपतिदेवः॥ २१२॥

॥ इति शाक्तप्रमोदान्तर्गतगणेशतन्त्रात् उद्धृतं श्रीवक्रतुण्ड-महागणपतिसहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीवक्रतुण्डमहागणपतिसहस्रनामावलिः

१ ॐ गणेश्वराय नमः ।
२ ॐ गणक्रीडाय नमः ।
३ ॐ गणनाथाय नमः ।
४ ॐ गणाधिपाय नमः ।
५ ॐ एकदंष्ट्राय नमः ।
६ ॐ वक्रतुण्डाय नमः ।
७ ॐ गजवक्त्राय नमः ।
८ ॐ महोदराय नमः ।
९ ॐ लम्बोदराय नमः ।
१० ॐ धूम्रवर्णाय नमः ।
११ ॐ विकटाय नमः ।
१२ ॐ विघ्ननायकाय नमः ।
१३ ॐ सुमुखाय नमः ।
१४ ॐ दुर्मुखाय नमः ।
१५ ॐ बुद्धाय नमः ।
१६ ॐ विघ्नराजाय नमः ।
१७ ॐ गजाननाय नमः ।
१८ ॐ भीमाय नमः ।
१९ ॐ प्रमोदाय नमः ।
२० ॐ आमोदाय नमः ।
२१ ॐ सुरानन्दाय नमः ।
२२ ॐ मदोत्कटाय नमः ।
२३ ॐ हेरम्बाय नमः ।
२४ ॐ शम्बराय नमः ।
२५ ॐ शम्भवे नमः ।
२६ ॐ लम्बकर्णाय नमः ।
२७ ॐ महाबलाय नमः ।
२८ ॐ नन्दनाय नमः ।
२९ ॐ अलम्पटाय नमः ।
३० ॐ अभीरवे नमः ।
३१ ॐ मेघनादाय नमः ।
३२ ॐ गणञ्जयाय नमः ।
३३ ॐ विनायकाय नमः ।
३४ ॐ विरूपाक्षाय नमः ।
३५ ॐ धीरशूराय नमः ।
३६ ॐ वरप्रदाय नमः ।
३७ ॐ महागणपतये नमः ।
३८ ॐ बुद्धिप्रियाय नमः ।
३९ ॐ क्षिप्रप्रसादनाय नमः ।
४० ॐ रुद्रप्रियाय नमः ।
४१ ॐ गणाध्यक्षाय नमः ।
४२ ॐ उमापुत्राय नमः ।
४३ ॐ अघनाशनाय नमः ।
४४ ॐ कुमारगुरवे नमः ।
४५ ॐ ईशानपुत्राय नमः ।
४६ ॐ मूषकवाहनाय नमः ।

४७ ॐ सिद्धिप्रियाय नमः।
४८ ॐ सिद्धिपतये नमः।
४९ ॐ सिद्धाय नमः।
५० ॐ सिद्धिविनायकाय नमः।
५१ ॐ अविघ्नाय नमः।
५२ ॐ तुम्बुरवे नमः।
५३ ॐ सिंहवाहनाय नमः।
५४ ॐ मोहिनीप्रियाय नमः।
५५ ॐ कटङ्कटाय नमः।
५६ ॐ राजपुत्राय नमः।
५७ ॐ शालकाय नमः।
५८ ॐ सम्मिताय नमः।
५९ ॐ अमिताय नमः।
६० ॐ कूष्माण्डसामसम्भूतये नमः।
६१ ॐ दुर्जयाय नमः।
६२ ॐ धूर्जयाय नमः।
६३ ॐ जयाय नमः।
६४ ॐ भूपतये नमः।
६५ ॐ भुवनपतये नमः।
६६ ॐ भूतानां पतये नमः।
६७ ॐ अव्ययाय नमः।
६८ ॐ विश्वकर्त्रे नमः।
६९ ॐ विश्वमुखाय नमः।
७० ॐ विश्वरूपाय नमः।
७१ ॐ निधये नमः।
७२ ॐ घृणये नमः।
७३ ॐ कवये नमः।
७४ ॐ कवीनामृषभाय नमः।
७५ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
७६ ॐ ब्रह्मणस्पतये नमः।
७७ ॐ ज्येष्ठराजाय नमः।
७८ ॐ निधिपतये नमः।
७९ ॐ निधिप्रियपतिप्रियाय नमः।
८० ॐ हिरण्मयपुरान्तःस्थाय नमः।
८१ ॐ सूर्यमण्डलमध्यगाय नमः।
८२ ॐ कराहतिध्वस्तसिन्धुसलिलाय नमः।
८३ ॐ पूषदन्तहृते नमः।
८४ ॐ उमाङ्ककेलिकुतुकिने नमः।
८५ ॐ मुक्तिदाय नमः।
८६ ॐ कुलपालनाय नमः।
८७ ॐ किरीटिने नमः।
८८ ॐ कुण्डलिने नमः।
८९ ॐ हारिणे नमः।
९० ॐ वनमालिने नमः।
९१ ॐ मनोमयाय नमः।
९२ ॐ वैमुख्यहतदैत्यश्रिये नमः।
९३ ॐ पादाहतजितक्षितये नमः।
९४ ॐ सद्योजातस्वर्णमुञ्जमेखलिने नमः।
९५ ॐ दुर्निमित्तहृते नमः।
९६ ॐ दुःस्वप्नहृते नमः।
९७ ॐ प्रसहनाय नमः।
९८ ॐ गुणिने नमः।
९९ ॐ नादप्रतिष्ठिताय नमः।
१०० ॐ सुरूपाय नमः।
१०१ ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः।
१०२ ॐ वीरासनाश्रयाय नमः।

१०३ ॐ पीताम्बराय नमः।
१०४ ॐ खण्डरदाय नमः।
१०५ ॐ खण्डेन्दुकृतशेखराय नमः।
१०६ ॐ चित्राङ्कश्यामदशनाय नमः।
१०७ ॐ भालचन्द्राय नमः।
१०८ ॐ चतुर्भुजाय नमः।
१०९ ॐ योगाधिपाय नमः।
११० ॐ तारकस्थाय नमः।
१११ ॐ पुरुषाय नमः।
११२ ॐ गजकर्णकाय नमः।
११३ ॐ गणाधिराजाय नमः।
११४ ॐ विजयस्थिराय नमः।
११५ ॐ गजपतये नमः।
११६ ॐ ध्वजिने नमः।
११७ ॐ देवदेवाय नमः।
११८ ॐ स्मरप्राणदीपकाय नमः।
११९ ॐ वायुकीलकाय नमः।
१२० ॐ विपश्चिद्वरदाय नमः।
१२१ ॐ नादोनादभिन्नबलाहकाय नमः।
१२२ ॐ वाराहरदनाय नमः।
१२३ ॐ मृत्युञ्जयाय नमः।
१२४ ॐ व्याघ्राजिनाम्बराय नमः।
१२५ ॐ इच्छाशक्तिधराय नमः।
१२६ ॐ देवत्रात्रे नमः।
१२७ ॐ दैत्यविमर्दनाय नमः।
१२८ ॐ शम्भुवक्त्रोद्भवाय नमः।
१२९ ॐ शम्भुकोपघ्ने नमः।
१३० ॐ शम्भुहास्यभुवे नमः।
१३१ ॐ शम्भुतेजसे नमः।
१३२ ॐ शिवाशोकहारिणे नमः।
१३३ ॐ गौरीसुखावहाय नमः।
१३४ ॐ उमाङ्गमलजाय नमः।
१३५ ॐ गौरीतेजोभुवे नमः।
१३६ ॐ स्वर्धुनीभवाय नमः।
१३७ ॐ यज्ञकायाय नमः।
१३८ ॐ महानादाय नमः।
१३९ ॐ गिरिवर्ष्मणे नमः।
१४० ॐ शुभाननाय नमः।
१४१ ॐ सर्वात्मने नमः।
१४२ ॐ सर्वदेवात्मने नमः।
१४३ ॐ ब्रह्ममूर्ध्ने नमः।
१४४ ॐ ककुप्श्रुतये नमः।
१४५ ॐ ब्रह्माण्डकुम्भाय नमः।
१४६ ॐ चिद्व्योमभालाय नमः।
१४७ ॐ सत्यशिरोरुहाय नमः।
१४८ ॐ जगज्जन्मलयोन्मेनिमिषाय नमः।
१४९ ॐ अग्न्यर्कसोमदृशे नमः।
१५० ॐ गिरीन्द्रैकरदाय नमः।
१५१ ॐ धर्माय नमः।
१५२ ॐ धर्मिष्ठाय नमः।
१५३ ॐ सामबृंहिताय नमः।
१५४ ॐ ग्रहर्क्षदशनाय नमः।
१५५ ॐ वाणीजिह्वाय नमः।
१५६ ॐ वासवनासिकाय नमः।
१५७ ॐ भ्रूमध्यसंस्थितकराय नमः।
१५८ ॐ ब्रह्मविद्यामदोत्कटाय नमः।
१५९ ॐ कुलाचलांसाय नमः।

१६० ॐ सोमार्कघण्टाय नमः।
१६१ ॐ रुद्रशिरोधराय नमः।
१६२ ॐ नदीनदभुजाय नमः।
१६३ ॐ सर्पाङ्गुलीकाय नमः।
१६४ ॐ तारकानखाय नमः।
१६५ ॐ व्योमनाभये नमः।
१६६ ॐ श्रीहृदयाय नमः।
१६७ ॐ मेरुपृष्ठाय नमः।
१६८ ॐ अर्णवोदराय नमः।
१६९ ॐ कुक्षिस्थयक्षगन्धर्वरक्षः किन्नरमानुषाय नमः।
१७० ॐ पृथ्वीकटये नमः।
१७१ ॐ सृष्टिलिङ्गाय नमः।
१७२ ॐ शैलोरवे नमः।
१७३ ॐ दस्रजानुकाय नमः।
१७४ ॐ पातालजङ्घाय नमः।
१७५ ॐ मुनिपात्कालाङ्गुष्ठाय नमः।
१७६ ॐ त्रयीतनवे नमः।
१७७ ॐ ज्योतिषे नमः।
१७८ ॐ मण्डललाङ्गूलाय नमः।
१७९ ॐ हृदयालातनिश्चलाय नमः।
१८० ॐ हृत्पद्मकर्णिकाशालिने नमः।
१८१ ॐ वियत्केलिसरोवराय नमः।
१८२ ॐ सद्भक्तध्याननिगडाय नमः।
१८३ ॐ पूजावारिनिवारिताय नमः।
१८४ ॐ प्रतापिने नमः।
१८५ ॐ कश्यपसुताय नमः।
१८६ ॐ गणपाय नमः।
१८७ ॐ विष्टपिने नमः।
१८८ ॐ बलिने नमः।
१८९ ॐ यशस्विने नमः।
१९० ॐ धार्मिकाय नमः।
१९१ ॐ स्वोजसे नमः।
१९२ ॐ प्रथमाय नमः।
१९३ ॐ प्रमथेश्वराय नमः।
१९४ ॐ चिन्तामणये नमः।
१९५ ॐ दीपपतये नमः।
१९६ ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः।
१९७ ॐ रत्नमण्डपमध्यस्थाय नमः।
१९८ ॐ रत्नसिंहासनाश्रयाय नमः।
१९९ ॐ तीव्राशिरसे नमः।
२०० ॐ धृतपदाय नमः।
२०१ ॐ ज्वालिनीमौलिलालिताय नमः।
२०२ ॐ नन्दानन्दितपीठश्रिये नमः।
२०३ ॐ भोगदाय नमः।
२०४ ॐ भूषितासनाय नमः।
२०५ ॐ सकामदायिनीपीठाय नमः।
२०६ ॐ स्फुरदुग्रासनाश्रयाय नमः।
२०७ ॐ तेजोवतीशिरोरत्नाय नमः।
२०८ ॐ सत्यनित्यावतंसिताय नमः।
२०९ ॐ सविघ्ननाशिनीपीठाय नमः।
२१० ॐ सर्वशक्त्यम्बुजाश्रयाय नमः।
२११ ॐ लिपिपद्मासनाधाराय नमः।
२१२ ॐ वह्निधाम्ने नमः।
२१३ ॐ त्रयाश्रयाय नमः।
२१४ ॐ उन्नतप्रपदागूढगुल्फसंवृत-पार्ष्णिकाय नमः।
२१५ ॐ पीनजङ्घाय नमः।

२१६ ॐ श्लिष्टजानवे नमः।
२१७ ॐ स्थूलोरवे नमः।
२१८ ॐ प्रोन्नमत्कटये नमः।
२१९ ॐ निम्ननाभये नमः।
२२० ॐ स्थूलकुक्षये नमः।
२२१ ॐ पीनवक्षसे नमः।
२२२ ॐ बृहद्भुजाय नमः।
२२३ ॐ पीनस्कन्धाय नमः।
२२४ ॐ कम्बुकण्ठाय नमः।
२२५ ॐ लम्बोष्ठाय नमः।
२२६ ॐ लम्बनासिकाय नमः।
२२७ ॐ भग्नवामरदाय नमः।
२२८ ॐ तुङ्गसव्यदन्ताय नमः।
२२९ ॐ महाहनवे नमः।
२३० ॐ ह्रस्वनेत्रत्रयाय नमः।
२३१ ॐ शूर्पकर्णाय नमः।
२३२ ॐ निविडमस्तकाय नमः।
२३३ ॐ स्तबकाकारकुम्भाग्राय नमः।
२३४ ॐ रत्नमौलये नमः।
२३५ ॐ निरंकुशाय नमः।
२३६ ॐ सर्पहारकटीसूत्राय नमः।
२३७ ॐ सर्पयज्ञोपवीतवते नमः।
२३८ ॐ सर्पकोटीरकटकाय नमः।
२३९ ॐ सर्पग्रैवेयकाङ्गदाय नमः।
२४० ॐ सर्पकक्ष्योदराबन्धाय नमः।
२४१ ॐ सर्पराजोत्तरीयकाय नमः।
२४२ ॐ रक्ताय नमः।
२४३ ॐ रक्ताम्बरधराय नमः।
२४४ ॐ रक्तमाल्यविभूषणाय नमः।
२४५ ॐ रक्तेक्षणाय नमः।
२४६ ॐ रक्तकराय नमः।
२४७ ॐ रक्तताल्वोष्ठपल्लवाय नमः।
२४८ ॐ श्वेताय नमः।
२४९ ॐ श्वेताम्बरधराय नमः।
२५० ॐ श्वेतमाल्यविभूषणाय नमः।
२५१ ॐ श्वेतातपत्ररुचिराय नमः।
२५२ ॐ श्वेतचामरवीजिताय नमः।
२५३ ॐ सर्वावयवसम्पूर्णाय नमः।
२५४ ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः।
२५५ ॐ सर्वाभरणशोभाढ्याय नमः।
२५६ ॐ सर्वशोभासमन्विताय नमः।
२५७ ॐ सर्वमङ्गलमाङ्गल्याय नमः।
२५८ ॐ सर्वकारणकारणाय नमः।
२५९ ॐ सर्वदैककराय नमः।
२६० ॐ शार्ङ्गिणे नमः।
२६१ ॐ बीजापूरिणे नमः।
२६२ ॐ गदाधराय नमः।
२६३ ॐ इक्षुचापधराय नमः।
२६४ ॐ शूलिने नमः।
२६५ ॐ चक्रपाणये नमः।
२६६ ॐ सरोजभृते नमः।
२६७ ॐ पाशिने नमः।
२६८ ॐ धृतोत्पलाय नमः।
२६९ ॐ शालिमञ्जरीभृते नमः।
२७० ॐ स्वदन्तभृते नमः।
२७१ ॐ कल्पवल्लीधराय नमः।
२७२ ॐ विश्वाभयदैककराय नमः।
२७३ ॐ वशिने नमः।

२७४ ॐ अक्षमालाधराय नमः ।
२७५ ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः ।
२७६ ॐ मुद्गरायुधाय नमः ।
२७७ ॐ पूर्णपात्रिणे नमः ।
२७८ ॐ कम्बुधराय नमः ।
२७९ ॐ विधृतालिसमूहकाय नमः ।
२८० ॐ मातुलुङ्गधराय नमः ।
२८१ ॐ चूतकलिकाभृते नमः ।
२८२ ॐ कुठारवते नमः ।
२८३ ॐ पुष्करस्थाय नमः ।
२८४ ॐ स्वर्णघटी पूर्णरत्नाभिवर्षकाय नमः ।
२८५ ॐ भारतीसुन्दरीनाथाय नमः ।
२८६ ॐ विनायकरतिप्रियाय नमः ।
२८७ ॐ महालक्ष्मीप्रियतमाय नमः ।
२८८ ॐ सिद्धलक्ष्मीमनोरमाय नमः ।
२८९ ॐ रमारमेशपूर्वाङ्गाय नमः ।
२९० ॐ दक्षिणोमामहेश्वराय नमः ।
२९१ ॐ महीवराहवामाङ्गाय नमः ।
२९२ ॐ रतिकन्दर्पपश्चिमाय नमः ।
२९३ ॐ आमोदमोदजननाय नमः ।
२९४ ॐ सप्रमोदाय नमः ।
२९५ ॐ प्रमोदनाय नमः ।
२९६ ॐ सामैधित्रे नमः ।
२९७ ॐ समिद्धश्रिये नमः
२९८ ॐ ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकाय नमः ।
२९९ ॐ दत्तसौमुख्यसुमुखाय नमः ।
३०० ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः ।
३०१ ॐ मदनावत्याश्रिताङ्घ्रये नमः ।
३०२ ॐ कृत्तदौर्मुख्यदुर्मुखाय नमः ।
३०३ ॐ विघ्नसम्पल्लवोपघ्नाय नमः ।
३०४ ॐ सेवोन्निद्रमदद्रवाय नमः ।
३०५ ॐ विघ्नकृन्निघ्नचरणाय नमः ।
३०६ ॐ द्राविणीशक्तिसत्कृताय नमः ।
३०७ ॐ तीव्राप्रसन्ननयनाय नमः ।
३०८ ॐ ज्वालिनीपालितैकदृशे नमः ।
३०९ ॐ मोहिनीमोहनाय नमः ।
३१० ॐ भोगदायिनीकान्तिमण्डिताय नमः ।
३११ ॐ कामिनीकान्तवक्त्रश्रिये नमः ।
३१२ ॐ अधिष्ठितवसुन्धराय नमः ।
३१३ ॐ वसुन्धरामदोन्नद्धाय नमः ।
३१४ ॐ महाशङ्खनिधये नमः ।
३१५ ॐ प्रभवे नमः ।
३१६ ॐ नमद्वसुमतीमौलये नमः ।
३१७ ॐ महापद्मनिधिप्रभवे नमः ।
३१८ ॐ सर्वसद्गुणसंसेव्याय नमः ।
३१९ ॐ शोचिष्केशहृदाश्रयाय नमः ।
३२० ॐ ईशानमूर्ध्ने नमः ।
३२१ ॐ देवेन्द्रशिखाय नमः ।
३२२ ॐ पवननन्दनाय नमः ।
३२३ ॐ अग्रप्रत्यग्रनयनाय नमः ।
३२४ ॐ दिव्यास्त्राणां प्रयोगविदे नमः ।
३२५ ॐ ऐरावतादिसर्वाशावारणावरणप्रियाय नमः ।
३२६ ॐ वज्राद्यस्त्रपरीवाराय नमः ।
३२७ ॐ गणचण्डसमाश्रयाय नमः ।
३२८ ॐ जयाजयपरीवाराय नमः ।
३२९ ॐ विजयाविजयावहाय नमः ।

३३० ॐ अजिताजितपादाब्जाय नमः ।
३३१ ॐ नित्यानित्यावतंसिताय नमः ।
३३२ ॐ विलासिनीकृतोल्लासाय नमः ।
३३३ ॐ शौण्डिसौन्दर्यमण्डिताय नमः ।
३३४ ॐ अनन्तानन्तसुखदाय नमः ।
३३५ ॐ सुमङ्गलसुमङ्गलाय नमः ।
३३६ ॐ इच्छाशक्तिज्ञानशक्तिक्रिया-
शक्तिनिषेविताय नमः ।
३३७ ॐ सुभगासंश्रितपदाय नमः ।
३३८ ॐ ललिताललिताश्रयाय नमः ।
३३९ ॐ कामिनीकामनाय नमः ।
३४० ॐ काममालिनीकेलिलालिताय नमः ।
३४१ ॐ सरस्वत्याश्रयाय नमः ।
३४२ ॐ गौरीनन्दनाय नमः ।
३४३ ॐ श्रीनिकेतनाय नमः ।
३४४ ॐ गुरुगुप्तपदाय नमः ।
३४५ ॐ वाचा सिद्धाय नमः ।
३४६ ॐ वागीश्वरीपतये नमः ।
३४७ ॐ नलिनीकामुकाय नमः ।
३४८ ॐ वामारामाय नमः ।
३४९ ॐ ज्येष्ठामनोरमाय नमः ।
३५० ॐ रौद्रीमुद्रितपादाब्जाय नमः ।
३५१ ॐ हुंबीजाय नमः ।
३५२ ॐ तुङ्गशक्तिकाय नमः ।
३५३ ॐ विश्वादिजननत्राणाय नमः ।
३५४ ॐ स्वाहाशक्तये नमः ।
३५५ ॐ सकीलकाय नमः ।
३५६ ॐ अमृताब्धिकृतावासाय नमः ।
३५७ ॐ मदघूर्णितलोचनाय नमः ।
३५८ ॐ उच्छिष्टगणाय नमः ।
३५९ ॐ उच्छिष्टगणेशाय नमः ।
३६० ॐ गणनायकाय नमः ।
३६१ ॐ सर्वकालिकसंसिद्धये नमः ।
३६२ ॐ नित्यशैवाय नमः ।
३६३ ॐ दिगम्बराय नमः ।
३६४ ॐ अनपायाय नमः ।
३६५ ॐ अनन्तदृष्टये नमः ।
३६६ ॐ अप्रमेयाय नमः ।
३६७ ॐ अजरामराय नमः ।
३६८ ॐ अनाविलाय नमः ।
३६९ ॐ अप्रतिरथाय नमः ।
३७० ॐ अच्युताय नमः ।
३७१ ॐ अमृताय नमः ।
३७२ ॐ अक्षराय नमः ।
३७३ ॐ अप्रतर्क्याय नमः ।
३७४ ॐ अक्षयाय नमः ।
३७५ ॐ अजय्याय नमः ।
३७६ ॐ अनाधाराय नमः ।
३७७ ॐ अनामयाय नमः ।
३७८ ॐ अमलाय नमः ।
३७९ ॐ अमोघसिद्धये नमः ।
३८० ॐ अद्वैताय नमः ।
३८१ ॐ अघोराय नमः ।
३८२ ॐ अप्रमिताननाय नमः ।
३८३ ॐ अनाकाराय नमः ।
३८४ ॐ अधिभूम्यग्निबलघ्नाय नमः ।
३८५ ॐ अव्यक्तलक्षणाय नमः ।
३८६ ॐ आधारपीठाय नमः ।

३८७ ॐ आधाराय नमः।
३८८ ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः।
३८९ ॐ आखुकेतनाय नमः।
३९० ॐ आशापूरकाय नमः।
३९१ ॐ आखुमहारथाय नमः।
३९२ ॐ इक्षुसागरमध्यस्थाय नमः।
३९३ ॐ इक्षुभक्षणलालसाय नमः।
३९४ ॐ इक्षुचापातिरेकश्रिये नमः।
३९५ ॐ इक्षुचापनिषेविताय नमः।
३९६ ॐ इन्द्रगोपसमानश्रिये नमः।
३९७ ॐ इन्द्रनीलसमद्युतये नमः।
३९८ ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः।
३९९ ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः।
४०० ॐ इध्मप्रियाय नमः।
४०१ ॐ इडाभागाय नमः।
४०२ ॐ इडाधामेन्दिराप्रियाय नमः।
४०३ ॐ इक्ष्वाकुविघ्नविध्वंसिने नमः।
४०४ ॐ इतिकर्तव्यतेप्सिताय नमः।
४०५ ॐ ईशानमौलये नमः।
४०६ ॐ ईशानाय नमः।
४०७ ॐ ईशानसुताय नमः।
४०८ ॐ ईतिघ्ने नमः।
४०९ ॐ ईषणात्रयकल्पान्ताय नमः।
४१० ॐ ईहामात्रविवर्जिताय नमः।
४११ ॐ उपेन्द्राय नमः।
४१२ ॐ उडुभृन्मौलिरुण्डेरकबलि-प्रियाय नमः।
४१३ ॐ उन्नताननाय नमः।
४१४ ॐ उत्तुङ्गाय नमः।
४१५ ॐ उदारत्रिदशाग्रण्ये नमः।
४१६ ॐ ऊर्जस्वते नमः।
४१७ ॐ ऊष्मलमदाय नमः।
४१८ ॐ ऊहापोहदुरासदाय नमः।
४१९ ॐ ऋग्यजुःसामसम्भूतये नमः।
४२० ॐ ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकाय नमः।
४२१ ॐ ऋजुचित्तैकसुलभाय नमः।
४२२ ॐ ऋणत्रयविमोचकाय नमः।
४२३ ॐ स्वभक्तानां लुप्तविघ्नाय नमः।
४२४ ॐ सुरद्विषां लुप्तशक्तये नमः।
४२५ ॐ विमुखार्चानां लुप्तश्रिये नमः।
४२६ ॐ लूताविस्फोटनाशनाय नमः।
४२७ ॐ एकारपीठमध्यस्थाय नमः।
४२८ ॐ एकपादकृतासनाय नमः।
४२९ ॐ एजिताखिलदैत्यश्रिये नमः।
४३० ॐ एजिताखिलसंश्रयाय नमः।
४३१ ॐ ऐश्वर्यनिधये नमः।
४३२ ॐ ऐश्वर्याय नमः।
४३३ ॐ ऐहिकामुष्मिकप्रदाय नमः।
४३४ ॐ ऐरम्मदसमोन्मेषाय नमः।
४३५ ॐ ऐरावतनिभाननाय नमः।
४३६ ॐ ओङ्कारवाच्याय नमः।
४३७ ॐ ओङ्काराय नमः।
४३८ ॐ ओजस्वते नमः।
४३९ ॐ ओषधिपतये नमः।
४४० ॐ औदार्यनिधये नमः।
४४१ ॐ औद्धत्यधुर्याय नमः।
४४२ ॐ औन्नत्यनिःस्वनाय नमः।

४४३ ॐ सुरनागानाम् अङ्कुशाय नमः।
४४४ ॐ सुरविद्विषाम् अङ्कुशाय नमः।
४४५ ॐ असमस्तविसर्गाणां पदेषु परिकीर्तिताय नमः।
४४६ ॐ कमण्डलुधराय नमः।
४४७ ॐ कल्पाय नमः।
४४८ ॐ कपर्दिने नमः।
४४९ ॐ कलभाननाय नमः।
४५० ॐ कर्मसाक्षिणे नमः।
४५१ ॐ कर्मकर्त्रे नमः।
४५२ ॐ कर्माकर्मफलप्रदाय नमः।
४५३ ॐ कदम्बगोलकाकाराय नमः।
४५४ ॐ कूष्माण्डगणनायकाय नमः।
४५५ ॐ कारुण्यदेहाय नमः।
४५६ ॐ कपिलाय नमः।
४५७ ॐ कथकाय नमः।
४५८ ॐ कटिसूत्रभृते नमः।
४५९ ॐ खर्वाय नमः।
४६० ॐ खड्गप्रियाय नमः।
४६१ ॐ खड्गखातान्तःस्थाय नमः।
४६२ ॐ खनिर्मलाय नमः।
४६३ ॐ खल्वाटभृङ्गनिलयाय नमः।
४६४ ॐ खट्वाङ्गिने नमः।
४६५ ॐ खंदुरासदाय नमः।
४६६ ॐ गुणाढ्याय नमः।
४६७ ॐ गहनाय नमः।
४६८ ॐ गस्थाय नमः।
४६९ ॐ गद्यपद्यसुधार्णवाय नमः।
४७० ॐ गद्यगानप्रियाय नमः।
४७१ ॐ गर्जाय नमः।
४७२ ॐ गीतगीर्वाणपूर्वजाय नमः।
४७३ ॐ गुह्याचाररताय नमः।
४७४ ॐ गुह्याय नमः।
४७५ ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः।
४७६ ॐ गुहाशयाय नमः।
४७७ ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः।
४७८ ॐ गुरुगम्याय नमः।
४७९ ॐ गुरोर्गुरवे नमः।
४८० ॐ घण्टाघर्घरिकामालिने नमः।
४८१ ॐ घटकुम्भाय नमः।
४८२ ॐ घटोदराय नमः।
४८३ ॐ चण्डाय नमः।
४८४ ॐ चण्डेश्वरसुहृदे नमः।
४८५ ॐ चण्डेशाय नमः।
४८६ ॐ चण्डविक्रमाय नमः।
४८७ ॐ चराचरपतये नमः।
४८८ ॐ चिन्तामणये नमः।
४८९ ॐ चर्वणलालसाय नमः।
४९० ॐ छन्दसे नमः।
४९१ ॐ छन्दोवपुषे नमः।
४९२ ॐ छन्दोदुर्लक्ष्याय नमः।
४९३ ॐ छन्दविग्रहाय नमः।
४९४ ॐ जगद्योनये नमः।
४९५ ॐ जगत्साक्षिणे नमः।
४९६ ॐ जगदीशाय नमः।
४९७ ॐ जगन्मयाय नमः।
४९८ ॐ जपाय नमः।
४९९ ॐ जपपराय नमः।

५०० ॐ जप्याय नमः।
५०१ ॐ जिह्वासिंहासनप्रभवे नमः।
५०२ ॐ झलज्झल्लोल्लसद्दान-
झङ्कारिभ्रमराकुलाय नमः।
५०३ ॐ टङ्कारस्फारसंरावाय नमः।
५०४ ॐ टङ्कारिमणिनूपुराय नमः।
५०५ ॐ ठद्वयिने नमः।
५०६ ॐ पल्लवान्तःस्थाय नमः।
५०७ ॐ सर्वमन्त्रैकसिद्धिदाय नमः।
५०८ ॐ डिण्डिमुण्डाय नमः।
५०९ ॐ डाकिनीशाय नमः।
५१० ॐ डामराय नमः।
५११ ॐ डिण्डिमप्रियाय नमः।
५१२ ॐ ढक्कानिनादमुदिताय नमः।
५१३ ॐ ढौङ्काय नमः।
५१४ ॐ ढुण्ढिविनायकाय नमः।
५१५ ॐ तत्त्वानां परमतत्त्वाय नमः।
५१६ ॐ तत्त्वम्पदनिरूपिताय नमः।
५१७ ॐ तारकान्तरसंस्थानाय नमः।
५१८ ॐ तारकाय नमः।
५१९ ॐ तारकान्तकाय नमः।
५२० ॐ स्थाणवे नमः।
५२१ ॐ स्थाणुप्रियाय नमः।
५२२ ॐ स्थात्रे नमः।
५२३ ॐ स्थावराय जङ्गमाय जगते नमः।
५२४ ॐ दक्षयज्ञप्रमथनाय नमः।
५२५ ॐ दात्रे नमः।
५२६ ॐ दानवमोहनाय नमः।
५२७ ॐ दयावते नमः।
५२८ ॐ दिव्यविभवाय नमः।
५२९ ॐ दण्डभृते नमः।
५३० ॐ दण्डनायकाय नमः।
५३१ ॐ दन्तप्रभिन्नाभ्रमालाय नमः।
५३२ ॐ दैत्यवारणदारणाय नमः।
५३३ ॐ दंष्ट्रालग्नद्विपघटाय नमः।
५३४ ॐ देवार्थनृगजाकृतये नमः।
५३५ ॐ धनधान्यपतये नमः।
५३६ ॐ धन्याय नमः।
५३७ ॐ धनदाय नमः।
५३८ ॐ धरणीधराय नमः।
५३९ ॐ ध्यानैकप्रकटाय नमः।
५४० ॐ ध्येयाय नमः।
५४१ ॐ ध्यानाय नमः।
५४२ ॐ ध्यानपरायणाय नमः।
५४३ ॐ नन्द्याय नमः।
५४४ ॐ नन्दिप्रियाय नमः।
५४५ ॐ नादाय नमः।
५४६ ॐ नादमध्यप्रतिष्ठिताय नमः।
५४७ ॐ निष्कलाय नमः।
५४८ ॐ निर्ममाय नमः।
५४९ ॐ नित्याय नमः।
५५० ॐ नित्यानित्याय नमः।
५५१ ॐ निरामयाय नमः।
५५२ ॐ परस्मै व्योम्ने नमः।
५५३ ॐ परस्मै धाम्ने नमः।
५५४ ॐ परमात्मने नमः।
५५५ ॐ परस्मै पदाय नमः।
५५६ ॐ परात्परस्मै नमः।
५५७ ॐ पशुपतये नमः।
५५८ ॐ पशुपाशविमोचकाय नमः।

५५९ ॐ पूर्णानन्दाय नमः।
५६० ॐ परानन्दाय नमः।
५६१ ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः।
५६२ ॐ पद्मप्रसन्ननयनाय नमः।
५६३ ॐ प्रणताज्ञानमोचनाय नमः।
५६४ ॐ प्रमाणप्रत्ययातीताय नमः।
५६५ ॐ प्रणतार्तिनिवारणाय नमः।
५६६ ॐ फलहस्ताय नमः।
५६७ ॐ फणिपतये नमः।
५६८ ॐ फेत्काराय नमः।
५६९ ॐ फाणितप्रियाय नमः।
५७० ॐ बाणार्चिताङ्घ्रियुगलाय नमः।
५७१ ॐ बालकेलिकुतूहलिने नमः।
५७२ ॐ ब्रह्मणे नमः।
५७३ ॐ ब्रह्मार्चितपदाय नमः।
५७४ ॐ ब्रह्मचारिणे नमः।
५७५ ॐ बृहस्पतये नमः।
५७६ ॐ बृहत्तमाय नमः।
५७७ ॐ ब्रह्मपराय नमः।
५७८ ॐ ब्रह्मण्याय नमः।
५७९ ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः।
५८० ॐ बृहन्नादाग्र्यचीत्काराय नमः।
५८१ ॐ ब्रह्माण्डावलिमेखलाय नमः।
५८२ ॐ भ्रूक्षेपदत्तलक्ष्मीकाय नमः।
५८३ ॐ भर्गाय नमः।
५८४ ॐ भद्राय नमः।
५८५ ॐ भयापहाय नमः।
५८६ ॐ भगवते नमः।
५८७ ॐ भक्तिसुलभाय नमः।
५८८ ॐ भूतिदाय नमः।
५८९ ॐ भूतिभूषणाय नमः।
५९० ॐ भव्याय नमः।
५९१ ॐ भूतालयाय नमः।
५९२ ॐ भोगदात्रे नमः।
५९३ ॐ भ्रूमध्यगोचराय नमः।
५९४ ॐ मन्त्राय नमः।
५९५ ॐ मन्त्रपतये नमः।
५९६ ॐ मन्त्रिणे नमः।
५९७ ॐ मदमत्ताय नमः।
५९८ ॐ मनोरमाय नमः।
५९९ ॐ मेखलावते नमः।
६०० ॐ मन्दगतये नमः।
६०१ ॐ मतिमते नमः।
६०२ ॐ कमलेक्षणाय नमः।
६०३ ॐ महाबलाय नमः।
६०४ ॐ महावीर्याय नमः।
६०५ ॐ महाप्राणाय नमः।
६०६ ॐ महामनसे नमः।
६०७ ॐ यज्ञाय नमः।
६०८ ॐ यज्ञपतये नमः।
६०९ ॐ यज्ञगोप्त्रे नमः।
६१० ॐ यज्ञफलप्रदाय नमः।
६११ ॐ यशस्कराय नमः।
६१२ ॐ योगगम्याय नमः।
६१३ ॐ याज्ञिकाय नमः।
६१४ ॐ याजकप्रियाय नमः।
६१५ ॐ रसाय नमः।
६१६ ॐ रसप्रियाय नमः।
६१७ ॐ रस्याय नमः।
६१८ ॐ रञ्जकाय नमः।

६१९ ॐ रावणार्चिताय नमः।
६२० ॐ रक्षोरक्षाकराय नमः।
६२१ ॐ रत्नगर्भाय नमः।
६२२ ॐ राज्यसुखप्रदाय नमः।
६२३ ॐ लक्ष्यालक्षप्रदाय नमः।
६२४ ॐ लक्ष्याय नमः।
६२५ ॐ लयस्थाय नमः।
६२६ ॐ लड्डुकप्रियाय नमः।
६२७ ॐ लानप्रियाय नमः।
६२८ ॐ लास्यपराय नमः।
६२९ ॐ लाभकृते नमः।
६३० ॐ लोकविश्रुताय नमः।
६३१ ॐ वरेण्याय नमः।
६३२ ॐ वह्निवदनाय नमः।
६३३ ॐ वन्द्याय नमः।
६३४ ॐ वेदान्तगोचराय नमः।
६३५ ॐ विकर्त्रे नमः।
६३६ ॐ विश्वतश्चक्षुषे नमः।
६३७ ॐ विधात्रे नमः।
६३८ ॐ विश्वतोमुखाय नमः।
६३९ ॐ वामदेवाय नमः।
६४० ॐ विश्वनेत्रे नमः।
६४१ ॐ वज्रिणे नमः।
६४२ ॐ वज्रनिवारणाय नमः।
६४३ ॐ विश्वबन्धनविष्कम्भाधाराय नमः।
६४४ ॐ विश्वेश्वरप्रभवे नमः।
६४५ ॐ शब्दब्रह्मणे नमः।
६४६ ॐ शमप्राप्याय नमः।
६४७ ॐ शम्भुशक्तिगणेश्वराय नमः।
६४८ ॐ शास्त्रे नमः।
६४९ ॐ शिखाग्रनिलयाय नमः।
६५० ॐ शरण्याय नमः।
६५१ ॐ शिखरीश्वराय नमः।
६५२ ॐ षड्ऋतुकुसुमस्रग्विणे नमः।
६५३ ॐ षडाधाराय नमः।
६५४ ॐ षडक्षराय नमः।
६५५ ॐ संसारवैद्याय नमः।
६५६ ॐ सर्वज्ञाय नमः।
६५७ ॐ सर्वभेषजभेषजाय नमः।
६५८ ॐ सृष्टिस्थितिलयक्रीडाय नमः।
६५९ ॐ सुरकुञ्जरभेदनाय नमः।
६६० ॐ सिन्दूरितमहाकुम्भाय नमः।
६६१ ॐ सदसद्व्यक्तिदायकाय नमः।
६६२ ॐ साक्षिणे नमः।
६६३ ॐ समुद्रमथनाय नमः।
६६४ ॐ स्वसंवेद्याय नमः।
६६५ ॐ स्वदक्षिणाय नमः।
६६६ ॐ स्वतन्त्राय नमः।
६६७ ॐ सत्यसंकल्पाय नमः।
६६८ ॐ सामगानरताय नमः।
६६९ ॐ सुखिने नमः।
६७० ॐ हंसाय नमः।
६७१ ॐ हस्तिपिशाचीशाय नमः।
६७२ ॐ हवनाय नमः।
६७३ ॐ हव्यकव्यभुजे नमः।
६७४ ॐ हव्याय नमः।
६७५ ॐ हुतप्रियाय नमः।
६७६ ॐ हर्षाय नमः।
६७७ ॐ हृल्लेखामन्त्रमध्यगाय नमः।

६७८ ॐ क्षेत्राधिपाय नमः।
६७९ ॐ क्षमाभर्त्रे नमः।
६८० ॐ क्षमापरपरायणाय नमः।
६८१ ॐ क्षिप्रक्षेमकराय नमः।
६८२ ॐ क्षेमानन्दाय नमः।
६८३ ॐ क्षोणीसुरद्रुमाय नमः।
६८४ ॐ धर्मप्रदाय नमः।
६८५ ॐ अर्थदाय नमः।
६८६ ॐ कामदात्रे नमः।
६८७ ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः।
६८८ ॐ विद्याप्रदाय नमः।
६८९ ॐ विभवदाय नमः।
६९० ॐ भुक्तिमुक्तिप्रदायकाय नमः।
६९१ ॐ आभिरूप्यकराय नमः।
६९२ ॐ वीराय नमः।
६९३ ॐ श्रीप्रदाय नमः।
६९४ ॐ विजयप्रदाय नमः।
६९५ ॐ सर्ववश्यकराय नमः।
६९६ ॐ गर्भदोषघ्ने नमः।
६९७ ॐ पुत्रपौत्रदाय नमः।
६९८ ॐ मेधादाय नमः।
६९९ ॐ कीर्तिदाय नमः।
७०० ॐ शोकहारिणे नमः।
७०१ ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः।
७०२ ॐ श्रीशोकहारिणे नमः।
७०३ ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः।
७०४ ॐ सर्वशक्तिभृते नमः।
७०५ ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः।
७०६ ॐ हृष्टचित्तप्रसादनाय नमः।
७०७ ॐ पराभिचारशमनाय नमः।
७०८ ॐ दुःखभञ्जनकारकाय नमः।
७०९ ॐ लवाय नमः।
७१० ॐ त्रुटये नमः।
७११ ॐ कलायै नमः।
७१२ ॐ काष्ठायै नमः।
७१३ ॐ निमेषाय नमः।
७१४ ॐ तत्पराय नमः।
७१५ ॐ क्षणाय नमः।
७१६ ॐ घट्यै नमः।
७१७ ॐ मुहूर्ताय नमः।
७१८ ॐ प्रहराय नमः।
७१९ ॐ दिवानक्ताय नमः।
७२० ॐ अहर्निशाय नमः।
७२१ ॐ पक्षाय नमः।
७२२ ॐ मासाय नमः।
७२३ ॐ अयनाय नमः।
७२४ ॐ वर्षाय नमः।
७२५ ॐ युगाय नमः।
७२६ ॐ कल्पाय नमः।
७२७ ॐ महालयाय नमः।
७२८ ॐ राशये नमः।
७२९ ॐ तारायै नमः।
७३० ॐ तिथये नमः।
७३१ ॐ योगाय नमः।
७३२ ॐ वाराय नमः।
७३३ ॐ करणाय नमः।
७३४ ॐ अंशकाय नमः।
७३५ ॐ लग्नाय नमः।
७३६ ॐ होरायै नमः।
७३७ ॐ कालचक्राय नमः।

७३८ ॐ मेरवे नमः।
७३९ ॐ सप्तर्षिभ्यो नमः।
७४० ॐ ध्रुवाय नमः।
७४१ ॐ राहवे नमः।
७४२ ॐ मन्दाय नमः।
७४३ ॐ कवये नमः।
७४४ ॐ जीवाय नमः।
७४५ ॐ बुधाय नमः।
७४६ ॐ भौमाय नमः।
७४७ ॐ शशिने नमः।
७४८ ॐ रवये नमः।
७४९ ॐ कालाय नमः।
७५० ॐ सृष्ट्यै नमः।
७५१ ॐ स्थित्यै नमः।
७५२ ॐ विश्वस्मै नमः।
७५३ ॐ स्थावराय नमः।
७५४ ॐ जङ्गमाय नमः।
७५५ ॐ भुवे नमः।
७५६ ॐ अद्भ्यो नमः।
७५७ ॐ अग्नये नमः।
७५८ ॐ मरुद्भ्यो नमः।
७५९ ॐ व्योम्ने नमः।
७६० ॐ अहंकृतये नमः।
७६१ ॐ प्रकृतये नमः।
७६२ ॐ पुंसे नमः।
७६३ ॐ ब्रह्मणे नमः।
७६४ ॐ विष्णवे नमः।
७६५ ॐ शिवाय नमः।
७६६ ॐ रुद्राय नमः।
७६७ ॐ ईशाय नमः।
७६८ ॐ शक्तये नमः।
७६९ ॐ सदाशिवाय नमः।
७७० ॐ त्रिदशेभ्यो नमः।
७७१ ॐ पितृभ्यो नमः।
७७२ ॐ सिद्धेभ्यो नमः।
७७३ ॐ यक्षेभ्यो नमः।
७७४ ॐ रक्षोभ्यो नमः।
७७५ ॐ किन्नरेभ्यो नमः।
७७६ ॐ साध्येभ्यो नमः।
७७७ ॐ विद्याधरेभ्यो नमः।
७७८ ॐ भूतेभ्यो नमः।
७७९ ॐ मनुष्येभ्यो नमः।
७८० ॐ पशुभ्यो नमः।
७८१ ॐ खगेभ्यो नमः।
७८२ ॐ समुद्रेभ्यो नमः।
७८३ ॐ सरिद्भ्यो नमः।
७८४ ॐ शैलेभ्यो नमः।
७८५ ॐ भूतभव्यभवोद्भवाय नमः।
७८६ ॐ सांख्याय नमः।
७८७ ॐ पातञ्जलयोगाय नमः।
७८८ ॐ पुराणेभ्यः नमः।
७८९ ॐ श्रुतये नमः।
७९० ॐ स्मृतये नमः।
७९१ ॐ वेदाङ्गेभ्यो नमः।
७९२ ॐ सदाचाराय नमः।
७९३ ॐ मीमांसायै नमः।
७९४ ॐ न्यायविस्ताराय नमः।
७९५ ॐ आयुर्वेदाय नमः।
७९६ ॐ धनुर्वेदाय नमः।
७९७ ॐ गान्धर्वाय नमः।

७९८ ॐ काव्यनाटकाय नमः।
७९९ ॐ वैखानसाय नमः।
८०० ॐ भागवताय नमः।
८०१ ॐ सात्वताय नमः।
८०२ ॐ पाञ्चरात्रकाय नमः।
८०३ ॐ शैवाय नमः।
८०४ ॐ पाशुपताय नमः।
८०५ ॐ कालमुखाय नमः।
८०६ ॐ भैरवशासनाय नमः।
८०७ ॐ शाक्ताय नमः।
८०८ ॐ वैनायकाय नमः।
८०९ ॐ सौराय नमः।
८१० ॐ जैनाय नमः।
८११ ॐ आर्हतसंहिताय नमः।
८१२ ॐ सते नमः।
८१३ ॐ असते नमः।
८१४ ॐ व्यक्ताय नमः।
८१५ ॐ अव्यक्ताय नमः।
८१६ ॐ सचेतनाय नमः।
८१७ ॐ अचेतनाय नमः।
८१८ ॐ बन्धाय नमः।
८१९ ॐ मोक्षाय नमः।
८२० ॐ सुखाय नमः।
८२१ ॐ भोगाय नमः।
८२२ ॐ योगाय नमः।
८२३ ॐ सत्याय नमः।
८२४ ॐ अणवे नमः।
८२५ ॐ महते नमः।
८२६ ॐ स्वस्तिहुंफट्स्वधास्वाहा-श्रौषड्वौषड्वषण्नमःरूपाय नमः।
८२७ ॐ ज्ञानविज्ञानाय नमः।
८२८ ॐ आनन्दाय नमः।
८२९ ॐ बोधाय नमः।
८३० ॐ संविदे नमः।
८३१ ॐ शमाय नमः।
८३२ ॐ यमाय नमः।
८३३ ॐ एकस्मै नमः।
८३४ ॐ एकाक्षराधाराय नमः।
८३५ ॐ एकाक्षरपरायणाय नमः।
८३६ ॐ एकाग्रधिये नमः।
८३७ ॐ एकवीराय नमः।
८३८ ॐ एकानेकस्वरूपधृषे नमः।
८३९ ॐ द्विरूपाय नमः।
८४० ॐ द्विभुजाय नमः।
८४१ ॐ द्व्यक्षाय नमः।
८४२ ॐ द्विरदाय नमः।
८४३ ॐ द्वीपरक्षकाय नमः।
८४४ ॐ द्वैमातुराय नमः।
८४५ ॐ द्विवदनाय नमः।
८४६ ॐ द्वन्द्वातीताय नमः।
८४७ ॐ द्वयातिगाय नमः।
८४८ ॐ त्रिधाम्ने नमः।
८४९ ॐ त्रिकराय नमः।
८५० ॐ त्रेत्रे नमः।
८५१ ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः।
८५२ ॐ त्रिगुणात्मने नमः।
८५३ ॐ त्रिलोकादये नमः।
८५४ ॐ त्रिशक्तीशाय नमः।
८५५ ॐ त्रिलोचनाय नमः।
८५६ ॐ चतुर्बाहवे नमः।

८५७ ॐ चतुर्दन्ताय नमः।
८५८ ॐ चतुरात्मने नमः।
८५९ ॐ चतुर्मुखाय नमः।
८६० ॐ चतुर्विधोपायमयाय नमः।
८६१ ॐ चतुर्वर्णाश्रमाश्रयाय नमः।
८६२ ॐ चतुर्विधवचसे नमः।
८६३ ॐ वृत्तिपरिवर्तप्रवर्तकाय नमः।
८६४ ॐ चतुर्थीपूजनप्रीताय नमः।
८६५ ॐ चतुर्थीतिथिसम्भवाय नमः।
८६६ ॐ पञ्चाक्षरात्मने नमः।
८६७ ॐ पञ्चात्मने नमः।
८६८ ॐ पञ्चास्याय नमः।
८६९ ॐ पञ्चकृत्यकृते नमः।
८७० ॐ पञ्चाधाराय नमः।
८७१ ॐ पञ्चवर्णाय नमः।
८७२ ॐ पञ्चाक्षरपरायणाय नमः।
८७३ ॐ पञ्चतालाय नमः।
८७४ ॐ पञ्चकराय नमः।
८७५ ॐ पञ्चप्रणवभाविताय नमः।
८७६ ॐ पञ्चब्रह्ममयस्फूर्तये नमः।
८७७ ॐ पञ्चवारणवारिताय नमः।
८७८ ॐ पञ्चभक्ष्यप्रियाय नमः।
८७९ ॐ पञ्चबाणाय नमः।
८८० ॐ पञ्चशिवात्मकाय नमः।
८८१ ॐ षट्कोणपीठाय नमः।
८८२ ॐ षट्चक्रधाम्ने नमः।
८८३ ॐ षड्ग्रन्थिभेदकाय नमः।
८८४ ॐ षडध्वध्वान्तविध्वंसिने नमः।
८८५ ॐ षडङ्गुलमहाह्रदाय नमः।
८८६ ॐ षण्मुखाय नमः।
८८७ ॐ षण्मुखभ्रात्रे नमः।
८८८ ॐ षट्शक्तिपरिवारिताय नमः।
८८९ ॐ षड्वैरिवर्गविध्वंसिने नमः।
८९० ॐ षडूर्मिभयभञ्जनाय नमः।
८९१ ॐ षट्तर्कदूराय नमः।
८९२ ॐ षट्कर्मनिरताय नमः।
८९३ ॐ षड्रसाश्रयाय नमः।
८९४ ॐ सप्तपातालचरणाय नमः।
८९५ ॐ सप्तद्वीपोरुमण्डलाय नमः।
८९६ ॐ सप्तस्वर्लोकमुकुटाय नमः।
८९७ ॐ सप्तसप्तिवरप्रदाय नमः।
८९८ ॐ सप्ताङ्गराज्यसुखदाय नमः।
८९९ ॐ सप्तर्षिगणमण्डिताय नमः।
९०० ॐ सप्तच्छन्दोनिधये नमः।
९०१ ॐ सप्तहोत्रे नमः।
९०२ ॐ सप्तस्वराश्रयाय नमः।
९०३ ॐ सप्ताब्धिकेलिकासाराय नमः।
९०४ ॐ सप्तमातृनिषेविताय नमः।
९०५ ॐ सप्तच्छन्दोमोदमदाय नमः।
९०६ ॐ सप्तच्छन्दसे नमः।
९०७ ॐ मखप्रभवे नमः।
९०८ ॐ अष्टमूर्तये नमः।
९०९ ॐ ध्येयमूर्तये नमः।
९१० ॐ अष्टप्रकृतिकारणाय नमः।
९११ ॐ अष्टाङ्गयोगफलभुवे नमः।
९१२ ॐ अष्टपत्राम्बुजासनाय नमः।
९१३ ॐ अष्टशक्तिसमृद्धिश्रिये नमः।
९१४ ॐ अष्टैश्वर्यप्रदायकाय नमः।
९१५ ॐ अष्टपीठोपपीठश्रिये नमः।
९१६ ॐ अष्टमातृसमावृताय नमः।

११७ ॐ अष्टभैरवसेव्याय नमः।
११८ ॐ अष्टवसुवन्द्याय नमः।
११९ ॐ अष्टमूर्तिभृते नमः।
१२० ॐ अष्टचक्रस्फुरन्मूर्तये नमः।
१२१ ॐ अष्टद्रव्यहविःप्रियाय नमः।
१२२ ॐ नवनागासनाध्यासिने नमः।
१२३ ॐ नवविध्यनुशासित्रे नमः।
१२४ ॐ नवद्वारपुराधाराय नमः।
१२५ ॐ नवद्वारनिकेतनाय नमः।
१२६ ॐ नवनारायणस्तुत्याय नमः।
१२७ ॐ नवदुर्गानिषेविताय नमः।
१२८ ॐ नवनाथमहानाथाय नमः।
१२९ ॐ नवनागविभूषणाय नमः।
१३० ॐ नवरत्नविचित्राङ्गाय नमः।
१३१ ॐ नवशक्तिशिरोधृताय नमः।
१३२ ॐ दशात्मकाय नमः।
१३३ ॐ दशभुजाय नमः।
१३४ ॐ दशदिक्पतिवन्दिताय नमः।
१३५ ॐ दशाध्यायाय नमः।
१३६ ॐ दशप्राणाय नमः।
१३७ ॐ दशेन्द्रियनियामकाय नमः।
१३८ ॐ दशाक्षरमहामन्त्राय नमः।
१३९ ॐ दशाशाव्याधिविग्रहाय नमः।
१४० ॐ एकादशादिभिः रुद्रैः स्तुताय नमः।
१४१ ॐ एकादशाक्षराय नमः।
१४२ ॐ द्वादशोद्दण्डदोर्दण्डाय नमः।
१४३ ॐ द्वादशान्तनिकेतनाय नमः।
१४४ ॐ त्रयोदशभिदे नमः।
१४५ ॐ आभिन्नविश्वेदेवाधिदैवताय नमः।
१४६ ॐ चतुर्दशेन्द्रवरदाय नमः।
१४७ ॐ चतुर्दशमनुप्रभवे नमः।
१४८ ॐ चतुर्दशादिविद्याढ्याय नमः।
१४९ ॐ चतुर्दशजगत्प्रभवे नमः।
१५० ॐ सामपञ्चदशाय नमः।
१५१ ॐ पञ्चदशीशीतांशुनिर्मलाय नमः।
१५२ ॐ षोडशाधारनिलयाय नमः।
१५३ ॐ षोडशस्वरमातृकाय नमः।
१५४ ॐ षोडशान्तपदावासाय नमः।
१५५ ॐ षोडशेन्दुकलात्मकाय नमः।
१५६ ॐ कलासप्तदशिने नमः।
१५७ ॐ सप्तदशाय नमः।
१५८ ॐ सप्तदशाक्षराय नमः।
१५९ ॐ अष्टादशद्वीपपतये नमः।
१६० ॐ अष्टादशपुराणकृते नमः।
१६१ ॐ अष्टादशौषधीसृष्टये नमः।
१६२ ॐ अष्टादशविधिस्मृताय नमः।
१६३ ॐ अष्टादशलिपिव्यष्टिसमष्टि-ज्ञानकोविदाय नमः।
१६४ ॐ एकविंशाय नमः।
१६५ ॐ पुंसे नमः।
१६६ ॐ एकविंशत्यङ्गुलिपल्लवाय नमः।
१६७ ॐ चतुर्विंशतितत्त्वात्मने नमः।
१६८ ॐ पञ्चविंशाख्यपूरुषाय नमः।
१६९ ॐ सप्तविंशतितारेशाय नमः।
१७० ॐ सप्तविंशतियोगकृते नमः।
१७१ ॐ द्वात्रिंशद्भैरवाधीशाय नमः।
१७२ ॐ चतुस्त्रिंशन्महाह्रदाय नमः।
१७३ ॐ षट्त्रिंशत्तत्त्वसम्भूतये नमः।
१७४ ॐ अष्टत्रिंशत्कलातनवे नमः।

९७५ ॐ नमदेकोनपञ्चाशन्मरुद्वर्ग-निरर्गलाय नमः।
९७६ ॐ पञ्चाशदक्षरश्रेणये नमः।
९७७ ॐ पञ्चाशद्रुद्रविग्रहाय नमः।
९७८ ॐ पञ्चाशद्विष्णुशक्तीशाय नमः।
९७९ ॐ पञ्चाशन्मातृकालयाय नमः।
९८० ॐ द्विपञ्चाशद्वपुः श्रेणये नमः।
९८१ ॐ त्रिषष्ट्यक्षरसंश्रयाय नमः।
९८२ ॐ चतुष्षष्ट्यर्णनिर्णेत्रे नमः।
९८३ ॐ चतुष्षष्टिकलानिधये नमः।
९८४ ॐ चतुष्षष्टिमहासिद्धयोगिनी-वृन्दवन्दिताय नमः।
९८५ ॐ अष्टषष्टिमहातीर्थक्षेत्र-भैरवभावनाय नमः।
९८६ ॐ चतुर्नवतिमन्त्रात्मने नमः।
९८७ ॐ षण्णवत्यधिकप्रभवे नमः।
९८८ ॐ शतानन्दाय नमः।
९८९ ॐ शतधृतये नमः।
९९० ॐ शतपत्रायतेक्षणाय नमः।
९९१ ॐ शतानीकाय नमः।
९९२ ॐ शतमखाय नमः।
९९३ ॐ शतधारवरायुधाय नमः।
९९४ ॐ सहस्त्रपत्रनिलयाय नमः।
९९५ ॐ सहस्त्रफणभूषणाय नमः।
९९६ ॐ सहस्त्रशीर्ष्णे नमः।
९९७ ॐ पुरुषाय नमः।
९९८ ॐ सहस्त्राक्षाय नमः।
९९९ ॐ सहस्त्रपदे नमः।
१००० ॐ सहस्त्रनामसंस्तुत्याय नमः।
१००१ ॐ सहस्त्राक्षबलापहाय नमः।
१००२ ॐ दशसाहस्त्रफणिभृते नमः।
१००३ ॐ फणिराजकृतासनाय नमः।
१००४ ॐ अष्टाशीतिसहस्त्रौघमहर्षि-स्तोत्रयन्त्रिताय नमः।
१००५ ॐ लक्षाधीशप्रियाधाराय नमः।
१००६ ॐ लक्षाधीशमनोमयाय नमः।
१००७ ॐ चतुर्लक्षजपप्रीताय नमः।
१००८ ॐ चतुर्लक्षप्रकाशिताय नमः।
१००९ ॐ चतुरशीतिलक्षाणां जीवानां देहसंस्थिताय नमः।
१०१० ॐ कोटिसूर्यप्रतीकाशाय नमः।
१०११ ॐ कोटिचन्द्रांशुनिर्मलाय नमः।
१०१२ ॐ शिवाभवाध्युष्टकोटि-विनायकधुरन्धराय नमः।
१०१३ ॐ सप्तकोटिमहामन्त्रमन्त्रिता-वयवद्युतये नमः।
१०१४ ॐ त्रयस्त्रिंशत्कोटिसुरश्रेणी-प्रणतपादुकाय नमः।
१०१५ ॐ अनन्तदेवतासेव्याय नमः।
१०१६ ॐ अनन्तमुनिसंस्तुताय नमः।
१०१७ ॐ अनन्तनाम्ने नमः।
१०१८ ॐ अनन्तश्रिये नमः।
१०१९ ॐ अनन्तानन्तसौख्यदाय नमः।

॥ इति शाक्तप्रमोदान्तर्गतगणेशतन्त्रात् उद्धृता श्रीवक्रतुण्ड-महागणपतिसहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



श्रीगणपत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

ॐ गणेश्वरो गणक्रीडो महागणपतिस्तथा।
विश्वकर्ता विश्वमुखो दुर्जयो धूर्जयो जयः॥
सुरूपः सर्वनेत्राधिवासो वीरासनाश्रयः।
योगाधिपस्तारकस्थः पुरुषो गजकर्णकः॥
चित्राङ्गः श्यामदशनो भालचन्द्रश्चतुर्भुजः।
शम्भुतेजा यज्ञकायः सर्वात्मा सामबृंहितः॥
कुलाचलांसो व्योमनाभिः कल्पद्रुमवनालयः।
निम्ननाभिः स्थूलकुक्षिः पीनवक्षा बृहद्भुजः॥
पीनस्कन्धः कम्बुकण्ठो लम्बोष्ठो लम्बनासिकः।
सर्वावयवसम्पूर्णः सर्वलक्षणलक्षितः॥
इक्षुचापधरः शूली कान्तिकन्दलिताश्रयः।
अक्षमालाधरो ज्ञानमुद्रावान् विजयावहः॥
कामिनीकामनाकाममालिनीकेलिलालितः।
अमोघसिद्धिराधार आधाराधेयवर्जितः॥
इन्दीवरदलश्याम इन्दुमण्डलनिर्मलः।
कर्मसाक्षी कर्मकर्ता कर्माकर्मफलप्रदः॥
कमण्डलुधरः कल्पः कपर्दी कटिसूत्रभृत्।
कारुण्यदेहः कपिलो गुह्यागमनिरूपितः॥
गुहाशयो गुहाब्धिस्थो घटकुम्भो घटोदरः।
पूर्णानन्दः परानन्दो धनदो धरणीधरः॥

बृहत्तमो ब्रह्मपरो ब्रह्मण्यो ब्रह्मवित्प्रियः ।
भव्यो भूतालयो भोगदाता चैव महामनाः ॥
वरेण्यो वामदेवश्च वन्द्यो वज्रनिवारणः ।
विश्वकर्ता विश्वचक्षुर्हवनं हव्यकव्यभुक् ॥
स्वतन्त्रः सत्यसंकल्पस्तथा सौभाग्यवर्धनः ।
कीर्तिदः शोकहारी च त्रिवर्गफलदायकः ॥
चतुर्बाहुश्चतुर्दन्तश्चतुर्थीतिथिसम्भवः ।
सहस्त्रशीर्षा पुरुषः सहस्त्राक्षः सहस्त्रपात् ॥
कामरूपः कामगतिर्द्विरदो द्वीपरक्षकः ।
क्षेत्राधिपः क्षमाभर्ता लयस्थो लड्डुकप्रियः ॥
प्रतिवादिमुखस्तम्भो दुष्टचित्तप्रसादनः ।
भगवान् भक्तिसुलभो याज्ञिको याजकप्रियः ॥
इत्येवं देवदेवस्य गणराजस्य धीमतः ।
शतमष्टोत्तरं नाम्नां सारभूतं प्रकीर्तितम् ॥
सहस्त्रनाम्नामाकृष्य मया प्रोक्तं मनोहरम् ।
ब्राह्मे मुहूर्ते चोत्थाय स्मृत्वा देवं गणेश्वरम् ।
पठेत्स्तोत्रमिदं भक्त्या गणराजः प्रसीदति ॥

॥ इति श्रीगणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्रीगणपत्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥



श्रीसूर्याष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

धौम्य उवाच

सूर्योऽर्यमा भगस्त्वष्टा पूषार्कः सविता रविः।
गभस्तिमानजः कालो मृत्युर्धाता प्रभाकरः॥
पृथिव्यापश्च तेजश्च खं वायुश्च परायणम्।
सोमो बृहस्पतिः शुक्रो बुधोऽङ्गारक एव च॥
इन्द्रो विवस्वान् दीप्तांशुः शुचिः शौरिः शनैश्चरः।
ब्रह्मा विष्णुश्च रुद्रश्च स्कन्दो वैश्रवणो यमः॥
वैद्युतो जाठरश्चाग्निरैन्धनस्तेजसां पतिः।
धर्मध्वजो वेदकर्ता वेदाङ्गो वेदवाहनः॥
कृतं त्रेता द्वापरश्च कलिः सर्वामराश्रयः।
कला काष्ठा मुहूर्त्तश्च क्षपा यामस्तथा क्षणः॥
संवत्सरकरोऽश्वत्थः कालचक्रो विभावसुः।
पुरुषः शाश्वतो योगी व्यक्ताव्यक्तः सनातनः॥
कालाध्यक्षः प्रजाध्यक्षो विश्वकर्मा तमोनुदः।
वरुणः सागरोंऽशश्च जीमूतो जीवनोऽरिहा॥
भूताश्रयो भूतपतिः सर्वलोकनमस्कृतः।
स्त्रष्टा संवर्तको वह्निः सर्वस्यादिरलोलुपः॥
अनन्तः कपिलो भानुः कामदः सर्वतोमुखः।
जयो विशालो वरदः सर्वभूतनिषेवितः॥
मनः सुपर्णो भूतादिः शीघ्रगः प्राणधारणः।
धन्वन्तरिर्धूम्रकेतुरादिदेवोऽदितेः सुतः॥

द्वादशात्मारविन्दाक्षः पिता माता पितामहः।
प्रजाद्वारं स्वर्गद्वारं मोक्षद्वारं त्रिविष्टपम्॥
दाहकर्ता प्रशान्तात्मा विश्वात्मा विश्वतोमुखः।
चराचरात्मा सूक्ष्मात्मा मैत्रेयः करुणान्वितः॥
एतद् वै कीर्तनीयस्य सूर्यस्यामिततेजसः।
नामाष्टशतकं चेदं प्रोक्तमेतत् स्वयम्भुवा॥
सुरगणपितृयक्षसेवितं ह्यसुरनिशाचरसिद्धवन्दितम्।
वरकनकहुताशनप्रभं प्रणिपतितोऽस्मि हिताय भास्करम्॥
सूर्योदये यः सुसमाहितः पठेत् स पुत्रदारान् धनरत्नसंचयान्।
लभेत जातिस्मरतान्तरः सदा धृतिं च मेधां च स विन्दते पुमान्॥
इमं स्तवं देववरस्य यो नरः प्रकीर्तयेच्छुद्धमनाः समाहितः।
विमुच्यते शोकदवाग्निसागराल्लभेत कामान् मनसा यथेप्सितान्॥

॥ इति श्रीमहाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे श्रीसूर्याष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीविष्णोरष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

अष्टोत्तरशतं नाम्नां विष्णोरतुलतेजसः।
यस्य श्रवणमात्रेण नरो नारायणो भवेत्॥
विष्णुर्जिष्णुर्वषट्कारो देवदेवो वृषाकपिः।
दामोदरो दीनबन्धुरादिदेवोऽदितेः सुतः॥
पुण्डरीकः परानन्दः परमात्मा परात्परः।
परशुधारी विश्वात्मा कृष्णः काली मलापहः॥
कौस्तुभोद्भासितोरस्को नरो नारायणो हरिः।
हरो हरप्रियः स्वामी वैकुण्ठो विश्वतोमुखः॥
हृषीकेशोऽप्रमेयात्मा वराहो धरणीधरः।
वामनो वेदवक्ता च वासुदेवः सनातनः॥
रामो विरामो विरजो रावणारी रमापतिः।
वैकुण्ठवासी वसुमान् धनदो धरणीधरः॥
धर्मेशो धरणीनाथो ध्येयो धर्मभृतां वरः।
सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्॥
सर्वगः सर्ववित् सर्वः शरण्यः साधुवल्लभः।
कौसल्यानन्दनः श्रीमान् रक्षःकुलविनाशकः॥
जगत्कर्ता जगद्धर्ता जगज्जेता जनार्तिहा।
जानकीवल्लभो देवो जयरूपो जलेश्वरः॥
क्षीराब्धिवासी क्षीराब्धितनयावल्लभस्तथा।
शेषशायी पन्नगारिवाहनोविष्टरश्रवाः॥

माधवो मधुरानाथो मोहदो मोहनाशनः।
दैत्यारिः पुण्डरीकाक्षो ह्यच्युतो मधुसूदनः॥
सोमसूर्याग्निनयनो नृसिंहो भक्तवत्सलः।
नित्यो निरामयः शुद्धो नरदेवो जगत्प्रभुः॥
हयग्रीवो जितरिपुरुपेन्द्रो रुक्मिणीपतिः।
सर्वदेवमयः श्रीशः सर्वाधारः सनातनः॥
सौम्यः सौम्यप्रदः स्त्रष्टा विष्वक्सेनो जनार्दनः।
यशोदातनयो योगी योगशास्त्रपरायणः॥
रुद्रात्मको रुद्रमूर्ती राघवो मधुसूदनः।
इति ते कथितं दिव्यं नाम्नामष्टोत्तरं शतम्॥
सर्वपापहरं पुण्यं विष्णोरमिततेजसः।
दुःखदारिद्र्यदौर्भाग्यनाशनं सुखवर्धनम्॥
सर्वसम्पत्करं सौम्यं महापातकनाशनम्।
प्रातरुथाय विप्रेन्द्र पठेदेकाग्रमानसः।
तस्य नश्यन्ति विपदां राशयः सिद्धिमाप्नुयात्॥

॥ इति श्रीपद्मपुराणे उत्तरखण्डे श्रीविष्णोरष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥

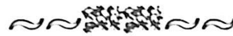


श्रीशिवाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

शिवो महेश्वरः शम्भुः पिनाकी शशिशेखरः।
वामदेवो विरूपाक्षः कपर्दी नीललोहितः॥
शंकरः शूलपाणिश्च खट्वाङ्गी विष्णुवल्लभः।
शिपिविष्टोऽम्बिकानाथः श्रीकण्ठो भक्तवत्सलः॥
भवः शर्वस्त्रिलोकेशः शितिकण्ठः शिवाप्रियः।
उग्रः कपालिः कामारिरन्धकासुरसूदनः॥
गङ्गाधरो ललाटाक्षः कालकालः कृपानिधिः।
भीमः परशुहस्तश्च मृगपाणिर्जटाधरः॥
कैलासवासी कवची कठोरस्त्रिपुरान्तकः।
वृषाङ्को वृषभारूढो भस्मोद्धूलितविग्रहः॥
सामप्रियः स्वरमयस्त्रयीमूर्तिरनीश्वरः।
सर्वज्ञः परमात्मा च सोमसूर्याग्निलोचनः॥
हविर्यज्ञमयः सोमः पञ्चवक्त्रः सदाशिवः।
विश्वेश्वरो वीरभद्रो गणनाथः प्रजापतिः॥
हिरण्यरेता दुर्धर्षो गिरीशो गिरिशोऽनघः।
भुजङ्गभूषणो भर्गो गिरिधन्वा गिरिप्रियः॥
कृत्तिवासा पुरारातिर्भगवान् प्रमथाधिपः।
मृत्युञ्जयः सूक्ष्मतनुर्जगद्व्यापी जगद्गुरुः॥
व्योमकेशो महासेनजनकश्चारुविक्रमः।
रुद्रो भूतपतिः स्थाणुरहिर्बुध्न्यो दिगम्बरः॥

अष्टमूर्तिरनेकात्मा सात्त्विकः शुद्धविग्रहः।
शाश्वतः खण्डपरशुरजपाशविमोचकः॥
मृडः पशुपतिर्देवो महादेवोऽव्ययः प्रभुः।
पूषदन्तभिदव्यग्रो दक्षाध्वरहरो हरः॥
भगनेत्रभिदव्यक्तः सहस्राक्षः सहस्रपात्।
अपवर्गप्रदोऽनन्तस्तारकः परमेश्वरः॥
इमानि दिव्यनामानि जप्यन्ते सर्वदा मया।
नामकल्पलतेयं मे सर्वाभीष्टप्रदायिनी॥
नामान्येतानि सुभगे शिवदानि न संशयः।
वेदसर्वस्वभूतानि नामान्येतानि वस्तुतः॥
एतानि यानि नामानि तानि सर्वार्थदान्यतः।
जप्यन्ते सादरं नित्यं मया नियमपूर्वकम्॥
वेदेषु शिवनामानि श्रेष्ठान्यघहराणि च।
सन्त्यनन्तानि सुभगे वेदेषु विविधेष्वपि॥
तेभ्यो नामानि संगृह्य कुमाराय महेश्वरः।
अष्टोत्तरसहस्रं तु नाम्नामुपदिशत् पुरा॥

॥ इति श्रीशिवाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीदुर्गाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

ईश्वर उवाच

शतनाम प्रवक्ष्यामि शृणुष्व कमलानने।
यस्य प्रसादमात्रेण दुर्गा प्रीता भवेत् सती॥
ॐ सती साध्वी भवप्रीता भवानी भवमोचनी।
आर्या दुर्गा जया चाद्या त्रिनेत्रा शूलधारिणी॥
पिनाकधारिणी चित्रा चण्डघण्टा महातपाः।
मनो बुद्धिरहंकारा चित्तरूपा चिता चितिः॥
सर्वमन्त्रमयी सत्ता सत्यानन्दस्वरूपिणी।
अनन्ता भाविनी भाव्या भव्याभव्या सदागतिः॥
शाम्भवी देवमाता च चिन्ता रत्नप्रिया सदा।
सर्वविद्या दक्षकन्या दक्षयज्ञविनाशिनी॥
अपर्णानेकवर्णा च पाटला पाटलावती।
पट्टाम्बरपरीधाना कलमञ्जीररञ्जिनी॥
अमेयविक्रमा क्रूरा सुन्दरी सुरसुन्दरी।
वनदुर्गा च मातङ्गी मतङ्गमुनिपूजिता॥
ब्राह्मी माहेश्वरी चैन्द्री कौमारी वैष्णवी तथा।
चामुण्डा चैव वाराही लक्ष्मीश्च पुरुषाकृतिः॥
विमलोत्कर्षिणी ज्ञाना क्रिया नित्या च बुद्धिदा।
बहुला बहुलप्रेमा सर्ववाहनवाहना॥
निशुम्भशुम्भहननी महिषासुरमर्दिनी।
मधुकैटभहन्त्री च चण्डमुण्डविनाशिनी॥
सर्वासुरविनाशा च सर्वदानवघातिनी।

सर्वशास्त्रमयी सत्या सर्वास्त्रधारिणी तथा॥
अनेकशस्त्रहस्ता च अनेकास्त्रस्य धारिणी।
कुमारी चैककन्या च कैशोरी युवती यतिः॥
अप्रौढा चैव प्रौढा च वृद्धमाता बलप्रदा।
महोदरी मुक्तकेशी घोररूपा महाबला॥
अग्निज्वाला रौद्रमुखी कालरात्रिस्तपस्विनी।
नारायणी भद्रकाली विष्णुमाया जलोदरी॥
शिवदूती कराली च अनन्ता परमेश्वरी।
कात्यायनी च सावित्री प्रत्यक्षा ब्रह्मवादिनी॥
य इदं प्रपठेन्नित्यं दुर्गानामशताष्टकम्।
नासाध्यं विद्यते देवि त्रिषु लोकेषु पार्वति॥
धनं धान्यं सुतं जायां हयं हस्तिनमेव च।
चतुर्वर्गं तथा चान्ते लभेन्मुक्तिं च शाश्वतीम्॥
कुमारीं पूजयित्वा तु ध्यात्वा देवीं सुरेश्वरीम्।
पूजयेत् परया भक्त्या पठेन्नामशताष्टकम्॥
तस्य सिद्धिर्भवेद् देवि सर्वैः सुरवरैरपि।
राजानो दासतां यान्ति राज्यश्रियमवाप्नुयात्॥
गोरोचनालक्तककुङ्कुमेन सिन्दूरकर्पूरमधुत्रयेण।
विलिख्य यन्त्रं विधिना विधिज्ञो भवेत् सदा धारयते पुरारिः॥
भौमावास्यानिशामग्रे चन्द्रे शतभिषां गते।
विलिख्य प्रपठेत् स्तोत्रं स भवेत् सम्पदां पदम्॥

॥ इति श्रीविश्वसारतन्त्रे श्रीदुर्गाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

श्रीकृष्णः कमलानाथो वासुदेवः सनातनः।
वसुदेवात्मजः पुण्यो लीलामानुषविग्रहः॥
श्रीवत्सकौस्तुभधरो यशोदावत्सलो हरिः।
चतुर्भुजात्तचक्रासिगदाशङ्खाद्युदायुधः॥
देवकीनन्दनः श्रीशो नन्दगोपप्रियात्मजः।
यमुनावेगसंहारी बलभद्रप्रियानुजः॥
पूतनाजीवितहरः शकटासुरभञ्जनः।
नन्दव्रजजनानन्दी सच्चिदानन्दविग्रहः॥
नवनीतविलिप्ताङ्गो नवनीतनटोऽनघः।
नवनीतनवाहारो मुचुकुन्दप्रसादकः॥
षोडशस्त्रीसहस्रेशस्त्रिभङ्गी मधुराकृतिः।
शुकवागमृताब्धीन्दुर्गोविन्दो योगिनां पतिः॥
वत्सवाटचरोऽनन्तो धेनुकासुरभञ्जनः।
तृणीकृततृणावर्तो यमलार्जुनभञ्जनः॥
उत्तालतालभेत्ता च तमालश्यामलाकृतिः।
गोपगोपीश्वरो योगी कोटिसूर्यसमप्रभः॥
इलापतिः परं ज्योतिर्यादवेन्द्रो यदूद्वहः।
वनमाली पीतवासाः पारिजातापहारकः॥

गोवर्धनाचलोद्धर्ता गोपालः सर्वपालकः।
अजो निरञ्जनः कामजनकः कञ्जलोचनः॥
मधुहा मधुरानाथो द्वारकानायको बली।
वृन्दावनान्तसंचारी तुलसीदामभूषणः॥
स्यमन्तकमणेर्हर्ता नरनारायणात्मकः।
कुब्जाकृष्णाम्बरधरो मायी परमपूरुषः॥
मुष्टिकासुरचाणूरमल्लयुद्धविशारदः।
संसारवैरी कंसारिर्मुरारिर्नरकान्तकः॥
अनादिब्रह्मचारी च कृष्णाव्यसनकर्षकः।
शिशुपालशिरश्छेत्ता दुर्योधनकुलान्तकः॥
विदुराक्रूरवरदो विश्वरूपप्रदर्शकः।
सत्यवाक्सत्यसंकल्पः सत्यभामारतो जयी॥
सुभद्रापूर्वजो विष्णुर्भीष्ममुक्तिप्रदायकः।
जगद्गुरुर्जगन्नाथो वेणुनादविशारदः॥
वृषभासुरविध्वंसी बाणासुरकरान्तकः।
युधिष्ठिरप्रतिष्ठाता बर्हिबर्हावतंसकः॥
पार्थसारथिरव्यक्तो गीतामृतमहोदधिः।
कालीयफणिमाणिक्यरञ्जितश्रीपदाम्बुजः॥
दामोदरो यज्ञभोक्ता दानवेन्द्रविनाशकः।
नारायणः परंब्रह्म पन्नगाशनवाहनः॥
जलक्रीडासमासक्तो गोपीवस्त्रापहारकः।
पुण्यश्लोकस्तीर्थपादो वेदवेद्यो दयानिधिः॥

सर्वतीर्थात्मकः सर्वग्रहरूपी परात्परः।
एवं श्रीकृष्णदेवस्य नाम्नामष्टोत्तरं शतम्॥
कृष्णनामामृतं नाम परमानन्दकारकम्।
अत्युपद्रवदोषघ्नं परमायुष्यवर्धनम्॥

॥ इति श्रीपद्मपुराणे उत्तरखण्डे श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥





GITA PRESS, GORAKHPUR

गीताप्रेस, गोरखपुर — २७३००५

फोन : (०५५१) २३३४७२१, फैक्स : २३३६९९७



गीताप्रेस, गोरखपुर—२७३००५

फोन : (०५५१) २३३४७२१, फैक्स : २३३६९९७

